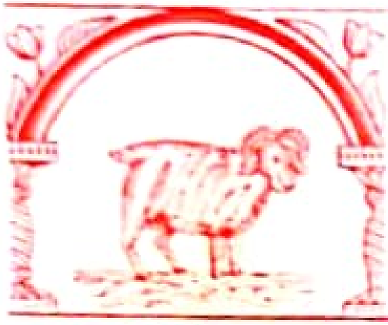
यह पञ्चाङ्ग भारत सरकार द्वारा स्वीकृत सूक्ष्म दृश्य गणित से बनाया गया है ।



श्रीसूर्याय नमः । श्रीसरस्वत्यै नमः । श्रीगणेशाय नमः । श्री विष्णवे नमः । श्रीशंकराय नमः ।



श. ष. स. ह. मेष श्वान वैर

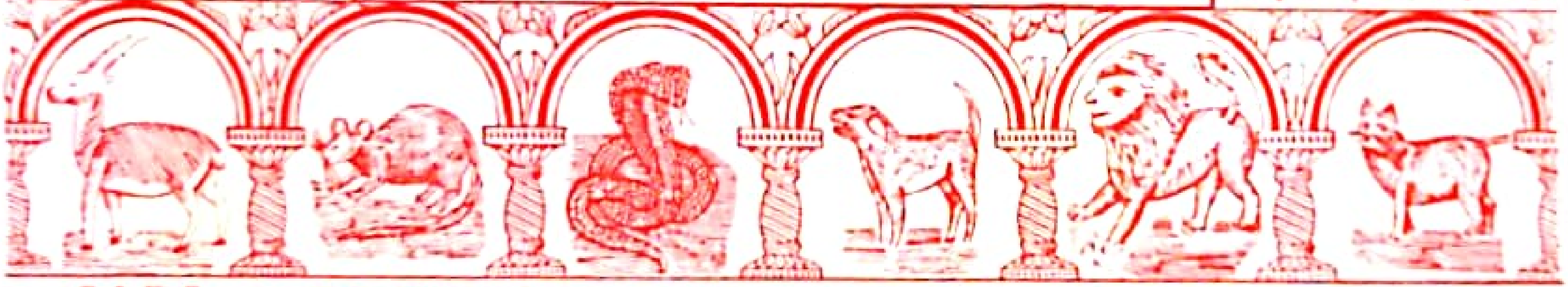
स्वस्तिश्री सवाईजयपुरराज्यांतर्वर्ती १०५ श्रीसीकरनरेशस्य रामगढनगरे श्रीमन्मुकुटमणिच्छत्रपतिराजराजेंद्र–महाराजाधिराज १०८ श्रीसवाईमाधवसिंहजी श्रीमतां विजयराज्ये ज्योतिषक: श्री... ।। संवत २०८२ शके १९४७ ईसवी सन् २०२५ हिजरी...

रुपये ११० मात्र

प्रसाद महर्षि गौतम वेद विद्यालय ... (बीकानेर) राज०



अ. इ. उ. ए. ओ. गरुड सर्प वैर



य. र. ल. व. मृग सिंह वैर

प. फ. ब. भ. म. मूषक बिलाव वैर

त. थ. द. ध. न. सर्प गरुड वैर

ट. ठ. ड. ढ. ण. श्वान मेष वैर

च. छ. ज. झ. ञ. सिंह मृग वैर

क. ख. ग. घ. ङ. बिलाव मूषक वैर

पं. श्रीवल्लभ मनीराम

राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चाङ्ग की ओर बढते कदम - काल समीकरण आदि सभी तरह की पूर्व सुविधाओं सहित ।। भारतीय (डिब्रुगढ़, कोलकाता, वाराणसी, कटक, पटना) नगरों की मुख्य लग्नान्तर सारिणी । विदेश (लंदन, न्यूयॉर्क, सिंगापुर) की त्योंहार तालिका, अनेक नगरों में श्रीमहालक्ष्मी पूजन के चौघड़िये । १४ मन्वन्तरों के सप्रमाण नाम ।

॥ भूमिका ॥ इस असार संसारमें जन्म लेकर नीति और धर्मसे विद्या द्रव्यायुपार्जन करके सर्व साधारण प्राणिमात्रका उपकार करनेमें बुद्धि देना ही उत्तम पुरुषोंका काम है; ऐसा मनमें विचार कर आज २२ वर्षमें विविध मतोंके पंचांग देखकर ग्रहलाघवीय (मानवपंचांग) मैं भी बनाता हूं आशा है कि इसको देखकर सज्जन सम्यक् प्रकारसे प्रसन्न होते होंगे, क्योंकि आजकल ग्रहलाघव ही सर्वलोकमान्य और उत्तम पंचांग निर्माण करने योग्य ग्रंथ है. यद्यपि इसके भौम और शुक्रकी वक्रावस्थामें किंचित् अंतर ग्रहलाघवकी टीकाद्वारा मुझको प्रतीत हुआ था सो अब वक्रारंभके अंशांकोंमें बीजसंस्कार देके पुनः इसका गणित ठीक कर लिया गया है. अतएव जो महाशय देखेंगे उनको स्वयं निश्चय हो जायगा और जो रामविनोदी पंचांग है सो इसी ही ग्रहलाघवकी शाखा है. कारण रामभट्टने रामदास महीपति और दिल्लीके अकबर बादशाहको प्रसन्न करनेके लिये ग्रहलाघवकी छायासे ही रामविनोद ग्रन्थ बनाया है और जोधपुरका चण्डू पंचांग है सो कर्णकुतूहल (ब्रह्मतुल्य) से बनता है परंतु इसके ग्रहोंमें विशेष अंतर देखकर किसी विद्वानने रामबीज नाम एक नवीन संस्कार देकर ठीक किया था तो भी आजकल चंद्रग्रहणके मध्यकालमें पूर्णिमासे दो घड़ीका अनुमान अन्तर रहता है जिससे प्रतिदिनकी तिथि दो दो घड़ीके अनुमान अंतर प्रतीत होती है और सूर्यग्रहणमें ग्रहोंके उदयास्तमें भी बहुत कुछ अन्तर रहता है। और जो आधुनिक नवीन युक्तिके पंचांग बनते हैं उनका गणित आर्ष ग्रन्थोंसे भिन्न है जिससे वे इन धर्मशास्त्रोंके अनुकूल मान्य नहीं हो सकते क्योंकि धर्मशास्त्र लिखता है (बाणवृद्धी रसक्षय) अर्थात् एक तिथीकी कलासे दूसरी तिथि ५ पांच कला अधिक और ६ कलासे कमती नहीं होनी चाहिये परंतु आधुनिक पंचांगोंमें १० कलाका न्यूनाधिक्य होनेका भी ठिकाना नहीं और प्राचीन ग्रंथोंसे बुध एक दिनमें ११८ कलासे अधिक नहीं चल सकता और आधुनिक गणितसे १३२ कलातक चल सकता है और सृष्टिके कोट्यवधि वर्षोंके पीछे ग्रहलाघवाचार्यने प्राचीन गणितके तुल्य ही सबको आकाशमें नलिकाद्वारा ठीक देखा था और आधुनिक पौने चारसौ वर्षोंमें ही नवीन यंत्रवेधी कहते हैं कि प्राचीन गणितसे अभी सूर्य ४ अंश पीछा हट गया और दूसरे यंत्रवेधी कहते हैं कि केवल कन्याका सूर्य आगेसे ३३ कला पीछा हटा है; कहो किसको सत्य मानें ? अब ग्रहलाघवके तृतीयाधिकारमें शुक्र और मंगलके संस्कार देना (शुक्रारयोश्चलभवो) इत्यादि विशेष लिखा है परंतु इसके टीकाकार मल्लारि गणकने और विशेष लिखा है कि (शुक्रारयोश्चलभवोऽप्यगतो यदांकेति वचनात् अनेनापि विशेषफलेन संस्कृतौ भौमशुक्रौ महान्तरितौ दृश्येते कुतः अन्त्याकस्य बाहुल्यात्। अत्र सुधीभिः एकान्त्यांकमध्ये शीघ्रतुरो वा अंकान् कृत्वा शीघ्रफलसिद्धिः कर्तव्या ॥ इत्यादि) ऐसे ग्रहलाघवके गणितमें नवीन शुद्ध संस्कार देके प्राचीन ऋषि-मुनिप्रणीत गणित ठीक मानकर ग्रहोंके उदयास्त और सूर्यचन्द्रके ग्रहणगणितको यथार्थ करके और रामविनोदी सूर्य अवधिके आदिमें और ग्रहलाघवीय सूर्य अवधिके अंतमें देके और प्रतिदिनके सौर और ब्रह्म दोनों रवि और सूर्योदयास्तके घंटा मिनट देके यह पंचांग निर्मित होता है. आशा है कि, इसमें किसी प्रकारका दृष्टिदोष हो तो सज्जन अपने सौजन्यवशसे सब सुधार लेंगे क्योंकि लिखते छापते शुद्ध करते कहीं न कहीं दृष्टिदोष तो रह ही जाता है ॥

रामगढ़निवासी पं० मनीराम शर्मा, ठि० " श्रीवेङ्कटेश्वर " स्टीम्-प्रेस, बंबई.

हमारे यहां से प्रकाशित पं. श्रीवल्लभ मनीराम पचांग तथा अन्य पुस्तकों की विस्तृत जानकारी व खरीद के लिये हमारा प्रमुख निजी सम्पर्क स्थान : **खेमराज श्रीकृष्णदास,** अध्यक्ष : श्रीवेंकटेश्वर प्रेस, ९१/१०९, खेमराज श्रीकृष्णदास मार्ग, ७ वी खेतवाडी बॅक रोड कॉर्नर, मुंबई - ४०० ००४, दुरभाष / फैक्स -०२२-२३८५७४५६. मुंबई न्यायालय कानूनी अधिकारान्तर्गत ।

श्री गणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुचरणकमलेभ्यो नमः ॥ अचिन्त्याव्यक्तरूपाय निर्गुणाय गुणात्मने ॥ समस्त जगदाधार मूर्तये ब्रह्मणे नमः ॥ पञ्चाङ्ग रत्नं प्रसरन्मयूखं श्री केतकी दृग्गणितेन युक्तम् ॥ लोकोपकाराय कृत प्रयत्न प्रचक्रतु मोह विनाशदक्षम् ॥ २ ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दा: १९५५८८५१२६, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६,०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६,४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलि: ५१२६ भोग्यकलि: ४२६८७४ अथास्मिन् - शुभ संवत्सरे श्रीमन्नृपतिविक्रमादित्यराज्यात् संवत् २०८२ शाके: १९४७ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा रवि: १, मंत्री रवि: २, सस्येशो बुध: ३, धान्येशश्चंद्र: ४, मेघेशो रवि: ५, रसेश: शुक्र: ६, नीरसेशो बुध: ७, फलेश: शनि: ८, धनेशो भौम: ९, दुर्गेश: शनि: १०, एते दशाधिकारिण । तत्र बार्हस्पत्य मानेन प्रभवादी षष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्र विंशतिकायां १२ काल नामास्य संवत्सर (लुप्त प्लवंगपक्षे सिद्धार्थ) प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्के समये गत मासादि १।१८।४०।१९ भोग्य मासादि १०।११।१९।४१ अश्विनीकुमार दैवत युग्म । वर्षनाम कार्तिक । चतुर्मेघनाम संवर्त: । रोहिणी निवास: संधौ । समय निवासो वैश्यगृहे । समय विश्वा १२ । समय वाहन अश्व । स्तंभ २ जल तृण । सौम्यवत्यमा ० । सौम्यवती पंचमी १ । अंगारकी चतुर्थी २ । भानु सप्तमी २ । बुधाष्टमी ० । रविद्वादशी १ । समय मुहूर्तानि ३६० । समय दिनानि ३५५ । तिथि क्षय: १६ । तिथि वृद्धि: ११ । अष्टोत्तरी मतेन उत्पति विश्वा ९९ । व्यपति विश्वा ९३ । विंशोत्तरी मतेन उत्पति विश्वा १२३ । व्यपति विश्वा ७१ । वर्षा विश्वा ११ । धान्यम् ११ । तृणम् ५ । शीतम् १३ । तेज: १७ । वायु: १३ । वृद्धि: १५ । क्षय: १५ । विग्रह ११ । ऐक्यम् १११ । (क्षुधा ७ । तृष्णा ११ । निद्रा ९ । आलस्य १३ । उद्यम १ । शान्ति ३ । क्रोध ९ । दम्भ १५ । मैत्री ९ । उत्साव ७ । पाप ७ । पुण्य ३ । उपद्रव १५ । रसोत्पत्ति: १७ । फलोत्पत्ति: ७ । व्याधि ७ । व्याधिनाश ५ । आचार ५ । अनाचार ११ । मृत्यु ९ । जन्म १९ । चौर ९ । उपशमन १५ । अग्निभय ५ । अग्निशमन १५ ।) सत्यम् ॥, धर्म १॥, पाप १८ । शनि दृष्टिरुत्तरे । ग्रहण २ चन्द्रमस: । उद्भिज: १३ । जरायुज: ३ । पिण्डज: ७ । स्वदेज: ११ । इस वर्ष का फल उत्तम है । आगे भी प्रजा भाग्य प्रबल है । ॥संवत् २०८२ शाके: १९४७ ॥ वर्षारम्भे चैत्रशुक्लप्रतिपदायाम् रविवासरे वारप्रवृत्ति (सूर्योदय) काले अहर्गणा: (ता. ३० मार्च २०२५), केतकी चक्र: ७, अहर्गण: ५१०७, सौरपक्ष चक्र: ४५, अहर्गण: ३७२९, ब्रह्मपक्ष अहर्गण: ३०७५६२.

(१) भाद्रपद शुक्ला १५ रविवार संवत् २०८२, ता. ७ सितंबर २०२५, खग्रास **चन्द्रग्रहणम्**, परमग्रास १.३९

		स्पर्श	सम्मी	मध्य	उन्मी	मोक्ष	पर्व
रामगढ	घ.	३९	४१	४३	४५	४७	८
स्थानिक	प.	०५	४३	२९	१५	५३	४८
रेल्वे	घं.	२१	२२	२३	२४	२५	३
टाईम	मि.	५३	५७	३९	२१	२५	३१

यह खग्रास चंद्रग्रहण भाद्रपद शुक्ला १५ रविवार, संवत् २०८२, ता. ७ सितंबर २०२५, को होगा । इस ग्रहण का सूतक स्टै. १२।५३ बजे से (ग्रहण के स्पर्श समय से ९ घंटा पहले) प्रारम्भ होगा । ग्रहण के सूतक में बाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोडकर भोजनादि निषेध है ।

(२) फाल्गुन शुक्ला १५ मंगलवार संवत् २०८२, ता. ३ मार्च २०२६, खग्रास प्रस्तोदयं **चन्द्रग्रहणम्**, परमग्रास १.१६

		स्पर्श	सम्मी	मध्य	उन्मी	मोक्ष	पर्व
रामगढ	घ.	२१	२४	२५	२६	२९	८
स्थानिक	प.	१६	२२	३७	५१	५७	४१
रेल्वे	घं.	१५	१६	१७	१७	१८	३
टाईम	मि.	२७	४२	११	४१	५६	२८

यह प्रस्तोदय खग्रास चंद्रग्रहण फाल्गुन शुक्ला १५ मंगलवार, संवत् २०८२, ता. ३ मार्च २०२६, को होगा । इस ग्रहण का सूतक स्टै. ६।२७ बजे से (ग्रहण के स्पर्श समय से ९ घंटा पहले) प्रारम्भ होगा । ग्रहण के सूतक में बाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोडकर भोजनादि निषेध है ।

संवत् २०८२ मध्ये सूर्यग्रहणाऽभाव:

॥ अथ भैरव भवानि संवाद ॥

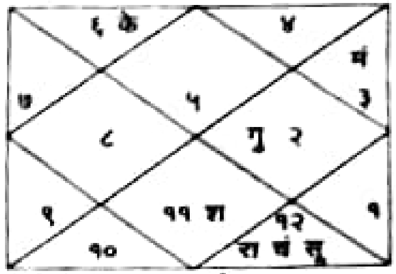


भैरव प्रश्न: जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
बियासी संवत् फल कहो श्रीमुख से सब हाल ॥
भवानी उ.: सुनले भैरव प्रेम से मैं समझायुं तोय ।
राजामंत्री देखतां मध्यम संवत होय ॥
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये चार अधिकार ।
राजा-मंत्री मेष का रवि ने लिया है भार ॥
धान्याधिप शशिराज है रसाधिप है भृगुदेव ।
मंगल धन के देव है दुर्ग फल के शनिदेव ॥
एक धन की हानि करे दुर्ग करे शनि भेद
राजा और शनि की नहीं बने दूजा करदे छेद ॥
प्रजा सुखी मंगल करे रोहिणी संधि वास ।
समयनिवासो वैश्यघर संवर्त बंधाये आस ॥
रस नीरस और सस्य की जग मे हो भरमार ।
जल तृण के २ स्तंभ है प्रजा में जै जै कार ॥
दशाधिकारी फल कहा जो मोहे था ज्ञान ।
ईश्वरदत्त से गुरु नहीं जो विद्यासागर जान ॥
गुरुचरणों का ध्यान धर प्रणाम करुँ साष्टांग ।
विद्यादीप जलता रहे श्रीमनीराम पञ्चाङ्ग ॥

लाभ खर्च कोष्ठक

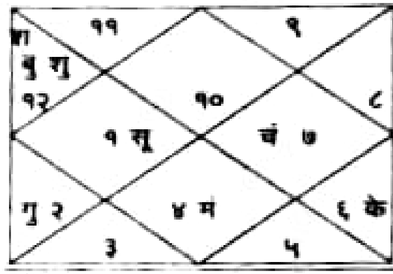
	अष्टोत्तरी मतेन		विंशोत्तरी मतेन	
राशि	लाभ	खर्च	लाभ	खर्च
मेष	२	१४	१४	११
वृष	११	५	८	५
मिथुन	१४	२	१४	२
कर्क	८	२	८	१४
सिंह	११	११	११	११
कन्या	१४	२	१४	२
तुला	११	५	८	५
वृश्चिक	२	१४	१४	११
धनु	५	५	११	२
मकर	८	१४	५	५
कुंभ	८	१४	५	५
मीन	५	५	११	२

वर्ष लग्नम् ४।१५



१२ बु शु

वर्षेश लग्नम् ९।१७



१२ रा

लाभ - खर्च देखनें की विधि और फल

जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-खर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवे यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौख्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है ।

पञ्चाङ्ग गणित कर्ता -

पं. श्री रामकुंवारात्मज ग्यारसीलाल शर्मा

मु. डूमोली कलाँ, पो. डूमोली खुर्द, वाया- सिंघाना, जि. झुन्झुनू (राज.) पिन ३३३५१६, **मो.** ८९०८५५४४०१, मुम्बई. फोन ०२२ २६१६६७८३, **मो.** ८९७६८५२९२० (समय - प्रातः ९ से १, सांय ५ से ९)

पञ्चाङ्ग व अन्य ग्रन्थ मंगवाने के लिए संपर्क करें । **टे.** 02223857456, 02512209061 **मो.** 8779705756, 9320124245

॥ **संवत् २०८२, संवत्सर नाम काल** ॥ **विशेष - पं. श्रीवल्लभ मनीराम पंचांग,** वाराणसी हिन्दू विश्वविद्यालय (B.H.U.), सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, **काशी धर्मसभा** वाराणसी और जयपुर (राज.) की दोनों वेधशालाओं में भेजा जाता है । - पं. ग्यारसीलाल शर्मा (अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चाङ्ग गणितकर्ता), विलेपार्ले, मुम्बई, ४०० ०५७

॥ अथ संवत् २०८२ वर्ष फलम् ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ अथ वर्ष फलम् ॥ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति विक्रमादित्य राज्यात संवत् २०८२ शाके १९४७ काल नामा [illegible] संवत्सरः प्रवर्तते तत्फलम् - [illegible] । सन्ध्यापिदस्यानिजपुराणितथागदा ॥ अथास्मिन् वर्षे राजादिविचारतत्फलम् - सूर्ये नृपे [illegible] पीड़ा । [illegible] ॥ [illegible] । गतोपि हि तस्करात्प्रपुरधान्यधनादि महीतले । रसवर्द्ध हि समर्घनम् तदा [illegible] हि समागत ॥ [illegible] । [illegible] सदा [illegible] सति वेदने ॥ धान्येशश्चंद्रस्तत्फलम् - [illegible] प्रजायते । [illegible] ॥ [illegible] सुखमं भुवि वर्तते ॥ रसेशः शुक्रस्तत्फलम् - [illegible] । [illegible] ॥ [illegible] । अर्घवृद्धिः प्रजादितनीरसेशोबुधोयदि ॥ फलेशः शनिस्तत्फलम् - [illegible] सदा । [illegible] ॥ [illegible] धरणीसुत शरदि [illegible] । सकलदेशगता [illegible] ॥ दुर्गेशः शनिस्तत्फलम् - [illegible] जनाः । [illegible] लभेद्भुवि कश्चन ॥ वर्षनाम कार्तिक तत्फलम् - [illegible] । [illegible] ॥ [illegible] संवर्तस्तत्फलम् - [illegible] । [illegible] ॥ [illegible] । समय निवासो वैश्यगृहे तत्फलम् - सर्वधान्य महर्घ स्याद्विणिजेभ्यानि संस्थिते ॥ अथिच - वणिग्गृहे शुभंनास्ति । एवं संक्षिप्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ॥

॥ अथ गुरुवार शनिवारात् वर्षफलविचार ॥

राजा और मंत्री और मेघेश रवि है । धान्येश चंद्र है । धनेश मंगल है । सस्येश और नीरसेश बुध है । रसेश शुक्र है । फलेश और दुर्गेश शनि है । इस ग्रहमंडल की विधानसभा में ४ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त हुए हैं और ६ स्थान उग्रग्रहों को उपलब्ध हुए हैं अतः वर्षफल मध्यमोत्तम होगा । वर्षलग्न सिंह होने से दक्षिण में दाहभय, धान्य में समर्घता और १७ मास तक महाधन की प्राप्ति हो । पश्चिम में धातु की वस्तु और फल महँगे हों, उत्तर में महावृष्टि और राजा प्रजा में सुख हो । पूर्व में आधी उपज हो, आगे पाँच मास में कल्याण हो, मध्य देश में ५ मास राजयुद्ध रहे । **चैत्र** - पुष्य पर मंगल होने से चौर भय हो, आपकी विशेष से हानि हो, और राजा कमजोर हो । उत्तरा भाद्रपद में बुध होने से राजनीति में कुशल तथा पक्षियों में आरोग्यता हो । उत्तराभाद्रपद नक्षत्र को बुध के भेदने से प्राणियों के धातुओं (रस, रक्त, मांस, मेदा, अस्थि, मज्जा और शुक्र) की हानि हो । सुभिक्ष हो और उत्तम वर्षा हो । **वैशाख** - प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो । उत्तरभाद्रपद में स्थित शुक्र फल-मूलों को पीड़ित करता है । श्रृंगार की वस्तुएं महँगी हों । जो व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीड़ित हों । उत्तराभाद्रपद में स्थित शनैश्चर नदी के किनारे निवास करने वाले, रथाधिकारी (यात्री), शिल्पी, स्त्री और सुवर्ण इन सबकी हानि करता है । जौ गेहूँ में रोग हो । ईख, दूध, रस और घी आदि सस्ते हों । व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीड़ित हों । चोरों का भय अधिक हो । **ज्येष्ठ**- भरणी पर बुध होने से हाथियों को पीड़ा हो, तीव्र रोग हो, धान्य महँगे हों और परस्पर वैर बढ़े । रेवती में स्थित शुक्र पथिकों (यात्रियों) को पीड़ित करता है । सब सूत्र का भाव मंदा हो । सब प्रकार के बर्तन विशेष कर काँसी पीतल के बर्तनों का भाव मंदा हो । मनुष्यों में ज्वर पीड़ा हो और कहीं कुछ उपद्रव हो । कपास, तिल, सूत महँगे हों । वर्षा का अभाव और रोगाग्नि हो । ब्राह्मण जाति में विरोध हो । जौ, तिल, उड़द कम हों । अश्विनी में स्थित शुक्र अश्वपालकों को पीड़ित करता है । सुभिक्ष हो, वायु से वर्षा हो । गेहूँ तिल उड़द सस्ते हों, पशुधान तथा पवन का प्रसार हो । **आषाढ़** - आषाढ़ी पूर्णिमा तीस घटी से अधिक है अतः समर्घता और पीछे महर्घता हो । तृण धान्य महँगे हों और तिलों का अभाव हो । भरणी में स्थित शुक्र किरात तथा यवनों को पीड़ित करता है । आर्द्रा पर बृहस्पति होने से सुभिक्ष हो और उत्तम वर्षा हो । बालकों को पीड़ा हो, कपास सूत मंदा हो । सब लोगों में मांगलिक उत्सव हों । पुष्य नक्षत्र में बुध का संचार होने से शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग, अनावृष्टि और अनेक प्रकार के दुःखों से प्रजा पीड़ित हो । सरसों उड़द कम हो और सब धान्य उत्पन्न हो । अतिवृष्टि हो, नदियों में बहुत बाढ़ आवे । तेल का मूल्य बढ़ जाय । आरोग्यता हो । **श्रावण** - कर्क राशि में बुध का अस्त होने से अनावृष्टि और चौर भय हो । श्रावण में बुध का अस्त होने से सुभिक्ष हो । रस (मधुर आदि) और धान्यों का नाश हो । उत्तरा फाल्गुनी पर मंगल होने से वर्षा के अवरोध से धीवरों में पीड़ा हो, चाँदी का मूल्य बढ़े । शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग, अनावृष्टि और अनेक प्रकार के दुःखों से प्रजा पीड़ित हो । शुक्र आर्द्रा नक्षत्र में होने से कोसल तथा कलिंग देश का नाश और अतिवृष्टि हो । प्रजा में सुख हो । श्रावण में बुध का उदय होने से कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो । **भाद्रपद** - पुनर्वसु में शुक्र होने से अन्न का अभाव हो । अश्मक और विदर्भ देश में अनय (उपद्रव) हो । हस्त पर मंगल होने से अल्पवृष्टि हो, तृण धान्य उत्तम हो, घृत गुड़ और नमक महँगे हों । पुनर्वसु पर गुरु होने से अनावृष्टि से सर्वत्र दुर्भिक्ष हो । आश्लेषा नक्षत्र में बुध का संचार होने से शस्त्रनिपात (युद्ध) हो । शुक्र पुष्य नक्षत्र में होने से अधिक वृष्टि तथा विद्याधरों के युद्ध में विमर्द हो । शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग, अनावृष्टि और अनेक प्रकार के दुःखों से प्रजा पीड़ित हो । चावल तथा गेहूँ महँगे हों । सर्पों से अत्यन्त पीड़ा हो । पूर्वाफाल्गुनी में बुध होने से राज्य के बंटवारे को लेकर पड़ोसी देश से मनमुटाव हो, अन्न मंदा हो । **आश्विन** - उत्तराफाल्गुनी में बुध होने से उड़द मूंग कम उत्पन्न हो । मघा नक्षत्र को शुक्र के भेदन करने से हस्तिपति पीड़ित हों और अतिवृष्टि हो । स्नेह (तैल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मूल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो । स्वाती पर मंगल होने से अनावृष्टि हो । शबर-पुलिन्द जन पीड़ित हों । गणिका, शिल्पी, और विप्र वर्ग पीड़ित हों । पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में शनैश्चर होने से वैद्य, कवि, शौण्डिक (मद्य बेचनेवाले), खरीद-बिक्री करने वाले और नीतिशास्त्र जानने वाले पीड़ित हों । कुरु देश में निवास करने वाले, जाङ्गल (स्वल्पोदक स्थान) में निवास करने वाले और पञ्जाबस्थ जन पीड़ित हों तथा वृष्टि हो । **कार्तिक** - तुला राशि में बुध का उदय होने से भूकंप तथा युद्धादि हो । कार्तिक मास में बुध का उदय होने से शस्त्र, चोर, अग्नि, रोग, जल और दुर्भिक्ष का भय हो । कपास और गेहूँ का भाव महँगा हो । स्नेह (तैल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मूल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो । तुला राशि में मंगल का अस्त होने से गेहूँ और चने महँगे हों । हस्त में शुक्र होने से मेघों की गर्जना के साथ वर्षा हो । कौरव और चित्रकार पीड़ित हों । कुओं बनाने वालों और पक्षियों को पीड़ा हो तथा सुन्दर वृष्टि हो । **मार्गशीर्ष** - वृश्चिक राशि में बुध का अस्त होने से धातुओं के भाव तेज हों । कर्क का बृहस्पति वक्री होने से घोर दुर्भिक्ष हो तथा राजाओं में युद्ध हो । रसादि सब वस्तु घी तेल स्वाद और कपास आदि में महर्घता हो । तृण धान्य की महँगाई हो । वाणिज्य कर्म करने वाले प्रभावित हों । ज्येष्ठा पर मंगल होने से अल्पवृष्टि हो, रोगों की प्रबलता हो । स्नेह (तैल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मूल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो । क्षत्रियों में परस्पर विरोध हो । **पौष** - पौष की पूर्णिमा को पुष्य का अभाव होने से महर्घता हो । मूल पर मंगल होने से क्षत्रियों में पीड़ा हो, तृण धान्य महँगा हो । लोकभय और राजपति का क्षय हो । ज्येष्ठा नक्षत्र में शुक्र होने से क्षत्रियों में प्रधान का अभाव हो अनावृष्टि हो । ज्येष्ठा में बुध होने से ईख, शाली और घी महँगे हों तथा घोड़ों में रोग हो । जल बहुत हो, गायें दूध कम दें, पृथ्वी अन्न से पूरित हो । शालि, तिल, घी और उड़द महँगे हों । व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीड़ित हों । जल में उत्पन्न जीव पीड़ित हों । **माघ**- पूर्वाषाढ़ा में बुध होने से धान्य मन्दा हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो । उत्तराषाढ़ पर मंगल होने से जल बहुत हो, गायें दूध कम दें, पृथ्वी अन्न से पूरित हो । शालि, तिल, घी और उड़द महँगे हों । कर्णपीड़ा हो । उत्तराभाद्रपद में स्थित शनैश्चर नदी के किनारे निवास करने वाले, रथाधिकारी (यात्री), शिल्पी, स्त्री और सुवर्ण इन सबकी हानि करता है । श्रवण में बुध होने से गुड़ अलसी और चने आदि धान्य में बर्फ (ओले) गिरने का भय हो । श्रवण पर मंगल होने से रोग हो, धान्योत्पत्ति कम हो, पीछे वर्षा हो । प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो । धनिष्ठा नक्षत्र में शुक्र होने से धनाढ्यों में भय उत्पन्न हो । **फाल्गुन** - बुध शतभिषा को भेदने से व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीड़ित हों । शतभिषा नक्षत्र में स्थित शुक्र शौण्डिकों (मद्यविक्रेता - कलवारों) को पीड़ित करता है । धनिष्ठा पर मंगल होने से इन्द्र की भांति समृद्धि हो, धान्य सस्ता हो और गुड़ शक्कर भी सस्ते हों । प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो । पूर्वभाद्रपदा में स्थित शुक्र जुआरी लोग, कुरु तथा पञ्जाब देश में स्थित जनों को पीड़ित और वृष्टि करता है । कुम्भ राशि में बुध का अस्त होने से हवा बहुत चले और हिम (ठंड) से वृक्ष जल जायँ । **चैत्र** - बुध शतभिषा को भेदने से व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीड़ित हों । कहीं कहीं अल्पवृष्टि हो । कुम्भ राशि में बुध का उदय होने से मार्ग में हवा बहुत चले । रेवती में स्थित शुक्र पथिकों को पीड़ित करता है । आगे तो प्रजा भाग्य प्रबल है ।

॥ पञ्चाङ्ग विषयानुक्रमणिका ॥ (अतिरिक्त सुविधा सहित)

क्रमांक		पृष्ठांका:
ॐ	अथ भैरव भवानि संवाद, सर्वकाल, विषयानुक्रमणिका	३-५
१	पञ्चाङ्ग देखने की विधि	६
२	मुख्य व्रतोत्सव तालिका, मकर संक्रांति और पुण्यकाल गुरु-शुक्र के अस्त उदय का उल्लेख	७
३	अयन ज्ञानाय २७ नक्षत्रों के नाम, २७ योगों के नाम, ११ करणों के नाम, राजा आदि दशाधिकारियों का निर्धारण- अनुष्ठानारम्भ मुहूर्तम, पापग्रहा (उग्र/क्रूरा: वा), ६० सम्वत्सरों के नाम प्रमाण सहित, अष्टादश(१८) पुराणों के नाम, मंगल दोष अपवाद और अग्निवास देखने की विधि	८-९
४	भद्रा मुख और पुच्छ विभाग (होलिका दहन निर्णय)	
५	अधिकमास ३०० वर्ष, क्षयमास ६२० वर्ष सारणी	१०-११
६	संवत्सरज्ञान तालिका (१११ वर्ष की) और स्पष्टीकरण	१२-१३
	चैत्रादि चान्द्रमासों के वैदिक नाम	१४
७	विदेश की प्रमुख त्योहार तालिका (लंदन, न्यूयोर्क)	१५-१६
८	प्रमुख पांच व्रतोत्सवों (त्योहारों) की राष्ट्रीय - एकता के सूत्र में पिरोने का प्रयास -	१७-१९
९	सृष्टि के आरम्भ से गत वर्ष (कल्पादित गताब्दा: कल्पयोग्याब्दाश्च)	२०
१०	विवाहमुहूर्तानि रेखा सहितानि, कन्या विवाहमुहूर्तानि देखने की विधि सहित विशेष विवरण से अलंकृत, वर-कन्या की राशि और लग्न का स्टै. समय, गोधूलि सहित	२१-२३
११	उपनयन मुहूर्ता:, गेहारंभ (भूमिपूजन) मुहूर्ता:	२४-२७
१२	नूतन व जीर्ण गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्ता:	२४-२७
१३	कुंभ चक्र रहिता गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्ता:	२४-२७
१४	देव प्रतिष्ठा मुहूर्ता:, दक्षिणायने उत्तरदेवानां प्रतिष्ठा	२४-२७
१५	द्विरागमन मुहूर्ता:, चौल (मुण्डन) मुहूर्ता: (उपर के सभी- मुहूर्तों में यजमान की राशि और लग्न का स्टै. समय)	२४-२७
१६	ग्रहणादिना भूमि पूजन, गृहप्रवेश मुहूर्ता:	२८-२९
१७	सूर्य-चंद्र ग्रहण विवरण	३०-३१
१८	तिथि समाप्ति और करण आनयन विधि और सूत्र	३२-३३
	कन्या विवाह में गुरुबल और महत्वपूर्ण जानकारी	३४
१९	श्रीमहालक्ष्मी पूजन (दीपावली) के लिए विभिन्न नगरों में दिन के चौघड़ियों का समाप्ति काल	३५
२०	श्रीमहालक्ष्मी पूजन, लग्न प्रवेश स्टै. समय में	३५
२१	अमृतसिद्धि, सर्वार्थसिद्धि, सिद्धि, द्विपुष्कर, त्रिपुष्कर, रवि योग (स्टै. घण्टा मिनिट में)	३६-३७
२२	काल समीकरण (गणित के वो सभी सूत्र दिये है - जिनकी गणित के लिए आवश्यकता है)	३८
२३	चंद्रोदय/चंद्रास्त भारत के किसी भी स्थल का ज्ञात करने की बहुत ही सरल विधि, सूत्र और उदाहरण सहित है	३९
२४	इष्टकालीन और अभीष्टकालीन समय स्पष्ट करने का गणित	४०
२५	ग्रहस्पष्ट साधन- (सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, राहु, केतु) भारत के किसी भी स्थल के ज्ञात करने की बहुत ही सरल विधि और उक्त सभी ग्रहों के सुगम रीति से पृथक् पृथक् १ उदाहरण है।	४१
२६	स्टैण्डर्ड जन्म समय से इष्टकालसाधन विधि उदा. सहित	४२
२७	पञ्चाङ्गस्थ स्टैंडर्ड समय से किसी भी नगर के स्थानिक घटीपल बनाने की विधि	४२
२८	भयात भभोग साधन विधि घण्टामिनट और घटीपल द्वारा चार उदाहरणों के साथ	४३
२९	जन्मपत्रिका के लिए लग्न स्पष्ट उदाहरण	४४
३०	अनुपात ज्ञात करने की विधि -	४४

क्रमांक		पृष्ठांका:
३१	चरपल सारिणी से सूक्ष्मचरपल आनयन विधि	४४
३२	प्रसंगात् दिनमान व स्टै. सूर्योदयास्त उदाहरण	४५
३३	लग्न स्पष्ट के दो उदाहरण	४५
३४	रेखाष्टक का कुण्डलीसहित सरल उदाहरण	४६-४७
३५	विंशोत्तरी भुक्त भोग्य दशा-अन्तर्दशा आनयन विधि और देवभाषा (संस्कृत) में उदाहरण	४६-४७
३६	विभिन्न नगरों के गुरु शुक्रोदयास्त और कृष्ण चतुर्थी का चंद्रोदय तारीख समय सहित	४८
३७	अथ अवकहडा चक्रम्, जन्म कुंडली के- लिए महत्वपूर्ण लिए	४९
३८	रामगढ़ (सीकर) की दैनिक लग्न प्रवेश सारणी से लग्न प्रवेश संस्कार कोष्टक (उदाहरण सहित)	५०-५१
३९	विंशोत्तरी क्रमेण महादशा-अन्तर्दशा चक्राणि	५१
४०	अष्टोत्तरी व योगिनी दशा-अन्तर्दशा चक्राणि	५२
४१	अष्टोत्तरी दशाधीश और भुक्त-भोग्य दशा- आनयन विधि और सूत्र रचना	५३
४२	योगिनी भुक्त-भोग्यदशा आनयन विधि, सूत्र	५३
४३	नवग्रहों के चित्र, जपसंख्या दान सहित	५४
४४	आवश्यक मुहूर्ता: (मुहूर्त देखने की विधि)	५५
४५	गेहारम्भे वृषवास्तुचक्रं शालिनीच्छायामाह-	५५
४६	गृहप्रवेशमुहूर्तम् (मुहूर्त देखने के लिए) गृहप्रवेशे कालशुद्धि:, जीर्णगृहे कालशुद्धि: (पीयूषधारा)	५५
४७	होलिका विषये स्पष्टीकरण, ग्रह मुखेषु आहुति ज्ञानं	५५
४८	नवमांशादि सारिणी	५६
४९	भद्रा-मुख-पुच्छ-घटी-ज्ञान	५६
५०	विवाहे पंचशलाका, सर्वकार्येषु सप्तशलाका सारिणी	५६
५१	ग्रहों के मित्र सम शत्रु आदि चक्र	५७
५२	वर कन्या के गुण देखने के लिए पृथक पृथक-	
५३	योनि गुण चक्रादि, घात कोष्टकम्, घात चन्द्र विशेष:	५७
५४	[illegible], अनेक तरह के	५८
५५	मुहूर्त देखने की विधि, सूर्य-चन्द्र ग्रहणे चूडामणि योग:, क्षीणा-	५८
५६	चन्द्रबल, कूपचक्र-सूर्यसंक्रान्ति और सूर्यनक्षत्र से	५८
५७	वर्ष प्रवेश सारिणी, होलाष्टक का त्याग	५९
५८	राशि चक्रम्, विवाह में विहित मास	५९
५९	देव-प्रतिष्ठा मुहूर्त, पापग्रहा: (उग्र/क्रूरा: वा)	५९
६०	दशमसारिणी सुगमा	६०
६१	मुम्बई लग्नसारिणी	६०
६२	रामगढ़ लग्नसारिणी, ध्रुव संज्ञकादि नक्षत्र तत्कृत्यं च	६१
६३	[illegible] ग्रहचार, ग्रहों के राशि, नक्षत्र, (गुरु, शनि, राहु, केतु के चरण) वक्री, मार्गी, उदय और अस्त के परिवर्तन समय, एक ही पृष्ठ में	६२
६४	दिवा लग्नमानि, रात्रौ लग्नमानि, गोरख पतको	६३
६५	मास दशा देखने की सारिणी	६४
६६	आश्विन कृष्णपक्ष में श्राद्धतिथि निर्णय	६४
६७	पञ्चाङ्ग (दैनिक लग्न सारणी सहित) [illegible] ...... &	६५-८८
६८	शुभ मुहूर्तादि, कूपचक्र (सूर्य संक्रान्ति से)	८९
६९	विवाह आदि में सूर्य-गुरु-चंद्र की शुद्धि	८९
७०	सम्मुखचंद्र, योगिनी, कालराहु, दिशाशूल चक्रम् अन्य कतिपय मुहूर्त	९०

क्रमांक		पृष्ठांका:
७१	विवाह दिन के लता, पात, युति आदि दश दोष देखने की विधि	९१
७२	सीमान्तबले विशेष, विवाहे नक्षत्र-निर्णय कात्यायनोक्त विषये विवाहे नक्षत्राणि	९१
७३	प्रकाशक संस्थान के फोन नं. व आवश्यक जानकारी	९१
७४	देशान्तर सारिणी अश्विन्यादि नक्षत्राणां चरणगताक्षरार्थ	९२-९३
७५	दानम्, परे लग्नशुद्धया कुयोगादिनाशनम्	९३
७६	दिनमान एवं स्टैण्डर्ड सूर्योदयास्त जानने की सुगमविधि उदाहरण सहित, अभिजित् उदाहरण	९४
७७	घटीपल विपल से घण्टा मिनट सेकण्ड परिणत क्रिया	९४
७८	चरपल संस्कार सारिणी (अक्षांश ६ से ३८)	९५
७९	अनेक नगरों का दिनमान एवं स्टैंडर्ड सूर्योदय ..	९६-९९
८०	रविक्रांति सारिणी, महापात का स्पर्श मोक्ष	१००
८१	मास तारीख का वेलान्तर मिनट सेकण्ड	१०१
८२	राशिका उपरथकी शुभाशुभ ग्रह देखणा	१०१
८३	वर - कन्या के गुणमेलापक सारिणी	१०२-१०३
८४	ग्रहों की रेखा	१०४
८५	शनि की साढे सातीविचार व नक्षत्रवशात्फल	१०४
८६	सूर्योदय कालीन दैनिक ग्रहस्पष्टा: सगतिका:	१०५-१२८
८७	दैनिक चंद्र नक्षत्रचरण समाप्तिकाल (स्टै. घण्टा मिनि.)	१०५-१२८
८८	दैनिक चंद्रोदय (स्टै. घण्टा मिनिट)	१०५-१२८
८९	दैनिक चंद्रोदयकालीन चंद्रक्रांति (अंश कला)	१०५-१२८
९०	दैनिक मध्यमचंद्रोदय (स्टै. घण्टा मिनिट सेकण्ड)	१०५-१२८
९१	दैनिक चंद्रोदयकालीन चंद्रशर (अंश कला)	१०५-१२८
९२	दैनिक चंद्रास्त (स्टै. घण्टा मिनिट)	१०५-१२८
९३	दैनिक चंद्रास्तकालीन चंद्रक्रांति (अंश कला)	१०५-१२८
९४	दैनिक मध्यमचंद्रास्त (स्टै. घण्टा मिनिट सेकण्ड)	१०५-१२८
९५	दैनिक चंद्रास्तकालीन चंद्रशर (अंश कला)	१०५-१२८
९६	सूर्योदय कालीन वेलान्तर (स्टै. मिनिट सेकण्ड)	१०५-१२८
९७	सूर्योदय कालीन साम्पातिक काल (स्टै. घण्टा मिनि.)	१०५-१२८
९८	सूर्यादि ग्रहों की राशिपरिवर्तन कुण्डलियाँ	
९९	गोधूलिकाले विशेष:	१२९-१३९
१००	विवादास्पद विवाह, गेहारंभ, गृहप्रवेश-दिवसादि विषये शास्त्रीय-स्पष्टता, दोष के स्पष्टीकरण	१४०-१४४
१०१	पलभा सारणी (अक्षांश ०।६-७०।०)	१४५
१०२	विवाहभेदा:, अथ विवाहप्रकरणं व्याख्यायते	१४६
	अतिरिक्त सुविधा- संवत् २०८३ मध्ये -	
१०३	पर्वो (चैत्र शुक्ल से आषाढ़ शुक्ल) उल्लेख	१४७-१५३
१०४	सूर्य चन्द्र ग्रहण जानकारी	१५४
१०५	विवाहमुहूर्तानि रेखासहितानि	१५५-१५६
१०६	गेहारंभ (भूमिपूजन) मुहूर्ता:	१५७-१५७
१०७	नूतन व जीर्ण गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्ता:	१५७-१५७
१०८	बृहद्-देशान्तर सारणी (देश, विदेश सहित)	१५८-१६४
१०९	मुख्य व्रतोत्सव तालिका पांच नगरों की - ([illegible], कोलकाता, वाराणसी, कटक, पटना)	१६५-१७९
११०	धनतेरस, श्रीमहालक्ष्मी पूजन के चोघड़ियों का समाप्ति- काल और लग्न के प्रवेशकाल अनेक शहरों के	१८०-१८१
१११	विदेश की प्रमुख त्योहार तालिका (सिंगापुर)	१८२
११२	लग्न सारणी (अक्षांश: १२।३० से ३५।३०)	१८३-१९४
११३	बढ़ते कदम	

& क्रमांक ६७, पृष्ठांका: ६५-८८, विद्वानों की सुगमता के लिए दैनिक चन्द्र नक्षत्र से सूर्यादि ग्रहों की युति, पंच शलाका वेध और सप्त शलाका वेध का पंचांग में समावेश कर दिया है। ज्योतिषां सुगमाय समावेशं चन्द्रनक्षत्रैर्वेधं युति: कथ्यतेऽत्र पत्रः ॥ जन साधारण की सरलता के लिए- चैत्रादि मास के पृष्ठों में संवत् और शाका: के अंको को संस्कृत में उल्लेख किया है। बढ़ते कदम ....

श्री गुरुचरणकमलेभ्यो नमः

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः ।
गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः ॥

इस पंचांग के अंतर्गत गणित फलित या मुहूर्तादि जो भी मेरे द्वारा किया गया है इनमे मेरा अपना कुछ भी नही है । जो भी है उन महापुरुष प्रातः स्मरणीय, सर्वदा वंदनीय, विद्या वारिधि सुविज्ञ निधि श्री गुरु चरणो की महानता है जिन्होने अनुग्रह करके मुझ जैसे मंदबुद्धि एवं अपरिचित को भी अपना अमूल्य समय देकर अमृतरूपी विद्या का पान करवाया लेकिन मुझ भाग्यहीन व्यक्ति का पात्र वैसा ही रहा जैसे समुद्र मे से एक गिलास पानी । प्रथम श्री गुरु चरणो के दर्शन से ऐसा लगा कि न जाने विद्या-दान देंगे या नही । लेकिन चरणस्पर्श के बाद प्रार्थना करने पर मुझे जो प्रत्युत्तर मिला उससे मुझे बहुत आश्चर्य हुआ कि उतने महान् विद्वान होते हुए भी इतना कोमल स्वभाव मृदुभाषी अध्यापन मे इतने सुविज्ञ कि मंदबुद्धिवाला भी सुगमतापूर्वक अध्ययन कर सकता है । अंहकार का तो स्पर्श मात्र भी नहीं है । पंचांग गणित की जिज्ञासा को लेकर मैने कई विद्वानो से आग्रहपूर्वक संपर्क किया लेकिन वाञ्छितअभिलाषा से वञ्चित ही रहा और संयोग से जब आपकी चरण रज का दर्शन हुआ तब से तो मेरी वही गति हो रही थी जैसे किसी धनार्थी को स्वयं कुबेरजी यह कहे कि इस खजाने से ले सके उतना धन ले ले । आपकी विद्वत्ता तो पूरा विश्व जानता है कि आपने लोगो के कल्याणार्थ "श्री वेंकटेश्वर शताब्दि पंचांग" का पूर्व काल में ही निर्माण कर दिया था जो कि पूरे एक सौ वर्ष (संवत् २००१ से २१०० तक) का मात्र यही एक पञ्चाङ्ग था । इस पंचांग के निर्माण कार्य से विद्या का अनुमान लगाना वैसे ही कठिन है जैसे महासागर की गहराई का । अस्तु, उन श्री गुरु चरणों को मैं पुनः पुनः प्रणाम करता हूँ ।

श्री.श्री. १०८ स्व. पं. ईश्वरदत्त शर्मणोऽनुग्रहीत शिष्यः
पं. ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री)

मुम्बई पता - १
५८, रामकुटीर, ३ रा माला, हनुमान रोड,
विलेपार्ले (पूर्व), मुम्बई - ४०० ०५७.

मुम्बई पता - २
फ्लैट न. ६०४, अंधेरी न्यू कपासवाडी, जुहू एकता - कोपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, न्यू वर्सोवा लिंक रोड, अंधेरी (पश्चिम), मुम्बई- ४०० ०५३,झांसी सिटिजन सोसायटी के बाद फोन ०२२ २६३६६८८३, मोबा. ९८०८५५४४०१, ९८७६८५२९२०

अथ पञ्चाङ्ग देखने की विधि

यह पञ्चाङ्ग सूक्ष्म गणित से बनाया गया है साथ ही सौर पक्षीय एवं ब्रह्म पक्षीय सूर्योदय कालीन दैनिक सूर्य स्पष्ट भी है ।

यस्मिन् पक्षे यत्र काले येन दृग्गणितैक्यकम् ।
दृश्यते तेन पक्षेण कुर्यात्तिथ्यादि निर्णयम् ॥
(इति वशिष्ठ वचनात्)

पं. श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्ग का सभी गणित व्यंकटेश बापू केतकर पद्धति (केतकी, ज्योतिर्गणित, ग्र. ग्रहगणित मालिका आदि .. ग्रंथो) से रामगढ (शेखावाटी) अक्षांशः २८/०० उ., रेखांशः ७४/५९ पूर्व, अं.व्यं. पलभाः ६/२३ के आधार पर किया गया है । तिथि नक्षत्र योग करण इनके घटिपल रामगढ (शेखावाटी) **स्पष्टार्कोदय** के लिखे गये हैं जब कि इससे पूर्व संवत् २०१० तक मध्यमार्कोदय के लिखे जाते थे लेकिन आपके सुझाव को ध्यान में रखकर **स्पष्टार्कोदय के घटीपल लिखे है** । घटि-पलों में २॥ का भाग देकर भागफल में **रामगढ (शेखावाटी) के स्टैं. सूर्योदय का घंटा मिनट जोड़कर** साधारण जनहितार्थ रेल्वे (स्टैण्डर्ड समय के घण्टा मिनट लिखे गये हैं, ये तिथ्यादि के घंटा मिनट भारतीय रेल्वे (स्टैण्डर्ड) समय से समाप्ति काल के हैं । ये स्टैं. समय के घंटा मिनट संपूर्ण भारत में समान रुप से उपयोगी होंगे । उदाहरण के लिए किसी तिथि नक्षत्र योग का स्टैण्डर्ड घं. मि. १५ बजे लिखा है तो संपूर्ण भारत (पंजाब आसाम मद्रास केरल उ.प्र. राजस्थान) में दोपहर तीन बजे ही समाप्ति होगी । इस पंचांग से भारत के किसी भी गांव या शहर के स्थानिक घटी पल बनाने हो तो अभीष्ट शहर या गांव का स्टैण्डर्ड सूर्योदय इस पंचांग के तिथ्यादि के स्टैं. समय में घटाकर (ऋण) शेष को २॥ से गुणा करने पर अभीष्ट गांव या शहर के स्थानिक घटी पल बन जायेंगे । किसी भी गांव या शहर के दिनमान एवं स्टैण्डर्ड सूर्योदयास्त की विधि भी इसी पंचांग में अन्यत्र लिखी हुई है ।

विद्वानों की आवश्यकता को देखते हुए दैनिक रविक्रांति और पूरे भारत वर्ष (अक्षांशः ८/०० उ. से ३६/०० उ. तक) की चरपल संस्कार सारणी भी पंचांग में दे दी गई है जिससे भारतवर्ष के किसी भी गांव या शहर का सुगमता पूर्वक दिनमान बना सकते हैं । दैनिक लग्नसारणी और चंद्रचार (चंद्रराशि प्रवेश) का स्टैं. समय प्रवेशकाल दिया गया है ।

सूर्योदयास्त किरण वक्री भवन संस्कार रहित भारतीय रेल्वे (स्टैण्डर्ड) टाईम रामगढ (शेखा.) के हैं । किरण वक्री भवन संस्कार करने से वास्तविक क्षितिज वृत्त के उदयास्त में अंतर आ जाता है जिससे इष्ट बनाने तथा धार्मिक निर्णयों में त्रुटि होना संभव है परंतु स्टैं. सूर्योदयास्त समय से यदि घड़ी का मिलान करना हो तो पंचांग में लिखित सूर्योदय में दो मिनट किरण वक्री भवन संस्कार घटाकर तथा सूर्यास्त में दो मिनट जोडकर घटिका यंत्र (घड़ी) से मिलान करना चाहिए क्योंकि गणितागत सूर्य क्षितिजवृत्त के उदय से दो मिनट पहले दिखाई देता है और गणितागत सूर्यास्त के दो मिनट बाद तक दृष्टिगोचर होता है परिणामस्वरूप दश पल (चार मिनट) दिनमान भी बढ जाता है ।

ग्रहचार भद्रा आदि भी स्टैण्डर्ड (रेल्वे) समय में ही लिखे गये हैं । पंक्तिस्थ ग्रहस्पष्ट रामगढ (शेखावाटी) के प्रातः सूर्योदय कालीन (इष्ट ००।००) के लिखे गये हैं साथ ही सर्वत्र उपयोगिता के लिए अयनांशाः (न्यूटेशन संस्कार युक्त) और सूर्यादि ग्रहों के नक्षत्र चरण भी दिये हैं ।

तिथ्यादि ग्रहचार चंद्रचार भद्रादि का स्टैं समय जहाँ १३-१४-१५ आदि अंक हो वहाँ दिन के १२ बजे के बाद १-२-३ बजे समझें और जहाँ २५-२६-२७ आदि अंक लिखे हों वहाँ रात्रि के १२ बजे के बाद क्रमशः रात्रि के १-२-३ बजे समझें (१३ से २४ तक के दिन के १ बजे से रात्रि १२ बजे तक और २४ से ३० तक रात्रि के १२ बजे से दूसरे दिन प्रातः ६ बजे तक के लिखे हैं) । व्रतोत्सव-ग्रहचार में A B C D आदि चिन्ह दिये गये है इनका मतलब यह है कि उस तिथि या तारीख का मैटर उस पंक्ति (लाईन) मे नहीं आ सका इसलिए वहाँ चिन्ह लगाकर शेष मैटर वैसा ही चिन्ह |A |B लगाकर पूरा किया गया है ।

विवाह मुहूर्तो में दिन के विवाह लग्न तो लिखते ही थे अब महर्षि कात्यायनोक्त नक्षत्र चतुष्टयी के विवाह मुहूर्तो का समावेश भी कर दिया है इन पर विद्वद्गण आवश्यकतानुसार निर्णय कर ले । पचांग को अधिकाधिक उपयोगी बनाने के लिए उपनयन मुहूर्त, देवप्रतिष्ठा (उत्तरायण दक्षिणायण) मुहूर्त, गेहारंभ मुहूर्त, नूतन और जीर्ण गृहप्रवेश मुहूर्त भी दे दिये है अतः विद्वद्गण आवश्यकतानुसार निर्णय लेकर मुहूर्तो का उपयोग करे । इनका अत्यधिक लाभ लेकर श्री वल्लभ मनीराम पंचांग एवं प्रकाशन संस्थान **खेमराज श्रीकृष्णदास** के इस परिश्रम को सफल बनाकर कृतकृत्य करें ।

जिनके लिए आप बहुत दिनों से सुझाव देते रहे थे, वार्षिक पञ्चाङ्ग में उन उत्कृष्ट, अलभ्य, अद्भुत, अलौकिक, अज्ञात विषयों का समावेश कर दिया है । यह कोई अतिशयोक्ति या मिथ्या प्रलाप नहीं है मेरा लक्ष्य आप तक विद्या पहुँचाना था परिणाम स्वरूप अहर्निश कार्यरत रहने से मेरा स्वास्थ्य खराब हो जाता है, जो यहाँ व वहाँ मेरी विद्या लाखों करोड़ों विद्वानों के पास रहेगी जो मैंने श्रीगुरुचरणों से प्राप्त की थी । इससे मुझे आत्मशान्ति तो प्राप्त हुई ही है तथापि गुरुऋण और पितृऋण से भी मुक्त हो गया । मेरी न्यूनताओं की जानकारी और विद्वानों के उत्तम सुझाव प्राप्त होने तो उन्हें शिरोधार्य कर मैं आभारी रहूँगा ।

खेमराज श्रीकृष्णदास "श्रीवेङ्कटेश्वर प्रेस" के मालिक संजयकुमार बजाज का मैं हृदय से साधुवाद करता हूँ, जिनके उदार विचारों से यह महत्त्वपूर्ण विद्या आप सभी तक पहुँचा रहा हूँ, उदात्तवादी विचारों के लिए ईश्वर आपको खुश रखें ।

अवसान में करबद्ध प्रार्थना यही है कि इस पंचांग के निर्माण में हर तरह की सूक्ष्मता एवं सावधानी रखी गई है फिर भी अनवधान वश अथवा मुद्रणदोष से कहीं त्रुटि रह गई हो तो पक्षपात रहित बुद्धि से विद्वद्गण उसे सुधारकर उपयोग में ले लें । कहा भी है -

प्रमाददोषादिह या च काचिन्न्यूनातिरेकात्रुटिर्दृश्यते चेत् ।
ज्योतिर्विदः शास्त्र विचारदक्षाः विद्या स्वयं शोधयतार्थधर्याः ॥
गच्छतः स्खलनं क्वापि भवत्येव प्रमादतः ।
हसन्ति दुर्जनास्तत्र समादधति सज्जनाः ॥

दुर्जन गण अनेक प्रकार से प्रार्थना करने पर भी अपनी आदत नहीं छोड सकते है; क्योंकि - **खलो मृगयते दोषं गुणपूर्णेषु वस्तुषु ।**
वने पुष्पफलाकीर्णे पुरीषमिव सूकरः ॥

विद्वानों को मेरा पुनः पुनः प्रणाम ।

गणितकर्ता : विदुषां वशंवदः पंडित ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री)

मुख्य व्रतोत्सव तालिका संवत् २०८२ (ई. सन २०२५-२०२६)

व्रतोत्सव सन २०२५		व्रतोत्सव	ता.	व्रतोत्सव	ता.	व्रतोत्सव	ता.	व्रतोत्सव	ता.	व्रतोत्सव	ता.	व्रतोत्सव	ता.
चैत्रमास	मार्च	कूर्मोत्पत्ति	१२	श्रीश्यामबाबा जागरण	६	भारतीयस्वतंत्रतादिवस	१५	वामन द्वादशी	४	रमा एका.	१७	मार्गशीर्षमास	नवंबर
नया संवत आरम्भ	३०	पूर्णिमा व्रत	१२	चतुर्मास व्रत प्रारम्भ	६	जन्माष्टमी व्रत स्मार्त	१५	प्रदोष व्रत	५	गोवत्स द्वादशी	१७	चतुर्थीव्रत	८
नवरात्र आरम्भ	३०	बैशाखस्नानपूर्ति	१२	श्रीश्यामबाबा द्वादशी	७	जन्माष्टमी व्रत वैष्णव	१६	अनन्त चतुर्दशी	६	प्रदोष व्रत	१८	कालभैरवाष्टमी	१२
गुडीपड़वा (महाराष्ट्र)	३०	ज्येष्ठमास	मई	प्रदोष व्रत	८	गोगानवमी (गुगोजी)	१७	खग्रास चन्द्रग्रहण	७	धनतेरस	१८	नेहरुजयन्ती (बालदिवस)	१४
सिंघारा	३०	चतुर्थीव्रत	१६	पूर्णिमा व्रत	१०	अजा एका.	१९	पूर्णिमा व्रत	७	धन्वन्तरी जयंती	१८	उत्पत्ति एका.	१५
गणगोर	३१	अपरा एका.	२३	गुरु पूर्णिमा	१०	जैनपर्युषण	१९	श्राद्ध प्रारम्भ	७	छोटी दीपावली	१९	प्रदोष व्रत	१७
भवान्युत्पति अप्रे.	५	प्रदोष व्रत	२४	श्रावणमास	जुलाई	वत्सपूजा (बछबारस)	१९	प्रौष्ठपदी	७	महालक्ष्मी पूजा	२०	अमावस्या	२०
दुर्गाष्टमी	५	भाऊका अमा.	२६	चतुर्थीव्रत	१४	प्रदोष व्रत	२०	कु. संध्यापूजा	७	कुबेर पूजा	२०	मोक्षदा एका. दिसं.	१
श्री रामनवमी	६	अमावस्या पितृकार्य	२६	नागपंचमी (राज.)	१५	कुशांग्रहणी अमा.	२२	आश्विनमास	सितंबर	अमावस्या	२१	श्रीश्यामबाबा जागरण	१
कामदा एका.	८	अमावस्या देवकार्य	२७	कामिका एका.	२१	पिठोरी अमा.	२२	चतुर्थीव्रत	१०	गोवर्धन पूजा	२२	गीता जयंती	१
श्रीश्यामबाबा जागरण	८	करिदिन	२७	प्रदोष व्रत	२२	अमावस्या पितृकार्य	२२	अशोकाष्टमी	१४	अन्नकूट देशाचारे	२२	श्रीश्यामबाबा द्वादशी	२
श्रीश्यामबाबा द्वादशी	९	श्री गंगादशाश्वमेघस्नान		हरियाली अमा.	२४	भादीमावस	२३	इंदिरा एका.	१७	गुजरातियों का नूतन		प्रदोष व्रत	२
प्रदोष व्रत	१०	प्रारम्भ	२७	अमावस्या	२४	लोहार्गल स्नान	२३	प्रदोष व्रत	१९	वर्षारंभ	२२	श्री दत्त जयंती	४
जैन महावीर जयंती	१०	महाराणाप्रतापजयंती	२९	सिंघारा	२६	मातृ अमा.	२३	सर्वपितृ श्राद्ध	२१	भैयादूज	२३	पूर्णिमा व्रत	४
हनुमान जयंती	१२	गंगादशमी जून	५	तीज	२७	अमावस्या देवकार्य	२३	अमावस्या	२१	सौभाग्य पंचमी	२६	पोषमास	दिसंबर
पूर्णिमा व्रत	१२	निर्जला एका.	६	नागपंचमी	२९	गणेश चतुर्थी		नवरात्र आरम्भ	२२	गोपाष्टमी	३०	चतुर्थीव्रत	७
बैशाख स्नान प्रारम्भ	१२	श्रीश्यामबाबा जागरण	७	तिलकपुण्यतिथि अग.	१	(चंद्रदर्शननिषेध)	२७	अग्रसेन जयंती	२२	अक्षय(आंवला) नवमी	३१	तारा (शुक्र अस्त)	८
बैशाखमास	अप्रेल	श्रीश्यामबाबा द्वादशी	८	पवित्रा एका.	५	जैन संवत्सरी	२७	मातामह श्राद्ध	२२	कूष्माण्ड नवमी	३१	सफला एका.	१५
चतुर्थीव्रत	१६	प्रदोष व्रत	८	श्रीश्यामबाबा जागरण	५	ऋषि पंचमी	२८	महाष्टमी (दुर्गाष्टमी)	३०	श्रीश्यामबाबाजागरण नवं.	१	सुरुप द्वादशी	१५
बूढो बास्योड़ो	२१	तारा (गुरु अस्त)	११	श्रीश्यामबाबा द्वादशी	६	श्री राधाष्टमी	३१	गांधीजयन्ती अक्टु.	२	तुलसी विवाह	२	प्रदोष व्रत	१७
वरुथिनि एका.	२४	कबीर जयंती	११	प्रदोष व्रत	६	दधीची जयंती	३१	विजया दशमी	२	भीष्म पंचक प्रारम्भ	२	अमावस्या	१९
प्रदोष व्रत	२५	आषाढमास	जून	सूणमाण्डणा		गौरी आवाहन	३१	पापांकुशा एका.	३	चतुर्मास व्रतसमाप्ति	२	शांकभरी यात्रा	२८
अमावस्या	२७	चतुर्थीव्रत	१४	भद्रा के पहिले	८	अदुःखनवमीव्रत सितं.	१	श्रीश्यामबाबा जागरण	३	देवोत्थापन	२	पुत्रदा एका. स्मा.	३०
शिवाजी जयंती	२९	योगिनी एका. स्मा.	२१	नारियल पूर्णिमा	९	श्री चंद्र जयंती		श्रीश्यामबाबा द्वादशी	४	प्रबोधिनी एका.	२	श्रीश्यामबाबा जागरण	३०
परशुराम जयंती	२९	योगिनी एका. वै.	२२	पूर्णिमा व्रत	९	(उदासीन संप्रदाय)	१	प्रदोष व्रत	४	श्रीश्यामबाबा द्वादशी	२	पुत्रदा एका. वै.	३१
अक्षय ३ (आखातीज)	३०	प्रदोष व्रत	२३	रक्षाबंधन		गौरी पूजन	१	पूर्णिमा व्रत	६	प्रदोष व्रत	३	श्रीश्यामबाबा द्वादशी	३१
सीता नवमी मई	५	अमावस्या	२५	(पूरा दिन शुद्ध है)	९	श्रीरामदेवजीका मेला	२	शरद पूर्णिमा	६	वैकुण्ठ चतुर्दशी	४	जनवरी २०२६	
मोहिनी एका.	८	श्रीजगदीश रथयात्रा	२७	भाद्रपदमास	अगस्त	गौरी विसर्जन	२	कोजागरी व्रत	६	पूर्णिमा व्रत	५	प्रदोष व्रत	१
श्रीश्यामबाबा जागरण	८	भड़ली नवमी जुला.	४	कजली(बूढी) तीज	१२	जलझूलनी एका.	३	कार्तिकस्नान प्रारम्भ	७	पुष्कर यात्रा	५	पूर्णिमा व्रत	३
श्रीश्यामबाबा द्वादशी	९	आशा दशमी	५	चतुर्थीव्रत	१२	श्रीश्यामबाबा जागरण	३	कार्तिकमास	अक्टूबर	नानक जयंती	५		
प्रदोष व्रत	९	ताराशुद्ध (गुरुउदय)	६	हलषष्ठी	१४	श्रीश्यामबाबा द्वादशी	४	करवाचतुर्थीव्रत	१०	भीष्म पंचक समाप्ति	५		
नृसिंह चतुर्दशी	११	देवशयनी एका.	६	चंद्रषष्ठी (थानाछठ)	१४			होई आठें (अष्टमी)	१३	कार्तिक स्नान पूर्ति	५		

शेष रवियोग के पृष्ठ पर देखें ...

मकरेऽर्कः १४ जनवरी २०२६ बुधवार दिन स्टै. १४।३४ ॥ **मकर सक्रांति** पुण्यकालः १४ जनवरी बुधवार स्टै. दिन १४।३४ से उत्तररात्रि स्टै. ३०।३४ तक ॥

तारा:- ता. ८।१२।२०२५ से ४। २।२०२६ तक **(शुक्र) अस्त** रहेगा ॥ **तारा:** ता. ११। ६।२०२५ से ६। ७।२०२५ २८।१८ तक **(गुरू) अस्त** रहेगा ॥

|| अयन ज्ञानाय ||

सायन/निरयन दो प्रकार के होते हैं । पहला सायन और दूसरा निरयन । सायन सूर्य से छ ऋतुओं का निर्धारण होता है और निरयन सूर्य से पंचांग (धार्मिक व्रतोत्सव, मुहूर्त आदि) का निर्णय किया जाता है । (पीयूषधारा पृ.१५२,श्लोक १)

अयन - एक वर्ष में दो अयन होते हैं । उत्तरायण और दक्षिणायन । मकर सक्रान्ति से उत्तरायण प्रारम्भ होता है और सूर्य कर्क राशी पर आवे तब दक्षिणायन प्रारम्भ होता है ।

ऋतु - एक वर्ष में छ ऋतु होती हैं । उनके नाम :- वसंत, ग्रीष्म, वर्षा, शरद, हेमन्त, शिशिर ।

|| नक्षत्र संख्या और अभिजित् मान ||

भारत के प्राचीन दिव्य ऋषियों ने भचक्र (बृहदाकाश) में जो अगण्य तारिकाएं दृष्टिगोचर होती हैं इनके प्रत्येक समूह को नक्षत्र की संज्ञा दी और इन नक्षत्रों की संख्या, स्वरूप, स्थान, वर्ण आदि निर्धारित किये । यहाँ मात्र संख्या की चर्चा होगी क्यों कि यह बहुत गहन विषय है । ग्रहमंडल, तारामंडल आदि की अधिक जानकारी के लिए वाराह मिहिर कृत बृहत्संहिता देखें । ज्योतिषशास्त्र के अनुसार नक्षत्रों की संख्या २७ होती है प्रत्येक नक्षत्र के चार पाद (चरण) निर्धारित किये गये हैं और नौ चरणों की एक राशि होती है । अस्तु । ये सत्ताईस नक्षत्र इस प्रकार हैं -

(१) अश्विनी, (२) भरणी, (३) कृत्तिका, (४) रोहिणी, (५) मृगशिरा, (६) आर्द्रा, (७) पुनर्वसु, (८) पुष्य, (९) आश्लेषा, (१०) मघा, (११) पूर्वाफाल्गुनी, (१२) उत्तराफाल्गुनी, (१३) हस्त, (१४) चित्रा, (१५) स्वाति, (१६) विशाखा, (१७) अनुराधा, (१८) ज्येष्ठा, (१९) मूल, (२०) पूर्वाषाढा, (२१) उत्तराषाढा (२२) श्रवण, (२३) धनिष्ठा, (२४) शतभिषा, (२५) पूर्वाभाद्रपद, (२६) उत्तराभाद्रपद, (२७) रेवती ||

अभिजिन्मानम्- "वैश्व प्रान्त्याङ्घ्रिश्रुतितिथिभागतोऽभिजित्स्यात् ।" वैश्वेति । वैश्वमुत्तराषाढा, तस्यान्त्याङ्घ्रिः चतुर्थचरणः, श्रुतेः श्रवणस्य पञ्चदशांशो मिलित्वाऽभिजिद्भोगः स्यात । यदाह वसिष्ठः- "अभिजिद्भोगमेतद्वै वैश्वदेवान्त्यपादमखिलं तत् । आद्यचतस्रो नाड्यो हरिभस्यैतच्च रोहिणी विद्धम् ।" -पीयूषधारा पृ.३७१, श्लो.५५

अर्थ - अभिजित् नामक कोई पृथक नक्षत्र (२७ नक्षत्रों की तरह) नहीं है । उत्तराषाढा नक्षत्र के चतुर्थ चरण का समय और श्रवण नक्षत्र के भभोग का १५वां विभाग दोनों को मिलाने से जितनी घटिका होती है,उन घटिकाओं को अभिजित् नक्षत्र का मान समझना चाहिए ||५५|| अर्थात् अभिजित् उत्तराषाढा और श्रवण नक्षत्र के मध्य ही भुगत जाता है ।

|| विष्कुंभ आदि योग ||

विष्कुंभादि योग २७ होते हैं इनके नाम इस प्रकार हैं - (१) विष्कुंभ, (२) प्रीति, (३) आयुष्मान्, (४) सौभाग्य, (५) शोभन, (६) अतिगण्ड, (७) सुकर्मा, (८) धृति, (९) शूल, (१०) गण्ड, (११) वृद्धि, (१२) ध्रुव, (१३) व्याघात, (१४) हर्षण, (१५) वज्र, (१६) सिद्धि, (१७) व्यतिपात, (१८) वरीयान्, (१९) परिघ, (२०) शिव, (२१) सिद्ध, (२२) साध्य, (२३) शुभ, (२४) शुक्ल, (२५) ब्रह्म, (२६) ऐंद्र, (२७) वैधृति ||

बव आदि करणों के नाम - सम्पूर्ण-तिथिभोग का आधा भाग करण होता है **"तिथ्यर्धं करणम्"** । करण ११ होते हैं इनके नाम - बव, बालव, कौलव, तैतिल, गर, वणिज, विष्टि (विष्टि करण को भद्रा भी कहते हैं), अतिरिक्त चार करण शकुनि, चतुष्पाद, नाग, किंस्तुघ्न ।

नयाविषय- आकाशीय ग्रह मण्डल की विधान सभा के दशाधिकारियों का निर्धारण-

- वर्ष प्रबोध श्लोक ७८ से १५५, पृष्ठ १८ से ३१, श्रीवेङ्कटेश्वर प्रेस, मुम्बई

- सांवत्सरी पद्धति - तृतीयोऽध्यायः,श्लोक १ से, पृ.८५ से ||, श्रीवेङ्कटेश्वर प्रेस,मुम्बई

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को जो वार हो वही वर्ष का राजा होता है (चैत्रशुक्लप्रतिपदि यो वारो भूपतिर्मतः) । ७८

मेष संक्रान्ति के दिन जो वार हो वही उस वर्ष का मंत्री अथवा सेनापति होता है (मेषसंक्रान्तिवारेशो भवेत्सोपि चमूपतिः) ।

कर्क संक्रान्ति के दिन जो वार हो वही सस्येश होता है (कर्कसंक्रांतिवारेशः सस्यपः परिकीर्तितः) ।

धन की संक्रांति के दिन जो वार हो वही धान्येश होता है । धान्य भी अन्न का नाम है और सस्य भी अन्न का ही नाम है किन्तु गर्मी में जो जौ, गेहूँ आदि होते हैं वह सस्य में समझे गये हैं और जाड़े में मोठ, मूंग बाजरी आदि होते हैं वह धान्य में समझे गये हैं (धनुः संक्रान्तिवारेशो धान्येशः परिकीर्तितः) ।

आर्द्रा प्रवेश के दिन जो वार हो वही मेघेश होता है (आर्द्राप्रवेशेयोवारोमेघेशः परिकीर्तितः) ।

तुला संक्रांति के दिन जो वार हो वह रसेश होता है (तुलासंक्रान्तिदिवसेयोवारः स रसाधिपः) ।

मकर संक्रांति के दिन जो वार हो वह नीरसेश होता है (नक्रसंक्रांतिवारेशो नीरसेशः प्रकीर्तितः) ।

मीन संक्रांति के दिन जो वार हो वह फलेश होता है (मीनसंक्रांतिवारेशः फलेशः परिकीर्तितः) ।

कन्या संक्रान्ति के दिन जो वार हो वह धनेश होता है (कन्यासंक्रांतिदिनपोधनेशः परिकीर्तितः) ।

सिंह संक्रांति के दिन जो वार हो वह गजपति होता है (सिंहसंक्रान्तिवारेशोदुर्गेशः कथितोबुधैः) || ले.पं.प्यारेलाल शर्मा

अनुष्ठानारम्भ मुहूर्तम्

आश्वि, का, वै, माघ, मार्ग, फा, श्रा, तथा मे, कर्क, कं, तु, वृ, म, कुम्भस्थे रवौश्रेष्ठः २।६।७।१०।१३।१५ आसुतिथिषु । अथवा वा तिथिर्यस्य देवस्य तस्यांवाशुभदः स्मृतः वाराः - सू. शु. बृ. । सोमो मध्यमः पुन. पु. स्वा. उ. ३ अ. ध. श. र. अश्वि. ह. ऽनु. रो. मृ. वि. ज्ये. स्वस्वामि नक्षत्रेवा । लग्नात् ३।६।११ पापा १।४।५।७।९।१० साम्याः । चन्द्र तारानुकूले । गुरुशुक्रयोरुदितयोः शुभे लग्ने १२ शुद्धे सति मृत्य्वादि योग रहिते । विष्णुमत्रेस्थिरे, शिवस्यचरे। दुर्गाया द्विःस्वेलग्ने । कूर्मचक्रशुद्धौ प्रारभेत् । - परमपूज्य गुरूजी (शताब्दि पंचाग)

पापग्रहाः (उग्र/क्रूराः वा)-

सूर्य, मंग.,शनि,राहु, केतु - यथा -

सूर्यभौमशनिराहुकेतवः पापसंज्ञखचराः क्षयिचन्द्रः ।
पूर्णचन्द्रगुरुशुक्रसोमजाःसर्वकर्मसु हि सौम्यखेचराः ||

इति वसिष्ठेन कण्ठतः क्रूरत्वाभिधानादस्ति क्रूरत्वम् । स्वरोदयेऽपि 'बुधशुक्रेन्दुजीवाश्च सदा सौम्यग्रहा मताः ।' इति । - **पीयूषधारा (पृ.३६७)**

सोग्रांगः इति । स उग्र अंगः || स सहितः, उग्र उग्रग्रहाणाम् (सूर्य, मंगल, शनि, राहु, केतु) अंगः लग्नः || **भाव** - लग्न में उक्त ग्रहों में से कोई एक भी ग्रह हो तो विवाह मुहूर्तों में सोग्रांगः लिखा रहता है ।

नया विषय - || चैत्रादि चान्द्रमासों के वैदिक नाम ||

बृहन्नारदीय महापुराणम् - पूर्वभाग- द्वितीयपाद, अध्याय ५६, श्लो.१३० से १३१, पृ. ६१७

मधुश्च माधवः शुक्रः शुचिश्चाथ नभस्ततः । नभस्य इष ऊर्जश्च सहाश्चैव सहस्यकः ||१३०||
तपास्तपस्य क्रमशश्चैत्रादीनां समाहृयाः । यस्मिन्मासे पौर्णमासी येन धिष्ण्येन संयुता ||१३१||

सूचना - स्पष्टता के लिए पृष्ठ १४ (**संवत्सरनाम तालिकावाले पृष्ठ**) पर देखें -

अपरञ्च - पुरुषार्थचिन्तामणिः पृ. १०,तथा च हेमाद्री- (सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी)

चैत्रो मासो मधुः प्रोक्तो वैशाखो माधवो भवेत् । ज्येष्ठो मासश्च शुक्रः स्यादाषाढः शुचिरुच्यते ।
नभो मासः श्रावणः स्यान्नभस्यो भाद्र इष्यते । इषश्चाऽऽश्वयुजो मासः कार्तिकश्चोर्जसंज्ञकः ||
सहो मासो मार्गशिरः सहस्यः पुष्यनामकः । माघमासस्तपः प्रोक्तस्तपस्यः फाल्गुनः स्मृतः || (इति स्पष्टार्थः)

नया विषय - चतुर्दश मन्वन्तरों (१४ मनुओं) के नाम -

बृहन्नारदीय महापुराणे- विष्णु माहात्म्य वर्णन,पूर्वभागे- प्रथमपादे, अध्याय ४०, श्लो.१७ से ३३, पृष्ठ ३३५-३३६

सुधर्म उवाच - चतुर्युगसहस्राणि ब्रह्मणो दिनमुच्यते । एकस्मिन् दिवसे शक्र मनवश्च चतुर्दश ||१७||
इन्द्राश्चतुर्दश प्रोक्ता देवाश्च विविधाः पृथक् । इन्द्राणां चैव सर्वेषां मन्वादीनां च वासव ||१८||
तुल्यता तेजसा लक्ष्म्या प्रभावेण बलेन च । तेषां नामानि वक्ष्यामि शृणुष्व सुसमाहितः ||१९||

हिंदी - सुधर्मा कहते हैं - एक हजार चतुर्युग (४००० युग) ब्रह्मा का एक दिन होता है । हे इन्द्र! उनके इस एक दिन में चतुर्दश मनु होते हैं । इन्द्र भी चतुर्दश कहे गये हैं । पृथक्-पृथक् भी विविध हैं । सभी इन्द्र तथा मनु तेज, लक्ष्मी, बल, प्रभाव में समान होते हैं । उनके पृथक्-पृथक् नामों को सुसमाहित होकर श्रवण करिये ||१७-१९||

स्वायंभुवो मनुः पूर्वं ततः स्वारोचिषस्तथा । उत्तमस्तामसश्चैव रैवतश्चाक्षुषस्तथा ||२०||
वैवस्वतो मनुश्चैव सूर्यसावर्णिरष्टमः । नवमो दक्षसावर्णिः सर्वदेव हिते रतः ||२१||
दशमो ब्रह्मसावर्णिर्धर्मसावर्णिकस्ततः । ततस्तु रुद्रसावर्णी रोचमानस्ततः स्मृतः ||२२||
भौत्यश्चतुर्दशः प्रोक्त एते हि मनवः स्मृताः । देवानिंद्रांश्च वक्ष्यामि शृणुष्व विबुधर्षभ ||२३||

हिंदी - स्वायम्भुव सबसे पहले हैं । तदनन्तर स्वारोचिष, उत्तम, तामस, रैवत, चाक्षुष, तदनन्तर वैवस्वत मनु जन्मे । सूर्य सावर्णि अष्टम मनु हैं । नवम हैं दक्षसावर्णि । ये सर्वदेव हित कार्य में रत थे । तदनन्तर ब्रह्म सावर्णि दशम हैं । एकादश हैं धर्मसावर्णि । द्वादश हैं रुद्रसावर्णि, त्रयोदश हैं रोचमान मनु । चतुर्दश हैं भौत्यसावर्णि (विष्णुपुराण में भौमश्चतुर्दशश्चात्र.) मनु । ये ही चतुर्दश मनु कहे जाते हैं । - ले. पं. प्यारेलाल शर्मा, मुम्बई

राहु काल और देशाचार - इस विशेष काल में १ घंटा ३० मिनट के लिए राहुकाल का अनिष्टकारी समय होता है । किसी भी शुभ कार्य के प्रारम्भ में इस समय को टाल देना चाहिए - दक्षिण भारत (कर्नाटक आदि) में ऐसी मान्यता है अन्यत्र नहीं । देशाचार के अनुसार सभी जगह पृथक पृथक मान्यताएं रहती हैं, जैसे महाराष्ट्र में घबाड्योग-करिदिन, गुजरात में विच्छुड़ा, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर-प्रदेश, बिहार, आन्ध्रप्रदेश, बंगाल, हिमाचल-प्रदेश, उड़ीसा आदि भारत के अधिकांश भागों में भद्राकाल (विष्टि) में शुभकार्य नहीं करते हैं । अलग अलग स्थलों में भिन्न-भिन्न मान्यताएं-बाधाएं और देशाचार के अनुसार रीती रिवाज रहते हैं । भ्रान्तियों से बचना चाहिए । अलमतिविस्तरेण ।

[illegible]

॥ अष्टादश (१८) पुराणों के नाम ॥

[illegible]

[illegible]

१ ब्रह्मपुराण
२ पद्मपुराण
३ विष्णुपुराण
४ शिवपुराण (वायुपुराण)
५ श्रीमद्भागवतपुराण
६ नारदीयपुराण
७ मार्कण्डेयपुराण
८ अग्निपुराण
९ भविष्यपुराण
१० ब्रह्मवैवर्तपुराण
११ लिङ्गपुराण
१२ वराहपुराण
१३ स्कन्दपुराण
१४ वामनपुराण
१५ कूर्मपुराण
१६ मत्स्यपुराण
१७ गरुडपुराण
१८ ब्रह्माण्डपुराण

[illegible]

संवत् २०७९ में भद्रापुच्छकाल के प्रारम्भ और समाप्तिकाल का उदाहरण - किसी भी संवत् के लिए (धर्मशास्त्र के अनुसार "होलिका दहन निर्णय-")

अथ चतुर्थ्यादितिथिगतायां मुखपुच्छविभागादिकं शार्दूलविक्रीडितेनाह -

पञ्चद्व्यद्रिकृताष्टरामरसभूयामादिघट्यः शरा,
विष्टेरास्यमसद्गजेन्दुरसरामाद्यश्विबाणाब्धिषु ।
यामेष्वन्त्यघटीत्रयं शुभकरं पुच्छं तथा वासरे,
विष्टिस्तिथ्यपरार्धजा शुभकरी रात्रौ तु पूर्वार्धजा ॥४४॥ - पीयूषधारा पृ.४२

(मुहूर्तचिन्तामणि प्रमिताक्षरा,पृ.३०. प्रका.सन १९२८. धर्मसिन्धु परि.२.पृ.२१८-१९. - भारत की सभी मुहूर्त चिन्तामणियों में उपर लिखा श्लोक देखा जा सकता है ..आदि)

पीयूषधारा पञ्जति । चतुर्थ्यादितिथिष्वेवं क्रमशः पञ्चादिप्रहरेषु शराः पञ्च नाडयः आदिमा विष्टेर्भद्राया आस्यं मुखं । यथा चतुर्थ्यां पञ्चमप्रहर आदिभूता पञ्च घट्यो भद्रामुखम् । एवमष्टम्या द्वितीयप्रहरे एकादश्याः सप्तमप्रहरे **पौर्णमास्याश्चतुर्थप्रहरे**, तृतीयाया अष्टमप्रहरे, सप्तम्यास्तृतीयप्रहरे, चतुर्दश्याः प्रथमप्रहरे, भद्रामुखमित्यर्थः । तद्वद्भद्रायाः मुखमसदशुभमित्यर्थः । अथ पुनश्चतुर्थ्यादितिथीनां क्रमेण गजादिप्रहरेषु अन्त्यं अन्तो भवमन्त्यम् । 'दिगादिभ्यो यत्' इति यत् । घटीत्रयं पुच्छं पुच्छ संज्ञं तच्छुभकरं समस्तकार्येष्वित्यर्थः । यथा चतुर्थ्याः अष्टमप्रहरस्यान्त्यघटीत्रयं भद्रापुच्छं एवमष्टम्याः प्रथमप्रहरस्य एकादश्याः षष्ठप्रहरस्य **पूर्णिमायास्तृतीयप्रहरस्य** तृतीयायाः सप्तमप्रहरस्य सप्तम्याद्वितीयप्रहरस्य दशम्याः पञ्चमप्रहरस्य चतुर्दश्याश्चतुर्थप्रहरस्यान्त्यघटीत्रयं भद्रापुच्छमित्यर्थः ।

पीताम्बरा - भद्रा मुख और पुच्छ - चतुर्थी आदिक तिथियों में 'भद्रा का मुख और पुच्छ किन - किन प्रहरों में होता है ?' उन प्रहरों का उल्लेख किया जा रहा है । जैसे, शुक्लपक्ष की चतुर्थी तिथि की पाँचवी प्रहर के आदि की ५ घटी में भद्रा का मुख होता है । इस प्रकार अष्टमी के दूसरे प्रहर में, एकादशी के सातवें प्रहर में, **पौर्णमासी के चतुर्थ प्रहर** और कृष्णपक्ष की तृतीया में आठवें प्रहर, सप्तमी के तीसरे प्रहर, दशमी के छठे प्रहर और चतुर्दशी के प्रथम प्रहर **की आदि की ५ घटियों** में भद्रा का मुख होता है, जो शुभ कार्यों में अशुभ होता है ।

शुक्लपक्ष की पुनः चतुर्थी तिथि के अष्टम प्रहर की अन्त्य की ३ घटी, अष्टमी के प्रथम प्रहर के, एकादशी के छटे प्रहर की, **पूर्णिमा के तीसरे प्रहर** की और कृष्णपक्ष की तृतीया के सप्तम प्रहर की, सप्तमी के द्वितीय प्रहर की, दशमी के पाँचवे प्रहर की और चतुर्दशी के चौथे प्रहर के अन्त्य की ३ घटियों में भद्रा का पुच्छ होता है जो शुभ कहा गया है । तिथि के सम्पूर्ण मान (भोग घटी) में आठ से विभक्त लब्धि का मान गत प्रहर होता है ।

सूचना- पं.श्रीबल्लभ मनीराम पञ्चाङ्ग में आदिकाल से "भद्रा-मुख-पुच्छ-घटी-ज्ञान" का कोष्टक दिया जाता रहा है । उपर दिया गया पीयूषधारा मु. का श्लोक इस कोष्टक की पुष्टी करता है । सम्प्रति संवत २०७८ के पृष्ठ ५८ और सं. २०७९ के पृष्ठ ५८ पर भी भद्रा-मुख-पुच्छ-घटी-ज्ञान का स्पष्ट विवरण देखा जा सकता है [१]।

सूत्र - भद्रापुच्छ प्रारम्भकाल = तिथिभोग ÷ ८ x ३ – ३ (घट्यादि)

सूत्र - भद्रापुच्छ समाप्तिकाल = तिथिभोग ÷ ८ x ३

सूत्र - भद्रामुख समाप्तिकाल = तिथिभोग ÷ ८ x ३ + ५ (घट्यादि)

विशेष: - तिथिभोग तृतीय प्रहर के समाप्तिकाल में, ४ प्रहर के आदि की ५ घटी जोड़ने से भद्रामुख का समाप्तिकाल होगा अर्थात् भद्रापुच्छ समाप्तिकाल के २ घंटे बाद भद्रामुख का समाप्तिकाल होगा. समझने के लिए यह २ घंटे वाला सूत्र सुगम है ।)

तिथिभोग (तिथि का भुक्त और भोग्य) में ८ (दिन और रात में ८ प्रहर होती है) का भाग देने से १ प्रहर का मान प्राप्त होगा (यहाँ पूर्णिमा का गणित करना है अतः पूर्णिमा के तीसरे प्रहर के अन्त्य की ३ घटी को पुच्छकाल कहा है जैसा कि उपर श्लोक में है "पूर्णिमायास्तृतीयप्रहरस्यान्त्यघटीत्रयं" । १ प्रहर के मान को ३ से गुणा करने पर पूर्णिमा के ३ रे प्रहर का मान प्राप्त होगा और यही भद्रापुच्छ काल का समाप्तिकाल भी होगा, इस ३ रे प्रहर के मान में ३ घटी घटाने से भद्रापुच्छ काल का प्रवेशकाल होगा । स्पष्टता के लिए यहाँ एक **उदाहरण** दे रहा हूँ -

मिति - फाल्गुन शुक्ला १४ तदुपरान्त पूर्णिमा सोमवार संवत् २०७९, तारीख ६ मार्च २०२३

घटी पल
६०।००
– २३।३४ चतुर्दशी समाप्तिकाल, सोमवार
३६।२६ पूर्णिमा का भुक्तकाल, सोमवार
+ २८।१४ पूर्णिमा का भोग्यकाल, मंगलवार

पूर्णिमा का सम्पूर्णभोग ६४।४० ÷ ८ = ८।०५ पूर्णिमा के एक प्रहर का घट्यात्मक मान

८।०५ पूर्णिमा के एक प्रहर का घट्यात्मक मान
X ३
२४।१५ पूर्णिमा के तीन प्रहर का घट्यात्मक मान

२३।३४ घट्यात्मक, चतुर्दशी समाप्तिकाल सोमवार
+ २४।१५ घट्यात्मक, पूर्णिमा के तीन प्रहर का मान
४७।४९ सोमवार को सूर्योदय से पूर्णिमा के तृतीय प्रहर का घट्यात्मक समाप्तिकाल

४७।४९ ÷ २.५ (घंटा मिनट के लिए घटी में ढाई का भाग दिया = १९।०८)

घंटा मिनट
= १९।०८ सोमवार को सूर्योदय से पूर्णिमा के तृतीय प्रहर का घंटा-मिनटात्मक समाप्तिकाल
+ ६।५४ सूर्योदय
= २६।०२ सोमवार को उत्तररात्री भद्रापुच्छ काल का घंटा-मिनटात्मक समाप्तिकाल
– १।१२ तीन घटी का घंटा मिनट ऋण किया (पूर्णिमा के तृतीय प्रहर की अन्तिम ३ घटी)
२४।५० भद्रापुच्छ काल का घंटा-मिनटात्मक प्रारम्भकाल

गणित द्वारा होलिका दहन के लिए स्पष्ट स्टै. समय :-
भद्रापुच्छ का समय रात्री २४।५० से २६।०२. (रात्री १२।५० **बजे से २।०२ बजे तक**)

भद्रामुख का प्रवेशकाल और समाप्तिकाल

२६।०२ सोमवार को उत्तररात्री भद्रापुच्छ काल का घंटा-मिनट. समाप्तिकाल (भद्रामुख का प्रवेशकाल)
+ २।०० दो घंटा जोड़ने से भद्रामुख का घंटा-मिनटात्मक समाप्तिकाल होगा ।
२८।०२ सोमवार को उत्तररात्री भद्रामुख काल का घंटा-मिनटात्मक समाप्तिकाल

लेखक - पं. प्यारेलाल शर्मा (अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चाङ्ग गणितकर्ता)

१. परम पूज्य श्रीगुरुजी द्वारा निर्मित विश्व विख्यात "वेंकटेश्वर शताब्दि पंचांग मुम्बई, सरस्वती पंचांग नवलगढ़ और चण्डू पंचांग जोधपुर आदि . ." में उपर लिखे सूत्रों के अनुसार ही आदिकाल से होलिका दहन दिया जाता रहा है । हमारे धर्म शास्त्रों में ऋषियों का परस्पर मत मतान्तर है लेकिन ग्राह्य उसे ही किया गया है जिस निर्णय में बहुमत प्राप्त हो । जैसा कि उपरोक्त सभी विद्वानों की एक वाक्यता है, परम पूज्य श्रीगुरुचरणों ने भी यही पक्ष ग्रहण किया है । कहा भी है - सारं ततो ग्राह्यमपास्यफल्गु, हंसैर्यथा क्षीरमिवाम्बुमध्यात् ॥ -गणितकर्ता

॥ अधिकमाससारणी ॥ ३०० वर्ष

- मानद् वै.बा. केतकर पद्धति

संवत्	शाक:	अधिकमास	प्रारम्भ तारीख	समाप्ति तारीख
१९४०	१८०५	आषाढ	१४। ६।१८८३	१३। ७।१८८३
१९४३	१८०८	ज्येष्ठ	१२। ५।१८८६	११। ६।१८८६
१९४५	१८१०	आश्विन	१५। ९।१८८८	१५।१०।१८८८
१९५८	१८२३	श्रावण	१५। ७।१९०१	१४। ८।१९०१
१९६१	१८२६	ज्येष्ठ	१५। ५।१९०४	१३। ६।१९०४
१९६३	१८२८	फाल्गुन	१२। २।१९०७	१४। ३।१९०७
१९६६	१८३१	श्रावण	१७। ७।१९०९	१५। ८।१९०९
१९६९	१८३४	आषाढ	१५। ६।१९१२	१४। ७।१९१२
१९७२	१८३७	वैशाख	१४। ४।१९१५	१४। ५।१९१५
१९७४	१८३९	आश्विन	१६। ९।१९१७	१६।१०।१९१७
१९७७	१८४२	श्रावण	१५। ७।१९२०	१४। ८।१९२०
१९८०	१८४५	ज्येष्ठ	१५। ५।१९२३	१४। ६।१९२३
१९८२	१८४७	फाल्गुन	१२। २।१९२६	१४। ३।१९२६
१९८५	१८५०	श्रावण	१७। ७।१९२८	१५। ८।१९२८
१९८८	१८५३	आषाढ	१६। ६।१९३१	१५। ७।१९३१
१९९१	१८५६	वैशाख	१३। ४।१९३४	१३। ५।१९३४
१९९३	१८५८	भाद्रपद	१७। ८।१९३६	१५। ९।१९३६
१९९६	१८६१	श्रावण	१६। ७।१९३९	१५। ८।१९३९
१९९९	१८६४	ज्येष्ठ	१५। ५।१९४२	१३। ६।१९४२
२००२	१८६७	चैत्र	१४। ३।१९४५	१२। ४।१९४५
२००४	१८६९	श्रावण	१८। ७।१९४७	१६। ८।१९४७
२००७	१८७२	आषाढ	१५। ६।१९५०	१५। ७।१९५०
२०१०	१८७५	वैशाख	१३। ४।१९५३	१३। ५।१९५३
२०१२	१८७७	भाद्रपद	१७। ८।१९५५	१६। ९।१९५५
२०१५	१८८०	श्रावण	१६। ७।१९५८	१५। ८।१९५८
२०१८	१८८३	ज्येष्ठ	१४। ५।१९६१	१३। ६।१९६१
२०२०	१८८५	कार्तिक	१७।१०।१९६३	१६।११।१९६३
२०२१	१८८६	चैत्र	१४। ३।१९६४	१२। ४।१९६४
२०२३	१८८८	श्रावण	१८। ७।१९६६	१६। ८।१९६६
२०२६	१८९१	आषाढ	१४। ६।१९६९	१४। ७।१९६९
२०२९	१८९४	वैशाख	१३। ४।१९७२	१३। ५।१९७२
२०३१	१८९६	भाद्रपद	१७। ८।१९७४	१६। ९।१९७४
२०३४	१८९९	श्रावण	१६। ७।१९७७	१४। ८।१९७७
२०३७	१९०२	ज्येष्ठ	१४। ५।१९८०	१२। ६।१९८०
२०३९	१९०४	आश्विन	१७। ९।१९८२	१६।१०।१९८२
		फाल्गुन	१२। २।१९८३	१४। ३।१९८३
२०४२	१९०७	श्रावण	१७। ७।१९८५	१६। ८।१९८५
२०४५	१९१०	ज्येष्ठ	१५। ५।१९८८	१४। ६।१९८८
२०४८	१९१३	वैशाख	१४। ४।१९९१	१४। ५।१९९१
२०५०	१९१५	भाद्रपद	१७। ८।१९९३	१६। ९।१९९३
२०५३	१९१८	आषाढ	१६। ६।१९९६	१५। ७।१९९६
२०५६	१९२१	ज्येष्ठ	१५। ५।१९९९	१३। ६।१९९९
२०५८	१९२३	आश्विन	१७। ९।२००१	१६।१०।२००१
२०६१	१९२६	श्रावण	१७। ७।२००४	१६। ८।२००४
२०६४	१९२९	ज्येष्ठ	१६। ५।२००७	१५। ६।२००७
२०६७	१९३२	वैशाख	१४। ४।२०१०	१४। ५।२०१०
२०६९	१९३४	भाद्रपद	१७। ८।२०१२	१६। ९।२०१२
२०७२	१९३७	आषाढ	१६। ६।२०१५	१६। ७।२०१५
२०७५	१९४०	ज्येष्ठ	१५। ५।२०१८	१३। ६।२०१८
२०७७	१९४२	आश्विन	१७। ९।२०२०	१६।१०।२०२०
२०८०	१९४५	श्रावण	१७। ७।२०२३	१६। ८।२०२३
२०८३	१९४८	ज्येष्ठ	१६। ५।२०२६	१५। ६।२०२६
२०८६	१९५१	चैत्र(शताब्दि)	१५। ३।२०२९	१३। ४।२०२९
२०८८	१९५३	भाद्रपद	१८। ८।२०३१	१६। ९।२०३१
२०९१	१९५६	आषाढ	१६। ६।२०३४	१५। ७।२०३४
२०९४	१९५९	ज्येष्ठ	१५। ५।२०३७	१३। ६।२०३७
२०९६	१९६१	आश्विन	१८। ९।२०३९	१७।१०।२०३९
२०९९	१९६४	श्रावण	१७। ७।२०४२	१५। ८।२०४२
२१०२	१९६७	ज्येष्ठ	१६। ५।२०४५	१५। ६।२०४५
२१०५	१९७०	चैत्र	१४। ३।२०४८	१३। ४।२०४८
२१०७	१९७२	भाद्रपद	१७। ८।२०५०	१६। ९।२०५०
२११०	१९७५	आषाढ	१६। ६।२०५३	१५। ७।२०५३
२११३	१९७८	वैशाख	१४। ४।२०५६	१४। ५।२०५६
२११५	१९८०	आश्विन	१७। ९।२०५८	१७।१०।२०५८
२११८	१९८३	श्रावण	१७। ७।२०६१	१५। ८।२०६१
२१२१	१९८६	ज्येष्ठ	१६। ५।२०६४	१४। ६।२०६४
२१२४	१९८९	चैत्र	१५। ३।२०६७	१३। ४।२०६७
२१२६	१९९१	श्रावण	१८। ७।२०६९	१६। ८।२०६९
२१२९	१९९४	आषाढ	१६। ६।२०७२	१५। ७।२०७२
२१३२	१९९७	वैशाख	१५। ४।२०७५	१४। ५।२०७५
२१३४	१९९९	आश्विन	१७। ९।२०७७	१६।१०।२०७७
२१३७	२००२	श्रावण	१७। ७।२०८०	१५। ८।२०८०
२१४०	२००५	ज्येष्ठ	१६। ५।२०८३	१५। ६।२०८३
२१४३	२००८	चैत्र	१५। ३।२०८६	१३। ४।२०८६
२१४५	२०१०	श्रावण	१८। ७।२०८८	१६। ८।२०८८
२१४८	२०१३	आषाढ	१७। ६।२०९१	१६। ७।२०९१
२१५१	२०१६	वैशाख	१५। ४।२०९४	१४। ५।२०९४
२१५३	२०१८	भाद्रपद	१८। ८।२०९६	१६। ९।२०९६
२१५६	२०२१	श्रावण	१८। ७।२०९९	१६। ८।२०९९
२१५९	२०२४	ज्येष्ठ	१७। ५।२१०२	१५। ६।२१०२
२१६२	२०२७	चैत्र	१६। ३।२१०५	१४। ४।२१०५
२१६४	२०२९	श्रावण	२०। ७।२१०७	१८। ८।२१०७
२१६७	२०३२	आषाढ	१७। ६।२११०	१७। ७।२११०
२१७०	२०३५	वैशाख	१६। ४।२११३	१५। ५।२११३
२१७२	२०३७	भाद्रपद	१९। ८।२११५	१८। ९।२११५
२१७५	२०४०	श्रावण	१८। ७।२११८	१७। ८।२११८
२१७८	२०४३	ज्येष्ठ	१६। ५।२१२१	१५। ६।२१२१
२१८०	२०४५	आश्विन	१९। ९।२१२३	१९।१०।२१२३
२१८१	२०४६	चैत्र	१६। ३।२१२४	१४। ४।२१२४
२१८३	२०४८	श्रावण	२०। ७।२१२६	१८। ८।२१२६
२१८६	२०५१	आषाढ	१६। ६।२१२९	१६। ७।२१२९
२१८९	२०५४	वैशाख	१६। ४।२१३२	१५। ५।२१३२
२१९१	२०५६	भाद्रपद	१९। ८।२१३४	१८। ९।२१३४
२१९४	२०५९	श्रावण	१८। ७।२१३७	१६। ८।२१३७
२१९७	२०६२	ज्येष्ठ	१६। ५।२१४०	१४। ६।२१४०
२१९९	२०६४	आश्विन	१९। ९।२१४२	१९।१०।२१४२
२२०२	२०६७	श्रावण	१९। ७।२१४५	१८। ८।२१४५
२२०५	२०७०	ज्येष्ठ	१८। ५।२१४८	१६। ६।२१४८
२२०८	२०७३	वैशाख	१६। ४।२१५१	१६। ५।२१५१
२२१०	२०७५	भाद्रपद	१९। ८।२१५३	१८। ९।२१५३
२२१३	२०७८	आषाढ	१७। ६।२१५६	१७। ७।२१५६
२२१६	२०८१	ज्येष्ठ	१७। ५।२१५९	१६। ६।२१५९
२२१८	२०८३	आश्विन	१९। ९।२१६१	१८।१०।२१६१
२२२१	२०८६	श्रावण	१९। ७।२१६४	१७। ८।२१६४
२२२४	२०८९	ज्येष्ठ	१८। ५।२१६७	१७। ६।२१६७
२२२७	२०९२	वैशाख	१६। ४।२१७०	१६। ५।२१७०
२२२९	२०९४	भाद्रपद	१९। ८।२१७२	१८। ९।२१७२
२२३२	२०९७	आषाढ	१८। ६।२१७५	१८। ७।२१७५
२२३५	२१००	ज्येष्ठ	१७। ५।२१७८	१५। ६।२१७८
२२३७	२१०२	आश्विन	१९। ९।२१८०	१८।१०।२१८०
२२४०	२१०५	श्रावण	१९। ७।२१८३	१८। ८।२१८३
२२४३	२१०८	आषाढ	१७। ६।२१८६	१६। ७।२१८६
२२४६	२१११	चैत्र	१६। ३।२१८९	१५। ४।२१८९
२२४८	२११३	भाद्रपद	१९। ८।२१९१	१८। ९।२१९१
२२५१	२११६	आषाढ	१८। ६।२१९४	१७। ७।२१९४

॥ क्षयमाससारणी ॥ ६२० वर्ष

संवत्	शाक:	क्षयमास	प्रारम्भ तारीख	समाप्ति ता.
१८७९	१७४४	मार्गशीर्ष	१३।१२।१८२२	१२। १।१८२३
२०२०	१८८५	कार्तिक	१६।११।१९६३	१६।१२।१९६३
२०३९	१९०४	पौष	१४। १।१९८३	१२। २।१९८३
२१८०	२०४५	मार्गशीर्ष	१७।१२।२१२३	१६। १।२१२४
२३४०	२२०५	मार्गशीर्ष	१९।१२।२२८३	१८। १।२२८४
२४८१	२३४६	कार्तिक	२१।११।२४२४	२१।१२।२४२४
२५००	२३६५	पौष	२०। १।२४४४	१९। २।२४४४

(दृष्टिदोषवशेन् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

गणितकर्ता - पं. प्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री), मुम्बई. ४०० ०५७

विशेष सूचना - मानद् वै.बा. केतकर पद्धति से मेरे द्वारा अधिकमास और क्षयमास का गणित किया हुआ ५००० (पाँच हजार) वर्ष का उपलब्ध है. किसी भी पंचांग कर्ता या इस विषय से संबंधित व्यक्ति को आवश्यकता हो तो संपर्क करें। मूल्य श्रीगुरुचरणों में सस्नेह प्रणाम होगा अर्थात् निशुल्क होगा। मेरे द्वारा दिनरात परिश्रम करके जो अर्जित अनमोल धरोहर के रुप में विद्या है वह भूमण्डल पर किसी भी व्यक्ति के उपयोग में आवे तो मेरा परिश्रम सफल होगा और भूऋण से मुक्त हो जउँगा। कहा भी है - अध्यापनमध्ययनम् यजनं याजनं तथा। दानं ...॥

॥ संवत्सरनाम तालिका ॥ (संवत् १९८५ से २०९६ तक), पृ. १

	१	२					३		
संवत्	संवत्सरनाम सामान्यसूत्र	मेषार्क तारीख	समय	मध्यम गुरु राशि अंश क.वि.	गत मासादि मास दिन घ.प.	संवत्सरनाम मध्यमगुरु	स्पष्ट गुरु राशि अंश क.वि.	गत मासादि मास दिन घ.प.	संवत्सरनाम स्पष्टगुरु
१९८५	वृष	१२/ ४/१९२८	२१।४८	मीन २९।५४।५३	११।२८।५६।३८	विक्रम	मीन २५।२०।१४	१०।०४।०२।५१	विक्रम
						लुप्त वृष			
१९८६	चित्रभानु	१३/ ४/१९२९	११।५७	वृष ००।१६।००	००।०३।१०।०५	चित्रभानु	मेष २३।०६।०५	०९।०७।१२।५४	वृष
१९८७	सुभानु	१३/ ४/१९३०	१८।०६	मिथुन ००।३७।०७	००।०७।२३।३१	सुभानु	वृष २१।०२।३९	०८।१२।३१।४३	चित्रभानु
१९८८	तारण	१३/ ४/१९३१	२४।१५	कर्क ००।५८।१५	००।११।३६।५८	तारण	मिथुन ११।४२।०१	०७।२६।२४।१३	सुभानु
१९८९	पार्थिव	१२/ ४/१९३२	३०।२४	सिंह ०१।१९।२२	००।१५।५०।२४	पार्थिव	कर्क १९।४०।३६	०७।२६।०७।११	तारण
१९९०	व्यय	१३/ ४/१९३३	१२।३३	कन्या ०१।४०।२९	००।२०।०३।५०	व्यय	सिंह २१।२४।३०	०८।१६।५४।००	पार्थिव
१९९१	सर्वजित्	१३/ ४/१९३४	१८।४२	तुला ०२।०१।३६	००।२४।१७।१७	सर्वजित्	कन्या २४।४३।०८	०९।२६।३७।४९	व्यय
१९९२	सर्वधारी	१३/ ४/१९३५	२४।५२	वृश्चिक ०२।२२।४३	००।२८।३०।४३	सर्वधारी	तुला २८।३२।४६	११।१२।३३।०८	सर्वजित्
									लुप्त सर्वधारी
१९९३	विरोधी	१३/ ४/१९३६	७।०१	धनु ०२।४३।५०	०१।०२।४४।१०	विरोधी	धनु ०१।३०।३९	००।१८।०७।५४	विरोधी
१९९४	विकृति	१३/ ४/१९३७	१३।१०	मकर ०३।०४।५८	०१।०६।५७।३६	विकृति	मकर ०२।५०।१५	०१।०४।०३।०१	विकृति
१९९५	खर	१३/ ४/१९३८	१९।१९	कुंभ ०३।२६।०५	०१।११।११।०२	खर	कुंभ ०२।३४।५६	०१।००।५९।१३	खर
१९९६	नन्दन	१३/ ४/१९३९	२५।२८	मीन ०३।४७।१२	०१।१५।२४।२९	नन्दन	मीन ०१।१२।१७	००।१४।२७।१८	नन्दन
									वृद्धि नन्दन
१९९७	विजय	१३/ ४/१९४०	७।३७	मेष ०४।०८।१९	०१।१९।३७।५५	विजय	मीन २९।११।४१	११।२०।२०।१०	नन्दन
१९९८	जय	१३/ ४/१९४१	१३।४६	वृष ०४।२९।२६	०१।२३।५१।२२	जय	मेष २६।५८।३०	१०।२३।४१।५५	विजय
१९९९	मन्मथ	१३/ ४/१९४२	१९।५५	मिथुन ०४।५०।३४	०१।२८।०४।४८	मन्मथ	वृष २४।५९।०७	०९।२९।४९।२२	जय
२०००	दुर्मुख	१३/ ४/१९४३	२६।०५	कर्क ०५।११।४१	०२।०२।१८।१४	दुर्मुख	मिथुन २३।४६।०४	०९।१५।१२।४८	मन्मथ
२००१	हेमलम्बी	१३/ ४/१९४४	८।१४	सिंह ०५।३२।४८	०२।०६।३१।४१	हेमलम्बी	कर्क २३।५५।१८	०९।१७।०३।३२	दुर्मुख
२००२	विलम्बी	१३/ ४/१९४५	१४।२३	कन्या ०५।५३।५५	०२।१०।४५।०७	विलम्बी	सिंह २५।५०।४०	१०।१०।०८।०२	हेमलम्बी
२००३	विकारी	१३/ ४/१९४६	२०।३२	तुला ०६।१५।०२	०२।१४।५८।३४	विकारी	कन्या २९।१५।२०	११।२१।०४।०४	विलम्बी
									लुप्त विकारी
२००४	शार्वरी	१३/ ४/१९४७	२६।४१	वृश्चिक ०६।३६।१०	०२।१९।१२।००	शार्वरी	वृश्चिक ०३।०१।२८	०१।०६।१७।३९	शार्वरी
२००५	प्लव	१३/ ४/१९४८	८।५०	धनु ०६।५७।१७	०२।२३।२५।२६	प्लव	धनु ०५।४८।५६	०२।०१।४४।१०	प्लव
२००६	शुभकृत्	१३/ ४/१९४९	१४।५९	मकर ०७।१८।२४	०२।२७।३८।५३	शुभकृत्	मकर ०६।५७।२९	०२।२३।२९।४३	शुभकृत्
२००७	शोभकृत्	१३/ ४/१९५०	२१।०८	कुंभ ०७।३९।३१	०३।०१।५२।१९	शोभकृत्	कुंभ ०६।३४।१८	०२।१८।५१।३२	शोभकृत्
२००८	क्रोधी	१३/ ४/१९५१	२७।१८	मीन ०८।००।३८	०३।०६।०५।४६	क्रोधी	मीन ०५।०७।०९	०२।०१।२५।५०	क्रोधी
२००९	विश्वावसु	१३/ ४/१९५२	९।२७	मेष ०८।२१।४६	०३।१०।१९।१२	विश्वावसु	मेष ०३।०४।२३	०१।०६।५२।३९	विश्वावसु
२०१०	पराभव	१३/ ४/१९५३	१५।३६	वृष ०८।४२।५३	०३।१४।३२।३८	पराभव	वृष ००।५१।०८	००।१०।१३।३२	पराभव
									वृद्धि पराभव
२०११	प्लवङ्ग	१३/ ४/१९५४	२१।४५	मिथुन ०९।०४।००	०३।१८।४६।०५	प्लवङ्ग	वृष २८।४४।५०	११।१६।५७।५६	पराभव
२०१२	कीलक	१३/ ४/१९५५	२७।५४	कर्क ०९।२५।०७	०३।२२।५९।३१	कीलक	मिथुन २७।४९।३१	११।०३।५४।१३	प्लवङ्ग
२०१३	सौम्य	१३/ ४/१९५६	१०।०३	सिंह ०९।४६।१४	०३।२७।१२।५८	सौम्य	कर्क २८।११।१७	११।०८।१५।३०	कीलक
									लुप्त सौम्य
२०१४	साधारण	१३/ ४/१९५७	१६।१२	कन्या १०।०७।२२	०४।०१।२६।२४	साधारण	कन्या ००।२०।४२	००।०४।०८।२४	साधारण
२०१५	विरोधकृत्	१३/ ४/१९५८	२२।२२	तुला १०।२८।२९	०४।०५।३९।५०	विरोधकृत्	तुला ०३।५३।५३	०१।१६।४६।३५	विरोधकृत्
२०१६	परिधावी	१३/ ४/१९५९	२८।३१	वृश्चिक १०।४९।३६	०४।०९।५३।१७	परिधावी	वृश्चिक ०७।३७।४२	०३।०१।३२।१९	परिधावी
२०१७	प्रमादी	१३/ ४/१९६०	१०।४०	धनु ११।१०।४३	०४।१४।०६।४३	प्रमादी	धनु १०।१४।२२	०४।०२।५२।२०	प्रमादी
२०१८	आनन्द	१३/ ४/१९६१	१६।४९	मकर ११।३१।५०	०४।१८।२०।१०	आनन्द	मकर ११।१०।०७	०४।१४।०१।२८	आनन्द
२०१९	राक्षस	१३/ ४/१९६२	२२।५८	कुंभ ११।५२।५८	०४।२२।३३।३६	राक्षस	कुंभ १०।३६।१२	०४।०७।१४।२०	राक्षस
२०२०	नल	१३/ ४/१९६३	२९।०७	मीन १२।१४।०५	०४।२६।४७।०२	नल	मीन ०९।०१।०३	०३।१८।१२।३४	नल

प्रभवादि संवत्सर सूत्र

संवत्सरनाम के गणित हेतु अनेक ग्रंथ है लेकिन यहाँ मुख्य रुप से तीन ग्रंथो की चर्चा करता हूँ

(१) वर्षप्रबोध और सावंत्सरी पद्धति

(२) मानसागरी

(३) बृहद् वाराहमिहिर संहिता ।

पं. श्रीवल्लभ मनीराम पंचांग में वर्षप्रबोध और सावंत्सरी पद्धति का सामान्य सूत्र उपयोग में लिया है जिसमें न कोई लुप्त है न कोई वृद्धि इसका विस्तार से वर्णन इन्ही पृष्टों पर संवत् २०८० के पंचांग में करुँगा । गुरु कृपा से अभी संवत् २०८१ से २०९० के पंचांग का गणित कर रहा हूँ अतः समय का अभाव है ।

(१) वर्षप्रबोध और सावंत्सरी पद्धति में सामान्य सूत्र दिया है जो न कभी लुप्त होता है और न कभी वृद्धि होती है, दूसरा सूत्र मध्यम गुरु के आधार पर भी दिया है जो लगभग ८५ वर्ष में मात्र लुप्त होता है वृद्धि कभी नहीं होती है, जैसा कि संवत्सरनाम तालिका में (संवत् १९८५ में वृष और संवत् २०७० में प्लवंग) का लुप्त दर्शाया गया है ।

(२) मानसागरी में सामान्य सूत्र दिया है जो न कभी लुप्त होता है और न कभी वृद्धि होती है, दूसरा सूत्र मध्यम गुरु के आधार पर दिया है, जो मात्र लुप्त होता है वृद्धि कभी नहीं होती है ।

(३) बृहद् वाराहमिहिर संहिता (यथा नाम तथा गुणा) में बहुत विस्तार से और बहुत प्रकार से दिया है, जिसमें सामान्य सूत्र और मध्यम गुरु के आधार पर तो लिखा ही है अन्य भी गुरुचाराधाय में गुरु के विषय में बहुत कुछ विषय लिखा है उसके लिए अभी समय का अभाव है, अलमिति ।

भूमण्डल की सम्पूर्ण आकांक्षायें (इच्छाएं) सर्वशक्तिमान ईश्वराधीन है - ।

- शेष अगले पृष्ठ पर . . .

	१	
संवत्	संवत्सरनाम सामान्यसूत्र	ता…
२०२१	पिङ्गल	१३/
२०२२	कालयुक्त	१३/
२०२३	सिद्धार्थी	१३/
२०२४	रौद्र	१३/
२०२५	दुर्मति	१३/
२०२६	दुन्दुभि	१३/
२०२७	रुधिरोद्गारी	१३/
२०२८	रक्ताक्षी	१३/
२०२९	क्रोधन	१३/
२०३०	क्षय	१३/
२०३१	प्रभव	१३/
२०३२	विभव	१४/
२०३३	शुक्ल	१३/
२०३४	प्रमोद	१३/
२०३५	प्रजापति	१३/
२०३६	अंगिरा	१४/
२०३७	श्रीमुख	१३/
२०३८	भाव	१३/
२०३९	युवा	१३/
२०४०	धाता	१४/
२०४१	ईश्वर	१३/
२०४२	बहुधान्य	१३/
२०४३	प्रमाथी	१३/
२०४४	विक्रम	१४/
२०४५	वृष	१३/
२०४६	चित्रभानु	१३/
२०४७	सुभानु	१३/
२०४८	तारण	१४/
२०४९	पार्थिव	१३/
२०५०	व्यय	१३/
२०५१	सर्वजित्	१३/
२०५२	सर्वधारी	१४/
२०५३	विरोधी	१३/
२०५४	विकृति	१३/
२०५५	खर	१३/
२०५६	नन्दन	
२०५७	विजय	
२०५८	जय	
२०५९	मन्मथ	
२०६०	दुर्मुख	
२०६१	हेमलम्बी	
२०६२	विलम्बी	

॥ संवत्सरनाम तालिका ॥ (संवत् १९८५ से २०९६ तक), पृ. २

	१	२					३		
संवत्	संवत्सरनाम सामान्यसूत्र	मेषार्क तारीख	समय	मध्यम गुरु राशि अंश क.वि.	गत मासादि मास दिन घ.प.	संवत्सरनाम मध्यमगुरु	स्पष्ट गुरु राशि अंश क.वि.	गत मासादि मास दिन घ.प.	संवत्सरनाम स्पष्टगुरु
२०२१	पिंगल	१३/ ४/१९६४	११।१६	मेष १२।३५।१२	०५।०१।००।२९	पिंगल	मेष ०६।५२।४६	०२।२२।३३।०७	पिंगल
२०२२	कालयुक्त	१३/ ४/१९६५	१७।२५	वृष १२।५६।१९	०५।०५।१३।५५	कालयुक्त	वृष ०४।३७।०७	०१।२५।२५।२४	कालयुक्त
२०२३	सिद्धार्थी	१३/ ४/१९६६	२३।३५	मिथुन १३।१७।२६	०५।०९।२७।२२	सिद्धार्थी	मिथुन ०२।४३।११	०१।०२।३९।४३	सिद्धार्थी
२०२४	रौद्र	१३/ ४/१९६७	२९।४४	कर्क १३।३८।३४	०५।१३।४०।४८	रौद्र	कर्क ०१।४७।०४	००।२१।२४।४७	रौद्र
२०२५	दुर्मति	१३/ ४/१९६८	११।५३	सिंह १३।५९।४१	०५।१७।५४।१४	दुर्मति	सिंह ०२।२४।१०	००।२८।४९।५८	दुर्मति
२०२६	दुन्दुभि	१३/ ४/१९६९	१८।०२	कन्या १४।२०।४८	०५।२२।०७।४१	दुन्दुभि	कन्या ०४।५०।३५	०१।२८।०७।००	दुन्दुभि
२०२७	रुधिरोद्गारी	१३/ ४/१९७०	२४।११	तुला १४।४१।५५	०५।२६।२१।०७	रुधिरोद्गारी	तुला ०८।३३।५१	०३।१२।४६।१०	रुधिरोद्गारी
२०२८	रक्ताक्षी	१३/ ४/१९७१	३०।२०	वृश्चिक १५।०३।०२	०६।००।३४।३४	रक्ताक्षी	वृश्चिक १२।१४।५७	०४।२६।५१।२६	रक्ताक्षी
२०२९	क्रोधन	१३/ ४/१९७२	१२।२९	धनु १५।२४।०९	०६।०४।४८।००	क्रोधन	धनु १४।३९।२०	०५।२५।५२।०१	क्रोधन
२०३०	क्षय	१३/ ४/१९७३	१८।३८	मकर १५।४५।१७	०६।०९।०१।२६	क्षय	मकर १५।२०।४२	०६।०४।०८।२५	क्षय
२०३१	प्रभव	१३/ ४/१९७४	२४।४८	कुंभ १६।०६।२४	०६।१३।१४।५३	प्रभव	कुंभ १४।३५।०६	०५।२५।०१।१०	प्रभव
२०३२	विभव	१४/ ४/१९७५	६।५७	मीन १६।२७।३१	०६।१७।२८।१९	विभव	मीन १२।५२।२२	०५।०४।२८।२१	विभव
२०३३	शुक्ल	१३/ ४/१९७६	१३।०६	मेष १६।४८।३८	०६।२१।४१।४६	शुक्ल	मेष १०।४०।२८	०४।०८।०५।३६	शुक्ल
२०३४	प्रमोद	१३/ ४/१९७७	१९।१५	वृष १७।०९।४५	०६।२५।५५।१२	प्रमोद	वृष ०८।२५।४५	०३।११।०९।००	प्रमोद
२०३५	प्रजापति	१३/ ४/१९७८	२५।२४	मिथुन १७।३०।५३	०७।००।०८।३८	प्रजापति	मिथुन ०६।३८।१६	०२।१९।३९।१५	प्रजापति
२०३६	अंगिरा	१४/ ४/१९७९	७।३३	कर्क १७।५२।००	०७।०४।२२।०५	अंगिरा	कर्क ०५।५४।०८	०२।१०।४९।३८	अंगिरा
२०३७	श्रीमुख	१३/ ४/१९८०	१३।४२	सिंह १८।१३।०७	०७।०८।३५।३१	श्रीमुख	सिंह ०६।४८।०३	०२।२१।३६।३२	श्रीमुख
२०३८	भाव	१३/ ४/१९८१	१९।५२	कन्या १८।३४।१४	०७।१२।४८।५८	भाव	कन्या ०९।२९।३०	०३।२३।५४।०३	भाव
२०३९	युवा	१३/ ४/१९८२	२६।०१	तुला १८।५५।२१	०७।१७।०२।२४	युवा	तुला १३।१७।३३	०५।०९।३०।३४	युवा
२०४०	धाता	१४/ ४/१९८३	८।१०	वृश्चिक १९।१६।२९	०७।२१।१५।५०	धाता	वृश्चिक १६।४९।४७	०६।२१।५७।२२	धाता
२०४१	ईश्वर	१३/ ४/१९८४	१४।१९	धनु १९।३७।३६	०७।२५।२९।१७	ईश्वर	धनु १८।५७।०३	०७।१७।२४।४०	ईश्वर
२०४२	बहुधान्य	१३/ ४/१९८५	२०।२८	मकर १९।५८।४३	०७।२९।४२।४३	बहुधान्य	मकर १९।२१।५४	०७।२२।२२।४८	बहुधान्य
२०४३	प्रमाथी	१३/ ४/१९८६	२६।३७	कुंभ २०।१९।५०	०८।०३।५६।१०	प्रमाथी	कुंभ १८।२४।४३	०७।१०।५६।३९	प्रमाथी
२०४४	विक्रम	१४/ ४/१९८७	८।४६	मीन २०।४०।५७	०८।०८।०९।३६	विक्रम	मीन १६।३६।१५	०६।१९।१५।००	विक्रम
२०४५	वृष	१३/ ४/१९८८	१४।५५	मेष २१।०२।०५	०८।१२।२३।०२	वृष	मेष १४।२३।५९	०५।२२।४७।४५	वृष
२०४६	चित्रभानु	१३/ ४/१९८९	२१।०५	वृष २१।२३।१२	०८।१६।३६।२९	चित्रभानु	वृष १२।१३।४८	०४।२६।४५।३९	चित्रभानु
२०४७	सुभानु	१३/ ४/१९९०	२७।१४	मिथुन २१।४४।१९	०८।२०।४९।५५	सुभानु	मिथुन १०।३५।४४	०४।०७।०८।४९	सुभानु
२०४८	तारण	१४/ ४/१९९१	९।२३	कर्क २२।०५।२६	०८।२५।०३।२२	तारण	कर्क १०।०५।३०	०४।०१।०६।०२	तारण
२०४९	पार्थिव	१३/ ४/१९९२	१५।३२	सिंह २२।२६।३३	०८।२९।१६।४८	पार्थिव	सिंह ११।१५।२७	०४।१५।०५।२९	पार्थिव
२०५०	व्यय	१३/ ४/१९९३	२१।४१	कन्या २२।४७।४१	०९।०३।३०।१४	व्यय	कन्या १४।०९।११	०५।१९।५०।१५	व्यय
२०५१	सर्वजित्	१३/ ४/१९९४	२७।५०	तुला २३।०८।४८	०९।०७।४३।४१	सर्वजित्	तुला १७।५८।३८	०७।०५।४३।४१	सर्वजित्
२०५२	सर्वधारी	१४/ ४/१९९५	९।५९	वृश्चिक २३।२९।५५	०९।११।५७।०७	सर्वधारी	वृश्चिक २१।२०।३३	०८।१८।०६।३२	सर्वधारी
२०५३	विरोधी	१३/ ४/१९९६	१६।०८	धनु २३।५१।०२	०९।१६।१०।३४	विरोधी	धनु २३।१२।३६	०९।०८।३१।१३	विरोधी
२०५४	विकृति	१३/ ४/१९९७	२२।१८	मकर २४।१२।०९	०९।२०।२४।००	विकृति	मकर २३।२४।२८	०९।१०।५३।३१	विकृति
२०५५	खर	१३/ ४/१९९८	२८।२७	कुंभ २४।३३।१७	०९।२४।३७।२६	खर	कुंभ २२।११।१६	०८।२७।५१।०८	खर
२०५६	नन्दन	१४/ ४/१९९९	१०।३६	मीन २४।५४।२४	०९।२८।५०।५३	नन्दन	मीन २०।२७।२२	०८।०५।२८।२८	नन्दन
२०५७	विजय	१३/ ४/२०००	१६।४५	मेष २५।१५।३१	१०।०३।०४।१९	विजय	मेष १८।१५।१६	०७।०९।०३।१०	विजय
२०५८	जय	१३/ ४/२००१	२२।५४	वृष २५।३६।३८	१०।०७।१७।४६	जय	वृष १६।०८।२५	०६।१३।४१।०५	जय
२०५९	मन्मथ	१३/ ४/२००२	२९।०३	मिथुन २५।५७।४५	१०।११।३१।१२	मन्मथ	मिथुन १४।३७।१२	०५।२५।२६।११	मन्मथ
२०६०	दुर्मुख	१४/ ४/२००३	११।१२	कर्क २६।१८।५२	१०।१५।४४।३८	दुर्मुख	कर्क १४।१७।११	०५।२९।२७।४४	दुर्मुख
२०६१	हेमलम्बी	१३/ ४/२००४	१७।२२	सिंह २६।४०।००	१०।१९।५८।०५	हेमलम्बी	सिंह १५।३९।०७	०६।०७।४९।२७	हेमलम्बी
२०६२	विलम्बी	१३/ ४/२००५	२३।३१	कन्या २७।०१।०७	१०।२४।११।३१	विलम्बी	कन्या १८।४१।०३	०७।१४।१२।३२	विलम्बी

पिछले पृष्ठ का शेष -

विशेष - पूर्वकाल में केल्कुलेटर या कम्प्यूटर नहीं था तब तो कष्टप्रद होने के कारण मध्यम गुरु से संवत्सर का गणित ठीक था जैसा कि वेंकटेश्वर शताब्दि पंचांग में श्रीगुरुचरणों ने किया। मैं अध्ययन करने (मुरारका हाकरा) जाता था तब परम पूज्य श्रीगुरुजी ने सन १९८२ (yr-1982) में पहली बार केल्कुलेटर देखा था और अद्भुत आश्चर्य व्यक्त किया था और **परमपूज्य श्रीगुरुजी ने कहा कि -**

शताब्दि पंचांग का निर्माण कर रहा था यदि उस समय मुझे यह मशीन (केल्कुलेटर) मिल जाती तो मैं 1000 एक हजार वर्ष (विक्रम संवत् 2001 से 3000 तक) का पञ्चाङ्ग बना देता. तो मैंने श्रीगुरुचरणों में निवेदन किया था कि आपका वरद् आशिर्वाद रहा और स्वास्थ्य व सामर्थ्य रही तो यह कार्य मैं पूरा करने का प्रयास करूँगा। उन बातों को ३१ वर्ष पूरे हो गये लेकिन-'हा हन्त हन्त नलिनीं गज उज्जहार' (अर्थात् समाज के सामने लाने में असमर्थ रहा) गणित किया हुआ पञ्चाङ्ग वर्षों से तैयार है लेकिन DTP नहीं करवा सका. . . . ? ? ?

जो स्वयं पञ्चाङ्गगणितकर्ता है वे ही असाध्य परिश्रम की कल्पना कर सकते है कि श्रीगुरुजी ने केल्कुलेटर और कम्प्यूटर की सहायता के बिना शताब्दि पंचांग कैसे तैयार किया होगा, श्रीगुरुजी का बहु-परिश्रम पञ्चाङ्गगणितकर्ताओं के लिए सर्वदा स्तुत्य है और रहेगा। श्री गुरोरर्पणमस्तु।

सारांश - मेरे मत से सामान्यसूत्र के आधार पर संवत्सर का नाम दें. जिसमें न लुप्त है, न वृद्धि। आपका मत यदि स्पष्टगुरु के आधार पर संवत्सर का नाम देना है जिसमें लुप्त संवत्सर भी है और वृद्धि भी है। भारत के सभी पंचांगकर्ताओं से निवेदन है कि यदि एक मत हो तो? कृपया पत्र या फोन से सम्पर्क कर जानकारी दें। आपका मत स्पष्टगुरु के आधार पर संवत्सर का नाम देना उचित है तो आगामी संवत् २०८० में संवत् २०९७ से २२०० तक की संवत्सरनाम तालिका आजायेगी लेकिन एक वाक्यता होना वर्तमान समय की आवश्यकता है।

सर्वदा श्री गुरुचरणध्यानस्थ -

पं. ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री), मुम्बई.
Mob. +91 8976852920

॥ संवत्सरनाम तालिका ॥ (संवत् १९८५ से २०९६ तक), पृ. ३

	१	२					३		
संवत्	संवत्सरनाम सामान्यसूत्र	मेषार्क तारीख	समय	मध्यम गुरु राशि अंश क.वि.	गत मासादि मास दिन घ.प.	संवत्सरनाम मध्यमगुरु	स्पष्ट गुरु राशि अंश क.वि.	गत मासादि मास दिन घ.प.	संवत्सरनाम स्पष्टगुरु
२०६३	विकारी	१३/ ४/२००६	२९।४०	तुला २७।२२।१४	१०।२८।२४।५८	विकारी	तुला २२।२९।३४	०८।२९।५४।४८	विकारी
२०६४	शार्वरी	१४/ ४/२००७	११।४९	वृश्चिक २७।४३।२१	११।०२।३८।२४	शार्वरी	वृश्चिक २५।४१।५७	१०।०८।२३।२५	शार्वरी
२०६५	प्लव	१३/ ४/२००८	१७।५८	धनु २८।०४।२९	११।०६।५१।५०	प्लव	धनु २७।२२।०८	१०।२८।२५।३४	प्लव
२०६६	शुभकृत्	१३/ ४/२००९	२४।०७	मकर २८।२५।३६	११।११।०५।१७	शुभकृत्	मकर २७।२४।५३	१०।२८।५८।३७	शुभकृत्
२०६७	शोभकृत्	१३/ ४/२०१०	३०।१६	कुंभ २८।४६।४३	११।१५।१८।४३	शोभकृत्	कुंभ २६।१४।३७	१०।१४।५३।२८	शोभकृत्
२०६८	क्रोधी	१४/ ४/२०११	१२।२५	मीन २९।०७।५०	११।१९।३२।१०	क्रोधी	मीन २४।२०।०९	०९।२२।०१।४५	क्रोधी
२०६९	विश्वावसु	१३/ ४/२०१२	१८।३४	मेष २९।२८।५७	११।२३।४५।३६	विश्वावसु	मेष २२।०७।३८	०८।२५।३१।४१	विश्वावसु
२०७०	पराभव	१३/ ४/२०१३	२४।४४	वृष २९।५०।०४	११।२७।५९।०२	पराभव	वृष २०।०३।००	०८।००।३५।५४	पराभव
					लुप्त	प्लवङ्ग			
२०७१	प्लवङ्ग	१४/ ४/२०१४	६।५३	कर्क ००।११।१२	००।०२।१२।२९	कीलक	मिथुन १८।३७।५०	०७।१३।३३।५८	प्लवङ्ग
२०७२	कीलक	१४/ ४/२०१५	१३।०२	सिंह ००।३२।१९	००।०६।२५।५५	सौम्य	कर्क १८।२९।१४	०७।११।५०।४३	कीलक
२०७३	सौम्य	१३/ ४/२०१६	११।११	कन्या ००।५३।२६	००।१०।३९।२२	साधारण	सिंह २०।०४।५९	०८।००।५९।४७	सौम्य
२०७४	साधारण	१३/ ४/२०१७	२५।२०	तुला ०१।१४।३३	००।१४।५२।४८	विरोधकृत्	कन्या २३।१७।३९	०९।०९।३१।४८	साधारण
२०७५	विरोधकृत्	१४/ ४/२०१८	७।२९	वृश्चिक ०१।३५।४०	००।१९।०६।१४	परिधावी	तुला २७।०७।१४	१०।२५।२६।५३	विरोधकृत्
								लुप्त	परिधावी
२०७६	परिधावी	१४/ ४/२०१९	१३।३८	धनु ०१।५६।४८	००।२३।१९।४१	प्रमादी	धनु ००।१०।४१	००।०२।०८।०९	प्रमादी
२०७७	प्रमादी	१३/ ४/२०२०	१९।४८	मकर ०२।१७।५५	००।२७।३३।०७	आनन्द	मकर ०१।३८।१५	००।११।३८।५८	आनन्द
२०७८	आनन्द	१३/ ४/२०२१	२५।५७	कुंभ ०२।३९।०२	०१।०१।४६।३४	राक्षस	कुंभ ०१।२९।४६	००।१७।५७।१५	राक्षस
२०७९	राक्षस	१४/ ४/२०२२	८।०६	मीन ०३।००।०९	०१।०६।००।००	नल	मीन ००।११।००	००।०२।१२।०५	नल
								वृद्धि	नल
२०८०	नल	१४/ ४/२०२३	१४।१५	मेष ०३।२१।१६	०१।१०।१३।२६	पिङ्गल	मीन २८।१०।३८	११।०८।०७।३३	नल
२०८१	पिङ्गल	१३/ ४/२०२४	३०।२४	वृष ०३।४२।२४	०१।१४।२६।५३	कालयुक्त	मेष २५।५४।४३	१०।१०।५६।३३	पिङ्गल
२०८२	कालयुक्त	१३/ ४/२०२५	२६।३३	मिथुन ०४।०३।३१	०१।१८।४०।१९	सिद्धार्थी	वृष २३।५०।३७	०९।१६।०७।२६	कालयुक्त
२०८३	सिद्धार्थी	१४/ ४/२०२६	८।४२	कर्क ०४।२४।३८	०१।२२।५३।४६	रौद्र	मिथुन २२।३१।५४	०९।००।२२।५२	सिद्धार्थी
२०८४	रौद्र	१४/ ४/२०२७	१४।५२	सिंह ०४।४५।४५	०१।२७।०७।१२	दुर्मति	कर्क २२।३६।२१	०९।०१।१६।१७	रौद्र
२०८५	दुर्मति	१३/ ४/२०२८	२१।०१	कन्या ०५।०६।५२	०२।०१।२०।३८	दुन्दुभि	सिंह २४।२८।५६	०९।२३।४७।१८	दुर्मति
२०८६	दुन्दुभि	१३/ ४/२०२९	२७।१०	तुला ०५।२८।००	०२।०५।३४।०५	रुधिरोद्गारी	कन्या २७।५४।४१	११।०४।५६।१०	दुन्दुभि
								लुप्त	रुधिरोद्गारी
२०८७	रुधिरोद्गारी	१४/ ४/२०३०	९।१९	वृश्चिक ०५।४९।०७	०२।०९।४७।३१	रक्ताक्षी	वृश्चिक ०१।४५।५७	००।२१।११।२०	रक्ताक्षी
२०८८	रक्ताक्षी	१४/ ४/२०३१	१५।२८	धनु ०६।१०।१४	०२।१४।००।५८	क्रोधन	धनु ०४।३९।४७	०१।२५।५७।१९	क्रोधन
२०८९	क्रोधन	१३/ ४/२०३२	२१।३७	मकर ०६।३१।२१	०२।१८।१४।२४	क्षय	मकर ०५।५३।२०	०२।१०।३९।५९	क्षय
२०९०	क्षय	१३/ ४/२०३३	२७।४६	कुंभ ०६।५२।२८	०२।२२।२७।५०	प्रभव	कुंभ ०५।३२।१९	०२।०६।२७।४४	प्रभव
२०९१	प्रभव	१४/ ४/२०३४	९।५५	मीन ०७।१३।३६	०२।२६।४१।१७	विभव	मीन ०४।०४।३९	०१।१८।५५।५१	विभव
२०९२	विभव	१४/ ४/२०३५	१६।०५	मेष ०७।३४।४३	०३।००।५४।४३	शुक्ल	मेष ०१।५९।१८	००।२३।५९।३८	शुक्ल
								वृद्धि	शुक्ल
२०९३	शुक्ल	१३/ ४/२०३६	२२।१४	वृष ०७।५५।५०	०३।०५।०८।१०	प्रमोद	मेष २९।४२।३६	११।२६।३१।०८	शुक्ल
२०९४	प्रमोद	१३/ ४/२०३७	२८।२३	मिथुन ०८।१६।५७	०३।०९।२१।३६	प्रजापति	वृष २७।४२।४६	११।०२।३३।१५	प्रमोद
२०९५	प्रजापति	१४/ ४/२०३८	१०।३२	कर्क ०८।३८।०४	०३।१३।३५।०२	अङ्गिरा	मिथुन २६।३४।१८	१०।१८।५१।३५	प्रजापति
२०९६	अङ्गिरा	१४/ ४/२०३९	१६।४१	सिंह ०८।५९।११	०३।१७।४८।२९	श्रीमुख	कर्क २६।५४।२१	१०।२२।५२।१५	अङ्गिरा

अलम् अतिविस्तरेण

पृष्ठ ८ का शेष . . . . . .

चैत्रादि चान्द्रमासों के वैदिक नाम

चैत्र मास - मधु मास
वैशाख मास - माधव मास
ज्येष्ठ मास - शुक्र मास
आषाढ मास - शुचि मास
श्रावण मास - नभः मास
भाद्रपद मास - नभस्य मास
आश्विन मास - इष मास
कार्तिक मास - उर्ज मास
अग्रहायण (मार्गशीर्ष) मास - सहः मास
पौष मास - सहस्य मास
माघ मास - तप मास
फाल्गुन मास - तपस्य मास

अपि च - बृहन्नारदीय महापुराणे, श्रीवेङ्कटेश्वर प्रेस, मु

धनुर्गतपौषो विवाहे निषिद्धः -

धनुषि पौषस्त्वत्यन्तं निषिद्धः 'मीने धनुषि सिंहे च स्थि सप्तगुरक्रमे। क्षौरमन्नं न कुर्वीत विवाहं गृहकर्म च ॥' इ गर्गोक्तेः। अन्नप्राशनं विहितकालातिक्रान्तं क्षौरं चौल स्वतंत्रम्। यत्तूपनयनाङ्गं क्षौरं तस्य न निषेधः 'चैत्रे मीनग रवौ' इति विहितोपनयनस्य विषयालभमात्। अथोत्तरार्धं व्याख्या - अलीति। अलिमृगाजाः प्राग्व्याख्याताः। एतद्राशिगते सू सति कार्तिकपौषमधुष्वपि करपीडनंभवति। यथा वृश्चिके कार्तिक मकरे पौषः, तथा मेषे चैत्रोऽपीत्यर्थः। इदं तु सौरमासग्राहि मतम्। अत एवायुनोक्त-चूडारत्नस्थवाक्ये 'केप्याहुः परपीडनं इत्युक्तम्। श्रीधरोऽपि -'पौषे च कुर्यान्मकरस्थितेऽर्के चै भवन्मेषगतो यदा स्यात्। प्रशस्तमाषाढकृतं विवाहं वद गर्गा मिथुनस्थितेऽर्के ॥' इति तदेतदागमविहितत्वाबादुपेक्ष्यम् अत्यन्तातिक्रमेऽयं कालः -

अथ वा केवलमात्रमीकारेण मध्यमत्वमङ्गीकृ कालान्तरानपेक्षिण्य-वश्यदेयकन्याविषयम्। अ 'गीर्वाणाम्बुप्रतिष्ठा' इत्यादीना मासनिर्णयः सामान्यत कृतोप्येतादृशविशेषाभिधानार्थं पुनर्ग्रन्थकृतोक्तः ॥१३॥

पीताम्बरा - वैवाहिक मास - सूर्य संक्रमण की मिथुन, कुम्भ, मकर, वृश्चिक, वृष और मेष राशियों के चान मासों में विवाह लग्न शुभ होते हैं।

मिथुन राशि गत सूर्य में आषाढ शुक्ल प्रतिपद आषाढ शुक्ल दशमी तक, वृश्चिक के सूर्य में कार्तिक मास मकर के सूर्य में पौष मास और मेष के सूर्य में चैत्र चान्द्रमा में विवाह लग्न होते हैं। सौर चान्द्रमासों की एकता के मा में विवाह उत्तम है। मास शब्द से सामान्यतः चान्द्रमास गृहीत होता है ॥१३॥ - पीयूषधारा मु.चि.(पृ.३१८-१०

॥ लंदन (इंग्लैण्ड) के लिए - प्रमुख त्योंहार तालिका, विदेश ॥

संवत् २०८२, शाकः १९४७, सन २०२५-२६ (विदेश के, स्टै. समय में)

स्थल लंदन (इग्लैण्ड) ॥ विदेश ॥ (अक्षांशः ५१° ३०' , रेखांशः -.०८३° ०')

City: London, Videsh, (Lat 51° 30', Lon -.083° 0'), Zone Time (Hours) 0

त्योंहार	तारीख	वार	मास पक्ष	तिथि घं.मि.	नक्षत्र घं.मि.	सूर्योदय	सूर्यास्त
गुढीपडवा	३० मार्च २०२५	रवि	चैत्र शुक्ल	१ ७।२१	रेव ११।०३	५।४५	६।२५
चैत्रीयनवरात्रारंभ	३० मार्च २०२५	रवि	चैत्र शुक्ल	१ ७।२१	रेव ११।०३	५।४५	६।२५
श्रीरामनवमी	६ अप्रैल २०२५	रवि	चैत्र शुक्ल	९ १३।५४	पुष्य २४।५२	५।३०	६।३७
महावीर जयन्ती	१० अप्रैल २०२५	गुरु	चैत्र शुक्ल	१३ १९।३६	पूफा ६।५६	५।२१	६।४३
हनुमान जयन्ती	१२ अप्रैल २०२५	शनि	चैत्र शुक्ल	१५ २४।२२	हस्त १२।३५	५।१७	६।४७
अक्षय तृतीया	३० अप्रैल २०२५	बुध	वैशाख शुक्ल	३ ८।४५	रोहि १०।४७	४।४०	७।१६
बुद्ध पूर्णिमा	१२ मई २०२५	सोम	वैशाख शुक्ल	१५ १६।५५	विशा २७।३४	४।२०	७।३५
रक्षाबंधन	९ अगस्त २०२५	शनि	श्रावण शुक्ल	१५ ७।५१	श्रव ८।४८	४।४३	७।२८
	(पुरादिन शुद्ध है)						
जन्माष्टमी व्रतं स्मार्त्तानाम्	१५ अगस्त २०२५	शुक्र	भाद्रपद कृष्ण	७ १८।२१	भर २४।३५	४।५३	७।१६
जन्माष्टमी व्रतं वैष्णवानाम्	१६ अगस्त २०२५	शनि	भाद्रपद कृष्ण	८ १६।०४	कृति २३।०६	४।५४	७।१४
हरितालिका	२६ अगस्त २०२५	मंगल	भाद्रपद शुक्ल	३ ८।२१	हस्त २४।२८	५।१०	६।५४
गणेशचतुर्थी	२६ अगस्त २०२५	मंगल	भाद्रपद शुक्ल	३ ८।२१	हस्त २४।२८	५।१०	६।५४
शारदीय नवरात्रारंभ	२२ सितंबर २०२५	सोम	आश्विन शुक्ल	१ २१।२६	उफा ५।५४	५।५२	५।५३
विजया दशमी	१ अक्टूबर २०२५	बुध	आश्विन शुक्ल	९ १३।३१	उषा २७।४२	६।०६	५।३२
दीपावली, महालक्ष्मी पूजन	२० अक्टूबर २०२५	सोम	कार्तिक कृष्ण	१४ १०।१७	हस्त १४।४७	६।३८	४।५१
गुर्जराणाम् नूतनसंवत्सरारम्भः	२२ अक्टूबर २०२५	बुध	कार्तिक शुक्ल	१ १४।४५	स्वा २०।१८	६।४२	४।४७
नानक जयन्ती	५ नवंबर २०२५	बुध	कार्तिक शुक्ल	१५ १३।२२	भर २५।०६	७।०६	४।२१
शकम्भरी जयन्ती	२ जनवरी २०२६	शुक्र	पोष शुक्ल	१४ १३।२४	मृग १४।३२	८।१२	३।५७
मकरेऽर्कः	१४ जनवरी २०२६	बुध	माघ कृष्ण	११ १२।२६	अनु २१।३४	८।०६	४।१४
	मकरे रवि ९।०४, (पुण्यकालः स्टै. ९।०४ तः २५।०४ यावत्)						
मकर सक्रान्ति	१४ जनवरी २०२६	बुध	माघ कृष्ण	११ १२।२६	अनु २१।३४	८।०६	४।१४
महाशिवरात्री	१५ फरवरी २०२६	रवि	फाल्गुन कृष्ण	१३ ११।३६	उषा १४।१६	७।२०	५।१०
होलिका दहन	२ मार्च २०२६	सोम	फाल्गुन शुक्ल	१४ १२।३०	मघा २६।०२	६।४९	५।३७
	होलिका दहन भद्रा के बाद (भद्रा समाप्ति २४।०३ बजे)						

परामर्शदाता - श्रीयुत विशालबाबू श्यामसुन्दरजी रूईया, ओर्बिट टावर मुम्बई

स्थल - लंदन (इग्लैण्ड), स्टै. समय में

संवत् २०८२, आश्विन कृष्णपक्ष में श्राद्धतिथि निर्णय, सन २०२५

पूर्णिमा	(पूनम) का श्राद्ध	रविवार	७ सितंबर (भाद्रपद शुक्लपक्ष)		
प्रतिपदा	(एकम)	"	सोमवार	८ सितंबर	
द्वितीया	(दूज)	"	मंगलवार	९ सितंबर	मध्यान्ह १२।५८ बजे के पहले
तृतीया	(तीज)	"	बुधवार	१० सितंबर	दिन १०।०८ बजे के पहले
चतुर्थी	(चोथ)	"	बुधवार	१० सितंबर	दिन १०।०८ बजे के बाद
पंचमी	(पांच)	"	गुरुवार	११ सितंबर	प्रातः७।१६ बजे के बाद
षष्ठी	(छठ)	"	शुक्रवार	१२ सितंबर	
सप्तमी	(सातं)	"	शनिवार	१३ सितंबर	
अष्टमी	(आठ)	"	रविवार	१४ सितंबर	
नवमी	(नौमी)	"	सोमवार	१५ सितंबर	
दशमी	(दस)	"	मंगलवार	१६ सितंबर	
एकादशी		"	बुधवार	१७ सितंबर	
द्वादशी	(बारस)	"	गुरुवार	१८ सितंबर	
त्रयोदशी	(तेरस)	"	शुक्रवार	१९ सितंबर	
चतुर्दशी	(चौदस)	"	शनिवार	२० सितंबर	
अमावस्या	(मावस)	"	रविवार	२१ सितंबर	

॥ शुभम् ॥

पञ्चाङ्गगणितकर्ता :- पं. ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री)

- वैजयन्ती संगणक *(Vaijayanti Computers)*

॥ न्यूयॉर्क (अमेरिका) के लिए - प्रमुख त्योहार तालिका, विदेश ॥

संवत् २०८२, शाक: १९४७, सन २०२५-२६ (विदेश के, स्टै. समय में)

स्थल न्यूयॉर्क (अमेरिका) ॥ विदेश ॥ (अक्षांश: ४०°४३', रेखांश: -७४° १')

City: Newyork, Videsh, (Lat 40° 43', Lon -74° 1'), Zone Time (Hours)-5

त्योहार	तारीख	वार	मास पक्ष	तिथि घं.मि.	नक्षत्र घं.मि.	सूर्योदय	सूर्यास्त
गुडीपडवा	२९ मार्च २०२५	शनि	चैत्र कृष्ण	३० ५।५७	उभा ८।५३	५।४८	६।१३
चैत्रीयनवरात्रारंभ	२९ मार्च २०२५	शनि	चैत्र कृष्ण	३० ५।५७	उभा ८।५३	५।४८	६।१३
श्रीरामनवमी	५ अप्रेल २०२५	शनि	चैत्र शुक्ल	८ ८।५६	पुन १८।५८	५।३७	६।२१
महावीर जयन्ती	१० अप्रेल २०२५	गुरु	चैत्र शुक्ल	१३ १४।३६	उफा २८।४१	५।२९	६।२६
हनुमान जयन्ती	१२ अप्रेल २०२५	शनि	चैत्र शुक्ल	१५ ११।२२	हस्त ७।३५	५।२६	६।२८
अक्षय तृतीया	२९ अप्रेल २०२५	मंगल	वैशाख शुक्ल	२ ७।०५	कृति ८।१७	५।०२	६।४५
बुद्ध पूर्णिमा	१२ मई २०२५	सोम	वैशाख शुक्ल	१५ ११।५५	विशा २२।३४	४।४७	६।५८
रक्षाबंधन	८ अगस्त २०२५	शुक्र	श्रावण शुक्ल	१५ २६।५१	श्रव २७।४८	५।०५	६।५८
	भद्रा के बाद (भद्रा समाप्ति १५।१८ बजे)						
जन्माष्टमी व्रतं स्मार्तानाम्	१५ अगस्त २०२५	शुक्र	भाद्रपद कृष्ण	७ १३।२१	भर ११।३५	५।१२	६।४९
जन्माष्टमी व्रतं वैष्णवानाम्	१६ अगस्त २०२५	शनि	भाद्रपद कृष्ण	८ ११।०४	कृति १८।०६	५।१३	६।४७
हरितालिका	२५ अगस्त २०२५	सोम	भाद्रपद शुक्ल	३ २७।२१	उफा १७।१६	५।२१	६।३४
गणेशचतुर्थी	२६ अगस्त २०२५	मंगल	भाद्रपद शुक्ल	४ २९।०८	हस्त ११।२८	५।२२	६।३२
शारदीय नवरात्रारंभ	२२ सितंबर २०२५	सोम	आश्विन शुक्ल	१ १६।२५	हस्त २७।०७	५।४८	५।४८
विजया दशमी	१ अक्टूबर २०२५	बुध	आश्विन शुक्ल	९ ८।३२	उषा २२।४२	५।५७	५।३३
दीपावली, महालक्ष्मी पूजन	२० अक्टूबर २०२५	सोम	कार्तिक कृष्ण	३० अहोरात्र	हस्त ९।४७	६।१७	५।०३
गुर्जराणाम् नूतनसंवत्सरारम्भ:	२२ अक्टूबर २०२५	बुध	कार्तिक शुक्ल	१ ९।४५	स्वा १५।१८	६।१९	५।०१
नानक जयन्ती	५ नवंबर २०२५	बुध	कार्तिक शुक्ल	१५ ८।२२	भर २०।०६	६।३६	४।४३
शाकम्भरी जयन्ती	२ जनवरी २०२६	शुक्र	पौष शुक्ल	१४ ८।२४	मृग ९।३२	७।२५	४।३६
मकरेऽर्क:	१३ जनवरी २०२६	मंगल	माघ कृष्ण	११ अहोरात्र	विशा १३।३५	७।२३	४।४७
	मकरे रवि २८।०४, (पुण्यकाल: स्टै. २८।०४ त: बुधवासरे १४ जनवरी २०।०४ यावत)						
मकर सक्रान्ति	१४ जनवरी २०२६	बुध	माघ कृष्ण	११ ७।२६	अनु १६।३४	७।२३	४।४८
महाशिवरात्री	१५ फरवरी २०२६	रवि	फाल्गुन कृष्ण	१४ अहोरात्र	उषा ९।१६	६।५४	५।२७
होलिका दहन	२ मार्च २०२६	सोम	फाल्गुन शुक्ल	१४ ७।३०	मघा २१।०२	६।३३	५।४४
	होलिका दहन भद्रा के बाद (भद्रा समाप्ति १९।०३ बजे)						

परामर्शदाता - श्रीयुत विशालबाबू श्यामसुन्दरजी रुईया, ऑर्चिट टावर मुम्बई

स्थल - न्यूयॉर्क (अमेरिका), स्टै. समय मे

संवत् २०८२, आश्विन कृष्णपक्ष में श्राद्धतिथि निर्णय
सन २०२५

पूर्णिमा	(पूनम) का श्राद्ध	रविवार	७ सितंबर	मध्यान्ह १।०४ बजे के पहले (भाद्रपद शुक्लपक्ष)
प्रतिपदा	(एकम) "	सोमवार	८ सितंबर	मध्यान्ह १०।३९ बजे के पहले
द्वितीया	(दूज) "	सोमवार	८ सितंबर	मध्यान्ह १०।३९ बजे के बाद
तृतीया	(तीज) "	मंगलवार	९ सितंबर	प्रात:७।५८ बजे के बाद
चतुर्थी	(चौथ) "	बुधवार	१० सितंबर	
पंचमी	(पांच) "	गुरुवार	११ सितंबर	
षष्ठी	(छठ) "	शुक्रवार	१२ सितंबर	
सप्तमी	(सात) "	शनिवार	१३ सितंबर	
अष्ठमी	(आठ) "	रविवार	१४ सितंबर	
नवमी	(नौमी) "	सोमवार	१५ सितंबर	
दशमी	(दस) "	मंगलवार	१६ सितंबर	मध्यान्ह १।४८ बजे के पहले
एकादशी	"	बुधवार	१७ सितंबर	मध्यान्ह १।०६ बजे के पहले
द्वादशी	(बारस) "	गुरुवार	१८ सितंबर	मध्यान्ह १२।५३ बजे के पहले
त्रयोदशी	(तेरस) "	शुक्रवार	१९ सितंबर	मध्यान्ह १।०८ बजे के पहले
चतुर्दशी	(चौदस) "	शनिवार	२० सितंबर	मध्यान्ह १।४९ बजे के पहले
अमावस्या	(मावस) "	रविवार	२१ सितंबर	

॥ शुभम् ॥

पञ्चाङ्गगणितकर्ता :- पं. ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री)

- *वैजयन्ती संगणक (Vaijayanti Computers)*

॥ नम्र निवेदन ॥

हेतु - भारत में प्रमुख व्रतोत्सव एकता

आदरणीय दैवज्ञ पञ्चाङ्गकर्ता एवं विद्वानों को
सस्नेह हृदयालिङ्गनम् नतोऽस्मित ।

जैसे गणित मे समय समय पर कालान्तर संस्कार देना आवश्यक है ठीक वैसे ही समय समय पर युगाऽनुधर्म के अनुसार युगान्तर संस्कार देना भी आवश्यक है अन्यथा जैसे बिना कालान्तर संस्कार के स्थूल गणित की उपेक्षा कर दी जाती है . . . . ।

ज्ञातव्य है कि गत ६-७ वर्षो से भारत के प्रमुख त्योंहारो में निरन्तर मत-मतान्तर बढ रहे है, यह पंचांगकर्त्ताओं के लिए दूर गामी शुभ संकेत नहीं है । संवत् २०६५ से समय समय पर प्रमुख त्योंहारो की एकता के लिए निरंतर प्रयास करता रहा हूँ (संवत् २०७२ में होलिका दहन का मत-मतान्तर हुआ था, तब भी **"पं श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्ग"** संवत् २०७३ के पृष्ठ ९ में जो मैने लिखा था, वे ही पंक्तियाँ यहाँ द्रष्टव्य है -
विशेष - कोई भी पञ्चाङ्गकर्ता आगामी ५/१० या अधिक वर्षों के उक्त राष्ट्रीय त्योंहार लेना चाहे तो निशुल्क भेज दूंगा ताकि **जन हित में 'प्रमुख व्रतोत्सवों (त्योंहारों) को राष्ट्रीय एकता के सूत्र में पिरोया जा सके'** अलमतिविस्तरेण ॥ अस्तु ॥

इतना सहयोग करने पर भी यदि मत-मतान्तर रहता है तो यह दुर्भाग्य है । कुछ बालमति पंचांगकर्त्ता अहम्-पूर्वम् अहम्-पूर्वम् में उत्तरोत्तर धर्मशास्त्र को क्षीण और समाज में आनास्था का काम करते है, इसके दूरगामी परिणाम पंचांगकर्त्ताओं के हित में नहीं होंगें ।
ये सब जनहित में लिखा है यथा - अध्यापनं-अध्ययनम् यजनं याजनं तथा । दानं प्रतिग्रहंचैव ब्राह्मणानामकल्पयेत् । (म. ८८.१) ॥ फिर भी मेरे शब्दों से किसी भी व्यक्ति को आघात (बुरा) लगे तो क्षमा चाहूँगा । **यद् भावि तद् भवतु ।**
भारत के सभी पंचांगकर्त्ताओं से नम्रनिवेदन है कि अल्पशब्दों को अधिक समझें ।

जो ग्रहण भारत के किसी भी भाग में दिखाई देने वाला नहीं है फिर भी आजकल प्रचार-प्रसार, दूरदर्शन आदि माध्यमों से भारत में उसकी भ्रांति फैला देते है, यह किसी भी दृष्टि से उचित नही । जैसे कि अभी २० अप्रेल २०२३ को सूर्यग्रहण भारत में दिखाई न देने पर भी भ्रांति फैलाई गई । प्रसंग वश यहाँ पर स्पष्ट कर दूँ - **संवत् २०८४, श्रावण कृष्णा अमावस्या (३०) सोमवार, ता. २ अगस्त २०२७ को होने वाला खण्डग्रास सूर्यग्रहण भारत में दिखाई देगा उसके पहिले कोई भी सूर्यग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा ।** भ्रांतियों से बचना चाहिए ।

प्रमुख त्योंहारों के निर्णय में सूत्र रचना - निर्णयसिंधु, धर्मसिंधु, जयसिंह कल्पद्रुम, पुरुषार्थ चिंतामणि, संग्रहशिरोमणि, सनत्कुमार संहिता, पीयूषधारा मुहूर्तचिन्तामणि और वाराहमिहिर संहिता आदि के आधार पर की गई है ॥*दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः॥*
आशा करता हूँ - ईश्वर की कृपा और आप सभी के आशिर्वाद से मनोरथ सिद्ध होंगे ।
- भवदीय वरदभावाकाँक्षी – पं. ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री), मुम्बई., संपर्क न. +91 8976852920

धर्मशास्त्र के अनुसार- "श्रीरामनवमी" की मिति और तारीख -

॥ सुप्रसिद्ध चित्रापक्षीय पञ्चाङ्ग ॥ स्थल रामगढ (शेखा.)
(अक्षांशः २८°०' उ., रेखांशः ७४°५९'पू.) स्टै. समय मे

सूत्र - चैत्र और द्वितीयचैत्र शुक्लपक्ष नवमी -
(मुख्यकाल:- मध्यान्हकालिनी ग्राह्या, द्वे सत्वे अभावे वा परा ग्राह्या)

संवत्	तारीख	पर्व	तिथिवार	ति.समाप्ति	दिनमान	सूर्योदय	सूर्यास्त
२०८१	१७ ४ २०२४	श्रीरामनवमी	९ बुध	१५।१७	१२।४६	६।०७	६।५३
२०८२	६ ४ २०२५	श्रीरामनवमी	९ रवि	१९।२४	१२।२८	६।१९	६।४७
२०८३	२६ ३ २०२६	श्रीरामनवमी	८ गुरु	११।४९	१२।०९	६।३१	६।४१
२०८४	१५ ४ २०२७	श्रीरामनवमी	९ गुरु	१३।२३	१२।४१	६।१०	६।५१
२०८५	४ ४ २०२८	श्रीरामनवमी	९ मंग.	१०।११	१२।२५	६।२१	६।४६
२०८६	२३ ४ २०२९	श्रीरामनवमी	९ सोम	११।३४	१२।५४	६।०१	६।५६
२०८७	१२ ४ २०३०	श्रीरामनवमी	९ शुक्र	२१।३५	१२।३७	६।१३	६।५०
२०८८	१ ४ २०३१	श्रीरामनवमी	९ मंग.	२१।३६	१२।१९	६।२५	६।४४
२०८९	१९ ४ २०३२	श्रीरामनवमी	९ सोम	१२।३१	१२।४९	६।०५	६।५४
२०९०	८ ४ २०३३	श्रीरामनवमी	९ शुक्र	१०।३०	१२।३१	६।१७	६।४८

संवत्	तारीख	पर्व	तिथिवार	ति.समाप्ति	दिनमान	सूर्योदय	सूर्यास्त
२०९१	२८ ३ २०३४	श्रीरामनवमी	९ मंग.	१७।३५	१२।१३	६।२९	६।४२
२०९२	१६ ४ २०३५	श्रीरामनवमी	९ सोम	१८।१०	१२।४३	६।०९	६।५२
२०९३	५ ४ २०३६	श्रीरामनवमी	९ शनि	१४।२३	१२।२७	६।२०	६।४६
२०९४	२५ ३ २०३७	श्रीरामनवमी	८ बुध	११।३९	१२।०८	६।३२	६।४०
२०९५	१४ ४ २०३८	श्रीरामनवमी	९ बुध	१०।३४	१२।४०	६।१०	६।५१
२०९६	३ ४ २०३९	श्रीरामनवमी	९ रवि	१७।३१	१२।२२	६।२३	६।४५
२०९७	२१ ४ २०४०	श्रीरामनवमी	९ शनि	१०।१४	१२।५२	६।०३	६।५५
२०९८	९ ४ २०४१	श्रीरामनवमी	९ मंग.	दिनरात	१२।३३	६।१५	६।४८
२०९९	२९ ३ २०४२	श्रीरामनवमी	९ शनि	३०।२६	१२।१५	६।२८	६।४२
२१००	१७ ४ २०४३	श्रीरामनवमी	९ शुक्र	२७।०४	१२।४५	६।०८	६।५२

प्रदोषकाल:- सूर्यास्तोत्तरं त्रिमुहुर्तः प्रदोषः ॥ दिनस्य पंचदशो भागो मुहूर्तः ॥ दिन के पन्द्रहवें (१५) भाग को मुहूर्त कहते है । - **धर्मसिंधु ॥ प्रदोषकाल:-** सूर्यास्त से १ घंटा १२ मि. (३ घटी) तक के समय को प्रदोष मध्यकाल कहते है, विषम स्थिति में इसी सूत्र से निर्णय होता है जिसे अर्धादिक कहते है । - **धर्मसिंधु**

- शेष आगे देखें

धर्मशास्त्र के अनुसार - रक्षा बंधन की मिति और तारीख -

॥ दृक्सिद्ध चित्रापक्षीय पञ्चाङ्ग ॥ स्थल रामगढ (शैला.)

(अक्षांश: २८°०' उ., रेखांश: ७४°५९'पू.) स्टै. समय में

सूत्र - श्रावण और द्वितीयश्रावण शुक्लपक्ष पूर्णिमा । भद्रा रहित, ग्रस्तास्तादि दोष रहित -

(मुख्यकाल:- उदया पूर्णिमा ग्राह्या. द्वे स्तवे अभावे वा पूर्वा ग्राह्या)

संवत्	तारीख	पर्व	तिथिवार	ति. समाप्ति		
२०८१	१९ ८ २०२४	रक्षाबंधनं (भद्रोत्तरं) (१३।२९ के बाद)	१५ सोम	२३।५२	सूर्योदय	६।०६
२०८२	९ ८ २०२५	रक्षाबंधनं (पूरा दिन शुद्ध है)	१५ शनि	१३।२१	सूर्योदय	६।०१
२०८३	२८ ८ २०२६	रक्षाबंधनं (पूरा दिन शुद्ध है)	१५ शुक्र	९।४५	सूर्योदय	६।११
२०८४	१७ ८ २०२७	रक्षाबंधनं (पूरा दिन शुद्ध है)	१५ मंग.	१२।४७	सूर्योदय	६।०५
२०८५	५ ८ २०२८	रक्षाबंधनं (पूरा दिन शुद्ध है)	१५ शनि	१३।४१	सूर्योदय	५।५९
२०८६	२४ ८ २०२९	रक्षाबंधनं (पूरा दिन शुद्ध है)	१५ शुक्र	७।२२	सूर्योदय	६।०९
२०८७	१३ ८ २०३०	रक्षाबंधनं (पूरा दिन शुद्ध है)	१५ मंग.	१६।१६	सूर्योदय	६।०३
२०८८	३ ८ २०३१	रक्षाबंधनं (पूरा दिन शुद्ध है)	१५ रवि	७।१८	सूर्योदय	५।५८
२०८९	२१ ८ २०३२	रक्षाबंधनं (पूरा दिन शुद्ध है)	१५ शनि	७।१७	सूर्योदय	६।०७
२०९०	१० ८ २०३३	रक्षाबंधनं (भद्रोत्तरं) (१२।५७ के बाद)	१५ बुध	२३।३४	सूर्योदय	६।०२

संवत्	तारीख	पर्व	तिथिवार	ति. समाप्ति		
२०९१	२९ ८ २०३४	रक्षाबंधनं (भद्रोत्तरं) (१०।५९ के बाद)	१५ मंग.	२२।१४	सूर्योदय	६।११
२०९२	१८ ८ २०३५	रक्षाबंधनं (भद्रोत्तरं) (१७।५० के बाद)	१५ शनि	दिनरात	सूर्योदय	६।०६
२०९३	६ ८ २०३६	रक्षाबंधनं (भद्रोत्तरं) (११।०३ के बाद)	१५ बुध	दिनरात	सूर्योदय	६।००
२०९४	२५ ८ २०३७	रक्षाबंधनं (भद्रोत्तरं) (११।३५ के बाद)	१५ मंग.	२४।३९	सूर्योदय	६।०९
२०९५	१४ ८ २०३८	रक्षाबंधनं (भद्रोत्तरं) (१६।३० के बाद)	१५ शनि	२८।२८	सूर्योदय	६।०४
२०९६	४ ८ २०३९	रक्षाबंधनं (पूरा दिन शुद्ध है)	१५ गुरु	१५।३०	सूर्योदय	५।५८
२०९७	२२ ८ २०४०	रक्षाबंधनं (पूरा दिन शुद्ध है)	१५ बुध	१४।४२	सूर्योदय	६।०८
२०९८	१२ ८ २०४१	रक्षाबंधनं (पूरा दिन शुद्ध है)	१५ सोम	७।३४	सूर्योदय	६।०३
२०९९	३१ ८ २०४२	रक्षाबंधनं (पूरा दिन शुद्ध है)	१५ रवि	७।२९	सूर्योदय	६।१२
२१००	२० ८ २०४३	रक्षाबंधनं (भद्रोत्तरं) (८।५३ के बाद)	१५ गुरु	२०।३०	सूर्योदय	६।०७

धर्मसिन्धु परिच्छेद ३ पू.

१ब्राह्मे मुहूर्ते उत्थाय श्रीविष्णु स्मृत्वा गजेन्द्रमोक्षादि पठित्वा इष्टदेवतादि स्मरेत् ।

२. विष्णुपुराणोक्त ब्राह्ममुहूर्त - रात्रेः पश्चिमयामस्य मुहूर्तो यस्तृतीयकः । स ब्राह्म इति विज्ञेयो विहितः स प्रबोधने । पञ्च पञ्च उषःकालः सप्तपञ्चारुणोदयः । अष्टपञ्च भवेत् प्रातस्ततः सूर्योदयः स्मृतः ॥

धर्मशास्त्र के अनुसार - विजया-दशमी की मिति और तारीख

॥ दृक्सिद्ध चित्रापक्षीय पञ्चाङ्ग ॥ स्थल रामगढ (शैला.)

(अक्षांश: २८°०' उ., रेखांश: ७४°५९'पू.) स्टै. समय में

सूत्र - आश्विन और द्वितीय आश्विन शुक्लपक्ष दशमी और श्रवण नक्षत्र, यदि हो ...

(मुख्यकाल: अपराह्नकाल व्यापिनी दशमी ग्राह्या. द्वे स्तवे अभावे वा पू...

संवत्	तारीख	पर्व	तिथिवार	ति. समाप्ति	सूर्योदय	सूर्यास्त
२०८१	१२ १० २०२४	विजया दशमी	९ शनि	११।००	६।३२	६।००
२०८२	२ १० २०२५	विजया दशमी	१० गुरु	१९।१०	६।२७	६।११
२०८३	२० १० २०२६	विजया दशमी	९ मंग.	१२।५२	६।३७	५।५२
२०८४	९ १० २०२७	विजया दशमी	९ शनि	९।०३	६।३०	६।०४
२०८५	२७ ९ २०२८	विजया दशमी	९ बुध	८।०९	६।२५	६।१७
२०८६	१६ १० २०२९	विजया दशमी	१० मंग.	२९।२१	६।३५	५।५६
२०८७	६ १० २०३०	विजया दशमी	१० रवि	१७।२९	६।२९	६।०७
२०८८	२५ १० २०३१	विजया दशमी	१० शनि	१९।४३	६।४०	५।४८
२०८९	१४ १० २०३२	विजया दशमी	१० गुरु	१५।४९	६।३४	५।५८
२०९०	३ १० २०३३	विजया दशमी	९ सोम	९।२२	६।२८	६।१०

संवत्	तारीख	पर्व	तिथिवार	ति. समाप्ति	सूर्योदय	सूर्यास्त
२०९१	२२ १० २०३४	विजया दशमी	१० रवि	३०।१६	६।३८	५।५१
२०९२	११ १० २०३५	विजया दशमी	९ गुरु	६।५५	६।३२	६।०२
२०९३	२९ ९ २०३६	विजया दशमी	१० सोम	२९।३६	६।२६	६।१४
२०९४	१८ १० २०३७	विजया दशमी	१० रवि	२२।०८	६।३६	५।५४
२०९५	७ १० २०३८	विजया दशमी	१० गुरु	२६।४१	६।३०	६।०६
२०९६	२६ १० २०३९	विजया दशमी	१० बुध	२६।१२	६।४१	५।४७
२०९७	१५ १० २०४०	विजया दशमी	१० सोम	२०।२६	६।३४	५।५७
२०९८	५ १० २०४१	विजया दशमी	१० शनि	१६।१०	६।२९	६।०८
२०९९	२४ १० २०४२	विजया दशमी	१० शुक्र	१७।२२	६।३९	५।४९
२१००	१३ १० २०४३	विजया दशमी	१० मंग.	२६।४२	६।३३	६।००

॥ कालांशेन कालभेद: ॥

नाडी(घडी), विनाडी(पल), प्राण और घटी, पल, विपल तथा घंटा, मिनट, सेकण्ड के बारे ... तो (दिनमान सूर्योदय-सूर्यास्त पृष्ठ पर) बता ही चुका हूँ आगे ...

घटी १, (२४ मिनट) = नाडी, घडी, दण्ड एक ही संख्या के संबोधक है । (घटी को ही ना... घडी, दण्ड कहते हैं) ।

प्रहर को ही याम कहते है (यथा - यामार्धः) -

- शेष आगे देख...

धर्मशास्त्र के अनुसार - श्रीमहालक्ष्मीजी (दीपावली) पूजन की मिति और तारीख -

॥ दृक्सिद्ध चित्रापक्षीय पञ्चाङ्ग ॥ स्थल रामगढ़ (शेखा.)

(अक्षांश: २८° ०' उ. , रेखांश: ७४° ५९'पू.) स्टै. समय में

सूत्र - कार्तिक और प्रथमकार्तिक कृष्णपक्ष अमावस्या । भद्रा और सूर्यग्रहणादि दोष रहित अमावस्या ग्राह्या -

(मुख्यकाल:- प्रदोष और निशीथकाल व्यापिनी ग्राह्या, प्रदोषाऽभावे निशीथकाल ग्राह्या । द्वे सत्वे परा अभावे वा पूर्वा)

संवत्	तारीख	पर्व	तिथिवार	ति.समाप्ति	
२०८१	३१ १० २०२४	श्रीमहालक्ष्मी पूजा, कुबेर पूजा	१४ गुरु	१५/५४	सूर्यास्त ५/४३
२०८२	२० १० २०२५	श्रीमहालक्ष्मी पूजा, कुबेर पूजा	१४ सोम	१५/४७	सूर्यास्त ५/५२
२०८३	८ ११ २०२६	श्रीमहालक्ष्मी पूजा, कुबेर पूजा	१४ रवि	११/२७	सूर्यास्त ५/३७
२०८४	२९ १० २०२७	श्रीमहालक्ष्मी पूजा, कुबेर पूजा	३० शुक्र	१९/०६	सूर्यास्त ५/४५
२०८५	१७ १० २०२८	श्रीमहालक्ष्मी पूजा, कुबेर पूजा	१४ मंग.	१२/०८	सूर्यास्त ५/५५
२०८६	५ ११ २०२९	श्रीमहालक्ष्मी पूजा, कुबेर पूजा	१४ सोम	१३/४६	सूर्यास्त ५/३९
२०८७	२६ १० २०३०	श्रीमहालक्ष्मी पूजा, कुबेर पूजा	३० शनि	२५/४४	सूर्यास्त ५/४७
२०८८	१४ ११ २०३१	श्रीमहालक्ष्मी पूजा, कुबेर पूजा	३० शुक्र	२६/३८	सूर्यास्त ५/३४
२०८९	२ ११ २०३२	श्रीमहालक्ष्मी पूजा, कुबेर पूजा	१४ मंग.	१०/१४	सूर्यास्त ५/४१
२०९०	२२ १० २०३३	श्रीमहालक्ष्मी पूजा, कुबेर पूजा	१४ शनि	१०/२०	सूर्यास्त ५/५०

संवत्	तारीख	पर्व	तिथिवार	ति.समाप्ति	
२०९१	१० ११ २०३४	श्रीमहालक्ष्मी पूजा, कुबेर पूजा	३० शुक्र	३०/४६	सूर्यास्त ५/३६
२०९२	३० १० २०३५	श्रीमहालक्ष्मी पूजा, कुबेर पूजा	१४ मंग.	८/०८	सूर्यास्त ५/४४
२०९३	१८ १० २०३६	श्रीमहालक्ष्मी पूजा, कुबेर पूजा	१४ शनि	१९/४५	सूर्यास्त ५/५४
२०९४	६ ११ २०३७	श्रीमहालक्ष्मी पूजा, कुबेर पूजा	१४ शुक्र	२०/५४	सूर्यास्त ५/३८
२०९५	२७ १० २०३८	श्रीमहालक्ष्मी पूजा, कुबेर पूजा	१४ बुध	१३/१४	सूर्यास्त ५/४६
२०९६	१५ ११ २०३९	श्रीमहालक्ष्मी पूजा, कुबेर पूजा	१४ मंग.	१४/२९	सूर्यास्त ५/३४
२०९७	४ ११ २०४०	श्रीमहालक्ष्मी पूजा, कुबेर पूजा	३० रवि	२४/२३	सूर्यास्त ५/४०
२०९८	२४ १० २०४१	श्रीमहालक्ष्मी पूजा, कुबेर पूजा	३० गुरु	दिनरात	सूर्यास्त ५/४८
२०९९	१२ ११ २०४२	श्रीमहालक्ष्मी पूजा, कुबेर पूजा	३० बुध	२५/५७	सूर्यास्त ५/३५
२१००	१ ११ २०४३	श्रीमहालक्ष्मी पूजा, कुबेर पूजा	३० रवि	२५/२८	सूर्यास्त ५/४२

एक अहोरात्र (दिनरात) में आठ प्रहर (चार प्रहर दिन की और चार प्रहर रात्री की) होती है यह प्रसिद्ध है । एक प्रहर मध्यम मान से ८ घटी का मानते हैं लेकिन यह स्थूल है

जैसे (मध्यम मान घटी ६० ÷ ८ = एक प्रहर ७ घटी, ३० पल का अर्थात् ३ घंटा)

प्राचीन काल में गणित की क्रिया बहुत श्रमसाध्य थी जैसे वर्गमूल आदि ..., लीलावती । आधुनिक समय में स्वचालित यन्त्रो की सहायता से सूक्ष्मातिसूक्ष्म गणित जाना जा सकता है ।

धर्मशास्त्र के अनुसार - होलिका दहन की मिति और तारीख -

॥ दृक्सिद्ध चित्रापक्षीय पञ्चाङ्ग ॥ स्थल रामगढ़ (शेखा.)

(अक्षांश: २८° ०' उ. , रेखांश: ७४° ५९'पू.) स्टै. समय में

सूत्र - फाल्गुन और द्वितीयफाल्गुन शुक्लपक्ष पूर्णिमा । भद्रा, दिन और प्रतिपदा रहित पूर्णिमा ग्राह्या -

(मुख्यकाल:- प्रदोषकाल, भद्रापुच्छ और चन्द्रग्रहण में काल का अभाव हो तो भद्रामुखं त्यक्त्वाऽपि, पूर्णिमा ग्राह्या । द्वे सत्वे परा, अभावे पूर्वा)

संवत्	तारीख	पर्व	तिथिवार	ति.समाप्ति	सूर्योदय	सूर्यास्त
२०८१	१३ ३ २०२५	होलिका दहनं भद्रोत्तरम् (२३।३१ के बाद)	१४ गुरु	१०/४१	६/४६	६/३४
२०८२	२ ३ २०२६	होलिका दहनं भद्रापुच्छे (२५/२३)	१४ सोम	१८/००	६/५८	६/२७
२०८३	२१ ३ २०२७	होलिका दहनं भद्रापुच्छे (२५/२३)	१४ रवि	१८/२६	६/३७	६/३८
२०८४	१० ३ २०२८	होलिका दहनं भद्रोत्तरम् (२०।३१ के बाद)	१४ शुक्र	१०/२३	६/४९	६/३२
२०८५	२८ २ २०२९	होलिका दहनं प्रदोषे (सूर्यास्त के बाद)	१५ बुध	२२/४०	६/५९	६/२६
२०८६	१९ ३ २०३०	होलिका दहनं प्रदोषे (सूर्यास्त के बाद)	१५ मंग.	२३/२६	६/३९	६/३७
२०८७	८ ३ २०३१	होलिका दहनं भद्रोत्तरम् (२२।०२ के बाद)	१४ शनि	९/५६	६/५२	६/३१
२०८८	२६ ३ २०३२	होलिका दहनं प्रदोषे (सूर्यास्त के बाद)	१५ शुक्र	३०/१५	६/३१	६/४१
२०८९	१५ ३ २०३३	होलिका दहनं प्रदोषे (सूर्यास्त के बाद)	१५ मंग.	दिनरात	६/४३	६/३५
२०९०	४ ३ २०३४	होलिका दहनं भद्रोत्तरम् (११।०७ के बाद)	१५ शनि	दिनरात	६/५६	६/२८

संवत्	तारीख	पर्व	तिथिवार	ति.समाप्ति	सूर्योदय	सूर्यास्त
२०९१	२३ ३ २०३५	होलिका दहनं प्रदोषे (सूर्यास्त के बाद)	१५ शुक्र	२८/१६	६/३५	६/३९
२०९२	११ ३ २०३६	होलिका दहनं भद्रोत्तरम् (२८।०४ के बाद)	१४ मंग.	१७/२७	६/४८	६/३३
२०९३	१ ३ २०३७	होलिका दहनं भद्रोत्तरम् (११।५४ के बाद)	१४ रवि	९/४७	६/५८	६/२७
२०९४	२० ३ २०३८	होलिका दहनं भद्रोत्तरम् (२१।३४ के बाद)	१४ शनि	११/२३	६/३८	६/३८
२०९५	१० ३ २०३९	होलिका दहनं प्रदोषे (सूर्यास्त के बाद)	१५ गुरु	२२/०६	६/४९	६/३२
२०९६	२८ ३ २०४०	होलिका दहनं प्रदोषे (सूर्यास्त के बाद)	१५ बुध	२०/४२	६/२८	६/४२
२०९७	१७ ३ २०४१	होलिका दहनं प्रदोषे (सूर्यास्त के बाद)	१५ रवि	२५/४९	६/४१	६/३६
२०९८	६ ३ २०४२	होलिका दहनं प्रदोषे (सूर्यास्त के बाद)	१५ गुरु	२५/४१	६/५३	६/३०
२०९९	२४ ३ २०४३	होलिका दहनं भद्रापुच्छे (२६/३८)	१४ मंग.	१८/११	६/३४	६/४०
२१००	१३ ३ २०४४	होलिका दहनं प्रदोषे (सूर्यास्त के बाद)	१५ रवि	२५/१५	६/४५	६/३४

अस्तु । दिन के एक प्रहर का स्पष्ट मान (दिनमान ÷ ४ = दिन के एक प्रहर का स्पष्ट मान)
ऐसे ही- रात्री के एक प्रहर का स्पष्ट मान (रात्रीमान ÷ ४ = रात्री के एक प्रहर का स्पष्ट मान)
दिनमान = सूर्योदय से सूर्यास्त के समय को दिनमान कहते है ।
रात्रीमान = सूर्यास्त से अगले दिन सूर्योदय के समय को रात्रीमान कहते है ।
अहोरात्र = आज के सूर्योदय से अगले दिन के सूर्योदय तक के समय को अहोरात्र कहते है ।
॥ अलमिति ॥

संवत् २०८२, सृष्टि के आरम्भ से गत वर्ष

॥ कालांशेन कल्पादित:सृष्टयादितश्च गताब्दा: कल्पभोग्याब्दाश्च बोधम् ॥

लोकानामन्तकृत्काल: कालोन्य:कलनात्मक: । स द्विधा स्थूलसूक्ष्मत्वान्मूर्तश्चामूर्त उच्यते ॥१०॥
प्राणादि:कथितो मूर्त:त्रुट्याद्योऽमूर्तसंज्ञक: । षड्भि: प्राणैर्विनाडीस्यात्तत्षष्ट्यानाडिकास्मृता ॥११॥
नाडी षष्ट्या तु नाक्षत्रमहोरात्रप्रकीर्तितम् । तत्त्रिंशता भवेन्मास: सावनोऽर्कोदयैस्तथा ॥१२॥
ऐन्दवस्तिथिभिस्तद्वत्सङ्क्रान्त्या सौरउच्यते । मासैर्द्वादशभिर्वर्षं दिव्यं तदहरुच्यते ॥१३॥
सुरासुराणामन्योन्यमहोरात्रं विपर्ययात् । तत्षष्टिषड्गुणा दिव्यं वर्षमासुरमेव च ॥१४॥
तद्द्वादशसहस्राणि चतुर्युगमुदाहृतम् । सूर्याब्दसंख्यया द्वित्रिसागरैरयुताहतै: ॥१५॥
सन्ध्यासन्ध्यांशसहितं विज्ञेयं तच्चतुर्युगम् । कृतादीनां व्यवस्थेयं धर्मपादव्यवस्थया ॥१६॥
युगस्यदशमोभागश्चतुस्त्रिद्व्येक सङ्गुण: । क्रमात्कृतयुगादीनां षष्ठांऽश: सन्ध्ययो: स्वक: ॥१७॥
युगानांसप्ततिस्सैका मन्वन्तरमिहोच्यते । कृताब्दसङ्ख्यातस्यान्ते सन्धि: प्रोक्तोजलप्लव: ॥१८॥
ससन्धयस्ते मनव: कल्पे ज्ञेयाश्चतुर्दश । कृतप्रमाण: कल्पादौ संधि: पञ्चदश स्मृता: ॥१९॥
इत्थं युगसहस्रेण भूतसंहारकारक: । कल्पो ब्राह्ममह: प्रोक्तं शर्वरी तस्य तावती ॥२०॥
परमायुश्शतं तस्य तयाऽहोरात्रसङ्ख्यया । आयुषोऽर्धमितं तस्य शेषात्कल्पोऽयमादिम: ॥२१॥
कल्पादस्माच्च मनव: षड्व्यतीता:ससंधय: । वैवस्वतस्य च मनोर्युगानां त्रिघनो गत: ॥२२॥
अष्टाविंशाद्युगादस्माद्यातमेतत्कृतं युगम् । अत: कालं प्रसंख्याय सङ्ख्यामेकत्र पिण्डयेत् ॥२३॥
ग्रहर्क्षदेवदैत्यादि सृजतोस्य चराचरम् । कृताद्रिवेदा दिव्याब्दा: शतघ्ना वेधसो गता: ॥२४॥

॥ सूर्य सिद्धान्त ॥ प्रकाशन - खेमराज श्रीकृष्णदास वेङ्कटेश्वर प्रेस मुम्बई.

एक संक्रान्ति से दूसरी संक्रान्ति तक के समय को सौरमास कहते हैं । १२ सौरमासों का एक सौरवर्ष होता है, जिसको दिव्यदिन अथवा देवताओं का दिन कहते हैं । हमारे ३६० सौरवर्षों का देवताओं का एक वर्ष होता है ॥१३-१४॥

इन बारह हजार दिव्य वर्षों का एक चतुर्युग होता है जिसकी संख्या सौर वर्षों में तैतालीस लाख बीस हजार (४३२००००) होती है । इसमें सन्ध्या और संध्यांश के वर्ष भी मिले हुए हैं । एक चतुर्युग में सत्ययुग, त्रेता, द्वापर और कलियुग चार युग होते हैं (चतुर्युग को महायुग भी कहते हैं) । चतुर्युग के दसवें भाग का चार गुना सत्ययुग, तीन गुना त्रेता, दो गुना द्वापर और एक गुना कलियुग होता है । प्रत्येक युग के छठे भाग के समान उसकी दोनों संध्याएँ होती है ॥१५-१७॥
संध्या-संध्यांश: एक आरम्भ में और एक अन्त में । युग के आदि में जो संध्या होती है उसको आदि संध्या और अन्त में जो संध्या होती है उसको संध्यांश कहते हैं ।

७१ महायुगों का एक मन्वन्तर होता है, जिसके अंत में सत्ययुग के समान संध्या होती है । इसी संध्या में जलप्लव होता है । संधि सहित १४ मन्वन्तरों का एक कल्प होता है, जिसके आदि में भी सत्ययुग के समान एक संध्या होती है, इसलिए एक कल्प में १४ मन्वन्तर और १५ सत्ययुग के समान संध्याएँ हुई ॥१८-१९॥

सूर्यसिद्धांत रचनाकाल में प्राण से नीचे कोई छोटी संख्या नहीं थी अत:-

१ प्राण	= १	१ विनाडी(पल)	= ६ प्राण
१ नाडी(घडी)	= ६० विनाडी(पल)	१ दिन(अहोरात्र)	= ६० नाडी (घडी)

१ मास	= ३० दिन(अहोरात्र)
१ सौरमास	= एक संक्रान्ति से दूसरी संक्रान्ति तक का समय
१ सौरवर्ष	= १२ सौरमास
१ दिव्यदिन	= १ सौरवर्ष (१२ सौरमास)
१ दिव्यमास	= ३० दिव्यदिन (३० सौरवर्ष या ३६० सौरमास)
१ दिव्यवर्ष	= १२ दिव्यमास (३६० दिव्यदिन या ३६० सौरवर्ष)
१ चतुर्युग	= १२००० दिव्यवर्ष (४३२०००० सौरवर्ष)
१ मन्वन्तर	= ७१ चतुर्युग + सत्ययुगतुल्य मन्वन्तरसंध्या(३०८४४८००० सौरवर्ष)
१ कल्प	= १४ मन्वन्तर + सत्ययुगतुल्य कल्पादिसंध्या (४३२००००००० सौरवर्ष)

सौरवर्षों में

४३२०००० = दिव्यवर्ष १२००० X ३६०, दोनों संध्याओं (संध्या-संध्यांश:) सहित इनके मान यह हुए:-

	युगादि (युगों का मूलमान + संध्या व संध्यांश)
४३२०००० ÷ १० X ४, सत्ययुग का मान हुआ	१७२८००० = (१४४०००० + २८८०००)
४३२०००० ÷ १० X ३, त्रेता का मान हुआ	१२९६००० = (१०८०००० + २१६०००)
४३२०००० ÷ १० X २, द्वापर का मान हुआ	८६४००० = (७२०००० + १४४०००)
४३२०००० ÷ १० X १, कलियुग का मान हुआ	४३२००० = (३६०००० + ७२०००)
यथांशसंध्याओं सहित १ महायुग (चतुर्युग) का मान	४३२०००० = (३६००००० + ७२००००)

१ मन्वन्तर	= ३०८४४८००० (७१ X ४३२०००० + १७२८००० मन्वन्तरसंध्या)
१ कल्प	= ४३२००००००० (१४ X ३०८४४८००० + १७२८००० कल्पादिसंध्या)
सहस्रमहायुग	= ४३२००००००० (४३२०००० X १०००), चार अरब बत्तीस करोड़ सौरवर्ष

वर्तमान में- प्रवर्तमानस्याद्य ब्रह्मणो द्वितीये परार्धे श्री श्वेतवाराह कल्पे सप्तमे वैवस्वत मन्वन्तरे अष्टाविंशतितमे कलियुगे कलि प्रथमचरणे ... । श्रीमन्नृपतिविक्रमादित्यराज्यात् संवत् २०८२ .. ।

गत ६ मन्वन्तर (६ X ३०८४४८००० + १७२८००० कल्पादिसंध्या)	१८५२४१६०००
सातवें मन्वन्तर के गत २७ महायुग(चतुर्युग) (२७ X ४३२००००)	११६६४००००
,, गत युगादि सत्य, त्रेता, द्वापर (१७२८००० + १२९६००० + ८६४०००)	३८८८०००
,, कलि गताब्दा:	५१२६
कल्पादित: गताब्दा:	१९७२९४९१२६
कल्पादित: सृष्टिरचनापर्यन्तं गताब्दा: (श्लोक २४, दिव्य वर्ष ४७४०० X ३६०)	- १७०६४०००
सृष्टयादित: गताब्दा:	१९५५८८५१२६
कल्प भोग्याब्दा:	२३४७०५०८७४
कलि भोग्याब्दा:	४२६८७४

- अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चाङ्ग गणितकर्ता - पं. ब्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री), मुम्बई.

॥ संवत् २०८२, शाकः १९४७ (सन २०२५-२६) मध्ये विवाह मुहूर्त्तानि रेखा सहितानि च ॥

विवाह मुहूर्त देखने की विधि - विवाह मुहूर्त की पंक्तियाँ जैसे पहले देते थे उनको यथावत् रखते हुए आपकी अभिलषित सामग्री का समावेश किया है आशा है कि लाभान्वित होंगे। ऊपर दिये हुए प्रत्येक विवाह मुहूर्त की तारीख वाली पंक्ति के नीचे जिन राशि वाले वर और कन्या का शुभ विवाह हो सकता है उन वर कन्या की राशियों का दो पंक्तियों में अलग अलग उल्लेख किया है उसके बाद उसी पंक्ति में सूर्य-चंद्र उस दिन किस राशि पर है वह राशि दी गई है. उसके नीचे की पंक्ति में लग्नों का प्रवेश और समाप्ति स्टैंडर्ड (रेल्वे) समय दिया है। जिस तारीख या मिति को सूर्य या चंद्रमा की राशि का परिवर्तन हुआ है तो वहाँ वर कन्या की राशियाँ भी दुबारा लिखी है जैसे २० अप्रै., १७ मई, २२ अप्रै. (का.) को। ध्यान रहे कि विवाह लग्न का समय सूर्य या चंद्रमा के परिवर्तन समय से पूर्व है तो पहले वाली राशियों से वर और कन्या की राशि का मिलान करें और परिवर्तन समय से विवाह लग्न का समय बाद में हो तो बाद वाली राशियों से मिलान करें अर्थात् वर और कन्या की राशि (जन्म या व्यवहारिक) जिस तारीख और लग्न (फेरे के समय) वाली राशियों से मिलती है उस दिन उस लग्न में उनका शुभ विवाह मुहूर्त बनता है। **यथा** - वर की राशि वृष है और कन्या की राशि कुंभ है इनका संवत् के आरंभ में विवाह मुहूर्त देखना है तो तारीख १४ अप्रैल २०२५ सोमवार की पंक्ति में वर की राशि वृष नहीं है और कन्या की राशि कुंभ पंक्ति में प्राप्त हो गई. अतः उपरोक्त राशि वालों का शुभ विवाह मुहूर्त नहीं बनता है। तारीख १७ मई २०२५ शनिवार की पंक्ति में वर की राशि वृष और कन्या की राशि कुंभ दोनों की राशि प्राप्त हो गई. अतः यह शुभ विवाह मुहूर्त बनता है। इसी तरह आगे भी देखना चाहिए।

विशेष - उपर पंक्तियों में वे ही राशियाँ ग्रहण की गई है जो वर कन्या की राशि से सूर्य और चंद्रमा शुभ और पूज्य है। शेष अशुभ राशियाँ (सूर्य ४-८-१२ और चंद्रमा ४-८) छोड़ दी गई है। यहाँ पर गुरु राशि का विचार नहीं किया है क्यो कि **"कन्या-प्रौढा"** के मत से विद्वद्गण स्वयं निर्णय ले, जो कन्या मत से गुरु देखना चाहते है उनकी सुविधा के लिए गुरु राशि का विवरण भी दिया है। जिस कन्या का विवाह मुहूर्त देखना हो उस कन्या की राशि को विवाह मुहूर्तों की पंक्ति में कन्या राशि के सामने जो राशियाँ लिखी है उनमें देखकर नीचे गुरु शुद्धि में जो राशियाँ लिखी है उनमें भी देखें यदि दोनों जगह कन्या की राशि प्राप्त हो तो उस कन्या का विवाह हो सकता है अन्यथा नहीं। जैसे- ता. १४ अप्रैल २०२५ सोमवार को वृष राशि दोनों जगह प्राप्त है लेकिन मिथुन राशि नीचेवाली राशियों में नहीं है अतः मिथुन राशिवाली कन्या की गुरुबल शुद्धि नहीं है। अलमतिविस्तरेण।

विवाह मुहूर्तों के आरंभ में (१४ अप्रै. २०२५) गुरुस्थिति -
कन्या राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : गुरु राशि - वृष
ता. १६ मई २०२५ के विवाह मुहूर्तों से -
कन्या राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : गुरु राशि - मिथुन
ता. २२ नवं. २०२५ के विवाह मुहूर्तों से -
कन्या राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : गुरु राशि - कर्क
ता. ४ दिसं २०२५ के विवाह मुहूर्तों से -
कन्या राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : गुरु राशि - मिथुन

कन्या के विवाह में गुरुबलः- कन्याविवाहकाले ग्रहशुद्धिं च वसन्तमालिकाछन्दसाह - गुरुशुद्धिवशेन कन्यकानां समवर्षेषु षडशब्दकोपरिष्टात्। रविशुद्धिवशाच्छुभो वराणामुभयोश्चन्द्रविशुद्धितो विवाहः ॥१२॥ **नारद,कश्यप,श्रीपतिनिबन्ध, पराशरादि सहित - अत एवाह व्यासः -** 'अष्टवर्षा भवेद्गौरी नववर्षा च रोहिणी। दशवर्षा भवेत्कन्या द्वादशे वृषली स्मृता ॥' इति। यदा तु कन्या कालातिक्रान्ता भवति तदा गुरुबलमनावश्यकमित्याह व्यासः - 'दशवर्षव्यतिक्रान्ता कन्या शुद्धिविवर्जिता। तस्यास्तारेन्दुलग्नानां शुद्धौ पाणिग्रहो मतः॥' इति।
प्राचीन आचार्यों के मत से १२ वर्ष से ऊपर की कन्याओं के विवाह में समय (अवस्था) के अतिक्रमण से गुरु शुद्धि आदिक विचार आवश्यक नहीं है। - **पीयूषधारा पृ.३१४**
अपि च- अष्टवर्षा। दशवर्षा भवेत्कन्या अत ऊर्ध्वम् रजस्वला ॥५॥' इति। -**निर्णयसिन्धु पृ.४५०**

कालातिक्रमे निषेधमाह वाराहः- पुजाभिलाषं प्रतिनिःस्पृहोऽपि, कुर्य्याद् गुरौ शुद्धिविवर्जितेऽपि। **वराप्तलाभे शुभदं विवाहं, वदन्ति गर्गाच्यवनादिमुख्याः ॥५३॥**
वराह के अनुसार कालातिक्रम में गुरु का निषेध- श्रेष्ठ सुयोग्य वर के प्राप्त होने पर गुरु की शुद्धि के बिना भी विवाह शुभ होता है। गर्ग, च्यवन प्रभृति मुख्य ऋषियों का यह मत है। - **संस्कारशिरोमणि पृ.३५३**

सन२०२५	**वैशाख कृष्णपक्षः**
१४ अप्रै.	**१ चंद्रे स्वाती** रे. ७ IIIISISSII दिवा लग्न ३, ४, ५, रात्री लग्न ८ (कर्कः सोग्रांगः मं, वृश्चिके गु ७ पूज्यः) **वर राशि** - मेष, मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु, कुंभ : सूर्यराशि-मेष **कन्याराशि**- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि-तुला **समयः** मिथुन- दिन ९।४२ से ११।५६, कर्क- दिन ११।५६ से २।१६, सिंह- दिन २।१६ से ४।३२, वृश्चिक- रात्री ९। ७ से ११।१८ यावत्
१८ अप्रै.	**५ शुक्रे मूले** रे. ६ IIIISSSSII दिवा लग्न ५ **वर राशि** - मेष, मिथुन, कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु, कुंभ, मीनः सूर्यराशि-मेष **कन्याराशि**- मेष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-धनु **समयः** सिंह- दिन ३। १ उपरांत ४।१७
१९ अप्रै.	**६ शनौ मूले** रे. ७ IIIISIISIS दिवा लग्न २ **वर राशि** - मेष, मिथुन, कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु, कुंभ, मीनः सूर्यराशि-मेष **कन्याराशि**- मेष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-धनु **समयः** वृष- प्रातः ७।२६ से ९।२२
२० अप्रै.	**७ रवौ उषा.** रे. ६ SIISISISII दिवा लग्न ५, रात्री लग्न अ. गोधूलि, ८, ११, १२ (वृश्चिके गु ७ पूज्यः, मीने के ७ दोषः; सोग्रांगः श रा) **वर राशि** - मेष, मिथुन, कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु, कुंभ, मीनः सूर्यराशि-मेष **कन्याराशि**- मेष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-धनु **समयः** सिंह- दिन १।५२ से ४। ९ **वर राशि** - मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, कुंभ, मीन : सूर्यराशि-मेष **कन्याराशि**- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मकर : सायं ६। ५ उप. **समयः** अ.गोधूलि- सायं ६। ६ से ७।४२, वृश्चिक- रात्री ८।४३ से ११। १, कुंभ- रात्री २।४८ से ४।१७, मीन- उत्तर रात्री ४।१७ से ५।४२
२१ अप्रै.	**८ चंद्रे उषा.** रे. ७ SIISIIISII दिवा लग्न २, ३ **वर राशि** - मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, कुंभ, मीन : सूर्यराशि-मेष **कन्याराशि**- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मकर **समयः** वृष- प्रातः ७।१८ से ९।१४, मिथुन- दिन ९।१४ से ११।२९
सन२०२५	**वैशाख शुक्लपक्षः**
२९ अप्रै.	**२ भौमे रोहि.** रे. ९ IIIISIIII रात्री लग्न ८, ११, १२ (वृश्चिके चं गु ७ पूज्यः, मीने के ७ दोषः; सोग्रांगः श रा) **वर राशि** - मेष, मिथुन, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन : सूर्यराशि-मेष **कन्याराशि**- मेष वृष मिथुन कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-वृष **समयः** वृश्चिक-रात्री ८। ८ से १०।२६, कुंभ-रात्री २।१३ से ३।४१, मीन-उत्तररात्री ३।४१ से ५। ७

भद्रा दोषः- भद्राकाल में विवाह और विवाहाङ्गकृत्य सर्वथा निषेध है। **यथा** - न कुर्यान्मङ्गलं विष्ट्यां जीविताथीं कदाचन। कुर्वन्नज्ञस्तदा क्षिप्रं तत्सर्वं नाशतां व्रजेत् ॥' इति ॥ - पीयूषधारा - मु. चिन्तामणि पृ. ४९. **॥ अपि च ॥** श्रीपतिः- न सिद्धिमायाति कृतं च विष्ट्यां विषारिघातादिकमत्र सिद्धम् ॥' निर्णयसिन्धु भाषा टीका, खेमराज. परि.१, पृ.३३

॥ संवत् २०८२, शाकः १९४७ (सन २०२५-२६) मध्ये विवाह मुहूर्त्तानि रेखा सहितानि च ॥

३० अप्रै.	**३ बुधे रोहि.** रे. ८ IIIIISSIII दिवा लग्न ३, ४, ५ (कर्के सोग्रांग: मं) **वर राशि** - मेष, मिथुन, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन : सूर्यराशि-मेष **कन्याराशि**- मेष वृष मिथुन कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-वृष **समय:** मिथुन- दिन ८।३९ से १०।५३, कर्क- दिन १०।५३ से १।१३, सिंह- दिन १।१३ से ३।२९ यावत्
५ मई	**८ चंद्रे मघा.** रे. ८ SIIIIIISI रात्री लग्न गोधूलि(७), ८, ११ (वृश्चिके गु ७ पूज्य:, कुंभे च ७ पूज्य:), गणितेन क्रांतिसाम्याऽभाव: **वर राशि** - मेष, मिथुन, कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु, कुंभ, मीन: सूर्यराशि-मेष **कन्याराशि**- मेष मिथुन कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि-सिंह **समय:** गोधूलि- सायं ६।५५ से ७।५१, वृश्चिक-रात्री ७।४४ से १०। २, कुंभ-रात्री १।४९ से ३।१८
६ मई	**९ भौमे मघा.** रे. ८ SIIIIIISI दिवा लग्न २, ३, ४ (कर्के सोग्रांग: मं), गणितेन क्रांतिसाम्याऽभाव: **वर राशि** - मेष, मिथुन, कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु, कुंभ, मीन: सूर्यराशि-मेष **कन्याराशि**- मेष मिथुन कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि-सिंह **समय:** वृष-प्रात: ६।१९ से ८।१५, मिथुन प्रात: ८।१५ से १०।३०, कर्क-दिन १०।३० से १२।४९
१० मई	**१३ शनौ स्वाती** रे. ७ IIIISSISII रात्री लग्न १२ (मीने के ७ दोष:; सोग्रांग: श रा) **वर राशि** - मेष, मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु, कुंभ : सूर्यराशि-मेष **कन्याराशि**- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि-तुला **समय:** मीन- उत्तररात्री २।५८ से ३।५६ यावत्
सन२०२५ १३ मई	**ज्येष्ठ कृष्णपक्ष:** **१ भौमे अनुरा.** रे. ६ IIIISSSSII रात्री लग्न ११, १२ (मीने के ७ दोष:; सोग्रांग: श रा) **वर राशि** - मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, धनु, कुंभ, मीन : सूर्यराशि-मेष **कन्याराशि**- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन: चंद्रराशि-वृश्चिक **समय:** कुंभ- रात्री १।१८ से २।४६, मीन- उत्तर रात्री २।४६ से ४।१२
१७ मई	**५ शनौ उषा.** रे. ७ IIISISISII रात्री लग्न गोधूलि(८), ११, १२ (मीने के ७ दोष:; सोग्रांग: श रा), गणितेन क्रांतिसाम्याऽभाव: **वर राशि** - मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मकर, मीन : सूर्यराशि-वृष **कन्याराशि**- मेष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-धनु **समय:** गोधूलि- सायं ६।२२ से ७।५८ --- **वर राशि** - मेष, वृष, कर्क, सिंह, कन्या, वृश्चिक, धनु, मकर, मीन : सूर्यराशि-वृष **कन्याराशि**- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मकर **समय:** कुंभ- रात्री १। २ से २।३०, मीन- रात्री २।३० से ३।५६ : रात्री १२। ४ उप.
१८ मई	**५ रवौ उषा.** रे. ७ IIISIIISSI दिवा लग्न २, ३, ४ (वृषे सोग्रांग: सू, कर्के चं ७ पूज्य:; सोग्रांग: मं), गणितेन क्रांतिसाम्याऽभाव: **वर राशि** - मेष, वृष, कर्क, सिंह, कन्या, वृश्चिक, धनु, मकर, मीन : सूर्यराशि-वृष **कन्याराशि**- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मकर **समय:** वृष-प्रात: ५।४३ उप. ७।२८, मिथुन-प्रात: ७।२८ से ९।४३, कर्क-दिन ९।४३ से १२। २
सन२०२५ १ जून	**ज्येष्ठ शुक्लपक्ष:** **६ रवौ मघा.** रे. ६ SIIIISSSII रात्री लग्न ९, ११, २ (धनुषि गु ७ पूज्य:, कुंभे श ३ दोष:; के ७ दोष:; चं ७ पूज्य:; सोग्रांग: रा, वृषे सोग्रांग: सू) **वर राशि** - मेष, कर्क, सिंह, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन : सूर्यराशि-वृष **कन्याराशि**- मेष मिथुन कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि-सिंह **समय:** धनु- रात्री ९।३५ उपरांत १०।२०, कुंभ- रात्री १२। ३ से १।३१, वृष- उत्तर रात्री ४।३३ से ५।३८

२ जून	**७ चंद्रे मघा.** रे. ६ SIIIISSSII दिवा लग्न २, ३, ४, रात्री लग्न अ. गोधूलि(...) (वृषे सोग्रांग: सू, कर्के सोग्रांग: मं) (भद्रा २०।३७ से) **वर राशि** - मेष, कर्क, सिंह, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन : सूर्यराशि-वृ... **कन्याराशि**- मेष मिथुन कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि-सिं... **समय:** वृष- प्रात: ५।३८ उपरांत ६।२९, मिथुन- प्रात: ६।२९ से ८।४८, कर्क- दिन ८।४८ से ११। ३, अ.गोधूलि- सायं ६।३० से ८। ६
७ जून	**१२ शनौ स्वाती** रे. ७ SIIISSIIII दिवा लग्न ४, ५, रात्री लग्न अ.गोधूलि, ९, १०, ... (सिंहे रा ७ दोष:; सोग्रांग: मं के, धनुषि बु गु ७ पूज्य:, मीने सोग्रांग: श) **वर राशि** - मेष, वृष, सिंह, कन्या, वृश्चिक, धनु, मकर : सूर्यराशि-वृ... **कन्याराशि**- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि-तुला **समय:** कर्क- दिन ९।४० उपरांत १०।४४, सिंह- दिन १०।४४ से १। ०, अ.गोधूलि- सायं ६।३२ से ८। ८, धनु- रात्री ७।५२ से ९।५७, मकर- रात्री ९।५७ से ११।४०, मीन- रात्री १। ८ से २।३४
८ जून	**१२ रवौ स्वाती** रे. ७ SIIISISIII दिवा लग्न ३, ४, ५ (सिंहे रा ७ दोष:; सोग्रांग: मं ...) **वर राशि** - मेष, वृष, सिंह, कन्या, वृश्चिक, धनु, मकर : सूर्यराशि-वृ... **कन्याराशि**- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि-तुला **समय:** मिथुन- प्रात: ६। ६ से ८।२०, कर्क- दिन ८।२० से १०।४०, सिंह- दिन १०।४० से ११।५३ यावत्
	अग्रे गुरोरस्तत्वादभाव: (११ जून २०२५, स्टै. २३।३३) गुरोरुदय: (६ जुला २०२५, स्टै. २८।१८) अग्रे **चतुर्मासारम्भस्तेनाऽभाव:**
सन२०२५ २२ नवं.	**मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष:** **२ शनौ मूले** रे. ८ IIISISIIII रात्री लग्न ५, ७, ८ (सिंहे गु ३ दोष:; रा ७ दोष:; सोग्रांग: के, वृश्चिके रा ४ दोष:; सोग्रांग: बु मं) **वर राशि** - मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, मकर, कुंभ, मीन : सूर्यराशि-वृश्चि... **कन्याराशि**- मेष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-धनु **समय:** सिंह- रात्री ११।३९ से १।५६, तुला- उत्तर रात्री ४।११ से ६।३०, वृश्चिक- उत्तर रात्री ६।३० से ७। २
२३ नवं.	**३ रवौ मूले** रे. ७ IIISISSIII दिवा लग्न ८, १०, १२ (वृश्चिके रा ४ दोष:; सोग्रांग: बु मं, मकरे गु ७ पूज्य:, मीने सोग्रांग: श) **वर राशि** - मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, मकर, कुंभ, मीन : सूर्यराशि-वृश्चि... **कन्याराशि**- मेष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-धनु **समय:** वृश्चिक- प्रात: ७। २ उपरांत ८।४८, मकर- दिन १०।५२ से १२।३५, मीन- दिन २। ३ से ३।२९
२५ नवं.	**५ भौमे उषा.** रे. ६ ISIISISSII दिवा लग्न १२, रात्री लग्न अ. गोधूलि(२), ३, ... (मीने सोग्रांग: श, अ.गोधुल्यां मं ७, कर्के चं ७ पूज्य:) **वर राशि** - वृष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ, मीन : सूर्यराशि-वृश्चि... **कन्याराशि**- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मक... **समय:** मीन- दिन १।५५ से ३।२१, अ.गोधूलि- सायं ४।४३ से ६।१९, मिथुन- रात्री ६।५३ से ९। ८, कर्क- रात्री ९। ८ से ११। ८ यावत्
२९ नवं.	**९ शनौ उभा.** रे. ६ IIIIISSSIS रात्री लग्न ८ (वृश्चिके रा ४ दोष:; सोग्रांग: बु ...) **वर राशि**-वृष, मिथुन, कर्क, कन्या, तुला, वृश्चिक, मकर, कुंभ, मीन: सूर्यराशि-वृश्चि... **कन्याराशि**- मेष वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन: चंद्रराशि-मीन **समय:** वृश्चिक- उत्तर रात्री ६। २ से ७। ७

सोग्रांग: इति । स उग्र अंग: ॥ स सहित:, उग्र उग्रग्रहाणाम् (सूर्य,मंगल,शनि,राहु,केतु), अंग: लग्न: ॥ **भाव-** लग्न में उक्त ग्रहों में से कोई एक भी ग्रह हो तो मुहूर्त्त में सोग्रांग: लिखा रहता है।

॥ संवत् २०८२. शाक: १९४७ (सन २०२५-२६) मध्ये विवाह मुहूर्त्तानि रेखा सहितानि च ॥

३० नवं. १० रवौ उभा. रे. ६ IIIIISSSIS दिवा लग्न ८, ९, १०, रात्री लग्न गोधूलि(२), ४, ५
(वृश्चिके रा ४ दोष:; सोग्रांग: सु मं, मकरे गु ७ पूज्य:, गोधुल्यां मं ७,
सिंहे रा ७ दोष:; सोग्रांग: के)
वर राशि-वृष, मिथुन, कर्क, कन्या, तुला, वृश्चिक, मकर, कुंभ, मीन: सूर्यराशि-वृश्चिक
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन: चंद्रराशि-मीन
समय: वृश्चिक-प्रात: ७। ७ से ८।२०, धनु प्रात: ८।२० से १०।२५, मकर-दिन १०।२५ से १२। ८,
गोधूलि- सायँ ४।४२ से ६।१८, कर्क-रात्री ८।४८ से ११। ८, सिंह- रात्री ११। ८ से १२।२२ यावत्

सन२०२५ ५ दिसं
पोष कृष्णपक्ष:
१ शुक्रे रोहि. रे. ८ IIIISIISII दिवा लग्न ८
(वृश्चिके रा ४ दोष:; चं ७ पूज्य:; सोग्रांग: सु मं)
वर राशि - वृष, मिथुन, कर्क, कन्या, वृश्चिक, मकर, मीन : सूर्यराशि-वृश्चिक
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-वृष
समय: वृश्चिक- प्रात: ७।११ से ८। १

अग्रे शुक्रास्तत्वादभाव: (८ दिसं २०२५,स्टै.३१।११) शुक्रोदय: (४ फर. २०२६,स्टै.१०।२८)

सन२०२६ १० फर.
फाल्गुन कृष्णपक्ष:
८ भौमे अनुरा. रे. ८ SIIIIIISII दिवा लग्न ११, १२, २, रात्री लग्न अ. गोधूलि, ७
(कुंभे के ७ दोष:; सोग्रांग: रा, मीने सोग्रांग: श, वृषे चं ७ पूज्य:, अ.गोधुल्यां मं ७)
वर राशि - वृष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मकर, मीन : सूर्यराशि-मकर
कन्याराशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन: चंद्रराशि-वृश्चिक
समय: कुंभ-प्रात: ७।५२ उप. ८।५३, मीन-प्रात: ८।५३ से १०।१९, वृष-दिन ११।५५ से १।५०,
अ.गोधूलि- सायँ ५।२५ से ७। १, तुला- रात्री १०।५७ से १।१५

१३ फर. ११ शुक्रे मूले रे. ७ ISISIIISII दिवा लग्न ११, १२, २, ३
(कुंभे के ७ दोष:; सोग्रांग: सु रा, मीने सोग्रांग: श, मिथुने चं ७ पूज्य:)
वर राशि - मेष, मिथुन, सिंह, तुला, धनु, मकर, कुंभ : सूर्यराशि-कुंभ
कन्याराशि- मेष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-धनु
समय: कुंभ- प्रात: ७।१३ से ८।४१, मीन- प्रात: ८।४१ से १०। ७,
वृष- दिन ११।४३ से १।३९, मिथुन- दिन १।३९ से ३।२६ यावत्

सन२०२६ २० फर.
फाल्गुन शुक्लपक्ष:
३ शुक्रे रेवत्यां रे. ८ IIIIISIIIS रात्री लग्न ८ (भद्रा २५।५७ से)
वर राशि - मेष, वृष, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, कुंभ : सूर्यराशि-कुंभ
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन: चंद्रराशि-मीन
समय: वृश्चिक- रात्री १२।३६ से १।५७ यावत् तदुपरांत भद्रारंभ: (वृश्चिके रा ४ दोष:)

सन२०२६ ९ मार्च
चैत्र कृष्णपक्ष:
६ चंद्रे अनुरा. रे. ८ ISIIISIIII दिवा लग्न ४, रात्री लग्न अ. गोधूलि(५)
(अ.गोधुल्यां मं ७; सोग्रांग: के) (भद्रा २३।२८ से)
वर राशि - वृष, मिथुन, कन्या, तुला, धनु, मकर, कुंभ : सूर्यराशि-कुंभ
कन्याराशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन: चंद्रराशि-वृश्चिक
समय: कर्क- दिन ४। ५ उपरांत ४।३८, अ.गोधूलि- सायँ ५।४३ से ७।१९

११ मार्च ८ बुधे मूले रे. ७ SIISIIISII रात्री लग्न १०, ११
(मकरे शु ३ दोष:, कुंभे के ७ दोष:; सोग्रांग: सू मं रा)
वर राशि - मेष, मिथुन, सिंह, तुला, धनु, मकर, कुंभ : सूर्यराशि-कुंभ
कन्याराशि- मेष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-धनु
समय: मकर- उत्तर रात्री ४।४४ उपरांत ५।२७, कुंभ- उत्तर रात्री ५।२७ से ६।४७

१२ मार्च ९ गुरौ मूले रे. ७ SIISIIISII दिवा लग्न १२ (मीने सोग्रांग: श)
वर राशि - मेष, मिथुन, सिंह, तुला, धनु, मकर, कुंभ : सूर्यराशि-कुंभ
कन्याराशि- मेष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-धनु
समय: मीन- प्रात: ६।५५ से ८।२१ अग्रे मीनेऽर्क:

॥ कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्त्ता: नक्षत्र चतुष्टयी ॥

सन२०२५ २१ अप्रे.
वैशाख कृष्णपक्ष:
८ चंद्रे श्रवणे रे. ६ SSIISIISII दिवा लग्न ४, रात्री लग्न अ. गोधूलि, ८, ११, १२
(कर्के चं ७ पूज्य:; सोग्रांग: मं, वृश्चिके गु ७ पूज्य:, मीने के ७ दोष:; सोग्रांग: श रा)
वर राशि - मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, कुंभ, मीन : सूर्यराशि-मेष
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मकर
समय: कर्क- दिन १२।३७ उपरांत १।४८, अ.गोधूलि- सायँ ६। ७ से ७।४३,
वृश्चिक-रात्री ८।३९ से १०।५७, कुंभ-रात्री २।४४ से ४।१३, मीन- उत्तररात्री ४।१३ से ५।३८

२२ अप्रे. ९ भौमे धनि. रे. ८ IIIIISISII दिवा लग्न ४, रात्री लग्न अ. गोधूलि(७), ८, १२
(कर्के चं ७ पूज्य:; सोग्रांग: मं, वृश्चिके गु ७ पूज्य:, मीने के ७ दोष:; सोग्रांग: श रा)
वर राशि - मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, कुंभ, मीन : सूर्यराशि-मेष
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मकर
समय: कर्क- दिन १२।४३ उपरांत १।४४, अ.गोधूलि- सायँ ६। ७ से ७।४३,
वृश्चिक- रात्री ८।३५ से १०।५३

वर राशि - मेष, मिथुन, सिंह, तुला, धनु, कुंभ, मीन : सूर्यराशि-मेष
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-कुंभ
समय: मीन- उत्तर रात्री ४। ९ से ५।३४ (भद्रा २९।३६ से) : रात्री १२।३० उप.

सन२०२५ १८ मई
ज्येष्ठ कृष्णपक्ष:
५ रवौ श्रवणे रे. ९ IIIIIIIISI रात्री लग्न गोधूलि(८), ९, ११, १२
(धनुषि गु ७ पूज्य:, कुंभे के ७ दोष:; सोग्रांग: रा, मीने सोग्रांग: श), गणितेन क्रांतिसाम्याऽभाव:
वर राशि - मेष, वृष, कर्क, सिंह, कन्या, वृश्चिक, धनु, मकर, मीन : सूर्यराशि-वृष
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मकर
समय: गोधूलि- सायँ ६।५३ उपरांत ७।५८, धनु- रात्री ९।११ से ११।१५,
कुंभ- रात्री १२।५८ से २।२६, मीन- रात्री २।२६ से ३।५२

१९ मई ६ चंद्रे श्रवणे रे. ८ IIIIISIISI दिवा लग्न २
(वृषे सोग्रांग: सु), गणितेन क्रांतिसाम्याऽभाव: (भद्रा ६।१६ से १८।१० यावत्)
वर राशि - मेष, वृष, कर्क, सिंह, कन्या, वृश्चिक, धनु, मकर, मीन : सूर्यराशि-वृष
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मकर
समय: वृष- प्रात: ५।४३ उपरांत ६।१६ यावत् तदुपरांत भद्रारंभ:

सन२०२५ २५ नवं.
मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष:
५ भौमे श्रवणे रे. १० IIIIIIIIII रात्री लग्न ७ (महापात स्पर्श: २९।१७)
वर राशि - वृष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ, मीन : सूर्यराशि-वृश्चिक
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मकर
समय: तुला- रात्री ३।५९ से ५।१७ यावत्

२७ नवं. ७ गुरौ धनि. रे. ८ IIIIISISII दिवा लग्न १२, रात्री लग्न अ. गोधूलि(२), ४, ५
(मीने सोग्रांग: श, अ.गोधुल्यां मं ७, सिंहे रा ७ दोष:; चं ७ पूज्य:; सोग्रांग: के)
वर राशि - वृष, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, कुंभ, मीन : सूर्यराशि-वृश्चिक
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-कुंभ
समय: मीन- दिन २। ५ उपरांत ३।१३, अ.गोधूलि- सायँ ४।४२ से ६।१८, कर्क-रात्री ९। ० से
११।१९, सिंह- रात्री ११।१९ से १२।३० यावत् तदुपरांत भद्रारंभ: (भद्रा २४।३० से)
अग्रेऽभाव:

॥ संवत् २०८२, शाकः १९४७, सन २०२५-२६ मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ताः शुद्धाः ॥

॥ उपनयन ॥

चैत्र मासः

सन२०२५
७ अप्रे. **शु. १० चंद्रे श्लेषा.** लग्न २, अभिजिति, ४ (कर्क लग्नस्थ चंद्र: ग्राह्य:)
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि कर्क
समयः वृष- प्रात: ८।१३ से १०।०९, अभि.- दिवा १२।०८ से १२।५६,
कर्क- दिवा १२।२४ से २।३७ अपराह्न

९ अप्रे. **शु. १२ बुधे पूष्का.** लग्न ४ (महापात स्पर्श: १८।४३ मोक्ष: २२।५१)
यजमान राशि- मेष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि सिंह
समयः कर्क- दिवा १२।१६ से २।३६

वैशाख मासः

सन२०२५
१४ अप्रे. **कृ. ०१ चंद्रे स्वाती** अभिजिति, ४
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि तुला
समयः अभि.- दिवा १२।०७ से १२।५५, कर्क- दिवा ११।५६ से २।१६

१८ अप्रे. **कृ. ०५ शुक्रे मूले** अभिजिति
यजमान राशि- मेष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि धनु
समयः अभि.- दिवा १२।०६ से १२।५४

७ मई **शु. १० बुधे पूष्का.** लग्न ४
यजमान राशि- मेष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि सिंह
समयः कर्क- दिवा १०।२६ से १२।४५

ज्येष्ठ मासः

सन२०२५
२९ मई **शु. ०३ गुरौ आर्द्रा.** लग्न २, अभिजिति
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि मिथुन
समयः वृष- प्रात: ५।३९ उपरांत ६।४५, अभि.- दिवा १२।०४ से १२।५२

॥ संवत् २०८२ मध्ये गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः ॥

वैशाख मासः

सन२०२५
१४ अप्रे. **कृ. ०१ चंद्रे स्वाती** अभिजिति
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि तुला
समयः अभि.- दिवा १२।०७ से १२।५५
भूमि-पूजन (शिलान्यास) वायव्य कोणे : सूर्यराशि मेष

ज्येष्ठ मासः

सन२०२५
७ जून **शु. १२ शनौ स्वाती** अभिजिति
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि तुला
समयः अभि.- दिवा १२।०५ से १२।५३
भूमि-पूजन (शिलान्यास) नैऋत्य कोणे : सूर्यराशि वृष

भाद्रपद मासः

सन२०२५
११ अग. **कृ. ०२ चंद्रे शते** अभिजिति
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि कुंभ
समयः अभि.- दिवा १२।११ से १२।५७ यावत्
भूमि-पूजन (शिलान्यास) नैऋत्य कोणे : सूर्यराशि कर्क

४ सितं **शु. १२ गुरौ उषा.** अभिजिति
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि मक.
समयः अभि.- दिवा १२।०५ से १२।५३ : सूर्यराशि सिं.
भूमि-पूजन (शिलान्यास) आग्नेय कोणे

कार्तिक मासः

सन२०२५
३ नवं. **शु. १३ चंद्रे उभा.** अभिजिति, ११
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि मीन
समयः अभि.- दिवा ११।४९ से १२।३७, कुंभ- दिवा १।५४ से ३।०५ यावत् : सूर्यराशि तुला
भूमि-पूजन (शिलान्यास) आग्नेय कोणे

मार्गशीर्ष मासः

सन२०२५
७ नवं. **कृ. ०२ शुक्रे रोहि.** लग्न ११
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि वृष
समयः कुंभ- दिवा २।३३ उपरांत ३।०६ : सूर्यराशि तुला
भूमि-पूजन (शिलान्यास) आग्नेय कोणे

पौष मासः

सन२०२५
५ दिसं **कृ. ०१ शुक्रे मृगे** अभिजिति, ११, २
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि वृष
समयः अभि.- दिवा ११।५७ से १२।४५, कुंभ- दिवा ११।४८ से १।१६,
वृष- दिवा ४।१८ से ५।३० सूर्यास्त : सूर्यराशि वृश्चि.
भूमि-पूजन (शिलान्यास) ईशान कोणे

॥ वृषचक्र-रहिता: गेहारंभ मुहूर्त्ताः ॥

ज्येष्ठ मासः

सन२०२५
३१ मई **शु. ०५ शनौ पुष्ये** लग्न २ (महापात स्पर्श: ११।२० मोक्ष: १६।५५)
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि कर्क
समयः वृष- प्रात: ५।३९ से ६।३७
भूमि-पूजन (शिलान्यास) नैऋत्य कोणे : सूर्यराशि वृष

श्रावण मासः

सन२०२५
२१ जुला **कृ. ११ चंद्रे रोहि.** अभिजिति
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि वृष
समयः अभि.- दिवा १२।१२ से १।००
भूमि-पूजन (शिलान्यास) नैऋत्य कोणे : सूर्यराशि कर्क

भाद्रपद मासः

सन२०२५
२५ अग. **शु. ०२ चंद्रे उफा.** अभिजिति
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि कन्या
समयः अभि.- दिवा १२।०८ से १२।५६
भूमि-पूजन (शिलान्यास) आग्नेय कोणे : सूर्यराशि सिंह

॥ संवत् २०८२, शाकः १९४७, सन २०२५-२६ मध्ये उपनयनादि मुहूर्ताः शुद्धाः ॥

कार्तिक मासः

सन२०२५ २४ अक्टु. शु. ०३ शुक्रे अनुरा. अभिजिति
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि वृश्चिक
समयः अभि.- दिवा ११/५० से १२/३८
भूमि-पूजन (शिलान्यास) आग्नेय कोणे : सूर्यराशि तुला

मार्गशीर्ष मासः

सन२०२५ १५ नवं. कृ. ११ शनौ उफा. अभिजिति
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि कन्या
समयः अभि.- दिवा ११/५१ से १२/३९
भूमि-पूजन (शिलान्यास) आग्नेय कोणे : सूर्यराशि तुला

॥ नूतनगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्ताऽभावः ॥

अथो गुरोरस्तत्वादभावः (११ जून २०२५, स्टै. २३/३३)
गुरोस्दयः (६ जुला २०२५, स्टै. २८/१८)
अथो शुक्रास्तत्वादभावः (८ दिसं २०२५, स्टै. ३१/११)
शुक्रोदयः (४ फर. २०२६, स्टै. १०/२८)

॥ कुंभचक्ररहिताः नूतनगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्ताः ॥

वैशाख मासः

सन२०२५ २१ अप्रे. कृ. ०८ चंद्रे उषा. अभिजिति
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि मकर
समयः अभि.- दिवा १२/०५ से १२/३७ यावत्

फाल्गुन मासः

सन२०२६ ७ फर. कृ. ०६ शनौ चित्रा. अभिजिति, २
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि कन्या
समयः अभि.- दिवा १२/२० से १/०८, वृष- दिवा १२/०६ से १/१६ यावत् : १३/१६ यावत्

यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि तुला
समयः वृष- दिवा १/१६ उपरांत २/०२ : १३/१६ उपरांत

॥ जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्ताः ॥

ज्येष्ठ मासः

सन२०२५ ७ जून शु. १२ शनौ स्वातौ अभिजिति
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि तुला
समयः अभि.- दिवा १२/०५ से १२/५३

मार्गशीर्ष मासः

सन२०२५ २७ नवं. शु. ०७ गुरौ धनि. अभिजिति, २
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि मकर
समयः अभि.- दिवा ११/५४ से १२/४२ : १४/०५ यावत्

यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि कुंभ
समयः वृष- दिवा ४/४९ से ५/३० सूर्यास्त : १४/०५ उपरांत

॥ कुंभचक्ररहिताः जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्ताः ॥

वैशाख मासः

सन२०२५ १४ अप्रे. कृ. ०१ चंद्रे स्वातौ अभिजिति
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि तुला
समयः अभि.- दिवा १२/०७ से १२/५५

ज्येष्ठ मासः

सन२०२५ ३१ मई शु. ०५ शनौ पुष्ये लग्न २ (महापात स्पर्शः ११/२० मोक्षः १६/५५)
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि कर्क
समयः वृष- प्रातः ५/३९ से ६/३७

॥ देव प्रतिष्ठा मुहूर्ताः ॥

वैशाख मासः

सन२०२५ १४ अप्रे. कृ. ०१ चंद्रे स्वातौ अभिजिति
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि तुला
समयः अभि.- दिवा १२/०७ से १२/५५

२० अप्रे. कृ. ०७ रवौ उषा. अभिजिति
यजमान राशि- मेष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि धनु
समयः अभि.- दिवा १२/०५ से १२/५३

ज्येष्ठ मासः

सन२०२५ १८ मई कृ. ०५ रवौ उषा. अभिजिति
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि मकर
समयः अभि.- दिवा १२/०३ से १२/५१

३१ मई शु. ०५ शनौ पुष्ये लग्न २ (महापात स्पर्शः ११/२० मोक्षः १६/५५)
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि कर्क
समयः वृष- प्रातः ५/३९ से ६/३७

७ जून शु. १२ शनौ स्वातौ अभिजिति
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि तुला
समयः अभि.- दिवा १२/०५ से १२/५३

८ जून शु. १२ रवौ स्वातौ अभिजिति
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि तुला
समयः अभि.- दिवा १२/०५ से १२/४१ यावत्

श्रावण मासः

सन२०२५ १२ जुला कृ. ०२ शनौ श्रवणे अभिजिति
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि मकर
समयः अभि.- दिवा १२/१२ से १/००

१३ जुला कृ. ०३ रवौ धनि. अभिजिति (भद्रा १३/२७ से)
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि मकर
समयः अभि.- दिवा १२/१२ से १/००

॥ संवत् २०८२, शाकः १९४७, सन २०२५-२६ मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ताः शुद्धाः ॥

सन२०२६

फाल्गुन मासः

७ फर. **कृ. ०६ शनौ चित्रा.** अभिजिति, २

यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि कन्या

समयः अभि. दिवा १२।२० से १।०८, वृष दिवा १२।०६ से १।१६ यावत् : १३।१६ यावत्

यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि तुला

समयः वृष दिवा १।१६ उपरांत २।०२ : १३।१६ उपरांत

॥ दक्षिणायने (देवी, वाराह, नृसिंहादि) उग्रदेवानां प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२५

श्रावण मासः

९ अग. **शु. १५ शनौ श्रवणे** अभिजिति

यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि मकर

समयः अभि.- दिवा १२।११ से १२।५९

सन२०२५

भाद्रपद मासः

१० अग. **कृ. ०१ रवौ धनि.** अभिजिति

यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि कुंभ

समयः अभि.- दिवा १२।११ से १२।५९

११ अग. **कृ. ०२ चंद्रे शते** अभिजिति

यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि कुंभ

समयः अभि.- दिवा १२।११ से १२।५७ यावत्

२५ अग. **शु. ०२ चंद्रे उफा.** अभिजिति

यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि कन्या

समयः अभि.- दिवा १२।०८ से १२।५६

२८ अग. **शु. ०५ गुरौ स्वाती** अभिजिति

यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि तुला

समयः अभि.- दिवा १२।०७ से १२।५५

४ सितं **शु. १२ गुरौ उषा.** अभिजिति

यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि मकर

समयः अभि.- दिवा १२।०५ से १२।५३

५ सितं **शु. १३ शुक्रे श्रवणे** अभिजिति

यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि मकर

समयः अभि.- दिवा १२।०५ से १२।५३

सन२०२५

आश्विन मासः

२७ सितं **शु. ०५ शनौ अनुरा.** अभिजिति

यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि वृश्चिक

समयः अभि.- दिवा ११।५७ से १२।४५

२ अक्टु **शु. १० गुरौ श्रवणे** अभिजिति, ९

यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि मकर

समयः अभि.- दिवा ११।५५ से १२।४३, धनु- दिवा १२।१२ से २।१७

कार्तिक मासः

सन२०२५

१२ अक्टु **कृ. ०६ रवौ मृगे** अभिजिति, ९

यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि मिथुन

समयः अभि.- दिवा ११।५२ से १२।४०, धनु- दिवा ११।३३ से १।३४ यावत्

२४ अक्टु **शु. ०३ शुक्रे अनुरा.** अभिजिति

यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि वृश्चिक

समयः अभि.- दिवा ११।५० से १२।३८

३ नवं. **शु. १३ चंद्रे उभा.** अभिजिति

यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि मीन

समयः अभि.- दिवा ११।४९ से १२।३७

मार्गशीर्ष मासः

सन२०२५

७ नवं. **कृ. ०२ शुक्रे रोहि.** अभिजिति

यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि वृष

समयः अभि.- दिवा ११।५० से १२।३८

२६ नवं. **शु. ०६ बुधे श्रवणे** लग्न २ (महापात मोक्षः ११।१९)

यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि मकर

समयः वृष- दिवा ४।५३ से ५।३१ सूर्यास्त

२७ नवं. **शु. ०७ गुरौ धनि.** अभिजिति, २

यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि मकर १४।०५ तक

समयः अभि.- दिवा ११।५४ से १२।४२

यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ

: चंद्रराशि कुंभ १४।०५ उपरांत

समयः वृष- दिवा ४।४९ से ५।३० सूर्यास्त

३० नवं. **शु. १० रवौ उभा.** अभिजिति, २

यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि मीन

समयः अभि.- दिवा ११।५५ से १२।४३, वृष- दिवा ४।३८ से ५।३० सूर्यास्त

॥ अथ चौल (मुण्डन) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२५

वैशाख मासः

१४ अप्रे. **कृ. ०१ चंद्रे स्वाती** लग्न २, ३, अभिजिति, ४

यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि तुला

समयः वृष- प्रातः ८।२३ उपरांत ९।४२, मिथुन- दिवा ९।४२ से ११।५६,

अभि.- दिवा १२।०७ से १२।५५, कर्क- दिवा ११।५६ से २।१६

॥ संवत् २०८२, शाकः १९४७, सन २०२५-२६ मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ताः शुद्धाः ॥

ज्येष्ठ मासः

सन२०२५
१५ मई — **कृ. 03 गुरौ ज्येष्ठा.** लग्न २, ३, ४, अभिजिति
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि वृश्चिक
समयः वृष- प्रातः ५।४५ से ७।४०, मिथुन- प्रातः ७।४० से ९।५४,
कर्क- दिवा ९।५४ से १२।१४, अभि.- दिवा १२।०३ से १२।५१

॥ द्विरागमन मुहूर्त्ताः ॥

वैशाख मासः

सन२०२५
१७ अप्रे. — **कृ. 0१ चंद्रे स्वाती** लग्न २, ३, अभिजिति, ६ (मिथुने शु १० शुभ)
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि तुला
समयः वृष- प्रातः ७।४६ से ९।४२, मिथुन- दिवा ९।४२ से ११।५६,
अभि.- दिवा १२।०७ से १२।५५, कन्या- दिवा ४।३२ से ६।४८

१८ अप्रे. — **कृ. 0५ शुक्रे मूले** लग्न २, ३, अभिजिति, ६ (मिथुने शु १० शुभ)
यजमान राशि- मेष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि धनु
समयः वृष- प्रातः ८।१९ उपरांत ९।२६, मिथुन- दिवा ९।२६ से ११।४०,
अभि.- दिवा १२।०६ से १२।५४, कन्या- दिवा ४।१७ से ५।११ यावत्

२३ अप्रे. — **कृ. १० बुधे शते** लग्न ६, ७ (भद्रा १६।४५ तक)
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि कुंभ
समयः कन्या- दिवा ४।४५ उपरांत ६।१२, तुला- दिवा ६।१२ से ६।५६ सूर्यास्त

२४ अप्रे. — **कृ. ११ गुरौ शते** लग्न २, ३ (मिथुने शु १० शुभ)
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि कुंभ
समयः वृष- प्रातः ७।०७ से ९।०२, मिथुन- दिवा ९।०२ से १०।४७ यावत्

३० अप्रे. — **शु. 0३ बुधे रोहि.** लग्न २, ३ (मिथुने शु १० शुभ)
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि वृष
समयः वृष- प्रातः ६।४३ से ८।३९, मिथुन- दिवा ८।३९ से १०।५३

मार्गशीर्ष मासः

सन२०२५
२७ नवं. — **शु. 0७ गुरौ धनि.** अभिजिति, १२, २ (वृषे गु ३ शुभ)
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि मकर
समयः अभि.- दिवा ११।५४ से १२।४२, मीन- : १४।०५ यावत्

यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि कुंभ
समयः मीन-दिवा २।०५ उपरांत ३।१३, वृष-दिवा ४।४९ से ५।३० सूर्यास्त : १४।०५ उपरांत

पौष मासः

सन२०२५
५ दिसं — **कृ. 0१ शुक्रे मृगे** अभिजिति, १२, २
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि वृष
समयः अभि.-दिवा ११।५७ से १२।४५, मीन-दिवा १।१६ से २।४२,
वृष-दिवा ४।१८ से ५।३० सूर्यास्त

फाल्गुन मासः

सन२०२६
१३ फर. — **कृ. ११ शुक्रे मूले** लग्न १२, अभिजिति, २, ३ (वृषे शु १० शुभ)
यजमान राशि- मेष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि धनु
समयः मीन- प्रातः ८।४१ से १०।०७, अभि.- दिवा १२।२० से १।०८,
वृष- दिवा ११।४३ से १।३९, मिथुन- दिवा १।३९ से ३।३१ यावत्

चैत्र मासः

सन२०२६
४ मार्च — **कृ. 0१ बुधे उफा.** लग्न १२, २, ३ (मीने गु १ शुभ, मिथुने गु १० शुभ)
यजमान राशि- मेष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि सिंह
समयः मीन- प्रातः ७।३९ उपरांत ८।५२, वृष- दिवा १०।२८ से १२।२४, : १३।४६ यावत्
मिथुन- दिवा १२।२४ से १।४६ यावत्

यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि कन्या
समयः मिथुन- दिवा १।४६ उपरांत २।३८ : १३।४६ उपरांत

५ मार्च — **कृ. 0२ गुरौ उफा.** लग्न १२ (मीने गु १ शुभ)
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि कन्या
समयः मीन- प्रातः ७।२२ से ८।१६ यावत्

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

अभिजित् मुहूर्त्त और चर संज्ञा -

कुछ बालमति विद्वान् अज्ञानता के कारण अभिजित् मुहूर्त की चर संज्ञा बताकर यजमान को भ्रमित करते हैं यह उचित नहीं है अभिजित् मुहूर्त एक स्वतंत्र मुहूर्त-है। **चर, स्थिर, द्विस्वभाव संज्ञा** मेषादि १२ राशियों की है न कि अभिजित् की। **यथा -**

गिरिशभुजगमित्राः पित्र्यवस्वम्बुविश्वेऽभिजिदथ च विधातापीन्द्र इन्द्रानलौ च।
निर्ऋतिरुदकनाथोऽप्यर्यमाऽथो भगः स्युः क्रमश इह मुहूर्त्ता वासरे बाणचन्द्राः ॥५२॥

पीताम्बरा - दिन के १५ मुहूर्त - दिनमान में १५ का भाग देकर एक मुहूर्त का घट्यात्मक मान होता है। गिरिश, भुजग, मित्र, पितृ, वसु, अम्बु, विश्वेदेव, अभिजित, विधाता, इन्द्र, इन्द्राग्नि, निर्ऋति, उदकनाथ, अर्यमा और पन्द्रहवाँ भग ये दिन में मुहूर्त होते हैं ॥५२॥

- पीयूषधारा पृ. ३७४, श्लोक ५२ ॥ **अपि च -**

"अष्टमे दिवसस्यार्द्धे त्वभिजित् संज्ञकः क्षणः" ॥ - मुहूर्तचिन्तामणि - वेंकटेश्वर प्रेस

स्त्रीपुंसयोश्चचंद्रबलनिर्णयमाह राजमार्त्तण्डे -

पाणिपीडनविधेरनन्तरं भर्तुरेव बलमैन्दवादिकम्।
चिंतनीयमिह योषितां क्वचिद्दृष्टमंगलमृते मनीषिभिः॥६२॥

विवाह के बाद गर्भाधान पुंसवनादि अभीष्ट मंगल छोड़ अन्य कार्यों में पति का ही चन्द्रबल देखना चाहिए ॥६२॥

विवाहकार्ये कुसुमप्रतिष्ठा[1] गर्भप्रतिष्ठा-वनिताविशुद्धौ[2]।
अन्यानि कार्याणि धवस्य शुद्धौ, पत्यौ विहीने प्रमदात्मशुद्ध्या ॥६३॥

विवाह, गर्भाधान, पुंसवनादि गर्भ संस्कार में स्त्री की भी चन्द्रशुद्धि और अन्य कार्यों में मात्र पति की चन्द्रशुद्धि अपेक्षित है। पति विहिन होने पर केवल अपनी शुद्धि आवश्यक है ॥६३॥

- सद्ग्रहशिरोमणिः (प्रथमो भाग-१), पृ. २८३

---

१. कुसुमप्रतिष्ठा गर्भाधानं, २. गर्भप्रतिष्ठा सीमन्तपुंसवनादिः

॥ संवत् २०८२, शाकः १९४७, सन २०२५-२६ मध्ये ग्रहजपादिना- गेहारंभ (भूमि पूजन), गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

॥ ग्रहजपादिना- गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः ॥

वैशाख मासः

सन२०२५
१४ अप्रे. **कृ. ०१ चंद्रे स्वाती** लग्न २, ३, ५, ६
(वृषे सु १२, मिथुने गु १२, सिंहे बु: शु: श: रा ८: मं १२, कन्या. बु ८)
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि तुला
समयः वृष- प्रातः ७।४६ से ९।४२, मिथुन- दिवा ९।४२ से ११।५६,
सिंह- दिवा २।१६ से ४।३२, कन्या- दिवा ४।३२ से ६।४८
भूमि-पूजन (शिलान्यास) वायव्य कोणे : सूर्यराशि मेष

ज्येष्ठ मासः

सन२०२५
७ जून **शु. १२ शनौ स्वाती** लग्न ५, ६ (सिंहे श ८, कन्या. शु ८: मं: के १२)
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि तुला
समयः सिंह- दिवा १०।४४ से १।००, कन्या- दिवा १।०० से ३।१६
भूमि-पूजन (शिलान्यास) नैऋत्य कोणे : सूर्यराशि वृष

श्रावण मासः

सन२०२५
९ अग. **शु. १५ शनौ धनि.** लग्न ९ (धनुषि सु: बु ८)
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि मकर
समयः धनु- दिवा ३।४५ से ५।४९
भूमि-पूजन (शिलान्यास) नैऋत्य कोणे : सूर्यराशि कर्क

भाद्रपद मासः

सन२०२५
११ अग. **कृ. ०२ चंद्रे शते** लग्न ५, ६ (सिंहे श ८; सु: बु १२, कन्या. के १२)
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि कुंभ
समयः सिंह- प्रातः ६।२८ से ८।४५, कन्या- दिवा ८।४५ से ११।००
भूमि-पूजन (शिलान्यास) नैऋत्य कोणे : सूर्यराशि कर्क

४ सितं **शु. १२ गुरौ उषा.** लग्न ५, ६, ९, ११
(सिंहे श ८; शु १२, कन्या. सु: बु: के १२, धनुषि शु ८, कुंभे मं ८; चं १२)
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि मकर
समयः सिंह- प्रातः ६।१४ से ७।१०, कन्या- प्रातः ७।१० से ९।२६,
धनु- दिवा २।०३ से ४।०७, कुंभ- दिवा ५।५० से ६।४४ सूर्यास्त
भूमि-पूजन (शिलान्यास) आग्नेय कोणे : सूर्यराशि सिंह

कार्तिक मासः

सन२०२५
३ नवं. **शु. १३ चंद्रे उभा.** लग्न ९
(धनुषि गु ८: मं: बु १२)
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि मीन
समयः धनु- दिवा १०।०७ से १२।११
भूमि-पूजन (शिलान्यास) आग्नेय कोणे : सूर्यराशि तुला

३ नवं. **शु. १३ चंद्रे रेवत्यां** लग्न १२ (मीने सु: शु ८: रा १२)
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि मीन
समयः मीन- दिवा ३।२२ से ४।४८ : सूर्यराशि तुला
भूमि-पूजन (शिलान्यास) आग्नेय कोणे

मार्गशीर्ष मासः

सन२०२५
७ नवं. **कृ. ०२ शुक्रे रोहि.** लग्न १२ (मीने सु: शु ८: रा १२)
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि वृष
समयः मीन- दिवा ३।०६ से ४।३२ : सूर्यराशि तुला
भूमि-पूजन (शिलान्यास) आग्नेय कोणे

२७ नवं. **शु. ०७ गुरौ धनि.** लग्न ९ (धनुषि गु ८: सु: मं: शु १२)
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि मकर
समयः धनु- प्रातः ८।३२ से १०।३६ : सूर्यराशि वृश्चि
भूमि-पूजन (शिलान्यास) ईशान कोणे

पौष मासः

सन२०२५
५ दिसं **कृ. ०१ शुक्रे रोहि.** लग्न ९ (धनुषि सु: मं: शु १२)
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि वृष
समयः धनु- प्रातः ८।०१ से १०।०५ : सूर्यराशि वृश्चि
भूमि-पूजन (शिलान्यास) ईशान कोणे

५ दिसं **कृ. ०१ शुक्रे मृगे** लग्न १२ (मीने बु ८: रा १२)
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि वृष
समयः मीन- दिवा १।१६ से २।४२ : सूर्यराशि वृश्चि
भूमि-पूजन (शिलान्यास) ईशान कोणे

॥ ग्रहजपादिना- नूतनगृहप्रवेश मुहूर्त्ताऽभावः ॥

॥ ग्रहजपादिना- कुंभचक्ररहिताः नूतनगृहप्रवेश मुहूर्त्ताः ॥

वैशाख मासः

सन२०२५
२१ अप्रे. **कृ. ०८ चंद्रे उषा.** लग्न २, ३
(वृषे सू १२, मिथुने चं ८: गु १२)
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि मकर
समयः वृष- प्रातः ७।१८ से ९।१४, मिथुन- दिवा ९।१४ से ११।२९

३० अप्रे. **शु. ०३ बुधे रोहि.** लग्न २, ३, ५
(वृषे लग्नस्थ चंद्रः नेष्टः; सू १२, मिथुने चं; गु १२, सिंहे बु: शु: श: रा ८: मं १२)
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि वृष
समयः वृष-प्रातः ६।४३ से ८।३९, मिथुन-दिवा ८।३९ से १०।५३, सिंह-दिवा १।१३ से २।१५ यावत

नया

॥ संवत् २०८२, शाक: १९४७, सन २०२५-२६ मध्ये ग्रहजपादिना- नेहारंभ (भूमि पूजन), गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ता: ॥

फाल्गुन मास:

सन२०२६ **७ फर.** **कृ. ०६ शनौ चित्रा.** लग्न ११, १२, ३
(कुंभे चं ८: शु: मं १२, मीने बु: शु: रा १२, मिथुने बृ: मं ८)
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि कन्या
समय: कुंभ- प्रात: ७।३६ से ९।०५, मीन- प्रात: ९।०५ से १०।३० : १३।१६ यावत्

यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि तुला
समय: मिथुन- दिवा २।०२ से ४।१७ : १३।१६ उपरांत

२१ फर. **शु. ०४ शनौ रेवत्यां** लग्न ३, ५ (महापात स्पर्श: ८।११ मोक्ष: १२।१०)
(मिथुने मं ८, सिंहे चं: रा ८)
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि मीन
समय: मिथुन- दिवा १।०७ से ३।२२, सिंह- दिवा ५।४१ से ६।२१ सूर्यास्त

॥ ग्रहजपादिना- जीर्णगृहप्रवेश मुहूर्त्ता: ॥

वैशाख मास:

सन२०२५ **२३ अप्रै.** **कृ. १० बुधे शते** लग्न ६ (भद्रा १६।४५ तक, महापात स्पर्श: १२।२७ मोक्ष: १६।२७)
(कन्या. सू ८)
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि कुंभ
समय: कन्या- दिवा ४।४५ उपरांत ६।१२

२४ अप्रै. **कृ. ११ गुरौ शते** लग्न २, ३
(वृषे सू १२, मिथुने गु १२)
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि कुंभ
समय: वृष- प्रात: ७।०७ से ९।०२, मिथुन- दिवा ९।०२ से १०।४७ यावत्

ज्येष्ठ मास:

सन२०२५ **७ जून** **शु. १२ शनौ स्वाती** लग्न ५, ६, ८
(सिंहे श ८, कन्या. शु ८: मं: के १२, वृश्चिके बु: गु ८: चं १२)
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि तुला
समय: सिंह- दिवा १०।४४ से १।००, कन्या- दिवा १।०० से ३।१६,
वृश्चिक- दिवा ५।३४ से ७।२० सूर्यास्त

कार्तिक मास:

सन२०२५ **१५ अक्टू** **कृ. ०९ बुधे पुष्ये** लग्न ८, ९
(वृश्चिके गु ८: मं: बु १२, धनुषि चं ८)
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि कर्क
समय: वृश्चिक- दिवा १०।३१ उपरांत ११।२१, धनु- दिवा ११।२१ से ११।५६ यावत्

मार्गशीर्ष मास:

सन२०२५ **२७ नवं.** **शु. ०७ गुरौ धनि.** लग्न ८, ९, ११, १२ (वृश्चिके बु १२, धनुषि गु ८: सू: मं: शु १२, कुंभे चं १२, मीने १४।०५ उपरांत चं १२: बु ८: रा १२)
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन
: चंद्रराशि मकर १४।०५ यावत्
समय: वृश्चिक- प्रात: ७।०५ से ८।३२, धनु- प्रात: ८।३२ से १०।३६,
कुंभ- दिवा १२।११ से १।४८

यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि कुंभ
समय: मीन- दिवा २।०५ उपरांत ३।१३ : १४।०५ उपरांत

वैशाख मास:

सन२०२५ **१४ अप्रै.** **कृ. ०१ चंद्रे स्वाती** लग्न २, ३, ५, ६
(वृषे सू १२, मिथुने गु १२, सिंहे बु: शु: म: रा ८: चं १२, कन्या. सू ८)
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि तुला
समय: वृष- प्रात: ७।४६ से ९।४२, मिथुन- दिवा ९।४२ से ११।५६, सिंह- दिवा २।१६ से ४।३२,
कन्या- दिवा ४।३२ से ६।४८

ज्येष्ठ मास:

सन२०२५ **३१ मई** **शु. ०५ शनौ पुष्ये** लग्न ३, ८ (महापात स्पर्श: ११।२० मोक्ष: १६।५५)
(मिथुने गु: बु १२, वृश्चिके गु ८)
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि कर्क
समय: मिथुन- प्रात: ६।३७ से ८।५१, वृश्चिक- दिवा ६।०२ से ७।१७ सूर्यास्त

श्रावण मास:

सन२०२५ **९ अग.** **शु. १५ शनौ धनि.** लग्न ८, ९ (वृश्चिके गु: गु ८, धनुषि गु: बु ८)
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि मकर
समय: वृश्चिक- दिवा २।१८ उपरांत ३।४५, धनु- दिवा ३।४५ से ५।४९

अग्रे अभाव:

परे लग्नशुद्धया कुयोगादिनाशम् -

व्याख्या- अथ परे आचार्या लग्नशुद्धया समीचीन-लग्नबलेन कुयोगानां मृत्युक्रकचादीनां नाशं भवंतीति शेष: । - पीयूषधारा (पृ.४६, श्लो.४२)

अर्थ- लग्न शुद्धि के समय तिथि, नक्षत्र और विष्कुंभादि योग द्वारा उत्पन्न हुए मृत्यु-क्रकचादि कुयोग स्वयं नष्ट हो जाते हैं (जैसे सूर्योदय होने पर अंधेरा नष्ट हो जाता है) ।

विशेष- किसी एक विद्वान् के द्वारा बताये हुए शुद्धलग्न मुहूर्त को दूसरा विद्वान् (बालबुद्धि वाला) यजमान को यह कह कर भ्रमित (गुमराह) कर देता है कि उस दिन मृत्यु-क्रकचादि कुयोग होने से वह मुहूर्त अच्छा नहीं है । नोट- ऐसे बालमति के विद्वानों से करबद्ध प्रार्थना है कि ज्योतिष शास्त्र का उपहास (मजाक) न करें । कहा भी है- "नानाशास्त्र विचक्षणश्च पुरुषानिन्दन्ति मूर्खाः सदा इति" ।

॥ सूर्यग्रहणम् ॥
संवत् २०८२, (सन २०२५-२६)

संवत् २०८२ में भूमण्डल पर कुल दो सूर्यग्रहण होंगे। दोनों ही सूर्यग्रहण भारत में दिखाई नहीं देंगे, विदेशों में दिखाई देंगे। जहाँ ग्रहण दिखाई नहीं दे वहाँ तत्सम्बंधि धार्मिक कृत्य करना आवश्यक नहीं है।

(१) रामगढ शेखा. मिति: आश्विन कृष्णा ३० रविवासरे, संवत् २०८२, ता. २१ सितंबर २०२५

॥ भूमण्डलीय सूर्यग्रहणम्, खण्डग्रासं ॥

(१) भूमण्डलीय मिति: आश्विन कृष्णा ३० रविवासरे संवत् २०८२, ता. २१ सितंबर २०२५

इस सूर्यग्रहण का भारतीय स्टै. समय के अनुसार भूमण्डलीय स्पर्शादि इस प्रकार है -

	समय (स्टै.)	अक्षांशा:	रेखांशा:
स्पर्श	२३।०६	-१६.०४	-१७७.२
मोक्ष	२७।२५	-७२.६९	-५६.६९

नोट - यह ग्रहण भारत के किसी भी भाग में दिखाई नहीं देगा। जहाँ ग्रहण दिखाई नहीं दे वहाँ तत्सम्बंधि धार्मिक कृत्य करना आवश्यक नहीं है।

नोट - विदेशों में जहाँ दिखाई देगा उनके कुछ नाम -

ग्रस्तोदय अल्पग्रास सूर्यग्रहण वाले शहर

बोटनी बे, वाल्स

खण्डग्रास सूर्यग्रहण वाले शहर

बेलिंगसेन सागर, एंथराटीका, कुक, पेसिफिक महा सागर

ग्रस्तोदय खण्डग्रास सूर्यग्रहण वाले शहर

अल्पा, न्यूजीलैण्ड, उकलैण्ड, न्यूजीलैण्ड, उकलैण्ड, द. पेसिफिक महासागर, केन्टरबरी बाइट, न्यूजीलैण्ड, क्रिस्टचर्च, न्यू जीलैण्ड, कुक, न्यू जीलैण्ड, कुक स्ट्रेट, न्यू जीलैण्ड, डुनीडीन, न्यू जीलैण्ड, फीजी आइसलैण्ड, पेसिफिक महासागर, गीसबोर्न, न्यू जीलैण्ड, हयूराकी, न्यू जीलैण्ड, हवके बे, न्यू जीलैण्ड, होकीटीका, न्यू जीलैण्ड, इन्वरकार्जिल, न्यू जीलैण्ड, कर्माडेक द्वीप, पेसिफिक महा सागर

(२) रामगढ शेखा. मिति: फाल्गुन कृष्णा ३० भौमवासरे, संवत् २०८२, ता. १७ फरवरी २०२६

॥ भूमण्डलीय सूर्यग्रहणम्, कंकणाकृति ॥

(२) भूमण्डलीय मिति: फाल्गुन कृष्णा ३० भौमवासरे संवत् २०८२, ता. १७ फरवरी २०२६

इस सूर्यग्रहण का भारतीय स्टै. समय के अनुसार भूमण्डलीय स्पर्शादि इस प्रकार है -

	समय (स्टै.)	अक्षांशा:	रेखांशा:
स्पर्श	१५।२४	-६१.५५	-८१.११
सम्मीलन	१७।२१	-७०.१७	१३४.८५
उन्मीलन	१७।५७	-५३.७४	१०४.१३
मोक्ष	११।५४	-१३.०६	६१.८१

नोट - यह ग्रहण भारत के किसी भी भाग में दिखाई नहीं देगा। जहाँ ग्रहण दिखाई नहीं दे वहाँ तत्सम्बंधि धार्मिक कृत्य करना आवश्यक नहीं है।

नोट - विदेशों में जहाँ दिखाई देगा उनके कुछ नाम -

अल्पग्रास सूर्यग्रहण वाले शहर

कारिबा, जिंबाब्वे

खण्डग्रास सूर्यग्रहण वाले शहर

अमिरते, इंडीयन महासागर, अंताअरिवो, मडागास्कार, बीरा, मोजंबीक, बेलिंगसेन सागर, एंथराटीका, ब्लेन्टयार, माल्मवी, ब्लोमिफओटीन, द. अफ्रिका, बुलायायो, जिंबाब्वे, केप प्रोविन्स, द. अफ्रीका, केप टाउन, द. अफ्रीका, कोमोरो, भारतीय महासागर, डेलगेडो, मोजाम्बिक, डार्कन्साबर, द. अफ्रीका, डर्बन, द. अफ्रीका, पू. लंदन, द. अफ्रीका, गुड होप, द. अफ्रीका

ग्रस्तास्त खण्डग्रास सूर्यग्रहण वाले शहर

धानगोला आर्च, इंडियन सागर

॥ चंद्रग्रहणम् ॥ संवत् २०८२

संवत् २०८२ में भूमण्डल पर कुल दो चंद्रग्रहण होंगे। दोनों ही भारत में दिखाई देंगे।

(१) यह खग्रास चंद्रग्रहण भाद्रपद शुक्ला १५ रविवार, संवत् २०८२, ता. ७ सितंबर २०२५, को होगा। इस खग्रास चंद्रग्रहण का स्पर्श स्टै. २१।५३ बजे, मध्य २३।३९ बजे और मोक्ष २५।२७ बजे है। इस ग्रहण का सूतक स्टै. १२।५३ बजे से (ग्रहण के स्पर्श समय से ९ घंटा पहले) प्रारम्भ होगा। ग्रहण के सूतक में बाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोड़कर भोजनादि निषेध है।

यह खग्रास चंद्रग्रहण भारत के सभी भागों में समान रूप से दिखाई देगा।

(२) यह ग्रस्तोदय खग्रास चंद्रग्रहण फाल्गुन शुक्ला १५ मंगलवार संवत् २०८२, ता. ३ मार्च २०२६, को होगा। इस खग्रास चंद्रग्रहण का स्पर्श स्टै. १५।२७ बजे, मध्य १७।११ बजे और मोक्ष १८।५६ बजे है। इस ग्रहण का सूतक स्टै. ६।२७ बजे से (ग्रहण के स्पर्श समय से ९ घंटा पहले) प्रारम्भ होगा। ग्रहण के सूतक में बाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोड़कर भोजनादि निषेध है।

नोट - जहाँ चंद्रोदय स्टै. १५।२७ बजे के बाद और १८।५६ बजे के पहिले होगा वहाँ ग्रस्तोदय ग्रहण होगा।

ग्रस्तोदय खग्रास चंद्रग्रहण दिखाई देने वाले कुछ नगर - रामगढ शेखा., अजमेर (राज.), अहमदाबा. (गुज.), अयोध्या (उ.प्र.), अमृतसर (पंजा.), आकोला (महा.), आगरा (उ.प्र.), इंदौर (म.प्र.), इलाहाबा. (उ.प्र.), उज्जैन (म.प्र.), उदयपुर (राज.), कटक (उडी.), कोल्काता (प.बं.), काठमाण्डु (नेपा.), कानपुर (उ.प्र.), कोटा (राज.), गंगानगर (राज.), गोरखपुर (उ.प्र.), गौहाटी आसाम, चिन्नई (तमि.), जबलपुर

(म.प्र.), जयपुर (राज.), जींद (हरि.), जोधपुर (राज.), झरिया (बिहा.), झांसी (उ.प्र.), झुन्झुनू (राज.), डिब्रुगढ आसाम, तेजपुर आसाम, दरभंगा (बिहा.), त्रिवेंद्रम (केर.), दिल्ली , नैनिताल (उ.प्र), पूना (महा.), प्रयाग (उ.प्र.), बीकानेर (राज.), बंगलुरू (कर्ना.), बांसवाडा (राज.), बिलासपुर (म.प्र), भिवानी (हरि.), मथुरा (उ.प्र.), मुम्बई (महा.), मैसूर द.भा., लखनऊ (उ.प्र.), वाराणसी (उ.प्र), विजयवा. (आंध्र), श्रीनगर ज.क., हरद्वार (उ.प्र.), हैदराबाद (आं.प्र.), चंडीगढ, नारनौल (हरि.), रिवाडी (हरि.), पानीपत (हरि.), करनाल (हरि.), सिरसा (हरि.), पटोदी (हरि.), हिसार (हरि.), अनूपगढ (राज.), अलवर (राज.), अलीगढ टोंक (राज.), अलीगढ धौल. (राज.), किशनगढ (राज.), कुचामन (राज.), चूरु (राज.), चित्तौडगढ (राज.), जहाजपुर (राज.), जैसलमेर (राज.), डीडवाना (राज.), धौलपुर (राज.), नूरबहादरा (राज.), पाली (राज.), प्रतापगढ (राज.), बाडमेर (राज.), बालोत्रा (राज.), बारॉं (राज.), भरतपुर (राज.), फतेहपुर (राज.), भीलवाडा (राज.), फुलेरा (राज.), राजगढ (राज.), रतनगढ. (राज.), रिंगस (राज.), लाडनू (राज.), लक्ष्मणगढ (राज.), ब्यावर (राज.), शाहाबाद (राज.), शाहगढ (राज.), शाहपुरा (राज.), शेरगढ (राज.), सांगानेर (राज.), सिकार (राज.), सिरोही (राज.), श्रीमाधोपुर (राज.), सोजत (राज.), सूरजगढ (राज.), सुजानगढ (राज.), हनुमानगढ (राज.), अबोहर (पंजा.), बरनाला (पंजा.), फरीदकोट (पंजा.), फिरोजपुर (पंजा.), फाजिल्का (पंजा.), गुरदासपुर (पंजा.), जालंधर (पंजा.), कोटकपूरा (पंजा.), पठानकोट (पंजा.), पटियाला (पंजा.), अंगुल (उडी.), बालेश्वर (उडी.), पुरी (उडी.), सिल्लीगुडी (प.बं.), कूचबिहार (प.बं.), जलपाईगुडी (प.बं.), झाडग्राम (प.बं.), दार्जीलिंग (प.बं.), मल्दाह (प.बं.), कटिहार (बिहा.), किशनगंज (बिहा.), पटना (बिहा.), भागलपुर (बिहा.), पूर्णिया (बिहा.), गंगटोक (सिकि.), शिलांग (मेघा.), अगरतला (त्रिपुरा), इम्फाल (मणि.), इटानगर (अरु.प्र.), धूबरी (आसा.), शिवसागर (आसा.), सिलचर (आसा.), कुमारी अंतदीप (भा.), निकोबार द्वी.(भा.), केर शिखर (भारत), सदिया (असम), जोरहाट (असम) ।

जहाँ चंद्रोदय स्टै. १८/५६ बजे के बाद होगा वहाँ ग्रहण दिखाई नहीं देगा ।

चंद्रग्रहण जहाँ बिलकुल दिखाई नहीं देगा ऐसे कुछ नगर - पोरबंदर (गुज.), द्वारका (गुज.) ।

जहाँ ग्रहण दिखाई नहीं दे वहाँ तत्सम्बंधि धार्मिक कृत्य करना आवश्यक नहीं है ।

स्पष्टता के लिए कुछ नगरों का चंद्रोदय दिया है ।

।। प्रमुख नगरों का चंद्रोदय ।। तारीख ३ मार्च २०२६, (स्टै.समय में)

शहर		चंद्रोदय घं. मि.	शहर		चंद्रोदय घं. मि.
रामगढ	शेखा.	१८/३१	अमृतसर	(पंजा.)	१८/२९
अजमेर	(राज.)	१८/३३	आकोला	(महा.)	१८/२६
अहमदाबा.	(गुज.)	१८/४४	आगरा	(उ.प्र.)	१८/११
अयोध्या	(उ.प्र.)	१८/०१	इंदौर	(म.प्र.)	१८/३०

इलाहाबा.	(उ.प्र.)	१८/०३	रिवाडी	(हरि.)	१८/२४	सूरजगढ	(राज.)	१८/२८
उज्जैन	(म.प्र.)	१८/३०	पानीपत	(हरि.)	१८/२१	सुजानगढ	(राज.)	१८/३३
उदयपुर	(राज.)	१८/३८	करनाल	(हरि.)	१८/२१	हनुमानगढ	(राज.)	१८/३३
कटक	(उडी.)	१७/५०	सिरसा	(हरि.)	१८/२९	अबोहर	(पंजा.)	१८/३३
कोलकाता	(प.बं.)	१७/३८	पटोदी	(हरि.)	१८/२३	बरनाला	(पंजा.)	१८/२७
काठमाण्डु	(नेपा.)	१७/४९	हिसार	(हरि.)	१८/२७	फरीदकोट	(पंजा.)	१८/२९
कानपुर	(उ.प्र.)	१८/१०	अनूपगढ	(राज.)	१८/३८	फिरोजपुर	(पंजा.)	१८/३०
कोटा	(राज.)	१८/२९	अलवर	(राज.)	१८/२४	फाजिल्का	(पंजा.)	१८/३३
गंगानगर	(राज.)	१८/३४	अलीगढटोंक	(राज.)	१८/२७	गुरदासपुर	(पंजा.)	१८/२६
गोरखपुर	(उ.प्र.)	१७/५७	अलीगढधौल	(राज.)	१८/२०	जालंधर	(पंजा.)	१८/२६
गौहाटी	आसाम	१७/२२	किशनगढ	(राज.)	१८/४१	कोटकपूरा	(पंजा.)	१८/३०
चिन्नई	(तमि.)	१८/१७	कुचामन	(राज.)	१८/३२	पठानकोट	(पंजा.)	१८/२५
जबलपुर	(म.प्र.)	१८/१३	चूरु	(राज.)	१८/३१	पटियाला	(पंजा.)	१८/२३
जयपुर	(राज.)	१८/२८	चित्तौडगढ	(राज.)	१८/३४	अंगुल	(उडी.)	१७/५३
जींद	(हरि.)	१८/२४	जहाजपुर	(राज.)	१८/३१	बालेश्वर	(उडी.)	१७/४५
जोधपुर	(राज.)	१८/४२	जैसलमेर	(राज.)	१८/४८	पुरी	(उडी.)	१७/५०
झरिया	(बिहा.)	१७/४६	डीडवाना	(राज.)	१८/३४	सिल्लीगुडी	(प.बं.)	१७/३६
झांसी	(उ.प्र.)	१८/१७	धौलपुर	(राज.)	१८/११	कूचबिहार	(प.बं.)	१७/३१
झुन्झुनू	(राज.)	१८/२९	नूरबहादरा	(राज.)	१८/२९	जलपाईगुडी	(प.बं.)	१७/३४
डिब्रुगढ	आसाम	१७/०८	पाली	(राज.)	१८/३९	झाडग्राम	(प.बं.)	१७/४३
तेजपुर	आसाम	१७/१७	प्रतापगढ	(राज.)	१८/३४	दार्जीलिंग	(प.बं.)	१७/३६
दरभंगा	(बिहा.)	१७/४७	बाडमेर	(राज.)	१८/४७	मल्दाह	(प.बं.)	१७/३८
त्रिवेंद्रम	(केर.)	१८/३२	बालोत्रा	(राज.)	१८/४३	कटिहार	(बिहा.)	१७/३९
दिल्ली		१८/२१	बारॉं	(राज.)	१८/२६	किशनगंज	(बिहा.)	१७/४२
नैनिताल	(उ.प्र)	१८/११	भरतपुर	(राज.)	१८/२१	पटना	(बिहा.)	१७/५०
पूना	(महा.)	१८/४०	फतेहपुर	(राज.)	१८/३१	भागलपुर	(बिहा.)	१७/४१
प्रयाग	(उ.प्र.)	१८/०४	भीलवाडा	(राज.)	१८/३४	पूर्णिया	(बिहा.)	१७/४०
बीकानेर	(राज.)	१८/३८	फुलेरा	(राज.)	१८/३०	गंगटोक	(सिकि.)	१७/३४
बंगलुरू	(कर्ना.)	१८/२८	राजगढ	(राज.)	१८/२९	शिलांग	(मेघा.)	१७/२२
बांसवाडा	(राज.)	१८/३६	रतनगढ.	(राज.)	१८/३२	अगरतला	(त्रिपुरा)	१७/२५
बिलासपुर	(म.प्र)	१८/०४	रिंगस	(राज.)	१८/२९	इम्फाल	(मणि.)	१७/१४
भिवानी	(हरि.)	१८/२५	लाडनू	(राज.)	१८/३४	इटानगर	(अरु.प्र.)	१७/१४
मथुरा	(उ.प्र.)	१८/२०	लक्ष्मणगढ	(राज.)	१८/३१	धूबरी	(आसा.)	१७/२९
मुम्बई	(महा.)	१८/४५	ब्यावर	(राज.)	१८/३५	शिवसागर	(आसा.)	१७/०९
मैसूर	द.भा.	१८/३२	शाहाबाद	(राज.)	१८/२३	सिलचर	(आसा.)	१८/००
लखनऊ	(उ.प्र.)	१८/०७	शाहगढ	(राज.)	१८/५२	कुमारीअंत.	(भा.)	१८/३०
वाराणसी	(उ.प्र)	१७/५९	शाहपुरा	(राज.)	१८/३२	निकोबारद्वी	(भा.)	१७/२२
विजयवा.	(आंध्र)	१८/१३	शेरगढ	(राज.)	१८/२६	केरशिखर	(भा.)	१८/२०
श्रीनगर	ज.क.	१८/२७	सांगानेर	(राज.)	१८/२८	पोरबंदर	(गुज.)	१८/५६
हरद्वार	(उ.प्र.)	१८/१६	सिकार	(राज.)	१८/३०	द्वारका	(गुज.)	१८/५९
हैदराबाद	(आं.प्र.)	१८/२२	सिरोही	(राज.)	१८/४१	सदिया	(असम)	१७/०५
चंडीगढ		१८/२१	श्रीमाधोपुर	(राज.)	१८/२९	जोरहाट	(असम)	१७/११
नारनौल	(हरि.)	१८/२५	सोजत	(राज.)	१८/३७			

अल्पमतिविस्तरेण

तिथि आनयन विधि और उदाहरण (संवत् २०८२, शाकः १९४७, सन २०२५)

श्रीगुरुचरणों का ध्यान कर कमलरूपी चरणों से प्राप्त ज्ञानपुंज के प्रकाश से तिथि आनयन सूक्ष्म-गणित सोदाहरण बालबोधाय लिखने का प्रयास किया है। माँ सरस्वती से दिन-रात प्रार्थना करता हूँ कि ज्ञानपुंज के दर्शन कराने वाले श्रीगुरुचरण सर्वदा मेरे हृदय में निवास करें।

तिथि समाप्तिकाल सूत्र = चन्द्र - सूर्य ÷ १२ - पूर्णांक (१२ - लब्धांक) X ६० X अहोरात्र ÷ गत्यन्तर

पञ्चाङ्ग - त्रिस्कन्ध ज्योतिष की आधार शिला मात्र एक पञ्चाङ्ग गणित है। तथा वर्षारम्भ चैत्रादि चान्द्र वर्ष प्रारम्भ जो चैत्र शुक्ल प्रतिपद तिथि से प्रारम्भ होता है, उसी दिन वर्ष भर के लिए पञ्चाङ्ग फल दैवज्ञ वर्य (ज्योतिर्विद) के मुख से सुनकर श्री देवी, कलश स्थापन, देवी पूजन प्रभृति वासन्तिक नवरात्रारम्भ होता है। इसी शुभ समय में पञ्चाङ्ग फल श्रवण भी आवश्यक कहा गया है। यथा तिथि नाम सुनने से श्री प्राप्ति, वार नाम सुनने से आयुष्य वृद्धि, नक्षत्र नाम श्रवण से पापक्षय, योग नाम श्रवण से रोग निवारण एवं करण नाम श्रवण से अभीष्ट कार्य की सिद्धि होती है। **जैसे** - "तिथेश्चश्रियमाप्नोति वाराद्रायुष्य वर्द्धनम्। नक्षत्राद्धरते पापं योगाद्रोग निवारणम् ॥ करणात्कार्यसिद्धिश्च पञ्चाङ्गफलमुच्यते"। इति ॥

पञ्चाङ्ग में दी हुई तिथि और तिथि के समाप्तिकाल का समय, गणित द्वारा कैसे स्पष्ट करते हैं ?

पूर्णतया भारतीय पद्धति से निर्मित पं. **श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्ग** में दिये हुए ग्रह स्पष्ट के आधार पर ही यहाँ तिथि आनयन गणित और संक्षेप से पाठकों के ज्ञानवर्द्धन के लिए उदाहरण दे रहा हूँ, आशा है कि जिज्ञासु-गण, विद्यार्थिगण लाभान्वित होंगे और पञ्चाङ्ग अपनी उच्चगरिमामयी सिद्धि का द्योतक होगा। अतः ज्योतिर्गणित कर्ता आचार्य **वेंकटेश बापू केतकर** की बड़ी ही देन है जिनके ग्रन्थ शक (शाकः) १८२५ से आज तक सूक्ष्म-वेध यंत्रों के समकक्ष अक्षुण्ण चले आ रहे हैं। अपने स्तुत्य परिश्रम से भारतीय पञ्चाङ्ग साधन में वन्दनीय योगदान दिया है, ऐसे महापुरुषों को सर्वदा हृदय से प्रणाम करता हूँ। महापुरुषों की श्रमोपार्जित धरोहर अर्थात् भारतीय पद्धति से पञ्चाङ्ग-गणित करते समय स्वतः गर्व की परम अनुभूति होती है जो अवर्णनीय है।

मानद वेंकटेश बापू केतकर पद्धति से निर्माण किया गया पं. श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्ग धर्मशास्त्र, श्रुति-स्मृति और प्राचीन ऋषियों के आर्ष (गूढ) वचनों द्वारा त्यौहार, व्रत, उत्सव-पर्व आदि निर्णय सहित सूक्ष्म-गणित के आवरण से आवेष्टित (ओत-प्रोत) है। जैसा कि उपर त्रिस्कन्ध ज्योतिष का उल्लेख है। पञ्चाङ्ग में तिथि, नक्षत्र, योग, करण, ग्रह-स्पष्ट . . . आदि जहाँ भी चन्द्रमा का उपयोग हुआ है वहाँ चन्द्रमा में बीस संस्कार देकर काम में लिया है और इसीलिए आवरण से ओत-प्रोत शब्द का उपयोग किया है।

तिथि का आदि ज्ञान: - सूर्योदयकालीन अंशात्मक स्पष्ट चन्द्र में से अंशात्मक स्पष्ट सूर्य को घटा दें यदि चन्द्र के अंश कम हों तो चन्द्र के अंशों में ३६० जोड़कर घटावें, शेष में १२ (क्षेपक) का भाग दें, भागफल की संख्या तुल्य गत तिथि होगी और जो शेष रहा वह वर्तमान तिथि का भुक्तांश आगया, इस भुक्तांश को १२ अंश में से घटाने पर वर्तमान तिथि का भोग्यांश होगा।

वर्तमान तिथि के भुक्तांश में गत्यन्तर का भाग देने से वर्तमान तिथि का भुक्त घटी-पल होगा और भोग्यांश में गत्यन्तर का भाग देने से वर्तमान तिथि के भोग्य घटी-पल होंगे। घटी-पलों में ढाई का भाग देकर स्टैं. सूर्योदय जोड़ने से वर्तमान तिथि का भारतीय स्टैंडर्ड समय में समाप्तिकाल होगा। जो कि सूक्ष्मासन्न है। सूक्ष्म-भोग्यकाल में ७ मिनट से न्यूनाधिक अन्तर नहीं होगा।

सूक्ष्मता के लिए: - तिथि समाप्ति के समय को इष्टकाल मानकर इष्टकालीन चन्द्र स्पष्ट करने के लिए चन्द्रमा में बीस संस्कार देकर सूक्ष्म स्पष्ट चन्द्र करना चाहिए, जो श्रमसाध्य तो होगा ही अपितु ग्रंथों का भी अभाव है अतः विद्यार्थियों के लिए सूक्ष्मगणित करना संभव नहीं है। पञ्चाङ्गकर्ता अपने ग्रन्थ व्यवस्था रखते हैं इसीलिए पञ्चाङ्गों में सूक्ष्म स्पष्ट चन्द्र लिखा रहता है और यहाँ भी उदाहरण में दिखाया है। इसीलिए पञ्चाङ्ग में दिये हुए इष्टकालीन ग्रह स्पष्ट के उदाहरण में चन्द्र स्पष्ट में मैंने लि[खा] है कि - चंद्रमा की शीघ्रगति होने से चंद्रस्पष्ट का यह साधन स्थूल है। अलमतिविस्तरेण ॥

पञ्चाङ्ग में सूर्योदयकालीन ग्रहस्पष्ट दिये हुए हैं।

उपकरण - तारीख १५ अगस्त २०२५, शुक्रवार, सूर्योदय-कालीन तिथि गणित (स्टै. ६।०४)

पञ्चाङ्ग में चन्द्रमा बीस संस्कार देकर सूक्ष्म स्पष्ट किया हुआ है।

क्षेपक १२ (स्पष्ट-सूर्य से स्पष्ट-चंद्रमा जब १२ अंश आगे निकलता है तब शुक्ल प्रतिपदा (१) तिथि पू[री] होती है इसी तरह हर बारह अंश में शुक्ल १ तिथि से आगे द्वितीया आदि, बढती रहती है इसीलिए ति[थि] का क्षेपक १२ अंश है।)

चन्द्र-सूर्य स्पष्ट - (राशि-अंश-कला-विकला)

चन्द्र ०।१२।२५।२५ गति ८५४।११, सूर्य ३।२८।१५।३१ गति ५७।४०

अंशात्मकः स्पष्ट चन्द्र १२.४२३७४, सूर्य ११८.२५८७

भाज्यः (अंशात्मकः) २५४.१६५ (१२.४२३७४ + ३६० - ११८.२५८७)

भागफल (सावयव) २१.१८०४२ (२५४.१६५ ÷ १२)

भागफल संख्या (२१) तुल्य गत तिथि कृष्णा ६

वर्तमान तिथि कृष्णा ७

भुक्तांशः कृष्णा ७ तिथि का २.१६५०३९ = (२१.१८०४२ - २१) X १२

भोग्यांशः कृष्णा ७ तिथि का ९.८३४९६१ = (१२ - २.१६५०३९)

कलात्मकः चन्द्र-गति ८५४.३१६७, सूर्य-गति ५७.६६६६७

गत्यन्तरः ७९६.६५ (चन्द्र गति में से सूर्य गति घटाने को गत्यन्तर कहते हैं)

अहोरात्र मान = सूर्योदय से अगले दिन के सूर्योदय तक के समय को अहोरात्र कहते हैं

अहोरात्रः (घट्यादि) ६०।०३ = (अगले दिन का सूर्योदय ६।०५ + २४ – सूर्योदय ६।०४) X २॥

उदयकाल में कृष्णा ७ तिथि का भुक्तकाल-स्थूल (घट्यादि.) ९।४८

(भुक्तांशः २.१६५०३९ X ६० X अहोरात्र ६०.०५ (७८००.६३६ ÷ गत्यन्तरः ७९६.६५))

उदयकाल में कृष्णा ७ तिथि का सूक्ष्मासन्न भोग्यकाल:-

(घट्यादि.) ४४।२९, (स्टै.) २३।५२

(भोग्यांशः ९.८३४९६१ X ६० X अहोरात्र ६०.०५ (३५४३५.३६ ÷ गत्यन्तरः ७९६.६५))

स्थूल-ऐक्यम्- कृष्णा ७ तिथि का गत ९।४८, और ऐष्य ४४।२९, तिथिभोग ५४।१६ हुआ।

नोट - स्थानिक घटी-पल और भारतीय स्टैं. समय में सूक्ष्मासन्न समाप्तिकाल प्राप्त हो गया है। सूक्ष्मासन्न तिथि का भुक्त-भोग्यकाल और सूक्ष्म भुक्त-भोग्यकाल में ७ मिनट से न्यूनाधिक अन्तर नहीं होगा।

सूक्ष्मता के लिए: - आगे की क्रिया उपर दर्शाये अनुसार करलें। मूलांक नीचे दे दिये हैं।

इष्टकालीन चन्द्रमा में दुबारा बीस संस्कार देकर सूक्ष्म स्पष्ट किया है।

इष्टकालीन (स्टै. २३।५२ के) सूर्य-चन्द्र स्पष्ट-

चन्द्र ०।२२।५८।४३, सूर्य ३।२८।५८।१६

इष्टकालीन अंशात्मकः स्पष्ट चन्द्र २२.९७८५२, सूर्य ११८.९७१

भाज्यः (अंशात्मकः) २६४.००७५ (२२.९७८५२ + ३६० - ११८.९७१)

भागफल (सावयव) २२.०००६३ (२६४.००७५ ÷ १२)

भागफल संख्या (२२) तुल्य गत तिथि कृष्णा ७
वर्तमान तिथि कृष्णा ८
भुक्तांश: कृष्णा ८ तिथि का .००७५ = (२२.०००६३ - २२) X १२
भोग्यांश: कृष्णा ८ तिथि का ११.९९२५ = (१२ - .००७५)
कलात्मक: चन्द्र-गति ८५४.३१६७, सूर्य-गति ५७.६६६६७
गत्यन्तर: ७९६.६५

इष्ट समय मे कृष्णा ८ तिथि का सूक्ष्म भुक्तकाल (घट्यादि.) ०।०२
(भुक्तांश: .००७५ X ६० X अहोरात्र ६०.०५ (२७.०२२५ ÷ गत्यन्तर: ७९६.६५))
इष्ट समय मे कृष्णा ८ तिथि का स्थूल भोग्यकाल (घट्यादि.) ५४।१४
(भोग्यांश: ११.९९२५ X ६० X अहोरात्र ६०.०५ (४३२०८.९८ ÷ गत्यन्तर: ७९६.६५))
अनपेक्षित (सूर्योदय-कालीन तिथि से अगली) कृष्णा ८ तिथि का भुक्तकाल (घट्यादि.) ०।०२

(**विशेष**- यहाँ उपर के सूक्ष्मासन्न-गणित मे सूर्योदयकालीन कृष्णा ७ का समाप्तिकाल (स्टै.) २३।५२ का समय है और इसी समय को इष्टकाल मानकर आगे का गणित किया है, तभी मालुम हुआ कि यहाँ (स्टै.) २३।५२ पर तो चन्द्रमा की शीघ्रता से बदलती हुई गति के कारण कृष्णा ८ तिथि का भुक्तकाल (घट्यादि.) ०।०२ हो चुका है, इसका अर्थ ऐसा हुआ कि सूर्योदय-कालीन कृष्णा ७ तिथि तो (घट्यादि.) ०।०२ पहिले ही समाप्त हो चुकी थी अत: इसी समय को घंटा-मिनट बनाकर (स्टै.) २३।५२ में से घटा दें तो सूर्योदय-कालीन कृष्णा ७ तिथि का सूक्ष्म स्पष्ट भोग्यकाल यानि समाप्तिकाल प्राप्त होगा, जैसा कि आगे दर्शाया है -)

इष्टकालीन सूक्ष्म अन्तर-फल (घट्यादि.) - ०।०२, (घंटा-मि.) - ०।०१
सूर्योदय-कालीन कृष्णा ७ तिथि का सूक्ष्मासन्न भोग्यकाल -
(घट्यादि.) ४४।२९, (स्टै.) २३।५२ में क्रमश:-
इष्टकालीन सूक्ष्म अन्तर-फल का समावेश (धन या ऋण) कर दिया जैसे -
४४।२९ - ०।०२ = ४४।२७ और २३।५२ - ०।०१ = २३।५१

अत: कृष्णा ७ तिथि का सूक्ष्म स्पष्ट समाप्तिकाल **(घट्यादि.) ४४।२७, (स्टै.) २३।५१**

ऐक्यम्- कृष्णा ७ तिथि का गत ९।४८, और ऐष्य ४४।२७, सम्पूर्ण-तिथिभोग ५४।१५ हुआ।

सूचना- पञ्चाङ्ग मे उक्त तारीख की तिथि और समाप्तिकाल का समय देखे, वही होगा। कहीं कहीं १ मिनट (३ पल) का (अधिकतम रुप से) न्यूनाधिक अंतर हो सकता है इससे अधिक अंतर नहीं होगा।

॥ करण साधन ॥

पञ्चाङ्ग साधन (तिथि, वार, नक्षत्र, योग, करण:- पञ्चानाम् अङ्गानाम् स.) क्रिया के अन्तर्गत करण साधन दिखा देना भी उचित होगा।

सम्पूर्ण-तिथिभोग का आधा भाग करण होता है **"तिथ्यर्धं करणम्"**। करण ११ होते है इनके नाम - बव, बालव, कौलव, तैतिल, गर, वणिज, विष्टि (विष्टि करण को भद्रा भी कहते है),अतिरिक्त चार करण शकुनि, चतुष्पाद, नाग, किंस्तुघ्न। जिनमें बव आदि ७ करण शुक्ल. प्रतिपदा के उत्तरार्ध भाग से कृष्ण. चतुर्दशी के पूर्वार्धभाग तक यथा क्रम से आते रहते है। चतुर्दशी के उत्तरार्ध भाग में शकुनि, अमावस्या के पूर्वार्धभाग मे चतुष्पाद, उत्तरार्ध मे नाग और शुक्ल. प्रतिपदा के पूर्वार्धभाग में किंस्तुघ्न होता है। प्रत्येक चैत्रादि मासों में बव आदि करणों का यही स्थाई अनुक्रम है। तिथ्यर्ध के भोगानुसार इनका प्रवेशकाल और समाप्तिकाल होते रहता है। सर्वत्र एवमेव ज्ञातव्यम् ॥ अलमिति ॥

तिथि संख्या ज्ञानाय - प्राय: पञ्चाङ्गों मे देखा होगा कि पूर्णिमा को १५ और अमावस्या को ३० लिखा रहता है। व्यवहारिक दृष्टि से शुक्लपक्ष में प्रतिपदा से पूर्णिमा और कृष्णपक्ष में प्रतिपदा से अमावस्या के नाम से जाना जाता है लेकिन गणितीय संख्यात्मक दृष्टि से शुक्लपक्ष में प्रतिपदा से पूर्णिमा तक की १ से १५ संख्या होती है और कृष्णपक्ष में प्रतिपदा से अमावस्या तक की १६ से ३० संख्या होती है। करण का निर्णय भी तिथि की इसी संख्यानुसार होता है। स्पष्टता के लिए करण सारिणी देखें।

उदाहरण- ता. १५ अगस्त २०२५, शुक्रवार तिथि (कृष्णा ७) २२ को २ से गुणा किया ४४ संख्या तुल्य बव करण का भोग कृष्णा ७ के उत्तरार्ध-भाग मे स्पष्ट हो गया। ४४ मे एक घटा देंगे तो ४३ संख्या तुल्य विष्टि करण का भोग कृष्णा ७ के पूर्वार्ध-भाग मे स्पष्ट हो गया। **समय ज्ञान**- तिथि का आधा भाग बनाने के लिए सम्पूर्ण-तिथिभोग (घट्यादि) ५४।१५ में २ का भाग दिया तो २७।०७।३० हुए, इसी को तिथ्यर्ध कहते है। इसमें तिथि का भुक्तकाल-स्थूल ९।४७।३० (९।४८) घटा दिया यह विष्टि करण का समाप्तिकाल और बव का प्रवेशकाल १७।२०।०० हुआ। बव के प्रवेशकाल मे तिथ्यर्ध जोड़ने से (६० से ज्यादा हो तो ६० घटा दे) बव का समाप्तिकाल ४४।२७।३० होगा। इनके (१७।२०।०० और ४४।२७।३० के) घंटा-मिनट बनाकर सूर्योदय जोड़ने से बव करण का स्पष्ट प्रारम्भ समय स्टै. १३।०० से समाप्तिकाल २३।५१ सिद्ध हुआ।

नोट - यहाँ करण के उदाहरण की जो विधि दी है वो पुरानी पद्धति से है। पञ्चाङ्ग में जो करण का समाप्तिकाल दिया है वो तिथि के गणित की तरह सूक्ष्म किया हुआ है। इसलिए करण के समय में कहीं कहीं स्थूलता संभव है, इसमें भ्रम न करें। यहाँ प्रसंगत: ज्ञानवर्द्धन हेतु मात्र उदाहरण की क्रिया दिखाई है। यदि सूक्ष्मता लानी हो तो जैसे तिथि के उदाहरण की विधि दिखाई है उसी विधि से करण का भी गणित करेंगे तो करण का प्रवेश और समाप्तिकाल सूक्ष्म होगा। तिथि और करण में सूक्ष्म गणित की विधि समान है मात्र क्षेपक अलग (तिथि का क्षेपक १२ है और करण का क्षेपक ६) है, शेष तिथिवत्। अलमतिविस्तरेण ॥

॥ करण सारिणी ॥

शुक्लपक्ष			कृष्णपक्ष		
तिथि	पूर्वार्ध	उत्तरार्ध	तिथि	पूर्वार्ध	उत्तरार्ध
१	(१) किंस्तुघ्न	(२) बव	(१६) १	(३१) बालव	(३२) कौलव
२	(३) बालव	(४) कौलव	(१७) २	(३३) तैतिल	(३४) गर
३	(५) तैतिल	(६) गर	(१८) ३	(३५) वणिज	(३६) विष्टि
४	(७) वणिज	(८) विष्टि	(१९) ४	(३७) बव	(३८) बालव
५	(९) बव	(१०) बालव	(२०) ५	(३९) कौलव	(४०) तैतिल
६	(११) कौलव	(१२) तैतिल	(२१) ६	(४१) गर	(४२) वणिज
७	(१३) गर	(१४) वणिज	(२२) ७	(४३) विष्टि	(४४) बव
८	(१५) विष्टि	(१६) बव	(२३) ८	(४५) बालव	(४६) कौलव
९	(१७) बालव	(१८) कौलव	(२४) ९	(४७) तैतिल	(४८) गर
१०	(१९) तैतिल	(२०) गर	(२५)१०	(४९) वणिज	(५०) विष्टि
११	(२१) वणिज	(२२) विष्टि	(२६)११	(५१) बव	(५२) बालव
१२	(२३) बव	(२४) बालव	(२७)१२	(५३) कौलव	(५४) तैतिल
१३	(२५) कौलव	(२६) तैतिल	(२८)१३	(५५) गर	(५६) वणिज
१४	(२७) गर	(२८) वणिज	(२९)१४	(५७) विष्टि	(५८) शकुनि
१५	(२९) विष्टि	(३०) बव	(३०)१५	(५९) चतुष्पाद	(६०) नाग

कन्या के विवाह में गुरुबल और महत्वपूर्ण जानकारी :-

कन्या के विवाह में गुरुबल:-

कन्या-विवाहकालं ग्रहशुद्धिं च वसन्ततिलकाछन्दसाह -

गुरुशुद्धिवशेन कन्यकानां समवर्षेषु षडष्टकोपरिष्टात् ।
रविशुद्धिवशाच्छुभो वराणामुभयोश्चन्द्रविशुद्धितो विवाहः ॥१२॥

नारद, कश्यप, श्रीपतिनिबन्ध, पराशरादि रहित - अत एवाह व्यासः -
'अष्टवर्षा भवेद्गौरी नववर्षा च रोहिणी । दशवर्षा भवेत्कन्या द्वादशे वृषली स्मृता ॥' इति ।

यदा तु कन्या कालातिक्रान्ता भवति तदा गुरुबलमनावश्यकमित्याह व्यासः -
'दशवर्षव्यतिक्रान्ता कन्या शुद्धिविवर्जिता । तस्यास्तारेन्दुलग्नानां शुद्धौ पाणिग्रहो मतः॥' इति ।

अर्थ - प्राचीन आचार्यों के मत से १२ वर्ष से ऊपर की कन्याओं के विवाह में समय (अवस्था) के अतिक्रमण से गुरु शुद्धि आदिक विचार आवश्यक नहीं है । -पीयूषधारा मु.चि. (पृष्ठ ३१४)

अपि च- अष्टवर्षा.। दशवर्षा भवेत्कन्या अत ऊर्ध्वम् रजस्वला ॥५॥' इति ।

- निर्णयसिन्धु (पृष्ठ ४५०)

कालातिक्रमे निषेधमाह वाराहः-

पूजामिलाषं प्रतिनिःस्पृहोऽपि, कुर्य्याद् गुरौ शुद्धिविवर्जितेऽपि ।
वराग्र्यलाभे शुभदं विवाहं, वदन्ति गर्गच्यवनादिमुख्याः ॥५३॥

अर्थ - आचार्य वराह के अनुसार कालातिक्रम में गुरु का निषेध- श्रेष्ठ सुयोग्य वर के प्राप्त होने पर गुरु की शुद्धि के बिना भी विवाह शुभ होता है । गर्ग, च्यवन प्रभृति मुख्य ऋषियों का यह मत है ।

- संस्कारशिरोमणि (पृष्ठ ३५२)

पापग्रहाः (उग्र/क्रूराः वा)- सूर्य, मंग., शनि, राहु, केतु -
'सूर्यभौमशनिराहुकेतवः पापसंज्ञखचराः क्षयीन्दुः । पूर्णचन्द्रगुरुशुक्रसोमजाः सर्वकर्मसु हि सौम्यखेचराः ॥'
इति वशिष्ठेन कण्ठतः क्रूरत्वाभिधानादस्ति क्रूरत्वम् । स्वरोदयेऽपि - 'बुधशुक्रेन्दुजीवाश्च सदा सौम्यग्रहाः मताः ।' इति ।

- पीयूषधारा (पृ.३६७)

किसी भी शुभकार्य में नक्षत्रशुद्धि -

अथ क्रूराक्रान्तादिनक्षत्रदोषं सापवादमनुष्टुभाह -

ऋक्षाणि क्रूरविद्धानि क्रूरमुक्तादिकानि च ।
भुक्त्वा चन्द्रेण मुक्तानि शुभार्हाणि प्रचक्षते ॥५८॥

अर्थ - जिस नक्षत्र पर पापग्रह का वेध हो, जिस नक्षत्र पर पापग्रह का योग हो अर्थात् बैठा हो या जिस नक्षत्र को भोगकर पापग्रह ने उसे छोड़ दिया हो तो वह नक्षत्र यदि चन्द्रमा से भुक्त हो जाय तो ऊपर के सभी दोष मिट जाते हैं अन्यथा वह नक्षत्र संस्कार के योग्य नहीं होता है ॥५८॥

- पीयूषधारा (पृ. ३७९)

सोग्रांगः इति ।
स उग्र अंगः ॥ स सहितः, उग्र उग्रग्रहाणाम् (सूर्य, मंगल, शनि, राहु, केतु) अंगः लग्नः ॥
भाव - लग्न में उक्त ग्रहों में से कोई एक भी ग्रह हो तो विवाह मुहूर्तों में सोग्रांगः लिखा रहता है ।

॥ अयन ज्ञानाय ॥

सायन/निरयन दो प्रकार के होते हैं । पहला सायन और दूसरा निरयन । सायन सूर्य से ऋतुओं का निर्धारण होता है और निरयन सूर्य से पंचांग (धार्मिक व्रतोत्सव, मुहूर्त आदि) का निर्णय किया जाता है । (पीयूषधारा पृ.१७२, श्लोक १)

अयन - एक वर्ष में दो अयन होते हैं । उत्तरायण और दक्षिणायन । मकर संक्रान्ति से उत्तरायण प्रारम्भ होता है और सूर्य कर्क राशी पर आवे तब दक्षिणायन प्रारम्भ होता है ।

ऋतु - एक वर्ष में छ ऋतु होती हैं । उनके नाम :- वसंत, ग्रीष्म, वर्षा, शरद्, हेमन्त, शिशिर

भद्रा दोष:- भद्राकाल में किसी भी तरह का विवाह आदि शुभ कार्य सर्वथा निषेध है ।

यथा - न कुर्यान्मङ्गलं विष्ट्यां जीवितार्थी कदाचन ।
कुर्वन्नज्ञस्तदा क्षिप्रं तत्सर्वं नाशतां व्रजेत् ॥' इति ॥ - पीयूषधारा मु. चिन्तामणि पृ. ...

॥ अपि च ॥ श्रीपतिः- न सिद्धिमायाति कृतं च विष्ट्यां विषारिघातादिकमत्र सिद्धम् ॥

- निर्णयसिन्धु भाषा टीका, खेमराज., परि.१, पृ.३३

धर्मसिन्धु परिच्छेद ३ पू., पृष्ठ ५२१ -

ब्राह्मे मुहूर्ते उत्थाय श्रीविष्णुं स्मृत्वा गजेन्द्रमोक्षादि पठित्वा इष्टदेवतादि स्मरेत् ।
विष्णुपुराणोक्त ब्राह्ममुहूर्त - रात्रेः पश्चिमयामस्य मुहूर्तो यस्तृतीयकः । स ब्राह्म इति विज्ञेयो विहितः स प्रबोधने ।
पञ्च पञ्च उषःकालः सप्तपञ्चारुणोदयः । अष्टपञ्च भवेत् प्रातस्ततः सूर्योदयः स्मृतः ॥

भूमि प्रार्थना - समुद्रवसने देवि पर्वतस्तनमण्डिते । विष्णुपत्नि नमस्तुभ्यम् पादस्पर्शं क्षमस्व मे ॥ इति भूमिं प्रार्थ्य गवादिमङ्गलानि पश्येत् । ब्राह्म-मुहूर्त में उठकर श्रीविष्णु का स्मरणपूर्वक गजेन्द्रमोक्ष आदि का पाठ कर अपने इष्टदेवता आदि का स्मरण करे । हे विष्णुपत्नि ! हे देवि ! आपका वस्त्र समुद्र है । पर्वतरूप स्तनों से भूषित है । आपको नमस्कार है । मेरे चरण का स्पर्श क्षम्य है । इस प्रकार भूमि की प्रार्थना गौ आदि मांगलिक द्रव्य का दर्शन करे ।

प्रातःकाल हस्तावलोकनम् - १. आदि पद से प्रभात में स्वकरतलादि का अवलोकन करे - कराग्रे वसते लक्ष्मीः करमध्ये सरस्वती । करमूले स्थितो ब्रह्मा प्रभाते कर दर्शनम् ।

परे लग्नशुद्ध्या कुयोगादिनाशम् -

व्याख्या- अथ परे आचार्या लग्नशुद्ध्या समीचीन लग्नबलेन कुयोगानां मृत्युक्रकचादीनां नाशं भवंतीति शेषः । - पीयूषधारा (पृष्ठ ४६, श्लो.४२)

अर्थ- लग्न शुद्धि के समय तिथि, नक्षत्र और विष्कुंमादि योग द्वारा उत्पन्न हुए मृत्यु-क्रकचादि कुयोग स्वयं नष्ट हो जाते हैं (जैसे सूर्योदय होने पर अंधेरा नष्ट हो जाता है) ।

विशेष - किसी एक विद्वान् के द्वारा बताये हुए शुद्धलग्न वाले मुहूर्त को दूसरा विद्वान् (बाल्बुद्धि वाला) यजमान को यह कह कर भ्रमित (गुमराह) कर देता है कि उस दिन राहुकाल, मृत्यु-क्रकचादि कुयोग होने से वह मुहूर्त अच्छा नहीं है । नोट - ऐसे बालमति के विद्वानों से कर-बद्ध प्रार्थना है कि ज्योतिष-शास्त्र का उपहास (मजाक) न करें । कहा भी है- "नानाशास्त्र विचक्षणश्च पुरुषान्निन्दन्ति मूर्खाः सदा इति" । ॥ तमसो मा ज्योतिर्गमय. ॥

पं. प्यारेलाल शर्मा (शास्त्री), मुम्बई.

संवत् २०८२, ता. २० अक्टूबर २०२५ सोमवार ॥ 卐 श्रीमहालक्ष्मी पूजनम् 卐 ॥ विभिन्न नगरों में दिन के चौघडियों का समाप्तिकाल (स्टै.घंटा-मिनट)

शहर	रामगढ	अजमेर	अहमदा.	अमृतस.	आकोला	इंदौर	उदयपुर	कोलकाता	सीकर	कानपुर	कोटा	चेन्नई	जयपुर	झरिया	झांसी	डिब्रुगढ	दिल्ली	बैंगलोर	बांसवाडा	भिवानी	मुम्बई	वाराणसी	विजयवा.	हैदराबाद
सूर्योदय	६।३७	६।३७	६।४३	६।४१	६।२२	६।२९	६।३९	५।३८	६।३६	६।१४	६।३१	६।०४	६।३३	५।४८	६।२०	५।१७	६।२९	६।१४	६।३५	६।३३	६।३८	६।०३	६।०५	६।१४
दि.मान	१।२४	१।२५	१।२५	१।२४	१।२६	१।२६	१।२५	१।२६	१।२४	१।२५	१।२५	१।२८	१।२५	१।२५	१।२५	१।२५	१।२४	१।२८	१।२५	१।२४	१।२६	१।२५	१।२७	१।२७
अमृत	८।०१	८।०२	८।०८	८।०५	७।४८	७।५४	८।०४	७।०४	८।००	७।३९	७।५६	७।३१	७।५७	७।१३	७।४५	६।४१	७।५३	७।४२	८।०१	७।५७	८।०४	७।२८	७।३१	७।४१
काल	९।२६	९।२६	९।३४	९।२८	९।१४	९।२०	९।२९	८।२९	९।२५	९।०४	९।२१	८।५९	९।२२	८।३८	९।१०	८।०६	९।१७	९।०९	९।२६	९।२१	९।३१	८।५३	८।५८	९।०७
शुभ	१०।५०	१०।५१	१०।५९	१०।५२	१०।४०	१०।४६	१०।५५	९।५५	१०।४९	१०।२९	१०।४६	१०।२६	१०।४७	१०।०४	१०।३५	९।३०	१०।४२	१०।३७	१०।५२	१०।४६	१०।५७	१०।१८	१०।२५	१०।३४
रोग	१२।१५	१२।१६	१२।२५	१२।१५	१२।०६	१२।११	१२।२०	११।२१	१२।१४	११।५३	१२।११	११।५४	१२।११	११।२९	१२।००	१०।५५	१२।०६	१२।०४	१२।१७	१२।१०	१२।२३	११।४३	११।५२	१२।०१
उद्वेग	१३।३९	१३।४१	१३।५०	१३।३९	१३।३२	१३।३७	१३।४५	१२।४६	१३।३८	१३।१८	१३।३६	१३।२१	१३।३६	१२।५४	१३।२५	१२।१९	१३।३०	१३।३२	१३।४२	१३।३४	१३।५०	१३।०८	१३।१९	१३।२७
चल	१५।०३	१५।०५	१५।१६	१५।०२	१४।५८	१५।०२	१५।१०	१४।१२	१५।०३	१४।४३	१५।०१	१४।४९	१५।०१	१४।२०	१४।५०	१३।४४	१४।५४	१४।५९	१५।०८	१४।५८	१५।१६	१४।३३	१४।४६	१४।५४
लाभ	१६।२८	१६।३०	१६।४१	१६।२६	१६।२४	१६।२८	१६।३५	१५।३८	१६।२७	१६।०८	१६।२६	१६।१७	१६।२५	१५।४५	१६।१५	१५।०८	१६।१९	१६।२७	१६।३३	१६।२३	१६।४२	१५।५८	१६।१३	१६।२१
अमृत	१७।५२	१७।५५	१८।०६	१७।४९	१७।५०	१७।५३	१८।००	१७।०३	१७।५२	१७।३२	१७।५१	१७।४४	१७।५०	१७।१०	१७।४०	१६।३३	१७।४३	१७।५५	१७।५९	१७।४७	१८।०१	१७।२३	१७।४०	१७।४८

जिन नगरो का नहीं लिखा है वे नीचे लिखी विधि को क्रियान्वित करे। दिनमान एवं रात्रिमान का आठवाँ भाग चौघडिया होता है। दिन का चौघडिया :- सूर्योदय में घंटा-मिनटात्मक दिनमान का आठवाँ भाग जोडने से एक चौघडिया का समय आता है। इसी संख्या में पुनः आठवाँ भाग जोडने से दूसरे चौघडिये का समय आता है। इसी प्रकार क्रिया करते रहने से आठों चौघडियों का समय स्पष्ट होता है। रात्रि का चौघडिया :- सूर्यास्त मे रात्रिमान (सूर्यास्त से अगले दिन के सूर्योदय तक रात्रिमान होता है) का आठवाँ भाग जोडने से एक चौघडिया का समय आता है। शेष क्रिया पूर्ववत्। उदाहरण- ता. २० अक्टूबर २०२५ सोमवार को रामगढ में सूर्योदय ६ बजकर ३७ मिनट और सूर्यास्त १७ बजकर ५२ मिनट है। यहाँ सूर्यास्त मे से सूर्योदय घटाकर आठ का भाग देने से एक चौघडिया का मान (समय) १ घंटा २४ मिनट हुआ इसे सूर्योदय ६ बजकर ३७ मिनट मे जोडने से प्रथम चौघडिया अमृत का ८ बजकर ०१ मिनट पर समाप्तिकाल हुआ। इसी संख्या में दुबारा एक चौघडिया का मान (समय) जोडने से दूसरा चौघडिया काल का ९ बजकर २६ मिनट पर समाप्तिकाल हुआ। इसी तरह पुनः पुनः एक चौघडिया का मान (समय) जोडने से दिन के आठों चौघडियों का समय जाना जा सकता है।

संवत् २०८२, ता. २० अक्टूबर २०२५ सोमवार ॥ 卐 श्रीमहालक्ष्मी पूजनम् 卐 ॥ विभिन्न नगरों में लग्नप्रवेश (स्टै.घंटा-मिनट) ॥ कर्क त्याज्यम् ॥

शहर	अजमेर	अहमदा.	अयोध्या	अमृतस.	आकोला	आगरा	इंदौर	इलाहाबा.	उज्जैन	उदयपुर	कटक	कोलकाता	सीकर	कानपुर	कोटा	गंगानग.	गोरखपु.	गौहाटी	चेन्नई	जबलपु.	जयपुर	जींद	जोधपुर	झरिया
वृष	१९।२५	१९।३९	१८।५४	१९।१५	१९।२५	१९।११	१९।२६	१८।५८	१९।२६	१९।३२	१८।५०	१८।३६	१९।२१	१९।०२	१९।२२	१९।२२	१८।५०	१८।१७	१९।२४	१९।०१	१९।२०	१९।१३	१९।३४	१८।४३
मिथुन	२१।२२	२१।३७	२०।५१	२१।०९	२१।२४	२१।०७	२१।२५	२०।५५	२१।२५	२१।३०	२०।४९	२०।३५	२१।१७	२०।५९	२१।२०	२१।१७	२०।४६	२०।१४	२१।२६	२१।०८	२१।१६	२१।०९	२१।३१	२०।४१
कर्क	२३।३६	२३।५१	२३।०५	२३।२५	२३।३७	२३।२२	२३।३९	२३।०९	२३।३८	२३।४४	२३।०३	२२।४९	२३।३२	२३।१४	२३।३४	२३।३२	२३।०१	२२।२९	२३।३८	२३।२१	२३।३१	२३।२४	२३।४६	२२।५५
सिंह	२५।५५	२६।०७	२५।२५	२५।४८	२५।५२	२५।४१	२५।५५	२५।२८	२५।५५	२६।०१	२५।१७	२५।०५	२५।५२	२५।३३	२५।५२	२५।५४	२५।२०	२४।४७	२५।४८	२५।३८	२५।५०	२५।४५	२६।०४	२५।१२
कन्या	२८।१०	२८।२०	२७।४०	२८।०९	२८।०२	२७।५७	२८।०६	२७।४२	२८।०७	२८।१५	२७।२७	२७।१६	२८।०८	२७।४८	२८।०६	२८।१३	२७।३६	२७।०२	२७।५१	२७।५०	२८।०६	२८।०३	२८।१९	२७।२४
तुला	३०।२५	३०।३१	२९।५५	३०।२९	३०।१०	३०।१२	३०।१७	२९।५५	३०।१८	३०।२७	२९।३५	२९।२७	३०।२४	३०।०२	३०।१९	३०।३१	२९।५०	२९।१६	२९।५३	३०।०१	३०।२१	३०।२०	३०।३३	२९।३६

शहर	झांसी	झुन्झुनू	डिब्रुगढ	तेजपुर	दरभंगा	त्रिवेंद्रम	दिल्ली	नैनिताल	पूना	प्रयाग	बीकानेर	बैंगलोर	बांसवाडा	बिलासपु.	भिवानी	मथुरा	मुम्बई	मैसूर	लखनऊ	वाराणसी	विजयवा.	श्रीनगर	हरद्वार	हैदराबाद
वृष	१९।११	१९।१९	१८।०२	१८।१२	१८।४१	१९।४३	१९।११	१९।००	१९।४१	१८।५८	१९।२७	१९।३४	१९।३१	१९।०२	१९।१५	१९।११	१९।४४	१९।३९	१८।५९	१८।५४	१९।१७	१९।१०	१९।०४	१९।२४
मिथुन	२१।०८	२१।१५	१९।५९	२०।०९	२०।३८	२१।४७	२१।०७	२०।५६	२१।४१	२०।५६	२१।२४	२१।३७	२१।२९	२१।०१	२१।११	२१।०८	२१।४५	२१।४२	२०।५६	२०।५१	२१।१८	२१।०३	२१।००	२१।२५
कर्क	२३।२३	२३।३०	२२।१३	२२।२४	२२।५२	२३।५८	२३।२२	२३।११	२३।५४	२३।१०	२३।३८	२३।४९	२३।४३	२३।१४	२३।२६	२३।२२	२३।५८	२३।५३	२३।११	२३।०५	२३।३१	२३।१९	२३।१५	२३।३८
सिंह	२५।४१	२५।५०	२४।३३	२४।४३	२५।११	२६।०५	२५।४२	२५।३२	२६।०७	२५।२८	२५।५९	२५।५८	२६।००	२५।३०	२५।४६	२५।४२	२६।११	२६।०२	२५।३०	२५।२३	२५।४२	२५।४४	२५।३७	२५।५०
कन्या	२७।५५	२८।०७	२६।४९	२६।५८	२७।२६	२८।०४	२८।००	२७।५१	२८।१५	२७।४२	२८।१६	२८।०१	२८।१२	२७।४१	२८।०४	२७।५८	२८।१९	२८।०५	२७।४६	२७।३७	२७।४८	२८।०८	२७।५६	२७।५७
तुला	३०।०८	३०।२३	२९।०५	२९।१२	२९।४०	३०।०२	३०।१६	३०।०८	३०।२२	२९।५५	३०।३२	३०।०३	३०।२३	२९।५१	३०।२१	३०।१३	३०।२६	३०।०६	३०।००	२९।५१	२९।४३	३०।३१	३०।१४	३०।०२

॥ संवत् २०८२ मध्ये तिथि-वार-नक्षत्रजन्य अमृतादि योगाः ॥ (स्टै. घंटा-मिनट)

अमृतसिद्धि योग

१६। ४	बुधानुराधा	६।०८ से २९।४०
२१। ४	सोमश्रवण	१२।३७ से ३०।०२
१४। ५	बुधानुराधा	५।४५ से ११।४३
१९। ५	सोमश्रवण	५।४३ से १९।३०
२३। ५	शुक्ररेवति	१६।०३ से २९।४१
२०। ६	शुक्ररेवति	५।३९ से २१।४६
२४। ७	गुरुपुष्यामृत	१६।४२ से २९।५३
१६। ८	शनिरोहिणी	२८।३६ से ३०।०५
२१। ८	गुरुपुष्यामृत	६।०७ से २४।०६
१३। ९	शनिरोहिणी	१०।०९ से ३०।१९
१८। ९	गुरुपुष्यामृत	६।२० से ६।२८
७।१०	भौमाऽश्विनि	२५।२८ से ३०।३०
११।१०	शनिरोहिणी	६।३२ से १५।१८
१९।१०	रविहस्त	१७।५१ से ३०।३७
४।११	भौमाऽश्विनि	१२।३५ से ३०।४८
१६।११	रविहस्त	८।५६ से २६।११
२।१२	भौमाऽश्विनि	७।०९ से २०।५२
१४।१२	रविहस्त	७।१७ से ८।१६
१७।१२	बुधानुराधा	१७।११ से ३१।११
२२।१२	सोमश्रवण	२९।२९ से ३१।२२
सन	२०२६	
१४। १	बुधानुराधा	७।२७ से २७।०४
१९। १	सोमश्रवण	११।४९ से ३१।२६
११। २	बुधानुराधा	७।१५ से १०।५२
१६। २	सोमश्रवण	७।११ से २०।४४
२०। २	शुक्ररेवति	२०।०८ से ३१।०६

सर्वार्थसिद्धि योग

३०। ३	१६।३३ से ३०।२५
१। ४	११।०८ से ....
२। ४	.... ३०।२२
४। ४	२९।१६ से ३०।२०
६। ४	६।१९ से ....
७। ४	.... ६।२२
८। ४	६।१७ से ७।५४
१६। ४	६।०८ से २९।४०
२०। ४	११।४९ से ३०।०३
२१। ४	१२।३७ से ३०।०२
२७। ४	५।५८ से २४।३९
२९। ४	५।५६ से १८।४७
३०। ४	५।५५ से २९।५४
२। ५	१३।०२ से २९।५३
४। ५	५।५२ से १२।५१
१०। ५	२७।१४ से २९।४७
१४। ५	५।४५ से ११।४३
१८। ५	५।४३ से १८।५३
१९। ५	५।४३ से १९।३०
२३। ५	१६।०३ से २९।४१
२५। ५	५।४० से ११।१४
२६। ५	२९।३४ से २९।४०
२८। ५	५।३९ से २४।३०
२९। ५	२२।३९ से ....
३०। ५	.... २९।२९
४। ६	२७।३५ से २९।३८
७। ६	९।४० से २९।३८
९। ६	१५।२९ से २९।३८
१४। ६	२४।२१ से २९।३८
१९। ६	२३।१८ से ....
२०। ६	.... २९।३९
२३। ६	१५।१८ से २९।४०
२५। ६	५।४० से १०।४१
२६। ६	८।४६ से ....
२७। ६	.... ७।२२
२। ७	११।०३ से २९।४३
५। ७	५।४३ से १९।५०
७। ७	५।४४ से २५।११
१२। ७	६।३३ से २९।४७
१५। ७	२९।४७ से २९।४८
१७। ७	५।४९ से ....
१८। ७	.... २६।१४
२१। ७	५।५१ से २९।५२
२४। ७	५।५३ से २९।५३
३०। ७	५।५६ से २९।४६
४। ८	५।५९ से ९।१२
८। ८	१४।२३ से ....
९। ८	.... १४।१८
१२। ८	११।५० से ३०।०३
१४। ८	६।०४ से ....
१५। ८	.... ७।३६
१६। ८	२८।३६ से ३०।०५
१८। ८	६।०६ से २६।०१
२१। ८	६।०७ से २४।०६
२७। ८	२६।०४ से ३०।०९
५। ९	६।१४ से २३।३४
९। ९	६।१६ से १८।०५
११। ९	६।१७ से १३।५७
१३। ९	१०।०९ से ३०।१९
१५। ९	६।१९ से ७।२७
१८। ९	६।२० से ६।२८
२१। ९	९।३३ से ३०।२२
२६। ९	२२।०३ से ३०।२५
२८। ९	२७।५३ से ३०।२६
३।१०	६।२८ से ९।३२
५।१०	३०।१३ से ३०।२९
७।१०	२५।२८ से ३०।३०
११।१०	६।३२ से १५।१८
१९।१०	६।३६ से ३०।३७
२३।१०	२८।४६ से ....
२४।१०	.... ३०।४०
२६।१०	१०।४३ से ३०।४२
२।११	१७।०२ से ३०।४६
४।११	१२।३५ से ३०।४८
५।११	३०।३६ से ३०।४९
१०।११	१८।४७ से ३०।५२
११।११	१८।१६ से ३०।५३
१६।११	६।५६ से २६।११
२०।११	१०।५७ से ....
२१।११	.... १३।५३
२३।११	७।०२ से १९।२५
३०।११	७।०७ से २५।१०
२।१२	७।०९ से २०।५२
३।१२	१८।०१ से ३१।१०
७।१२	२८।१३ से ....
८।१२	.... २६।५३
९।१२	७।१४ से २६।२३
१४।१२	७।१७ से ८।१६
१७।१२	१७।११ से ....
१८।१२	.... २०।०६
२१।१२	२७।३३ से ३१।२१
२२।१२	२९।२९ से ३१।२२
२८।१२	७।२४ से ८।४४
३०।१२	२७।५८ से ....
३१।१२	.... ३१।२५
सन	२०२६
४। १	१५।११ से ....
५। १	.... १३।२५
६। १	७।२६ से १२।१९
१४। १	७।२७ से २७।०४
१८। १	१०।१२ से ३१।२६
१९। १	११।४९ से ३१।२६
२५। १	१३।३८ से ३१।२४
२७। १	११।०९ से ....
२८। १	.... ३१।२३
३०। १	२७।२५ से ३१।२२
१। २	७।२१ से २३।५७
७। २	२६।२२ से ३१।१७
११। २	७।१५ से १०।५२
१५। २	७।१२ से ११।४६
१६। २	७।११ से २०।४४
२०। २	२०।०८ से ३१।०६
२२। २	७।०६ से १०।५७
२४। २	७।०४ से १५।०७
२५। २	७।०३ से ३१।०२
२७। २	१०।४६ से ३१।००
१। ३	६।५९ से ८।३३
७। ३	११।०९ से ३०।५१
९। ३	१६।०५ से ३०।४९
१४। ३	२८।४९ से ३०।४४
१९। ३	२८।०३ से ....
२६।१०	१०।४३ से ३०।४२
५।११	३०।३६ से ३०।४९
१४।११	६।५५ से २१।२०
२३।११	७।०२ से १९।२५
३।१२	१८।०१ से ३१।१०
२२।१२	२९।२९ से ३१।२२
३१।१२	७।२५ से २५।२९
सन	२०२६
१९। १	११।४९ से ३१।२६
२८। १	७।२३ से ९।२६
७। २	२६।२२ से ३१।१७
१६। २	७।११ से २०।४४
७। ३	११।०९ से ३०।५१
२२। ६	१७।४० से [illegible]
१। ७	१०।१९ से [illegible]
६। ७	२१।१७ से [illegible]
१२। ७	५।४७ से [illegible]
१९। ८	२५।०२ से [illegible]
२४। ८	२६।०४ से [illegible]
३०। ८	६।१२ से [illegible]
१३। ९	७।२३ से [illegible]
२८।१०	१५।४४ से [illegible]
२।११	७।३० से [illegible]
१६।१२	१४।०९ से [illegible]
२१।१२	२७।३३ से [illegible]
२७।१२	७।२४ से [illegible]
३०।१२	२९।०२ से [illegible]
सन	२०२६
४। १	१२।३२ से [illegible]
८। २	२८।५७ से [illegible]
२४। २	७।०४ से [illegible]
२८। २	७।०० से [illegible]

सिद्धि योग

२। ४	६।२३ से ८।४८
२१। ४	१२।३७ से ३०।०२
१०। ५	२७।१४ से २९।४७
१९। ५	५।४३ से १९।३०
२१। ५	२२।३९ से २९।३९
७। ६	९।४० से २९।३८
२६। ६	८।४६ से २९।४०
५। ७	५।४३ से १९।५०
१५। ७	२९।४७ से २९।४८
२४। ७	५।५३ से १६।४२
१२। ८	११।५० से ३०।०३
९। ९	६।१६ से १८।०५
२८। ९	२७।५३ से ३०।२६
१७।१०	१३।५७ से ३०।३६

द्विपुष्कर योग

२०। ५	५।४२ से ५।५६
२७। ५	२९।०७ से २९।३९
७। ६	५।३८ से ९।४०
२२। ७	५।५२ से ७।०५
१०। ८	१२।०६ से १३।४८
२३। ९	१३।३७ से २८।४८
४।१०	६।२८ से ९।०६
१६।११	२६।११ से २८।५०
६।१२	७।१२ से ८।५०
सन	२०२६
२०। १	१३।०४ से २६।४३
१५। ३	२९।५३ से ३०।४३

त्रिपुष्कर योग

१५। ४	६।०९ से १०।५२
२०। ४	११।४९ से १९।०६
२१। ४	५।५६ से १७।३५
३। ५	७।५३ से १२।३१
१७। ६	२५।०२ से २९।३८

रवि योग

१। ४	११।०६ से [illegible]
२। ४	.... [illegible]
३। ४	७।०० से [illegible]
५। ४	२९।२८ से [illegible]
६। ४	दिनरात
७। ४	दिनरात
८। ४	.... [illegible]
१०। ४	१२।२६ से [illegible]
११। ४	.... [illegible]
१९। ४	१०।२१ से [illegible]
२०। ४	.... [illegible]
३०। ४	१६।१७ से [illegible]
१। ५	.... [illegible]

॥ संवत् २०८२ मध्ये रवियोगः ॥ (स्टै. घंटा-मिनट)

२। ५	१३।०२ से	१६। ७	...... २८।५२	३।१०	...... ९।३२	सन	२०२६
३। ५	...... १२।३१	२७। ७	१६।२२ से	५।१०	७।५८ से ३०।१३	१। १	२२।४७ से ......
५। ५	१४।०० से	२८। ७	...... १७।३२	१२।१०	१३।३४ से	२। १	...... २०।०२
६। ५	दिनरात	२९। ७	१९।२२ से	१३।१०	...... १२।२३	८। १	१२।२३ से ......
७। ५	...... १८।१८	३०। ७	...... २१।४६	२३।१०	२८।४६ से ३०।३१	९। १	...... १३।३८
९। ५	२४।०९ से	१। ८	२७।३६ से	२५।१०	७।४७ से	२१। १	१३।५६ से ......
१०। ५	...... २७।१४	२। ८	...... २७।५०	२६।१०	...... १०।४३	२२। १	...... १४।२६
११। ५	१२।३३ से	३। ८	६।३३ से	२७।१०	१३।२६ से	२३। १	१४।३४ से ......
१२। ५	...... ६।१४	४। ८	दिनरात	२८।१०	...... १५।४४	२४। १	...... १०।२०
१८। ५	१८।५३ से	५। ८	...... ११।२३	३०।१०	१८।३२ से	२४। १	१४।१८ से ......
१९। ५	...... १९।३०	७। ८	१३।५८ से	३१।१०	दिनरात	२५। १	...... १३।३८
२९। ५	२२।३९ से	८। ८	...... १४।२३	१।११	...... १८।१८	२७। १	११।०९ से ......
३०। ५	...... २१।२९	१४। ८	९।०६ से	३।११	१५।०५ से	२८। १	दिनरात
३१। ५	२१।०६ से	१५। ८	...... ७।३६	४।११	...... १२।३५	२९। १	...... ७।३०
१। ६	...... २१।३५	२५। ८	२७।४६ से	१०।११	१८।४७ से	३०। १	२७।२५ से ......
३। ६	२४।५७ से	२६। ८	...... २९।५८	११।११	...... १८।१६	३१। १	...... २५।३२
४। ६	दिनरात	२८। ८	८।३५ से	२३।११	१९।२५ से	७। २	२६।२२ से ......
५। ६	दिनरात	२९। ८	...... ११।३१	२४।११	...... २१।५१	८। २	...... २८।५७
६। ६	...... ६।३४	१। ९	१९।५५ से	२५।११	२३।५६ से	२०। २	२०।०८ से ......
९। ६	१५।२९ से	२। ९	दिनरात	२६।११	...... २५।३१	२१। २	...... १९।०९
१०। ६	...... १७।५९	३। ९	...... २३।०७	२८।११	२६।४८ से	२२। २	१७।५७ से ......
१६। ६	२५।१४ से	५। ९	२३।३४ से	२९।११	दिनरात	२३। २	...... १६।३५
१७। ६	...... २५।०२	६। ९	...... २२।५०	३०।११	...... २५।१०	२५। २	१३।३७ से ......
२८। ६	६।३५ से	१२। ९	११।५८ से	२।१२	२०।५२ से २४।५४	२६। २	दिनरात
२९। ६	...... ६।३३	१३। ९	...... १०।०९	३।१२	१८।०१ से	२७। २	...... १०।४६
३०। ६	७।१९ से	१३। ९	१५।३० से	४।१२	...... १४।५५	१। ३	८।३३ से ......
१। ७	...... ८।५०	१४। ९	...... ८।३८	९।१२	२६।२३ से	२। ३	...... ७।५१
३। ७	१३।४६ से	२४। ९	१६।११ से	१०।१२	...... २६।४४	९। ३	१६।०५ से ......
४। ७	दिनरात	२५। ९	...... १९।०२	२२।१२	२९।२९ से	१०। ३	...... १९।०२
५। ७	...... १९।५०	२६। ९	२२।०३ से	२३।१२	...... ३१।०५		
५। ७	२९।२३ से	२७। ९	...... ६।५७	२५।१२	८।१७ से		
६। ७	...... २२।४२	२७। ९	२५।०४ से	२६।१२	...... ९।००		
८। ७	२७।१४ से	२८। ९	...... २७।५३	२८।१२	८।४४ से ३०।०७		
९। ७	...... २८।४७	१।१०	८।०६ से	२९।१२	७।४१ से		
५। ७	२९।४७ से	२।१०	दिनरात	३०।१२	...... २७।५८		

मुख्य व्रतोत्सव तालिका का शेष ...

पोषमास जनवरी २०२६		गणतन्त्र दिवस	२६	श्रीश्यामबाबा जागरण	२७
शाकंभरी जयंती	३	भीष्माष्टमी	२६	श्रीश्यामबाबा द्वादशी	२८
माघ स्नानारंभ	३	जया एका.	२९	श्रीखाटूश्यामजी मेला	२८
माघमास जनवरी		श्रीश्यामबाबा जागरण	२९	प्रदोष व्रत मार्च	१
तिलकुटी चतुर्थीव्रत	६	भीष्मद्वादशी	२९	जेलपोणी भद्रा के पहिले	२
सौभाग्य सुन्दरी व्रत	६	श्रीश्यामबाबा द्वादशी	३०	होलिका दहन भद्रापुच्छ	
स्वामीविवेकानन्द ज.	१०	प्रदोष व्रत	३०	(भद्रा २५।२३ के बाद)	२
मकर सक्रांति	१४	पूर्णिमा व्रत फर.	१	ग्रस्तोदयखग्रासचन्द्रग्रहण	३
पुण्यकाल	१४	माघ स्नान पूर्ति	१	पूर्णिमा व्रत	३
षटतिला एका.	१४	फाल्गुनमास फरवरी		छारेंडी	३
प्रदोष व्रत	१६	तारा शुद्ध (शुक्रउदय)	४	चैत्रमास मार्च	
मौनी अमा.	१८	चतुर्थीव्रत	५	वसन्त प्रतिपदा	४
अमावस्या	१८	विजया एका.	१३	चतुर्थीव्रत	६
श्री वल्लभ जयंती	१९	प्रदोष व्रत	१४	शीतलापूजन(बास्योड़ा)	११
नेताजी जयन्ती	२३	महा शिवरात्री व्रत	१५	पापमोचनी एका.	१५
वसन्त पंचमी	२३	अमावस्या	१७	प्रदोष व्रत	१६
पुत्र सप्तमी	२५	फुलरिया दूज	१९	अमावस्या पितृकार्य	१८
सूर्य सप्तमी	२५	होलाष्टक प्रारम्भ	२४	अमावस्या देवकार्य	१९
अचला सप्तमी	२५	बिड़कुला-ढाल थापणा भद्रा		नया संवत आरम्भ	१९
भानु ७	२५	के पहिले	२७	नवरात्र आरम्भ	१९
विजया सप्तमी	२५	आमलकी एका.	२७	गुडीपडवा (महाराष्ट्र)	१९

पं. श्री वल्लभ मनीराम पञ्चाङ्ग जिन ग्रंथों से बनता है उन ग्रंथों के नाम-

१. श्रीगुरुचरणकमलेभ्यो नमः
२. केतकी ग्रहगणितम्
३. वैजयन्ती पञ्चाङ्गगणितम्
४. ज्योतिर्गणितम्
५. मराठी ग्रहगणितम्
६. भारतीय भूमण्डल सूर्यग्रहणगणितम्
७. मराठी ग्रहगणितमालिका
८. बृहद् दैवज्ञ विनोद
९. सांवत्सरी पद्धति
१०. निर्णय सिन्धु
११. धर्मसिन्धु
१२. सूर्य सिद्धान्त
१३. सिद्धान्त शिरोमणि
१४. मुहूर्त चिन्तामणि
१५. मुहूर्त मार्तण्ड
१६. बृहद् दैवज्ञ रंजन
१७. उपलब्ध पुराण
१८. पीयूषधारा
१९. वर्षप्रबोध
२०. वाराहमिहिर संहिता
२१. ग्रहलाघव

उक्त (क्रमाङ्क ८ से २१) ग्रंथों के प्रकाशक - खेमराज श्री कृष्णदास, मुम्बई, कल्याण, पूणे है। प्राप्तिस्थल - कल्याण के दूरध्वनि- ०२५१- २२०१०८१ है विशेष पं. श्री वल्लभ मनीराम पञ्चाङ्ग के अन्तिम पृष्ठों में देखें, प्राप्तिस्थल का दूरध्वनि क्रमाङ्क सहित सम्पूर्ण ठिकाना लिखा है।

क्रमाङ्क २ से ७ के रचयिता-
मानद् वेंकटेशबापू केतकर है।

उक्त ग्रंथों के प्रकाशक- महाराष्ट्र सरकार है, और प्राप्तिस्थल-
१. संचालक, शासन मुद्रण, लेखन सामग्री व प्रकाशन संचनालय, नेताजी सुभाष मार्ग,मुम्बई. (चर्नीरोड), ४०० ००४, दूरध्वनी- ०२२- २३६३२६९३, २३६३०६९५, २३६३११४८, २३६३४०४९
२. सचिव महाराष्ट्र राज्य साहित्य आणि संस्कृति मंडल, मुंबई. मराठीग्रंथ संग्रहालय इमारत, ३रा मजला १०२, मुंबई मराठी ग्रंथ संग्रहालय मार्ग, दादर मुंबई. ४०० ०१४
दूरध्वनी- ०२२ २४१४४०२१, २४१४६००५
३. व्यवस्थापक- शासकीय फोटोझिंको मुद्रणालय व ग्रंथागार, फोटोझिंको मुद्रणालय, आवार जी. पी. ओ. नजीक, पुणे ४११ ००१, दूरध्वनी ०२०- २६२४१५९, २६१२५८०८

नम्र निवेदन- आपका सहयोग ही परिश्रम की सफलता है। श्री श्री १००८ सन्त भातारामजी महाराज जो "बाबा श्री रामेश्वरदास धाम" के वर्तमान पदासीन और सभी सेवकों को हृदय से सादर प्रणाम करता हूँ। जिन वयोवृद्ध विद्वानों और दैवज्ञों ने पत्रों द्वारा आशीर्वाद भेजे हैं उनको मैं शिरोधार्य करते हुए दण्डवत् प्रणाम करता हूँ। भवदीय - वरदभावाकांक्षी - गणितकर्ता

॥ काल समीकरण ॥

काल यानि समय की परिवर्तन क्रिया को काल समीकरण कहते है। इसमें गणित की प्रधानता है। प्रत्येक कार्य मे गणित की आवश्यकता होती है। आज विश्व मे ज्योतिष हो या साईंस हो या वास्तु सभी गणित पर निर्भर करते है और यह गणित अनेक प्रकार का है। लेकिन यहाँ ज्योतिष के उसी गणित की चर्चा होगी जो कि प्रत्येक व्यक्ति के उपयोग मे आता है। ज्योतिष मे समय की परिवर्तन क्रिया करने के लिए मुख्य रूप से तीन तरह का गणित उपयोगी होता है।

(१) स्टैण्डर्ड समय से स्थानिक समय (२) स्थानिक समय से स्टैण्डर्ड समय
(३) स्थानिक स्पष्टग्रह से अभीष्टस्थल का इष्टकालीन स्पष्टग्रह (नोट- अग्रिम पृष्ठ पर देखें)

(१) स्टैण्डर्ड समय से स्थानिक समय बनाना हो तो रेल्वे अन्तर का चिन्ह ऋण धन जो है वो ज्यों का त्यों संस्कार होगा और वेलान्तर का चिन्ह ऋण-धन जो है उससे विलोम (धन हो तो ऋण और ऋण हो तो धन) संस्कार करने पर स्पष्ट स्थानिक समय प्राप्त होगा। जैसे - रेल्वे अन्तर का चिन्ह ऋण है और वेलान्तर का भी ऋण है तो संस्कार करने के लिए रेल्वे अन्तर का चिन्ह ज्यों का त्यों ऋण रहेगा और वेलान्तर का चिन्ह ऋण से विलोम धन हो जायेगा।

(२) स्थानिक समय से स्टैण्डर्ड समय बनाना हो तो रेल्वे अन्तर का चिन्ह ऋण-धन जो है उससे विलोम (धन हो तो ऋण और ऋण हो तो धन) संस्कार होगा और वेलान्तर का चिन्ह ऋण-धन जो है वो ज्यों का त्यों संस्कार करने पर स्पष्ट स्टैण्डर्ड समय प्राप्त होगा। जैसे - रेल्वे अन्तर का चिन्ह ऋण है और वेलान्तर का भी ऋण है तो संस्कार करने के लिए रेल्वे अन्तर का चिन्ह ऋण से विलोम धन हो जायेगा और वेलान्तर का चिन्ह ज्यों का त्यों ऋण रहेगा।

स्टैण्डर्ड समय क्या है। - भारत अथवा संसार के नक्शे (अटलस) में देखा होगा कि आडी और खड़ी रेखाएँ रहती है, जो आडी (पूर्व-पश्चिम) रेखाएँ होती है वे अक्षांश कहलाते है और जो ऊर्ध्वाधर (उत्तर-दक्षिण) खड़ी रेखाएँ होती है वे रेखांश कहलाते है। ग्रीन्वीच मे रेखांश ० डिग्री (अंश) है अतः ग्रीन्वीच से पूर्व दिशा मे जो रेखांश है वे पूर्वी रेखांश कहलाते है और ग्रीन्वीच से जो पश्चिम दिशा मे रेखांश है वे पश्चिमी रेखांश कहलाते है। इसीलिए अटलस या पंचांगों में पूर्वी रेखांश- पश्चिमी रेखांश लिखा हुआ रहता है। पूर्वी रेखांश सदैव धनात्मक होते है और पश्चिमी रेखांश सदैव ऋणात्मक होते है। एक रेखांश से दूसरे रेखांश का अन्तरकालमान (दूरी) ४ (चार) मिनट होता है। ग्रीन्वीच को केन्द्रबिंदु मानकर (मध्यरात्री के १२।०० बजे से) संसार के सभी देशों मे घड़ियों की व्यवस्था की गई है। किसी भी देश के मध्य मे स्थित रेखांशो को आधार मानकर घडी का समय निर्धारित किया है। जैसे भारत ग्रीन्वीच से पूर्वदिशा में है तो ८२।३० (साढे बियासी) पूर्वी रेखांशो पर घडियों का समय आधारित है यानि कि ग्रीन्वीच से भारत का ५ घंटा ३० मिनिट का धनात्मक अंतर (८२।३० रेखांशः X ४ मिनिट = ३३० मिनिट = घंटा ५ मिनिट ३०) है। ग्रीन्वीच की घडी से भारत की घडी ५ घंटा ३० मि. आगे (धनात्मक) रहती है, जैसे ग्रीन्वीच की घडी में मध्यरात्री १२।०० बजते है तो भारत की घडी में प्रातः ५।३० बजते है इसी तरह सब जानकारी करनी चाहिए। भारत की घडियों के इसी समय का नाम "स्टैण्डर्ड समय" है जो कि भारत मे समान रुप से है। स्टैण्डर्ड समय को ही रेल्वे समय कहते है। अंग्रेजी मे इसे इंडियन स्टैण्डर्ड टाइम (I. S. T.) कहते है। सारांश यह है कि स्टैण्डर्ड समय और रेल्वे समय एक ही है, मात्र नाम का भेद है। हमारी घडियों मे जो टाइम चलता है वही स्टैण्डर्ड समय कहलाता है और रेल्वे स्टेशनों पर जो घडियाँ रहती है जिनके आधार पर हमारी रेल गाड़ियाँ चलती है वह रेल्वे समय कहलाता है। स्थानिक काल निकालने के लिए रेल्वे (स्टै.) समय परिवर्तन क्रिया आवश्यक है जिसे रेल्वेऽन्तर (रेखांतर) क्रिया कहते है।

रेल्वे अन्तर (रेखान्तर(मिनट)) = (अभीष्ट स्थल रेखांश – ८२.५ रेखांश) × ४
अभीष्ट स्थल के रेखांश ८२.५ (साढे बियासी) रेखांश से ज्यादा हो तो रेल्वे अन्तर (रेखान्तर (मिनट)) संस्कार का चिन्ह सदैव ही धनात्मक होता है और रेखांश कम हो तो चिन्ह सदैव ऋणात्मक होता है। वेलान्तर संस्कार पञ्चाङ्ग मे चिन्ह सहित लिखा रहता है।

देशान्तर (मिनट) = (अभीष्ट स्थल रेखांश – पञ्चाङ्ग स्थल रेखांश) × ४
अभीष्ट स्थल के रेखांश जिस स्थल का पञ्चाङ्ग हो उस रेखांश से ज्यादा हो तो देशान्तर संस्कार का चिन्ह सदैव ही धनात्मक होता है और रेखांश कम हो तो चिन्ह सदैव ही ऋणात्मक होता है।

चरान्तर संस्कार: अक्षांश और क्रांति को उपकरण मानकर चरपल संस्कार सारणी से प्राप्त कर सकते है। चरान्तर संस्कार का चिन्ह क्रांति की तरह ऋण धन होता है।

ऋण-धन के योग (जोड) और गुणाकार के चिन्हों का सूत्र

धन + धन का योग धन होता है	धन X धन का गुणाकार धन होता है
ऋण + ऋण का योग ऋण होता है	धन X ऋण का गुणाकार ऋण होता है
गुरुधन + लघुऋण का योग धन होता है	ऋण X ऋण का गुणाकार धन होता है
गुरुऋण + लघुधन का योग ऋण होता है	ऋण X धन का गुणाकार ऋण होता है

॥ चन्द्रोदय-चंद्रास्त गणित की सरलविधि ॥

चन्द्रमा की शीघ्र गति होने के कारण चन्द्रगणित बहुत ही कष्टप्रद है। यह बात सन १९९१ की है मैं दशवर्षीय (संवत् २०५१ से २०६० तक) के लिए गणित कर रहा था गणितान्तर्गत ग्रस्तोदय चन्द्रग्रहण में और चन्द्रोदय मे २ मिनट का अन्तर आरहा था तो मुझे शंका हो गई, उस शंका समाधान के लिए महाराष्ट्र गुजरात के अनेक पञ्चाङ्गकर्ताविद्वानों से टेलिफोन पर सम्पर्क किया लेकिन उनका जवाब था क्रमशः (१) आप अपना गणित भेज दीजिए, बाद में हम देखें क्या करना है। (२) हम तो गणितकर्ता का नाम सिर्फ लिखते है लेकिन गणित तो किसी दूसरे से लेते है। (३) अपनी विद्या कोई किसी को देता है क्या। (४) हमारे पास दो वर्ष का ही गणित है आगे का नहीं, ... आदि।

विद्वानों के ऐसे भाव और भाषा सुनकर हृदय को आघात पहुँचा और उन दिनों की याद आ गई जब मुम्बई में अंधेरी रेल्वे स्टेशन के पश्चिम में बीइएसटी के स्थानक पर बस क्रमांक ४ की प्रतीक्षारत पंक्ति में खडे एक अद्वतीय व्यक्ति जिनके चरणो मे राजस्थान में निर्मित पादत्राण –

श्वेत्वर्णवाला अधोवस्त्र मंदपवन के प्रसारण से मंदमंद लहरा रहा था, श्वेत्वर्णवाला ही उपवस्त्र मानो कि मिट्टी-धूल से रक्षा करने मे सक्षम हो, श्वेत्वर्णवाले राजपुत्रदेशीयवस्त्रमाल (साफा) से आवेष्टित कर्णपुट जो उनकी विद्वत्ता की गहराई का संकेत करता हो, वामस्कंध पर विराजमान रक्तवर्ण वाला उत्तरीयवस्त्र जो उक्त संकेत की पुष्टि कर रहा हो ऐसे अपरिचित महापुरुष को पंक्ति में खडे देख कर अन्तरात्मा ने प्रेरणा की कि ये सुविख्यात पञ्चाङ्गगणितकर्ता पण्डित ईश्वरदत्तजी शर्मा होने चाहिएं । पुष्टि के लिए निकट जाकर अभिप्रणामोपरान्त मैने पूछा पण्डितजी आपका नाम क्या है ! उन्होने कहा **"माया मनै तो ईश्वरदत्त कव है"** । यह सुनकर मेरी बाह्याभ्यन्तर जो स्थिति हुई वह कल्पना के परे है । हृदय प्रफुल्लित हो उठा । मैने कहा - मैं पञ्चाङ्गगणित सीखना चाहता हूँ आप पढा देंगे । उन्होने कहा **"मै तो चाहता हूँ कि कोई भी विद्यार्थी मेरे से इस विद्या को ग्रहण करे"** उनके अमृत तुल्य वचनों की याद आ गई और मैं फूट फूट कर रो पडा, शंका रुपी भंवर से उबारने वाले परम पूज्य गुरुजी का स्वर्गवास हो चुका था । धन्य है वे लोग जो अपना सम्पूर्ण जीवन परोपकार में लगाकर अमर हो गये । महाराष्ट्र में जन्म हुए श्रीमन्त **'वेंकटेशबापू केतकर'** द्वारा रचित **'ज्योतिर्गणित'** का यह श्लोक अहर्निश याद रहता है - "अप्रत्यक्षाणि शास्त्राणि विवादास्तेषु केवलम् । प्रत्यक्षम् ज्योतिषं शास्त्रं चन्द्रार्कौ यत्र साक्षिणौ" । ऐसे महापुरुषों को सर्वदा हृदय से प्रणाम करता हूँ ।

अत: मैं चिरकाल से प्रयत्नरत था कि थोडे से परिश्रम से किसी भी स्थल का चन्द्रोदय ज्ञात किया जा सके, अत: जनसाधारण उपयोग हेतु चन्द्रोदय जानने की सरल विधि प्रस्तुत है । जब किसी नगर अथवा गाँव का चन्द्रोदय ज्ञात करना हो तो वल्लभ मनीराम पञ्चाङ्ग मे दिये हुए दैनिक स्पष्ट चन्द्रोदय के साथ ही चन्द्रक्रान्ति और मध्यम चन्द्रोदय भी दिया हुआ है । मध्यम चन्द्रोदय में मात्र दो (चरान्तर और रेल्वेन्तर) संस्कार करने से स्पष्ट **चन्द्रोदय/चंद्रास्त** ज्ञात किया जा सकता है ।

(१) चन्द्रक्रान्ति और अक्षांश की सहायता से चरपल संस्कार सारणी से चरपल प्राप्त करें, चरपल मे ढाई का भाग देकर मिनट सेकण्ड बनायें इस संख्या को मध्यम चन्द्रोदय में धन या ऋण चन्द्रक्रान्ति से विलोम (चन्द्रक्रान्ति धन हो तो ऋण और चन्द्रक्रान्ति ऋण होतो धन) करें । इसे चरान्तर संस्कार कहते हैं (ये कभी द्विगुण नहीं होता मात्र दिनमान बनाने के लिए ही द्विगुण किया जाता है) । (२) दूसरा रेल्वेन्तर (रेखान्तर) सूत्र में बताये अनुसार (पञ्चाङ्ग में भी लिखा रहता है) प्राप्त कर विलोम संस्कार करने से अभीष्ट स्थल का (सूक्ष्मासन्न) स्पष्ट चन्द्रोदय होगा ।

इस गणितागत चन्द्रोदय में गति संस्कार धनर्ण करने से सूक्ष्म चन्द्रोदय होगा । प्रति १ घंटा की गति २ मिनट है । पञ्चाङ्ग में दिये हुए रामगढ (शेखावाटी) के चन्द्रोदय और अभीष्ट स्थल के गणितागत चन्द्रोदय मे जितना घंटा-मिनट का अंतर हो उसी हिसाब से गति संस्कार प्राप्त करें । पञ्चाङ्गस्थ चन्द्रोदय से अभीष्ट स्थल का चन्द्रोदय कम हो तो गति संस्कार ऋण और ज्यादा हो तो गति संस्कार धन करने से सूक्ष्म स्पष्ट चन्द्रोदय होगा । चंद्रास्त गणित भी ऐसे ही होगा । सरलता के लिए यहाँ चन्द्रोदय का एक उदाहरण भी दिया है । **नोट-** पञ्चाङ्गस्थ चन्द्रोदय में जिस तारीख के सामने . . . यह चिन्ह हो वहाँ अगले दिन सूर्योदय के बाद चंद्रोदय होगा ऐसा समझें ।

सूत्र: स्पष्ट चन्द्रोदय = मध्यम चन्द्रोदय + (चरान्तर + रेल्वेन्तर) + गतिसंस्कार

गणितकर्ता - पं. प्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री)

॥ कृष्णा चतुर्थी (संकष्टी) चन्द्रोदय उदाहरण, संवत् २०८२ ॥

ता. १६ अप्रेल २०२५ को कोल्काता (बंगा.) अक्षांशः २२° ३४' उ., रेखांशः ८८° २८' पू. का स्पष्ट चन्द्रोदय गणित द्वारा ज्ञात करना है । पञ्चाङ्ग में रामगढ (शेखा.) का स्पष्ट चन्द्रोदय २२ बजकर ०७ मिनट, चन्द्रक्रान्ति (ऋण) -२६ अंश १५ कला, मध्यम चन्द्रोदय २० बजकर ३६ मिनट ३६ से. है । यहाँ चन्द्रक्रान्ति और अक्षांश की सहायता से चरपल संस्कार सारणी से (ऋण) -११७ पल २९ वि. प्राप्त हुई, ढाई का भाग देने पर चरान्तर संस्कार (ऋण) -४६ मिनट ५९ से. हुए ।

कोल्काता (बंगा.) का रेखांश ८२।३० से ज्यादा है अत: ((८८।२८ - ८२।३०) x ४) रेल्वेन्तर (धन) +२३ मिनट ५२ से. है । चरान्तर (ऋण) -४६ मिनट ५९ से. और रेल्वेन्तर (धन) +२३ मिनट ५२ से. (चरान्तर + रेल्वेन्तर) ये ऋण -२३ मिनट ०७ से. का संस्कार मध्यम चन्द्रोदय २० बजकर ३६ मिनट ३६ से. में विलोम (धन) किया तो सूक्ष्मासन्न स्पष्ट चन्द्रोदय २० बजकर ५९ मिनट ४३ से. (अर्धादिकरुप से २१।००) हुआ । **नोट-** भारत के किसी भी स्थल का सूक्ष्मासन्न चन्द्रोदय और सूक्ष्म चन्द्रोदय में ५ मिनट से न्यूनाधिक अन्तर नहीं होगा ।

सूक्ष्मता के लिए इस गणितागत सूक्ष्मासन्न चन्द्रोदय में गति संस्कार

प्रति १ घंटा की गति २ मिनट है । पञ्चाङ्ग में दिये हुए रामगढ (शेखा.) के चन्द्रोदय २२।०७ और कोल्काता (बंगा.) के गणितागत चन्द्रोदय २१।०० में (पञ्चाङ्गस्थ चन्द्रोदय से अभीष्ट स्थल का चन्द्रोदय कम होने से) ऋणात्मक १ घं. ०७ मिनट का अंतर है तो गति संस्कार (ऋण) -०२ मिनट १५ से. प्राप्त हुआ । गणितागत चन्द्रोदय २० बजकर ५९ मिनट ४३ से. में गति संस्कार (ऋण) -०२ मिनट १५ से. किया तो सूक्ष्म स्पष्ट चन्द्रोदय २० बजकर ५७ मिनट २८ से. (अर्धादिकरुप से २०।५७) हुआ । **नोट-** सूक्ष्म चन्द्रोदय में १ मिनट का न्यूनाधिक अन्तर कहीं कहीं आ सकता है उससे अधिक अन्तर नहीं होगा । देखें **'विभिन्न नगरों के गुरु - शुक्रोदयास्त और कृष्णा चतुर्थी का चंद्रोदय:'** पृष्ठ में २०।५७ है । इसी विधि से भारत के किसी भी स्थल का **स्पष्ट चन्द्रोदय और चंद्रास्त** ज्ञात कर सकते हैं । चंद्रास्त गणित में अंतर मात्र इतना है कि रामगढ के चन्द्रोदय के स्थान परं चंद्रास्त, मध्यम चन्द्रोदय के स्थान पर मध्यम चंद्रास्त और चन्द्रोदय क्रान्ति के स्थान पर चंद्रास्त क्रान्ति लेनी चाहिए. शेष क्रिया पूर्ववत् ।

गुरु - शुक्रोदयास्त और कृष्णा चतुर्थी का शेष .. संवत् २०८२

देखने की विधि - पृष्ठारंभ में नगरों के नाम हैं और उनके सामने शुक्र के उदयास्त की तारीख और समय है तदुपरांत गुरु का उदयास्त है तदुपरांत कृष्णाचतुर्थी के चंद्रोदय का समय है । शीर्षपंक्ति में चंद्रोदय की तारीख और महिना है यानि कि एकनगर के सामने ही तीनों (गुरु - शुक्रोदयास्त और कृष्णा चतुर्थी का चंद्रोदय) देख सकते हैं । जैसे - रामगढ शेखा. में शुक्र का पूर्व.अस्त ता. ८ दिसंबर २०२५ को रात्रिअन्त ७ बजकर १२ मि. है और पश्चि.उदय ता. ४ फरवरी २०२६ को दिन १० बजकर २८ मि. है । गुरु का पश्चि.अस्त ता. ११ जून २०२५ को रात्रि ११ बजकर ३३ मि. है और पूर्व.उदय ता. ६ जुलाई २०२५ को रात्रिअन्त ४ बजकर १८ मि. है । कृष्णा चतुर्थी का चंद्रोदय ता. १६ अप्रेल (ता.उपर की पंक्ती में लिखी है) को २२।०७ (रात्रि १० बजकर ०७ मि.) पर है । इसी क्रिया से अपने अभीष्ट नगर का देखें । - गणित कर्ता

इष्टकालीन ग्रहस्पष्ट उदाहरण १. संवत् २०८२

तारीख २६ अप्रैल २०२५ को कोलकाता (बंगा.) का स्टैं. सूर्योदय ५।११ बजे है और ग्रहस्पष्ट स्टैण्डर्ड ५।४८ बजे के लिए ज्ञात करना है।

पञ्चाङ्गस्थ ग्रहस्पष्ट मे २६ अप्रैल २०२५ को सूर्योदय स्टैं. ५।५९ बजे है।

गतिगुणक- यहाँ ग्रहस्पष्ट ज्ञात करने वाला अभीष्ट स्टैं. समय कम है और पञ्चाङ्गस्थ स्टैं. सूर्योदय ज्यादा है ऐसी स्थिति मे पञ्चाङ्गस्थ स्टैं. सूर्योदय ५।५९ में से स्टैण्डर्ड ५।४८ को घटाया तो ऋणात्मक घंटा-मिनटादि - ०।११ गतिगुणक प्राप्त हुआ। इसको मिनटात्मक बनाने के लिए घंटे को ६० से गुणा कर मिनट जोड़ने से मिनटात्मक गतिगुणक -११ हुआ।

सूर्य स्पष्ट राश्यादि ०।११।५१।२७ है और गति कला-विकलादि ५८।२१ है।

यहाँ सूर्य गति कला-विकलात्मक ५८।२१ को भी ऐसे ही कला को ६० से गुणा कर विकला जोड़ने से विकलात्मक ग्रहगति ३५०१ को मिनटात्मक गतिगुणक -११ से गुणा किया और गुणनफल -३८५११ मे क्षेपक ८६४०० का भाग दिया भागफल कला-विकलात्मक - ०।२७ प्राप्त हुआ। इस कला-विकलात्मक भागफल - ०।२७ को पञ्चाङ्गस्थ स्पष्टग्रह सूर्य के राशि, अंश, कला, विकला ०।११।५१।२७ मे घटा दिया तो यह अभीष्टस्थल का इष्टकालीन स्टैण्डर्ड ५।४८ बजे का राश्यादि ०।११।५१।०१ स्पष्टग्रह हो गया। इसी प्रकार सभी ग्रहों को इष्टकालीन स्पष्टग्रह कर सकते है।

चंद्र स्पष्ट राश्यादि ११।१६।२३।०७ है और गति कला-विकलादि ९०५।०८ है।

यहाँ चंद्र गति कला-विकलात्मक ९०५।०८ को भी ऐसे ही कला को ६० से गुणा कर विकला जोड़ने से विकलात्मक ग्रहगति ५४३०८ को मिनटात्मक गतिगुणक -११ से गुणा किया और गुणनफल -५९७३८८ मे क्षेपक ८६४०० का भाग दिया भागफल कला-विकलात्मक - ६।५५ प्राप्त हुआ। इस कला-विकलात्मक भागफल - ६।५५ को पञ्चाङ्गस्थ स्पष्टग्रह चंद्र के राशि, अंश, कला, विकला ११।१६।२३।०७ मे घटा दिया तो यह अभीष्टस्थल का इष्टकालीन स्टैण्डर्ड ५।४८ बजे का राश्यादि ११।१६।१६।१२ स्पष्टग्रह हो गया, चंद्रमा की शीघ्रगति होने से चंद्रस्पष्ट का यह साधन स्थूल है।

मंगल स्पष्ट राश्यादि ३।०९।१०।४१ है और गति कला-विकलादि २६।३५ है।

यहाँ मंगल गति कला-विकलात्मक २६।३५ को भी ऐसे ही कला को ६० से गुणा कर विकला जोड़ने से विकलात्मक ग्रहगति १५९५ को मिनटात्मक गतिगुणक -११ से गुणा किया और गुणनफल -१७५४५ मैं क्षेपक ८६४०० का भाग दिया भागफल कला-विकलात्मक - ०।१२ प्राप्त हुआ। इस कला-विकलात्मक भागफल - ०।१२ को पञ्चाङ्गस्थ स्पष्टग्रह मंगल के राशि, अंश, कला, विकला ३।०९।१०।४१ मे घटा दिया तो यह अभीष्टस्थल का इष्टकालीन स्टैण्डर्ड ५।४८ बजे का राश्यादि ३।०९।१०।२९ स्पष्टग्रह हो गया।

बुध स्पष्ट राश्यादि ११।१४।५२।२९ है और गति कला-विकलादि ७०।१७ है।

यहाँ बुध गति कला-विकलात्मक ७०।१७ को भी ऐसे ही कला को ६० से गुणा कर विकला जोड़ने से विकलात्मक ग्रहगति ४२१७ को मिनटात्मक गतिगुणक -११ से गुणा किया और गुणनफल -४६३८७ मे क्षेपक ८६४०० का भाग दिया भागफल कला-विकलात्मक - ०।३२ प्राप्त हुआ। इस कला-विकलात्मक भागफल - ०।३२ को पञ्चाङ्गस्थ स्पष्टग्रह बुध के राशि, अंश, कला, विकला ११।१४।५२।२९ मैं घटा दिया तो यह अभीष्टस्थल का इष्टकालीन स्टैण्डर्ड ५।४८ बजे का राश्यादि ११।१४।५१।५६ स्पष्टग्रह हो गया।

गुरु स्पष्ट राश्यादि १।२६।०५।५१ है और गति कला-विकलादि ११।४३ है।

यहाँ गुरु गति कला-विकलात्मक ११।४३ को भी ऐसे ही कला को ६० से गुणा कर वि... जोड़ने से विकलात्मक ग्रहगति ७०३ को मिनटात्मक गतिगुणक -११ से गुणा कि... गुणनफल -७७३३ मे क्षेपक ८६४०० का भाग दिया भागफल कला-विकलात्मक - ०।०५ प्रा... । इस कला-विकलात्मक भागफल - ०।०५ को पञ्चाङ्गस्थ स्पष्टग्रह गुरु के राशि, अंश... विकला १।२६।०५।५१ मे घटा दिया तो यह अभीष्टस्थल का इष्टकालीन स्टैण्डर्ड ५।४८ बजे... राश्यादि १।२६।०५।४६ स्पष्टग्रह हो गया।

शुक्र स्पष्ट राश्यादि ११।०३।१३।१६ है और गति कला-विकलादि २७।१७ है।

यहाँ शुक्र गति कला-विकलात्मक २७।१७ को भी ऐसे ही कला को ६० से गुणा कर विक... जोड़ने से विकलात्मक ग्रहगति १६३७ को मिनटात्मक गतिगुणक -११ से गुणा किया ... गुणनफल -१८००७ मे क्षेपक ८६४०० का भाग दिया भागफल कला-विकलात्मक - ०।१३ प्रा... हुआ। इस कला-विकलात्मक भागफल - ०।१३ को पञ्चाङ्गस्थ स्पष्टग्रह शुक्र के राशि, अं... कला, विकला ११।०३।१३।१६ मैं घटा दिया तो यह अभीष्टस्थल का इष्टकालीन स्टैण्डर्ड ५।४... बजे का राश्यादि ११।०३।१३।०३ स्पष्टग्रह हो गया।

शनि स्पष्ट राश्यादि ११।०३।०७।२१ है और गति कला-विकलादि ६।१७ है।

यहाँ शनि गति कला-विकलात्मक ६।१७ को भी ऐसे ही कला को ६० से गुणा कर विकला जो... से विकलात्मक ग्रहगति ३७७ को मिनटात्मक गतिगुणक -११ से गुणा किया और गुणनफल ४१४७ मैं क्षेपक ८६४०० का भाग दिया भागफल कला-विकलात्मक - ०।०३ प्राप्त हुआ। इस कला-विकलात्मक भागफल - ०।०३ को पञ्चाङ्गस्थ स्पष्टग्रह शनि के राशि, अंश, कला, विक... ११।०३।०७।२१ में घटा दिया तो यह अभीष्टस्थल का इष्टकालीन स्टैण्डर्ड ५।४८ बजे का राश्या... ११।०३।०७।१८ स्पष्टग्रह हो गया।

राहु स्पष्ट राश्यादि ११।०१।१०।३९ है और गति कला-विकलादि ३।११ वक्री है।

यहाँ राहु गति कला-विकलात्मक ३।११ वक्री को भी ऐसे ही कला को ६० से गुणा कर विक... जोड़ने से विकलात्मक ग्रहगति -१९१ को मिनटात्मक गतिगुणक -११ से गुणा किया औ... गुणनफल २१०१ में क्षेपक ८६४०० का भाग दिया भागफल कला-विकलात्मक + ०।०१ प्राप्त हु... । यहाँ गतिगुणक और ग्रहगति दोनों ही ऋणात्मक होने से भागफल धनात्मक प्राप्त हुआ। का... **सरलीकरण पृष्ठ देखें सूत्र लिखा है "ऋण X ऋण का गुणाकार धन होत... है"** । इस कला-विकलात्मक भागफल + ०।०१ को पञ्चाङ्गस्थ स्पष्टग्रह राहु के राशि, अंश, कल... विकला ११।०१।१०।३९ मैं जोड़ दिया तो यह अभीष्टस्थल का इष्टकालीन स्टैण्डर्ड ५।४८ बजे क... राश्यादि ११।०१।१०।४० स्पष्टग्रह हो गया।

केतु स्पष्ट करने के लिए स्पष्टराहु की राशि ११ में ६ राशि जोड़ने से अभीष्टस्थल का इष्टकाल... स्टैण्डर्ड ५।४८ बजे का राश्यादि ५।०१।१०।४० स्पष्ट केतु हो गया।

नोट- राहु में ६ राशि जोड़ने से केतु स्पष्ट होता है (राहु-केतु मे परस्पर ६ राशि का ही अन्... रहता है शेष अंश-कलादि समान होते है)। इनकी २४ घंटे की सदैव ही वक्री गति कलादि ३।... रहती है।

॥ किसी भी स्थल के इष्टकालीन ग्रहस्पष्ट साधन ॥

श्रीगुरुचरणों का ध्यान कर कमलरूपी चरणों से प्राप्त ज्ञानपुंज के प्रकाश से इष्टकालीन ग्रहस्पष्ट सोदाहरण बालबोधाय प्रकाशित करने का प्रयास किया है। माँ सरस्वती से अहर्निश प्रार्थना करता हूँ कि ज्ञानपुंज के दर्शन कराने वाले श्रीगुरुचरण सर्वदा मेरे ह्रदय में निवास करें।

पञ्चाङ्ग में स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्ट दिये हुए हैं और वहीं पर सूर्योदय समय भी लिख दिया है ताँकि विद्वानों को भारत में किसी भी स्थल के अभीष्टसमय के ग्रहस्पष्ट ज्ञात करने में कष्ट न हो, क्योंकि स्टैंडर्ड समय सम्पूर्ण भारतवर्ष में समान रुप से ग्राह्य है। आगे अनेक स्थानों पर प्रसंगवश पुनरुक्ति हुई है यह बालबोध के लिए आवश्यक था।

पञ्चाङ्गस्थ स्थानिक स्पष्टग्रह से अभीष्टस्थल का इष्टकालीन स्पष्टग्रह करने के लिए गतिगुणक, ग्रहगति और राशि, अंश, कला, विकला की आवश्यकता होती है। इष्टकाल और गतिगुणक के गणित की क्रिया एक ही है। इष्टकाल निर्माण में जातक के स्टै. जन्मसमय में उसी स्थल का सूर्योदय घटाया जाता है जहाँ जातक का जन्म हुआ है और गतिगुणक निर्माण में जातक का जन्म भारत के किसी भी नगर या गांव में हो लेकिन जातक के स्टै. जन्मसमय में मात्र पञ्चाङ्गस्थ स्टै. सूर्योदय ही घटाना चाहिए। अंतरिक्ष में ग्रहों के भ्रमण करने वाले मार्ग को भचक्र कहते है इस भचक्र में १२ राशी अथवा ३६० अंश होते है। एक राशि में ३० अंश होते है, एक अंश में ६० कला होते है, एक कला में ६० विकला होती है।

इष्टकालीन समय या अभीष्ट स्टै. समय: जातक के स्टै. जन्मसमय को इष्टकालीन या अभीष्ट स्टै. समय कहते है। आगे सूत्ररचना और उदाहरणों में सभी जगह स्टै. जन्मसमय को इष्टकालीन या अभीष्ट स्टै. समय कहा गया है कारण कि ग्रहस्पष्ट किसी भी कार्य के लिए किये जा सकते है।

इष्टकाल के बारे में पहिले ही बता चुका हूँ। यथा - **सूर्योदय कालस्यारम्भात् जातकस्य जन्मकालावधि तयोरेव 'अन्तरकाल:' इष्टकालो भवतीति।**

इष्टकाल = जन्म स्टै. समय – सूर्योदय स्टै. समय

गतिगुणक = अभीष्ट स्टै. समय – पञ्चाङ्गस्थ स्टै. सूर्योदय

इष्टकालीन स्पष्टग्रह = (ग्रहगति x गतिगुणक) + क्षेपक ८६४०० + पञ्चाङ्गस्थ स्पष्टग्रह

जब किसी स्थल के अभीष्ट स्टै. समय के ग्रहस्पष्ट ज्ञात करने हों तो अधो लिखित तीन ही स्थितियाँ हो सकती है।

(१) अभीष्ट स्टै. समय ज्यादा हो और पञ्चाङ्गस्थ स्टै. सूर्योदय कम हो
(२) अभीष्ट स्टै.समय अभीष्टस्थलीय सूर्योदय से पहिले का हो और पञ्चाङ्गस्थ स्टै.सूर्योदय कम हो
(३) अभीष्ट स्टै. समय कम हो और पञ्चाङ्गस्थ स्टै. सूर्योदय ज्यादा हो

(१) जहाँ ग्रहस्पष्ट ज्ञात करने वाला अभीष्ट स्टै.समय ज्यादा हो और पञ्चाङ्गस्थ स्टै.सूर्योदय कम हो उस स्थिति में उस अभीष्ट स्टै. समय में से पञ्चाङ्गस्थ स्टै. सूर्योदय को घटाने से जो संख्या प्राप्त होगी उसे **गतिगुणक** कहते है। जैसे भारत के किसी शहर में स्टै.रात्री २६।१० बजे एक बच्चे का जन्म हुआ है उसके लिए ग्रहस्पष्ट करने है। यहाँ स्टै. रात्री २६।१० बजे में से पञ्चाङ्ग के ग्रहस्पष्ट में स्टै. सूर्योदय प्रातः ६।३७ बजे है उसे घटाने से १९।३३ गतिगुणक हो गया।

(२) जहाँ ग्रहस्पष्ट ज्ञात करने वाला अभीष्ट स्टै.समय अभीष्टस्थलीय सूर्योदय से पहिले का हो और पञ्चाङ्गस्थ स्टै.सूर्योदय कम हो उस स्थिति में अभीष्ट स्टै. समय में से २४ घंटे घटाकर अगले दिन का पञ्चाङ्गस्थ स्टै.सूर्योदय और ग्रहस्पष्ट काम में लें। उस अभीष्ट स्टै. समय में से पञ्चाङ्गस्थ स्टै. सूर्योदय को घटाने से जो संख्या प्राप्त होगी उसे **गतिगुणक** कहते है। जैसे तारीख ४ अप्रेल २०११ को मुम्बई (महा.) का स्टै. सूर्योदय ६।३४ बजे है और ग्रहस्पष्ट स्टैण्डर्ड ३०।२८ बजे के लिए ज्ञात करना है। पञ्चाङ्गस्थ ग्रहस्पष्ट में ४ अप्रेल २०११ को सूर्योदय स्टै. ६।२२ बजे है और ५ अप्रेल २०११ को सूर्योदय स्टै. ६।२१ बजे है अतः इसी दिन की क्रिया से ग्रहगणित में लाघव होगा। यहाँ गणित के लिए अभीष्ट स्टै. ३०।२८ बजे में २४ घंटे घटाकर शेष ६।२८ में पञ्चाङ्गस्थ स्टै. सूर्योदय ६।२१ को घटाया तो घंटा-मिनटादि + ०।०७ गतिगुणक प्राप्त हुआ।

(३) जहाँ ग्रहस्पष्ट ज्ञात करने वाला अभीष्ट स्टै. समय कम हो और पञ्चाङ्गस्थ स्टै. सूर्योदय ज्यादा हो उस स्थिति में पञ्चाङ्गस्थ स्टै. सूर्योदय में अभीष्ट स्टै. समय को घटाने से जो संख्या प्राप्त होगी वह ऋणात्मक **गतिगुणक** होता है। जैसे तारीख १० अप्रेल २००५ को कोलकाता (बंगा.) का स्टै. सूर्योदय ५।२४ बजे है और ग्रहस्पष्ट स्टैण्डर्ड ५।४५ बजे के लिए ज्ञात करना है। पञ्चाङ्गस्थ ग्रहस्पष्ट में १० अप्रेल २००५ को सूर्योदय स्टै. ६।१५ बजे है। ऐसी स्थिति में पञ्चाङ्गस्थ स्टै. सूर्योदय ६।१५ में अभीष्ट स्टै. समय ५।४५ घटाने से - ०।३० **ऋणात्मक गतिगुणक** हो गया।

कभी संयोग से अभीष्ट स्थलीय स्टै. सूर्योदय और पञ्चाङ्गस्थ स्टै. सूर्योदय दौनों समान हों तो अभीष्ट स्थलीय इष्टकाल ही **गतिगुणक** होता है। और कभी ग्रहस्पष्ट ज्ञात करने वाला अभीष्ट स्टै. समय और पञ्चाङ्गस्थ स्टै. सूर्योदय दौनों समान हों तो पञ्चाङ्गस्थ स्पष्टग्रह ही तत्कालीन स्पष्टग्रह समझना चाहिए।

गणितागत गतिगुणक के घंटा-मिनट को मिनटात्मक बनावें और जिस ग्रह को स्पष्ट करना हो उस ग्रह की गति को **ग्रहगति** कहते है। उस ग्रहगति के कला-विकला को विकलात्मक (घंटे को ६० से गुणा कर मिनट जोडने से मिनटात्मक गतिगुणक होता है और कला को ६० से गुणा कर विकला जोडने से विकलात्मक ग्रहगति होती है) बनावें।

विकलात्मक ग्रहगति को मिनटात्मक गतिगुणक से गुणा करके गुणनफल में क्षेपक ८६४०० का भाग देने से भागफल कलात्मक प्राप्त होगा यदि शेष हो तो शेष को ६० से गुणा कर पुनः क्षेपक का भाग देने से भागफल विकलात्मक प्राप्त होगा। इस कला-विकलात्मक भागफल को पञ्चाङ्गस्थ स्पष्टग्रह के राशि, अंश, कला, विकला में जोड दें और ग्रहगति यदि वक्री हो तो घटा दें।

यहाँ ध्यान रखने योग्य बात यह है कि गतिगुणक यदि ऋणात्मक है तो संस्कार विपरीत होंगें यानि कि भागफल को पञ्चाङ्गस्थ स्पष्टग्रह के राशि, अंश, कला, विकला में घटा दें और ग्रहगति यदि वक्री हो तो जोड दें। यह अभीष्टस्थल का इष्टकालीन स्पष्टग्रह हो गया। स्पष्टता के लिए यहाँ एक उदाहरण भी दिया है। **नोट-** पञ्चाङ्ग में स्पष्टग्रहों के साथ जो ग्रहगति दी है वो सूर्योदय से अगले दिन के सूर्योदय की है और उपर जो क्षेपक दिया है वो मध्यममान से २४ घंटे (६० घटी) का है अतः गणितागत इष्टकालीन स्पष्टग्रह में कहीं कहीं सूक्ष्म न्यूनाधिक अंतर आ सकता है।

गणितकर्ता - पं. ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री)

॥ स्टैण्डर्ड(रेल्वे) जन्मसमय से 'इष्टकाल' साधन विधि ॥

जन्म पत्रिका बनाने के लिए इष्टकाल का महत्वपूर्ण स्थान है। जिसका गणित द्वारा साधन पचांग अथवा अन्य ग्रंथो में जल्दी उपलब्ध नही होता है और जहाँ कहीं उपलब्ध होता भी है तो श्रमसाध्य होता है। अत: जनसाधारण हितार्थ सरल विधि से भारत के किसी भी स्थल के लिए "इष्टकाल" साधन यहाँ प्रस्तुत है। "इष्टकाल:" **- सूर्योदय कालस्यारम्भात् जातकस्य जन्मकालावधि तयोरेव 'अन्तस्काल:' इष्टकालो भवतीति** स च गणितेन साध्य: तद्यथा :- जन्मपत्रिका बनाने के लिए किसी भी नगर के अभीष्ट दिन का इष्टकाल निकालना हो उस स्थान और उस दिन का स्टैण्डर्ड सूर्योदय (पञ्चाङ्ग में अन्यत्र पृष्ठ पर विधि है) ज्ञात करें। जिस जातक के अभीष्ट जन्म समय का इष्टकाल निकालना हो उस अभीष्ट (स्टैं.) जन्म समय में से (स्टैं.) सूर्योदय घटाने पर शेष घंटा-मिनटात्मक इष्टकाल होगा, इसको ढाई (२॥) से गुणा करने पर घटी पलात्मक इष्टकाल स्पष्ट होगा। हाँ इतना ध्यान अवश्य देना है कि जन्मसमय मध्यान्ह १।०० बजे से रात्री ११ बजकर ५९ मिनट तक हो तो १२।०० घंटा और रात्री १।०० बजे से सूर्योदय के पूर्व तक २४।०० घंटा जोडकर (उदाहरणों में इस संख्या को 'क्षेपक' नाम दिया है) सूर्योदय घटाने से स्पष्ट **"इष्टकाल"** ज्ञात होगा। स्पष्टता के लिए न्यास १ में पृथक-पृथक चार उदाहरण **(उसी शहर की मिति के साथ)** दिये है। जिनका उपयोग 'भयात भभोग साधन विधि' में किया है।

उदाहरण - १. तारीख २६ अप्रैल २०२५, **वैशाख कृष्णपक्ष १४ शनिवार** संवत् २०८२ को कोलकाता (बंगा.) में **प्रात: के (स्टैं.) ५ बजकर ४८ मिनट। उदाहरण - २.** इसी मिति में रात्री (स्टैं.) **७ बजकर १८ मिनट। उदाहरण - ३.** तारीख १२ मई २०२५, **वैशाख शुक्लपक्ष १५ सोमवार** संवत् २०८२ **को कोलकाता (बंगा.)** में प्रात: के (स्टैं.) **५ बजकर ३७ मिनट। उदाहरण - ४.** इसी मिति में उत्तररात्री (स्टैं.) **१ बजकर ५२ मिनट** पर कोलकाता (बंगा.) में पृथक-पृथक बच्चो का जन्म हुआ है। इनका इष्टकाल ज्ञात करना है और भयात भभोग साधन भी स्टैण्डर्ड समय तथा घटात्मक क्रिया से ज्ञात करना है।

कोलकाता (बंगा.) के लिए ॥ इष्टकाल साधन ॥ न्यास १

उदाहरण →	१	२	३	४
जन्म तारीख	२६ अप्रै.	२६ अप्रै.	१२ मई	१२ मई
सन २०२५	प्रात: के	रात्री	प्रात: के	उत्तररात्री
जन्मसमय	५।४८	७।१८	५।३७	१।५२
+ क्षेपक	+ ००।००	+ १२।००	+ ००।००	+ २४।००
स्टैं. जन्मसमय	५।४८	१९।१८	५।३७	२५।५२
- स्टैं. सूर्योदय	- ५।११	- ५।११	- ५।०१	- ५।०१
इष्टकाल घं. मि.	०।३७	१४।०७	०।३६	२०।५१
ढाई से गुणा	x २॥	x २॥	x २॥	x २॥
इष्टकाल घ. प.	१।३२।३०	३५।१७।३०	१।३०।००	५२।०७।३०

संवत् २०८२. ॥ भयात भभोग साधन विधि ॥

भयात भभोगयोर्लक्षणम् - भस्य (जन्मकालिक चांद्र नक्षत्रस्य) यातं (गत भाग:) भयातम्, भस्य भोगो भभोग: ... व्युत्पत्या जन्मनक्षत्रस्यारंभात जातकस्य जन्मकालावधि तस्यैव व्यतीत भागो भयातमेव वारम्भकालात्समाप्तिपर्यन्त ... संपूर्णमानं भभोग इति। तावेव तयोरानयन स्फुटीभवति यदाधारके पद्ये च तत्तदवसरगतो यथा :-

गतर्क्षनाडी खरसेषु शुद्धा सूर्योदयादिष्टघटीषु युक्ता। भयातसंज्ञा भवतीह तस्य निजर्क्षनाडीसहिता भभोग: ॥ नक्षत्रमानादधिकं यदीष्टं तच्चेष्ट मानात्पतितं भयातम्। नक्षत्रमानं किल षष्टिशुद्धमीष्टर्क्षमानै: सहितं भभोग: ॥

किञ्च कुत्रचिदेकस्मिन्नेव दिने नक्षत्रत्रयस्य संपर्कस्तथैकस्यैव नक्षत्रस्य दिनत्रये ऽ वस्थितिर्भवति तस्यां स्थितौ ... पद्योक्त युक्त्या भयातभभोगानयने यथाकथञ्चिद्वैषम्यमापततीति स्फुटार्थं तेषां पृथक् पृथक् उदाहरणस्वरुपारव्याप्तं ... जन्म नक्षत्र के प्रारंभ से जातक के जन्म समय तक नक्षत्र के व्यतीत भाग को भयात कहते है। जन्म नक्षत्र के ... समाप्ति पर्यंत संपूर्ण मान को भभोग कहते है। श्लोकार्थ - पंचांग में गत नक्षत्र की घटी पल जो लिखा है, उसको ... घटा कर जो शेष बचे उसमें इष्ट घटी पल जोड देने से भयात होता है और उसी शेष में इष्ट कालिक नक्षत्र की घटी ... जोड देने से भभोग होता है। यदि जन्म दिन के नक्षत्रमान से इष्टकाल अधिक हो तो इष्टकाल में नक्षत्रमान घटा देने से ... होता है। इष्टकालिक नक्षत्र के घटी पलों को ६० में घटाकर जो शेष बचे उसको अगले (पर) दिन के नक्षत्रमान में ... देने से भभोग होता है। उपर लिखे पद्य में नक्षत्र की दो स्थिति बताई है लेकिन जहाँ एक ही दिन में तीन नक्षत्रों का ... होता है या एक ही नक्षत्र का तीन दिन स्पर्श होता है उस स्थिति में जन साधारण को विषमता उत्पन्न हो जाती है इसलिए ... यहाँ नक्षत्र की चारो स्थितियों के अलग अलग चार उदाहरण दिये है।

उदा. - १: नक्षत्र का क्षय (ह्रास) होता है तो एक ही दिन में तीन नक्षत्रों का संपर्क होता है यहाँ नक्षत्रमान ज्यादा है ... इष्टकाल कम है। **उदा. - २:** उसी दिन इष्टकाल से एक नक्षत्रमान कम है और दूसरा नक्षत्रमान ज्यादा है। **उदा. - ३:** नक्षत्र की वृद्धि होती है तो एक ही नक्षत्र तीन दिन स्पर्श करता है यहाँ नक्षत्रमान ज्यादा है और इष्टकाल कम है। **उदा. - ४:** नक्षत्रमान कम है और इष्टकाल ज्यादा है। जो कि घटी पल और स्टण्डर्ड काल (घंटा मिनट) दोनों ही प्रकार ... दर्शाया है ताकि भारत के किसी भी स्थल का इष्टकाल और भयात भभोग साधन सुगमता पूर्वक कर सकें। पंचांगस्थ स्टैण्डर्ड ... काल से गणित करने की क्रिया का अंतर इतना ही है कि ऊपर लिखे घटी ६० के स्थान पर घंटा २४ + सूर्योदय की ... काम में ले और नक्षत्र की घटी पल के स्थान पर स्थानिक घंटा मिनट काम में लें। जहाँ इष्टकाल ज्यादा है और नक्षत्र ... कम है वहाँ स्टैं. जन्म समय में से स्टैं. नक्षत्रमान घटाने से घंटा मिनटात्मक भयात होता है। शेष क्रिया पूर्ववत् है।

पंचांगस्थ नक्षत्रों के स्टैण्डर्ड समय को कोलकाता (बंगा.) के लिए परिणत विधि ॥ न्यास ...

उदाहरण→	१		२		३		४	
सन २०२५	२६ अप्रै.		२६ अप्रै.		१२ मई		१२ मई	
तारीख	२५ अप्रै.	२६ अप्रै.	२६ अप्रै.	२६ अप्रै.	१० मई	१२ मई	१२ मई	१३ म...
नक्षत्र	पूषा	उषा	रेव	रेव	चित्रा	स्वा	स्वा	विशा
	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.
स्टैं. समय	८।५१	६।२६	२७।३८	२७।३८	२७।१४	६।१४	६।१४	१।०...
- सूर्योदय	- ५।१२	- ५।११	-उषा ६।२६	- ५।११	- ५।०२	- ५।०१	- ५।०१	- ५।०१
स्थानिककाल	३।३९	१।१५	२१।१२	२२।२७	२२।१२	१।१३	१।१३	४।०...
ढाई से गुणा	x २॥	x २॥	x २॥	x २॥	x २॥	x २॥	x २॥	x २॥
स्था. घटीपल	९।०७।३०	३।०७।३०	५३।००।००	५६।०७।३०	५५।३०।००	३।०२।३०	३।०२।३०	१०।०...

स्पष्टता के लिए उदाहरण देखिये । उदा. (न्यास २.) में पंचांगस्थ नक्षत्रों के स्टै. समय में से सूर्योदय घटाकर स्थानिक घंटा मिनट बनाये हैं और २।। से गुणा करके स्थानिक घटी पल किये हैं, 'पंचांग देखने की विधि' के पृष्ठ पर स्टैण्डर्ड समय से स्थानिक समय बनाने की क्रिया में प्रस्तुत चारों उदाहरणों का गणित दर्शाया है । जिस अभीष्ट स्थल का बनाना हो उसी स्थल का सूर्योदय घटाना चाहिए । **नक्षत्र चरण:** भयात भभोग ज्ञात करने के बाद नक्षत्र चरण ज्ञात करना है । भभोग की संख्या में चार का भाग देने से भागफल में चतुर्थांश आता है । भभोग के चतुर्थांश की संख्या के मान तक नक्षत्र का प्रथम चरण । चतुर्थांश को दुगुना करने पर द्वितीय चरण का मान, तिगुना करने पर तीसरे चरण

उदाहरण १: जन्म तारीख २६ अप्रैल २०२५, जन्मसमय प्रात: के (स्टै.) ५।४८
श्रीसूर्योदयादिष्टकाल: - घंटा ० मिनट ३७ घटी १ पल ३२ विप. ३०

	भयात घंटा मि.	भभोग घंटा मि.	भयात घ. प. वि.	भभोग घ. प. वि.
२५ अप्रै. का गत (घंटा २४ + सूर्योदय)	२९।१२		६०।००।००	
पूभा समाप्तिकाल	- ८।५१		- ९।०७।३०	
उभा गतकाल	२०।२१	गत २०।२१	५०।५२।३०	गत ५०।५२।३०
घंटा मिनटात्मक इष्टकाल	+ ०।३७	वर्त.+ ९।१५	+ १।३२।३०	वर्त. + ३।०७।३०
घंटामिनटात्मक भयात-भभोग	२०।५८।००	२९।३६।००		
ढाई से गुणा	X २।।	X २।।		
घट्यात्मक भयात-भभोग	५२।२५।००	५४।००।००	५२।२५।००	५४।००।००
तुलनात्मक उभा के	भयात	भभोग	भयात	भभोग

भभोग का ही चौथा हिस्सा नक्षत्र का चरण होता है । इससे यह सिद्ध हुआ कि उत्तराभाद्रपद के चतुर्थ चरण में जन्म हुआ । चतुर्थ हिस्सा = घंटा ५ मिनट २४ से. ००, घटी १३ पल ३० विप. ००

उदाहरण २: जन्म तारीख २६ अप्रैल २०२५, जन्मसमय रात्री (स्टै.) ११।१८
श्रीसूर्योदयादिष्टकाल: - घंटा १४ मिनट ०७ घटी ३५ पल १७ विप. ३०

	भयात घंटा मि.	भभोग घंटा मि.	भयात घ. प. वि.	भभोग घ. प. वि.
स्टै.जन्मसमय	११।१८	२७।३८	३५।१७।३०	५६।०७।३०
उभा समाप्तिकाल	- ६।२६	- ६।२६	- ३।०७।३०	- ३।०७।३०
घंटामिनटात्मक भयात-भभोग	१२।५२	२१।१२	३२।१०।००	५३।००।००
ढाई से गुणा	X २।।	X २।।		
घट्यात्मक भयात-भभोग	३२।१०।००	५३।००।००	३२।१०।००	५३।००।००
तुलनात्मक रेव के	भयात	भभोग	भयात	भभोग

यहाँ रेवती नक्षत्र का घट्यात्मक भयात ३२।१०।०० है और भभोग ५३।००।०० इसका चौथा हिस्सा घटी १३ पल १५ विप. ०० है । दुगना करने पर घटी २६ पल ३० विप. ०० तक द्वितीय चरण का मान हुआ । तिगुना करने पर भयात की संख्या से अधिक हो जायेगी अत: स्पष्ट हो गया कि जातक का जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ है ॥ अलम् ॥

का मान और उसी चौथे हिस्से को चौगुना करने पर चतुर्थ चरण का मान होता है । भयात की संख्या जिस नक्षत्र चरण के मान में आवे वही नक्षत्र चरण कहलाता है । उदाहरणों में किस दिन का गणित किया है इसकी स्पष्टता के लिए: - जन्मदिन से पूर्व दिन को **'गत'** नाम दिया है, जन्मदिन के गणित को **'वर्त.'** जन्मदिन से अगले (पर) दिन को **'भोग्य'** नाम दिया है । यद्यपि सविस्तार लिखने का प्रयास किया है तथापि गुरु के बिना यथावत् ज्ञान नहीं होता है । अत: किसी विज्ञज्योतिषी के समक्ष क्रियान्वित करें ।

गणितकर्ता - पं. ग्यारसीलाल शर्मा

सूचना- यहाँ दिये हुए चारों उदाहरण, न्यास १ और न्यास २ के अनुसार कोलकाता(बंगा.) के हैं ।

उदाहरण ३: जन्म तारीख १२ मई २०२५, जन्मसमय प्रात: के (स्टै.) ५।३७
श्रीसूर्योदयादिष्टकाल: - घंटा ० मिनट ३८ घटी १ पल ३० विप. ००

	भयात घंटा मि.	भभोग घंटा मि.	भयात घ. प. वि.	भभोग घ. प. वि.
१० मई का गत (घंटा २४ + सूर्योदय)	२९।०२		६०।००।००	
चित्रा समाप्तिकाल	- २७।१४		- ५५।३०।००	
स्वा गतकाल	१।४८	गत १।४८	४।३०।००	गत ४।३०।००
११ मई दिनरात का	२४।००	गत + २४।००	६०।००।००	गत + ६०।००।००
घंटा मिनटात्मक इष्टकाल	+ ०।३६	वर्त.+ १।१३	+ १।३०।००	वर्त. + ३।०२।३०
घंटामिनटात्मक भयात-भभोग	२६।२४	२७।०१		
ढाई से गुणा	X २।।	X २।।		
घट्यात्मक भयात-भभोग	६६।००	६७।३२	६६।००	६७।३२
तुलनात्मक स्वा के	भयात	भभोग	भयात	भभोग

भभोग का ही चौथा हिस्सा नक्षत्र का चरण होता है । इससे यह सिद्ध हुआ कि स्वाति के चतुर्थ चरण में जन्म हुआ । चतुर्थ हिस्सा = घंटा ६ मिनट ४५ से. १५, घटी १६ पल ५३ विप. ०७

उदाहरण ४: जन्म तारीख १२ मई २०२५, जन्मसमय उत्तररात्री (स्टै.) २५।५२
श्रीसूर्योदयादिष्टकाल: - घंटा २० मिनट ५१ घटी ५२ पल ०७ विप. ३०

	भयात घंटा मि.	भभोग घंटा मि.	भयात घ. प. वि.	भभोग घ. प. वि.
१२ मई का गत स्टै.जन्मसमय	२५।५२	(सूर्योदय + २४) २९।०१	५२।०७।३०	६०।००।००
स्वा समाप्तिकाल	- ६।१४	- ६।१४	- ३।०२।३०	- ३।०२।३०
विशा का भयात	१९।३८	गत २२।४७	४९।०५।००	गत ५६।५७।३०
१३ मईका भोग्यकाल		भोग्य + ४।०३		भोग्य + १०।०७।३०
घंटामिनटात्मक भभोग		२६।५०		६७।०५।००
ढाई से गुणा	X २।।	X २।।		
घट्यात्मक भयात-भभोग	४९।०५।००	६७।०५।००	४९।०५।००	६७।०५।००
तुलनात्मक विशा के	भयात	भभोग	भयात	भभोग

भभोगस्यैव चतुर्थांशो नक्षत्रस्य चरणरूप: एतेन विशाख्या नक्षत्रस्य तृतीय चरणे जन्मेत्यपि ज्ञायते । तृतीयांश: = घंटा ६ मिनट ४२ से. ३०, घटी १६ पल ४६ विप. १५

लग्न सारणी का उपयोग

प्रस्तुत लग्नसारणीचक्र आपके सुझावों पर पं. श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्ग के १४ पृष्ठों में २८ लग्नसारणी मौक्तिकाक्षरों में मुद्रित हैं जो अपने आप में सूक्ष्मता और स्पष्टता समेटे हुए हैं। अयनांशः २४, अक्षांशः ८।३० से ३५।३० तक हैं। प्रत्येक लग्नसारणी १ अक्षांश के अंतर से अं. व्यंगु, पलभा, चरखण्डा और स्वदेशोदय पलों के साथ दी गई हैं। जो लग्नसारणी जिस अक्षांश के लिए उपयोगी है उस अक्षांश का उल्लेख किया है और कुछ नगरों के नाम लिखा भी दिये हैं। जैसे - कोलकाता (बंगा.) के लिए कौन सी लग्नसारणी काम में ले ! कोलकाता (बंगा.) के अक्षांशः २२°३४' उ., होने से अक्षांशः २२।३० की लग्नसारणी काम में ले, वहीं लिखा भी है - (उत्तर अक्षांशः २२ से २३ तक वाले सभी) नगरों के लिए। इसी तरह भारत के किसी भी स्थल का और किसी भी तरह की जन्मपत्रिका का लग्न स्पष्ट ज्ञात कर सकते हैं। यदि आपका अपेक्षित सहयोग रहा तो पं. **श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्ग के बढ़ते कदम** उत्तरोत्तर अबाध गति से बढ़ते ही रहेंगे। ज्योतिर्गणित का ज्ञान रुपी दीपक कभी टिमटिमायेगा नहीं।

जन्मपत्रिका के लिए लग्न स्पष्ट (जन्मांगम्) ज्ञात करने की विधि -

सूर्य स्पष्ट को तत्कार्क, स्पष्टार्क, रविस्पष्ट भी कहते हैं। पञ्चाङ्ग में दिये हुए सूर्य स्पष्ट (राशि अंश कला विकला) की सहायता से अभीष्ट स्थलीय अक्षांश वाली लग्नसारणी से अंक प्राप्त करें। अंक प्राप्त करने की विधि - स्पष्ट सूर्य की जो राशि हो लग्नसारणी में उस राशि के सामने वाली पंक्ति और स्पष्ट सूर्य के जो अंश हो, लग्नसारणी में उन्हीं अंशों के नीचे के अंक प्राप्त करें (सूक्ष्मता के लिए प्राप्तांक और अगले अंश की संख्या इन दोनों के अंतर का अनुपात से स्पष्ट सूर्य के कला/विकला जितना हो प्राप्त कर पहिले प्राप्तांक वाली संख्या में जोड़ देना चाहिए.) ये प्राप्त अंक घट्यात्मक इष्टकाल में जोड़ कर फिर उसी लग्नसारणी में वो अंक खोजें, जिस राशि के सामने मिले वही लग्न की राशि होगी जिस अंश के नीचे मिले वही उस लग्न के अंश होंगें। यदि इष्टकाल जोड़ी हुई संख्या और लग्नसारणी के अंक समान न हों और संख्या दो अंशों के बीच में हो या कम ज्यादा हो तो इष्टकाल जोड़ी हुई संख्या के नजदीक जो अंक हो उन्ही के राशि अंश लेने चाहिये। यह सूक्ष्मासन्न लग्न स्पष्ट होगा, सूक्ष्मता के लिए अभीष्ट स्थल का इष्टकालीन स्पष्ट सूर्य लेना चाहिए, इसे इष्टाऽर्कः भी कहते हैं। ध्यान रहे कि ज्योतिष गणित में ग्रहस्पष्ट, लग्नस्पष्ट, तन्वादि द्वादशभावस्पष्ट आदि में राशि के अंकों को इस तरह लिखते हैं- मेष को ०, वृष को १, मिथुन को २, कर्क को ३, सिंह को ४ इत्यादि।

लग्न स्पष्ट उदाहरण १, संवत् २०८२

उदाहरण - संवत् २०८२, तारीख २६ अप्रैल २०२५, **शनिवार को कोलकाता** (बंगा.) **अक्षांशः** २२°३४' उ., रेखांशः ८८°२८' पू. में स्टै. ५।४८ **बजे किसी बच्चे का जन्म हुआ इसका इष्टकाल और** जन्म कालीन लग्न स्पष्ट गणित द्वारा ज्ञात करना है। २६ अप्रैल २०२५ को **पञ्चाङ्गस्थ** रवि क्रान्ति अंश-कलादि (धन) +१३।३२ **है यहाँ अक्षांश और रवि क्रान्ति दोनों को उपकरण मानकर इनकी सहायता से चरपल संस्कार सारणी से अनुपात सहित पलादि प्राप्त करें। यह ध्यान रहे कि जितने उपकरण होते हैं अनुपात भी उतने ही करने चाहिए, अन्यथा गणित स्थूल होगा। यहाँ उदाहरण में भी गणित की सूक्ष्मता के लिए अनुपात की चरपलों को विपल तक लिया है फिर भी अर्धादिक करते समय कहीं एक-आध पल-विपल का अंतर हो भी जाये तो विचार नहीं करना।**

अनुपात विधि - किसी दो संख्या के बीच का फल त्रैराशिक क्रिया से प्राप्त हो उसे अनुपात कहते हैं। किसी दो संख्या के बीच की संख्या (मान) को अंतरसंख्या कहते हैं और जिस संख्या का अनुपात से मान निकालना हो उसे अभीष्ट संख्या कहते हैं। अंतरसंख्या में ६० का भाग (... को ६० से गुणा कर, यदि विपल हो तो जोड़ दें) देकर अभीष्ट संख्या से गुणा करने ... विपलात्मक स्पष्ट अनुपात होगा (यदि ६० से अधिक हो तो ६० का भाग देकर पल-विपल बना ...) । इस अनुपात की संख्या को पूर्णांक की संख्या पलादि में जोड़ने से अनुपात सहित फल होगा।

अनुपात सूत्र = अंतरसंख्या ÷ ६० x अभीष्ट संख्या

विशेष- यद्यपि अंतरसंख्या को अभीष्ट संख्या से गुणा करके ६० का भाग देने पर भी वही संख्या (अंतरसंख्या x अभीष्ट संख्या ÷ ६०) आती है जो कि उपर के सूत्र में बताई है इस क्रिया ... संख्या (पल-विपलादि) को पहचानने में ध्यान रखना होगा, इसके लिए गोमुत्रिका क्रम ...

जैसे - चरपल संस्कार सारणी पृष्ठ में उपर के भाग में जहाँ तीर के चिन्ह सहित अक्षांशः लिखा हुआ है वे ८ से ३६ तक अक्षांश हैं और पृष्ठ में बांई तरफ उपर से नीचे जहाँ तीर के चिन्ह सहित क्रान्त्यंशः लिखा हुआ है वे १ से ३० तक क्रांति के अंश हैं, इन्ही (अक्षांश और क्रांति अंश) को उपकरण कहते हैं।

चरपल संस्कार सारणी के पृष्ठ में अक्षांश २२ के नीचे और क्रांति के अंश १३ के सामने की पंक्ति में ५४ पल लिखा है, (इन दोनों पूर्ण संख्याओं का फल प्राप्त हो गया, लेकिन अक्षांश के ... कला ३४ और क्रांति के कला ३२ का फल अनुपात से लेना होगा) यहाँ अक्षांश कला का गणित पहले करते हैं: - सारणी की इसी पंक्ति में अक्षांश २३ के नीचे ५६ पल हैं दोनों का अंतर २ पल (२ = ५६ – ५४) है। यदि १ अंश (अर्थात् ६० कला) में २ पल का अंतर है तो ३४ कला = क्या ? सूत्र (१।०८ = (२ ÷ ६०) x ३४) ३४ कला का फल १।०८ पल-विपल प्राप्त हुआ।

क्रांति कला ३२ का फल- अक्षांश २२ के नीचे और क्रांति अंश १४ के सामने की पंक्ति में (अर्थात् ५४ पल के नीचे) ५८ पल है दोनों का अंतर ४ पल (४ = ५८ – ५४) है। यहाँ भी उपर लिखे सूत्रानुसार है, यदि १ अंश (अर्थात् ६० कला) में ४ पल का अंतर है तो ३२ कला में क्या ? सूत्र (२।०८ = (४ ÷ ६०) x ३२) ३२ कला का फल २।०८ पल-विपल प्राप्त हुआ। अब इन तीन (१ अखण्ड फल और २ खण्ड फलों) को जोड़ दिया, अक्षांश २२ और क्रांति के अंश १३ के ५४ पल, ३४ अक्षांशकला की १।०८ पलादि, ३२ क्रांतिकला की २।०८ पलादि, (५७।१६ = ५४ + १।०८ + २।०८) यह अनुपात सहित कुल संख्या पलादि ५७।१६ प्राप्त हुई। सरलता के लिए पूर्ण चरपलों से यह गणित दर्शाया है। यदि चर की पल-विपल लेकर गणित करेंगें तो सूक्ष्म पलादि ५७।०० प्राप्त होंगे, लेकिन इसमें परिश्रम अधिक है जब कि दोनों संख्याओं का अंतर १ पल, ... विपल से अधिक नहीं होगा।

पल-विपल ५७।०० को २ से गुणा किया (११४।०० = ५७।०० x २) तो पलादि ११४।०० हुए पल ६० से ज्यादा है अतः ६० का भाग दिया तो घट्यादि + १।५४।०० हुआ यहाँ रवि क्रान्ति उत्तर है अतः घटी ३० में जोड़ दिया (३०।००।०० + १।५४।००) तो घट्यात्मक ३१।५४।०० दिनमान हुआ। इसमें ५ का भाग दिया लब्धि घंटादि ६ घंटा २२ मिनट ४८ से. देशी सूर्यास्त टाइम हुई इसको १२ में से घटा दिया तो ५ घंटा ३७ मिनट १२ से. देशी सूर्योदय समय हो गया इसमें रेल्वेऽन्तर संस्कार के लिए -

कोलकाता (बंगा.) का रेखांश ८२।३० से ज्यादा है अतः ((८८।२८ - ८२।३०) x ४) रेल्वे मध्यान्तर मिनट (धन) +२३ सेकण्ड ५२ को व्यस्तचिन्ह (ऋण हो तो धन और धन हो तो ऋण) करके सूर्योदय/सूर्यास्त में से घटा दिया तो ५।१३।२० सूर्योदय और ५।५८।५६ सूर्यास्त कोलकाता (बंगा.) का मध्यम मान से हुआ। इसमें तारीख २६ अप्रैल २०२५ की वेलान्तर मिनट - २ सेकण्ड ०७ को धनर्ण करने से स्टैण्डर्ड (रेल्वे) ५।११।१३ सूर्योदय और ५।५६।४९ सूर्यास्त (अर्धादिक रूप ...

से सूर्योदय ५ बजकर ११ मिनट और सूर्यास्त ५ बजकर ५३ मिनट) समय स्पष्ट हो गया।

रामगढ (शेखा.) पञ्चाङ्गस्थ ग्रहस्पष्ट में स्पष्ट सूर्य राश्यादि ०।११।५१।२७ है.
कोलकाता (बंगा.) अक्षांशः २२° ३४' उ., के लिए अक्षांश २२।३० की लग्नसारणी का उपयोग-
कोलकाता (बंगा.) का इष्टकालीन स्पष्ट सूर्य राश्यादि ०।११।५१।०१

स्टै. जन्मसमय	५।४८
स्टै. सूर्योदय	− ५।११
इष्टकाल (घंटामिनटात्मक)	०।३७
	X २।३०
इष्टकाल (घटी-पल-विपल)	१।३२।३०

इष्टकालीन स्पष्ट सूर्य राश्यादि ०।११।५१।०१ है, लग्नसारणी में राशि ० (मेष) के सामने और अंश ११ के नीचे अंक ४।३३ प्राप्त हुए. सूर्य कलादि ५१। १ के अंक का अनुपात से ८ पल प्राप्त होंगे. विधि - (४।४२ − ४।३३ ÷ ६० X ५१। १ + ४।३३) + ४।४१ अनुपात सहित

लग्नसारणी में खोजने वाले अंक (अर्थादिक रुप से घटी-पल) ६।१३

लग्नसारणी में राशि ० मेष के सामने और अंश २२ के नीचे ६।६ है,
लग्नसारणी में राशि ० मेष के सामने और अंश २३ के नीचे ६।१५ है
यहाँ ६।१३ की नजदीकी संख्या ६।१५ है
अतः लग्नस्पष्ट (जन्मांगम्) राश्यादि ०।२३।८।१३ (अर्थात् मेष लग्न) हुआ।

इसी प्रकार भारत के किसी भी गांव या शहर का लग्नस्पष्ट ज्ञात कर सकते है।

लग्न स्पष्ट उदाहरण २, संवत् २०८२

उदाहरण - संवत् २०८२, तारीख १२ मई २०२५, सोमवार को कोलकाता (बंगा.) अक्षांशः २२° ३४' उ., रेखांशः ८८° २८' पू. मे स्टै. २५।५२ बजे किसी बच्चे का जन्म हुआ इसका इष्टकाल और जन्म कालीन लग्न स्पष्ट गणित द्वारा ज्ञात करना है। १२ मई २०२५ को पञ्चाङ्गस्थ रवि क्रान्ति अंश-कलादि (धन) +१८।०९ है यहाँ अक्षांश और रवि क्रान्ति दोनों को उपकरण मानकर इनकी सहायता से चरपल संस्कार सारणी से अनुपात सहित पलादि प्राप्त करें।

चरपल संस्कार सारणी के पृष्ठ मे अक्षांश २२ के नीचे और क्रांति के अंश १८ के सामने की पंक्ति मे ७५ पल लिखा है, (इन दोनों पूर्ण संख्याओं का फल प्राप्त हो गया. लेकिन अक्षांश के शेष कला ३४ और क्रांति के कला ९ का फल अनुपात से लेना होगा) यहाँ अक्षांश कला का गणित पहले करते है: - सारणी की इसी पंक्ति मे अक्षांश २३ के नीचे ७९ पल है दोनों का अंतर ४ पल (४ = ७९ − ७५) है। यदि १ अंश (अर्थात् ६० कला) मे ४ पल का अंतर है तो ३४ कला में क्या ? सूत्र (२।१६ = (४ ÷ ६०) X ३४) ३४ कला का फल २।१६ पल-विपल प्राप्त हुआ।

क्रांति कला ९ का फल- अक्षांश २२ के नीचे और क्रांति अंश १९ के सामने की पंक्ति में (अर्थात् ७५ पल के नीचे) ८० पल है दोनों का अंतर ५ पल (५ = ८० − ७५) है। यहाँ भी उपर लिखे सूत्रानुसार है, यदि १ अंश (अर्थात् ६० कला) मे ५ पल का अंतर है तो ९ कला में क्या ? सूत्र (०।४५ = (५ ÷ ६०) X ९) ९ कला का फल ०।४५ पल-विपल प्राप्त हुआ। अब इन तीनों (१ अखण्ड फल और २ खण्ड फलों) को जोड दिया, अक्षांश २२ और क्रांति के अंश १८ की ७५ पल, ३४ अक्षांशकला की २।१६ पलादि, ९ क्रांतिकला की ०।४५ पलादि, (७८।०१ = ७५ + २।१६ + ०।४५) यह अनुपात सहित कुल संख्या पलादि ७८।०१ प्राप्त हुई। सरलता के लिए पूर्ण चरपलों से यह गणित दर्शाया है। यदि घर की पल-विपल लेकर गणित करेंगे तो सूक्ष्म पलादि ७७।४४ प्राप्त होंगे, लेकिन इसमे परिश्रम अधिक है जब कि दोनो संख्याओं का अंतर १ पल, २९ विपल से अधिक नहीं होगा।

पल-विपल ७७।४४ को २ से गुणा किया (१५५।२८ = ७७।४४ X २) तो पलादि १५५।२८ हुई. पल ६० से ज्यादा है अतः ६० का भाग दिया तो घट्यादि + २।३५।२८ हुआ यहाँ रवि क्रान्ति उत्तर है अतः घटी ३० में जोड दिया (३०।००।०० + २।३५।२८) तो घट्यात्मक ३२।३५।२८ दिनमान हुआ। इसमे ५ का भाग दिया लब्धि घंटादि ६ घंटा ३१ मिनट ०६ से. देशी सूर्यास्त टाइम हुई इसको १२ मे से घटा दिया तो ५ घंटा २८ मिनट ५४ से. देशी सूर्योदय समय हो गया इसमे रेल्वेऽन्तर संस्कार के लिए -

कोलकाता (बंगा.) का रेखांश ८२।३० से ज्यादा है अतः ((८८।२८ - ८२।३०) X ४) रेल्वे मध्यान्तर मिनट (धन) +२३ सेकण्ड ५२ को व्यस्तचिन्ह (ऋण हो तो धन और धन हो तो ऋण) करके सूर्योदय/सूर्यास्त मे से घटा दिया तो ५।०५।०२ सूर्योदय और ६।०७।१४ सूर्यास्त कोलकाता (बंगा.) का मध्यम मान से हुआ। इसमें तारीख १२ मई २०२५ को वेलान्तर मिनट - ३ सेकण्ड ३६ को धनर्ण करने से स्टैण्डर्ड (रेल्वे) ५।०१।२६ सूर्योदय और ६।०३।३८ सूर्यास्त (अर्थादिक रुप से सूर्योदय ५ बजकर ०१ मिनट और सूर्यास्त ६ बजकर ०४ मिनट) समय स्पष्ट हो गया।

रामगढ (शेखा.) पञ्चाङ्गस्थ ग्रहस्पष्ट में स्पष्ट सूर्य राश्यादि ०।२७।२९।३४ है.
कोलकाता (बंगा.) अक्षांशः २२° ३४' उ., के लिए अक्षांश २२।३० की लग्नसारणी का उपयोग-
कोलकाता (बंगा.) का इष्टकालीन स्पष्ट सूर्य राश्यादि ०।२८।१०।०१

स्टै. जन्मसमय	२५।५२
स्टै. सूर्योदय	− ५।०१
इष्टकाल (घंटामिनटात्मक)	२०।५१
	X २।३०
इष्टकाल (घटी-पल-विपल)	५२।०७।३०

इष्टकालीन स्पष्ट सूर्य राश्यादि ०।२८।१०।०१ है, लग्नसारणी में राशि ० (मेष) के सामने और अंश २८ के नीचे अंक ७।०० प्राप्त हुए. सूर्य कलादि १०। १ के अंक का अनुपात से २ पल प्राप्त होंगे. विधि - (७।०९ − ७।०० + ६० X १०। १ + ७।००) + ७।०२ अनुपात सहित

लग्नसारणी में खोजने वाले अंक (अर्थादिक रुप से घटी-पल) ५९।०९

लग्नसारणी में राशि १० कुंभ के सामने और अंश २९ के नीचे ५९।९ है
अतः लग्नस्पष्ट (जन्मांगम्) राश्यादि १०।२९।५९।०९ (अर्थात् कुंभ लग्न) हुआ।

इसी प्रकार भारत के किसी भी गांव या शहर का लग्नस्पष्ट ज्ञात कर सकते है।

रेखाष्टक उदाहरण, संवत् २०८२

लग्नानुसार जन्मकुण्डली में लग्न सहित सभी ग्रहों की रेखा लगाना प्रारम्भ करना है।

इष्टकालीन ग्रहस्पष्ट उदाहरण और लग्नस्पष्ट उदाहरण से प्राप्त अंक :-

तारीख २५ अप्रैल २०२५ शुक्रवार को कोलकाता (बंगा.) का स्टै. सूर्योदय ५।११ बजे है और अभीष्ट समय (स्टैण्डर्ड ५।४८ बजे) का गणितागत लग्नस्पष्ट राश्यादि ०।२३।१६।१३ (अर्थात् मेष लग्न) है।

इष्टकालीन सूर्यादि स्पष्टग्रह :-

सूर्य	०।११।५१।०१	(मेष राशि)	चंद्र	११।१६।१६।१२	(मीन राशि)
मंगल	३।०९।१०।२६	(कर्क राशि)	बुध	११।१४।५१।५६	(मीन राशि)
गुरु	१।२६।०५।४६	(वृष राशि)	शुक्र	११।०३।१३।०३	(मीन राशि)
शनि	११।०३।०७।४८	(मीन राशि)	राहु	११।०१।१०।४०	(मीन राशि)
केतु	५।०१।१०।४०	(कन्या राशि)			

विशेष - यहाँ उदाहरण दिया जा रहा है इसलिए ऊपर सम्पूर्ण विवरण दिया गया है अन्यथा रेखाष्टक में तो मात्र लग्न की राशि मेष और सूर्यादि ग्रहों की राशि (सूर्य मेष, चंद्र मीन, मंगल कर्क, बुध मीन, गुरु वृष, शुक्र मीन, शनि मीन) की ही आवश्यकता है।

॥ अथ रेखाष्टक ज्ञानाय ॥

रेखाष्टक - लग्न, सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि

लग्न सहित सूर्यादि ७ ग्रह का नाम अष्टक है। इन आठों की आठ कुण्डलियों में रेखा लगाने को अष्टकवर्ग या रेखाष्टक कहते हैं।

सूत्र रेखा = ग्रहाद्भावेद्गणन् (स्व-निर्मित सूत्र)
सूत्र रेखा = ग्रहस्थानात् समारभ्य, अङ्कतुल्ये नियोजयेत् ॥ (स्व-निर्मित सूत्र) ॥

नोट - यदि किसी भी तरह की अशुद्धि-त्रुटि हो तो कृपया अवगत करें। आगामी संवत् में सुधार कर दिया जायेगा।

रेखाष्टक उदाहरण के गणितकर्ता- संपादकशिष्य:
चि. हेमन्तकुमार शुक्ल, आंजना, बांसवाड़ा (राज.), मो. ९८११९४३०५७०

अथ लग्न रेखाष्टक

पञ्चाङ्ग में जहाँ रेखाकोष्टक दिये हुए हैं वहीं "लग्न रेखा ४९" नाम के कोष्टक में लग्न के नीचे ३, ६, १०, ११ अंक लिखे हुए हैं, ऐसे ही -
सूर्य के ३, ४, ६, १०, ११, १२ ॥ चन्द्र के ३, ६, १०, ११, १२ ॥ मंगल के १, ३, ६, १०, ११ ॥ बुध के १, २, ४, ६, ८, १०, ११ ॥ गुरु के १, २, ४, ५, ६, ७, ९, १०, ११ ॥ शुक्र के १, २, ३, ४, ५, ८, ९ ॥ शनि के १, २, ४, ६, १०, ११ ॥ अंक लिखे हुए हैं।

ये जो अंक हैं ये प्रथम, द्वितीय, तृतीय आदि भावों को दर्शाते हैं। जैसे लग्न रेखाष्टक में … के अंक ३, ६, १०, ११ हैं इसका अर्थ यह हो गया कि लग्न से प्रारम्भ कर तीसरे, छठे, दसवें, ग्यारहवें भावों में रेखा लगेगी।
यथा - लग्न (प्रथम भाव) की मेष राशि है अतः लग्न से तीसरा भाव मिथुन, छठा भाव कन्या, दसवाँ भाव मकर, ग्यारहवाँ भाव कुंभ होगा और इनमें ही रेखा लगेगी। यह लग्न रेखाष्टक … लग्न की रेखा हो गई।

लग्न रेखाष्टक में आगे की रेखा सूर्य की है, तो पहले यह देखना चाहिए कि सूर्य कौन से भा… में बैठा है। यहाँ उदाहरण में सूर्य प्रथम भाव में है तो प्रथम भाव से प्रारम्भ कर (ऊपर बता… अनुसार सूर्य के रेखा अंक ३, ४, ६, १०, ११, १२) तीसरे, चौथे, छठे, दसवें, ग्यारहवें, बार… भावों में रेखा लगेगी।
सूर्य (लग्नस्थ) की मेष राशि है अतः सूर्य से तीसरा भाव मिथुन, चौथा भाव कर्क, छठा भा… कन्या, दसवाँ भाव मकर, ग्यारहवाँ भाव कुंभ, बारहवाँ भाव मीन होगा और इनमें ही रेखा लगे… । यह लग्न रेखाष्टक के सूर्य की रेखा हो गई।

लग्न रेखाष्टक में आगे की रेखा चन्द्र की है, तो पहले यह देखना चाहिए कि चन्द्र कौन से भा… में बैठा है। यहाँ उदाहरण में चन्द्र द्वादश भाव में है तो द्वादश भाव से प्रारम्भ कर (ऊपर बता… अनुसार चन्द्र के रेखा अंक ३, ६, १०, ११, १२) तीसरे, छठे, दसवें, ग्यारहवें, बारहवें भावों… रेखा लगेगी।
चन्द्र (द्वादशभावस्थ) की मीन राशि है अतः चन्द्र से तीसरा भाव वृष, छठा भाव सिंह, दसवाँ भा… धनु, ग्यारहवाँ भाव मकर, बारहवाँ भाव कुंभ होगा और इनमें ही रेखा लगेगी। यह लग्न रेखाष्… के चन्द्र की रेखा हो गई।

लग्न रेखाष्टक में आगे की रेखा मंगल की है, तो पहले यह देखना चाहिए कि मंगल कौन… भाव में बैठा है। यहाँ उदाहरण में मंगल चतुर्थ भाव में है तो चतुर्थ भाव से प्रारम्भ कर (ऊ… बताये अनुसार मंगल के रेखा अंक १, ३, ६, १०, ११) पहिले, तीसरे, छठे, दसवें, ग्यार… भावों में रेखा लगेगी।
मंगल (चतुर्थभावस्थ) की कर्क राशि है अतः मंगल से पहला भाव कर्क, तीसरा भाव कन्या, छ… भाव धनु, दसवाँ भाव मेष, ग्यारहवाँ भाव वृष होगा और इनमें ही रेखा लगेगी। यह लग्न रेखाष्… के मंगल की रेखा हो गई।

लग्न रेखाष्टक में आगे की रेखा बुध की है, तो पहले यह देखना चाहिए कि बुध कौन से भा… में बैठा है। यहाँ उदाहरण में बुध द्वादश भाव में है तो द्वादश भाव से प्रारम्भ कर (ऊपर बता… अनुसार बुध के रेखा अंक १, २, ४, ६, ८, १०, ११) पहिले, दूसरे, चौथे, छठे, आठवें, दस… ग्यारहवें भावों में रेखा लगेगी।
बुध (द्वादशभावस्थ) की मीन राशि है अतः बुध से पहला भाव मीन, दूसरा भाव मेष, चौथा भ… मिथुन, छठा भाव सिंह, आठवाँ भाव तुला, दसवाँ भाव धनु, ग्यारहवाँ भाव मकर होगा और इन… ही रेखा लगेगी। यह लग्न रेखाष्टक के बुध की रेखा हो गई।

लग्न रेखाष्टक में आगे की रेखा गुरु की है, तो पहले यह देखना चाहिए कि गुरु कौन से भा… में बैठा है। यहाँ उदाहरण में गुरु द्वितीय भाव में है तो द्वितीय भाव से प्रारम्भ कर (ऊपर बता… अनुसार गुरु के रेखा अंक १, २, ४, ५, ६, ७, ९, १०, ११) पहिले, दूसरे, चौथे, पांचवे, छ…

सातवें, नौवें, दशवें, ग्यारहवें भावों में रेखा लगेगी।

गुरु (द्वितीयभावस्थ) की वृष राशि है अतः गुरु से पहला भाव वृष, दूसरा भाव मिथुन, चौथा भाव सिंह, पाँचवां भाव कन्या, छठा भाव तुला, सातवाँ भाव वृश्चिक, नौवाँ भाव मकर, दशवाँ भाव कुंभ, ग्यारहवाँ भाव मीन होगा और इनमें ही रेखा लगेगी। यह लग्न रेखाष्टक के गुरु की रेखा हो गई।

लग्न रेखाष्टक में आगे की रेखा शुक्र की है, तो पहले यह देखना चाहिए कि शुक्र कौन से भाव में बैठा है। यहाँ उदाहरण में शुक्र द्वादश भाव में है तो द्वादश भाव से प्रारम्भ कर (उपर बताये अनुसार शुक्र के रेखा अंक १, २, ३, ४, ५, ८, ९) पहिले, दूसरे, तीसरे, चौथे, पांचवें, आठवें, नौवें भावों में रेखा लगेगी।
शुक्र (द्वादशभावस्थ) की मीन राशि है अतः शुक्र से पहला भाव मीन, दूसरा भाव मेष, तीसरा भाव वृष, चौथा भाव मिथुन, पाँचवां भाव कर्क, आठवाँ भाव तुला, नौवाँ भाव वृश्चिक होगा और इनमें ही रेखा लगेगी। यह लग्न रेखाष्टक के शुक्र की रेखा हो गई।

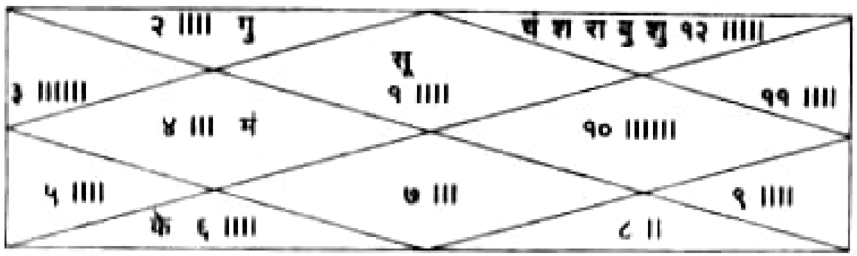
लग्न रेखाष्टक में आगे की रेखा शनि की है, तो पहले यह देखना चाहिए कि शनि कौन से भाव में बैठा है। यहाँ उदाहरण में शनि द्वादश भाव में है तो द्वादश भाव से प्रारम्भ कर (उपर बताये अनुसार शनि के रेखा अंक १, २, ४, ६, १०, ११) पहिले, दूसरे, चौथे, छठे, दशवें, ग्यारहवें भावों में रेखा लगेगी।
शनि (द्वादशभावस्थ) की मीन राशि है अतः शनि से पहला भाव मीन, दूसरा भाव मेष, चौथा भाव मिथुन, छठा भाव सिंह, दशवाँ भाव धनु, ग्यारहवाँ भाव मकर होगा और इनमें ही रेखा लगेगी। यह लग्न रेखाष्टक के शनि की रेखा हो गई।

आगे सूर्य आदि रेखाष्टक की भी रेखा ऐसे ही लगानी चाहिए। ध्यान रखने योग्य इतना ही है कि जिस रेखाष्टक की रेखा लगानी हो उसी रेखाष्टक के अंक हो, और सूर्यादि ग्रहों में से जिस ग्रह की रेखा लगानी हो वह ग्रह कुण्डली के जिस भाव में हो उसी भाव से प्रथम भाव की गणना प्रारम्भ करे और पंचांग में दिये हुए रेखाष्टक के अंकों के अनुसार भावों (अंको को प्रथम, द्वितीय, तृतीय आदि भाव समझते हुए भावो) में रेखा स्थापित करें। जैसा कि उपर बताया गया है।

इस तरह रेखाष्टकों में रेखा लगाकर मानसागरी आदि ज्योतिष-ग्रन्थों से फलादेश करें। ज्योतिष-ग्रन्थो की जानकारी प्रकाशक से प्राप्त करें।

यहाँ उदाहरण के साथ कुण्डली भी दी है। आशा है कि जिज्ञासुगण लाभान्वित होंगें।

लग्न रेखाष्टक ४९



॥ अथ विंशोत्तरीक्रमेण भुक्त-भोग्य दशा आनयन विधि ॥

गतर्क्षनाडी निहिता दशाब्दैः सर्वर्क्षनाडीविहृता फलं यत्।
वर्षादिकं भुक्तमिति प्रकल्प्य स्वाब्दादपास्यं भवतीह भोग्यम् ॥६॥

अथाऽऽनीतभयातभभोगाभ्यां जन्मकालिकग्रहदशाया भुक्तभोग्यानयनप्रकारः —

उपकरण - संवत् २०८२ (भयात भभोग पृष्ठ, उदाहरण १ का), कोलकाता (बंगा.) जन्म तारीख २६ अप्रेल २०२५, जन्मसमय प्रातः १के (स्टै.) ५।४८

यथा भयात घट्यादि ५२।२५ पलीकृतम् ३१४५ भभोगश्च घट्यादिकः ५४।०० पलीकृतः ३२४० ततः पद्यानुसारेण दशेशशनिवर्षाणि १९ भयातगुणितानि १९ X ३१४५ = ५९७५५ अत्र भभोगेन भागार्थन्यासः- ५९७५५ ÷ ३२४० .. लब्धं वर्षादि १८। ५। ९।२६।४० भुक्तं दशायाः, इदमेव दशावर्षेभ्यः १९ शुद्धं सद्भोग्यं वर्षादि ०। ६।२०।३३।२०.

घट्यात्मक भयात् को पलात्मक बनाकर जिस ग्रह की महादशा हो उस महादशा वर्ष से गुणा कर पलात्मक भभोग का भाग देवे-भागफल में भुक्त अन्तर्दशा के वर्ष आयेगें। शेष बचे हुए को १२ से गुणा कर पुनः भभोग का भाग देने से भागफल में महिने आयेंगे। शेष को ३० से गुणा कर पुनः भभोग का भाग देने से भागफल में दिन आयेंगे। इसी क्रम से शेष को ६० से गुणा और भभोग का भाग देने से भागफल में घटी-पल और विपल आजायेंगी। गणितागत अन्तर्दशा के भुक्त वर्षादि को अभीष्ट ग्रह के महादशा वर्ष में से घटाने पर स्पष्ट भोग्य वर्ष, माह, दिनादि आजायेंगे।

भुक्तदशा सूत्र = पलात्मक भयात X दशाधीशवर्ष ÷ पलात्मक-भभोग (लब्धं वर्षादि..)
भोग्यदशा सूत्र = दशाधीशवर्ष — भुक्तदशावर्षादि (लब्धं वर्षादि..)

अथान्तर्दशानयनम् -

दशा दशाहता कार्या दशभिर्भागमाहरेत्। यल्लब्धं सो भवेन्मासस्त्रिंशत्रिघ्नं दिनं भवेत् ॥१॥

अन्तर्दशा-आनयन सूत्र १ = ग्रहदशा वर्षात्मक X ग्रहदशा वर्षात्मक ÷ १०
(लब्धी मासादि)

अपरञ्च- अन्तर्दशानयनम् -

दशा दशाहता कार्या विहृता परमायुषा। लब्धमन्तर्दशामानं वर्षादिकमिहेरितम् ॥७॥

अन्तर्दशा-आनयन सूत्र २ = ग्रहदशा वर्षात्मक X ग्रहदशा वर्षात्मक ÷ १२०
(लब्धी वर्षादि)

यस्मिन्मित्रगृहे स्वकीयभवने तुङ्गे त्रिकोणेऽपिवा, तत्सर्वं विदधाति जन्मसमये षड्वर्गशुद्धो ग्रहः।
एकस्तत्र हि सर्वभूरिनिकरो हस्तेषु कोषान्वितो, द्वाभ्यां किन्नरमत्र सिद्धसदृशं कुर्वन्ति मर्त्यं भुवि॥३॥

जिसके जन्मकालिक कोई ग्रह अपने मित्रों के गृह में वा अपने घर में, त्रिकोण (अपने स्थान से पञ्चम, नवम) में, वा अपने उच्च में स्थित देखा जाय वह ग्रह उस जातक के सब कामो को करने वाला होता है। यदि किसी आदमी को एक षडवर्गशुद्ध ग्रह कुण्डली में पड़ जाय तो सब प्रकार की सम्पत्ति खजाने से सहित बड़ा ऐश्वर्यशाली जातक होता है। इसी तरह जिसको दो षडवर्गशुद्ध पड़ जाँय वह सिद्ध किन्नर के सदृश उच्च विभूतिमान् प्रतापी हो यह कहना ही क्या है अवश्यमेव वैसा होगा, सो जानना चाहिए ॥ ३॥ - मानसागरी

॥ संवत् २०८२ में विभिन्न नगरो के गुरु -शुक्रोदयास्त और कृष्णा चतुर्थी का चंद्रोदय: ॥ (स्टै. समय में) ई. सन् २०२५-२६, (उपलब्धि: पृ.८२, पृ.६४)

शुक्र	पूर्व अस्त		पश्चि. उदय		गुरु पश्चि. अस्त		पूर्व उदय		१६अप्रै	१६मई	१४जून	१४जुला	१२अग	१०सितं	१०अक्टू	८नवं	७दिसं	६जन	५फर	६मार्च
शहर	तारीख	घं. मि.	तारीख	घं. मि.	तारीख	घं. मि.	तारीख	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.
रामगढ़ शेखा.	८।१२।२०२५	३१।१२	४। २।२०२६	१०।२८	११। ६।२०२५	२३।३३	६। ७।२०२५	२८।१८	२२।०७	२२।४६	२२।१५	२२।०३	२१।०९	२०।१६	२०।२४	२०।१०	२०।०६	२१।०४	२१।४३	२१।२२
अजमेर (राज.)	६।१२।२०२५	१४।०४	३। २।२०२६	२७।०३	११। ६।२०२५	२७।५७	६। ७।२०२५	२४।३१	२२।०४	२२।४२	२२।१२	२२।०३	२१।१०	२०।११	२०।२५	२०।१६	२०।११	२१।०७	२१।४४	२१।२५
अहमदा. (गुज.)	६।१२।२०२५	२६।१०	३। २।२०२६	१३।४३	१२। ६।२०२५	११।३५	६। ७।२०२५	१७।४४	२२।०५	२२।४३	२२।१५	२२।१०	२१।२०	२०।३२	२०।४६	२०।३४	२०।२८	२१।२०	२१।५२	२१।२७
अमृतसर (पंजा.)	८।१२।२०२५	१२।५२	४। २।२०२६	२१।५५	११। ६।२०२५	११।३५	७। ७।२०२५	१४।२१	२२।१८	२२।५७	२२।२४	२२।०७	२१।०९	२०।१२	२०।१५	२०।००	१९।५७	२१।००	२१।४५	२१।२१
आकोला (महा.)	१०।१२।२०२५	१०।५२	२। २।२०२६	२८।०४	१२। ६।२०२५	१०।१८	६। ७।२०२५	१३।१५	२१।४०	२२।१७	२१।५०	२१।४९	२१।०१	२०।१६	२०।३४	२०।२२	२०।१५	२१।०४	२१।३३	२१।०५
इंदौर (म.प्र.)	६।१२।२०२५	२८।११	३। २।२०२६	११।२४	१२। ६।२०२५	१३।०६	६। ७।२०२५	१६।४६	२१।५०	२२।२८	२२।००	२१।५६	२१।०६	२०।११	२०।३४	२०।२१	२०।१५	२१।०७	२१।३८	२१।१२
उज्जैन (म.प्र.)	६।१२।२०२५	२६।४९	३। २।२०२६	१३।००	१२। ६।२०२५	१२।१०	६। ७।२०२५	१७।३३	२१।५२	२२।२९	२२।०१	२१।५७	२१।०७	२०।११	२०।३४	२०।२१	२०।१५	२१।०७	२१।३९	२१।१३
कटक (उड़ी.)	१०।१२।२०२५	११।२३	२। २।२०२६	२७।१७	१२। ६।२०२५	१७।४५	६। ७।२०२५	१२।५२	२१।०३	२१।४०	२१।१३	२१।१३	२०।२५	१९।४०	१९।५८	१९।४५	१९।३९	२०।२७	२०।५६	२०।२८
कोलकाता	६।१२।२०२५	२८।४९	३। २।२०२६	१०।४६	१२। ६।२०२५	१३।२८	६। ७।२०२५	१६।२७	२०।४७	२१।३५	२१।०७	२१।०४	२०।१४	१९।२७	१९।४२	१९।२९	१९।२३	२०।१४	२०।४६	२०।२०
कानपुर (उ.प्र.)	६।१२।२०२५	१४।००	३। २।२०२६	२७।०८	११। ६।२०२५	२७।५४	६। ७।२०२५	२४।३३	२१।४१	२२।१९	२१।४९	२१।४०	२०।४७	१९।५६	२०।०६	१९।५२	१९।४८	२०।४४	२१।२१	२०।५८
कोटा (राज.)	६।१२।२०२५	१२।१९	३। २।२०२६	२१।१८	१२। ६।२०२५	७।२०	६। ७।२०२५	२१।३८	२१।५६	२२।३४	२२।०५	२१।५८	२१।०६	२०।१६	२०।२८	२०।१५	२०।१०	२१।०४	२१।३९	२१।१५
गंगानगर (राज.)	८।१२।२०२५	२१।३३	४। २।२०२६	२०।४५	११। ६।२०२५	१७।२१	७। ७।२०२५	९।३८	२२।१७	२२।५६	२२।२४	२२।१०	२१।१३	२०।१८	२०।२३	२०।०९	२०।०५	२१।०७	२१।४९	२१।२१
गुड़गाँव (हरि.)	८।१२।२०२५	२८।१८	४। २।२०२६	१३।३४	११। ६।२०२५	२१।४२	७। ७।२०२५	५।५४	२२।००	२२।३९	२२।०८	२१।५६	२१।००	२०।०७	२०।१४	२०।००	१९।५६	२०।५५	२१।३५	२१।१४
गौहाटी आसाम	६।१२।२०२५	१५।११	३। २।२०२६	२५।४९	१२। ६।२०२५	४।४०	६। ७।२०२५	२३।५४	२०।५२	२१।३१	२१।०२	२०।५३	२०।००	१९।०९	१९।१९	१९।०५	१९।००	१९।५६	२०।३३	२०।१०
जयपुर (राज.)	६।१२।२०२५	१२।०३	३। २।२०२६	२१।१३	११। ६।२०२५	२६।४०	६। ७।२०२५	२५।३७	२२।०१	२२।३९	२२।०९	२१।५९	२१।०६	२०।१४	२०।२४	२०।१०	२०।०५	२१।०२	२१।४०	२१।१९
जबलपुर (म.प्र.)	६।१२।२०२५	२६।४५	३। २।२०२६	१३।०४	१२। ६।२०२५	१२।०८	६। ७।२०२५	१७।३५	२१।३४	२२।१२	२१।४४	२१।३९	२०।४९	२०।०२	२०।१६	२०।०३	१९।५७	२०।४९	२१।२१	२०।५६
जोधपुर (राज.)	६।१२।२०२५	१५।१५	३। २।२०२६	२५।४५	११। ६।२०२५	२८।४३	६। ७।२०२५	२३।५२	२२।१३	२२।५१	२२।२१	२२।१२	२१।१९	२०।२९	२०।३९	२०।२६	२०।२१	२१।१७	२१।५३	२१।३०
[illegible] (बिहा.)	६।१२।२०२५	२७।४५	३। २।२०२६	१५।२३	१२। ६।२०२५	१०।४७	६। ७।२०२५	१८।४३	२१।०९	२१।४७	२१।१८	२१।१३	२०।२३	१९।३४	१९।४८	१९।३५	१९।२९	२०।२२	२०।५५	२०।३०
झुंझुनूं (राज.)	८।१२।२०२५	३०।०८	४। २।२०२६	१०।५८	११। ६।२०२५	२३।१५	६। ७।२०२५	२८।३३	२२।०६	२२।४४	२२।१३	२२।०२	२१।०७	२०।१४	२०।२२	२०।०८	२०।०४	२१।०२	२१।४२	२१।२०
डिब्रूगढ़ आसाम	६।१२।२०२५	६।३३	४। २।२०२६	७।५६	११। ६।२०२५	२५।०३	६। ७।२०२५	२७।००	२०।४३	२१।२२	२०।५१	२०।४१	१९।४७	१८।५५	१९।०३	१८।४८	१८।४३	१९।४२	२०।२०	१९।५८
दिल्ली	८।१२।२०२५	२८।१३	४। २।२०२६	१३।३९	११। ६।२०२५	२१।३९	७। ७।२०२५	५।५७	२२।००	२२।३८	२२।०७	२१।५५	२०।५९	२०।०६	२०।१३	१९।५९	१९।५५	२०।५४	२१।३४	२१।१३
नासिक (महा.)	१०।१२।२०२५	१२।४३	२। २।२०२६	२५।४४	१२। ६।२०२५	१८।३८	६। ७।२०२५	१२।०९	२१।५२	२२।२९	२२।०३	२२।०३	२१।१६	२०।३१	२०।४९	२०।३८	२०।३१	२१।१९	२१।४७	२१।१८
चेन्नई (तमि.)	१०।१२।२०२५	२७।००	२। २।२०२६	८।००	१२। ६।२०२५	२८।४७	५। ७।२०२५	२८।०६	२१।१०	२१।४६	२१।२३	२१।३१	२०।५०	२०।११	२०।३८	२०।२८	२०।१९	२०।४९	२१।१८	२०।५४
बांसवाड़ा (राज.)	६।१२।२०२५	२५।३५	३। २।२०२६	१४।२३	१२। ६।२०२५	११।२२	६। ७।२०२५	१८।१३	२१।५८	२२।३६	२२।०७	२२।०२	२१।१२	२०।२४	२०।३८	२०।२५	२०।२०	२१।१२	२१।४१	२१।१९
बिलासपुर (म.प्र.)	६।१२।२०२५	३०।२४	३। २।२०२६	८।५८	१२। ६।२०२५	१४।३०	६। ७।२०२५	१५।३५	२१।२२	२२।००	२१।३२	२१।२९	२०।४०	१९।५४	२०।०९	१९।५७	१९।५०	२०।४१	२१।१२	२०।४५
भिवानी (हरि.)	८।१२।२०२५	२७।३५	४। २।२०२६	१४।२०	११। ६।२०२५	२१।१४	७। ७।२०२५	६।१८	२२।०४	२२।४३	२२।१२	२१।५९	२१।०४	२०।१०	२०।१७	२०।०३	१९।५९	२०।५८	२१।३९	२१।१८
मुम्बई (महा.)	१०।१२।२०२५	१५।३२	२। २।२०२६	२२।२६	१२। ६।२०२५	२०।३१	६। ७।२०२५	१०।३६	२१।५४	२२।३०	२२।०४	२२।०५	२१।१९	२०।३६	२०।५६	२०।४४	२०।३७	२१।२३	२१।५०	२१।२१
वाराणसी (उ.प्र.)	६।१२।२०२५	१८।३०	३। २।२०२६	२२।०२	१२। ६।२०२५	६।५४	६। ७।२०२५	२२।००	२१।२७	२२।०५	२१।३६	२१।२९	२०।३६	१९।४७	१९।५८	१९।४४	१९।३९	२०।३४	२१।०९	२०।४६
विजयवाड़ा (आं.प्र.)	१०।१२।२०२५	२१।१०	२। २।२०२६	१५।३८	१२। ६।२०२५	२४।२४	६। ७।२०२५	७।२८	२१।१६	२१।५२	२१।२७	२१।३२	२०।४८	२०।०६	२०।२९	२०।१७	२०।०९	२०।४३	२१।१७	२०।४६
हैदराबाद (आं.प्र.)	१०।१२।२०२५	११।२५	२। २।२०२६	१७।४७	१२। ६।२०२५	२३।११	६। ७।२०२५	८।२८	२१।२६	२२।०३	२१।३८	२१।४१	२०।५६	२०।१४	२०।३६	२०।२४	२०।१७	२१।०२	२१।२६	२०।५६
दरभंगा (बिहा.)	६।१२।२०२५	१५।१६	३। २।२०२६	२५।४५	११। ६।२०२५	२८।४३	६। ७।२०२५	२३।५२	२१।१७	२१।५५	२१।२६	२१।१८	२०।२५	१९।३४	१९।४४	१९।३०	१९।२५	२०।२१	२०।५८	२०।३५
बीकानेर (राज.)	८।१२।२०२५	३०।२५	४। २।२०२६	११।१८	११। ६।२०२५	२३।०३	६। ७।२०२५	२८।४४	२२।१५	२२।४३	२२।२२	२२।११	२१।१५	२०।२३	२०।३१	२०।१७	२०।१५	२१।११	२१।५१	२१।२९
बैंगलोर (कर्ना.)	१०।१२।२०२५	२६।०८	२। २।२०२६	७।४९	१२। ६।२०२५	२८।५३	५। ७।२०२५	२८।०२	२१।२०	२१।५६	२१।३३	२१।४२	२१।०१	२०।२२	२०।४९	२०।३९	२०।३०	२१।१०	२१।२९	२०।५५
उदयपुर (राज.)	६।१२।२०२५	२१।२७	३। २।२०२६	१८।४७	१२। ६।२०२५	८।४२	६। ७।२०२५	२०।२८	२२।०४	२२।४२	२२।१३	२२।०६	२१।१५	२०।२६	२०।३८	२०।२५	२०।२०	२१।१४	२१।४८	२१।२३
सीकर (राज.)	६।१२।२०२५	९।०५	४। २।२०२६	८।३०	११। ६।२०२५	२४।४३	६। ७।२०२५	२७।१७	२२।०५	२२।४४	२२।१३	२२।०२	२१।०८	२०।१६	२०।२४	२०।११	२०।०६	२१।०४	२१।४३	२१।२१

नोट - देखने की विधि - चन्द्रोदय उदाहरण के पृष्ठ पर देखें।

॥ अथ अवकहडाचक्रम् विंशोत्तरी-अष्टोत्तरी-योगिनीमहादशा सहितम् ॥ (जन्मकुण्डली के महत्वपूर्ण कोष्टक)

राशय:	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
राशीनास्वामिन: अयन गोल ऋतु वर्ण हंसकादि	स्वा मंगल, अयन उत्तर, गोल: उत्तर, ऋतु वसंत, वर्ण क्षत्रि., हंसक अग्नि	स्वा शुक्र, अयन उत्तर, गोल: उत्तर, ऋतु ग्रीष्म, वर्ण: वैश्य, हंसक: भूमि:	स्वा बुध, अयन उत्तर, गोल: उत्तर, ऋतु ग्रीष्म, वर्ण शूद्र:, हंसक: वायु	स्वा चंद्र, अयन दक्षिण, गोल उत्तर, ऋतु वर्षा, वर्ण: विप्र, हंसक: वारि	स्वा सूर्य, अयन दक्षिण, गोल: उत्तर, ऋतु वर्षा, वर्ण क्षत्रि, हंसक अग्नि	स्वा बुध, अयन दक्षिण, गोल: उत्तर, ऋतु शरद, वर्ण: वैश्य, हंसक भूमि:	स्वा शुक्र, अयन दक्षिण, गोल: दक्षिण, ऋतु शरद, वर्ण: शूद्र:, हंसक वायु	स्वा मंगल, अयन दक्षिण, गोल: दक्षिण, ऋतु हेमन्त, वर्ण: विप्र:, हंसक: वारि	स्वा बृह., अयन दक्षिण, गोल: दक्षिण, ऋतु हेमंत, वर्ण: क्षत्रि, हंसक: अग्नि	स्वा शनि, अयन उत्तर, गोल: दक्षिण, ऋतु शिशिर, वर्ण: वैश्य, हंसक: भूमि:	स्वा शनि, अयन उत्तर, गोल: दक्षिण, ऋतु शिशिर, वर्ण: शूद्र:, हंसक: वायु	स्वा बृह., अयन उत्तर, गोल: दक्षिण, ऋतु वसंत, वर्ण: विप्र, हंसक: वारि
घातादय:	माह कार्ति, तिथि नंदा, वार रवि, नक्षत्र मघा, योग विष्कुं, करण बव, प्रहर १, पु. चंद्र १, स्त्री १	माह मार्ग, तिथि पूर्णा, वार शनि, नक्षत्र हस्त, योग शूल, करण शकु, प्रहर ४, पु. चंद्र ५, स्त्री ८	माह आषा, तिथि भद्रा, वार चंद्र., नक्षत्र स्वा., योग परि., करण चतु., प्रहर ३, पु. चंद्र ९, स्त्री ७	माह पौष, तिथि भद्रा, वार बुध, नक्षत्र अनु, योग व्याघा, करण नाग, प्रहर १, पु. चंद्र २, स्त्री ९	माह ज्येष्ठ, तिथि जया, वार शनि, नक्षत्र मूल, योग धृति, करण वणि., प्रहर १, पु. चंद्र ६, स्त्री ५	माह भाद्र, तिथि पूर्णा, वार शनि, नक्षत्र श्रवण, योग शूल, करण कौल, प्रहर १, पु. चंद्र १०, स्त्री ३	माह माघ, तिथि रिक्ता, वार बृह., नक्षत्र शत, योग शूल, करण तैतिल, प्रहर ४, पु. चंद्र ३, स्त्री ६	माह अश्वि, तिथि नंदा, वार शुक्र, नक्षत्र स्वाति, योग व्यति, करण गर, प्रहर १, पु. चंद्र ७, स्त्री २	माह श्राव, तिथि जया, वार शुक्र, नक्षत्र भर, योग वरीया, करण तैति, प्रहर १, पु. चंद्र ४, स्त्री १०	माह वैशा, तिथि रिक्ता, वार भौम, नक्षत्र रोहि, योग वैधृ, करण शकु., प्रहर ४, पु. चंद्र ८, स्त्री ११	माह चैत्र, तिथि जया, वार बृह., नक्षत्र आर्द्रा, योग गंड, करण किंस्तु, प्रहर ३, पु. चंद्र ११, स्त्री ५	माह फाल्गु, तिथि पूर्णा, वार शुक्र, नक्षत्र श्ले, योग वैधृति, करण चतुष्पा, प्रहर ४, पु. चंद्र १२, स्त्री १२

नक्षत्र चरण	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४
नक्षत्रनाम संख्या	अश्वि१	भरणी२	कृति.३	रोहि.४	मृग.५	आर्द्रा६	पुन.७	पुष्य ८	श्ले.९
नक्षत्र-अक्षर	चु चे	ली लू	अ इ	ओ वा	वे वो	कु घ	के को	हू हे	डी डू
नक्षत्र-अक्षर	चो ला	ले लो	उ ए	वि वु	क की	ङ छ	ह ही	हो डा	डे डो
योनि	अश्व:	गज:	मेष:	सर्प:	सर्प:	श्वान्	मार्जार:	मेष:	मार्जार:
गण	देव	मनुष्य:	राक्षस:	मनुष्य:	देव:	मनुष्य:	देव:	देव:	राक्षस:
वर्ग	सिंह३ मृग.१	मृग	गरुड	गरु.१ मृग.३	मृग२ मार्जा.२	मार्जा३ सिंह:१	मार्जार२ मेष:२	मेष:३ श्वा.१	श्वान्
युंजा	पूर्व	पूर्व	पूर्व	पूर्व	पूर्व	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य
नाडी	आद्य	मध्य	अंत्य	अंत्य	मध्य	आद्य	आद्य	मध्य	अंत्य
वश्य	चतुष्पद	चतुष्पद	चतुष्पद	चतुष्पद	चतु..२ मान.२	मानव	मान.३ जल.१	जलचर	जलचर
वैरयोनि	महिष:	सिंह:	वानर:	नकुल:	नकुल:	मृग:	मूषक:	वानर	मूषक:
शुभाऽशुभ.	शुभ	नाश	कार्यना.	सिद्धि:	शुभ:	शुभ:	मध्यम	शुभ:	शोक
देवता	अश्विकु	यम	अग्नि	ब्रह्मा	चंद्र:	शिव:	अदिति	गुरु:	सर्प:
मुख	तिर्यक	अध:	अध:	उर्ध्व	तिर्यक	उर्ध्व	तिर्यक	उर्ध्व	अध:
नेत्र (लोचन)	मन्दलो.	मध्य	सुलो.	अन्ध.	मन्द.	मध्य	सुलो.	अन्ध.	मन्द.
ध्रुवक्षिप्रनामादि,	क्षिप्र	उ.क्रू.	मि.सा.	ध्रुवस्थि	मृदुमै	ती.दा.	चर,च.	क्षिप्र	ति.दा
स्वरूप-	अश्वमु.	योनिरव.	क्षुराकृति	शकट	मृगमु.	मणिवत्	गृहका.	शराका.	चक्राका.
तारासंख्या	३	३	६	५	३	१	४	३	५
विंशो. महादशा प्रमाणवर्षाणि	केतु ७	शुक्र २०	सूर्य ६	चंद्र १०	मंगल ७	राहु १८	बृहस्प. १६	शनि १९	बुध १७
योगिनी नाम योगि. दशा-वर्ष	भ्रामरी ४	भद्रिका ५	उल्का ६	सिद्धा ७	सङ्कटा ८	मंगला १	पिंगला २	धान्या ३	भ्रामरी ४
अष्टो. दशा-वर्ष	राहु१२	राहु१२	शुक्र२१	शुक्र२१	शुक्र२१	सूर्य-६	सूर्य-६	सूर्य-६	सूर्य-६
अष्टो. नक्षत्रभारा	३६	३६	८४	८४	८४	१८	१८	१८	१८

नक्षत्र चरण	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४
नक्षत्रनाम संख्या	मघा१०	पूफा११	उफा१२	हस्त१३	चि.१४	स्वा.१५	वि.१६	अनु.१७	ज्ये.१८
नक्षत्र-अक्षर	म मी	मो टा	टे टो	पु ष	पे पो	रू रे	ती तू	न नी	नो या
नक्षत्र-अक्षर	मु मे	टी टू	प पी	ण ठ	र री	रो ता	ते तो	नू ने	यी यू
योनि	मूषक:	मूषक:	गौ	महिष:	व्याघ्र:	महिष:	व्याघ्र:	मृग:	मृग:
गण	राक्षस:	मनुष्य:	मनुष्य:	देव:	राक्षस:	देव:	राक्षस:	देव:	राक्षस:
वर्ग	मूषक:	मूष.१ श्वा.३	श्वान२ मूष.२	मू१मे१ श्वा.२	मूषक२ मृग:२	मृग:३ सर्प:१	सर्प:	सर्प:	सर्प:१ मृग:३
युंजा	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	अंत्य
नाडी	अंत्य	मध्य	आद्य	आद्य	मध्य	अंत्य	अंत्य	मध्य	आद्य
वश्य	वनचर	वनचर	वन.१ मान.३	मानव	मानव	मानव	मान.३ कीट.१	कीट.	कीट
वैरयोनि	मार्जार:	मार्जार:	व्याघ्र:	अश्व:	गौ	अश्व:	गौ	श्वान्	श्वान्
शुभाऽशुभ.	नाश	मृत्यु	विद्या	लक्ष्मी	शुभ	अशुभ	अशुभ	सर्वसि.	क्षय
देवता	पितर	भग:	अर्यम्	रवि:	त्वष्टा	वायु	इन्द्राग्नि:	मित्र	इन्द्र:
मुख	अध:	अध:	उर्ध्व	तिर्यक	तिर्यक	तिर्यक	अध:	तिर्यक	तिर्यक
नेत्र (लोचन)	मध्य.	सुलो.	अन्ध.	मन्द.	मध्य.	सुलो.	अन्ध.	मन्द.	मध्य.
ध्रुवक्षिप्रनामादि,	उ.क्रू.	उ.क्रू.	ध्रुवस्थि	क्षिप्र	मृदु.मै	चर,च.	मिश्र	मृदु.मै.	ती.दा.
स्वरूप-	शाला.	शय्या.	तल्पाका.	हस्ताका.	मौक्तिकं	प्रवाला.	तोरणवत्	बलिसदृ	कुंडला.
तारासंख्या	५	२	२	५	१	१	४	४	३
विंशो. महादशा प्रमाणवर्षाणि	केतु ७	शुक्र २०	सूर्य ६	चंद्र १०	मंगल ७	राहु १८	बृहस्प. १६	शनि १९	बुध १७
योगिनी नाम योगि. दशा-वर्ष	भद्रिका ५	उल्का ६	सिद्धा ७	सङ्कटा ८	मंगला १	पिंगला २	धान्या ३	भ्रामरी ४	भद्रिका ५
अष्टो. दशा-वर्ष	चंद्र-१५	चंद्र-१५	चंद्र१५	मंग-८	मंग-८	मंग-८	मंग-८	बुध-१७	बुध-१७
अष्टो. नक्षत्रभारा	६०	६०	६०	२४	२४	२४	२४	६८	६८

नक्षत्र चरण	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४
नक्षत्रनाम संख्या	मूल१९	पूषा२०	उषा२१	श्र.२२	धनि२३	शत.२४	पूभा२५	उभा.२६	रेव.२७
नक्षत्र-अक्षर	ये यो	भू धा	भे भो	खी खू	ग गी	गो सा	से सो	दु थ	दे दो
नक्षत्र-अक्षर	भ भी	फा ढा	ज जी	खे खो	गु गे	सी सु	द दी	झ ञ	चा ची
योनि	श्वान्	वानर:	नकुल:	वानर:	सिंह:	अश्व:	सिंह:	गौ	गज:
गण	राक्षस:	मनुष्य:	मनुष्य:	देव:	राक्षस:	राक्षस:	मनुष्य:	मनुष्य:	देव:
वर्ग	मृग:२ मूष.२	मू.श्व.१ मू.श्व.१	मूष.२ सिंह:२	मार्जार:	मार्जार:	मार्जा.१ मेष: ३	मेष:२ सर्प:२	सर्प:२ सिंह:२	सर्प:२ सिंह:२
युंजा	अंत्य	अंत्य	अंत्य	अंत्य	अंत्य	अंत्य	अंत्य	अंत्य	पूर्व
नाडी	आद्य	मध्य	अंत्य	अंत्य	मध्य	आद्य	आद्य	मध्य	अंत्य
वश्य	मानव	मान ॥ चतु.३॥	चतुष्प.	चतु.१॥ जल३॥	जलचर२ मान.२	मानव	मान.३ जल.१	जलचर	जलचर
वैरयोनि	मृग:	मेष:	व्याघ्र:	मेष:	गज:	महिष:	गज:	व्याघ्र:	सिंह:
शुभाऽशुभ.	हानि:	हानि:	वृद्धि:	सुख	शुभ	कल्याण	मृत्यु	लक्ष्मी	काम.
देवता	राक्षस:	उदक	विश्वेदे.	विष्णु	वसु	वरुण:	अजैक.	अहिर्बु.	पूषा.
मुख	अध:	अध:	उर्ध्व	उर्ध्व	उर्ध्व	उर्ध्व	अध:	उर्ध्व	तिर्यक
नेत्र (लोचन)	सुलो.	अन्ध.	मन्द.	सुलो.	अन्ध.	मन्द.	मध्य.	सुलो.	अन्ध.
ध्रुवक्षिप्रनामादि,	ती.दा.	उग्रक्रू.	ध्रुवस्थि	चर,च.	चर,च.	चर,च.	उग्रक्रू.	ध्रुवस्थि	मृदु.मै.
स्वरूप-	सिंहपुछा.	हस्तिदं	शय्याका.	त्रिकोण	मृदंगाका.	वर्तुला	मंचाका.	यमलवत्	मृदंगाका.
तारासंख्या	११	२	२	३	४	१००	२	२	३२
विंशो. महादशा प्रमाणवर्षाणि	केतु ७	शुक्र २०	सूर्य ६	चंद्र १०	मंगल ७	राहु १८	बृहस्प. १६	शनि १९	बुध १७
योगिनी नाम योगि. दशा-वर्ष	उल्का ६	सिद्धा ७	सङ्कटा ८	मंगला १	पिंगला २	धान्या ३	भ्रामरी ४	भद्रिका ५	उल्का ६
अष्टो. दशा-वर्ष	बुध-१७	शनि-१०	शनि-१०	शनि-१०	बृह.-१९	बृह.-१९	बृह.-१९	राहु-१२	राहु-१२
अष्टो. नक्षत्रभारा	६८	३०	३०-३०	३०	७६	७६	७६	३६	३६

पञ्चाङ्गस्थ रामगढ (शेखा.) की दैनिक लग्नप्रवेश सारणी से निम्नलिखित नगरों के लग्नस्पष्ट संस्कार कोष्ठक (मिनट), सूक्ष्म गणित, (− = ऋण, + = धन)

नगरों के नाम / राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
१. अहमदाबाद (गुज.)	+ १४	+ १८	+ २०	+ १९	+ १५	+ ११	+ ६	+ २	− ०	+ १	+ ४	+ ९
२. अमृतसर (पंजा.)	− २	− ६	− ८	− ७	− ४	− ०	+ ४	+ ७	+ ९	+ ८	+ ५	+ २
३. अजमेर (राज.)	+ २	+ ४	+ ५	+ ४	+ ३	+ १	− ०	− २	− २	− २	− १	+ १
४. अलवर (राज.)	− ६	− ६	− ६	− ६	− ६	− ७	− ७	− ७	− ८	− ७	− ७	− ७
५. अंबिकापुर (म.प्र.)	− २९	− २५	− २३	− २४	− २७	− ३२	− ३७	− ४१	− ४३	− ४२	− ३९	− ३४
६. अनंतपुर (आं.प्र.)	− ०	+ ११	+ १६	+ १४	+ ४	− ८	− २१	− ३२	− ३७	− ३५	− २५	− १३
७. अयोध्या (उ.प्र.)	− २८	− २७	− २६	− २७	− २८	− २९	− ३०	− ३१	− ३२	− ३१	− ३०	− २९
८. आकोला (महा.)	− ३	+ ४	+ ७	+ ५	− ०	− ७	− १४	− २१	− २४	− २२	− १७	− १०
९. आगरा (उ.प्र.)	− ११	− १०	− १०	− १०	− ११	− ११	− १२	− १३	− १४	− १३	− १३	− १२
१०. आजमगढ (उ.प्र.)	− ३१	− ३०	− २९	− २९	− ३१	− ३२	− ३४	− ३६	− ३७	− ३७	− ३५	− ३३
११. आबू रोड (राज.)	+ १२	+ १५	+ १६	+ १६	+ १३	+ १०	+ ६	+ ३	+ २	+ २	+ ५	+ ८
१२. इंदौर (म.प्र.)	+ १	+ ५	+ ८	+ ७	+ ३	− २	− ८	− १२	− १५	− १४	− १०	− ५
१३. इटारसी (म.प्र.)	− ६	+ १	+ ४	+ २	− ३	− १०	− १८	− २४	− २८	− २६	− २०	− १३
१४. इलाहाबाद (उ.प्र.)	− २६	− २३	− २२	− २३	− २५	− २७	− ३०	− ३२	− ३३	− ३३	− ३१	− २८
१५. उज्जैन (म.प्र.)	+ १	+ ५	+ ८	+ ६	+ ३	− २	− ७	− ११	− १३	− १२	− ९	− ४
१६. उदयपुर (राज.)	+ ८	+ ११	+ १३	+ १२	+ ९	+ ६	+ २	− १	− २	− २	+ १	+ ४
१७. औरंगाबाद (महा.)	+ ५	+ १२	+ १६	+ १४	+ ८	+ ०	− ८	− १५	− १८	− १७	− ११	− ३
१८. कटक (उडी.)	− ३८	− ३१	− २८	− २९	− ३५	− ४२	− ५०	− ५६	− ६०	− ५८	− ५२	− ४५
१९. कोलकाता (बंगा.)	− ५०	− ४५	− ४२	− ४३	− ४८	− ५३	− ५८	− ६३	− ६६	− ६४	− ६०	− ५५
२०. कानपुर (उ.प्र.)	− २०	− १९	− १८	− १८	− १९	− २१	− २३	− २४	− २५	− २४	− २३	− २२
२१. कुचामन (राज.)	+ १	+ २	+ २	+ २	+ २	+ १	− ०	− १	− १	− १	− ०	+ ०
२२. कोल्हापुर (महा.)	+ १२	+ २१	+ २६	+ २४	+ १६	+ ५	− ६	− १५	− २०	− १८	− १०	+ १
२३. कोटा (राज.)	− १	+ १	+ ३	+ २	− ०	− ३	− ६	− ८	− १०	− ९	− ७	− ४
२४. गंगानगर (राज.)	+ ३	+ १	+ ०	+ ०	+ २	+ ४	+ ६	+ ८	+ ९	+ ९	+ ७	+ ५
२५. ग्वालियर (म.प्र.)	− ११	− १०	− ९	− ९	− ११	− १२	− १४	− १६	− १७	− १६	− १५	− १३
२६. गया (म.प्र.)	− ३८	− ३५	− ३३	− ३४	− ३६	− ३९	− ४३	− ४६	− ४७	− ४६	− ४४	− ४१
२७. गुडगावाँ (हरि.)	− ९	− ९	− १०	− ९	− ९	− ८	− ८	− ७	− ७	− ७	− ७	− ८
२८. गोरखपुर (उ.प्र.)	− ३३	− ३१	− ३१	− ३१	− ३२	− ३३	− ३५	− ३६	− ३६	− ३६	− ३५	− ३४
२९. गौहाटी (आसा.)	− ६६	− ६४	− ६३	− ६४	− ६५	− ६७	− ६९	− ७०	− ७१	− ७१	− ६९	− ६८
३०. गोवा (भारत)	+ १४	+ २५	+ ३०	+ २८	+ १९	+ ७	− ५	− १५	− २१	− १८	− ९	+ २
३१. चंडीगढ (पंजा.)	− १०	− १३	− १४	− १३	− ११	− ८	− ५	− ३	− १	− २	− ४	− ७
३२. चित्तौडगढ (राज.)	+ ४	+ ६	+ ८	+ ७	+ ५	+ २	− १	− ४	− ६	− ५	− ३	+ १
३३. चिन्नई (तमि.)	− १०	+ ३	+ ९	+ ६	− ४	− १८	− ३२	− ४४	− ५१	− ४८	− ३७	− २४
३४. जयपुर (राज.)	− २	− १	− १	− १	− २	− ३	− ४	− ५	− ६	− ५	− ५	− ३
३५. जबलपुर (म.प्र.)	− १६	− १२	− १०	− ११	− १४	− १९	− २४	− २८	− ३०	− २९	− २६	− २१
३६. जमशेदपुर (बिहा.)	− ४१	− ३६	− ३४	− ३५	− ३९	− ४४	− ४९	− ५४	− ५६	− ५५	− ५१	− ४६
३७. जलगाँव (महा.)	+ २	+ ८	+ १०	+ ९	+ ५	− १	− ७	− १२	− १५	− १४	− ९	− ४

नगरों के नाम / राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
३८. जालंधर (पंजा.)	− ५	− ८	− १०	− ९	− ७	− ३	+ ०	+ ४	+ ५	+ ५	+ २	[illegible]
३९. जैसलमेर (राज.)	+ १७	+ १८	+ १९	+ १९	+ १८	+ १७	+ १५	+ १४	+ १४	+ १४	+ १५	[illegible]
४०. जोधपुर (राज.)	+ ११	+ १३	+ १४	+ १४	+ १२	+ १०	+ ८	+ ७	+ ६	+ ६	+ ८	[illegible]
४१. झांसी (उ.प्र.)	− १२	− १०	− ९	− ९	− ११	− १४	− १७	− १९	− २०	− २०	− १८	[illegible]
४२. झुन्झुनू (राज.)	− २	− २	− २	− २	− २	− २	− २	− २	− २	− २	− २	[illegible]
४३. झरिया (बिहा.)	− ४२	− ३८	− ३६	− ३७	− ४१	− ४५	− ४९	− ५३	− ५५	− ५४	− ५१	[illegible]
४४. डिब्रुगढ (आसा.)	− ७९	− ७९	− ७९	− ७९	− ७९	− ८०	− ८०	− ८१	− ८१	− ८१	− ८१	[illegible]
४५. डूंगरपुर (राज)	+ ८	+ १२	+ १४	+ १३	+ १०	+ ६	+ २	− २	− ४	− ३	+ ०	[illegible]
४६. दरभंगा (बिहा.)	− ४२	− ४०	− ३९	− ४०	− ४१	− ४३	− ४५	− ४७	− ४८	− ४७	− ४६	[illegible]
४७. दिल्ली	− ९	− १०	− १०	− १०	− १०	− ९	− ८	− ८	− ७	− ८	− ८	[illegible]
४८. देवरिया (उ.प्र.)	− ३४	− ३२	− ३१	− ३२	− ३३	− ३५	− ३६	− ३८	− ३८	− ३८	− ३७	[illegible]
४९. नागपुर (महा.)	− ११	− ५	− २	− ४	− ९	− १५	− २२	− २८	− ३१	− ३०	− २५	[illegible]
५०. नागौर (राज.)	+ ६	+ ७	+ ७	+ ७	+ ६	+ ५	+ ४	+ ४	+ ३	+ ३	+ ४	[illegible]
५१. नारनौल (हरि.)	− ५	− ५	− ५	− ५	− ५	− ५	− ५	− ५	− ५	− ५	− ५	[illegible]
५२. नासिक (महा.)	+ ११	+ १८	+ २२	+ २०	+ १४	+ ७	− १	− ८	− १२	− १०	− ४	[illegible]
५३. नैनिताल (उ.प्र.)	− १९	− २१	− २१	− २१	− २०	− १८	− १७	− १६	− १५	− १५	− १६	[illegible]
५४. नैल्लोर (आं.प्र.)	− ११	+ ०	+ ६	+ ३	− ६	− १९	− ३२	− ४३	− ४९	− ४६	− ३६	[illegible]
५५. पटना (बिहा.)	− ३९	− ३७	− ३६	− ३६	− ३८	− ४०	− ४३	− ४५	− ४६	− ४६	− ४४	[illegible]
५६. पटियाला (पंजा.)	− ८	− १०	− ११	− ११	− ९	− ६	− ४	− २	− ०	− १	− ३	[illegible]
५७. प्रतापगढ (उ.प्र.)	− २७	− २५	− २४	− २४	− २६	− २८	− ३०	− ३२	− ३३	− ३३	− ३१	[illegible]
५८. प्रयाग (उ.प्र.)	− २५	− २३	− २२	− २२	− २४	− २७	− २९	− ३२	− ३३	− ३२	− ३०	[illegible]
५९. पाली (राज.)	+ ८	+ १०	+ ११	+ ११	+ ९	+ ७	+ ४	+ २	+ १	+ २	+ ४	[illegible]
६०. पूना (महा.)	+ १२	+ २०	+ २४	+ २२	+ १५	+ ६	− ३	− ११	− १५	− १३	− ६	[illegible]
६१. बडौदा (गुज.)	+ १२	+ १७	+ २०	+ १९	+ १४	+ ८	+ २	− ३	− ६	− ४	+ ०	[illegible]
६२. बद्रीनाथ (उ.प्र.)	− २१	− २३	− २५	− २४	− २२	− १९	− १६	− १३	− १२	− १२	− १५	[illegible]
६३. बरैली (उ.प्र.)	− १८	− १९	− १९	− १९	− १८	− १८	− १८	− १७	− १७	− १७	− १७	[illegible]
६४. वारंगल (आं.प्र.)	− ११	− २	+ २	− ०	− ७	− १७	− २७	− ३५	− ३९	− ३७	− ३०	[illegible]
६५. बांसवाडा (राज.)	+ ६	+ १०	+ १२	+ ११	+ ८	+ ३	− १	− ५	− ७	− ६	− ३	[illegible]
६६. बिलासपुर (म.प्र.)	− २४	− १९	− १६	− १८	− २२	− २८	− ३४	− ३९	− ४२	− ४०	− ३६	[illegible]
६७. बीकानेर (राज.)	+ ७	+ ६	+ ६	+ ६	+ ७	+ ७	+ ७	+ ७	+ ७	+ ७	+ ७	[illegible]
६८. बेलगाँव (कर्ना.)	+ ११	+ २१	+ २६	+ २४	+ १५	+ ४	− ८	− १८	− २३	− २१	− १२	[illegible]
६९. बैंगलोर (कर्ना.)	+ १	+ १३	+ २०	+ १७	+ ६	− ८	− २२	− ३४	− ४०	− ३८	− २७	[illegible]
७०. बैलारी (कर्ना.)	+ २	+ १३	+ १८	+ १६	+ ७	− ५	− १८	− २८	− ३४	− ३१	− २२	[illegible]
७१. भागलपुर (बिहा.)	− ४६	− ४३	− ४२	− ४३	− ४५	− ४८	− ५०	− ५३	− ५४	− ५४	− ५१	[illegible]
७२. भावनगर (गुज.)	+ १६	+ २२	+ २४	+ २३	+ १८	+ १२	+ ६	+ १	− २	− १	+ ४	[illegible]
७३. भिवानी (हरि.)	− ५	− ६	− ६	− ६	− ६	− ५	− ४	− ३	− ३	− ३	− ४	[illegible]
७४. भुवनेश्वर (उडी.)	− ३८	− ३१	− २८	− २९	− ३५	− ४२	− ५०	− ५६	− ६०	− ५८	− ५२	[illegible]

संवत् २०८२ पञ्चाङ्गस्थ रामगढ (शेखा.) की दैनिक लग्नप्रवेश सारणी से निम्नलिखित नगरों के लग्नसपष्ट संस्कार कोष्ठक (मिनट), सूक्ष्म गणित

नगरों के नाम / राशि		मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
७५. भोपाल	(म.प्र.)	− ५	− १	+ १	− ०	− ४	− ८	− १३	− १७	− २०	− १९	− १५	− १०
७६. मथुरा	(उ.प्र.)	− १०	− १०	− १०	− १०	− १०	− ११	− ११	− १२	− १२	− १२	− ११	− १०
७७. मंडला	(म.प्र.)	− १८	− १४	− ११	− १२	− १६	− २१	− २७	− ३१	− ३४	− ३३	− २९	− २३
७८. मारवाड	(राज.)	+ ८	+ ११	+ १२	+ ११	+ ९	+ ६	+ ३	+ ०	− १	− ०	+ २	+ ५
७९. मेहसाणा	(गुज.)	+ ११	+ ११	+ ११	+ ११	+ ११	+ ११	+ १०	+ १०	+ ९	+ १०	+ १०	+ १०
८०. मुम्बई	(महा.)	+ १६	+ २३	+ २७	+ २६	+ ११	+ १०	+ १	− ६	− १०	− ८	− २	+ ७
८१. रतलाम	(म.प्र.)	+ ४	+ ८	+ १०	+ ९	+ ५	+ १	− ४	− ८	− १०	− ९	− ६	− १
८२. रायपुर	(म.प्र.)	− २१	− १६	− १३	− १४	− १९	− २५	− ३२	− ३८	− ४१	− ४०	− ३५	− २८
८३. राजगढ	(राज.)	− २	− ३	− ३	− ३	− ३	− २	− १	− १	− ०	− ०	− १	− २
८४. रिंगस	(राज.)	− २	− १	− १	− १	− १	− २	− ३	− ३	− ४	− ३	− ३	− २
८५. लखनऊ	(उ.प्र.)	− २३	− २२	− २१	− २१	− २२	− २३	− २५	− २६	− २६	− २६	− २५	− २४
८६. लुधियाना	(पंजा.)	− ६	− ९	− १०	− १०	− ७	− ४	− १	+ २	+ ३	+ २	+ ०	− ३
८७. वाराणसी	(उ.प्र.)	− ३०	− २७	− २६	− २७	− २९	− ३२	− ३४	− ३७	− ३८	− ३७	− ३५	− ३३
८८. विजयवाडा	(आं.प्र)	− १४	− ४	+ १	− २	− १०	− २१	− ३२	− ४१	− ४६	− ४४	− ३६	− २५
८९. शिमला	(हि.प्र)	− १२	− १५	− १६	− १५	− १३	− १०	− ६	− ३	− २	− २	− ५	− ८
९०. श्रीनगर	(ज.क)	− ५	− ११	− १४	− १३	− ८	− १	+ ६	+ १२	+ १५	+ १४	+ ८	+ २
९१. सागर	(म.प्र.)	− ११	− ८	− ६	− ७	− १०	− १४	− १८	− २२	− २४	− २३	− २०	− १६
९२. सीकर	(राज.)	− ०	+ ०	+ ०	+ ०	− ०	− १	− १	− १	− २	− १	− १	− १
९३. सिंधाना	(राज.)	− ३	− ३	− ३	− ३	− ३	− ३	− ३	− ४	− ४	− ४	− ४	− ३
९४. सिरोही	(राज.)	+ ११	+ १४	+ १५	+ १५	+ १२	+ ९	+ ६	+ ३	+ २	+ २	+ ५	+ ८
९५. सिलीगु.	(प.बंगा)	− ५३	− ५१	− ५१	− ५१	− ५२	− ५३	− ५५	− ५६	− ५७	− ५६	− ५५	− ५४
९६. सूरत	(गुज.)	+ १५	+ २१	+ २४	+ २३	+ १८	+ ११	+ ४	− १	− ५	− ३	+ २	+ ९
९७. सोलापुर	(महा.)	+ ४	+ १३	+ १७	+ १५	+ ८	− २	− १२	− २१	− २५	− २३	− १५	− ६
९८. हरद्वार	(उ.प्र.)	− १५	− १६	− १७	− १७	− १५	− १३	− ११	− ९	− ८	− ९	− १०	− १३
९९. हैदराबाद	(आं.प्र)	− ६	+ ३	+ ८	+ ६	− २	− १२	− २२	− ३१	− ३६	− ३४	− २६	− १६
१००. हिसार	(हरि.)	− ४	− ५	− ६	− ६	− ५	− ३	− २	− १	− ०	− १	− २	− ३

संस्कार कोष्ठका ज्ञानाय:- पञ्चाङ्गस्थ रामगढ (शेखा.) की दैनिक लग्न प्रवेश सारणी से उपर लिखे नगरों का प्रवेश व समाप्ति काल संस्कार कोष्ठक की सहायता से किसी भी दिन का स्पष्ट ज्ञात कर सकते है।

उदाहरण - तारीख २६ अप्रैल २०२५ को कोलकाता (बंगा.) में मकर लग्न का प्रवेश और समाप्ति काल ज्ञात करना है। पंचांग में २६ अप्रैल २०२५ को मकर का प्रवेश काल रात्री घंटा १२ मिनट ४५ और समाप्ति काल रात्री घंटा २ मिनट २८ लिखा हुआ है। संस्कार कोष्ठक में कोलकाता (बंगा.) के मकर में – ६४ मि. और कुंभ मे – ६० मि. है (कुंभ का प्रवेश काल ही मकर का समाप्ति काल है)। अत: मकर के प्रवेश रात्री १२।४५ में – ६४ मि. का संस्कार किया (यदि – हो तो घटा दें और + हो तो जोड दें) तो कोलकाता (बंगा.) का स्पष्ट प्रवेश काल रात्री ११।४१ हो गया मकर के समाप्ति काल रात्री घंटा २ मिनट २८ में – ६० मि. का संस्कार किया तो मकर का समाप्ति काल रात्री १।२८ स्पष्ट हो गया। ऐसे ही संस्कार कोष्ठक में लिखे हुए १०० नगरों में से किसी भी नगर का कोई भी लग्न स्पष्ट ज्ञात कर सकते है। - पं. ग्यारसीलाल शर्मा, मुम्बई.

॥ अथ विंशोत्तरी क्रमेण महादशा-अन्तर्दशा चक्राणि ॥

॥ अथ विंशोत्तरीक्रमेण महादशाचक्रम् ॥

ग्रहा:	सूर्य	चंद्र	भौम	राहु	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र
वर्ष	६	१०	७	१८	१६	१९	१७	७	२०
माह	००	००	००	००	००	००	००	००	००
दिन	००	००	००	००	००	००	००	००	००

सूर्य महादशा वर्ष ६ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = कृत्तिका, उत्तराफाल्गुनी, उत्तराषाढा

ग्रहा:	सूर्य	चंद्र	भौम	राहु	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र
वर्ष	०	०	०	०	०	०	०	०	१
माह	३	६	४	१०	९	११	१०	४	०
दिन	१८	०	६	२४	१८	१२	६	६	०

चंद्र महादशा वर्ष १० तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = रोहिणी, हस्त, श्रवण

ग्रहा:	चंद्र	भौम	राहु	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र	सूर्य
वर्ष	०	०	१	१	१	१	०	१	०
माह	१०	७	६	४	७	५	७	८	६
दिन	०	०	०	०	०	०	०	०	०

भौम महादशा वर्ष ७ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = मृगशिरा, चित्रा, धनिष्ठा

ग्रहा:	भौम	राहु	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र
वर्ष	०	१	०	१	०	०	१	०	०
माह	४	०	११	१	११	४	२	४	७
दिन	२७	१८	६	९	२७	२७	०	६	०

राहु महादशा वर्ष १८ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = आर्द्रा, स्वाति, शतभिषा

ग्रहा:	राहु	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम
वर्ष	२	२	२	२	१	३	०	१	१
माह	८	४	१०	६	०	०	१०	६	०
दिन	१२	२४	६	१८	१८	०	२४	०	१८

गुरु महादशा वर्ष १६ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = पुनर्वसु, विशाखा, पूर्वाभाद्रपद

ग्रहा:	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम	राहु
वर्ष	२	२	२	०	२	०	१	०	२
माह	१	६	३	११	८	९	४	११	४
दिन	१८	१२	६	६	०	१८	०	६	२४

शनि महादशा वर्ष १९ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = पुष्य, अनुराधा, उत्तराभाद्रपद

ग्रहा:	शनि	बुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम	राहु	गुरु
वर्ष	३	२	१	३	०	१	१	२	२
माह	०	८	१	२	११	७	१	१०	६
दिन	३	९	९	०	१२	०	९	६	१२

बुध महादशा वर्ष १७ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = आश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती

ग्रहा:	बुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम	राहु	गुरु	शनि
वर्ष	२	०	२	०	१	०	२	२	२
माह	४	११	१०	१०	५	११	६	३	८
दिन	२७	२७	०	६	०	२७	१८	६	९

केतु महादशा वर्ष ७ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = मघा, मूल, अश्विनी

ग्रहा:	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम	राहु	गुरु	शनि	बुध
वर्ष	०	१	०	०	०	१	०	१	०
माह	४	२	४	७	४	०	११	१	११
दिन	२७	०	६	०	२७	१८	६	९	२७

शुक्र महादशा वर्ष २० तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = पूर्वाफाल्गुनी, पूर्वाषाढा, भरणी

ग्रहा:	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम	राहु	गुरु	शनि	बुध	केतु
वर्ष	३	१	१	१	३	२	३	२	१
माह	४	०	८	२	०	८	२	१०	२
दिन	०	०	०	०	०	०	०	०	०

रवियोग : सूर्य नक्षत्र से चन्द्रमा के नक्षत्र तक गिनती करने से यदि सूर्य से चन्द्रमा का नक्षत्र ४, ६, ९, १०, १३ २० इन संख्याओं में पडे तो उसदिन रवियोग होगा जो समस्त दोषों को अच्छी प्रकार दूर करता है।

द्विपुष्कर - त्रिपुष्करयोग :

भद्रातिथि (२ / ७ / १२) शनि मंगल और रविवार के दिन कृत्तिका, पुन., उफा., विशाखा, उषा., पूभा. ये छ नक्षत्रों की स्थिति आती हो तो त्रिपुष्कर योग तथा उक्त भद्रातिथि, शनि मंगल और रविवार के दिन मृग, चित्रा, धनिष्ठा नक्षत्रों का योग होता है तो द्विपुष्कर योग बनता है। त्रिपुष्कर योग में होनेवाले किसी भी कार्य का त्रिगुणित फल और द्विपुष्कर में होनेवाले का दुगुना फल होता है।

॥ अष्टोत्तरीमतेन दशा-अन्तर्दशा चक्रम् नक्षत्रसहितम् ॥

सूर्य महादशा वर्ष ६ तन्मध्येऽन्तरम्
नक्षत्र - आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा
(प्रति एक नक्षत्र महादशा-मास १८)

ग्रहा:	सूर्य	चंद्र	भौम	बुध	शनि	गुरु	राहु	शुक्र
वर्ष	०	०	०	०	०	१	०	१
माह	४	१०	५	११	६	०	८	२
दिन	०	०	१०	१०	२०	२०	०	०
घटी	०	०	०	०	०	०	०	०

चंद्र महादशा वर्ष १५ तन्मध्येऽन्तरम्
नक्षत्र = मघा, पूर्वाफाल्गुनी, उत्तराफाल्गुनी
(प्रति एक नक्षत्र महादशा-मास ६०)

ग्रहा:	चंद्र	भौम	बुध	शनि	गुरु	राहु	शुक्र	सूर्य
वर्ष	२	१	२	१	२	१	२	०
माह	१	१	४	४	७	८	११	१०
दिन	०	१०	१०	२०	२०	०	०	०
घटी	०	०	०	०	०	०	०	०

भौम महादशा वर्ष ८ तन्मध्येऽन्तरम्
नक्षत्र = हस्त, चित्रा, स्वाती, विशाखा
(प्रति एक नक्षत्र महादशा-मास २४)

ग्रहा:	भौम	बुध	शनि	गुरु	राहु	शुक्र	सूर्य	चंद्र
वर्ष	०	१	०	१	०	१	०	१
माह	७	३	८	४	१०	६	५	१
दिन	३	३	२६	२६	२०	२०	१०	१०
घटी	२०	२०	४०	४०	०	०	०	०

बुध महादशा वर्ष १७ तन्मध्येऽन्तरम्
नक्षत्र - अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल
(प्रति एक नक्षत्र महादशा-मास ६८)

ग्रहा:	बुध	शनि	गुरु	राहु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम
वर्ष	२	१	२	१	३	०	२	१
माह	८	६	११	१०	३	११	४	३
दिन	३	२६	२६	२०	२०	१०	१०	३
घटी	२०	४०	४०	०	०	०	०	२०

शनि महादशा वर्ष १० तन्मध्येऽन्तरम्
नक्षत्र = पूर्वाषाढा, उत्तराषाढा, अभिजित, श्रवण
(प्रति एक नक्षत्र महादशा-मास ३०)

ग्रहा:	शनि	गुरु	राहु	शुक्र	सूर्य	चंद	भौम	बुध
वर्ष	०	१	१	१	०	१	०	१
माह	११	९	१	११	६	४	८	६
दिन	३	३	१०	१०	२०	२०	२६	२६
घटी	२०	२०	०	०	०	०	४०	४०

गुरु महादशा वर्ष १९ तन्मध्येऽन्तरम्
नक्षत्र = धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद
(प्रति एक नक्षत्र महादशा-मास ७६)

ग्रहा:	गुरु	राहु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम	बुध	शनि
वर्ष	३	२	३	१	२	१	२	१
माह	४	१	८	०	७	४	११	९
दिन	३	१०	१०	२०	२०	२६	२६	३
घटी	२०	०	०	०	०	४०	४०	२०

राहु महादशा वर्ष १२ तन्मध्येऽन्तरम्
नक्षत्र = उत्तराभाद्रपद, रेवती, अश्विनी, भरणी
(प्रति एक नक्षत्र महादशा-मास ३६)

ग्रहा:	राहु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम	बुध	शनि	गुरु
वर्ष	१	२	०	१	०	१	१	२
माह	४	४	८	८	१०	१०	१	१
दिन	०	०	०	०	२०	२०	१०	१०
घटी	०	०	०	०	०	०	०	०

शुक्र महादशा वर्ष २१ तन्मध्येऽन्तरम्
नक्षत्र = कृतिका, रोहिणी, मृगशिरा
(प्रति एक नक्षत्र महादशा-मास ८४)

ग्रहा:	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम	बुध	शनि	गुरु	राहु
वर्ष	४	१	२	१	३	१	३	२
माह	१	२	११	६	३	११	८	४
दिन	०	०	०	२०	२०	१०	१०	०
घटी	०	०	०	०	०	०	०	०

अथान्तर्दशाकरणम्- दशा दशाहता कार्या नवभिर्भागमाहरेत् । लब्धं तो वर्षमासांश्च त्रिंशतिघ्नं दिनं भवेत् ॥

॥ योगिनी दशा-अन्तर्दशा चक्रम् नक्षत्रसहितम् ॥

मंगला महादशा वर्ष १ तन्मध्येऽन्तरम्
नक्षत्र = आर्द्रा चित्रा श्रवण

योगि.	मंग	पिंग	धान्या	भ्राम	भद्रि	उल्का	सिद्धा	सङ्क
वर्ष	०	०	०	०	०	०	०	०
माह	०	०	१	१	१	२	२	२
दिन	१०	२०	०	१०	२०	०	१०	२०

पिंगला महादशा वर्ष २ तन्मध्येऽन्तरम्
नक्षत्र = पुनर्वसु स्वाती धनिष्ठा

योगि.	पिंग	धान्या	भ्राम	भद्रि	उल्का	सिद्धा	सङ्क	मंग
वर्ष	०	०	०	०	०	०	०	०
माह	१	२	२	३	४	४	५	०
दिन	१०	०	२०	१०	०	२०	१०	२०

धान्या महादशा वर्ष ३ तन्मध्येऽन्तरम्
नक्षत्र = पुष्य विशाखा शतभिषा

योगि.	धान्या	भ्राम	भद्रि	उल्का	सिद्धा	सङ्क	मंग	पिंग
वर्ष	०	०	०	०	०	०	०	०
माह	३	४	५	६	७	८	१	२
दिन	०	०	०	०	०	०	०	०

भ्रामरी महादशा वर्ष ४ तन्मध्येऽन्तरम्
नक्षत्र - अश्विनी आश्लेषा अनुराधा पूर्वाभाद्रपद

योगि.	भ्राम	भद्रि	उल्का	सिद्धा	सङ्क	मंग	पिंग	धान्या
वर्ष	०	०	०	०	०	०	०	०
माह	५	६	८	९	१०	१	२	४
दिन	१०	२०	०	१०	२०	१०	२०	०

भद्रिका महादशा वर्ष ५ तन्मध्येऽन्तरम्
नक्षत्र = भरणी मघा ज्येष्ठा उत्तराभाद्रपद

योगि.	भद्रि	उल्का	सिद्धा	सङ्क	मंग	पिंग	धान्या	भ्राम
वर्ष	०	०	०	१	०	०	०	०
माह	८	१०	११	१	१	३	५	६
दिन	१०	०	२०	१०	२०	१०	०	२०

उल्का महादशा वर्ष ६ तन्मध्येऽन्तरम्
नक्षत्र = कृतिका पूर्वाफाल्गुनी मूल रेवती

योगि.	उल्का	सिद्धा	सङ्क	मंग	पिंग	धान्या	भ्राम	भद्रि
वर्ष	१	१	१	०	०	०	०	०
माह	०	२	४	२	४	६	८	१०
दिन	०	०	०	०	०	०	०	०

सिद्धा महादशा वर्ष ७ तन्मध्येऽन्तरम्
नक्षत्र = रोहिणी उत्तराफाल्गुनी पूर्वाषाढा

योगि.	सिद्धा	सङ्क	मंग	पिंग	धान्या	भ्राम	भद्रि	उल्का
वर्ष	१	१	०	०	०	०	०	१
माह	४	६	२	४	७	९	११	२
दिन	१०	२०	१०	२०	०	१०	२०	०

सङ्कटा महादशा वर्ष ८ तन्मध्येऽन्तरम्
नक्षत्र = मृगशिरा हस्त उत्तराषाढा

योगि.	सङ्क	मंग	पिंग	धान्या	भ्राम	भद्रि	उल्का	सिद्धा
वर्ष	१	०	०	०	०	१	१	१
माह	९	२	५	८	१०	१	४	६
दिन	१०	२०	१०	०	२०	१०	०	२०

अथ योगिनी दशानामानि- मङ्गला पिङ्गला धान्या भ्रामरी भद्रिका तथा । उल्का सिद्धा सङ्कटा च एता नामयत्फलम् ॥४॥ **हिन्दी** - मङ्गला, पिङ्गला, धान्या, भ्रामरी, भद्रिका, उल्का, सिद्धा, सङ्कटा ये आठों योगिनी हैं इनके अनुसार शुभाशुभ फल जाने ॥४॥

योगिनी नक्षत्र आनयन सूत्र = जन्मनक्षत्रसंख्या (अश्विनी से) + ३ ÷ ८ (शेषवत् योगिनीदशा)

उदाहरण — जैसे किसी जातक का जन्मनक्षत्र पुष्य है जो कि अश्विनी से गिनने पर ८ हुआ, इसमें ३ और मिला तब ११ हुआ, इसमें आठ से (योगिनी की संख्या आठ ही है इसलिए) भाग दिया तो लब्धि १ (अनपेक्षित) आई, शेष रहा अतः क्रमानुसार गिनने से धान्या योगिनी की दशा जन्मसमय में आई, ऐसे ही सर्वत्र समझना चाहिये ॥२-३॥

॥ अथ अष्टोत्तरीक्रमेण भुक्त-भोग्य दशा आनयन विधि ॥

अष्टोत्तरी दशाधीशाः-

सूर्यश्चन्द्रः कुजः सौम्यः शनिजीवस्तमो भृगुः । अष्टोत्तरी-दशाधीशाः केतुहीना नवग्रहाः ॥

प्रथम सूर्य, दूसरे चन्द्रमा, तीसरे मङ्गल, चतुर्थ बुध, पञ्चम शनिश्चर, षष्ठ बृहस्पति, सप्तम राहु एवं अष्टम शुक्र ये क्रम से आठ ग्रह दशाधीपति माने गये है (इसमे केतु का परिगणन नहीं है) ॥४॥

सूचना- यहाँ जो भयात भभोग लिखा है वह उदाहरण हेतु है.भयात भभोग साधन विधि पिछले पृष्ठों पर है।

अष्टोत्तरी क्रम से ग्रह दशा के भुक्त-भोग्य की विधि विंशोत्तरी की तरह है । अन्तर इतना है कि पलात्मक भयात को दशाधीश के वर्ष से गुणा करने की जगह जिस ग्रह की महादशा हो उस महादशा के मास से गुणा करे । जैसे - धनिष्ठा नक्षत्र का घट्यादि भयात ३७।५८ पलात्मक २२७८, भभोग ५६।१४ पलात्मक ३३७४ हुआ यहाँ गुरु की महादशावर्ष १९ है ।

गुरु के दशावर्ष १९ और नक्षत्र तीन (धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद) होने से १९ वर्ष के तीन भाग (यदि नक्षत्र चार हो तो इसी विधि से चार भाग करें) करने के लिए १९ वर्ष को १२ से गुणाकर मास बनाये, क्रिया (१९ x १२ =) २२८ मास हुए इनमे तीन का भाग दिया (२२८ ÷ ३ =) ७६ मास हुआ । गुरु के तीन नक्षत्रों में से प्रत्येक नक्षत्र का ७६ दशा-मास ही मान होगा, **पंचांगस्थ कोष्टक "अष्टोत्तरीमतेन ग्रहाणां दशावर्षचक्रम् नक्षत्रसहितम्"** मे देखे, गुरु का नक्षत्रदशा-मास ७६ ही है । अष्टोत्तरी भुक्त-भोग्य दशा के लिए सभी ग्रहों का नक्षत्रदशा-मास गणित इसी तरह करें । अस्तु ।

पलात्मक भयात को जिस ग्रह की महादशा हो उस दशाधीश (नक्षत्रदशा) मास से गुणा कर पलात्मक भभोग का भाग दे, भागफल मे मास आयेंगे (मासादि लब्धि यदि १२ से अधिक हो तो बारह का भाग देकर वर्षादि बना ले) । शेष को ३० से गुणा कर पुनः भभोग का भाग देने से भागफल में दिन आयेंगे । इसी क्रम से शेष को ६० से गुणा और भभोग का भाग देने से भागफल मे घटी-पल और विपल आजायेंगी । गणितागत दशा के भुक्त वर्षादि को नीचे लिखी क्रिया द्वारा अभीष्ट ग्रह के महादशा वर्ष में से घटाने पर स्पष्ट भोग्यदशा के वर्ष, माह, दिनादि आजायेंगे ।

भुक्त- भोग्य के विशेष निर्देश - अष्टोत्तरी में तीन अथवा चार नक्षत्रों मे एकग्रह के दशावर्ष प्राप्त होते हैं और (जैसे गुरु के दशावर्ष १९ और नक्षत्र तीन धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद ॥ अपि च- राहु के दशावर्ष १२ और नक्षत्र चार उत्तराभाद्रपद, रेवती, अश्विनी, भरणी) यही कारण है कि दशाधीश के वर्षों को तीन या चार भाग करने पडते है इसी से भुक्त- भोग्य की क्रिया भी विंशोत्तरी से अलग होगी । जहाँ प्रथम नक्षत्र होगा वहाँ विंशोत्तरी की तरह भोग्यकाल आयेगा लेकिन दूसरा, तीसरा,चौथा नक्षत्र होने से क्रिया अलग होगी ।

(१) जैसे - धनिष्ठा मे जातक हो तो गणितागत दशा के भुक्त वर्षादि को दशाधीश के महादशा वर्ष में से घटाने पर स्पष्ट भोग्य वर्ष, माह, दिनादि आजायेंगे ।

(२) जैसे - शतभिषा में जातक हो तो गणितागत दशा के भुक्त वर्षादि मे (गत नक्षत्र के प्रथम भाग को जोडकर) दशाधीश के महादशा वर्ष मे से घटाने पर स्पष्ट भोग्य वर्ष, माह, दिनादि आजायेंगे ।

(३) जैसे - पूर्वाभाद्रपद मे जातक हो तो गणितागत दशा के भुक्त वर्षादि मे (गत प्रथम नक्षत्र के प्रथम भाग और द्वितीय नक्षत्र के द्वितीय भाग को जोडकर) दशाधीश के महादशा वर्ष में से घटाने पर स्पष्ट भोग्य वर्ष, माह, दिनादि आजायेंगे ।

सारांश यह है कि जातक का जन्म प्रथम नक्षत्र के बाद किसी भी नक्षत्र मे हो भुक्त वर्षादि मे (जितने गत नक्षत्र हो उतने ही दशाधीश की दशा के भाग) जोड कर दशाधीश के महादशा वर्ष मे से घटाने पर स्पष्ट भोग्य वर्ष, माह, दिनादि आजायेंगे । स्पष्टता के लिए सूत्र दिये है -

(१) भोग्यदशा सूत्र = दशाधीशवर्ष — भुक्तदशा (लब्ध वर्षादि..)

(२) भोग्यदशा सूत्र = दशाधीशवर्ष — भुक्तदशा + (लब्ध वर्षादि + गत एक नक्षत्र दशामान)

(३) भोग्यदशा सूत्र = दशाधीशवर्ष — भुक्तदशा + (लब्ध वर्षादि + गत दो नक्षत्र दशामान

(४) भोग्यदशा सूत्र = दशाधीशवर्ष — भुक्तदशा + (लब्ध वर्षादि + गत तीन नक्षत्र दशामान

उदाहरण(१) - पलात्मक भयात २२७८ को ७६ से गुणा किया, १७३१२८ में पलात्मक भभोग ३३७४ का भाग दिया, भागफल ५१ मास प्राप्त हुआ, शेष को ३० से गुणाकर भभोग ३३७४ का भाग दिया, भागफल में ९ दिन आया, शेष को ६० से गुणाकर भभोग ३३७४ का भाग दिया, भागफल २२ घटी प्राप्त हुई, शेष को ६० से गुणाकर फिर भभोग ३३७४ का भाग दिया, भागफल १७ पल प्राप्त हुई, शेष को ६० से गुणाकर भभोग ३३७४ का भाग दिया, भागफल ५९ विपल प्राप्त हुई । (नोट - उपर मासादि लब्धि १२ से अधिक ५१ मास है अतः बारह का भाग दिया तो ४ वर्ष हुए शेष ३ माह बच गये) । गुरु के भुक्त वर्षादि ४। ३। ९।२२।१७।५९ को १९ वर्ष मे से घटा दिया तो भोग्य वर्षादि १४।०८।२०।३७।४२।०१ स्पष्ट हो गये ।

क्रिया(१) धनिष्ठा-भयात २२७८ x ७६ ÷ भभोग ३३७४ = भुक्त वर्षादि ४। ३। ९।२२।१७।५९
भोग्यदशा(वर्षादि १४।८।२०।३७।४५। १) = दशाधीशवर्ष १९ — भुक्तदशा-
वर्षादि ४। ३। ९।२२।१७।५९

क्रिया(२) शतभिषा-भयात २२७८ x ७६ ÷ भभोग ३३७४ = भुक्त वर्षादि ४। ३। ९।२२।१७।५९
भोग्यदशा(वर्षादि ८। ४।२०।३७।४५। १) = दशाधीशवर्ष १९ — (भुक्तदशा-
वर्षादि ४।३।९।२२।१७।५९ + गत एकनक्षत्र धनिष्ठा दशामानवर्षादि ६।४ = १०। ७। ९।२२।१७।५९)

क्रिया(३) पूभा-भयात २२७८ x ७६ ÷ भभोग ३३७४ = भुक्त वर्षादि ४। ३। ९।२२।१७।५९
भोग्यदशा(वर्षादि २।०।२०।३७।४५। १) = दशाधीशवर्ष १९ — (भुक्तदशा-
वर्षादि ४।३।९।२२।१७।५९ + गत दो नक्षत्र धनिष्ठा शतभिषा दशामानवर्षादि १२।८ = १६।११। ९।२२।१७।५९)

॥ अथ योगिनी भुक्त-भोग्य दशा आनयन विधि ॥

गतर्क्षनाडी गुणिता दशाब्दैः सर्वर्क्षनाडीविहृता फलं यत् ।
वर्षादिकं भुक्तफलं ततश्च भोग्यं दशाब्दात्प्रविशोध्य लेख्यम् ॥

हिन्दी- सर्वप्रथम जन्मकालीन नक्षत्र का भयात और भभोग ठीक तरह से (भयात और भभोग के घटी-पलों को पलात्मक) बनाकर जिस योगिनी की महादशा में जन्म सिद्ध हुआ हो उसके महादशावर्ष से (भयात को) गुणा दें और भभोग से भाग दें तब जो लब्धि आवे (वह वर्षात्मक होगा शेष को १२ से गुणा कर फिर भभोग का भाग देने से भागफल में माह होगा, शेष को ३० से गुणा कर फिर भभोग का भाग देने से भागफल में दिन आयेगा, ऐसे ही शेष को ६० से गुणा और भभोग से भाग देने पर घटी पल विपल होगा) वही उस योगिनी का भुक्त होगा, इसे महादशावर्ष में घटाने से शेष भोग्यकाल रहेगा अर्थात् भुक्त के तुल्य जन्मकाल से पहिले ही गुजर गया है और भोग्यकाल के समान जन्मसमय के आगे बीतेगा, यह सिद्ध होता है ॥६॥

उदाहरण — जैसे किसी जन्मकालीन भयात १५ घटी, ३० पल और भभोग ६० घटी, ५० पल तथा जन्मदशा भद्रिका की है अतः भयात-भभोग का पलात्मक बनाया (भयात ९३० = १५ x ६० + ३०, भभोग ३६५० = ६० x ६० + ५०) अब पलात्मक भयात ९३० को भद्रिका के महादशावर्ष ५ से गुणा किया तो ४६५० हुआ । इस ४६५० में पूर्वोक्त क्रिया से पलात्मक भभोग ३६५० का भाग दिया तो प्राप्तांक १।३।८।३७।४८ वर्षादि भुक्त महादशा होगी । इस प्रकार भुक्तदशा को भद्रिका की महादशावर्ष ५ में घटा दिया तो भोग्य महादशा वर्षादि ३।८।२१।२२।१२ हुई । ऐसे ही सर्वत्र गणित के द्वारा भुक्त-भोग्य लाना चाहिये ॥६॥
एवं सर्वत्र करणीयम् । - **पं. ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री)**

१ मूंग
२ हरितवस्त्र
३ सुवर्ण
४ कांस्य
५ घृगमद
६ आज्य
७ पद्मरत्न
८ दासी
९ हस्तिदंत



ईशान्याबाणाकारमंडल अंगुल ४ मगधदेश आत्रेयसगोत्र पीतवर्ण कन्यामिथुनको स्वामी जप ४०००

१ चित्राम्बर
२ श्वेताश्व
३ धेनु
४ हीरा
५ रौप्य
६ सुवर्ण
७ तंदुल
८ सुगंध
९ घृत



पूर्वे पंचकोणमंडल वृष तुलाको स्वामी भोजकट देश भार्गवसगोत्र श्वेतवर्ण जप १६,०००

१ वंशपात्र
२ तंदुल
३ कर्पूर
४ मौक्तिक
५ श्वेतवस्त्र
६ वृषभ
७ रौप्य
८ घृतकुंभ
९ शंख



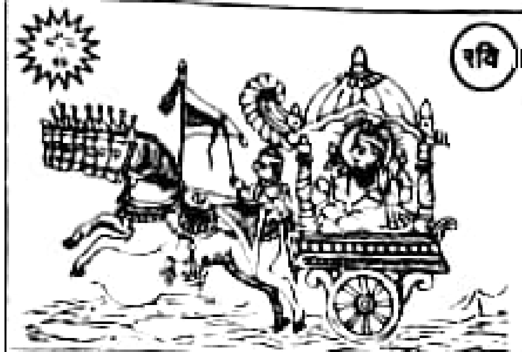
आग्नेय्या चतुरस्रमंडल अंगुल ४ यमुनातीर आत्रेयसगोत्र श्वेतवर्ण कर्कको स्वामी जप

१ अश्व
२ शर्करा
३ हलद
४ पीतधान्य
५ पीतवस्त्र
६ पुष्पराग
७ लवण
८ कांचन



उत्तरदायचतुरस्रमंडल अंगुल ६ सिंधुदेशाद्भव आंगि-रस गोत्र पीतवर्ण धनु मीनका स्वामी जप१९०००

१ माणिक
२ गेहूं
३ धेनु
४ कुसुंभ
५ गुड
६ ताम्र
७ रक्तवस्त्र
८ रक्तपुष्प
९ सुवर्ण



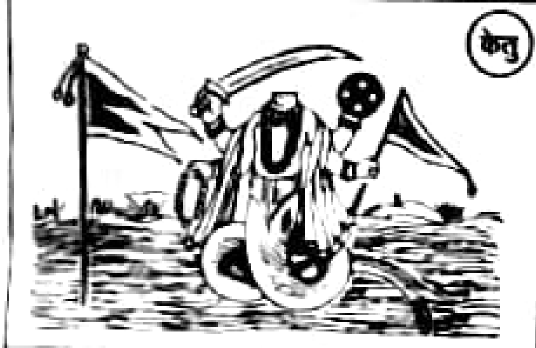
मध्यवर्तुलमंडल अंगुल १२ कलिंगदेशाद्भव काश्यप-सगोत्र रक्तवर्ण सिंहको स्वामी जप ७०००

१ प्रवाल
२ गेहूँ
३ मसूर
४ ताम्रवस्त्र
५ गुड
६ सुवर्ण
७ ताम्र
८ कण्हेर
९ वृषभ



द. त्रिकोणमंडल अंगुल ३ अवंतीदेशाद्भव भारद्वाज-सगोत्र रक्तवर्ण वृश्चिक मेषको स्वामी जप

१ वैडूर्य
२ तिल
३ कंबल
४ कस्तूरी
५ शस्त्र
६ कृष्णवस्त्र
७ तैल
८ कृष्णपुष्प
९ छाग
१० लोहपात्र



वायव्य ध्वजाकारमंडल केतु अंगुल ६, अवंतिदेश जैमिनिसगोत्र धूम्रवर्ण जप १७०००

१ माष
२ तिल
३ तैल
४ कुलित्थ
५ महिषी
६ लोहू
७ कृष्णागौ
८ इंद्रनील
९ शामवस्त्र



प. धनुराकारमंडल अंगुल २ सौराष्ट्रदेश काश्यपसगोत्र मकर कुंभको स्वामी कृष्णवर्ण जप २३०००

१ गोमेदरत्न
२ अश्व
३ नीलवस्त्र
४ कंबल
५ तिल
६ तैल
७ लोह
८ अभ्रक



नैऋत्या शूर्पाकारमंडल अंगुल १२ काश्मीरदेश पैठीनसगोत्र कृष्णवर्ण जप १८०००

॥ आवश्यक मुहूर्ताः ॥

सं.	मुहूर्त	नक्षत्रादि	ति.	वार	लग्न
१	रजोदर्शन	अश्वि.मृ. ह.चि. स्वा.अनु. उत्तरा ३ श्र.ध. श. रे. माघ,फाल्गुन मार्गशीर्ष वैशाख ज्येष्ठ आश्विन शुक्ल	शुभ	चं. बु. गु. शु.	शुभ
२	रज स्नान	अश्वि.रो. मृ. उत्तरा ह. स्वा. अनु. ज्ये. धनि. रे.	शुभ	शु.	शु.
३	गर्भाधान	रो. मृ. उ ३. ह. स्वा. अनु. श्र. ध. शत.	शुभ	शु.	शु.
४	पुंसवन	मृ. पुन. पुष्य हस्त मूल श्र. मास ३ शुक्ल पक्ष	शुभ	शु.	शु.
५	सीमंत(अगरनी)	मृ. पुन. पुष्य ह. मू. श्र. मास. ८ शुक्ल पक्ष	शुभ	सू.बु.मं.	शु.
६	जातकर्म	अश्वि.रो.,मृ.पुन.पुष्य,उ.३.ह.चि.,स्वा.,अनु.,मू.,श्र.,ध.,शत.,रे.	शुभ	सू.बु.मं.	शुभ
७	नामकरण	जातकर्म नक्षत्रादि लेना,जन्माशौच के अन्त में चारों वर्णों के करना, जैसे ब्रा. ११ दि., क्ष. १३ दि. वै. १६ दि., शू. १ मास	शुभ	शु.	शु.
८	पालना में सुलाना	अश्वि. रो.मृ.पु. उत्तरा ३ ह.चि.अनु.रे. रवि भाद् गणना आरोग्य ५, कष्ट ५, मृ. ५ रो. ५, सु. ७	शुभ	शु.	शु.
९	अन्न प्राशन	अश्वि. रो. मृ.पुन. उत्तरा ३ ह.चि. स्वा. अनु. श्र. ध. श. रे. पुरुष ६-८ मास, स्त्री के ५-७ मास, पुरुष सम - स्त्री विषम मास	२-३-५-७	शु.	शु.
१०	चौलकर्म	अश्वि.मृ.पुन.पुष्य.ह.चि.स्वा.ज्ये.अभि.श्र.ध.शत.रे. वर्ष ३।५।७ विषमवर्ष,चान्द्रमासा:- माघ,फा.वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ, चैत्र रहित उत्तरायणे	२-३-५-७ १०,११,१३	चन्द्र,बुध गुरु,शुक्र	शु.
११	विद्यारंभ	अश्वि. रो. मृ.आर्द्रा पुन.पु.श्ले. पू. ३ उ. ३ ह. चि. स्वा. श्र.ध. शत. अनु. मूल. रे. (उत्तरायने)	२,३,५,६ १०,११,१२	सू. गु. शुक्र	शु. शु.
१२	वापी-कूपतडाग	रो. मृग,पुष्य,मघा,उ. ३ ह. अनु.पू.षा.ध. शत.रे.	शुभ	शु.	शु.
१३	गृहारम्भ सक्रान्तिमासयुता चान्द्रमासाः ग्राह्या	रो.मृ.पुष्य,उत्तरा.३ हस्त चि.स्वा.अनु.धनि.शत.रे. मेष,वृष,कर्क,सिंह,तुला,वृश्चि,मक,कुंभ,संक्रा.मासा: जाग्रतिभूमी,वत्स चक्रशुद्ध,विपञ्चक(अग्निबाण रहिते) चैत्र-वैशा,ज्येष्ठ,आषा-श्रा,भाद्र,आश्वि,कार्ति-मार्ग,पौष-माघ,फा	२,३,५,७ १०,११,१२ १३,१५,कृ१	चं.बु.गु. शु.श.	२।३।५ ६।९ ११।१२ दिवा
१४	क्रय	अश्वि. चि. स्वा. शत. रे.	शुभ	शु.	शु.
१५	विक्रय	कृ. म. आश्ले. पूर्वा. ३ विशाखा	शुभ	सू.चं.बु. बृ.शु.श.	शु.
१६	नौकर रखने	अश्वि. मृ. पुष्य. ह. चि. अनु. रे.	शुभ	शु.सू.बु.बृ.	शु.
१७	बीज बोना राहु माढणना	अश्वि.रो.मृ.पुष्य म.उ. ३ ह.चि.स्वा.अनु.मू.रे.ने ८ श्रे. ३ ने. १,श्रे. ३ ने. १,श्रे. ३ ने. १,श्रे. ३ ने. ४	शुभ	सू.चं.बु. बृ.शु.श.	शुभ
१८	रोग मुक्त स्ना.	अश्वि. भ.कृ.मृ. आर्द्रा. पुष्य पु. ३ ह.चि.वि. अनु. ज्ये. मू. श्र. ३	अशुभ	सू.मं.बु. बृ.श.	अशुभ (चर)
१९	देवस्थापन (प्रतिष्ठा)	अश्वि. रो.मृ. पुन. पुष्य. उत्तरा. ३ ह. चि. स्वा. अनु. श्र. ध. शत. रे. उत्तरायणे	शुभ	सू.चं.बु. बृ.शु.श.	शु.
२०	भूषणादिधारण	अश्वि. रो. पुन. उ. ३ ह.चि. स्वा.वि. अनु. ध. रे. सौभाग्यवती को. रो. पुन. पुष्य उत्तरा ३ त्याज्या	शुभ	सु. बु. बृ. श.	शु.
२१	औषधसेवन	अश्वि.मृ.पुन.पुष्य.ह.चि.स्वा.अनु.मू. श्र. ध.श. रे.	शुभ	शु.	द्वि.स्व.

॥ गृहप्रवेश मुहूर्तम् ॥

मासाः	वै. ज्ये.माघ फा.उत्तरायणे रवौ श्रेष्ठा जीर्णे गृहेषु कार्तिक,मार्ग, श्रावणमासाः अपिग्राह्याः
नक्षत्राणि	उत्तरा ३ अनु.रो. मृ. चि. रे. एतद्वारस्थलेषु च कुम्भ चक्रशुद्धौ जीर्णे तु पुष्य.स्वा. धनि. शत. अपिग्राह्याः पापरहितेष्वपि विद्वनेषु ।
वाराः	चं. बु. बृ. शु. शनि तिथयः १।२।३।५।६।७।८। १०।११।१२।१३ ग्राह्याः (शुक्ला १ नेष्टा) S
लग्नम्	२।५।८।११ सत् ३।६।९।१२ मध्या तत्र लग्नस्थचन्द्रः न शुभः
	लग्नात् ४।८ शुद्धयोः १।२।३।५।७।९।१०।११ एषु शुभैः ३।६।११ एषु पापैः वामार्के सति शुभः दिवाकाले वा गुरुशुक्रयोरुदितयोः ।

॥ अथ यज्ञोपवीत धारण मुहूर्त चक्रम् ॥

नक्षत्र ग्राह्य	अश्वि.रो.मृ.आर्द्रा.पुन.पुष्य.श्ले.पू. ३ उ. ३
नक्षत्राणि	ह. चि. स्वा. अनु. मू. श्र. ध. श. रे.
कर्ण वेध	कृ. म. म. ज्येष्ठा विशा.
कर्णवेध न.	मृ. आर्द्रा. श्ले. पू. ३ ह. चि. स्वा. मू.
जनेऊ ग्राह्य	मृ. पुन. पुष्य. उत्तरा ३ ह. अनु. रे.
समावर्तन	अश्वि. आर्द्रा. पुष्य. उ. ३ ह. श्र. ध.
अक्षरारम्भ	अश्वि. पुन. मृ. ह. अनु. ध. रे.
सर्वेषां वारा:	सू. चंद्र.बु. गु. शुक्र.लग्न १।३।५।६।९ (२)
तिथ्यादि	कृ. २, ३, ५ शुक्ल २, ३, ५, १०, ११, १२ उत्तरायणे, चैत्ररहिते वा मीनार्के (?) शुभम्
वर्जितादि	४।६।८।९।१३।१४।१५।३०, रात्रि.,प्रदो.,अन.,भद्रा अनध्याय,उन्माद,गुरु-शु.,दग्धर्क्ष.,अस्त.शिशुत्व.

S गृहप्रवेशे विशेषः - कहीं कहीं लोकाचार (राजस्थान आदि) में बुधवार को गृहप्रवेश नहीं करते हैं लेकिन व्यापारगृह का शुभारम्भ लाभदायक समझते हैं । अस्तु । देशाचारानुसार निर्णय लें । शास्त्रीय दृष्टि से रवि, मंगल को छोड़कर सभी वार ग्राह्य है । यथा - "व्यर्कारिरिक्तावरदर्शचैत्रे । अर्कारी प्रसिद्धौ वारौ (रवि,मंगल) । अर्कादयः प्रवेशदिने निषिद्धा इत्यर्थः" । - पीयूषधारा (श्लो.४, पृ.५८७)

गृहप्रवेशे कालशुद्धिः-

सौम्यायने ज्येष्ठतपोऽन्त्यमाधवे यात्रानिवृत्तौ नृपतेर्नवे गृहे ।
स्याद्वेशनं द्वाःस्थमृदुध्रुवोडुभिर्जन्मर्क्षलग्नोपचयोदये स्थिरे ॥

गृहप्रवेशकलशचक्रम् सूर्यनक्षत्रात् (अति-विशेष)

नक्ष.	अंग	फलं
१	मुख	मृत्यु
४	पूर्व	गमन
४	दक्षिण	धन
४	पश्चिम	लक्ष्मी
४	उत्तर	वैर
४	गर्भ	शोक
३	कंठ	स्थिरता
३	गुद	सुख

गृहारंभे वृष चक्रम् सूर्यनक्षत्रात् (वास्तुवि.)

नक्ष.	अंगानि	फलम्
३	शिरसि	दाहः
४	अग्रपादे	शून्यम्
४	पृष्ठपादे	स्थिरता
३	पृष्ठे	श्रीः
४	दक्षिणकु.	लाभ
३	पुच्छे	स्वामिनाश
४	वाम कु.	दारिद्र्यम्
३	मुखे	पीडा

गेहारम्भे - कैश्चिन्नेषरवौ मघौ इति १ नेषसंस्थे रवौ मघौ पौषे मासि गेहप्रारम्भं शुभं स्यात् इत्यादि ॥१६॥ - पीयूषधारा (पृ.५६८)

अथ गृहारम्भे पञ्चाङ्गशुद्धिं चानुष्टुभाह - भौमार्करिक्तामावास्ये चरोने च विपञ्चके । व्यष्टान्त्यस्थैः शुभैर्गेहारम्भस्त्वायारिगैः खलैः ॥१८॥ भौमार्केति । भौमार्कौ वारौ रिक्ताश्च प्रसिद्धाः । चरोने चरराशिभिः मेषकर्कतुलामकरैरूनेऽर्थात् लग्ने स्थिरे द्विस्वभावे च गृहारम्भः कार्यः । विवाहप्रकरणोक्तानि पञ्चकानि रोगाग्निराजचोरमृत्युसंज्ञानि तैः रहितेऽर्थात् लग्ने पञ्चकरहिते लग्ने इत्यर्थः ॥१८॥ - पीयूषधारा (पृ.५७०) हिन्दी-ग्राह्य राशिलग्न. स्थिर,द्विस्वभाव । त्याज्याः वृश्चि.लग्न और चरलग्न (मेष,कर्क,तुला,मकर), अग्निबाण, सक्रांतिरहिता चांद्रमासाः ॥

होमादौ ग्रहमुखे... चक्रम् । सूर्यभात्त्रित्रिभे चान्द्रे सूर्यादिखगहुत्रयम् । अग्ने... ग्रहाः... होमाहुतिः खले ॥३५॥ - पीयूष पृ.१७७

ग्रहाः	नक्ष.	फलम्
सूर्य	३	धननाश:
बुध	३	वृद्धिवर्धन
शुक्र	३	सम्पत्तिः
शनि	३	धननाश:
चंद्र	३	कुशिलन:
मंगल	३	अग्निदाह:
बृह.	३	[illegible]
राहु	३	हानि:
केतु	३	दुर्भिक्ष

सूर्य नक्षत्र से चन्द्र नक्षत्र तक (जिस दिन का देखना हो उस दिन के चन्द्र नक्षत्र तक) अभि. रहित गणना करें, १ से ३ में सूर्य, ४ से ६ बुध, ७ से ९ शुक्र १० से १२ शनि के मुख में, शेष ग्रहों का भी ऐसे ही होगा ।

होलिका विषये- जब मुख्य कर्म का समय मिले तो गौण समय (भद्रा,दिन और प्रतिपदा) क्यों ? - निर्णयसिंधु (परि.२,पृष्ठ ३४१-२) यथा - भद्रायां दीपिता होली राष्ट्रभङ्गं करोति वै । नगरस्य च नैवेष्टा तस्मात्तां परिवर्जयेत ॥ तथा- भद्रायां द्वे न कर्तव्ये श्रावणी फाल्गुनी तथा । श्रावणी नृपतिं हन्ति ग्रामं दहति फाल्गुनी ॥ -निर्णयसिंधु (परि.२) **गौण समय** - धर्मशास्त्रों में जिस कर्म (व्रतोत्सव,त्यौहार आदि) का ग्राह्य-काल नहीं लिखा हो या जिस काल के लिए मना किया हो... A

A उसे गौणकाल या गौण समय कहते हैं । जैसे होली के लिए ज्योतिर्निबन्ध में कहा है ज्योतिर्निबन्धे तु - प्रतिपद्भूतभद्रासु यार्चिता होलिका दिवा । संवत्सरं च तद्राष्ट्रं पुरं दहति सा द्रुतम् ॥ प्रदोष व्यापिनी ग्राह्या पौर्णिमा फाल्गुनी सदा । तस्यां भद्रामुखं त्यक्त्वा पूज्या होला निशामुखे ॥ २॥ इति नारदवचनात प्रदोषव्यापिनीयुक्तम् । भद्रामुखं त्यक्त्वा इति रात्रिपर्यंन्त भद्रापक्षे । **प्रदोषकाल:-** सूर्यास्तोत्तरं त्रिमुहूर्तः प्रदोषः॥ दिनस्य पञ्चदशो भागो मुहूर्तः ॥ दिन के पन्द्रहवें(१५) भाग को मुहूर्त कहते हैं । -धर्मसिंधु ॥ **प्रदोषकाल:-** सूर्यास्त से १ घंटा १२ मि. (३ घटी) तक के समय को प्रदोष मध्यकाल कहते हैं, विषम स्थिति में इसी सूत्र से निर्णय होता है जिसे अर्थापत्ति कहते हैं ।

हद्दासारिणी १

मेष	वृष	मि.	कर्क	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	राशयः
गु.६	शु.८	बु.६	मं.७	गु.६	बु.७	श.६	मं.७	गु.१२	बु.७	बु.७	शु.१२	स्वामि - अंश
शु.६	बु.६	शु.६	शु.६	शु.५	शु.१०	बु.८	शु.४	शु.५	गु.७	शु.६	गु.४	स्वामि - अंश
बु.८	गु.८	गु.५	बु.६	श.७	गु.४	गु.७	बु.८	बु.४	शु.८	गु.७	बु.३	स्वामि - अंश
मं.५	श.५	मं.७	गु.७	बु.६	मं.७	शु.७	गु.५	श.५	श.४	मं.५	मं.९	स्वामि - अंश
श.५	मं.३	श.६	श.४	मं.६	श.२	मं.२	श.६	मं.४	मं.४	श.५	श.२	स्वामि - अंश

होरा सारिणी २

मेष	वृष	मि.	कर्क	सि.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	राशयः
५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	अंशाः १५
४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	अंशाः ३०

त्रिंशांश सारिणी ३

विषमे त्रिंशांशः							समे त्रिंशांशः						
अंशाः	मेष	मि	सिंह	तुला	धनु	कुंभ	वृष	कर्क	क.	वृ.	म.	मी.	अंशाः
५	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	५
१०	११	११	११	११	११	११	६	६	६	६	६	६	१२
१८	९	९	९	९	९	९	१२	१२	१२	१२	१२	१२	२०
२५	३	३	३	३	३	३	१०	१०	१०	१०	१०	१०	२५
३०	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	३०

सप्तमांश सारिणी ४

मेष	वृष.	मि.	कर्क	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	राशयः
१	८	३	१०	५	१२	७	२	९	४	११	६	४।१७।८।३४
२	९	४	११	६	१	८	३	१०	५	१२	७	८।३४।१७।०८
३	१०	५	१२	७	२	९	४	११	६	१	८	१२।५१।२५।२३
४	११	६	१	८	३	१०	५	१२	७	२	९	१७।८।३४।१७
५	१२	७	२	९	४	११	६	१	८	३	१०	२१।२५।४२।५१
६	१	८	३	१०	५	१२	७	२	९	४	११	२५।४२।५१।२६
७	२	९	४	११	६	१	८	३	१०	५	१२	३०।००।००।००

द्रेष्काण सारिणी ५

मेष	वृष	मि.	कर्क	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	राशयः
मं.१	शु.२	बु.३	चं.४	सू.५	बु.६	शु.७	मं.८	गु.९	श.१०	श.११	गु.१२	अंशाः १०
सू.५	बु.६	शु.७	मं.८	गु.९	श.१०	श.११	गु.१२	मं.१	शु.२	बु.३	चं.४	२०
गु.९	श.१०	श.११	गु.१२	मं.१	शु.२	बु.३	चं.४	सू.५	बु.६	शु.७	मं.८	३०

तारा बोधाय ६

वर के नक्षत्र से कन्या के नक्षत्र तक और कन्या के नक्षत्र से वर के नक्षत्र तक गिनकर ९ का भाग देवे शेष बचे उसके अनुसार तारागुण चक्र द्वारा गुण देखें। ध्यान रहे शेष शून्य बचे तो ९ संख्या का फल देखें।

नवमांश सारिणी ७

मेष	वृष	मि.	कर्क	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	राशयः अंश- क.
१	१०	७	४	१	१०	७	४	१	१०	७	४	३।२०
२	११	८	५	२	११	८	५	२	११	८	५	६।४०
३	१२	९	६	३	१२	९	६	३	१२	९	६	१०।००
४	१	१०	७	४	१	१०	७	४	१	१०	७	१३।२०
५	२	११	८	५	२	११	८	५	२	११	८	१६।४०
६	३	१२	९	६	३	१२	९	६	३	१२	९	२०।००
७	४	१	१०	७	४	१	१०	७	४	१	१०	२३।२०
८	५	२	११	८	५	२	११	८	५	२	११	२६।४०
९	६	३	१२	९	६	३	१२	९	६	३	१२	३०।००

द्वादशांश सारिणी ८

मेष	वृष	मि.	कर्क	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	राशयः अंश- क
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	२।३०
२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	५।००
३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	७।३०
४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	१०।००
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	१२।३०
६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	१५।००
७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	१७।३०
८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	२०।००
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	२२।३०
१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	२५।००
११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	२७।३०
१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	३०।००

त्रिराशिपतिचक्रम् ९

मेष	वृष	मि.	कर्क	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	राशयः
सू.	शु.	श.	शु.	गु.	च.	बु.	मं.	श.	मं.	गु.	चं.	दिने
गु.	चं	बु.	मं.	सू.	शु.	श.	गु.	श.	मं.	गु.	चं.	रात्रौ

अथ हर्षबलम्- नंदत्रिषड्लग्नभवर्क्षपुत्रव्यया इनाद्धर्षपदं स्वभोच्चम् ॥
त्रिधंत्रिलग्नभतः क्रमेण स्त्रीणां नृणां रात्रिदिनेषु तेषाम् ॥१॥

अर्थ - वर्ष लग्न में सूर्य ९, चन्द्र ३, मंग ६, बुध १, गुरु ११ भृगु ५ शनि १२ में स्थान में होय तो हर्षता है और स्वगृही उच्च का ग्रह होता है सो हर्षबल देता है और लग्नकुण्डली में स्त्री. स्त्री. स्त्री. पु. पु. पु. ऐसी द्विरीआवृत्ति करके स्त्री गृह स्त्री गणना में आवे तो हर्षबल देता है और पुरुष ग्रह पु. गणना में आवे तो हर्षबल देता है और दिन में प्रवेश होय तो पुरुषग्रह हर्षबल देता है और रात्रि में वर्ष प्रवेश होय तो स्त्री ग्रह हर्षबल देता है। इसी तरह एक एक का हर्षबल ५ पांच का होता है जब चारों में बल आने से २० का पूर्ण बल होता है।

पंचवर्गी बलम्

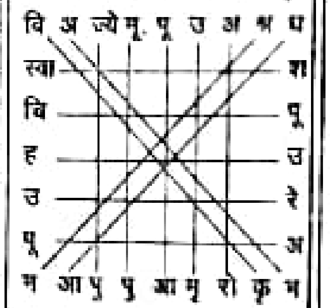
स्वर्क्ष	उच्च	हद्दा	द्रेष्का.	नवां.	नवांश सं.	मे.	वृष	मि...
३० ०	२० ०	१५ ०	१० ०	५ ०	स्व.	सिं.	क.	तु
२२ ३०	१५ ०	११ १५	७ ३०	३ ४५	मित्र	ध.	म	कु
१५ ०	१० ०	७ ३०	५ ०	२ ३०	सम.	३ २०	६ ४०	१० ०
७ ३०	५ ०	३ ४५	२ ३०	१ १५	शत्रु	१६ ४०	२० ०	२३ २०

भद्रा-मुख-पुच्छ-घटी-ज्ञान ११

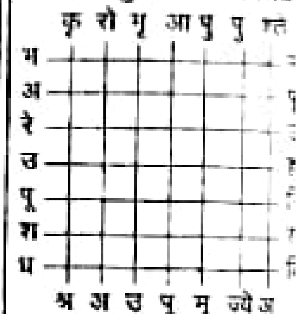
	शुक्ल पक्ष				कृष्ण पक्ष			
तिथि	४	८	११	१५	३	७	१०	१४
प्रहर	५	२	७	४	८	३	६	१
आदि मुख घटी	५	५	५	५	५	५	५	५
प्रहर	८	१	६	३	७	२	५	४
अंत पुच्छ घटी	३	३	३	३	३	३	३	३

तिथिभोग (आरंभ से अंत तक) के घट्यादि मान में ८ के भाग... लब्धांक १ प्रहर का मान होता है। तिथि के आरंभ से प्रहर की ... करनी चाहिये।

विवाहे पंचशलाकाचक्रम्



सर्वकार्येषु सप्तशलाका...



अथ मांगलिक बोधाय (पूर्वपाठः)

लग्ने व्यये च पाताले, जामित्रे चाष्टमे कुजे।
कन्या भर्तुर्विनाशाय भर्ता कन्या विनाशकः ॥

वर कन्या के परस्पर जन्मांग और राशिचक्र के लग्न, चतुर्थ, स... अष्टम् और द्वादशभावों में अवस्थित मंगल परस्पर विनाशकारी है।

द्वादशराशिपरत्वे नवग्रहादिघातचक्रे मासतिथिनक्षत्रादिवीणां घातचन्द्रकोष्टकम्

राशि	मास	तिथि	वार	नक्षत्र	योग	करण	प्र	ल	सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	घ	प
मेष	कार्तिक	नंदा	रवि	मघा	विष्कं.	बव	१	१	४	१	५	२	६	७	३	८	९	३	३८
वृषभ	मार्ग	पूर्णा	शनि	हस्त	शु.	श	४	२	८	५	९	६	१०	१०	७	१२	८	४	११
मिथुन	आषाढ	भद्रा	चंद्र	स्वाती	परि.	कौ	३	४	१२	९	९	१०	२	३	११	४	७	५	२३
कर्क	पौष	भद्रा	बुध	अनु.	व्या.	ना	१	७	५	२	६	३	७	८	४	९	९	५	४४
सिंह	ज्येष्ठ	जया	शनि	मूल	ध्रु.	ब	१	१०	९	६	१०	७	११	१२	८	२	५	५	५०
कन्या	भाद्र	पूर्णा	शनि	श्रवण	शु.	कौ	१	१२	१	१०	२	११	३	४	१२	५	३	५	४१
तुला	माघ	रिक्ता	गुरु	शत.	शु.	तै	४	६	६	३	७	४	८	९	५	१०	६	५	४१
वृश्चिक	आश्विन	नंदा	भृगु	रेवती	व्यती.	ग	१	८	१०	७	११	८	१२	९	९	२	२	५	५०
धनु	श्रावण	जया	भृगु	भरणी	वरी	तै	१	९	७	४	८	५	९	१०	६	११	१०	५	४२
मकर	वैशाख	रिक्ता	भौम	रोहिणी	वै.	श	४	११	१२	८	१२	९	१	२	१०	३	११	५	२
कुंभ	चैत्र	जया	गुरु	आर्द्रा	ग.	कि.	३	३	२	११	३	१२	४	५	१	६	५	४	८
मीन	फाल्गुन	पूर्णा	शुक्र	आश्ले.	वै.	ब	४	५	६	१२	४	१	५	६	२	७	१२	३	३५

योनी लाभालाभ कोष्टकम्

अंध	मन्द	मध्य	सुलो
रोहि	मृग	आ	पु
पु	आ	म	पू
उ	ह	चि	स्वा
वि	अनु	ज्ये	मू
पू	उ	मि.	श्र
ध	श	पू	उ
रे	अ	भ	कृ
शीघ्र मि पू	दिन ३ मि द	मा १ मि प	मिले नहीं ध

॥ अथ ग्रहाणां मित्र सम शत्रूच्च-नीच-स्वगृह दृष्टि रत्नादि कोष्टकम् ॥

ग्रहाणां नाम	रवि	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
मित्रग्रहा	चं.मं.गु.	सू.बु.	र.गु.चं.	सू.रा.शु.	सू.चं.मं.	बु.रा.श.	बु.रा.शु.	बु.श.शु.	बु.श.शु.
समग्रहा:	बु	मं.गु.शु.श.	शु.श.	श.मं.गु.	श.रा.	मं.गु.	गु	गु	गु
शत्रुग्रहा:	श.रा.शु.	रा.	बु.रा.	चं	बु.शु.	सू.चं.	सू.चं.मं.	सू.चं.मं.	सू.चं.मं.
उच्चराशय:	मेष	वृषभ	मकर	कन्या	कर्क	मीन	तुला	मिथुन	धनु
परमोच्चांशा:	१०	३	२८	१५	५	२७	२०	०	१५
नीचराशय:	तुला	वृश्चिक	कर्क	मीन	मकर	कन्या	मेष	धनु	मिथुन
नीचांशा:	१०	३	२८	१५	५	२७	२०	०	१५
ग्रहाणां स्वगृहाणि	सिंह	कर्क	मेष वृश्चिक	कन्या मिथुन	धनु मीन	तुला वृषभ	मकर कुंभ	कन्या	मीन
एकपाददृष्टि:	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	०।०	३।१०	३।१०
द्विपाददृष्टि:	५।९	५।९	५।९	५।९	०।०	५।९	५।९	५।९	५।९
त्रिपाददृष्टि:	४।८	४।८	०।०	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८
संपूर्णदृष्टि:	७	७	४।७।८	७	५।९।७	७	३।१०।७	७	७
ग्रहाणांवर्षाणि	२२	२४	२८	३२	१६	२५	३६	४२	४२
नेष्टग्रहस्य वर्ष दानोपायसाधन	हरिवंश श्रवण	रुद्रार्चन	रुद्रज	कांस्य दान	अमावस्या व्रत	गोप्रीति पालन	मृत्युंजय जप	भुजंग दान	ध्वजा दान
रत्नशो भु प्राक्	मास १	दिन २१	मा. १॥	मास १	मा १३	मास १	मा ३०	मा. १८	मा. १८
ग्रह रत्नानि	माणक	मोति	प्रवाल	पन्ना	पुष्पराग	हीरा	नीलम	पिरोज	लसणी
समय	मध्याह्न	अपराह्न	मध्याह्न	प्रभात	प्रभात	अपराह्न	अपराह्न	अपराह्न	अपराह्न
अष्टोत्तरीदशा	६	१५	८	१७	१९	२१	१०	१२	०
योगिनीदशा	मंगला	पिंगला	धान्या	भ्रामरी	भद्रिका	उल्का	सिद्धा	संकटा	
वर्ष ३६	१	२	३	४	५	६	७	८	
जन्मनक्षत्र वशात्	आर्द्रा चि. श्र.	पुन स्वा. ध.	पु. वि. शत.	अश्वि श्ले. अनु. पूभा.	भ. म. ज्ये. उ.भा.	कृ. पू. फा. मू. रे.	रो. उफा. पू.षा.	मृ. ह. उ.षा.	

॥ वर्ण गुण चक्रम् १ ॥

वरस्य	→	विप्र	क्षत्रिय	वैश्य	शूद्र
कन्याया:	विप्र	१	०	०	०
	क्षत्रिय	१	१	०	०
	वैश्य	१	१	१	०
	शूद्र	१	१	१	१

॥ गणगुण चक्रम् ६ ॥

वरस्य	→	देव	मनुष्य	राक्षस
कन्याया:	देव	६	५	१
	मनुष्य	६	६	०
	राक्षस	०	०	६

॥ ग्रहगुण चक्रम् ५ ॥

वरस्य	→	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
कन्याया:	सूर्य	५	५	५	४	५	०	०
	चंद्र	५	५	४	१	४	॥	॥
	मंगल	५	४	५	॥	५	३	॥
	बुध	४	१	॥	५	॥	५	४
	गुरु	५	४	५	॥	५	॥	३
	शुक्र	०	॥	३	५	॥	५	५
	शनि	०	॥	॥	४	३	५	५

॥ श्रीगुरुचरणकमलेभ्यो नमः ॥

॥ नाडीगुण चक्रम् ८ ॥

वरस्य	→	आद्य	मध्य	अंत्य
कन्याया:	आद्य	०	८	८
	मध्य	८	०	८
	अंत्य	८	८	०

॥ भकूट गुण बोधाय ७ ॥

वर कन्या की परस्पर राशि ३/११, ४/१० तथा ७/७ हों तो ७ गुण लेना अन्यथा शून्य गण लेना, द्विर्द्वादश, षडाष्टक, नव-पंचम (२/१२, ६/८, ९/५) में राशि स्वामी एक ही तो भी ग्राह्य है अन्यथा नहीं ।

॥ योनि गुण चक्रम् ४ ॥

वरस्य	→	अश्व	गज	मेष	सर्प	श्वान्	मार्जार	मूषक	गौ	महिष	व्याघ्र	मृग	वानर	नकुल	सिंह
कन्याया:	अश्व	४	२	३	२	२	३	३	२	०	१	३	२	२	१
	गज	२	४	३	२	२	३	३	३	३	१	३	२	२	०
	मेष	३	३	४	२	२	३	३	३	३	१	३	०	१	१
	सर्प	२	२	२	४	२	१	१	२	२	२	२	१	०	२
	श्वान्	२	२	२	२	४	१	१	२	२	२	०	२	२	२
	मार्जार	३	३	३	१	१	४	०	३	३	२	३	२	२	२
	मूषक	३	३	३	१	१	०	४	३	३	२	३	२	१	२
	गौ	२	३	३	२	२	३	३	४	३	०	३	२	२	१
	महिष	०	३	३	२	२	३	३	३	४	१	३	२	२	१
	व्याघ्र	१	१	१	२	२	२	२	०	१	४	१	२	२	३
	मृग	३	३	३	२	०	३	३	३	३	१	४	२	२	१
	वानर	२	२	०	१	२	२	२	२	२	२	२	४	२	२
	नकुल	२	२	१	०	२	२	१	२	२	२	२	२	४	२
	सिंह	१	०	१	२	२	२	२	१	१	३	१	२	२	४

॥ वश्य गुण चक्रम् २ ॥

वरस्य	→	चतुष्पद	मानव	जलचर	वनचर	कीट.
कन्याया:	चतुष्पद	२	१	१	०	१
	मानव	१	२	॥	०	१
	जलचर	१	॥	२	१	१
	वनचर	०	०	१	२	०
	कीट.	१	१	१	०	२

॥ तारा गुण चक्रम् ३ ॥

वरस्य	→	१	२	३	४	५	६	७	८	९
कन्याया:	१	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
	२	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
	३	१॥	१॥	०	१॥	०	१॥	०	१॥	१॥
	४	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
	५	१॥	१॥	०	१॥	०	१॥	०	१॥	१॥
	६	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
	७	१॥	१॥	०	१॥	०	१॥	०	१॥	१॥
	८	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
	९	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३

तात्कालिक मैत्री चक्रम्

मित्र	शत्रु
२, ३	१, ५
४, १०	६, ७
११, १२	८, ९

पञ्चधा मैत्री चक्रम्

१	मित्र + मित्र	अतिमित्र
२	मित्र + सम	मित्र
३	मित्र + शत्रु	सम
४	सम + शत्रु	शत्रु
५	शत्रु + शत्रु	अतिशत्रु

ज.जाग्रताद्यवस्था

विषमे	अंशा:	समे
जाग्रत्	१०	सुषुप्ति:
स्वप्न	२०	स्वप्न
सुषुप्ति:	३०	जाग्रत्

बालाद्यवस्था

विषमे	अंशा:	समे
बाला.	६	मृता.
कुमारा	१२	वृद्धा.
युवा.	१८	युवा.
वृद्धा.	२४	कुमारा
मृता.	३०	बाला.

अश्वचक्रम्

सूर्यभात्	५	१०	२	४	५	२
अंगानि	स्कंधे	पृष्ठे	पुच्छे	पदे.	उदरे	मुखे
फलम्	लक्ष्मी	अर्थसिद्धि	स्त्रीनाश	रणभङ्ग	अन्नलाभ	अर्थलाभ

अथ घातचन्द्रादयत्वं शालिन्याह - नृपङ्काङ्कबाणदिग्वह्निसप्तवेदाष्टेशार्काश्च घातास्यचन्द्रः । मेषादीनां राजसेवाविवादे यात्रायुद्धाद्ये च नान्यत्र वर्ज्यः ॥२७॥ पीयूष.- भूपञ्चाङ्केति । मेषादीनां.. ।
पीताम्बरा - चन्द्रघात दोष - मेषादिक द्वादश राशियों के लिए क्रमशः १, ५, ९, २, ६, १०, ३, ७, ४, ८, ११, १२ घात चन्द्र दोष होता है । जैसे मेष राशि के लिए मेष का, वृषभ राशि का वृषभ से पञ्चम कन्या राशि इत्यादि का चन्द्रमा घात चन्द्रमा होता है । राजसेवा युद्ध यात्रा और विवाद में घात चन्द्रमा वर्ज्य है अन्यत्र वर्ज्य नहीं है ॥२७॥ - पीयूषधारा पृ. ५८१. निर्णयसिन्धु परि.३. पृ.५५७

भ्रात्रादीनां दायविभागमुहूर्त्तयन्त्रम् । (सम्पत्ति का बटवारा)

मासा:	चैत्र	वैशाख	ज्येष्ठ	आषाढ	श्रावण	भाद्रपद	आश्विन	कार्तिक	मार्गशीर्ष	पौष	माघ	फाल्गुन
मासफल	शोक	रोग	मरण	पशुनाश	धनसंप.	दरिद्र	कलहं	वृद्धि	धन	आनन्द	अग्निभय	सिद्धि
नक्षत्राणि	पुष्य	अनुराधा	श्रवण	चित्रा	रेवती	मूल	उत्तरा	धनिष्ठा	मृग.	शत.	०	०
वार	सोम	बुध	गुरु	शुक्र	चंद्रबल	ताराबल	शुभयोग	०	शुभतिथि	०	०	०
वर्ज्यतिथि	१	४	९	१४	८	६	१२	३०	१५	भद्रा	अपयो	०

गृहारंभादिरवननेशोषचक्रम् ।

दिशाकोण	अग्नी स्नात:	ऐशान्यां स्नात:	वायी स्नात:	नैऋत्य स्नात:
गृहारंभे संक्रांति	५। ६। ७	८। ९ ।१०	११।१२। १	२। ३। ४
देवालये संक्रांति	१२। १। २	३। ४ । ५	६। ७। ८	९।१०।११
जलाशये संक्रांति	१०/११/१२	१। २ । ३	४। ५। ६	७। ८। ९

कूप-वापी चक्रम्

सू. नक्ष.	३	३	३	३	३	३	३	३	३
दिशा	मध्ये	पूर्वे	आग्ने	दक्षिण	निर्ऋती	पश्चि.	वायी	उत्तरे	ईशा.
फलम्	शीघ्र जल	जलं नास्ति	मध्यम जल	जल नाश	बहु जल	अमृत जल	क्षार जल	जल	मध्य जल

चुल्लीचक्रम् ।

सूर्यनक्षत्रात्	६	४	८	५	२	२
फल	सुख	मृत्यु	सौख्य	नाश	शोक	मृत्यु
अंग	पृष्ठ	शिर	बाहु	गर्भ	कर	पाद

चुल्लीस्थापनमहूर्तयन्त्रम् ।

वारा:	सू.	सो.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.
वारफल	रोग	धनधान्य	भार्यानाश	लाभ	लक्ष्मी	धननाश	दरिद्र
प्राह्यनक्षत्र	पूर्वा-३	आर्द्रा	रो. पु.	उत्तरा	अश्विनी	चं.बल	शु.तिथि

द्वारशाखा (चोगट) रोपणमुहूर्तयन्त्रम् ।

काष्ठशाला	अश्वि.	पु.	मृ.	पाषाणशाला	ध.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती
रोपण नक्षत्र	ह.	श्र.	स्वा.	नक्षत्र	श.			
तिथिफल	१	२।१०	३	४।१४	५।१५	६	७	८।९
	दु:ख	धननाश	शुभ	अशुभ	धनलाभ	अशुभ	धन	शुभ
त्याज्यवारादि	मं.	श.	चं.	सू.	त्रिपुष्कर	कृत्तिका	पंचक	०

स्त्रीणांचोटीआटीचम्बरमुहूर्त ।

हस्त, मूल, रोहिणी, विशाखा, श्रवण, स्वाति, उत्तरा ३, मृग, बृहस्पति, चन्द्र, शुक्र, सूर्यवार, लग्न ५।४।१२।८।२।३, इन नक्षत्रादिकों में स्त्रियों ने आटी माथा गुथाणा ।

विपणी (दुकान) वाणिज्य मुहूर्त ।

अनु, उत्तरा, पुष्य, रेवती, रोहिणी, मृग, चित्रा, अश्विनी, अभिजित्, हस्त यह नक्षत्र, बृहस्पति, शुक्र, बुध, सोम, शुभ तिथि, शुभलग्न, लग्न में चंद्र शुक्र हो तो दुकान बैठाना श्रेष्ठ है ।

तडागारंभे तडागचक्र

सूर्यनक्षत्रात्	दिशा	फल
२	पूर्व	जलशोष
२	अग्नि	बहुजल
२	दक्षिण	जलनाश
२	निर्ऋति	शुद्धजल
२	पश्चिम	स्वादु
२	वायु	जलशोष
२	उत्तर	स्थिरजल
२	ईशान्य	कुत्सितजल
५	मध्य	पूर्णजल
६	पारिवाह	अमृतजल

गृहप्रवेशे वामार्कज्ञानचक्रम् ।

दिशा	पूर्वमुखे	दक्षिणमुखे	पश्चिममुखे	उत्तरमुखे
लग्नात्सूर्य	८।९।१०	५।६।७	२।३।४	११।१२।१
स्थानि	११।१२	८।९	५।६	२।३
वामो रवि:	रवि	रवि	रवि	रवि

स्तंभस्थापने स्तंभचक्रम् ।

सूर्यनक्षत्रात्	२	२०	६	०
फल	धननाश	सौख्य	मृत्यु	०
काष्ठस्तंभस्थापने त्याज्यनक्षत्र	धनिष्ठा	शत-भिषा	पू.भा.	उ.भा. रेवती

द्वारशाखाचक्रम् ।

सूर्यभात् गणना	४	८	८	३	४
अंग	शिर	कोण	शाखा	देहली	मध्य
फले	लक्ष्मीप्राप्ति	उद्वसन	सौख्य	स्वामीनाश	सौख्य

यात्रा मुहूर्त विचार

अश्विनी, मृग, पुष्य, पुनर्वसु, हस्त, अनुराधा, श्रवण, धनिष्टा, रेवती यह नक्षत्र यात्रा में श्रेष्ठ है। रोहिणी, उ.३, पू.३, मू. मध्यम और आश्लेषा, मघा, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा नेष्ट है। तिथि ४।९।१४।६।१२।३० नेष्ट है। जन्म लग्न और राशि से अष्टम ८ लग्न नेष्ट, कुंभ लग्न और कुंभ नवमांश में मीन पृष्ठोदय लग्न और घात चन्द्र नेष्ट है। लग्न से शुभ ग्रह १।४।७।१०।९।५ श्रेष्ठ। पापग्रह ३।६।१०।११ श्रेष्ठ। शनि १०, शुक्र ७, चन्द्र १।६।८।१२, लग्नेश ६।७।८।१२ नेष्ट है।

नूतनशकट (गाडा) चलाणेरा मुहूर्त ।

अदितिक्षिप्रमशाक्रमृदुस्त्वा
भृगुजवाक्पतिपूर्णजयातिथौ ॥
शकटनावसुखासनशिल्पिका
भ्रमणिकाघरहट्टकसिद्धिदम् ॥१॥

टीका - पुनर्वसु, पुष्य, अश्विनी, हस्त, ज्येष्ठा, मृग, चित्रा, अनुराधा, रेवती, शुक्रवार, गुरुवार, ५।१०।१५।३।८।१३ यह तिथि गाडी, नौका, आसण, पालखी, हिंडोरा, रहट इत्यादि शु० काम में शुभ।

कर्ण वेध मु. चक्रम्

नक्षत्राणि	अश्वि. पुन. पुष्य. हस्त, चित्रा अनु. मूल. श्रव. धनि. रेवती
वारा:	सोम, बुध, गुरु, शुक्र.
शुभ तिथि	२, ३, ५, ७ १०, ११, १३ कृ. १

(१) सूर्यसंक्रान्ति से [illegible] २१।२४ दिन पछली सूली [illegible], (२) सूर्यनक्षत्रात् [illegible] शुभायनं केचित्। नोट-पञ्चाङ्ग में प्रथमपक्ष का ग्रहण किया है।

भद्राअंगविभागफलचक्रम् ।

घडी	५	१	११	४	६	३
अंग	मुख	गल	वक्ष	नाभि	कटि	पुच्छ
फल	हानि	मृत्यु	दरिद्र	उन्मत्तता	नाश	जय

सूर्यभात् काष्ठगोमयसंचयचक्रम्

नक्षत्र	६	२	४	४
फल	रसपाक	गवदाह	सर्पभय	सुखसंगम
नक्षत्र	४	४	०	४
फल	रोग	भय	०	सुख

ग्रहणे चूडामणियोग:- व्यास:-"रविग्रह: सूर्यवारे सोमे सोमग्रहस्तथा। चूडामणिरिति स्यातस्तत्र दत्तमनन्तकम् ॥ वारेष्वन्येषु यत्पुण्यं ग्रहणे चन्द्रसूर्ययो: ॥ तत्पुण्यं कोटिगुणितं योगे चूडामणी स्मृतम् ॥ व्यासजी कहते हैं कि, रविवार को सूर्य और सोमवार को चन्द्रग्रहण होय तो यह चूडामणियोग है इसमें दिया हुआ अनन्त होता जो और वारों मे चन्द्र-सूर्य के ग्रहण में दान जप का फल है उससे चूडामणियोग में करोड गुणा फल है

अथ [illegible] स्त्रीणां चन्द्रबलं च [illegible] - मासेश्वरा: [illegible] ॥५॥ - पीयू २३
भावार्थ - विवाह गर्भाधान, पुंसवन और सीमन्त संस्कारों में दोनों पतिपत्नियों का चन्द्रबल ग्रहण करना चाहिए। अन्य कर्मों में वस्त्रपरिधान अलंकार (आभूषण) धारण में पति का ही चन्द्रबल विचारणीय होता है ॥६
[illegible] ॥६२॥ विवाह के बाद गर्भाधान पुंसवनादि अथवा मंगल छोड अन्य कार्यों में पति का ही चन्द्रबल देखना चाहिए ॥६

वर्षप्रवेशसारिणी

वर्ष	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
दिन	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२
घटी	१५	३१	४६	२	१७	३३	४८	४	१९	३५	५०	६	२१	३७	५२	८	२३	३९	५४	१०	२६	४१	५७	१२	२८	४३	५९	१४	३०	४५
पल	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४	५५	२७	५८	३०	१	३३	४	३६	७	३९	१०	४२	१३	४५
विप.	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०
वर्ष	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
दिन	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	३	४	५
घटी	१	१६	३२	४७	३	१८	३४	४९	५	२१	३६	५२	७	२३	३८	५४	९	२५	४०	५६	११	२७	४२	५८	१३	२९	४४	०	१५	३१
पल	१६	४८	१९	५१	२२	५४	२५	५७	२८	०	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४	५५	२७	५८	३०
विप.	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०
वर्ष	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०
दिन	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	०	१
घटी	४७	२	१८	३३	४९	४	२०	३५	५१	६	२२	३७	५३	८	२४	३९	५५	१०	२६	४२	५७	१३	२८	४४	५९	१५	३०	४६	१	१७
पल	१	३३	४	३६	७	३९	१०	४२	१३	४५	१६	४८	१९	५१	२२	५४	२५	५७	२८	०	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३	१५
विप.	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०

जब किसी को वर्ष निकालना हो तो इस सारिणी से उसी वक्त निकाल लेना चाहिये । क्रिया - वर्तमान सम्वत् में जन्म समय का सम्वत् घटाने से गत वर्ष होता है उसी गत वर्ष के अंक के नीचे सारिणी में अंक, वारादि है, सो पाटी पै लिख के जन्म का वार इष्ट घटी जोड़ने से वर्षप्रवेश होता है, परंतु इतना ध्यान रक्खें कि, उपरके अंक में ७ से अधिक होवे तो ७ का भाग देना, लब्ध त्याग देना और नीचे साठि से ज्यादा हो तो साठि के भाग से लब्ध ऊपर युक्त करने से वर्षप्रवेश का वारादि होगा । जन्म सूर्य स्पष्ट से देखना वार मिलेगा । इत्यलम् ।

राशि अक्षर विशेष: -

नक्षत्र व राशि में (श) और (स) तथा (ब) एवं (व) एक समझना । नाम में जहां दो अक्षर (क्ष,ज्ञ,घ,त्र) जुड़े हों वहां पहले अक्षर से देखना चाहिये (संयोगजाक्षरे नाम्नि ग्राह्य तत्र आदिम् अक्षरम्) । यथा - ज्ञानचन्द्र की (जजोर्जा:) मकर राशि: । क्षेमचन्द्र की (क.स. संयोगे क्ष) मिथुन राशि घासीराम की (द. व. संयोगे द्य) कुम्भराशि । राशि के अक्षरों में ऋलृक् या अनुस्वार, मात्रा नहीं होती हैं, इ उ ए ओ व आदि होते हैं । जैसे ऋषिकुमार ।

राशि चक्रम् ।

चु	चे	चो	ला	लि	लु	ले	लो	अ	मेष:
इ	उ	ए	ओ	व	वि	वु	वे	वो	वृष:
क	कि	कु	घ	ङ	छ	के	को	ह	मिथुन
हि	हु	हे	हो	ड	डि	डु	डे	डो	कर्क:
म	मि	मु	मे	मो	ट	टि	टु	टे	सिंह:
टो	प	पि	पू	ष	ण	ठ	पे	पो	कन्या
र	रि	रु	रे	रो	त	ति	तु	ते	तुला
तो	न	नि	नु	ने	नो	या	यि	यु	वृश्चिक:
ये	यो	भ	भि	भू	धा	फा	ढा	भे	धनु:
भो	ज	जी	जु	जे जो	ख खि	खु खे	खो ग	गि	मकर:
गु	गे	गो	स	सि	सु	से	सो	द	कुम्भ:
दि	दु	थ	झ	ञ	दे	दो	च	चि	मीन:

छिक्काशब्दस्य फलज्ञानचक्रम् ।

दिशा	पूर्व	दक्षिण	पश्चिम	उत्तर	ईशान	अग्नि	नैऋति	वायव्य	ऊर्ध्व	मध्य	आत्मछिक्का
फल	अशुभ	अग्नि	मिष्टान्न प्राप्ति	कलह	शुभ	शोक	शुभ	धन लाभ	शुभ	भय	भय

त्रिविध-घटी चक्रम् ।

नक्षत्र	घटी	नक्षत्र	घटी
अश्विनी	५०	स्वाती	१४
भरणी	२४	विशाखा	११
कृतिका	३०	अनुराधा	१०
रोहिणी	४०	ज्येष्ठा	१४
मृग	१४	मूल	५६
आर्द्रा	२१	पू.षा.	२४
पुनर्वसु	३०	उ.षा.	२१
पुष्य	२०	श्रवण	१०
आश्लेषा	३२	धनिष्ठा	१०
मघा	३०	शतभि	१८
पू.फा.	२०	पू.भा.	१६
उ.फा.	१८	उ.भा.	२४
हस्त	२१	रेवती	३०
चित्रा	२०	००	००

तिथि-विष घटीचक्रम्

तिथि	घटी
प्रतिपदा	१५
द्वितीया	५
तृतीया	८
चतुर्थी	७
पंचमी	६
षष्ठी	५
सप्तमी	४
अष्टमी	८
नवमी	७
दशमी	१०
एकादशी	३
द्वादशी	१२
त्रयोदशी	१४
चतुर्दशी	७
पौर्णि.अमा.	८

॥ ग्रामवाससेवा-चक्रम् (सामि.) ॥

ग्राम-नक्षत्रात्	७ मस्तके	७ पृष्ठे	७ हृदि	७ पादे
फलं	धनीमान्य	हीनदरिद्र	सुखसंपत	पर्यटन
स्वामि-नक्षत्रात्	७ मस्तक	७ पृष्ठ	७ कुक्षि	७ पाद
फलं	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ

विवाह में विहित मास - मिथुनकुम्भमृगाऽलिवृषाजगे मिथुनगेऽपि रवौ त्रिलवे शुचेः । अलिमृगाजगते करपीडनं भवति कार्तिकपौषमधुष्वपि ॥१३॥ **भावार्थ: -** मिथुन, कुम्भ, मकर, वृश्चिक, वृष और मेष इन छ राशियों में सूर्य के रहने पर विवाह होता है । यदि सूर्य मिथुन राशि में रहे तो आषाढ मास के प्रथम त्रिभाग में (अर्थात् शुक्ल पक्ष की पड़िवा से १० मी तक) वृश्चिक में रहे तो कार्तिक-मार्ग. मास में मकर में रहे तो पौष मास और मेष राशि में रहें तो चैत्रमास में विवाह करना चाहिये (अपिच- सौरमास व देशाचार प्रधान है)।

विवाहादि शुभकार्यों में होलाष्टक का त्याग - विपाशेरावतीतीरे शुतुद्र्याश्च त्रिपुष्करे । विवाहादिशुभे नेष्टं होलिकाप्राग्दिनाष्टकम् ॥४०॥ **भावार्थ: -** विपाशा, इरावती और शुतुद्रु नदियों के तट में बसने वाले देशों में और त्रिपुष्कर देश में होलिका (फाल्गुन की पूर्णमासी) से आठ दिन पूर्व (अर्थात् फाल्गुन शुक्ला ८मी से पूर्णमासी तक) विवाह आदि शुभकार्य में निन्दित है ।

हलप्रवाहमुहूर्त:

अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढा, मघा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, स्वाति, श्रवण, रोहिणी, मृग, रेवती, उत्तरा-फाल्गुनी, उत्तराषाढा, उत्तरा-भाद्रपदा यह नक्षत्र शुभ है । गुरु, शुक्र, बुध, सोम, रवि यह वार शुभ है । ७।८।१०।११।१३।५।१ यह तिथि श्रेष्ठ है । २।३।६।१२ लग्न शुभ है ।

सूर्यभात् हलचक्रम् ।

नक्षत्र	३	३	३	५
फल	हानि	वृद्धि	हानि	वृद्धि
नक्षत्र	३	५	३	२
फल	हानि	वृद्धि	हानि	वृद्धि

॥ देव-प्रतिष्ठा मुहूर्त: ॥ (पीयूषधारा पृ.१५१-५१)

मासशुद्धि	उत्तरायणे- मेष, वृष, मिथुन, मकर, कुंभ उग्रदेवानां दक्षिणायने तु कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक सक्रांतिमासा: अपि ग्राह्या:
नक्षत्राणि	अश्वि,रोहि, मृग, पुन, पुष्य, उफा, हस्त, चित्रा, स्वा, अनु, उषा, श्रव, धनि, शत, उभा, रेव,
तिथय:	कृष्णा - शुक्ला २, ३, ५, ६, ७ शुक्ला १०, ११, १२, १३, १५ ग्राह्या:
वारा:	रवि, सोम, बुध, गुरु, शुक्र, शनि
लग्नादि-शुद्धि:	लग्न - २, ३, ६, ९, १२, लग्नात् ८, १२ भावरिक्तौ । दिवाकाले, पापरहितेष्वविद्धभेषु गुरुशुक्रयोरुदितयो: । नूतने तु वास्तुशांतिमपि.
पापग्रहा: (उग्र/क्रूरा: वा)- सूर्य, मंग.,शनि,राहु, केतु	

अथ क्रूराक्रान्तादिनक्षत्रदोषं सापवादमनुष्टुभाह - ऋक्षाणि क्रूरविद्धानि क्रूरमुक्तादिकानि च । मुक्त्वा चन्द्रेण मुक्तानि शुभार्हाणि प्रचक्षते ॥५८॥ अर्थ - जिस नक्षत्र पर पापग्रह का वेध हो, जिस नक्षत्र पर पापग्रह का योग हो अर्थात् बैठा हो या जिस नक्षत्र को भोगकर पापग्रह ने उसे छोड़ दिया हो तो वह नक्षत्र यदि चन्द्रमा से भुक्त हो जाय तो ऊपर के सभी दोष मिट जाते हैं अन्यथा वह नक्षत्र संस्कार के योग्य नहीं होता है । पीयूषधारा पृ.३७९

दशमसारिणी सुगमा.

अंशा:	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
९ मकर	४ २१	४ ३०	४ ४१	४ ५१	५ १	५ १२	५ २३	५ ३३	५ ४३	५ ५३	६ ३	६ १३	६ २३	६ ३३	६ ४३	६ ५३	७ ३	७ १२	७ २२	७ ३२	७ ४२	७ ५२	८ २	८ १२	८ २२	८ ३२	८ ४२	८ ५२	९ २	९ १२
१० कुंभ	९ २२	९ ३२	९ ४२	९ ५२	१० २	१० १२	१० २२	१० ३१	१० ४०	१० ४९	१० ५९	११ ८	११ १७	११ २६	११ ३६	११ ४५	११ ५४	१२ ४	१२ १३	१२ २२	१२ ३१	१२ ४१	१२ ५०	१३ ५९	१३ ८	१३ १८	१३ २७	१३ ३६	१३ ४६	१३ ५५
११ मीन	१४ ४	१४ १३	१४ २२	१४ ३२	१४ ४१	१४ ५०	१५ ०	१५ ९	१५ १८	१५ २७	१५ ३७	१५ ४६	१५ ५५	१६ ४	१६ १४	१६ २३	१६ ३२	१६ ४१	१६ ५१	१७ ०	१७ ९	१७ १९	१७ २८	१७ ३७	१७ ४६	१७ ५६	१८ ५	१८ १४	१८ २४	१८ ३३
० मेष	१८ ४१	१८ ५१	१९ ०	१९ १०	१९ १९	१९ २८	१९ ३८	१९ ४८	१९ ५८	२० ८	२० १८	२० २८	२० ३८	२० ४८	२० ५८	२१ ८	२१ १८	२१ २७	२१ ३७	२१ ४७	२१ ५७	२२ ७	२२ १७	२२ २७	२२ ३७	२२ ४७	२२ ५७	२३ ७	२३ १७	२३ २७
१ वृषभ	२३ ३७	२३ ४७	२३ ५७	२४ ७	२४ १७	२४ २७	२४ ३७	२४ ४८	२४ ५८	२५ १०	२५ २०	२५ ३१	२५ ४२	२५ ५३	२६ ३	२६ १३	२६ २४	२६ ३५	२६ ४६	२६ ५६	२७ ७	२७ १८	२७ २९	२७ ४०	२७ ५०	२८ १	२८ १२	२८ २३	२८ ३३	२८ ४४
२ मिथुन	२८ ५५	२९ ६	२९ १६	२९ २७	२९ ३८	२९ ४९	३० ०	३० १०	३० २१	३० ३२	३० ४३	३० ५३	३१ ४	३१ १५	३१ २६	३१ ३६	३१ ४७	३१ ५८	३२ ९	३२ १९	३२ ३०	३२ ४१	३२ ५२	३३ ३	३३ १३	३३ २४	३३ ३५	३३ ४६	३३ ५६	३४ ७
३ कर्क	३४ १८	३४ २९	३४ ३९	३४ ५०	३५ १	३५ १२	३५ २३	३५ ३३	३५ ४३	३५ ५३	३६ ३	३६ १३	३६ २३	३६ ३३	३६ ४३	३६ ५३	३७ ३	३७ १२	३७ २२	३७ ३२	३७ ४२	३७ ५२	३८ २	३८ १२	३८ २२	३८ ३२	३८ ४२	३८ ५२	३९ २	३९ १२
४ सिंह	३९ २२	३९ ३२	३९ ४२	३९ ५२	४० २	४० १२	४० २२	४० ३१	४० ४०	४० ४९	४० ५९	४१ ८	४१ १७	४१ २६	४१ ३६	४१ ४५	४१ ५४	४२ ४	४२ १३	४२ २२	४२ ३१	४२ ४१	४२ ५०	४२ ५९	४३ ८	४३ १८	४३ २७	४३ ३६	४३ ४६	४३ ५५
५ कन्या	४४ ४	४४ १३	४४ २२	४४ ३२	४४ ४१	४४ ५०	४५ ०	४५ ९	४५ १८	४५ २७	४५ ३७	४५ ४६	४५ ५५	४६ ४	४६ १४	४६ २३	४६ ३२	४६ ४१	४६ ५१	४७ ०	४७ ९	४७ १९	४७ २८	४७ ३७	४७ ४६	४७ ५६	४८ ५	४८ १४	४८ २४	४८ ३३
६ तुला	४८ ४१	४८ ५१	४९ ०	४९ १०	४९ १९	४९ २८	४९ ३८	४९ ४८	४९ ५८	५० ८	५० १८	५० २८	५० ३८	५० ४८	५० ५८	५१ ८	५१ १८	५१ २८	५१ ३७	५१ ४७	५१ ५७	५२ ७	५२ १७	५२ २७	५२ ३७	५२ ४७	५२ ५७	५३ ७	५३ १७	५३ २७
७ वृश्चिक	५३ ३७	५३ ४७	५३ ५७	५४ ७	५४ १७	५४ २७	५४ ३७	५४ ४८	५४ ५८	५५ ९	५५ २०	५५ ३०	५५ ४१	५५ ५२	५६ ३	५६ १३	५६ २४	५६ ३५	५६ ४६	५६ ५६	५७ ७	५७ १८	५७ २९	५७ ४०	५७ ५०	५८ १	५८ १२	५८ २३	५८ ३३	५८ ४४
८ धनु	५८ ५५	५९ ६	५९ १६	५९ २७	५९ ३८	५९ ४९	० ०	० १०	० २१	० ३२	० ४३	० ५३	१ ४	१ १५	१ २६	१ ३६	१ ४७	१ ५८	२ ९	२ १९	२ ३०	२ ४१	२ ५२	३ ३	३ १३	३ २४	३ ३५	३ ४६	३ ५६	४ ७

देखिये न नतका काम न उन्नतका काम फक्त लग्नसारिणी में जिन अंकोंसे लग्न मालुम हुआ है उन्ही अंकोसे इस सारिणी में दशाम सिद्ध होगा. उदाहरण जैसे सूर्य० मेषराशिका०अंशके दिन १५ पंद्रह घटी ४५ पैंतालीस पलमें दशाम ० मेषराशिका ० पुर्ण अंश सिद्ध हुआ। **ज्योतिषी पण्डित हरदेवशर्मा (दांता रामगढ)**

मुम्बई लग्नसारिणी अयनांशा: २४ चरखंडानि ४०।३२।१३ अक्षभा ४।७

अंशा:	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
मेष ०	३ १०	३ १८	३ २६	३ ३४	३ ४२	३ ५०	३ ५८	४ ६	४ १५	४ २४	४ ३३	४ ४२	४ ५१	५ ०	५ ९	५ १८	५ २७	५ ३६	५ ४५	५ ५३	६ २	६ ११	६ २०	६ २९	६ ३८	६ ४७	६ ५६	७ ५	७ १३	७ २२	२३८
वृष. १	७ ३१	७ ४०	७ ४९	७ ५८	८ ७	८ १६	८ २५	८ ३५	८ ४५	८ ५५	९ ६	९ १६	९ २७	९ ३८	९ ४८	९ ५८	१० ८	१० १८	१० २९	१० ३९	१० ४९	११ ०	११ १०	११ २०	११ ३१	११ ४१	११ ५१	१२ २	१२ १२	१२ २२	२६७
मिथुन २	१२ ३३	१२ ४३	१२ ५३	१३ ४	१३ १४	१३ २४	१३ ३५	१३ ४६	१३ ५७	१४ ८	१४ १९	१४ ३१	१४ ४२	१४ ५३	१५ ४	१५ १५	१५ २७	१५ ३८	१५ ४९	१६ ०	१६ ११	१६ २३	१६ ३४	१६ ४५	१६ ५६	१७ ७	१७ १९	१७ ३०	१७ ४१	१७ ५२	३१०
कर्क ३	१८ ३	१८ १५	१८ २६	१८ ३७	१८ ४८	१८ ५९	१९ ११	१९ २२	१९ ३३	१९ ४४	१९ ५५	२० ६	२० १७	२० २८	२० ३९	२० ५०	२१ १	२१ १२	२१ २३	२१ ३४	२१ ४५	२१ ५६	२२ ७	२२ १८	२२ २९	२२ ४०	२२ ५१	२३ २	२३ १३	२३ २४	३३६
सिंह ४	२३ ३५	२३ ४७	२३ ५८	२४ ९	२४ २०	२४ ३१	२४ ४२	२४ ५२	२५ ३	२५ १३	२५ २४	२५ ३५	२५ ४५	२५ ५६	२६ ६	२६ १७	२६ २८	२६ ३८	२६ ४९	२६ ५९	२७ १०	२७ २१	२७ ३१	२७ ४२	२७ ५२	२८ ३	२८ १४	२८ २४	२८ ३५	२८ ४५	३३१
कन्या ५	२८ ५६	२९ ७	२९ १७	२९ २८	२९ ३८	२९ ४९	३० ०	३० १०	३० २१	३० ३१	३० ४२	३० ५३	३१ ३	३१ १४	३१ २४	३१ ३५	३१ ४६	३१ ५६	३२ ७	३२ १७	३२ २८	३२ ३९	३२ ४९	३३ ०	३३ १०	३३ २१	३३ ३२	३३ ४२	३३ ५३	३४ ३	३१८
तुला ६	३४ १४	३४ २५	३४ ३५	३४ ४६	३४ ५६	३५ ७	३५ १८	३५ २९	३५ ४०	३५ ५१	३६ २	३६ १३	३६ २४	३६ ३५	३६ ४६	३६ ५७	३७ ८	३७ १९	३७ ३०	३७ ४१	३७ ५२	३८ ३	३८ १४	३८ २५	३८ ३६	३८ ४७	३८ ५८	३९ ९	३९ २०	३९ ३१	३१८
वृश्चिक ७	३९ ४२	३९ ५४	४० ५	४० १६	४० २७	४० ३८	४० ३९	४१ ०	४१ ११	४१ २२	४१ ३४	४१ ४५	४१ ५६	४२ ७	४२ १९	४२ ३०	४२ ४१	४२ ५२	४३ ३	४३ १५	४३ २६	४३ ३७	४३ ४८	४३ ५९	४४ ११	४४ २२	४४ ३३	४४ ४४	४४ ५५	४५ ७	३३१
धनु ८	४५ १८	४५ २९	४५ ४०	४५ ५१	४६ ३	४६ १४	४६ २५	४६ ३५	४६ ४६	४६ ५६	४७ ६	४७ १७	४७ २७	४७ ३७	४७ ४८	४७ ५८	४८ ८	४८ १९	४८ २९	४८ ३९	४८ ५०	४९ ०	४९ १०	४९ २१	४९ ३१	४९ ४१	४९ ५२	५० २	५० १२	५० २३	३३६
मकर ९	५० ३३	५० ४३	५० ५४	५१ ४	५१ १४	५१ २५	५१ ३५	५१ ४५	५१ ५३	५२ २	५२ ११	५२ २०	५२ २८	५२ ३७	५२ ४६	५२ ५५	५३ ४	५३ १३	५३ २२	५३ ३१	५३ ४०	५३ ४९	५३ ५७	५४ ६	५४ १५	५४ २४	५४ ३३	५४ ४२	५४ ५१	५५ ०	३१०
कुंभ १०	५५ ९	५५ १८	५५ २६	५५ ३५	५५ ४४	५५ ५३	५६ २	५६ १०	५६ १८	५६ २६	५६ ३४	५६ ४२	५६ ४९	५६ ५७	५७ ५	५७ १३	५७ २१	५७ २९	५७ ३७	५७ ४५	५७ ५३	५८ १	५८ ९	५८ १७	५८ २५	५८ ३३	५८ ४१	५८ ४८	५८ ५६	५९ ३	२६७
मीन ११	५९ १२	५९ २०	५९ २८	५९ ३६	५९ ४४	५९ ५२	० ०	० ८	० १६	० २४	० ३२	० ४०	० ४८	० ५५	१ ३	१ ११	१ १९	१ [illegible]	१ [illegible]	१ [illegible]	१ [illegible]	१ [illegible]	२ [illegible]	२ [illegible]	२ [illegible]	२ [illegible]	२ [illegible]	२ [illegible]	२ [illegible]	[illegible]	२३८

श्रीगणेशाय नमः ॥ लग्न सारणी ॥घटी-पल॥ रामगढ़ शेखावाटी (राज.), परमक्रान्ति २३-२६' ११"

भूगोलिक अक्षांश: २८°०', अयनांश २४°११', अं व्यंगु पलभा ६।२०, चरखण्डा ६।१३१,५०।१३,२०।३७, (भौगोलिक अक्षांश २४°५०' २५")

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	[illegible]
मेष	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	२७७।३५
०	४४	१	९	१६	२४	३१	३९	४७	५४	२	१०	१७	२५	३३	४१	४९	५७	५	१३	२१	३०	३८	४६	५४	३	११	२०	२८	३७	४६	७।१५
वृष	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	२४८।५२
१	५४	३	१२	२१	३०	३९	४८	५७	६	१६	२५	३४	४४	५४	३	१३	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४३	५३	३	१४	२४	३४	८।१८
मिथुन	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	३०१।११
२	४५	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	३०	४१	५२	४	१५	२६	३८	४९	१	१२	२४	३५	४६	५८	१०	१०।०२
कर्क	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	३४२।२६
३	२२	३४	४५	५७	९	२०	३२	४४	५६	७	१९	३१	४३	५४	६	१८	२९	४१	५३	४	१६	२८	३९	५१	३	१४	२६	३७	४९	१	११।२५
सिंह	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	३४९।१८
४	१२	२४	३५	४७	५८	१०	२१	३३	४४	५६	७	१९	३०	४२	५३	४	१६	२७	३९	५०	१	१३	२४	३५	४७	५८	९	२०	३२	४३	११।३९
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४०।३८
५	५४	६	१७	२८	३९	५१	२	१३	२४	३६	४७	५८	१०	२१	३२	४४	५५	६	१७	२९	४०	५१	३	१४	२५	३७	४८	०	११	२२	११।२१
तुला	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	३४०।३८
६	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	५४	६	१७	२९	४०	५२	३	१५	२७	३८	५०	२	१३	२५	३६	४८	०	१२	२३	३५	४७	५८	१०	११।२१
वृश्चिक	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	३४९।१८
७	२२	३३	४५	५६	९	२०	३२	४४	५५	७	१९	३०	४२	५४	५	१७	२९	४०	५२	३	१५	२६	३८	४९	०	१२	२३	३४	४६	५७	११।३९
धनु	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	३४२।२६
८	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५७	८	१९	२९	४०	५०	१	११	२१	३१	४१	५२	२	१२	२१	३१	४१	५१	०	१०	११।२५
मकर	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	३०१।११
९	१९	२९	३८	४८	५७	६	१५	२४	३३	४२	५१	०	९	१७	२६	३४	४३	५२	०	९	१७	२५	३३	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	१०।०२
कुम्भ	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	२४८।५२
१०	३७	४५	५३	१	८	१६	२४	३१	३९	४६	५४	१	९	१६	२४	३१	३८	४६	५३	०	७	१५	२२	२९	३६	४३	५०	५७	५	१२	८।१८
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२७७।३५
११	१९	२६	३३	४०	४७	५४	१	८	१५	२२	३०	३७	४४	५१	५८	५	१२	१९	२७	३४	४१	४८	५५	३	१०	१७	२४	३२	३९	४६	७।१५

यामार्द्धकुलिकादिचक्रम्

वार	यामार्द्ध	प्र.	दि.	कुलिक	कालवेला	यमघण्ट	कंटक
	[illegible]	[illegible]	[illegible]	कु	का	य	कं
सूर्य	४	१२	१६	१४	८	१०	६
सोम	७	२४	२८	१२	६	८	४
मंगल	२	४	८	१०	४	६	२
बुध	५	१६	१०	८	२	४	१४
गुरु	८	८	३	६	१४	२	१२
शुक्र	३	८	१२	४	१२	१४	१०
शनि	६	०	२४	२	१०	१२	८

यामार्द्ध चार घटी के अन्य कुलिकादि २-२ घटी के १ मुहूर्त तक कार्य के उक्त समय में होते हैं। मु. कु. १ है।

तीक्ष्णदारुणसंज्ञकनक्षत्राणि तत्कृत्यं च

मूलेन्द्रार्द्राहिभं सौरिस्तीक्ष्णं दारुणसंज्ञकम् ।
तत्राभिचारघाताग्रभेदाः पशुदमादिकम् ॥

मूल, ज्येष्ठा, आर्द्रा, अश्लेषा और शनिवार इनकी तीक्ष्ण तथा दारुण संज्ञा है इनमें अभिचार, घात, उग्र, भेद, पशुदमनादिक कार्य करना श्रेष्ठ है ॥

ध्रुवसंज्ञकनक्षत्राणि तत्कृत्यं च

उत्तरात्रयरोहिण्यो भास्करश्च ध्रुवं स्थिरम् ।
तत्र स्थिरं बीजगेहशान्त्यारामादि सिद्धये ॥

तीनों उत्तरा (उत्तरा फाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा और उत्तरा भाद्रपद) और रोहिणी और रविवार इनकी ध्रुव तथा स्थिर संज्ञा है, इनमें स्थिर कार्य, बीज बोना, गृहारम्भ, शान्तिकर्म इत्यादि कार्य शुभ होते हैं।

उग्रसंज्ञकनक्षत्राणि तत्कृत्यं च

पूर्वात्रयं याम्यमघे उग्रं क्रूरं कुजस्तथा ।
तस्मिन् घाताग्निशाठ्यानि विषशस्त्रादि सिद्ध्यति ॥

तीनों पूर्वा (पूर्वाफाल्गुनी, पूर्वाषाढ़, पूर्वाभाद्रपद) भरणी और मघा मंगलवार इनकी उग्र तथा क्रूर संज्ञा है, इनमें उग्र (शस्त्रादि निर्माण कार्य) और क्रूर कार्य होते हैं।

चरसंज्ञकनक्षत्राणि तत्कृत्यं च

स्वात्यादित्ये श्रुतेस्त्रीणि चन्द्रश्चापि चरं चलम् ।
तस्मिन्गजादिकारोहो वाटिकागमनादिकम् ॥

स्वाती, पुनर्वसु, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा नक्षत्र और चन्द्रवार इनकी चर और चल संज्ञा है। इन नक्षत्रों में हाथी, घोड़ आदि सवारी (मोटरगाड़ी आदि सभी तरह की सवारियाँ) शुभ होता है।

मिश्रसंज्ञकनक्षत्राणि तत्कृत्यं च

विशाखाग्नेयभे सौम्यो मिश्रं साधारणं स्मृतम् ।
तत्राग्निकार्यं मिश्रं च वृषोत्सर्गादि सिद्ध्यति ॥

विशाखा, कृत्तिका तथा बुधवार इनकी मिश्र और साधारण संज्ञा है इनमें अग्निकार्य (अग्निहोत्र अर्थात यज्ञ, हवनादि) मिश्रकार्य और वृषोत्सर्ग (मनोरथ पूर्ति के लिए वृषोत्सर्ग) करना शुभ है।

मृदुसंज्ञकनक्षत्राणि तत्कृत्यं च

मृगान्त्यचित्रामित्रर्क्षं मृदु मैत्रं भृगुस्तथा ।
तत्र गीताम्बरक्रीडा मित्रकार्यं विभूषणम् ॥

मृगशिरा, रेवती, चित्रा, अनुराधा तथा शुक्रवार इनकी मृदु और मैत्र संज्ञा है इनमें गीत गाना, वस्त्र बनाना और पहनना, खेल खेलना, मित्र सम्बन्धी कार्य और भूषणों का बनाना तथा पहनना ये सब शुभ होते हैं।

क्षिप्रसंज्ञकनक्षत्राणि तत्कृत्यं च

हस्ताश्विपुष्याभिजितः क्षिप्रं लघु गुरुस्तथा ।
तस्मिन्पण्यरतिज्ञानं भूषाशिल्पकलादिकम् ।

हस्त, अश्विनी, पुष्य, अभिजित नक्षत्र और गुरुवार इनकी क्षिप्र और लघु संज्ञा है। इनमें पण्य (दुकान) खोलना, रति, शास्त्रविद्या का ज्ञान, भूषणों का बनाना और पहनना, शिल्प (चित्रकारी) कला (गान वाद्य नृत्यादि कला) कर्म शुभ होते हैं।

वर्षा-विषये **स्वामीसूर्य** रोहि., मृग., पू.फा., उ.फा., हस्त, चित्रा, स्वाति, विशा., अनु., ज्येष्ठा, मूल, शत., उ.भा.॥ **स्वामीचन्द्र-** अश्वि., भर., कृति., आर्द्रा, पुन., पुष्य, आश्ले., मघा, पू.फा., उ.फा., श्रव., धनि., पू.भा., रेवती।
स्त्रीसंज्ञक नक्षत्र - आर्द्रादि स्वात्यन्त १० नक्षत्र (आर्द्रा, पुन., पुष्य, आश्ले, मघा, पू.फा., उ.फा., हस्त, चित्रा, स्वाती), **नपुंसक संज्ञक नक्षत्र**- विशाखादि ज्येष्ठान्त ३ नक्षत्र (विशा., अनु., ज्येष्ठा)
पुरुष संज्ञक नक्षत्र - मूलादि मृगशीर्ष पर्यन्त १४ नक्षत्र (मूल, पू.षा., उ.षा., श्रव., धनि., शत., पू.भा., उ.भा., रेवती, अश्वि., भर., कृति., रोहि., मृग.) - **बृहद् दैवज्ञ विनोद, पृष्ठ २०७**
वाहन- सूर्य के नक्षत्र से दिन (चन्द्र) के नक्षत्र तक गिनकर ९ का भाग दें। १ शेष रहे तो अश्व, २ जम्बुक, ३ मंडूक, ४ मेष, ५ चातक, ६ मूषक (ग्रंथांतर मृग), ७ महिष, ८ खर, ९ वा ० गज। **बृ.दै.वि.**

वर्षा देखने की विधि - जिस दिन (वर्षाऋतु में) देखना हो उस दिन का सूर्य जिस नक्षत्र पर हो वह नक्षत्र और चन्द्रमा जिस नक्षत्र पर हो वह नक्षत्र ग्रहण करें। दोनों के नक्षत्र स्त्रीसंज्ञक हों तो अल्पवृष्टि, एक स्त्रीसंज्ञक और दूसरा पुरुष संज्ञक हो तो उत्तमवृष्टि और एक स्त्रीसंज्ञक दूसरा नपुंसक संज्ञक हो तो अनावृष्टि हो। जैसे कि सूर्य आर्द्रा नक्षत्र पर है (स्त्रीसंज्ञक, स्वामी चन्द्र) और चन्द्रमा पू.फा. पर है (स्त्रीसंज्ञक, स्वामी सूर्य) तो पंक्ति बन गई - "संज्ञा स्त्री-स्त्री, स्वामी च.सू., वाहन (सूर्य नक्षत्र आर्द्रा से चन्द्रमा नक्षत्र पू.फा., संख्या ६) मूषक, अल्पवृष्टि।" ॥

संवत् २०८२ मध्ये शकक्रमांकेन ग्रहाणाम् स्फुटीकृतं ॥ ग्रहो के राशी, नक्षत्र, (गुरु, शनि, राहु, केतु के चरण) वक्री, मार्गी, उदय और अस्त के परिवर्तन समय (मन...

सूर्य राशि प्रवेश

१४। ४ मेषे २१।३३
१४। ५ वृषे २३।२७
१४। ६ मिथुने ६।००
१६। ७ कर्के [illegible]
१७। ८ सिंहे २४।३४
१७। ९ कन्या २४।३५
१७।१० तुलायां १३।३३
१६।११ वृश्चिके १३।११
१५।१२ धनुषि २२।४५
१४। १ मकरे १४।३६
१३। २ कुंभे २७।२७
१४। ३ मीने २७।४५

सूर्य नक्षत्र प्रवेश

३१। ३ रेव. १३।४४
१४। ४ अश्वि. २६।३३
२७। ४ भर. ४८।२३
११। ५ कृति. ४२।३४
२५। ५ रोहि. ८।३८
८। ६ मृगे ६।५२
२२। ६ आर्द्रा [illegible]
५। ७ पुन. २९।२४
१९। ७ पुष्ये २८।४५
२। ८ श्लेषा २४।४५
१६। ८ मघा २५।३४
३०। ८ पूफा. २५।३४
१३। ९ उफा. ४५।२८
२७। ९ हस्ते ६।४९
१०।१० चित्रा ३०।००
२३।१० स्वा ३०।३०
६।११ विशा. ४०।३८
१९।११ अनु. २०।३९
२।१२ ज्येष्ठा २४।४६
१५।१२ मूले २४।४७
२८।१२ पूषा. ३०।०८
१०। १ उषा. ८।०३
२०। १ अभि. श्र. २४।४९
२४। १ श्रव. ४०।४८

२७। १ अभि. नि. ३४।४०
६। २ धनि ४३।२५
१९। २ शत ४०।४५
४। ३ पूभा. २४।०६
१८। ३ उभा. ८।३५

भौम राशि प्रवेश

२। ५ कर्के २४।५२
६। ६ सिंहे २४।५८
२८। ७ कन्या ४८।४५
१३। ९ तुलायां २०।५२
२७।१० वृश्चिके ४४।२६
७।१२ धनुषि २०।००
१४। १ मकरे २८।०४
२३। २ कुंभे ४४।२३

भौम नक्षत्र प्रवेश

१४। ५ पुष्ये २४।२७
२२। ५ श्लेषा. ७।४५
६। ६ मघा. २४।५८
३०। ६ पूफा. ४४।०५
२३। ७ उफा. ७।३०
१३। ८ हस्ते २४।३४
३। ९ चित्रा ४०।०८
२३। ९ स्वा. ३०।२३
१३।१० विशा. ८।४३
१।११ अनु. ८।०२
१४।११ ज्येष्ठा. ४४।१४
७।१२ मूले ३०।००
२४।१२ पूषा. ४४।४५
१४। १ उषा. २०।४३
२७। १ अभि. श्र. ४७।१३
२८। १ श्रव. २४।४४
२७। १ अभि. नि. २४।२९
१४। २ धनि २४।०९
३। ३ शत. २२।२७

भौम वक्री-मार्गी नहीं है।

भौम अस्तोदय

१३।१० पश्चि. अस्त: १६।२८

बुध राशि प्रवेश

७। ४ मेषे ६।२९
२३। ४ वृषे १२।३९
८। ६ मिथुने ८।३९
२२। ६ कर्के ११।४५
३०। ८ सिंहे १४।३६
१४। ९ कन्या १०।५०
२।१० तुलायां २४।२९
२१।१० वृश्चिके ८।४५
२३।११ तुलायां (व) १८।४९
८।१२ वृश्चिके २४।५३
२८।१२ धनुषि ३४।०५
१४। १ मकरे १०।०९
३। २ कुंभे २४।५२

बुध नक्षत्र प्रवेश

३। ४ पूभा. (व) १६।४४
१४। ४ उभा. ४४।२३
२७। ४ रेव. १८।५४
७। ५ अश्वि. ६।२९
१४। ५ भर. २४।०६
२७। ५ कृति. २९।४५
२७। ५ रोहि. २८।४३
३। ६ मृगे ६।४४
१। ६ आर्द्रा. १३।५६
१४। ६ पुन. १६।०३
२२। ६ पुष्ये २४।१६
९। ७ श्लेषा. २४।२४
२४। ७ पुष्ये (व) १८।२४
२४। ८ श्लेषा. २८।३३
३०। ८ मघा. १४।३६
६। ९ पूफा. १६।४७
१३। ९ उफा. १५।४७
२०। ९ हस्ते २४।२६
२८। ९ चित्रा. २२।४०
७।१० स्वा. १२।१३
१६।१० विशा. १३।५४
२१।१० अनु. २८।५०
३०।११ विशा. (व) २४।५१
६।१२ अनु २४।१३
११।१२ ज्येष्ठा ३०।३४
२०।१२ मूले ३४।०५
६। १ पूषा २३।३३
१४। १ उषा. ११।०६
२४। १ अभि. श्र. १०।३१
२४। १ श्रव ६।५२
२३। १ अभि. नि. २३।२४
३०। १ धनि. २६।३६
७। २ शत. १६।०५
१४। २ पूभा. २०।११
१०। ३ शत. (व) ८।५२

बुध वक्री-मार्गी

७। ४ मार्गी २४।२५
१८। ७ वक्री २०।३६
११। ८ मार्गी २५।०४
१०।११ वक्री ९।३४
३०।११ मार्गी १०।१८
२६। २ वक्री २२।०९

बुध अस्तोदय

३। ४ पूर्वस्यामुदय: १२।५०
१३। ५ पूर्वस्यामस्त: २६।५२
८। ६ पश्चि. उदय ११।३९
११। ७ पश्चि. अस्त २४।०७
८। ८ पूर्वस्यामुदय २६।४०
१। ९ पूर्वस्यामस्त २८।४८
११।१० पश्चि. उदय १४।०९
११।११ पश्चि. अस्त: २४।००
२४।११ पूर्वस्यामुदय: ९।३९
३०।१२ पूर्वस्यामस्त: १०।१४
६। २ पश्चि. उदय: ८।५२
१। ३ पश्चि. अस्त: २०।२२
१४। ३ पूर्वस्यामुदय: ८।४५

गुरु राशि प्रवेश

१४। ५ मिथुने ७।०४
११।१० कर्के २९।३६
३।१२ मिथुने (व) २३।३३

गुरु नक्षत्र प्रवेश

१४। ५ मृगे १ ६।१४
२८। ५ मृगे २ २४।३२
१४। ५ मृगे ३ ७।०४
३०। ५ मृगे ४ १२।५४
१४। ६ आर्द्रा १ ७।४४
२८। ६ आर्द्रा २ २४।५४
१३। ७ आर्द्रा ३ ४५।०४
२८। ७ आर्द्रा ४ १४।३१
१३। ८ पुन. १ १४।३०
३०। ८ पुन. २ २४।५४
१४। ९ पुन. ३ २७।४७
११।१० पुन. ४ २९।३६
३।१२ पुन. ३ (व) २३।३३
३। १ पुन. २ (व) १६।२५
२८। १ पुन. १ (व) २१।४०

गुरु वक्री-मार्गी

१२।११ वक्री ७।०८
११। ३ मार्गी १६।३६

गुरु अस्तोदय

११। ६ पश्चि. अस्त: २३।३३
६। ७ पूर्वस्यामुदय: २८।४८

शुक्र राशि प्रवेश

३१। ५ मेषे १६।०४
२९। ६ वृषे १८।००
२६। ७ मिथुने ११।१६
२०। ८ कर्के २६।२६
१४। ९ सिंहे २४।०६
९।१० कन्या ११।३४
२।११ तुलायां १३।३८
२६।११ वृश्चिके ११।१४
१४।१२ धनुषि ३४।११
१२। १ मकरे २७।१८
५। २ कुंभे २४।१५
१। ३ मीने २३।४६

शुक्र नक्षत्र प्रवेश

३१। ३ पूभा. (व) २०।०९
२६। ४ उभा. ११।४४
१४। ५ रेव. १०।४१
३१। ५ अश्वि १६।०४
१३। ६ भर. २४।२६
२६। ६ कृति. १६।१५
८। ७ रोहि. १२।१५
२०। ७ मृगे ११।३४
३१। ७ आर्द्रा २१।४४
१३। ८ पुन. ११।३०
२३। ८ पुष्ये २४।४०
३। ९ श्लेषा २४।४५
१४। ९ मघा. २४।०६
२४। ९ पूफा. २३।०२
६।१० उफा. १८।५३
१४।१० हस्ते १२।४५
२७।१० चित्रा. २४।४५
७।११ स्वा. २४।२४
१८।११ विशा. १२।११
२८।११ अनु. २६।५०
९।१२ ज्येष्ठा. १०।०८
११।१२ मूले ३४।११
३०।१२ पूषा. २४।२९
१०। १ उषा. ११।४४
१८। १ अभि. श्र. १०।३०
२०। १ श्रव. २६।०७
२४। १ अभि. नि. ११।०५
३४। १ धनि. १६।४६
११। २ शत. ७।५१
२४। २ पूभा २३।३०
४। ३ उभा. १५।५७
१५। ३ रेव. ९।२२

शुक्र वक्री-मार्गी

१३। ४ मार्गी १८।०५

शुक्र अस्तोदय

८।१२ पूर्वस्यामस्त: ३१।११
४। २ पश्चि. उदय: १०।२८

शनि राशि [illegible]
(परिवर्तन नहीं [illegible])

शनि नक्षत्र प्र[illegible]

२८। ४ उभा १ [illegible]
७। ६ उभा २ [illegible]
१८। ८ उभा १ (व) [illegible]
३।१० पूभा ४ (व) [illegible]
२०। १ उभा १ [illegible]
२४। २ उभा २ [illegible]

शनि वक्री-मार्गी

१३। ७ वक्री [illegible]
२८।११ मार्गी [illegible]

शनि अस्तोदय

७। ४ पूर्वस्यामुदय २८।[illegible]
१०। ३ पश्चि. अस्त: [illegible]

राहु राशि प्रवेश

१८। ५ कुंभे [illegible]

राहु नक्षत्र प्रवेश

१८। ५ पूभा. ३ [illegible]
२०। ७ पूभा. २ [illegible]
२४। ९ पूभा. १ [illegible]
२२।११ शत. ४ [illegible]
२४। १ शत. ३ [illegible]

केतु राशि प्रवेश

१८। ५ सिंहे [illegible]

केतु नक्षत्र प्रवेश

१८। ५ उफा. १ [illegible]
२०। ७ पूफा. ४ [illegible]
२४। ९ पूफा. ३ [illegible]
२२।११ पूफा. २ [illegible]
२४। १ पूफा. १ [illegible]

नामानि	दिवा सहमानि नीलकंठमते	रात्रौ सहमानि
पुण्यम्.	चन्द्र में सूर्य हीन करके लग्न युक्त करो।	सूर्य मे चन्द्र हीन करके लग्न युक्त करना।
गुरुः विद्या	सूर्य में चन्द्र हीन करके लग्न युक्त करो।	चन्द्र में सूर्य हीन करके लग्न युक्त करना।
यशः बलम्	गुरु में पुण्य सहम करके लग्न युक्त करो।	पुण्य सहम में गुरु हीन करके लग्न युक्त करना।
मित्रम्	गुरु सहम में पुण्य हीन करके भृगु युक्त करो।	पुण्य सहम में गुरु सहम हीन करके शुक्र युक्त करना।
माहात्म्य शौर्य	पुण्य सहम मे मंगल हीन करके लग्न युक्त करो।	मंगल में पुण्य सहम हीन करके लग्न युक्त करना।
आशा.	शनि में शुक्र हीन करके लग्न युक्त करो।	शुक्र में शनि हीन करके लग्न युक्त करना।
सामर्थ्यम्.	मंगल मे लग्नेश हीन करके लग्न युक्त करो।	लग्नेश में भौम हीन करके लग्न जोडना।
	यदि लग्नेश भी भौम होय तो गुरु लेना।	लग्नेश भौम होय तो यहां गुरु ग्रहण करना।
भ्राता	गुरु में शनि हीन करके लग्न युक्त करो।	शनि में गुरु हीन करके लग्न युक्त करना।
गौरवम्	गुरु में चन्द्र हीन करके सूर्य युक्त करो।सूर्य राशि।	गुरु में सूर्य हीन करके चन्द्र युक्त करना। चन्द्र राशि।
राज्यम्. पिता.	शनि में सूर्य हीन करके लग्न युक्त करो।	सूर्य में शनि हीन करके लग्न युक्त करना।
माता	चन्द्रमा में भृगु हीन करके लग्न युक्त करो।	भृगु में चन्द्र हीन करके लग्न युक्त करना।
स्त्री	सप्तमेश में भृगु हीन करके सप्तम भाव युक्त करो।	सप्तमेश में भृगु हीन करके शनि युक्त करना।
पुत्रः	गुरु में चन्द्र हीन करके लग्न युक्त करो।	गुरु में चद्रमा हीन करके लग्न युक्त करना।
रोगः	लग्न में चन्द्र हीन करके लग्न युक्त करो।	लग्न में चद्रमा हीन करके लग्न युक्त करना।
मृत्युः	अष्टमभाव में चन्द्र हीन करके शनि युक्त करो।	अष्टमभाव मे चन्द्र हीन करके शनि युक्त करना।
देशान्तरम्	नवमभाव मे नवमेश हीन करके लग्न युक्त करो	नवमभाव में नवमेश हीन करके लग्न युक्त करना।
धनम्	धनभाव मे धनभावेश हीन करके लग्न युक्त करो।	धनभाव में धनभावेश हीन करके लग्न युक्त करना।
वाणिज्यम्	चन्द्र में बुध हीन करके लग्न युक्त करो।	चन्द्र में बुध हीन करके लग्न युक्त करना।
प्रसूतिः	गुरु में बुध हीन करके लग्न युक्त करो।	बुध में गुरु हीन करके लग्न युक्त करना।
श्रद्धा	भृगु में भौम हीन करके लग्न युक्त करो।	भृगु मे भौम हीन करके लग्न युक्त करना।
बलम्	गुरु में पुण्य सहम हीन करके लग्न युक्त करो।	पुण्य सहम में गुरु हीन करके लग्न युक्त करना।
देहः	गुरु में पुण्य सहम हीन करके लग्न युक्त करो।	पुण्य सहम में गुरु हीन करके लग्न युक्त करना।
व्यापारः	भौम में बुध हीन करके लग्न युक्त करो।	भौम में बुध हीन करके लग्न युक्त करना।
रिपुः	भौम में शनि हीन करके लग्न युक्त करो।	शनि में भौम हीन करके लग्न युक्त करना।

गोरख पतड़ो

पौ.	मा.	फा.	चै.	वै.	ज्ये.	आ.	श्रा.	भा.	आ.	का.	मा.	पूर्व	दक्षिण	पश्चिम	उत्तर
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	सौख्यं	क्लेशः	भीतिः	अर्था.
२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	शून्यं	नैःस्वम्	नैःस्वम्	मिश्रम्
३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	धननाश	दुःखम्	इष्टाप्तिः	अर्था.
४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	लाभः	सौख्यम्	मंगलम्	वित्तलाभः
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	लाभः	द्रव्याप्तिः	धनम्	सौख्यम्
६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	भयम्	लाभः	मृत्युः	अर्था.
७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	लाभः	कष्टम्	द्रव्यालाभः	सुखम्
८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	कष्टम्	सौख्यम्	क्लेशः	सुखम्
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	सौख्यम्	लाभः	कार्यम्	कष्टम्
१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	क्लेशः	कष्टातप्ति	अर्थः	धनम्
११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	मृत्युः	लाभः	द्रव्यालाभः	शून्यम्
१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	शून्यम्	सौख्यम्	मृत्युः	अत्यंत कष्टम्

अथ सहम करने की रीति - सहमसारिणी में जो सहम करना हो सो देखके करना परंतु इतना ध्यान रखना चाहिये कि घटने वाले से लेके जिसमें घटाया जायेगा इसके अन्तर्गत लग्न नहीं होय तो सहम में राशि १ युक्त करना नही तो नहीं करना और वर्ष लग्न में ग्रहों सहित सहम लगा देना चाहिये पीछे उस श्लोकप्रमाण से फल देखना।

श्लोक - स्वस्वामिना शुभखगैः सहितं च दृष्टं स्वामी बली च यदि तत्सहमस्य वृद्धिः।
यस्वामिना शुभखगैश्च न युक्तदृष्टं तत्संभवो नहि भवेदिति चिंत्यमादौ ॥१॥

जो सहम अपना स्वामी और शुभग्रहों से युक्त हो और दृष्ट होय या उसका स्वामी बलवान हो तब उस सहम की वृद्धि होवेगी और यदि अपने स्वामी और शुभ ग्रहों के संग और दृष्टि नहीं होय तो समझ लेना उस सहम की वृद्धि नही होवे ऐसा आदि में विचार करके कहना चाहिये। इत्यलम्।

प्रातःकाल हस्तावलोकनम् - प्रभात में स्वकरतलादि का अवलोकन करे - कराग्रे वसते लक्ष्मीः करमध्ये सरस्वती। करमूले स्थितो ब्रह्मा प्रभाते कर दर्शनम्।

संवत् २०८२ शाकः १९४७ की मास दशा देखने की सारणी

मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
बै.कृ. ०१ से शु.द. उ. शु. द. दि. २० प.	ज्यो.कृ. ०२ से शु.द. उ. शु. द. दि. २० प.	बै.शु. ०८ से रा.द. उ. शु. द. दि. ७० प.	बै.कृ. १० से गु.द. उ. रा. द. दि. ४२ प.	बै.कृ. ११ से गु.द. उ. रा. द. दि. ४२ प.	बै.कृ. १३ से श.द. उ. गु. द. दि. ५८ प.	बै.कृ. ०८ से बु.द. उ. श. द. दि. ३६ प.	बै.कृ. ०८ से बु.द. उ. श. द. दि. ३६ प.	बै.कृ. १० से मं.द. उ. बु. द. दि. ५६ प.	बै.कृ. १२ से चं.द. उ. मं. द. दि. २८ प.	बै.कृ. ११ से चं.द. उ. मं. द. दि. २८ प.	बै.शु. ०६ से सू.द. उ. चं. द. दि. ५० प.
बै.शु. ०६ से सू.द. उ. चं. द. दि. ५० प.	ज्यो.शु. ०८ से सू.द. उ. चं. द. दि. ५० प.	आ.कृ. ०४ से शु.द. उ. शु. द. दि. २० प.	बै.शु. ०६ से रा.द. उ. शु. द. दि. ७० प.	ज्यो.शु. ११ से रा.द. उ. शु. द. दि. ७० प.	ज्यो.कृ. १३ से गु.द. उ. रा. द. दि. ४२ प.	बै.कृ. ३० से श.द. उ. गु. द. दि. ५८ प.	ज्यो.कृ. ३० से श.द. उ. गु. द. दि. ५८ प.	ज्यो.कृ. ०७ से बु.द. उ. श. द. दि. ३६ प.	बै.कृ. १० से मं.द. उ. बु. द. दि. ५६ प.	ज्यो.कृ. १० से मं.द. उ. बु. द. दि. ५६ प.	ज्यो.कृ. १२ से चं.द. उ. मं. द. दि. २८ प.
आ.कृ. १३ से चं.द. उ. मं. द. दि. २८ प.	श्रा.कृ. ३० से चं.द. उ. मं. द. दि. २८ प.	आ.शु. १० से सू.द. उ. चं. द. दि. ५० प.	श्रा.कृ. ०६ से शु.द. उ. सू. द. दि. २० प.	भा.कृ. ०८ से शु.द. उ. सू. द. दि. २० प.	आ.शु. १२ से रा.द. उ. शु. द. दि. ७० प.	आ.कृ. ३० से गु.द. उ. रा. द. दि. ४२ प.	श्रा.शु. ०१ से गु.द. उ. रा. द. दि. ४२ प.	आ.कृ. ३० से श.द. उ. गु. द. दि. ५८ प.	आ.कृ. ०८ से बु.द. उ. श. द. दि. ३६ प.	श्रा.कृ. ०८ से बु.द. उ. श. द. दि. ३६ प.	आ.कृ. १० से मं.द. उ. बु. द. दि. ५६ प.
श्रा.कृ. ११ से मं.द. उ. बु. द. दि. ५६ प.	भा.कृ. १३ से मं.द. उ. बु. द. दि. ५६ प.	भा.शु. ०२ से चं.द. उ. मं. द. दि. २८ प.	श्रा.शु. ११ से सू.द. उ. चं. द. दि. ५० प.	भा.शु. १३ से सू.द. उ. चं. द. दि. ५० प.	आ.कृ. १० से शु.द. उ. सू. द. दि. २० प.	श्रा.शु. १३ से रा.द. उ. शु. द. दि. ७० प.	भा.शु. १४ से रा.द. उ. शु. द. दि. ७० प.	भा.कृ. ३० से गु.द. उ. रा. द. दि. ४२ प.	श्रा.शु. ०१ से श.द. उ. गु. द. दि. ५८ प.	भा.कृ. ३० से श.द. उ. गु. द. दि. ५८ प.	भा.कृ. ०९ से बु.द. उ. श. द. दि. ३६ प.
आ.कृ. १० से बु.द. उ. श. द. दि. ३६ प.	का.कृ. ११ से बु.द. उ. श. द. दि. ३६ प.	आ.शु. ०१ से मं.द. उ. बु. द. दि. ५६ प.	आ.शु. ०३ से [illegible] द. दि. २८ प.	का.शु. ०५ से चं.द. उ. मं. [illegible] दि. २८ प.	आ.शु. १४ से सू.द. उ. चं. द. दि. ५० प.	का.कृ. ११ से शु.द. उ. सू. द. दि. २० प.	मा.कृ. १२ से शु.द. उ. सू. द. दि. २० प.	आ.शु. १३ से रा.द. उ. शु. द. दि. ७० प.	आ.शु. ०१ से गु.द. उ. रा. द. दि. ४२ प.	का.कृ. ३० से गु.द. उ. रा. द. दि. ४२ प.	आ.शु. ०१ से श.द. उ. गु. द. दि. ५८ प.
का.शु. ०१ से श.द. उ. गु. द. दि. ५८ प.	मा.शु. ०२ से श.द. उ. गु. द. दि. ५८ प.	मा.कृ. १३ से बु.द. उ. श. द. दि. ३६ प.	का.शु. ०२ से मं.[illegible] बु. द. दि. ५६ प.	मा.शु. ०३ से मं.द. उ. बु. द. दि. ५६ प.	मा.शु. ०६ से चं.द. उ. मं. द. दि. २८ प.	मा.कृ. ०१ से सू.द. उ. चं. द. दि. ५० प.	पौ.कृ. ०२ से सू.द. उ. चं. द. दि. ५० प.	पौ.कृ. ११ से शु.द. उ. सू. द. दि. २० प.	का.शु. १४ से रा.द. उ. शु. द. दि. ७० प.	मा.शु. १३ से रा.द. उ. शु. द. दि. ७० प.	मा.कृ. ३० से गु.द. उ. रा. द. दि. ४२ प.
पौ.शु. ०१ से गु.द. उ. रा. द. दि. ४२ प.	मा.शु. ०२ से गु.द. उ. रा. द. दि. ४२ प.	पौ.शु. ०४ से श.द. उ. गु. द. दि. ५८ प.	पौ.कृ. ३० से बु.द. उ. श. द. दि. ३६ प.	मा.शु. ०१ से बु.द. उ. श. द. दि. ३६ प.	पौ.शु. ०४ से मं.द. उ. बु. द. दि. ५६ प.	पौ.शु. ०७ से चं.द. उ. मं. द. दि. २८ प.	मा.शु. ०८ से चं.द. उ. मं. द. दि. २८ प.	मा.कृ. ०१ से सू.द. उ. चं. द. दि. ५० प.	मा.कृ. ११ से शु.द. उ. सू. द. दि. २० प.	फा.कृ. १० से शु.द. उ. सू. द. दि. २० प.	पौ.शु. १४ से रा.द. उ. शु. द. दि. ७० प.
मा.शु. १५ से रा.द. उ. शु. द. दि. ७० प.	चै.कृ. ०१ से रा.द. उ. शु. द. दि. ७० प.	फा.शु. ०४ से गु.द. उ. रा. द. दि. ४२ प.	मा.शु. ०६ से श.द. उ. गु. द. दि. ५८ प.	फा.शु. ०७ से श.द. उ. गु. द. दि. ५८ प.	फा.शु. ०२ से बु.द. उ. श. द. दि. ३६ प.	मा.शु. ०६ से मं.द. उ. बु. द. दि. ५६ प.	फा.शु. ०६ से मं.द. उ. बु. द. दि. ५६ प.	फा.शु. ०७ से चं.द. उ. मं. द. दि. २८ प.	फा.कृ. ०२ से सू.द. उ. चं. द. दि. ५० प.	चै.कृ. ०१ से सू.द. उ. चं. द. दि. ५० प.	चै.कृ. १० से शु.द. उ. सू. द. दि. २० प.

चान्द्र-पूर्णिमा - पूर्णिमा [illegible] को ही चान्द्र पूर्णिमा [illegible] है अर्थात् पूर्णिमा व्रत और चान्द्र पूर्णिमा व्रत एक ही है। [illegible]

शाकः १९४७, [illegible] साधारण की सुगमता के [illegible] (सप्तचत्वारिंशदधिकएकोन विंशतिशततमे शालिवाहन शकाब्दे इति) यहाँ शतत [illegible] यानि शत शब्द का उपयोग किया गया है, अन्यथा शत शब्द के बिना भी यह पंक्ति शुद्ध है। यथा- सप्तचत्वारिंशद-धिक एकोनविंशतितमे शालिवाहन शकाब्दे इति।

अनुवाद चन्द्रिका (प्रकाशन सन १९६७) पृष्ठ ३२३ में सन १९४७ का संस्कृत में अनुवाद 'सप्तचत्वारिंशदधिकैकोन विंशतिशततमेऽब्दे' इति।

अपरश्च - व्यवहारकेऽपि उत्तम् - अंकानां वामतो गतिः।

- पं. प्यारेलाल शर्मा, मुम्बई.

संवत २०८२, आश्विन कृष्णपक्ष में श्राद्धतिथि निर्णय, सन २०२५

पूर्णिमा (पूनम) का श्राद्ध	रविवार ७ सितंबर (भाद्रपद शुक्लपक्ष)
प्रतिपदा (एकम) "	सोमवार ८ सितंबर
द्वितीया (दूज) "	मंगलवार ९ सितंबर
तृतीया (तीज) "	बुधवार १० सितंबर
चतुर्थी (चौथ) "	गुरुवार ११ सितंबर मध्यान्ह १२।४६ बजे के पहले
पंचमी (पांच) "	गुरुवार ११ सितंबर मध्यान्ह १२।४६ बजे के बाद
षष्ठी (छठ) "	शुक्रवार १२ सितंबर दिन ९।५९ बजे के बाद

सप्तमी (सात) का श्राद्ध	शनिवार १३ सितंबर प्रातः ७।२३ बजे के बाद
अष्टमी (आठ) "	रविवार १४ सितंबर
नवमी (नौमी) "	सोमवार १५ सितंबर
दशमी (दस) "	मंगलवार १६ सितंबर
एकादशी "	बुधवार १७ सितंबर
द्वादशी (बारस) "	गुरुवार १८ सितंबर
त्रयोदशी (तेरस) "	शुक्रवार १९ सितंबर
चतुर्दशी (चौदस) "	शनिवार २० सितंबर
अमावस्या (मावस) "	रविवार २१ सितंबर

अपरान्ह काल - उपर लिखी श्राद्धपक्ष की तिथियों का निर्णय, प्रामाणिक धर्म शास्त्रों के आधार पर किया गया है - यह सर्व विदित है कि **पितृश्राद्ध का मुख्यकाल अपरान्ह** काल होता है। **अपरान्ह काल किसे कहते हैं ?** दिन में पांच प्रकार का काल होता है, इनके समय का मान इस प्रकार है - दिनमान में (या सूर्यास्त में सूर्योदय घटाकर) ५ पांच का भाग देकर सूर्योदय में पहला भाग जोड़ने से प्रात काल का समय होता है, इसमें दूसरा भाग जोड़ने से संगवकाल का समय होता है, इसमें तीसरा भाग जोड़ने से मध्यान्ह काल का समय होता है, इसमें **चौथा भाग जोड़ने से अपरान्ह काल का समय होता है.** इसमें पांचवां भाग जोड़ने से सायंकाल का समय कहलाता है। जब **मुख्यकाल प्राप्त हो तो गौणकाल क्यों ? भ्रांतियों से बचना चाहिए।** - प. प्यारेलाल शर्मा, मुम्बई.

प्राचार्य, गजानन शास्त्री मो० 8619009457, अक्षपाद महर्षि गौतम वेद विद्यालय

सर्व-उपयोगी (सर्व-जन-हितकर) ॥ द्व्यशीति-उत्तर द्विसहस्रतमे विक्रमाब्दे (२०८२), कालनाम संवत्सरे, सप्तचत्वारिंशदधिक-एकोनविंशति-शततमे शालिवाहनशाके (बीकानेर) राज०

३० मार्च से १२ अप्रेल तक, श्री चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०८२, शाक १९४७, मिश्रा शु. शु. तारीख | स्टै. | प्रात | दैनिक | कलकी अहर्गण ५१७७ वसंतर्तु रविउत्तरे, मार्च-अप्रेल २०२५

योग	ति	वा	घ	प	घ	मि	नक्षत्र	घ	प	घ	मि	यो	घ	प	घ	मि	क	घ	प	घ	मि	५ ५ उ		अ	भा	मु	इं	चंद्र	सौर र. स्प.	गति
सिंधारा	१	र	१६	००	१२	५१	रेव	२४	१६	१६	३३	ऐ	२८	२६	१७	४९	ब	१६	००	१२	५१	२०/४१	६/२७	६/४३	९	२९	३०	मेषे १६।३३	११।१५।१६।४४	५९।१६
गणगौर	२	सो	७	००	९	४३	अश्वि	१८	१६	१३	४४	वै	१८	११	१३	४२	कौ	७	००	९	१३	४५	२५	४३	१०	१	३१	मेषे	११।१६।१६।००	५९।१३
क्षय	३	सो	५८	४९	२९	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मुसल	४	मं	५०	२६	२६	३५	भर	११	४४	११	०६	वि	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	व	२४	१७	१६	०७	४९	२४	४४	११	२	१	वृषे १६।२९	११।१७।१५।१३	५९।११
सिद्धि	५	बु	४३	३९	२३	५१	कृति	६	०२	८	४८	आ	५०	५३	२६	४५	ब	१६	५४	१३	०९	५३	२३	४५	१२	३	२	वृषे	११।१८।१४।२४	५९।०९
उत्पात	६	गु	३८	११	२१	४२	रोहि	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	सौ	४३	५२	२३	५५	कौ	१०	४९	१०	४२	५७	२२	४५	१३	४	३	मिथु. १८।११	११।१९।१३।३३	५९।०७
पद्म	७	शु	३४	३०	२०	१२	आर्द्रा	५७	१८	२९	१६	शो	३८	१३	२१	३८	ग	६	१६	८	५१	[illegible]	२१	४६	१४	५	४	मिथु.	११।२०।१२।४०	५९।०४
छत्र	८	श	३२	४४	१९	२६	पुन	५७	५०	२९	२८	अ	३४	००	११	५६	वि	३	२९	७	४३	०५	२०	४६	१५	६	५	कर्के २३।२१	११।२१।११।४४	५९।०२
रामनव	९	र	३२	४२	१९	२४	पुष्य	...	...	...	...	सु	३१	१४	१८	४८	बा	२	३१	७	१९	०९	१९	४७	१६	७	६	कर्के	११।२२।१०।४६	५९।००
धाता	१०	सो	३४	२२	२०	०३	पुष्य	०	११	६	२२	धृ	२९	५०	१८	१४	तै	३	२१	७	३८	१४	१८	४७	१७	८	७	कर्के	११।२३।०९।४५	५८।५७
ए.द	११	मं	३७	३३	२१	१८	श्ले	४	०४	७	४४	शू	२९	३६	१८	०७	व	५	४८	८	३६	१८	१७	४८	१८	९	८	सिंहे ७।५४	११।२४।०८।४३	५८।५५
चर	१२	बु	४१	४५	२३	०१	मघा	९	१७	९	५८	ग	३०	१८	१८	२३	ब	९	३७	१०	०६	२२	१६	४८	१९	१०	९	सिंहे	११।२५।०७।३८	५८।५३
प्र.द	१३	गु	४७	१०	२५	०६	पूफा	१५	२९	१२	२६	वृ	३१	४५	१८	५७	कौ	१४	२९	१२	०२	२६	१४	४९	२०	११	१०	कन्या ११।०६	११।२६।०६।३०	५८।५०
शुभ	१४	शु	५३	००	२७	२५	उफा	२२	२३	१५	११	ध्रु	३३	४०	१९	४२	ग	२०	०३	१४	१४	३०	१३	४९	२१	१२	११	कन्या	११।२७।०५।२१	५८।४८
पूर्णिमा	१५	श	५९	१०	२९	५२	हस्त	२९	४२	१८	०५	व्या	३५	५४	२०	३४	वि	२६	०५	१६	३८	३४	१२	५०	२२	१३	१२	कन्या	११।२८।०४।०९	५८।४६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा. में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), पंचक समाप्ति १६।३३, नवरात्रारम्भ:, B
मन्वादि, मत्स्योत्पत्ति:, गणगौरी पूजा, मनोरथ तृतीया व्र., A
[A सौभाग्य शयन व्र.,शिवशक्ति पू., अरुन्धती व्रतं पूजनञ्च, D
भ.१६।०७उ.२६।३५या.,अप्रेल ४ ता.३० [E बुध: १४।२३, मृगे-१ I
कल्पादि,डोलोत्सव:,कर्के भौम: २१।४२ [G(व) पूभा.शुक्र:२०।०९
स्कन्द षष्ठी व्र.,(व) पूभा.बुध १६।११, बुधोदय: पूर्वस्याम् १२।५०
भ. २०।१२ उ. [B घटस्था., ध्वजारो., आरोग्य १, विद्या १ . F
भ.७।४३ या., भवान्युत्पत्ति:, अशोककलिका प्राशनं [I गुरु: ६।१४
श्रीरामनवमी [D सब्याल १०,रेव.रवि:१३।१४ (सौर: १६।०९), G
मार्गी बुध:२५।२५,शनेरुदय: पूर्वस्याम् २८।१८ [H अश्वमेधयज्ञफलं
भ.८।३६ उ. २१।१८ या., कामदा ११ व्र., लक्ष्मीकान्त दोलोत्सव:
हरि दमनोत्सव: [C वैशाख स्नानारंभ:, चित्रान्नदानं भक्षणञ्च, H
प्रदोष:,जैन महावीर जयंती [F कल्पादि,शृंगार(सिंघारा) देशाचारे
भ. २७।२५ उ., शिव पूजन विशेष:, पुष्ये भौम: २७।२४, उभा. E
भ. १६।३८ या., मन्वादि, श्री हनुमज्जयंती, पूर्णिमा व्रतंपुष्पञ्च, C

अयनांशा: २४।११।३४

पं.५६ चै.शु. १ र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	२	११	१	११	११	११	५
१५	२८	०५	२१	०४	००	०२	०२
२३	४९	४८	२३	०९	०२	३६	३६
५९	०४	३०	०३	००	५४	२६	२६
५९	११	४२	१	३१	७	३	३
१४	००	१५	०८	५१	१३	११	११
उभा	पुन	उभा	रो	उभा	पूभा	पूभा	उभा
४	३	१७	४	१७	४	४	२



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

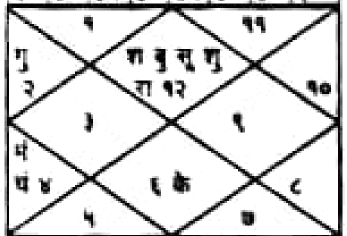
सा र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रात:	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रात:
११।१५।२४।०१	१ र	३०	७।०९	८।४५	१०।४१	१२।५६	३।१६	५।३३	७।४९	१०।०८	१२।२७	२।३१	४।१४	५।४३
११।१६।२३।१७	२ चं	३१	७।०५	८।४१	१०।३८	१२।५२	३।१२	५।२९	७।४५	१०।०४	१२।२३	२।२७	४।१०	५।३९
११।१७।२२।३०	४ मं	१	७।०१	८।३७	१०।३४	१२।४८	३।०८	५।२५	७।४१	१०।००	१२।१९	२।२३	४।०७	५।३५
११।१८।२१।४१	५ बु	२	६।५७	८।३३	१०।३०	१२।४४	३।०५	५।२१	७।३७	९।५६	१२।१५	२।१९	४।०३	५।३१
११।१९।२०।५१	६ गु	३	६।५३	८।२९	१०।२६	१२।४०	३।०१	५।१७	७।३३	९।५२	१२।११	२।१५	३।५९	५।२७
११।२०।१९।५६	७ शु	४	६।४९	८।२५	१०।२२	१२।३७	२।५७	५।१३	७।२९	९।४८	१२।०७	२।११	३।५५	५।२३
११।२१।१९।००	८ श	५	६।४५	८।२२	१०।१८	१२।३३	२।५३	५।१०	७।२५	९।४४	१२।०३	२।०८	३।५१	५।१९
११।२२।१८।०१	९ र	६	६।४१	८।१८	१०।१४	१२।२९	२।४९	५।०६	७।२१	९।४१	११।५९	२।०४	३।४७	५।१५
११।२३।१७।००	१० चं	७	६।३७	८।१४	१०।१०	१२।२५	२।४५	५।०२	७।१७	९।३७	११।५५	२।००	३।४३	५।११
११।२४।१५।५७	११ मं	८	६।३३	८।१०	१०।०६	१२।२१	२।४१	४।५८	७।१४	९।३३	११।५१	१।५६	३।३९	५।०७
११।२५।१४।५२	१२ बु	९	६।३०	८।०६	१०।०२	१२।१७	२।३७	४।५४	७।१०	९।२९	११।४७	१।५२	३।३५	५।०४
११।२६।१३।४५	१३ गु	१०	६।२६	८।०२	९।५८	१२।१३	२।३३	४।५०	७।०६	९।२५	११।४३	१।४८	३।३१	५।००
११।२७।१२।३५	१४ शु	११	६।२२	७।५८	९।५४	१२।०९	२।२९	४।४६	७।०२	९।२१	११।३९	१।४४	३।२७	४।५६
११।२८।११।२३	१५ श	१२	६।१८	७।५४	९।५०	१२।०५	२।२५	४।४२	६।५८	९।१७	११।३५	१।४०	३।२३	४।५२

मास फलम्

प्रतिपदा को रविवार होने से पवन अधिक चले और धान्य, वर्षा तथा फल कम हों। मास की शुक्ला तृतीया का क्षय होने से मूंग घी महंगे हों। पूर्णिमा हस्त युक्त होने से समर्घता हो। पूर्णिमा शनिवार युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। पूर्वाभाद्रपद में शुक्र होने से प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो। पूर्वाभाद्रपदा में स्थित शुक्र जुआड़ी लोग, कुरु तथा पञ्जाब देश में स्थित जनों को पीडित और वृष्टि करता है। पूर्वाभाद्रपद में बुध होने से कहीं दुर्भिक्ष हो और कहीं क्षेम तथा आरोग्यता हो। पूर्वाभाद्रपद में बुध होने से क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो। मीन राशि में बुध का उदय होने से अति वृष्टि से दुर्भिक्ष हो। मीन का शनि उदय होने से मनुष्यों में गरीबी बढ़े और धान्य का अभाव हो।

अयनांशा: २४।११।३५

पं.५२ चै.शु. १ र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	३	११	१	११	११	११	५
२२	०१	०२	२२	०१	००	०२	०२
१७	०९	४१	२१	१०	५२	१४	१४
५२	३४	२०	२२	०८	५५	११	११
५९	२१	४	१	१६	७	३	३
००	२५	२५	५४	१३	०३	१०	१०
रे	पुन	पूभा	रो	पूभा	पूभा	पूभा	उभा
२	४	४७	४	४७	४	४	२



स्पष्टमान युति:- सूर्य उभा. ३१ मार्च त: रेवत्यां। मंगल पुनर्वसौ ११ अप्रे. त: पुष्ये। बुध उभा. ३ अप्रे. त: (व) पूभा. ११ अप्रे. त: उभा.। गुरु रोहि. ११ अप्रे. त: मृगे। शुक्र उभा.३१ मार्च त: (व) पूभा.। शनि पूभा.। राहु पूभा.। केतु उफा.।

निरयण भचक्रविभाजन बोध:- सूर्य हस्ते ३१ मार्च त: चित्रा.। मंगल मूले ११ अप्रे. त: ज्येष्ठा.। बुध हस्ते ३ अप्रे. त: चित्रा.११ अप्रे. त: हस्ते। गुरु अश्वि.११ अप्रे. त: उभा.। शुक्र हस्ते ३१ मार्च त: चित्रा.। शनि चित्रा.। राहु चित्रा.। केतु रेवत्यां।

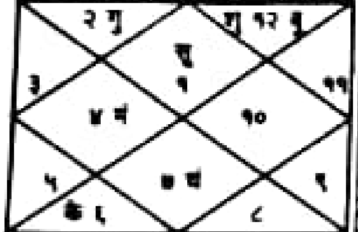
सायन भचक्रविभाजन बोध:- सूर्य हस्ते ३१ मार्च त: उफा.। मंगल मूले ११ अप्रे. त: ज्येष्ठा.। बुध हस्ते ३ अप्रे. त: चित्रा.११ अप्रे. त: हस्ते। गुरु अश्वि. ११ अप्रे. त: उभा.। शुक्र हस्ते ३१ मार्च त: चित्रा.। शनि चित्रा.। राहु चित्रा.। केतु रेवत्यां।

१३ अप्रैल से २७ अप्रैल तक, श्री वैशाख कृष्णपक्ष संवत् २०८२, शाकः १९४७, हिन्दू सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक | वसंततर्नु रविसत्तरे चैत्रकृष्णेति गुर्जराः, अप्रैल २०२५

योगा	ति	वा	घ	प	घ	मि	नक्षत्र	घ	प	घ	मि	यो	घ	प	घ	मि	क	घ	प	घ	मि	म व	उ.	अ.	भा	मु.	इ.	चंद्र:	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
घट	१	र	...	...	...	...	चित्रा	३७	१५	२१	०५	ह	३८	१७	२१	३०	बा	३२	२०	१९	०७	१६/३७	६/११	६/५०	२३	१४	१३	तुला. ७।३५	११।२९।०२।५५	५८।४४	मेषे अश्वि. रविः २६।३३ (सौरः २९।३०), मार्गी शुक्रः १८।०५
छत्र	१	सो	५	३२	८	२३	स्वा	४६	५०	२४	०६	व	४०	४३	२२	२८	कौ	५	३२	८	२३	४१	१०	५१	२४	१५	१४	तुला.	०।००।०१।३९	५८।४१	स्वाती रै. ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।। रात्री लग्न ८
श्रीवत्स	२	मं	११	४८	१०	५२	विशा	५२	१६	२७	०४	सि	४३	०३	२३	२२	ग	११	४८	१०	५२	३५	०९	५१	२५	१६	१५	वृश्चि. २०।२०	०।०१।००।२०	५८।३९	भ. २४।०५ उ.
ध.ब.	३	बु	१७	४७	१३	१५	अनु	५९	१५	२९	५०	व्य	४५	०३	२४	०९	वि	१७	४७	१३	१५	४९	०८	५२	२६	१७	१६	वृश्चि.	०।०१।५८।५९	५८।३७	भ. १३।१५ वा., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०७
काल	४	गु	२३	१२	१५	२४	ज्ये	...	...	...	...	व	४६	३१	२४	४३	बा	२३	१२	१५	२४	५३	०७	५२	२७	१८	१७	वृश्चि.	०।०२।५७।३६	५८।३५	अनुसूया जयंती
चर	५	शु	२७	४१	१७	११	ज्ये	५	३१	८	१९	प	४७	११	२४	५९	तै	२७	४१	१७	११	५७	०६	५३	२८	१९	१८	धनु. ८।१९	०।०३।५६।१०	५८।३२	[A रेव. बुधः १८।१४, अगस्त्यास्तः २०।१४
गद	६	श	३०	५४	१८	२७	मूल	१०	३९	१०	२१	शि	४६	५०	२४	४९	व	३०	५४	१८	२७	१२/०१	०५	५४	२९	२०	१९	धनु.	०।०४।५४।४३	५८।३०	भ. १८।२७ उ., सायन वृषे भानुः २५।०१
शुभ	७	र	३२	३४	११	०६	पूषा	१४	२१	११	४९	सि	४५	१३	२४	०९	वि	१	४७	६	५१	०५	०४	५४	३०	२१	२०	मक. १८।०५	०।०५।५३।१३	५८।२८	भ. ६।५१ वा.
मृत्यु	८	सो	३२	२८	११	०३	उषा	१६	२५	१२	३७	सा	४२	१३	२२	५६	बा	२	४५	७	०९	०८	०३	५५	१	२२	२१	मक.	०।०६।५१।४१	५८।२६	बूढी बास्योडो, मा. वैशाखारंभः
लुम्बक	९	मं	३०	३४	१८	१६	श्रव	१६	४२	१२	४३	शु	३७	४५	२१	०८	तै	१	३६	६	३५	१२	०२	५५	२	२३	२२	कुंभे २४।३०	०।०७।५०।०७	५८।२४	भ. २१।३६ उ., पंचक प्रारम्भः २४।३०
मित्र	१०	बु	२६	३९	१६	३५	धनि	१५	१०	१२	०६	शु	३१	५१	१८	४६	वि	२६	३९	१६	३५	१६	०१	५६	३	२४	२३	कुंभे	०।०८।४८।३०	५८।२१	भ. १६।४५ वा.
ए.ब.	११	गु	२१	२३	१४	३४	शत	११	५६	१०	४७	ब्र	२४	३४	१५	५०	बा	२१	२३	१४	३४	२०	०१	५६	४	२५	२४	मीने २७।२३	०।०९।४६।५२	५८।१९	वरुथिनि ११ व्र.
म.ब.	१२	शु	१४	२७	११	४६	पूभा	७	०९	८	५१	ऐ	१६	०५	१२	२६	तै	१४	२७	११	४६	२३	००	५७	५	२६	२५	मीने	०।१०।४५।११	५८।१७	प्रदोषः
धुम	१३	श	६	११	८	३०	उभा	१	०८	६	२६	वै	६	३६	८	३७	व	६	११	८	३०	२७	५/५९	५७	६	२७	२६	मेषे २७।३८	०।११।४३।२८	५८।१५	भ. ८।३० उ. १८।४३ वा., पंचक समाप्तिः २७।३८, B
क्षयः	१४	श	५७	१५	२८	५३	रेव	५४	०५	२७	३८	वि	५६	३३	२८	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[B मासिकशिवरात्री व्र., उभा. शुक्रः ११।५४
अमाव.	३०	र	४७	४७	२५	०५	अश्वि	४६	४३	२४	३९	प्री	४५	४६	२४	१६	च	२२	३४	१५	००	३०	५८	५८	७	२८	२७	मेषे	०।१२।४१।४३	५८।१३	देवपितृकार्येऽमा., भर. रविः १८।२३ (सौरः २९।४४), A

अयनांशाः २४।११।३६

पं. १ वै.कृ. १ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	चं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	३	११	१	११	११	११	५
००	०४	०४	२३	००	०१	०१	०१
०८	०९	२९	५१	१०	४८	४८	४८
५२	२३	४५	३४	३१	२७	४७	४७
५८	२३	३३	१०	३	६	३	३
४३	४५	५५	४३	३६	४८	११	११
अ	पु	उभा	मृ	पूभा	पूभा	पूभा	उफा
१	१	१	१	४	४	४	२



१२ श रा

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

सूक्ष्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अप्रै.	मेष प्रातः	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला सायं	वृश्चिक रात्री	धनु रात्री	मकर रात्री	कुंभ रात्री	मीन रात्री
११।२९।१०।०८	१ र	१३	६।१४	७।५०	९।४६	१२।०१	२।२१	४।३८	६।५४	९।१३	११।३२	१।३६	३।१९	४।४८
००।००।०८।५२	१ सो	१४	६।१०	७।४६	९।४२	११।५७	२।१७	४।३४	६।५०	९।०९	११।२८	१।३२	३।१५	४।४४
००।०१।०७।३३	२ मं	१५	६।०६	७।४२	९।३८	११।५३	२।१३	४।३०	६।४६	९।०५	११।२४	१।२८	३।११	४।४०
००।०२।०६।१२	३ बु	१६	६।०२	७।३८	९।३४	११।४९	२।०९	४।२६	६।४२	९।०१	११।२०	१।२४	३।०७	४।३६
००।०३।०४।४८	४ गु	१७	५।५८	७।३४	९।३१	११।४५	२।०५	४।२२	६।३८	८।५७	११।१६	१।२०	३।०३	४।३२
००।०४।०३।२२	५ शु	१८	५।५४	७।३०	९।२७	११।४१	२।०१	४।१८	६।३४	८।५३	११।१२	१।१६	३।००	४।२८
००।०५।०१।५५	६ श	१९	५।५०	७।२६	९।२३	११।३७	१।५८	४।१४	६।३०	८।४९	११।०८	१।१२	२।५६	४।२४
००।०६।००।२४	७ र	२०	५।४६	७।२२	९।१९	११।३४	१।५४	४।१०	६।२६	८।४५	११।०४	१।०८	२।५२	४।२०
००।०६।५८।५२	८ सो	२१	५।४२	७।१९	९।१५	११।३०	१।५०	४।०६	६।२२	८।४१	११।००	१।०५	२।४८	४।१६
००।०७।५७।१८	९ मं	२२	५।३८	७।१५	९।११	११।२६	१।४६	४।०३	६।१८	८।३८	१०।५६	१।०१	२।४४	४।१२
००।०८।५५।४१	१० बु	२३	५।३४	७।११	९।०७	११।२२	१।४२	३।५९	६।१४	८।३४	१०।५२	१२।५७	२।४०	४।०८
००।०९।५४।०२	११ गु	२४	५।३०	७।०७	९।०३	११।१८	१।३८	३।५५	६।११	८।३०	१०।४८	१२।५३	२।३६	४।०४
००।१०।५२।२१	१२ शु	२५	५।२७	७।०३	८।५९	११।१४	१।३४	३।५१	६।०७	८।२६	१०।४४	१२।४९	२।३२	४।००
००।११।५०।३८	१३ श	२६	५।२३	६।५९	८।५५	११।१०	१।३०	३।४७	६।०३	८।२२	१०।४०	१२।४५	२।२८	३।५७
००।१२।४८।५३	३० र	२७	५।१९	६।५५	८।५१	११।०६	१।२६	३।४३	५।५९	८।१८	१०।३६	१२।४१	२।२४	३।५३

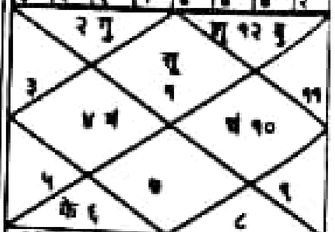
संक्रांति फलम्

ता. १३ अप्रैल २०२५

वैशा. कृ. १ रवौ मेषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २६।३३ करणम् ३ नक्षत्रम् ४ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति, पूर्वे गगनमाग्नेय्यां दृष्टिः कौलवकरणे प्रविष्टा महर्घफला सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कटकारक नीलवस्त्रं खड्गायुधं ताम्रपात्रे मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजातिः बकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरितकंचुकी गतास्थावस्था (उभी) मु. १५ धान्यमर्घे महर्घता वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूले पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) २०।३३ से चंद्रे ८।३३ तक । (दान मेष) ।

अयनांशाः २४।११।३७

पं. २ वै.कृ. ८ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	चं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	३	११	१	११	११	११	५
०६	०७	०९	२५	०१	०२	०१	०१
५९	०१	४०	०८	२२	३५	२६	२६
१६	०१	२५	३७	२१	१३	३२	३२
५८	२५	५६	११	१८	६	३	३
३०	२९	५८	२०	३४	३१	११	११
अ	पु	उभा	मृ	पूभा	पूभा	पूभा	उफा
३	२	२	१	४	४	४	२



१२ श रा

नक्षत्र युतिः- सूर्य रेवत्यां १३ अप्रै. ततः अश्वि. २७ अप्रै. ततः भर. । मंगल पुष्ये । बुध उभा. २७ अप्रै. ततः रेवत्यां । गुरु मृगे । शुक्र पूभा. २६ अप्रै. ततः उभा. । शनि पूभा. । राहु पूभा. । केतु उफा. ।

विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य उफा. १३ अप्रै. ततः पूफा. २७ अप्रै. ततः अनुरा.। मंगल ज्येष्ठा.। बुध हस्ते २७ अप्रै. ततः उफा. । गुरु उषा. । शुक्र चित्रा. २६ अप्रै. ततः हस्ते । शनि चित्रा. । राहु चित्रा. । केतु रेवत्यां ।

अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य उफा. १३ अप्रै. ततः पूफा. २७ अप्रै. ततः मघा. । मंगल ज्येष्ठा.। बुध हस्ते २७ अप्रै. ततः उफा. । गुरु उषा. । शुक्र चित्रा. २६ अप्रै. ततः हस्ते । शनि चित्रा. । राहु चित्रा. । केतु रेवत्यां ।

॥ द्व्यशीति-उत्तर-द्विसहस्रतमे विक्रमाब्दे (२०८२), कालनाम संवत्सरे, सप्तचत्वारिंशदधिक-एकोनविंशति-शततमे शालिवाहनशकाब्दे (१९४७) ॥

२८ अप्रेल से १२ मई तक, श्री वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०८२, शाक: १९४७, दिनांक सू. गु. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योग	ति.	वा.	घ.	प.	घं	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं	मि	यो	घ	प.	घं	मि.	क	घ	प	घं	मि	०५	उ	अ	मा	मु	इं.	चंद्र	सौर र. स्प.	गति
वर	१	सो	३८	१५	२१	१५	भर	३९	१३	२१	३८	आ	३५	०७	२०	००	कि	१३	००	११	०९	[illegible]	[illegible]	५६	८	२९	२८	वृषे २६।१४	०।१३।३९।५६	५८।११
गद	२	मं	२९	०७	१७	३५	कृति	३२	०८	१८	४७	सौ	२४	४७	१५	५१	बा	३	३७	७	२३	३८	५६	५९	९	३०	२९	वृषे	०।१४।३८।०७	५८।०९
अक्षय	३	बु	२०	५०	१४	१५	रोहि	२५	५५	१६	१७	शो	१५	०८	११	५८	ग	२०	५०	१४	१५	४१	५५	००	१०	१	३०	मिथु. २७।१४	०।१५।३६।१६	५८।०७
मृत्यु	४	गु	१३	४९	११	२६	मृग	२१	०२	१४	१९	अ	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	वि	१३	४९	११	२६	४५	५४	००	११	२	१	मिथु.	०।१६।३४।२३	५८।०५
चर	५	शु	८	२७	९	१६	आर्द्रा	१७	५०	१३	०२	धृ	५३	२२	२७	१४	बा	८	२७	९	१६	४८	५४	०१	१२	३	२	मिथु.	०।१७।३२।२८	५८।०३
छत्र	६	श	५	०१	७	५३	पुन	१६	३७	१२	३१	शू	४९	१६	२५	३५	तै	५	०१	७	५३	५१	५३	०१	१३	४	३	कर्के ६।३४	०।१८।३०।३०	५८।०१
श्रीवत्स	७	र	३	४०	७	२०	पुष्य	१७	२८	१२	५१	गं	४६	५२	२४	३७	व	३	४०	७	२०	५५	५२	०२	१४	५	४	कर्के	०।१९।२८।३१	५७।५९
सौम्य	८	सो	४	२७	७	३८	श्ले	२०	२१	१४	००	वृ	४६	०१	२४	१६	ब	४	२७	७	३८	५८	५१	०३	१५	६	५	सिंहे १४।००	०।२०।२६।३०	५७।५७
काल	९	मं	७	०८	८	४२	मघा	२५	०३	१५	५२	ध्रु	४६	३१	२४	२७	कौ	७	०८	८	४२	[illegible]	५१	०३	१६	७	६	सिंहे	०।२१।२४।२६	५७।५५
सुस्थिर	१०	बु	११	२८	१०	२५	पूफा	३१	११	१८	१८	व्या	४८	०१	२५	०२	ग	११	२८	१०	२५	०५	५०	०४	१७	८	७	कन्या २४।५९	०।२२।२२।२१	५७।५३
ए.व्र.	११	गु	१६	५५	१२	३५	उफा	३८	१६	२१	०८	ह	५०	१३	२५	५४	वि	१६	५५	१२	३५	०८	४९	०४	१८	९	८	कन्या	०।२३।२०।१४	५७।५१
प्र.व्र.	१२	शु	२३	०३	१५	०२	हस्त	४५	५२	२४	०९	व	५२	४५	२६	५५	बा	२३	०३	१५	०२	११	४९	०५	१९	१०	९	कन्या	०।२४।१८।०५	५७।४९
काण	१३	श	२९	२४	१७	३३	चित्रा	५३	३५	२७	१४	सि	५५	२१	२७	५६	तै	२९	२४	१७	३३	१४	४८	०६	२०	११	१०	तुला. १३।४२	०।२५।१५।५४	५७।४७
लुम्बक	१४	र	३५	४०	२०	०३	स्वा	...	...	...	...	व्या	५७	४७	२८	५४	ग	२	३५	६	४९	१७	४७	०६	२१	१२	११	तुला.	०।२६।१३।४२	५७।४६
पूर्णिमा	१५	सो	४१	३६	२२	२५	स्वा	१	०८	६	१४	व	५९	५६	२९	४५	वि	८	४२	९	१५	२०	४७	०७	२२	१३	१२	वृश्चि. २६।२३	०।२७।११।२७	५७।४४

केतकी अहर्गण ५१३६ ग्रीष्मर्तु रविवासरे, अप्रेल-मई २०२५

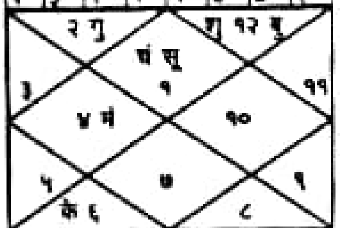
यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

मृगे २ गुरु: २७।३२, उभा. १ शनि: ६।२५
रोहि. रै.१ IIIIISIIII रात्री लग्न ८, ११, चंद्रदर्शनम् (मु.४५), B
भ. २४।४६ उ., युगादि, कल्पादि, अक्षय तृतीया, जिल्काद ११
भ. ११।२६ या., मई ५ ता. ३१
श्री आद्यशंकराचार्य जयंती, श्री रामानुज जयंती
गंगोत्पत्ति
भ. ७।२० उ. १९।२३ या.
मघा. रै. ८ SIIIIIIISI रात्री लग्न गोधूलि(७), ८, ११, सीता ९
[A वैशाखस्नानपूर्तिः, धर्म प्रीत्यर्थं जलकुंभदानं, श्लेषा. C
भ. २३।२७ उ., टैगोर जयन्ती, मैषे अश्वि. बुध: ६।२९
भ. १२।३५ या., मोहिनी ११ व्र.
प्रदोष: [C भौम: ७।०५
[B शिवाजी जयंती, परशुराम जयंती
भ. २०।०३ उ., नृसिंह १४, कृति. रवि: १२।३४ (सौर: १६।४३)
भ. ९।१५ या., कूर्मोत्पत्तिः, पूर्णिमा व्रतंपुण्यश्च, A

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशा: २४।११।३८

प. ३ वै.शु. १ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	३	११	१	११	११	११	५
१३	१०	१७	२६	०४	०३	०१	०१
४८	०४	१५	२९	०९	११	०४	०४
०७	०३	३२	२१	२४	५३	१७	१७
५८	२६	७५	११	३०	६	३	३
१७	५९	१५	५०	२०	११	१०	१०
भ	पु	रे	मृ	उभा	पूभा	पूभा	उफा
१	३	१	१	१	४	४	२

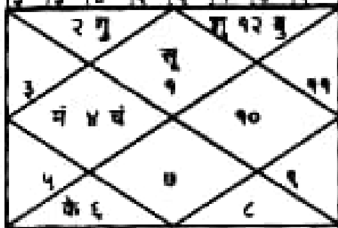


१२ श रा

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अप्रे.	मेष प्रातः	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला सायं	वृश्चिक रात्री	धनु रात्री	मकर रात्री	कुंभ रात्री	मीन रात्री
००।१३।४७।०५	१ चं	२८	५।१५	६।५१	८।४७	११।०२	१।२२	३।३९	५।५५	८।१४	१०।३२	१२।३७	२।२०	३।४९
००।१४।४५।१६	२ मं	२९	५।११	६।४७	८।४३	१०।५८	१।१८	३।३५	५।५१	८।१०	१०।२८	१२।३३	२।१६	३।४५
००।१५।४३।२५	३ बु	३०	५।०७	६।४३	८।३९	१०।५४	१।१४	३।३१	५।४७	८।०६	१०।२४	१२।२९	२।१२	३।४१
००।१६।४१।३१	४ गु	१	५।०३	६।३९	८।३५	१०।५०	१।१०	३।२७	५।४३	८।०२	१०।२१	१२।२५	२।०८	३।३७
००।१७।३९।३५	५ शु	२	४।५९	६।३५	८।३१	१०।४६	१।०६	३।२३	५।३९	७।५८	१०।१७	१२।२१	२।०४	३।३३
००।१८।३७।३८	६ श	३	४।५५	६।३१	८।२७	१०।४२	१।०२	३।१९	५।३५	७।५४	१०।१३	१२।१७	२।००	३।२९
००।१९।३५।३८	७ र	४	४।५१	६।२७	८।२४	१०।३८	१२।५८	३।१५	५।३१	७।५०	१०।०९	१२।१३	१।५७	३।२५
००।२०।३३।३७	८ चं	५	४।४७	६।२३	८।२०	१०।३४	१२।५४	३।११	५।२७	७।४६	१०।०५	१२।०९	१।५३	३।२१
००।२१।३१।३३	९ मं	६	४।४३	६।१९	८।१६	१०।३०	१२।५१	३।०७	५।२३	७।४२	१०।०१	१२।०५	१।४९	३।१७
००।२२।२९।२८	१० बु	७	४।३९	६।१५	८।१२	१०।२७	१२।४७	३।०३	५।१९	७।३८	९।५७	१२।०१	१।४५	३।१३
००।२३।२७।२०	११ गु	८	४।३५	६।१२	८।०८	१०।२३	१२।४३	३।००	५।१५	७।३४	९।५३	११।५८	१।४१	३।०९
००।२४।२५।११	१२ शु	९	४।३१	६।०८	८।०४	१०।१९	१२।३९	२।५६	५।११	७।३१	९।४९	११।५४	१।३७	३।०५
००।२५।२३।००	१३ श	१०	४।२७	६।०४	८।००	१०।१५	१२।३५	२।५२	५।०७	७।२७	९।४५	११।५०	१।३३	३।०१
००।२६।२०।४७	१४ र	११	४।२३	६।००	७।५६	१०।११	१२।३१	२।४८	५।०४	७।२३	९।४१	११।४६	१।२९	२।५७
००।२७।१८।३२	१५ चं	१२	४।२०	५।५६	७।५२	१०।०७	१२।२७	२।४४	५।००	७।१९	९।३७	११।४२	१।२५	२।५३

अयनांशा: २४।११।३९

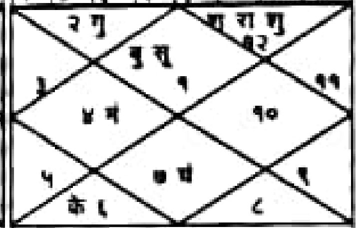
प. ४ वै.शु. ८ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	३	११	१	११	११	११	५
२०	१३	२६	२७	०८	०४	००	००
३५	१६	५२	५३	१०	०२	४२	४२
३१	५६	०८	४४	०४	०७	०३	०३
५८	२८	११	१२	३९	५	३	३
०५	१७	३३	१९	१७	४९	११	११
भ	पु	रे	मृ	उभा	उभा	पूभा	उफा
३	३	४	२	२	१	४	२



१२ श रा

अयनांशा: २४।११।४१

प. ५ वै.शु. १५ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	३	०	१	११	११	११	५
२७	१६	०८	२९	१३	०४	००	००
२१	३८	१७	२१	०६	४१	११	११
३४	२४	३०	०५	२२	३३	४८	४८
५७	२९	१०६	१२	४६	५	३	३
५४	२५	०२	४२	०२	२३	११	११
कृ	पु	अ	मृ	उभा	उभा	पूभा	उफा
१	४	३	२	३	१	४	२



नक्षत्र युति:- सूर्य भर. ११ मई तः कृति. । मंगल पुष्ये १२ मई तः श्लेषा. । बुध रेवत्यां ७ मई तः अश्वि. । गुरु मृगे । शुक्र उभा. । शनि पूभा. २८ अप्रे. तः उभा. । राहु पूभा. । केतु उफा. ।

विवाहे पञ्चशलाका वेध:- सूर्य अनुरा. ११ मई तः विशा. । मंगल ज्येष्ठा. १२ मई तः धनि. । बुध उफा. ७ मई तः पूफा. । गुरु उषा. । शुक्र हस्ते । शनि चित्रा. २८ अप्रे. तः हस्ते । राहु चित्रा. । केतु रेवत्यां ।

अन्यत्र सप्तशलाका वेध:- सूर्य मघा. ११ मई तः श्रवणे । मंगल ज्येष्ठा. १२ मई तः अनुरा. । बुध उफा. ७ मई तः पूफा. । गुरु उषा. । शुक्र हस्ते । शनि चित्रा. २८ अप्रे. तः हस्ते । राहु चित्रा. । केतु रेवत्यां ।

५

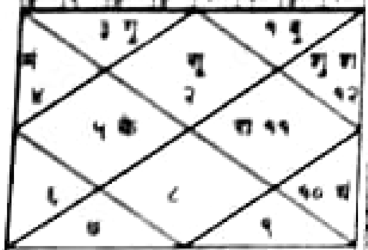
१३ मई से २७ मई तक. श्री ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०८२, शाके १९४७ — स्पष्ट सू. सू. तारीख

योग	ति	वा	घ	प	घं	मि	नक्षत्र	घ	प	घं	मि	यो	घ	प	घं	मि	क	घ	प	घं	मि							राशि	चं. सं.	प्रात सौर र. स्प.	दैनिक गति
श्रीवत्स	१	मं	४७	०२	२४	३५	विशा	८	५६	१	०७	प					वा	५४	२४	११	३२	२३	४६	०७	२३	१४	१३	वृश्चि		०।२८।०९।११	५७।४२
सौम्य	२	बु	५१	५१	२६	३०	अनु	५४	५३	११	४३	प	९	४२	६	२६	तै	११	३३	१३	३४	२६	४५	०८	२४	१५	१४	वृश्चि		०।२९।०६।५१	५७।४०
काल	३	गु	५५	५१	२८	०५	ज्ये	२०	४९	११	०५	शि	२	५६	६	५५	ब	२३	५७	१५	२०	२९	४५	०८	२५	१६	१५	धनु	१४।०५	१।००।०४।३३	५७।३८
ध.इ	४	शु	५८	५३	२९	१८	मूल	२५	५५	१६	०८	शि	३	३३	७	०५	ब	२७	३०	१६	४४	३२	४४	०९	२६	१७	१६	धनु		१।०१।०२।१२	५७।३७
मातङ्ग	५	श					पूषा	३०	०५	१७	४४	सा	३	२३	७	०५	कौ	३०	००	१७	४४	३४	४४	१०	२७	१८	१७	मक	२४।०४	१।०१।५९।४८	५७।३५
अमृत	५	र	०	४८	६	०३	उषा	३२	५५	१८	५३	शु	२	२५	६	४०	तै	०	४८	६	०३	३७	४३	१०	२८	१९	१८	मक		१।०२।५७।२४	५७।३४
सिद्धि	६	सो	१	२४	६	५६	श्रव	३४	२८	१९	३०	शु	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	ब	१	२४	६	५६	४०	४३	११	२९	२०	१९	मक		१।०३।५४।५७	५७।३२
उत्पात	७	मं	०	३३	५	५६	धनि	३४	३५	१९	३२	ऐ	५२	४१	२६	४७	ब	०	३३	५	५६	४२	४२	११	३०	२१	२०	कुंभ	०७।३६	१।०४।५२।२९	५७।३०
क्षय	८	मं	५८	१२	२८	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०
मानस	९	बु	५४	११	२७	२५	शत	३३	४०	१८	५८	वै	४७	०४	२४	३२	तै	२६	२८	१६	१७	४५	४२	१२	३१	२२	२१	कुंभ		१।०५।४९।५९	५७।२९
मुद्गर	१०	गु	४८	४७	२५	१६	पूभा	३०	५५	१७	४७	वि	४०	५३	२१	४७	व	२१	४९	१४	२५	४७	४१	१२	१	२३	२२	मीन	१२।०८	१।०६।४७।२८	५७।२७
ए.इ	११	शु	४२	१३	२२	३४	उभा	२५	५५	१६	०३	प्री	३३	१३	१८	३४	ब	५५	४५	११	४९	५०	४१	१३	२	२४	२३	मीन		१।०७।४४।५५	५७।२६
ध.इ	१२	श	३४	२२	१४	२६	रेव	२०	२३	१३	५०	आ	२३	१६	१४	५१	कौ	८	२५	९	०३	५२	४१	१३	३	२५	२४	मेष	१३।५०	१।०८।४२।२९	५७।२४
आनन्द	१३	र	२५	४१	१५	५७	अश्वि	१३	५५	११	१४	सौ	१३	३३	११	०६	ग	०	०७	५	४३	५४	४०	१४	४	२६	२५	मेष		१।०९।३९।४५	५७।२३
धर	१४	सो	१६	३३	१२	१७	भर	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	शो	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	श	१६	३३	१२	१७	५६	४०	१४	५	२७	२६	वृष	१३।४३	१।१०।३७।०८	५७।२१
अमाव	३०	मं	७	२३	८	३७	रोहि	५३	००	२६	५२	शु	४३	०२	२२	४३	ना	७	२३	८	३७	५८	४०	१५	६	२८	२७	वृष		१।११।४१।३०	५७।२०

दीपावली संविवतते वैशाखकृष्णीति मु. बैश., मई २०२५ नहीं लिखने मात्र यह धारतिरि का समय सं. टा में है। अनुरा. १ ६, IIISSSSII रात्री लग्न ११, कृतावल पूर्णिमान्त ... नारद जयंती, श्रीमद्दानं, वृषे रविः २३।२७ (सौर. ...), ८ म. ५५।२० घ. २८।०५ मा., मिथुने गुरौ ३ गुरु: ७।०८ चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदय: २२।४६, वैन. शुक्र: १०।०५, पूषा. १ ७ IIISISISII रात्री लग्न गोधूलि(८), ११ कुंभे पूषा.-३ राहु: ११।१७, सिंहे उफा.-१ केतु: ११।१७ म. ६।१६ घ. १८।१० मा. पंचक प्रारम्भ: ७।३६, सायन मिथुने भानु: २४।०४ [A कालाष्टमी, श्री नेपालराष्ट्रगणतन्त्र प्रा., रोहि. बुध: २८।४६ कृति. बुध: २१।४५ [D रोहि. रवि: ८।४८ (सौर: १४।०८) म. १४।२५ घ. २५।१६ मा., भा. ज्योष्ठारंभ: अपरा ११ व्र., कुंभे बुध: १२।३१ [C भर. बुध: २५।०८, पंचक समाप्ति: १३।५०, प्रदोष: [B (मक.) ग. १५।५७ घ. २६।०८ मा., मासिकशिवरात्री व्र., D शनैश्चर जयन्ती, पितृकार्येऽमा., भाऊका ३०, वट सावित्री व्र. B देवकार्येऽमा., बटपूजनम् महत्वाले, भाऊका कालिदिन, A

अयनांश: २४।११।४२

ग्र. ८ ज्ये कृ. ८ सो. इष्टघटी ०।००							
सू	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
१	३	०	२	११	११	१०	४
०७	२०	२९	००	१८	०५	२९	२९
०६	०७	१८	५०	४४	१७	५७	५७
२३	२४	५०	५५	४२	५३	३३	३३
५७	३०	११८	१३	५१	४	३	३
४४	२५	४९	०५	०८	५५	११	११
कृ	श्ले	भ	मृ	रे	उभा	पूभा	उफा
३	२	३	३	१	१	३	१



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रात	वार तिथि	ता. मई	मेष रात्री	वृष प्रात	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक रात्री	धनु रात्री	मकर रात्री	कुंभ रात्री	मीन रात्री
००।२८।१६।१६	१ मं	१३	४।१६	५।५२	७।४८	१०।०३	१२।२३	२।४०	४।५६	७।१५	९।३३	११।३८	१।२१	२।५०
००।२९।१३।५७	२ बु	१४	४।१२	५।४८	७।४४	९।५९	१२।१९	२।३६	४।५२	७।११	९।२९	११।३४	१।१७	२।४६
०१।००।११।३७	३ गु	१५	४।०८	५।४४	७।४०	९।५५	१२।१५	२।३२	४।४८	७।०७	९।२५	११।३०	१।१३	२।४२
०१।०१।०९।१६	४ शु	१६	४।०४	५।४०	७।३६	९।५१	१२।११	२।२८	४।४४	७।०३	९।२१	११।२६	१।०९	२।३८
०१।०२।०६।५२	५ श	१७	४।००	५।३६	७।३२	९।४७	१२।०७	२।२४	४।४०	६।५९	९।१८	११।२२	१।०५	२।३४
०१।०३।०४।२७	५ र	१८	३।५६	५।३२	७।२८	९।४३	१२।०३	२।२०	४।३६	६।५५	९।१४	११।१८	१।०१	२।३०
०१।०४।०२।००	६ सो	१९	३।५२	५।२८	७।२४	९।३९	११।५९	२।१६	४।३२	६।५१	९।१०	११।१४	१२।५७	२।२६
०१।०४।५९।३२	७ मं	२०	३।४८	५।२४	७।२०	९।३५	११।५५	२।१२	४।२८	६।४७	९।०६	११।१०	१२।५३	२।२२
०१।०५।५७।०२	९ बु	२१	३।४४	५।२०	७।१६	९।३१	११।५१	२।०८	४।२४	६।४३	९।०२	११।०६	१२।५०	२।१८
०१।०६।५४।३०	१० गु	२२	३।४०	५।१६	७।१२	९।२७	११।४७	२।०४	४।२०	६।३९	८।५८	११।०२	१२।४६	२।१४
०१।०७।५१।५७	११ शु	२३	३।३६	५।१२	७।०८	९।२३	११।४३	२।००	४।१६	६।३५	८।५४	१०।५८	१२।४२	२।१०
०१।०८।४९।२३	१२ श	२४	३।३२	५।०८	७।०४	९।२०	११।४०	१।५६	४।१२	६।३१	८।५०	१०।५४	१२।३८	२।०६
०१।०९।४६।४७	१३ र	२५	३।२८	५।०४	७।०१	९।१६	११।३६	१।५३	४।०८	६।२७	८।४६	१०।५१	१२।३४	२।०२
०१।१०।४४।१०	१४ सो	२६	३।२४	५।०१	६।५७	९।१२	११।३२	१।४९	४।०४	६।२४	८।४२	१०।४७	१२।३०	१।५८
०१।११।४१।३१	३० मं	२७	३।२०	४।५७	६।५३	९।०८	११।२८	१।४५	४।००	६।२०	८।३८	१०।४३	१२।२६	१।५४

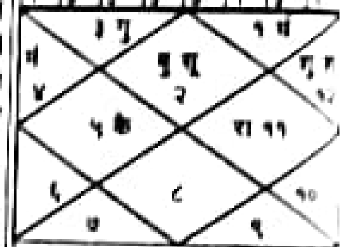
संक्रान्ति फलम्

ता. १४ मई २०२५

ज्ये. कृ. २ बुधे वृषेऽर्कः प्र. (घटी.) टा. २३।२७ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, ऊर्ध्वे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं ... लक्ष्मीकारक ... धनुष्मायुधं कोलपात्रं दुग्धभक्षणं नीलवसनलेपनं पशुजातिः बिल्वपुष्पं मुक्ताभूषणं श्वेतकंचुकी क्रीडावस्था (बैठी) मु. १५ सामर्घ्यार्थे महर्घता कारक उत्तरे शत्रु पश्चिमा. मूलं पाताले विवाहकर्माणि ... शुक्रोदय. पुर्वरात्रे । पुण्यकाल: (घटी.) १५।०३ से २३।२७ तक । (दान- गौ) ।

अयनांश: २४।११।४३

ग्र. ७ ज्ये.कृ.१४ सो. इष्टघटी ०।००							
सू	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
१	३	१	२	११	११	१०	४
१०	२३	०५	०२	२४	०५	२९	२९
५०	४३	४४	२२	५५	५०	३५	३५
०६	०४	५८	४९	०३	४७	१८	१८
५७	३१	१२४	१३	५५	४	३	३
३६	११	३२	१६	०४	२४	११	११
रो	श्ले	कृ	मृ	रे	उभा	पूभा	उफा
१	३	३	३	३	१	३	१



नक्षत्र स्थिति:- सूर्य कृति. २५ मई त. रोहि. । मंगल श्लेषा । बुध अश्वि. १४ मई त. भर. २१ मई त. कृति. २७ मई त. रोहि. । गुरु मृगे । शुक्र उभा. १६ मई त. रेवत्यां । शनि उभा. । राहु पूभा. । केतु उफा. ।

विवाहे पञ्चशलाका वेध:- सूर्य विशा. २५ मई त. अनि. । मंगल धनि. । बुध पूफा. १४ मई त. अनुरा. २१ मई त. विशा. २७ मई त. अनि. । गुरु उषा. । शुक्र हस्ते १६ मई त. उफा. । शनि हस्ते । राहु चित्रा. । केतु रेवत्यां ।

अन्यत्र सप्तशलाका वेध:- सूर्य श्रवणे २५ मई त. अनि. । मंगल अनुरा. । बुध पूफा. १४ मई त. मघा. २१ मई त. श्रवणे २७ मई त. अनि. । गुरु उषा । शुक्र हस्ते १६ मई त. उफा. । शनि हस्ते । राहु चित्रा. । केतु रेवत्यां ।

२८ मई से ११ जून तक, श्री ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत् २०८२, शाके १९४७. — दिनसू. सू. तारीख — स्टैं. — प्रातः — दैनिक

योग	ति.	वा.	घ	प	घं	मि.	नक्षत्र	घ	प	घं	मि.	यो.	घ	प	घं	मि.	क.	घ	प	घं	मि.	च.घ.	उ.	अ	मा.	मु.	इं.	चंद्र	सौर र. स्प.	गति
क्षय	१	मं	५८	३८	२१	०७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
अमृत	२	बु	४०	३७	२५	५८	मृग	३७	०५	२६	३०	धृ	३३	३८	११	०७	बा	२४	३४	१५	२९	[illegible]	[illegible]	१५	७	२९	२८	मिथु. १३।३७	१।१२।३१।५०	५७।११
काण	३	गु	३३	१५	२३	२१	आर्द्रा	४२	२९	२२	३९	शू	२५	१३	१५	४४	तै	१७	११	१२	३५	०२	३९	१६	८	१	२९	मिथु.	१।१३।२९।०८	५७।१७
लुम्बक	४	शु	३१	२६	२१	२१	पुन	३१	३७	२१	२१	ग	१८	०६	१२	५३	व	११	३७	१०	१८	०४	३९	१७	९	२	३०	कर्क १५।४२	१।१४।२६।२६	५७।१६
मित्र	५	श	३६	३७	२०	५८	पुष्य	३८	३१	२१	०६	वृ	१२	३३	१०	४०	ब	७	३६	८	३५	०६	३९	१७	१०	३	३१	कर्क	१।१५।२३।४२	५७।१५
ध्वज	६	र	३५	५८	२०	०२	श्ले	३१	४१	२१	३५	ध्रु	८	४२	९	०७	कौ	६	००	८	०३	०८	३८	१८	११	४	१	सिंह २१।३५	१।१६।२०।५७	५७।१४
ध्वांक्ष	७	सो	३७	२६	२०	३७	मघा	४३	०९	२२	४४	व्या	६	३४	८	१६	ग	६	२६	८	१३	१०	३८	१८	१२	५	२	सिंह	१।१७।१८।११	५७।१३
धूम्र	८	मं	४०	५०	२१	५८	पूफा	४८	५८	२४	५७	ह	६	०५	८	०४	वि	८	४६	९	१२	११	३८	१९	१३	६	३	सिंह	१।१८।१५।२३	५७।११
वर्धमान	९	बु	४५	३७	२३	०७	उफा	५४	४२	२६	३४	व	६	४७	८	२५	बा	१३	१०	१०	४४	१३	३८	१९	१४	७	४	कन्या ७।३४	१।१९।१२।३५	५७।१०
पद्म	१०	गु	५१	५३	२६	११	हस्त	...	...	...	...	सि	८	५१	९	१०	तै	१८	४०	१३	०६	१४	३८	१९	१५	८	५	कन्या	१।२०।०९।४५	५७।०९
ए.द.	११	शु	५८	०४	२८	५२	हस्त	२	११	६	३४	व्य	११	२०	१०	१०	व	२४	४२	१५	३५	१५	३८	२०	१६	९	६	तुला. २०।०७	१।२१।०६।५४	५७।०८
काल	१२	श	...	...	...	...	चित्रा	१०	०५	९	४०	व	१४	०१	११	१४	बा	३१	१३	१८	०७	१७	३८	२०	१७	१०	७	तुला.	१।२२।०४।०३	५७।०७
प्र.द.	१२	र	४	१८	७	२१	स्वा	१७	३९	१२	४१	प	१६	३२	१२	१४	बा	४	१८	७	२१	१८	३८	२१	१८	११	८	तुला.	१।२३।०७।१०	५७।०६
मित्र	१३	सो	१०	०१	९	३८	विशा	२४	४०	१५	२९	शि	१८	३७	१३	०४	तै	१०	०१	९	३८	१९	३८	२१	१९	१२	९	वृश्चि. ८।४९	१।२३।५८।१६	५७।०५
ध्वज	१४	मं	१४	५८	११	३७	अनु	३०	४४	१७	५१	सि	२०	०४	१३	३९	व	१४	५८	११	३७	२०	३८	२२	२०	१३	१०	वृश्चि.	१।२४।५५।२१	५७।०४
पूर्णिमा	१५	बु	१९	००	१३	१४	ज्ये	३६	१६	२०	०८	सा	२०	५२	१३	५८	व	१९	००	१३	१४	२१	३८	२२	२१	१४	११	धनु. २०।०८	१।२५।५२।२६	५७।०४

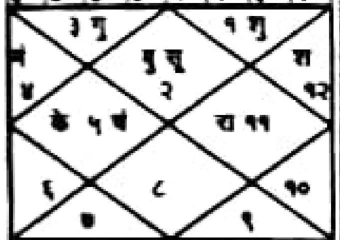
कलकी आरंभ: ५१६६ ग्रीष्मर्तु रविसत्तरे, मई-जून २०२५

यहाँ लिखे गये ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[A २३।३३. कबीर जयंती, ज्येष्ठी योगः
चंद्रदर्शनम् (मु.३०) [F गुर्जराणां वटसावित्री, व्रतं,अदं साम्य व्र.
रंभा व्रतं, प्रताप जयंती, विनायक १२
म. १०।१८ उ. २१।२५ वा., मृगे४ गुरुः ११।४४
मेषे अश्वि. शुक्रः १६।०४ [E सन्त टेंऊँराम पुण्य तिथि
मघा. रे. ६ SIIIISSSII रात्री लग्न ९, २, जून ६ वा. ३०, E
म.२०।३७ उ.,मघा. रे. ६ SIIIISSSII रात्री लग्न ब्र. गोधूलि(८)
म. ९।१२ वा., दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती, मृगे बुधः ६।१४
[B (सौरः १३।३३), बुधोदयः पश्चिमायाम् ११।३९
गंगा दशहरा व्र. [C मीनः २४।५८, मिथुने बुधः ८।३१
म. १५।३५ उ. २८।५२ वा., निर्जला ११ व्र., सिंहे मघा. C
स्वाती रे. ७ SIIISSIIII रात्री लग्न ब्र. गोधूलि(८), ९, १०, D
प्रदोषः, वट सावित्री व्रतारंभः, मृगे रविः ६।४२ B
आर्द्रा. बुधः १३।५६ [D १२, उषा.-२ शनिः [illegible]।२६
म.११।३७ उ. २४।२८ वा., पूर्णिमा व्रतं, F
मन्वादि, पूर्णिमा पुण्यं, गुरोरस्तः पश्चिमायाम् A

गुरोरस्तः पश्चिमायाम्

अयनांश: २४।११।४४

ता. २ ज्ये.शु. ७ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	३	१	२	०	११	१०	४
१७	२७	२१	०३	०१	०६	२९	२९
३२	२४	०१	५६	३२	११	१३	१३
५१	४२	१६	१७	१२	५७	०३	०३
५७	३२	१३९	१३	५८	३	३	३
२८	०७	३०	२८	०९	५०	११	११
रो	श्ले	रो	मृ	अ	उभा	पूभा	उफा
३	४	४	४	१	१	३	१



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

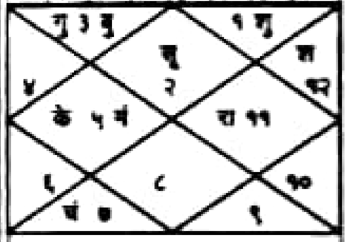
सूर्य र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. मई	मेष रात्री	वृष प्रातः	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक सायं	धनु रात्री	मकर रात्री	कुंभ रात्री	मीन रात्री
०१।१२।३८।५१	२ बु	२८	३।१६	४।५३	६।४९	९।०४	११।२४	१।४९	३।४७	६।१६	८।३४	१०।३९	१२।२२	१।५०
०१।१३।३६।०९	३ गु	२९	३।१३	४।४९	६।४५	९।००	११।२०	१।३७	३।४३	६।१२	८।३०	१०।३५	१२।१८	१।४६
०१।१४।३३।२६	४ शु	३०	३।०९	४।४५	६।४१	८।५६	११।१६	१।३३	३।४९	६।०८	८।२६	१०।३१	१२।१४	१।४३
०१।१५।३०।४२	५ श	३१	३।०५	४।४१	६।३७	८।५२	११।१२	१।२९	३।४५	६।०४	८।२२	१०।२७	१२।१०	१।३९
०१।१६।२७।५७	६ र	१	३।०१	४।३७	६।३३	८।४८	११।०८	१।२५	३।४१	६।००	८।१८	१०।२३	१२।०६	१।३५
०१।१७।२५।११	७ चं	२	२।५७	४।३३	६।२९	८।४४	११।०४	१।२१	३।३७	५।५६	८।१४	१०।१९	१२।०२	१।३१
०१।१८।२२।२३	८ मं	३	२।५३	४।२९	६।२५	८।४०	११।००	१।१७	३।३३	५।५२	८।११	१०।१५	११।५८	१।२७
०१।१९।१९।३४	९ बु	४	२।४९	४।२५	६।२१	८।३६	१०।५६	१।१३	३।२९	५।४८	८।०७	१०।११	११।५४	१।२३
०१।२०।१६।४४	१० गु	५	२।४५	४।२१	६।१७	८।३२	१०।५२	१।०९	३।२५	५।४४	८।०३	१०।०७	११।५०	१।१९
०१।२१।१३।५३	११ शु	६	२।४१	४।१७	६।१३	८।२८	१०।४८	१।०५	३।२१	५।४०	७।५९	१०।०३	११।४६	१।१५
०१।२२।११।०१	१२ श	७	२।३७	४।१३	६।१०	८।२४	१०।४४	१।०१	३।१७	५।३६	७।५५	९।५९	११।४३	१।११
०१।२३।०८।०८	१२ र	८	२।३३	४।०९	६।०६	८।२०	१०।४०	१२।५७	३।१३	५।३२	७।५१	९।५५	११।३९	१।०७
०१।२४।०५।१४	१३ चं	९	२।२९	४।०५	६।०२	८।१६	१०।३७	१२।५३	३।०९	५।२८	७।४७	९।५१	११।३५	१।०३
०१।२५।०२।१९	१४ मं	१०	२।२५	४।०१	५।५८	८।१३	१०।३३	१२।४९	३।०५	५।२४	७।४३	९।४७	११।३१	१२।५९
०१।२५।५९।२४	१५ बु	११	२।२१	३।५८	५।५४	८।०९	१०।२९	१२।४५	३।०१	५।२०	७।३९	९।४४	११।२७	१२।५५

मास फलम्

इस माह में पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो और बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो ॥ कुबेरस्वरयोमृत्या ॥ ज्येष्ठ कृष्णा प्रतिपदा को मंगलवार होने से उटंगल करे । ज्येष्ठ कृष्णा द्वादशी में रेवती होने से कष्ट हो । मंगलवारी अमावस होने से राज्यभ्रंश, राजयुद्ध क्लेशों की वृद्धि-उपघात-अल्पवृष्टि और द्रव्यों की हानि हो । अमावस्या रोहिणी योग सुभिक्ष और सुखद है । ज्येष्ठ सुदी दोयज व तीज को आर्द्रा में वर्षा हो तो दुर्भिक्ष करे । पूर्णिमा ज्येष्ठा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो । मेष राशि में बुध का अस्त होने से सुभिक्ष हो । बुधवार की संक्रांति होने से रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और सर्व धान्य मंदे हों, प्रजा में भय हो, चतुर्मास में वर्षा कम हो ।

अयनांश: २४।११।४५

ता. ९ ज्ये.शु.१३ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	४	२	२	०	११	१०	४
२४	०१	०५	०५	०८	०६	२८	२८
१४	११	५८	३०	२४	४१	५०	५०
४९	४२	११	५८	५२	०४	४८	४८
५७	३२	१२०	१३	६०	३	३	३
२२	५०	२८	३६	३५	१५	११	११
मृ	म	मृ	मृ	अ	उभा	पूभा	उफा
१	१	४	४	३	२	३	१



नक्षत्र युति:- सूर्य रोहि. ८ जून तः मृगे । मंगल श्लेषा. ६ जून तः मघा. । बुध रोहि. ३ जून तः मृगे ९ जून तः आर्द्रा. । गुरु मृगे । शुक्र रेवत्यां ३१ मई तः अश्वि. । शनि उभा. । राहु पूभा. । केतु उफा. ।

विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य अश्वि. ८ जून तः उभा.। मंगल धनि. ६ जून तः श्रवणे । बुध अश्वि. ३ जून तः उषा. ९ जून तः पूषा.। गुरु उषा.। शुक्र उफा. ३१ मई तः पूफा.। शनि हस्ते । राहु चित्रा.। केतु रेवत्यां ।

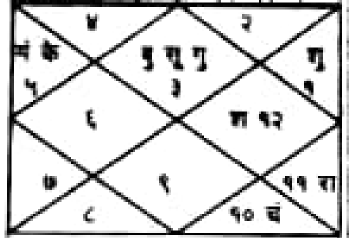
अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य अश्वि. ८ जून तः उषा.। मंगल अनुरा. ६ जून तः मर.। बुध अश्वि. ३ जून तः उषा. ९ जून तः पूषा.। गुरु उषा.। शुक्र उफा. ३१ मई तः पूफा.। शनि हस्ते । राहु चित्रा.। केतु रेवत्यां ।

१२ जून से २५ जून तक, श्री आषाढ कृष्णपक्ष संवत् २०८२, शाके १९४७,																						दिन शु. शु. तारीख						स्टै.	प्रात:	दैनिक
योगा.	ति.	वा.	घ.	प.	घ.	मि.	नक्षत्र	घ	प	घ	मि.	यो.	घ	प	घ	मि.	क.	घ.	प.	घ.	मि.	च व	उ	अ	भा	मु.	इ.	चंद्र:	सौर र. स्प.	गति
धूम्र	१	गु	२२	०७	१४	२९	मूल	४०	४३	२१	५५	शु	२०	५५	१४	००	कौ	२२	०७	१४	२९	३६/३२	५/३८	३/२२	२२	१५	१२	धनु.	१।२६।४९।२१	५७।०३
प्रवर्धमा	२	शु	२४	१७	१५	२०	पूषा	४४	४६	२३	२०	शु	२०	१५	१३	४४	ग	२४	१७	१५	२०	२२	३८	२३	२३	१६	१३	मक. २९।३७	१।२७।४६।३२	५७।०२
ध.द	३	श	२५	२९	१५	४९	उषा	४६	४९	२४	२५	ब्र	१८	४९	१३	०९	वि	२५	२९	१५	४९	२३	३८	२३	२४	१७	१४	मक.	१।२८।४३।३४	५७।०१
गद	४	र	२५	४१	१५	५५	श्रव	४८	२५	२५	००	ऐ	१६	३६	१२	१६	बा	२५	४१	१५	५५	२४	३८	२३	२५	१८	१५	मक.	१।२९।४०।३५	५७।००
शुभ	५	सो	२४	५३	१५	३५	धनि	४९	००	२५	१४	वै	१३	३६	११	०४	तै	२४	५३	१५	३५	२४	३८	२४	२६	१९	१६	कुंभे १३।१०	२।००।३७।३६	५७।००
मृत्यु	६	मं	२३	०१	१४	५०	शत	४८	३०	२५	०२	वि	९	५४	९	३२	व	२३	०१	१४	५०	२४	३८	२४	२७	२०	१७	कुंभे	२।०१।३४।३५	५६।५९
पद्म	७	बु	२०	०१	१३	३९	पूभा	४६	५३	२४	२४	प्री	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	ब	२०	०१	१३	३९	२५	३८	२४	२८	२१	१८	मीने १८।३६	२।०२।३१।३५	५६।५९
छत्र	८	गु	१५	५३	१२	००	उभा	४४	०९	२३	१८	सौ	५२	४६	२६	४५	कौ	१५	५३	१२	००	२५	३९	२४	२९	२२	१९	मीने	२।०३।२८।३३	५६।५८
श्रीवत्स	९	शु	१०	३८	९	५४	रेव	४०	११	२१	४६	शो	४५	१८	२३	४६	ग	१०	३८	९	५४	२५	३९	२५	३०	२३	२०	मेषे २१।४६	२।०४।२५।३१	५६।५७
ए.ब.	१०	श	४	२१	७	२३	अश्वि	३५	३३	१९	५२	अ	३७	०४	२०	२८	वि	४	२१	७	२३	२५	३९	२५	३१	२४	२१	मेषे	२।०५।२२।२९	५६।५७
क्षय:	११	श	५७	१३	२८	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ए.ब.	१२	र	४९	२७	२५	२६	भर	३०	०२	१७	४०	सु	२८	१३	१६	५६	कौ	२३	२४	१५	०१	२५	३९	२५	१	२५	२२	वृषे २३।०५	२।०६।१९।२६	५६।५७
ध.ब.	१३	सो	४१	२५	२२	१३	कृति	२४	०६	१५	१८	धृ	११	०१	१३	१६	ग	१५	२६	११	५०	२५	३९	२५	२	२६	२३	वृषे	२।०७।१६।२२	५६।५६
मातङ	१४	मं	३३	२८	१९	०३	रोहि	१८	०८	१२	५१	शू	९	४६	९	३४	वि	७	२३	८	३७	२५	४०	२५	३	२७	२४	मिथु. २३।४६	२।०८।१३।१९	५६।५६
अमाव.	३०	बु	२६	००	१६	०४	मृग	१२	३२	१०	४१	ग	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	ना	२६	००	१६	०४	२४	४०	२६	४	२८	२५	मिथु.	२।०९।१०।१४	५६।५५

ग्रीष्मर्तु रविकृतरे ज्येष्ठकृष्णेति गुर्जरा:, जून २०२५
यहाँ लिखे सदा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
|C आर्द्रा.-१ गुरु: ७।१४
म. २७।३८ उ., भर. शुक्र: २५।२६
म. १५।४९ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदय: २२।१५. C
मिथुने रवि: ६।०७ (सौर: १३।४८)
पंचक प्रारम्भ: १३।१०, पुन. बुध: १६।०३
म. १४।५० उ. २६।१८ या.
|D सं.सौ.पु.चं.मं.वाहन मूषक वर्षाबोध:
|B सायन दक्षिणायन प्रारम्भ ८।०२
म. २०।४१ उ., पंचक समाप्ति: २१।४६
म. ७।२३ या., योगिनी ११ व्र.स्मार्त, सायन कर्के भानु:, B
[A (सौर: १४।११), कर्के बुध: ११।५९, अयन करिदिन, D
योगिनी ११ व्र.वैष्ण., वा. आषाढारंभ:, आर्द्रा. रवि: ५।४४ A
म. २२।१३ उ., प्रदोष:, मासिकशिवरात्री व्र.
म. ८।३७ या., पुष्ये बुध: २७।१६
देवपितृकार्येऽमा.

अयनांशा: २४।११।४६

पं.१० आ.कृ. ५ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	२	२	०	११	१०	४
००	०५	१९	०७	१५	०७	२८	२८
५६	०३	१४	०६	३५	०५	२८	२८
१०	३६	३६	२५	१०	५४	३२	३२
५७	३३	१०४	१३	६२	२	३	३
१८	३०	३४	४१	३४	३७	११	११
मृ	म	आ	आ	म	उभा	पूभा	उफा
३	२	४	१	१	२	३	१



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

इष्ट र. स्प प्रात	वार तिथि	ता. जून	मेष रात्री	वृष रात्री	मिथुन प्रात:	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु सायं	मकर रात्री	कुंभ रात्री	मीन रात्री
०१।२६।५६।२७	१ गु	१२	२।१७	३।५४	५।५०	८।०५	१०।२५	१२।४२	२।५७	५।१७	७।३५	९।४०	११।२३	१२।५१
०१।२७।५३।३०	२ शु	१३	२।१३	३।५०	५।४६	८।०१	१०।२१	१२।३८	२।५३	५।१३	७।३१	९।३६	११।१९	१२।४७
०१।२८।५०।३१	३ श	१४	२।०९	३।४६	५।४२	७।५७	१०।१७	१२।३४	२।५०	५।०९	७।२७	९।३२	११।१५	१२।४३
०१।२९।४७।३२	४ र	१५	२।०६	३।४२	५।३८	७।५३	१०।१३	१२।३०	२।४६	५।०५	७।२३	९।२८	११।११	१२।३९
०२।००।४४।३३	५ सो	१६	२।०२	३।३८	५।३४	७।४९	१०।०९	१२।२६	२।४२	५।०१	७।१९	९।२४	११।०७	१२।३६
०२।०१।४१।३२	६ मं	१७	१।५८	३।३४	५।३०	७।४५	१०।०५	१२।२२	२।३८	४।५७	७।१५	९।२०	११।०३	१२।३२
०२।०२।३८।३१	७ बु	१८	१।५४	३।३०	५।२६	७।४१	१०।०१	१२।१८	२।३४	४।५३	७।११	९।१६	१०।५९	१२।२८
०२।०३।३५।३०	८ गु	१९	१।५०	३।२६	५।२२	७।३७	९।५७	१२।१४	२।३०	४।४९	७।०७	९।१२	१०।५५	१२।२४
०२।०४।३२।२८	९ शु	२०	१।४६	३।२२	५।१८	७।३३	९।५३	१२।१०	२।२६	४।४५	७।०४	९।०८	१०।५१	१२।२०
०२।०५।२९।२५	१० श	२१	१।४२	३।१८	५।१४	७।२९	९।४९	१२।०६	२।२२	४।४१	७।००	९।०४	१०।४७	१२।१६
०२।०६।२६।२२	१२ र	२२	१।३८	३।१४	५।१०	७।२५	९।४५	१२।०२	२।१८	४।३७	६।५६	९।००	१०।४३	१२।१२
०२।०७।२३।१८	१३ सो	२३	१।३४	३।१०	५।०६	७।२१	९।४१	११।५८	२।१४	४।३३	६।५२	८।५६	१०।३९	१२।०८
०२।०८।२०।१४	१४ मं	२४	१।३०	३।०६	५।०३	७।१७	९।३७	११।५४	२।१०	४।२९	६।४८	८।५२	१०।३५	१२।०४
०२।०९।१७।१०	३० बु	२५	१।२६	३।०२	४।५९	७।१३	९।३३	११।५०	२।०६	४।२५	६।४४	८।४८	१०।३२	१२।००

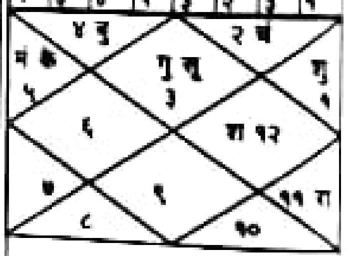
संक्रांति फलम्

ता. १५ जून २०२५

आषा. कृ. ४ रवौ मिथुनेऽर्क: प्र. (स्टै.) टा. ६।०७ वारात् ५ नक्षत्रात् ५ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चौरान् सुखदा पूर्वाह्न १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेय्यां दृष्टि: बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजाति: जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वस्तु उत्तरे राहू पश्चिमा, मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदय: पूर्वस्याम् । पुण्यकाल: (स्टै.) ६।०७ से १२।३१ तक । (दान- वस्त्र) ।

अयनांशा: २४।११।४७

पं.११ आ.कृ.१३ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	३	२	०	११	१०	४
०७	०८	००	०८	२२	०७	२८	२८
३७	५९	३६	४२	५८	२२	०६	०६
०२	५९	१५	१६	१३	१३	१६	१६
५७	३४	८७	१३	६४	१	३	३
१४	०७	२६	४२	१२	५७	११	११
आ	म	पुन	आ	म	उभा	पूभा	उफा
१	३	४	१	३	२	३	१



नक्षत्र युति:- सूर्य मृगे २२ जून त: आर्द्रा. । मंगल मघा. । बुध आर्द्रा. १६ जून त: पुनर्वसौ २४ जून त: पुष्ये । गुरु मृगे १४ जून त: आर्द्रा. । शुक्र अश्वि. १३ जून त: भर. । शनि उभा. । राहु पूभा. । केतु उफा. ।
विवाहे पञ्चशलाका वेध:- सूर्य उषा. २२ जून त: पूषा. । मंगल श्रवणे । बुध पूषा. १६ जून त: मूले २४ जून त: ज्येष्ठा. । गुरु उषा. १४ जून त: पूषा. । शुक्र पूफा. १३ जून त: अनुरा. । शनि हस्ते । राहु चित्रा. । केतु रेवत्यां ।
अन्यत्र सप्तशलाका वेध:- सूर्य उषा. २२ जून त: पूषा. । मंगल भर. । बुध पूषा. १६ जून त: मूले २४ जून त: ज्येष्ठा. । गुरु उषा. १४ जून त: पूषा. । शुक्र पूफा. १३ जून त: मघा. । शनि हस्ते । राहु चित्रा. । केतु रेवत्यां ।

॥ द्व्यशीति-उत्तर-द्विसहस्रतमे विक्रमाब्दे (२०८२), कालनाम संवत्सरे, सप्तचत्वारिंशदधिक-एकोनविंशति-शततमे शालिवाहनशकाब्दे (१९४७) ॥

२६ जून से १० जुलाई तक. श्री आषाढ शुक्लपक्ष संवत् २०८२, शाके १९४७.

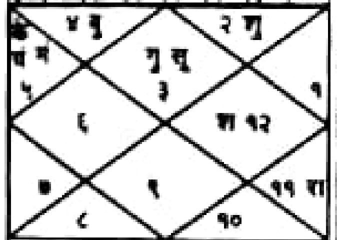
योग	ति.	वा.	घ	प	घं	मि	नक्षत्र	घ	प	घं	मि	यो.	घ	प	घं	मि	क.	घ	प	घं	मि	दिन		अ	मा	गु	इं	स्टै. चंद्र	प्रात सौर र. म.	दैनिक गति
काण	१	गु	११	२७	१३	२७	आर्द्रा	७	४६	८	४६	ध्रु	४४	४४	२३	३८	ब	११	२७	१३	२७	३४/२६	५/४७	१/२८	५	२९	२६	कर्क २५।४०	२।१०।०७।१०	५६।५५
लुम्बक	२	शु	१४	१३	११	२२	पुन	४	१३	७	२२	व्या	३८	३९	२१	०८	कौ	१४	१३	११	२२	२३	४०	२६	६	१	२७	कर्क	२।११।०४।०५	५६।५५
मित्र	३	श	१०	३९	९	५६	पुष्य	२	१६	६	३५	ह	३३	५०	१९	१३	ग	१०	३९	९	५६	२३	४१	२६	७	२	२८	कर्क	२।१२।०१।००	५६।५५
छत्र	४	र	८	५८	९	५६	श्ले	२	१०	६	३३	व	३०	३५	१७	५५	वि	८	५८	९	५६	२२	४१	२६	८	३	२९	सिंह ६।३३	२।१२।५७।५५	५६।५५
ध्वांक्ष	५	सो	९	१६	९	२४	मघा	४	०३	७	११	सि	२८	५६	१७	१६	बा	९	१६	९	२४	२१	४१	२६	९	४	३०	सिंह	२।१३।५४।४९	५६।५४
धूम्र	६	म	११	३४	१०	११	पूफा	७	५१	८	४०	व्य	२८	४८	१७	१३	तै	११	३४	१०	११	२०	४२	२६	१०	५	१	कन्या १५।२०	२।१४।५१।४३	५६।५४
प्रवर्धमा	७	बु	१५	३५	११	५६	उफा	१३	२२	११	०३	व	२९	५५	१७	४०	व	१५	३५	११	५६	१९	४२	२६	११	६	२	कन्या	२।१५।४८।३८	५६।५४
राक्षस	८	गु	२०	४७	१४	०५	हस्त	२०	१०	१३	४६	प	३१	५८	१८	३०	ब	२०	४७	१४	०५	१८	४३	२६	१२	७	३	तुला २७।१६	२।१६।४५।३२	५६।५४
मुसल	९	शु	२७	०१	१६	३१	चित्रा	२७	४१	१६	४७	शि	३४	३०	१९	३१	कौ	२७	०१	१६	३१	१७	४३	२६	१३	८	४	तुला.	२।१७।४२।२६	५६।५४
सिद्धि	१०	श	३३	१३	१९	००	स्वा	३५	१७	१९	५०	सि	३७	०३	२०	३३	तै	०	०८	५	४७	१६	४३	२६	१४	९	५	तुला.	२।१८।३९।२०	५६।५४
ए.ब	११	र	३८	५४	२१	१७	विशा	४२	२४	२२	४२	सा	३९	१३	२१	२५	व	६	०८	८	११	१५	४४	२६	१५	१०	६	वृश्चि. १६।००	२।१९।३६।१४	५६।५४
मानस	१२	सो	४३	४०	२३	१२	अनु	४८	३७	२५	११	शु	४०	४०	२२	००	ब	११	२५	१०	१८	१४	४४	२६	१६	११	७	वृश्चि.	२।२०।३३।०९	५६।५४
प.ब.	१३	म	४७	१७	२४	४०	ज्ये	५३	४२	२७	१४	शु	४१	१३	२२	१४	कौ	१५	३८	१२	००	१२	४५	२६	१७	१२	८	धनु. २७।१४	२।२१।३०।०३	५६।५५
ध्वजा	१४	बु	४९	३९	२५	३७	मूल	५७	३५	२८	४७	ब्र	४०	४९	२२	०५	ग	१८	३६	१३	१२	११	४५	२५	१८	१३	९	धनु.	२।२२।२६।५८	५६।५५
पूर्णिमा	१५	गु	५०	४९	२६	०५	पूषा	...	...	...	...	ऐ	३९	२७	२१	३२	वि	२०	२२	१३	५५	०९	४६	२५	१९	१४	१०	धनु.	२।२३।२३।५३	५६।५५

केतकी अहर्गण ५११५ वर्तनु गविर्दिश्ले, जून-जुलाई २०२५
यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा. में है।
चन्द्रदर्शनम् (मु.४५), कृति. शुक्र: १६।१५
श्री जगदीश रथ यात्रा, मोहर्रम १ सन १४४७ हि.
भ. २१।३० उ., आर्द्रा २ गुरु: २१।५४
भ. ९।१६ वा., बुधे शुक्र: १८।००
स्कंद षष्ठी, पूफा. भौम: ११।०९ , सन्त टेंऊँराम जयन्ती
जुलाई ७ ता. ३१ [D सं.सौ.नपु.चं.शु.वाहन अश्व अनावृष्टि:
भ.११।५६ उ.२४।५८वा. [C हरिवासर:२२।४२ से २९।२१ तक, E
[A देव शयनी ११ व्र., चातुर्मास व्रतारंभ:, गोपद्मव्रतोद्यापनं, C
भडली ९ [F आषाढी योग:
मन्वादि, आशा दशमी, पुन. रवि: २९।२१, D
भ. ८।११उ. २१।१७ वा., गुरोरुदय: पूर्वस्याम् २८।१८ A
श्रावणे वर्जयेच्छाकम् [E पुन. सौर: १५।४५,श्लेषा.बुध: २१।२४,
प्रदोष:, जया पार्वती व्रत, रोहि. शुक्र: ११।४५
भ. २५।३७ उ. [B गोपद्मव्रतारंभ, व्यासपूजा, गुरु पूर्णिमा, F
भ. १३।५५ वा., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतपुष्पजन्य, वायु परीक्षा, B

गुरोरुदय: पूर्वस्याम्

अयनांशा: २४।११।४८

प.१२ आ.शु. ५ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	३	२	१	११	१०	४
१४	१३	०९	१०	००	०७	२७	२७
१७	००	५१	१८	३१	३३	४४	४४
३८	३३	२०	०७	४९	४९	०१	०१
५७	३४	६७	१३	६५	१	३	३
१३	४१	५४	४०	३३	१६	११	११
आ	म	पु	आ	कृ	उभा	पूभा	उफा
३	४	२	२	२	२	३	१



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

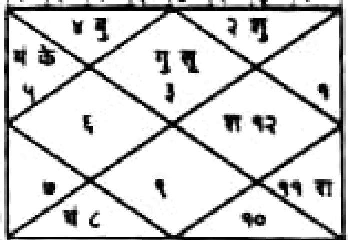
इष्ट र. स्प. प्रात:	वार तिथि	ता. जून	मेष रात्री	वृष रात्री	मिथुन प्रात:	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु सायं	मकर रात्री	कुंभ रात्री	मीन रात्री
०२।१०।१४।०५	१ गु	२६	१।२२	२।५८	४।५५	७।०९	९।३०	११।४६	२।०२	४।२१	६।४०	८।४४	१०।२८	११।५६
०२।११।११।००	२ शु	२७	१।१८	२।५४	४।५१	७।०६	९।२६	११।४२	१।५८	४।१७	६।३६	८।४०	१०।२४	११।५२
०२।१२।०७।५५	३ श	२८	१।१४	२।५०	४।४७	७।०२	९।२२	११।३८	१।५४	४।१३	६।३२	८।३६	१०।२०	११।४८
०२।१३।०४।५०	४ र	२९	१।१०	२।४७	४।४३	६।५८	९।१८	११।३५	१।५०	४।०९	६।२८	८।३३	१०।१६	११।४४
०२।१४।०१।४४	५ चं	३०	१।०६	२।४३	४।३९	६।५४	९।१४	११।३१	१।४६	४।०६	६।२४	८।२९	१०।१२	११।४०
०२।१४।५८।३८	६ मं	१	१।०२	२।३९	४।३५	६।५०	९।१०	११।२७	१।४२	४।०२	६।२०	८।२५	१०।०८	११।३६
०२।१५।५५।३३	७ बु	२	१२।५८	२।३५	४।३१	६।४६	९।०६	११।२३	१।३९	३।५८	६।१६	८।२१	१०।०४	११।३२
०२।१६।५२।२७	८ गु	३	१२।५५	२।३१	४।२७	६।४२	९।०२	११।१९	१।३५	३।५४	६।१२	८।१७	१०।००	११।२८
०२।१७।४९।२१	९ शु	४	१२।५१	२।२७	४।२३	६।३८	८।५८	११।१५	१।३१	३।५०	६।०८	८।१३	९।५६	११।२५
०२।१८।४६।१५	१० श	५	१२।४७	२।२३	४।१९	६।३४	८।५४	११।११	१।२७	३।४६	६।०४	८।०९	९।५२	११।२१
०२।१९।४३।०९	११ र	६	१२।४३	२।१९	४।१५	६।३०	८।५०	११।०७	१।२३	३।४२	६।००	८।०५	९।४८	११।१७
०२।२०।४०।०३	१२ चं	७	१२।३९	२।१५	४।११	६।२६	८।४६	११।०३	१।१९	३।३८	५।५६	८।०१	९।४४	११।१३
०२।२१।३६।५८	१३ मं	८	१२।३५	२।११	४।०७	६।२२	८।४२	१०।५९	१।१५	३।३४	५।५३	७।५७	९।४०	११।०९
०२।२२।३३।५२	१४ बु	९	१२।३१	२।०७	४।०३	६।१८	८।३८	१०।५५	१।११	३।३०	५।४९	७।५३	९।३६	११।०५
०२।२३।३०।४७	१५ गु	१०	१२।२७	२।०३	३।५९	६।१४	८।३४	१०।५१	१।०७	३।२६	५।४५	७।४९	९।३२	११।०१

मास फलम्

इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो ॥ चन्द्रजीवीयदापंच धान्यादीनांसमर्घता ॥ आषाढ कृष्णा द्वितीया को शुक्रवार होने से सुभिक्ष हो। आषाढ कृष्णा नौमी को शुक्रवार होने से सुभिक्ष हो। आषाढ कृष्णा चतुर्दशी में रोहिणी होने से राजयुद्ध तथा प्रजा में शोक हो। बुधवारी अमावस्या होने से दुर्भिक्ष-राज्यनाश-प्रजा को दु:ख स्थानत्याग और कम धान्य हो। अमावस्या मृगशिरा योग सुभिक्ष और सुखद है। आषाढ शुक्ला पंचमी को सोमवार होने से सुवृष्टि हो। आषाढ शुक्ला एकादशी को रविवार होने से सुभिक्ष हो। पूर्णिमा पूर्वाषाढा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। आषाढ की पूर्णिमा को पूर्वाषाढा की वृद्धि होने से मास सस्ते हों। रविवार की संक्रांति होने से कहीं कहीं युद्ध हो, राजविग्रह हो, सूर्य बहुत तपे, रोगोत्पत्ति हो, धान्यादि महँगे हों।

अयनांशा: २४।११।४९

प.१३ आ.शु.१२ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	३	२	१	११	१०	४
२०	१७	१६	११	०८	०७	२७	२७
५८	०५	४०	५३	१४	४०	२१	२१
०७	०२	४१	३४	१६	३३	४६	४६
५७	३५	४५	१३	६६	०	३	३
१३	१४	१६	३५	४२	३४	११	११
पुन	पूफा	श्ले	आ	कृ	उभा	पूभा	उफा
१	२	१	२	४	२	३	१



नक्षत्र युति:- सूर्य आर्द्रा. ५ जुला. त: पुनर्वसौ। मंगल मघा. ३० जून त: पूफा.। बुध पुष्ये ६ जुला. त: श्लेषा.। गुरु आर्द्रा.। शुक्र भर. २६ जून त: कृति. ८ जुला. त: रोहि.। शनि उभा.। राहु पूभा.। केतु उफा.।
विवाहे पञ्चशलाका वेध:- सूर्य पूषा. ५ जुला. त: मूले। मंगल श्रवणे ३० जून त: अश्वि.। बुध ज्येष्ठा. ६ जुला. त: धनि.। गुरु पूषा.। शुक्र अनुरा. २६ जून त: विशा. ८ जुला. त: अश्वि.। शनि हस्ते। राहु चित्रा.। केतु रेवत्यां।
अन्यत्र सप्तशलाका वेध:- सूर्य पूषा. ५ जुला. त: मूले। मंगल भर. ३० जून त: अश्वि.। बुध ज्येष्ठा. ६ जुला. त: अनुरा.। गुरु पूषा.। शुक्र मघा. २६ जून त: श्रवणे ८ जुला. त: अश्वि.। शनि हस्ते। राहु चित्रा.। केतु रेवत्यां।

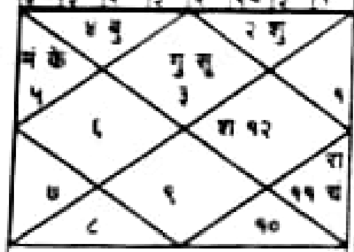
११ जुलाई से २४ जुलाई तक, श्री श्रावण कृष्णपक्ष संवत २०८२ शाके १९४७ दिवसू सू तारीख

योग	ति.	वा.	घ	प	घ	मि	नक्षत्र	घ	प	घ	मि	यो	घ	प	घ	मि	क	घ	प	घ	मि	ध व	उ	अ	आ	पु	इ	स्टैं. चंद		प्रात सौर र. स्प	दैनिक गति
प्रवर्धमा	९	शु	५०	५४	२६	०८	पूषा	०	१७	५	५३	वै	३७	१३	२०	३९	बा	२०	५९	१४	५०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	२०	१५	११	मक	१२/०५	२/२४/२०/४८	५६/५५
वृहत्तल्पा	२	श	४९	५९	२५	४६	उषा	९	५६	६	३३	वि	३४	११	१६	२७	तै	२०	३२	१४	००	०६	४७	२५	२१	१६	१२	मक		२/२५/१७/४३	५६/५६
गद	३	र	४८	१०	२५	०३	श्रव	२	३९	६	५०	प्री	३०	२४	१७	५७	व	१९	१०	१३	२७	०४	४७	२५	२२	१७	१३	कुंभे	१८/५१	२/२६/१४/३९	५६/५६
ध.व	४	सो	४५	३५	२७	०१	धनि	२	३०	६	४७	आ	२५	५९	१६	११	ब	१६	५८	१२	३५	०२	४८	२४	२३	१८	१४	कुंभे		२/२७/११/३५	५६/५६
मृत्यु	५	मं	४२	१५	२२	४२	शत	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	सौ	२०	५६	१३	१०	कौ	१३	५९	११	२४	००	४८	२४	२४	१९	१५	मीने	२३/५८	२/२८/०८/३१	५६/५७
लम्बक	६	बु	३८	१२	२१	०५	उभा	५७	३८	२८	५२	शो	१५	१९	११	५६	ग	१०	१८	९	५६	[illegible]	४८	२४	२५	२०	१६	मीने		२/२९/०५/२८	५६/५७
मित्र	७	गु	३३	३०	१९	१३	रेव	५६	३८	२७	४०	अ	९	०८	९	२८	वि	५	५५	८	११	५६	३९	२३	२६	२१	१७	मेषे	२७/४०	३/००/०२/२६	५६/५८
वज्र	८	शु	२८	०९	१७	०५	अश्वि	५१	०२	२६	१३	सु	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	बा	०	५३	६	११	४३	४०	२३	२७	२२	१८	मेषे		३/००/५९/२४	५६/५८
ध्वाङ्क्ष	९	श	२२	१६	१४	४४	भर	४६	४७	२५	३८	शू	४७	३७	२३	५३	ग	२२	१६	१४	४४	५१	४०	२३	२८	२३	१९	मेषे		३/०१/५६/२२	५६/५९
धूम्र	१०	र	१५	५९	१२	१४	कृति	४२	३३	२२	५२	ग	३९	४६	२१	३५	वि	१५	५९	१२	१४	३९	५१	२२	२९	२४	२०	वृषे	६/११	३/०२/५३/२१	५७/००
ए.ब	११	सो	९	३०	९	३९	रोहि	३८	०४	२१	०५	वृ	३९	५०	१८	३५	बा	९	३०	९	३९	४७	५१	२२	३०	२५	२१	वृषे		३/०३/५०/२१	५७/००
घ.व	१२	मं	३	०३	७	०४	मृग	३३	४६	१९	२२	ध्रु	२४	०१	१५	२८	तै	३	०३	७	०४	४४	५२	२१	३१	२६	२२	मिथु	८/१२	३/०४/४७/२१	५७/०१
क्षय	१३	मं	५६	५८	२८	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०
मुसल	१४	बु	५१	३१	२६	२८	आर्द्रा	२९	५९	१७	५२	व्या	१६	३४	१२	३०	वि	२४	०७	१५	३१	४२	५२	२१	१	२७	२३	मिथु		३/०५/४४/२२	५७/०२
अमाव.	३०	गु	४७	०१	२४	४९	पुन	२७	०३	१६	४२	ह	९	४६	९	४७	च	११	०७	१३	३१	३९	४३	२०	२	२८	२४	कर्क	१०/५७	३/०६/४१/२४	५७/०३

वर्षतु रविर्दिशिणे आषाढकृष्णोति गुर्जरा:, जुलाई २०२५
यहाँ लिखे सदा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
नाक व्रतारंभ: |D आर्द्रा-३ गुरु: १५/०४, वक्री शनि: ११/०५
वृहत्तल्पा |B भौम: ७/३०
म. १३/२७ उ. २५/०३ वा., पंचक प्रारम्भ: १८/५१, D
चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदय: २२/०३
नागपञ्चमी (मरु.) |E निरयन दक्षिणायनारंभ:
म. २१/०५ उ., कर्के रवि: १७/०४ (सौर: २८/४८), E
म. ८/११ वा., पंचक समाप्ति: २७/४०
वक्री बुध: २७/३९ |C पूफा-२ राहु: ८/५७, पूफा-४ केतु: ८/५७
म. २५/३० उ., पुष्ये रवि: २८/५५, बुधास्त: पश्चिमायाम A
म. १२/१४ वा., पुष्ये सौर: १७/०४, मृगे शुक्र: १५/३४, C
कामिका ११ व्र.
म. २८/३१ उ., प्रदोष:, सावन सिंहे भानु: ११/०१
|A २७/०७, सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन घातक वर्षाश्रेष्ठ:
म. १५/३१ वा., मासिकशिवरात्री व्र., मा. श्रावणारंभ:, उषा. B
देवपितृकार्येऽमा., हरियाली ३०

अयनांशा: २४/११/५०

पं.१४ श्रा.कृ. ४ सो. इष्टघटी ०/००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	३	२	१	११	१०	४
२७	२१	२०	१३	१६	०७	२६	२६
३८	१३	३९	२८	०४	४२	५९	५९
४०	१४	११	१६	१५	२२	२९	२९
५७	३५	१८	१३	६७	०	३	३
१४	४५	०१	२६	४२	०९	११	११
पुन	पूफा	श्ले	आ	रो	उभा	पूभा	उफा
३	३	२	३	२	२व	३	१



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रात	वार तिथि	ता. जुला	मेष रात्री	वृष रात्री	मिथुन रात्री	कर्क प्रात	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर सायं	कुंभ रात्री	मीन रात्री
०२/२४/२७/४२	१ शु	११	१२/२३	१/५९	३/५५	६/१०	८/३०	१०/४७	१/०३	३/२२	५/४१	७/४५	९/२८	१०/५७
०२/२५/२४/३७	२ श	१२	१२/१९	१/५५	३/५२	६/०६	८/२६	१०/४३	१२/५९	३/१८	५/३७	७/४१	९/२४	१०/५३
०२/२६/२१/३३	३ र	१३	१२/१५	१/५१	३/४८	६/०२	८/२२	१०/३९	१२/५५	३/१४	५/३३	७/३७	९/२१	१०/४९
०२/२७/१८/२९	४ सो	१४	१२/११	१/४७	३/४४	५/५८	८/१९	१०/३५	१२/५१	३/१०	५/२९	७/३३	९/१७	१०/४५
०२/२८/१५/२६	५ मं	१५	१२/०७	१/४३	३/४०	५/५५	८/१५	१०/३१	१२/४७	३/०६	५/२५	७/२९	९/१३	१०/४१
०२/२९/१२/२२	६ बु	१६	१२/०३	१/३९	३/३६	५/५१	८/११	१०/२७	१२/४३	३/०२	५/२१	७/२६	९/०९	१०/३७
०३/००/०९/२०	७ गु	१७	११/५९	१/३६	३/३२	५/४७	८/०७	१०/२४	१२/३९	२/५९	५/१७	७/२२	९/०५	१०/३३
०३/०१/०६/१८	८ शु	१८	११/५५	१/३२	३/२८	५/४३	८/०३	१०/२०	१२/३५	२/५५	५/१३	७/१८	९/०१	१०/२९
०३/०२/०३/१६	९ श	१९	११/५१	१/२८	३/२४	५/३९	७/५९	१०/१६	१२/३१	२/५१	५/०९	७/१४	८/५७	१०/२५
०३/०३/००/१५	१० र	२०	११/४७	१/२४	३/२०	५/३५	७/५५	१०/१२	१२/२८	२/४७	५/०५	७/१०	८/५३	१०/२१
०३/०३/५७/१५	११ सो	२१	११/४४	१/२०	३/१६	५/३१	७/५१	१०/०८	१२/२४	२/४३	५/०१	७/०६	८/४९	१०/१८
०३/०४/५४/१५	१२ मं	२२	११/४०	१/१६	३/१२	५/२७	७/४७	१०/०४	१२/२०	२/३९	४/५७	७/०२	८/४५	१०/१४
०३/०५/५१/१६	१४ बु	२३	११/३६	१/१२	३/०८	५/२३	७/४३	१०/००	१२/१६	२/३५	४/५३	६/५८	८/४१	१०/१०
०३/०६/४८/१८	३० गु	२४	११/३२	१/०८	३/०४	५/१९	७/३९	९/५६	१२/१२	२/३१	४/४९	६/५४	८/३७	१०/०६

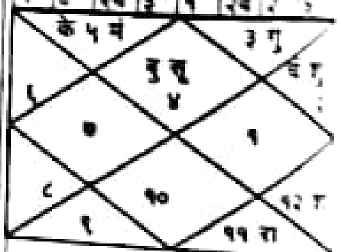
संक्रांति फलम्

ता. १६ जुलाई २०२५

श्रा. कृ. ६ बुधे कर्केऽर्क: प्र. (स्टै.) टा. १७/०४ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टि: वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं शाकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुध सम्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजाति: अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यर्घार्थे समर्घ वस्त्र उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं भूमौ विवाहलग्नांशे ऽग्निकोणे शुक्रोदय: पूर्वस्याम्। पुण्यकाल: भौमे (स्टै.) २१/०४ से बुधे १७/०४ तक। (दान घृत, धेनु)।

अयनांशा: २४/११/५१

पं.१५ श्रा.कृ.११ सो. इष्टघटी ०/००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	४	३	२	१	११	१०	[illegible]
०४	२५	२१	१५	२४	०७	२६	[illegible]
११	२४	०८	०१	००	३१	३७	[illegible]
२८	५८	१०	४७	४३	१४	१३	[illegible]
५७	३६	१५	१३	६८	०	३	[illegible]
१७	१५	१३	१४	३३	५१	११	[illegible]
पु	पूफा	श्ले	आ	मृ	उभा	पूभा	[illegible]
१	४	२व	३	१	२व	२	[illegible]



नक्षत्र युति:- सूर्य पुनर्वसौ १९ जुला. त: पुष्ये। मंगल पूफा. २३ जुला. त: उफा.। बुध श्लेषा.। गुरु आर्द्रा.। शुक्र रोहि. २० जुला. त: मृगे। शनि उभा.। राहु पूभा.। केतु उफा. २० जुला. त: (व) पूफा.।
विवाहे पञ्चशलाका वेध:- सूर्य मूले १९ जुला. त: ज्येष्ठा.। मंगल अश्वि. २३ जुला. त: रेवत्यां। बुध धनि.। गुरु पूषा.। शुक्र अभि. २० जुला. त: उषा.। शनि हस्ते। राहु चित्रा.। केतु रेवत्यां २० जुला. त: अश्वि.।
अन्यत्र सप्तशलाका वेध:- सूर्य मूले १९ जुला. त: ज्येष्ठा.। मंगल अश्वि. २३ जुला. त: रेवत्यां। बुध अनुरा.। गुरु पूषा.। शुक्र अभि. २० जुला. त: उषा.। शनि हस्ते। राहु चित्रा.। केतु रेवत्यां २० जुला. त: अश्वि.।

२५ जुलाई से ९ अगस्त तक, श्री श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०८२, शाक: १९४७, दिनमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रात: दैनिक

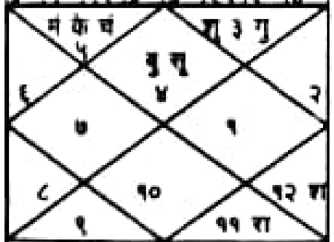
योगा	ति.	वा	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ. प.	उ.	अ.	भा.	सू.	ई.	चंद्र:	सौर र. स्प.	गति
उत्पात	१	शु	४३	४७	२३	२४	पुष्य	२५	१६	१६	००	व	१ ५१	१० ०१	१ २१	३५ २१	कि	११	१४	११	१९	३३ ३७	५ १३	७ २०	३	२९	२५	कर्क	३।०७।३८।२६	५७।०३
सिधारा	२	श	४२	०३	२२	४३	श्ले	२४	५४	१५	५१	ध्रु	५५	२४	२८	०३	बा	१२	४३	१०	१९	३४	५४	१९	४	३०	२६	सिंहे १५।५१	३।०८।३५।३०	५७।०४
तीज	३	र	४१	५९	२२	४२	मघा	२६	०८	१६	२२	व	५३	०९	२७	१०	तै	११	४८	१०	३७	३१	५४	१९	५	१	२७	सिंहे	३।०९।३२।३४	५७।०५
ध्वजा	४	सो	४३	३८	२३	२२	पूफा	२९	०३	१७	३२	प	५२	१४	२६	४८	व	१२	३४	१०	५६	२८	५५	१८	६	२	२८	कन्या २३।५६	३।१०।२९।३९	५७।०६
धाता	५	मं	४६	५६	२४	४२	उफा	३३	३६	१९	२२	शि	५२	३५	२६	५७	ब	१५	०४	११	५७	२५	५५	१७	७	३	२९	कन्या	३।११।२६।४५	५७।०७
आनन्द	६	बु	५१	३९	२६	३५	हस्त	३९	३४	२१	४६	सि	५४	००	२७	३२	कौ	११	०७	१३	३५	२३	५६	१७	८	४	३०	कन्या	३।१२।२३।५२	५७।०८
चर	७	गु	५७	२१	२८	५३	चित्रा	४६	३६	२४	३५	सा	५६	१०	२८	२४	ग	२४	२४	१५	४२	२०	५६	१६	९	५	३१	तुला. ११।०८	३।१३।२१।००	५७।०९
गद	८	शु	....	....	....	....	स्वा	५४	०७	२७	३६	शु	५८	३९	२९	२४	वि	३०	२३	१८	०६	१७	५७	१६	१०	६	१	तुला.	३।१४।१८।०९	५७।१०
शुभ	८	श	३	२७	७	२०	विशा	....	....	....	....	शु	....	....	....	....	ब	३	२७	७	२०	१४	५७	१५	११	७	२	वृश्चि. २३।५०	३।१५।१५।१९	५७।११
उत्पात	९	र	९	२०	९	४२	विशा	१	२७	६	३३	शु	०	५७	६	२१	कौ	९	२०	९	४२	११	५८	१४	१२	८	३	वृश्चि.	३।१६।१२।३०	५७।१२
मानस	१०	सो	१४	२२	११	४४	अनु	८	०५	९	१२	ब्र	२	४२	७	०३	ग	१४	२२	११	४४	०७	५९	१३	१३	९	४	वृश्चि.	३।१७।०९।४३	५७।१३
ए.ब.	११	मं	१८	०८	१३	१४	ज्ये	१३	३०	११	२३	ऐ	३	३०	७	२३	वि	१८	०८	१३	१४	०४	५९	१३	१४	१०	५	धनु. ११।२३	३।१८।०६।५६	५७।१५
प्र.ब.	१२	बु	२०	२३	१४	०९	मूल	१७	२८	१२	५९	वै	३	१०	७	१६	बा	२०	२३	१४	०९	०१	६ ००	१२	१५	११	६	धनु.	३।१९।०४।११	५७।१६
धाता	१३	गु	२१	०५	१४	२६	पूषा	१९	५५	१३	५८	वि	१ ५८	३५ ११	६ ३१	३४ ०४	तै	२१	०५	१४	२६	[illegible]	००	११	१६	१२	७	मक. २०।०८	३।२०।०१।२७	५७।१७
सुमाण्ड	१४	शु	२०	२०	१४	०९	उषा	२०	५७	१४	२३	आ	५५	०५	२८	०३	व	२०	२०	१४	०९	५४	०१	१०	१७	१३	८	मक.	३।२०।५८।४४	५७।१८
पूर्णिमा	१५	श	१८	११	१३	२१	श्रव	२०	४३	१४	१८	सौ	५०	२०	२६	०९	ब	१८	११	१३	२१	५१	०१	१०	१८	१४	९	कुंभे २६।०६	३।२१।५६।०२	५७।२०

केतकी अहर्गण: ५२२४ वर्षेनु रविर्दक्षिणे, जुलाई-अगस्त २०२५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[B तैतरीय, हिरण्यकेशीय, आपस्तंभ, बौधायन, D
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे, F
तीज, स्वर्णगौरी व्र., मधुश्रवा व्र.(गुर्जरे), सुकृत तृतीया व्र., H
भ.१०।५६उ. २३।२२या., वरद चतुर्थी, दूर्वा गणपति व्र., रोटक C
नागपञ्चमी, नागदष्ट व्र., (व) पुष्ये बुध:१८।२५ [J ऋग्वेदि उपाकर्म
कल्की जयंती, वर्णषष्ठी [F मिथुने शुक्र: ११।१६ [H सफर २
भ. २८।५३ उ., शीतला, तुलसी जयंती, आर्द्रा. शुक्र: २९।४४
भ. १८।०६ या., दुर्गाष्टमी, अगस्त ८ ता. ३१, तिलकपुण्यतिथि
श्लेषा. रवि: २७।५१, सं.स्त्री.नपु.चं.सू.वाहन स्वर अनावृष्टि:
श्लेषा. सौर:१७।३० [E (भद्रा के पूर्व), बुधोदय: पूर्वस्याम् २६।४०
भ. २४।३३ उ. [C व्रतारंभ:, सोमेश्वरपूजनं, कन्यायां भौम: I
भ. १३।१४ या., पवित्रा ११ व्र. [D काण्वमध्यन्दिन (कात्या.), G
प्रदोष:, दधि भक्षणत्याग:, पवित्रारोपणं [G अथर्ववेदि, J
[A रक्षाबंधनं (पूरा दिन शुद्ध है), श्रावणी (मरु), यजुर्वेदि, B
भ. १४।०९ उ. २५।४८ या., हयग्रीव जयंती, सूणमाण्डणा E
पंचक प्रारम्भ: २६।०६, नारियल १५, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, A
[I १८।५५, आर्द्रा.-४ गुरु: १७।३१

अयनांशा: २४।११।५२

पं.१६ श्रा.शु. ४ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	चं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	४	३	२	२	११	१०	४
११	२९	१७	१६	०२	०७	२६	२६
००	४०	४६	३३	०२	३१	१४	१४
४१	०६	४८	४३	५१	१३	५८	५८
५७	३६	४३	१२	६९	१	३	३
३२	४३	१७	५९	१८	३२	११	११
पु	उफा	श्ले	आ	मृ	उभा	पूभा	पूफा
३	१	१४	३	३	२४	२	४



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

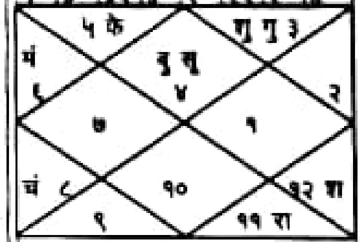
ब्राह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रात:	तिथि	जुला	रात्री	रात्री	रात्री	प्रात:	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्री	रात्री
०३।०७।४५।२०	१ शु	२५	११।२८	१।०४	३।००	५।१५	७।३५	९।५२	१२।०८	२।२७	४।४६	६।५०	८।३३	१०।०२
०३।०८।४२।२४	२ श	२६	११।२४	१।००	२।५६	५।११	७।३१	९।४८	१२।०४	२।२३	४।४२	६।४६	८।२९	९।५८
०३।०९।३९।२८	३ र	२७	११।२०	१२।५६	२।५२	५।०७	७।२७	९।४४	१२।००	२।१९	४।३८	६।४२	८।२५	९।५४
०३।१०।३६।३३	४ चं	२८	११।१६	१२।५२	२।४८	५।०३	७।२३	९।४०	११।५६	२।१५	४।३४	६।३८	८।२१	९।५०
०३।११।३३।३९	५ मं	२९	११।१२	१२।४८	२।४५	४।५९	७।१९	९।३६	११।५२	२।११	४।३०	६।३४	८।१७	९।४६
०३।१२।३०।४६	६ बु	३०	११।०८	१२।४४	२।४१	४।५५	७।१५	९।३२	११।४८	२।०७	४।२६	६।३०	८।१४	९।४२
०३।१३।२७।५४	७ गु	३१	११।०४	१२।४०	२।३७	४।५१	७।११	९।२८	११।४४	२।०३	४।२२	६।२६	८।१०	९।३८
०३।१४।२५।०३	८ शु	१	११।००	१२।३६	२।३३	४।४७	७।०८	९।२४	११।४०	१।५९	४।१८	६।२२	८।०६	९।३४
०३।१५।२२।१३	८ श	२	१०।५६	१२।३२	२।२९	४।४४	७।०४	९।२०	११।३६	१।५५	४।१४	६।१८	८।०२	९।३०
०३।१६।१९।२५	९ र	३	१०।५२	१२।२९	२।२५	४।४०	७।००	९।१६	११।३२	१।५१	४।१०	६।१५	७।५८	९।२६
०३।१७।१६।३७	१० चं	४	१०।४८	१२।२५	२।२१	४।३६	६।५६	९।१३	११।२८	१।४८	४।०६	६।११	७।५४	९।२२
०३।१८।१३।५१	११ मं	५	१०।४४	१२।२१	२।१७	४।३२	६।५२	९।०९	११।२४	१।४४	४।०२	६।०७	७।५०	९।१८
०३।१९।११।०५	१२ बु	६	१०।४०	१२।१७	२।१३	४।२८	६।४८	९।०५	११।२०	१।४०	३।५८	६।०३	७।४६	९।१४
०३।२०।०८।२१	१३ गु	७	१०।३६	१२।१३	२।०९	४।२४	६।४४	९।०१	११।१७	१।३६	३।५४	५।५९	७।४२	९।१०
०३।२१।०५।३९	१४ शु	८	१०।३३	१२।०९	२।०५	४।२०	६।४०	८।५७	११।१३	१।३२	३।५०	५।५५	७।३८	९।०७
०३।२२।०२।५७	१५ श	९	१०।२९	१२।०५	२।०१	४।१६	६।३६	८।५३	११।०९	१।२८	३।४६	५।५१	७।३४	९।०३

मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो और शुभ हो, पर पांच शनिवार होने से महँगाई हो ॥ प्रजावृद्धिस्तुभार्गवे ॥ ॥ दुर्भिक्षपचमंदेषु ॥ श्रावण कृष्णा प्रतिपदा को पूर्ति योग न होने से धान्यादि भाव मंदे हों। कृ. नवमी शनिवार होने से संतापकारक है और राजनीति भी प्रभावित हो। कृष्णा एकादशी को रोहिणी होने से सुभिक्ष हो। कृष्णा चतुर्दशी को आर्द्रा होने से अन्नादि भाव में तेजी हो। अमावस्या पुनर्वसु योग समर्घता कारक है। पूर्णिमा श्रवण युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। पूर्णिमा शनिवार युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। श्रावणी पूर्णिमा को श्रवण होने से धान्योत्पत्ति बहुत हो। बुधवार की संक्रांति होने से रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, चतुर्मास में वर्षा कम हो।

अयनांशा: २४।११।५३

पं.१७ श्रा.शु.१० सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	५	३	२	२	११	१०	४
१७	०३	१२	१८	१०	०७	२५	२५
४२	५८	३५	०३	०९	१८	५२	५२
३०	३३	०७	४१	५९	३०	४२	४२
५७	३७	३७	१२	६९	२	३	३
२८	११	५२	४०	५८	११	११	११
श्ले	उफा	पु	आ	आ	उभा	पूभा	पूफा
१	३	३४	४	३	२४	२	४



नक्षत्र युति:- सूर्य पुष्ये २ अग. स्टै.२७।५१ उप. श्लेषा। मंगल उफा.। बुध श्लेषा. २९ जुला. स्टै.१८।२५ उप. (व) पुष्ये। गुरु आर्द्रा.। शुक्र मृगे ३१ जुला. स्टै.२९।४४ उप. आर्द्रा.। शनि उभा.। राहु पूभा.। केतु पूफा.।
विवाहे पञ्चशलाका वेध:- सूर्य ज्येष्ठा. २ अग. स्टै.२७।५१ उप. धनि.। मंगल रेवत्यां। बुध धनि. २९ जुला. स्टै.१८।२५ उप. ज्येष्ठा.। गुरु पूषा.। शुक्र उषा. ३१ जुला. स्टै.२९।४४ उप. पूषा.। शनि हस्ते। राहु चित्रा.। केतु अश्वि.।
अन्यत्र सप्तशलाका वेध:- सूर्य ज्येष्ठा. २ अग. स्टै.२७।५१ उप. अनुरा.। मंगल रेवत्यां। बुध अनुरा.२९ जुला. स्टै.१८।२५ उप. ज्येष्ठा.। गुरु पूषा.। शुक्र उषा. ३१ जुला. स्टै.२९।४४ उप. पूषा.। शनि हस्ते। राहु चित्रा.। केतु अश्वि.।

१० अगस्त से २३ अगस्त तक, श्री भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत २०८२, शाक: १९४७, दिन सू. सू. तारीख — स्टै. — प्रात: — दैनिक

योग	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प्र.	घं.उ.	अ.	भा.	पु.	सु.	चंद्र:		सौर र. स्प.	गति
मातङ्ग	१	र	१५	१२	१२	०६	धनि	११	२५	१३	४८	सौ	४४	४८	२३	१७	कौ	१५	१२	१२	०६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	११	१५	१०	कुंभे		३।२२।५३।२२	५७।२१
अमृत	२	सो	११	१३	१०	३९	शत	१७	१६	१२	५७	अ	३८	३९	२१	३०	ग	११	१३	१०	३९	४४	०२	०८	२०	१६	११	कुंभे		३।२३।५०।४३	५७।२३
घ.ब.	३	म	६	३४	८	४०	पूभा	१६	२८	११	४०	शू	३२	००	१८	५१	वि	६	३४	८	४०	५१	०३	०७	२१	१७	१२	मीने	६।०८	३।२४।४८।०६	५७।२४
लुम्बक	४	बु	१	२५	६	३७	उभा	११	१२	१०	३२	धृ	२५	०२	१६	०४	बा	१	२५	६	३७	३७	०३	०६	२२	१८	१३	मीने		३।२५।४५।३०	५७।२५
क्षय	५	बु	५५	५६	२८	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०
मित्र	६	गु	५०	१४	२८	०९	रेव	७	३६	९	०६	शू	१७	४९	१३	११	ग	२३	०५	१५	१८	३४	०४	०५	२३	११	१४	मेषे	९।०६	३।२६।४२।५५	५७।२७
जन्माष्ट.	७	शु	४४	२८	२३	५१	अश्वि	३	५०	७	३६	ग	१०	२८	१०	१५	वि	१७	२०	१३	००	३०	०४	०४	२४	२०	१५	मेषे		३।२७।४०।२२	५७।२८
जन्माष्ट.	८	श	३८	४४	२१	३४	भर	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	वृ	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	बा	११	३४	१०	४२	२७	०५	०४	२५	२१	१६	वृषे	११।४३	३।२८।३७।५१	५७।३०
गोगा	९	र	३३	१३	१९	२२	रोहि	५२	५१	२७	१४	व्या	४८	४५	२५	३५	तै	५	५५	८	२७	२३	०५	०३	२६	२२	१७	वृषे		३।२९।३५।२९	५७।३२
आनन्द	१०	सो	२८	०३	१७	११	मृग	४९	४७	२६	०१	ह	४२	००	२२	५४	व	०	३४	६	२०	२०	०६	०२	२७	२३	१८	मिथु.	१४।३६	४।००।३२।५२	५७।३३
ए.ब.	११	म	२३	२६	१५	२९	आर्द्रा	४७	२०	२५	०२	व	३५	४३	२०	२४	बा	२३	२६	१५	२९	१६	०६	०१	२८	२४	१९	मिथु.		४।०१।३०।२६	५७।३५
प्र.ब.	१२	बु	१९	३०	१३	५५	पुन	४५	३९	२४	२३	सि	३०	०२	१८	०८	तै	१९	३०	१३	५५	१२	०७	००	२९	२५	२०	कर्के	१८।३१	४।०२।२८।००	५७।३६
शुभ	१३	गु	१६	२८	१२	४२	पुष्य	४४	४६	२४	०६	व्य	२५	०६	१६	१०	व	१६	२८	१२	४२	०९	०७	५९	३०	२६	२१	कर्के		४।०३।२५।३७	५७।३८
मृत्यु	१४	शु	१४	२९	११	५५	श्ले	४५	११	२४	१५	व	२१	०१	१४	३२	श	१४	२९	११	५५	०५	०८	५८	३१	२७	२२	सिंहे	२४।१५	४।०४।२३।१५	५७।४०
अमाव.	३०	श	१३	४२	११	३७	मघा	४६	५५	२४	५४	प	१७	५४	१३	१८	ना	१३	४२	११	३७	०१	०८	५७	१	२८	२३	सिंहे		४।०५।२०।५५	५७।४२

पर्वतानां रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णोति गुर्जरा:, अगस्त २०२५
यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा. में है।
[A सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन मण्डूक वर्षाश्रेष्ठ:
भ. २१।३८ उ.,बहुलीरी व्र. (कर्नाटके ढोली), मार्गी बुध: २१।
भ. ८।४० वा., अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदय: २१।०९, C
हस्ते भौम: २१।३५. पुन.-१ गुरु: १४।३०
[C कजली(बूढी ३), पुन. शुक्र:१५।३०
भ. २६।०९ उ., पंचक समाप्ति: ९।०६, हलषष्ठी, चंद्रषष्ठी (म
भ. १३।०० वा., जन्माष्टमी व्र. स्मा., शीतला व्र., D
मन्वादि, जन्माष्टमी व्र. वैष्णा., सिंहे मघा. रवि: २५।३४, A
गोगानवमी, सिंहे मघा. सौर: १६।२३ [D भारतीयस्वतंत्रतादिव
भ. ६।२० उ. १७।११ वा., (व) उभा.-१ शनि: ७।००
अजा ११ व्र., जैनपर्युषण, वत्सपूजा
प्रदोष:, कर्के शुक्र: २६।२६ [E कन्यायां भानु: २६।१५
भ.१२।४२उ. २४।१५वा.,मासिकशिवरात्री व्र., श्लेषा. बुध: २८।
कुशाग्रहणी, पिठोरी ३० (मध्यदेशे पोला), पितृकार्येऽमा.,सावन
देवकार्येऽमा., श्री शक्ति पूजा, लोहार्गल स्ना., मातृ ३०, ग. I
[B भाद्रपदारंभ:, पुष्ये शुक्र: २१।४०

अयनांशा: २४।११।५४

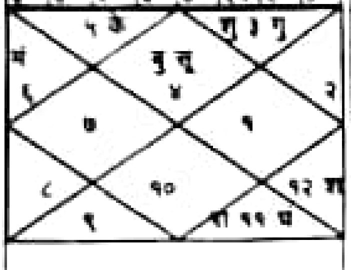
॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशा: २४।११।५६

ध.१८ भा.कृ. २ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	चं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	५	३	२	२	११	१०	४
२४	०८	०९	११	१८	०७	२५	२५
२५	२०	४९	३१	२१	०१	३०	३०
०४	१४	०५	१४	३६	२१	२५	२५
५७	३७	२	१२	४०	२	३	३
३५	३९	३३	१७	३५	४८	११	११
श्ले	उभा	पु	आ	आ	उभा	पूभा	पूभा
३	४	२	४	४	२व	२	४

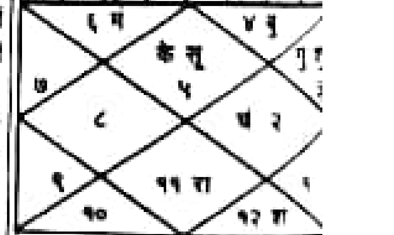


ब्रह्म र. स्प. प्रात:	वार तिथि	ता. अग.	मेष रात्री	वृष रात्री	मिथुन रात्री	कर्क रात्री	सिंह प्रात:	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ सायं	मीन रात्री
०३।२३।००।१७	१ र	१०	१०।२५	१२।०१	१।५७	४।१२	६।३२	८।४९	११।०५	१।२४	३।४२	५।४७	७।३०	८।५९
०३।२३।५७।३८	२ चं	११	१०।२१	११।५७	१।५३	४।०८	६।२८	८।४५	११।०१	१।२०	३।३८	५।४३	७।२६	८।५५
०३।२४।५५।०१	३ मं	१२	१०।१७	११।५३	१।४९	४।०४	६।२४	८।४१	१०।५७	१।१६	३।३५	५।३९	७।२२	८।५१
०३।२५।५२।२५	४ बु	१३	१०।१३	११।४९	१।४५	४।००	६।२०	८।३७	१०।५३	१।१२	३।३१	५।३५	७।१८	८।४७
०३।२६।४९।५१	६ गु	१४	१०।०९	११।४५	१।४१	३।५६	६।१६	८।३३	१०।४९	१।०८	३।२७	५।३१	७।१४	८।४३
०३।२७।४७।१८	७ शु	१५	१०।०५	११।४१	१।३७	३।५२	६।१२	८।२९	१०।४५	१।०४	३।२३	५।२७	७।१०	८।३९
०३।२८।४४।४६	८ श	१६	१०।०१	११।३७	१।३४	३।४८	६।०८	८।२५	१०।४१	१।००	३।१९	५।२३	७।०६	८।३५
०३।२९।४२।१६	९ र	१७	९।५७	११।३३	१।३०	३।४४	६।०४	८।२१	१०।३७	१२।५६	३।१५	५।१९	७।०३	८।३१
०४।००।३९।४८	१० चं	१८	९।५३	११।२९	१।२६	३।४०	६।००	८।१७	१०।३३	१२।५२	३।११	५।१५	६।५९	८।२७
०४।०१।३७।२२	११ मं	१९	९।४९	११।२५	१।२२	३।३६	५।५७	८।१३	१०।२९	१२।४८	३।०७	५।११	६।५५	८।२३
०४।०२।३४।५७	१२ बु	२०	९।४५	११।२१	१।१८	३।३३	५।५३	८।०९	१०।२५	१२।४४	३।०३	५।०७	६।५१	८।१९
०४।०३।३२।३३	१३ गु	२१	९।४१	११।१८	१।१४	३।२९	५।४९	८।०६	१०।२१	१२।४०	२।५९	५।०४	६।४७	८।१५
०४।०४।३०।१२	१४ शु	२२	९।३७	११।१४	१।१०	३।२५	५।४५	८।०२	१०।१७	१२।३७	२।५५	५।००	६।४३	८।११
०४।०५।२७।५२	३० श	२३	९।३३	११।१०	१।०६	३।२१	५।४१	७।५८	१०।१३	१२।३३	२।५१	४।५६	६।३९	८।०७

ता. १६ अगस्त २०२५
भा. कृ. ८ शनौ सिंहेऽर्क: प्र. (स्टै.) टा. २५।३४ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम राक्षसी धाण्डकालान् कुस्सदा नक्षत्रनाम भिक्षा पशून् कुस्सदा अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टि: तैतिलकरणे वणिहा नैऋत्यां राक्षसवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृदलेपनं पक्षीजाति: केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सुप्ती) मु. ३० धान्यभावे सम वस्तु पूर्वे राहु उत्तरे भूमौ स्वर्गे विवाहर्त्तांभो ऐशान्यां शुक्रोदय: पूर्वस्थाम्। पुण्यकाल: (स्टै.) ११।१० से २५।३४ तक। (दान- छत्र)।

ध.११ भा.कृ.१० सो. इष्टघटी ०।..

सू.	चं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	३	२	२	११	१०	[illegible]
०१	१२	१२	२०	२६	०६	२५	[illegible]
०८	४५	४३	५५	३७	४०	०८	[illegible]
३४	०५	०२	५२	२०	०७	१०	[illegible]
५७	३८	५०	११	०१	३	३	[illegible]
४४	०६	४५	५०	०८	२०	११	११
म	ह	पू	पुन	पुन	उभा	पूभा	[illegible]
१	१	३	१	२	२व	२	[illegible]



नक्षत्र युति:- सूर्य श्लेषा. १६ अग. तः मघा.। मंगल उफा. १३ अग. तः हस्ते । बुध पुष्ये २१ अग. तः श्लेषा.। गुरु आर्द्रा.१३ अग तः पुनर्वसौ । शुक्र आर्द्रा. १२ अग. तः पुनर्वसौ २३ अग.तः पुष्ये । शनि उभा.। राहु पूभा.। केतु पूफा ।
विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य धनि. १६ अग. तः श्रवणे । मंगल रेवत्यां १३ अग. तः उभा. । बुध ज्येष्ठा. २१ अग. तः धनि. । गुरु पूषा. १३ अग. तः मूले । शुक्र पूषा. १२ अग. तः मूले २३ अग. तः ज्येष्ठा. । शनि हस्ते । राहु चित्रा. । केतु अश्वि ।
अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य अनुरा. १६ अग. तः भर. । मंगल रेवत्यां १३ अग. तः उभा. । बुध ज्येष्ठा. २१ अग. तः अनुरा. । गुरु पूषा. १३ अग. तः मूले । शुक्र पूषा. १२ अग. तः मूले २३ अग. तः ज्येष्ठा. । शनि हस्ते । राहु चित्रा. । केतु अश्वि ।

॥ द्वयशीति उत्तर द्विसहस्रतमे विक्रमाब्दे (२०८२), कालनाम संवत्सरे, सप्तचत्वारिंशदधिक-एकोनविंशति-शततमे शालिवाहनशकाब्दे (१९४७) ॥

२४ अगस्त से ७ सितंबर तक श्री भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत २०८२, शाके १९४७, सि.मु. मु. तारीख

योगा	ति.	वा.	घ	प	घं	मि.	नक्षत्र	घ	प	घं	मि.	यो.	घ	प	घं	मि.	क.	घ	प	घं	मि.	च.चं.			सौ.	मु.	इं.	स्टै. चंद्र	प्रात सौर र. म.	दैनिक गति
छत्र	१	र	१४	११	११	४९	पूफा	४९	४९	२६	०४	शि	१५	४७	१२	२८	ब	१४	११	११	४९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	२	२९	२४	सिंह	४।०६।१८।३७	५७।४३
श्रीवत्स	२	सो	१६	०२	१२	३४	उफा	५४	०२	२७	४६	सि	१४	४५	१२	०३	कौ	१६	०२	१२	३४	५४	०९	५५	३	३०	२५	कन्या ८।२७	४।०७।१६।२०	५७।४५
सौम्य	३	मं	१९	१२	१३	५०	हस्त	५९	३०	२९	५८	सा	१४	४४	१२	०३	ग	१९	१२	१३	५०	५०	१०	५४	४	१	२६	कन्या	४।०८।१४।०५	५७।४७
गणेश	४	बु	२३	३८	१५	३७	चित्रा					शु	१५	४२	१२	२७	वि	२३	३८	१५	३७	४६	१०	५३	५	२	२७	तुला ११।१४	४।०९।११।५२	५७।४९
ऋषि	५	गु	२९	०५	१७	४९	चित्रा	६	०१	८	३५	शु	१७	२७	१३	०९	बा	२९	०५	१७	४९	४२	११	५१	६	३	२८	तुला	४।१०।०९।४१	५७।५१
गद	६	शु	३५	१०	२०	१५	स्वा	१३	११	११	३१	ब्र	१९	४५	१४	०५	कौ	२	०५	७	०१	३८	११	५०	७	४	२९	तुला	४।११।०७।३२	५७।५३
शुभ	७	श	४१	१८	२२	४३	विशा	२०	५१	१४	३२	ऐ	२२	११	१५	०४	ग	८	१५	९	३०	३४	१२	४९	८	५	३०	वृश्चि. ७।०७	४।१२।०५।२५	५७।५५
मृत्यु	८	र	४६	५३	२४	५७	अनु	२८	०२	१७	२५	वै	२४	११	१५	५६	वि	१४	१३	११	५३	३०	१२	४८	९	६	३१	वृश्चि.	४।१३।०३।१९	५७।५७
पद्म	९	सो	५१	२०	२६	४४	ज्ये	३४	१६	१९	५५	वि	२५	४४	१६	३०	बा	१९	१६	१३	५५	२६	१३	४७	१०	७	१	धनु ११।५५	४।१४।०१।१६	५७।५८
छत्र	१०	मं	५४	१३	२७	५४	मूल	३९	०६	२१	५१	प्री	२६	०५	१६	३९	तै	२२	५१	१५	२८	२२	१३	४६	११	८	२	धनु	४।१४।५९।१४	५८।००
ए.व.	११	बु	५५	११	२८	२१	पूषा	४२	१४	२३	०७	आ	२५	०५	१६	१६	व	२४	५१	१६	१३	१९	१३	४५	१२	९	३	मक. २९।२०	४।१५।५७।१५	५८।०३
सौम्य	१२	गु	५४	४०	२८	०६	उषा	४३	३७	२३	४१	सौ	२२	४१	१५	१८	ब	२५	१२	१६	११	१५	१४	४४	१३	१०	४	मक.	४।१६।५५।१७	५८।०५
प्र.व्र.	१३	शु	५२	१६	२७	०९	श्रव	४३	१८	२३	३४	शो	१८	५३	१३	४८	कौ	२३	३९	१५	४२	११	१४	४३	१४	११	५	मक.	४।१७।५३।२२	५८।०७
वर्धमा	१४	श	४८	२४	२५	३७	धनि	४१	२९	२२	५०	अ	१३	४८	११	४६	ग	२०	३१	१४	२७	०७	१५	४१	१५	१२	६	कुंभ ११।१६	४।१८।५१।२९	५८।०९
पूर्णिमा	१५	र	४३	१८	२३	३४	शत	३८	२३	२१	३६	सु	७	३३	९	१७	वि	१५	५१	१२	३९	०३	१५	४०	१६	१३	७	कुंभ	४।१९।४९।३७	५८।११

केतकी ग्रहगणित ५१२६ गताब्द रविदिनैक्ये अगस्त-सितंबर २०२५ यहाँ लिखा गया ग्रह चारादि का समय स्टै. टा. में है।

[I पूजन, रक्षारोपण, पुष्का. बुध १६।४७ [H वावत, पुष्का. E षडदर्शनम् (मु.४५), वराह जयंती [F उपाकर्म, रविवल्लभ ३ म २६।४७उ., मन्वादि, हरितालिका व्र., हस्तिगौरी व्र., सामवेदि F म. १५।३७ या., गणेश चतुर्थी (चंद्र दर्शन निषेध), जैन G ऋषि पंचमी [G संवत्सरी, अगस्त्योदय: २५।२८ [E सौर: १३।०७ सौर (सूर्य) षष्ठी, स्कन्द दर्शन, ललिता षष्ठी व्र. (गुर्जरे) म.२२।४३उ., मुक्ताभरण व्र., उमामहेश्वर पू., दूबकी सातम, पुष्का. A म.११।५३या., दधीची जयंती, श्री राधा ८, गौरी आवाहन १७।२५ H अदु:खनवमी व्र., श्री चंद (उदासीनसंप्रदाय), गौरीपूजन १९।५५ C दशावतार व्र., श्रीरामदेवजी का मेला, गौरी विसर्जन २१।५१ वावत् म.१६।१३उ. २८।२१या., जलझूलनी ११ व्र., विशा.मीन:१७।०८, M वामन जयंती, दुग्धव्रतं [C वावत्, सितंबर १ ता. ३०, बुधास्त: J प्रदोष:, गोत्रिरात्र व्र. [J पूर्वस्थान २८।४८ [M श्लेषा. शुक्र:२८।४५ म.२५।३७उ., पंचक प्रारम्भ: ११।१६, अनन्त १४, कदली व्रतं I म. १२।३९ या., खग्रास चन्द्रग्रहणम्, पूर्णिमा व्रतंपुण्याव्र., B

[A रवि: २९।३४, सिंहे मघा, बुध: १७।३६, पुन.-२ गुरु: २१।५४, सं.खी.नपु.सु.मु. वाहन महिष अनावृष्टि: [B प्रौष्ठपदी, महालय श्राद्धारंभ:, महेश्वर पूजनं, कृ. संध्यापूजा, इंदुला १५

अयनांश: २४।११।५७

ई.२० भा.शु. २ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	३	२	३	११	१०	४
०७	१७	२०	२२	०४	०६	२४	२४
५३	५३	४८	१७	५६	५५	४५	४५
०८	०५	०४	१०	५०	११	५४	५४
५७	३८	१११	११	७१	३	३	३
५३	३२	३९	१८	३९	४८	११	११
म	ह	श्ले	पुन	पु	उभा	पूभा	पूफा
३	३	२	१	१	१२	२	४



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

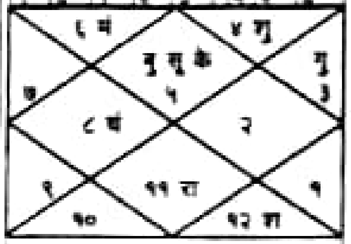
ब्रह्म र. स्प. प्रात:	वार तिथि	ता. अग.	मेष रात्री	वृष रात्री	मिथुन रात्री	कर्क रात्री	सिंह प्रात:	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ सायं	मीन रात्री
०४।०६।२५।३३	१ र	२४	९।२९	११।०६	१।०२	३।१७	५।३७	७।५४	१०।१०	१२।२९	२।४७	४।५२	६।३५	८।०३
०४।०७।२३।१७	२ चं	२५	९।२६	११।०२	१२।५८	३।१३	५।३३	७।५०	१०।०६	१२।२५	२।४३	४।४८	६।३१	७।५९
०४।०८।२१।०२	३ मं	२६	९।२२	१०।५८	१२।५४	३।०९	५।२९	७।४६	१०।०२	१२।२१	२।३९	४।४४	६।२७	७।५५
०४।०९।१८।५०	४ बु	२७	९।१८	१०।५४	१२।५०	३।०५	५।२५	७।४२	९।५८	१२।१७	२।३५	४।४०	६।२३	७।५१
०४।१०।१६।३९	५ गु	२८	९।१४	१०।५०	१२।४६	३।०१	५।२१	७।३८	९।५४	१२।१३	२।३१	४।३६	६।१९	७।४७
०४।११।१४।३०	६ शु	२९	९।१०	१०।४६	१२।४२	२।५७	५।१७	७।३४	९।५०	१२।०९	२।२७	४।३२	६।१५	७।४३
०४।१२।१२।२३	७ श	३०	९।०६	१०।४२	१२।३८	२।५३	५।१३	७।३०	९।४६	१२।०५	२।२३	४।२८	६।११	७।३९
०४।१३।१०।१७	८ र	३१	९।०२	१०।३८	१२।३४	२।४९	५।०९	७।२६	९।४२	१२।०१	२।२०	४।२४	६।०७	७।३५
०४।१४।०८।१४	९ चं	१	८।५८	१०।३४	१२।३०	२।४५	५।०५	७।२२	९।३८	११।५७	२।१६	४।२०	६।०३	७।३१
०४।१५।०६।१३	१० मं	२	८।५४	१०।३०	१२।२६	२।४१	५।०१	७।१८	९।३४	११।५३	२।१२	४।१६	५।५९	७।२७
०४।१६।०४।१४	११ बु	३	८।५०	१०।२६	१२।२३	२।३७	४।५७	७।१४	९।३०	११।४९	२।०८	४।१२	५।५५	७।२३
०४।१७।०२।१६	१२ गु	४	८।४६	१०।२२	१२।१९	२।३३	४।५३	७।१०	९।२६	११।४५	२।०४	४।०८	५।५१	७।२०
०४।१८।००।२१	१३ शु	५	८।४२	१०।१८	१२।१५	२।२९	४।४९	७।०६	९।२२	११।४१	२।००	४।०४	५।४७	७।१५
०४।१८।५८।२८	१४ श	६	८।३८	१०।१४	१२।११	२।२५	४।४५	७।०२	९।१८	११।३७	१।५६	४।००	५।४४	७।१२
०४।१९।५६।३७	१५ र	७	८।३४	१०।१०	१२।०७	२।२१	४।४१	६।५८	९।१४	११।३३	१।५२	३।५६	५।४०	७।०८

मास फलम्

चन्द्रग्रहण ता. ७ सित. २०२५, रविवार, इस माह में पांच रविवार नेष्ट फलप्रद हैं। शनिवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष होकर महादु:ख तथा महाभय हो किंतु पृथ्वी में धनधान्यपूर्णता हो। अमावस्या मघा योग समर्घता कारक है। अमावस को मघा होने से मध्यम वर्षा हो। अमावस्या को शनिवार और मघा होने से अरिष्टकारी योग बनता है। भाद्रपद की अमावस शनिवारी होने से तेल महंगा हो। भाद्रपद सुदि २ सोमवार होने से धान्योत्पत्ति उत्तम और चौपायों की वृद्धि हो। भाद्रपद सुदी छट को अनुराधा नहीं होने से दुर्भिक्ष हो। पूर्णिमा शतभिषा युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। शनिवार की संक्रांति होने से अशुभ फलकारक है सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो।

अयनांश: २४।११।५८

ई.२१ भा.शु. ९ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	४	२	३	११	१०	४
१४	२१	०२	२३	१३	०५	२४	२४
३८	४४	४३	३४	११	४७	२३	२३
५४	११	५६	३४	५४	३०	३८	३८
५८	३८	११३	१०	७२	४	३	३
०४	४९	५६	४३	०९	११	११	११
पूफा	ह	म	पुन	पु	उभा	पूभा	पूफा
१	४	१	२	३	१२	२	४



नक्षत्र युति:- सूर्य मघा. ३० अग. त: पूफा. । मंगल हस्ते ३ सित. त: चित्रा. । बुध श्लेषा. ३० अग. त: मघा. ६ सित. त: पूफा. । गुरु पुनर्वसौ । शुक्र पुष्ये ३ सित. त: श्लेषा. । शनि उभा. । राहु पूभा. । केतु पूफा. ।

विवाहे पञ्चशलाका वेध:- सूर्य श्रवणे ३० अग. त: अभि. । मंगल उषा. ३ सित. त: पूषा । बुध धनि. ३० अग. त: श्रवणे ६ सित. त: अभि. । गुरु मूले । शुक्र ज्येष्ठा. ३ सित. त: धनि. । शनि हस्ते । राहु चित्रा. । केतु अभि. ।

अन्यत्र सप्तशलाका वेध:- सूर्य भर. ३० अग. त: अश्वि. । मंगल उषा. ३ सित. त: पूषा. । बुध अनुरा. ३० अग. त: भर. ६ सित. त: अश्वि. । गुरु मूले । शुक्र ज्येष्ठा. ३ सित. त: अनुरा. । शनि हस्ते । राहु चित्रा. । केतु अश्वि. ।

८ सितंबर से २१ सितंबर तक, श्री आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०८२, शाकः १९४७, दिना सू. गु. तारीख — स्टै. — प्रातः — दैनिक

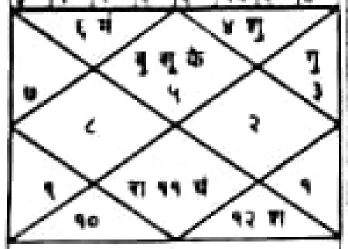
योग	ति	वा	घ	प	घ	मि	नक्षत्र	घ	प	घ	मि	यो	घ	प	घ	मि	क	घ	प	घ	मि	घ प	उ	अ	मा	सू	इं	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मुसल	१	सो	३७	१३	२१	०१	पूभा	३४	१८	११	५९	शू	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	बा	१०	२१	१०	२४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	१७	१४	८	मीने १४।२५	४।२०।४७।४८	५८।१३
सिद्धि	२	मं	३०	३०	१८	२८	उभा	२९	३२	१८	०५	गं	४४	१०	२३	५६	तै	३	५५	७	५०	५५	१६	३८	१८	१५	९	मीने	४।२१।४६।०१	५८।१५
च.व.	३	बु	२३	२३	१५	३८	रेव	२४	२४	१६	०२	वृ	३५	३३	२०	३०	वि	२३	२३	१५	३८	५१	१७	३७	१९	१६	१०	मेषे १६।०२	४।२२।४४।१६	५८।१७
मानस	४	गु	१६	१३	१२	४६	अश्वि	११	११	१३	५७	ध्रु	२६	५६	१७	०३	बा	१६	१३	१२	४६	४६	१७	३६	२०	१७	११	मेषे	४।२३।४२।३३	५८।१९
मुद्गर	५	शु	९	१४	९	५९	भर	१४	११	११	५८	व्या	१८	३०	१३	४२	तै	९	१४	९	५९	४२	१८	३५	२१	१८	१२	वृषे १७।२९	४।२४।४०।५२	५८।२१
ध्वजा	६	श	२	४२	७	२३	कृति	९	३८	१०	०९	ह	१०	२९	१०	३०	व	२	४२	७	२३	३८	१८	३३	२२	१९	१३	वृषे	४।२५।३९।१३	५८।२४
क्षय:	७	श	५६	५१	२१	०२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
धाता	८	र	५१	५०	२७	०३	रोहि	५	४८	८	३८	व	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	बा	२४	१२	१५	५१	३४	११	३२	२३	२०	१४	मिथु. ११।५१	४।२६।३७।३७	५८।२६
आनन्द	९	सो	४७	४९	२५	२७	मृग	२	५०	७	२७	व्य	५०	२३	२६	२८	तै	११	४१	१४	११	३०	११	३१	२४	२१	१५	मिथु.	४।२७।३६।०२	५८।२८
चर	१०	मं	४४	५५	२४	१८	आर्द्रा	०	५३	६	४१	व	४५	२१	२४	२८	व	१६	१३	१२	४९	२६	११	३०	२५	२२	१६	कर्क २४।२३	४।२८।३४।३०	५८।३०
ए.व.	११	बु	४३	१०	२३	३६	पुन	०	०२	६	२१	प	४१	१५	२२	५०	ब	१३	५३	११	५३	२२	२०	२९	२६	२३	१७	कर्के	४।२९।३३।०१	५८।३२
शुभ	१२	गु	४२	३६	२३	२३	पुष्य	०	२०	६	२८	शि	३८	०३	२१	३४	कौ	१२	४५	११	२६	१८	२०	२८	२७	२४	१८	कर्के	५।००।३१।३३	५८।३५
प्र.व.	१३	शु	४३	१२	२३	३८	श्ले	१	४७	७	०४	सि	३५	४७	२०	४०	ग	१२	४५	११	२७	१४	२१	२६	२८	२५	१९	सिंहे ७।०४	५।०१।३०।०८	५८।३७
पद्म	१४	श	४४	५३	२४	११	मघा	४	२१	८	०५	सा	३४	२२	२०	०६	वि	१३	५४	११	५५	१०	२१	२५	२९	२६	२०	सिंहे	५।०२।२८।४५	५८।३९
अमाव.	३०	र	४७	३१	२५	२५	पूफा	७	५७	९	३३	शु	३३	४६	११	५२	च	१६	०७	१२	४९	०६	२२	२४	३०	२७	२१	कन्या १५।५८	५।०३।२७।२४	५८।४१

शरदृतु रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेति गुर्जराः, सितंबर २०२५
यहाँ लिखे मद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
ग्रहण-करिदिन
म. २९।०४ उ. |B पूफा.-३ केतुः ६।३३
म.१५।३८ या., पंचक समाप्तिः १६।०२, चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।१६
भरणी श्राद्ध |C सिंहे मघा. शुक्रः २५।०६
चंद्रषष्ठी |D जम्बूक वर्षाश्रेष्ठः
म. ७।२३ उ. १८।१० या., उफा. रविः १५।२८, तुलायां भौमः A
|A २०।४२, उफा. बुधः १५।४७, सं.स्त्री.पु.सू.मू.वाहन D
श्रीमहालक्ष्मी व्र., अशोकाष्टमी, उफा. सौरः ७।१७, C
सौभाग्यवतीनां श्राद्धं, कन्यायां बुधः १०।५०
म. १२।४९ उ. २४।१८ या., कन्यायां रविः २५।३५
इंदिरा ११ व्र., विश्वकर्मा पू., कन्यायां सौरः १७।२४
सन्यासिनां श्राद्धं |E पुन.-३ गुरुः २७।५७
म. २३।३८ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., युगादि, E
म. ११।५५ या., शस्त्रादि हतानां श्राद्धं, हस्ते बुधः २४।२६
देवपितृकार्येऽमा., सर्वपितृ श्राद्धम्, पूभा.-१ राहुः ६।३३, B

अयनांशाः २४।११।५९

पं.२२ आ.कृ. १ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	४	२	३	११	१०	४
२१	२६	१६	२४	२१	०५	२४	२४
२६	१८	२२	१७	४६	१७	०१	०१
०१	२४	०३	३६	१८	२१	२२	२२
५८	३९	११६	१०	०२	४	३	३
१६	२६	०५	०२	३६	२७	११	११
पूफा	चि	पूफा	पुन	श्ले	उभा	पूभा	पूफा
३	१	१	२	२	१व	२	४



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	मास	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	सितं	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	प्रात:	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं
०४।२०।५४।४७	१ चं	८	८।३०	१०।०७	१२।०३	२।१८	४।३८	६।५५	९।१०	११।२९	१।४८	३।५३	५।३६	७।०४
०४।२१।५३।००	२ मं	९	८।२६	१०।०३	११।५९	२।१४	४।३४	६।५१	९।०६	११।२६	१।४४	३।४९	५।३२	७।००
०४।२२।५१।१६	३ बु	१०	८।२२	९।५९	११।५५	२।१०	४।३०	६।४७	९।०२	११।२२	१।४०	३।४५	५।२८	६।५६
०४।२३।४९।३३	४ गु	११	८।१८	९।५५	११।५१	२।०६	४।२६	६।४३	८।५९	११।१८	१।३६	३।४१	५।२४	६।५२
०४।२४।४७।५२	५ शु	१२	८।१४	९।५१	११।४७	२।०२	४।२२	६।३९	८।५५	११।१४	१।३२	३।३७	५।२०	६।४८
०४।२५।४६।१४	६ श	१३	८।११	९।४७	११।४३	१।५८	४।१८	६।३५	८।५१	११।१०	१।२८	३।३३	५।१६	६।४५
०४।२६।४४।३८	८ र	१४	८।०७	९।४३	११।३९	१।५४	४।१४	६।३१	८।४७	११।०६	१।२४	३।२९	५।१२	६।४१
०४।२७।४३।०४	९ चं	१५	८।०३	९।३९	११।३५	१।५०	४।१०	६।२७	८।४३	११।०२	१।२०	३।२५	५।०८	६।३७
०४।२८।४१।३२	१० मं	१६	७।५९	९।३५	११।३१	१।४६	४।०६	६।२३	८।३९	१०।५८	१।१६	३।२१	५।०४	६।३३
०४।२९।४०।०२	११ बु	१७	७।५५	९।३१	११।२७	१।४२	४।०२	६।१९	८।३५	१०।५४	१।१३	३।१७	५।००	६।२९
०५।००।३८।३५	१२ गु	१८	७।५१	९।२७	११।२३	१।३८	३।५८	६।१५	८।३१	१०।५०	१।०९	३।१३	४।५६	६।२५
०५।०१।३७।१०	१३ शु	१९	७।४७	९।२३	११।१९	१।३४	३।५४	६।११	८।२७	१०।४६	१।०५	३।०९	४।५२	६।२१
०५।०२।३५।४७	१४ श	२०	७।४३	९।१९	११।१५	१।३०	३।५०	६।०७	८।२३	१०।४२	१।०१	३।०५	४।४८	६।१७
०५।०३।३४।२६	३० र	२१	७।३९	९।१५	११।१२	१।२६	३।४६	६।०३	८।१९	१०।३८	१२।५७	३।०१	४।४४	६।१३

संक्रांति फलम्

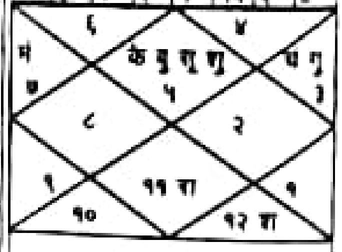
ता. १६ सितंबर २०२५

आश्वि. कृ. १० भौमे कन्यायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. २५।३५ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम महोदरी घोरान् गुरुदा नक्षत्रनाम महोदरी घोरान् गुरुदा अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्डयायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं विरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वस्तु पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तम्भो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २५।३५ से बुधे ७।५९ तक। (दान गृह वस्त्र)।

अयनांशाः २४।१२।००

पं.२३ आ.कृ. ९ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	६	४	२	४	११	१०	४
२८	००	२९	२५	००	०४	२३	२३
१४	५५	३९	५५	१५	४५	३९	३९
३५	४३	१३	३९	५२	३९	०६	०६
५८	३९	११०	९	०३	४	३	३
२९	५२	२०	१७	०३	३७	११	११
उफा	चि	उफा	पुन	म	उभा	पूभा	पूफा
१	३	१	२	१	१व	२	४



नक्षत्र युतिः- सूर्य पूफा. १३ सितं. ततः उफा. । मंगल चित्रा. । बुध पूफा. १३ सितं. ततः उफा. २० सितं. ततः हस्ते । गुरु पुनर्वसौ । शुक्र श्लेषा. १४ सितं. ततः मघा. । शनि उभा. । राहु पूभा. । केतु पूफा. ।
विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य अश्वि. १३ सितं. ततः रेवत्यां मंगल पूभा. । बुध अश्वि. १३ सितं. ततः रेवत्यां २० सितं. ततः उभा. । गुरु मूले । शुक्र धनि.१४ सितं. ततः श्रवणे । शनि हस्ते । राहु चित्रा.। केतु अश्वि. ।
अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य अश्वि. १३ सितं. ततः रेवत्यां । मंगल पूभा. । बुध अश्वि. १३ सितं. ततः रेवत्यां २० सितं. ततः उभा.। गुरु मूले । शुक्र अनुरा.१४ सितं. ततः भर.। शनि हस्ते । राहु चित्रा.। केतु अश्वि. ।

॥ द्व्यशीति उत्तर द्विसहस्रतमे विक्रमाब्दे (२०८२), कालनाम संवत्सरे, सप्तचत्वारिंशदधिक-एकोनविंशति शततमे शालिवाहनशकाब्दे (१९४७) ॥

२२ सितंबर से ७ अक्टूबर तक, श्री आश्विन शुक्लपक्ष संवत २०८२, शाके १९४७, [illegible]

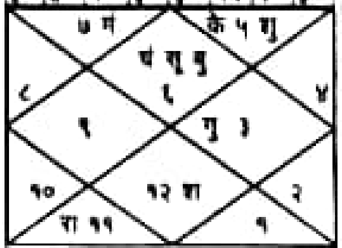
योग	ति	वा	घ	प	घं	मि	नक्षत्र	घ	प	घं	मि	यो	घ	प	घं	मि	क	घ	प	घं	मि			अ	मा	सु	तारीख	स्टै. चंद्र	प्रात: सौर द. मा.	दैनिक गति
नवमा	९	शो	५१	२३	२६	१६	उफा	१२	३४	११	२४	शु	३३	५७	१६	५७	कि	१९	२२	१४	०७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	३१	२८	२२	कन्या	५।०४।२६।०५	५८।४४
सौम्य	२	मं	५६	०३	२८	४८	हस्त	१८	०७	१३	३७	ब्र	३४	५१	२०	११	बा	२३	३६	११	४९	[illegible]	२३	२२	१	२९	२३	तुला २६।५२	५।०५।२४।४९	५८।४६
काल	३	बु	…	…	…	…	चित्रा	२४	३०	११	११	ऐ	३६	२३	२०	११	तै	२८	४२	१७	५२	५३	२३	२१	२	१	२४	तुला	५।०६।२३।३५	५८।४८
सुस्थिर	३	गु	१	३२	७	००	स्वा	३१	३५	१९	०२	वै	३८	२७	२१	४६	ग	१	३२	७	००	४९	२४	१९	३	२	२५	तुला	५।०७।२२।२३	५८।५१
मातंग	४	शु	७	३६	९	२७	विशा	३९	०६	२२	०३	वि	४०	४९	२२	४४	वि	७	३६	९	२७	४५	२४	१८	४	३	२६	वृश्चि ११।१७	५।०८।२१।१४	५८।५३
अमृत	५	श	१३	५६	११	५९	अनु	४६	३८	२५	०४	प्री	४३	११	२३	४१	बा	१३	५६	११	५९	४१	२५	१७	५	४	२७	वृश्चि	५।०९।२०।०७	५८।५५
काण	६	र	२०	००	१४	२५	ज्ये	५३	४०	२७	१३	आ	४५	११	२४	२९	तै	२०	००	१४	२५	३७	२५	१६	६	५	२८	धनु २७।५३	५।१०।१९।०२	५८।५८
लुम्बक	७	सो	२५	१६	१६	३२	मूल	५९	४०	३०	१७	सौ	४६	२५	२४	५९	ग	२५	१६	१६	३२	३३	२६	१५	७	६	२९	धनु	५।११।१८।००	५९।००
दुर्गा	८	मं	२९	१३	१८	०७	पूषा	…	…	…	…	शो	४६	३१	२५	०२	ब	२९	१३	१८	०७	२९	२६	१४	८	७	३०	धनु	५।१२।१६।५९	५९।०२
श्रीवत्स	९	बु	३१	२७	१९	०१	पूषा	४	०९	८	०६	अ	४५	५५	२४	३३	बा	०	३३	६	४०	२५	२७	१२	९	८	१	मक. १४।२७	५।१३।१६।०२	५९।०५
विजया	१०	गु	३१	४७	१९	१०	उषा	६	५२	९	१२	सु	४२	२७	२३	२६	तै	१	५२	७	१२	२१	२७	११	१०	९	२	मक.	५।१४।१५।०६	५९।०७
ए.व.	११	शु	३०	०८	१८	३१	श्रव	७	४०	९	३२	धृ	३८	०६	२१	४२	व	१	११	६	५६	१६	२८	१०	११	१०	३	कुंभे २१।२४	५।१५।१४।१३	५९।०९
प्र.व.	१२	श	२६	३६	१७	०६	धनि	६	३४	९	०६	शू	३२	१६	१९	२२	बा	२६	३६	१७	०६	१२	२८	०९	१२	११	४	कुंभे	५।१६।१३।२२	५९।१२
राक्षस	१३	र	२१	२२	१५	०१	शत	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	ग	२१	०४	१६	३०	तै	२१	२२	१५	०१	०८	२९	०८	१३	१२	५	मीने २४।४२	५।१७।१२।३४	५९।१४
गद	१४	सो	१४	४३	१२	२२	उभा	५३	४८	२८	००	वृ	१६	४४	१३	११	व	१४	४३	१२	२२	०४	२९	०७	१४	१३	६	मीने	५।१८।११।४८	५९।१६
पूर्णिमा	१५	मं	६	५८	९	१७	रेव	४७	२६	२५	२८	ध्रु	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	ब	६	५८	९	१७	००	३०	०६	१५	१४	७	मेषे २५।२८	५।१९।११।०४	५९।१९

केतकी अहर्गण ५२८३ शरदृतु रविर्देवता, सितंबर-अक्टूबर २०२५
यहाँ दिये गये ग्रह स्पष्टादि का समय स्टैं. टा. में है।
नवरात्रारम्भ, घटस्था. अग्रसेन जयंती, मातामह श्रा., सायन D
चंद्रदर्शनम् (मु. ३०), मा. अश्विनारंभ, स्वा. भौम २०।२३
रविवासरव्रत ४ [C स्नान प्रा., स्वा. बुध १२।१३ [E उफा. शुक्र ९८।५३
म. २०।१२ उ., पूफा. शुक्र २३।०२ [D तुलायां भानुः २४।०५
म. ९।२७मा., उपांग ललिता व्र. [F घातक अनावृष्टि [H अवतार
हस्ते रविः ६।५९ (सौर. २२।४०), मं. श्री. मयु. मू. मू. वाहन F
चित्रा. बुध २२।४० [B विसर्जनं श्रवणे, गांधी जयन्ती, G
म. १६।३२उ. २१।२४मा., सरस्वती आवाहनं मूलभे, भद्रकाली H
महाष्टमी, सरस्वती पूजनं पू.षाभे [G तुलायां बुधः २७।२९
मन्वादि, शस्त्रादि पूजा, बलिदानं उ.षाभे, अक्टूबर १० ता. ३१
बौद्धावतार, विजया १०, शमीपूजा, पट्टाभिषेक, सरस्वती B
म. ६।५६उ., १८।३१मा., पंचक प्रारम्भः २१।२४, पाशांकुशा ११ व्र., I
प्रदोषः, कार्तिके द्विदल त्यजेत् [I (व) पूभा.-४ शनिः २०।५७
[A नवान्न भक्षण, आश्वयुजी कर्म (आश्वलायन शाखा), कार्तिक C
म. १२।२२उ. २२।५३मा., पूर्णिमा व्रत, शरद पूर्णिमा, कोजागरी व्र., E
पंचक समाप्तिः २५।२८, पूर्णिमा पुण्यं, बंगीय लक्ष्मी पूजा A

अयनांशा: २४।१२।०१

पं.२४ आ.शु. १ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	६	५	२	४	११	१०	४
०५	०५	१२	२६	०८	०७	२३	२३
०४	३६	१०	५८	४८	१३	१६	१६
४०	०८	१०	०८	२५	११	५१	५१
५८	४०	१०३	८	७३	४	३	३
४३	११	१०	२६	२७	३९	११	११
उफा	चि	ह	पुन	म	उभा	पूभा	पूभा
३	४	१	३	३	१४	१	३



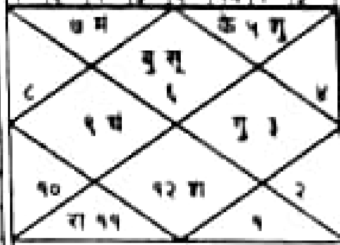
॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रात:	वार तिथि	ता. मिति	मेष रात्री	वृष रात्री	मिथुन रात्री	कर्क रात्री	सिंह रात्री	कन्या प्रात:	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन रात्री
०५।०४।३३।०८	१ सो	२२	७।३५	९।११	११।०८	१।२२	३।४२	५।५९	८।१५	१०।३४	१२।५३	२।५७	४।४५	६।०९
०५।०५।३१।५२	२ मं	२३	७।३१	९।०७	११।०४	१।१८	३।३९	५।५५	८।११	१०।३०	१२।४९	२।५३	४।३७	६।०५
०५।०६।३०।३८	३ बु	२४	७।२७	९।०३	११।००	१।१५	३।३५	५।५१	८।०७	१०।२६	१२।४५	२।४९	४।३३	६।०१
०५।०७।२९।२७	३ गु	२५	७।२३	८।५९	१०।५६	१।११	३।३१	५।४७	८।०३	१०।२२	१२।४१	२।४५	४।२९	५।५७
०५।०८।२८।१८	४ शु	२६	७।१९	८।५६	१०।५२	१।०७	३।२७	५।४४	७।५९	१०।१९	१२।३७	२।४२	४।२५	५।५३
०५।०९।२७।११	५ श	२७	७।१५	८।५२	१०।४८	१।०३	३।२३	५।४०	७।५५	१०।१५	१२।३३	२।३८	४।२१	५।४९
०५।१०।२६।०७	६ र	२८	७।११	८।४८	१०।४४	१२।५९	३।१९	५।३६	७।५१	१०।११	१२।२९	२।३४	४।१७	५।४५
०५।११।२५।०४	७ सो	२९	७।०७	८।४४	१०।४०	१२।५५	३।१५	५।३२	७।४८	१०।०७	१२।२५	२।३०	४।१३	५।४१
०५।१२।२४।०५	८ मं	३०	७।०४	८।४०	१०।३६	१२।५१	३।११	५।२८	७।४४	१०।०३	१२।२१	२।२६	४।०९	५।३८
०५।१३।२३।०७	९ बु	१	७।००	८।३६	१०।३२	१२।४७	३।०७	५।२४	७।४०	९।५९	१२।१७	२।२२	४।०५	५।३४
०५।१४।२२।१२	१० गु	२	६।५६	८।३२	१०।२८	१२।४३	३।०३	५।२०	७।३६	९।५५	१२।१३	२।१८	४।०१	५।३०
०५।१५।२१।१९	११ शु	३	६।५२	८।२८	१०।२४	१२।३९	२।५९	५।१६	७।३२	९।५१	१२।०९	२।१४	३।५७	५।२६
०५।१६।२०।२९	१२ श	४	६।४८	८।२४	१०।२०	१२।३५	२।५५	५।१२	७।२८	९।४७	१२।०५	२।१०	३।५३	५।२२
०५।१७।१९।४०	१३ र	५	६।४४	८।२०	१०।१६	१२।३१	२।५१	५।०८	७।२४	९।४३	१२।०२	२।०६	३।४९	५।१८
०५।१८।१८।५५	१४ सो	६	६।४०	८।१६	१०।१२	१२।२७	२।४७	५।०४	७।२०	९।३९	११।५८	२।०२	३।४५	५।१४
०५।१९।१८।११	१५ मं	७	६।३६	८।१२	१०।०८	१२।२३	२।४३	५।००	७।१६	९।३५	११।५४	१।५८	३।४१	५।१०

अयनांशा: २४।१२।०२

पं.२५ आ.शु. ७ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	६	५	२	४	११	१०	४
११	१०	२३	२७	१७	०३	२२	२२
५६	१९	५१	५४	२३	४०	५४	५४
२२	३९	२७	२८	४६	४९	३५	३५
५८	४०	९६	७	७३	४	३	३
४७	४५	२२	३०	५०	३४	११	११
ह	स्वा	चि	पुन	पूफा	उभा	पूभा	पूभा
१	२	१	३	२	१४	१	३



अयनांशा: २४।१२।०३

पं.२६ आ.शु. १४ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	६	६	२	४	११	१०	४
१८	१५	०४	२८	२६	०३	२२	२२
४९	०६	४७	४३	०१	०९	३२	३२
४४	१५	५८	५९	४०	२४	१९	१९
५९	६१	९०	६	७४	४	३	३
११	१२	३५	२९	११	२२	११	११
ह	स्वा	चि	पुन	पूफा	पूभा	पूभा	पूभा
३	३	४	३	४	४४	१	३



नक्षत्र स्थिति:- सूर्य उफा. २७ सितं. ता: हस्ते। मंगल चित्रा २३ सितं. ता: स्वाती। बुध हस्ते २८ सितं. ता: चित्रा ७ अक्टू. ता: स्वाती। गुरु पुनर्वसौ। शुक्र मघा २५ सितं. ता: पूफा. ६ अक्टू. ता: उफा.। शनि उभा. ३ अक्टू. ता: (व) पूभा। राहु पूभा.। केतु पूफा.।

विवाहे सप्तशलाकाख्य वेधः:- सूर्य रेवत्यां २७ सितं. ता: उभा.। मंगल पूषा. २३ सितं. ता: शते। बुध उभा. २८ सितं. ता: पुष्या ७ अक्टू. ता: शते। गुरु मूले। शुक्र श्रवणे २५ सितं. ता: अश्वि. ६ अक्टू. ता: रेवत्यां। शनि हस्ते ३ अक्टू. ता: चित्रा.। राहु चित्रा.। केतु अश्वि.।

अन्यत्र सप्तशलाकाख्य वेधः:- सूर्य रेवत्यां २७ सितं. ता: उभा.। मंगल पूषा. २३ सितं. ता: शते। बुध उभा. २८ सितं. ता: पुष्या ७ अक्टू. ता: शते। गुरु मूले। शुक्र श्र. २५ सितं. ता: अश्वि. ६ अक्टू. ता: रेवत्यां। शनि हस्ते ३ अक्टू. ता: चित्रा.। राहु चित्रा.। केतु अश्वि.।

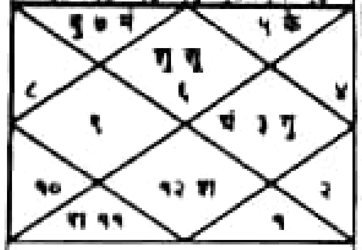
८ अक्टूबर से २१ अक्टूबर तक, श्री कार्तिक कृष्णपक्ष संवत् २०८२, शाके १९४७, तारीख

योग	ति	वा	घ	प	घं	मि	नक्षत्र	घ	प	घं	मि	यो	घ	प	घं	मि	क	घ	प	घं	मि	न	प	अ	मा	गु	ई	स्टै. चंद्र	प्रात सौर घ. प्र.	दैनिक गति
शव.	१	मं	५८	३२	२९	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मृत्यु	२	बु	४९	४५	२६	२४	अश्वि	४०	३८	२२	४५	ह	४७	३६	२५	३२	तै	२४	०१	१६	१०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	१६	१५	८	मेषे	५।२०।१०।२२	५९।२१
पद्म	३	गु	४१	०३	२२	५६	भर	३३	५१	२०	०३	व	३७	३३	२१	३२	व	१५	२१	१२	३९	५२	३१	०३	१७	१६	९	वृषे २५।२४	५।२१।०९।४३	५९।२३
ध्व.	४	शु	३२	४९	१९	३९	कृति	२७	२९	१७	३१	सि	२७	५२	१७	४०	ब	१	५०	९	१५	४८	३१	०२	१८	१७	१०	वृषे	५।२२।०९।०६	५९।२६
श्रीवत्स	५	श	२५	२७	१६	४३	रोहि	२१	५६	१५	१८	व्य	१८	५२	१४	०५	तै	२५	२७	१६	४३	४४	३२	०१	१९	१८	११	मिथु २६।२२	५।२३।०८।३२	५९।२८
सौम्य	६	र	११	१६	१४	१५	मृग	१७	३३	१३	३४	व	१०	४८	१०	५२	व	११	१६	१४	१५	४०	३२	००	२०	१९	१२	मिथु	५।२४।०८।००	५९।३०
काल	७	सो	१४	३२	१२	२२	आर्द्रा	१४	३५	१२	२३	प	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	ब	१४	३२	१२	२२	३६	३३	[illegible]	२१	२०	१३	कर्के २९।५५	५।२५।०७।३०	५९।३२
सुस्थिर	८	म	११	२२	११	०६	पुन	१३	१२	११	५०	सि	५३	५३	२८	०७	कौ	११	२२	११	०६	३२	३३	५८	२२	२१	१४	कर्के	५।२६।०७।०२	५९।३५
मातङ्ग	९	बु	९	५३	१०	३१	पुष्य	१३	२५	११	५६	शा	५०	४८	२६	४३	ग	९	५३	१०	३१	२८	३४	५७	२३	२२	१५	कर्के	५।२७।०६।३७	५९।३७
अमृत	१०	गु	९	५१	१०	३४	श्ले	१५	१३	१२	४०	शु	४८	५४	२६	०८	वि	९	५१	१०	३४	२४	३५	५६	२४	२३	१६	सिंहे १२।४०	५।२८।०६।१४	५९।३९
ए.व.	११	शु	११	३३	११	१३	मघा	१८	२४	१३	५७	शु	४८	०१	२५	४८	बा	११	३३	११	१३	२०	३५	५५	२५	२४	१७	सिंहे	५।२९।०५।५४	५९।४२
व.व.	१२	श	१४	२३	१२	२१	पूफा	२२	४६	१५	४२	ब्र	४७	५९	२५	४८	तै	१४	२३	१२	२१	१६	३६	५४	२६	२५	१८	कन्या २२।१२	६।००।०५।३५	५९।४४
मित्र	१३	र	१८	१५	१३	५४	उफा	२८	०६	१७	५१	ऐ	४८	४०	२६	०४	व	१८	१५	१३	५४	१२	३६	५३	२७	२६	१९	कन्या	६।०१।०५।१९	५९।४६
दीपाव.	१४	सो	२२	५१	१५	४७	हस्त	३४	१०	२०	१७	वै	४९	५२	२६	३४	श	२२	५१	१५	४७	०८	३७	५२	२८	२७	२०	कन्या	६।०२।०५।०५	५९।४८
अमाव.	३०	म	२८	१२	१७	५५	चित्रा	४०	४९	२२	५७	वि	५१	२९	२७	१३	ना	२८	१२	१७	५५	०४	३८	५१	२९	२८	२१	तुला. ९।३६	६।०३।०४।५४	५९।५१

शारदूल रविर्दिशि आश्विनकृष्णेति गुर्जरा:, अक्टूबर २०२५ यहाँ लिखे सदा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा में है।
[A रवि: १३।३३ (सौर: २८।२१), भौमास्त: पश्चिमायाम्।)
[B सं.सौ.पु.शु.शु. वाहन नाग वर्षाश्रेष्ट
म. १२।३९ उ. २२।५६ वा., दशरथ ललिता व्र., कन्यायां [
करवा ४ चन्द्रोदय: २०।२४, चित्रा. रवि: २०।००, B
चित्रा. सौर: ११।१०, बुधोदय: पश्चिमायाम् १४।०९
म. १४।१५ उ. २५।१४ वा., स्कन्द षष्ठी [E शुक्र: ११।३४
होई (अहोरी) ८ चंद्रोदय २३।३१, चित्रा. भौम: ८।५३
[C गोत्रिरात्र व्र. [F कर्के पुन.४ गुरु: २१।३६
म. २२।२८ उ. [D १६।२८, हस्ते शुक्र: १२।५१
म. १०।३४ वा., चित्रा. बुध: १०।५४
रमा ११ व्र., गोवत्स द्वादशी, आकाश दीपारंभ:, तुलायां A
प्रदोष:, धनतेरस, धन्वन्तरी जयंती, यमायदीपदानं, C
म. १३।५४ उ. २६।४८ वा., मासिकशिवरात्री व्र., दीपदानं, F
रूप (नरक) १४, प्रभात स्नानं, महालक्ष्मी पूजा, कुबेर पू
देवपितृकार्येऽमा., बलीपूजा

अयनांशा: २४।१२।०४

प.२७ का.कृ. ७ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	६	६	२	५	११	१०	४
२५	१९	१५	२९	०४	०२	२२	२२
४४	५५	०६	२६	४१	३९	१०	१०
४७	५६	५०	०६	५४	४७	०३	०३
५९	४१	८५	५	७४	४	३	३
२६	३८	२८	२२	३०	०२	११	११
चि	स्वा	स्वा	पुन	उफा	पूभा	पूभा	पूफा
१	४	३	३	३	४व	१	३



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म प. स्प. प्रात:	वार तिथि	ता. अक्टू	मेष सायं	वृष रात्री	मिथुन रात्री	कर्क रात्री	सिंह रात्री	कन्या रात्री	तुला प्रात:	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०५।२०।१४।३०	२ बु	८	६।३२	८।०८	१०।०४	१२।१९	२।३९	४।५६	७।१२	९।३१	११।५०	१।५४	३।३७	५।०६
०५।२१।१६।५१	३ गु	९	६।२८	८।०४	१०।०१	१२।१५	२।३५	४।५२	७।०८	९।२७	११।४६	१।५०	३।३३	५।०२
०५।२२।१६।१५	४ शु	१०	६।२४	८।००	९।५७	१२।११	२।३१	४।४८	७।०४	९।२३	११।४२	१।४६	३।३०	४।५८
०५।२३।१५।४०	५ श	११	६।२०	७।५६	९।५३	१२।०७	२।२८	४।४४	७।००	९।१९	११।३८	१।४२	३।२६	४।५४
०५।२४।१५।०९	६ र	१२	६।१६	७।५२	९।४९	१२।०४	२।२४	४।४०	६।५६	९।१५	११।३४	१।३८	३।२२	४।५०
०५।२५।१४।३९	७ सो	१३	६।१२	७।४८	९।४५	१२।००	२।२०	४।३६	६।५२	९।११	११।३०	१।३५	३।१८	४।४६
०५।२६।१४।१२	८ म	१४	६।०८	७।४५	९।४१	११।५६	२।१६	४।३३	६।४८	९।०८	११।२६	१।३१	३।१४	४।४२
०५।२७।१३।४७	९ बु	१५	६।०४	७।४१	९।३७	११।५२	२।१२	४।२९	६।४४	९।०४	११।२२	१।२७	३।१०	४।३८
०५।२८।१३।२४	१० गु	१६	६।००	७।३७	९।३३	११।४८	२।०८	४।२५	६।४०	९।००	११।१८	१।२३	३।०६	४।३४
०५।२९।१३।०४	११ शु	१७	५।५६	७।३३	९।२९	११।४४	२।०४	४।२१	६।३७	८।५६	११।१४	१।१९	३।०२	४।३०
०६।००।१२।४६	१२ श	१८	५।५३	७।२९	९।२५	११।४०	२।००	४।१७	६।३३	८।५२	११।१०	१।१५	२।५८	४।२७
०६।०१।१२।३०	१३ र	१९	५।४९	७।२५	९।२१	११।३६	१।५६	४।१३	६।२९	८।४८	११।०६	१।११	२।५४	४।२३
०६।०२।१२।१६	१४ सो	२०	५।४५	७।२१	९।१७	११।३२	१।५२	४।०९	६।२५	८।४४	११।०२	१।०७	२।५०	४।१९
०६।०३।१२।०५	३० म	२१	५।४१	७।१७	९।१३	११।२८	१।४८	४।०५	६।२१	८।४०	१०।५८	१।०३	२।४६	४।१५

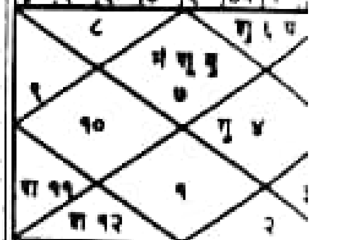
संक्रांति फलम्

ता. १७ अक्टूबर २०२५

का. कृ. ११ भृगौ तुलायामर्क: प्र. (स्टै.) टा. १३।३३ वापात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम मिश्रा पशून् तुलादा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् तुलादा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टि: कौलवकरणे प्रविष्टा महार्घफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं स्वड्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजाति: वकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरित्कंचुकी म्लानावस्था (प्रौढी) मु. ३० धान्यमार्घे साम वत्सा पूर्वे राहू उत्तरे मूलं भृगौ विवाहसंघौ ऐशान्यां शुक्रोदय: पूर्वस्याम् । पुण्यकाल: (स्टै.) ७।३३ से ११।३३ तक । (दान तिल गोरस) ।

अयनांशा: २४।१२।०५

प.२८ का.कृ.१४ सो. इष्टघटी ०।						
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा
६	६	६	३	५	११	१०
०२	२४	२४	००	१३	०२	२१
४१	४८	४६	००	२४	१२	४७
३१	४३	५३	११	११	४३	४७
५९	४२	७८	४	७४	३	३
४०	०४	४५	१०	४६	३७	११
चि	चि	चि	पुन	ह	पूभा	पूभा
३	२	२	४	२	४व	१



नक्षत्र युति:- सूर्य हस्ते १० अक्टू, त: चित्रा. । मंगल स्वाती १३ अक्टू, त: विशा. । बुध स्वाती १६ अक्टू, त: विशा. । गुरु पुनर्वसौ । शुक्र उफा. १७ अक्टू, त: हस्ते । शनि पूभा. । राहु पूभा. । केतु पूफा.
विवाहे पञ्चशलाका वेध:- सूर्य उभा. १० अक्टू, त: पूभा. । मंगल शते १३ अक्टू, त: कृति. । बुध शते १६ अक्टू, त: कृति. । गुरु मूले । शुक्र रेवत्यां १७ अक्टू, त: उभा. । शनि चित्रा. । राहु चित्रा. । केतु अश्वि. ।
अन्यत्र सप्तशलाका वेध:- सूर्य उभा. १० अक्टू, त: पूभा. । मंगल शते १३ अक्टू, त: धनि. । बुध शते १६ अक्टू, त: धनि. । गुरु मूले । शुक्र रेवत्यां १७ अक्टू, त: उभा. । शनि चित्रा. । राहु चित्रा. । केतु अश्वि. ।

॥ द्व्यशीति-उत्तर-द्विसहस्रतमे विक्रमाब्दे (२०८२), कालनाम संवत्सरे, सप्तचत्वारिंशदधिक-एकोनविंशति-शततमे शालिवाहनशकाब्दे (१९४७) ॥

२२ अक्टूबर से ५ नवंबर तक, श्री कार्तिक शुक्लपक्ष संवत २०८२, शाकः १९४७, दिना सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योग	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दिनमान घ प	सू. उ.	सू. अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
धूम्र	१	बु	३४	०१	२०	१५	स्वा	४७	५५	२५	४८	प्री	५३	२८	२८	०१	कि	१	०२	७	०३	२८/००	६/३८	५/४६	३०	२९	२२	तुला.	६/०४/०४/४५	५९/५३
प्रवर्धमा	२	गु	४०	११	२२	४३	विशा	५५	११	२८	४६	आ	५५	३८	२८	५४	बा	७	०३	९	२८	२७/५६	३९	४९	१	३०	२३	वृश्चि. २२/०१	६/०५/०४/३७	५९/५५
राक्षस	३	शु	४६	३१	२५	१६	अनु	....	....	....	....	सौ	५७	५५	२९	५०	तै	१३	११	११	५९	५३	४०	४९	२	१	२४	वृश्चि.	६/०६/०४/३३	५९/५७
अमृत	४	श	५२	४४	२७	४६	अनु	२	४८	७	४७	शो	....	....	....	....	व	११	३८	१४	३२	४९	४०	४८	३	२	२५	वृश्चि.	६/०७/०४/३०	६०/००
काण	५	र	५८	२८	३०	०४	ज्ये	१०	०७	१०	४३	शो	०	०१	६	४१	व	२५	४१	१६	४७	४५	४१	४७	४	३	२६	धनु. १०/४३	६/०८/०४/२९	६०/०२
लुम्बक	६	सो	....	....	....	....	मूल	१६	५१	१३	२६	अ	१	४६	७	२४	कौ	३०	५१	११	०५	४१	४२	४६	५	४	२७	धनु.	६/०९/०४/३१	६०/०४
मित्र	६	मं	३	१४	८	००	पूषा	२२	३५	१५	४४	सु	२	४७	७	४१	तै	३	१४	८	००	३७	४२	४५	६	५	२८	मक. २२/१४	६/१०/०४/३५	६०/०६
वज्र	७	बु	६	४१	९	२३	उषा	२६	५५	१७	२९	धृ	२	४७	७	४९	व	६	४१	९	२३	३४	४३	४४	७	६	२९	मक.	६/११/०४/४१	६०/०८
ध्वजा	८	गु	८	२६	१०	०६	श्रव	२९	३१	१८	३२	शू	१/५८	२८/४३	७/३०	५१/१३	ब	८	२६	१०	०६	३०	४४	४४	८	७	३०	मक.	६/१२/०४/४९	६०/१०
धाता	९	शु	८	१५	१०	०२	धनि	३०	११	१८	४९	वृ	५४	२०	२८	२८	कौ	८	१५	१०	०२	२६	४४	४३	९	८	३१	कुंभे ६/४६	६/१३/०४/५९	६०/१२
आनन्द	१०	श	६	०३	९	१०	शत	२८	५२	१८	१८	ध्रु	४८	२३	२६	०६	ग	६	०३	९	१०	२३	४५	४२	१०	९	१	कुंभे	६/१४/०५/११	६०/१४
ए.व.	११	र	९	५१	७	३०	पूभा	२५	४०	१७	०२	व्या	४०	५६	२३	०८	वि	९	५१	७	३०	१९	४६	४१	११	१०	२	मीने ११/२५	६/१५/०५/२६	६०/१६
हद	१२	र	५५	५३	२९	०७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
द.व.	१३	सो	४८	२१	२६	०७	उभा	२०	४६	१५	०५	ह	३२	०९	११	३८	कौ	२२	१७	१५	४१	१६	४६	४१	१२	११	३	मीने	६/१६/०५/४२	६०/१८
गुरु	१४	मं	३९	३९	२२	३९	रेव	१४	३०	१२	३५	व	२२	११	१५	४३	ग	१४	०६	१२	२६	१२	४७	४०	१३	१२	४	मेषे १२/३५	६/१७/०६/००	६०/२०
पूर्णिमा	१५	बु	३०	११	१८	५२	अश्वि	१/५५	[illegible]	३०/[illegible]	[illegible]	सि	११	४३	११	२९	वि	४	५८	८	४७	०८	४८	३९	१४	१३	५	मेषे	६/१८/०६/२१	६०/२२

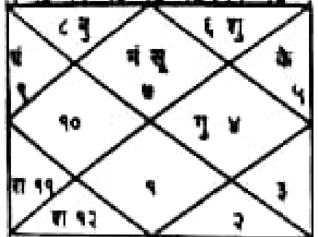
कैतकी अहर्गणः ५३१३ शरदृतु रविर्दक्षिणे, अक्टूबर-नवंबर २०२५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
गोवर्धन पू., अन्नकूटं देशाचारे, गोक्रीडा, मार्गपाली बं., F
चंद्रदर्शनम् (मु.४५), भ्रातृ २, यम २, यमुना स्नानं, कलम A
जमादिलावल ५, स्वा. सौरः २०/५२, वृश्चिके बुधः ८/४९
भ.१४/३२उ. २७/४६या., दूर्वागणपति व्र. [G तुलायां शुक्रः १३/३८
सौभाग्य ५, पाण्डव ५, अनु. बुधः २८/५०
वृश्चिके भौमः१५/२६,चित्रा.शुक्रः २९/४१ [I वाहन मण्डूक अनावृष्टिः
कल्पादि, वन्हि (रवि) षष्ठी [H समाप्तिः, कार्तिक व्रतोद्यापनं
भ. ९/२३उ. २१/५०या. [B समाप्ति, त्रिपुरोत्सव,पुष्कर यात्रा, D
गोपाष्टमी [D नानक जयंती,भीष्मपंचक समाप्ति,कार्तिकस्नानपूर्तिः
पंचक प्रारम्भः ६/४६, युगादि, कुष्माण्ड (अक्षय) ९
भ. २०/२६ उ., नवंबर ११ ता. ३०, अनु. भौमः ८/०२
भ. ७/३० या., प्रबोधिनी ११ व्र., देवोत्थापनं, तुलसी विवाह, C
[A दवात पू., मा. कार्तिकारंभः, स्वा. रविः ३०/३०, सावन E
प्रदोषः [C चतुर्मास व्रत समाप्तिः, भीष्म पंचक प्रा., मन्वादि, G
भ.२२/३९उ., पंचक समाप्तिः १२/३५, वैकुण्ठ १४, रोटक व्रत H
भ. ८/४७ या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यज्व, गोपव्रत B
[F गुर्जराणां नूतन वर्षारंभः [E वृश्चिके भानुः ९/३४, सं.स्त्री.नपु.सू.सू. I

अयनांशाः २४/१२/०६

प.२१ का.शु. ६ सो. इष्टघटी ०/००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	६	७	३	५	११	१०	४
०१	२९	०३	००	२२	०१	२१	२१
३१	४४	२५	२५	०८	४८	२५	२५
५४	३२	१८	३९	१२	५७	३१	३१
५९	४२	६६	२	७४	३	३	३
५४	३१	०१	५४	५९	०६	११	११
स्वा	वि	अनु	पुन	ह	पूभा	पूभा	पूफा
१	३	१	४	४	४व	१	३



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अक्टू	मेष सायं	वृष रात्री	मिथुन रात्री	कर्क रात्री	सिंह रात्री	कन्या रात्री	तुला प्रातः	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०६/०४/११/५६	१ बु	२२	५/३७	७/१३	९/०९	११/२४	१/४४	४/०१	६/१७	८/३६	१०/५५	१२/५९	२/४२	४/११
०६/०५/११/४९	२ गु	२३	५/३३	७/०९	९/०५	११/२०	१/४०	३/५७	६/१३	८/३२	१०/५१	१२/५५	२/३८	४/०७
०६/०६/११/४५	३ शु	२४	५/२९	७/०५	९/०१	११/१६	१/३६	३/५३	६/०९	८/२८	१०/४७	१२/५१	२/३४	४/०३
०६/०७/११/४२	४ श	२५	५/२५	७/०१	८/५७	११/१२	१/३२	३/४९	६/०५	८/२४	१०/४३	१२/४७	२/३०	३/५९
०६/०८/११/४२	५ र	२६	५/२१	६/५७	८/५४	११/०८	१/२८	३/४५	६/०१	८/२०	१०/३९	१२/४३	२/२६	३/५५
०६/०९/११/४४	६ सो	२७	५/१७	६/५३	८/५०	११/०४	१/२४	३/४१	५/५७	८/१६	१०/३५	१२/३९	२/२३	३/५१
०६/१०/११/४८	६ मं	२८	५/१३	६/४९	८/४६	११/००	१/२०	३/३७	५/५३	८/१२	१०/३१	१२/३५	२/१९	३/४७
०६/११/११/५४	७ बु	२९	५/०९	६/४५	८/४२	१०/५६	१/१७	३/३३	५/४९	८/०८	१०/२७	१२/३१	२/१५	३/४३
०६/१२/१२/०३	८ गु	३०	५/०५	६/४१	८/३८	१०/५३	१/१३	३/२९	५/४५	८/०४	१०/२३	१२/२७	२/११	३/३९
०६/१३/१२/१३	९ शु	३१	५/०१	६/३८	८/३४	१०/४९	१/०९	३/२५	५/४१	८/००	१०/१९	१२/२४	२/०७	३/३५
०६/१४/१२/२६	१० श	१	४/५७	६/३४	८/३०	१०/४५	१/०५	३/२२	५/३८	७/५७	१०/१५	१२/२०	२/०३	३/३१
०६/१५/१२/४०	११ र	२	४/५३	६/३०	८/२६	१०/४१	१/०१	३/१८	५/३३	७/५३	१०/११	१२/१६	१/५९	३/२७
०६/१६/१२/५७	१३ सो	३	४/४९	६/२६	८/२२	१०/३७	१२/५७	३/१४	५/२९	७/४९	१०/०७	१२/१२	१/५५	३/२३
०६/१७/१३/१६	१४ मं	४	४/४५	६/२२	८/१८	१०/३३	१२/५३	३/१०	५/२६	७/४५	१०/०३	१२/०८	१/५१	३/१९
०६/१८/१३/३६	१५ बु	५	४/४२	६/१८	८/१४	१०/२९	१२/४९	३/०६	५/२२	७/४१	९/५९	१२/०४	१/४७	३/१६

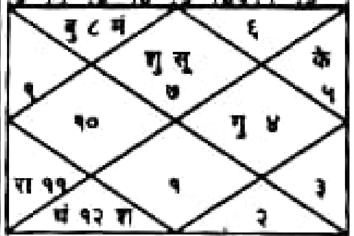
मास फलम्

इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो ॥ बुधेरसक्षयोभूम्यां ॥ मास के प्रथम दिन में बुधवार होने से अन्न की महँगाई हो। कार्तिक कृष्णा त्रयोदशी को रविवार होने से जौ गेहूं महँगे हो। मंगलवारी अमावस होने से राज्यभ्रंश, राजयुद्ध क्लेशो की वृद्धि उपघात-अल्पवृष्टि और द्रव्यों की हानि हो। अमावस्या को चित्रा होने से दुर्भिक्ष (महर्घ) हो। कार्तिकी अमावस्या मंगलवारी होने से महाअग्नि काण्ड हो। पूर्णिमा अश्विनी युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। पूर्णिमा बुधवार और अश्विनी युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। शुक्रवार की संक्राति होने से प्रजासुखी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हो, गाय भैंस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हों, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे।

अयनांशाः २४/१२/०७

प.३० का.शु.१३ सो. इष्टघटी ०/००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	७	७	३	६	११	१०	४
१६	०४	१०	००	००	०१	२१	२१
३९	४३	०२	४१	५३	२९	०३	०३
५४	२३	२७	५९	४०	०३	१५	१५
६०	४२	४०	१	७५	२	३	३
०८	५६	५२	३५	१०	२९	११	११
स्वा	अनु	अनु	पुन	चि	पूभा	पूभा	पूफा
३	१	३	४	३	४व	१	३



नक्षत्र युतिः- सूर्य चित्रा. २३ अक्टू. तः स्वाती। मंगल विशा. १ नवं. तः अनुरा.। बुध विशा. २६ अक्टू. तः अनुरा.। गुरु पुनर्वसौ। शुक्र हस्ते २७ अक्टू. तः चित्रा.। शनि पूभा.। राहु पूभा.। केतु पूफा.।

विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य पूभा. २३ अक्टू. तः शते। मंगल कृति. १ नवं. तः भर.। बुध कृति. २६ अक्टू. तः भर.। गुरु मूले। शुक्र उभा. २७ अक्टू. तः पूभा.। शनि चित्रा.। राहु चित्रा.। केतु अश्वि.।

अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य पूभा. २३ अक्टू. तः शते। मंगल धनि. १ नवं. तः श्लेषा.। बुध धनि. २६ अक्टू. तः श्लेषा.। गुरु मूले। शुक्र उभा. २७ अक्टू. तः पूभा.। शनि चित्रा.। राहु चित्रा.। केतु अश्वि.।

६ नवंबर से २० नवंबर तक, श्री मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत २०८२, शाकः १९४७, हिजरी सू. तारीख — स्टै. प्रातः दैनिक

योगा:	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	[illegible]	उ.	अ.	भा	मु	ई.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
लुम्बक	१	गु	२०	२४	१४	५८	कृति	५१	४३	२७	३०	व्य	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	कौ	२०	२४	१४	५८	[illegible]	६ ४१	[illegible]	१५	१४	६	वृषे ११/४९	६/१९/०६/४३	६०/२४
मित्र	२	शु	१०	४८	११	०८	रोहि	४४	२३	२४	३५	ध	३९	०६	२२	२८	ग	१०	४८	११	०८	०२	४१	३८	१६	१५	७	वृषे	६/२०/०७/०८	६०/२६
म.व.	३	श	१	५१	७	३४	मृग	३८	०१	२२	०३	शि	२९	१२	१८	३१	वि	१	५१	७	३४	[illegible]	५०	३७	१७	१६	८	मिथु. ११/१५	६/२१/०७/३४	६०/२८
क्षय:	४	श	५४	०३	२८	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ध्वांक्ष	५	र	४७	४२	२५	५५	आर्द्रा	३३	०३	२०	०४	सि	२०	२४	१५	००	कौ	२०	३८	१५	०६	५५	५१	३७	१८	१७	९	मिथु.	६/२२/०८/०२	६०/३०
धूम्र	६	सो	४३	१२	२४	०८	पुन	२९	४८	१८	४७	सा	१२	५८	१२	०३	ग	१५	११	१२	५६	५२	५१	३६	१९	१८	१०	कर्क १३/०२	६/२३/०८/३२	६०/३२
प्रवर्धमा	७	म	४०	४१	२३	०९	पुष्य	२८	३०	१८	१६	शु	७	०३	९	४२	वि	११	४०	११	३२	४८	५२	३६	२०	१९	११	कर्क	६/२४/०९/०४	६०/३४
राक्षस	८	बु	४०	१४	२२	५८	श्ले	२९	१२	१८	३४	शु	२	४५	७	५९	बा	१०	११	१०	५८	४५	५३	३५	२१	२०	१२	सिंहे १८/३४	६/२५/०९/३८	६०/३६
मुसल	९	गु	४१	४२	२३	३४	मघा	३१	४८	१९	३७	ब्र	० ५८	०३ ४२	६ ३७	५५ २५	तै	१०	४३	११	११	४२	५४	३५	२२	२१	१३	सिंहे	६/२६/१०/१४	६०/३७
सिद्धि	१०	शु	४४	५२	२४	५१	पूफा	३६	०३	२१	२०	ऐं	५८	४३	३०	२४	व	१३	०४	१२	०८	३९	५५	३४	२३	२२	१४	कन्या २७/५१	६/२७/१०/५१	६०/३९
ए.व.	११	श	४९	२०	२६	३९	उफा	४१	३७	२३	३४	वि	५९	३४	३०	४५	व	१६	५६	१३	४२	३६	५५	३४	२४	२३	१५	कन्या	६/२८/११/३०	६०/४१
मानस	१२	र	५४	४४	२८	५०	हस्त	४८	०७	२६	११	प्री	...	...	...	...	कौ	२१	५५	१५	४२	३३	५६	३३	२५	२४	१६	कन्या	६/२९/१२/११	६०/४३
प्र.व.	१३	सो	...	...	...	...	चित्रा	५५	११	२९	०१	प्री	१	०१	७	२१	ग	२७	३८	१८	००	३०	५७	३३	२६	२५	१७	तुला. १५/३५	७/००/१२/५४	६०/४४
ध्वजा	१३	म	०	४०	७	१४	स्वा	...	...	...	...	आ	२	५४	८	०७	व	०	४०	७	१४	२७	५८	३३	२७	२६	१८	तुला.	७/०१/१३/३८	६०/४६
धूम्र	१४	बु	६	५४	९	४४	स्वा	२	२९	७	५८	सौ	४	५८	८	५८	श	६	५४	९	४४	२४	५८	३२	२८	२७	१९	वृश्चि. २८/१२	७/०२/१४/२५	६०/४८
अमाव.	३०	गु	१३	१२	१२	१६	विशा	९	५३	१०	५७	शो	७	०५	९	४९	ना	१३	१२	१२	१६	२२	५९	३२	२९	२८	२०	वृश्चि.	७/०३/१५/१२	६०/४९

हेमन्तर्तु रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति गुर्जराः, नवंबर २०२५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

विशा. रविः १४/३८ (सौरः २७/५९)

भ. २१/११ उ., स्वा. शुक्रः २१/२१

भ. ७/३४ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०/१०, सौभाग्य सुंदरी व्र.

|A ज्येष्ठा. भौमः ११/१४

भ. २४/०८ उ., वक्री बुधः ९/३१

भ. ११/३२ या., बुधास्तः पश्चिमायाम् २५/००

कालभैरवाष्टमी, वक्री गुरुः ७/०८

[B विशा. शुक्रः १२/११

भ. १२/०८ उ. २४/५१ या., नेहरुजयन्ती (बालदिवस)

उत्पत्ति ११ व्र., वैतरणी व्र.

आकाशदीप समाप्तिः, वृश्चिके रविः १३/११ (सौरः २५/५१)

प्रदोषः

भ. ७/१४ उ. २०/२९ या., मासिकशिवरात्री व्र., B

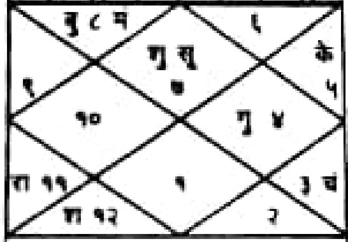
गौरीतपोव्र., महाव्रतारंभः, अनु. रविः २०/३९, A

देवपितृकार्येऽमा., अनु. सौरः ८/५३, (व) विशा. बुधः २७/५१

अयनांशाः २४/१२/०८ ॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.३१ मा.कृ. ६ सो. इष्टघटी ०/००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	७	७	३	६	११	१०	४
२३	०९	१२	००	०९	०१	२०	२०
४१	४५	३९	४८	४०	१३	४०	४०
२७	१४	००	४९	१७	३३	५९	५९
६०	४३	७	०	७५	१	३	३
२०	२२	४६	११	११	५०	११	११
वि	अनु	अनु	पुन	स्वा	पूभा	पूभा	पूफा
२	२	३व	४	१	४व	१	३



स्प. र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. नवं.	मेष दिवा	वृष सायं	मिथुन रात्री	कर्क रात्री	सिंह रात्री	कन्या रात्री	तुला रात्री	वृश्चिक प्रातः	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०६/१९/१३/५९	१ गु	६	४/३८	६/१४	८/१०	१०/२५	१२/४५	३/०२	५/१८	७/३७	९/५५	१२/००	१/४३	३/१२
०६/२०/१४/२४	२ शु	७	४/३४	६/१०	८/०६	१०/२१	१२/४१	२/५८	५/१४	७/३३	९/५१	११/५६	१/३९	३/०८
०६/२१/१४/५०	३ श	८	४/३०	६/०६	८/०२	१०/१७	१२/३७	२/५४	५/१०	७/२९	९/४७	११/५२	१/३५	३/०४
०६/२२/१५/१९	५ र	९	४/२६	६/०२	७/५८	१०/१३	१२/३३	२/५०	५/०६	७/२५	९/४४	११/४८	१/३१	३/००
०६/२३/१५/४९	६ चं	१०	४/२२	५/५८	७/५४	१०/०९	१२/२९	२/४६	५/०२	७/२१	९/४०	११/४४	१/२७	२/५६
०६/२४/१६/२२	७ मं	११	४/१८	५/५४	७/५०	१०/०५	१२/२५	२/४२	४/५८	७/१७	९/३६	११/४०	१/२३	२/५२
०६/२५/१६/५६	८ बु	१२	४/१४	५/५०	७/४६	१०/०१	१२/२१	२/३८	४/५४	७/१३	९/३२	११/३६	१/१९	२/४८
०६/२६/१७/३२	९ गु	१३	४/१०	५/४६	७/४३	९/५७	१२/१७	२/३४	४/५०	७/०९	९/२८	११/३२	१/१५	२/४४
०६/२७/१८/०९	१० शु	१४	४/०६	५/४२	७/३९	९/५३	१२/१३	२/३०	४/४६	७/०५	९/२४	११/२८	१/१२	२/४०
०६/२८/१८/४९	११ श	१५	४/०२	५/३८	७/३५	९/४९	१२/०९	२/२६	४/४२	७/०१	९/२०	११/२४	१/०८	२/३६
०६/२९/१९/३०	१२ र	१६	३/५८	५/३४	७/३१	९/४५	१२/०६	२/२२	४/३८	६/५७	९/१६	११/२०	१/०४	२/३२
०७/००/२०/१३	१३ चं	१७	३/५४	५/३०	७/२७	९/४२	१२/०२	२/१८	४/३४	६/५३	९/१२	११/१६	१/००	२/२८
०७/०१/२०/५८	१३ मं	१८	३/५०	५/२७	७/२३	९/३८	११/५८	२/१४	४/३०	६/४९	९/०८	११/१३	१२/५६	२/२४
०७/०२/२१/४४	१४ बु	१९	३/४६	५/२३	७/१९	९/३४	११/५४	२/११	४/२६	६/४६	९/०४	११/०९	१२/५२	२/२०
०७/०३/२२/३२	३० गु	२०	३/४२	५/१९	७/१५	९/३०	११/५०	२/०७	४/२२	६/४२	९/००	११/०५	१२/४८	२/१६

संक्रांति फलम्

ता. १६ नवंबर २०२५

मार्ग. कृ. १२ रवौ वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १३/११ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः कौलवकरणे प्रतिष्ठा महर्घफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं खड्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजातिः बकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरित्कंचुकी गवालकावस्था (उर्ध्वी) मु. ३० धान्यभावे सम वस्त्र दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं पाताले विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः रवौ (स्टै.) ३०/५५ से रवौ १३/११ तक । (दान- दीप) ।

अयनांशाः २४/१२/०९

पं.३२ मा.कृ.१३ सो. इष्टघटी ०/...

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	७	७	३	६	११	१०	[illegible]
००	१४	०८	००	१८	०१	२०	[illegible]
४४	४९	२३	४५	२७	०२	१८	[illegible]
२४	५९	३३	५४	४६	५१	४३	[illegible]
६०	४३	७२	१	७५	१	३	[illegible]
३२	४६	१७	१३	२५	०७	११	[illegible]
वि	अनु	अनु	पुन	स्वा	पूभा	पूभा	[illegible]
४	४	२व	४व	४	४व	१	[illegible]



नक्षत्र युतिः- सूर्य स्वाती ६ नवं. तः विशा. १९ नवं. तः अनुरा.। मंगल अनुरा. ११ नवं. तः ज्येष्ठा.। बुध अनुरा. २० नवं. तः (व) विशा. । गुरु पुनर्वसौ । शुक्र चित्रा. ७ नवं. तः स्वाती १८ नवं. तः विशा. । शनि पूभा. । राहु पूभा. । केतु पूफा

विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य शते ६ नवं. तः कृति. १९ नवं. तः भर. । मंगल भर. १९ नवं. तः पूषा । बुध भर. २० नवं. तः कृति. । गुरु मूले । शुक्र पूभा. ७ नवं. तः शते १८ नवं. तः कृति. । शनि चित्रा. । राहु चित्रा. । केतु अश्वि. ।

अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य शते ६ नवं. तः धनि. १९ नवं. तः श्लेषा.। मंगल श्लेषा. ११ नवं. तः पूषा । बुध श्लेषा. २० नवं. तः धनि.। गुरु मूले । शुक्र पूभा. ७ नवं. तः शते १८ नवं. तः धनि.। शनि चित्रा. । राहु चित्रा. । केतु अश्वि

२१ नवंबर से ४ दिसंबर तक   श्री मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत २०८२, शाके १९४७, दिनशु. सू. तारीख   स्टैं. प्रातः दैनिक

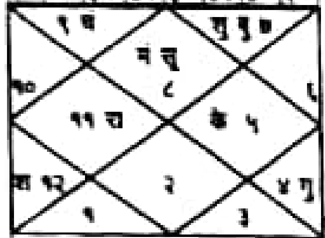
ता.	ति.	वा.	घ	प	घ	मि.	नक्षत्र	घ	प	घ	मि.	यो.	घ	प	घ	मि.	क.	घ	प	घ	मि.	[illegible]	उ	अ	भा.	मु	इं.	चंद्र	सौर र. स्प	दैनिक गति
[illegible]	१	शु	११	२५	१४	४६	अनु	१७	१२	१३	५३	अ	१	०८	१०	३९	ब	११	२५	१४	४६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	३०	२९	२१	वृश्चि.	७।०४।१६।०१	६०।५१
[illegible]	२	श	२५	२२	१७	१०	ज्ये	२६	१७	१६	४४	सु	११	०१	११	२५	कौ	२५	२२	१७	१०	१६	०१	३१	१	३०	२२	धनु. १६।४४	७।०५।१६।५२	६०।५२
[illegible]	३	र	३०	५५	११	२८	मूल	३०	५१	११	२५	धृ	१२	३७	१२	०४	ग	३०	५५	११	२८	१४	०२	३१	२	१	२३	धनु.	७।०६।१७।४५	६०।५४
[illegible]	४	सो	३५	४९	२१	२२	पूषा	३७	०३	२१	५१	शू	१३	४७	१२	३३	व	३	२७	८	२५	११	०२	३१	३	२	२४	मक. २८।२५	७।०७।१८।३८	६०।५५
[illegible]	५	मं	३९	३४	२२	४७	उषा	४२	१२	२३	४६	ग	१४	११	१२	४७	ब	७	५४	१०	१३	०९	०३	३१	४	३	२५	मक.	७।०८।१९।३४	६०।५७
[illegible]	६	बु	४२	२५	२४	०२	श्रव	४६	०८	२५	३१	वृ	१३	५८	१२	३९	कौ	११	१४	११	३४	०६	०४	३१	५	४	२६	मक.	७।०९।२०।३०	६०।५८
[illegible]	७	गु	४३	३३	२४	३०	धनि	४८	३४	२६	३०	ध्रु	१२	३३	१२	०६	ग	१३	१०	१२	२१	०४	०५	३०	६	५	२७	कुंभे १४।०५	७।१०।२१।२९	६०।५९
[illegible]	८	शु	४२	५४	२४	१५	शत	४९	१६	२६	४८	व्या	१	५२	११	०२	वि	१३	२५	१२	२८	०२	०६	३०	७	६	२८	कुंभे	७।११।२२।२८	६१।०१
[illegible]	९	श	४०	२२	२३	१५	पूभा	४८	०७	२६	२१	ह	५	३४	९	२४	बा	११	५१	११	५१	००	०६	३०	८	७	२९	मीने २०।३२	७।१२।२३।२९	६१।०२
[illegible]	१०	र	३५	४६	२१	३०	उभा	४५	०७	२५	१०	व	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	तै	८	२२	१०	२८	[illegible]	०७	३०	९	८	३०	मीने	७।१३।२४।३१	६१।०३
[illegible]	११	सो	२९	४६	११	०२	रेव	४०	२६	२३	१८	व्य	४४	३४	२४	४७	व	३	०३	८	२१	५६	०८	३०	१०	९	१	मेषे २३।१८	७।१४।२५।३५	६१।०५
[illegible]	१२	मं	२२	०६	१५	५९	अश्वि	३४	१८	२०	५२	व	३४	४७	२१	०७	बा	२२	०६	१५	५९	५४	०९	३०	११	१०	२	मेषे	७।१५।२६।३९	६१।०६
[illegible]	१३	बु	१३	१८	१२	२८	भर	२७	०८	१८	०१	प	२४	२८	१६	५७	तै	१३	१८	१२	२८	५२	०९	३०	१२	११	३	वृषे २३।१५	७।१६।२७।४५	६१।०७
पूर्णिमा	१४	गु	३	४६	८	४०	कृति	११	२३	१४	५५	शि	१३	२९	१२	३४	व	३	४६	८	४०	५१	१०	३०	१३	१२	४	वृषे	७।१७।२८।५२	६१।०८
[illegible]	१५	गु	५४	०१	२८	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

केतकी अहर्गण: ५३४३ हेमन्तर्तु रविदक्षिणे, नवंबर-दिसंबर २०२५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टैं.टा.में है।
[F २८।१२, पूफा.-२ केतु: २८।१२ [B द्वात्रिंशी (बत्तीसी) पूर्णिमा
मूले रै. ८ IIISISIIII रात्री लग्न ७, चंद्रदर्शनम् (मु.३०), मा. A
रंभाव्रतं, जमादिलाव्वल ६, (व) तुलायां बुधः १८।५१
म. ८।२५ उ. २१।२२ मा. [E पुन.-३ गुरुः २३।३३
उषा. रै. ६ ISIISISSII रात्री लग्न ३, ४, नागपंचमी, D
स्कंदषष्ठी, वृश्चिके शुक्रः ११।१४ [D वृषोदयः पूर्वस्याम् १।३१
म. २४।३० उ., पंचक प्रारम्भः १४।०५
म. १२।२८ मा., अनु. शुक्रः २६।५०, मार्गी शनिः २०।१८
कल्पादि [C व्र., गीता जयंती, दिसंबर १२ ता. ३१
उभा. रै. ६ IIIIISSSIS रात्री लग्न ४, मार्गी बुधः १०।१८
म. ८।२१ उ. ११।०२ मा., पंचक समाप्तिः २३।१८, मोक्षदा ११ C
प्रदोषः, अनंग त्रयोदशी व्र., ज्येष्ठा. रविः २४।५६
पिशाच मोचन श्राद्ध, ज्येष्ठा. सौरः ११।५८, (व) मिथुने E
म.८।४० उ. १८।४३ मा., श्री दत्त जयंती, पूर्णिमा व्रतपुण्यकाल, B
[A मार्गशीर्षारंभः, सायन धनुषि भानुः ७।१३, शत.-४ राहुः F

अयनांशः २४।१२।११

पं.३३ मा.शु. ४ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	७	६	३	६	११	१०	४
०७	११	२९	००	२७	००	११	११
१८	५७	२५	३३	१५	५७	५६	५६
४०	३६	१६	१२	४४	१२	२७	२७
६०	४४	५९	२	७५	०	३	३
४२	१०	१५	३६	२९	२३	११	११
अनु	ज्ये	वि	पुन	वि	पूभा	श	पूफा
२	१	३व	४व	३	४व	४	२



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

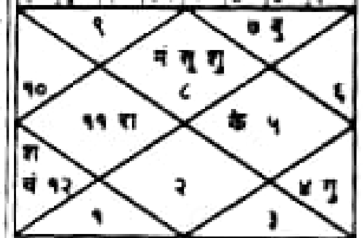
शुद्ध र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नव.	दिवा	सायं	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
७।०४।२३।२१	१ शु	२१	३।३८	५।१५	७।११	९।२६	११।४६	२।०३	४।१८	६।३८	८।५६	११।०१	१२।४४	२।१२
७।०५।२४।१३	२ श	२२	३।३४	५।११	७।०७	९।२२	११।४२	१।५९	४।१४	६।३४	८।५२	१०।५७	१२।४०	२।०८
७।०६।२५।०५	३ र	२३	३।३१	५।०७	७।०३	९।१८	११।३८	१।५५	४।११	६।३०	८।४८	१०।५३	१२।३६	२।०५
७।०७।२५।५९	४ सो	२४	३।२७	५।०३	६।५९	९।१४	११।३४	१।५१	४।०७	६।२६	८।४४	१०।४९	१२।३२	२।०१
७।०८।२६।५५	५ मं	२५	३।२३	४।५९	६।५५	९।१०	११।३०	१।४७	४।०३	६।२२	८।४०	१०।४५	१२।२८	१।५७
७।०९।२७।५२	६ बु	२६	३।१९	४।५५	६।५१	९।०६	११।२६	१।४३	३।५९	६।१८	८।३६	१०।४१	१२।२४	१।५३
७।१०।२८।५०	७ गु	२७	३।१५	४।५१	६।४७	९।०२	११।२२	१।३९	३।५५	६।१४	८।३३	१०।३७	१२।२०	१।४९
७।११।२९।५०	८ शु	२८	३।११	४।४७	६।४३	८।५८	११।१८	१।३५	३।५१	६।१०	८।२९	१०।३३	१२।१६	१।४५
७।१२।३०।५१	९ श	२९	३।०७	४।४३	६।३९	८।५४	११।१४	१।३१	३।४७	६।०६	८।२५	१०।२९	१२।१२	१।४१
७।१३।३१।५३	१० र	३०	३।०३	४।३९	६।३५	८।५०	११।१०	१।२७	३।४३	६।०२	८।२१	१०।२५	१२।०८	१।३७
७।१४।३२।५७	११ सो	१	२।५९	४।३५	६।३२	८।४६	११।०६	१।२३	३।३९	५।५८	८।१७	१०।२१	१२।०४	१।३३
७।१५।३४।०२	१२ मं	२	२।५५	४।३१	६।२८	८।४२	११।०२	१।१९	३।३५	५।५४	८।१३	१०।१७	१२।००	१।२९
७।१६।३५।०८	१३ बु	३	२।५१	४।२७	६।२४	८।३८	१०।५८	१।१५	३।३१	५।५०	८।०९	१०।१३	११।५७	१।२५
७।१७।३६।१५	१४ गु	४	२।४७	४।२३	६।२०	८।३४	१०।५५	१।११	३।२७	५।४६	८।०५	१०।०९	११।५३	१।२१

मास फलम्

इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो ॥ चन्द्रजीवौवदाचेव धान्यादीनांसमर्घता ॥ मार्गशीर्ष कृ. एकादशी को शनिवार होने से अनावृष्टि और प्रजा उपद्रव हो। मार्गशीर्ष कृष्णा चतुर्दशी में स्वाति होने से वर्षा का अभाव हो। गुरुवारी अमावस होने से सदा वृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हो दु:ख का नाश हो। आरोग्य रहे और प्रजा स्वस्थ हो। अमावस्या विशाखा योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी है। मार्गशीर्ष की पूर्णिमा को मृगशिरा का अभाव होने से महर्घता हो। रविवार की संक्रांति होने से कहीं कहीं युद्ध हो, राजविग्रह हो, सूर्य बहुत तपे, रोगोत्पत्ति हो, धान्यादि महँगे हो। स्वाति में शुक्र होने से क्षेम और सुभिक्ष हो। स्वाती नक्षत्र में शुक्र होने से अतिवृष्टि तथा दूत, वाणिज्य कर्म करने वाले, नाव चलाने वाले इनमें उपद्रव हो।

अयनांशः २४।१२।१२

पं.३४ मा.शु.११ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	७	६	३	७	११	१०	४
१४	२५	२६	००	०६	००	११	११
५४	०७	३०	१०	०४	५६	३४	३४
०४	५७	४५	५८	२८	४७	११	११
६०	४४	११	३	७५	०	३	३
५१	३३	१२	५६	३२	२२	११	११
अनु	ज्ये	वि	पुन	अनु	पूभा	श	पूफा
४	३	२	४व	१	४	४	२



नक्षत्र युति:- सूर्य अनुरा. २ दिस. ततः ज्येष्ठा.। मंगल ज्येष्ठा.। बुध विशा.। गुरु पुनर्वसौ। शुक्र विशा. २८ नव. ततः अनुरा.। शनि पूभा.। राहु पूभा. २२ नव. ततः (व) शते। केतु पूफा.।
विवाहे पञ्चशलाका वेध:- सूर्य भर. २ दिसं. ततः पुष्ये। मंगल पुष्ये। बुध कृति.। गुरु मूले। शुक्र कृति. २८ नवं. ततः भर.। शनि चित्रा.। राहु चित्रा. २२ नवं. ततः स्वाती। केतु अश्वि.।
अन्यत्र सप्तशलाका वेध:- सूर्य श्लेषा. २ दिसं. ततः पुष्ये। मंगल पुष्ये। बुध धनि.। गुरु मूले। शुक्र धनि. २८ नवं. ततः श्लेषा.। शनि चित्रा.। राहु चित्रा. २२ नवं. ततः स्वाती। केतु अश्वि.।

५ दिसंबर से १९ दिसंबर तक, श्री पौष कृष्णपक्ष संवत २०८२, शाकः १९४७, दिना.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योग.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मित्र	१	शु	४४	३०	२४	५९	रोहि	११	३१	११	४७	सि	२ ५१	३३ ३४	८ २७	५६ २८	बा	११	११	१४	५१	२५ २१	१ १	५ ३०	१४	१३	५	मिथु. २२।१६	७।१८।३०।००	६१।०९
दण्ड	२	श	३५	४३	२१	२९	मृग	४ ४८	५५ ३४	८ ३०	५० ४४	शु	४१	२४	२३	४५	तै	९	५८	११	११	४७	१२	३१	१५	१४	६	मिथु.	७।१९।३१।०९	६१।१०
ध.व.	३	र	२८	०९	१८	२८	पुन	५२	३१	२८	१३	शु	३२	१५	२०	०६	व	९	४५	७	५४	४६	१२	३१	१६	१५	७	कर्क २२।३९	७।२०।३२।२०	६१।११
धाता	४	सो	२२	१३	१६	०६	पुष्य	४९	११	२६	५३	ब्र	२४	२८	१७	००	बा	२२	१३	१६	०६	४५	१३	३१	१७	१६	८	कर्क	७।२१।३३।३१	६१।१२
आनन्द	५	मं	१८	१५	१४	३२	श्ले	४७	५३	२६	२३	ऐ	१८	१६	१४	३२	तै	१८	१५	१४	३२	४३	१४	३१	१८	१७	९	सिंहे २६।२३	७।२२।३४।४३	६१।१३
चर	६	बु	१६	२६	१३	४९	मघा	४८	४४	२६	४४	वै	१३	४४	१२	४४	व	१६	२६	१३	४९	४२	१४	३१	१९	१८	१०	सिंहे	७।२३।३५।५६	६१।१४
गद	७	गु	१६	४९	१३	५९	पूफा	५१	३८	२७	५४	वि	१०	५६	११	३७	ब	१६	४९	१३	५९	४१	१५	३१	२०	१९	११	सिंहे	७।२४।३७।१०	६१।१५
शुभ	८	शु	१९	१४	१४	५७	उफा	५६	२१	२९	४८	प्री	९	४३	११	०९	कौ	१९	१४	१४	५७	४०	१६	३२	२१	२०	१२	कन्या १०।१९	७।२५।३८।२५	६१।१६
मृत्यु	९	श	२३	२५	१६	३८	हस्त	...	...	...	...	आ	९	५०	११	१२	ग	२३	२५	१६	३८	३९	१६	३२	२२	२१	१३	कन्या	७।२६।३९।४१	६१।१७
मानस	१०	र	२८	५३	१८	५०	हस्त	२	२८	८	१६	सौ	११	०१	११	४१	वि	२८	५३	१८	५०	३९	१७	३२	२३	२२	१४	तुला. २१।४०	७।२७।४०।५८	६१।१७
ए.व.	११	सो	३५	०९	२१	२१	चित्रा	९	३४	११	०७	शो	१२	५२	१२	२७	ब	९	५६	८	०४	३८	१८	३३	२४	२३	१५	तुला.	७।२८।४२।१५	६१।१८
ध्वजा	१२	मं	४१	४२	२३	५९	स्वा	१७	०६	१४	०९	अ	१५	०५	१३	२०	कौ	८	२४	१०	४०	३७	१८	३३	२५	२४	१६	तुला.	७।२९।४३।३३	६१।१९
म.व.	१३	बु	४८	०८	२६	३४	विशा	२४	३९	१७	११	सु	१७	१७	१४	१४	ग	१४	५७	१३	१८	३७	१९	३४	२६	२५	१७	वृश्चि. १०।२५	८।००।४४।५२	६१।१९
आनन्द	१४	गु	५४	१२	२९	००	अनु	३१	५६	२०	०६	धृ	११	१८	१५	०२	वि	२१	१४	१५	४९	३६	१९	३४	२७	२६	१८	वृश्चि.	८।०१।४६।११	६१।२०
अमाव.	३०	शु	५९	४३	३१	१३	ज्ये	३८	४३	२२	४९	शू	२०	५७	१५	४३	च	२७	०१	१८	०८	३६	२०	३४	२८	२७	१९	धनु. २२।४९	८।०२।४७।३१	६१।२०

हेमन्ततुं रविर्दक्षिणे मार्गशीर्षकृष्णेति गुर्जराः, दिसंबर २०२५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

[A २०।०६, धनुषि मूले भौमः २०।००

वृश्चिके बुधः २१।५३

भ. ७।५४ उ. १८।२८ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः A

शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ३१।११

अनु. बुधः २७।१३, ज्येष्ठा. शुक्रः १७।०८

भ. १३।४९ उ. २५।४७ या.

शुक्रास्तः पूर्वस्याम

[B धनुषि मूले शुक्रः ३१।१९

भ. २९।४१ उ.

भ. १८।५० या.

सफला ११ व्र., सुरूप द्वादशी १२, धनुषि मूले रविः २७।५४

धनुषि मूले सौरः १३।४५

भ. २६।३४ उ., प्रदोषः

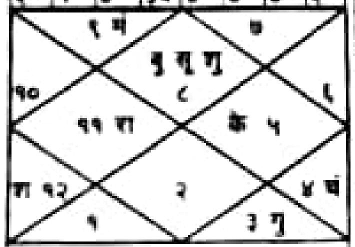
भ. १५।४९ या., मासिकशिवरात्री व्र.

देवपितृकार्येऽमा., कुहूः, ज्येष्ठा. बुधः ३०।३७, B

अयनांशा: २४।१२।१३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

प.३५ पौ.कृ. ४ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	८	७	२	७	११	१०	४
२२	००	०९	२९	१४	०१	१९	१९
००	२०	२०	३९	५३	०१	११	११
२६	५८	३८	४२	१७	३९	५४	५४
६०	४४	६३	५	७५	१	३	३
५९	५५	३०	०९	३४	०८	११	११
ज्ये	मू	वि	पुन	अनु	पूभा	श	पूफा
२	१	४	३व	४	४	४	२



स्प्ट र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. दिन	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन सायं	कर्क रात्री	सिंह रात्री	कन्या रात्री	तुला रात्री	वृश्चिक रात्री	धनु प्रातः	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
७।१८।३७।२३	१ शु	५	२।४३	४।१९	६।१६	८।३१	१०।५१	१।०७	३।२३	५।४२	८।०१	१०।०५	११।४९	१।१७
७।१९।३८।३३	२ श	६	२।३९	४।१६	६।१२	८।२७	१०।४७	१।०३	३।१९	५।३८	७।५७	१०।०२	११।४५	१।१३
७।२०।३९।४३	३ र	७	२।३५	४।१२	६।०८	८।२३	१०।४३	१।००	३।१५	५।३५	७।५३	९।५८	११।४१	१।०९
७।२१।४०।५५	४ चं	८	२।३१	४।०८	६।०४	८।१९	१०।३९	१२।५६	३।११	५।३१	७।४९	९।५४	११।३७	१।०५
७।२२।४२।०७	५ मं	९	२।२७	४।०४	६।००	८।१५	१०।३५	१२।५२	३।०७	५।२७	७।४५	९।५०	११।३३	१।०१
७।२३।४३।२१	६ बु	१०	२।२३	४।००	५।५६	८।११	१०।३१	१२।४८	३।०४	५।२३	७।४१	९।४६	११।२९	१२।५७
७।२४।४४।३५	७ गु	११	२।२०	३।५६	५।५२	८।०७	१०।२७	१२।४४	३।००	५।१९	७।३७	९।४२	११।२५	१२।५४
७।२५।४५।५०	८ शु	१२	२।१६	३।५२	५।४८	८।०३	१०।२३	१२।४०	२।५६	५।१५	७।३३	९।३८	११।२१	१२।५०
७।२६।४७।०६	९ श	१३	२।१२	३।४८	५।४४	७।५९	१०।१९	१२।३६	२।५२	५।११	७।२९	९।३४	११।१७	१२।४६
७।२७।४८।२३	१० र	१४	२।०८	३।४४	५।४०	७।५५	१०।१५	१२।३२	२।४८	५।०७	७।२५	९।३०	११।१३	१२।४२
७।२८।४९।४०	११ चं	१५	२।०४	३।४०	५।३६	७।५१	१०।११	१२।२८	२।४४	५।०३	७।२२	९।२६	११।०९	१२।३८
७।२९।५०।५८	१२ मं	१६	२।००	३।३६	५।३२	७।४७	१०।०७	१२।२४	२।४०	४।५९	७।१८	९।२२	११।०५	१२।३४
८।००।५२।१७	१३ बु	१७	१।५६	३।३२	५।२८	७।४३	१०।०३	१२।२०	२।३६	४।५५	७।१४	९।१८	११।०१	१२।३०
८।०१।५३।३६	१४ गु	१८	१।५२	३।२८	५।२४	७।३९	९।५९	१२।१६	२।३२	४।५१	७।१०	९।१४	१०।५७	१२।२६
८।०२।५४।५७	३० शु	१९	१।४८	३।२४	५।२१	७।३५	९।५५	१२।१२	२।२८	४।४७	७।०६	९।१०	१०।५३	१२।२२

संक्रांति फलम्

ता. १५ दिसंबर २०२५

पौष कृ. ११ चंद्रे धनुष्यर्कः प्र. (स्टै.) टा. २७।५४ वारात् २ नक्षत्रात् ३ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमन वायव्यां दृष्टिः कौलवकरणे प्रविष्टा गर्दभफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं खड्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्टान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजातिः बकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरित्कंचुकी गतालस्कावस्था (उभी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वस्त्र दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं भूमी विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रास्तः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) २७।५४ से भौमे १०।१८ तक । (दान- वस्त्र) ।

अयनांशा: २४।१२।१४

प.३६ पौ.कृ.११ सो. इष्टघटी ०।..							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	८	७	२	७	११	१०	[illegible]
२९	०५	०९	२९	२३	०१	१८	[illegible]
०७	३६	४६	००	४२	११	४९	[illegible]
३४	३०	११	१८	१४	४७	३८	[illegible]
६१	४५	८०	६	७५	१	३	[illegible]
०४	१६	४७	१४	३४	५२	११	[illegible]
ज्ये	मू	अनु	पुन	ज्ये	पूभा	श	[illegible]
४	२	२	३व	३	४	४	[illegible]



नक्षत्र युतिः- सूर्य ज्येष्ठा. १५ दिसं. तः मूले । मंगल ज्येष्ठा. ७ दिसं. तः मूले । बुध विशा. ९ दिसं. तः अनुरा. १९ दिसं. तः ज्येष्ठा. । गुरु पुनर्वसौ । शुक्र अनुरा. ९ दिसं. तः ज्येष्ठा. १९ दिसं. तः मूले । शनि पूभा. । राहु शते । केतु पूफा. ।

विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य पुष्ये १५ दिसं. तः पुनर्वसौ । मंगल पुष्ये ७ दिसं. तः पुनर्वसौ । बुध कृति. ९ दिसं. तः भर. १९ दिसं. तः पुष्ये । गुरु मूले । शुक्र मघ. ९ दिसं. तः पुष्ये १९ दिसं. तः पुनर्वसौ । शनि चित्रा. । राहु स्वाती । केतु अश्वि. ।

अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य पुष्ये १५ दिसं. तः पुनर्वसौ । मंगल पुष्ये ७ दिसं. तः पुनर्वसौ । बुध धनि. ९ दिसं. तः श्लेषा. १९ दिसं. तः पुष्ये । गुरु मूले । शुक्र श्लेषा. ९ दिसं. तः पुष्ये १९ दिसं. तः पुनर्वसौ । शनि चित्रा. । राहु स्वाती । केतु अश्वि. ।

॥ द्व्यशीति-उत्तर द्विसहस्रतमे विक्रमाब्दे (२०८२), कालनाम संवत्सरे, सप्तचत्वारिंशदधिक-एकोनविंशति-शततमे शालिवाहनशकाब्दे (१९४७) ॥

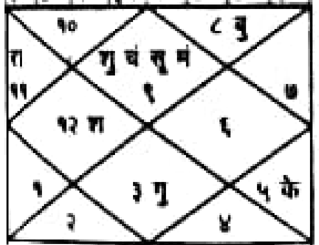
२० दिसंबर से ३ जनवरी तक, श्री पौष शुक्लपक्ष संवत् २०८२, शाक १९४७. दिनश्रु. सू. तारीख

केतकी अहर्गण: ५३७२ हेमन्तर्तु रविर्दक्षिणे दिसं.२०२५-जन.२०२६

योग	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो	घ	प	घं	मि	क	घ	प	घं	मि	दि.	उ	अ	भा	मु	ई	स्टै. चंद्रः	प्रातः सौर र. स्प.	दैनिक गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
गद	१	श	...	...	...	...	मूल	४४	५६	२५	१९	ग	२२	११	१५	१३	कि	३२	१४	२०	१४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	२९	२८	२०	धनु.	८।०३।४८।५१	६१।२१	[C सायन उत्तरायण प्रारम्भ २०।३३
शुभ	१	र	४	३४	९	११	पूषा	५०	३०	२७	३३	वृ	२२	५५	१६	३१	ब	४	३४	९	११	३६	२१	३५	३०	२९	२१	धनु.	८।०४।५०।१२	६१।२१	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), सायन मकरे भानुः, C
मृत्यु	२	सो	८	४४	१०	५१	उषा	५५	२०	२९	२९	ध्रु	२३	०६	१६	३६	कौ	८	४४	१०	५१	३६	२१	३५	१	१	२२	मक. १०।०४	८।०५।५१।३३	६१।२२	मा. पौषारंभः, रह्नव ७, अयन करिदिन
लुम्बक	३	मं	१२	०६	१२	१२	श्रव	५९	११	३१	०५	व्या	२२	४०	१६	२६	ग	१२	०६	१२	१२	३६	२२	३६	२	२	२३	मक.	८।०६।५२।५५	६१।२२	भ. २४।४५ उ.
मित्र	४	बु	१४	३१	१३	११	धनि	...	...	...	...	ह	२१	३०	१५	५८	वि	१४	३१	१३	११	३६	२२	३७	३	३	२४	कुंभे ११।४४	८।०७।५४।१७	६१।२३	भ. १३।११ या., पंचक प्रारम्भः ११।४४
श्रीवत्स	५	गु	१५	५२	१३	४४	धनि	२	१५	८	१७	व	१९	२८	१५	१०	बा	१५	५२	१३	४४	३६	२३	३७	४	४	२५	कुंभे	८।०८।५५।४०	६१।२३	बडादिन, पूषा. भौमः ११।५५
सौम्य	६	शु	१५	५४	१३	४५	शत	४	०१	९	००	सि	१६	२८	१३	५८	तै	१५	५४	१३	४५	३७	२३	३८	५	५	२६	मीने २७।१०	८।०९।५७।०२	६१।२३	[A स्नानारंभः, (व) पुन.-२ गुरुः १६।२५
काल	७	श	१४	३१	१३	१२	पूभा	४	२४	९	०९	व्य	१२	२०	१२	२०	व	१४	३१	१३	१२	३७	२४	३९	६	६	२७	मीने	८।१०।५८।२६	६१।२३	भ. १३।१२ उ. २४।४२ या.
सुस्थिर	८	र	११	३५	१२	०२	उभा	३	१९	८	४४	व	७	००	१०	१२	ब	११	३५	१२	०२	३८	२४	३९	७	७	२८	मीने	८।११।५९।४९	६१।२३	शाकम्भरी यात्रा, पूषा. रविः ३०।०६, धनुषि मूले बुधः ३१।०५
मातङ्ग	९	सो	७	०७	१०	१५	रेव	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	प	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	कौ	७	०७	१०	१५	३९	२४	४०	८	८	२९	मेषे ७।४१	८।१३।०१।१२	६१।२४	पंचक समाप्तिः ७।४१, पूषा. शौरः १४।४५
र.द	१०	मं	१	१२	७	५३	भर	५१	२३	२७	५८	सि	४३	५८	२५	००	ग	१	१२	७	५३	४०	२५	४१	९	९	३०	मेषे	८।१४।०२।३६	६१।२४	भ. १८।३१ उ. २९।०२ या., पुत्रदा ११ व्र.स्मार्त, मन्वादि, B
ध्व	११	मं	५४	०४	२९	०२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[B बुधास्तः पूर्वस्याम् १०।१४, पूषा. शुक्रः २१।२१
र.द	१२	बु	४६	००	२५	४१	कृति	४५	१०	२५	२१	सा	३४	२५	२१	११	ब	२०	०८	१५	२८	४१	२५	४१	१०	१०	३१	वृषे ९।२२	८।१५।०३।५९	६१।२४	पुत्रदा ११ व्र.वैष्ण.
म.द	१३	गु	३७	२४	२२	२३	रोहि	३८	२४	२२	४७	शु	२४	२१	१७	१०	कौ	११	४४	१२	०७	४२	२५	४२	११	११	१	वृषे	८।१६।०५।२३	६१।२४	प्रदोषः, जनवरी १ ता. ३१ सन २०२६ ई.
मानस	१४	शु	२८	४२	१८	५४	मृग	३१	३२	२०	०२	शु	१४	०५	१३	०४	ग	३	०१	८	३८	४३	२६	४३	१२	१२	२	मिथु. ९।२४	८।१७।०६।४७	६१।२४	भ. १८।५४ उ. २९।१२ या.
पूर्णिमा	१५	श	२०	२०	१५	३४	आर्द्रा	२५	०३	१७	२७	ब्र	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	ब	२०	२०	१५	३४	४४	२६	४३	१३	१३	३	मिथु.	८।१८।०८।११	६१।२४	पूर्णिमा व्रतपुण्यज्व, शाकंभरी जयंती, माघ A

अयनांशाः २४।१२।१५

द ३७ पौ.शु. २ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	८	७	२	८	११	१०	४
०६	१०	१९	२८	०२	०१	१८	१८
१५	५४	३६	१४	३१	२७	२७	२७
१७	२५	०२	००	१३	०१	२२	२२
६१	४५	८७	७	७५	२	३	३
०८	३६	४७	०६	३४	३५	११	११
मू	मू	ज्ये	पुन	मू	पूभा	श	पूफा
२	४	१	३व	१	४	४	२



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

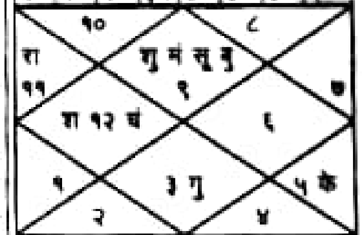
ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. दिस	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन सायं	कर्क रात्री	सिंह रात्री	कन्या रात्री	तुला रात्री	वृश्चिक रात्री	धनु प्रातः	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०८।०३।५६।१७	१ श	२०	१।४४	३।२०	५।१७	७।३१	९।५१	१२।०८	२।२४	४।४३	७।०२	९।०६	१०।५०	१२।१८
०८।०४।५७।३८	१ र	२१	१।४०	३।१६	५।१३	७।२७	९।४७	१२।०४	२।२०	४।३९	६।५८	९।०२	१०।४६	१२।१४
०८।०५।५९।००	२ चं	२२	१।३६	३।१२	५।०९	७।२३	९।४४	१२।००	२।१६	४।३५	६।५४	८।५८	१०।४२	१२।१०
०८।०७।००।२१	३ मं	२३	१।३२	३।०८	५।०५	७।२०	९।४०	११।५६	२।१२	४।३१	६।५०	८।५४	१०।३८	१२।०६
०८।०८।०१।४४	४ बु	२४	१।२८	३।०५	५।०१	७।१६	९।३६	११।५३	२।०८	४।२७	६।४६	८।५१	१०।३४	१२।०२
०८।०९।०३।०६	५ गु	२५	१।२४	३।०१	४।५७	७।१२	९।३२	११।४९	२।०४	४।२४	६।४२	८।४७	१०।३०	११।५८
०८।१०।०४।२९	६ शु	२६	१।२०	२।५७	४।५३	७।०८	९।२८	११।४५	२।००	४।२०	६।३८	८।४३	१०।२६	११।५४
०८।११।०५।५२	७ श	२७	१।१६	२।५३	४।४९	७।०४	९।२४	११।४१	१।५७	४।१६	६।३४	८।३९	१०।२२	११।५०
०८।१२।०७।१६	८ र	२८	१।१२	२।४९	४।४५	७।००	९।२०	११।३७	१।५३	४।१२	६।३०	८।३५	१०।१८	११।४६
०८।१३।०८।३९	९ चं	२९	१।०९	२।४५	४।४१	६।५६	९।१६	११।३३	१।४९	४।०८	६।२६	८।३१	१०।१४	११।४३
०८।१४।१०।०३	१० मं	३०	१।०५	२।४१	४।३७	६।५२	९।१२	११।२९	१।४५	४।०४	६।२२	८।२७	१०।१०	११।३९
०८।१५।११।२७	१२ बु	३१	१।०१	२।३७	४।३३	६।४८	९।०८	११।२५	१।४१	४।००	६।१८	८।२३	१०।०६	११।३५
०८।१६।१२।५१	१३ गु	१	१२।५७	२।३३	४।२९	६।४४	९।०४	११।२१	१।३७	३।५६	६।१४	८।१९	१०।०२	११।३१
०८।१७।१४।१५	१४ शु	२	१२।५३	२।२९	४।२५	६।४०	९।००	११।१७	१।३३	३।५२	६।११	८।१५	९।५८	११।२७
०८।१८।१५।३८	१५ श	३	१२।४९	२।२५	४।२१	६।३६	८।५६	११।१३	१।२९	३।४८	६।०७	८।११	९।५४	११।२३

मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो और पांच शनिवार होने से महंगाई हो। पौष कृष्णा प्रतिपदा में रोहिणी होने से धान्य के भावों में तेजी हो और राजनीति प्रभावित हो। पौष की कृ.नौमी को शनिवार होने से अन्नादि भावों में समर्घता हो। शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो और खेती में बहुत उपद्रव हों तथा चोरों के उपद्रव भी नित्य रहें। अमावस्या ज्येष्ठा योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी है। शुक्ला प्रतिपदा की वृद्धि होने से सुभिक्ष हो। पूर्णिमा आर्द्रा युक्त होने से महर्घता हो। पूर्णिमा शनिवार युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। सोमवार की सक्रांति होने से दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणे की वस्तुएं तेज हो, लोक, महाजन प्रसन्न हो, प्रजा में सद्भाव अधिक हो।

अयनांशाः २४।१२।१६

पं.३८ पौ.शु. ९ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	८	८	२	८	११	१०	४
१३	१६	००	२७	११	०१	१८	१८
२३	१४	०१	२२	२०	४७	०५	०५
२०	३३	११	२०	०८	१२	०७	०७
६१	४५	९०	७	७५	३	३	३
१०	५४	५५	४३	३३	१६	११	११
पूषा	पूषा	मू	पुन	मू	पूभा	श	पूफा
१	१	१	३व	४	४	४	२



नक्षत्र युतिः- सूर्य मूले २८ दिसं. तः पूषा.। मंगल मूले २५ दिसं. तः पूषा.। बुध ज्येष्ठा. २८ दिसं. तः मूले। गुरु पुनर्वसौ। शुक्र मूले ३० दिसं. तः पूषा.। शनि पूभा.। राहु शते। केतु पूफा.।

विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य पुनर्वसौ २८ दिसं. तः आर्द्रा.। मंगल पुनर्वसौ २५ दिसं. तः आर्द्रा.। बुध पुष्ये २८ दिसं. तः पुनर्वसौ। गुरु मूले। शुक्र पुनर्वसौ ३० दिसं. तः आर्द्रा.। शनि चित्रा.। राहु स्वाती। केतु अश्वि.।

अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य पुनर्वसौ २८ दिसं. तः आर्द्रा.। मंगल पुनर्वसौ २५ दिसं. तः आर्द्रा.। बुध पुष्ये २८ दिसं. तः पुनर्वसौ। गुरु मूले। शुक्र पुनर्वसौ ३० दिसं. तः आर्द्रा.। शनि चित्रा.। राहु स्वाती। केतु अश्वि.।

६

४ जनवरी से १८ जनवरी तक, श्री माघ कृष्णपक्ष संवत् २०८२, शाक: १९४७, शिशिरऋ. गु. तारीख																												स्टै.	प्रात:	दैनिक	शिशिरर्तु रविरुत्तरे पोषकृष्णोति गुर्जरा:, जनवरी २०२६
योग	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	ध ग	उ.	अ.	भा.	मु.	इ.	चंद्र:	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे सदा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
ध्वजा	१	र	१२	४५	१२	३२	पुन	१९	२३	१५	११	वै	४५	४८	२५	४५	कौ	१२	४५	१२	३२	२५/४६	७/२६	५/४४	१४	१४	४	कर्क ९।४३	८।१९।०९।३४	६१।२३	[C पूषा. बुध: २३।३३
धाता	२	सो	६	२४	१०	००	पुष्य	१४	५८	१३	२५	वि	३८	१९	२२	४६	ग	६	२४	१०	००	४६	२६	४५	१५	१५	५	कर्क	८।२०।१०।५८	६१।२३	भ. २०।५७ उ.
प.व.	३	म	१	३८	८	०५	श्ले	१२	११	१२	१९	प्री	३२	१४	२०	२०	वि	१	३८	८	०५	४८	२६	४५	१६	१६	६	सिंहे १२।१९	८।२१।१२।२१	६१।२३	भ. ८।०५ या., तिल्कुटी ४ चन्द्रोदय: २१।०४, A
ध्व:	४	मं	५८	४४	३०	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A सौभाग्य सुन्दरी व्र., संकट हरगणपति व्र., गौरी चतुर्थी,
चर	५	बु	५७	५४	३०	३६	मघा	११	१६	११	५७	आ	२७	४२	१८	३१	कौ	२८	०३	१८	३९	५०	२६	४६	१७	१७	७	सिंहे	८।२२।१३।४४	६१।२३	[B उत्तरायनारंभ:, मकर सक्रान्ति पर्व
गद	६	गु	५१	०९	३१	०६	पूफा	१२	२२	१२	२३	सौ	२४	४९	१७	२२	ग	२८	१५	१८	४५	५१	२७	४७	१८	१८	८	कन्या १८।३८	८।२३।१५।०७	६१।२३	भ. ३१।०६ उ.
शुभ	७	शु	...	...	...	...	उफा	१५	२८	१३	३८	शो	२३	२९	१६	५०	वि	३०	३१	१९	३९	५३	२७	४८	१९	१९	९	कन्या	८।२४।१६।३०	६१।२२	भ. १९।३९ या.
मृत्यु	७	श	२	२१	८	२३	हस्त	२०	२२	१५	३६	अ	२३	३३	१६	५२	व	२	२१	८	२३	५५	२७	४९	२०	२०	१०	तुला. २८।४८	८।२५।१७।५२	६१।२२	स्वामी विवेकानन्द जयंती, उषा. शुक्र: ११।४४
पद्म	८	र	७	१०	१०	१९	चित्रा	२६	४३	१८	०८	सु	२४	४५	१७	२१	कौ	७	१०	१०	१९	५७	२७	४९	२१	२१	११	तुला.	८।२६।१९।१४	६१।२२	उषा. रवि: ८।०३ (सौर: १५।३४), उषा. भौम: २०।४३
छत्र	९	सो	१३	१०	१२	४२	स्वा	३३	५९	२१	०२	धृ	२६	४०	१८	०७	ग	१३	१०	१२	४२	५९	२७	५०	२२	२२	१२	तुला.	८।२७।२०।३६	६१।२१	भ. २६।०० उ., मकरे शुक्र: २७।१८
श्रीवत्स	१०	म	१९	४३	१५	२०	विशा	४१	३७	२४	०५	शू	२८	५५	१९	०१	वि	१९	४३	१५	२०	२६/०१	२७	५१	२३	२३	१३	वृश्चि. १७।२०	८।२८।२१।५७	६१।२१	भ. १५।२० या. [D सक्रान्ति करिदिन
ए.व.	११	बु	२६	१३	१७	५६	अनु	४९	०३	२७	०४	ग	३१	०६	११	५३	बा	२६	१३	१७	५६	०३	२७	५२	२४	२४	१४	वृश्चि.	८।२९।२३।१८	६१।२०	षट्तिला ११ व्र., मकरे रवि: १४।३४ (सौर: २१।४८), निरयन
काल	१२	गु	३२	१४	२०	२०	ज्ये	५५	५३	२९	४८	वृ	३२	५३	२०	३६	तै	३२	१४	२०	२०	०५	२६	५३	२५	२५	१५	धनु. २९।४८	९।००।२४।३८	६१।२०	तिल द्वादशी, मकरे भौम: २८।०१, उषा. बुध: ९।०६, D
प.व.	१३	शु	३७	२५	२२	२४	मूल	...	...	...	...	ध्रु	३४	०३	२१	०३	ग	४	५७	९	२५	०७	२६	५३	२६	२६	१६	धनु.	९।०१।२५।५८	६१।१९	भ. २२।२४ उ., प्रदोष:, मासिकशिवरात्री व्र.
गद	१४	श	४१	३७	२४	०५	मूल	१	५२	८	११	व्या	३४	२९	२१	१४	वि	१	३८	११	१७	१०	२६	५४	२७	२७	१७	धनु.	९।०२।२७।१७	६१।१९	भ. ११।१७ या., मकरे बुध: १०।०१
अमाव.	३०	र	४४	४८	२५	२१	पूषा	६	५४	१०	१२	ह	३४	०९	२१	०६	च	१३	२०	१२	४६	१२	२६	५५	२८	२८	१८	मक. १६।३८	९।०३।२८।३५	६१।१८	देवपितृकार्येऽमा., मौनी ३०, युगादि

अयनांशा: २४।१२।१७

पं.३९ मा.कृ. २ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	८	८	२	८	११	१०	४
२०	२१	१०	२६	२०	०२	१७	१७
३१	३६	४४	२६	०८	१२	४२	४२
३१	४३	१०	५९	५६	२३	५१	५१
६१	४६	९३	८	७५	३	३	३
१०	११	०७	०२	३२	५५	११	११
पूषा	पूषा	मू	पुन	पूषा	पूभा	श	पूफा
३	३	४	२व	३	४	४	२



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रात:	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	प्रात:	दिवा	दिवा
०८।१९।१७।०२	१ र	४	१२।४५	२।२१	४।१७	६।३२	८।५२	११।०९	१।२५	३।४४	६।०३	८।०७	९।५०	११।१९
०८।२०।१८।२६	२ चं	५	१२।४१	२।१७	४।१३	६।२८	८।४८	११।०५	१।२१	३।४०	५।५९	८।०३	९।४६	११।१५
०८।२१।१९।४९	३ मं	६	१२।३७	२।१३	४।१०	६।२४	८।४४	११।०१	१।१७	३।३६	५।५५	७।५९	९।४२	११।११
०८।२२।२१।१२	५ बु	७	१२।३३	२।०९	४।०६	६।२०	८।४०	१०।५७	१।१३	३।३२	५।५१	७।५५	९।३९	११।०७
०८।२३।२२।३५	६ गु	८	१२।२९	२।०५	४।०२	६।१६	८।३७	१०।५३	१।०९	३।२८	५।४७	७।५१	९।३५	११।०३
०८।२४।२३।५८	७ शु	९	१२।२५	२।०१	३।५८	६।१३	८।३३	१०।४९	१।०५	३।२४	५।४३	७।४७	९।३१	१०।५९
०८।२५।२५।२०	७ श	१०	१२।२१	१।५७	३।५४	६।०९	८।२९	१०।४५	१।०१	३।२०	५।३९	७।४३	९।२७	१०।५५
०८।२६।२६।४२	८ र	११	१२।१७	१।५४	३।५०	६।०५	८।२५	१०।४२	१२।५७	३।१६	५।३५	७।४०	९।२३	१०।५१
०८।२७।२८।०४	९ चं	१२	१२।१३	१।५०	३।४६	६।०१	८।२१	१०।३८	१२।५३	३।१३	५।३१	७।३६	९।१९	१०।४८
०८।२८।२९।२५	१० मं	१३	१२।०९	१।४६	३।४२	५।५७	८।१७	१०।३४	१२।४९	३।०९	५।२७	७।३२	९।१५	१०।४३
०८।२९।३०।४६	११ बु	१४	१२।०५	१।४२	३।३८	५।५३	८।१३	१०।३०	१२।४६	३।०५	५।२३	७।२८	९।११	१०।३९
०९।००।३२।०६	१२ गु	१५	१२।०२	१।३८	३।३४	५।४९	८।०९	१०।२६	१२।४२	३।०१	५।१९	७।२४	९।०७	१०।३५
०९।०१।३३।२६	१३ शु	१६	११।५८	१।३४	३।३०	५।४५	८।०५	१०।२२	१२।३८	२।५७	५।१५	७।२०	९।०३	१०।३२
०९।०२।३४।४५	१४ श	१७	११।५४	१।३०	३।२६	५।४१	८।०१	१०।१८	१२।३४	२।५३	५।११	७।१६	८।५९	१०।२८
०९।०३।३६।०४	३० र	१८	११।५०	१।२६	३।२२	५।३७	७।५७	१०।१४	१२।३०	२।४९	५।०७	७।१२	८।५५	१०।२४

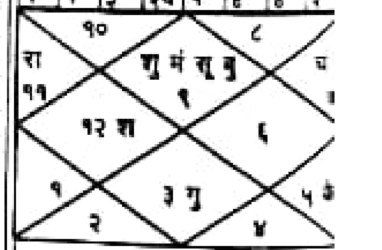
संक्रांति फलम्

ता. १४ जनवरी २०२६

माघ कृ. ११ बुधे मकरेऽर्क: प्र. (स्टै.) टा. १४।३४ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टि: बालवकरणे प्रविष्ट। मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजाति: जातिपुष्पं कंकणभूषणं वर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वस्त्र दक्षिणे राहू पूर्वे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रास्त: पूर्वस्याम् । पुण्यकाल: (स्टै.) १४।३४ से ३०।३४ तक । (दान- काष्ट - अन्न) ।

अयनांशा: २४।१२।१८

पं.४० मा.कृ. ९ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	८	८	२	८	११	१०	४
२७	२७	२१	२५	२८	०२	१७	[illegible]
३९	००	४३	३०	५७	४१	२०	[illegible]
३७	४४	५३	२२	३१	३७	३५	[illegible]
६१	४६	९५	८	७५	४	३	३
०८	२६	५७	०५	२९	३१	११	[illegible]
उषा	उषा	पूषा	पुन	उषा	पूषा	श	पू[illegible]
१	१	३	२व	१	४	४	२



नक्षत्र युति:- सूर्य पूषा. ११ जन. त: उषा. । मंगल पूषा. ११ जन. त: उषा. । बुध मूले ६ जन. त: पूषा. १५ जन. त: उषा. । गुरु पुनर्वसौ । शुक्र पूषा. १० जन. त: उषा. १८ जन. त: अभि. । शनि पूभा. । राहू शते । केतु पूफा. ।

विवाहे पञ्चशलाका वेध:- सूर्य आर्द्रा ११ जन. त: मृगे । मंगल आर्द्रा.११ जन. त: मृगे । बुध पुनर्वसौ ६ जन. त: आर्द्रा.१५ जन. त: मृगे । गुरु मूले । शुक्र आर्द्रा.१० जन. त: मृगे १८ जन. त: रोहि.। शनि चित्रा.। राहू स्वाती । केतु अभि ।

अन्यत्र सप्तशलाका वेध:- सूर्य आर्द्रा.११ जन. त: मृगे । मंगल आर्द्रा.११ जन. त: मृगे । बुध पुनर्वसौ ६ जन. त: आर्द्रा.१५ जन. त: मृगे । गुरु मूले । शुक्र आर्द्रा.१० जन.त: मृगे १८ जन. त: रोहि.। शनि चित्रा.। राहू स्वाती । केतु अभि ।

॥ द्व्यशीति-उत्तर-द्विसहस्रतमे विक्रमाब्दे (२०८२), कालनाम संवत्सरे, सप्तचत्वारिंशदधिक-एकोनविंशति-शततमे शालिवाहनशकाब्दे (१९४७) ॥

१९ जनवरी से १ फरवरी तक, श्री माघ शुक्लपक्ष संवत् २०८२, शाक. १९४७, दि.गु. गु. तारीख स्टै. प्रात: दैनिक

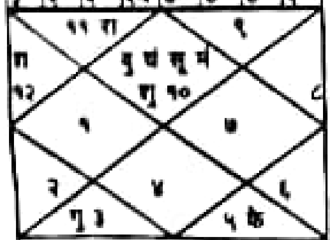
केतकी अहर्गण: ५४०२ शिशिरर्तु रविसत्तरे, जनवरी-फरवरी २०२६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

योगा	ति	वा	घ	प	घं	मि	नक्षत्र	घ	प	घं	मि	यो	घ	प	घं	मि	क	घ	प	घं	मि	दि.	उ	अं.	मा.	मु.	इ.	चंद्र:	सौर र. स्प	गति	
काण	१	सो	४७	००	२६	१४	उषा	१०	५८	११	४९	व	३३	०४	२०	४०	कि	१६	०१	१३	१०	२६/४३	७/२८	६/३६	२९	२९	१९	मक.	१|०४|२९|५३	६|१|१७	श्री वल्लभ जयंती, सायन कुंभे भानु: ३१|०७
लुब्धक	२	मं	४८	१२	२६	४३	श्रव	१४	०५	१३	०४	सि	३१	११	११	५६	बा	१७	४३	१४	३१	१७	२६	५७	३०	३०	२०	कुंभे २५|३२	१|०५|३१|१०	६|१|१६	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), पंचक प्रारम्भ: २५|३२, अभि.प्र.रवि: B
सिद्ध	३	बु	४८	२८	२६	४९	धनि	१६	१६	१३	५६	व्य	२८	४२	१८	५४	तै	१८	२८	१४	४८	२०	२५	५७	१	१	२१	कुंभे	१|०६|३२|२६	६|१|१६	भा. माघारंभ:, सायान ८, अभि.प्र. सौर: १०|२३
वज्र	४	गु	४७	४१	२६	३१	शत	१७	३३	१४	२६	व	२५	२५	१७	३५	व	१८	५१	१४	४३	२३	२५	५८	२	२	२२	कुंभे	१|०७|३३|४२	६|१|१५	म. १४|४३ उ. २६|३१ वा., वरद (कुंद) ४, तिल चतुर्थी
प्रजात	५	शु	४६	०३	२५	१०	पूभा	१७	५२	१४	३४	प	२१	२१	१५	५७	ब	१७	०२	१४	१४	२६	२५	५९	३	३	२३	मीने ८|३४	१|०८|३४|५७	६|१|१४	वसन्त पञ्चमी, नेताजी जयन्ती, श्रव. बुध: १|५२
धूम्र	६	श	४३	२१	२४	४१	उभा	१७	१३	१४	१८	शि	१६	३१	१४	०१	कौ	१४	५०	१३	२१	२१	२५	६/००	४	४	२४	मीने	१|०९|३६|११	६|१|१३	श्रव. रवि: १०|१८ (सौर: १६|४१), अभि.नि. रवि: ३१|१७, D
वर्धमान	७	र	३९	३८	२३	११	रेव	११	३४	१३	३८	सि	१०	५३	११	४६	ग	११	३७	१२	०३	३१	२४	०१	५	५	२५	मेषे १३|३८	१|१०|३७|२४	६|१|१२	म.२३|१५उ., पंचक समाप्ति: १३|३८, मन्वादि, पुत्र ७, रथ ७, A
राक्षस	८	सो	३४	५६	२१	२२	अश्वि	१२	५७	१२	३४	सा	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	वि	७	२४	१०	२१	३४	२४	०२	६	६	२६	मेषे	१|११|३८|३६	६|१|११	म. १०|२१ वा., भीष्माष्टमी, गणराज्यदिवस
मुसल	९	मं	२९	२२	१९	०८	भर	९	२५	११	०९	शु	४९	२७	२७	१०	बा	२	१६	८	१८	३७	२३	०२	७	७	२७	वृषे १६|४५	१|१२|३९|४७	६|१|१०	[B २७|४१, श्रव. शुक्र: २६|०७, उभा.-१ शनि: ७|३९
सिद्धि	१०	बु	२३	०६	१६	३७	कृति	५	०८	९	२६	ब्र	४१	०८	२३	५०	ग	२३	०६	१६	३७	४१	२३	०३	८	८	२८	वृषे	१|१३|४०|५७	६|१|०९	म. २७|१७ उ., श्रव. भौम: २४|११, (व) पुन.-१ गुरु: २९|४०
ए.व	११	गु	१६	२३	१३	५६	रोहि	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	ऐ	३२	३१	२०	२३	वि	१६	२३	१३	५६	४४	२३	०४	९	९	२९	मिथु. १८|२८	१|१४|४२|०६	६|१|०८	म. १३|५६ वा., जया ११ व्र., भीष्मद्वादशी
प्र.ब	१२	शु	९	२७	११	०९	आर्द्रा	५०	०६	२७	२१	वै	२३	४९	१६	५४	बा	९	२७	११	०९	४७	२२	०५	१०	१०	३०	मिथु.	१|१५|४३|१४	६|१|०७	प्रदोष:, कल्पादि, घनि. बुध: २६|३६
छत्र	१३	श	२	४०	८	२१	पुन	४१	२६	२५	३२	वि	११	१८	१३	२९	तै	२	४०	८	२४	५०	२२	०६	११	११	३१	कर्क ११|५९	१|१६|४४|२१	६|१|०६	म. २९|५३ उ., घनि. शुक्र: १६|४६ [C फरवरी २ ता. २८
क्षय:	१४	श	५६	२०	२९	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A अचला ७, भानु सप्तमी, विजया ७, अभि.नि. सौर: १३|३९
पूर्णिमा	१५	र	५०	५०	२७	४१	पुष्य	४१	३०	२३	५७	प्री	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	वि	२३	२८	१६	४४	५३	२१	०६	१२	१२	१	कर्क	१|१७|४५|२७	६|१|०५	म. १६|४४ वा., पूर्णिमा व्रतपुण्यस्य, माघ स्नान पूर्ति:, C
																															[D शत.-३ राहु: २५|५१, पूफा.-१ केतु: २५|५१

अयनांशा: २४|१२|१९

पं.४१ मा.शु. १ सो. इष्टघटी ०|००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	१	१	२	१	११	१०	४
०४	०२	०३	२४	०७	०३	१६	१६
४७	२६	०६	३४	४५	१४	५८	५८
२३	२३	४५	२०	४९	५३	२०	२०
६१	४६	९९	७	७५	५	३	३
०४	३९	४९	५०	२६	०४	११	११
उषा	उषा	उषा	पुन	उषा	पूभा	श	पूफा
३	२	२	२व	४	४	४	२



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

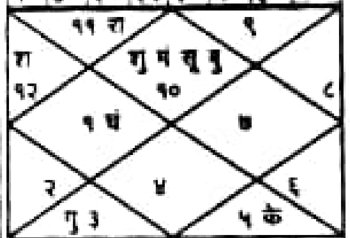
ग्रह र. स्प. प्रात:	वार तिथि	ता. जन.	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क सायं	सिंह रात्री	कन्या रात्री	तुला रात्री	वृश्चिक रात्री	धनु रात्री	मकर प्रात:	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०९|०४|३७|२१	१ चं	१९	११|४६	९|२२	३|१८	५|३३	७|५३	१०|१०	१२|२६	२|४५	५|०४	७|०८	८|५१	१०|२७
०९|०५|३८|३८	२ मं	२०	११|४२	९|१८	३|१४	५|२९	७|४९	१०|०६	१२|२२	२|४१	५|००	७|०४	८|४७	१०|१९
०९|०६|३९|५५	३ बु	२१	११|३८	९|१४	३|१०	५|२५	७|४५	१०|०२	१२|१८	२|३७	४|५६	७|००	८|४३	१०|१२
०९|०७|४१|१०	४ गु	२२	११|३४	९|१०	३|०६	५|२१	७|४१	९|५८	१२|१४	२|३३	४|५२	६|५६	८|३९	१०|०८
०९|०८|४२|२५	५ शु	२३	११|३०	९|०६	३|०३	५|१७	७|३७	९|५४	१२|१०	२|२९	४|४८	६|५२	८|३५	१०|०४
०९|०९|४३|३९	६ श	२४	११|२६	९|०२	२|५९	५|१३	७|३३	९|५०	१२|०६	२|२५	४|४४	६|४८	८|३२	१०|००
०९|१०|४४|५२	७ र	२५	११|२२	१२|५८	२|५५	५|०९	७|३०	९|४६	१२|०२	२|२१	४|४०	६|४४	८|२८	९|५६
०९|११|४६|०४	८ चं	२६	११|१८	१२|५४	२|५१	५|०५	७|२६	९|४२	११|५८	२|१७	४|३६	६|४०	८|२४	९|५२
०९|१२|४७|१५	९ मं	२७	११|१४	१२|५०	२|४७	५|०२	७|२२	९|३८	११|५४	२|१३	४|३२	६|३६	८|२०	९|४८
०९|१३|४८|२५	१० बु	२८	११|१०	१२|४७	२|४३	४|५८	७|१८	९|३५	११|५०	२|०९	४|२८	६|३३	८|१६	९|४४
०९|१४|४९|३४	११ गु	२९	११|०६	१२|४३	२|३९	४|५४	७|१४	९|३१	११|४६	२|०६	४|२४	६|२९	८|१२	९|४०
०९|१५|५०|४२	१२ शु	३०	११|०२	१२|३९	२|३५	४|५०	७|१०	९|२७	११|४२	२|०२	४|२०	६|२५	८|०८	९|३६
०९|१६|५१|४९	१३ श	३१	१०|५८	१२|३५	२|३१	४|४६	७|०६	९|२३	११|३९	१|५८	४|१६	६|२१	८|०४	९|३२
०९|१७|५२|५५	१५ र	१	१०|५५	१२|३१	२|२७	४|४२	७|०२	९|१९	११|३५	१|५४	४|१२	६|१७	८|००	९|२८

मास फलम्

इस माह में पांच रविवार नेष्ट फलप्रद है ॥ एकमासे रवेर्वारा: पंचनस्यु: शुभावहा: ॥ अमावस को रविवार होने से सन्ताप, अर्थनाश, क्लेश और राजदु:ख की पीड़ा हो। अमावस्या पूर्वाषाढ़ा योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी है। माघ शुक्ला प्रतिपदा को गुरुवार होने से सुभिक्ष हो। माघ शुक्ला सप्तमी रविवार होने से दुर्भिक्ष हो। माघ शुक्लाष्टमी को कृतिका न होने से फागुण में रोली लगे और श्रावण में सूखा रहे। पूर्णिमा पुष्य युक्त होने से महर्घता हो। पूर्णिमा रविवार और पुष्य युक्त होने से धन की हानि हो। माघ की पूर्णिमा को मघा का अभाव होने से महर्घता हो। बुधवार की संक्रांति होने से रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, चतुर्मास में वर्षा कम हो।

अयनांशा: २४|१२|२०

पं.४२ मा.शु. ८ सो. इष्टघटी ०|००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	१	१	२	१	११	१०	४
११	०७	१४	२३	१६	०३	१६	१६
५४	५३	५७	४१	३३	५१	३६	३६
३८	२९	३८	०२	४२	५१	०५	०५
६०	४६	१०३	७	७५	५	३	३
५९	५०	४६	१७	२२	३४	११	११
श्र	उषा	श्र	पुन	श्र	उभा	श	पूफा
१	४	२	२व	२	१	३	१



[illegible] कुण्डली:- सूर्य [illegible] । मंगल [illegible] । बुध [illegible] । गुरु [illegible] । शुक्र [illegible] । शनि [illegible] । राहु [illegible] । केतु [illegible] ।

[illegible]:- सूर्य [illegible] । मंगल [illegible] । बुध [illegible] । गुरु [illegible] । शुक्र [illegible] । शनि [illegible] । राहु [illegible] । केतु [illegible] ।

[illegible]:- सूर्य [illegible] । मंगल [illegible] । बुध [illegible] । गुरु [illegible] । शुक्र [illegible] । शनि [illegible] । राहु [illegible] । केतु [illegible] ।

२ फरवरी से १७ फरवरी तक. श्री फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत २०८२, शाकः १९४७, दिन सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

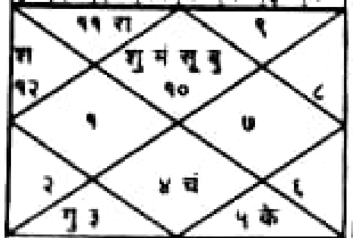
योगा	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.न.	उ.	अ.	मा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सौम्य	१	सो	४६	२७	२५	५५	श्ले	३८	३८	२२	४८	सौ	५३	२६	२८	४३	बा	१८	३०	१४	४४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	१३	१३	२	सिंहे २२।४८	९।१८।४६।३१	६१।०३
काल	२	म	४३	३१	२४	४४	मघा	३७	०७	२२	११	शो	४८	११	२६	३७	तै	१४	४८	१३	१५	[illegible]	२०	०८	१४	१४	३	सिंहे	९।१९।४७।३५	६१।०२
सुस्थिर	३	बु	४२	११	२४	१२	पूफा	३७	११	२२	१२	अ	४४	१३	२५	०१	व	१२	३९	१२	२३	०४	१९	०९	१५	१५	४	कन्या २८।१९	९।२०।४८।३७	६१।०१
ध.ब.	४	गु	४२	४०	२४	२३	उफा	३८	५९	२२	५४	सु	४१	३१	२३	५८	ब	१२	१३	१२	१२	०७	११	१०	१६	१६	५	कन्या	९।२१।४९।३८	६१।००
अमृत	५	शु	४४	५६	२५	१६	हस्त	४२	३१	२४	११	धृ	४०	२१	२३	३०	कौ	१३	३६	१२	४४	११	१८	१०	१७	१७	६	कन्या	९।२२।५०।३७	६०।५८
काण	६	श	४८	५४	२६	५१	चित्रा	४७	४१	२६	२२	शू	४०	३४	२३	३१	ग	१६	४४	१३	५९	१४	१८	११	१८	१८	७	तुला. १३।१६	९।२३।५१।३५	६०।५७
लुम्बक	७	र	५४	१५	२८	५९	स्वा	५४	१०	२८	५७	ग	४१	४६	२३	५९	वि	२१	२७	१५	५२	१८	१७	१२	१९	१९	८	तुला.	९।२४।५२।३२	६०।५५
मित्र	८	सो	…	…	…	…	विशा	…	…	…	…	वृ	४३	४२	२४	४५	बा	२७	१८	१८	११	२१	१६	१३	२०	२०	९	वृश्चि. २५।०७	९।२५।५३।२८	६०।५४
श्रीवत्स	८	मं	०	३०	७	२८	विशा	१	३१	७	५२	धु	४५	५५	२५	३७	कौ	०	३०	७	२८	२५	१५	१३	२१	२१	१०	वृश्चि.	९।२६।५४।२२	६०।५३
सौम्य	९	बु	६	५८	१०	०२	अनु	९	०४	१०	५२	व्या	४८	०१	२६	२७	ग	६	५८	१०	०२	२९	१५	१४	२२	२२	११	वृश्चि.	९।२७।५५।१४	६०।५१
काल	१०	गु	१३	०४	१२	२८	ज्ये	१६	१४	१३	४३	ह	४९	३४	२७	०४	वि	१३	०४	१२	२८	३३	१४	१५	२३	२३	१२	धनु. १३।४३	९।२८।५६।०५	६०।५०
ए.ब.	११	शु	१८	१५	१४	३१	मूल	२२	३१	१६	१४	व	५०	१८	२७	२०	बा	१८	१५	१४	३१	३६	१३	१६	२४	२४	१३	धनु.	९।२९।५६।५५	६०।४८
प्र.ब.	१२	श	२२	११	१६	०५	पूषा	२७	३८	१८	१६	सि	५०	०३	२७	१३	तै	२२	११	१६	०५	४०	१२	१६	२५	२५	१४	मक. २४।४१	१०।००।५७।४३	६०।४६
शिवरा.	१३	र	२४	४६	१७	०६	उषा	३१	२५	१९	४६	व्य	४८	४४	२६	४१	व	२४	४६	१७	०६	४४	१२	१७	२६	२६	१५	मक.	१०।०१।५८।२९	६०।४५
सिद्धि	१४	सो	२५	५७	१७	३४	श्रव	३३	५३	२०	४४	व	४६	२२	२५	४३	श	२५	५७	१७	३४	४८	११	१८	२७	२७	१६	मक.	१०।०२।५९।१४	६०।४३
अमाव.	३०	मं	२५	५०	१७	३०	धनि	३५	०६	२१	१२	प	४३	०१	२४	२२	ना	२५	५०	१७	३०	५२	१०	१९	२८	२८	१७	कुंभे ९।०२	१०।०३।५९।५७	६०।४२

शिशिरर्तु रविरुत्तरे माघकृष्णेति गुर्जराः, फरवरी २०२६,
यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[B बुधोदयः पश्चिमायाम् ८।५२
कुंभे बुधः २१।१२
भ. १२।२३ उ. २४।१२ वा., शुक्रोदयः पश्चिमायाम् १०।२८
चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।४३, कुंभे A
धनि. रविः १३।२५ (सौरः १८।५२), B
भ. २६।५१ उ., शत. बुधः १६।०५
भ. १५।५२ वा.
[A शुक्रः २४।१५
अनुरा. रे. ८ SIIIIIISII रात्री लग्न ७
भ. २३।१७ उ., रामदास ९, शत. शुक्रः ७।५१
भ. १२।२८ वा., कुंभे रविः २७।२७
विजया ११ व्र., कुंभे सौरः ८।२६
प्रदोषः, धनि. भौमः २४।०८
भ. १७।०६ उ. २९।२४ वा., महाशिवरात्री व्रतम्, C
[C पूभा. बुधः २०।११
पंचक प्रारम्भः ९।०२, देवपितृकार्येऽमा.

शुक्रोदय पश्चिमाया

अयनांशाः २४।१२।२१

पं.४३ फा.कृ. १ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	१	१	२	१	११	१०	४
११	१३	२७	२२	२५	०४	१६	१६
०१	२१	१२	५२	२१	३२	१३	१३
१०	४६	३६	११	०४	०६	५०	५०
६०	४६	१०६	६	७५	६	३	३
५२	५९	०४	२९	१७	००	११	११
ध	ध	ध	पुन	ध	उभा	श	पूफा
३	२	२	१४	१	१	३	१

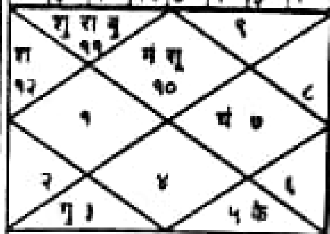


॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. फर.	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह सायं	कन्या रात्री	तुला रात्री	वृश्चिक रात्री	धनु रात्री	मकर रात्री	कुंभ प्रातः	मीन दिवा
०९।१८।५३।५९	१ चं	२	१०।५१	१२।२७	२।२३	४।३८	६।५८	९।१५	११।३१	१।५०	४।०८	६।१३	७।५६	९।२५
०९।१९।५५।०२	२ मं	३	१०।४७	१२।२३	२।१९	४।३४	६।५४	९।११	११।२७	१।४६	४।०४	६।०९	७।५२	९।२१
०९।२०।५६।०४	३ बु	४	१०।४३	१२।१९	२।१५	४।३०	६।५०	९।०७	११।२३	१।४२	४।००	६।०५	७।४८	९।१७
०९।२१।५७।०५	४ गु	५	१०।३९	१२।१५	२।११	४।२६	६।४६	९।०३	११।१९	१।३८	३।५७	६।०१	७।४४	९।१३
०९।२२।५८।०५	५ गु	६	१०।३५	१२।११	२।०७	४।२२	६।४२	८।५९	११।१५	१।३४	३।५३	५।५७	७।४०	९।०९
०९।२३।५९।०३	६ श	७	१०।३१	१२।०७	२।०३	४।१८	६।३८	८।५५	११।११	१।३०	३।४९	५।५३	७।३६	९।०५
०९।२५।००।००	७ र	८	१०।२७	१२।०३	१।५९	४।१४	६।३४	८।५१	११।०७	१।२६	३।४५	५।४९	७।३२	९।०१
०९।२६।००।५५	८ चं	९	१०।२३	११।५९	१।५६	४।१०	६।३०	८।४७	११।०३	१।२२	३।४१	५।४५	७।२८	८।५७
०९।२७।०१।४९	८ मं	१०	१०।१९	११।५५	१।५२	४।०६	६।२६	८।४३	१०।५९	१।१८	३।३७	५।४१	७।२५	८।५३
०९।२८।०२।४१	९ बु	११	१०।१५	११।५१	१।४८	४।०२	६।२३	८।३९	१०।५५	१।१४	३।३३	५।३७	७।२१	८।४९
०९।२९।०३।३२	१० गु	१२	१०।११	११।४७	१।४४	३।५९	६।१९	८।३५	१०।५१	१।१०	३।२९	५।३३	७।१७	८।४५
१०।००।०४।२२	११ शु	१३	१०।०७	११।४३	१।४०	३।५५	६।१५	८।३१	१०।४७	१।०६	३।२५	५।२९	७।१३	८।४१
१०।०१।०५।१०	१२ श	१४	१०।०३	११।४०	१।३६	३।५१	६।११	८।२८	१०।४३	१।०२	३।२१	५।२६	७।०९	८।३७
१०।०२।०५।५६	१३ र	१५	९।५९	११।३६	१।३२	३।४७	६।०७	८।२४	१०।३९	१२।५९	३।१७	५।२२	७।०५	८।३३
१०।०३।०६।४१	१४ चं	१६	९।५५	११।३२	१।२८	३।४३	६।०३	८।२०	१०।३५	१२।५५	३।१३	५।१८	७।०१	८।२९
१०।०४।०७।२४	३० मं	१७	९।५१	११।२८	१।२४	३।३९	५।५९	८।१६	१०।३२	१२।५१	३।०९	५।१४	६।५७	८।२५

अयनांशाः २४।१२।२२

पं.४४ फा.कृ. ८ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	९	१०	२	१०	११	१०	४
२६	१८	०९	२२	०४	०५	१५	१५
०६	५१	२९	०९	०७	१५	५१	५१
४७	०२	५७	५३	४७	१७	३५	३५
६०	४७	१०२	५	७५	६	३	३
४३	०६	३१	२८	११	२३	११	११
ध	श	श	पुन	ध	उभा	श	पूफा
१	३	१	१४	४	१	३	१



अयनांशाः २४।१२।२३

पं.४५ फा.कृ.१४ सो. इष्टघटी ०।०						
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.
१०	९	१०	२	१०	११	१०
०३	२४	२०	२१	१२	०६	१५
११	२१	३८	३५	५३	००	२९
१९	०२	५६	०३	४१	५७	२०
६०	४७	८१	४	७५	६	३
३३	११	०१	१८	०३	४२	११
ध	ध	पूभा	पुन	श	उभा	श
३	१	१	१४	२	१	३



नक्षत्र युतिः- सूर्य श्रवणे ६ फर. तः धनि.। मंगल श्रवणे १४ फर. तः धनि.। बुध धनि. ७ फर. तः शते १५ फर. तः पूभा. । गुरु पुनर्वसौ । शुक्र धनि. ११ फर. तः शते । शनि उभा. । राहु शते । केतु पूफा. ।
विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य मघा. ६ फर. तः श्लेषा.। मंगल मघा. १४ फर. तः श्लेषा.। बुध श्लेषा. ७ फर. तः स्वाती १५ फर. तः चित्रा.। गुरु मूले । शुक्र श्लेषा. ११ फर. तः स्वाती । शनि हस्ते । राहु स्वाती । केतु अश्वि. ।
अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य कृति. ६ फर. तः विशा. । मंगल कृति. १४ फर. तः विशा. । बुध विशा. ७ फर. तः स्वाती १५ फर. तः चित्रा.। गुरु मूले । शुक्र विशा. ११ फर. तः स्वाती । शनि हस्ते । राहु स्वाती । केतु अश्वि. ।

|| द्व्यशीति-उत्तर-द्विसहस्रतमे विक्रमाब्दे (२०८२), कालनाम संवत्सरे, सप्तचत्वारिंशदधिक-एकोनविंशति-शततमे शालिवाहनशकाब्दे (१९४७) ||

१८ फरवरी से ३ मार्च तक, श्री फाल्गुन शुक्लपक्ष संवत २०८२, शाक: १९४७, दिनांक सू. मु. तारीख स्टे. प्रात: दैनिक

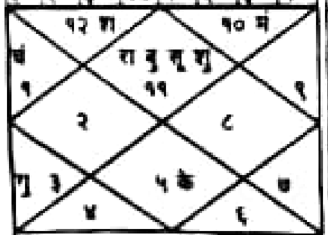
योगा	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्र:	सौर र. स्प.	गति
मानस	१	बु	२४	३३	१६	५८	शत	३५	११	२१	१४	शि	३८	४७	२२	४०	ब	२४	३३	१६	५८	२७ ५५	७ ०९	६ १९	२९	२९	१८	कुंभे	१०/०५/००/३९	६०/४०
फुलरि.	२	गु	२२	१२	१६	०१	पूभा	३४	१७	२०	५१	सि	३३	४७	२०	३१	कौ	२२	१२	१६	०१	५९	०८	२०	३०	१	१९	मीने १४/५९	१०/०६/०१/११	६०/३८
ध्वजा	३	शु	१८	५८	१४	४३	उभा	३२	३३	२०	०८	सा	२८	०५	१८	२१	ग	१८	५८	१४	४३	२६ ०१	०७	२१	१	२	२०	मीने	१०/०७/०१/५७	६०/३६
धाता	४	श	१५	००	१३	०६	रेव	३०	०७	१९	०९	शु	२१	४९	१५	५०	वि	१५	००	१३	०६	०७	०६	२१	२	३	२१	मेषे ११/०९	१०/०८/०२/३३	६०/३५
आनन्द	५	र	१०	२५	११	१६	अश्वि	२७	०८	१७	५७	शु	१५	०६	१३	०८	बा	१०	२५	११	१६	११	०६	२२	३	४	२२	मेषे	१०/०९/०३/०७	६०/३३
चर	६	सो	५	२५	९	१५	भर	२३	४६	१६	३५	ब्र	८	०२	१०	१८	तै	५	२५	९	१५	१५	०५	२३	४	५	२३	वृषे २२/१३	१०/१०/०३/४०	६०/३१
होलाष्ट.	७	मं	०	०६	७	०६	कृति	२०	०९	१५	०७	ऐ	०	४४	७	२१	व	०	०६	७	०६	१९	०४	२३	५	६	२४	वृषे	१०/११/०४/११	६०/२९
ध्रुव	८	मं	५४	३५	२८	५४	०	०	०	०	०	वै	५३	[illegible]	२८	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
शुभ	९	बु	४९	०८	२६	४२	रोहि	१६	२६	१३	३७	वि	४५	५३	२५	२४	बा	२१	५३	१५	४८	२३	०३	२४	६	७	२५	मिथु. २४/५२	१०/१२/०४/४०	६०/२७
मृत्यु	१०	गु	४३	४९	२४	३३	मृग	१२	४७	१२	०९	प्री	३८	३५	२२	२८	तै	१६	२८	१३	३७	२७	०२	२५	७	८	२६	मिथु.	१०/१३/०५/०८	६०/२५
ए.व.	११	शु	३८	५१	२२	३३	आर्द्रा	९	२२	१०	४६	आ	३१	३३	१९	३८	व	११	१८	११	३२	३१	०१	२५	८	९	२७	कर्के २७/५०	१०/१४/०५/३३	६०/२३
छत्र	१२	श	३४	२२	२०	४४	पुन	६	२१	९	३२	सौ	२४	५४	१६	५७	ब	६	३३	९	३७	३५	००	२६	९	१०	२८	कर्के	१०/१५/०५/५६	६०/२१
प्र.व्र.	१३	र	३०	३२	१९	१२	पुष्य	३	५५	८	३३	शो	१८	४५	१४	२९	कौ	२	२३	७	५६	४०	६ ५९	२७	१०	११	१	कर्के	१०/१६/०६/१८	६०/२०
होली	१४	सो	२७	३५	१८	००	श्ले	२	१४	७	५१	अ	१३	१७	१२	१६	व	२७	३५	१८	००	४४	५८	२७	११	१२	२	सिंहे ७/५१	१०/१७/०६/३७	६०/१८
छारेंडी	१५	मं	२५	३८	१७	१२	मघा	१	२९	७	३२	सु	८	३४	१०	२२	ब	२५	३८	१७	१२	४८	५७	२८	१२	१३	३	सिंहे	१०/१८/०६/५५	६०/१६

केतकी अहर्गण: ५४३२ शिशिरर्तु रविर्त्तरे, फरवरी-मार्च २०२६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टे.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.१५), सायन मीने भानु: २१/०७
फुलरिया २, श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती, रमजान ९, B
भ. २५/५७ उ., भा. फाल्गुनारंभ: [D उभा.-२ शनि: २४/५२
भ. १३/०६ था., पंचक समाप्ति: ११/०९, पूभा. शुक्र: २३/३०, D
याज्ञवल्क्य जयंती [B शत. रवि: १७/५४ (सौर: २२/२७)
कुंभे भौम: ११/२३
भ. ७/०६ उ. १८/०० था., होलाष्टक
[C माला बनाना) भद्रा के पहिले, होलिका दहनं भद्रापुच्छे H
[H (२५/२३), करिदिन
वक्री बुध: २२/०९ [E धापणा भद्रा के पहिले
भ. ११/३२ उ. २२/३३ था., आमलकी ११ व्र., बिड़कुल्या-डाल E
मेला श्रीश्यामजी (खाटु) [F मीने शुक्र: २३/४६
प्रदोष:, मार्च ३ ता. ३१, बुधास्त: पश्चिमायाम् २०/२२, F
भ.१८/०० उ. २९/३२ था., जेलपोणी (गोबर के बिड़कुल्ले की C
ग्रस्तोदयं खग्रासं चन्द्रग्रहणम्, मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यत्र, A
[A छारेंडी देशाचारे, करिदिन, शत. भौम: २२/२७

अयनांश: २४/१२/२४

प.४६ फा.शु. ६ सो. इष्टघटी ०/००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	९	१०	२	१०	११	१०	४
१०	२९	२७	२१	२१	०६	१५	१५
१४	५१	४०	०८	३८	४८	०७	०७
३६	३०	४२	४७	३७	४४	०६	०६
६०	४७	२६	३	७४	६	३	३
२२	१४	११	०२	५४	५८	१०	१०
श	ध	पूभा	पुन	पूभा	उभा	श	पूफा
२	२	३	१व	१	२	३	१



|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रात:	तिथि	कर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	प्रात:	दिवा
१०/०५/०८/०५	१ बु	१८	९/४८	११/२४	१/२०	३/३५	५/५५	८/१२	१०/२८	१२/४७	३/०५	५/१०	६/५३	८/२१
१०/०६/०८/४५	२ गु	१९	९/४४	११/२०	१/१६	३/३१	५/५१	८/०८	१०/२४	१२/४३	३/०१	५/०६	६/४९	८/१८
१०/०७/०९/२३	३ शु	२०	९/४०	११/१६	१/१२	३/२७	५/४७	८/०४	१०/२०	१२/३९	२/५७	५/०२	६/४५	८/१४
१०/०८/०९/५९	४ श	२१	९/३६	११/१२	१/०८	३/२३	५/४३	८/००	१०/१६	१२/३५	२/५३	४/५८	६/४१	८/१०
१०/०९/१०/३३	५ र	२२	९/३२	११/०८	१/०४	३/१९	५/३९	७/५६	१०/१२	१२/३१	२/५०	४/५४	६/३७	८/०६
१०/१०/११/०६	६ सो	२३	९/२८	११/०४	१/००	३/१५	५/३५	७/५२	१०/०८	१२/२७	२/४६	४/५०	६/३३	८/०२
१०/११/११/३७	७ मं	२४	९/२४	११/००	१२/५६	३/११	५/३१	७/४८	१०/०४	१२/२३	२/४२	४/४६	६/२९	७/५८
१०/१२/१२/०६	९ बु	२५	९/२०	१०/५६	१२/५२	३/०७	५/२७	७/४४	१०/००	१२/१९	२/३८	४/४२	६/२५	७/५४
१०/१३/१२/३३	१० गु	२६	९/१६	१०/५२	१२/४९	३/०३	५/२३	७/४०	९/५६	१२/१५	२/३४	४/३८	६/२१	७/५०
१०/१४/१२/५८	११ शु	२७	९/१२	१०/४८	१२/४५	२/५९	५/१९	७/३६	९/५२	१२/११	२/३०	४/३४	६/१८	७/४६
१०/१५/१३/२१	१२ श	२८	९/०८	१०/४४	१२/४१	२/५५	५/१६	७/३२	९/४८	१२/०७	२/२६	४/३०	६/१४	७/४२
१०/१६/१३/४२	१३ र	१	९/०४	१०/४०	१२/३७	२/५२	५/१२	७/२८	९/४४	१२/०३	२/२२	४/२६	६/१०	७/३८
१०/१७/१४/०२	१४ सो	२	९/००	१०/३६	१२/३३	२/४८	५/०८	७/२४	९/४०	११/५९	२/१८	४/२२	६/०६	७/३४
१०/१८/१४/१९	१५ मं	३	८/५६	१०/३३	१२/२९	२/४४	५/०४	७/२१	९/३६	११/५६	२/१४	४/१९	६/०२	७/३०

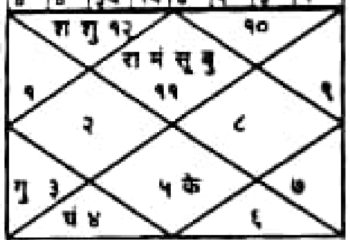
संक्रांति फलम्

ता. १२ फरवरी २०२६

फा. कृ. १० गुरौ कुंभेऽर्कः प्र. (स्टे.) टा. २७/२७ वारात् २ नक्षत्रात् ३ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति, पूर्वं गमनमाग्नेयां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वस्तु पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकाल: (स्टे.) २१/०३ से २७/२७ तक। (दान- गोढ़ - अन्न)।

अयनांश: २४/१२/२५

प.४७ फा.शु. १४ सो. इष्टघटी ०/००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	१०	१०	२	११	११	१०	४
१७	०५	२७	२०	००	०७	१४	१४
१६	२२	१८	५१	२२	३८	४४	४४
३२	१२	११	४४	२७	१२	५२	५२
६०	४७	३९	१	७४	७	३	३
१०	१५	१६	३९	४४	११	११	११
श	ध	पूभा	पुन	पूभा	उभा	श	पूफा
४	४	३व	१व	४	२	३	१



नक्षत्र युति:- सूर्य धनि. ११ फर. स्टे.१७/५४ उप. शते। मंगल धनि. ३ मार्च स्टे.२२/२७ उप. शते। बुध पूभा.। गुरु पुनर्वसौ। शुक्र शते २१ फर. स्टे.२३/३० उप. पूभा.। शनि उभा.। राहु शते। केतु पूफा.।
विवाहे पञ्चशलाका वेध:- सूर्य श्लेषा. ११ फर. स्टे.१७/५४ उप. स्वाती। मंगल श्लेषा. ३ मार्च स्टे.२२/२७ उप. स्वाती। बुध चित्रा.। गुरु मूले। शुक्र स्वाती २१ फर. स्टे.२३/३० उप.चित्रा.। शनि हस्ते। राहु स्वाती। केतु अश्वि.।
अन्यत्र सप्तशलाका वेध:- सूर्य चित्रा.११ फर. स्टे.१७/५४ उप. स्वाती। मंगल चित्रा ३ मार्च स्टे.२२/२७ उप. स्वाती। बुध चित्रा.। गुरु मूले। शुक्र स्वाती २१ फर. स्टे.२३/३० उप. चित्रा.। शनि हस्ते। राहु स्वाती। केतु अश्वि.।

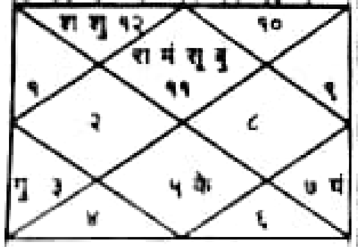
४ मार्च से १९ मार्च तक, श्री चैत्र कृष्णपक्ष संवत २०८२, शाक: १९४७, दिग.गु. सू. तारीख स्टै. प्रात: दैनिक

वसंतर्तु रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति गुर्जरा:, मार्च २०२६

योगा	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.न.	उ.	अ.	भा.	गु.	ई.	चंद्र:	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
सुस्थिर	१	बु	२४	५३	१६	५३	पूफा	१	४९	७	३९	धृ	४	४४	८	४९	कौ	२४	५३	१६	५३	२६/१२	६/५८	६/२२	१३	१४	४	कन्या १३।४६	१०।१९।०७।१०	६०।१४	ग्रहण-करिदिन, वसन्त १, पूभा. रवि: २४।०९ (सौर: २७।५८),
मातङ्ग	२	गु	२५	२७	१७	०५	उफा	३	२५	८	१६	शू	१	५७	७	४१	ग	२५	२७	१७	०५	५६	५५	२९	१४	१५	५	कन्या	१०।२०।०७।२४	६०।१२	म. २१।२५ उ.
ध्व.	३	शु	२७	२८	१७	५३	हस्त	६	२१	९	२६	ग	०/५१	५३/२४	६/३०	१९/१३	वि	२७	२८	१७	५३	२९/००	५४	३०	१५	१६	६	तुला. २२।१४	१०।२१।०७।३५	६०।०९	म. १७।५३ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदय: २१।२२, कल्पादि
काण	४	श	३०	५४	११	१४	चित्रा	१०	४२	११	०९	धृ	...	...	...	...	बा	३०	५४	११	१४	०४	५३	३०	१६	१७	७	तुला.	१०।२२।०७।४५	६०।०७	|B उभा. शुक्र: १५।५७
लुम्बक	५	र	३५	४१	२१	०८	स्वा	१६	२२	१३	२४	धृ	०	०५	६	५३	कौ	३	१०	८	०७	०८	५१	३१	१७	१८	८	तुला.	१०।२३।०७।५२	६०।०५	|C शनेरस्त: पश्चिमायाम् १०।२०
मित्र	६	सो	४१	२८	२३	२६	विशा	२३	०७	१६	०५	व्या	१	२९	७	२६	ग	८	३०	१०	१५	१३	५०	३१	१८	१९	९	वृश्चि. ९।२३	१०।२४।०७।५८	६०।०३	म. २३।२६ उ.
वज्र	७	मं	४७	४८	२५	५६	अनु	३०	३१	१९	०२	ह	३	३०	८	१३	वि	१४	३७	१२	४०	१७	४९	३२	१९	२०	१०	वृश्चि.	१०।२५।०८।०१	६०।०१	म. १२।४० या., (व) शत. बुध: ८।१२, C
शीतला	८	बु	५४	०१	२८	२४	ज्ये	३८	००	२२	००	व	५	४७	९	०७	बा	२०	५९	१५	१२	२१	४८	३३	२०	२१	११	धनु. २२।००	१०।२६।०८।०२	५९।५१	शीतला पूजनं, मार्गी गुरु: १६।३६
पूष	९	गु	५९	३०	३०	३५	मूल	४४	५५	२४	४५	सि	७	५१	९	५६	तै	२६	५५	१७	३३	२५	४७	३३	२१	२२	१२	धनु.	१०।२७।०८।०१	५९।५७	|A देवकार्येऽमा., केतकी अहर्गण: ५४६१, चक्र ७, कल्पादि
प्रवर्धमा	१०	शु	...	...	...	...	पूषा	५०	४६	२७	०४	व्या	९	१८	१०	२९	व	३१	५१	१९	३१	२९	४६	३४	२२	२३	१३	धनु.	१०।२८।०७।५८	५९।५५	म. ११।३१ उ. |D वारुणी योग ९।२३ तक
राक्षस	१०	श	३	४९	८	१६	उषा	५५	०९	२८	४९	च	९	४६	१०	३९	वि	३	४९	८	१६	३३	४५	३४	२३	२४	१४	मक. ९।३४	१०।२९।०७।५२	५९।५२	म. ८।१६ या., मीने रवि: २४।१५ (सौर: २७।३८)
ए.व.	११	र	६	३०	९	२०	श्रव	५७	५४	२९	४३	प	९	०३	१०	२१	बा	६	३०	९	२०	३७	४४	३५	२४	२५	१५	मक.	११।००।०७।४५	५९।५०	पापमोचनी ११ व्र., बुधोदय: पूर्वस्याम् ८।४५, रेव. शुक्र: १।२:
प.व.	१२	सो	७	२८	९	४२	धनि	५८	५९	३०	१८	शि	७	००	९	३०	तै	७	२८	९	४२	४२	४३	३५	२५	२६	१६	कुंभे १८।११	११।०१।०७।३५	५९।४८	पंचक प्रारम्भ: १८।११, प्रदोष:, वारुणी योग से ३०।१८
मृत्यु	१३	मं	६	४३	९	२३	शत	५८	२९	३०	०५	सि	३/५२	१६/४५	६/३०	१८/२५	व	६	४३	९	२३	४६	४२	३६	२६	२७	१७	कुंभे	११।०२।०७।२३	५९।४६	म. ९।२३ उ. २०।५८ या., मासिकशिवरात्री व्र., D
पद्म	१४	बु	४	२२	८	२५	पूभा	५६	३४	२९	१८	शु	५३	०७	२७	५५	श	४	२२	८	२५	५०	४०	३६	२७	२८	१८	मीने २३।३३	११।०३।०७।०९	५९।४४	पितृकार्येऽमा., मन्वादि, उभा. रवि: ८।३४ (सौर: ११।५०)
अमाव.	३०	गु	०	३६	६	५४	उभा	५३	३०	२८	०३	शु	४६	२२	२५	१२	ना	०	३६	६	५४	५४	३९	३७	२८	२९	१९	मीने	११।०४।०६।५३	५९।४१	नवरात्रारम्भ:, घटस्था., ध्वजारो., आरोग्य १, विद्या १ , A

अयनांशा: २४।१२।२७

प.४८ चै.कृ. ६ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	१०	१०	२	११	११	१०	४
२४	१०	२१	२०	०९	०८	१४	१४
१७	५२	०३	४४	०५	२८	२२	२२
००	५३	३१	१७	०१	५९	३७	३७
५९	४७	६०	०	७४	७	३	३
५६	१३	११	१७	३३	२०	११	११
पूभा	श	पूभा	पुन	उभा	उभा	श	पूफा
२	२	१७	१७	२	२	३	१



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रात:	वार तिथि	ता. मार्च	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या सायं	तुला रात्री	वृश्चिक रात्री	धनु रात्री	मकर रात्री	कुंभ रात्री	मीन प्रात:
१०।१९।१४।३४	१ बु	४	८।५२	१०।२९	१२।२५	२।४०	५।००	७।१७	९।३२	११।५२	२।१०	४।१५	५।५८	७।२६
१०।२०।१४।४८	२ गु	५	८।४८	१०।२५	१२।२१	२।३६	४।५६	७।१३	९।२८	११।४८	२।०६	४।११	५।५४	७।२२
१०।२१।१४।५९	३ शु	६	८।४४	१०।२१	१२।१७	२।३२	४।५२	७।०९	९।२४	११।४४	२।०२	४।०७	५।५०	७।१८
१०।२२।१५।०८	४ श	७	८।४१	१०।१७	१२।१३	२।२८	४।४८	७।०५	९।२१	११।४०	१।५८	४।०३	५।४६	७।१५
१०।२३।१५।१५	५ र	८	८।३७	१०।१३	१२।०९	२।२४	४।४४	७।०१	९।१७	११।३६	१।५४	३।५९	५।४२	७।११
१०।२४।१५।२१	६ पं	९	८।३३	१०।०९	१२।०५	२।२०	४।४०	६।५७	९।१३	११।३२	१।५०	३।५५	५।३८	७।०७
१०।२५।१५।२४	७ म	१०	८।२९	१०।०५	१२।०१	२।१६	४।३६	६।५३	९।०९	११।२८	१।४६	३।५१	५।३४	७।०३
१०।२६।१५।२४	८ बु	११	८।२५	१०।०१	११।५७	२।१२	४।३२	६।४९	९।०५	११।२४	१।४३	३।४७	५।३०	६।५९
१०।२७।१५।२३	९ गु	१२	८।२१	९।५७	११।५३	२।०८	४।२८	६।४५	९।०१	११।२०	१।३९	३।४३	५।२६	६।५५
१०।२८।१५।२०	१० शु	१३	८।१७	९।५३	११।४९	२।०४	४।२४	६।४१	८।५७	११।१६	१।३५	३।३९	५।२२	६।५१
१०।२९।१५।१४	१० श	१४	८।१३	९।४९	११।४५	२।००	४।२०	६।३७	८।५३	११।१२	१।३१	३।३५	५।१८	६।४७
११।००।१५।०६	११ र	१५	८।०९	९।४५	११।४२	१।५६	४।१६	६।३३	८।४९	११।०८	१।२७	३।३१	५।१४	६।४३
११।०१।१४।५६	१२ चं	१६	८।०५	९।४१	११।३८	१।५२	४।१२	६।२९	८।४५	११।०४	१।२३	३।२७	५।११	६।३९
११।०२।१४।४४	१३ मं	१७	८।०१	९।३७	११।३४	१।४८	४।०९	६।२५	८।४१	११।००	१।१९	३।२३	५।०७	६।३५
११।०३।१४।३०	१४ बु	१८	७।५७	९।३३	११।३०	१।४५	४।०५	६।२१	८।३७	१०।५६	१।१५	३।१९	५।०३	६।३१
११।०४।१४।१३	३० गु	१९	७।५३	९।३०	११।२६	१।४१	४।०१	६।१८	८।३३	१०।५२	१।११	३।१६	४।५९	६।२७

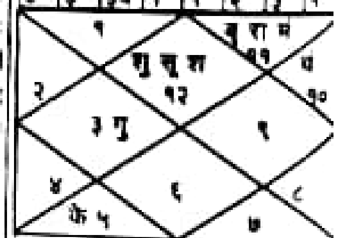
संक्रांति फलम्

ता. १४ मार्च २०२६

चैत्र कृ. १० शनौ मीनेऽर्क: प्र. (स्टै.) टा. २४।१५ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् शुलदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् शुलदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टि: बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहन गीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजाति: जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं भूमी निवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदय: पश्चिमायाम्। पुण्यकाल: (स्टै.) २४।१५ से ३०।३९ तक। (दान- भूमि माला)।

अयनांशा: २४।१२।२८

प.४९ चै.कृ.१२ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	१०	१०	२	११	११	१०	४
०१	१६	१५	२०	१७	०९	१४	१४
१५	२३	२२	४६	४६	२०	००	००
५४	१८	५४	२६	१२	४०	२२	२२
५९	४७	२६	१	७४	७	३	३
४३	१०	५७	०५	२०	२६	११	११
पूभा	श	श	पुन	रे	उभा	श	पूफा
४	३	३व	१	१	२	३	१



नक्षत्र युति:- सूर्य शते ४ मार्च त: पूभा. १८ मार्च त: उभा. । मंगल शते । बुध पूभा. १० मार्च त: (व) शते । गुरु पुनर्वसौ । शुक्र पूभा. ४ मार्च त: उभा. १५ मार्च त: रेवत्यां । शनि उभा. । राहु शते । केतु पूफा. ।

विवाहे पञ्चशलाका वेध:- सूर्य स्वाती ४ मार्च त: चित्रा. १८ मार्च त: हस्ते । मंगल स्वाती । बुध चित्रा. १० मार्च त: स्वाती । गुरु मूले । शुक्र चित्रा. ४ मार्च त: हस्ते १५ मार्च त: उफा. । शनि हस्ते । राहु स्वाती । केतु अश्वि. ।

अन्यत्र सप्तशलाका वेध:- सूर्य स्वाती ४ मार्च त: चित्रा. १८ मार्च त: हस्ते । मंगल स्वाती । बुध चित्रा. १० मार्च त: स्वाती । गुरु मूले । शुक्र चित्रा. ४ मार्च त: हस्ते १५ मार्च त: उफा. । शनि हस्ते । राहु स्वाती । केतु अश्वि. ।

चूडामुहूर्त

अश्वि. ह. चि. स्वा. विशा. अनु. ध. रेवती नक्षत्र तथा रवि, भौम, बुध, गुरुवार उत्तकर्म मे उत्तम हैं ।

सूर्यसक्रान्ति सूं ५।७।९।१५।२१।२४ दूसरा दिन धरती सोवै छै ।

१।२।५।७।९ सूर्यपूजा ।
३।६।१०।११ सूर्यशुद्ध ।

१।३।६।१० गुरुपूजा ।
२।५।७।९।११ गुरुशुद्ध ।

४।८।१२ गुरु रवि अशुद्ध
१।२।३।५।६।७।९।१०।११ चन्द्र शुद्ध
१२ पूजा ४।८ नेष्ट चन्द्र ।

चन्द्रमा १ राशिपर आठों दिशा में भोग करता है उसकी पृथक् पृथक् व. आवश्यकीय यात्रा में सम्मुख चन्द्र देखना

पूर्वादि.	घ.	१७
अग्नि.	घ.	१५
दक्षिण.	घ.	२१
नैर्ऋत्य.	घ.	१६
पश्चिम.	घ.	१८
वायव्य.	घ.	१९
उत्तर.	घ.	१५
ईशान.	घ.	१४

अथ गर्गबृहस्पतिअंगिरामुहूर्त

श्लोकः-उषःप्रशस्यते गर्गःशकुनं च बृहस्पतिः । अंगिरास्तु मनोत्साहो विप्रवाक्यं जनार्दनः ॥१॥

अर्थ - गर्गजी (५ घटी रात्रि शेष रहै वह उषाकाल) यात्रा को शुभ कहते हैं । शकुन उत्तम देखकर यात्रा करना ये बृहस्पति का मत है । जब मन को उत्साह होय तभी यात्रादि शुभ है यह अंगिरा का मत है । विप्रों की आज्ञा लेकर यात्रादि करना ये जनार्दन का मत है । परंच पूर्व की यात्रा उषाकाल में वर्जित है ।

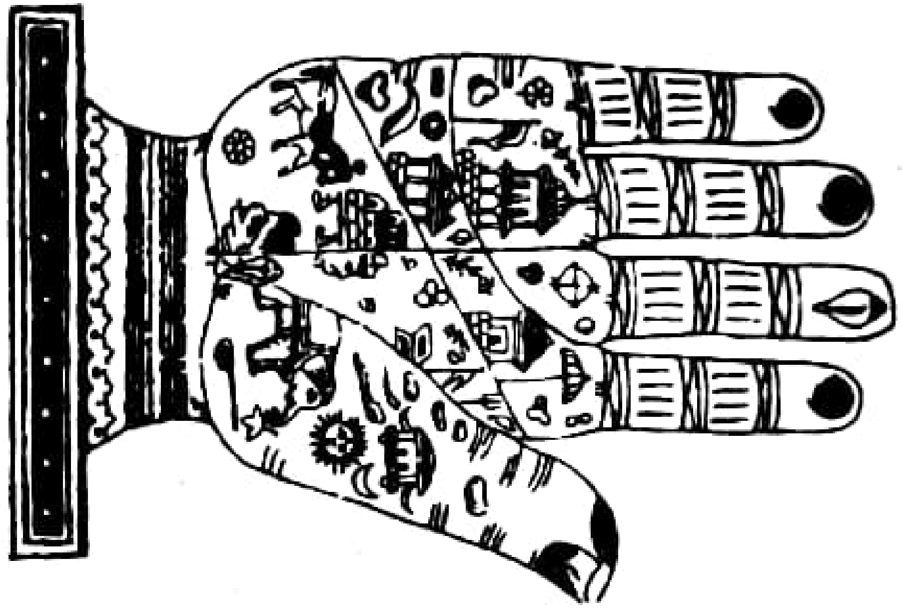
अथ कार्याकार्यविचारप्रश्न ।

श्लोकः-दिशा प्रहरसंयुक्ता तारका वारमिश्रिता। अष्टभिस्तुहरेद्भागं शेषं प्रश्नस्य लक्षणम् ॥१॥
पक्षैके त्वरिता सिद्धिःषट् तुर्यं चदिनत्रयम् ॥ त्रिसप्तके विलम्बश्च द्वौचाष्टौ न च सिद्धिदाः ॥२॥

अर्थ - पृच्छकरोमुख जिस दिशासामो होय सो दिशा और प्रहरनक्षत्र वार सर्वत्र एकत्र करिने ८ रो भाग दीजै बाकी उबरै जिणरो फल जानिये

१ तथा ५ उबरै तौ बेगा कार्यसिद्धि
६।४ उबरै तौ तीन दिन में कार्यसिद्धि
३।७ उबरै तौ विलम्बसो कार्यसिद्धि
२।८ उबरै तौ कार्य सिद्धि होय नहीं ।

॥ शिवपार्वतीसंवादे सामुद्रिके हस्तरेखाशुभाशुभफलं लिख्यते ॥



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

अथातः संप्रवक्ष्यामि हस्तरेखाविचारणम् ॥ दक्षिणे पुरुषं ज्ञेयं वामे वामाकरं शुभम् ॥१॥
शिवोक्तं तत्र सामुद्रं हस्तरेखाशुभाशुभम् ॥ येनविज्ञानमात्रेण पुरुषो न विशोचति ॥२॥
यस्य मीनतमारेखा कर्मसिद्धिश्च जायते ॥ धनाढ्यस्तु स विज्ञेयो बहुपुत्रो न संशयः ॥३॥
तुलाग्रामं तथा वज्रं करमध्ये च दृश्यते ॥ तस्य वाणिज्यसिद्धिःस्यात्पुरुषस्य न संशयः॥४॥
पद्मचापादिखड्गंच अष्टकोणादि दृश्यते ॥ स्त्रियश्चपुरुषस्यापि धनवान्ससुखी नरः ॥५॥
शङ्खचक्रध्वजाकारोमत्स्याकारश्च दृश्यते ॥ सर्वविद्याप्रदानेन बुद्धिमान् स सुखी नरः ॥६॥
त्रिशूलं करमध्ये तु तेन राजा प्रवर्तते ॥ यज्ञे धर्मे च दाने च देवद्विजप्रपूजने ॥७॥
शक्तितोमरबाणैश्च करमध्ये च दृश्यते ॥ रथचक्रध्वजाकारः स च राज्यं लभेन्नरः ॥८॥
अंकुशं कुंडलं चक्रं यस्य पाणितले भवेत् ॥ तस्य राज्यं महाश्रेष्ठं सामुद्रवचनं यथा ॥९॥
गिरिकङ्कणयोनीनांनरमुण्डघटादिकम् ॥ करे वै यस्य चिह्नानि राजमन्त्री भवेन्नरः ॥१०॥
रविचन्द्रकृतानेत्रअष्टकोणत्रिनेत्रकम् ॥ मंदिरं गजअश्वानां चिह्नै धनसुखीनरः ॥११॥
अंगुष्ठोदरमध्यस्थो यवो यस्य विराजते ॥ उत्पन्नभक्ष्यभोगीस्यात्स नरः सुखमेधते ॥१२॥
मध्यमातर्जनीमूलंयवोयस्य प्रदृश्यते ॥ धनवान्सुखयोगीस्यात्पुत्रदारगृहादिषु ॥१३॥
एवं बहुधा ॥

सूचना - पंचांग में इस पृष्ट को लगभग १५० वर्ष पूर्व स्वयं पं. मनीरामजी ने लिखा था, तब से यह पृष्ठ ज्यों का त्यों है । इस पृष्ठ में किसी भी गणितकर्ता ने कुछ अलग से नहीं लिखा है।

अथ सम्मुखचन्द्रदिशापति

मेषे च सिंहे धनु पूर्वभागे वृषेच कन्यामकरे च याम्ये ॥
मिथुने तुले कुम्भसु पश्चिमायां कर्कालिमीने दिशि चोत्तरस्याम् ॥१॥
फलम् - सम्मुखे अर्थलाभाय दक्षिणे सुखसंपदा ॥
पृष्ठतः प्राणनाशाय वामे चन्द्रे धनक्षयः ॥२॥
अर्थ - मेष, सिंह, धनु, पूर्व। वृष, कन्या, मकर, दक्षिण॥
मिथुन, तुला, कुंभ पश्चिम। कर्क, वृश्चिक, मीन उत्तर॥

अथ योगिनीचक्रम्।

ईशान्य ३०।८	पूर्व १।९	अग्नि ३।११
उत्तर २।१०	योगिनी सुखदा वामे पृष्ठे वांछितदायिनी ॥ दक्षिणे धनहर्त्री च सन्मुखे मरणप्रदा ॥१॥	दक्षिण ५।१३
वायव्य ७।१५	पश्चिम ६।१४	नैऋत्य ४।१२

अथ कालराहुचक्रम्।

ईशान्य	पूर्व शनि	अग्नि शुक्र
उत्तर रवि	अर्कोत्तरेवायुदिशाचसोमे- भौमेप्रतीच्यांबुधनैर्ऋतेच। याम्येगुरौवह्निदिशाचशुक्रे- मन्देचपूर्वेप्रवदंतिकालः ॥१॥	दक्षिण गुरु
वायव्य सोम	पश्चिम मंगल	नैऋत्य बुध

अथ दिशाशूलचक्रम्।

	पूर्व चन्द्र शनि	
उत्तर मंगल बुध	दिशाशूल ले जावो वामेराहू योगिनी पूठ ॥ सन्मुख लेवै चन्द्रमा त्यावै लक्ष्मी लूट ॥१॥	दक्षिण गुरु
	पश्चिम शुक्र रवि	

चूडामु० प्रमाण।

यावद्भास्करभुक्तिभानिदिवसेधिष्ण्यानिसंख्याततः वह्नि ३ भूत ५ गुणा ३ ब्धि ४ सप्त ७ नयन २ पृथ्वी १ करे २ दुः १ क्रमात् ॥ सूर्यारौकविसौम्यराहुरविजाजीवः शशीकेतवः क्रूरेऽसत्वशुभेशुभच कथितचक्रेत्वचूडाह्वये ॥१॥ चूडानक्षत्र ॥ हस्तादिपंचपूषाश्विधनिष्ठा- सुवर्णकांचनम् ॥ रक्तपरिदधेद्वस्त्रभौमार्कगुरुभार्गवे ॥१॥

चूडामुहूर्त।

हस्त, चि. स्वा. वि. अनु. रे. अश्वि. ध. इते नक्षत्र और रवि, मगल, बुध, गुरु, शुक्र, यह वार शुभ है।

अथ गुरुशुक्रास्तवर्जितकर्म।

वापीकूपतडागयज्ञगमनं क्षौरं प्रतिष्ठाव्रतं विद्यामंदिरकर्णवेधनमहादानंगुरोःसेवनम्॥ तीर्थस्नानविवाहकाम्यहवनं मन्त्रोपदेशे शुभं दूरेणैव जिजीविषुः परिहरेदस्तेगुरौभार्गवे ॥१॥

चूडी घ० प्रमाण।

चूडीधारणे विशेषः।

अस्ते गतेभृगुसुते शयने च विष्णोर्जन्माधचापझषगे दिनपे न दध्यात्॥
रिक्तेन्दुभानुदिवसे शकवर्जिते च शख च रक्तपटकं युवतिः कथंचित्॥

अथजलपूजामुहूर्त

जलपूजाचनारीणांमृगेमूलेपुनर्वसौ।
पुष्यश्रवणहस्तश्चबुधेजीवेचचन्द्रमाः ॥१॥
मृग, मूलं, पुन, पुष्य, श्रव, हस्त, बुध, गुरु, सोम, जल वार्मे एता ग्रहण कीजे।

अथ सूतिकासूर्यपूजनमुहूर्त।

पुनर्वसुद्वयंचित्राविशाखाभरणीद्वयम्॥ मूलमार्द्रामघाहेयाश्रवणोदशमस्तथा ॥१॥
सोमशुक्रबुधःशौरिःप्रसूतिस्नानकर्मणि॥ हेयाप्रतिपदाषष्ठीनवमीचतिथिक्षयः॥२॥
एता त्यागन करीजै।

चूडीचक्रम्।

सूर्यनक्षत्रात्	३	५	३	४	७	२	१	२	१
स्वामी	सूर्य	मगल	शुक्र	बुध	राहु	शनि	गुरु	चन्द्र	केतु
फल	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	अशुभ

प्रथमवधूप्रवेशमुकालावामुहूर्त।

हस्तद्वयेब्रह्मयुगेमघायांपुष्येधनिष्ठाश्रवणोत्तरेषु।
मूलानुराधाहयरेवतीषुस्थिरेषुलग्नेषुवधूप्रवेशः ॥१॥
एते नक्षत्र शुभ, चन्द, गुरु, बृह० एते वार श्रेष्ठः, २।५।८।११ एतेलग्न श्रेष्ठ, चन्द्रबल देखजै। १।२।३ एतेवर्ष श्रेष्ठ। पश्चात् अशुभ।

अथ गन्धर्वविवाहतथानातरो.।

इन्द्ररुद्रादिऽश्लेषाआग्नेय्यांवरुणस्तथा॥
अश्विनीवसुदैवत्यंपट्टकालेशुभंस्मृतम्॥१॥
ज्येष्ठा, आद्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, कृत्तिका, शत. अश्विनी, धनिष्ठा, एते नक्षत्र शुभ और गुरु. शुक्र अस्तोदय दोष नहीं।

अथ दत्तपुत्रतथाखोलेलेणो।

हस्तादिपंचसुभिषग्वसुपुष्यभेषुसूर्यक्षमाजगुरुभार्गववासरेषु॥
रिक्ताविवर्जिततिथिष्वलिकुम्भलग्नेसिंहेवृषेभवतिदत्तपरिग्रहोयम्॥१॥
हस्त, चित्रा, स्वाती, विशाखा, अनु०, अश्वि०, ध०, पु०, रवि, मंगल, गुरु, शुक्र, सिंह, वृषलग्न शुभ और रिक्ता वृ. कुंभ अशुभ।

कूपारम्भमुहूर्त।

हस्तात्तिस्रो वासवं वारुणंच शैवं पित्र्यं त्रीणि चैवोत्तराणि॥
प्राजापत्यंचापिनक्षत्रमाहुःकूपारम्भे श्रेष्ठमाद्या मुनीन्द्राः ॥१॥
अर्थ - ह. चि. स्वा. श. ध. आ. म. उत्तरा ३, रोहिणी कूपारंभ में शुभ होय।

तृणकाष्ठादि संग्रह करणा।

वासवोत्तरदलादिपंचकेयाम्यदिग्गमनगेहगोपनम् ॥
प्रेतदाहतृणकाष्ठसंग्रहंशय्यकावितरणंवर्जयेत् ॥१॥
धनिष्ठा को उत्तरदल, शत. पूर्वभा. उ.भा. रेवती इन नक्षत्रों में दक्षिणगमन, गृहछायणो, माचोवणनो, तृणकाष्ठादि संग्रह करणो नहीं।

॥ संक्रान्तिवशाद्दग्धतिथयः ॥ १०

सूर्यराशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
तिथि	६	४	८	६	१०	८
सूर्यराशि	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
तिथि	१२	१०	२	१२	४	२

सूर्यादिग्रहाणां संक्रान्तेस्त्याज्य घटीचक्रम्

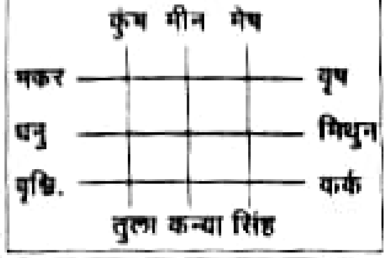
ग्रह	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
घटी	३२	२	९	६	८८	९	१६०

॥ विवाहे बाणज्ञानचक्रम् ॥ दोष ८

बाणनाम	रोग	अग्नि	नृप	चौर	मृत्यु
सूर्यगतांशाः	८ । १७ २६	२ । ११ २० । २९	४ । १३ २२	६ । १५ २४	१ । १० १९ । २८
तन्निवासे	सूर्ये	भौमे	शनौ	भौमे	बुधे
त्याज्यकर्म	उपनयने	गृहाच्छादने	नृपसेवा	यात्रायां	विवाहे

क्रान्तिसाम्यम् दोष ९

सूर्याचन्द्रमसोः परस्परं वेधे



॥ वेध दोष ॥ ४

विवाह नक्षत्र	रोहि	मृग	मघा	उफा	हस्त	स्वाति	अनु	मूल	पूषा	उभा	रेवती	श्रवण	चित्रा	भरणी	उषा
वाह्यवेधित नक्षत्र	अभि	उषा	श्रव	रेवती	उभा	शत	भर	पुन	मृग	हस्त	उफा	पूषा	मृगशिरा	स्वाति	अनु

॥ उपग्रह दोष ॥ ८. (सूर्य नक्षत्र से चन्द्र नक्षत्र तक संख्या)

५	७	८	१०	१४	१५	१८	१९	२१	२२	२३	२४	२५
विद्युत	भूकंप	शूल	शनि	निर्घात	दण्ड	केतु	उल्का	वज्र	निर्घात	कम्प	कुलिश	परिवेष

सप्तग्रह सूर्यादिग्रहयुति दोषः २

सूर्य	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	पाप
दरिद्र	निर्धन	शुभ	सौभाग्य	सापत्न्य	वैराग्य	कलह	मरण

लत्तादोषः १

दक्षिण				वाम			
सू.	मं.	गु.	श.	चं.	बु.	शु.	रा.
१२	३	६	८	२२	७	५	९

[illegible] ॥ दोष ५

[illegible] नक्षत्र से २४ वें नक्षत्र पर कोई [illegible] हो तो अशुभ, अन्यथा शुभ।

ग्रहों की विवाहला [illegible]

सू	चं	मं	बु		गु		शु		श	रा
३	२	३	१	६	१	६	१	९	३	३
६	३	६	२	९	२	९	२	१०	६	६
११	११	११	३	१०	३	१०	३	११	११	११
			४	११	४	११	४			
			५		५		५			

ग्रहों की [illegible]

१	४	५	६	७	८	[illegible]	९	१०	१२
सू	मं	श	चं	सर्व	चं	[illegible]	चं	चं	बु
चं	श	[illegible]	बु	गुरु	चं	[illegible]	श	श	चं
मं	श	[illegible]	[illegible]		बु	श		श	
श		[illegible]	श		बु				
श					बु				

पात दोषः २

हर्षण, गंड, शूल, साध्य, व्यतिपात, वैधृति इन योगों के अंत में विवाह नक्षत्र होवे तो पात दोष होवे।

राशि-एकार्गल (खार्जूर) दोषः ७

व्याघात, गंड, व्यतिपात, शूल, वज्र, वैधृति, परिघ, अतिगंड ये योग विवाह के दिन हों तो सूर्यनक्षत्र से विवाह (चंद्र) नक्षत्र तक गणना करें यदि प्राप्त संख्या के विषम (१,३,५,७) अंक हो तो एकार्गल दोष होता है।

कार्यभेदेन बाणज्ञानम् - 'व्रते विवर्जेद्रोगं गृहगोपेऽग्निबाणकम् । यात्रायां राजसेवायां विवाहे मृतिपञ्चकम् ॥' इति । [illegible]॥

अर्थ - कार्यभेद से यज्ञोपवीत संस्कार में रोग, घर के आच्छादन में अग्नि, राजसेवा में नृपबाण, यात्रा में चौर बाण, विवाहसंस्कार में मृत्यु बाण का त्याग करना चाहिए ॥ [illegible] ॥ - पीयूष ३५५

स्त्रीणांचन्द्रबले विशेषः - स्त्रीणांविधोर्बलमुशन्ति विवाहगर्भसंस्कारयोरितरकर्मसुभर्तुरेव । द्वादशचन्द्रग्राहकर्म - उत्सवे चाभिषेके च जनने व्रतबंधने पाणिग्रहेच यात्रायां चन्द्रोद्वादशमः शुभः । गुरुरेव पाणिग्रहे सीमन्तेऽभिषेके यात्राप्रयाणे व्रतबंधने च । व्रतोपनयनादिषु गर्गपूर्वैः प्रोक्तः शुभोद्वादशगो हिमांशुः । गर्भाधाने जन्मकालेऽभिषेके मौञ्जिबन्धने । पाणिग्रहे प्रयाणे च चन्द्रो द्वादशगः शुभः ॥ दैवज्ञकल्पद्रुम ।

विवाहे नक्षत्र-निर्णयः- निर्णयसिंधु. - रत्नमालायां - ''मूलमैत्रमृगरोहिणीकरैः पौष्णमाघमरुदुत्तराभिधैः। हिन्दी - रत्नमाला में कहा है कि मूल, अनुराधा, मृगशिर, रोहिणी, हस्त, रेवती स्वाती, मघा, तीनों उत्तरा (उत्तरा फाल्गुनी, उत्तराषाढा, उत्तराभाद्रपद) इन नक्षत्रों में विवाह का विधान किया है ॥ इति ॥

धर्मसिन्धु- रोहिणीमृगमघास्विति उत्तराहस्तस्वातीमूलानुराधारेवत्यः सर्वसंमतनक्षत्राणि । हिन्दी - रोहिणी, मृगशिर, मघा, तीनों उत्तरा, हस्त, स्वाती, मूल, अनुराधा और रेवती विवाह में सर्वसम्मत नक्षत्र हैं।

अथ चित्रादि-नक्षत्राणि - [1] हरदत्तमते चित्राश्रवणधनिष्ठाश्विन्य इत्यधिकानि चत्वारि ।

हिन्दी - हरदत्त के मत में चित्रा, श्रवण, धनिष्ठा और अश्विनी ये चार नक्षत्र विवाह में अधिक हैं।

१. पारस्करगृह्यसूत्रेऽपि - 'त्रिषु त्रिषूत्तरादिषु' अत्र गदाधर भाष्यम् - उत्तरा आदिर्येषां तान्युत्तरादीनि तेषु तेषु त्रिषु । अयमर्थ. - उत्तराफाल्गुन्यां हस्ते चित्रायां च, एवमुत्तराषाढायां श्रवणे धनिष्ठायां च, एवमुत्तराप्रोष्ठपदि रेवत्यामश्विन्यां च .. विवाहो भवतीत्यर्थ' इति ।

Printers & publishers :
Khemraj Shrikrishnadass, Prop. Shri Venkateshwar Press,
Khemraj Shrikrishnadass Marg, 7th Khetwadi, Mumbai - 400 004.
Web site: http://www.khe-shri.com Email : khemraj@bharatmail.co.in

रोगादि बाण (पंचक) ज्ञानाय - जब बाण विचार करना है उस मास की संक्रान्ति के गत अंशों को ५ स्थानों में स्थापित कर प्रत्येक स्थान में क्रमशः ६, ३, १, ८, ४ जोड़कर सबमें ९ से भाग देना चाहिए। जहाँ शेष पाँच बचे उसी उस दिन क्रमशः रोग, अग्नि, नृप, चोर और मृत्युबाण समझना चाहिए। जैसे - प्रथम स्थान में शेष ५ बचे तो उस दिन रोगबाण, द्वितीय ५ शेष से अग्नि, तृतीय स्थान में ५ शेष से नृप (राज), चतुर्थ स्थान में ५ शेष से चोर और पाँचवें स्थान में ५ शेष रहने से उस दिन मृत्युबाण समझना चाहिये। यदि कहीं भी शेष ५ नहीं हो तो उस दिन कोई भी बाण नहीं होता।

देशान्तर सारिणी

+ = पूर्व — = पश्चिम

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	पलभा अं. व्यं.	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	उज्जै. रेखा. पल-विपल	रेल्वेअन्तर मि. से.
अयोध्या	२६।४८	६। ४	८२।१४	+ ६५।१०	− १। ४
अजमेर	२६।२८	५।५८	७४।४०	− १०।३०	− ३१।२०
अमृतसर	३१।३७	७।२३	७४।५५	− ८। ०	− ३०।२०
अक्कलकोट	१७।३२	३।४७	७६।१३	+ ५। ०	− २५। ८
अहमदाबाद	२३। २	५। ६	७२।३८	− ३०।५०	− ३९।२८
अलीगढ़	२७।५४	६।२१	७८। ६	+ २३।५०	− १७।३६
अगरतल्ला	२३।५२	५।१९	९१।१६	+ १५५।३०	+ ३५। ४
अलीबाग	१८।३९	४। ३	७२।५४	− २८।१०	− ३८।२४
अनन्तपुर	१४।४०	३। ८	७७।३५	+ १८।४०	− १९।४०
अहमदनगर	१९। ५	४। ९	७४।४४	− ९।५०	− ३१। ४
अलवर	२७।३४	६।१६	७६।३८	+ ९।१०	− २३।२८
आगरा	२७।१०	६।१०	७८। २	+ २३।१०	− १७।५२
आजमगढ़	२६। ४	५।५२	८३।१२	+ ७४।५०	+ २।४८
आबू	२४।४०	५।३१	७२।४५	− २९।४०	− ३९। ०
आंकोला	२०।४३	४।३२	७७। ०	+ १२।५०	− २२। ०
इटावा	२६।४७	६। ३	७९। २	+ ३३।१०	− १३।५२
इम्फाल	२४।४४	५।३२	९३।५८	+ १८२।३०	+ ४५।५२
इन्दौर	२२।४४	५। २	७५।५०	+ १।१०	− २६।४०
इटारसी	२२।३७	५। ०	७७।४६	+ २०।३०	− १८।५६
इलाहाबाद	२५।२८	५।४३	८१।५४	+ ६१।५०	− २।२४
उज्जैन	२३। ९	५। ८	७५।४३	०। ०	− २७। ८
उदयपुर	२४।३५	५।२९	७३।४२	− २०।१०	− ३५।१२
उटकमंड	११।१७	२।२४	७६।४४	+ १०।१०	− २३। ४
एलिचपुर	२१।१८	४।४१	७७।३०	+ १७।५०	− २०। ०
औरंगाबाद	१९।५३	४।२०	७५।१९	− ४। ०	− २८।४४
ओंकारेश्वर	२१।१३	४।४०	७६। ६	+ ३।५०	− २५।३६
कटक	२०।२८	४।२९	८५।५४	+ १०१।५०	+ १३।३६
कटिहार	२५।३०	५।४३	८७।४०	+ ११९।३०	+ २०।४०
कोलकाता	२२।३४	४।५९	८८।२८	+ १२७।३०	+ २३।५२
करौली	२६।३०	५।५९	७७। ४	+ १३।३०	− २१।४४
कल्याण	१९।१४	४।११	७३। ८	− २५।५०	− ३७।२८
काशी	२५।१९	५।४१	८३। ०	+ ७२।५०	+ २। ०
कानपुर	२६।२७	५।५८	८०।२१	+ ४६।२०	− ८।३६

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	पलभा अं. व्यं.	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	उज्जै. रेखा. पल-विपल	रेल्वेअन्तर मि. से.
कांकरोली	२५। २	५।३६	७३।५४	− १८।१०	− ३४।२४
काश्मीर	३४। ६	८। ७	७४।५४	− ८।१०	− ३०।२४
कांची	१२।५६	२। ६	७६।१२	+ ४।५०	− २५।१२
कुमारी	८। ६	१।४२	७७।३०	+ १७।५०	− २०। ०
कुम्भकोणं	१०।५८	२।२०	७९।२३	+ ३६।४०	− १२।२८
कोकनाडा	१६।५९	३।४०	८२।१३	+ ६५। ०	− १। ८
कोल्हापुर	१६।४२	३।३६	७४।१६	− १४।३०	− ३२।५६
कोचीन	९।५८	२। ७	७६।१७	+ ५।४०	− २४।५२
कोटा	२५।१०	५।३८	७५।५२	+ १।३०	− २६।३२
कोटकपुरा	३०।३७	७। ६	७४।५०	− ८।५०	− ३०।४०
खरीयार रोड	२०।५४	४।३५	८२।३०	+ ६७।५०	०। ०
गया	२४।४९	५।३३	८५। १	+ ९३। ०	+ १०। ४
गंगानगर	२९।५९	६।५५	७३।५०	− १८।५०	− ३४।४०
गणदेवी	२०।४९	४।३४	७३। ०	− २७।१०	− ३८। ०
गढ़वाल	३०।१५	७। ०	७९।३०	+ ३७।५०	− १२। ०
गिलगिट	३५।२५	८।३२	७४।२२	− १३।३०	− ३२।३२
ग्वालियर	२६।१४	५।५५	७८।१०	+ २४।३०	− १७।२०
गोरखपुर	२६।४५	६। ३	८३।२४	+ ७६।५०	+ ३।३६
गोवा	१५।२५	३।१९	७३।४७	− १९।२०	− ३४।५२
गोहाटी	२६।११	५।५४	९१।४७	+ १६०।४०	+ ३७। ८
गोलाघाट	२६।३०	५।५९	९४। ०	+ १८२।५०	+ ४६। ०
चंडीगढ़	३०।४०	७। ७	७६।५२	+ ११।३०	− २२।३२
चिड़ावा	२८।१३	६।२६	७५।३९	− ०।४०	− २७।२४
चुरु	२८।१७	६।२७	७४।५८	− ७।३०	− ३०। ८
चेरापूंजी	२५।१७	५।४०	९१।४७	+ १६०।४०	+ ३७। ८
छपरा	२५।४७	५।४८	८४।४७	+ ९०।४०	+ ९। ८
जलपाईगुड़ी	२६।३२	६। ०	८८।४६	+ १३०।३०	+ २५। ४
जम्मू	३२।४४	७।४३	७४।५४	− ८।१०	− ३०।२४
जगदीशपुरी	१९।४८	४।१९	८५।५०	+ १०१।१०	+ १३।२०
जबलपुर	२३।१०	५। ८	७९।५८	+ ४२।३०	− १०। ८
जलगांव	२१। १	४।३७	७५।३४	− १।३०	− २७।४४
जयपुर	२६।५६	६। ६	७५।५०	+ १।१०	− २६।४०
जालंधर	३१।१९	७।१८	७५।१८	− ४।१०	− २८।४८

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	पलभा अं. व्यं.	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	उज्जै. रेखा. पल-विपल	रेल्वेअन्तर मि. से.
जाजू	२७।४६	६।११	७३। ०	− २७।१०	− ३८। ०
जामनगर	२२।२७	४।५७	७०। ७	− ५६। ०	− ४९।३२
जीन्द	२९।११	६।४४	७६।२३	+ ६।४०	− २४।२८
जूनागढ़	२१।३१	४।४४	७०।३६	− ५१।१०	− ४७।३६
जैसलमेर	२६।५५	६। ६	७०।५४	− ४८।१०	− ४६।२४
जोधपुर	२६।१८	५।५६	७३। ४	− २६।३०	− ३७।४४
झांसी	२५।२७	५।४५	७८।३७	+ २९। ०	− १५।३२
झालरापाटन	२४।३२	५।२९	७६।१२	+ ४।५०	− २५।१२
झरिया	२३।४५	५।१७	८६।२४	+ १०६।४०	+ १५।३६
झुंझनू	२८। ८	६।२५	७५।२४	− ३।१०	− २८।२४
ट्रावनकोर	९। ०	१।५४	७७। ०	+ १२।५०	− २२। ०
टोंक	२६।११	५।५४	७५।५०	+ १।१०	− २६।४०
तंजोर	१०।४७	२।१७	७९। ८	+ ३४।१०	− १३।२८
तेजपुर	२६।३८	६। १	९२।५२	+ १७१।३०	+ ४१।२८
त्रिवेन्द्रम	८।३०	१।४८	७६।५७	+ १२।२०	− २२।१२
त्रिपती	१३। ०	२।४६	७८।३६	+ २८।५०	− १५।३६
डिबरुगढ़	२७।२९	६।१५	९४।५६	+ १९२।१०	+ ४९।४४
दरभंगा	२६।१०	५।५४	८५।५७	+ १०२।२०	+ १३।४८
दिल्ली	२८।३८	६।३३	७७।१२	+ १४।५०	− २१।१२
धावलपुर	२६।४२	६। २	७७।५४	+ २१।५०	− १८।२४
नागपुर	२१। ९	४।३९	७९। ६	+ ३३।५०	− १३।३६
नागौर	२७।११	६।१०	७३।४२	− २०।१०	− ३५।१२
नासिक	२०। ०	४।२२	७३।४७	− १९।२०	− ३४।५२
नैनीताल	२९।२५	६।४६	७९।२७	+ ३७।२०	− १२।१२
पटना	२५।३७	५।४५	८५।१३	+ ९५। ०	+ १०।५२
पठानकोट	३२।१५	७।३४	७५।४२	− ०।१०	− २७।१२
प्रयाग	२५।२४	५।४२	८१।५३	+ ६१।४०	− २।२८
पूना	१८।३०	४। १	७३।५२	− १८।३०	− ३४।३२
बड़ौदा	२२।१६	४।५५	७३।१६	− २४।३०	− ३६।५६
बम्बई	१८।५८	४। ७	७२।४८	− २९।१०	− ३८।४८
बागलकोट	१६।१२	३।२९	७५।४२	− ०।१०	− २७।१२
बीकानेर	२८। १	६।२३	७३।१८	− २४।१०	− ३६।४८
बूंदी	२५।२७	५।४३	७५।३८	− ०।५०	− २७।२८

+ = पूर्व देशान्तर सारिणी - = पश्चिम

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	पलभा अं. व्यं.	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	उज्जै. रेखा. पल-विपल	रेखेअन्तर मि. से.
बंगलोर	१२।५८	२।४६	७७।३५	+ १८।४०	– ११।४०
भिवानी	२८।४६	६।३५	७६।१८	+ ५।५०	– २४।४८
भरतपुर	२७।१५	६।११	७७।३०	+ १७।५०	– २०। ०
भागलपुर	२५।१५	५।४०	८७। ०	+ ११२।५०	+ १८। ०
भोपाल	२३।१६	५।१०	७७।३६	+ १८।५०	– ११।३६
मछलीपट्टम	१६। १	३।२८	८१।१२	+ ५४।५०	– ५।१२
मणिपुर	२४।५०	५।३३	९३।५८	+ १८२।३०	+ ४५।५२
मथुरा	२७।२८	६।१४	७७।४२	+ ११।५०	– ११।१२
मिचई	१३। ६	२।४८	८०।१५	+ ४५।२०	– ९। ०
मुंगेर	२५।२३	५।४२	८७।३०	+ ११७।५०	+ २०। ०
रत्नागिरी	१७। ८	३।४२	७३।११	– २४। ०	– ३६।४४
रतनगढ	२८। ५	६।२४	७४।३९	– १०।४०	– ३१।२४
रामगढ शे.	२८। ०	६।२३	७५।५९	– ७।२०	– ३०। ४
रामेश्वरम्	९।१७	१।५८	७९।१८	+ ३५।५०	– १२।४८
रायपुर	२१।१५	४।४०	८१।४१	+ ५९।४०	– ३।१६
लखनऊ	२६।५५	६। ६	८०।५४	+ ५१।५०	– ६।२४
लद्दाख	३४। ०	८। ६	७८।४२	+ २९।५०	– १५।१२
लदियाकुं.घाट	२७।४६	६।१९	९५।५०	+ २०१।१०	+ ५३।२०
सागर	२३।५०	५।१८	७७।१३	+ १५। ०	– २१। ८
सूरत	२१।११	४।३९	७२।५०	– २८।५०	– ३८।४०
शिमला	३१। ६	७।१४	७७।१०	+ १४।३०	– २१।२०
सिल्चर	२४।५०	५।३३	९२।५१	+ १७१।२०	+ ४१।२४
शिलांग	२५।३४	५।४४	९१।५६	+ १६२।१०	+ ३७।४४
सिल्लीगुडी	२६।४२	६। २	८८।२५	+ १२७। ०	+ २३।४०
सीकर	२७।३७	६।१७	७५। ९	– ५।४०	– २१।२४
हरद्वार	२९।५८	६।५५	७८।१३	+ २५। ०	– १७। ८
हिसार	२९।१०	६।४२	७५।४६	+ ०।३०	– २६।५६
हरिहर क्षेत्र	१४।३१	३। ६	७५।५०	+ १।१०	– २६।४०
द.हैदराबाद	१७।२०	३।४५	७८।३०	+ २७।५०	– १६। ०
सि.हैदराबाद	२५।२५	५।४२	६८।३८	– ७०।५०	– ५५।२८
होसपेट	१५।१०	३।१५	७६।२४	+ ६।५०	– २४।२४
होशियारपुर	३१।३२	७।२२	७५।५५	+ २। ०	– २६।२०

विदेशी नगरों के अक्षांशादि

नाम नगर	अक्षांश	पलभा अं. व्यं.	रेखांश	दिल्ली से घं. मि. से.
रंगून (ब्रह्मा)	१६।४५	३।३७	९६।१३	+ १।१६। ४
सिंगापुर (मलाया)	१।१७	०।१६	१०३।५१	+ १।४६।३६
ल्हासा (तिब्बत)	२९।४०	६।५०	९१। ५	+ ०।५५।३२
ढाका (बं.दे.)	२३।४३	५।१६	९०।२६	+ ०।५२।५६
टोकियो (जापान)	३५।४०	८।३७	१३९।४५	+ ४।१०।१२
पेकिंग (चीन)	३९।४५	९।५९	११६।२४	+ २।३६।४८
हवाना (क्यूबा)	२३। ८	५। ८	– ८२।२२	–१०।३८।१६
कोलम्बो (लंका)	६।५६	१।२८	७९।५६	+ ०।१०।५६
विक्टोरिया(आस्ट्रे.)	– ३८। ०	– ९।२३	१४५। ०	+ ४।३१।१२
जकार्ता (जावा)	– ६।१२	– १।१८	१०६।५०	+ १।५८।३२
काबुल (अफगा.)	३४।३०	८।१५	६९।१८	– ०।३१।३६
कोबिजा(चिली)	– २२।३४	– ४।५९	– ७०।२६	– ९।५०।३२
बगदाद(ईराक)	३३।२०	७।५४	४४।२७	– २।११। ०
मक्का (अरब)	२१।२५	४।४२	३९।५४	– २।२९।१२
काहिरा (मिश्र)	३०। ०	६।५६	३१।१५	– ३। ३।४८
जेनेवा(स्विटज.)	४६।१३	१२।३१	६। ७	– ४।४४।२०
न्यूयार्क (अमे.)	४०।४३	१०।२०	– ७४। ०	–१०। ४।४८
वाशिंगटन (अमे.)	३८।५५	९।४१	– ७७। ४	–१०।१७। ४
बर्लिन (पू.जर्मनी)	५२।३२	१५।३९	१३।२५	– ४।१५। ८
बुडापेस्ट(हंगरी)	४७।२९	१३। ५	१९। ३	– ३।५२।३६
लंदन (इंगलैण्ड)	५१।३०	१५। ५	– ०। ५	– ५। ९। ८
ग्रीन्वीच	५१।३०	१५। ५	०। ०	– ५। ८।४८
करांची (पाक.)	२४।५१	५।३३	६७। ४	– ०।४०।३२
पैरिस (फ्रांस)	४८।५०	१३।४३	२।२०	– ४।५९।२८
मास्को (रूस)	५।४५	१।१३	३७।३७	– २।३८।२०
रोम (इटली)	४१।५५	१०।४६	१२।२८	– ४।१८।५६
अदन (अरब)	१२।४५	२।४३	४५। ४	– २। ८।३२
अंकारा (टर्की)	३९।५७	१०। ३	३२।५४	– २।५७।१२
तेहरान (ईरान)	३५।४१	८।३७	५१।२५	– १।४३। ८
कोडन्क (सूडान)	९।५२	२। ५	३२। ७	– ३। ०।२०
मोम्बासा(कन्या)	– ४। ०	– ०।५०	३९।४०	– २।३०। ८
लीमा (पेरु)	– १२। २	– २।३३	– ७७। २	–१०।१६।५६

अथ अश्विन्यादिनक्षत्राणां चरणगतकष्टार्थे दानम् । कष्टावलीयंत्रम् ।

अश्वि.	१	१०	७	७	मोती
भरणी	५	७	१५	५	अन्न
कृत्ति.	१५	०	१५	५	घृत
रोहि.	१७	१८	२६	२०	मधु
मृग.	१५	१७	२१	८	कालो
आर्द्रा	०	२	७	२	दुग्ध
पुनर्वसु	७	१२	२०	८	पीत
पुष्य	७	११	१०	०	रातो
आश्ले.	७	०	०	०	रुपो
मघा	२१	१५	१७	७	गाय
पूर्वा	१५	५	९	९	गेहूँ
उत्तरा	७	१४	८	८	तैल
हस्त	१७	८	२०	२०	श्वेत
चित्रा	११	२१	२	१	सूत्र
स्वाती	११	२१	२	२३	घृत
विशाखा	१५	१४	१	५	गुड
अनुराधा	१०	११	१२	१५	गेहूँ
ज्येष्ठा	१	५	११	१८	रातो
मूल	१६	१५	१८	८	मीठो
पू.षा.	०	९	०	३०	अन्न
उ.षा.	७	११	१०	०	रातो
अभि.	७	८	५	१५	मूंगो
श्रवण	११	१८	१७	९	मूंग
धनि.	१०	११	१५	७	तैल
शतभि.	१६	२	२०	९	दूध
पू.भा.	०	७	८	७	अन्न
उ.भा.	७	११	१०	०	कालो
रेवती	९	४७	०	०	हेम

परे लग्नशुद्ध्या कुयोगादिनाशम् -

व्याख्या- अथ परे आचार्या लग्नशुद्ध्या समीचीन-लग्नबले न कुयोगानां मृत्युक्रकचादीनां नाशं भवतीति शेषः ।

- पीयूषधारा

(पृ.४६, श्लो.४२)

अर्थ- लग्न शुद्धि के समय तिथि, नक्षत्र और विष्कुंभादि योग द्वारा उत्पन्न हुए मृत्यु-क्रकचादि कुयोग स्वयं नष्ट हो जाते है (जैसे सूर्योदय होने पर अंधेरा नष्ट हो जाता है) ।

विशेष- किसी एक विद्वान् के द्वारा बताये हुए शुद्धलग्न मुहूर्त को दूसरा विद्वान् (बालबुद्धि बाला) यजमान को यह कह कर भ्रमित (गुमराह) कर देता है कि उस दिन मृत्यु-क्रकचादि कुयोग होने से यह मुहूर्त्त अच्छा नहीं है । नोट - ऐसे बालमति के विद्वानों से कर-बद्ध प्रार्थना है कि ज्योतिष-शास्त्र का उपहास (मजाक) न करें । कहा भी है- "नानाशास्त्र विचक्षणश्च पुरुषानिन्दन्ति मूर्खाः सदा इति" ।

।।तमसो मा ज्योतिर्गमय.।।

संवत् २०८२. दिनमान एवं स्टैण्डर्ड सूर्योदयास्त जानने की सुगम विधि

भारत के किसी भी गांव या शहर का दिनमान निकालना हो उस नगर के अक्षांश पंचांग से प्राप्त करें यदि पंचांग में न हो तो भारत के नक्शे (अटलस) से प्राप्त करें। पंचांग में दैनिक रविक्रांति की सारणी अलग पृष्ठ पर दी हुई है। उस सारणी से जिस दिन का दिनमान निकालना हो उस दिन की रविक्रांति और अक्षांश की सहायता से चरपल संस्कार सारणी से चरपल लेवें और चरपलों को दुगुना (२ से गुणा) करें यदि ६० पलों से चरपल अधिक हो तो ६० का भाग देकर घटी/पल बना लें। रविक्रांति यदि + (उत्तर) हो तो मध्यम घटी ३०।०० में चरपल जोड़ दें और रविक्रांति – (दक्षिण) हो तो मध्यम घटी ३०।०० में घटा देने से अभीष्ट गांव या शहर का सूक्ष्मासन्न घट्यात्मक दिनमान प्राप्त आयेगा।

अभीष्ट दिन के दिनमान में पांच का भाग देने से घंटा-मिनटात्मक देशी (सूर्यघटी) सूर्यास्त बनता है। सूर्यास्त को घंटा १२।०० में घटाने से देशी सूर्योदय बनता है। इन देशी सूर्योदयास्त में जिस नगर का हो उसका रेल्वेऽन्तर मिनट संस्कार करने से मध्यम स्थानिक सूर्योदयास्त होते हैं और वेलान्तर संस्कार करने से अभीष्ट दिन के स्पष्ट स्टैण्डर्ड सूर्योदयास्त होते हैं। (रेल्वेऽन्तर और वेलान्तर सारणी इसी पंचांग में अलग पृष्ठ पर है ध्यान रहे कि स्थानिक देशी समय से स्टैण्डर्ड (रेल्वे) समय बनाना हो तो रेल्वेऽन्तर संस्कार के चिन्ह ऋण (–) और धन (+) को विलोम व्यस्त चिन्ह करके संस्कार करें। यथा - पंचांग में + (धन) चिन्ह दिया है तो विलोम (व्यस्त) ऋण (–) संस्कार करें और ऋण (–) चिन्ह दिया हो तो धन (+) संस्कार करें। वेलान्तर समय के चिन्ह जैसे पंचांग में दिये हैं वे चिन्ह यथावत् रहेंगे। लेकिन स्टैण्डर्ड समय से स्थानिक समय बनाना हो तो उपरोक्त क्रिया से विपरीत चिन्ह होते हैं यानि कि रेल्वेऽन्तर के निशान ज्यों के त्यों करें लेकिन वेलान्तर संस्कार के निशान जैसे पंचांग में है उससे विपरीत करें। इस तरह भारत के किसी भी नगर का दिनमान एवं स्टैण्डर्ड (रेल्वे) सूर्योदयास्त ज्ञात किये जा सकते हैं।

दिनमान = 30 + (चरपल x २)

स्टैण्डर्ड सूर्यास्त = दिनमान ÷ ५ + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)

स्टैण्डर्ड सूर्योदय = १२ – (दिनमान ÷ ५) + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)

उदाहरण - संवत् २०८२, तारीख १ अगस्त २०२५, शुक्रवार को कोलकाता (बंगा.) अक्षांश: २२° ३४′ उ., रेखांश: ८८° २८′ पू. का स्पष्ट दिनमान एवं स्टैण्डर्ड सूर्योदय/सूर्यास्त गणित द्वारा ज्ञात करना है। १ अगस्त २०२५ को पश्चात्यस्थ रवि क्रान्ति अंश-कलादि (धन) +१८।०० है यहाँ अक्षांश और रवि क्रान्ति दोनों को उपकरण मानकर इनकी सहायता से चरपल संस्कार सारणी से अनुपात सहित ७७।०६ पलादि प्राप्त हुई. इनको २ से गुणा किया (१५४।१२ = ७७।०६ x २) तो पलादि १५४।१२ हुई. पल ६० से ज्यादा है अत: ६० का भाग दिया तो घट्यादि + २।३४।१२ हुआ यहाँ रवि क्रान्ति उत्तर है अत: घटी ३० में जोड़ दिया (३०।००।०० + २।३४।१२) तो घट्यात्मक ३२।३४।१२ दिनमान हुआ। इसमें ५ का भाग दिया लब्धि घंटादि ६ घंटा ३० मिनट ५० से. देशी सूर्यास्त टाइम हुई इसको १२ में से घटा दिया तो ५ घंटा २९ मिनट १० से. देशी सूर्योदय समय हो गया इसमें रेल्वेऽन्तर संस्कार के लिए - कोलकाता (बंगा.) का रेखांश ८२।३० से ज्यादा है अत: ((८८।२८ - ८२।३०) x ४) रेल्वे मध्यान्तर मिनट (धन) +२३ सेकण्ड ५२ को व्यस्तचिन्ह (ऋण हो तो धन और धन हो तो ऋण) करके सूर्योदय/सूर्यास्त में से घटा दिया तो ५।०५।१८ सूर्योदय और ६।०६।५८ सूर्यास्त कोलकाता (बंगा.) का मध्यम मान से हुआ। इसमें तारीख १ अगस्त २०२५ को वेलान्तर मिनट + ६ सेकण्ड २२ को धनर्ण करने से स्टैण्डर्ड (रेल्वे) ५।११।४० सूर्योदय और ६।१३।२० सूर्यास्त (अर्थादिक रूप से सूर्योदय ५ बजकर ११ मिनट और सूर्यास्त ६ बजकर १३ मिनट) समय स्पष्ट हो गया। इसी प्रकार भारत के किसी भी गाव या शहर का दिनमान एवं स्टै. सूर्योदयास्त ज्ञात कर सकते हैं।

अभिजित् मुहूर्त्त ज्ञानाय: - "अष्टमे दिवसस्यार्द्धे त्वभिजित् संज्ञक: क्षण:" उपनयनादि मुहूर्तों में लग्न के स्थान पर 'अभिजिति' लिखा रहता है इसका स्टै. समय ज्ञात करने के लिए क्रिया - जिस अभीष्ट शहर का स्टै. समय निकालना हो उस नगर के दिनमान घंटा-मिनटात्मक (यदि घटी-पल में दिनमान है तो २॥ ढाई का भाग देकर घंटा मिनट बना लें) को आधा करके स्टै. सूर्योदय में + (जोड़) दें यह स्थानिक स्पष्ट मध्यान्ह काल हो गया इस मध्यान्ह काल के २४ मिनट पहले और २४ मिनट बाद (यानि ४८ मि.) का अभीष्ट शहर का स्पष्ट अभिजित् (स्टै.) समय होता है।

उदाहरण - कोलकाता (बंगा.) में १ अगस्त २०२५ शुक्रवार को अभिजित् मुहूर्त का (स्टै.) समय निकालना है। उक्त तारीख को गणितागत घट्यात्मक दिनमान ३२।३४।१२ है २॥ (ढाई) का भाग देकर घंटा-मि. बनाया तो १३ घं. ०१ मि. ४१ से. हुआ. इसका आधा ६ घं. ३० मि. ५० से. को स्टै. सूर्योदय ५ बजकर ११ मिनट ४० से. में जोड़ दिया यह स्टै. ११ घं. ४२ मि. ३० से. मध्यान्ह काल आ गया इसमें २४ मिनट पहले ११।४२।३० - ०।२४ = ११।१८।३० और २४ मिनट बाद तक ११।४२।३० + ०।२४ = १२।०६।३० (यानि कि मध्यान्ह काल के २४ मि. पहले और २४ मि. बाद तक का समय) कोलकाता (बंगा.) में अभिजित् मुहूर्त का स्टै. समय दिन के ११।१८।३० बजे से दिन के १२ बजकर ०६ मिनट ३० से. तक का है। इस प्रकार भारत के किसी भी गांव अथवा शहर का अभिजित् मुहूर्त का समय निकाल सकते हैं। यह ध्यान रहे कि बुधवार के दिन अभिजित् मुहूर्त सर्वथा त्याज्य है। यथा - "अभिजित्र बुधे शस्तं याम्यां तु गमने तथा" ॥

घटी, पल, विपल से घंटा मिनट सैकण्ड परिणत क्रिया - २ विपल ३० प्र. विपल (ढाई विपल) की १ सेकण्ड होती है, १ पल में २४ सेकण्ड होती है, २ पल में ४८ सेकण्ड होती है, २ पल ३० विपल (ढाई पल) में १ मिनट होती है। १ घटी में २४ मिनट होती है। २ घटी में ४८ मिनट, २ घटी ३० पल (ढाई घटी) में १ घंटा होता है और ६० घटी के २४ घंटे होते हैं। सब इसी तरह से जानना चाहिए। स्पष्टता के लिए घटी पल से घंटा मिनट का नीचे लिखा चक्र देखें।

घ. प.	घं. मि.	घ. प.	घं. मि.	घ. प.	घं. मि.	घ. प.	घं. मि.	घ. प.	घं. मि.	प. प.	घं. मि.
१	०।२४	८	३।१२	१६	६।२४	२३	९।१२	३१	१२।२४	३८	१५।१२
२	०।४८	९	३।३६	१७	६।४८	२४	९।३६	३२	१२।४८	३९	१५।३६
२।३०	१।००	१०	४।००	१७।३०	७।००	२५	१०।००	३२।३०	१३।००	४०	१६।००
३	१।१२	११	४।२४	१८	७।१२	२६	१०।२४	३३	१३।१२	४१	१६।२४
४	१।३६	१२	४।४८	१९	७।३६	२७	१०।४८	३४	१३।३६	४२	१६।४८
५	२।००	१२।३०	५।००	२०	८।००	२७।३०	११।००	३५	१४।००	४२।३०	१७।००
६	२।२४	१३	५।१२	२१	८।२४	२८	११।१२	३६	१४।२४	४३	१७।१२
७	२।४८	१४	५।३६	२२	८।४८	२९	११।३६	३७	१४।४८	४४	१७।३६
७।३०	३।००	१५	६।००	२२।३०	९।००	३०	१२।००	३७।३०	१५।००	४५	१८।००

॥ चरपल संस्कार सारणी ॥

उपकरण = क्रांत्यंशा: (उत्तर/दक्षिण) अक्षांशाश्च

← अक्षांशा: | अक्षांशा: →

क्रांत्यंशा: ↑↓

	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८
१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	६	७	७	७	८	८
२	२	२	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१३	१३	१३	१४	१५	१५	१६
३	३	४	४	५	५	६	६	७	७	८	९	९	१०	१०	११	१२	१२	१३	१३	१४	१५	१५	१६	१७	१७	१८	१९	२०	२०	२१	२२	२३	२३
४	४	५	६	६	७	८	९	९	१०	११	११	१२	१३	१४	१५	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१
५	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३३	३४	३५	३६	३८	३९
६	६	७	८	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	२०	२१	२२	२३	२४	२६	२७	२८	२९	३१	३२	३३	३५	३६	३८	३९	४१	४२	४४	४५	४७
७	७	९	१०	११	१२	१४	१५	१६	१८	१९	२०	२२	२३	२४	२६	२७	२८	३०	३१	३३	३४	३६	३७	३९	४१	४२	४४	४६	४८	४९	५१	५३	५५
८	८	१०	११	१३	१४	१६	१७	१९	२०	२२	२३	२५	२६	२८	२९	३१	३३	३४	३६	३८	३९	४१	४३	४५	४७	४८	५०	५२	५४	५६	५९	६१	६३
९	१०	११	१३	१४	१६	१८	१९	२१	२३	२४	२६	२८	२९	३१	३३	३५	३७	३९	४०	४२	४४	४६	४८	५०	५२	५५	५७	५९	६१	६४	६६	६९	७१
१०	११	१२	१४	१६	१८	२०	२१	२३	२५	२७	२९	३१	३३	३५	३७	३९	४१	४३	४५	४७	४९	५२	५४	५६	५८	६१	६३	६६	६८	७१	७४	७६	७९
११	१२	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	३४	३६	३८	४१	४३	४५	४७	५०	५२	५४	५७	५९	६२	६४	६७	७०	७३	७५	७८	८१	८४	८७
१२	१३	१५	१७	१९	२१	२४	२६	२८	३०	३३	३५	३७	४०	४२	४४	४७	४९	५२	५४	५७	६०	६२	६५	६८	७०	७३	७६	७९	८२	८६	८९	९२	९६
१३	१४	१६	१९	२१	२३	२६	२८	३१	३३	३५	३८	४०	४३	४६	४८	५१	५४	५६	५९	६२	६५	६८	७१	७४	७७	८०	८३	८६	९०	९३	९७	१००	१०४
१४	१५	१८	२०	२३	२५	२८	३०	३३	३६	३८	४१	४४	४६	४९	५२	५५	५८	६१	६४	६७	७०	७३	७६	७९	८३	८६	९०	९३	९७	१०१	१०४	१०८	११२
१५	१६	१९	२२	२४	२७	३०	३३	३५	३८	४१	४४	४७	५०	५३	५६	५९	६२	६५	६९	७२	७५	७८	८२	८५	८९	९३	९६	१००	१०४	१०८	११२	११६	१२१
१६	१७	२०	२३	२६	२९	३२	३५	३८	४१	४४	४७	५०	५३	५७	६०	६३	६७	७०	७३	७७	८०	८४	८८	९१	९५	९९	१०३	१०७	११२	११६	१२०	१२५	१२९
१७	१८	२२	२५	२८	३१	३४	३७	४०	४४	४७	५०	५४	५७	६०	६४	६७	७१	७५	७८	८२	८६	९०	९४	९८	१०२	१०६	११०	११५	११९	१२४	१२८	१३३	१३८
१८	२०	२३	२६	२९	३३	३६	४०	४३	४६	५०	५३	५७	६१	६४	६८	७२	७५	७९	८३	८७	९१	९५	९९	१०४	१०८	११३	११७	१२२	१२७	१३२	१३७	१४२	१४७
१९	२१	२४	२८	३१	३५	३८	४२	४६	४९	५३	५७	६०	६४	६८	७२	७६	८०	८४	८८	९२	९७	१०१	१०५	११०	११५	११९	१२४	१२९	१३४	१४०	१४५	१५०	१५६
२०	२२	२६	२९	३३	३७	४१	४४	४८	५२	५६	६०	६४	६८	७२	७६	८०	८५	८९	९३	९८	१०२	१०७	११२	११६	१२१	१२६	१३१	१३७	१४२	१४८	१५३	१५९	१६५
२१	२३	२७	३१	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९	६३	६७	७२	७६	८०	८५	८९	९४	९८	१०३	१०८	११३	११८	१२३	१२८	१३३	१३९	१४४	१५०	१५६	१६२	१६८	१७५
२२	२४	२८	३३	३७	४१	४५	४९	५४	५८	६२	६७	७१	७५	८०	८५	८९	९४	९९	१०४	१०९	११४	११९	१२४	१२९	१३५	१४०	१४६	१५२	१५८	१६४	१७१	१७७	१८४
२३	२६	३०	३४	३९	४३	४७	५२	५६	६१	६५	७०	७५	७९	८४	८९	९४	९९	१०४	१०९	११४	११९	१२५	१३०	१३६	१४२	१४८	१५४	१६०	१६६	१७३	१८०	१८७	१९४
२४	२७	३१	३६	४०	४५	५०	५४	५९	६४	६९	७३	७८	८३	८८	९३	९८	१०४	१०९	११४	१२०	१२५	१३१	१३७	१४३	१४९	१५५	१६२	१६८	१७५	१८२	१८९	१९६	२०४
२५	२८	३३	३८	४२	४७	५२	५७	६२	६७	७२	७७	८२	८७	९२	९८	१०३	१०९	११४	१२०	१२६	१३१	१३७	१४४	१५०	१५६	१६३	१६९	१७६	१८३	१९१	१९८	२०६	२१४
२६	२९	३४	३९	४४	४९	५४	६०	६५	७०	७५	८०	८६	९१	९७	१०२	१०८	११४	११९	१२५	१३१	१३८	१४४	१५०	१५७	१६४	१७०	१७७	१८५	१९२	२००	२०८	२१६	२२४
२७	३१	३६	४१	४६	५२	५७	६२	६८	७३	७८	८४	९०	९५	१०१	१०७	११३	११९	१२५	१३१	१३७	१४४	१५०	१५७	१६४	१७१	१७८	१८६	१९३	२०१	२०९	२१७	२२६	२३५
२८	३२	३७	४३	४८	५४	५९	६५	७१	७६	८२	८८	९४	९९	१०५	११२	११८	१२४	१३०	१३७	१४४	१५०	१५७	१६४	१७१	१७९	१८६	१९४	२०२	२१०	२१९	२२७	२३६	२४५
२९	३३	३९	४५	५०	५६	६२	६८	७४	७९	८५	९१	९८	१०४	११०	११६	१२३	१२९	१३६	१४३	१५०	१५७	१६४	१७१	१७९	१८७	१९५	२०३	२११	२२०	२२८	२३७	२४७	२५७
३०	३५	४१	४७	५२	५८	६४	७०	७७	८३	८९	९५	१०२	१०८	११५	१२१	१२८	१३४	१४२	१४९	१५६	१६४	१७१	१७९	१८७	१९५	२०३	२११	२२०	२२९	२३८	२४८	२५८	२६८
३१	३६	४२	४८	५५	६१	६७	७३	८०	८६	९३	९९	१०६	११३	११९	१२६	१३३	१४०	१४८	१५५	१६३	१७०	१७८	१८६	१९५	२०३	२१२	२२१	२३०	२३९	२४९	२५९	२६९	२८०

विशेष - क्रांति और अक्षांश दोनों दक्षिण (–) अथवा दोनों उत्तर (+) हों तो चरपल का चिन्ह धन (+) होता है। क्रांति दक्षिण (–) और अक्षांश उत्तर (+) हों तो चरपल का चिन्ह दक्षिण यानि ऋण (–) होता है। क्रांति उत्तर (+) और अक्षांश दक्षिण (–) हों तो चरपल का चिन्ह ऋण (–) होता है। **नोट**- दिनमान बनाने के लिए · प्राप्त चरपल को २ से गुणा कर संस्कार करें। - पं. ग्यारसीलाल शर्मा

|| संवत् २०८२ (सन् २०२५-२६) में विभिन्न नगरों का दिनमान और सूर्योदय (स्टै.घं.मि.) ता.३०। ३।२०२५ से ५ दिन के अंतर से || सूर्यास्त = दिनमान में सूर्योदय जोड़ने से

शहर	अजमेर		अहमदाबाद		अमृतसर		आकोला		इंदौर		उज्जैन		कटक		कोलकाता		काठमाण्डु		कानपुर		कोटा		गंगानगर		गौहाटी		जयपुर		जींद(हरि)		जोधपुर	
तारीख	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.
३०। ३	१२।१५	६।२८	१२।१३	६।३८	१२।१९	६।२६	१२।१२	६।२०	१२।१३	६।२५	१२।१३	६।२५	१२।११	५।५५	१२।१३	५।३४	१२।१५	५।४६	१२।१५	६।०६	१२।१४	६।२४	१२।१८	६।३०	१२।१५	५।२०	१२।१६	६।२४	१२।१७	६।२१	१२।१५	६।३७
४। ४	१२।२३	६।२३	१२।२०	६।३३	१२।२८	६।२०	१२।१७	६।१६	१२।१९	६।२०	१२।२०	६।२०	१२।१७	५।४९	१२।१९	५।३०	१२।२३	५।४१	१२।२३	६।०१	१२।२२	६।१९	१२।२७	६।२५	१२।२३	५।१५	१२।२३	६।१८	१२।२६	६।१५	१२।२३	६।३२
९। ४	१२।३१	६।१८	१२।२६	६।२९	१२।३८	६।१४	१२।२३	६।१२	१२।२६	६।१५	१२।२६	६।१६	१२।२३	५।३७	१२।२५	५।२५	१२।३१	५।३६	१२।३१	५।५५	१२।२९	६।१४	१२।३५	६।१९	१२।३०	५।१०	१२।३१	६।१३	१२।३४	६।०९	१२।३०	६।२७
१४। ४	१२।३८	६।१३	१२।३३	६।२४	१२।४७	६।०८	१२।२९	६।०८	१२।३२	६।११	१२।३३	६।११	१२।२८	५।३३	१२।३२	५।२१	१२।३८	५।३१	१२।३८	५।५०	१२।३६	६।०९	१२।४४	६।१३	१२।३७	५।०५	१२।३९	६।०८	१२।४३	६।०४	१२।३७	६।२२
१९। ४	१२।४५	६।०८	१२।३९	६।२०	१२।५६	६।०२	१२।३४	६।०४	१२।३८	६।०७	१२।३९	६।०७	१२।३४	५।२९	१२।३८	५।१७	१२।४६	५।२६	१२।४५	५।४६	१२।४३	६।०५	१२।५२	६।०८	१२।४५	५।००	१२।४६	६।०३	१२।५१	५।५८	१२।४५	६।१७
२४। ४	१२।५२	६।०३	१२।४५	६।१६	१३।०५	५।५७	१२।४०	६।००	१२।४४	६।०३	१२।४५	६।०३	१२।३९	५।२५	१२।४४	५।१३	१२।५३	५।२१	१२।५२	५।४१	१२।४९	६।००	१३।०१	६।०३	१२।५२	४।५५	१२।५३	५।५९	१२।५९	५।५३	१२।५२	६।१३
२९। ४	१२।५९	५।५९	१२।५१	६।१२	१३।१३	५।५२	१२।४५	५।५७	१२।५०	५।५९	१२।५१	५।५९	१२।४४	५।२२	१२।४९	५।०९	१३।००	५।१७	१२।५९	५।३७	१२।५६	५।५६	१३।०८	५।५८	१२।५८	४।५१	१३।००	५।५४	१३।०७	५।४९	१२।५८	६।०८
४। ५	१३।०५	५।५५	१२।५७	६।०९	१३।२१	५।४७	१२।५०	५।५४	१२।५५	५।५६	१२।५६	५।५६	१२।४९	५।१९	१२।५५	५।०६	१३।०६	५।१३	१३।०५	५।३३	१३।०२	५।५३	१३।१६	५।५४	१३।०५	४।४८	१३।०७	५।५०	१३।१४	५।४५	१३।०५	६।०५
९। ५	१३।११	५।५२	१३।०२	६।०६	१३।२९	५।४३	१२।५४	५।५१	१३।००	५।५३	१३।०१	५।५३	१२।५३	५।१६	१३।००	५।०३	१३।१२	५।१०	१३।११	५।३०	१३।०७	५।५०	१३।२३	५।५०	१३।११	४।४४	१३।१३	५।४७	१३।२१	५।४१	१३।११	६।०१
१४। ५	१३।१७	५।४९	१३।०७	६।०३	१३।३६	५।४०	१२।५८	५।४९	१३।०५	५।५१	१३।०६	५।५१	१२।५८	५।१४	१३।०४	५।०१	१३।१८	५।०७	१३।१७	५।२७	१३।१३	५।४७	१३।३०	५।४६	१३।१६	४।४१	१३।१९	५।४४	१३।२७	५।३७	१३।१६	५।५८
१९। ५	१३।२२	५।४७	१३।११	६।०१	१३।४२	५।३६	१३।०२	५।४७	१३।०९	५।४९	१३।११	५।४८	१३।०१	५।१२	१३।०९	४।५९	१३।२३	५।०४	१३।२२	५।२४	१३।१८	५।४५	१३।३४	५।४४	१३।२१	४।३९	१३।२४	५।४२	१३।३३	५।३५	१३।२१	५।५६
२४। ५	१३।२७	५।४५	१३।१५	५।५९	१३।४८	५।३४	१३।०६	५।४६	१३।१३	५।४७	१३।१४	५।४७	१३।०५	५।११	१३।१२	४।५७	१३।२८	५।०२	१३।२७	५।२२	१३।२२	५।४३	१३।४१	५।४१	१३।२६	४।३७	१३।२९	५।४०	१३।३८	५।३२	१३।२६	५।५४
२९। ५	१३।३१	५।४३	१३।१८	५।५८	१३।५३	५।३२	१३।०९	५।४५	१३।१६	५।४६	१३।१८	५।४६	१३।०८	५।१०	१३।१६	४।५६	१३।३२	५।०१	१३।३१	५।२१	१३।२६	५।४१	१३।४५	५।४०	१३।३०	४।३६	१३।३३	५।३८	१३।४३	५।३१	१३।३०	५।५३
३। ६	१३।३४	५।४३	१३।२१	५।५८	१३।५७	५।३१	१३।११	५।४४	१३।१९	५।४५	१३।२१	५।४५	१३।१०	५।१०	१३।१८	४।५५	१३।३५	५।००	१३।३४	५।२०	१३।२९	५।४१	१३।४९	५।३८	१३।३३	४।३५	१३।३६	५।३७	१३।४६	५।३०	१३।३३	५।५२
८। ६	१३।३६	५।४२	१३।२३	५।५७	१४।००	५।३०	१३।१३	५।४४	१३।२१	५।४५	१३।२३	५।४५	१३।१२	५।१०	१३।२०	४।५५	१३।३७	५।००	१३।३६	५।२०	१३।३१	५।४०	१३।५२	५।३८	१३।३५	४।३४	१३।३८	५।३७	१३।४९	५।२९	१३।३५	५।५२
१३। ६	१३।३८	५।४२	१३।२५	५।५८	१४।०२	५।३०	१३।१४	५।४५	१३।२२	५।४५	१३।२४	५।४५	१३।१३	५।१०	१३।२२	४।५५	१३।३९	५।००	१३।३८	५।२०	१३।३३	५।४१	१३।५४	५।३८	१३।३७	४।३५	१३।४०	५।३७	१३।५१	५।२९	१३।३७	५।५२
१८। ६	१३।३९	५।४३	१३।२६	५।५८	१४।०३	५।३१	१३।१५	५।४५	१३।२३	५।४६	१३।२५	५।४६	१३।१४	५।११	१३।२२	४।५६	१३।४०	५।००	१३।३९	५।२०	१३।३३	५।४१	१३।५५	५।३८	१३।३८	४।३५	१३।४१	५।३७	१३।५२	५।३०	१३।३८	५।५२
२३। ६	१३।३९	५।४४	१३।२६	५।५९	१४।०३	५।३२	१३।१५	५।४६	१३।२३	५।४७	१३।२५	५।४७	१३।१४	५।१२	१३।२३	४।५७	१३।४०	५।०१	१३।३९	५।२२	१३।३३	५।४२	१३।५५	५।३९	१३।३८	४।३६	१३।४१	५।३९	१३।५२	५।३१	१३।३८	५।५३
२८। ६	१३।३८	५।४५	१३।२५	६।०१	१४।०२	५।३३	१३।१४	५।४८	१३।२३	५।४९	१३।२४	५।४८	१३।१३	५।१३	१३।२२	४।५८	१३।३९	५।०३	१३।३८	५।२३	१३।३३	५।४४	१३।५४	५।४१	१३।३७	४।३८	१३।४०	५।४०	१३।५१	५।३२	१३।३७	५।५४
३। ७	१३।३७	५।४७	१३।२४	६।०२	१४।००	५।३५	१३।१३	५।४९	१३।२१	५।५०	१३।२३	५।५०	१३।१२	५।१५	१३।२१	५।००	१३।३८	५।०५	१३।३७	५।२५	१३।३१	५।४५	१३।५२	५।४३	१३।३६	४।३९	१३।३९	५।४२	१३।४९	५।३४	१३।३५	५।५७
८। ७	१३।३४	५।४९	१३।२२	६।०४	१३।५७	५।३७	१३।११	५।५१	१३।१९	५।५२	१३।२१	५।५२	१३।११	५।१६	१३।१९	५।०२	१३।३५	५।०७	१३।३४	५।२७	१३।२९	५।४७	१३।५०	५।४५	१३।३३	४।४१	१३।३६	५।४४	१३।४७	५।३६	१३।३३	५।५९
१३। ७	१३।३१	५।५१	१३।१९	६।०६	१३।५३	५।४०	१३।०९	५।५३	१३।१७	५।५४	१३।१८	५।५४	१३।०८	५।१८	१३।१६	५।०४	१३।३२	५।०९	१३।३१	५।२९	१३।२६	५।४९	१३।४६	५।४७	१३।३०	४।४४	१३।३३	५।४६	१३।४३	५।३९	१३।३०	६।०१
१८। ७	१३।२७	५।५४	१३।१६	६।०८	१३।४८	५।४३	१३।०६	५।५५	१३।१३	५।५६	१३।१५	५।५६	१३।०५	५।२०	१३।१३	५।०६	१३।२८	५।११	१३।२७	५।३१	१३।२२	५।५२	१३।४१	५।५०	१३।२६	४।४६	१३।२९	५।४८	१३।३९	५।४१	१३।२६	६।०३
२३। ७	१३।२३	५।५६	१३।१२	६।११	१३।४३	५।४६	१३।०३	५।५७	१३।१०	५।५८	१३।११	५।५८	१३।०२	५।२२	१३।०९	५।०८	१३।२४	५।१४	१३।२३	५।३४	१३।१८	५।५४	१३।३६	५।५३	१३।२२	४।४८	१३।२५	५।५१	१३।३४	५।४४	१३।२२	६।०५
२८। ७	१३।१८	५।५९	१३।०७	६।१३	१३।३७	५।४९	१२।५९	५।५८	१३।०६	६।००	१३।०७	६।००	१२।५८	५।२४	१३।०५	५।१०	१३।१९	५।१६	१३।१८	५।३६	१३।१४	५।५६	१३।३१	५।५६	१३।१७	४।५१	१३।२०	५।५३	१३।२८	५।४७	१३।१७	६।०८
२। ८	१३।१२	६।०१	१३।०३	६।१५	१३।३०	५।५२	१२।५५	६।००	१३।०१	६।०२	१३।०२	६।०२	१२।५४	५।२५	१३।००	५।१२	१३।१३	५।१९	१३।१२	५।३९	१३।०८	५।५९	१३।२४	५।५९	१३।१२	४।५३	१३।१४	५।५६	१३।२२	५।५०	१३।१२	६।१०
७। ८	१३।०६	६।०४	१२।५८	६।१७	१३।२२	५।५५	१२।५०	६।०२	१२।५६	६।०४	१२।५७	६।०४	१२।५०	५।२७	१२।५६	५।१४	१३।०७	५।२१	१३।०७	५।४१	१३।०३	६।०१	१३।१७	६।०२	१३।०६	४।५६	१३।०८	५।५८	१३।१५	५।५२	१३।०६	६।१३
१२। ८	१३।००	६।०६	१२।५२	६।१९	१३।१५	५।५८	१२।४६	६।०४	१२।५१	६।०६	१२।५२	६।०६	१२।४५	५।२९	१२।५०	५।१६	१३।०१	५।२४	१३।००	५।४४	१२।५७	६।०३	१३।१०	६।०४	१३।००	४।५८	१३।०१	६।०१	१३।०८	५।५५	१२।५९	६।१५
१७। ८	१२।५४	६।०८	१२।४६	६।२१	१३।०६	६।०१	१२।४१	६।०५	१२।४५	६।०८	१२।४६	६।०८	१२।४०	५।३०	१२।४५	५।१८	१२।५४	५।२६	१२।५४	५।४६	१२।५१	६।०५	१३।०२	६।०७	१२।५३	५।००	१२।५५	६।०३	१३।०१	५।५८	१२।५३	६।१७
२२। ८	१२।४७	६।११	१२।४०	६।२२	१२।५८	६।०४	१२।३५	६।०७	१२।३९	६।१०	१२।४०	६।१०	१२।३५	५।३२	१२।३९	५।१९	१२।४७	५।२८	१२।४७	५।४८	१२।४४	६।०७	१२।५४	६।१०	१२।४६	५।०२	१२।४८	६।०६	१२।५३	६।०१	१२।४६	६।२०
२७। ८	१२।४०	६।१३	१२।३४	६।२४	१२।४९	६।०८	१२।३०	६।०८	१२।३३	६।११	१२।३४	६।११	१२।३०	५।३३	१२।३३	५।२१	१२।४०	५।३०	१२।४०	५।५०	१२।३७	६।०९	१२।४६	६।१३	१२।३९	५।०५	१२।४०	६।०८	१२।४५	६।०३	१२।३९	६।२२
१। ९	१२।३२	६।१५	१२।२८	६।२६	१२।४०	६।११	१२।२५	६।०९	१२।२७	६।१३	१२।२८	६।१३	१२।२४	५।३४	१२।२७	५।२२	१२।३३	५।३३	१२।३२	५।५२	१२।३१	६।११	१२।३८	६।१६	१२।३२	५।०७	१२।३३	६।१०	१२।३७	६।०६	१२।३२	६।२४
६। ९	१२।२५	६।१७	१२।२२	६।२७	१२।३१	६।१३	१२।१९	६।१०	१२।२१	६।१४	१२।२१	६।१५	१२।१९	५।३५	१२।२१	५।२४	१२।२५	५।३५	१२।२५	५।५४	१२।२४	६।१३	१२।२९	६।१८	१२।२५	५।०९	१२।२५	६।१२	१२।२८	६।०८	१२।२५	६।२६
११। ९	१२।१७	६।१९	१२।१५	६।२९	१२।२२	६।१६	१२।१३	६।११	१२।१५	६।१६	१२।१५	६।१६	१२।१३	५।३६	१२।१५	५।२५	१२।१८	५।३७	१२।१७	५।५६	१२।१६	६।१५	१२।२०	६।२१	१२।१७	५।११	१२।१८	६।१४	१२।२०	६।११	१२।१७	६।२८
१६। ९	१२।१०	६।२१	१२।०८	६।३०	१२।१२	६।१९	१२।०७	६।१३	१२।०८	६।१७	१२।०८	६।१८	१२।०७	५।३७	१२।०८	५।२७	१२।१०	५।३९	१२।१०	५।५९	१२।०९	६।१७	१२।११	६।२४	१२।१०	५।१३	१२।१०	६।१६	१२।११	६।१४	१२।१०	६।३०
२१। ९	१२।०२	६।२३	१२।०२	६।३२	१२।०३	६।२२	१२।०२	६।१४	१२।०२	६।१९	१२।०२	६।१९	१२।०२	५।३९	१२।०२	५।२८	१२।०२	५।४१	१२।०२	६।०१	१२।०२	६।१९	१२।०२	६।२६	१२।०२	५।१५	१२।०२	६।१९	१२।०२	६।१६	१२।०२	६।३२

॥ संवत् २०८२ (सन् २०२५-२६) में विभिन्न नगरों का दिनमान और सूर्योदय (स्टै.मा.टा.) ता. ३०।३।२०२५ से ५ दिन के अंतर से ॥ सूर्यास्त – दिनमान में सूर्योदय जोड़ने से

शहर	द्वारिका		चेन्नई		जगन्नाथ		डिब्रूगढ़		त्रिवेन्द्रम		तेजपुर (आ.)		दिल्ली		बेंगलोर		कोलकाता		फिरोजपुर		सिवानी		मैसूर		मुम्बई		वाराणसी		श्रीनगर		हैदराबाद	
तारीख	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.
३०।३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
४।४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
९।४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
१४।४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
१९।४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
२४।४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
२९।४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
४।५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
९।५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
१४।५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
१९।५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
२४।५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
२९।५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
३।६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
८।६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
१३।६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
१८।६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
२३।६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
२८।६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
३।७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
८।७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
१३।७	१३।२१	५।१०	१२।४२	५।५४	१३।३०	५।०८	१३।३६	४।२८	१२।२७	६।१४	१३।३२	४।३८	१३।४०	५।३८	१२।४२	६।०४	१३।२०	५।५८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	१२।४०	६।०९	१३।०३	६।१३	१३।२८	५।२०	[illegible]	[illegible]	१२।५३	५।५३
१८।७	१३।१७	५।१२	१२।४१	५।५५	१३।२६	५।१०	१३।३१	४।३१	१२।२६	६।१५	१३।२८	४।४१	१३।३५	५।३९	१२।४०	६।०६	१३।१६	६।००	१३।११	५।३२	१३।३८	५।४३	१२।३८	६।१०	१३।००	६।१४	१३।२३	५।२३	[illegible]	[illegible]	१२।५१	५।५५
२३।७	१३।१३	५।१४	१२।३९	५।५६	१३।२२	५।१२	१३।२७	४।३३	१२।२५	६।१६	१३।२४	४।४३	१३।३०	५।४२	१२।३८	६।०८	१३।१२	६।०३	१३।०४	५।३४	१३।३२	५।४५	१२।३६	६।१२	१२।५७	६।१७	१३।१९	५।२५	१३।५३	५।४०	१२।५२	५।५७
२८।७	१३।०९	५।१६	१२।३६	५।५८	१३।१७	५।१४	१३।२२	४।३६	१२।२३	६।१७	१३।१९	४।४६	१३।२५	५।४५	१२।३६	६।०८	१३।०८	६।०५	१३।०३	५।३६	१३।२६	५।४९	१२।३४	६।१३	१२।५४	६।१८	१३।१४	५।२८	१३।४८	५।४३	१२।४९	५।५८
२।८	१३।०४	५।१९	१२।३४	५।५९	१३।१२	५।१७	१३।१६	४।३८	१२।२२	६।१७	१३।१३	४।४८	१३।२०	५।४८	१२।३३	६।०९	१३।०३	६।०७	१२।५९	५।३८	१३।२०	५।५१	१२।३२	६।१४	१२।५०	६।२०	१३।०९	५।३०	१३।३९	५।४९	१२।४७	६।००
७।८	१२।५९	५।२१	१२।३१	५।५९	१३।०६	५।१९	१३।१०	४।४१	१२।२०	६।१८	१३।०७	४।५१	१३।१३	५।५०	१२।३१	६।१०	१२।५८	६।०९	१२।५८	५।४०	१३।१३	५।५४	१२।२९	६।१४	१२।४६	६।२१	१३।०३	५।३२	१३।३१	५।५१	१२।४२	६।०१
१२।८	१२।५३	५।२३	१२।२८	६।००	१२।५९	५।२२	१३।०३	४।४३	१२।१८	६।१८	१३।०१	४।५३	१३।०६	५।५३	१२।२८	६।११	१२।५३	६।११	१२।४९	५।४२	१३।०६	५।५८	१२।२६	६।१५	१२।४१	६।२३	१२।५८	५।३४	१३।२२	[illegible]	१२।३८	६।०२
१७।८	१२।४७	५।२५	१२।२५	६।०१	१२।५३	५।२४	१२।५६	४।४६	१२।१६	६।१८	१२।५४	४।५६	१२।५९	५।५६	१२।२५	६।११	१२।४८	६।१३	१२।४८	५।४३	१२।५९	६।००	१२।२३	६।१५	१२।३७	६।२४	१२।५१	५।३६	१३।१३	५।५८	१२।३४	६।०३
२२।८	१२।४१	५।२६	१२।२२	६।०१	१२।४६	५।२६	१२।४९	४।४८	१२।१४	६।१८	१२।४७	४।५८	१२।५१	५।५८	१२।२२	६।१२	१२।४१	६।१५	१२।३८	५।४५	१२।५२	६।०२	१२।२०	६।१६	१२।३२	६।२५	१२।४४	५।३८	१३।०८	६।०४	१२।२९	६।०४
२७।८	१२।३५	५।२८	१२।१८	६।०१	१२।३९	५।२८	१२।४२	४।५१	१२।१२	६।१८	१२।४०	५।००	१२।४३	६।०१	१२।१८	६।१२	१२।३५	६।१६	१२।३२	५।४६	१२।४४	६।०५	१२।१७	६।१६	१२।२८	६।२६	१२।३८	५।४०	१२।५८	६।०५	१२।२५	६।०५
१।९	१२।२९	५।३०	१२।१५	६।०२	१२।३२	५।३०	१२।३४	४।५३	१२।१०	६।१७	१२।३३	५।०२	१२।३६	६।०३	१२।१५	६।१२	१२।२८	६।१८	१२।२६	५।४८	१२।३६	६।०८	१२।१४	६।१६	१२।२२	६।२८	१२।३१	५।४२	१२।४८	६।०८	१२।२०	६।०६
६।९	१२।२२	५।३२	१२।१२	६।०२	१२।२५	५।३२	१२।२६	४।५५	१२।०७	६।१७	१२।२५	५।०४	१२।२७	६।०६	१२।११	६।१२	१२।२२	६।२०	१२।२०	५।४९	१२।२८	६।१०	१२।११	६।१६	१२।१८	६।२८	१२।२४	५।४४	१२।३८	६।११	१२।१६	६।०६
११।९	१२।१५	५।३३	१२।०८	६।०२	१२।१७	५।३४	१२।१८	४।५७	१२।०५	६।१६	१२।१८	५।०६	१२।१९	६।०८	१२।०८	६।१२	१२।१५	६।२१	१२।१४	५।५०	१२।१९	६।१२	१२।०८	६।१६	१२।१२	६।२९	१२।१८	५।४६	१२।२८	६।१४	१२।११	६।०७
१६।९	१२।०९	५।३५	१२।०४	६।०२	१२।१०	५।३६	१२।१०	५।००	१२।०३	६।१५	१२।१०	५।०८	१२।११	६।१०	१२।०४	६।१२	१२।०९	६।२३	१२।०८	५।५२	१२।११	६।१५	१२।०५	६।१६	१२।०८	६।३०	१२।०९	५।४८	१२।१३	६।१८	१२।०६	६।०८
२१।९	१२।०२	५।३६	१२।०१	६।०२	१२।०२	५।३८	१२।०२	५।०२	१२।०१	६।१४	१२।०३	५।१०	१२।०२	६।१३	१२।०१	६।१२	१२।०२	६।२४	१२।०२	५।५३	१२।०२	६।१८	१२।०१	६।१६	१२।०१	६।३१	१२।०२	५।५०	१२।०३	६।२२	१२।०१	६।०८

॥ संवत् २०८२ (सन् २०२५-२६) में विभिन्न नगरो का दिनमान और सूर्योदय (स्टै.घं.मि.) ता.२६। ९।२०२५ से ५ दिन के अंतर से ॥ सूर्यास्त = दिनमान में सूर्योदय जोड़ने

शहर	अजमेर		अहमदाबा		अमृतसर		आकोला		इंदौर		उज्जैन		कटक		कोलकाता		काठमाण्डु		कानपुर		कोटा		गंगानगर		गौहाटी		जयपुर		जींद(हरि)		जोधपुर	
तारीख	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.	दि.मा.	सू.उ.
२६। ९	११।५४	६।२५	११।५५	६।३४	११।५३	६।२५	११।५६	६।१५	११।५५	६।२०	११।५५	६।२१	११।५६	५।४०	११।५५	५।३०	११।५४	५।४३	११।५४	६।०३	११।५५	६।२०	११।५४	६।२९	११।५५	५।१७	११।५४	६।२१	११।५४	६।१९	११।५४	६।३४
१।१०	११।४७	६।२७	११।४८	६।३५	११।४४	६।२८	११।५०	६।१६	११।४९	६।२२	११।४९	६।२२	११।५०	५।४१	११।४९	५।३१	११।४७	५।४५	११।४७	६।०५	११।४७	६।२२	११।४५	६।३२	११।४७	५।१९	११।४६	६।२३	११।४५	६।२१	११।४७	६।३६
६।१०	११।३९	६।३०	११।४२	६।३७	११।३४	६।३२	११।४४	६।१७	११।४२	६।२३	११।४२	६।२४	११।४४	५।४२	११।४३	५।३३	११।३९	५।४८	११।३९	६।०७	११।४०	६।२४	११।३६	६।३५	११।३९	५।२१	११।३९	६।२५	११।३६	६।२४	११।३९	६।३८
११।१०	११।३१	६।३२	११।३५	६।३९	११।२५	६।३५	११।३८	६।१९	११।३६	६।२५	११।३५	६।२६	११।३९	५।४४	११।३६	५।३५	११।३१	५।५०	११।३१	६।१०	११।३३	६।२७	११।२७	६।३८	११।३२	५।२३	११।३१	६।२८	११।२८	६।२७	११।३२	६।४१
१६।१०	११।२४	६।३५	११।२९	६।४१	११।१५	६।३८	११।३३	६।२१	११।३०	६।२७	११।२९	६।२८	११।३३	५।४५	११।३०	५।३७	११।२४	५।५३	११।२४	६।१२	११।२६	६।२९	११।१८	६।४१	११।२४	५।२६	११।२३	६।३१	११।१९	६।३०	११।२४	६।४३
२१।१०	११।१७	६।३७	११।२२	६।४३	११।०६	६।४२	११।२७	६।२३	११।२३	६।२९	११।२३	६।३०	११।२७	५।४७	११।२४	५।३९	११।१६	५।५६	११।१७	६।१५	११।१९	६।३२	११।१०	६।४४	११।१७	५।२९	११।१६	६।३३	११।११	६।३३	११।१७	६।४६
२६।१०	११।०९	६।४०	११।१६	६।४६	१०।५७	६।४६	११।२२	६।२५	११।१७	६।३२	११।१७	६।३३	११।२२	५।४९	११।१८	५।४१	११।०९	५।५९	११।०९	६।१८	११।१२	६।३४	११।०१	६।४८	११।१०	५।३२	११।०८	६।३६	११।०३	६।३७	११।१०	६।४९
३१।१०	११।०२	६।४३	११।१०	६।४८	१०।४९	६।५०	११।१६	६।२७	११।१२	६।३४	११।११	६।३५	११।१७	५।५१	११।१२	५।४४	११।०२	६।०२	११।०२	६।२१	११।०६	६।३७	१०।५३	६।५१	११।०३	५।३५	११।०१	६।४०	१०।५५	६।४०	११।०३	६।५२
५।११	१०।५६	६।४७	११।०४	६।५१	१०।४०	६।५४	११।११	६।२९	११।०६	६।३७	११।०५	६।३८	११।१२	५।५४	११।०७	५।४६	१०।५५	६।०५	१०।५६	६।२४	१०।५९	६।४०	१०।४६	६।५५	१०।५७	५।३८	१०।५५	६।४३	१०।४८	६।४४	१०।५७	६।५५
१०।११	१०।५०	६।५०	१०।५९	६।५४	१०।३३	६।५८	११।०७	६।३२	११।०१	६।४०	११।००	६।४१	११।०७	५।५७	११।०१	५।४९	१०।४९	६।०९	१०।५०	६।२८	१०।५३	६।४४	१०।३८	६।५९	१०।५०	५।४१	१०।४८	६।४७	१०।४०	६।४८	१०।५०	६।५९
१५।११	१०।४४	६।५४	१०।५४	६।५८	१०।२५	७।०३	११।०२	६।३४	१०।५६	६।४३	१०।५५	६।४४	११।०३	५।५९	१०।५६	५।५२	१०।४३	६।१२	१०।४४	६।३१	१०।४८	६।४७	१०।३१	७।०३	१०।४५	५।४५	१०।४२	६।५०	१०।३४	६।५२	१०।४५	७।०२
२०।११	१०।३८	६।५८	१०।४९	७।०१	१०।१९	७।०७	१०।५८	६।३८	१०।५१	६।४६	१०।५०	६।४८	१०।५९	६।०२	१०।५२	५।५६	१०।३७	६।१६	१०।३८	६।३५	१०।४३	६।५१	१०।२५	७।०८	१०।३९	५।४९	१०।३७	६।५४	१०।२८	६।५६	१०।३९	७।०६
२५।११	१०।३४	७।०१	१०।४५	७।०४	१०।१३	७।११	१०।५५	६।४१	१०।४७	६।५०	१०।४६	६।५१	१०।५५	६।०६	१०।४८	५।५९	१०।३३	६।२०	१०।३४	६।३९	१०।३८	६।५४	१०।२०	७।१२	१०।३४	५।५२	१०।३२	६।५८	१०।२२	७।००	१०।३४	७।१०
३०।११	१०।२९	७।०५	१०।४२	७।०८	१०।०८	७।१६	१०।५१	६।४४	१०।४४	६।५३	१०।४२	६।५५	१०।५२	६।०९	१०।४५	६।०२	१०।२८	६।२४	१०।२९	६।४३	१०।३५	६।५८	१०।१५	७।१६	१०।३१	५।५६	१०।२८	७।०२	१०।१८	७।०४	१०।३१	७।१३
५।१२	१०।२६	७।०९	१०।३९	७।११	१०।०३	७।२०	१०।४९	६।४८	१०।४१	६।५७	१०।४०	६।५८	१०।५०	६।१२	१०।४२	६।०६	१०।२५	६।२७	१०।२६	६।४६	१०।३१	७।०१	१०।११	७।२०	१०।२७	६।००	१०।२४	७।०५	१०।१४	७।०८	१०।२७	७।१७
१०।१२	१०।२४	७।१२	१०।३७	७।१४	१०।००	७।२३	१०।४७	६।५१	१०।३९	७।००	१०।३७	७।०१	१०।४८	६।१५	१०।४०	६।०९	१०।२३	६।३१	१०।२४	६।५०	१०।२९	७।०५	१०।०८	७।२३	१०।२५	६।०३	१०।२२	७।०९	१०।११	७।१२	१०।२५	७।२०
१५।१२	१०।२२	७।१५	१०।३५	७।१७	९।५८	७।२७	१०।४६	६।५४	१०।३८	७।०३	१०।३६	७।०४	१०।४७	६।१८	१०।३८	६।१२	१०।२१	६।३४	१०।२२	६।५३	१०।२८	७।०८	१०।०६	७।२७	१०।२३	६।०६	१०।२०	७।१२	१०।०९	७।१५	१०।२३	७।२३
२०।१२	१०।२१	७।१८	१०।३५	७।२०	९।५७	७।३०	१०।४५	६।५७	१०।३७	७।०६	१०।३५	७।०७	१०।४६	६।२१	१०।३८	६।१४	१०।२०	६।३७	१०।२१	६।५६	१०।२७	७।११	१०।०५	७।३०	१०।२२	६।०९	१०।१९	७।१५	१०।०८	७।१८	१०।२३	७।२६
२५।१२	१०।२२	७।२१	१०।३५	७।२३	९।५८	७।३२	१०।४५	६।५९	१०।३७	७।०८	१०।३६	७।०९	१०।४६	६।२३	१०।३८	६।१७	१०।२०	६।३९	१०।२१	६।५८	१०।२७	७।१३	१०।०५	७।३२	१०।२३	६।१२	१०।१९	७।१७	१०।०९	७।२०	१०।२३	७।२९
३०।१२	१०।२३	७।२२	१०।३६	७।२४	९।५९	७।३४	१०।४६	७।०१	१०।३८	७।१०	१०।३७	७।११	१०।४७	६।२४	१०।३९	६।१९	१०।२२	६।४१	१०।२३	७।००	१०।२८	७।१५	१०।०७	७।३४	१०।२४	६।१४	१०।२१	७।१९	१०।१०	७।२२	१०।२४	७।३१
४। १	१०।२५	७।२४	१०।३८	७।२६	१०।०२	७।३५	१०।४८	७।०३	१०।४०	७।११	१०।३८	७।१३	१०।४९	६।२७	१०।४१	६।२१	१०।२४	६।४२	१०।२५	७।०१	१०।३०	७।१७	१०।०९	७।३४	१०।२६	६।१५	१०।२३	७।२०	१०।१२	७।२३	१०।२६	७।३२
९। १	१०।२८	७।२४	१०।४०	७।२७	१०।०५	७।३५	१०।५०	७।०४	१०।४२	७।१२	१०।४१	७।१४	१०।५१	६।२८	१०।४३	६।२२	१०।२७	६।४३	१०।२८	७।०२	१०।३३	७।१७	१०।१३	७।३४	१०।२९	६।१६	१०।२६	७।२१	१०।१६	७।२४	१०।२९	७।३३
१४। १	१०।३१	७।२५	१०।४३	७।२७	१०।१०	७।३५	१०।५३	७।०४	१०।४६	७।१३	१०।४४	७।१४	१०।५४	६।२९	१०।४६	६।२२	१०।३०	६।४३	१०।३१	७।०२	१०।३६	७।१८	१०।१७	७।३४	१०।३२	६।१६	१०।३०	७।२१	१०।२०	७।२४	१०।३२	७।३३
१९। १	१०।३६	७।२४	१०।४७	७।२७	१०।१५	७।३४	१०।५६	७।०४	१०।४९	७।१३	१०।४८	७।१४	१०।५७	६।२९	१०।५०	६।२२	१०।३५	६।४३	१०।३६	७।०२	१०।४१	७।१७	१०।२२	७।३४	१०।३७	६।१५	१०।३४	७।२१	१०।२५	७।२३	१०।३७	७।३२
२४। १	१०।४१	७।२३	१०।५२	७।२६	१०।२२	७।३२	११।००	७।०४	१०।५४	७।१२	१०।५२	७।१३	११।०१	६।२८	१०।५४	६।२१	१०।४०	६।४१	१०।४१	७।०१	१०।४५	७।१६	१०।२८	७।३३	१०।४२	६।१४	१०।३९	७।१९	१०।३१	७।२१	१०।४२	७।३१
२९। १	१०।४७	७।२१	१०।५६	७।२५	१०।२९	७।३०	११।०४	७।०३	१०।५८	७।११	१०।५७	७।१२	११।०५	६।२७	१०।५९	६।२०	१०।४६	६।४०	१०।४७	६।५९	१०।५१	७।१५	१०।३५	७।३१	१०।४७	६।१२	१०।४५	७।१७	१०।३७	७।१९	१०।४८	७।२९
३। २	१०।५३	७।१९	११।०२	७।२३	१०।३७	७।२६	११।०९	७।०१	११।०३	७।०९	११।०२	७।१०	११।१०	६।२५	११।०४	६।१८	१०।५२	६।३७	१०।५३	६।५६	१०।५७	७।१२	१०।४२	७।२८	१०।५३	६।१०	१०।५१	७।१५	१०।४४	७।१६	१०।५४	७।२७
८। २	१०।५९	७।१६	११।०७	७।२१	१०।४५	७।२३	११।१४	६।५९	११।०९	७।०६	११।०८	७।०७	११।१५	६।२३	११।०९	६।१६	१०।५९	६।३४	१०।५९	६।५३	११।०३	७।१०	१०।५०	७।२४	११।००	६।०७	१०।५८	७।१२	१०।५१	७।१३	११।००	७।२४
१३। २	११।०६	७।१२	११।१३	७।१८	१०।५३	७।१९	११।१९	६।५६	११।१५	७।०४	११।१४	७।०५	११।२०	६।२१	११।१५	६।१३	११।०६	६।३१	११।०६	६।५०	११।०९	७।०६	१०।५८	७।२०	११।०७	६।०४	११।०४	७।०९	१०।५९	७।०९	११।०७	७।२१
१८। २	११।१३	७।०९	११।२०	७।१४	११।०२	७।१४	११।२५	६।५३	११।२१	७।००	११।२०	७।०१	११।२५	६।१८	११।२१	६।१०	११।१३	६।२७	११।१३	६।४६	११।१६	७।०३	११।०६	७।१६	११।१४	६।००	११।१२	७।०५	११।०७	७।०५	११।१४	७।१७
२३। २	११।२१	७।०४	११।२६	७।११	११।११	७।०९	११।३०	६।५०	११।२७	६।५७	११।२६	६।५८	११।३१	६।१४	११।२७	६।०६	११।२०	६।२३	११।२१	६।४२	११।२३	६।५९	११।१५	७।११	११।२१	५।५६	११।२०	७।००	११।१६	७।००	११।२१	७।१३
२८। २	११।२८	७।००	११।३३	७।०६	११।२१	७।०३	११।३६	६।४६	११।३३	६।५३	११।३३	६।५३	११।३६	६।११	११।३४	६।०२	११।२८	६।१८	११।२८	६।३७	११।३०	६।५४	११।२३	७।०६	११।२९	५।५१	११।२८	६।५६	११।२४	६।५५	११।२९	७।०८
५। ३	११।३६	६।५५	११।३९	७।०२	११।३०	६।५७	११।४२	६।४२	११।४०	६।४८	११।३९	६।४९	११।४२	६।०७	११।४०	५।५८	११।३६	६।१३	११।३६	६।३३	११।३७	६।५०	११।३२	७।००	११।३६	५।४६	११।३६	६।५१	११।३३	६।५०	११।३६	७।०४
१०। ३	११।४४	६।५०	११।४६	६।५८	११।४०	६।५१	११।४८	६।३८	११।४६	६।४४	११।४६	६।४५	११।४८	६।०३	११।४६	५।५३	११।४४	६।०८	११।४४	६।२७	११।४५	६।४५	११।४१	६।५५	११।४४	५।४१	११।४३	६।४६	११।४२	६।४४	११।४४	६।५९
१५। ३	११।५२	६।४५	११।५३	६।५३	११।५०	६।४५	११।५४	६।३४	११।५३	६।३९	११।५३	६।४०	११।५४	५।५९	११।५३	५।४९	११।५१	६।०३	११।५२	६।२२	११।५२	६।४०	११।५०	६।४९	११।५२	५।३६	११।५१	६।४०	११।५०	६।३८	११।५२	६।५३
२०। ३	११।५९	६।३९	११।५९	६।४८	११।५९	६।३९	११।५९	६।३०	११।५९	६।३४	११।५९	६।३४	११।५९	५।५४	११।५९	५।४४	११।५९	५।५७	११।५९	६।१७	११।५९	६।३४	११।५९	६।४३	११।५९	५।३१	११।५९	६।३४	११।५९	६।३३	११।५९	६।४८

संवत् २०८२ (सन् २०२५-२६) मे विभिन्न नगरों का दिनमान और सूर्योदय (स्टै.घं.मि.) ता.२६।९।२०२५ से ५ दिन के अंतर से ॥ सूर्यास्त = दिनमान मे सूर्योदय जोड़ने से

शहर	द्वारिका		छिंदवाड़ा		दरभंगा		डिब्रूगढ़	
तारीख	दि मा	सू उ	दि मा	सू उ	दि मा	सू उ	दि मा	सू उ
२६।९	११।५५	५।३८	११।५७	६।०२	११।५५	५।४०	११।५४	५।०४
१।१०	११।४८	५।४०	११।५४	६।०२	११।४७	५।४३	११।४६	५।०६
६।१०	११।४२	५।४२	११।५०	६।०२	११।३९	५।४४	११।३८	५।०९
११।१०	११।३५	५।४४	११।४७	६।०२	११।३२	५।४७	११।३०	५।१२
१६।१०	११।२८	५।४६	११।४३	६।०३	११।२४	५।५०	११।२२	५।१४
२१।१०	११।२२	५।४८	११।४०	६।०४	११।१७	५।५२	११।१५	५।१७
२६।१०	११।१५	५।५१	११।३६	६।०५	११।१०	५।५५	११।०७	५।२०
३१।१०	११।०९	५।५३	११।३३	६।०६	११।०३	५।५८	११।००	५।२४
५।११	११।०३	५।५६	११।३०	६।०८	१०।५७	६।०२	१०।५३	५।२७
१०।११	१०।५८	५।५९	११।२७	६।०९	१०।५०	६।०५	१०।४६	५।३१
१५।११	१०।५३	६।०३	११।२४	६।११	१०।४५	६।०९	१०।४०	५।३४
२०।११	१०।४८	६।०६	११।२२	६।१४	१०।३९	६।१२	१०।३४	५।३८
२५।११	१०।४४	६।०९	११।२०	६।१६	१०।३५	६।१६	१०।३०	५।४२
३०।११	१०।४०	६।१३	११।१८	६।१९	१०।३१	६।२०	१०।२६	५।४६
५।१२	१०।३७	६।१६	११।१७	६।२१	१०।२७	६।२३	१०।२२	५।५०
१०।१२	१०।३५	६।२०	११।१५	६।२४	१०।२५	६।२७	१०।१९	५।५३
१५।१२	१०।३४	६।२३	११।१५	६।२७	१०।२३	६।३०	१०।१७	५।५६
२०।१२	१०।३३	६।२६	११।१४	६।३०	१०।२३	६।३३	१०।१७	५।५९
२५।१२	१०।३३	६।२८	११।१४	६।३२	१०।२३	६।३५	१०।१७	६।०२
३०।१२	१०।३४	६।३०	११।१५	६।३४	१०।२४	६।३७	१०।१८	६।०४
४।१	१०।३६	६।३१	११।१६	६।३६	१०।२६	६।३९	१०।२०	६।०५
९।१	१०।३८	६।३२	११।१७	६।३८	१०।२९	६।३९	१०।२३	६।०६
१४।१	१०।४२	६।३३	११।१९	६।३९	१०।३२	६।३९	१०।२७	६।०६
१९।१	१०।४६	६।३२	११।२१	६।३९	१०।३७	६।३९	१०।३२	६।०५
२४।१	१०।५०	६।३१	११।२३	६।४०	१०।४२	६।३८	१०।३७	६।०४
२९।१	१०।५५	६।३०	११।२६	६।३९	१०।४७	६।३६	१०।४३	६।०२
३।२	११।०१	६।२८	११।२९	६।३९	१०।५४	६।३४	१०।५०	५।५९
८।२	११।०६	६।२६	११।३२	६।३८	११।००	६।३१	१०।५६	५।५६
१३।२	११।१२	६।२३	११।३५	६।३६	११।०७	६।२८	११।०४	५।५३
१८।२	११।१९	६।१९	११।३८	६।३४	११।१४	६।२४	११।११	५।४९
२३।२	११।२५	६।१५	११।४२	६।३२	११।२१	६।२०	११।१९	५।४४
२८।२	११।३२	६।११	११।४५	६।२९	११।२९	६।१५	११।२७	५।३९
५।३	११।३९	६।०७	११।४९	६।२६	११।३६	६।१०	११।३५	५।३४
१०।३	११।४६	६।०२	११।५२	६।२३	११।४४	६।०५	११।४३	५।२९
१५।३	११।५२	५।५७	११।५६	६।२०	११।५२	६।००	११।५१	५।२४
२०।३	११।५९	५।५२	१२।००	६।१७	११।५९	५।५५	११।५९	५।१८

शहर	त्रिवेंद्रम		तेजपुर (आ.)		दिल्ली		बैंगलोर	
तारीख	दि मा	सू उ	दि मा	सू उ	दि मा	सू उ	दि मा	सू उ
२६।९	११।५८	६।१४	११।५४	५।१३	११।५४	६।१५	११।५७	६।१२
१।१०	११।५६	६।१४	११।४७	५।१५	११।४५	६।१८	११।५४	६।१२
६।१०	११।५४	६।१३	११।३९	५।१७	११।३७	६।२१	११।५०	६।१२
११।१०	११।५१	६।१३	११।३१	५।२०	११।२९	६।२३	११।४७	६।१३
१६।१०	११।४९	६।१३	११।२४	५।२२	११।२०	६।२६	११।४३	६।१३
२१।१०	११।४७	६।१३	११।१६	५।२५	११।१२	६।२९	११।४०	६।१४
२६।१०	११।४५	६।१४	११।०९	५।२८	११।०४	६।३३	११।३७	६।१५
३१।१०	११।४३	६।१४	११।०२	५।३१	१०।५७	६।३६	११।३३	६।१६
५।११	११।४१	६।१५	१०।५५	५।३४	१०।५०	६।४०	११।३०	६।१८
१०।११	११।३९	६।१६	१०।४९	५।३८	१०।४३	६।४४	११।२८	६।२०
१५।११	११।३७	६।१८	१०।४३	५।४२	१०।३६	६।४८	११।२५	६।२२
२०।११	११।३६	६।२०	१०।३८	५।४५	१०।३०	६।५२	११।२२	६।२४
२५।११	११।३४	६।२२	१०।३३	५।४९	१०।२५	६।५६	११।२०	६।२६
३०।११	११।३३	६।२४	१०।२९	५।५३	१०।२१	७।००	११।१८	६।२९
५।१२	११।३२	६।२७	१०।२५	५।५६	१०।१७	७।०३	११।१७	६।३२
१०।१२	११।३१	६।२९	१०।२३	६।००	१०।१४	७।०७	११।१६	६।३४
१५।१२	११।३१	६।३२	१०।२१	६।०३	१०।१२	७।१०	११।१५	६।३७
२०।१२	११।३१	६।३४	१०।२१	६।०६	१०।११	७।१३	११।१५	६।४०
२५।१२	११।३१	६।३७	१०।२१	६।०८	१०।१२	७।१५	११।१५	६।४२
३०।१२	११।३१	६।३९	१०।२२	६।१०	१०।१३	७।१७	११।१५	६।४४
४।१	११।३२	६।४१	१०।२४	६।१२	१०।१५	७।१९	११।१६	६।४६
९।१	११।३३	६।४३	१०।२७	६।१२	१०।१८	७।१९	११।१८	६।४८
१४।१	११।३४	६।४४	१०।३१	६।१२	१०।२३	७।१९	११।१९	६।४९
१९।१	११।३५	६।४५	१०।३५	६।१२	१०।२७	७।१८	११।२१	६।५०
२४।१	११।३६	६।४६	१०।४०	६।११	१०।३३	७।१७	११।२४	६।५०
२९।१	११।३८	६।४६	१०।४६	६।०९	१०।३९	७।१५	११।२६	६।५०
३।२	११।४०	६।४६	१०।५२	६।०७	१०।४६	७।१२	११।२९	६।४९
८।२	११।४२	६।४५	१०।५९	६।०४	१०।५३	७।०९	११।३२	६।४८
१३।२	११।४४	६।४४	११।०६	६।००	११।०१	७।०५	११।३५	६।४६
१८।२	११।४६	६।४३	११।१३	५।५६	११।०९	७।०१	११।३८	६।४४
२३।२	११।४८	६।४१	११।२०	५।५२	११।१७	६।५६	११।४२	६।४२
२८।२	११।५०	६।३९	११।२८	५।४७	११।२५	६।५१	११।४५	६।४०
५।३	११।५३	६।३७	११।३६	५।४३	११।३४	६।४६	११।४९	६।३७
१०।३	११।५५	६।३४	११।४४	५।३७	११।४२	६।४१	११।५२	६।३४
१५।३	११।५७	६।३२	११।५१	५।३२	११।५१	६।३५	११।५६	६।३१
२०।३	१२।००	६।३०	११।५९	५।२७	११।५९	६।२९	१२।००	६।२७

शहर	बांसवाड़ा		बिलासपुर		भिवानी		मैसूर	
तारीख	दि मा	सू उ	दि मा	सू उ	दि मा	सू उ	दि मा	सू उ
२६।९	११।५५	६।२६	११।५५	५।५५	११।५४	६।१९	११।५७	६।१६
१।१०	११।४८	६।२८	११।४९	५।५६	११।४५	६।२२	११।५४	६।१६
६।१०	११।४२	६।२९	११।४३	५।५८	११।३७	६।२५	११।५१	६।१६
११।१०	११।३५	६।३१	११।३७	५।५९	११।२९	६।२८	११।४७	६।१६
१६।१०	११।२९	६।३४	११।३१	६।०१	११।२०	६।३१	११।४४	६।१७
२१।१०	११।२२	६।३६	११।२५	६।०३	११।१२	६।३४	११।४१	६।१७
२६।१०	११।१६	६।३८	११।१९	६।०६	११।०४	६।३७	११।३८	६।१८
३१।१०	११।१०	६।४१	११।१३	६।०८	१०।५७	६।४०	११।३५	६।१९
५।११	११।०४	६।४४	११।०८	६।११	१०।४९	६।४४	११।३२	६।२१
१०।११	१०।५८	६।४७	११।०३	६।१४	१०।४२	६।४८	११।२९	६।२२
१५।११	१०।५३	६।५०	१०।५८	६।१७	१०।३६	६।५२	११।२७	६।२४
२०।११	१०।४९	६।५४	१०।५४	६।२०	१०।३०	६।५६	११।२४	६।२७
२५।११	१०।४५	६।५७	१०।५०	६।२३	१०।२४	७।००	११।२२	६।२९
३०।११	१०।४१	७।००	१०।४६	६।२७	१०।२०	७।०४	११।२१	६।३१
५।१२	१०।३८	७।०४	१०।४४	६।३०	१०।१६	७।०८	११।१९	६।३४
१०।१२	१०।३६	७।०७	१०।४२	६।३३	१०।१३	७।११	११।१८	६।३७
१५।१२	१०।३५	७।१०	१०।४०	६।३६	१०।१२	७।१५	११।१७	६।४०
२०।१२	१०।३४	७।१३	१०।४०	६।३९	१०।११	७।१७	११।१७	६।४२
२५।१२	१०।३४	७।१५	१०।४०	६।४१	१०।११	७।२०	११।१७	६।४५
३०।१२	१०।३५	७।१७	१०।४१	६।४३	१०।१२	७।२२	११।१८	६।४७
४।१	१०।३७	७।१९	१०।४३	६।४५	१०।१५	७।२३	११।१९	६।४९
९।१	१०।३९	७।२०	१०।४५	६।४६	१०।१८	७।२४	११।२०	६।५०
१४।१	१०।४३	७।२०	१०।४८	६।४६	१०।२२	७।२३	११।२१	६।५२
१९।१	१०।४७	७।२०	१०।५१	६।४६	१०।२७	७।२३	११।२३	६।५२
२४।१	१०।५१	७।१९	१०।५६	६।४५	१०।३३	७।२१	११।२६	६।५३
२९।१	१०।५६	७।१८	११।००	६।४४	१०।३९	७।१९	११।२८	६।५२
३।२	११।०१	७।१६	११।०४	६।४२	१०।४६	७।१६	११।३१	६।५२
८।२	११।०७	७।१३	११।०९	६।४०	१०।५३	७।१३	११।३३	६।५१
१३।२	११।१३	७।१०	११।१६	६।३७	११।०१	७।०९	११।३६	६।४९
१८।२	११।१९	७।०७	११।२२	६।३४	११।०९	७।०५	११।४०	६।४७
२३।२	११।२६	७।०३	११।२८	६।३१	११।१७	७।०१	११।४३	६।४५
२८।२	११।३२	६।५९	११।३४	६।२७	११।२५	६।५६	११।४६	६।४३
५।३	११।३९	६।५५	११।४०	६।२३	११।३४	६।५०	११।४९	६।४०
१०।३	११।४६	६।५०	११।४७	६।१८	११।४२	६।४५	११।५३	६।३७
१५।३	११।५३	६।४५	११।५३	६।१४	११।५१	६।३९	११।५६	६।३४
२०।३	११।५९	६।४०	११।५९	६।०९	११।५९	६।३३	१२।००	६।३१

शहर	मुम्बई		वाराणसी		श्रीनगर		हैदराबाद	
तारीख	दि मा	सू उ	दि मा	सू उ	दि मा	सू उ	दि मा	सू उ
२६।९	११।५६	६।३२	११।५५	५।५२	११।५२	६।२४	११।५६	६।०९
१।१०	११।५१	६।३३	११।४७	५।५४	११।४२	६।२९	११।५२	६।१०
६।१०	११।४६	६।३४	११।४०	५।५६	११।३२	६।३२	११।४७	६।११
११।१०	११।४०	६।३५	११।३३	५।५८	११।२१	६।३६	११।४२	६।१२
१६।१०	११।३५	६।३७	११।२६	६।००	११।११	६।४०	११।३७	६।१३
२१।१०	११।३०	६।३८	११।१९	६।०३	११।०१	६।४४	११।३३	६।१४
२६।१०	११।२५	६।४०	११।१२	६।०६	१०।५१	६।४९	११।२८	६।१६
३१।१०	११।२०	६।४२	११।०५	६।०९	१०।४२	६।५३	११।२४	६।१७
५।११	११।१६	६।४४	१०।५९	६।१२	१०।३२	६।५८	११।२०	६।२०
१०।११	११।११	६।४७	१०।५३	६।१५	१०।२४	७।०२	११।१६	६।२२
१५।११	११।०७	६।४९	१०।४७	६।१९	१०।१६	७।०७	११।१२	६।२४
२०।११	११।०४	६।५२	१०।४२	६।२२	१०।०८	७।१२	११।०९	६।२७
२५।११	११।०१	६।५५	१०।३८	६।२६	१०।०२	७।१६	११।०६	६।३०
३०।११	१०।५८	६।५८	१०।३४	६।३०	९।५६	७।२१	११।०४	६।३३
५।१२	१०।५६	७।०१	१०।३१	६।३३	९।५१	७।२५	११।०१	६।३६
१०।१२	१०।५४	७।०४	१०।२८	६।३७	९।४८	७।२९	११।००	६।३९
१५।१२	१०।५३	७।०७	१०।२७	६।४०	९।४६	७।३३	१०।५९	६।४२
२०।१२	१०।५२	७।१०	१०।२६	६।४२	९।४५	७।३६	१०।५८	६।४४
२५।१२	१०।५२	७।१३	१०।२६	६।४५	९।४५	७।३८	१०।५९	६।४७
३०।१२	१०।५३	७।१४	१०।२७	६।४७	९।४७	७।४०	१०।५९	६।४९
४।१	१०।५५	७।१६	१०।२९	६।४८	९।४९	७।४१	११।०१	६।५१
९।१	१०।५७	७।१७	१०।३२	६।४९	९।५३	७।४१	११।०२	६।५२
१४।१	१०।५९	७।१८	१०।३६	६।४९	९।५९	७।४०	११।०४	६।५३
१९।१	११।०२	७।१८	१०।४०	६।४९	१०।०५	७।३९	११।०७	६।५३
२४।१	११।०६	७।१८	१०।४५	६।४८	१०।१२	७।३७	११।११	६।५३
२९।१	११।०९	७।१७	१०।५०	६।४६	१०।२०	७।३४	११।१४	६।५२
३।२	११।१४	७।१६	१०।५६	६।४४	१०।२८	७।३०	११।१८	६।५१
८।२	११।१८	७।१४	११।०२	६।४१	१०।३७	७।२६	११।२२	६।४९
१३।२	११।२३	७।१२	११।०९	६।३८	१०।४७	७।२१	११।२६	६।४७
१८।२	११।२८	७।०९	११।१६	६।३४	१०।५७	७।१६	११।३१	६।४५
२३।२	११।३३	७।०६	११।२३	६।३०	११।०७	७।११	११।३५	६।४२
२८।२	११।३८	७।०२	११।३०	६।२६	११।१७	७।०५	११।४०	६।३९
५।३	११।४३	६।५९	११।३७	६।२१	११।२७	६।५८	११।४५	६।३५
१०।३	११।४९	६।५५	११।४५	६।१६	११।३८	६।५२	११।५०	६।३२
१५।३	११।५४	६।५१	११।५२	६।११	११।४९	६।४५	११।५५	६।२८
२०।३	१२।००	६।४७	११।५९	६।०६	११।५९	६।३९	१२।००	६।२४

|| सन् २०२५-२६, संवत् २०८२ || + (उत्तर) रविक्रान्ति-रेत्वे प्रातः ६।२७ बजे (अंश-कलादी) - (दक्षिण)

ता.	मार्च	अप्रेल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च
१	. . .	+ ४।३४	+१५।०६	+२२।०४	+२३।०६	+१७।५९	+ ८।१५	- ३।१३	-१४।२७	-२१।४९	-२३।०१	-१७।०९	७।३९
२	. . .	+ ४।५८	+१५।२४	+२२।१२	+२३।०२	+१७।४४	+ ७।५३	- ३।३६	-१४।४६	-२१।५८	-२२।५६	-१६।५१	- ७।१६
३	. . .	+ ५।२१	+१५।४२	+२२।१९	+२२।५७	+१७।२९	+ ७।३१	- ३।५९	-१५।०५	-२२।०६	-२२।५०	-१६।३४	- ६।५३
४	. . .	+ ५।४४	+१६।००	+२२।२६	+२२।५२	+१७।१३	+ ७।०९	- ४।२३	-१५।२३	-२२।१५	-२२।४४	-१६।१६	- ६।३०
५	. . .	+ ६।०६	+१६।१७	+२२।३३	+२२।४६	+१६।५७	+ ६।४७	- ४।४६	-१५।४२	-२२।२२	-२२।३८	-१५।५८	- ६।०७
६	. . .	+ ६।२९	+१६।३४	+२२।४०	+२२।४१	+१६।४०	+ ६।२५	- ५।०९	-१६।००	-२२।३०	-२२।३१	-१५।४०	- ५।४४
७	. . .	+ ६।५२	+१६।५०	+२२।४६	+२२।३४	+१६।२४	+ ६।०२	- ५।३२	-१६।१८	-२२।३७	-२२।२३	-१५।२१	- ५।२०
८	. . .	+ ७।१४	+१७।०७	+२२।५१	+२२।२८	+१६।०७	+ ५।४०	- ५।५५	-१६।३५	-२२।४३	-२२।१६	-१५।०२	- ४।५७
९	. . .	+ ७।३७	+१७।२३	+२२।५६	+२२।२१	+१५।५०	+ ५।१७	- ६।१७	-१६।५२	-२२।४९	-२२।०७	-१४।४३	- ४।३३
१०	. . .	+ ७।५९	+१७।३९	+२३।०१	+२२।१३	+१५।३२	+ ४।५४	- ६।४०	-१७।०९	-२२।५५	-२१।५९	-१४।२४	- ४।१०
११	. . .	+ ८।२१	+१७।५४	+२३।०५	+२२।०५	+१५।१४	+ ४।३२	- ७।०३	-१७।२६	-२३।००	-२१।५०	-१४।०४	- ३।४६
१२	. . .	+ ८।४३	+१८।०९	+२३।०९	+२१।५७	+१४।५६	+ ४।०९	- ७।२५	-१७।४३	-२३।०४	-२१।४०	-१३।४५	- ३।२३
१३	. . .	+ ९।०५	+१८।२४	+२३।१३	+२१।४९	+१४।३८	+ ३।४६	- ७।४८	-१७।५९	-२३।०९	-२१।३०	-१३।२५	- २।५९
१४	. . .	+ ९।२६	+१८।३९	+२३।१६	+२१।४०	+१४।२०	+ ३।२३	- ८।१०	-१८।१४	-२३।१३	-२१।२०	-१३।०४	- २।३६
१५	. . .	+ ९।४८	+१८।५३	+२३।१९	+२१।३०	+१४।०१	+ ३।००	- ८।३२	-१८।३०	-२३।१६	-२१।०९	-१२।४४	- २।१२
१६	. . .	+१०।०९	+१९।०७	+२३।२१	+२१।२१	+१३।४२	+ २।३७	- ८।५५	-१८।४५	-२३।१९	-२०।५८	-१२।२३	- १।४८
१७	. . .	+१०।३०	+१९।२१	+२३।२३	+२१।११	+१३।२३	+ २।१४	- ९।१७	-१९।००	-२३।२१	-२०।४६	-१२।०२	- १।२४
१८	. . .	+१०।५१	+१९।३४	+२३।२४	+२१।००	+१३।०४	+ १।५०	- ९।३८	-१९।१४	-२३।२३	-२०।३४	-११।४१	- १।०१
१९	. . .	+११।१२	+१९।४७	+२३।२५	+२०।५०	+१२।४५	+ १।२७	-१०।००	-१९।२८	-२३।२५	-२०।२२	-११।२०	- ०।३७
२०	. . .	+११।३३	+२०।००	+२३।२६	+२०।३८	+१२।२५	+ १।०४	-१०।२२	-१९।४२	-२३।२६	-२०।०९	-१०।५९	. . .
२१	. . .	+११।५३	+२०।१२	+२३।२६	+२०।२७	+१२।०५	+ ०।४०	-१०।४३	-१९।५५	-२३।२६	-१९।५६	-१०।३७	. . .
२२	. . .	+१२।१४	+२०।२४	+२३।२६	+२०।१५	+११।४५	+ ०।१७	-११।०४	-२०।०९	-२३।२६	-१९।४३	-१०।१५	. . .
२३	. . .	+१२।३४	+२०।३६	+२३।२५	+२०।०३	+११।२५	- ०।०६	-११।२६	-२०।२१	-२३।२६	-१९।२९	- ९।५३	. . .
२४	. . .	+१२।५४	+२०।४७	+२३।२४	+१९।५१	+११।०४	- ०।३०	-११।४६	-२०।३३	-२३।२५	-१९।१५	- ९।३१	. . .
२५	. . .	+१३।१३	+२०।५८	+२३।२३	+१९।३८	+१०।४४	- ०।५३	-१२।०७	-२०।४५	-२३।२३	-१९।००	- ९।०९	. . .
२६	. . .	+१३।३३	+२१।०८	+२३।२१	+१९।२५	+१०।२३	- १।१६	-१२।२८	-२०।५७	-२३।२२	-१८।४५	- ८।४७	. . .
२७	. . .	+१३।५२	+२१।१९	+२३।१९	+१९।११	+१०।०२	- १।४०	-१२।४८	-२१।०८	-२३।१९	-१८।३०	- ८।२४	. . .
२८	. . .	+१४।११	+२१।२८	+२३।१६	+१८।५८	+ ९।४१	- २।०३	-१३।०८	-२१।१९	-२३।१७	-१८।१४	- ८।०१	. . .
२९	. . .	+१४।३०	+२१।३८	+२३।१३	+१८।४३	+ ९।२०	- २।२६	-१३।२८	-२१।२९	-२३।१३	-१७।५८	. . .	. . .
३०	+ ३।४८	+१४।४८	+२१।४७	+२३।१०	+१८।२९	+ ८।५८	- २।५०	-१३।४८	-२१।३९	-२३।१०	-१७।४२	. . .	. . .
३१	+ ४।११	. . .	+२१।५६	. . .	+१८।१४	+ ८।३७	. . .	-१४।०८	. . .	-२३।०५	-१७।२६	. . .	. . .

उत्तर (धन) दक्षिण (ऋण)

महापात योगा: (स्टै. समय में) संवत् २०८२ (सन २०२५-२६)

महापात स्पर्श:			महापात मोक्ष:	
योगा:	तारीख	घं. मि.	तारीख	घं. मि.
व्यती.	१ अप्रे.	१८।४३	१ अप्रे.	२२।५९
वैधृति	२३ अप्रे.	१२।२७	२३ अप्रे.	१६।२६
व्यती.	५ मई	९।५०	५ मई	१४।३३
वैधृति	११ मई	१०।११	११ मई	१५।४१
व्यती.	३१ मई	११।२०	३१ मई	१६।५५
वैधृति	१४ जून	१८।२९	१४ जून	२५।३२
व्यती.	२२ जून	२१।१२	२२ जून	२७।१७
वैधृति	६ जुला.	९।२६	६ जुला.	१६।१०
व्यती.	११ जुला.	१४।१६	११ जुला.	११।१६
वैधृति	१ अग.	१२।३३	१ अग.	१७।५५
व्यती.	१४ अग.	१४।५५	१४ अग.	१८।५६
वैधृति	२७ अग.	६।५८	२७ अग.	११।२३
व्यती.	९ सितं.	१२।५०	९ सितं.	१६।११
वैधृति	२१ सितं.	२२।४१	२१ सितं.	२६।४५
व्यती.	५ अक्टू.	१२।०१	५ अक्टू.	१५।३५
वैधृति	१७ अक्टू.	१२।२८	१७ अक्टू.	१६।४१
व्यती.	३१ अक्टू.	९।१८	३१ अक्टू.	१३।४०
वैधृति	११ नवं.	२८।१८	१२ नवं.	९।००
व्यती.	२५ नवं.	२१।१८	२६ नवं.	११।११
वैधृति	८ दिसं.	९।१३	८ दिसं.	१४।५७
व्यती.	१७ दिसं.	१६।४३	१७ दिसं.	२४।१३
वैधृति	३० दिसं.	२७।५६	३१ दिसं.	९।४५
व्यती.	१२ जन.	२४।०३	१२ जन.	३०।३०
वैधृति	२६ जन.	१२।३८	२६ जन.	१७।१४
व्यती.	७ फर.	२१।२१	७ फर.	२६।१६
वैधृति	२१ फर.	८।११	२१ फर.	१२।१०
व्यती.	५ मार्च	१५।०२	५ मार्च	१९।०६
वैधृति	१८ मार्च	२७।४९	११ मार्च	७।२५

॥ यं ब्र[illegible] वेदान्त निदो वदन्ति परं प्रधानं पुरुषं तथान्ये ॥ विश्वोद्गते: कारण मीश्वरं वा तस्मै नमो विघ्न विनाश-नाय ॥

अनन्तपारं किल शब्दशास्त्रं, स्वल्पं तथायुर्बहवश्च विघ्ना । सारं ततो ग्राह्यमपास्य फल्गु, हंसैर्यथा क्षीरमिवाम्बु मध्यात् ॥

॥ वेलान्तर मिनट-सेकण्ड ॥ रेल्वे प्रातः ६।२७ बजे, ई.सन २०२५

ता.	जनवरी मि.से.	फरवरी मि.से.	मार्च मि.से.	अप्रेल मि.से.	मई मि.से.	जून मि.से.	जुलाई मि.से.	अगस्त मि.से.	सितंबर मि.से.	अक्टूबर मि.से.	नवंबर मि.से.	दिसंबर मि.से.
१	+ ३।२८	+१३।३३	+१२।२३	+ ३।५७	- २।५०	- २।०९	+ ३।५२	+ ६।२२	+ ०।०३	-१०।१८	-१६।२६	-११।०४
२	+ ३।५६	+१३।४०	+१२।११	+ ३।४०	- २।५७	- २।००	+ ४।०४	+ ६।१८	- ०।१६	-१०।३७	-१६।२८	-१०।४२
३	+ ४।२४	+१३।४७	+११।५९	+ ३।२२	- ३।०४	- १।५०	+ ४।१५	+ ६।१३	- ०।३६	-१०।५६	-१६।२८	-१०।१८
४	+ ४।५२	+१३।५३	+११।४६	+ ३।०४	- ३।१०	- १।४०	+ ४।२६	+ ६।०८	- ०।५५	-११।१५	-१६।२८	- ९।५५
५	+ ५।१९	+१३।५८	+११।३३	+ २।४७	- ३।१५	- १।३०	+ ४।३६	+ ६।०२	- १।१५	-११।३३	-१६।२६	- ९।३०
६	+ ५।४५	+१४।०३	+११।१९	+ २।३०	- ३।२०	- १।१९	+ ४।४६	+ ५।५६	- १।३६	-११।५१	-१६।२४	- ९।०५
७	+ ६।११	+१४।०७	+११।०५	+ २।१३	- ३।२४	- १।०८	+ ४।५६	+ ५।४९	- १।५६	-१२।०९	-१६।२२	- ८।३९
८	+ ६।३७	+१४।०९	+१०।५०	+ १।५६	- ३।२७	- ०।५६	+ ५।०५	+ ५।४१	- २।१७	-१२।२६	-१६।१८	- ८।१३
९	+ ७।०२	+१४।११	+१०।३५	+ १।४०	- ३।३०	- ०।४५	+ ५।१५	+ ५।३३	- २।३७	-१२।४२	-१६।१३	- ७।४७
१०	+ ७।२७	+१४।१३	+१०।२०	+ १।२४	- ३।३३	- ०।३३	+ ५।२३	+ ५।२४	- २।५८	-१२।५९	-१६।०८	- ७।२०
११	+ ७।५१	+१४।१३	+१०।०५	+ १।०८	- ३।३५	- ०।२१	+ ५।३१	+ ५।१५	- ३।१९	-१३।१४	-१६।०२	- ६।५२
१२	+ ८।१४	+१४।१३	+ ९।४९	+ ०।५२	- ३।३६	- ०।०९	+ ५।३९	+ ५।०५	- ३।४१	-१३।३०	-१५।५५	- ६।२५
१३	+ ८।३७	+१४।१२	+ ९।३३	+ ०।३७	- ३।३७	+ ०।०४	+ ५।४६	+ ४।५४	- ४।०२	-१३।४४	-१५।४७	- ५।५६
१४	+ ८।५९	+१४।१०	+ ९।१६	+ ०।२२	- ३।३७	+ ०।१६	+ ५।५३	+ ४।४३	- ४।२३	-१३।५९	-१५।३८	- ५।२८
१५	+ ९।२०	+१४।०८	+ ९।००	+ ०।०७	- ३।३७	+ ०।२९	+ ५।५९	+ ४।३२	- ४।४५	-१४।१२	-१५।२८	- ४।५९
१६	+ ९।४१	+१४।०४	+ ८।४३	- ०।०७	- ३।३६	+ ०।४२	+ ६।०५	+ ४।१९	- ५।०६	-१४।२६	-१५।१८	- ४।३०
१७	+१०।०१	+१४।००	+ ८।२६	- ०।२१	- ३।३४	+ ०।५५	+ ६।११	+ ४।०७	- ५।२७	-१४।३८	-१५।०६	- ४।०१
१८	+१०।२१	+१३।५६	+ ८।०८	- ०।३५	- ३।३२	+ १।०८	+ ६।१५	+ ३।५४	- ५।४९	-१४।५०	-१४।५४	- ३।३२
१९	+१०।४०	+१३।५०	+ ७।५१	- ०।४८	- ३।३०	+ १।२१	+ ६।२०	+ ३।४०	- ६।१०	-१५।०१	-१४।४१	- ३।०२
२०	+१०।५८	+१३।४४	+ ७।३३	- १।०१	- ३।२६	+ १।३४	+ ६।२३	+ ३।२६	- ६।३२	-१५।१२	-१४।२७	- २।३२
२१	+११।१५	+१३।३८	+ ७।१५	- १।१३	- ३।२३	+ १।४७	+ ६।२६	+ ३।११	- ६।५३	-१५।२२	-१४।१३	- २।०२
२२	+११।३१	+१३।३०	+ ६।५८	- १।२५	- ३।१८	+ २।००	+ ६।२९	+ २।५६	- ७।१४	-१५।३२	-१३।५७	- १।३३
२३	+११।४७	+१३।२२	+ ६।४०	- १।३६	- ३।१४	+ २।१३	+ ६।३१	+ २।४१	- ७।३५	-१५।४०	-१३।४१	- १।०३
२४	+१२।०२	+१३।१४	+ ६।२२	- १।४७	- ३।०८	+ २।२६	+ ६।३२	+ २।२५	- ७।५६	-१५।४८	-१३।२४	- ०।३३
२५	+१२।१६	+१३।०५	+ ६।०४	- १।५८	- ३।०३	+ २।३९	+ ६।३३	+ २।०८	- ८।१७	-१५।५६	-१३।०६	- ०।०३
२६	+१२।३०	+१२।५५	+ ५।४५	- २।०८	- २।५६	+ २।५१	+ ६।३३	+ १।५२	- ८।३८	-१६।०२	-१२।४८	+ ०।२७
२७	+१२।४२	+१२।४५	+ ५।२७	- २।१७	- २।५०	+ ३।०४	+ ६।३३	+ १।३४	- ८।५८	-१६।०८	-१२।२९	+ ०।५६
२८	+१२।५४	+१२।३४	+ ५।०९	- २।२६	- २।४२	+ ३।१६	+ ६।३२	+ १।१७	- ९।१९	-१६।१३	-१२।०९	+ १।२६
२९	+१३।०५	. . .	+ ४।५१	- २।३५	- २।३५	+ ३।२८	+ ६।३०	+ ०।५९	- ९।३९	-१६।१८	-११।४८	+ १।५५
३०	+१३।१५	. . .	+ ४।३३	- २।४३	- २।२७	+ ३।४०	+ ६।२८	+ ०।४१	- ९।५९	-१६।२१	-११।२७	+ २।२४
३१	+१३।२४	. . .	+ ४।१५	. . .	- २।१८	. . .	+ ६।२५	+ ०।२२	. . .	-१६।२४	. . .	+ २।५३

+(धन) - (ऋण)

॥ राशिका उपरथकी शुभाशुभ ग्रह दर्शना ॥

राशि	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
१	स्थान नाश	अन्न	शत्रु भय	बंधु लाभ	भय	शत्रु नाश	धन नाश	हानि	हानि
२	भय	वित्त लाभ	धन नाश	धन लाभ	धन लाभ	द्रव्य लाभ	धन हरण	वित्त नाश	वित्त नाश
३	श्री प्राप्ति	द्रव्य लाभ	मित्र लाभ	क्लेश कारक	सौख्य	वित्त लाभ	धन लाभ	द्रव्य लाभ	द्रव्य लाभ
४	मान भंग	कुक्षि रोग	शत्रु भय	अर्थ लाभ	द्रव्य नाश	धन लाभ	शत्रु वृद्धि	वैर	वैर
५	दैन्य	कार्य नाश	धन क्षय	शत्रु वृद्धि	सौख्य	पुत्र लाभ	अर्थ लाभ	शोक	शोक
६	रिपु नाश	वित्त लाभ	द्रव्य लाभ	स्थान प्राप्ति	शोक	शत्रु भय	अन्न लाभ	वित्त लाभ	वित्त लाभ
७	गमन	धनस्त्री लाभ	शोक	शरीर पीडा	राज मान	शोक	दोष संग्रह	कलि	कलि
८	पीडा	मृत्यु	शत्रु भय	धन लाभ	मृत्यु	अन्न लाभ	शरीर पीडा	प्राण नाश	प्राण नाश
९	कांति क्षय	राज भय	कार्य नाश	पीडा	सौख्य	वस्त्र लाभ	धन लाभ	पाप	पाप
१०	कार्य सिद्धि	महा सौख्य	शोक	सौख्य	दैन्य	सौख्य	दौर्मनस्य	वैर	वैर
११	वित्त लाभ	विविध लाभ	वस्त्र लाभ	अर्थ लाभ	द्रव्य लाभ	धन लाभ	द्रव्य लाभ	यश	यश
१२	रोग नाश	रोगधन नाश	रोगधन नाश	वित्त नाश	पीडा	द्रव्य लाभ	अनर्थ	हानि	हानि

अप्रत्यक्षाणि शास्त्राणि विवादास्तेषु केवलम् ।
प्रत्यक्षम् ज्योतिषं शास्त्रं चन्द्रार्कौ यत्र साक्षिणौ ॥
- वेंकटेशबापू केतकर, ज्योतिर्गणित

॥ वर कन्या गुण मेलापक सारणी ॥

उर्ध्वस्थितर्क्षाणि हि भानि पुंसां वामस्थितर्क्षाणि तथा वधूनाम्, संपात कोष्ठे शुभयोगुणैक्यं सर्वं शुभं तत्स्मृतितोऽधिकं यत् ।

वर→		मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या			तुला			वृश्चिक			धनु				मकर				कुम्भ			मीन		
कन्या ↓	नक्षत्र	अ. ४	भ. ४	कृ. १	कृ. ३	रो. ४	मृ. २	मृ. २	आ. ४	पुन. ३	पुन. १	पु. ४	श्ले. ४	म. ४	पू. ४	उ. १	उ. ३	ह. ४	चि. २	चि. २	स्वा ४	वि. ३	वि. १	अनु ४	ज्ये. ४	मू. ४	पू. ॥	पू. ३॥	उ. १	उ. ३	श्र. १॥	श्र. २॥	ध. २	ध. २	श. ४	पू. ३	पू. १	उ. ४	रे. ४
↓ मेष	अ.४	२८ ३	३३ ०	२८॥	१८॥ ४	२१॥ -४	२२॥ -४	२६	१७ ३	११ ३	२३॥ ३	३१॥	२८	२१ +५	२५ +५	१४॥ ३५	१० ३६	९ २३६	१३ ६	२२॥	२६॥ -२	२२॥	१८॥ -६	२५॥ -६	१४ ३६	१३ ३५	२५ ५	२६ +५	२४॥ +५	२६	२७	२६	२०	२०	१५ ३	१६ ३	१४॥ ३४	२३॥ +४	२५ +४
मेष	भ.४	३४	२८ ३	२९ ०१	११ ०१४	२२॥ -४	१४॥ ३४	१८ ३	२६	२७	३१॥	२३॥ ३	२५॥ १	२० -१५	१८ ३५	२६ ५	२१॥ ६	२० ६	४ १३६	१३॥ १३	२१॥	२१॥ -१	१७॥ -१६	१७॥ ३६	१९॥ -१६	२० -१५	१८ ३५	१९ ३५	२७ +५	२८॥	२७	२६	१० १२३	१० १२३	२० -१	२४ -२	२२॥ +२४	१७॥ ३४	२५॥ +४
	कृ.१	२७॥	२९ १	२८ ३	१८ ३४	१० ०१३४	१६॥ ४	२०	२० १	२१	२५॥	२६॥	२३॥ ३	१६॥ ३५	२० १५	२० १५	१५॥ १६	१५॥ ६	१८ ६	२७॥	१५॥ ३	१९॥ ३	१५॥ ३६	१९॥ ६	२५॥ -६	२४॥ +५	१८ १२५	१९ १२५	१२ १३५	१३॥ १३	१२॥ २३	११॥ २३	२५	२५	२७	१९ १	१७॥ १४	१९॥ १४	१९॥ ३४
	कृ.३	१८॥ ४	२० १४	१९ ३४	२८ ३	२० ०१३	२६॥	१७॥ +४	१७॥ १४	१८॥ +४	२२	२३	२० ३	१८॥ ३	२२ १	२२ १	२१ १५	२१ +५	२३॥ +५	२२॥ -६	१०॥ ३६	१४॥ ३६	२०॥ ३	२४॥	३०॥	२० ६	१३॥ १२६	१४॥ १२६	७॥ १३६	१२ १३४	११ २३४	१० २३४	२३॥ +५	२१॥	३१॥	२३॥ १	२० १	२२ १	१४ ३
वृष	रो.४	२३॥ -४	२३॥ ४	११ १३४	२० १३	२८ ३	३६ ०	२७ ०४	२३॥ +४	२२॥ +४	२६	२७	१२ १३	१०॥ १३	२४॥	२७	२६ +५	२६ +५	२० -१५	११ -१६	१५॥ ३६	९॥ १३६	१५॥ १३	२१॥	२३॥ १	१४ १६	११ ६	२० ६	१२॥ २३६	१७ २३४	१८ ३५	१७ ३५	२० -१५	२६ -१	२४॥ -१	३०॥	२७	२७	११ ३
	मृ.२	२३॥ -४	१४॥ ३४	१८॥ -४	२७॥	३५	२८ ३	११ ३४	२४ ०४	२२॥ +४	२६	११ ३	२१	१९॥	१५॥ ३	२४॥	२३॥ +५	२६ +५	१३ ३५	१२ ३६	२५ -६	१८॥ -६	२४॥	२१॥ ३	२४॥	१५ ६	१० ३६	११ ३६	१८ २६	२२॥ +२५	२६ +५	२५ ५	१३ ३५	११ ३	२७	२१॥	२६	१८ ३	२७
	मृ.२	२७	१८ ३	२२	१९॥ +४	२७ +४	२० ३४	२८ ३	३३ ०	३१॥	११ -४	१२ ३४	१४ ४	२३॥	१९॥ ३	२८॥	३१॥	३४	२१ ३	१४ ३५	२७ +५	२०॥ +५	१५ ६	१२ ३६	१५ ६	२३	१८ ३	१७ ३	२४ +२	२०॥ -२६	२४ ६	२३॥ -६	११॥ ३६	१३ ३५	२१ +५	२३॥ +५	२५॥	१७॥ ३	२६॥
मिथुन	आ.४	१९ ३	२७	२१ १	१८॥ +१४	२४॥ +४	२६ +४	३४	२८ ३	२५ ०३	१२॥ ०३४	२० -४	१३ १४	२२॥ १	२८॥	२१॥ ३	२४॥ ३	२४॥ ३	२८ १	२१ +१५	२७ +५	२१ +१५	१५॥ १६	१८ २६	४ १२३६	१६ १३	२८	२७	२७	२३॥ ६	२३॥ -६	२३ -६	१८॥ -१६	२० +१५	१२ १३५	१८ ३५	२० ३	२६॥	२६॥
	पुन.३	२० ३	२७	२३	२०॥ +४	२२॥ +४	२३॥ +४	३१॥	२४ ३	२८ ३	१५॥ -३४	२२॥ ०४	१७ -४	२२॥ +२	२६॥ +२	२१॥ ३	२४॥ ३	२५॥ ३	२७॥	२०॥ +५	२८ +५	२२ +५	१६॥ ६	२२॥ ६	८ ३६	१४ ३	२७	२६	२६	२२॥ ६	२३॥ -६	२३ -६	१८ -६	१९॥ +५	१४ ३५	१७ ३५	११ ३	२८	२७॥
	पुन.१	२२॥ ३	२९॥	२५॥	२२	२४	२५	१८ ४	१०॥ ३४	१४॥ ३४	२८ ३	३५ ०	२९॥	१६॥ २४	२०॥ २४	१५॥ ३४	१८ ३	१९ ३	२१	२०॥	२८	२२	२० +५	२६ +५	१९॥ ३५	८ ३६	२१ ६	२१॥ -६	२१॥ -६	२५	२६	२७	२२	१३॥ ६	८ ३६	१९ ३६	१७ ३५	२६ +५	२५॥ +५
कर्क	पु.४	३०॥	२१॥ ३	२६॥	२३	२५	१८ ३	११ ३४	१८ ४	२१॥ ४	३५	२८ ३	३० ०	१९॥ +४	१५॥ ३४	२३॥ +४	२६	२७	१२ ३	११॥ ३	२६॥	२१	११ -५	१८ ३५	२१ -५	१७ ६	११ २३६	११॥ २३६	२०॥ ६	२४	२४ -२	२५ २	१३ ३	४॥ ३६	१४॥ ६	१८ ६	२४ +५	१८ ३५	२७ +५
	श्ले.४	२६	२४॥ १	२२॥ ३	११ ३	११ १३	११	१२ ४	१२ १४	१५ ४	२८॥	२९	२८ ३	१५ २२३४	१५॥ १२४	१८॥ १४	२१ १	२१	२६	२५॥	१२॥ ३	१७॥ ३	१५॥ ३५	२० +५	२६ -५	२२॥ ६	१६ १६	१६॥ १६	८॥ १३६	१२ १३	१२ ३	१३ ३	२७	१८॥ ६	११॥ ६	१२॥ १६	१८॥ १५	२१ १५	१३ ३५
	म.४	२० +५	२० १५	१६॥ ३५	१७॥ ३	९॥ १३	१७॥	२१॥	२१॥ १	२०॥ -२	१६॥ +२४	१९॥ +४	१६ २३४	२८ ३	३० ०१	२७॥ १	१६॥ १४	१६॥ +४	२१॥ ४	२४॥	११॥ ३	१६॥ ३	२२॥ ३	२५॥	३३	२४ +५	१९ १५	१९ १५	८॥ १३५	२॥ १३६	३॥ ३६	४॥ ३६	१८॥ ६	२४॥	२५॥	१८॥ १	१८॥ -१६	१९॥ १६	१३ ३६
सिंह	पू.४	२६ +५	१८ ३५	२० -१५	२१ १	२३॥	१५॥ ३	१९॥ ३	२७॥	२६॥ २	२२॥ +२४	१७॥ ३४	१६॥ १२४	३० -१	२८ ३	३५ ०	२४ ०४	२२॥ +४	७॥ १३४	१०॥ १३	२५॥	१८॥ १	२४॥ -१	२३॥ ३	२४॥ -१	१८ +१५	१७ ३५	१७ ३५	२४ +५	१८ ६	१७॥ ६	१८॥ ६	४॥ १३६	१०॥ १३	१९॥ १	२४॥	२४॥ -६	१७॥ ३६	२५॥ -६
	उ.१	१५॥ ३५	२६ +५	२० -१५	२१ १	२६	२४॥	२८॥	२०॥ ३	२१॥ ३	१७॥ ३४	२५॥ +४	१९॥ -१४	२७॥ -१	३५	२८ ३	१७ ३४	१६ ०३४	१३॥ १२४	१६॥ १२	२५॥	१६॥ १२	२२॥ -१२	३१॥	१७॥ १३	९॥ १३५	२५ ५	२५ +५	२५ +५	१९ ६	१९ ६	२० ६	१९॥ १६	१७॥ १	१०॥ १३	१५॥ ३	१५॥ ३६	२६॥ -६	२५॥ -६
	उ.३	१२ ३६	२२॥ ६	१६॥ १६	२१ +१५	२६ +५	२४॥ +५	३१॥	२३॥ ३	२४॥ ३	२० ३	२८	२२ १	१७॥ १४	२५ +४	१८ ३४	२८ ३	२७ ०३	२४॥ १२	१६॥ -१२४	२५॥ +४	१६॥ १२४	१९ १२	२८	१४ १३	१४ १३	२९॥	२८॥	२८॥	२५ +५	२५ +५	२४॥ +५	१६ +१५	१६॥ -१६	९॥ १३६	१४॥ ३६	१७॥ ३	२८॥	२७॥
कन्या	ह.४	१० २३६	२० ६	१७॥ ६	२२ +५	२५ +५	२६ +५	३३	२२॥ ३	२४॥ ३	२० ३	२८	२३	१८॥ +४	२२॥ +४	१६ ३४	२६ ३	२८ ३	२८ ०	२० ०४	२६॥ +४	१८॥ +४	२१	२८	१५ ३	१५ ३	२७	२६	२७॥	२४ +५	२५ +५	२४॥ +५	१८॥ +५	११ ६	८॥ २३६	१३॥ ३६	१६॥ ३	२६॥	२७॥
	चि.२	१३ ६	५ १३६	१९ ६	२३॥ +५	२० १५	१२ ३५	१९ ३	२७ १	२५॥	२१	१२ ३	२७	२२॥ +४	८॥ १३४	१४॥ १२४	२४॥ १२	२७	२८ ३	२० ३४	१९ ०४	२६॥ +४	२९	१२ ३	२६	२८	१४ १३	१३ १३	२१ १	१७॥ १५	१९ +५	१८॥ +५	१७॥ ३५	१८ ३६	२४ -६	१८॥ १६	२१॥ १	१०॥ १२३	१९॥

यह मेलापक (वर्ण वश्य आदि) गुण की सारणी है, ऊपर की पंक्ति में वर के नक्षत्र हैं और तिरछी पंक्ति में बांयी तरफ कन्या के नक्षत्र लिखे हैं। ऊपरी भाग में गुण हैं और नीचे के भाग में दोषों के चिन्ह दिये हैं, जिनकी पहिचान के चिन्ह इस प्रकार समझना चाहिये - नाड़ी दोष का चिन्ह (३)। गण महादोष (मनुष्य राक्षस) में (१)। भकूट महादोष (षडाष्टक) में (६)। नवपंचम में (५)। द्विर्द्वादश में (४)। वैरयोनि में (२)। जहाँ थोड़ा दोष है वहाँ (-)।

सूचना - वर - कन्या का जन्मलग्न और जन्मराशि एक हो अथवा दोनों का मालिक (जैसे मेष वृश्चिक का मंगल) तो भकूट दोष नहीं होता है यदि नाड़ी दोष (चरण वेध से) नहीं हो तो।
यथा- प्रोक्ते दुष्टभकूटके परिणयस्त्वेकाधिपत्ये शुभो ..॥ नाड्यृक्षशुद्धिर्यदि.. ॥ - पीयूषधारा मुहूर्तचिन्तामणि, श्लो. ३२, पृ. ३४२ –ले. पं ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री, अन्तर्राष्ट्रीय पंचांग गणितकर्ता)

॥ वर कन्या गुण मेलापक सारणी ॥

ऊर्ध्वस्थितराशि [illegible] संपात कोष्ठे [illegible] ।

कन्या ↓	नक्षत्र ↓	मेष अ. ४	मेष भ. ४	मेष कृ. १	वृष कृ. ३	वृष रो. ४	वृष मृ. २	मिथुन मृ. २	मिथुन आ. ४	मिथुन पुन. ३	कर्क पुन. १	कर्क पु. ४	कर्क श्ले. ४
	चि.२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
तुला	स्वा.४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	वि.३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	वि.१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
वृश्चिक	अनु.४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	ज्ये.४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	मू.४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
धनु	पू.॥	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	पू.३॥	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	उ.१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	उ.३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मकर	[illegible].१॥	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	श्र.२॥	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	ध.२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	ध.२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
कुम्भ	श.४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	पू.३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	पू.१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मीन	उ.४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	रे.४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

कन्या ↓	नक्षत्र ↓	सिंह म. ४	सिंह पू. ४	सिंह उ. १	कन्या उ. ३	कन्या ह. ४	कन्या चि. २	तुला चि. २	तुला स्वा. ४	तुला वि. ३	वृश्चिक वि. १	वृश्चिक अनु. ४	वृश्चिक ज्ये. ४
	चि.२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
तुला	स्वा.४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	वि.३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	वि.१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
वृश्चिक	अनु.४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	ज्ये.४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	मू.४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
धनु	पू.॥	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	पू.३॥	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	उ.१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	उ.३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मकर	[illegible].१॥	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	श्र.२॥	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	ध.२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	ध.२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
कुम्भ	श.४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	पू.३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	पू.१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मीन	उ.४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	रे.४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

कन्या ↓	नक्षत्र ↓	धनु मू. ४	धनु पू. ॥	धनु पू. ३॥	धनु उ. १	मकर उ. ३	मकर [illegible]. १॥	मकर श्र. २॥	मकर ध. २	कुम्भ ध. २	कुम्भ श. ४	कुम्भ पू. ३	मीन पू. १	मीन उ. ४	मीन रे. ४
	चि.२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
तुला	स्वा.४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	वि.३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	वि.१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
वृश्चिक	अनु.४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	ज्ये.४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	मू.४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
धनु	पू.॥	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	पू.३॥	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	उ.१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	उ.३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मकर	[illegible].१॥	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	श्र.२॥	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	ध.२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	ध.२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
कुम्भ	श.४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	पू.३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	पू.१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मीन	उ.४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	रे.४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

जहाँ दोष का पूरा निर्वाह है वहाँ (-) चिन्ह है। जहाँ वर के नक्षत्र से पूर्व कन्या का नक्षत्र है इसका भी महादोष माना गया है वहाँ (०) शून्य का चिन्ह है और जहाँ कोई दोष नहीं मिलता वहाँ केवल गुण ही लिखे हुए हैं।

अत्र [illegible] एतदुक्तं [illegible] - 'आद्यांशेन चतुर्थांशं चतुर्थांशेन चादिमम्। द्वितीयेन तृतीयं तु तृतीयेन द्वितीयकम्॥' अर्थ - प्रथम चरण से चौथे का, चौथे से प्रथम का, द्वितीय चरण का तृतीय से और तृतीय का दूसरे चरण से वेध होता है॥ - पीयूषधारा पृ. ३५२-३५३ ॥ – ले. पं. प्यारेलाल शर्मा (शास्त्री, अन्तर्राष्ट्रीय पंचांग गणितकर्ता)

रवि रेखा ४८

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	ल
१	३	१	३	५	६	१	३
२	६	२	५	६	७	२	४
४	१०	४	६	९	१२	४	६
७	११	७	९	११		७	१०
८		८	१०			८	११
९		९	११			९	१२
१०		१०	१२			१०	
११		११				११	

चंद्र रेखा ४९

चं	मं	बु	गु	शु	श	सू	ल
१	२	१	१	३	३	३	३
३	३	३	४	४	५	६	६
६	५	४	७	५	६	७	१०
७	६	५	८	७	११	८	११
१०	९	७	१०	९		१०	
११	१०	८	११	१०		११	
	११	१०	१२	११			
		११					

भौम रेखा ३९

मं	बु	गु	शु	श	सू	चं	ल
१	३	६	६	१	३	३	१
२	५	१०	८	४	५	६	३
४	६	११	११	७	६	११	६
७	११	१२	१२	८	१०		१०
८				९	११		११
१०				१०			
११				११			

बुध रेखा ५४

बु	गु	शु	श	सू	चं	मं	ल
१	६	१	१	५	२	१	१
३	८	२	२	६	४	२	२
५	११	३	४	९	६	४	४
६	१२	४	७	११	८	७	६
९		५	८	१२	१०	८	८
१०		८	९		११	९	१०
११		९	१०			१०	११
१२		११	११			११	

गुरु रेखा ५६

गु	शु	श	सू	चं	मं	बु	ल
१	२	३	१	२	१	१	१
२	५	५	२	५	२	२	२
३	६	६	३	७	४	४	४
४	९	१२	४	९	७	५	५
७	१०		७	११	८	६	६
८	११		८		१०	९	७
१०			९		११	१०	९
११			१०			११	१०
			११				११

भृगुरेखा ५२

शु	श	सू	चं	मं	बु	गु	ल
१	३	८	१	३	३	५	१
२	४	११	२	५	५	८	२
३	५	१२	३	६	६	९	३
४	८		४	९	९	१०	४
५	९		५	११	११	११	५
८	१०		८	१२			८
९	११		९				९
१०			११				११
११			१२				

शनि रेखा ३९

श	सू	चं	मं	बु	गु	शु	ल
३	१	३	३	६	५	६	१
५	२	६	५	८	६	११	३
६	४	११	६	९	११	१२	४
११	७		१०	१०	१२		६
	८		११	११			१०
	१०		१२	१२			११
	११						

लग्न रेखा ४९

ल	सू	चं	मं	बु	गु	शु	श
३	३	३	१	१	१	१	१
६	४	६	३	२	२	२	३
१०	६	१०	६	४	४	३	४
११	१०	११	१०	६	५	४	६
	११	१२	११	८	६	५	१०
	१२			१०	७	८	११
				११	९	९	
					१०		
					११		

॥ श्लोक ॥ एक न्यष्टक रेखाया द्रव्यनाशं द्वाभ्यां भवेत् । त्रिभिःक्लेशस्त्रिभिर्ज्ञानी चतुर्भिः समता वदेत् । पंचभिश्च धनोत्पत्तिः षड्भिर्वित्तं धनागम ॥ सप्तभिः परमानन्दमष्टभिश्च सर्वसंपदः ॥२॥ ॥ अर्थ ॥ जिस ग्रह का बल देखना हो, उसको लग्न स्थान में रखकर जन्मकुंडली के ग्रह यथा स्थान लिखे जावें । तदनन्तर कोष्ठक के अनुसार ग्रहों की रेखा लिखें । उसके बल देखें । एक रेखा होवे कष्ट । दो हो तो धन क्षय । तीन हो तो क्लेश । चार हो तो सम भाव । छ हो तो धनागम । सात हो तो परमानंद । आठ हो तो सर्वसंपदा ।

॥ अथ शनि साढेसाती विचार ॥ द्वादशे जन्मगे राशौ द्वितीये च शनैश्चरे । सार्द्धानि सप्तवर्षाणि नरो दुःखैर्युतो भवेत् ॥ अर्थ - अपनी राशि से १२ वाँ, जन्म का और दूसरा शनैश्चर होने से ७॥ वर्ष तक साढे साती बडी पनौती होती है । इसमें मनुष्य पाद और वाहन के अनुसार सुख दुःख भोगते हैं । १२ वाँ शनि मस्तक पर, जन्म का उदर और दूसरा चरणों पर होता है । अपनी राशि से चौथा और आठवाँ शनि आने से २॥ (ढाई) वर्ष की छोटी पनौती आती है । इसका क्रम से १० मास मस्तक पर, १० मास उदर और १० मास चरणों पर असर रहता है, फल बडी पनौती के तुल्य है । शिवे रुद्रे जन्मनि स्वर्णपादः द्वि-पंच-नन्दे रजतं शुभं च । त्रिसप्तदिक् ताम्रपदं वदन्ति, वेदाष्टरिष्फे खलु लोहपादम् ॥ अर्थ - जिस दिन शनि एक राशि से दूसरी राशि पर गमन करे उस दिन अपनी राशि से चन्द्र राशि तक गिने । १-६-११ चंद्र हो तो सुवर्णपाद, २-५-९ चंद्र होतो चांदी का पाद, ३-७-१० चंद्र हो तो ताम्रपाद और ४-८-१२ चंद्र होवे तो लोहपाद । चांदी और ताम्रपाद शुभ है । अथ वाहनम् - तिथिवारं च नक्षत्रं नामाक्षर समन्वितम् । नवभिस्तु हरेद्भागशेषं वाहनमुच्यते ॥ अर्थ - तिथि का अंक (शुक्ल प्रतिपदा से गिनना) वार का अंक नक्षत्रांक और नाम के अक्षरों की संख्या को जोडकर, ९ से अधिक हो तो उसमें नव का भाग दें । बाकी बचे उस क्रम से वाहन समझें ॥ गर्दभो घोटको हस्ती महिषो जम्बुकस्तथा । काको मयूरो हंसश्च शनैश्चरस्य वाहनाः ॥ १ बचे तो गर्दभ, २ बचे तो घोडा, ३ बचे तो हाथी, ४ बचे तो भैंसा, ५ बचे तो सियार, ६ बचे तो सिंह, ७ बचे तो काक, ८ बचे तो मोर और ० या ९ शेष रहे तो हंस वाहन होता है । प्रकारान्तरेण - जन्म नक्षत्रमारभ्य गणयेद् दिनभावधि । नवभिस्तु हरेद्भागशेषं च शनि वाहनम् ॥ अर्थ - अपने जन्म नक्षत्र से शनि राशि प्रवेश (एक राशि से दूसरी राशि के संक्रमण कालका नक्षत्र) नक्षत्र तक गणना करें ९ से अधिक होने पर नव का भाग दें शेष बचे उसका ऊपर लिखे अनुसार वाहन समझें यथा - १ शेष रहे तो गर्दभ, २ शेष रहे तो अश्व आदि । वाहन - शनि के जपदानादि करने से शांति होती है । "मन्दे च मृत्युञ्जयः" इससे मृत्युञ्जय जप श्रेष्ठ है । शनि के नाम- कोणस्थः पिंगलो बभ्रुः कृष्णो रौद्रोऽन्तको यमः । सौरिः शनैश्चरो मन्दः पिप्पलादेन संस्तुतः ॥ एतानि दश नामानि प्रातरुत्थाय यः पठेत् । शनैश्चर कृतापीडा न कदाचिद्भविष्यति ॥ अथवा इन श्लोकों का प्रातःकाल उठकर पाठ करें ।

७॥ वर्ष (९० मास) के शनि का देह के पृथक् पृथक् अंगोपर फल ।											
मास	७	९	८	६	१०	१५	५	४	१३	१२	५
देहांग	मस्तक	नेत्र	मुख	कंठ	हृदय	उदर	नाभि	गुदा	घुटना	जंघा	चरण
फल	हानि	हानि	लाभ	लाभ	लाभ	लाभ	भय	मृत्यु	भय	सुख	रुदन

॥ शनिनक्षत्रवशात्फलम् ॥

शनि नक्षत्र से अपनी राशि के नक्षत्र तक गिने और उस संख्या को चक्र में देख फल जानें

नक्षत्र	१	४	६	४	२	३	५	२	१
देहांग	मुख	दक्षिण भुज	दोनों चरण	वाम हस्त	ललाट	नेत्र	हृदय	गुदा	दक्षिण कुक्षि
फल	हानि	जय	भ्रमण	रोग	राज्य	सुख	लाभ	मृत्यु	शोक

॥ खरादिवाहन फलम् ॥

वाहन	खर	अश्व	गज	महिष	सिंह	जम्बुक	काक	मयूर	हंस
फल	हानि	जय	पीडा	भ्रमण	शत्रुनाश	शोक	कलह	लाभ	सुख

॥ तिथिवारनक्षत्रेषु शुभाशुभ योगाः ॥

योग	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्रकच	ति १२	११	१०	९	८	७	६
दग्ध	ति १२	११	५	३	६	८	९
कुलिक	ति ७	६	५	४	३	२	१
हुताश	१२	६	७	८	९	१०	११
मृत्यु	१.६.११	२.७.१२	१.६.११	३.८.१३	४.९.१४	२.७.१२	५.१०.१५
सिद्धि	०	०	३.८.१३	२.७.१२	५.१०.१५	१.६.११	४.९.१४
दग्धक्ष	भर.	चित्रा	उषा.	धनि.	उफा.	ज्ये.	रेवती
अमृतसि.	हस्त	मृग	अश्वि.	अनु.	पुष्य	रेवती	रोहिणी
सिद्धि	मूल	श्रव.	उषा.	कृत्ति.	पुन.	पू.फा.	स्वाति
चर	पू.षा.	भर.	आर्द्रा.	मघा	चि.	ज्ये.	अभि.
स्थिर	उ.षा.	कृत्ति.	पुन.	पूफा.	स्वाती	मूल.	श्रवण
उत्पात	विशा.	पूषा.	ध.	रेवती	रो.	पुष्य	उफा.
मृत्यु	अनु.	उषा.	शत.	अश्वि.	मृग.	आश्ले.	हस्त
काण	ज्ये.	अभि.	पूभा.	भर.	आर्द्रा.	मघा.	चित्रा
यमदंष्ट्र	म.ध.	मू.वि.	कृ.रो.	पुना.पुन.	उषा.अश्वि.	रो.अनु.	श.हस्त
यमघंट	मघा	विशा.	आर्द्रा.	मूल.	कृ.	रो.	हस्त
कालदंड	भर.	आर्द्रा.	मघा	चि.	ज्ये.	अभि.	पू.भा.
मुसल	अश्वि.	पूषा	भर.	आर्द्रा	मघा	चि.	ज्ये.
सर्वार्थ सिद्धि	ह.मू. उ ३. पुष्य अश्वि	श्र.रो मृ. पुष्य अनु	उभा.कृ. अश्वि. श्ले.	रो.ह.कृ. मृ.अनु	रे.पुन. पुष्य अनु. अश्वि.	रे.पुन. श्र. अश्वि अनु	श्र.रो. स्वा

अथ कुयोगानां परिहार - तिथयो मासशून्याश्च शून्य लग्नानि यान्यपि । मध्यदेशे विवर्ज्यानि न दूष्याणीतरेषु तु ॥ पङ्ग्वन्धकाण लग्नानि मासशून्याश्च राशयः । गौडमालवयोस्त्याज्या अन्य देशे न गर्हिता ॥ अमृतसिद्धि योगा कार्य विशेषे वर्ज्या - भौमाश्विनी प्रवेशे च प्रयाणे शनिरोहिणीम् । गुरु पुष्य विवाहे च सर्वदा परिवर्जयेत् ॥ वर्जयेत्सर्वकार्येषु हस्तार्के पञ्चमीतिथौ । कुयोगास्तिथिवारोत्थास्तिथिभोत्था भवारजा । हूणवङ्गखशेष्वेव वर्ज्यास्त्रितयजास्तथा ॥

संवत् २०८२: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टाः (राशि-अंश-कला-विकलादी) सगतिकाः (कला-विकलादी) ता. ३०/ ३/२०२५ से पश्चात

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
३०/ ३	६/२७	११/१५/२३/५९	५९/१४	११/२३/३७/३९	९०६/५३	२/२८/४९/०४	१९/००	११/०५/४८/३०	४२/१५व	१/२१/२३/०३	९/०८	११/०४/०९/००	३१/५१व	११/००/०२/५४	७/१३	११/०२/३६/२६	३/११
३१/ ३	६/२५	११/१६/२३/१२	५९/१२	०/०८/४४/३१	९००/४५	२/२९/०८/०४	१९/२२	११/०५/०६/१५	३७/३९व	१/२१/३२/११	९/१५	११/०३/३७/०९	२९/५८व	११/००/१०/०७	७/१२	११/०२/३३/१५	३/११
१/ ४	६/२४	११/१७/२२/२४	५९/१०	०/२३/४५/१६	८८६/२८	२/२९/२७/२७	१९/४४	११/०४/२८/३६	३२/३५व	१/२१/४१/२६	९/२१	११/०३/०७/११	२७/५६व	११/००/१७/१८	७/१०	११/०२/३०/०५	३/११
२/ ४	६/२३	११/१८/२१/३४	५९/०८	१/०८/३१/४४	८६५/५७	२/२९/४७/११	२०/०५	११/०३/५६/००	२७/११व	१/२१/५०/४७	९/२९	११/०२/३९/१४	२५/४६व	११/००/२४/२८	७/०९	११/०२/२६/५५	३/११
३/ ४	६/२२	११/१९/२०/४१	५९/०६	१/२२/५७/४१	८४१/४१	३/००/०७/१६	२०/२६	११/०३/२८/४९	२१/३४व	१/२२/००/१५	९/३६	११/०२/१३/२८	२३/३०व	११/००/३१/३७	७/०८	११/०२/२३/४४	३/११
४/ ४	६/२१	११/२०/१९/४७	५९/०४	२/०६/५९/२२	८१६/१७	३/००/२७/४२	२०/४६	११/०३/०७/१५	१५/५०व	१/२२/०९/५१	९/४२	११/०१/४९/५९	२१/०८व	११/००/३८/४५	७/०६	११/०२/२०/३३	३/११
५/ ४	६/२०	११/२१/१८/५०	५९/०१	२/२०/३५/३९	७९१/५५	३/००/४८/२८	२१/०६	११/०२/५१/२५	१०/०६व	१/२२/१९/३३	९/४९	११/०१/२८/५०	१८/४३व	११/००/४५/५१	७/०५	११/०२/१७/२२	३/११
६/ ४	६/१९	११/२२/१७/५२	५९/००	३/०३/४७/३४	७७०/०८	३/०१/०९/३४	२१/२५	११/०२/४१/२०	४/२५व	१/२२/२९/२२	९/५४	११/०१/१०/०८	१६/१३व	११/००/५२/५५	७/०३	११/०२/१४/११	३/११
७/ ४	६/१८	११/२३/१६/५२	५८/५७	३/१६/३७/४२	७५१/५१	३/०१/३०/५९	२१/४४	११/०२/३६/५५	१/०७	१/२२/३९/१६	१०/०२	११/००/५३/५४	१३/४४व	११/००/५९/५८	७/०१	११/०२/११/०१	३/११
८/ ४	६/१७	११/२४/१५/४९	५८/५६	३/२९/०९/३३	७३७/२४	३/०१/५२/४३	२२/०३	११/०२/३८/०२	६/३०	१/२२/४९/१८	१०/०८	११/००/४०/११	११/१२व	११/०१/०६/५९	६/५९	११/०२/०७/५१	३/११
९/ ४	६/१६	११/२५/१४/४५	५८/५३	४/११/२६/५७	७२६/४१	३/०२/१४/४६	२२/२१	११/०२/४४/३२	११/३९	१/२२/५९/२६	१०/१४	११/००/२८/५९	८/४०व	११/०१/१३/५९	६/५८	११/०२/०४/४०	३/११
१०/ ४	६/१४	११/२६/१३/३८	५८/५१	४/२३/३३/३८	७१९/१३	३/०२/३७/०६	२२/३८	११/०२/५६/११	१६/३५	१/२३/०९/४०	१०/२०	११/००/२०/१९	६/०९व	११/०१/२०/५६	६/५६	११/०२/०१/२९	३/११
११/ ४	६/१३	११/२७/१२/२९	५८/४९	५/०५/३२/५२	७१४/२२	३/०२/५९/४५	२२/५६	११/०३/१२/४६	२१/१६	१/२३/२०/००	१०/२५	११/००/१४/०९	३/४०व	११/०१/२७/५२	६/५३	११/०१/५८/१८	३/११
१२/ ४	६/१२	११/२८/११/१९	५८/४७	५/१७/२७/१४	७११/२९	३/०३/२२/४१	२३/१३	११/०३/३४/०२	२५/४३	१/२३/३०/२५	१०/३२	११/००/१०/३०	१/१२व	११/०१/३४/४६	६/५२	११/०१/५५/०८	३/११

		निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में					चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
३०/ ३	५/०२/३६/२६	रेव ३-११/१६	४-१६/३३	अश्वि १-२१/५०	२-२७/०८	. .. ..	६/४४	+ ८/४४	६/३२/४७	+ ३/०६	१९/५८	+१२/२४	१९/०१/०२	+ २/३३	+ ४/३३	१८/२७/१३
३१/ ३	५/०२/३३/१५	अश्वि ३- ८/२५	४-१३/४४	भर १-१९/०३	२-२४/२३	३-२९/४४	७/२३	+१५/२४	७/२६/००	+ ४/०५	२१/०९	+१८/५२	१९/५६/५९	+ ३/४३	+ ४/१५	१८/३०/०२
१/ ४	५/०२/३०/०५	भर ४-११/०६	कृति १-१६/२९	२-२१/५४	३-२७/२०	. .. ..	८/०५	+२१/०६	८/२२/११	+ ४/४८	२२/२१	+२४/००	२०/५६/१५	+ ४/३४	+ ३/५७	१८/३२/५१
२/ ४	५/०२/२६/५५	कृति ४- ८/४८	रोहि १-१४/१८	२-१९/५०	३-२५/२४	. .. ..	८/५३	+२५/४५	९/२२/०६	+ ४/५१	२३/३२	+२७/२१	२१/५८/०७	+ ५/०६	+ ३/४०	१८/३५/४१
३/ ४	५/०२/२३/४४	रोहि ४- ७/००	मृग १-१२/३८	२-१८/१९	३-२४/०२	४-२९/४७	९/४८	+२८/११	१०/२३/५९	+ ५/१३	२४/३८	+२८/४०	२३/००/३४	+ ५/१६	+ ३/२२	१८/३८/३१
४/ ४	५/०२/२०/३३	आर्द्रा १-११/३६	२-१७/२६	३-२३/२०	४-२९/१६	. .. ..	१०/४९	+२८/३७	११/२५/४८	+ ५/१४	२५/३६	+२८/००	२४/०१/०३	+ ५/०६	+ ३/०५	१८/४१/२०
५/ ४	५/०२/१७/२२	पुन १-११/१५	२-१७/१७	३-२३/२१	४-२९/२८	. .. ..	११/५२	+२७/०९	१२/२५/०२	+ ४/५६	२६/२६	+२५/३७	२४/५७/२९	+ ४/३९	+ २/४७	१८/४४/११
६/ ४	५/०२/१४/११	पुष्य १-११/३८	२-१७/५०	३-२४/०५	. .. ..	. .. ..	१२/५५	+२४/०६	१३/२०/००	+ ४/२२	२७/०८	+२१/५२	२५/४९/०३	+ ३/५८	+ २/३०	१८/४७/०२
७/ ४	५/०२/११/०१	पुष्य ४- ६/२२	श्ले १-१२/४२	२-१९/०४	३-२५/२८	. .. ..	१३/५६	+१९/५१	१४/१०/११	+ ३/३५	२७/४४	+१७/११	२६/३६/०१	+ ३/०५	+ २/१३	१८/४९/५३
८/ ४	५/०२/०७/५१	श्ले ४- ७/५४	मघा १-१४/२३	२-२०/५३	३-२७/२५	. .. ..	१४/५४	+१४/४६	१४/५६/०५	+ २/३८	२८/१५	+११/५१	२७/१९/१५	+ २/०४	+ १/५७	१८/५२/४४
९/ ४	५/०२/०४/४०	मघा ४- ९/५८	पूफा १-१६/३३	२-२३/१०	३-२९/४७	. .. ..	१५/४९	+ ९/०९	१५/३८/४२	+ १/३३	२८/४३	+ ६/०८	२७/५९/५५	+ ०/५९	+ १/४०	१८/५५/३५
१०/ ४	५/०२/०१/२९	पूफा ४-१२/२६	उफा १-१९/०६	२-२५/४७	. .. ..	. .. ..	१६/४२	+ ३/१५	१६/१९/१४	+ ०/२६	२९/१०	+ ०/१७	२८/३९/०८	- ०/०९	+ १/२४	१८/५८/२८
११/ ४	५/०१/५८/१८	उफा ३- ८/२८	४-१५/११	हस्त १-२१/५४	२-२८/३७	. .. ..	१७/३५	- २/४३	१६/५८/५०	- ०/४३	२९/३६	- ५/३३	२९/१८/००	- १/१५	+ १/०८	१९/०१/२१
१२/ ४	५/०१/५५/०८	हस्त ३-११/२१	४-१८/०५	चित्रा १-२४/५०	. .. ..	. .. ..	१८/२७	- ८/३२	१७/३८/३६	- १/४९	३०/०४	-११/०९	२९/५७/३०	- २/१८	+ ०/५२	१९/०४/१४

संवत् २०८२: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टाः (राशि-अंश-कला-विकलादी) सगतिकाः (कला-विकलादी) ता. १३। ४।२०२५ से पश्चांत

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
१३। ४	६।११	११।२९।१०।०६	५८।४६	५।२९।१८।४२	७१०।०९	३।०३।४५।५३	२३।२९	११।०३।५९।४५	२९।५६	१।२३।४०।५६	१०।३८	११।००।०९।१८	१।१३	११।०१।४१।३८	६।५०	११।०१।५१।५३	३।११
१४। ४	६।१०	०।००।०८।५२	५८।४३	६।११।०८।५२	७१०।२१	३।०४।०९।२३	२३।४५	११।०४।२९।४१	३३।५५	१।२३।५१।३४	१०।४३	११।००।१०।३१	३।३५	११।०१।४८।२७	६।४८	११।०१।४८।४७	३।११
१५। ४	६।०९	०।०१।०७।३५	५८।४२	६।२२।५९।१३	७१२।२४	३।०४।३३।०८	२४।०१	११।०५।०३।३७	३७।४२	१।२४।०२।१७	१०।४९	११।००।१४।०६	५।५५	११।०१।५५।१५	६।४६	११।०१।४५।३६	३।११
१६। ४	६।०८	०।०२।०६।१७	५८।४०	७।०४।५१।३७	७१६।५२	३।०४।५७।०९	२४।१७	११।०५।४१।१९	४१।१७	१।२४।१३।०६	१०।५३	११।००।२०।०२	८।११	११।०२।०२।०१	६।४३	११।०१।४२।२५	३।११
१७। ४	६।०७	०।०३।०४।५७	५८।३८	७।१६।४८।२९	७२४।१९	३।०५।२१।२६	२४।३२	११।०६।२२।३६	४४।४२	१।२४।२३।५९	१०।५९	११।००।२८।१३	१०।२३	११।०२।०८।४३	६।४१	११।०१।३९।१५	३।११
१८। ४	६।०६	०।०४।०३।३४	५८।३६	७।२८।५२।४८	७३५।१४	३।०५।४५।५८	२४।४७	११।०७।०७।१८	४७।५८	१।२४।३४।५८	११।०५	११।००।३८।३६	१२।३२	११।०२।१५।२४	६।३९	११।०१।३६।०४	३।११
१९। ४	६।०५	०।०५।०२।१०	५८।३४	८।११।०८।०२	७४९।५१	३।०६।१०।४४	२५।०१	११।०७।५५।१६	५१।०५	१।२४।४६।०३	११।१०	११।००।५१।०८	१४।३६	११।०२।२२।०३	६।३६	११।०१।३२।५४	३।११
२०। ४	६।०४	०।०६।००।४४	५८।३२	८।२३।३७।५३	७६८।०९	३।०६।३५।४६	२५।१५	११।०८।४६।२१	५४।०४	१।२४।५७।१२	११।१५	११।०१।०५।४४	१६।३७	११।०२।२८।३९	६।३४	११।०१।२९।४३	३।११
२१। ४	६।०३	०।०६।५९।१६	५८।३०	९।०६।२६।०३	७८९।४८	३।०७।०१।०१	२५।२९	११।०९।४०।२५	५६।५८	१।२५।०८।२७	११।२०	११।०१।२२।२१	१८।३४	११।०२।३५।१३	६।३१	११।०१।२६।३२	३।११
२२। ४	६।०२	०।०७।५७।४६	५८।२८	९।१९।३५।५१	८१४।०६	३।०७।२६।३०	२५।४३	११।१०।३७।२३	५९।४६	१।२५।१९।४७	११।२३	११।०१।४०।५५	२०।२६	११।०२।४१।४४	६।२८	११।०१।२३।२१	३।११
२३। ४	६।०१	०।०८।५६।१४	५८।२६	१०।०३।०९।५७	८३९।५२	३।०७।५२।१३	२५।५६	११।११।३७।०८	६२।२९	१।२५।३१।१०	११।२९	११।०२।०१।२१	२२।१५	११।०२।४८।१२	६।२६	११।०१।२०।११	३।११
२४। ४	६।०१	०।०९।५४।४०	५८।२४	१०।१७।०९।४९	८६५।१८	३।०८।१८।१०	२६।०९	११।१२।३९।३७	६५।०८	१।२५।४२।३९	११।३४	११।०२।२३।३६	२३।५९	११।०२।५४।३८	६।२३	११।०१।१७।०१	३।११
२५। ४	६।००	०।१०।५३।०५	५८।२३	११।०१।३५।०७	८८७।५९	३।०८।४४।१९	२६।२२	११।१३।४४।४५	६७।४४	१।२५।५४।१३	११।३८	११।०२।४७।३५	२५।४०	११।०३।०१।०१	६।२०	११।०१।१३।५०	३।११
२६। ४	५।५९	०।११।५१।२७	५८।२१	११।१६।२३।०७	९०५।०८	३।०९।१०।४१	२६।३५	११।१४।५२।२९	७०।१७	१।२६।०५।५१	११।४३	११।०३।१३।१६	२७।१७	११।०३।०७।२१	६।१७	११।०१।१०।३९	३।११
२७। ४	५।५८	०।१२।४९।४८	५८।१९	०।०१।२८।१४	९१४।००	३।०९।३७।१६	२६।४७	११।१६।०२।४५	७२।४७	१।२६।१७।३४	११।४७	११।०३।४०।३३	२८।५१	११।०३।१३।३८	६।१४	११।०१।०७।२८	३।११

निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में

ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण
१३। ४	५।०१।५१।५३	चित्रा २- ७।३५	३-१४।२०	४-२१।०५	स्वा. १-२७।५१	. .. ..
१४। ४	५।०१।४८।४७	स्वा. २-१०।३६	३-१७।२१	४-२४।०६	. .. ..	. .. ..
१५। ४	५।०१।४५।३६	विशा १- ६।५१	२-१३।३६	३-२०।२०	४-२७।०४	. .. ..
१६। ४	५।०१।४२।२५	अनु १- ९।४७	२-१६।२९	३-२३।१०	४-२९।५०	. .. ..
१७। ४	५।०१।३९।१५	ज्ये १-१२।२९	२-१९।०७	३-२५।४४	. .. ..	. .. ..
१८। ४	५।०१।३६।०४	ज्ये ४- ८।११	मूल १-१४।५२	२-२१।२४	३-२७।५३	. .. ..
१९। ४	५।०१।३२।५४	मूल ४-१०।२१	पूषा १-१६।४६	२-२३।०९	३-२९।३०	. .. ..
२०। ४	५।०१।२९।४३	पूषा ४-११।४९	उषा १-१८।०५	२-२४।१८	. .. ..	. .. ..
२१। ४	५।०१।२६।३२	उषा ३- ६।२९	४-१२।३७	श्रव १-१८।४३	२-२४।४६	. .. ..
२२। ४	५।०१।२३।२१	श्रव ३- ६।४६	४-१२।४३	धनि १-१८।३८	२-२४।३०	. .. ..
२३। ४	५।०१।२०।११	धनि ३- ६।११	४-१२।०६	शत १-१७।५०	२-२३।३१	३-२९।१०
२४। ४	५।०१।१७।०१	शत ४-१०।४७	पूभा १-१६।२१	२-२१।५३	३-२७।२३	. .. ..
२५। ४	५।०१।१३।५०	पूभा ४- ८।५१	उभा १-१४।१७	२-१९।४२	३-२५।०५	. .. ..
२६। ४	५।०१।१०।३९	उभा ४- ६।२६	रेव १-११।४६	२-१७।०४	३-२२।२२	४-२७।३८
२७। ४	५।०१।०७।२८	अश्वि १- ८।५४	२-१४।१०	३-१९।२४	४-२४।३९	भर १-२९।५३

ता.मा.	चंद्रोदय घं. मि.	चंद्रक्रांति अं. क.	मध्यमचंद्रो. घं. मि. से.	चंद्रशर अं. क.	चंद्रास्त घं. मि.	चंद्रक्रांति अं. क.	मध्यमचंद्रा. घं. मि. से.	चंद्रशर अं. क.	वेलान्तर मि. से.	सांपातिक घं. मि. से.
१३। ४	११।२०	-१४।०१	१८।११।३१	- २।४९	. . .	. . .	. . .	. . .	+ ०।३७	११।०७।०८
१४। ४	२०।१४	-१८।५७	१९।०२।२७	- ३।४२	६।३३	-१६।२१	६।३८।३३	- ३।४२	+ ०।२२	११।१०।०१
१५। ४	२१।१०	-२३।०७	१९।४८।०२	- ४।२४	७।०६	-२०।४९	७।२१।५५	- ४।२४	+ ०।०७	११।१२।५६
१६। ४	२२।०७	-२६।१५	२०।३६।३६	- ४।५४	७।४३	-२४।२७	८।०८।०२	- ४।५४	- ०।०७	११।१५।५२
१७। ४	२३।०४	-२८।०९	२१।२७।५४	- ५।११	८।२५	-२७।१५	८।५७।३७	- ५।०३	- ०।२१	११।१८।४८
१८। ४	२३।५८	-२८।३८	२२।२१।१०	- ५।१३	९।१३	-२८।३३	९।४९।३८	- ५।१३	- ०।३५	११।२१।४५
१९। ४	२४।४९	-२७।३५	२३।१५।०७	- ४।५९	१०।०७	-२८।२२	१०।४३।२२	- ५।०९	- ०।४८	११।२४।४२
२०। ४	२५।३६	-२४।५९	२४।०८।२८	- ४।३०	११।०६	-२६।३८	११।३७।३१	- ४।४८	- १।००	११।२७।४०
२१। ४	२६।१७	-२०।५८	२५।००।१८	- ३।४५	१२।०८	-२३।२३	१२।३०।५२	- ४।१२	- १।१३	११।३०।३९
२२। ४	२६।५५	-१५।४२	२५।५०।२५	- २।४५	१३।१२	-१८।४३	१३।२२।४३	- ३।१९	- १।२५	११।३३।३८
२३। ४	२७।२९	- ९।२६	२६।३९।१६	- १।३३	१४।१५	-१२।५२	१४।१३।०४	- २।१३	- १।३६	११।३६।३९
२४। ४	२८।०३	- २।३०	२७।२७।४५	- ०।१४	१५।२०	- ६।०७	१५।०२।३६	- ०।५५	- १।४७	११।३९।४०
२५। ४	२८।३७	+ ४।४६	२८।१७।०९	+ १।०९	१६।२५	+ १।११	१५।५२।२५	+ ०।२८	- १।५८	११।४२।४२
२६। ४	२९।१३	+११।५३	२९।०८।५१	+ २।२७	१७।३२	+ ८।३४	१६।४३।५६	+ १।५१	- २।०८	११।४५।४४
२७। ४	२९।५४	+१८।२०	३०।०४।०२	+ ३।३५	१८।४२	+१५।३३	१७।३८।३२	+ ३।०६	- २।१७	११।४८।४७

संवत् २०८२: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टा: (राशि-अंश-कला-विकलादी) सगतिका: (कला-विकलादी) ता. २८।४।२०२५ से पर्यन्त

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
२८। ४	५।५७	०।१३।४८।०७	५८।१७	०।१६।४२।१४	९१२।४८	३।१०।०४।०३	२६।५९	११।१७।१५।३२	७५।१५	१।२६।२९।२१	११।५०	११।०४।०९।२४	३०।२०	११।०३।१९।५३	६।११	११।०१।०४।१७	३।११
२९। ४	५।५६	०।१४।४६।२४	५८।१५	१।०१।५५।०३	९०१।१४	३।१०।३१।०२	२७।११	११।१८।३०।४७	७७।४१	१।२६।४१।११	११।५६	११।०४।३९।४४	३१।४७	११।०३।२६।०४	६।०९	११।०१।०१।०७	३।११
३०। ४	५।५५	०।१५।४४।४०	५८।१४	१।१६।५६।१७	८८०।४७	३।१०।५८।१३	२७।२२	११।१९।४८।२८	८०।०५	१।२६।५३।०७	१२।००	११।०५।११।३१	३३।१०	११।०३।३२।१३	६।०५	११।००।५७।५७	३।११
१। ५	५।५४	०।१६।४२।५४	५८।१२	२।०१।३७।०४	८५४।१९	३।११।२५।३५	२७।३४	११।२१।०८।३२	८२।२६	१।२७।०५।०६	१२।०४	११।०५।४४।४०	३४।२९	११।०३।३८।१८	६।०२	११।००।५४।४६	३।११
२। ५	५।५४	०।१७।४१।०५	५८।१०	२।१५।५१।२४	८२५।१२	३।११।५३।०९	२७।४५	११।२२।३०।५९	८४।४६	१।२७।१७।१०	१२।०७	११।०६।१९।०९	३५।४६	११।०३।४४।२०	५।५९	११।००।५१।३५	३।११
३। ५	५।५३	०।१८।३९।१६	५८।०९	२।२९।३६।३५	७९६।३१	३।१२।२०।५४	२७।५६	११।२३।५५।४५	८७।०४	१।२७।२९।१७	१२।११	११।०६।५४।५५	३६।५९	११।०३।५०।१९	५।५५	११।००।४८।२४	३।११
४। ५	५।५२	०।१९।३७।२४	५८।०७	३।१२।५३।०६	७७०।३५	३।१२।४८।५०	२८।०६	११।२५।२२।४९	८९।१९	१।२७।४१।२९	१२।१५	११।०७।३१।५४	३८।१०	११।०३।५६।१४	५।५२	११।००।४५।१४	३।११
५। ५	५।५१	०।२०।३५।३१	५८।०५	३।२५।४३।४०	७४८।५०	३।१३।१६।५६	२८।१७	११।२६।५२।०८	९१।३३	१।२७।५३।४४	१२।१९	११।०८।१०।०४	३९।१७	११।०४।०२।०६	५।४९	११।००।४२।०३	३।११
६। ५	५।५१	०।२१।३३।३६	५८।०४	४।०८।१२।३१	७३१।५८	३।१३।४५।१३	२८।२७	११।२८।२३।४१	९३।४४	१।२८।०६।०२	१२।२१	११।०८।४९।२१	४०।२२	११।०४।०७।५५	५।४५	११।००।३८।५२	३।११
७। ५	५।५०	०।२२।३१।४०	५८।०२	४।२०।२४।२९	७२०।०४	३।१४।१३।४०	२८।३७	११।२९।५७।२५	९५।५३	१।२८।१८।२४	१२।२६	११।०९।२९।४३	४१।२५	११।०४।१३।४०	५।४२	११।००।३५।४२	३।११
८। ५	५।४९	०।२३।२९।४२	५८।००	५।०२।२४।३३	७१२।४५	३।१४।४२।१८	२८।४७	०।०१।३३।१८	९७।५९	१।२८।३०।४९	१२।२९	११।१०।११।०८	४२।२५	११।०४।१९।२२	५।३८	११।००।३२।३१	३।११
९। ५	५।४९	०।२४।२७।४२	५७।५९	५।१४।१७।१७	७०९।२१	३।१५।११।०५	२८।५७	०।०३।११।१७	१००।०३	१।२८।४३।१८	१२।३२	११।१०।५३।३२	४३।२२	११।०४।२५।०१	५।३५	११।००।२९।२०	३।११
१०। ५	५।४८	०।२५।२५।४१	५७।५७	५।२६।०६।३८	७०९।०१	३।१५।४०।०२	२९।०६	०।०४।५१।२०	१०२।०५	१।२८।५५।५१	१२।३६	११।११।३६।५४	४४।१८	११।०४।३०।३५	५।३१	११।००।२६।१०	३।११
११। ५	५।४७	०।२६।२३।३८	५७।५६	६।०७।५५।३९	७१०।५७	३।१६।०९।०८	२९।१६	०।०६।३३।२५	१०४।०५	१।२९।०८।२६	१२।३९	११।१२।२१।१२	४५।११	११।०४।३६।०६	५।२७	११।००।२२।५९	३।११
१२। ५	५।४७	०।२७।२१।३४	५७।५४	६।१९।४६।३६	७१४।३१	३।१६।३८।२४	२९।२५	०।०८।१७।३०	१०६।०२	१।२९।२१।०५	१२।४२	११।१३।०६।२२	४६।०२	११।०४।४१।३३	५।२३	११।००।१९।४८	३।११

निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में							चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
२८। ४	५।०१।०४।१७	भर २-११।०८	३-१६।२३	४-२१।३८	कृति १-२६।५४	. .. ..	. . .	. . .	. . .	. . .	१९।५५	+२१।३१	१८।३७।१०	+ ४।०७	- २।२६	१९।५१।५२
२९। ४	५।०१।०१।०७	कृति २- ८।११	३-१३।२८	४-१८।४७	रोहि १-२४।०७	२-२९।२९	६।४०	+२३।३६	७।०३।२२	+ ४।५७	२१।०९	+२५।५३	१९।३९।४१	+ ४।४८	- २।३५	१९।५४।५८
३०। ४	५।००।५७।५७	रोहि ३-१०।५२	४-१६।१७	मृग १-२१।४५	२-२७।१४	. .. ..	७।३४	+२७।०१	८।०५।५७	+ ५।०८	२२।२०	+२८।१३	२०।४४।२५	+ ५।०७	- २।४३	१९।५८।०४
१। ५	५।००।५४।४६	मृग ३- ८।४५	४-१४।११	आर्द्रा १-१९।५६	२-२५।३४	. .. ..	८।३४	+२८।३२	९।११।०१	+ ५।०८	२३।२५	+२८।२२	२१।४८।२२	+ ५।०४	- २।५०	२०।०१।११
२। ५	५।००।५१।३५	आर्द्रा ३- ७।१७	४-१३।०२	पुन १-१८।५०	२-२४।४१	. .. ..	९।३९	+२७।४८	१०।१३।५१	+ ४।५६	२४।२०	+२६।३३	२२।४८।३६	+ ४।४१	- २।५७	२०।०४।२०
३। ५	५।००।४८।२४	पुन ३- ६।३४	४-१२।३१	पुष्य १-१८।३२	२-२४।३५	. .. ..	१०।४५	+२५।१४	११।१२।२६	+ ४।२६	२५।०६	+२३।१०	२३।४३।३१	+ ४।०३	- ३।०४	२०।०७।२८
४। ५	५।००।४५।१४	पुष्य ३- ६।४२	४-१२।५१	श्ले १-१९।०४	२-२५।२०	. .. ..	११।४८	+२१।१६	१२।०५।३९	+ ३।४२	२५।४४	+१८।४०	२४।३३।०१	+ ३।१३	- ३।१०	२०।१०।३८
५। ५	५।००।४२।०३	श्ले ३- ७।३८	४-१४।००	मघा १-२०।२४	२-२६।५१	. .. ..	१२।४८	+१६।२१	१२।५३।४३	+ २।४७	२६।१७	+१३।२८	२५।१७।५६	+ २।१५	- ३।१५	२०।१३।५०
६। ५	५।००।३८।५२	मघा ३- ९।२०	४-१५।५२	पूफा १-२२।२६	२-२९।०१	. .. ..	१३।४५	+१०।५०	१३।३७।४१	+ १।४६	२६।४६	+ ७।५१	२५।५९।३१	+ १।१२	- ३।२०	२०।१७।०२
७। ५	५।००।३५।४२	पूफा ३-११।३९	४-१८।१८	उफा १-२४।५९	. .. ..	. .. ..	१४।३८	+ ५।०१	१४।१८।५१	+ ०।४०	२७।१३	+ २।०३	२६।३९।०४	+ ०।०६	- ३।२४	२०।२०।१६
८। ५	५।००।३२।३१	उफा २- ७।४१	३-१४।२४	४-२१।०८	हस्त १-२७।५२	. .. ..	१५।३१	- ०।५४	१४।५८।३३	- ०।२७	२७।४०	- ३।४५	२७।१७।४९	- ०।५९	- ३।२७	२०।२३।३०
९। ५	५।००।२९।२०	हस्त २-१०।३८	३-१७।२३	४-२४।०९	. .. ..	. .. ..	१६।२२	- ६।४४	१५।३८।०१	- १।३२	२८।०७	- ९।२४	२७।५६।५३	- २।०१	- ३।३०	२०।२६।४६
१०। ५	५।००।२६।१०	चित्रा १- ६।५६	२-१३।४२	३-२०।२८	४-२७।१४	. .. ..	१७।१५	-१२।१८	१६।१८।२१	- २।३२	२८।३६	-१४।४१	२८।३७।१८	- २।५७	- ३।३३	२०।३०।०२
११। ५	५।००।२२।५९	स्वा. १- ९।५९	२-१६।४५	३-२३।२९	. .. ..	. .. ..	१८।०९	-१७।२४	१७।००।३३	- ३।२५	२९।०७	-१९।२६	२९।१९।५६	- ३।४५	- ३।३५	२०।३३।२०
१२। ५	५।००।१९।४८	स्वा. ४- ६।१४	विशा १-१२।५७	२-१९।४०	३-२६।२३	. .. ..	१९।०४	-२१।४९	१७।४५।२३	- ४।०९	२९।४३	-२३।२५	३०।०५।२४	- ४।२४	- ३।३६	२०।३६।३९

संवत् २०८२: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टाः (राशि-अंश-कला-विकलादौ) सगतिकाः (कला-विकलादौ) ता. १३। ५।२०२५ से पश्चांत

ता. मा.	सू. उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
१३। ५	५।४६	०।२८।१९।२८	५७।५३	७।०१।४१।०७	७१९।२६	३।१७।०७।४९	२९।३४	०।१०।०३।३२	१०७।५७	१।२९।३३।४६	१२।४५	११।१३।५२।२४	४६।५१	११।०४।४६।५७	५।१९	११।००।१६।३७	३।११
१४। ५	५।४५	०।२९।१७।२९	५७।५१	७।१३।४०।३४	७२५।४४	३।१७।३७।२३	२९।४३	०।११।५१।२८	१०९।५०	१।२९।४६।३१	१२।४७	११।१४।३९।१५	४७।३८	११।०४।५२।१६	५।१५	११।००।१३।२७	३।११
१५। ५	५।४५	१।००।१५।१२	५७।५०	७।२५।४६।१७	७३३।४०	३।१८।०७।०६	२९।५२	०।१३।४१।१८	१११।४१	१।२९।५९।१८	१२।५०	११।१५।२६।५३	४८।२३	११।०४।५७।३१	५।१२	११।००।१०।१७	३।११
१६। ५	५।४४	१।०१।१३।०२	५७।४८	८।०७।५९।५७	७४३।३४	३।१८।३६।५८	३०।००	०।१५।३२।५९	११३।३०	२।००।१२।०८	१२।५३	११।१६।१५।१६	४९।०७	११।०५।०२।४३	५।०८	११।००।०७।०६	३।११
१७। ५	५।४४	१।०२।१०।५०	५७।४७	८।२०।२३।३१	७५५।४४	३।१९।०६।५८	३०।०९	०।१७।२६।२९	११५।१८	२।००।२५।०१	१२।५६	११।१७।०४।२३	४९।४९	११।०५।०७।५१	५।०३	११।००।०३।५५	३।११
१८। ५	५।४३	१।०३।०८।३७	५७।४६	९।०२।५९।१५	७७०।२२	३।१९।३७।०७	३०।१७	०।१९।२१।४६	११७।०४	२।००।३७।५७	१२।५८	११।१७।५४।१२	५०।३०	११।०५।१२।५४	४।५९	११।००।००।४४	३।११
१९। ५	५।४३	१।०४।०६।२३	५७।४४	९।१५।४९।३८	७८७।३४	३।२०।०७।२४	३०।२५	०।२१।१८।५०	११८।४९	२।००।५०।५५	१३।०१	११।१८।४४।४२	५१।०८	११।०५।१७।५३	४।५५	१०।२९।५७।३३	३।११
२०। ५	५।४२	१।०५।०४।०७	५७।४३	९।२८।५७।११	८०७।१३	३।२०।३७।४९	३०।३३	०।२३।१७।३९	१२०।३२	२।०१।०३।५६	१३।०३	११।१९।३५।५०	५१।४६	११।०५।२२।४८	४।५१	१०।२९।५४।२३	३।११
२१। ५	५।४२	१।०६।०१।५०	५७।४२	१०।१२।२४।२५	८२८।४४	३।२१।०८।२३	३०।४१	०।२५।१८।१२	१२२।१४	२।०१।१६।५९	१३।०६	११।२०।२७।३६	५२।२२	११।०५।२७।३९	४।४७	१०।२९।५१।१२	३।११
२२। ५	५।४१	१।०६।५९।३१	५७।४०	१०।२६।१३।२०	८५१।३९	३।२१।३९।०४	३०।४९	०।२७।२०।२५	१२३।५२	२।०१।३०।०५	१३।०८	११।२१।१९।५८	५२।५७	११।०५।३२।२६	४।४२	१०।२९।४८।०१	३।११
२३। ५	५।४१	१।०७।५७।१२	५७।३९	११।१०।२४।५९	८७३।३८	३।२२।०९।५३	३०।५६	०।२९।२४।१७	१२५।२७	२।०१।४३।१३	१३।१०	११।२२।१२।५५	५३।३१	११।०५।३७।०८	४।३८	१०।२९।४४।५०	३।११
२४। ५	५।४१	१।०८।५४।५१	५७।३८	११।२४।५८।३८	८९२।१६	३।२२।४०।४९	३१।०४	१।०१।२९।४४	१२६।५६	२।०१।५६।२३	१३।१२	११।२३।०६।२६	५४।०३	११।०५।४१।४६	४।३३	१०।२९।४१।३९	३।११
२५। ५	५।४०	१।०९।५२।२९	५७।३७	०।०९।५०।५४	९०४।३४	३।२३।११।५३	३१।११	१।०३।३६।४०	१२८।१८	२।०२।०९।३५	१३।१४	११।२४।००।२९	५४।३४	११।०५।४६।१९	४।२९	१०।२९।३८।२९	३।११
२६। ५	५।४०	१।१०।५०।०६	५७।३६	०।२४।५५।२८	९०७।५२	३।२३।४३।०४	३१।१९	१।०५।४४।५८	१२९।३२	२।०२।२२।४९	१३।१६	११।२४।५५।०३	५५।०४	११।०५।५०।४७	४।२४	१०।२९।३५।१८	३।११
२७। ५	५।४०	१।११।४७।४१	५७।३४	१।१०।०३।१९	९००।५१	३।२४।१४।२३	३१।२६	१।०७।५४।३०	१३०।३५	२।०२।३६।०५	१३।१८	११।२५।५०।०७	५५।३३	११।०५।५५।१२	४।१९	१०।२९।३२।०७	३।११

निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में

ता. मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण
१३। ५	५।००।१६।३७	विशा ४- ९।०४	अनु १-१५।४५	२-२२।२५	३-२९।०४	. .. ..
१४। ५	५।००।१३।२७	अनु ४-११।४३	ज्ये १-१८।२०	२-२४।५६	. .. ..	. .. ..
१५। ५	५।००।१०।१७	ज्ये ३- ७।३१	४-१४।०५	मूल १-२०।३७	२-२७।०८	. .. ..
१६। ५	५।००।०७।०६	मूल ३- १।३८	४-१६।०६	पूषा १-२२।३३	२-२८।५९	. .. ..
१७। ५	५।००।०३।५५	पूषा ३-११।२२	४-१७।४४	उषा १-२४।०४	. .. ..	. .. ..
१८। ५	५।००।००।४४	उषा २- ६।२२	३-१२।३९	४-१८।५३	श्रव १-२५।०६	. .. ..
१९। ५	४।२९।५७।३३	श्रव २- ७।१६	३-१३।२४	४-१९।३०	धनि १-२५।३४	. .. ..
२०। ५	४।२९।५४।२३	धनि २- ७।३६	३-१३।३५	४-१९।३२	शत १-२५।२७	. .. ..
२१। ५	४।२९।५१।१२	शत २- ७।२०	३-१३।१०	४-१८।५८	पूभा १-२४।४४	. .. ..
२२। ५	४।२९।४८।०१	पूभा २- ६।२७	३-१२।०८	४-१७।४७	उभा १-२३।२४	२-२८।५९
२३। ५	४।२९।४४।५०	उभा ३-१०।३२	४-१६।०३	रेव १-२१।३२	२-२७।००	. .. ..
२४। ५	४।२९।४१।३९	रेव ३- ८।२६	४-१३।५०	अश्वि १-१९।१३	२-२४।३४	. .. ..
२५। ५	४।२९।३८।२९	अश्वि ३- ५।५५	४-११।१४	भर १-१६।३३	२-२१।५१	३-२७।०९
२६। ५	४।२९।३५।१८	भर ४- ८।२६	कृति १-१३।४३	२-१९।००	३-२४।१७	४-२९।३४
२७। ५	४।२९।३२।०७	रोहि १-१०।५२	२-१६।११	३-२१।३१	४-२६।५२	. .. ..

ता. मा.	चंद्रोदय घं. मि.	चंद्रक्रांति अं. क.	मध्यमचंद्रो. घं. मि. से.	चंद्रशर अं. क.	चंद्रास्त घं. मि.	चंद्रक्रांति अं. क.	मध्यमचंद्रा. घं. मि. से.	चंद्रशर अं. क.	वेलान्तर मि. से.	सांपातिक घं. मि. से.
१३। ५	२०।०१	-२५।१७	१८।३३।१५	- ४।४१	. . .	. . .	. . .	. . .	- ३।३७	२०।३९।५१
१४। ५	२०।५८	-२७।३५	१९।२४।०२	- ५।००	६।२३	-२६।२४	६।५४।०२	- ५।००	- ३।३७	२०।४३।२०
१५। ५	२१।५४	-२८।३०	२०।१६।५६	- ५।०४	७।१०	-२८।०६	७।४५।१४	- ५।०५	- ३।३७	२०।४६।४३
१६। ५	२२।४६	-२७।५५	२१।१०।३९	- ४।५५	८।०३	-२८।२६	८।३९।००	- ५।०३	- ३।३६	२०।५०।०७
१७। ५	२३।३३	-२५।४८	२२।०३।४५	- ४।३०	९।००	-२७।११	९।३२।५१	- ४।४६	- ३।३४	२०।५३।३२
१८। ५	२४।१५	-२२।१८	२२।५५।११	- ३।५०	१०।००	-२४।२६	१०।२५।५०	- ४।१४	- ३।३२	२०।५६।५९
१९। ५	२४।५३	-१७।३३	२३।४४।३४	- २।५७	११।०२	-२०।१८	११।१७।०४	- ३।२८	- ३।३०	२१।००।२६
२०। ५	२५।२८	-११।५०	२४।३२।१४	- १।५३	१२।०४	-१५।००	१२।०६।२५	- २।२९	- ३।२६	२१।०३।५५
२१। ५	२६।००	- ५।२२	२५।१९।००	- ०।४०	१३।०६	- ८।४७	१२।५४।२६	- १।१८	- ३।२३	२१।०७।२४
२२। ५	२६।३३	+ १।३३	२६।०६।०७	+ ०।३८	१४।०८	- १।५७	१३।४२।०९	- ०।०९	- ३।१९	२१।१०।५६
२३। ५	२७।०७	+ ८।३३	२६।५४।४९	+ १।५५	१५।१२	+ ५।१२	१४।३०।५८	+ १।१८	- ३।१४	२१।१४।२९
२४। ५	२७।४४	+१५।१३	२७।४७।०४	+ ३।०५	१६।१९	+१२।१३	१५।२२।२६	+ २।३४	- ३।०९	२१।१८।०३
२५। ५	२८।२७	+२१।०२	२८।४३।३३	+ ४।०२	१७।२९	+१८।३७	१६।१७।५७	+ ३।३९	- ३।०३	२१।२१।३८
२६। ५	२९।१७	+२५।२७	२९।४४।४४	+ ४।४२	१८।४२	+२३।४८	१७।१८।१३	+ ४।२७	- २।५७	२१।२५।१५
२७। ५	. . .	. . .	. . .	. . .	१९।५६	+२७।१२	१८।२२।३३	+ ४।५५	- २।५०	२१।२८।५३

संवत् २०८२ वर्षे सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टा (राशि-अंश-कला-विकलादी) ग्रहगतिका (कला-विकलादी) ता. २८। ५।२०२५ से पश्चात

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
२८। ५	५।३१	१।१२।४५।१७	५७।३३	१।२५।०४।११	८८४।०७	३।२४।४५।१४	३१।३३	१।१०।०५।०५	१३१।२५	२।०२।४६।२३	१३।१९	११।२६।४५।४९	५६।०२	११।०५।५९।३१	४।१४	१०।२९।२८।५६	३।११
२९। ५	५।३१	१।१३।४२।४९	५७।३२	२।०९।४८।१८	८५९।५५	३।२५।१७।२२	३१।४०	१।१२।१६।३०	१३२।०१	२।०३।०२।४२	१३।२२	११।२७।४१।४२	५६।२९	११।०६।०३।४५	४।१०	१०।२९।२५।४६	३।११
३०। ५	५।३१	१।१४।४०।२१	५७।३१	२।२४।०८।१३	८३१।३५	३।२५।४९।०२	३१।४७	१।१४।२८।३०	१३२।२०	२।०३।१६।०३	१३।२३	११।२८।३८।११	५६।५५	११।०६।०७।५५	४।०५	१०।२९।२२।३६	३।११
३१। ५	५।३१	१।१५।३८।५२	५७।३०	३।०७।५९।४८	८०२।२४	३।२६।२०।४८	३१।५३	१।१६।४०।५०	१३२।२९	२।०३।२९।२६	१३।२५	११।२९।३५।०६	५७।२०	११।०६।१२।०१	४।००	१०।२९।१९।२५	३।११
१। ६	५।३८	१।१६।३५।२२	५७।२९	३।२१।२२।१३	७७६।०६	३।२६।५२।४२	३२।००	१।१८।५३।१९	१३२।०५	२।०३।४२।५१	१३।२६	००।००।३२।२६	५७।४५	११।०६।१६।०१	३।५५	१०।२९।१६।१४	३।११
२। ६	५।३८	१।१७।३२।५१	५७।२८	४।०४।१९।१८	७५१।३२	३।२७।२४।४२	३२।०७	१।२१।०५।१६	१३१।३०	२।०३।५६।१७	१३।२८	००।०१।३०।१२	५८।०९	११।०६।१९।५६	३।५०	१०।२९।१३।०३	३।११
३। ६	५।३८	१।१८।३०।१९	५७।२७	४।१६।४८।५१	७३२।४९	३।२७।५६।४९	३२।१३	१।२३।१६।४६	१३०।३७	२।०४।०९।४५	१३।२९	००।०२।२८।२०	५८।३२	११।०६।२३।४६	३।४६	१०।२९।०९।५२	३।११
४। ६	५।३८	१।१९।२७।४७	५७।२६	४।२९।०९।४०	७१९।२७	३।२८।२९।०२	३२।२०	१।२५।२७।२३	१२९।३७	२।०४।२३।१४	१३।३०	००।०३।२६।५२	५८।५४	११।०६।२७।३३	३।४०	१०।२९।०६।४२	३।११
५। ६	५।३८	१।२०।२५।१३	५७।२५	५।११।१०।१७	७११।२६	३।२९।०१।२२	३२।२६	१।२७।३६।४९	१२८।०१	२।०४।३६।४४	१३।३२	००।०४।२५।४६	५९।१६	११।०६।३१।१३	३।३६	१०।२९।०३।३१	३।११
६। ६	५।३८	१।२१।२२।३८	५७।२५	५।२३।२५।३३	७०८।२३	३।२९।३३।४७	३२।३२	१।२९।४४।५०	१२६।२२	२।०४।५०।१६	१३।३३	००।०५।२५।०२	५९।३७	११।०६।३४।४९	३।३०	१०।२९।००।२०	३।११
७। ६	५।३८	१।२२।२०।०३	५७।२४	६।०४।४०।५७	७०९।३५	४।००।०६।२०	३२।३८	२।०१।५१।१३	१२४।३२	२।०५।०३।४९	१३।३४	००।०६।२४।३८	५९।५७	११।०६।३८।१९	३।२५	१०।२८।५७।०९	३।११
८। ६	५।३८	१।२३।१७।२७	५७।२३	६।१६।१३।०२	७१४।०६	४।००।३८।५८	३२।४४	२।०३।५५।४५	१२२।३४	२।०५।१७।२३	१३।३५	००।०७।२४।३५	६०।१६	११।०६।४१।४४	३।२०	१०।२८।५३।५९	३।११
९। ६	५।३८	१।२४।१४।४९	५७।२२	६।२८।२४।३८	७२०।५७	४।०१।११।४२	३२।५०	२।०५।५८।१९	१२०।२८	२।०५।३०।५८	१३।३६	००।०८।२४।५२	६०।३५	११।०६।४५।०४	३।१४	१०।२८।५०।४८	३।११
१०। ६	५।३८	१।२५।१२।१२	५७।२१	७।१०।२५।३४	७२९।१६	४।०१।४४।३२	३२।५६	२।०७।५८।४७	११८।१८	२।०५।४४।३४	१३।३७	००।०९।२५।२७	६०।५४	११।०६।४८।१९	३।०९	१०।२८।४७।३७	३।११
११। ६	५।३८	१।२६।०९।३३	५७।२१	७।२२।३४।५०	७३८।३०	४।०२।१७।२९	३३।०२	२।०९।५७।०५	११६।०४	२।०५।५८।११	१३।३८	००।१०।२६।२१	६१।१२	११।०६।५१।२८	३।०४	१०।२८।४४।२६	३।११

निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - घटी. पं. मि. से

ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण
२८। ५	४।२९।२८।५६	मृग १- ८।१४	२-१३।३७	३-१९।०३	४-२४।३०	... .
२९। ५	४।२९।२५।४६	आर्द्रा १- ५।५८	२-११।२९	३-१७।०३	४-२२।३९	पुन १-२८।१७
३०। ५	४।२९।२२।३६	पुन २- ९।५८	३-१५।४२	४-२१।२९	पुष्य १-२७।१८	... .
३१। ५	४।२९।१९।२५	पुष्य २- ९।११	३-१५।०७	४-२१।०६	श्ले १-२७।०९	... .
१। ६	४।२९।१६।१४	श्ले २- ९।१४	३-१५।२३	४-२१।३५	मघा १-२७।५०	... .
२। ६	४।२९।१३।०३	मघा २-१०।०८	३-१६।३०	४-२२।५४	पूफा १-२९।२१	... .
३। ६	४।२९।०९।५२	पूफा २-११।५१	३-१८।२३	४-२४।५७	... .	... .
४। ६	४।२९।०६।४२	उफा १- ७।३४	२-१४।१३	३-२०।५३	४-२७।३५	... .
५। ६	४।२९।०३।३१	हस्त १-१०।१८	२-१७।०२	३-२३।४८	... .	... .
६। ६	४।२९।००।२०	हस्त ४- ६।३४	चित्रा १-१३।२०	२-२०।०७	३-२६।५३	... .
७। ६	४।२८।५७।०९	चित्रा ४- ९।४०	स्वा. १-१६।२६	२-२३।१२	... .	... .
८। ६	४।२८।५३।५९	स्वा. ३- ५।५७	४-१२।४१	विशा १-१९।२५	२-२६।०७	... .
९। ६	४।२८।५०।४८	विशा ३- ८।४९	४-१५।२९	अनु १-२२।०९	२-२८।४७	... .
१०। ६	४।२८।४७।३७	अनु ३-११।२४	४-१७।५९	ज्ये १-२४।३३	... .	... .
११। ६	४।२८।४४।२६	ज्ये २- ७।०६	३-१३।३८	४-२०।०८	मूल १-२६।३७	... .

ता.मा.	चंद्रोदय पं. मि.	चंद्रक्रांति अं. क.	मध्यमचंद्रो पं. मि. से.	चंद्रशर अं. क.	चंद्रास्त पं. मि.	चंद्रक्रांति अं. क.	मध्यमचंद्रा पं. मि. से.	चंद्रशर अं. क.	वेलान्तर मि. से.	सांपातिक घ. मि. से.
२८। ५	६।१४	+२७।५१	६।४९।३५	+ ४।५६	२१।०५	+२८।२६	१९।२८।२७	+ ५।००	- २।४३	२१।३२।३२
२९। ५	७।१८	+२८।११	७।५४।३१	+ ४।३४	२२।०६	+२७।२८	२०।३३।२४	+ ४।४४	- २।३५	२१।३६।१३
३०। ५	८।२७	+२६।२६	८।५७।४९	+ ४।३१	२२।५८	+२४।३८	२१।३१।३६	+ ४।१०	- २।२७	२१।३९।५५
३१। ५	९।३४	+२२।५४	९।५५।१३	+ ३।५०	२३।४०	+२०।२५	२२।२४।५८	+ ३।२१	- २।१८	२१।४३।३८
१। ६	१०।३७	+१८।१०	१०।४६।५२	+ २।५६	२४।१६	+१५।१९	२३।१२।५४	+ २।२४	- २।०९	२१।४७।२२
२। ६	११।३६	+१२।४३	११।३३।२९	+ १।५४	२४।४७	+ ९।४३	२३।५६।३४	+ १।२०	- २।००	२१।५१।०८
३। ६	१२।३२	+ ६।५३	१२।१६।२३	+ ०।४९	२५।१६	+ ३।५३	२४।३७।२२	+ ०।१५	- १।५०	२१।५४।५६
४। ६	१३।२५	+ ०।५६	१२।५६।५८	- ०।१८	२५।४३	- १।५८	२५।१६।३८	- ०।५०	- १।४०	२१।५८।४४
५। ६	१४।१७	- ४।५८	१३।३६।३९	- १।२२	२६।०९	- ७।४०	२५।५५।३८	- १।५१	- १।३०	२२।०२।३४
६। ६	१५।०९	-१०।३७	१४।१६।३९	- २।२२	२६।३७	-१३।०४	२६।३५।३२	- २।४७	- १।१९	२२।०६।२५
७। ६	१६।०३	-१५।५१	१४।५८।०८	- ३।१५	२७।०८	-१७।५८	२७।१७।२०	- ३।३६	- १।०८	२२।१०।१७
८। ६	१६।५८	-२०।२८	१५।४२।०३	- ३।५१	२७।४२	-२२।१२	२८।०१।५३	- ४।१५	- ०।५७	२२।१४।११
९। ६	१७।५४	-२४।१५	१६।२९।०३	- ४।३३	२८।२१	-२५।३०	२८।४९।३९	- ४।४३	- ०।४५	२२।१८।०६
१०। ६	१८।५२	-२६।५६	१७।१९।१५	- ४।५३	२९।०६	-२७।३९	२९।४०।३६	- ४।५८	- ०।३३	२२।२२।०२
११। ६	१९।४८	-२८।१७	१८।१२।०४	- ५।००	. . .	. . .	. . .	. . .	- ०।२१	२२।२६।००

संवत् २०८२: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टा: (राशि-अंश-कला-विकलादी) सगतिका: (कला-विकलादी) ता. १२। ६।२०२५ से पश्चांत

ता.मा.	सु.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
१२। ६	५।३८	१।२७।०६।५४	५७।२०	८।०४।५३।२०	७४८।११	४।०२।५०।३१	३३।०८	२।११।५३।०९	११३।४८	२।०६।११।४८	१३।३८	०।११।२७।३३	६१।२९	११।०६।५४।३२	२।५९	१०।२८।४१।१९	३।११
१३। ६	५।३८	१।२८।०४।१४	५७।१९	८।१७।२१।३९	७५८।४२	४।०३।२३।३८	३३।१३	२।१३।४६।५७	१११।३१	२।०६।२५।२६	१३।३९	०।१२।२९।०२	६१।४६	११।०६।५७।३१	२।५३	१०।२८।३८।०५	३।११
१४। ६	५।३८	१।२९।०१।३३	५७।१९	९।००।००।२२	७६९।४७	४।०३।५६।५२	३३।१९	२।१५।३८।२९	१०९।१३	२।०६।३९।०५	१३।४०	०।१३।३०।४९	६२।०३	११।०७।००।२४	२।४८	१०।२८।३४।५४	३।११
१५। ६	५।३८	१।२९।५८।५२	५७।१८	९।१२।५०।०८	७८१।४६	४।०४।३०।११	३३।२५	२।१७।२७।४२	१०६।५४	२।०६।५२।४५	१३।४०	०।१४।३२।५१	६२।१९	११।०७।०३।१२	२।४२	१०।२८।३१।४३	३।११
१६। ६	५।३८	२।००।५६।१०	५७।१८	९।२५।५१।५५	७९४।५७	४।०५।०३।३६	३३।३०	२।१९।१४।३६	१०४।३४	२।०७।०६।२५	१३।४१	०।१५।३५।१०	६२।३४	११।०७।०५।५४	२।३७	१०।२८।२८।३२	३।११
१७। ६	५।३८	२।०१।५३।२७	५७।१७	१०।०९।०६।५२	८०९।३१	४।०५।३७।०६	३३।३६	२।२०।५९।११	१०२।१३	२।०७।२०।०६	१३।४१	०।१६।३७।४४	६२।४९	११।०७।०८।३१	२।३१	१०।२८।२५।२२	३।११
१८। ६	५।३८	२।०२।५०।४४	५७।१७	१०।२२।३६।२३	८२५।३०	४।०६।१०।४१	३३।४१	२।२२।४१।२४	९९।५१	२।०७।३३।४७	१३।४१	०।१७।४०।३४	६३।०४	११।०७।११।०२	२।२५	१०।२८।२२।११	३।११
१९। ६	५।३९	२।०३।४८।०१	५७।१६	११।०६।२१।५३	८४२।२९	४।०६।४४।२३	३३।४६	२।२४।२१।१५	९७।२७	२।०७।४७।२८	१३।४२	०।१८।४३।३८	६३।१८	११।०७।१३।२८	२।२०	१०।२८।१९।००	३।११
२०। ६	५।३९	२।०४।४५।१७	५७।१६	११।२०।२४।२२	८५९।२२	४।०७।१८।०९	३३।५२	२।२५।५८।४२	९५।००	२।०८।०१।१०	१३।४२	०।१९।४६।५६	६३।३२	११।०७।१५।४८	२।१४	१०।२८।१५।४९	३।११
२१। ६	५।३९	२।०५।४२।३२	५७।१५	०।०४।४३।४४	८७४।२०	४।०७।५२।००	३३।५७	२।२७।३३।४२	९२।३२	२।०८।१४।५१	१३।४२	०।२०।५०।२८	६३।४६	११।०७।१८।०२	२।०८	१०।२८।१२।३९	३।११
२२। ६	५।३९	२।०६।३९।४८	५७।१५	०।१९।१८।०४	८८४।५८	४।०८।२५।५७	३४।०२	२।२९।०६।१४	९०।००	२।०८।२८।३३	१३।४३	०।२१।५४।१४	६३।५९	११।०७।२०।१०	२।०३	१०।२८।०९।२८	३।११
२३। ६	५।३९	२।०७।३७।०२	५७।१४	१।०४।०३।०२	८८८।५४	४।०८।५९।५९	३४।०७	३।००।३६।१५	८७।२६	२।०८।४२।१६	१३।४२	०।२२।५८।१३	६४।१२	११।०७।२२।१३	१।५७	१०।२८।०६।१६	३।११
२४। ६	५।४०	२।०८।३४।१७	५७।१४	१।१८।५१।५६	८८४।३७	४।०९।३४।०६	३४।१२	३।०२।०३।४१	८४।४९	२।०८।५५।५८	१३।४२	०।२४।०२।२५	६४।२४	११।०७।२४।१०	१।५१	१०।२८।०३।०६	३।११
२५। ६	५।४०	२।०९।३१।३१	५७।१४	२।०३।३६।३३	८७१।५८	४।१०।०८।१८	३४।१७	३।०३।२८।३०	८२।०९	२।०९।०९।४०	१३।४२	०।२५।०६।५०	६४।३७	११।०७।२६।०१	१।४५	१०।२७।५९।५५	३।११

निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में							चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
१२। ६	४।२८।४१।१९	मूल २- ९।०४	३-१५।३०	४-२१।५५	पूषा १-२८।१८	. .. ..	२०।४२	-२८।०८	११।०६।१२	- ४।५२	५।५८	-२८।२४	६।३४।०९	- ४।५२	- ०।०९	२२।२९।५८
१३। ६	४।२८।३८।०५	पूषा २-१०।४०	३-१७।००	४-२३।२०	उषा १-२९।३७	. .. ..	२१।३१	-२६।२६	२०।००।०२	- ४।२८	६।५४	-२७।३९	७।२८।१४	- ४।२८	+ ०।०४	२२।३३।५८
१४। ६	४।२८।३४।५४	उषा २-११।५३	३-१८।०८	४-२४।२१	. .. ..	. .. ..	२२।१५	-२३।१६	२०।५२।१४	- ३।५०	७।५५	-२५।१३	८।२२।११	- ४।१३	+ ०।१६	२२।३७।५१
१५। ६	४।२८।३१।४३	श्रव १- ६।३३	२-१२।४४	३-१८।५३	४-२५।००	. .. ..	२२।५४	-१८।५२	२१।४२।०६	- ३।००	८।५६	-२१।२६	९।१४।११	- ३।२१	+ ०।२९	२२।४२।०२
१६। ६	४।२८।२८।३२	धनि १- ७।०६	२-१३।१०	३-१९।१३	४-२५।१४	. .. ..	२३।२९	-१३।२६	२२।२९।४५	- १।५८	९।५८	-१६।२८	१०।०३।४७	- २।३२	+ ०।४२	२२।४६।०५
१७। ६	४।२८।२५।२२	शत १- ७।१४	२-१३।११	३-१९।०८	४-२५।०२	. .. ..	२४।०१	- ७।१७	२३।१५।५१	- ०।४८	१०।५९	-१०।३४	१०।५१।२८	- १।२५	+ ०।५५	२२।५०।१०
१८। ६	४।२८।२२।११	पूभा १- ६।५५	२-१२।४६	३-१८।३६	४-२४।२४	. .. ..	२४।३३	- ०।३९	२४।०१।३२	+ ०।२६	१२।००	- ४।०२	११।३८।०६	- ०।१२	+ १।०८	२२।५४।१६
१९। ६	४।२८।१९।००	उभा १- ६।१०	२-११।५४	३-१७।३७	४-२३।१८	रेव १-२८।५७	२५।०५	+ ६।०८	२४।४८।०८	+ १।४०	१३।०१	+ २।५०	१२।२४।५९	+ १।०४	+ १।२१	२२।५८।२२
२०। ६	४।२८।१५।४९	रेव २-१०।३५	३-१६।१२	४-२१।४६	अश्वि १-२७।२०	. .. ..	२५।४०	+१२।४४	२५।३७।०७	+ २।४९	१४।०४	+ ९।४२	१३।१३।३८	+ २।१८	+ १।३४	२३।०२।३०
२१। ६	४।२८।१२।३९	अश्वि २- ८।५२	३-१४।२२	४-१९।५२	भर १-२५।२०	. .. ..	२६।१९	+१८।४५	२६।२९।५३	+ ३।४८	१५।११	+१६।१०	१४।०५।३२	+ ३।२३	+ १।४७	२३।०६।३९
२२। ६	४।२८।०९।२८	भर २- ६।४८	३-१२।१४	४-१७।४०	कृति १-२३।०५	२-२८।३०	२७।०४	+२३।४२	२७।२७।२२	+ ४।३१	१६।२१	+२१।४५	१५।०१।५६	+ ४।१५	+ २।००	२३।१०।४९
२३। ६	४।२८।०६।१६	कृति ३- ९।५४	४-१५।१८	रोहि १-२०।४२	२-२६।०६	. .. ..	२७।५७	+२७।०३	२८।२९।२५	+ ४।५६	१७।३३	+२५।५४	१६।०३।०६	+ ४।४८	+ २।१३	२३।१५।००
२४। ६	४।२८।०३।०६	रोहि ३- ७।३०	४-१२।५५	मृग १-१८।२०	२-२३।४६	३-२९।१३	२८।५८	+२८।२३	२९।३४।१५	+ ५।००	१८।४३	+२८।०७	१७।०७।४३	+ ५।०१	+ २।२६	२३।१९।१२
२५। ६	४।२७।५९।५५	मृग ४-१०।४१	आर्द्रा १-१६।१०	२-२१।४१	३-२७।१३	. .. ..	- - -	- - -	- - -	- - -	१९।४९	+२८।०९	१८।१२।४८	+ ४।५१	+ २।३८	२३।२३।२५

संवत् २०८२ स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टा: (राशि-अंश-कला-विकलादी) सागतिका: (कला-विकलादी) ता. २६। ६।२०२५ से पश्चात

ता. वा.	सू. उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
२६। ६	५।३०	२।१०।२८।३४	५७।१४	२।१८।०८।३१	८५२।२२	४।१०।४२।३६	३४।२२	३।०४।५०।३९	७९।२५	२।०९।२३।२२	१३।४२	०।२६।११।२६	६४।४९	११।०७।२७।४७	१।३९	१०।२७।५६।४४	३।११
२७। ६	५।३०	२।११।२५।५८	५७।१३	३।०२।२०।५३	८२८।१५	४।११।१६।५८	३४।२७	३।०६।१०।०३	७६।३८	२।०९।३७।०४	१३।४१	०।२७।१६।१५	६५।००	११।०७।२९।२६	१।३४	१०।२७।५३।३३	३।११
२८। ६	५।३१	२।१२।२३।१२	५७।१३	३।१६।०९।०८	८०२।१९	४।११।५१।२५	३४।३२	३।०७।२६।४१	७३।४७	२।०९।५०।४५	१३।४१	०।२८।२१।१५	६५।१२	११।०७।३१।००	१।२८	१०।२७।५०।२२	३।११
२९। ६	५।३१	२।१३।२०।२५	५७।१३	३।२९।३१।२७	७७७।०३	४।१२।२५।५७	३४।३७	३।०८।४०।२७	७०।५२	२।१०।०४।२६	१३।४१	०।२९।२६।२७	६५।२३	११।०७।३२।२७	१।२२	१०।२७।४७।१२	३।११
३०। ६	५।३१	२।१४।१७।३८	५७।१३	४।१२।२८।३०	७५४।२०	४।१३।००।३३	३४।४१	३।०९।५१।२०	६७।५४	२।१०।१८।०७	१३।४०	१।००।३१।४९	६५।३३	११।०७।३३।४९	१।१६	१०।२७।४४।०१	३।११
१। ७	५।३२	२।१५।१४।५१	५७।१३	४।२५।०२।५०	७३५।३१	४।१३।३५।१४	३४।४६	३।१०।५९।१४	६४।५२	२।१०।३१।४७	१३।४०	१।०१।३७।२३	६५।४४	११।०७।३५।०५	१।१०	१०।२७।४०।५०	३।११
२। ७	५।३२	२।१६।१२।०४	५७।१३	५।०७।१८।२१	७२१।३०	४।१४।१०।०१	३४।५१	३।१२।०४।०६	६१।४६	२।१०।४५।२७	१३।३९	१।०२।४३।०७	६५।५४	११।०७।३६।१५	१।०४	१०।२७।३७।३९	३।११
३। ७	५।३३	२।१७।०९।१६	५७।१३	५।१९।१९।५१	७१२।४०	४।१४।४४।५२	३४।५६	३।१३।०५।५२	५८।३७	२।१०।५९।०६	१३।३८	१।०३।४९।०१	६६।०४	११।०७।३७।१९	०।५८	१०।२७।३४।२९	३।११
४। ७	५।३३	२।१८।०६।२९	५७।१३	६।०१।१२।३१	७०९।४५	४।१५।१९।४८	३५।००	३।१४।०४।२९	५५।२३	२।११।१२।४४	१३।३८	१।०४।५५।०५	६६।१४	११।०७।३८।१६	०।५२	१०।२७।३१।१८	३।११
५। ७	५।३३	२।१९।०३।४२	५७।१३	६।१३।०२।१६	७११।२८	४।१५।५४।४८	३५।०५	३।१४।५९।५२	५२।०६	२।११।२६।२१	१३।३७	१।०६।०१।१९	६६।२४	११।०७।३९।०८	०।४६	१०।२७।२८।०७	३।११
६। ७	५।३४	२।२०।००।५४	५७।१३	६।२४।५३।४४	७१७।४७	४।१६।२९।५३	३५।०९	३।१५।५१।५८	४८।४३	२।११।३९।५८	१३।३६	१।०७।०७।४३	६६।३३	११।०७।३९।५४	०।४०	१०।२७।२४।५६	३।११
७। ७	५।३४	२।२०।५८।०७	५७।१३	७।०६।५१।३१	७२७।२८	४।१७।०५।०२	३५।१४	३।१६।४०।४१	४५।१६	२।११।५३।३४	१३।३५	१।०८।१४।१६	६६।४२	११।०७।४०।३३	०।३४	१०।२७।२१।४६	३।११
८। ७	५।३५	२।२१।५५।२०	५७।१३	७।१८।५८।५९	७३९।२३	४।१७।४०।१६	३५।१९	३।१७।२५।५७	४१।४३	२।१२।०७।०९	१३।३५	१।०९।२०।५९	६६।५१	११।०७।४१।०७	०।२८	१०।२७।१८।३५	३।११
९। ७	५।३५	२।२२।५२।३३	५७।१३	८।०१।१८।२२	७५२।२३	४।१८।१५।३५	३५।२३	३।१८।०७।३९	३८।०४	२।१२।२०।४४	१३।३३	१।१०।२७।५०	६७।००	११।०७।४१।३५	०।२१	१०।२७।१५।२३	३।११
१०। ७	५।३६	२।२३।४९।४६	५७।१३	८।१३।५०।४५	७६५।३४	४।१८।५०।५८	३५।२७	३।१८।४५।४३	३४।१९	२।१२।३४।१७	१३।३२	१।११।३४।५०	६७।०९	११।०७।४१।५७	०।१६	१०।२७।१२।१२	३।११

निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में							चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
ता. वा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
२६। ६	४।२७।५६।४४	आर्द्रा ४- ८।४६	पुन १-१४।२२	२-२०।००	३-२५।४०	. .. ..	६।०५	+२७।३२	६।३८।५६	+ ४।०६	२०।४५	+२६।०७	१९।१४।५८	+ ४।२२	+ २।५१	२३।२७।३९
२७। ६	४।२७।५३।३३	पुन ४- ७।२२	पुष्य १-१३।०६	२-१८।५३	३-२४।४३	. .. ..	७।१३	+२४।५२	७।३९।२४	+ ३।१७	२१।३२	+२२।२५	२०।११।५९	+ ३।३६	+ ३।०४	२३।३१।५४
२८। ६	४।२७।५०।२२	पुष्य ४- ६।३५	श्ले १-१२।३०	२-१८।२९	३-२४।२९	. .. ..	८।२०	+२०।११	८।३५।०९	+ ३।१२	२२।१२	+१७।३२	२१।०३।२३	+ २।३९	+ ३।१६	२३।३६।१०
२९। ६	४।२७।४७।१२	श्ले ४- ६।३३	मघा १-१२।४०	२-१८।५०	३-२५।०३	. .. ..	९।२३	+१५।००	९।२५।०२	+ २।०९	२२।४६	+११।५८	२१।४९।५१	+ १।३४	+ ३।२८	२३।४०।२६
३०। ६	४।२७।४४।०१	मघा ४- ७।१९	पूफा १-१३।३७	२-१९।५९	३-२६।२३	. .. ..	१०।२९	+ ९।०८	१०।१०।२६	+ १।०२	२३।१६	+ ६।०३	२२।३२।४०	+ ०।२७	+ ३।४०	२३।४४।४३
१। ७	४।२७।४०।५०	पूफा ४- ८।५०	उफा १-१५।२०	२-२१।५२	३-२८।२६	. .. ..	११।१६	+ ३।०४	१०।५२।४३	- ०।०७	२३।४३	+ ०।०४	२३।१३।१०	- ०।४०	+ ३।५२	२३।४९।०२
२। ७	४।२७।३७।३९	उफा ४-११।०३	हस्त १-१७।४१	२-२४।२२	. .. ..	. .. ..	१२।१०	- २।५८	११।३३।१७	- १।१४	२४।११	- ५।४७	२३।५२।४२	- १।४४	+ ४।०३	२३।५३।२१
३। ७	४।२७।३४।२९	हस्त ३- ७।०३	४-१३।४६	चित्रा १-२०।३१	२-२७।१६	. .. ..	१३।०२	- ८।४६	१२।१३।२९	- २।१५	२४।३८	-११।२०	२४।३३।२७	- २।४२	+ ४।१४	२३।५७।४१
४। ७	४।२७।३१।१८	चित्रा ३-१०।०१	४-१६।४७	स्वा. १-२३।३३	. .. ..	. .. ..	१३।५५	-१४।११	१२।५४।३१	- ३।१०	२५।०८	-१६।२६	२५।१३।३४	- ३।३२	+ ४।२५	०।०२।०१
५। ७	४।२७।२८।०७	स्वा. २- ६।१९	३-१३।०५	४-१९।५०	विशा १-२६।३५	. .. ..	१४।५०	-१९।०२	१३।३७।३०	- ३।५६	२५।४१	-२०।५४	२५।५७।०२	- ४।१३	+ ४।३६	०।०६।२२
६। ७	४।२७।२४।५६	विशा २- ९।१८	३-१६।००	४-२२।४२	अनु १-२९।२१	. .. ..	१५।४५	-२३।०७	१४।२३।१७	- ४।३१	२६।१८	-२४।३२	२६।४३।३५	- ४।४२	+ ४।४६	०।१०।४४
७। ७	४।२७।२१।४६	अनु २-१२।००	३-१८।३६	४-२५।११	. .. ..	. .. ..	१६।४३	-२६।११	१५।१२।२२	- ४।५४	२७।०१	-२७।०५	२७।३३।३०	- ४।५९	+ ४।५६	०।१५।०६
८। ७	४।२७।१८।३५	ज्ये १- ७।४४	२-१४।१६	३-२०।४६	४-२७।१४	. .. ..	१७।४०	-२८।०१	१६।०४।३२	- ५।०३	२७।५०	-२८।२०	२८।२६।२३	- ५।०२	+ ५।०५	०।१९।२९
९। ७	४।२७।१५।२३	मूल १- ९।४०	२-१६।०४	३-२२।२७	४-२८।४७	. .. ..	१८।३५	-२८।२२	१६।५८।४८	- ४।५६	२८।४६	-२८।०४	२९।२१।०५	- ४।५०	+ ५।१४	०।२३।५३
१०। ७	४।२७।१२।१२	पूषा १-११।०६	२-१७।२३	३-२३।३९	. .. ..	. .. ..	१९।२६	-२७।०८	१७।५३।३३	- ४।३५	२९।४६	-२६।१४	३०।१५।५६	- ४।२२	+ ५।२३	०।२८।१७

संवत् २०८२: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टा: (राशि-अंश-कला-विकलादी) सगतिका: (कला-विकलादी) ता. ११। ७।२०२५ से पश्चात

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
११। ७	५।४६	२।२४।४६।५९	५७।१३	८।२६।३६।११	७७८।१९	४।१९।२६।२५	३५।३२	३।१९।२०।०२	३०।२६	२।१२।४७।४८	१३।३०	१।१२।४१।५९	६७।१७	११।०७।४२।१२	०।०९	१०।२७।०९।०२	३।११
१२। ७	५।४७	२।२५।४४।१२	५७।१४	९।०९।३४।३८	७९०।१७	४।२०।०१।५७	३५।३६	३।१९।५०।२८	२६।२६	२।१३।०१।१९	१३।२९	१।१३।४९।१६	६७।२५	११।०७।४२।२१	०।०३	१०।२७।०५।५१	३।११
१३। ७	५।४७	२।२६।४१।२६	५७।१४	९।२२।४४।५५	८०१।२९	४।२०।३७।३३	३५।४१	३।२०।१६।५३	२२।१७	२।१३।१४।४८	१३।२८	१।१४।५६।४२	६७।३४	११।०७।४२।२५	०।०३व	१०।२७।०२।४०	३।११
१४। ७	५।४८	२।२७।३८।४०	५७।१४	१०।०६।०६।२४	८१२।०४	४।२१।१३।१४	३५।४५	३।२०।३९।११	१८।०१	२।१३।२८।१६	१३।२६	१।१६।०४।१५	६७।४२	११।०७।४२।२२	०।०९व	१०।२६।५९।२९	३।११
१५। ७	५।४८	२।२८।३५।५४	५७।१५	१०।१९।३८।२८	८२२।२२	४।२१।४८।५९	३५।४९	३।२०।५७।१२	१३।३६	२।१३।४१।४२	१३।२५	१।१७।११।५७	६७।४९	११।०७।४२।१३	०।१५व	१०।२६।५६।१९	३।११
१६। ७	५।४८	२।२९।३३।०९	५७।१५	११।०३।२०।५०	८३२।३५	४।२२।२४।४८	३५।५३	३।२१।१०।४८	९।०३	२।१३।५५।०७	१३।२३	१।१८।१९।४६	६७।५७	११।०७।४१।५८	०।२१व	१०।२६।५३।०८	३।११
१७। ७	५।४९	३।००।३०।२४	५७।१५	११।१७।१३।२५	८४२।३८	४।२३।००।४२	३५।५८	३।२१।१९।५०	४।२२	२।१४।०८।३०	१३।२२	१।१९।२७।४३	६८।०४	११।०७।४१।३७	०।२७व	१०।२६।४९।५७	३।११
१८। ७	५।५०	३।०१।२७।३९	५७।१६	०।०१।१६।०२	८५१।५९	४।२३।३६।३९	३६।०२	३।२१।२४।१२	०।२६व	२।१४।२१।५२	१३।२०	१।२०।३५।४७	६८।१२	११।०७।४१।१०	०।३३व	१०।२६।४६।४६	३।११
१९। ७	५।५०	३।०२।२४।५५	५७।१६	०।१५।२८।०१	८५९।३५	४।२४।१२।४१	३६।०६	३।२१।२३।४६	५।२०व	२।१४।३५।१२	१३।१८	१।२१।४३।५९	६८।१९	११।०७।४०।३८	०।३९व	१०।२६।४३।३६	३।११
२०। ७	५।५१	३।०३।२२।११	५७।१७	०।२९।४७।३६	८६४।०६	४।२४।४८।४७	३६।१०	३।२१।१८।२६	१०।१६व	२।१४।४८।३०	१३।१७	१।२२।५२।१८	६८।२६	११।०७।३९।५८	०।४४व	१०।२६।४०।२५	३।११
२१। ७	५।५१	३।०४।१९।२८	५७।१७	१।१४।११।४२	८६४।०९	४।२५।२४।५८	३६।१४	३।२१।०८।१०	१५।१३व	२।१५।०१।४७	१३।१४	१।२४।००।४३	६८।३३	११।०७।३९।१४	०।५१व	१०।२६।३७।१३	३।११
२२। ७	५।५२	३।०५।१६।४५	५७।१८	१।२८।३५।५१	८५८।४९	४।२६।०१।१२	३६।१९	३।२०।५२।५७	२०।०७व	२।१५।१५।०२	१३।१२	१।२५।०९।१६	६८।४०	११।०७।३८।२३	०।५७व	१०।२६।३४।०२	३।११
२३। ७	५।५२	३।०६।१४।०३	५७।१८	२।१२।५४।४०	८४७।५९	४।२६।३७।३१	३६।२३	३।२०।३२।५१	२४।५२व	२।१५।२८।१४	१३।१०	१।२६।१७।५६	६८।४६	११।०७।३७।२६	१।०३व	१०।२६।३०।५२	३।११
२४। ७	५।५३	३।०७।११।२१	५७।१९	२।२७।०२।३९	८३२।२३	४।२७।१३।५४	३६।२७	३।२०।०७।५८	२९।२५व	२।१५।४१।२४	१३।०८	१।२७।२६।४२	६८।५३	११।०७।३६।२३	१।०९व	१०।२६।२७।४१	३।११

		निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में					चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
११। ७	४।२७।०९।०२	पूषा ४- ५।५३	उषा १-१२।०५	२-१८।१६	३-२४।२५	. .. ..	२०।१३	-२४।२३	१८।४७।११	- ३।५८	५।४६	-२६।०७	६।१६।१४	- ३।५८	+ ५।३१	०।३२।४१
१२। ७	४।२७।०५।५१	उषा ४- ६।३३	श्रव १-१२।३९	२-१८।४४	३-२४।४८	. .. ..	२०।५४	-२०।११	१९।३८।३५	- ३।०७	६।४८	-२२।५१	७।०९।२७	- ३।०७	+ ५।३९	०।३७।०६
१३। ७	४।२७।०२।४०	श्रव ४- ६।५०	धनि १-१२।५२	२-१८।५१	३-२४।५०	. .. ..	२१।३०	-१५।००	२०।२७।२८	- २।०५	७।५०	-१८।२२	८।००।३६	- २।०५	+ ५।४६	०।४१।३१
१४। ७	४।२६।५९।२९	धनि ४- ६।४७	शत १-१२।४४	२-१८।३९	३-२४।३३	. .. ..	२२।०३	- ८।५७	२१।१४।२०	- ०।५५	८।५३	-१२।१३	८।४९।२२	- १।३२	+ ५।५३	०।४५।५७
१५। ७	४।२६।५६।१९	शत ४- ६।२६	पूभा १-१२।१८	२-१८।०९	३-२३।५८	४-२९।४७	२२।३५	- २।२४	२२।००।०५	+ ०।२०	९।५४	- ५।४६	९।३६।२७	- ०।१८	+ ५।५९	०।५०।२४
१६। ७	४।२६।५३।०८	उभा १-११।३४	२-१७।२१	३-२३।०७	४-२८।५२	. .. ..	२३।०७	+ ४।२०	२२।४५।५८	+ १।३५	१०।५५	+ १।०२	१०।२३।०१	+ ०।५८	+ ६।०५	०।५४।५१
१७। ७	४।२६।४९।५७	रेव १-१०।३५	२-१६।१८	३-२१।५९	४-२७।४०	. .. ..	२३।४०	+१०।५७	२३।३३।२२	+ २।४४	११।५७	+ ७।५३	११।१०।२८	+ २।१२	+ ६।१०	०।५९।१७
१८। ७	४।२६।४६।४६	अश्वि १- ९।२०	२-१४।५९	३-२०।३७	४-२६।१४	. .. ..	२४।१६	+१७।०४	२४।२३।४०	+ ३।४४	१३।०१	+१४।२४	१२।००।१५	+ ३।१८	+ ६।१५	१।०३।४४
१९। ७	४।२६।४३।३६	भर १- ७।५१	२-१३।२७	३-१९।०२	४-२४।३७	. .. ..	२४।५८	+२२।१६	२५।१७।५९	+ ४।३०	१४।०८	+२०।१०	१२।५३।४०	+ ४।१२	+ ६।१९	१।०८।१२
२०। ७	४।२६।४०।२५	कृति १- ६।११	२-११।४५	३-१७।१९	४-२२।५२	रोहि १-२८।२५	२५।४७	+२६।०७	२६।१६।४२	+ ४।५९	१५।१८	+२४।४३	१३।५१।२८	+ ४।४९	+ ६।२३	१।१२।३९
२१। ७	४।२६।३७।१३	रोहि २- ९।५८	३-१५।३१	४-२१।०५	मृग १-२६।३८	. .. ..	२६।४३	+२८।१२	२७।१८।५९	+ ५।०८	१६।२७	+२७।३६	१४।५३।११	+ ५।०७	+ ६।२६	१।१७।०७
२२। ७	४।२६।३४।०२	मृग २- ८।१२	३-१३।४७	४-१९।२२	आर्द्रा १-२४।५८	. .. ..	२७।४७	+२८।१६	२८।२२।३१	+ ४।५६	१७।३४	+२८।३०	१५।५६।५०	+ ५।०३	+ ६।२९	१।२१।३५
२३। ७	४।२६।३०।५२	आर्द्रा २- ६।३५	३-१२।१३	४-१७।५२	पुन १-२३।३२	२-२९।१४	२८।५४	+२६।११	२९।२४।१७	+ ४।२५	१८।३३	+२७।१८	१६।५१।२४	+ ४।४०	+ ६।३१	१।२६।०३
२४। ७	४।२६।२७।४१	पुन ३-१०।५७	४-१६।४२	पुष्य १-२२।२९	२-२८।१७	. .. ..	. . .	. . .	. . .	. . .	१९।२३	+२४।१७	१७।५८।१३	+ ३।५८	+ ६।३२	१।३०।३२

संवत् २०८२: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टा: (राशि-अंश-कला-विकलादी) सगतिका: (कला-विकलादी) ता. २५। ७।२०२५ से पश्चात

ता. मा.	सू. उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
२५। ७	५।५३	३।०८।०८।४०	५७।२०	३।१०।५५।०२	८१३।२६	४।२७।५०।२१	३६।३१	३।१९।३८।३३	३३।३८व	२।१५।५४।३२	१३।०६	१।२८।३५।३४	६८।५९	११।०७।३५।१४	१।१४व	१०।२६।२४।३०	३।११
२६। ७	५।५४	३।०९।०६।००	५७।२०	३।२४।२८।२८	७९२।४८	४।२८।२६।५२	३६।३५	३।१९।०४।५५	३७।२६व	२।१६।०७।३८	१३।०४	१।२९।४४।३४	६९।०६	११।०७।३४।००	१।२१व	१०।२६।२१।१९	३।११
२७। ७	५।५४	३।१०।०३।२०	५७।२१	४।०७।४१।१६	७७२।०७	४।२९।०३।२७	३६।३९	३।१८।२७।२१	४०।४१व	२।१६।२०।४२	१३।०१	२।००।५३।३९	६९।१२	११।०७।३२।३९	१।२६व	१०।२६।१८।०९	३।११
२८। ७	५।५५	३।११।००।४१	५७।२२	४।२०।३३।२३	७५२।४८	४।२९।४०।०६	३६।४३	३।१७।४६।४८	४३।१७व	२।१६।३३।४३	१२।५९	२।०२।०२।५१	६९।१८	११।०७।३१।१३	१।३२व	१०।२६।१४।५८	३।११
२९। ७	५।५५	३।११।५८।०३	५७।२२	५।०३।०६।११	७३६।०१	५।००।१६।४९	३६।४७	३।१७।०३।३०	४५।०९व	२।१६।४६।४२	१२।५६	२।०३।१२।०९	६९।२४	११।०७।२९।४१	१।३८व	१०।२६।११।४७	३।११
३०। ७	५।५६	३।१२।५५।२५	५७।२३	५।१५।२२।१२	७२२।५१	५।००।५३।३७	३६।५१	३।१६।१८।२१	४६।११व	२।१६।५९।३९	१२।५५	२।०४।२१।३२	६९।३०	११।०७।२८।०३	१।४३व	१०।२६।०८।३६	३।११
३१। ७	५।५६	३।१३।५२।४९	५७।२४	५।२७।२५।०३	७१४।१३	५।०१।३०।२८	३६।५५	३।१५।३२।१०	४६।२०व	२।१७।१२।३३	१२।५१	२।०५।३१।०२	६९।३६	११।०७।२६।२०	१।४९व	१०।२६।०५।२५	३।११
१। ८	५।५७	३।१४।५०।१३	५७।२५	६।०९।१९।१६	७१०।४३	५।०२।०७।२३	३६।५९	३।१४।४५।५१	४५।३४व	२।१७।२५।२५	१२।४८	२।०६।४०।३८	६९।४१	११।०७।२४।३१	१।५५व	१०।२६।०२।१४	३।११
२। ८	५।५७	३।१५।४७।३८	५७।२६	६।२१।०९।५९	७१२।३९	५।०२।४४।२२	३७।०३	३।१४।००।१७	४३।५३व	२।१७।३८।१३	१२।४६	२।०७।५०।१९	६९।४७	११।०७।२२।३६	२।०१व	१०।२५।५९।०३	३।११
३। ८	५।५८	३।१६।४५।०३	५७।२७	७।०३।०२।३८	७१९।४७	५।०३।२१।२६	३७।०७	३।१३।१६।२४	४१।१८व	२।१७।५०।५९	१२।४३	२।०९।००।०६	६९।५३	११।०७।२०।३६	२।०६व	१०।२५।५५।५२	३।११
४। ८	५।५९	३।१७।४२।३०	५७।२८	७।१५।०२।२२	७३१।१६	५।०३।५८।३३	३७।११	३।१२।३५।०७	३७।५२व	२।१८।०३।४१	१२।४०	२।१०।०९।५९	६९।५८	११।०७।१८।३०	२।११व	१०।२५।५२।४२	३।११
५। ८	५।५९	३।१८।३९।५८	५७।२९	७।२७।१३।३९	७४६।०९	५।०४।३५।४४	३७।१५	३।११।५७।१५	३३।३९व	२।१८।१६।२१	१२।३७	२।११।१९।५७	७०।०३	११।०७।१६।१९	२।१७व	१०।२५।४९।३१	३।११
६। ८	६।००	३।१९।३७।२६	५७।३०	८।०९।३९।४८	७६३।०३	५।०५।१२।५९	३७।१९	३।११।२३।३६	२८।४५व	२।१८।२८।५८	१२।३४	२।१२।३०।००	७०।०९	११।०७।१४।०२	२।२२व	१०।२५।४६।२०	३।११
७। ८	६।००	३।२०।३४।५६	५७।३१	८।२२।२२।५१	७८०।३६	५।०५।५०।१८	३७।२३	३।१०।५४।५१	२३।१६व	२।१८।४१।३१	१२।३०	२।१३।४०।०९	७०।१४	११।०७।११।४०	२।२७व	१०।२५।४३।०९	३।११
८। ८	६।०१	३।२१।३२।२६	५७।३२	९।०५।२३।२७	७९७।३५	५।०६।२७।४१	३७।२७	३।१०।३१।३५	१७।१७व	२।१८।५४।०२	१२।२७	२।१४।५०।२३	७०।१९	११।०७।०९।१३	२।३२व	१०।२५।३९।५९	३।११
९। ८	६।०१	३।२२।२९।५८	५७।३३	९।१८।४१।०२	८१३।००	५।०७।०५।०८	३७।३१	३।१०।१४।१८	१०।५५व	२।१९।०६।२९	१२।२४	२।१६।००।४२	७०।२४	११।०७।०६।४१	२।३८व	१०।२५।३६।४८	३।११

निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में							चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
ता. मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
२५। ७	४।२६।२४।३०	पुष्य ३-१०।०७	४-१६।००	श्ले १-२१।५४	२-२७।५१	. .. ..	६।०२	+२२।२८	६।२२।०१	+ २।३७	२०।०६	+११।५१	१८।५२।००	+ ३।०३	+ ६।३३	१।३५।००
२६। ७	४।२६।२१।१९	श्ले ३- ९।५०	४-१५।५१	मघा १-२१।५५	२-२८।०२	. .. ..	७।०६	+१७।४३	७।१४।२०	+ १।३१	२०।४२	+१४।२९	१९।४०।५०	+ १।५८	+ ६।३३	१।३९।२९
२७। ७	४।२६।१८।०९	मघा ३-१०।१०	४-१६।२२	पूफा १-२२।३५	२-२८।५२	. .. ..	८।०७	+११।४३	८।०२।०३	+ १।२५	२१।१४	+ ८।३५	२०।२५।३८	+ ०।४९	+ ६।३३	१।४३।५८
२८। ७	४।२६।१४।५८	पूफा ३-११।११	४-१७।३२	उफा १-२३।५६	. .. ..	. .. ..	९।०४	+ ५।३६	८।४६।०९	+ ०।१४	२१।४३	+ २।३०	२१।०७।३६	- ०।२२	+ ६।३२	१।४८।२७
२९। ७	४।२६।११।४७	उफा २- ६।२२	३-१२।५१	४-१९।२२	हस्त १-२५।५५	. .. ..	९।५९	- ०।३६	९।२७।५७	- ०।५७	२२।११	- ३।३२	२१।४८।०१	- १।२९	+ ६।३०	१।५२।५५
३०। ७	४।२६।०८।३६	हस्त २- ८।३०	३-१५।०७	४-२१।४६	चित्रा १-२८।२६	. .. ..	१०।५३	- ६।३७	१०।०८।४६	- २।०३	२२।३८	- ९।११	२२।२८।०४	- २।३१	+ ६।२८	१।५७।२४
३१। ७	४।२६।०५।२५	चित्रा २-११।०८	३-१७।५१	४-२४।३५	. .. ..	. .. ..	११।४६	-१२।१७	१०।४९।४६	- ३।०२	२३।०७	-१४।३९	२३।०८।५१	- ३।२५	+ ६।२५	२।०१।५३
१। ८	४।२६।०२।१४	स्वा. १- ७।११	२-१४।०५	३-२०।५०	४-२७।३६	. .. ..	१२।४०	-१७।२४	११।३२।०५	- ३।५२	२३।३९	-१९।२४	२३।५१।२४	- ४।१०	+ ६।२२	२।०६।२२
२। ८	४।२५।५९।०३	विशा १-१०।२१	२-१७।०६	३-२३।५०	. .. ..	. .. ..	१३।३६	-२१।४८	१२।१६।४२	- ४।३०	२४।१४	-२३।२३	२४।३६।३४	- ४।४३	+ ६।१८	२।१०।५०
३। ८	४।२५।५५।५२	विशा ४- ६।३३	अनु १-१३।१५	२-१९।५६	३-२६।३५	. .. ..	१४।३२	-२५।१६	१३।०४।१६	- ४।५७	२४।५४	-२६।२२	२५।२४।५५	- ५।०४	+ ६।१३	२।१५।१९
४। ८	४।२५।५२।४२	अनु ४- ९।१२	ज्ये १-१५।४८	२-२२।२२	३-२८।५३	. .. ..	१५।२९	-२७।३५	१३।५४।५९	- ५।१०	२५।४१	-२८।०८	२६।१६।२६	- ५।११	+ ६।०८	२।१९।४७
५। ८	४।२५।४९।३१	ज्ये ४-११।२३	मूल १-१७।५०	२-२४।१५	. .. ..	. .. ..	१६।२५	-२८।३१	१४।४८।२१	- ५।०७	२६।३४	-२८।२८	२७।१०।२६	- ५।०२	+ ६।०२	२।२४।१६
६। ८	४।२५।४६।२०	मूल ३- ६।३८	४-१२।५१	पूषा १-१९।१७	२-२५।३३	. .. ..	१७।१८	-२७।५५	१५।४३।०६	- ४।५०	२७।३३	-२७।१४	२८।०५।३४	- ४।३९	+ ५।५६	२।२८।४५
७। ८	४।२५।४३।०९	पूषा ३- ७।४७	४-१३।५८	उषा १-२०।०८	२-२६।१५	. .. ..	१८।०७	-२५।४३	१६।३७।४०	- ४।१७	२८।३५	-२४।२४	२९।००।१२	- ३।५९	+ ५।४९	२।३३।१३
८। ८	४।२५।३९।५९	उषा ३- ८।२०	४-१४।२३	श्रव १-२०।२५	२-२६।२४	. .. ..	१८।५०	-२२।०१	१७।३०।३९	- ३।२८	२९।३९	-२०।०७	२९।५३।०५	- ३।०४	+ ५।४१	२।३७।४२
९। ८	४।२५।३६।४८	श्रव ३- ८।२२	४-१४।१८	धनि १-२०।१३	२-२६।०६	. .. ..	१९।२९	-१७।०३	१८।२१।२१	- २।२७	. . .	. . .	. . .	. . .	+ ५।३३	२।४२।१०

संवत् २०८२: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टाः (राशि-अंश-कला-विकलादी) सगतिकाः (कला-विकलादी) ता. १०। ८।२०२५ से पश्चात

ता. मा.	सू. उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
१०। ८	६।०२	३।२३।२७।३९	५७।३४	१०।०२।१४।०२	८२६।११	५।०७।४२।३९	३७।३५	३।१०।०३।२२	४।१७व	२।१९।१८।५२	१२।२१	२।१७।११।०७	७०।२९	११।०७।०४।०३	२।४२व	१०।२५।३३।३७	३।११
११। ८	६।०२	३।२४।२५।०४	५७।३५	१०।१६।००।१२	८३६।४६	५।०८।२०।१४	३७।३९	३।०९।५९।०५	२।३३	२।१९।३१।१४	१२।१७	२।१८।२१।३६	७०।३५	११।०७।०१।२१	२।४८व	१०।२५।३०।२५	३।११
१२। ८	६।०३	३।२५।२२।३९	५७।३६	१०।२९।५६।५८	८४४।४५	५।०८।५७।५२	३७।४२	३।१०।०१।३९	९।३०	२।१९।४३।३०	१२।१३	२।१९।३२।११	७०।३९	११।०६।५८।३४	२।५३व	१०।२५।२७।१५	३।११
१३। ८	६।०३	३।२६।२०।१५	५७।३७	११।१४।०१।४३	८५०।१६	५।०९।३५।३५	३७।४६	३।१०।११।०९	१६।३०	२।१९।५५।४३	१२।०९	२।२०।४२।५०	७०।४४	११।०६।५५।४१	२।५७व	१०।२५।२४।०४	३।११
१४। ८	६।०४	३।२७।१७।५३	५७।३८	११।२८।११।५९	८५३।२७	५।१०।१३।२१	३७।५०	३।१०।२७।४०	२३।३०	२।२०।०७।५३	१२।०६	२।२१।५३।३४	७०।४९	११।०६।५२।४४	३।०२व	१०।२५।२०।५३	३।११
१५। ८	६।०४	३।२८।१५।३१	५७।४०	०।१२।२५।२५	८५४।१९	५।१०।५१।११	३७।५४	३।१०।५१।१०	३०।२७	२।२०।१९।५८	१२।०२	२।२३।०४।२४	७०।५४	११।०६।४९।४२	३।०७व	१०।२५।१७।४२	३।११
१६। ८	६।०५	३।२९।१३।११	५७।४१	०।२६।३९।४४	८५२।४७	५।११।२९।०५	३७।५८	३।११।२१।३७	३७।१९	२।२०।३२।००	११।५८	२।२४।१५।१८	७०।५९	११।०६।४६।३५	३।११व	१०।२५।१४।३२	३।११
१७। ८	६।०५	४।००।१०।५२	५७।४२	१।१०।५२।३२	८४८।३७	५।१२।०७।०३	३८।०२	३।११।५८।५६	४४।०६	२।२०।४३।५८	११।५४	२।२५।२६।१६	७१।०३	११।०६।४३।२३	३।१६व	१०।२५।११।२१	३।११
१८। ८	६।०६	४।०१।०८।३४	५७।४४	१।२५।०१।०९	८४१।४३	५।१२।४५।०५	३८।०६	३।१२।४३।०२	५०।४५	२।२०।५५।५२	११।५०	२।२६।३७।२०	७१।०८	११।०६।४०।०७	३।२०व	१०।२५।०८।१०	३।११
१९। ८	६।०६	४।०२।०६।१८	५७।४५	२।०९।०२।५२	८३२।०६	५।१३।२३।१०	३८।०९	३।१३।३३।४७	५७।१६	२।२१।०७।४२	११।४६	२।२७।४८।२८	७१।१३	११।०६।३६।४७	३।२५व	१०।२५।०४।५९	३।११
२०। ८	६।०७	४।०३।०४।०३	५७।४६	२।२२।५४।५८	८२०।०५	५।१४।०१।२०	३८।१३	३।१४।३१।०३	६३।३६	२।२१।१९।२७	११।४१	२।२८।५९।४०	७१।१७	११।०६।३३।२३	३।२९व	१०।२५।०१।४८	३।११
२१। ८	६।०७	४।०४।०१।४९	५७।४८	३।०६।३५।०२	८०६।१२	५।१४।३९।३३	३८।१७	३।१५।३४।३९	६९।४५	२।२१।३१।०८	११।३८	३।००।१०।५७	७१।२२	११।०६।२९।५४	३।३३व	१०।२४।५८।३८	३।११
२२। ८	६।०८	४।०४।५९।३६	५७।४९	३।२०।०१।१४	७९१।०८	५।१५।१७।५०	३८।२१	३।१६।४४।२४	७५।४०	२।२१।४२।४६	११।३२	३।०१।२२।१९	७१।२६	११।०६।२६।२१	३।३७व	१०।२४।५५।२६	३।११
२३। ८	६।०८	४।०५।५७।२६	५७।५०	४।०३।१२।२२	७७५।३५	५।१५।५६।११	३८।२५	३।१८।००।०५	८१।२०	२।२१।५४।१९	११।२८	३।०२।३३।४५	७१।३१	११।०६।२२।४४	३।४१व	१०।२४।५२।१५	३।११

निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में

ता. मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण
१०। ८	४।२५।३३।३७	धनि ३- ७।५७	४-१३।४८	शत १-११।३७	२-२५।२४	. .. ..
११। ८	४।२५।३०।२५	शत ३- ७।११	४-१२।५७	पूभा १-१८।४१	२-२४।२५	. .. ..
१२। ८	४।२५।२७।१५	पूभा ३- ६।०८	४-११।५०	उभा १-१७।३१	२-२३।१२	३-२८।५२
१३। ८	४।२५।२४।०४	उभा ४-१०।३२	रेव १-१६।११	२-२१।५०	३-२७।२८	. .. ..
१४। ८	४।२५।२०।५३	रेव ४- ९।०६	अश्वि १-१४।४४	२-२०।२२	३-२५।५९	. .. ..
१५। ८	४।२५।१७।४२	अश्वि ४- ७।३६	भर १-१३।१३	२-१८।५१	३-२४।२८	. .. ..
१६। ८	४।२५।१४।३२	भर ४- ६।०५	कृति १-११।४३	२-१७।२०	३-२२।५८	४-२८।३६
१७। ८	४।२५।११।२१	रोहि १-१०।१५	२-१५।५४	३-२१।३४	४-२७।१४	. .. ..
१८। ८	४।२५।०८।१०	मृग १- ८।५४	२-१४।३६	३-२०।१८	४-२६।०१	. .. ..
१९। ८	४।२५।०४।५९	आर्द्रा १- ७।४५	२-१३।२९	३-१९।१५	४-२५।०२	. .. ..
२०। ८	४।२५।०१।४८	पुन १- ६।५०	२-१२।४०	३-१८।३१	४-२४।२३	. .. ..
२१। ८	४।२४।५८।३८	पुष्य १- ६।१६	२-१२।११	३-१८।०८	४-२४।०६	श्ले १-३०।०६
२२। ८	४।२४।५५।२६	श्ले २-१२।०७	३-१८।१०	४-२४।१५	. .. ..	. .. ..
२३। ८	४।२४।५२।१५	मघा १- ६।२२	२-१२।३१	३-१८।४२	४-२४।५४	. .. ..

ता. मा.	चंद्रोदय घं. मि.	चंद्रक्रांति अं. क.	मध्यमचंद्रो. घं. मि. से.	चंद्रशर अं. क.	चंद्रास्त घं. मि.	चंद्रक्रांति अं. क.	मध्यमचंद्रा. घं. मि. से.	चंद्रशर अं. क.	वेलान्तर मि. से.	सांपातिक घं. मि. से.
१०। ८	२०।०४	-११।०७	१९।०९।५२	- १।१५	६।४२	-१४।३१	६।४३।४६	- १।१५	+ ५।२४	२।४६।३८
११। ८	२०।३७	- ४।३२	१९।५६।५३	+ ०।०२	७।४५	- ८।२४	७।३२।३६	+ ०।०२	+ ५।१५	२।५१।०६
१२। ८	२१।०९	+ २।२०	२०।४३।३०	+ १।२१	८।४८	- १।०४	८।१९।५८	+ ०।४२	+ ५।०५	२।५५।३३
१३। ८	२१।४२	+ ९।०८	२१।३१।००	+ २।३४	९।५१	+ ५।५७	९।०७।५१	+ २।००	+ ४।५४	३।००।०१
१४। ८	२२।१७	+१५।३०	२२।२०।३९	+ ३।३९	१०।५५	+१२।४१	९।५७।२०	+ ३।११	+ ४।४३	३।०४।२८
१५। ८	२२।५७	+२१।०१	२३।१३।३७	+ ४।२९	१२।०१	+१८।४५	१०।४९।४३	+ ४।०९	+ ४।३२	३।०८।५५
१६। ८	२३।४३	+२५।१६	२४।१०।२८	+ ५।०२	१३।०९	+२३।४१	११।४५।५०	+ ४।५१	+ ४।२०	३।१३।२३
१७। ८	२४।३६	+२७।५४	२५।१०।४४	+ ५।१६	१४।१८	+२७।०३	१२।४५।३६	+ ५।१३	+ ४।०७	३।१७।५०
१८। ८	२५।३६	+२८।३६	२६।१२।४५	+ ५।१०	१५।२४	+२८।३४	१३।४७।३५	+ ५।१५	+ ३।५४	३।२२।१७
१९। ८	२६।४१	+२७।२१	२७।१३।५६	+ ४।४४	१६।२५	+२८।०४	१४।४९।२१	+ ४।५७	+ ३।४०	३।२६।४४
२०। ८	२७।४७	+२४।१९	२८।११।५६	+ ४।०२	१७।१७	+२५।४२	१५।४८।२०	+ ४।२०	+ ३।२६	३।३१।१०
२१। ८	२८।५१	+१९।५३	२९।०५।२७	+ ३।०५	१८।०२	+२१।४९	१६।४२।५८	+ ३।२९	+ ३।११	३।३५।३६
२२। ८	२९।५३	+१४।२७	२९।५४।२७	+ १।५८	१८।४०	+१६।५०	१७।३२।५७	+ २।२७	+ २।५६	३।४०।०२
२३। ८	. . .	. . .	. . .	. . .	१९।१३	+११।०८	१८।१८।५३	+ १।१८	+ २।४१	३।४४।२८

संवत् २०८२: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टा: (राशि-अंश-कला-विकलादी) सगतिका: (कला-विकलादी) ता. २४। ८।२०२५ से पश्चात

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
२४। ८	६।०९	४।०६।५५।१६	५७।५२	४।१६।०७।५७	७६०।१३	५।१६।३४।३६	३८।२९	३।१९।२१।२४	८६।४०	२।२२।०५।४६	११।२३	३।०३।४५।१६	७१।३५	११।०६।१९।०४	३।४५व	१०।२४।४९।०५	३।११
२५। ८	६।०९	४।०७।५३।०८	५७।५३	४।२८।४८।११	७४५।३८	५।१७।१३।०५	३८।३२	३।२०।४८।०४	९१।३९	२।२२।१७।१०	११।१८	३।०४।५६।५०	७१।३९	११।०६।१५।१९	३।४८व	१०।२४।४५।५४	३।११
२६। ८	६।१०	४।०८।५१।०१	५७।५५	५।११।१३।४९	७३२।३१	५।१७।५१।३७	३८।३६	३।२२।११।४४	९६।११	२।२२।२८।२८	११।१४	३।०६।०८।३०	७१।४३	११।०६।११।३१	३।५२व	१०।२४।४२।४३	३।११
२७। ८	६।१०	४।०९।४८।५६	५७।५६	५।२३।२६।२०	७२१।४२	५।१८।३०।१३	३८।४०	३।२३।५५।५८	१००।२४	२।२२।३९।४२	११।०९	३।०७।२०।१३	७१।४८	११।०६।०७।३९	३।५५व	१०।२४।३९।३२	३।११
२८। ८	६।११	४।१०।४६।५३	५७।५८	६।०५।२८।०३	७१४।०८	५।१९।०८।५३	३८।४४	३।२५।३६।२२	१०४।०५	२।२२।५०।५०	११।०४	३।०८।३२।०१	७१।५२	११।०६।०३।४३	३।५९व	१०।२४।३६।२२	३।११
२९। ८	६।११	४।११।४४।५१	५८।००	६।१७।२२।११	७१०।४६	५।१९।४७।३७	३८।४८	३।२७।२०।२८	१०७।१७	२।२३।०१।५४	१०।५९	३।०९।४३।५३	७१।५६	११।०५।५९।४४	४।०२व	१०।२४।३३।११	३।११
३०। ८	६।१२	४।१२।४२।५०	५८।०१	६।२९।१२।५७	७१२।१९	५।२०।२६।२५	३८।५२	३।२९।०७।४५	१०९।५९	२।२३।१२।५३	१०।५३	३।१०।५५।४९	७२।००	११।०५।५५।४३	४।०५व	१०।२४।३०।००	३।११
३१। ८	६।१२	४।१३।४०।५२	५८।०३	७।११।०५।१६	७१९।०७	५।२१।०५।१६	३८।५५	४।००।५७।४४	११२।१२	२।२३।२३।४६	१०।४८	३।१२।०७।५०	७२।०४	११।०५।५१।३८	४।०८व	१०।२४।२६।४९	३।११
१। ९	६।१३	४।१४।३८।५५	५८।०४	७।२३।०४।२३	७३०।५८	५।२१।४४।११	३८।५९	४।०२।४९।५६	११३।५६	२।२३।३४।३४	१०।४३	३।१३।१९।५४	७२।०९	११।०५।४७।३०	४।११व	१०।२४।२३।३८	३।११
२। ९	६।१३	४।१५।३६।५९	५८।०६	८।०५।१५।२१	७४७।१३	५।२२।२३।१०	३९।०३	४।०४।४३।५३	११५।१४	२।२३।४५।१७	१०।३८	३।१४।३२।०२	७२।१३	११।०५।४३।१९	४।१३व	१०।२४।२०।२८	३।११
३। ९	६।१३	४।१६।३५।०५	५८।०८	८।१७।४२।३४	७६६।४६	५।२३।०२।१३	३९।०७	४।०६।३९।०७	११६।०७	२।२३।५५।५५	१०।३२	३।१५।४४।१५	७२।१७	११।०५।३९।०६	४।१६व	१०।२४।१७।१६	३।११
४। ९	६।१४	४।१७।३३।१३	५८।०९	९।००।२९।२०	७८८।१६	५।२३।४१।२०	३९।१०	४।०८।३५।१४	११६।३८	२।२४।०६।२७	१०।२६	३।१६।५६।३२	७२।२१	११।०५।३४।४९	४।१९व	१०।२४।१४।०५	३।११
५। ९	६।१४	४।१८।३१।२२	५८।११	९।१३।३७।३६	८१०।१३	५।२४।२०।३०	३९।१४	४।१०।३१।५२	११६।५१	२।२४।१६।५३	१०।२०	३।१८।०८।५२	७२।२५	११।०५।३०।३१	४।२१व	१०।२४।१०।५५	३।११
६। ९	६।१५	४।१९।२९।३४	५८।१३	९।२७।०७।४९	८३१।०२	५।२४।५९।४५	३९।१८	४।१२।२८।४३	११६।४८	२।२४।२७।१३	१०।१४	३।१९।२१।१७	७२।२९	११।०५।२६।१०	४।२३व	१०।२४।०७।४४	३।११
७। ९	६।१५	४।२०।२७।४६	५८।१५	१०।१०।५८।५१	८४९।१३	५।२५।३९।०३	३९।२२	४।१४।२५।३२	११६।३२	२।२४।३७।२७	१०।०८	३।२०।३३।४६	७२।३२	११।०५।२१।४६	४।२५व	१०।२४।०४।३३	३।११

निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में

ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	चंद्रोदय घं. मि.	चंद्रक्रांति अं. क.	मध्यमचंद्रो. घं. मि. से.	चंद्रशर अं. क.	चंद्रास्त घं. मि.	चंद्रक्रांति अं. क.	मध्यमचंद्रा. घं. मि. से.	चंद्रशर अं. क.	वेलान्तर मि. से.	सांपातिक घं. मि. से.
२४। ८	४।२४।४९।०५	पूफा १- ७।०९	२-१३।२५	३-१९।४४	४-२६।०४	. .. ..	६।५२	+ ८।२३	६।३९।३९	- ०।२६	१९।४३	+ ५।०५	१९।०१।४९	+ ०।०६	+ २।२५	३।४८।५४
२५। ८	४।२४।४५।५४	उफा १- ८।२७	२-१४।५१	३-२१।१८	४-२७।४६	. .. ..	७।४८	+ २।२३	७।२२।२८	- १।३४	२०।११	- १।०३	१९।४२।५४	- १।०५	+ २।०९	३।५३।२०
२६। ८	४।२४।४२।४३	हस्त १-१०।१६	२-१६।४८	३-२३।२२	४-२९।५८	. .. ..	८।४३	- ४।११	८।०३।३४	- १।४०	२०।३८	- ७।०१	२०।२३।१६	- २।११	+ १।५२	३।५७।४५
२७। ८	४।२४।३९।३२	चित्रा १-१२।३५	२-१९।१४	३-२५।५४	. .. ..	. .. ..	९।३६	-१०।०५	८।४४।४२	- २।४४	२१।०७	-१२।३७	२१।०३।५८	- ३।१०	+ १।३५	४।०२।१०
२८। ८	४।२४।३६।२२	चित्रा ४- ८।३५	स्वा. १-१५।१८	२-२२।०१	३-२८।४६	. .. ..	१०।३०	-१५।३०	९।२६।४१	- ३।३९	२१।३७	-१७।४०	२१।४५।५६	- ४।००	+ १।१७	४।०६।३६
२९। ८	४।२४।३३।११	स्वा. ४-११।३१	विशा १-१८।१६	२-२५।०२	. .. ..	. .. ..	११।२५	-२०।१४	१०।१०।२६	- ४।२३	२२।११	-२१।५९	२२।३०।०२	- ४।३८	+ ०।५९	४।११।०१
३०। ८	४।२४।३०।००	विशा ३- ७।४७	४-१४।३२	अनु १-२१।१७	२-२८।०१	. .. ..	१२।२१	-२४।०६	१०।५६।३९	- ४।५४	२२।४९	-२५।२३	२३।१६।५०	- ५।०३	+ ०।४१	४।१५।२६
३१। ८	४।२४।२६।४९	अनु ३-१०।४३	४-१७।२५	ज्ये १-२४।०५	. .. ..	. .. ..	१३।१८	-२६।५३	११।४५।४३	- ५।१२	२३।३२	-२७।३९	२४।०६।३६	- ५।१६	+ ०।२२	४।१९।५१
१। ९	४।२४।२३।३८	ज्ये २- ६।४४	३-१३।२०	४-१९।५१	मूल १-२६।२८	. .. ..	१४।१४	-२८।२४	१२।३७।२७	- ५।१६	२४।२२	-२८।३६	२४।५८।५९	- ५।१३	+ ०।०३	४।२४।१६
२। ९	४।२४।२०।२८	मूल २- ८।५८	३-१५।२६	४-२१।५१	पूषा १-२८।१४	. .. ..	१५।०८	-२८।२७	१३।३१।०२	- ५।०५	२५।१८	-२८।०३	२५।५३।०३	- ४।४६	- ०।१६	४।२८।४०
३। ९	४।२४।१७।१६	पूषा २-१०।३५	३-१६।५२	४-२३।०७	उषा १-२९।२०	. .. ..	१५।५८	-२६।५८	१४।२५।११	- ४।३८	२६।१८	-२५।५६	२६।४७।२९	- ४।२३	- ०।३५	४।३३।०५
४। ९	४।२४।१४।०५	उषा २-११।२९	३-१७।३६	४-२३।४१	श्रव १-२९।४३	. .. ..	१६।४३	-२३।५६	१५।१८।३५	- ३।५५	२७।२१	-२२।१८	२७।४१।००	- ३।३४	- ०।५५	४।३७।२९
५। ९	४।२४।१०।५५	श्रव २-११।४२	३-१७।३९	४-२३।३४	धनि १-२९।२६	. .. ..	१७।२४	-१९।३०	१६।१०।१९	- २।५८	२८।२५	-१७।१७	२८।३२।४९	- २।३१	- १।१५	४।४१।५३
६। ९	४।२४।०७।४४	धनि २-११।१६	३-१७।०४	४-२२।५०	शत १-२८।३४	. .. ..	१८।००	-१३।५५	१७।००।०९	- १।४९	२९।२९	-११।११	२९।२२।५६	- १।१६	- १।३५	४।४६।१७
७। ९	४।२४।०४।३३	शत २-१०।१७	३-१५।५७	४-२१।३६	पूभा १-२७।१४	. .. ..	१८।३४	- ७।२८	१७।४८।३१	- ०।३२	. . .	. . .	. . .	. . .	- १।५६	४।५०।४१

८

संवत् २०८२: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टाः (राशि-अंश-कला-विकलादौ) सगतिकाः (कला-विकलादौ) ता. ८। ९।२०२५ से पश्चात

ता. मा.	सू. उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
८। ९	६।१६	४।२१।२६।०१	५८।१६	१०।२५।०८।०३	८६३।२३	५।२६।१८।२४	३९।२६	४।१६।२२।०३	११६।०५	२।२४।४७।३६	१०।०२	३।२१।४६।१८	७२।३६	११।०५।१७।२१	४।२७व	१०।२४।०१।२२	३।११
९। ९	६।१६	४।२२।२४।१८	५८।१८	११।०९।३१।२७	८७२।३३	५।२६।५७।५०	३९।२९	४।१८।१८।०८	११५।३०	२।२४।५७।३८	९।५६	३।२२।५८।५४	७२।४०	११।०५।१२।५४	४।२९व	१०।२३।५८।१२	३।११
१०। ९	६।१७	४।२३।२२।३६	५८।२०	११।२४।०४।००	८७६।१०	५।२७।३७।११	३९।३३	४।२०।१३।३८	११४।४८	२।२५।०७।३४	९।५०	३।२४।११।३५	७२।४४	११।०५।०८।२५	४।३१व	१०।२३।५५।०१	३।११
११। ९	६।१७	४।२४।२०।५६	५८।२२	०।०८।४०।१०	८७४।१३	५।२८।१६।५३	३९।३७	४।२२।०८।२७	११४।०१	२।२५।१७।२४	९।४३	३।२५।२४।११	७२।४८	११।०५।०३।५५	४।३२व	१०।२३।५१।५०	३।११
१२। ९	६।१८	४।२५।१९।१८	५८।२४	०।२३।१४।२२	८६७।१७	५।२८।५६।३०	३९।४१	४।२४।०२।२८	११३।१०	२।२५।२७।०७	९।३७	३।२६।३७।०६	७२।५२	११।०४।५९।२२	४।३३व	१०।२३।४८।३९	३।११
१३। ९	६।१८	४।२६।१७।४२	५८।२६	१।०७।४१।३९	८५६।२१	५।२९।३६।१०	३९।४५	४।२५।५५।३८	११२।१६	२।२५।३६।४४	९।३०	३।२७।४९।५८	७२।५५	११।०४।५४।४९	४।३५व	१०।२३।४५।२८	३।११
१४। ९	६।१९	४।२७।१६।०७	५८।२७	१।२१।५८।०१	८४२।३८	६।००।१५।५५	३९।४८	४।२७।४७।५३	१११।१९	२।२५।४६।१४	९।२५	३।२९।०२।५३	७२।५९	११।०४।५०।१४	४।३५व	१०।२३।४२।१८	३।११
१५। ९	६।१९	४।२८।१४।३५	५८।२९	२।०६।००।३९	८२७।२१	६।००।५५।४३	३९।५२	४।२९।३९।१३	११०।२०	२।२५।५५।३९	९।१७	४।००।१५।५२	७३।०३	११।०४।४५।३९	४।३७व	१०।२३।३९।०६	३।११
१६। ९	६।१९	४।२९।१३।०४	५८।३१	२।१९।४८।००	८११।३३	६।०१।३५।३६	३९।५६	५।०१।२९।३३	१०९।२०	२।२६।०४।५६	९।१०	४।०१।२८।५५	७३।०६	११।०४।४१।०२	४।३७व	१०।२३।३५।५५	३।११
१७। ९	६।२०	५।००।११।३५	५८।३३	३।०३।११।३३	७९६।०२	६।०२।१५।३१	४०।००	५।०३।१८।५३	१०८।१९	२।२६।१४।०६	९।०३	४।०२।४२।०१	७३।१०	११।०४।३६।२५	४।३८व	१०।२३।३२।४५	३।११
१८। ९	६।२०	५।०१।१०।०८	५८।३५	३।१६।३५।३५	७८१।२४	६।०२।५५।३१	४०।०३	५।०५।०७।१२	१०७।१७	२।२६।२३।०९	८।५६	४।०३।५५।११	७३।१३	११।०४।३१।४७	४।३९व	१०।२३।२९।३४	३।११
१९। ९	६।२१	५।०२।०८।४३	५८।३७	३।२९।३६।५९	७६७।५६	६।०३।३५।३५	४०।०७	५।०६।५४।३०	१०६।१५	२।२६।३२।०४	८।४९	४।०५।०८।२४	७३।१७	११।०४।२७।०८	४।३९व	१०।२३।२६।२३	३।११
२०। ९	६।२१	५।०३।०७।२०	५८।३९	४।१२।२४।५६	७५५।४४	६।०४।१५।४२	४०।११	५।०८।४०।४५	१०५।१३	२।२६।४०।५३	८।४१	४।०६।२१।४१	७३।२०	११।०४।२२।२९	४।३९व	१०।२३।२३।१२	३।११
२१। ९	६।२२	५।०४।०५।५९	५८।४१	४।२५।००।४०	७४४।४२	६।०४।५५।५३	४०।१५	५।१०।२५।५८	१०४।११	२।२६।४९।३४	८।३४	४।०७।३५।०१	७३।२४	११।०४।१७।५०	४।३९व	१०।२३।२०।०१	३।११

		निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. मैं					चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
ता. मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
८। ९	४।२४।०१।२२	पूभा २- ८।५०	३-१४।२५	४-१९।५९	उभा १-२५।३२	. .. ..	११।०७	- ०।३१	१८।३६।१८	+ ०।४९	६।३३	- ४।०६	६।११।५०	+ ०।४९	- २।१६	४।५५।०५
९। ९	४।२३।५८।१२	उभा २- ७।०४	३-१२।३५	४-१८।०५	रेव १-२३।३५	२-२९।०४	११।४१	+ ६।३४	१९।२४।४१	+ २।०८	७।३७	+ २।४८	७।००।५८	+ २।०८	- २।३७	४।५९।३०
१०। ९	४।२३।५५।०१	रेव ३-१०।३३	४-१६।०२	अश्वि १-२१।३१	२-२७।००	. .. ..	२०।१६	+१३।२०	२०।१४।५४	+ ३।१९	८।४३	+१०।१७	७।५०।५९	+ २।४८	- २।५८	५।०३।५४
११। ९	४।२३।५१।५०	अश्वि ३- ८।२८	४-१३।५७	भर १-११।२७	२-२४।५७	. .. ..	२०।५५	+१९।२०	२१।०८।०५	+ ४।१६	९।५१	+१६।४९	८।४३।४६	+ ३।५३	- ३।१९	५।०८।१८
१२। ९	४।२३।४८।३९	भर ३- ६।२७	४-११।५८	कृति १-१७।२९	२-२३।०२	३-२८।३४	२१।४०	+२४।०८	२२।०४।५२	+ ४।५६	११।००	+२२।१८	९।४०।००	+ ४।४२	- ३।४०	५।१२।४२
१३। ९	४।२३।४५।२८	कृति ४-१०।०९	रोहि १-१५।४५	२-२१।२१	३-२६।५९	. .. ..	२२।३२	+२७।२०	२३।०४।५७	+ ५।१६	१२।१०	+२६।१६	१०।३९।४१	+ ५।१०	- ४।०२	५।१७।०६
१४। ९	४।२३।४२।१८	रोहि ४- ८।३८	मृग १-१४।१८	२-१९।५९	३-२५।४२	. .. ..	२३।३०	+२८।३८	२४।०६।५०	+ ५।१६	१३।१८	+२८।२१	११।४१।३८	+ ५।१८	- ४।२३	५।२१।३०
१५। ९	४।२३।३९।०६	मृग ४- ७।२७	आर्द्रा १-१३।१३	२-१९।०१	३-२४।५०	. .. ..	२४।३३	+२७।५७	२५।०८।०७	+ ४।५५	१४।२०	+२८।२७	१२।४३।३२	+ ५।०५	- ४।४४	५।२५।५४
१६। ९	४।२३।३५।५५	आर्द्रा ४- ६।४१	पुन १-१२।३३	२-१८।२७	३-२४।२३	. .. ..	२५।३८	+२५।२८	२६।०६।२६	+ ४।१८	१५।१४	+२६।३८	१३।४२।५३	+ ४।३४	- ५।०६	५।३०।१८
१७। ९	४।२३।३२।४५	पुन ४- ६।२१	पुष्य १-१२।२०	२-१८।२१	३-२४।२४	. .. ..	२६।४२	+२१।२९	२७।००।२६	+ ३।२५	१६।०१	+२३।१५	१४।३८।०२	+ ३।४८	- ५।२७	५।३४।४३
१८। ९	४।२३।२९।३४	पुष्य ४- ६।२८	श्ले १-१२।३५	२-१८।४३	३-२४।५२	. .. ..	२७।४४	+१६।२७	२७।४९।५६	+ २।२२	१६।४०	+१८।३९	१५।२८।३३	+ २।५०	- ५।४९	५।३९।०७
१९। ९	४।२३।२६।२३	श्ले ४- ७।०४	मघा १-१३।१७	२-१९।३१	३-२५।४८	. .. ..	२८।४३	+१०।४२	२८।३५।३६	+ १।१२	१७।१४	+१३।१६	१६।१४।५६	+ १।४३	- ६।१०	५।४३।३१
२०। ९	४।२३।२३।१२	मघा ४- ८।०५	पूफा १-१४।२५	२-२०।४६	३-२७।०९	. .. ..	२९।३९	+ ४।३६	२९।१८।३२	+ ०।००	१७।४४	+ ७।२३	१६।५८।१०	+ ०।३३	- ६।३२	५।४७।५५
२१। ९	४।२३।२०।०१	पूफा ४- ९।३३	उफा १-१५।५८	२-२२।२५	३-२८।५४	. .. ..	. . .	. . .	. . .	. . .	१८।१२	+ १।१९	१७।३९।२२	- ०।३८	- ६।५३	५।५२।२९

संवत् २०८२: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टा: (राशि-अंश-कला-विकलादी) सगतिका: (कला-विकलादी) ता. २२। ९।२०२५ से पश्चात

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
२२। ९	६।२२	५।०५।०४।४०	५८।४३	५।०७।२५।२२	७३४।४४	६।०५।३६।०८	४०।१९	५।१२।१०।१०	१०३।१०	२।२६।५८।०८	८।२६	४।०८।४८।२५	७३।२७	११।०४।१३।११	४।३९व	१०।२३।१६।५१	३।११
२३। ९	६।२३	५।०६।०३।२३	५८।४५	५।१९।४०।०६	७२५।५०	६।०६।१६।२७	४०।२३	५।१३।५३।१९	१०२।०९	२।२७।०६।३४	८।१९	४।१०।०१।५२	७३।३१	११।०४।०८।३२	४।३९व	१०।२३।१३।४०	३।११
२४। ९	६।२३	५।०७।०२।०८	५८।४७	६।०१।४५।५६	७१८।२०	६।०६।५६।५०	४०।२६	५।१५।३५।२८	१०१।०९	२।२७।१४।५३	८।११	४।११।१५।२३	७३।३४	११।०४।०३।५३	४।३८व	१०।२३।१०।२९	३।११
२५। ९	६।२४	५।०८।००।५५	५८।४९	६।१३।४४।१६	७१२।५२	६।०७।३७।१६	४०।३०	५।१७।१६।३७	१००।०९	२।२७।२३।०४	८।०३	४।१२।२८।५७	७३।३७	११।०३।५९।१५	४।३८व	१०।२३।०७।१८	३।११
२६। ९	६।२४	५।०८।५९।४४	५८।५१	६।२५।३७।०८	७१०।१८	६।०८।१७।४६	४०।३४	५।१८।५६।४६	९९।११	२।२७।३१।०७	७।५६	४।१३।४२।३४	७३।४१	११।०३।५४।३७	४।३६व	१०।२३।०४।०८	३।११
२७। ९	६।२५	५।०९।५८।३४	५८।५३	७।०७।२७।२६	७११।३४	६।०८।५८।२०	४०।३८	५।२०।३५।५७	९८।१३	२।२७।३९।०३	७।४७	४।१४।५६।१५	७३।४४	११।०३।५०।००	४।३६व	१०।२३।००।५६	३।११
२८। ९	६।२५	५।१०।५७।२७	५८।५५	७।१९।१९।००	७१७।२१	६।०९।३८।५८	४०।४१	५।२२।१४।११	९७।१७	२।२७।४६।४९	७।३९	४।१६।०९।५९	७३।४७	११।०३।४५।२४	४।३५व	१०।२२।५७।४५	३।११
२९। ९	६।२६	५।११।५६।२२	५८।५७	८।०१।१६।२१	७२८।०२	६।१०।१९।३९	४०।४५	५।२३।५१।२७	९६।२२	२।२७।५४।२८	७।३०	४।१७।२३।४६	७३।५०	११।०३।४०।४९	४।३४व	१०।२२।५४।३४	३।११
३०। ९	६।२६	५।१२।५५।१९	५८।५९	८।१३।२४।२३	७४३।३१	६।११।००।२४	४०।४९	५।२५।२७।४९	९५।२८	२।२८।०१।५८	७।२२	४।१८।३७।३६	७३।५३	११।०३।३६।१५	४।३२व	१०।२२।५१।२४	३।११
१।१०	६।२७	५।१३।५४।१८	५९।०१	८।२५।४७।५४	७६३।१८	६।११।४१।१३	४०।५३	५।२७।०३।१७	९४।३५	२।२८।०९।२०	७।१३	४।१९।५१।२९	७३।५६	११।०३।३१।४३	४।३१व	१०।२२।४८।१३	३।११
२।१०	६।२७	५।१४।५३।१९	५९।०३	९।०८।३१।१२	७८६।३२	६।१२।२२।०६	४०।५७	५।२८।३७।५२	९३।४४	२।२८।१६।३४	७।०५	४।२१।०५।२५	७३।५९	११।०३।२७।१२	४।३०व	१०।२२।४५।०२	३।११
३।१०	६।२८	५।१५।५२।२२	५९।०५	९।२१।३७।४३	८११।५५	६।१३।०३।०३	४१।००	६।००।११।३६	९२।५५	२।२८।२३।३८	६।५६	४।२२।१९।२४	७४।०२	११।०३।२२।४२	४।२८व	१०।२२।४१।५१	३।११
४।१०	६।२८	५।१६।५१।२७	५९।०७	१०।०५।०९।३८	८३७।४८	६।१३।४४।०३	४१।०४	६।०१।४४।३१	९२।०७	२।२८।३०।३४	६।४७	४।२३।३३।२६	७४।०५	११।०३।१८।१४	४।२६व	१०।२२।३८।४१	३।११
५।१०	६।२९	५।१७।५०।३४	५९।०९	१०।१९।०७।२७	८६२।०९	६।१४।२५।०७	४१।०८	६।०३।१६।३८	९१।२०	२।२८।३७।२१	६।३८	४।२४।४७।३१	७४।०८	११।०३।१३।४८	४।२४व	१०।२२।३५।३०	३।११
६।१०	६।२९	५।१८।४९।४४	५९।११	११।०३।२९।३६	८८२।३६	६।१५।०६।१५	४१।१२	६।०४।४७।५८	९०।३५	२।२८।४३।५९	६।२९	४।२६।०१।३९	७४।११	११।०३।०९।२४	४।२२व	१०।२२।३२।१९	३।११
७।१०	६।३०	५।१९।४८।५५	५९।१३	११।१८।१२।१२	८९६।४६	६।१५।४७।२७	४१।१५	६।०६।१८।३४	८९।५१	२।२८।५०।२८	६।२१	४।२७।१५।५०	७४।१४	११।०३।०५।०२	४।१९व	१०।२२।२९।०८	३।११

		निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में					चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
२२। ९	४।२३।१६।५१	उफा ४-११।२४	हस्त १-१७।५५	२-२४।२८	..	..	६।३४	- १।४६	५।५१।४६	- २।१७	१८।४०	- ४।४३	१८।११।४१	- १।४६	- ७।१४	५।५६।४५
२३। ९	४।२३।१३।४०	हस्त ३- ७।०२	४-१३।३७	चित्रा १-२०।१४	२-२६।५२	..	७।२७	- ७।३५	६।४०।५२	- ३।१४	१९।०८	-१०।२८	१९।००।०८	- २।४८	- ७।३५	६।०१।१०
२४। ९	४।२३।१०।२९	चित्रा ३- ९।३१	४-१६।११	स्वा. १-२२।५३	२-२९।३५	..	८।२१	-१३।०३	७।२२।२८	- ४।०२	१९।३७	-१५।४६	१९।४१।३८	- ३।४१	- ७।५६	६।०५।३५
२५। ९	४।२३।०७।१८	स्वा ३-१२।१८	४-१९।०२	विशा १-२५।४६	..	..	९।१६	-१८।२९	८।०५।२८	- ४।४७	२०।१०	-२०।२५	२०।२४।५८	- ४।२४	- ८।१७	६।१०।००
२६। ९	४।२३।०४।०८	विशा २- ८।३२	३-१५।१७	४-२२।०३	अनु १-२८।४८	..	१०।१२	-२२।४३	८।५०।४७	- ४।४३	२०।४६	-२४।११	२१।१०।४१	- ४।४८	- ८।३८	६।१४।२५
२७। ९	४।२३।००।५६	अनु २-११।३४	३-१८।१९	४-२५।०४	..	..	११।०८	-२५।५६	९।३८।३७	- ५।०६	२१।२७	-२६।५४	२१।५९।०४	- ५।१२	- ८।५८	६।१८।५१
२८। ९	४।२२।५७।४५	ज्ये १- ७।४८	२-१४।३१	३-२१।१३	४-२७।५३	..	१२।०४	-२७।५७	१०।२८।५४	- ५।१६	२२।१४	-२८।२३	२२।४९।५३	- ५।१५	- ९।१९	६।२३।१७
२९। ९	४।२२।५४।३४	मूल १-१०।३२	२-१७।०९	३-२३।४४	४-३०।१७	..	१२।५८	-२८।३६	११।२१।०१	- ५।१०	२३।०६	-२८।२७	२३।४२।२५	- ५।०४	- ९।३९	६।२७।४२
३०। ९	४।२२।५१।२४	पूषा १-१२।४८	२-१९।१७	३-२५।४३	..	..	१३।४९	-२७।४७	१२।१३।५६	- ४।५०	२४।०३	-२७।०२	२४।३५।३७	- ४।३८	- ९।५९	६।३२।०९
१।१०	४।२२।४८।१३	पूषा ४- ८।०६	उषा १-१४।२७	२-२०।४५	३-२७।००	..	१४।३५	-२५।२८	१३।०६।३०	- ४।१५	२५।०४	-२४।०८	२५।२८।२१	- ३।५७	-१०।१८	६।३६।३५
२।१०	४।२२।४५।०२	उषा ४- ९।१२	श्रव १-१५।२१	२-२१।२८	३-२७।३१	..	१५।१७	-२१।४५	१३।५७।५१	- ३।२६	२६।०६	-१९।४९	२६।१९।५०	- ३।०१	-१०।३७	६।४१।०१
३।१०	४।२२।४१।५१	श्रव ४- ९।३२	धनि १-१५।२९	२-२१।२४	३-२७।१६	..	१५।५४	-१६।४७	१४।४७।३७	- २।२४	२७।०९	-१४।१८	२७।०९।५५	- १।५३	-१०।५७	६।४५।२६
४।१०	४।२२।३८।४१	धनि ४- ९।०६	शत १-१४।५२	२-२०।३७	३-२६।१८	..	१६।२९	-१०।४७	१५।३६।०५	- १।११	२८।१२	- ७।५०	२७।५९।०२	- ०।३६	-११।१५	६।४९।५२
५।१०	४।२२।३५।३०	शत ४- ७।५८	पूभा १-१३।३५	२-१९।०९	३-२४।४२	४-३०।१३	१७।०३	- ४।०३	१६।२४।००	+ ०।०८	२९।१७	- ०।४५	२८।४८।०७	+ ०।४६	-११।३३	६।५४।१८
६।१०	४।२२।३२।१९	उभा १-११।४२	२-१७।१०	३-२२।३६	४-२८।००	..	१७।३६	+ ३।०४	१७।१२।२७	+ १।२९	३०।२२	+ ६।३३	२९।३८।२४	+ २।०७	-११।५१	६।५८।४३
७।१०	४।२२।२९।०८	रेव १- ९।२४	२-१४।४६	३-२०।०७	४-२५।२८	..	१८।११	+१०।०९	१८।०२।४४	+ २।४५	...	...	...	...	-१२।०९	७।०३।१०

संवत् २०८२: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टाः (राशि-अंश-कला-विकलादौ) सगतिकाः (कला-विकलादौ) ता. ८। १०।२०२५ से पश्चात

ता. मा.	सू. उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
८।१०	६।३०	५।२०।४८।०९	५९।१५	०।०३।०८।५८	९०२।४६	६।१६।२८।४२	४१।११	६।०७।४८।२५	८९।०७	२।२८।५६।४९	६।१०	४।२८।३०।०५	७४।१६	११।०३।००।४४	४।१७व	१०।२२।२५।५७	३।११
९।१०	६।३१	५।२१।४७।२४	५९।१८	०।१८।११।४४	८९९।४३	६।१७।१०।०१	४१।२३	६।०९।१७।३२	८८।२४	२।२९।०३।००	६।०१	४।२९।४४।२२	७४।१९	११।०२।५६।२७	४।१४व	१०।२२।२२।४६	३।११
१०।१०	६।३१	५।२२।४६।४२	५९।२०	१।०३।११।२७	८८८।१२	६।१७।५१।२५	४१।२७	६।१०।४५।५६	८७।४१	२।२९।०९।०१	५।५२	५।००।५८।४१	७४।२२	११।०२।५२।१३	४।१२व	१०।२२।१९।३५	३।११
११।१०	६।३२	५।२३।४६।०१	५९।२२	१।१७।५९।३९	८७०।०२	६।१८।३२।५१	४१।३१	६।१२।१३।३८	८६।५८	२।२९।१४।५२	५।४२	५।०२।१३।०३	७४।२४	११।०२।४८।०१	४।०९व	१०।२२।१६।२४	३।११
१२।१०	६।३२	५।२४।४५।२३	५९।२४	२।०२।२९।४२	८४७।५२	६।१९।१४।२२	४१।३४	६।१३।४०।३६	८६।१४	२।२९।२०।३४	५।३२	५।०३।२७।२७	७४।२७	११।०२।४३।५२	४।०६व	१०।२२।१३।१४	३।११
१३।१०	६।३३	५।२५।४४।४७	५९।२६	२।१६।३७।३४	८२४।२१	६।१९।५५।५६	४१।३८	६।१५।०६।५०	८५।२८	२।२९।२६।०६	५।२२	५।०४।४१।५४	७४।३०	११।०२।३९।४७	४।०२व	१०।२२।१०।०३	३।११
१४।१०	६।३३	५।२६।४४।१३	५९।२८	३।००।२१।५४	८०१।४०	६।२०।३७।३५	४१।४२	६।१६।३२।१८	८४।४१	२।२९।३१।२९	५।१२	५।०५।५६।२४	७४।३२	११।०२।३५।४४	३।५९व	१०।२२।०६।५२	३।११
१५।१०	६।३४	५।२७।४३।४०	५९।३०	३।१३।४३।३५	७८१।१७	६।२१।१९।१७	४१।४६	६।१७।५६।५९	८३।५२	२।२९।३६।४१	५।०२	५।०७।१०।५६	७४।३४	११।०२।३१।४५	३।५६व	१०।२२।०३।४१	३।११
१६।१०	६।३५	५।२८।४३।१०	५९।३२	३।२६।४४।५२	७६३।५७	६।२२।०१।०२	४१।४९	६।१९।२०।५१	८२।५९	२।२९।४१।४३	४।५२	५।०८।२५।३०	७४।३७	११।०२।२७।४९	३।५२व	१०।२२।००।३१	३।११
१७।१०	६।३५	५।२९।४२।४२	५९।३४	४।०९।२८।४९	७४९।४९	६।२२।४२।५२	४१।५३	६।२०।४३।५०	८२।०३	२।२९।४६।३५	४।४३	५।०९।४०।०७	७४।३९	११।०२।२३।५७	३।४८व	१०।२१।५७।२०	३।११
१८।१०	६।३६	६।००।४२।१६	५९।३६	४।२१।५८।३८	७३८।४२	६।२३।२४।४५	४१।५७	६।२२।०५।५३	८१।०३	२।२९।५१।१८	४।३२	५।१०।५४।४६	७४।४१	११।०२।२०।०९	३।४५व	१०।२१।५४।०८	३।११
१९।१०	६।३६	६।०१।४१।५३	५९।३८	५।०४।१७।२०	७३०।०८	६।२४।०६।४२	४२।०१	६।२३।२६।५६	७९।५७	२।२९।५५।५०	४।२१	५।१२।०९।२७	७४।४३	११।०२।१६।२४	३।४१व	१०।२१।५०।५८	३।११
२०।१०	६।३७	६।०२।४१।३१	५९।४०	५।१६।२७।२७	७२३।३२	६।२४।४८।४३	४२।०४	६।२४।४६।५३	७८।४५	३।००।००।११	४।१०	५।१३।२४।११	७४।४६	११।०२।१२।४३	३।३७व	१०।२१।४७।४७	३।११
२१।१०	६।३८	६।०३।४१।११	५९।४२	५।२८।३१।००	७१८।२५	६।२५।३०।४७	४२।०८	६।२६।०५।३८	७७।२६	३।००।०४।२२	४।००	५।१४।३८।५६	७४।४८	११।०२।०९।०७	३।३३व	१०।२१।४४।३६	३।११

		निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में					चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
ता. मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
८।१०	४।२२।२५।५७	अश्वि १- ६।४८	२-१२।०७	३-१७।२६	४-२२।४५	भर १-२८।०४	१८।५०	+१६।४४	१८।५६।०५	+ ३।४९	७।३१	+१३।३८	६।३१।१३	+ ३।४९	-१२।२६	७।०७।४८
९।१०	४।२२।२२।४६	भर २- १।२४	३-१४।४३	४-२०।०३	कृति १-२५।२४	. .. ..	१९।३३	+२२।१६	१९।५३।२०	+ ४।३७	८।४२	+२०।०४	७।२७।४५	+ ४।१९	-१२।४३	७।१२।१७
१०।१०	४।२२।१९।३५	कृति २- ६।४५	३-१२।०७	४-१७।३१	रोहि १-२२।५५	२-२८।२२	२०।२४	+२६।१५	२०।५४।२५	+ ५।०५	९।५५	+२४।५०	८।२८।२०	+ ४।५६	-१२।५९	७।१६।४६
११।१०	४।२२।१६।२४	रोहि ३- १।४९	४-१५।१८	मृग १-२०।४९	२-२६।२२	. .. ..	२१।२२	+२८।१८	२१।५७।५५	+ ५।११	११।०६	+२७।४४	९।३१।५०	+ ५।१२	-१३।१५	७।२१।१६
१२।१०	४।२२।१३।१४	मृग ३- ७।५७	४-१३।३४	आर्द्रा १-१९।१३	२-२४।५४	. .. ..	२२।२५	+२८।१५	२३।०१।१२	+ ४।५७	१२।१३	+२८।३१	१०।३५।४८	+ ५।०५	-१३।३०	७।२५।४५
१३।१०	४।२२।१०।०३	आर्द्रा ३- ६।३७	४-१२।२३	पुन १-१८।११	२-२४।०२	३-२९।५५	२३।३१	+२६।१६	२४।०१।३३	+ ४।२३	१३।११	+२७।१६	११।३७।२०	+ ४।३९	-१३।४५	७।३०।१७
१४।१०	४।२२।०६।५२	पुन ४-११।५०	पुष्य १-१७।४८	२-२३।४८	३-२९।५१	. .. ..	२४।३६	+२२।४१	२४।५७।११	+ ३।३५	१४।००	+२४।१७	१२।३४।२२	+ ३।५६	-१३।५९	७।३४।४७
१५।१०	४।२२।०३।४१	पुष्य ४-११।५६	श्ले १-१८।०४	२-२४।१४	३-३०।२६	. .. ..	२५।३८	+१७।५७	२५।४७।४९	+ २।३६	१४।४१	+२०।०२	१३।२६।१५	+ ३।०१	-१४।१३	७।३९।१८
१६।१०	४।२२।००।३१	श्ले ४-१२।४०	मघा १-१८।५६	२-२५।१४	. .. ..	. .. ..	२६।३७	+१२।२७	२६।३४।०६	+ १।२९	१५।१६	+१४।५३	१४।१३।२८	+ १।५८	-१४।२६	७।४३।५०
१७।१०	४।२१।५७।२०	मघा ३- ७।३५	४-१३।५७	पूफा १-२०।२१	२-२६।४६	. .. ..	२७।३३	+ ६।३१	२७।१७।१४	+ ०।११	१५।४७	+ ९।१२	१४।५७।०५	+ ०।५१	-१४।३८	७।४८।२१
१८।१०	४।२१।५४।०८	पूफा ३- १।१४	४-१५।४२	उफा १-२२।१२	२-२८।४४	. .. ..	२८।२८	+ ०।२६	२७।५८।२९	- ०।५१	१६।१५	+ ३।१६	१५।३८।१८	- ०।१८	-१४।५०	७।५२।५४
१९।१०	४।२१।५०।५८	उफा ३-११।१७	४-१७।५१	हस्त १-२४।२६	. .. ..	. .. ..	२९।२१	- ५।३५	२८।३९।०२	- १।५७	१६।४३	- २।४२	१६।१८।२०	- १।२५	-१५।०१	७।५७।२७
२०।१०	४।२१।४७।४७	हस्त २- ७।०२	३-१३।३९	४-२०।१७	चित्रा १-२६।५६	. .. ..	३०।१४	-११।१९	२९।२०।०१	- २।५६	१७।१०	- ८।३०	१६।५८।१८	- २।२७	-१५।१२	८।०२।००
२१।१०	४।२१।४४।३६	चित्रा २- १।३६	३-१६।१६	४-२२।५७	स्वा. १-२९।३९	. .. ..	. . .	. . . .	. . .	. . .	१७।३९	-१३।५६	१७।३९।०९	- ३।२२	-१५।२२	८।०६।३३

संवत् २०८२: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टा: (राशि-अंश-कला-विकलादी) सगतिका: (कला-विकलादी) ता. २२। १०।२०२५ से पश्चांत

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
२२।१०	६।३८	६।०४।४०।५३	५९।४४	६।१०।२९।२५	७१४।३१	६।२६।१२।५५	४२।१२	६।२७।२३।०४	७५।५९	३।००।०८।२१	३।४१	५।१५।५३।४४	७४।५०	११।०२।०५।३४	३।२९व	१०।२१।४१।२५	३।११
२३।१०	६।३९	६।०५।४०।३७	५९।४६	६।२२।२३।५६	७११।५५	६।२६।५५।०७	४२।१६	६।२८।३९।०३	७४।२४	३।००।१२।१०	३।३८	५।१७।०८।३४	७४।५२	११।०२।०२।०५	३।२४व	१०।२१।३८।१४	३।११
२४।१०	६।४०	६।०६।४०।२४	५९।४८	७।०४।१५।५१	७११।०४	६।२७।३७।२३	४२।१९	६।२९।५३।२७	७३।३८	३।००।१५।४९	३।२७	५।१८।२३।२५	७४।५४	११।०१।५८।४१	३।२०व	१०।२१।३५।०४	३।११
२५।१०	६।४०	६।०७।४०।१२	५९।५०	७।१६।०६।५५	७१२।४१	६।२८।१९।४२	४२।२३	७।०१।०६।०५	७०।४१	३।००।१९।१६	३।१६	५।१९।३८।१९	७४।५५	११।०१।५५।२२	३।१५व	१०।२१।३१।५३	३।११
२६।१०	६।४१	६।०८।४०।०२	५९।५२	७।२७।५९।३६	७१७।३४	६।२९।०२।०५	४२।२७	७।०२।१६।४६	६८।३२	३।००।२२।३३	३।०६	५।२०।५३।१४	७४।५७	११।०१।५२।०६	३।१०व	१०।२१।२८।४२	३।११
२७।१०	६।४२	६।०९।३९।५४	५९।५४	८।०९।५७।१०	७२६।२१	६।२९।४४।३२	४२।३१	७।०३।२५।१८	६६।०९	३।००।२५।३९	२।५४	५।२२।०८।१२	७४।५९	११।०१।४८।५७	३।०६व	१०।२१।२५।३१	३।११
२८।१०	६।४२	६।१०।३९।४९	५९।५६	८।२२।०३।३१	७३९।२९	७।००।२७।०३	४२।३४	७।०४।३१।२७	६३।३१	३।००।२८।३३	२।४३	५।२३।२३।११	७५।०१	११।०१।४५।५१	३।०१व	१०।२१।२२।२०	३।११
२९।१०	६।४३	६।११।३९।४५	५९।५८	९।०४।२३।००	७५७।०४	७।०१।०९।३७	४२।३८	७।०५।३४।५९	६०।३७	३।००।३१।१६	२।३१	५।२४।३८।१२	७५।०२	११।०१।४२।५०	२।५६व	१०।२१।१९।०९	३।११
३०।१०	६।४४	६।१२।३९।४३	६०।००	९।१७।००।०४	७७८।५४	७।०१।५२।१५	४२।४२	७।०६।३५।३६	५७।२५	३।००।३३।४७	२।२०	५।२५।५३।१४	७५।०४	११।०१।३९।५४	२।५१व	१०।२१।१५।५८	३।११
३१।१०	६।४४	६।१३।३९।४३	६०।०२	९।२९।५८।५८	८०४।२०	७।०२।३४।५७	४२।४५	७।०७।३३।००	५३।५२	३।००।३६।०८	२।०९	५।२७।०८।१८	७५।०६	११।०१।३७।०४	२।४६व	१०।२१।१२।४८	३।११
१।११	६।४५	६।१४।३९।४५	६०।०४	१०।१३।२३।१८	८३२।११	७।०३।१७।४२	४२।४९	७।०८।२६।५२	४९।५७	३।००।३८।१६	१।५७	५।२८।२३।२४	७५।०७	११।०१।३४।१८	२।४०व	१०।२१।०९।३७	३।११
२।११	६।४६	६।१५।३९।४९	६०।०६	१०।२७।१५।२९	८६०।३०	७।०४।००।३१	४२।५३	७।०९।१६।४९	४५।३८	३।००।४०।१३	१।४५	५।२९।३८।३१	७५।०९	११।०१।३१।३८	२।३५व	१०।२१।०६।२६	३।११
३।११	६।४६	६।१६।३९।५४	६०।०८	११।११।३६।००	८८६।३२	७।०४।४३।२३	४२।५६	७।१०।०२।२७	४०।५२	३।००।४१।५९	१।३४	६।००।५३।४०	७५।१०	११।०१।२९।०३	२।२९व	१०।२१।०३।१५	३।११
४।११	६।४७	६।१७।४०।०२	६०।१०	११।२६।२२।३२	९०६।५६	७।०५।२६।२०	४३।००	७।१०।४३।१९	३५।३७	३।००।४३।३४	१।२२	६।०२।०८।५०	७५।११	११।०१।२६।३४	२।२४व	१०।२१।००।०४	३।११
५।११	६।४८	६।१८।४०।१२	६०।११	०।११।२९।२९	९१८।२९	७।०६।०९।२०	४३।०४	७।११।१८।५६	२९।५१	३।००।४४।५६	१।१०	६।०३।२४।०१	७५।१३	११।०१।२४।०९	२।१९व	१०।२०।५६।५३	३।११

निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में							चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
२२।१०	४।२१।४१।२५	स्वा. २-१२।२२	३-१९।०५	४-२५।४८	. .. ..	. .. ..	७।०९	-१६।३९	६।०२।२१	- ४।२६	१८।१०	-१८।४८	१८।२१।४५	- ४।०७	-१५।३२	८।११।०७
२३।१०	४।२१।३८।१४	विशा १- ८।३२	२-१५।१७	३-२२।०१	४-२८।४६	. .. ..	८।०४	-२१।०२	६।४६।४५	- ४।५२	१८।४५	-२२।५३	१९।०६।४०	- ४।४०	-१५।४०	८।१५।४३
२४।१०	४।२१।३५।०४	अनु १-११।३२	२-१८।१७	३-२५।०२	. .. ..	. .. ..	९।०१	-२४।५१	७।३३।५४	- ४।५४	१९।२५	-२५।५९	१९।५४।११	- ५।०१	-१५।४८	८।२०।१७
२५।१०	४।२१।३१।५३	अनु ४- ७।४७	ज्ये १-१४।३२	२-२१।१६	३-२८।००	. .. ..	९।५७	-२७।१७	८।२३।२०	- ५।०७	२०।०९	-२७।५४	२०।४४।०४	- ५।०८	-१५।५६	८।२४।५३
२६।१०	४।२१।२८।४२	ज्ये ४-१०।४३	मूल १-१७।२६	२-२४।०७	. .. ..	. .. ..	१०।५१	-२८।२४	९।१४।३५	- ५।०६	२०।५९	-२८।२८	२१।३५।३९	- ५।०२	-१६।०२	८।२९।२८
२७।१०	४।२१।२५।३१	मूल ३- ६।४७	४-१३।२६	पूषा १-२०।०३	२-२६।३९	. .. ..	११।४२	-२८।०७	१०।०६।३८	- ४।५१	२१।४४	-२७।३६	२२।२७।५१	- ४।४१	-१६।०८	८।३४।०५
२८।१०	४।२१।२२।२०	पूषा ३- ९।१३	४-१५।४४	उषा १-२२।१४	२-२८।४१	. .. ..	१२।२९	-२६।२४	१०।५८।२०	- ४।२२	२२।५२	-२५।११	२३।१९।३५	- ४।०६	-१६।१३	८।३८।४१
२९।१०	४।२१।१९।०९	उषा ३-११।०६	४-१७।२९	श्रव १-२३।४९	२-३०।०६	. .. ..	१३।११	-२३।१८	११।४८।४७	- ३।३९	२३।५२	-२१।४०	२४।१०।०३	- ३।१८	-१६।१८	८।४३।१९
३०।१०	४।२१।१५।५८	श्रव ३-१२।२०	४-१८।३२	धनि १-२४।४०	. .. ..	. .. ..	१३।५०	-१८।५९	१२।३७।३६	- २।४४	२४।५२	-१६।४९	२४।५९।०२	- २।१८	-१६।२१	८।४७।५६
३१।१०	४।२१।१२।४८	धनि २- ६।४६	३-१२।४९	४-१८।४९	शत १-२४।४५	२-३०।३९	१४।२४	-१३।३६	१३।२४।५९	- १।३९	२५।५३	-१०।५७	२५।४६।५३	- १।०७	-१६।२४	८।५२।३५
१।११	४।२१।०९।३७	शत ३-१२।३०	४-१८।१८	पूभा १-२४।०३	२-२९।४५	. .. ..	१४।५७	- ७।२३	१४।११।३६	- ०।२५	२६।५५	- ४।११	२६।३४।२८	+ ०।१०	-१६।२६	८।५७।१३
२।११	४।२१।०६।२६	पूभा ३-११।२५	४-१७।०२	उभा १-२२।३६	२-२८।०८	. .. ..	१५।३०	- ०।३६	१४।५८।३२	+ ०।५२	२७।५९	+ २।४६	२७।२३।०२	+ १।२९	-१६।२८	९।०१।५२
३।११	४।२१।०३।१५	उभा ३- ९।३७	४-१५।०५	रेव १-२०।३०	२-२५।५४	. .. ..	१६।०३	+ ६।२६	१५।४७।०५	+ २।०८	२९।०५	+ ९।४५	२८।१४।०१	+ २।४४	-१६।२८	९।०६।३१
४।११	४।२१।००।०४	रेव ३- ७।१५	४-१२।३५	अश्वि १-१७।५४	२-२३।११	३-२८।२७	१६।४०	+१३।११	१६।३८।४०	+ ३।१७	३०।१५	+१६।३८	२९।०८।५०	+ ३।४७	-१६।२८	९।११।११
५।११	४।२०।५६।५३	अश्वि ४- १।४२	भर १-१४।५६	२-२०।१०	३-२५।२३	४-३०।३६	१७।२२	+१९।२९	१७।३४।३३	+ ४।१२	. . .	. . .	. . .	. . .	-१६।२६	९।१५।५१

संवत् २०८२ स्टे. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टा: (राशि-अंश-कला-विकलादी) सगतिका: (कला-विकलादी) ता. ६। ११।२०२५ से पश्चात

ता. मा.	सू. उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
६।११	६।४९	६।१९।४०।२३	६०।१३	०।२६।४७।५५	९१८।५७	७।०६।५२।२३	४३।०७	७।११।४८।४७	२३।३२	३।००।४६।०६	०।५९	६।०४।३९।१४	७५।१४	११।०१।२१।५१	२।१३व	१०।२०।५३।४२	३।११
७।११	६।४९	६।२०।४०।३६	६०।१५	१।१२।०६।५४	९०८।०३	७।०७।३५।३०	४३।११	७।१२।१२।१९	१६।३७	३।००।४७।०५	०।४७	६।०५।५४।२८	७५।१५	११।०१।१९।३८	२।०७व	१०।२०।५०।३१	३।११
८।११	६।५०	६।२१।४०।५१	६०।१७	१।२७।१४।५८	८८७।३७	७।०८।१८।४१	४३।१४	७।१२।२८।५६	९।०६	३।००।४७।५१	०।३५	६।०७।०९।४३	७५।१६	११।०१।१७।३०	२।०२व	१०।२०।४७।२१	३।११
९।११	६।५१	६।२२।४१।०८	६०।१९	२।१२।०२।३४	८६०।५६	७।०९।०१।५६	४३।१८	७।१२।३८।०२	०।५८	३।००।४८।२६	०।२३	६।०८।२४।५९	७५।१७	११।०१।१५।२९	१।५६व	१०।२०।४४।१०	३।११
१०।११	६।५१	६।२३।४१।२७	६०।२०	२।२६।२३।३०	८३१।४७	७।०९।४५।१४	४३।२२	७।१२।३९।००	७।४६व	३।००।४८।४९	०।११	६।०९।४०।१६	७५।१९	११।०१।१३।३३	१।५०व	१०।२०।४०।५९	३।११
११।११	६।५२	६।२४।४१।४७	६०।२२	३।१०।१५।१७	८०३।२४	७।१०।२८।३५	४३।२५	७।१२।३१।१४	१७।०१व	३।००।४९।००	०।००	६।१०।५५।३५	७५।२०	११।०१।११।४३	१।४३व	१०।२०।३७।४८	३।११
१२।११	६।५३	६।२५।४२।०९	६०।२४	३।२३।३८।४२	७७८।०३	७।११।१२।००	४३।२९	७।१२।१४।१३	२६।४१व	३।००।४९।००	०।१३व	६।१२।१०।५५	७५।२०	११।०१।१०।००	१।३८व	१०।२०।३४।३७	३।११
१३।११	६।५४	६।२६।४२।३३	६०।२५	४।०६।३६।४४	७५६।५५	७।११।५५।२९	४३।३२	७।११।४७।३२	३६।३७व	३।००।४८।४७	०।२५व	६।१३।२६।१५	७५।२१	११।०१।०८।२२	१।३२व	१०।२०।३१।२६	३।११
१४।११	६।५५	६।२७।४२।५८	६०।२७	४।१९।१३।३९	७४०।२२	७।१२।३९।०१	४३।३६	७।११।१०।५५	४६।३९व	३।००।४८।२२	०।३७व	६।१४।४१।३६	७५।२२	११।०१।०६।५०	१।२६व	१०।२०।२८।१५	३।११
१५।११	६।५५	६।२८।४३।२५	६०।२९	५।०१।३४।०१	७२८।१७	७।१३।२२।३७	४३।३९	७।१०।२४।२४	५६।०३व	३।००।४७।४४	०।४९व	६।१५।५६।५९	७५।२३	११।०१।०५।२४	१।२०व	१०।२०।२५।०४	३।११
१६।११	६।५६	६।२९।४३।५४	६०।३०	५।१३।४२।१८	७२०।०८	७।१४।०६।१६	४३।४३	७।०९।२८।२१	६४।४८व	३।००।४६।५५	१।०१व	६।१७।१२।२२	७५।२४	११।०१।०४।०४	१।१३व	१०।२०।२१।५४	३।११
१७।११	६।५७	७।००।४४।२४	६०।३२	५।२५।४२।२६	७१५।१४	७।१४।४९।५९	४३।४६	७।०८।२३।३३	७२।१७व	३।००।४५।५४	१।१३व	६।१८।२७।४६	७५।२५	११।०१।०२।५१	१।०७व	१०।२०।१८।४३	३।११
१८।११	६।५८	७।०१।४४।५६	६०।३३	६।०७।३७।४०	७१२।४९	७।१५।३३।४५	४३।५०	७।०७।११।१६	७७।५८व	३।००।४४।४१	१।२४व	६।१९।४३।११	७५।२५	११।०१।०१।४३	१।०१व	१०।२०।१५।३२	३।११
१९।११	६।५८	७।०२।४५।३०	६०।३५	६।१९।३०।३०	७१२।११	७।१६।१७।३५	४३।५३	७।०५।५३।१८	८१।२४व	३।००।४३।१७	१।३७व	६।२०।५८।३६	७५।२६	११।०१।००।४३	०।५५व	१०।२०।१२।२१	३।११
२०।११	६।५९	७।०३।४६।०५	६०।३७	७।०१।२२।४०	७१२।४९	७।१७।०१।२८	४३।५७	७।०४।३१।५४	८२।१४व	३।००।४१।४०	१।४९व	६।२२।१४।०३	७५।२७	११।००।५९।४८	०।४९व	१०।२०।०९।१०	३।११

निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. मै							
ता. मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण		चरण
६।११	४।२०।५३।४२	कृति १-११।४९	२-१७।०२	३-२२।१६	४-२७।३०		. .. ..
७।११	४।२०।५०।३१	रोहि १- ८।४४	२-१४।००	३-१९।१७	४-२४।३५	मृग	१-२९।५४
८।११	४।२०।४७।२१	मृग २-११।१५	३-१६।३८	४-२२।०३	आर्द्रा १-२७।२९		. .. ..
९।११	४।२०।४४।१०	आर्द्रा २- ८।५८	३-१४।३०	४-२०।०४	पुन १-२५।४०		. .. ..
१०।११	४।२०।४०।५९	पुन २- ७।२०	३-१३।०२	४-१८।४७	पुष्य १-२४।३४		२-३०।२५
११।११	४।२०।३७।४८	पुष्य ३-१२।१९	४-१८।१६	श्ले १-२४।१६	२-३०।१९		. .. ..
१२।११	४।२०।३४।३७	श्ले ३-१२।२५	४-१८।३४	मघा १-२४।४५	. .. ..		. .. ..
१३।११	४।२०।३१।२६	मघा २- ७।००	३-१३।१७	४-१९।३७	पूफा १-२५।५९		. .. ..
१४।११	४।२०।२८।१५	पूफा २- ८।२४	३-१४।५१	४-२१।२०	उफा १-२७।५१		. .. ..
१५।११	४।२०।२५।०४	उफा २-१०।२४	३-१६।५८	४-२३।३४	हस्त १-३०।१२		. .. ..
१६।११	४।२०।२१।५४	हस्त २-१२।५०	३-१९।३०	४-२६।११	. .. ..		. .. ..
१७।११	४।२०।१८।४३	चित्रा १- ८।५३	२-१५।३५	३-२२।१८	४-२९।०१		. .. ..
१८।११	४।२०।१५।३२	स्वा. १-११।४५	२-१८।२९	३-२५।१४	. .. ..		. .. ..
१९।११	४।२०।१२।२१	स्वा. ४- ७।५८	विशा १-१४।४३	२-२१।२७	३-२८।१२		. .. ..
२०।११	४।२०।०९।१०	विशा ४-१०।५७	अनु १-१७।४१	२-२४।२५	. .. ..		. .. ..

चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
१८।१०	+२४।२४	१८।३५।१७	+ ४।४९	७।२९	+२२।२५	६।०८।३२	+ ४।४९	-१६।२४	९।२०।३१
१९।०६	+२७।२८	१९।४०।०४	+ ५।०३	८।४३	+२६।१६	७।१२।१५	+ ५।०३	-१६।२१	९।२५।१२
२०।१०	+२८।२२	२०।४६।११	+ ४।५५	९।५६	+२८।१७	८।११।२९	+ ५।०१	-१६।१८	९।२९।५४
२१।१८	+२७।०४	२१।५०।३३	+ ४।२७	११।००	+२७।४९	९।२४।५१	+ ४।४०	-१६।१३	९।३४।३५
२२।२६	+२३।५५	२२।५०।०२	+ ३।४१	११।५४	+२५।२१	१०।२५।५५	+ ४।०१	-१६।०८	९।३९।१७
२३।३१	+१९।२४	२३।४३।४३	+ २।४३	१२।३९	+२१।२३	११।२१।१२	+ ३।०८	-१६।०२	९।४३।५९
२४।३२	+१४।०२	२४।३२।०६	+ १।३७	१३।१७	+१६।२४	१२।१०।५३	+ २।०६	-१५।५४	९।४८।४२
२५।२९	+ ८।१०	२५।१६।२७	+ ०।२८	१३।४९	+१०।४९	१२।५६।०३	+ ०।५९	-१५।४६	९।५३।२४
२६।२४	+ २।०८	२५।५८।११	- ०।४०	१४।१९	+ ४।५६	१३।३८।०३	- ०।०९	-१५।३८	९।५८।०७
२७।१७	- ३।५२	२६।३८।४०	- १।४५	१४।४६	- १।०१	१४।१८।१६	- १।१५	-१५।२८	१०।०२।५०
२८।१०	- ९।३८	२७।१९।११	- २।४४	१५।१४	- ६।४९	१४।५७।५७	- २।१६	-१५।१७	१०।०७।३४
२९।०३	-१४।५९	२८।००।४७	- ३।३५	१५।४२	-१२।११	१५।३८।१२	- ३।१०	-१५।०६	१०।१२।१७
२९।५८	-१९।४३	२८।४४।२१	- ४।११	१६।१२	-१७।११	१६।१९।५९	- ३।४४	-१४।५४	१०।१७।०१
३०।५४	-२३।३७	२९।३०।२७	- ४।४३	१६।४६	-२१।३७	१७।०४।०२	- ४।३०	-१४।४१	१०।२१।४५
. . .	. . .	. . .	. . .	१७।२४	-२५।०२	१७।५०।४७	- ४।५२	-१४।२७	१०।२६।२८

संवत् २०८२ स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टा: (राशि-अंश-कला-विकलादी) सगतिका: (कला-विकलादी) ता. २१। ११।२०२५ से पश्चात

ता.मा.	शु.प.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
२१।११	७।००	७।०४।४६।४१	६०।३८	७।१३।१५।३०	७१४।३६	७।१७।४५।२५	४४।००	७।०३।०९।४०	८०।१८व	३।००।३९।५१	२।०१व	६।२३।२९।३०	७५।२८	११।००।५८।५९	०।४२व	१०।२०।०५।५९	३।११
२२।११	७।०१	७।०५।४७।११	६०।३९	७।२५।१०।०६	७१७।४३	७।१८।२९।२५	४४।०३	७।०१।४९।२२	७५।३८व	३।००।३७।५०	२।१३व	६।२४।४४।५७	७५।२८	११।००।५८।१७	०।३६व	१०।२०।०२।४८	३।११
२३।११	७।०२	७।०६।४७।५१	६०।४१	८।०७।०७।४९	७२२।४२	७।१९।१३।२९	४४।०७	७।००।३३।४४	६८।२८व	३।००।३५।३७	२।२५व	६।२६।००।२५	७५।२९	११।००।५७।४१	०।२९व	१०।१९।५९।३७	३।११
२४।११	७।०२	७।०७।४८।४०	६०।४२	८।१९।१०।३१	७३०।०९	७।१९।५७।३६	४४।१०	६।२९।२५।१६	५९।१५व	३।००।३३।१२	२।३६व	६।२७।१५।५४	७५।२९	११।००।५७।१२	०।२३व	१०।१९।५६।२७	३।११
२५।११	७।०३	७।०८।४९।२२	६०।४४	९।०१।२०।४०	७४०।४३	७।२०।४१।४६	४४।१४	६।२८।२६।००	४८।३२व	३।००।३०।३६	२।४७व	६।२८।३१।२३	७५।३०	११।००।५६।४९	०।१६व	१०।१९।५३।१६	३।११
२६।११	७।०४	७।०९।५०।०६	६०।४५	९।१३।४१।२३	७५४।५५	७।२१।२६।००	४४।१७	६।२७।३७।२८	३६।५३व	३।००।२७।४९	३।००व	६।२९।४६।५३	७५।३०	११।००।५६।३३	०।१०व	१०।१९।५०।०४	३।११
२७।११	७।०५	७।१०।५०।५१	६०।४६	९।२६।१६।१७	७७३।०४	७।२२।१०।१६	४४।२०	६।२७।००।३६	२४।५१व	३।००।२४।५०	३।११व	७।०१।०२।२३	७५।३१	११।००।५६।२३	०।०४व	१०।१९।४६।५४	३।११
२८।११	७।०६	७।११।५१।३७	६०।४८	१०।०९।०९।२१	७९५।०९	७।२२।५४।३७	४४।२४	६।२६।३५।४५	१२।५४व	३।००।२१।३९	३।२३व	७।०२।१७।५४	७५।३१	११।००।५६।१९	०।०३	१०।१९।४३।४३	३।११
२९।११	७।०६	७।१२।५२।२५	६०।४९	१०।२२।२४।३०	८२०।३९	७।२३।३९।००	४४।२७	६।२६।२२।५१	१।२६व	३।००।१८।१६	३।३४व	७।०३।३३।२५	७५।३१	११।००।५६।२२	०।०९	१०।१९।४०।३२	३।११
३०।११	७।०७	७।१३।५३।१४	६०।५०	११।०६।०५।०८	८४८।११	७।२४।२३।२७	४४।३०	६।२६।२१।२६	९।२०	३।००।१४।४३	३।४५व	७।०४।४८।५६	७५।३२	११।००।५६।३१	०।१६	१०।१९।३७।२१	३।११
१।१२	७।०८	७।१४।५४।०४	६०।५१	११।२०।१३।२०	८७५।२५	७।२५।०७।५७	४४।३३	६।२६।३०।४५	१९।१२	३।००।१०।५८	३।५६व	७।०६।०४।२८	७५।३२	११।००।५६।४७	०।२२	१०।१९।३४।११	३।११
२।१२	७।०९	७।१५।५४।५५	६०।५२	०।०४।४८।४५	८९८।५८	७।२५।५२।३१	४४।३७	६।२६।४९।५७	२८।०७	३।००।०७।०२	४।०६व	७।०७।२०।००	७५।३२	११।००।५७।०९	०।२९	१०।१९।३१।००	३।११
३।१२	७।०९	७।१६।५५।४८	६०।५४	०।१९।४७।४३	९१५।०८	७।२६।३७।०८	४४।४०	६।२७।१८।०४	३६।०४	३।००।०२।५६	४।१८व	७।०८।३५।३२	७५।३३	११।००।५७।३९	०।३५	१०।१९।२७।४८	३।११
४।१२	७।१०	७।१७।५६।४१	६०।५५	१।०५।०२।५१	९२०।४८	७।२७।२१।४७	४४।४३	६।२७।५४।०९	४३।०७	२।२९।५८।३८	४।२८व	७।०९।५१।०४	७५।३३	११।००।५८।१४	०।४२	१०।१९।२४।३८	३।११

निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में							चंद्रोदय चंद्रक्रांति मध्यमचंद्रो. चंद्रशर				चंद्रास्त चंद्रक्रांति मध्यमचंद्रा. चंद्रशर				वेलान्तर	सांपातिक
ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
२१।११	४।२०।०५।५९	अनु ३- ७।०९	४-१३।५३	ज्ये १-२०।३६	२-२७।१९	. .. ..	७।५०	-२६।२८	६।११।१४	- ५।००	१८।०७	-२७।१८	१८।४०।०८	- ५।०१	-१४।१२	१०।३१।१२
२२।११	४।२०।०२।४८	ज्ये ३-१०।०२	४-१६।४४	मूल १-२३।२५	२-३०।०६	. .. ..	८।४५	-२८।००	७।०९।५०	- ४।४९	१८।५५	-२८।१७	१९।३१।२५	- ४।५७	-१३।५७	१०।३५।५६
२३।११	४।१९।५९।३७	मूल ३-१२।४६	४-१९।२५	पूषा १-२६।०३	. .. ..	. .. ..	९।३८	-२८।१२	८।०२।२०	- ४।४७	१९।४९	-२७।५१	२०।२३।३१	- ४।३८	-१३।४१	१०।४०।४१
२४।११	४।१९।५६।२७	पूषा २- ८।४१	३-१५।१७	४-२१।५१	उषा १-२८।२५	. .. ..	१०।२६	-२६।५४	८।५४।०२	- ४।२१	२०।४५	-२६।००	२१।१५।०७	- ४।०६	-१३।२४	१०।४५।२४
२५।११	४।१९।५३।१६	उषा २-१०।५७	३-१७।२७	४-२३।४६	श्रव १-३०।२३	. .. ..	११।०९	-२४।१५	९।४४।२१	- ३।४१	२१।४४	-२२।४९	२२।०५।१६	- ३।२२	-१३।०६	१०।५०।०८
२६।११	४।१९।५०।०४	श्रव २-१२।४८	३-१९।१०	४-२५।३१	. .. ..	. .. ..	११।४८	-२०।२४	१०।३२।४३	- २।५१	२२।४३	-१८।२७	२२।५३।३३	- २।२६	-१२।४७	१०।५४।५२
२७।११	४।१९।४६।५४	धनि १- ७।४९	२-१४।०५	३-२०।१९	४-२६।३०	. .. ..	१२।२३	-१५।३१	११।१९।१३	- १।५०	२३।४२	-१३।०५	२३।४०।११	- १।२१	-१२।२८	१०।५९।३५
२८।११	४।१९।४३।४३	शत १- ८।३९	२-१४।४४	३-२०।४७	४-२६।४८	. .. ..	१२।५५	- ९।४७	१२।०४।२४	- ०।४२	२४।४१	- ६।५८	२४।२५।५९	०।०९	-१२।०८	११।०४।१८
२९।११	४।१९।४०।३२	पूभा १- ८।४५	२-१४।४०	३-२०।३२	४-२६।२१	. .. ..	१३।२७	- ३।२७	१२।४९।१७	+ ०।३०	२५।४१	- ०।११	२५।१२।०४	+ १।०५	-११।४७	११।०९।०१
३०।११	४।१९।३७।२१	उभा १- ८।०७	२-१३।५१	३-१९।३२	४-२५।१०	रेव १-३०।४६	१३।५८	+ ३।१४	१३।३५।०७	+ १।४३	२६।४४	+ ६।३५	२५।५९।४३	+ २।१८	-११।२६	११।१३।४५
१।१२	४।१९।३४।११	रेव २-१२।१९	३-१७।५०	४-२३।१८	अश्वि १-२८।४४	. .. ..	१४।३२	+१०।००	१४।२३।२२	+ २।५२	२७।५०	+१३।२०	२६।५१।०१	+ ३।२३	-११।०४	११।१८।२७
२।१२	४।१९।३१।००	अश्वि २-१०।०९	३-१५।३१	४-२०।५२	भर १-२६।११	. .. ..	१५।१०	+१६।२४	१५।१५।३४	+ ३।५०	२९।००	+१९।२८	२७।४६।५५	+ ४।१६	-१०।४१	११।२३।०९
३।१२	४।१९।२७।४८	भर २- ७।२९	३-१२।४५	४-१८।०१	कृति १-२३।१५	२-२८।२९	१५।५४	+२१।५७	१६।१२।५५	+ ४।३४	३०।१४	+२४।२३	२८।४८।१९	+ ४।४९	-१०।१८	११।२७।५१
४।१२	४।१९।२४।३८	कृति ३- ९।४२	४-१४।५५	रोहि १-२०।०८	२-२५।२१	३-३०।३४	१६।४६	+२६।०१	१७।१५।४३	+ ४।५७	. . .	. . .	. . .	. . .	- ९।५४	११।३२।३२

संवत् २०८२ ई. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टा: (राशि-अंश-कला-विकलादी) सगतिका: (कला-विकलादी) ता. ५।१२।२०२५ से पश्चात

ता.मा.	शु.ता.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
५।१२	७।११	७।१८।५७।३६	६०।५६	१।२०।२३।३९	९१४।३५	७।२८।०६।३०	४४।४६	६।२८।३७।१५	४९।१७	२।२९।५४।१०	४।३९व	७।११।०६।३७	७५।३३	११।००।५८।५६	०।४८	१०।१९।२१।२७	३।११
६।१२	७।१२	७।१९।५८।३२	६०।५७	२।०५।३८।१४	८९७।२२	७।२८।५१।१७	४४।४९	६।२९।२६।३३	५४।४१	२।२९।४९।३५	४।४९व	७।१२।२२।१०	७५।३३	११।००।५९।४४	०।५५	१०।१९।१८।१६	३।११
७।१२	७।१२	७।२०।५९।२८	६०।५८	२।२०।३५।३६	८७२।००	७।२९।३६।०६	४४।५२	७।००।२१।१४	५९।२४	२।२९।४४।४१	४।५९व	७।१३।३७।४३	७५।३३	११।०१।००।३८	१।०१	१०।१९।१५।०५	३।११
८।१२	७।१३	७।२२।००।२६	६०।५९	३।०५।०७।३६	८४२।१८	८।००।२०।५८	४४।५५	७।०१।२०।३८	६३।३०	२।२९।३९।४२	५।०९व	७।१४।५३।१७	७५।३४	११।०१।०१।३९	१।०८	१०।१९।११।५४	३।११
९।१२	७।१४	७।२३।०१।२५	६१।००	३।१९।०९।५४	८११।५५	८।०१।०५।५४	४४।५९	७।०२।२४।०८	६७।०५	२।२९।३४।३३	५।१९व	७।१६।०८।५०	७५।३४	११।०१।०२।४७	१।१४	१०।१९।०८।४४	३।११
१०।१२	७।१४	७।२४।०२।२४	६१।००	४।०२।४१।४९	७८३।४१	८।०१।५०।५२	४५।०२	७।०३।३१।१३	७०।१२	२।२९।२९।१३	५।२८व	७।१७।२४।२४	७५।३४	११।०१।०४।०१	१।२१	१०।१९।०५।३३	३।११
११।१२	७।१५	७।२५।०३।२५	६१।०१	४।१५।४५।३०	७५९।२३	८।०२।३५।५४	४५।०५	७।०४।४१।२५	७२।५५	२।२९।२३।४६	५।३८व	७।१८।३९।५८	७५।३४	११।०१।०५।२२	१।२७	१०।१९।०२।२२	३।११
१२।१२	७।१६	७।२६।०४।२६	६१।०२	४।२८।२४।५३	७३९।५५	८।०३।२०।५९	४५।०८	७।०५।५४।२०	७५।१७	२।२९।१८।०७	५।४७व	७।१९।५५।३२	७५।३४	११।०१।०६।४९	१।३३	१०।१८।५९।११	३।११
१३।१२	७।१६	७।२७।०५।२८	६१।०३	५।१०।४४।४८	७२५।३३	८।०४।०६।०६	४५।११	७।०७।०९।३७	७७।२३	२।२९।१२।२०	५।५६व	७।२१।११।०६	७५।३४	११।०१।०८।२२	१।३९	१०।१८।५६।००	३।११
१४।१२	७।१७	७।२८।०६।३१	६१।०४	५।२२।५०।२१	७१६।१०	८।०४।५१।१७	४५।१४	७।०८।२७।००	७९।११	२।२९।०६।२३	६।०५व	७।२२।२६।४०	७५।३४	११।०१।१०।०१	१।४६	१०।१८।५२।४९	३।११
१५।१२	७।१८	७।२९।०७।३४	६१।०४	६।०४।४६।३१	७११।१६	८।०५।३६।३०	४५।१६	७।०९।४६।११	८०।४७	२।२९।००।१८	६।१४व	७।२३।४२।१४	७५।३४	११।०१।११।४७	१।५२	१०।१८।४९।३८	३।११
१६।१२	७।१८	८।००।०८।३९	६१।०५	६।१६।३७।४६	७१०।०८	८।०६।२१।४७	४५।१९	७।११।०६।५८	८२।१७	२।२८।५४।०५	६।२२व	७।२४।५७।४८	७५।३४	११।०१।१३।३९	१।५८	१०।१८।४६।२७	३।११
१७।१२	७।१९	८।०१।०९।४४	६१।०६	६।२८।२७।५५	७११।५६	८।०७।०७।०६	४५।२२	७।१२।२९।१५	८३।२५	२।२८।४७।४३	६।३०व	७।२६।१३।२२	७५।३४	११।०१।१५।३७	२।०४	१०।१८।४३।१७	३।११
१८।१२	७।१९	८।०२।१०।४९	६१।०६	७।१०।११।५१	७१९।४५	८।०७।५२।२८	४५।२५	७।१३।५२।४०	८४।३१	२।२८।४१।१३	६।३८व	७।२७।२८।५६	७५।३४	११।०१।१७।४१	२।११	१०।१८।४०।०६	३।११
१९।१२	७।२०	८।०३।११।५५	६१।०७	७।२२।११।३६	७२०।५१	८।०८।३७।५३	४५।२८	७।१५।१७।०६	८५।२९	२।२८।३४।३५	६।४५व	७।२८।४४।३१	७५।३४	११।०१।१९।५२	२।१७	१०।१८।३६।५५	३।११

	निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में						चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
५।१२	४।१९।२१।२७	रोहि ४-११।४७	मृग १-१७।०१	२-२२।१६	३-२७।३२	.. .. ..	१७।४७	+२८।०५	१८।२२।२९	+ ४।५८	७।२९	+२७।३१	५।५४।४७	+ ४।५८	- ९।२९	११।३७।१३
६।१२	४।१९।१८।१६	मृग ४-८।५०	आर्द्रा १-१४।०८	२-१९।२८	३-२४।५०	४-३०।१४	१८।५५	+२७।५१	१९।२९।५२	+ ४।३६	८।३८	+२८।१४	७।०२।०५	+ ४।३६	- ९।०४	११।४१।५४
७।१२	४।१९।१५।०५	पुन १-११।४०	२-१७।०९	३-२२।३९	४-२८।१३	.. .. ..	२०।०६	+२५।२६	२०।३४।०२	+ ३।५४	९।४०	+२६।३७	८।०८।१२	+ ४।१२	- ८।३९	११।४६।३४
८।१२	४।१९।११।५४	पुष्य १- ९।४८	२-१५।२७	३-२१।०९	४-२६।५३	.. .. ..	२१।११	+२१।१९	२१।३२।३२	+ २।५६	१०।३१	+२३।०९	९।०८।२४	+ ३।२१	- ८।१२	११।५१।१३
९।१२	४।१९।०८।४४	श्ले १- ८।४१	२-१४।३२	३-२०।२६	४-२६।२३	.. .. ..	२२।२०	+१६।०३	२२।२४।५६	+ १।५०	११।१३	+१८।२२	१०।०२।२४	+ २।१९	- ७।४६	११।५५।५२
१०।१२	४।१९।०५।३३	मघा १- ८।२३	२-१४।२७	३-२०।३४	४-२६।४४	.. .. ..	२३।२१	+१०।०९	२३।१२।११	+ ०।३९	११।४८	+१२।४७	१०।५०।५२	+ १।१०	- ७।१९	१२।००।३०
११।१२	४।१९।०२।२२	पूफा १- ८।५७	२-१५।१३	३-२१।३२	४-२७।५४	.. .. ..	२४।१७	+ ४।००	२३।५५।४७	०।३२	१२।२०	+ ६।५०	११।३५।०८	- ०।००	- ६।५१	१२।०५।०७
१२।१२	४।१८।५९।११	उफा १-१०।१९	२-१६।४६	३-२३।१६	४-२९।४८	.. .. ..	२५।१२	- २।०७	२४।३७।१४	- १।३९	१२।४८	+ ०।४७	१२।१६।४०	- १।०८	- ६।२४	१२।०९।४३
१३।१२	४।१८।५६।००	हस्त १-१२।२२	२-१८।५९	३-२५।३७	.. .. ..	.. .. ..	२६।०५	- ८।००	२५।१७।५८	- २।३९	१३।१६	- ५।०८	१२।५६।५४	- २।१०	- ५।५६	१२।१४।१९
१४।१२	४।१८।५२।४९	हस्त ४- ८।१६	चित्रा १-१४।५७	२-२१।४०	३-२८।२३	.. .. ..	२६।५८	-१३।२९	२५।५९।१३	- ३।३१	१३।४४	-१०।४५	१३।३७।०५	- ३।०६	- ५।२७	१२।१८।५४
१५।१२	४।१८।४९।३८	चित्रा ४-११।०७	स्वा. १-१७।५२	२-२४।३७	.. .. ..	.. .. ..	२७।५३	-१८।२३	२६।४२।०२	- ४।१२	१४।१४	-१५।५४	१४।१८।१८	- ३।५२	- ४।५८	१२।२३।२७
१६।१२	४।१८।४६।२७	स्वा. ३- ७।२३	४-१४।०६	विशा १-२०।५४	२-२७।४०	.. .. ..	२८।४८	-२२।३२	२७।२७।१३	- ४।४१	१४।४६	-२०।२५	१५।०१।३०	- ४।२७	- ४।२९	१२।२८।०१
१७।१२	४।१८।४३।१७	विशा ३-१०।२५	४-१७।११	अनु १-२३।५५	२-३०।३९	.. .. ..	२९।४४	-२५।४१	२८।१५।०७	- ४।५८	१५।२३	-२४।०५	१५।४७।१९	- ४।५०	- ४।००	१२।३२।३३
१८।१२	४।१८।४०।०६	अनु ३-१३।२३	४-२०।०६	ज्ये १-२६।४८	.. .. ..	.. .. ..	३०।४०	-२७।३९	२९।०५।३३	- ५।०१	१६।०४	-२६।४२	१६।३५।५६	- ५।०१	- ३।३०	१२।३७।०४
१९।१२	४।१८।३६।५५	ज्ये २- ९।२९	३-१६।१०	४-२२।४९	मूल १-२९।२८	.. .. ..	...	...	...	...	१६।५२	-२८।०५	१७।२६।५६	- ४।५८	- ३।०१	१२।४१।३४

संवत् २०८२: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टाः (राशि-अंश-कला-विकलादी) सगतिका: (कला-विकलादी) ता. २०।१२।२०२५ से पर्यंत

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहू	गति
२०।१२	७।२०	८।०४।१३।०२	६१।०७	८।०४।१६।२८	७२६।४९	८।०९।२३।२१	४५।३१	७।१६।४२।३५	८६।२१	२।२८।२७।५०	६।५१व	८।००।००।०५	७५।३४	११।०१।२२।०९	२।२३	१०।१८।३३।४४	३।११
२१।१२	७।२१	८।०५।१४।०९	६१।०८	८।१६।२३।१७	७३३।३४	८।१०।०८।५२	४५।३३	७।१८।०८।५६	८७।०७	२।२८।२०।५९	६।५९व	८।०१।१५।३९	७५।३४	११।०१।२४।३२	२।२९	१०।१८।३०।३३	३।११
२२।१२	७।२१	८।०६।१५।१७	६१।०८	८।२८।३६।५०	७४१।२२	८।१०।५४।२५	४५।३६	७।१९।३६।०२	८७।४७	२।२८।१४।००	७।०५व	८।०२।३१।१३	७५।३४	११।०१।२७।०१	२।३५	१०।१८।२७।२२	३।११
२३।१२	७।२२	८।०७।१६।२५	६१।०८	९।१०।५८।१२	७५०।४३	८।११।४०।०१	४५।३९	७।२१।०३।४९	८८।२३	२।२८।०६।५५	७।१२व	८।०३।४६।४७	७५।३४	११।०१।२९।३६	२।४१	१०।१८।२४।११	३।११
२४।१२	७।२२	८।०८।१७।३३	६१।०९	९।२३।२८।५६	७६२।१३	८।१२।२५।४०	४५।४१	७।२२।३२।१३	८८।५५	२।२७।५९।४३	७।१८व	८।०५।०२।२१	७५।३४	११।०१।३२।१८	२।४७	१०।१८।२१।०१	३।११
२५।१२	७।२३	८।०९।१८।४२	६१।०९	१०।०६।११।०९	७७६।२१	८।१३।११।२१	४५।४४	७।२४।०१।०८	८९।२४	२।२७।५२।२५	७।२४व	८।०६।१७।५४	७५।३४	११।०१।३५।०४	२।५३	१०।१८।१७।५०	३।११
२६।१२	७।२३	८।१०।१९।५१	६१।०९	१०।१९।०७।३०	७९३।२८	८।१३।५७।०५	४५।४७	७।२५।३०।३२	८९।५०	२।२७।४५।०१	७।२९व	८।०७।३३।२८	७५।३४	११।०१।३७।५७	२।५९	१०।१८।१४।३९	३।११
२७।१२	७।२४	८।११।२१।००	६१।१०	११।०२।२०।५७	८१३।२८	८।१४।४२।५२	४५।४९	७।२७।००।२३	९०।१४	२।२७।३७।३२	७।३३व	८।०८।४९।०२	७५।३४	११।०१।४०।५६	३।०५	१०।१८।११।२८	३।११
२८।१२	७।२४	८।१२।२२।१०	६१।१०	११।१५।५४।२५	८३५।३७	८।१५।२८।४१	४५।५२	७।२८।३०।३६	९०।३५	२।२७।२९।५९	७।३८व	८।१०।०४।३५	७५।३३	११।०१।४४।०१	३।११	१०।१८।०८।१७	३।११
२९।१२	७।२४	८।१३।२३।२०	६१।१०	११।२९।५०।०२	८५८।२१	८।१६।१४।३३	४५।५४	८।००।०१।११	९०।५५	२।२७।२२।२०	७।४३व	८।११।२०।०८	७५।३३	११।०१।४७।१२	३।१६	१०।१८।०५।०७	३।११
३०।१२	७।२५	८।१४।२४।३०	६१।१०	०।१४।०८।२३	८७९।०९	८।१७।००।२७	४५।५७	८।०१।३२।०७	९१।१४	२।२७।१४।३७	७।४७व	८।१२।३५।४१	७५।३३	११।०१।५०।२८	३।२२	१०।१८।०१।५६	३।११
३१।१२	७।२५	८।१५।२५।४०	६१।१०	०।२८।४७।३२	८९४।५९	८।१७।४६।२४	४५।५९	८।०३।०३।२१	९१।३३	२।२७।०६।५१	७।५०व	८।१३।५१।१४	७५।३३	११।०१।५३।५०	३।२८	१०।१७।५८।४५	३।११
१।१	७।२५	८।१६।२६।५०	६१।१०	१।१३।४२।३२	९०२।५८	८।१८।३२।२३	४६।०१	८।०४।३४।५४	९१।४९	२।२६।५९।००	८।०४व	८।१५।०६।४७	७५।३३	११।०१।५७।१८	३।३३	१०।१७।५५।३४	३।११
२।१	७।२६	८।१७।२८।००	६१।१०	१।२८।४५।३०	९०१।१६	८।१९।१८।२४	४६।०४	८।०६।०६।४५	९२।०९	२।२६।५०।५६	७।५७व	८।१६।२२।२०	७५।३२	११।०२।०१।१०	३।३९	१०।१७।५२।२४	३।११
३।१	७।२६	८।१८।२९।११	६१।१०	२।१३।४६।४६	८८९।४७	८।२०।०४।२८	४६।०६	८।०७।३८।५५	९२।२८	२।२६।४२।५९	७।५९व	८।१७।३७।५२	७५।३२	११।०२।०४।४९	३।४४	१०।१७।४९।१३	३।११

		निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में					चंद्रोदय चंद्रक्रांति मध्यमचंद्रो. चंद्रशर				चंद्रास्त चंद्रक्रांति मध्यमचंद्रा. चंद्रशर				वेलान्तर	सांपातिक
ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
२०।१२	४।१८।३३।४४	मूल २-१२।०६	३-१८।४३	४-२५।११	...	...	७।३४	-२८।१५	५।५७।५३	-४।२५	१७।४४	-२८।०४	१८।११।१७	-४।४०	-२।३१	१२।४६।०३
२१।१२	४।१८।३०।३३	पूषा १-७।५४	२-१४।२८	३-२१।०१	४-२७।३३	...	८।२४	-२७।२५	६।४१।५८	-३।४८	१८।४०	-२६।३५	१९।११।३५	-४।०९	-२।०१	१२।५०।३०
२२।१२	४।१८।२७।२२	उषा १-१०।०४	२-१६।३४	३-२३।०२	४-२९।२९	...	९।०९	-२५।१५	७।४१।०४	-३।००	१९।३९	-२३।४८	२०।०२।३१	-३।२६	-१।३१	१२।५४।२७
२३।१२	४।१८।२४।११	श्रव १-११।५६	२-१८।२०	३-२४।४४	४-३१।०५	...	९।४९	-२१।२९	८।३०।३२	-२।५५	२०।३८	-१९।४०	२०।५१।२३	-२।३१	-१।०२	१२।५९।२२
२४।१२	४।१८।२१।०१	धनि १-१३।२६	२-१९।४४	३-२६।०२	...	...	१०।२४	-१६।५२	९।१७।२३	-१।५५	२१।३७	-१४।३५	२१।३८।०७	-१।२७	-०।३२	१३।०३।४६
२५।१२	४।१८।१७।५०	धनि ४-८।१७	शत १-१४।३०	२-२०।४२	३-२६।५२	...	१०।५७	-११।२६	१०।०२।२१	-०।४८	२२।३५	-८।४५	२२।२३।११	-०।१७	-०।०२	१३।०८।०९
२६।१२	४।१८।१४।३९	शत ४-९।००	पूभा १-१५।०५	२-२१।०९	३-२७।१०	...	११।२८	-५।२२	१०।४६।१६	+०।२२	२३।३३	-२।२३	२३।०७।५९	+०।५६	+०।२८	१३।१२।३०
२७।१२	४।१८।११।२८	पूभा ४-९।०९	उभा १-१५।०६	२-२१।०१	३-२६।५४	...	११।५८	+१।०३	११।३०।१७	+१।३३	२४।३२	+४।१४	२३।५३।२५	+२।०७	+०।५८	१३।१६।५१
२८।१२	४।१८।०८।१७	उभा ४-८।४४	रेव १-१४।३१	२-२०।१७	३-२६।००	...	१२।३०	+७।३५	१२।१५।४५	+२।४१	२५।३४	+१०।५०	२४।४१।०९	+३।१२	+१।२७	१३।२१।१०
२९।१२	४।१८।०५।०७	रेव ४-७।४१	अश्वि १-१३।२०	२-१८।५७	३-२४।३२	४-३०।०५	१३।०४	+१३।५५	१३।०४।११	+३।४०	२६।४०	+१७।०२	२५।३२।४२	+४।०६	+१।५६	१३।२५।२८
३०।१२	४।१८।०१।५६	भर १-११।३५	२-१७।०५	३-२२।३२	४-२७।५८	...	१३।४४	+१९।४०	१३।५७।००	+४।२६	२७।५०	+२२।२१	२६।२१।२१	+४।४५	+२।२५	१३।२९।४४
३१।१२	४।१७।५८।४५	कृति १-९।२२	२-१४।४६	३-२०।०८	४-२५।२९	रोहि १-३०।४९	१४।३०	+२४।२०	१४।५५।१४	+४।५६	२९।०२	+२६।१४	२७।३१।२७	+५।०३	+२।५४	१३।३३।५८
१।१	४।१७।५५।३४	रोहि २-१२।०९	३-१७।२८	४-२२।४७	मृग १-२८।०६	...	१५।२५	+२७।२१	१५।५८।४०	+५।०४	३०।१३	+२८।०९	२८।३७।३४	+४।४९	+३।२३	१३।३८।१२
२।१	४।१७।५२।२४	मृग २-९।२४	३-१४।४३	४-२०।०२	आर्द्रा १-२५।२२	२-३०।४३	१६।२९	+२८।१६	१७।०५।१८	+४।५१	३१।११	+२७।४७	२९।४४।२६	+४।३३	+३।५१	१३।४२।२३
३।१	४।१७।४९।१३	आर्द्रा ३-१२।०४	४-१७।२७	पुन १-२२।५१	२-२८।१६	...	१७।३९	+२६।५६	१८।११।३४	+४।१५	...	...	...	...	+४।१९	१३।४६।३४

संवत् २०८२: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टा: (राशि-अंश-कला-विकलादी) सगतिका: (कला-विकलादी) ता. ४। १।२०२६ से पश्चांत

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
४। १	७।२६	८।१९।३०।२१	६१।१०	२।२८।३६।३३	८७०।०९	८।२०।५०।३४	४६।०८	८।०९।११।२३	९२।४७	२।२६।३५।००	८।०१व	८।१८।५३।२४	७५।३२	११।०२।०८।३३	३।५०	१०।१७।४६।०२	३।११
५। १	७।२६	८।२०।३१।३१	६१।१०	३।१३।०६।४२	८४५।०७	८।२१।३६।४३	४६।११	८।१०।४४।१०	९३।०७	२।२६।२६।५९	८।०२व	८।२०।०८।५६	७५।३२	११।०२।१२।२३	३।५५	१०।१७।४२।५१	३।११
६। १	७।२६	८।२१।३२।४१	६१।१०	३।२७।११।४९	८१७।४४	८।२२।२२।५४	४६।१३	८।१२।१७।१७	९३।२८	२।२६।१८।५७	८।०४व	८।२१।२४।२८	७५।३१	११।०२।१६।१८	४।००	१०।१७।३९।४०	३।११
७। १	७।२६	८।२२।३३।५१	६१।१०	४।१०।४९।३३	७९०।३९	८।२३।०९।०६	४६।१५	८।१३।५०।४४	९३।४९	२।२६।१०।५३	८।०६व	८।२२।३९।५९	७५।३१	११।०२।२०।१८	४।०६	१०।१७।३६।२९	३।११
८। १	७।२७	८।२३।३५।०१	६१।०९	४।२४।००।१२	७६५।५५	८।२३।५५।२२	४६।१७	८।१५।२४।३३	९४।१२	२।२६।०२।४७	८।०६व	८।२३।५५।३०	७५।३१	११।०२।२४।२४	४।१०	१०।१७।३३।१८	३।११
९। १	७।२७	८।२४।३६।१०	६१।०९	५।०६।४६।०७	७४४।५५	८।२४।४१।३९	४६।२०	८।१६।५८।४६	९४।३६	२।२५।५४।४१	८।०७व	८।२५।११।०१	७५।३१	११।०२।२८।३४	४।१६	१०।१७।३०।०७	३।११
१०। १	७।२७	८।२५।३७।१९	६१।०९	५।१९।११।०२	७२८।३१	८।२५।२७।५९	४६।२२	८।१८।३३।२२	९५।०२	२।२५।४६।३४	८।०७व	८।२६।२६।३१	७५।३०	११।०२।३२।५०	४।२१	१०।१७।२६।५७	३।११
११। १	७।२७	८।२६।३८।२८	६१।०८	६।०१।१९।३३	७१७।१२	८।२६।१४।२०	४६।२४	८।२०।०८।२४	९५।२९	२।२५।३८।२८	८।०६व	८।२७।४२।०१	७५।३०	११।०२।३७।११	४।२६	१०।१७।२३।४६	३।११
१२। १	७।२७	८।२७।३९।३७	६१।०८	६।१३।१६।४५	७११।०४	८।२७।००।४४	४६।२६	८।२१।४३।५३	९५।५७	२।२५।३०।२२	८।०५व	८।२८।५७।३१	७५।२९	११।०२।४१।३७	४।३१	१०।१७।२०।३५	३।११
१३। १	७।२७	८।२८।४०।४५	६१।०८	६।२५।०७।४९	७०९।५०	८।२७।४७।०९	४६।२८	८।२३।१९।५०	९६।२७	२।२५।२२।१६	८।०४व	९।००।१३।०१	७५।२९	११।०२।४६।०८	४।३६	१०।१७।१७।२४	३।११
१४। १	७।२७	८।२९।४१।५२	६१।०७	७।०६।५७।३८	७१२।४९	८।२८।३३।३७	४६।३०	८।२४।५६।१८	९६।५९	२।२५।१४।१२	८।०३व	९।०१।२८।३०	७५।२९	११।०२।५०।४४	४।४१	१०।१७।१४।१४	३।११
१५। १	७।२६	९।००।४२।५९	६१।०७	७।१८।५०।२७	७१९।०६	८।२९।२०।०७	४६।३१	८।२६।३३।१७	९७।३१	२।२५।०६।१०	८।०१व	९।०२।४३।५८	७५।२८	११।०२।५५।२४	४।४५	१०।१७।११।०३	३।११
१६। १	७।२६	९।०१।४४।०६	६१।०६	८।००।४९।३४	७२७।३७	९।००।०६।३८	४६।३३	८।२८।१०।४८	९८।०५	२।२४।५८।०९	७।५९व	९।०३।५९।२६	७५।२८	११।०३।००।१०	४।५०	१०।१७।०७।५२	३।११
१७। १	७।२६	९।०२।४५।१२	६१।०६	८।१२।५७।११	७३७।२३	९।००।५३।११	४६।३५	८।२९।४८।५२	९८।३९	२।२४।५०।१०	७।५७व	९।०५।१४।५४	७५।२७	११।०३।०४।५९	४।५४	१०।१७।०४।४१	३।११
१८। १	७।२६	९।०३।४६।१८	६१।०५	८।२५।१४।३४	७४७।४३	९।०१।३९।४६	४६।३७	९।०१।२७।३१	९९।१४	२।२४।४२।१३	७।५३व	९।०६।३०।२२	७५।२७	११।०३।०९।५४	४।५९	१०।१७।०१।३१	३।११

निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में

ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण
४। १	४।१७।४६।०२	पुन ३- ९।४३	४-१५।११	पुष्य १-२०।४१	२-२६।१४	. .. ..
५। १	४।१७।४२।५१	पुष्य ३- ७।४८	४-१३।२५	श्ले १-१९।०५	२-२४।४७	३-३०।३१
६। १	४।१७।३९।४०	श्ले ४-१२।१९	मघा १-१८।०९	२-२४।०२	३-२९।५८	. .. ..
७। १	४।१७।३६।२९	मघा ४-११।५७	पूफा १-१७।५९	२-२४।०४	३-३०।१२	. .. ..
८। १	४।१७।३३।१८	पूफा ४-१२।२३	उफा १-१८।३८	२-२४।५५	३-३१।१५	. .. ..
९। १	४।१७।३०।०७	उफा ४-१३।३८	हस्त १-२०।०४	२-२६।३२	. .. ..	. .. ..
१०। १	४।१७।२६।५७	हस्त ३- ९।०३	४-१५।३६	चित्रा १-२२।११	२-२८।४८	. .. ..
११। १	४।१७।२३।४६	चित्रा ३-११।२७	४-१८।०८	स्वा. १-२४।५०	. .. ..	. .. ..
१२। १	४।१७।२०।३५	स्वा. २- ७।३३	३-१४।१७	४-२१।०२	विशा १-२७।४८	. .. ..
१३। १	४।१७।१७।२४	विशा २-१०।३४	३-१७।२०	४-२४।०५	अनु १-३०।५१	. .. ..
१४। १	४।१७।१४।१४	अनु २-१३।३६	३-२०।२०	४-२७।०४	. .. ..	. .. ..
१५। १	४।१७।११।०३	ज्ये १- ९।४६	२-१६।२८	३-२३।०८	४-२९।४८	. .. ..
१६। १	४।१७।०७।५२	मूल १-१२।२६	२-१९।०२	३-२५।३७	. .. ..	. .. ..
१७। १	४।१७।०४।४१	मूल ४- ८।११	पूषा १-१४।४३	२-२१।१४	३-२७।४४	. .. ..
१८। १	४।१७।०१।३१	पूषा ४-१०।१२	उषा १-१६।३८	२-२३।०३	३-२९।२७	. .. ..

ता.मा.	चंद्रोदय घं. मि.	चंद्रक्रांति अं. क.	मध्यमचंद्रो. घं. मि. से.	चंद्रशर अं. क.	चंद्रास्त घं. मि.	चंद्रक्रांति अं. क.	मध्यमचंद्रा. घं. मि. से.	चंद्रशर अं. क.	वेलान्तर मि. से.	सांपातिक घं. मि. से.
४। १	१८।५१	+२३।३४	१९।१४।००	+ ३।२२	८।१६	+२५।१४	६।४८।१८	+ ३।२२	+ ४।४६	१३।५०।४२
५। १	२०।००	+१८।४०	२०।१०।४५	+ २।१५	९।०४	+२१।०९	७।४६।३७	+ २।१५	+ ५।१३	१३।५४।३९
६। १	२१।०४	+१२।५०	२१।०१।५१	+ १।०२	९।४३	+१५।२६	८।३९।११	+ १।३४	+ ५।४०	१३।५८।५५
७। १	२२।०५	+ ६।३३	२१।४८।२७	- ०।१३	१०।१७	+ ९।२५	९।२६।५१	+ ०।२०	+ ६।०६	१४।०२।५१
८। १	२३।०२	+ ०।१२	२२।३२।००	- १।२५	१०।४८	+ ३।१०	१०।१०।४९	- ०।५२	+ ६।३२	१४।०७।०२
९। १	२३।५७	- ५।५७	२३।१३।५८	- २।३०	११।१६	- ३।००	१०।५२।३७	- २।००	+ ६।५७	१४।११।०३
१०। १	२४।५१	-११।४२	२३।५५।४१	- ३।२६	११।४५	- ८।५२	११।३३।३६	- २।५९	+ ७।२२	१४।१५।०२
११। १	२५।४५	-१६।५३	२४।३८।१७	- ४।११	१२।१४	-१४।१७	१२।१४।५७	- ३।४९	+ ७।४६	१४।१९।००
१२। १	२६।४०	-२१।१९	२५।२२।४५	- ४।४३	१२।४६	-१९।०३	१२।५७।४०	- ४।२८	+ ८।१०	१४।२२।५६
१३। १	२७।३६	-२४।५०	२६।०९।४२	- ५।०३	१३।२१	-२३।०२	१३।४२।३६	- ४।५४	+ ८।३३	१४।२६।५१
१४। १	२८।३२	-२७।१२	२६।५९।१५	- ५।०८	१४।००	-२६।०२	१४।३०।१३	- ५।०७	+ ८।५५	१४।३०।४४
१५। १	२९।२७	-२८।१६	२७।५०।५५	- ५।००	१४।४६	-२७।५०	१५।२०।२६	- ५।०६	+ ९।१६	१४।३४।३५
१६। १	३०।१९	-२७।५४	२८।४३।३५	- ४।३६	१५।३७	-२८।१७	१६।१२।३४	- ४।५१	+ ९।३७	१४।३८।२५
१७। १	३१।०६	-२६।०४	२९।३५।४८	- ४।००	१६।३२	-२७।१७	१७।०५।२३	- ४।२२	+ ९।५८	१४।४२।१३
१८। १	. . .	. . .	. . .	. . .	१७।३१	-२४।५०	१७।५७।२८	- ३।३९	+१०।१७	१४।४६।००

संवत् २०८२: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टा: (राशि-अंश-कला-विकलादी) सगतिका: (कला-विकलादी) ता. १९। १।२०२६ से पश्चात

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
१९। १	७।२६	९।०४।४७।२३	६१।०४	९।०७।४२।१६	७५८।१५	९।०२।२६।२३	४६।३९	९।०३।०६।४५	९९।४९	२।२४।३४।२०	७।५०व	९।०७।४५।४९	७५।२६	११।०३।१४।५३	५।०४	१०।१६।५८।२०	३।११
२०। १	७।२६	९।०५।४८।२७	६१।०४	९।२०।२०।३१	७६९।००	९।०३।१३।०२	४६।४०	९।०४।४६।३४	१००।२४	२।२४।२६।३०	७।४६व	९।०९।०१।१५	७५।२६	११।०३।१९।४७	५।०८	१०।१६।५५।१०	३।११
२१। १	७।२५	९।०६।४९।३१	६१।०३	१०।०३।०९।३१	७८०।०९	९।०३।५९।४२	४६।४२	९।०६।२६।५९	१०१।००	२।२४।१८।४४	७।४२व	९।१०।१६।४१	७५।२५	११।०३।२५।०५	५।१३	१०।१६।५१।५९	३।११
२२। १	७।२५	९।०७।५०।३४	६१।०२	१०।१६।०९।४०	७९२।०१	९।०४।४६।२४	४६।४४	९।०८।०७।५८	१०१।३४	२।२४।११।०२	७।३८व	९।११।३२।०६	७५।२५	११।०३।३०।१८	५।१७	१०।१६।४८।४८	३।११
२३। १	७।२५	९।०८।५१।३६	६१।०१	१०।२९।२१।४०	८०४।५१	९।०५।३३।०८	४६।४५	९।०९।४९।३२	१०२।०९	२।२४।०३।२५	७।३३व	९।१२।४७।३१	७५।२४	११।०३।३५।३५	५।२१	१०।१६।४५।३७	३।११
२४। १	७।२५	९।०९।५२।३८	६१।०१	११।१२।४६।३१	८१८।४०	९।०६।१९।५३	४६।४७	९।११।३१।४१	१०२।४२	२।२३।५५।५२	७।२८व	९।१४।०२।५५	७५।२४	११।०३।४०।५६	५।२५	१०।१६।४२।२७	३।११
२५। १	७।२४	९।१०।५३।३८	६१।००	११।२६।२५।११	८३३।०८	९।०७।०६।४०	४६।४८	९।१३।१४।२३	१०३।१५	२।२३।४८।२४	७।२२व	९।१५।१८।१९	७५।२३	११।०३।४६।२१	५।२९	१०।१६।३९।१६	३।११
२६। १	७।२४	९।११।५४।३८	६०।५९	०।१०।१८।११	८४७।२५	९।०७।५३।२९	४६।५०	९।१४।५७।३८	१०३।४६	२।२३।४१।०२	७।१७व	९।१६।३३।४२	७५।२२	११।०३।५१।५१	५।३४	१०।१६।३६।०५	३।११
२७। १	७।२३	९।१२।५५।३७	६०।५८	०।२४।२५।४४	८६०।११	९।०८।४०।१९	४६।५१	९।१६।४१।२३	१०४।१५	२।२३।३३।४५	७।११व	९।१७।४९।०४	७५।२२	११।०३।५७।२४	५।३८	१०।१६।३२।५४	३।११
२८। १	७।२३	९।१३।५६।३५	६०।५७	१।०८।४५।५५	८६९।४६	९।०९।२७।१०	४६।५३	९।१८।२५।३८	१०४।४२	२।२३।२६।३४	७।०५व	९।१९।०४।२६	७५।२१	११।०४।०३।०२	५।४१	१०।१६।२९।४४	३।११
२९। १	७।२३	९।१४।५७।३२	६०।५६	१।२३।१५।४१	८७४।३१	९।१०।१४।०३	४६।५४	९।२०।१०।२०	१०५।०६	२।२३।१९।३०	६।५८व	९।२०।१९।४७	७५।२०	११।०४।०८।४३	५।४५	१०।१६।२६।३३	३।११
३०। १	७।२२	९।१५।५८।२८	६०।५५	२।०७।५०।१३	८७३।१३	९।११।००।५७	४६।५५	९।२१।५५।२७	१०५।२७	२।२३।१२।३२	६।५१व	९।२१।३५।०८	७५।२०	११।०४।१४।२९	५।४९	१०।१६।२३।२२	३।११
३१। १	७।२२	९।१६।५९।२३	६०।५४	२।२२।२३।२५	८६५।२८	९।११।४७।५२	४६।५७	९।२३।४०।५४	१०५।४५	२।२३।०५।४१	६।४४व	९।२२।५०।२७	७५।१९	११।०४।२०।१८	५।५३	१०।१६।२०।११	३।११
१। २	७।२१	९।१८।००।१७	६०।५३	३।०६।४८।५४	८५१।५२	९।१२।३४।४९	४६।५८	९।२५।२६।३९	१०५।५७	२।२२।५८।५७	६।३८व	९।२४।०५।४६	७५।१८	११।०४।२६।१०	५।५६	१०।१६।१७।००	३।११

		निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. मे					चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
१९। १	४।१६।५८।२०	उषा ४-११।४९	श्रव १-१८।१०	२-२४।२९	३-३०।४७	. .. ..	७।४८	-२२।४८	६।२६।२८	- २।११	१८।३१	-२१।०३	१८।४७।४४	- २।४४	+१०।३६	१४।४९।४५
२०। १	४।१६।५५।१०	श्रव ४-१३।०४	धनि १-१९।११	२-२५।३२	. .. ..	. .. ..	८।२६	-१८।३३	७।१४।४५	- १।०५	१९।३१	-१६।१०	१९।३५।४८	- १।४०	+१०।५४	१४।५३।२८
२१। १	४।१६।५१।५९	धनि ३- ७।४५	४-१३।५६	शत १-२०।०६	२-२६।१४	. .. ..	९।००	-१३।२४	८।०१।००	+ ०।०६	२०।३०	-१०।२६	२०।२१।५६	- ०।२८	+११।१२	१४।५७।१०
२२। १	४।१६।४८।४८	शत ३- ८।२१	४-१४।२६	पूभा १-२०।३०	२-२६।३३	. .. ..	९।३०	- ७।०४	८।४५।२२	+ ०।१२	२१।२८	- ४।०८	२१।०६।५५	+ ०।४६	+११।२८	१५।००।५१
२३। १	४।१६।४५।३७	पूभा ३- ८।३४	४-१४।३४	उभा १-२०।३२	२-२६।२९	. .. ..	१०।०१	- ०।४२	९।२९।११	+ १।२५	२२।२७	+ २।२७	२१।५१।५३	+ १।४९	+११।४४	१५।०४।३०
२४। १	४।१६।४२।२७	उभा ३- ८।२४	४-१४।१८	रेव १-२०।१०	२-२६।०१	. .. ..	१०।३२	+ ५।४८	१०।१३।५५	+ २।३४	२३।२८	+ ९।०२	२२।३८।१२	+ ३।०६	+११।५९	१५।०८।०७
२५। १	४।१६।३९।१६	रेव ३- ७।५०	४-१३।३८	अश्वि १-१९।२४	२-२५।०९	३-३०।५२	११।०४	+१२।०९	११।००।२९	+ ३।३५	२४।३१	+१५।१७	२३।२७।१७	+ ४।०३	+१२।१४	१५।११।४३
२६। १	४।१६।३६।०५	अश्वि ४-१२।३४	भर १-१८।१५	२-२३।५५	३-२९।३३	. .. ..	११।४१	+१८।००	११।५०।२४	+ ४।२५	२५।३७	+२०।४७	२४।२०।२६	+ ४।४५	+१२।२७	१५।१५।१७
२७। १	४।१६।३२।५४	भर ४-११।०९	कृति १-१६।४५	२-२२।२०	३-२७।५३	. .. ..	१२।२३	+२२।५६	१२।४४।४८	+ ४।५८	२६।४६	+२५।०६	२५।१८।२४	+ ५।०९	+१२।४०	१५।१८।४९
२८। १	४।१६।२९।४४	कृति ४- ९।२६	रोहि १-१४।५८	२-२०।२९	३-२६।००	. .. ..	१३।१३	+२६।३०	१३।४४।०६	+ ५।१३	२७।५५	+२७।४४	२६।२०।४७	+ ५।१२	+१२।५२	१५।२२।२०
२९। १	४।१६।२६।३३	रोहि ४- ७।३०	मृग १-१२।५९	२-१८।२८	३-२३।५८	४-२९।२७	१४।११	+२८।१५	१४।४७।२४	+ ५।०७	२९।०२	+२८।२०	२७।२५।३०	+ ४।५३	+१३।०३	१५।२५।५०
३०। १	४।१६।२३।२२	आर्द्रा १-१०।५६	२-१६।२५	३-२१।५५	४-२७।२५	. .. ..	१५।१७	+२७।५५	१५।५२।१२	+ ४।३९	३०।०१	+२६।४७	२८।२९।२४	+ ४।१५	+१३।१३	१५।२९।१८
३१। १	४।१६।२०।११	पुन १- ८।५५	२-१४।२७	३-१९।५९	४-२५।३२	पुष्य १-३१।०६	१६।२७	+२५।२९	१६।५५।१९	+ ३।५२	३०।५२	+२३।२०	२९।२९।३७	+ ३।१९	+१३।२३	१५।३२।४५
१। २	४।१६।१७।००	पुष्य २-१२।४२	३-१८।११	४-२३।४७	श्ले १-२९।३७	. .. ..	१७।३७	+२१।१८	१७।५४।१४	+ २।४९	. . .	. . .	. . .	. . .	+१३।३१	१५।३६।११

संवत् २०८२: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टा: (राशि-अंश-कला-विकलादौ) सगतिका: (कला-विकलादौ) ता. २। २।२०२६ से पश्चांत

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
२। २	७।२१	९।११।०१।१०	६०।५२	३।२१।००।४६	८३३।४२	९।१३।२१।४६	४६।५९	९।२७।१२।३६	१०६।०४	२।२२।५२।११	६।२९व	९।२५।२१।०४	७५।१७	११।०४।३२।०६	६।००	१०।१६।१३।५०	३।११
३। २	७।२०	९।२०।०२।०२	६०।५१	४।०४।५४।२८	८१२।४३	९।१४।०८।४५	४७।००	९।२८।५८।४०	१०६।०४	२।२२।४५।५०	६।२१व	९।२६।३६।२२	७५।१६	११।०४।३८।०६	६।०३	१०।१६।१०।४०	३।११
४। २	७।१९	९।२१।०२।५२	६०।४९	४।१८।२७।११	७९०।३८	९।१४।५५।४६	४७।०१	१०।००।४४।४४	१०५।५७	२।२२।३९।२९	६।१३व	९।२७।५१।३८	७५।१६	११।०४।४४।१०	६।०७	१०।१६।०७।२९	३।११
५। २	७।१९	९।२२।०३।४२	६०।४८	५।०१।३७।४९	७६९।०३	९।१५।४२।४७	४७।०२	१०।०२।३०।४२	१०५।४१	२।२२।३३।१७	६।०४व	९।२९।०६।५४	७५।१५	११।०४।५०।१७	६।१०	१०।१६।०४।१८	३।११
६। २	७।१८	९।२३।०४।३०	६०।४७	५।१४।२६।५१	७४९।२१	९।१६।२९।४९	४७।०३	१०।०४।१६।२३	१०५।१५	२।२२।२७।१३	५।५५व	१०।००।२२।०८	७५।१४	११।०४।५६।२७	६।१४	१०।१६।०१।०७	३।११
७। २	७।१७	९।२४।०५।१७	६०।४६	५।२६।५६।१२	७३२।४५	९।१७।१६।५३	४७।०४	१०।०६।०१।३८	१०४।३६	२।२२।२१।१७	५।४७व	१०।०१।३७।२२	७५।१३	११।०५।०२।४०	६।१७	१०।१५।५७।५७	३।११
८। २	७।१७	९।२५।०६।०२	६०।४४	६।०९।०८।५७	७२०।११	९।१८।०३।५७	४७।०५	१०।०७।४६।१४	१०३।४३	२।२२।१५।३१	५।३७व	१०।०२।५२।३५	७५।१२	११।०५।०८।५७	६।२०	१०।१५।५४।४६	३।११
९। २	७।१६	९।२६।०६।४७	६०।४३	६।२१।०९।१६	७१२।४६	९।१८।५१।०२	४७।०६	१०।०९।२९।५७	१०२।३१	२।२२।०९।५३	५।२८व	१०।०४।०७।४८	७५।११	११।०५।१५।१७	६।२३	१०।१५।५१।३५	३।११
१०। २	७।१५	९।२७।०७।३०	६०।४२	७।०३।०२।०३	७१०।२९	९।१९।३८।०८	४७।०७	१०।११।१२।२८	१००।५९	२।२२।०४।२५	५।२०व	१०।०५।२२।५८	७५।१०	११।०५।२१।४०	६।२६	१०।१५।४८।२४	३।११
११। २	७।१५	९।२८।०८।११	६०।४०	७।१४।५२।३२	७१३।२१	९।२०।२५।१५	४७।०८	१०।१२।५३।२८	९९।०३	२।२१।५९।०५	५।०९व	१०।०६।३८।०८	७५।०९	११।०५।२८।०५	६।२९	१०।१५।४५।१४	३।११
१२। २	७।१४	९।२९।०८।५२	६०।३९	७।२६।४५।५३	७२०।४५	९।२१।१२।२३	४७।०९	१०।१४।३२।३१	९६।३९	२।२१।५३।५७	४।५९व	१०।०७।५३।१७	७५।०८	११।०५।३४।३४	६।३२	१०।१५।४२।०३	३।११
१३। २	७।१३	१०।००।०९।३१	६०।३७	८।०८।४६।३८	७३१।४६	९।२१।५९।३२	४७।०९	१०।१६।०९।०९	९३।४२	२।२१।४८।५८	४।४९व	१०।०९।०८।२४	७५।०७	११।०५।४१।०६	६।३४	१०।१५।३८।५३	३।११
१४। २	७।१२	१०।०१।१०।०८	६०।३६	८।२०।५८।२४	७४५।१५	९।२२।४६।४१	४७।१०	१०।१७।४२।५१	९०।०९	२।२१।४४।०९	४।३९व	१०।१०।२३।३१	७५।०६	११।०५।४७।४०	६।३७	१०।१५।३५।४२	३।११
१५। २	७।१२	१०।०२।१०।४४	६०।३४	९।०३।२३।४०	७६०।०७	९।२३।३३।५१	४७।११	१०।१९।१३।००	८५।५६	२।२१।३९।३१	४।२८व	१०।११।३८।३७	७५।०४	११।०५।५४।१८	६।४०	१०।१५।३२।३१	३।११
१६। २	७।११	१०।०३।११।१९	६०।३३	९।१६।०३।४६	७७५।२४	९।२४।२१।०२	४७।११	१०।२०।३८।५६	८१।०१	२।२१।३५।०३	४।१८व	१०।१२।५३।४१	७५।०३	११।०६।००।५७	६।४२	१०।१५।२९।२०	३।११
१७। २	७।१०	१०।०४।११।५२	६०।३१	९।२८।५९।११	७९०।२४	९।२५।०८।१३	४७।१२	१०।२१।५९।५७	७५।२०	२।२१।३०।४५	४।०८व	१०।१४।०८।४४	७५।०२	११।०६।०७।४०	६।४५	१०।१५।२६।१०	३।११

		निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में					चंद्रोदय चंद्रक्रांति मध्यमचंद्रो. चंद्रशर				चंद्रास्त चंद्रक्रांति मध्यमचंद्रा. चंद्रशर				वेलान्तर	सांपातिक
ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
२। २	४।१६।१३।५०	श्ले २-११।१९	३-१७।०२	४-२२।४८	मघा १-२८।३५	. .. ..	१८।४४	+१५।५०	१८।४८।०३	+ १।३६	७।३५	+१८।११	६।२४।४७	+ १।३६	+१३।३९	१५।३९।३५
३। २	४।१६।१०।४०	मघा २-१०।२५	३-१६।१७	४-२२।११	पूफा १-२८।०७	. .. ..	११।४७	+ ९।३९	११।३७।१३	+ ०।११	८।१२	+१२।३९	७।१५।००	+ ०।११	+१३।४६	१५।४२।५८
४। २	४।१६।०७।२९	पूफा २-१०।०६	३-१६।०८	४-२२।१२	उफा १-२८।१९	. .. ..	२०।४६	+ ३।०९	२०।२२।५५	- ०।५८	८।४५	+ ६।३१	८।०१।२३	- ०।५८	+१३।५२	१५।४६।१९
५। २	४।१६।०४।१८	उफा २-१०।२८	३-१६।४०	४-२२।५४	हस्त १-२९।११	. .. ..	२१।४३	- ३।१६	२१।०६।२९	- २।०९	९।१६	+ ०।१६	८।४५।०६	- २।०९	+१३।५८	१५।४९।३९
६। २	४।१६।०१।०७	हस्त २-११।३१	३-१७।५४	४-२४।११	चित्रा १-३०।४६	. .. ..	२२।३९	- ९।२२	२१।४९।११	- ३।११	९।४३	- ६।२४	९।२६।५८	- २।४१	+१४।०२	१५।५२।५८
७। २	४।१५।५७।५७	चित्रा २-१३।१६	३-१९।४८	४-२६।२२	. .. ..	. .. ..	२३।३५	-१४।५६	२२।३२।१२	- ४।०२	१०।१३	-१२।०९	१०।०८।५९	- ३।३७	+१४।०६	१५।५६।१५
८। २	४।१५।५४।४६	स्वा. १- ८।५८	२-१५।३६	३-२२।१६	४-२८।५७	. .. ..	२४।३०	-१९।४६	२३।१६।३०	- ४।४०	१०।४४	-१७।११	१०।५१।४८	- ४।२२	+१४।०९	१५।५९।३१
९। २	४।१५।५१।३५	विशा १-११।३९	२-१८।२३	३-२५।०७	. .. ..	. .. ..	२५।२६	-२३।४१	२४।०२।४६	- ५।०५	११।१८	-२१।४१	११।३६।१८	- ४।५३	+१४।११	१६।०२।४६
१०। २	४।१५।४८।२४	विशा ४- ७।५२	अनु १-१४।३७	२-२१।२२	३-२८।०७	. .. ..	२६।२३	-२६।३२	२४।५१।२३	- ५।१५	११।५६	-२५।०६	१२।२३।०३	- ५।११	+१४।१३	१६।०६।००
११। २	४।१५।४५।१४	अनु ४-१०।५२	ज्ये १-१७।३६	२-२४।२०	३-३१।०२	. .. ..	२७।१८	-२८।०७	२५।४२।१०	- ५।११	१२।३९	-२७।२३	१३।१२।१४	- ५।१५	+१४।१३	१६।०९।१३
१२। २	४।१५।४२।०३	ज्ये ४-१३।४३	मूल १-२०।२३	२-२७।०२	. .. ..	. .. ..	२८।११	-२८।१९	२६।३४।२०	- ४।५३	१३।२७	-२८।२३	१४।०३।३२	- ५।०५	+१४।१३	१६।१२।२५
१३। २	४।१५।३८।५३	मूल ३- ९।३९	४-१६।१४	पूषा १-२२।४७	२-२९।१८	. .. ..	२८।५९	-२७।०३	२७।२६।४६	- ४।२०	१४।२१	-२७।५७	१४।५६।०२	- ४।४०	+१४।१२	१६।१५।३५
१४। २	४।१५।३५।४२	पूषा ३-११।४८	४-१८।१६	उषा १-२४।४१	२-३१।०५	. .. ..	२९।४४	-२४।२१	२८।१८।१३	- ३।३३	१५।१९	-२६।०३	१५।४८।३०	- ४।०१	+१४।११	१६।१८।४५
१५। २	४।१५।३२।३१	उषा ३-१३।२६	४-११।४६	श्रव १-२६।०३	. .. ..	. .. ..	३०।२३	-२०।२२	२९।०७।५२	- २।३५	१६।१९	-२२।४४	१६।३९।४९	- ३।०९	+१४।०८	१६।२१।५२
१६। २	४।१५।२९।२०	श्रव २- ८।११	३-१४।३२	४-२०।४४	धनि १-२६।५४	. .. ..	३०।५९	-१५।११	२९।५५।२९	- १।२८	१७।११	-१८।१२	१७।२९।१७	- २।०६	+१४।०५	१६।२४।५९
१७। २	४।१५।२६।१०	धनि २- ९।०२	३-१५।०८	४-२१।१२	शत १-२७।१५	. .. ..	. . .	. . .	. . .	. . .	१८।२०	-१२।३९	१८।१६।५३	- ०।५४	+१४।०१	१६।२८।०६

संवत् २०८२: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टा: (राशि-अंश-कला-विकलादी) सगतिका: (कला-विकलादी) ता. १८। २।२०२६ से पश्चात

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
१८। २	७।०९	१०।०५।१२।२३	६०।३०	१०।१२।०९।३४	८०४।३२	९।२५।५५।२५	४७।१२	१०।२३।१५।१७	६८।५४	२।२१।२६।३७	३।५६व	१०।१५।२३।४६	७५।०१	११।०६।१४।२४	६।४७	१०।१५।२२।५९	३।११
१९। २	७।०८	१०।०६।१२।५३	६०।२८	१०।२५।३४।०७	८१७।२५	९।२६।४२।३७	४७।१३	१०।२४।२४।११	६१।४१	२।२१।२२।४१	३।४५व	१०।१६।३८।४७	७४।५९	११।०६।२१।१२	६।५०	१०।१५।१९।४८	३।११
२०। २	७।०७	१०।०७।१३।२१	६०।२७	११।०९।११।३१	८२८।४०	९।२७।२९।५०	४७।१३	१०।२५।२५।५२	५३।४५	२।२१।१८।५६	३।३४व	१०।१७।५३।४७	७४।५८	११।०६।२८।०१	६।५२	१०।१५।१६।३८	३।११
२१। २	७।०६	१०।०८।१३।४८	६०।२५	११।२३।००।११	८३८।०२	९।२८।१७।०३	४७।१३	१०।२६।११।३७	४५।०८	२।२१।१५।२२	३।२३व	१०।१९।०८।४५	७४।५७	११।०६।३४।५३	६।५४	१०।१५।१३।२७	३।११
२२। २	७।०६	१०।०९।१४।१३	६०।२३	०।०६।५८।१३	८४५।१७	९।२९।०४।१६	४७।१४	१०।२७।०४।४५	३५।५७	२।२१।११।५९	३।१२व	१०।२०।२३।४२	७४।५६	११।०६।४१।४८	६।५६	१०।१५।१०।१६	३।११
२३। २	७।०५	१०।१०।१४।३६	६०।२२	०।२१।०३।३०	८५०।११	९।२९।५१।३०	४७।१४	१०।२७।४०।४२	२६।१९	२।२१।०८।४७	३।०२व	१०।२१।३८।३७	७४।५४	११।०६।४८।४४	६।५८	१०।१५।०७।०६	३।११
२४। २	७।०४	१०।११।१४।५८	६०।२०	१।०५।१३।४१	८५२।३४	१०।००।३८।४४	४७।१४	१०।२८।०७।०१	१६।२३	२।२१।०५।४५	२।४९व	१०।२२।५३।३२	७४।५३	११।०६।५५।४२	७।००	१०।१५।०३।५६	३।११
२५। २	७।०३	१०।१२।१५।१८	६०।१८	१।१९।२६।१५	८५२।१७	१०।०१।२५।५९	४७।१५	१०।२८।२३।२४	६।१९	२।२१।०२।५६	२।३७व	१०।२४।०८।२४	७४।५१	११।०७।०२।४२	७।०३	१०।१५।००।४५	३।११
२६। २	७।०२	१०।१३।१५।३७	६०।१७	२।०३।३८।३२	८४९।१२	१०।०२।१३।१३	४७।१५	१०।२८।२९।४३	३।४२व	२।२१।००।१९	२।२६व	१०।२५।२३।१६	७४।५०	११।०७।०९।४५	७।०४	१०।१४।५७।३४	३।११
२७। २	७।०१	१०।१४।१५।५३	६०।१५	२।१७।४७।४४	८४३।१९	१०।०३।००।२८	४७।१५	१०।२८।२६।००	१३।२८व	२।२०।५७।५३	२।१४व	१०।२६।३८।०६	७४।४८	११।०७।१६।४९	७।०६	१०।१४।५४।२३	३।११
२८। २	७।००	१०।१५।१६।०८	६०।१३	३।०१।५१।०३	८३४।४५	१०।०३।४७।४३	४७।१५	१०।२८।१२।३३	२२।४६व	२।२०।५५।३९	२।०३व	१०।२७।५२।५४	७४।४७	११।०७।२३।५५	७।०८	१०।१४।५१।१२	३।११
१। ३	६।५९	१०।१६।१६।२१	६०।११	३।१५।४५।४९	८२३।४४	१०।०४।३४।५८	४७।१५	१०।२७।४१।४६	३१।२७व	२।२०।५३।३६	१।५२व	१०।२९।०७।४१	७४।४५	११।०७।३१।०३	७।०९	१०।१४।४८।०२	३।११
२। ३	६।५८	१०।१७।१६।३२	६०।१०	३।२९।२९।३३	८१०।३८	१०।०५।२२।१२	४७।१५	१०।२७।१८।११	३९।१६व	२।२०।५१।४४	१।३९व	११।००।२२।२७	७४।४४	११।०७।३८।१२	७।११	१०।१४।४४।५२	३।११
३। ३	६।५७	१०।१८।१६।४२	६०।०८	४।१३।००।११	७९५।५३	१०।०६।०९।२७	४७।१५	१०।२६।३९।०३	४६।०६व	२।२०।५०।०५	१।२७व	११।०१।३७।११	७४।४२	११।०७।४५।२४	७।१३	१०।१४।४१।४१	३।११

		निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में					चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
१८। २	४।१५।२२।५९	शत २- ९।१६	३-१५।१६	४-२१।१४	पूभा १-२७।१०	. .. ..	७।३१	- ९।२३	६।४१।२४	+ १।०१	१९।२०	- ६।२३	१९।०३।०९	+ ०।२३	+१३।५७	१६।३१।११
१९। २	४।१५।१९।४९	पूभा २- ९।०५	३-१४।५१	४-२०।५१	उभा १-२६।४२	. .. ..	८।०३	- ३।०६	७।२६।३४	+ २।१३	२०।२०	+ ०।१८	१९।४९।०२	+ १।४०	+१३।५२	१६।३४।१६
२०। २	४।१५।१६।३८	उभा २- ८।३२	३-१४।२१	४-२०।०८	रेव १-२५।५५	. .. ..	८।३५	+ ३।२३	८।११।५४	+ ३।१९	२१।२१	+ ७।०४	२०।३५।४३	+ २।५२	+१३।४६	१६।३७।११
२१। २	४।१५।१३।२७	रेव २- ७।४१	३-१३।२५	४-१९।०९	अश्वि १-२४।५२	२-३०।३४	९।०८	+ ९।४९	८।५८।३३	+ ४।१३	२२।२४	+१३।३३	२१।२४।३१	+ ३।५३	+१३।३९	१६।४०।२०
२२। २	४।१५।१०।१६	अश्वि ३-१२।१६	४-१७।५७	भर १-२३।३७	२-२९।१७	. .. ..	९।४२	+१६।२५	९।४७।३१	+ ४।१८	२३।२९	+१९।२१	२२।१६।३९	+ ४।४०	+१३।३२	१६।४३।२२
२३। २	४।१५।०७।०६	भर ३-१०।५६	४-१६।३५	कृति १-२२।१३	२-२७।५२	. .. ..	१०।२२	+२१।४१	१०।४०।३३	+ ४।५६	२४।३७	+२४।०३	२३।१२।५२	+ ५।१०	+१३।२४	१६।४६।२३
२४। २	४।१५।०३।५६	कृति ३- ९।२९	४-१५।०७	रोहि १-२०।४५	२-२६।२२	. .. ..	११।०९	+२५।४१	११।३७।५०	+ ५।१६	२५।४६	+२७।१२	२४।१३।०४	+ ५।१९	+१३।१६	१६।४९।२३
२५। २	४।१५।००।४५	रोहि ३- ८।००	४-१३।३७	मृग १-१९।१५	२-२४।५२	३-३०।३०	१२।०४	+२८।००	१२।३८।५०	+ ५।१६	२६।५२	+२८।२७	२५।१५।४४	+ ५।०७	+१३।०७	१६।५२।२२
२६। २	४।१४।५७।३४	मृग ४-१२।०९	आर्द्रा १-१७।४७	२-२३।२६	३-२९।०६	. .. ..	१३।०६	+२८।२१	१३।४१।४२	+ ४।५६	२७।५३	+२७।४०	२६।१८।२१	+ ४।३५	+१२।५८	१६।५५।२१
२७। २	४।१४।५४।२३	आर्द्रा ४-१०।४६	पुन १-१६।२६	२-२२।०८	३-२७।५०	. .. ..	१४।१२	+२६।४२	१४।४३।४७	+ ४।१६	२८।४५	+२४।५८	२७।१८।१६	+ ३।४६	+१२।४७	१६।५८।१७
२८। २	४।१४।५१।१२	पुन ४- ९।३२	पुष्य १-१५।१६	२-२१।०१	३-२६।४६	. .. ..	१५।२०	+२३।१४	१५।४२।३९	+ ३।१९	२९।३०	+२०।४२	२८।१३।५४	+ २।४२	+१२।३७	१७।०१।१४
१। ३	४।१४।४८।०२	पुष्य ४- ८।३३	श्ले १-१४।२१	२-२०।१०	३-२६।००	. .. ..	१६।२७	+१८।२२	१६।३७।०६	+ २।१०	३०।०८	+१५।१९	२९।०५।००	+ १।३०	+१२।२६	१७।०४।११
२। ३	४।१४।४४।५२	श्ले ४- ७।५१	मघा १-१३।४४	२-१९।३९	३-२५।३५	. .. ..	१७।३०	+१२।३२	१७।२७।१३	+ ०।५५	३०।४२	+ ९।१५	२९।५२।१३	+ ०।१४	+१२।१४	१७।०७।०६
३। ३	४।१४।४१।४१	मघा ४- ७।३२	पूफा १-१३।३१	२-१९।३२	३-२५।३५	. .. ..	१८।३१	+ ६।११	१८।१३।५२	- ०।२३	. . .	. . .	. . .	. . .	+१२।०२	१७।१०।०१

संवत् २०८२: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टा: (राशि-अंश-कला-विकलादी) रागतिका: (कला-विकलादी) ता. ४। ३।२०२६ से पश्चात

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
४। ३	६।५६	१०।१९।१६।४९	६०।०६	४।२६।१६।०४	७८०।०४	१०।०६।५६।४२	४७।१५	१०।२५।५२।५७	५१।४७व	२।२०।४८।३८	१।१६व	११।०२।५१।५३	७४।४१	११।०७।५२।३६	७।१४	१०।१४।३८।३०	३।११
५। ३	६।५५	१०।२०।१६।५५	६०।०४	५।०९।१६।०८	७६३।५१	१०।०७।४३।५७	४७।१४	१०।२५।०१।०९	५६।१२व	२।२०।४७।२२	१।०४व	११।०४।०६।३४	७४।३९	११।०७।५९।५०	७।१५	१०।१४।३५।१९	३।११
६। ३	६।५४	१०।२१।१६।५९	६०।०२	५।२१।५९।५९	७४८।०५	१०।०८।३१।११	४७।१४	१०।२४।०४।५७	५९।१६व	२।२०।४६।१९	०।५२व	११।०५।२१।१३	७४।३७	११।०८।०७।०६	७।१७	१०।१४।३२।०९	३।११
७। ३	६।५३	१०।२२।१७।०१	६०।००	६।०४।२८।०४	७३३।४६	१०।०९।१८।२५	४७।१४	१०।२३।०५।४१	६०।५६व	२।२०।४५।२७	०।४१व	११।०६।३५।५०	७४।३६	११।०८।१४।२२	७।१८	१०।१४।२८।५८	३।११
८। ३	६।५१	१०।२३।१७।०२	५९।५८	६।१६।४१।५०	७२२।०४	१०।१०।०५।३९	४७।१४	१०।२२।०४।४५	६१।१४व	२।२०।४४।४५	०।२८व	११।०७।५०।२६	७४।३४	११।०८।२१।४०	७।१९	१०।१४।२५।४८	३।११
९। ३	६।५०	१०।२४।१७।००	५९।५६	६।२८।४३।५४	७१४।०७	१०।१०।५२।५३	४७।१३	१०।२१।०३।३१	६०।११व	२।२०।४४।१७	०।१७व	११।०९।०५।०१	७४।३३	११।०८।२८।५९	७।२०	१०।१४।२२।३७	३।११
१०। ३	६।४९	१०।२५।१६।५६	५९।५४	७।१०।३८।०१	७१०।५१	१०।११।४०।०७	४७।१३	१०।२०।०३।२०	५७।५४व	२।२०।४४।००	०।०५व	११।१०।१९।३३	७४।३१	११।०८।३६।१९	७।२१	१०।१४।१९।२६	३।११
११। ३	६।४८	१०।२६।१६।५१	५९।५३	७।२२।२८।५२	७१२।४४	१०।१२।२७।२०	४७।१३	१०।१९।०५।२६	५४।३१व	२।२०।४३।५५	०।०७	११।११।३४।०४	७४।२९	११।०८।४३।४१	७।२२	१०।१४।१६।१५	३।११
१२। ३	६।४७	१०।२७।१६।४३	५९।५१	८।०४।२१।३७	७१९।५०	१०।१३।१४।३२	४७।१२	१०।१८।१०।५५	५०।१२व	२।२०।४४।०२	०।१७	११।१२।४८।३३	७४।२७	११।०८।५१।०३	७।२३	१०।१४।१३।०५	३।११
१३। ३	६।४६	१०।२८।१६।३४	५९।४९	८।१६।२१।२६	७३१।३९	१०।१४।०१।४४	४७।१२	१०।१७।२०।४३	४५।०६व	२।२०।४४।२०	०।३०	११।१४।०३।००	७४।२६	११।०८।५८।२६	७।२४	१०।१४।०९।५४	३।११
१४। ३	६।४५	१०।२९।१६।२२	५९।४७	८।२८।३३।०६	७४७।२४	१०।१४।४८।५६	४७।११	१०।१६।३५।३७	३९।२५व	२।२०।४४।५०	०।४२	११।१५।१७।२६	७४।२४	११।०९।०५।५०	७।२५	१०।१४।०६।४४	३।११
१५। ३	६।४४	११।००।१६।०९	५९।४५	९।११।००।३०	७६६।०२	१०।१५।३६।०७	४७।११	१०।१५।५६।१२	३३।१८व	२।२०।४५।३३	०।५४	११।१६।३१।५०	७४।२२	११।०९।१३।१५	७।२५	१०।१४।०३।३३	३।११
१६। ३	६।४३	११।०१।१५।५४	५९।४३	९।२३।४६।३३	७८६।२३	१०।१६।२३।१८	४७।१०	१०।१५।२२।५४	२६।५७व	२।२०।४६।२६	१।०५	११।१७।४६।१२	७४।२०	११।०९।२०।४०	७।२६	१०।१४।००।२२	३।११
१७। ३	६।४२	११।०२।१५।३६	५९।४१	१०।०६।५२।५६	८०७।११	१०।१७।१०।२७	४७।०९	१०।१४।५५।५७	२०।२७व	२।२०।४७।३२	१।१६	११।१९।००।३२	७४।१८	११।०९।२८।०६	७।२६	१०।१३।५७।१२	३।११
१८। ३	६।४०	११।०३।१५।१७	५९।३९	१०।२०।२०।०७	८२७।०१	१०।१७।५७।३६	४७।०८	१०।१४।३५।३०	१३।५७व	२।२०।४८।४७	१।२८	११।२०।१४।५०	७४।१६	११।०९।३५।३३	७।२७	१०।१३।५४।०२	३।११
१९। ३	६।३९	११।०४।१४।५५	५९।३७	११।०४।०७।०८	८४४।२५	१०।१८।४४।४५	४७।०८	१०।१४।२१।३३	७।३२व	२।२०।५०।१६	१।४०	११।२१।२९।०६	७४।१५	११।०९।४३।००	७।२८	१०।१३।५०।५१	३।११

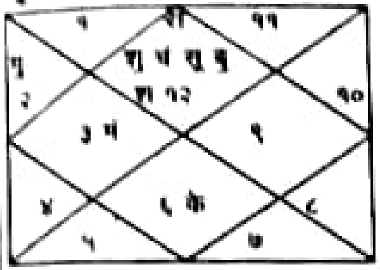
		निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. मे					चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
४। ३	४।१४।३८।३०	पूफा ४- ७।३९	उफा १-१३।४६	२-१९।५४	३-२६।०४	. .. ..	१९।२९	- ०।११	१८।५८।१४	- १।३८	७।१३	+ २।४९	६।३६।३५	- १।३८	+११।४९	१७।१२।५६
५। ३	४।१४।३५।१९	उफा ४- ८।१६	हस्त १-१४।३१	२-२०।४७	३-२७।०६	. .. ..	२०।२६	- ६।३९	१९।४१।३१	- २।४५	७।४२	- ३।२३	७।११।३२	- २।४५	+११।३६	१७।१५।४९
६। ३	४।१४।३२।०९	हस्त ४- ९।२६	चित्रा १-१५।४९	२-२२।१४	३-२८।४०	. .. ..	२१।२२	-१२।३३	२०।२४।५०	- ३।४२	८।१२	- ९।११	८।०१।५९	- ३।४२	+११।२२	१७।१८।४२
७। ३	४।१४।२८।५८	चित्रा ४-११।०९	स्वा. १-१७।४०	२-२४।१३	३-३०।४८	. .. ..	२२।१८	-१७।४८	२१।०९।०८	- ४।२७	८।४३	-१४।४६	८।४४।५२	- ४।२७	+११।०८	१७।२१।३५
८। ३	४।१४।२५।४८	स्वा. ४-१३।२४	विशा १-२०।०२	२-२६।४२	. .. ..	. .. ..	२३।१५	-२२।११	२१।५५।०५	- ४।५७	९।१५	-१९।५६	९।२९।०५	- ४।४३	+१०।५४	१७।२४।२८
९। ३	४।१४।२२।३७	विशा ३- ९।२३	४-१६।०५	अनु १-२२।४८	२-२९।३२	. .. ..	२४।१२	-२५।३१	२२।४३।०५	- ५।१४	९।५१	-२३।४९	१०।१५।२०	- ५।०७	+१०।३९	१७।२७।२१
१०। ३	४।१४।१९।२६	अनु ३-१२।१७	४-१९।०२	ज्ये १-२५।४७	. .. ..	. .. ..	२५।०७	-२७।३९	२३।३३।०४	- ५।१६	१०।३२	-२६।३७	११।०३।४५	- ५।१७	+१०।२४	१७।३०।१०
११। ३	४।१४।१६।१५	ज्ये २- ८।३२	३-१५।१६	४-२२।००	मूल १-२८।४३	. .. ..	२६।०१	-२८।२६	२४।२४।२९	- ५।०३	११।१९	-२८।०१	११।५४।०१	- ५।१२	+१०।०९	१७।३३।०१
१२। ३	४।१४।१३।०५	मूल २-११।२५	३-१८।०६	४-२४।४५	. .. ..	. .. ..	२६।५१	-२७।४७	२५।१६।२४	- ४।३७	१२।१०	-२८।११	१२।४५।५१	- ४।५४	+ ९।५३	१७।३५।५२
१३। ३	४।१४।०९।५४	पूषा १- ७।२३	२-१३।५९	३-२०।३३	४-२७।०४	. .. ..	२७।३७	-२५।४३	२६।०७।४६	- ३।५६	१३।०५	-२७।०४	१३।३७।५३	- ४।२१	+ ९।३७	१७।३८।४२
१४। ३	४।१४।०६।४४	उषा १- ९।३४	२-१६।०१	३-२२।२६	४-२८।४९	. .. ..	२८।१८	-२२।११	२६।५७।४६	- ३।०३	१४।०४	-२४।२३	१४।२९।१२	- ३।३४	+ ९।२०	१७।४१।३३
१५। ३	४।१४।०३।३३	श्रव १-११।०९	२-१७।२६	३-२३।४१	४-२९।५३	. .. ..	२८।५५	-१७।४४	२७।४६।०२	- १।५१	१५।०४	-२०।२४	१५।१९।०७	- २।३६	+ ९।०४	१७।४४।२१
१६। ३	४।१४।००।२२	धनि १-१२।०३	२-१८।११	३-२४।१६	४-३०।१८	. .. ..	२९।२९	-१२।११	२८।३२।४६	- ०।४८	१६।०४	-१५।१६	१६।०७।२५	- १।२७	+ ८।४७	१७।४७।११
१७। ३	४।१३।५७।१२	शत १-१२।१८	२-१८।१६	३-२४।१२	४-३०।०५	. .. ..	३०।०१	- ५।५५	२९।१८।३६	+ ०।२९	१७।०५	- ९।१५	१६।५४।२९	- ०।११	+ ८।३०	१७।५०।००
१८। ३	४।१३।५४।०२	पूभा १-११।५६	२-१७।४५	३-२३।३३	४-२९।१८	. .. ..	३०।३३	+ ०।४७	३०।०४।३०	+ १।४५	१८।०६	- २।३८	१७।४१।०७	+ १।०७	+ ८।१३	१७।५२।५०
१९। ३	४।१३।५०।५१	उभा १-११।०२	२-१६।४४	३-२२।२४	४-२८।०३	. .. ..	. . .	. . .	. . .	. . .	१९।०८	+ ४।१७	१८।२८।२६	+ २।२३	+ ७।५५	१७।५५।३९

संवत् २०८२ में सूर्यादि निरयन ग्रहो के वक्री अथवा मार्गी अवस्था में राशि परिवर्तन होने पर जो कुण्डलियाँ बनती हैं वे सभी कुण्डलियाँ निर्माण करके यहाँ प्रस्तुत की गई हैं। विद्वानों की सुविधा के लिए कुण्डली के ऊपर - कुण्डली क्रमांक, जो ग्रह बदली हुआ है उसका नाम, ग्रह के राशी परिवर्तन का समय (भारतीय स्टण्डर्ड घंटा-मिनट में), अंग्रेजी तारीख और वार सहित मिति का विवरण दिया है। कुण्डली क्रमांक १ में कोई भी ग्रह बदली नहीं हुआ है प्रारम्भ में ग्रहस्थिति जानने के लिए सूर्योदय समय की कुण्डली है।

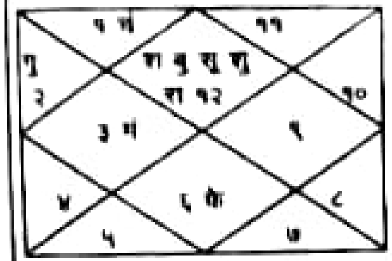
तुलनात्मक दृष्टि से सुगमता हो इसके लिए सभी कुण्डलियों में लग्न सूर्योदय कालीन लिया है। जन्म कुण्डली निर्माण में लग्न स्पष्ट करने के बाद ग्रह स्थापित करने में ये कुण्डलियाँ कल्पवृक्ष का काम करेंगी। इस दृष्टि से स्पष्ट उल्लेख करने का प्रयास किया है अपि तु कोई न्यूनता हो तो विद्वद्गण अवगत करें। आपके सुझाव पर इसका समावेश किया गया है आशा है ज्योतिर्विद्वृन्द लाभान्वित होंगे।

स्थल- रामगढ़, शेखा, (अक्षांश:२८°०' उ., रेखांश: ७४°५१'पू.) गणितकर्ता - पं. प्यारेलाल शर्मा (शास्त्री), विलेपार्ले, मुम्बई. ४०००५७.

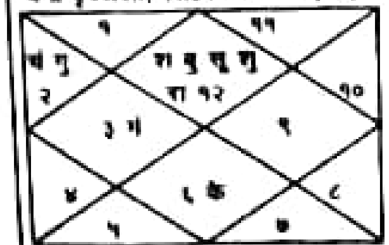
क्र. १,चै.शु. १ र.,३० मार्च२०२५
सूर्योदय समय, मीनलग्ने स्टै. ६।२७



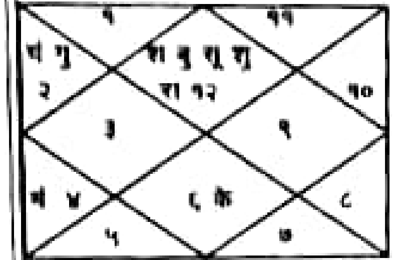
क्र. २,चै.शु. १ र.,३० मार्च२०२५
चन्द्र-मेषराशी, सिंहलग्ने स्टै.१६।३३



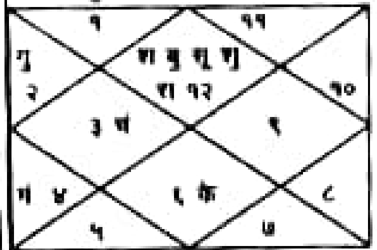
क्र. ३,चै.शु. ४ मं., १ अप्रै.२०२५
चन्द्र-वृषराशी, सिंहलग्ने स्टै.१६।२९



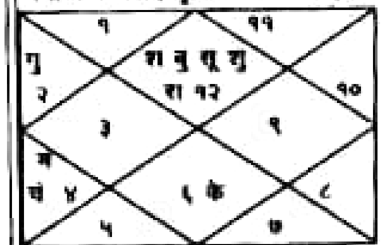
क्र. ४,चै.शु. ५ बु., २ अप्रै.२०२५
भौम-कर्कराशी, तुलालग्ने स्टै.२१।४२



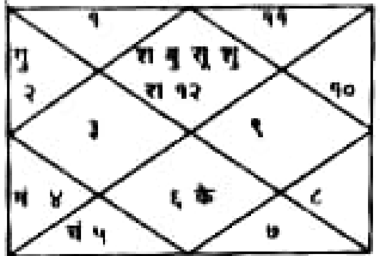
क्र. ५,चै.शु. ६ गु., ३ अप्रै.२०२५
चन्द्र-मिथुनराशी, कन्यालग्ने स्टै.१८।११



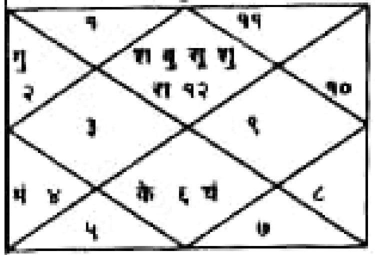
क्र. ६,चै.शु. ८ श., ५ अप्रै.२०२५
चन्द्र-कर्कराशी, वृश्चि.लग्ने स्टै.२३।२१



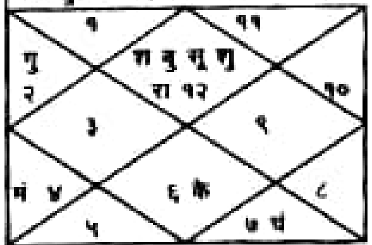
क्र. ७,चै.शु.११ मं., ८ अप्रै.२०२५
चन्द्र-सिंहराशी, मेषलग्ने स्टै. ७।५४



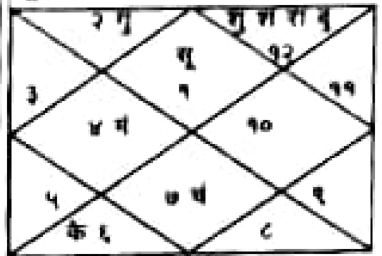
क्र. ८,चै.शु.१३ गु.,१० अप्रै.२०२५
चन्द्र-कन्याराशी, तुलालग्ने स्टै.१९।०६



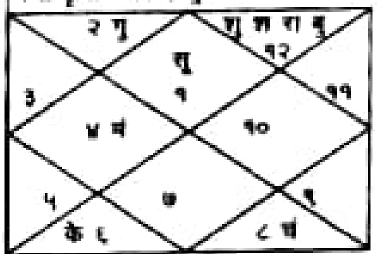
क्र. ९,वै.कृ. १ र.,१३ अप्रै.२०२५
चन्द्र-तुलाराशी, मेषलग्ने स्टै. ७।३५



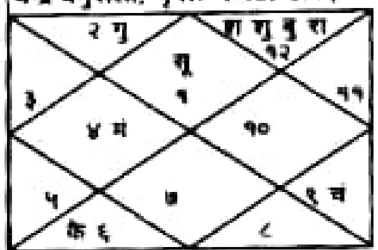
क्र. १०,वै.कृ. १ र.,१३ अप्रै.२०२५
सूर्य-मेषराशी, मकरलग्ने स्टै. २६।३३



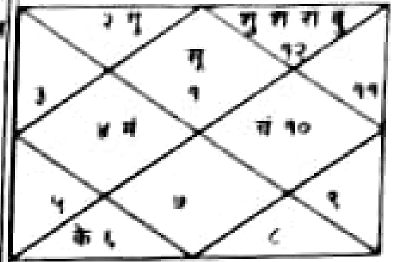
क्र. ११,वै.कृ. २ मं.,१५ अप्रै.२०२५
चन्द्र-वृश्चिकराशी, तुलालग्ने स्टै. २०।२०



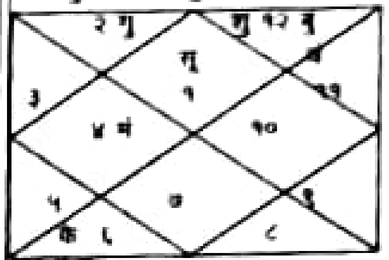
क्र. १२,वै.कृ. ५ शु.,१८ अप्रै.२०२५
चन्द्र-धनुराशी, वृषलग्ने स्टै. ८।११



क्र. १३,वै.कृ. ७ र.,२० अप्रै.२०२५
चन्द्र-मकरराशी, कन्यालग्ने स्टै. १८।०५

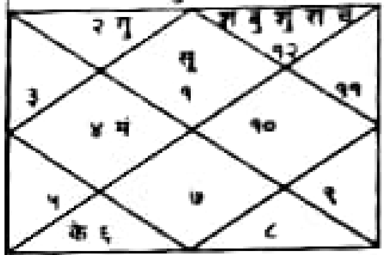


क्र. १४,वै.कृ. ९ मं.,२२ अप्रै.२०२५
चन्द्र-कुंभराशी, धनुलग्ने स्टै. २४।३०

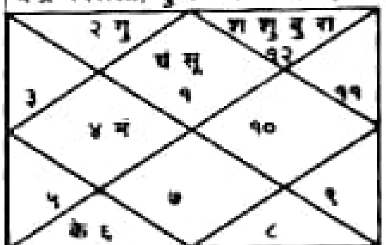


१२ श रा

क्र. १५,वै.कृ.११ गु.,२४ अप्रै.२०२५
चन्द्र-मीनराशी, कुंभलग्ने स्टै. २७।२३

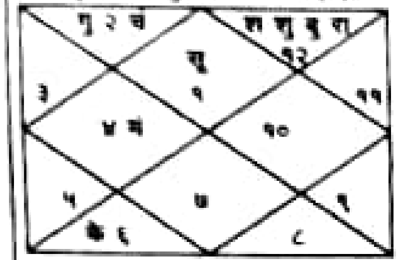


क्र. १६,वै.कृ.१३ श.,२६ अप्रै.२०२५
चन्द्र-मेषराशी, कुंभलग्ने स्टै. २७।३८

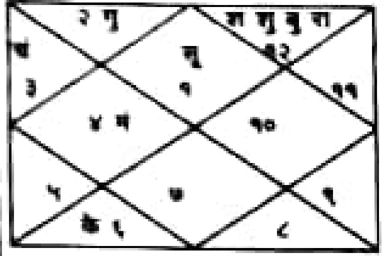


संवत् २०८२, सन २०२५-२६ : सूर्यादि विभिन्न ग्रहों के मार्गी/वक्री अवस्था में राशि परिवर्तन होने पर वर्षभर में जो भी कुण्डलियाँ बनती हैं वे सभी राशिप्रवेश कुण्डलियाँ - [illegible]

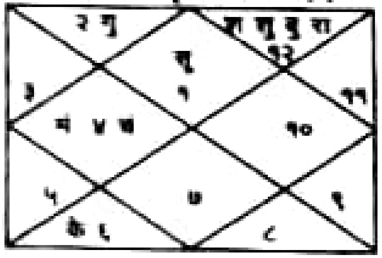
क्र. १७,वै.शु. १ सो.,२८ अप्रै.२०२५
चन्द्र-वृषराशी, कुंभलग्ने स्टै.२६।५४



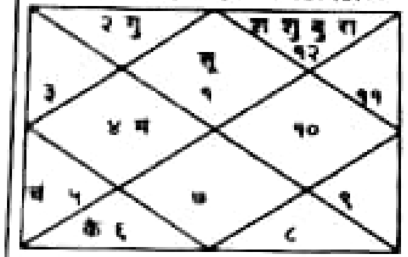
क्र. १८,वै.शु. ३ बु.,३० अप्रै.२०२५
चन्द्र-मिथुनराशी, कुंभलग्ने स्टै.२७।१४



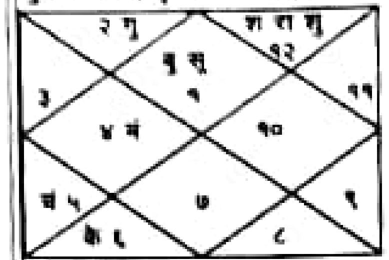
क्र. १९,वै.शु. ६ श., ३ मई२०२५
चन्द्र-कर्कराशी, वृषलग्ने स्टै. ६।३४



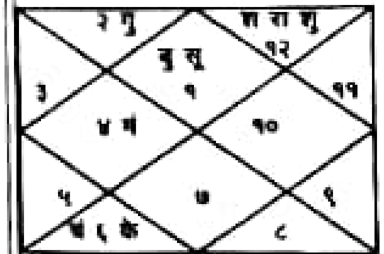
क्र. २०,वै.शु. ८ सो., ५ मई२०२५
चन्द्र-सिंहराशी, सिंहलग्ने स्टै.१४।००



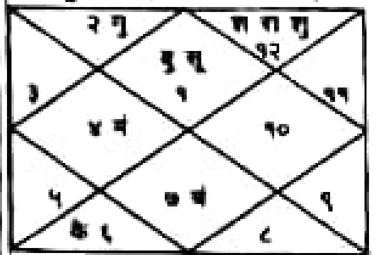
क्र. २१,वै.शु.१० बु., ७ मई२०२५
बुध-मेषराशी, वृषलग्ने स्टै. ६।२९



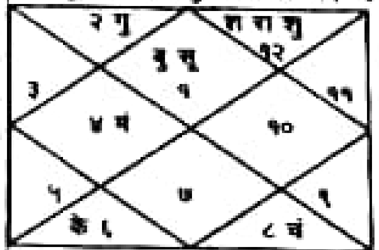
क्र. २२,वै.शु.१० बु., ७ मई२०२५
चन्द्र-कन्याराशी, मकरलग्ने स्टै.२४।५९



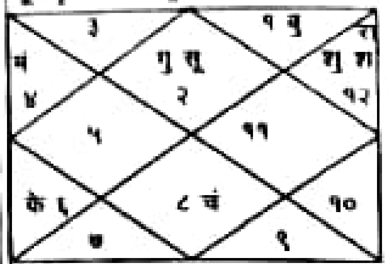
क्र. २३,वै.शु.१३ श.,१० मई२०२५
चन्द्र-तुलाराशी, सिंहलग्ने स्टै.१३।४२



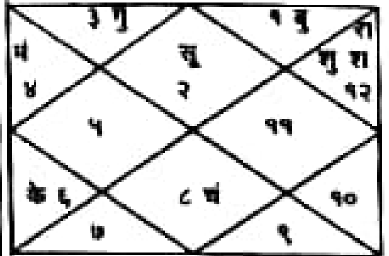
क्र. २४,वै.शु.१५ सो.,१२ मई२०२५
चन्द्र-वृश्चिकराशी, कुंभलग्ने स्टै.२६।२३



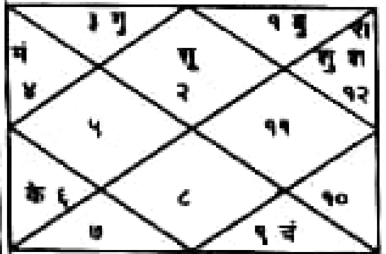
क्र. २५,ज्ये.कृ. २ बु.,१४ मई२०२५
सूर्य-वृषराशी, धनुलग्ने स्टै.२३।२७



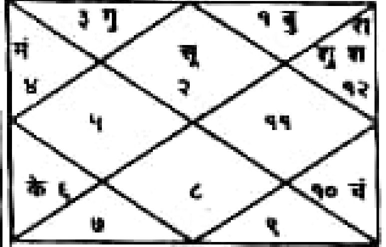
क्र. २६,ज्ये.कृ. ३ गु.,१५ मई२०२५
गुरु-मिथुनराशी, वृषलग्ने स्टै. ७।०४



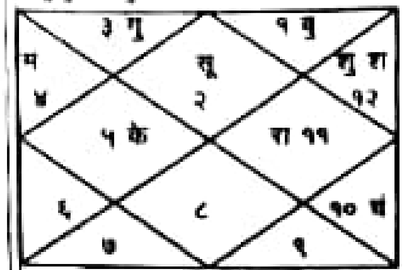
क्र. २७,ज्ये.कृ. ३ गु.,१५ मई२०२५
चन्द्र-धनुराशी, सिंहलग्ने स्टै.१४।०५



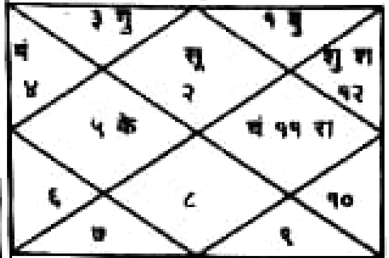
क्र. २८,ज्ये.कृ. ५ श.,१७ मई२०२५
चन्द्र-मकरराशी, मकरलग्ने स्टै.२४।०४



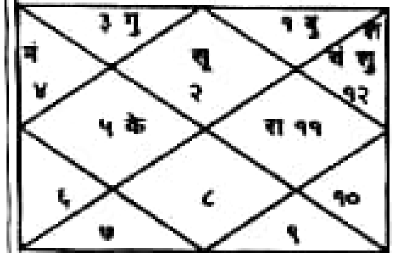
क्र. २९,ज्ये.कृ. ५ र.,१८ मई२०२५
राहु-कुंभ,केतु-सिंहराशी, कर्कलग्ने स्टै.११।१७



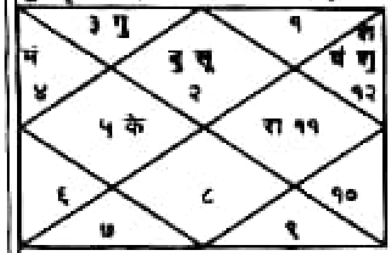
क्र. ३०,ज्ये.कृ. ७ मं.,२० मई२०२५
चन्द्र-कुंभराशी, मिथुनलग्ने स्टै. ७।३६



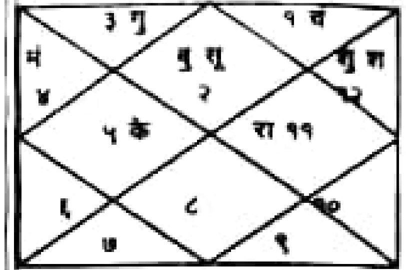
क्र. ३१,ज्ये.कृ.१० गु.,२२ मई२०२५
चन्द्र-मीनराशी, सिंहलग्ने स्टै.१२।०८



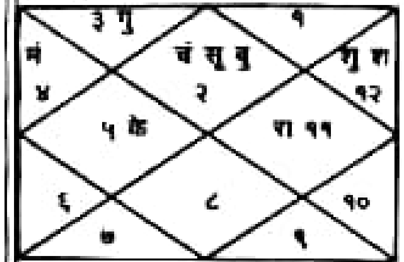
क्र. ३२,ज्ये.कृ.११ शु.,२३ मई२०२५
बुध-वृषराशी, सिंहलग्ने स्टै.१२।३१



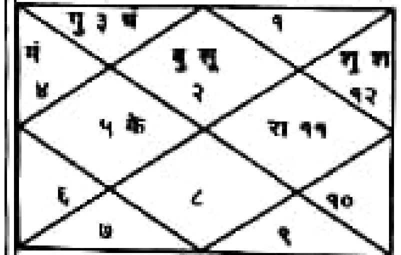
क्र. ३३,ज्ये.कृ.१२ श.,२४ मई२०२५
चन्द्र-मेषराशी, सिंहलग्ने स्टै.१३।५०



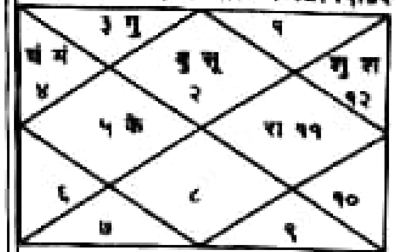
क्र. ३४,ज्ये.कृ.१४ सो.,२६ मई२०२५
चन्द्र-वृषराशी, सिंहलग्ने स्टै.१३।४३



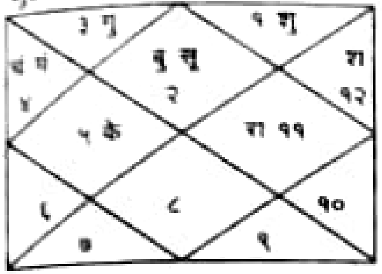
क्र. ३५,ज्ये.शु. २ बु.,२८ मई२०२५
चन्द्र-मिथुनराशी, सिंहलग्ने स्टै.१३।३७



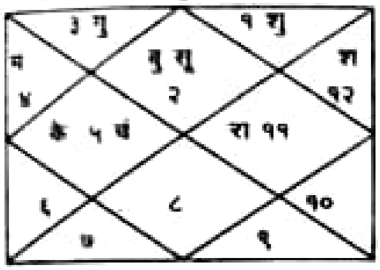
क्र. ३६,ज्ये.शु. ४ शु.,३० मई२०२५
चन्द्र-कर्कराशी, कन्यालग्ने स्टै.१५।४२



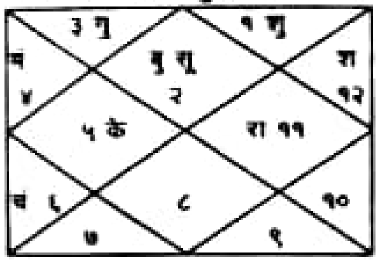
क्र. ३७.ज्ये.शु. ५ श., ३१ मई२०२५
शुक्र-मेषराशी, तुलालग्ने स्टे.१६।०४



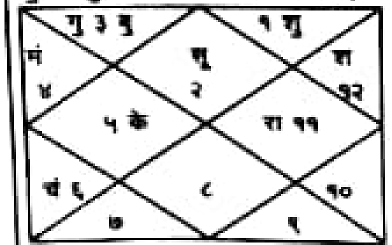
क्र. ३८.ज्ये.शु. ६ र., १ जून२०२५
चन्द्र-सिंहराशी, धनुलग्ने स्टे.२१।३५



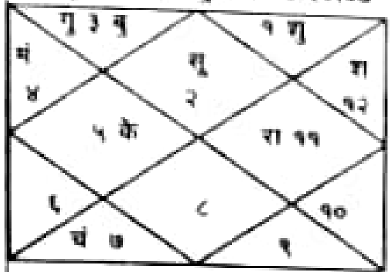
क्र. ३९.ज्ये.शु. ९ बु., ४ जून२०२५
चन्द्र-कन्याराशी, मिथुनलग्ने स्टे. ७।३४



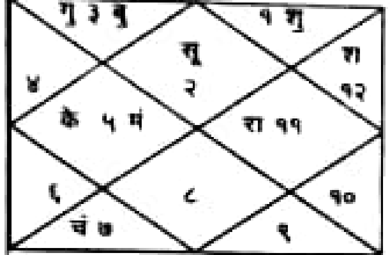
क्र. ४०.ज्ये.शु.११ शु., ६ जून२०२५
बुध-मिथुनराशी, कर्कलग्ने स्टे. ८।३१



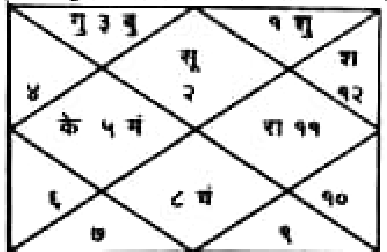
क्र. ४१.ज्ये.शु. ११ शु., ६ जून२०२५
चन्द्र-तुलाराशी, धनुलग्ने स्टे. २०।०७



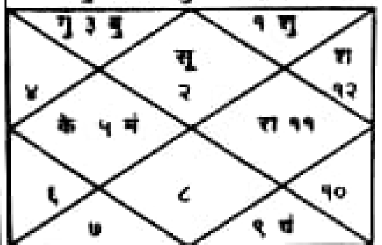
क्र. ४२.ज्ये.शु.११ शु., ६ जून२०२५
भौम-सिंहराशी, कुंभलग्ने स्टे.२४।५८



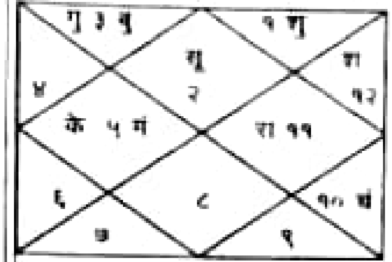
क्र. ४३.ज्ये.शु.१३ सो., ९ जून२०२५
चन्द्र-वृश्चिकराशी, कर्कलग्ने स्टे. ८।४९



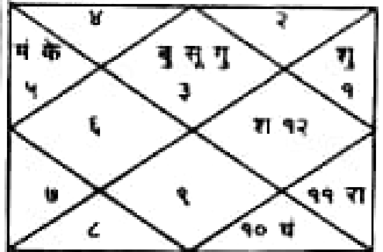
क्र. ४४.ज्ये.शु.१५ बु.,११ जून२०२५
चन्द्र-धनुराशी, धनुलग्ने स्टे.२०।०८



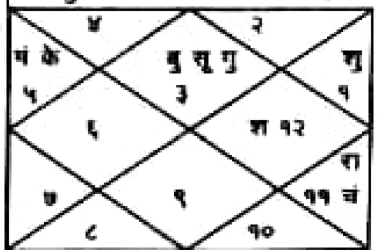
क्र. ४५.आ.कृ. २ शु., १३ जून२०२५
चन्द्र-मकरराशी, वृषलग्ने स्टे. २९।३७



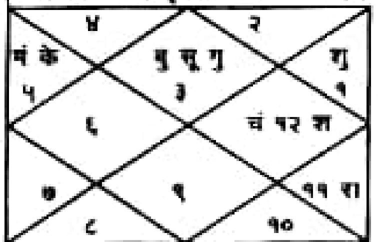
क्र. ४६.आ.कृ. ४ र.,१५ जून२०२५
सूर्य-मिथुनराशी, मिथुनलग्ने स्टे. ६।०७



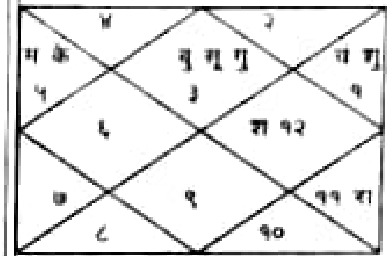
क्र. ४७.आ.कृ. ५ सो., १६ जून२०२५
चन्द्र-कुंभराशी, कन्यालग्ने स्टे.१३।१०



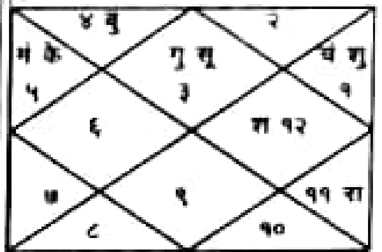
क्र. ४८.आ.कृ. ७ बु.,१८ जून२०२५
चन्द्र-मीनराशी, वृश्चि.लग्ने स्टे.१८।३६



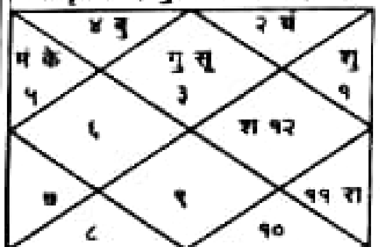
क्र. ४९.आ.कृ. ९ शु., २० जून२०२५
चन्द्र-मेषराशी, मकरलग्ने स्टे. २१।४६



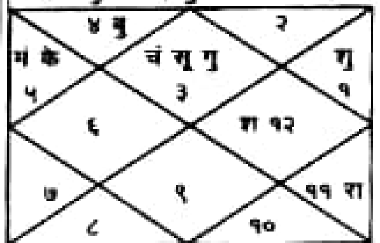
क्र. ५०.आ.कृ.१२ र.,२२ जून२०२५
बुध-कर्कराशी, धनुलग्ने स्टे.११।५९



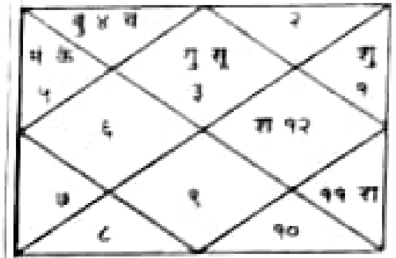
क्र. ५१.आ.कृ.१२ र.,२२ जून२०२५
चन्द्र-वृषराशी, कुंभलग्ने स्टे.२३।०५



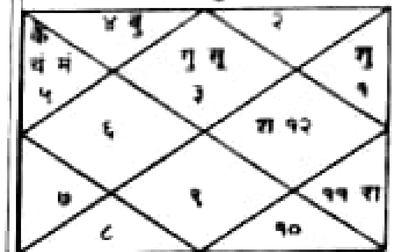
क्र. ५२.आ.कृ.१४ मं.,२४ जून२०२५
चन्द्र-मिथुनराशी, कुंभलग्ने स्टे.२३।४६



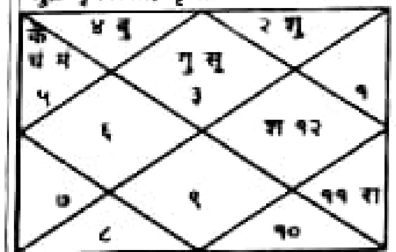
क्र. ५३.आ.शु. १ गु., २६ जून२०२५
चन्द्र-कर्कराशी, मेषलग्ने स्टे. २५।४०



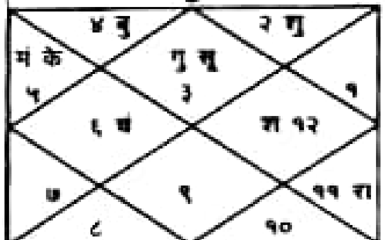
क्र. ५४.आ.शु. ४ र.,२९ जून२०२५
चन्द्र-सिंहराशी, मिथुनलग्ने स्टे. ६।३३



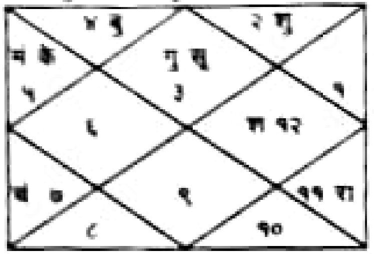
क्र. ५५.आ.शु. ४ र.,२९ जून२०२५
शुक्र-वृषराशी, वृश्चि.लग्ने स्टे.१८।००



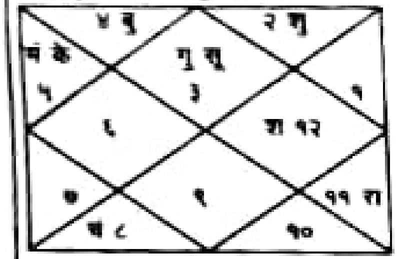
क्र. ५६.आ.शु. ६ मं., १ जुला.२०२५
चन्द्र-कन्याराशी, तुलालग्ने स्टे.१५।२०



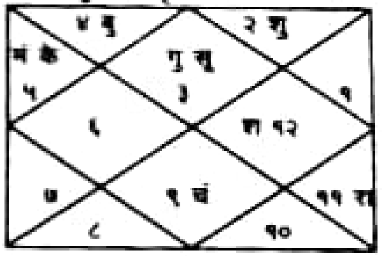
क्र. ५७,आ.शु. ८ गु., ३ जुला.२०२५
चन्द्र-तुलाराशी, वृषलग्ने स्टे.२७।१६



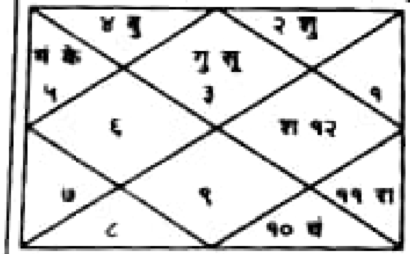
क्र. ५८,आ.शु.११ र., ६ जुला.२०२५
चन्द्र-वृश्चिकराशी, वृश्चि.लग्ने स्टे.१६।००



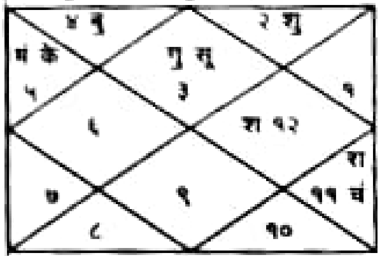
क्र. ५९,आ.शु.१३ मं., ८ जुला.२०२५
चन्द्र-धनुराशी, वृषलग्ने स्टे.२७।१४



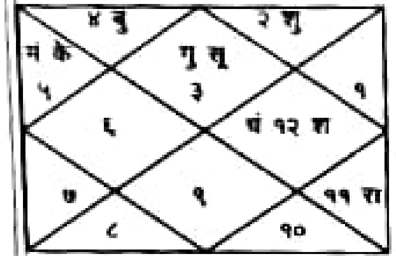
क्र. ६०,श्रा.कृ. १ गु.,११ जुला.२०२५
चन्द्र-मकरराशी, कन्यालग्ने स्टे.१२।०५



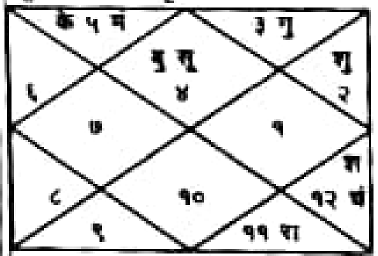
क्र. ६१,श्रा.कृ. ३ र.,१३ जुला.२०२५
चन्द्र-कुम्भराशी, धनुलग्ने स्टे.१८।५१



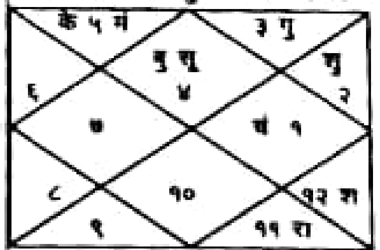
क्र. ६२,श्रा.कृ. ५ मं.,१५ जुला.२०२५
चन्द्र-मीनराशी, मीनलग्ने स्टे.२३।५८



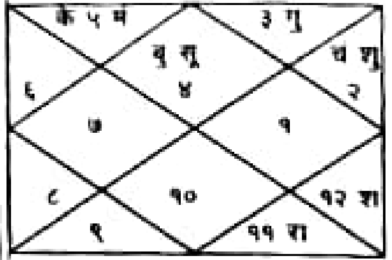
क्र. ६३,श्रा.कृ. ६ बु.,१६ जुला.२०२५
सूर्य-कर्कराशी, वृश्चि.लग्ने स्टे.१७।०४



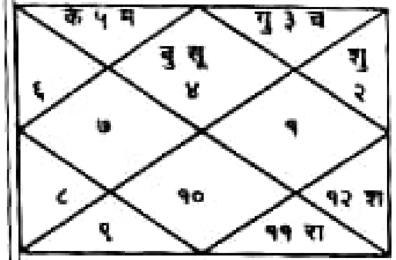
क्र. ६४,श्रा.कृ. ७ गु.,१७ जुला.२०२५
चन्द्र-मेषराशी, मिथुनलग्ने स्टे.२७।४०



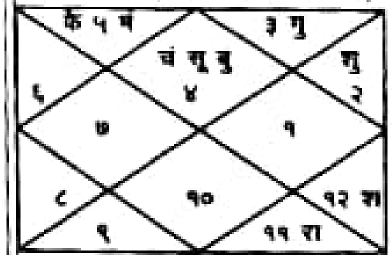
क्र. ६५,श्रा.कृ.१० र.,२० जुला.२०२५
चन्द्र-वृषराशी, कर्कलग्ने स्टे. ६।११



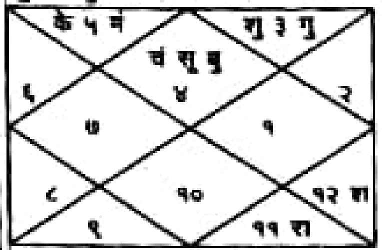
क्र. ६६,श्रा.कृ.१२ मं.,२२ जुला.२०२५
चन्द्र-मिथुनराशी, सिंहलग्ने स्टे. ८।१२



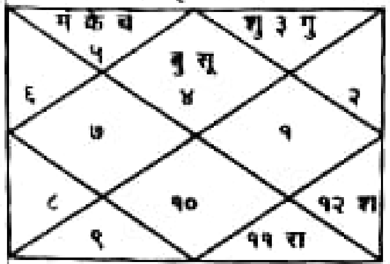
क्र. ६७,श्रा.कृ.३० गु.,२४ जुला.२०२५
चन्द्र-कर्कराशी, कन्यालग्ने स्टे.१०।५७



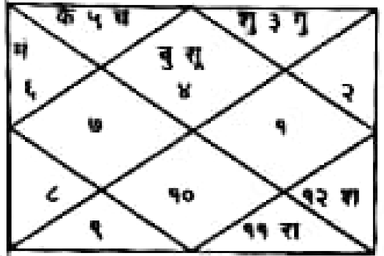
क्र. ६८,श्रा.शु. २ श.,२६ जुला.२०२५
शुक्र-मिथुनराशी, कन्यालग्ने स्टे.११।१६



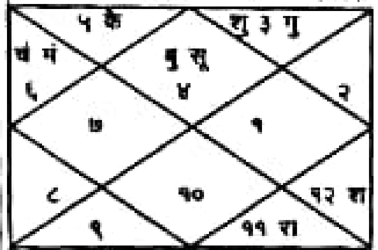
क्र. ६९,श्रा.शु. २ श.,२६ जुला.२०२५
चन्द्र-सिंहराशी, वृश्चि.लग्ने स्टे.१५।५१



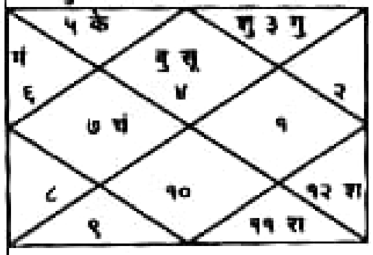
क्र. ७०,श्रा.शु. ४ सो.,२८ जुला.२०२५
भौम-कन्याराशी, मकरलग्ने स्टे.१८।५५



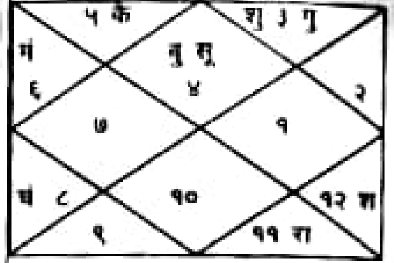
क्र. ७१,श्रा.शु. ४ सो.,२८ जुला.२०२५
चन्द्र-कन्याराशी, मेषलग्ने स्टे.२३।५६



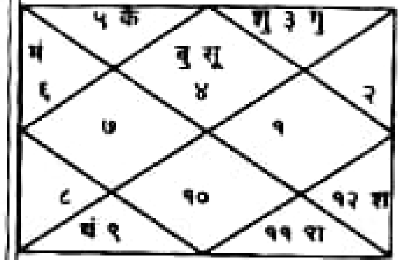
क्र. ७२,श्रा.शु. ७ गु.,३१ जुला.२०२५
चन्द्र-तुलाराशी, कन्यालग्ने स्टे.११।०८



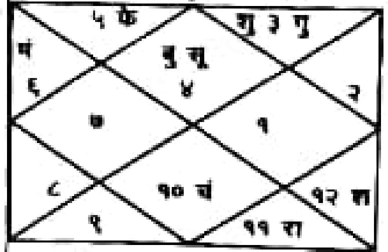
क्र. ७३,श्रा.शु. ८ श., २ अग.२०२५
चन्द्र-वृश्चिकराशी, मेषलग्ने स्टे.२३।४०



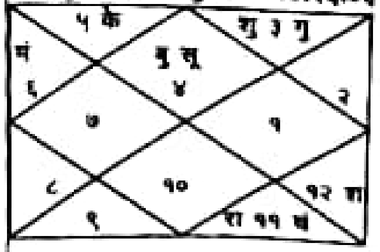
क्र. ७४,श्रा.शु.११ मं., ५ अग.२०२५
चन्द्र-धनुराशी, कन्यालग्ने स्टे.११।२३



क्र. ७५,श्रा.शु.१३ गु., ७ अग.२०२५
चन्द्र-मकरराशी, कुंभलग्ने स्टे.२०।०८

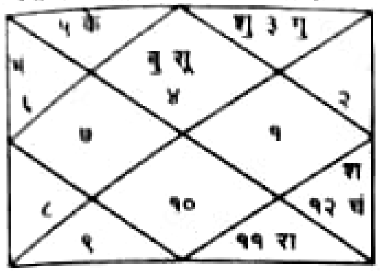


क्र. ७६,श्रा.शु.१५ श., ९ अग.२०२५
चन्द्र-कुंभराशी, मिथुनलग्ने स्टे.२६।०६

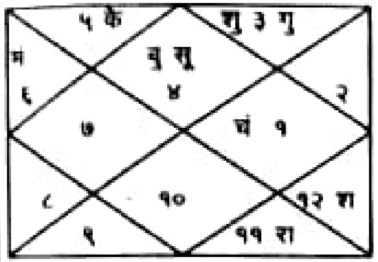


संवत् २०८२, सन २०२५-२६ : सूर्यादि निरयन ग्रहों के मार्गी/वक्री अवस्था में राशि परिवर्तन होने पर वर्षभर में जो भी कुण्डलियाँ बनती है वे सभी राशिप्रवेश कुण्डलियाँ - (१७)

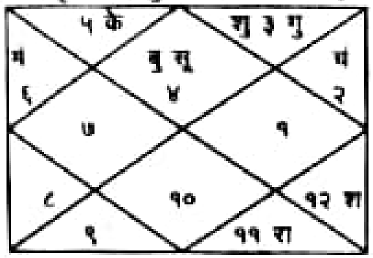
क्र. ७७,भा.कृ. ३ मं.,१२ अग.२०२५
चन्द्र-मीनराशी, कर्कलग्ने स्टै. ६।०८



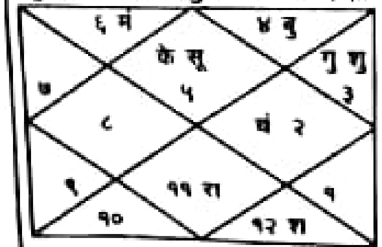
क्र. ७८,भा.कृ. ६ गु.,१४ अग.२०२५
चन्द्र-मेषराशी, कन्यालग्ने स्टै. ९।०६



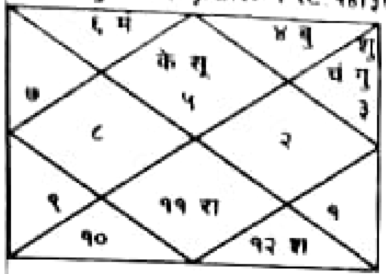
क्र. ७९,भा.कृ. ८ श.,१६ अग.२०२५
चन्द्र-वृषराशी, तुलालग्ने स्टै.११।४३



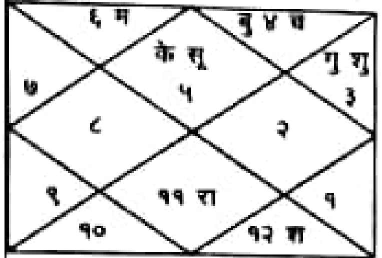
क्र. ८०,भा.कृ. ८ श.,१६ अग.२०२५
सूर्य-सिंहराशी, मिथुनलग्ने स्टै.२५।३४



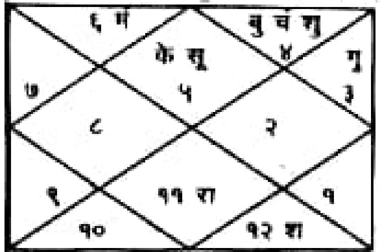
क्र. ८१,भा.कृ.१० सो.,१८ अग.२०२५
चन्द्र-मिथुनराशी, वृश्चि.लग्ने स्टै.१४।३६



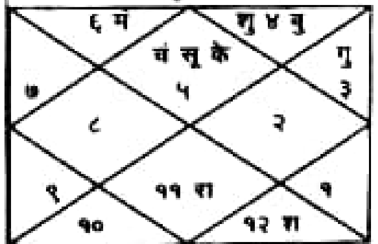
क्र. ८२,भा.कृ.१२ बु.,२० अग.२०२५
चन्द्र-कर्कराशी, मकरलग्ने स्टै.१८।३१



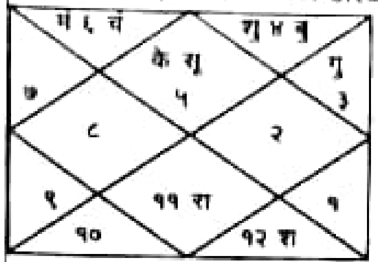
क्र. ८३,भा.कृ.१२ बु.,२० अग.२०२५
शुक्र-कर्कराशी, मिथुनलग्ने स्टै.२६।२६



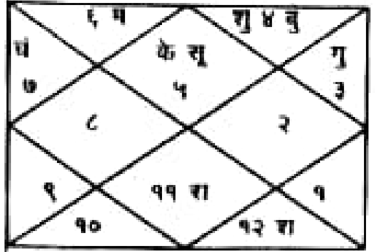
क्र. ८४,भा.कृ.१४ शु.,२२ अग.२०२५
चन्द्र-सिंहराशी, वृषलग्ने स्टै.२४।१५



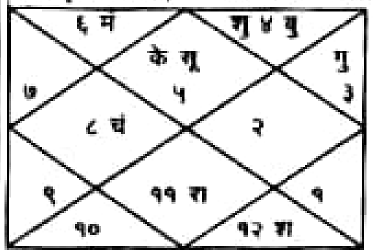
क्र. ८५,भा.शु. २ सो.,२५ अग.२०२५
चन्द्र-कन्याराशी, कन्यालग्ने स्टै. ८।२७



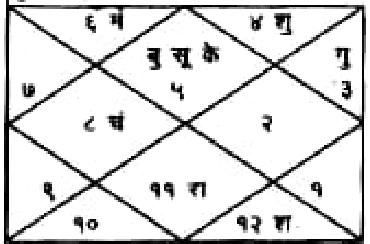
क्र. ८६,भा.शु. ४ बु.,२७ अग.२०२५
चन्द्र-तुलाराशी, कुंभलग्ने स्टै.१९।१४



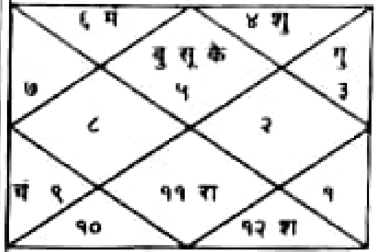
क्र. ८७,भा.शु. ७ श.,३० अग.२०२५
चन्द्र-वृश्चिकराशी, कन्यालग्ने स्टै. ७।४७



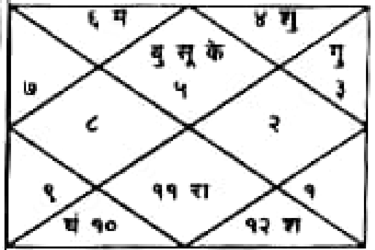
क्र. ८८,भा.शु. ७ श.,३० अग.२०२५
बुध-सिंहराशी, मकरलग्ने स्टै.१७।३६



क्र. ८९,भा.शु. ९ सो., १ सित.२०२५
चन्द्र-धनुराशी, मीनलग्ने स्टै.१९।५५



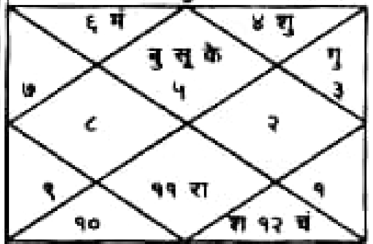
क्र. ९०,भा.शु.११ बु., ३ सित.२०२५
चन्द्र-मकरराशी, सिंहलग्ने स्टै.२१।२०



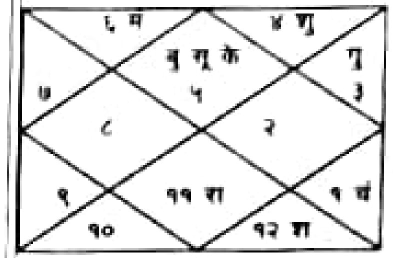
क्र. ९१,भा.शु.१४ श., ६ सित.२०२५
चन्द्र-कुंभराशी, तुलालग्ने स्टै.११।१६



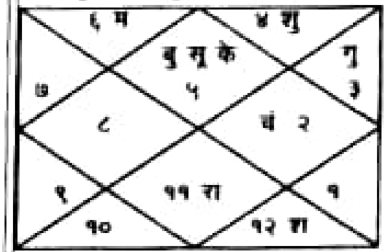
क्र. ९२,आ.कृ. १ सो., ८ सित.२०२५
चन्द्र-मीनराशी, धनुलग्ने स्टै.१४।२५



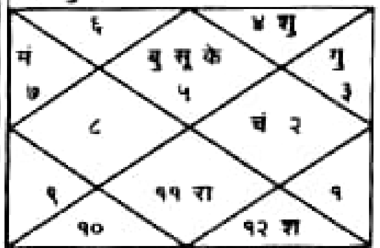
क्र. ९३,आ.कृ. ३ बु.,१० सित.२०२५
चन्द्र-मेषराशी, मकरलग्ने स्टै.१६।०२



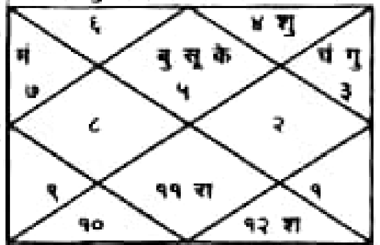
क्र. ९४,आ.कृ. ५ शु.,१२ सित.२०२५
चन्द्र-वृषराशी, कुंभलग्ने स्टै.१७।२१



क्र. ९५,आ.कृ. ६ श.,१३ सित.२०२५
भौम-तुलाराशी, मेषलग्ने स्टै.२०।४२

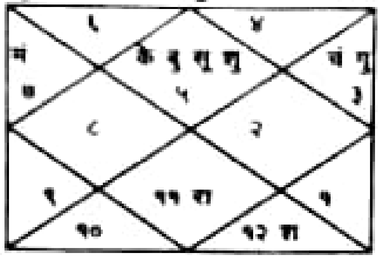


क्र. ९६,आ.कृ. ८ र.,१४ सित.२०२५
चन्द्र-मिथुनराशी, मीनलग्ने स्टै.१९।५९

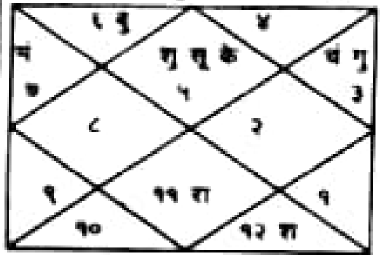


संवत् २०८२, सन २०२५-२६ : सूर्यादि निरयन ग्रहों के मार्गी/वक्री अवस्था में राशि परिवर्तन होने पर संसार में जो भी कुण्डलियाँ बनती है वे सभी राशिप्रवेश कुण्डलियाँ -

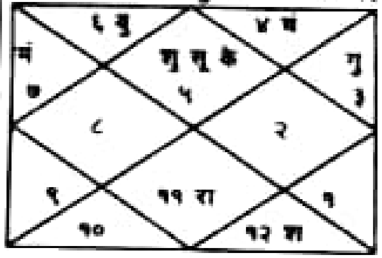
क्र. ९७,आ.कृ. ८ र.,१४ सित.२०२५
शुक्र-सिंहराशी, मिथुनलग्ने स्टै.२५।०६



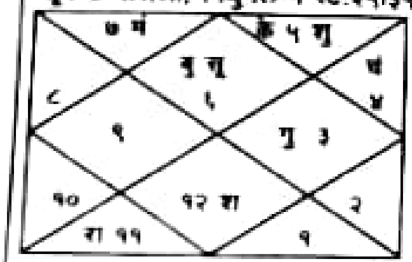
क्र. ९८,आ.कृ. ९ सो.,१५ सित.२०२५
बुध-कन्याराशी, तुलालग्ने स्टै.१०।५०



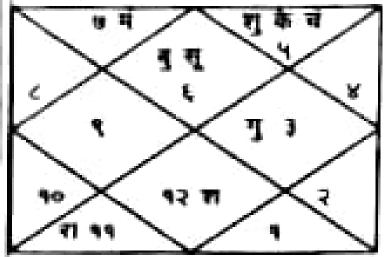
क्र. ९९,आ.कृ.१० मं.,१६ सित.२०२५
चन्द्र-कर्कराशी, मिथुनलग्ने स्टै.२४।२३



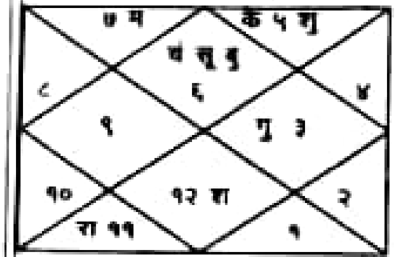
क्र.१००,आ.कृ.१० मं.,१६ सित.२०२५
सूर्य-कन्याराशी, मिथुनलग्ने स्टै.२५।३५



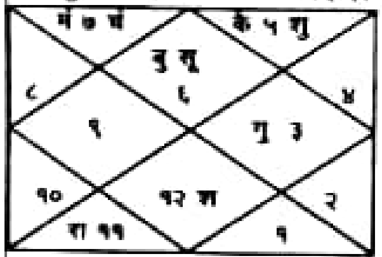
क्र.१०१,आ.कृ.१३ शु.,१९ सित.२०२५
चन्द्र-सिंहराशी, कन्यालग्ने स्टै. ७।०४



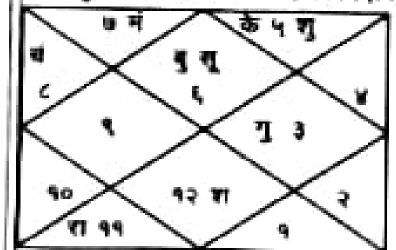
क्र.१०२,आ.कृ.३० र.,२१ सित.२०२५
चन्द्र-कन्याराशी, मकरलग्ने स्टै.१५।५८



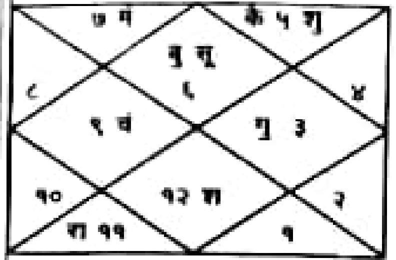
क्र.१०३,आ.शु. २ मं.,२३ सित.२०२५
चन्द्र-तुलाराशी, कर्कलग्ने स्टै.२६।५२



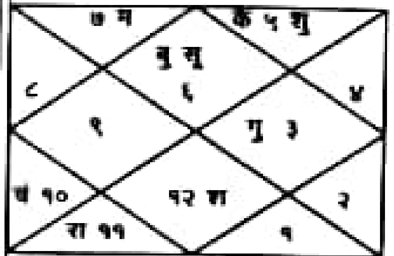
क्र.१०४,आ.शु. ४ गु.,२६ सित.२०२५
चन्द्र-वृश्चिकराशी, मकरलग्ने स्टै.१५।१७



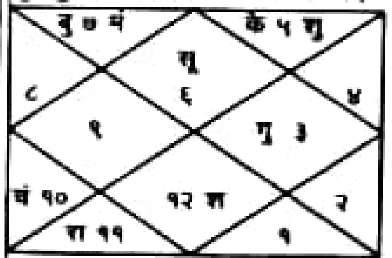
क्र.१०५,आ.शु. ६ र.,२८ सित.२०२५
चन्द्र-धनुराशी, सिंहलग्ने स्टै.२७।५३



क्र.१०६,आ.शु. ९ बु., १ अक्टु.२०२५
चन्द्र-मकरराशी, मकरलग्ने स्टै.१४।२७



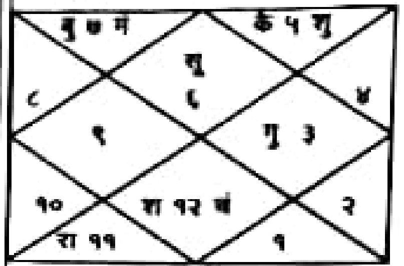
क्र.१०७,आ.शु.१० गु., २ अक्टु.२०२५
बुध-तुलाराशी, सिंहलग्ने स्टै.२७।२९



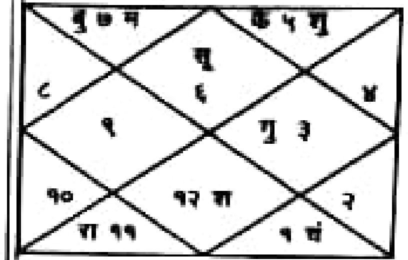
क्र.१०८,आ.शु.११ शु., ३ अक्टु.२०२५
चन्द्र-कुंभराशी, वृषलग्ने स्टै.२१।२४



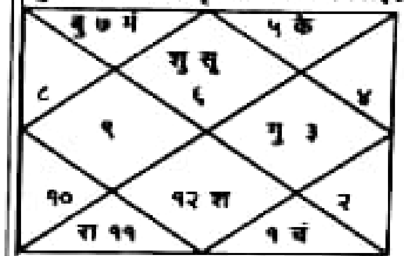
क्र.१०९,आ.शु.१३ र., ५ अक्टु.२०२५
चन्द्र-मीनराशी, कर्कलग्ने स्टै.२४।४२



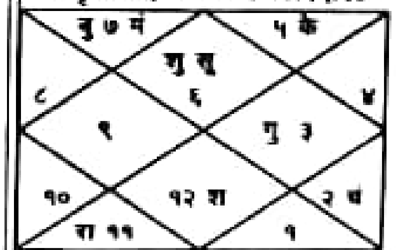
क्र.११०,आ.शु.१५ मं., ७ अक्टु.२०२५
चन्द्र-मेषराशी, कर्कलग्ने स्टै.२५।२८



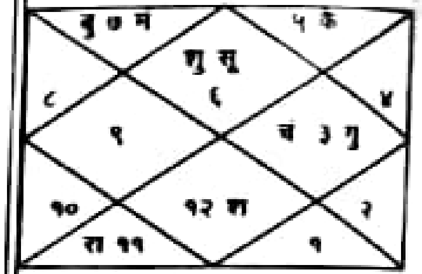
क्र.१११,का.कृ. ३ गु., ९ अक्टु.२०२५
शुक्र-कन्याराशी, वृश्चि.लग्ने स्टै.११।३४



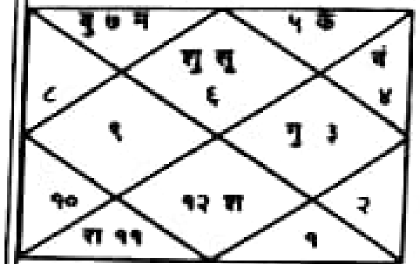
क्र.११२,का.कृ. ३ गु., ९ अक्टु.२०२५
चन्द्र-वृषराशी, कर्कलग्ने स्टै.२५।२४



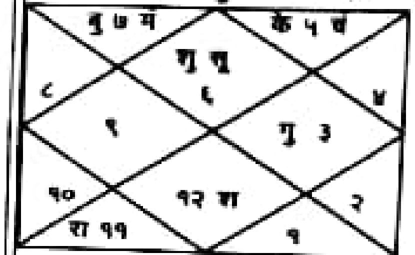
क्र.११३,का.कृ. ५ श.,११ अक्टु.२०२५
चन्द्र-मिथुनराशी, कर्कलग्ने स्टै.२६।२२



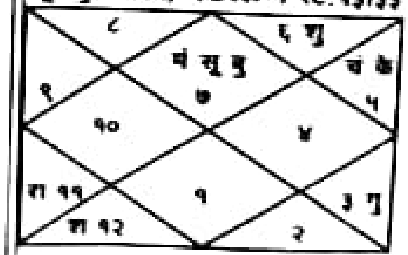
क्र.११४,का.कृ. ७ सो.,१३ अक्टु.२०२५
चन्द्र-कर्कराशी, कन्यालग्ने स्टै.२१।५१



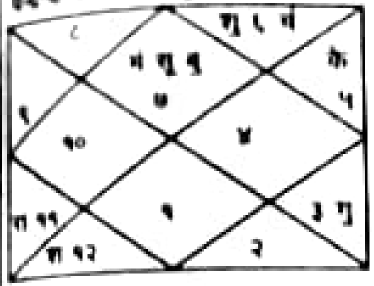
क्र.११५,का.कृ.१० गु.,१६ अक्टु.२०२५
चन्द्र-सिंहराशी, धनुलग्ने स्टै.१२।४०



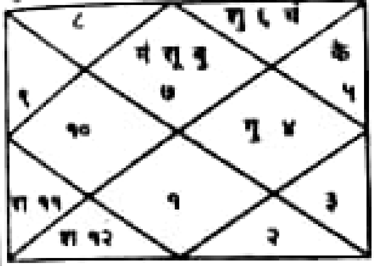
क्र.११६,का.कृ.११ शु.,१७ अक्टु.२०२५
सूर्य-तुलाराशी, मकरलग्ने स्टै.१३।३३



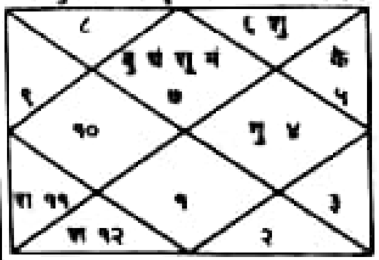
क्र.११७ का.कृ.१२ श.,१८ अक्टू.२०२५
चन्द्र कन्याराशी, मिथुनलग्ने स्टै.२२।१२



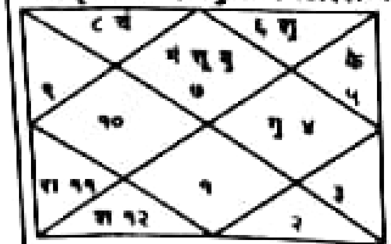
क्र.११८,का.कृ.१३ र.,१९ अक्टू.२०२५
गुरु-कर्कराशी, कन्यालग्ने स्टै.२९।३६



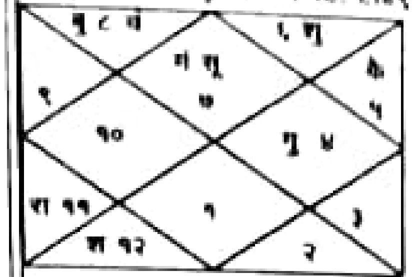
क्र.११९,का.कृ.३० मं.,२१ अक्टू.२०२५
चन्द्र-तुलाराशी, वृश्चि.लग्ने स्टै. ९।३६



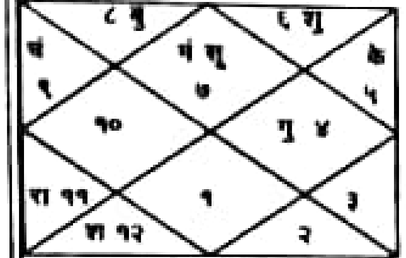
क्र.१२०,का.शु. २ गु.,२३ अक्टू.२०२५
चन्द्र-वृश्चिकराशी,मिथुनलग्ने स्टै.२२।०१



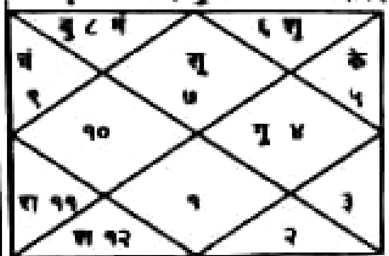
क्र.१२१,का.शु. ३ शु.,२४ अक्टू.२०२५
बुध-वृश्चिकराशी, वृश्चि.लग्ने स्टै. ८।४५



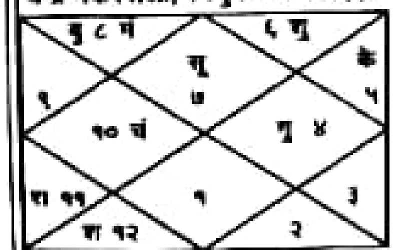
क्र.१२२,का.शु. ५ र.,२६ अक्टू.२०२५
चन्द्र-धनुराशी, धनुलग्ने स्टै.१०।४३



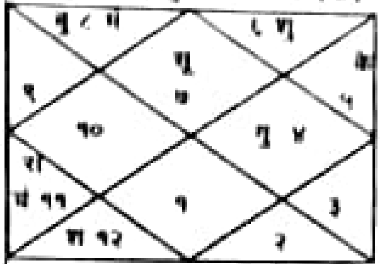
क्र.१२३,का.शु. ६ सो.,२७ अक्टू.२०२५
भौम-वृश्चिकराशी, कुंभलग्ने स्टै.१५।२६



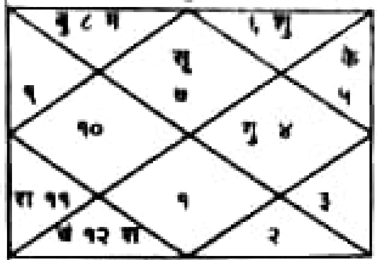
क्र.१२४,का.शु. ७ मं.,२८ अक्टू.२०२५
चन्द्र-मकरराशी, मिथुनलग्ने स्टै.२२।१४



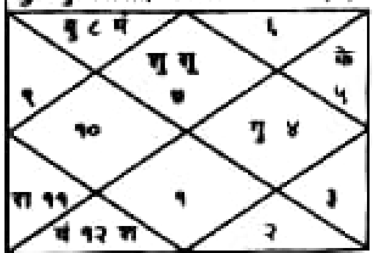
क्र.१२५,का.शु. ९ शु.,३१ अक्टू.२०२५
चन्द्र कुंभराशी, तुलालग्ने स्टै. ६।४१,



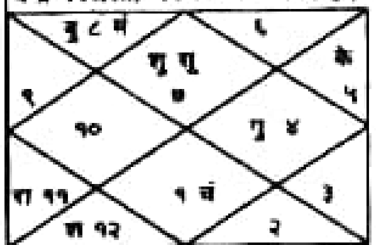
क्र.१२६,का.शु.११ र., २ नव.२०२५
चन्द्र-मीनराशी, धनुलग्ने स्टै.११।२५



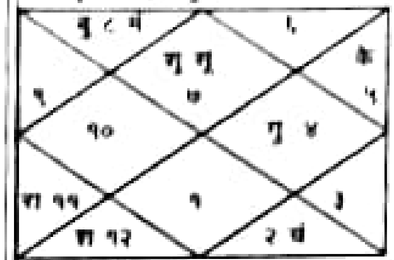
क्र.१२७,का.शु.११ र., २ नव.२०२५
शुक्र-तुलाराशी, मकरलग्ने स्टै.१३।३८



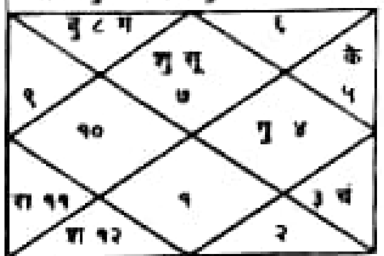
क्र.१२८,का.शु.१४ मं., ४ नव.२०२५
चन्द्र-मेषराशी, मकरलग्ने स्टै.१२।३५



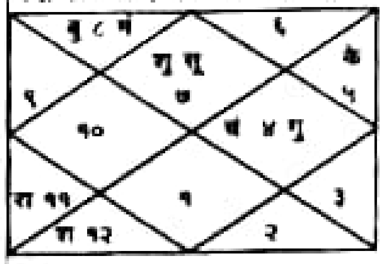
क्र.१२९,मा.कृ. १ गु., ६ नव.२०२५
चन्द्र वृषराशी, धनुलग्ने स्टै ११।४९



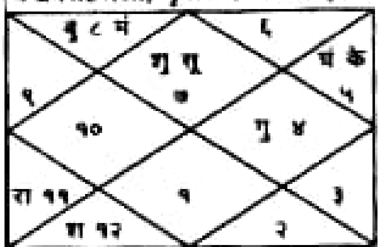
क्र.१३०,मा.कृ. ३ श., ८ नव २०२५
चन्द्र-मिथुनराशी, धनुलग्ने स्टै.११।१५



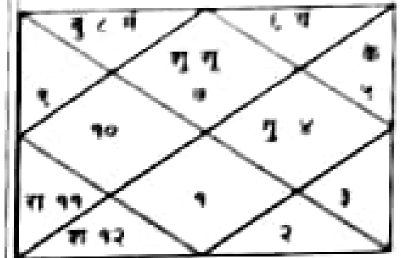
क्र.१३१,मा.कृ. ६ सो.,१० नव.२०२५
चन्द्र-कर्कराशी, मकरलग्ने स्टै.१३।०२



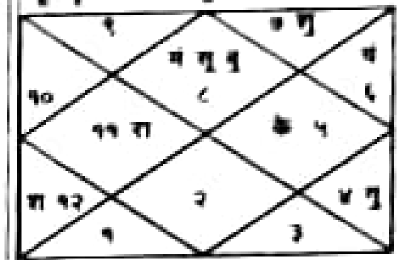
क्र.१३२,मा.कृ. ८ बु.,१२ नव.२०२५
चन्द्र-सिंहराशी, वृषलग्ने स्टै.१८।३४



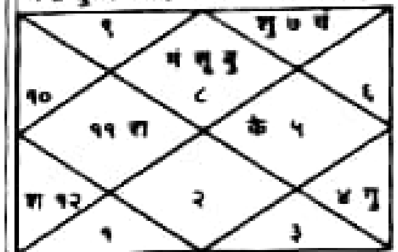
क्र.१३३,मा.कृ.१० शु.,१४ नव.२०२५
चन्द्र कन्याराशी, कन्यालग्ने स्टै २७।५९



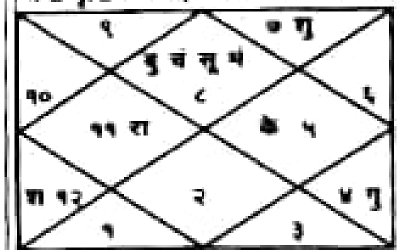
क्र.१३४,मा.कृ.१२ र.,१६ नव.२०२५
सूर्य-वृश्चिकराशी, कुंभलग्ने स्टै.१३।११



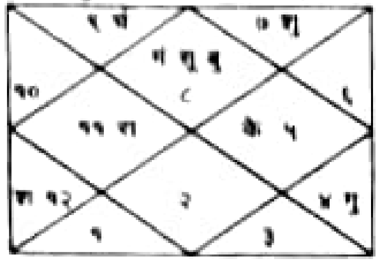
क्र.१३५,मा.कृ.१३ सो.,१७ नव.२०२५
चन्द्र-तुलाराशी, मीनलग्ने स्टै.१५।३५



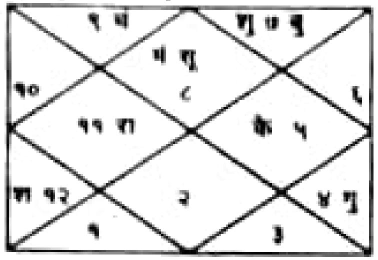
क्र.१३६,मा.कृ.१४ बु.,१९ नव.२०२५
चन्द्र-वृश्चिकराशी,कन्यालग्ने स्टै.२८।१२



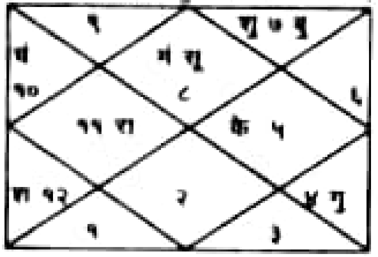
क्र.१३७,मा.शु. २ श.,२२ नव.२०२५
चन्द्र-धनुराशी, मेषलग्ने स्टै.१६।४४



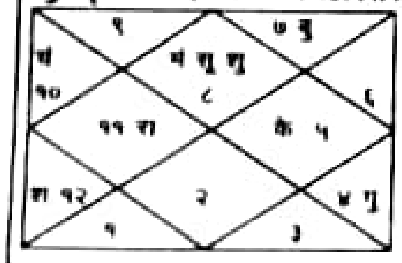
क्र.१३८,मा.शु. ३ र.,२३ नव.२०२५
बुध-तुलाराशी, वृषलग्ने स्टै.१८।५१



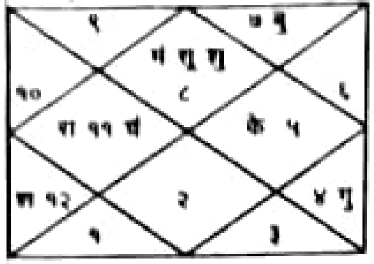
क्र.१३९,मा.शु. ४ सो.,२४ नव.२०२५
चन्द्र-मकरराशी, तुलालग्ने स्टै.२८।२५



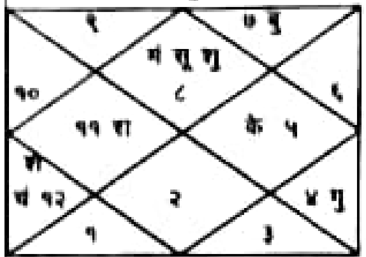
क्र.१४०,मा.शु. ६ बु.,२६ नव.२०२५
शुक्र-वृश्चिकराशी, मकरलग्ने स्टै.११।१४



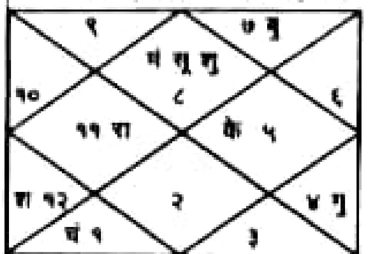
क्र.१४१,मा.शु. ७ गु.,२७ नव.२०२५
चन्द्र-कुंभराशी, मीनलग्ने स्टै.१४।०५



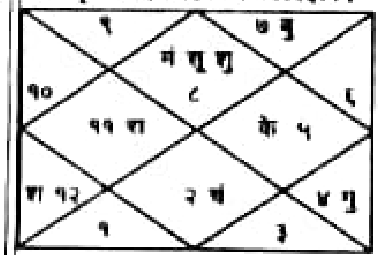
क्र.१४२,मा.शु. ९ श.,२९ नव.२०२५
चन्द्र-मीनराशी, मिथुनलग्ने स्टै.२०।३२



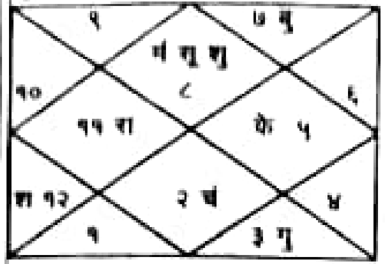
क्र.१४३,मा.शु.११ सो., १ दिस.२०२५
चन्द्र-मेषराशी, सिंहलग्ने स्टै.२३।१८



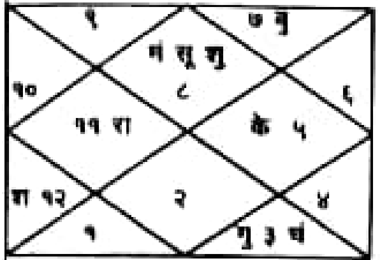
क्र.१४४,मा.शु.१३ बु., ३ दिस.२०२५
चन्द्र-वृषराशी, सिंहलग्ने स्टै.२३।१५



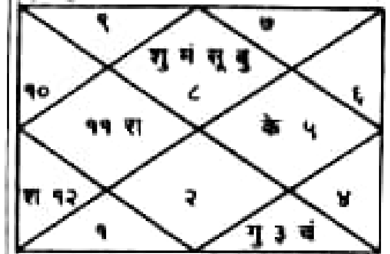
क्र.१४५,मा.शु.१३ बु., ३ दिस.२०२५
गुरु-मिथुनराशी, सिंहलग्ने स्टै.२३।३३



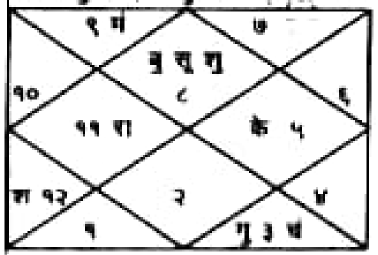
क्र.१४६,पौ.कृ. १ शु., ५ दिस.२०२५
चन्द्र-मिथुनराशी, कर्कलग्ने स्टै.२२।१६



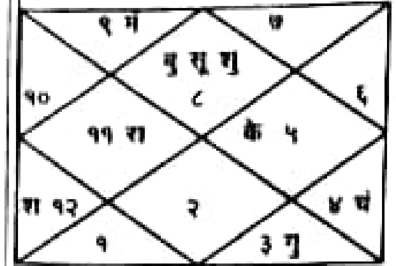
क्र.१४७,पौ.कृ. २ श., ६ दिस.२०२५
बुध-वृश्चिकराशी, कर्कलग्ने स्टै.२१।५३



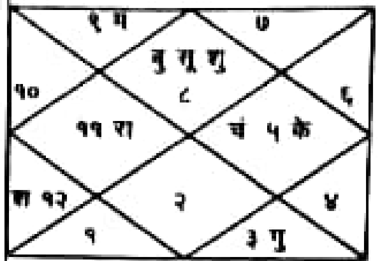
क्र.१४८,पौ.कृ. ३ र., ७ दिस.२०२५
भौम-धनुराशी, मिथुनलग्ने स्टै.२०।००



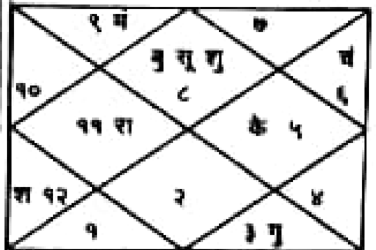
क्र.१४९,पौ.कृ. ३ र., ७ दिस.२०२५
चन्द्र-कर्कराशी, कर्कलग्ने स्टै.२२।३९



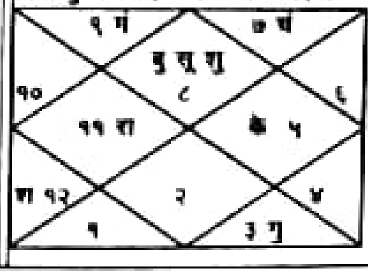
क्र.१५०,पौ.कृ. ५ मं., ९ दिस.२०२५
चन्द्र-सिंहराशी, कन्यालग्ने स्टै.२६।२३



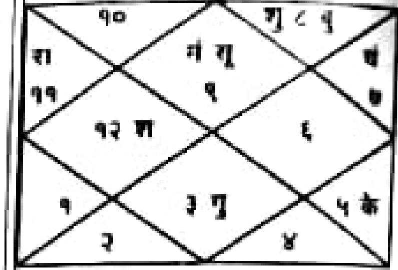
क्र.१५१,पौ.कृ. ८ शु.,१२ दिस.२०२५
चन्द्र-कन्याराशी, मकरलग्ने स्टै.१०।११



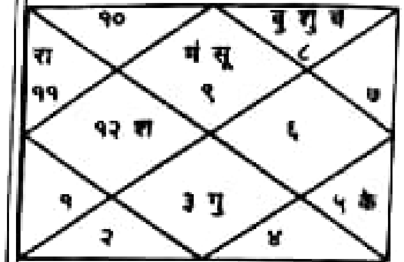
क्र.१५२,पौ.कृ.१० र.,१४ दिस.२०२५
चन्द्र-तुलाराशी, कर्कलग्ने स्टै.२१।४०



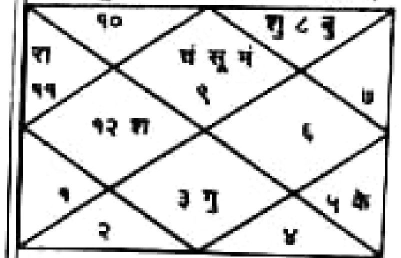
क्र.१५३,पौ.कृ.११ सो.,१५ दिस.२०२५
सूर्य-धनुराशी, तुलालग्ने स्टै.२०।५४



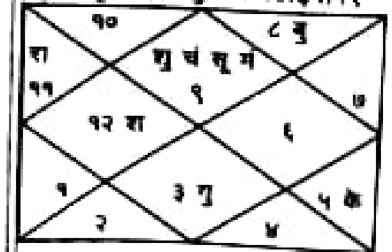
क्र.१५४,पौ.कृ.१३ बु.,१७ दिस.२०२५
चन्द्र-वृश्चिकराशी, मकरलग्ने स्टै.१०।२५



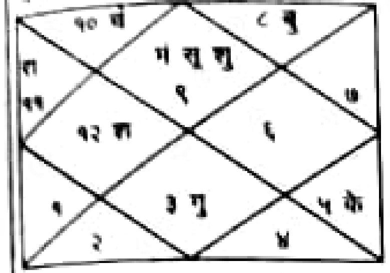
क्र.१५५,पौ.कृ.३० शु.,१९ दिस.२०२५
चन्द्र-धनुराशी, सिंहलग्ने स्टै.२२।४९



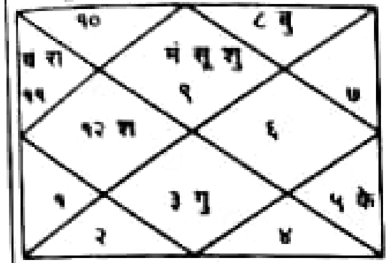
क्र.१५६,पौ.कृ.३० शु.,१९ दिस.२०२५
शुक्र-धनुराशी, धनुलग्ने स्टै.३१।११



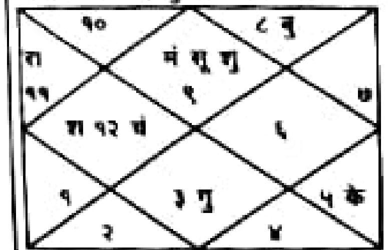
क्र.१५७.पौ.शु. २ सो.,२२ दिस.२०२५
चन्द्र मकरराशी, मकरलग्ने स्टै. १०।०४



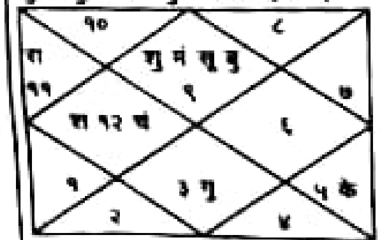
क्र.१५८.पौ.शु. ४ बु.,२४ दिस.२०२५
चन्द्र कुंभराशी, कर्कलग्ने स्टै.११।४४



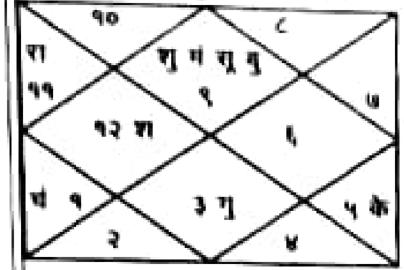
क्र.१५९.पौ.शु. ६ शु.,२६ दिस.२०२५
चन्द्र मीनराशी, तुलालग्ने स्टै.२७।१०



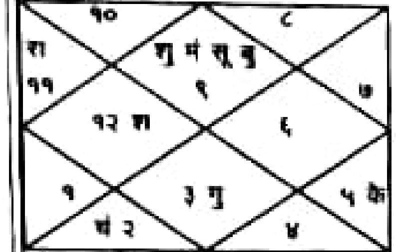
क्र.१६०.पौ.शु. ८ र.,२८ दिस.२०२५
बुध-धनुराशी, धनुलग्ने स्टै.३१।०५



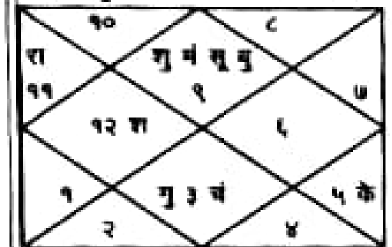
क्र.१६१.पौ.शु. ९ सो.,२९ दिस.२०२५
चन्द्र मेषराशी, धनुलग्ने स्टै. ७।४१



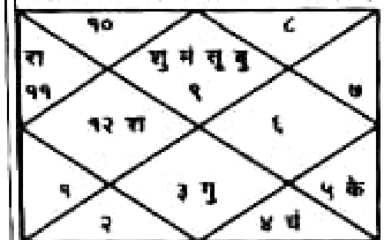
क्र.१६२.पौ.शु.१२ बु.,३१ दिस.२०२५
चन्द्र वृषराशी, मकरलग्ने स्टै. ९।२२



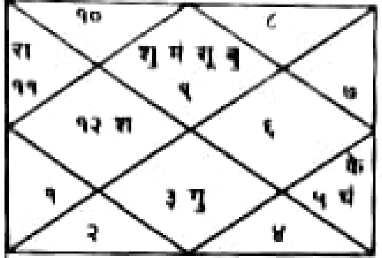
क्र.१६३.पौ.शु.१४ शु., २ जन.२०२६
चन्द्र मिथुनराशी, मकरलग्ने स्टै. ९।२४



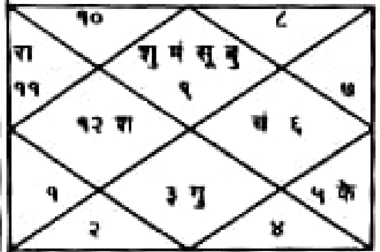
क्र.१६४.मा.कृ. १ र., ४ जन.२०२६
चन्द्र कर्कराशी, मकरलग्ने स्टै. ९।४३



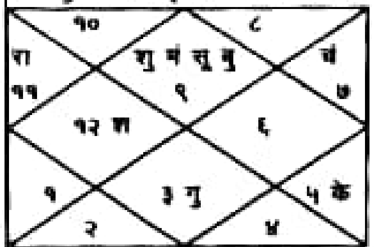
क्र.१६५.मा.कृ. ३ मं., ६ जन.२०२६
चन्द्र सिंहराशी, मीनलग्ने स्टै.१२।१९



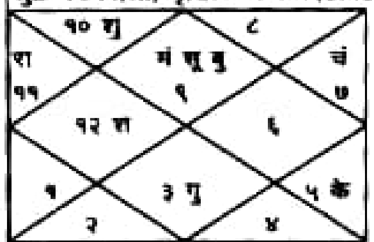
क्र.१६६.मा.कृ. ६ गु., ८ जन.२०२६
चन्द्र कन्याराशी, कर्कलग्ने स्टै.१८।३८



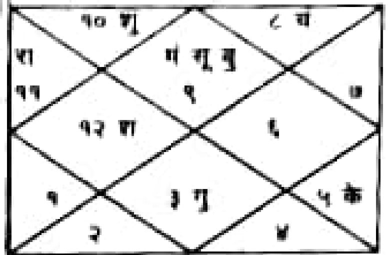
क्र.१६७.मा.कृ. ७ श.,१० जन.२०२६
चन्द्र तुलाराशी, वृश्चि.लग्ने स्टै.२८।४८



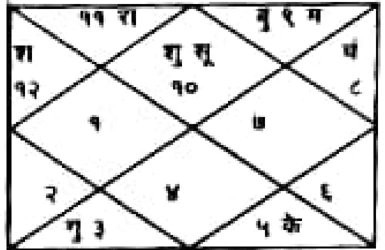
क्र.१६८.मा.कृ. ९ सो.,१२ जन.२०२६
शुक्र-मकरराशी, वृश्चि.लग्ने स्टै.२७।१८



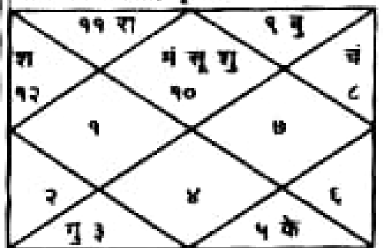
क्र.१६९.मा.कृ.१० मं.,१३ जन.२०२६
चन्द्र वृश्चिकराशी, मिथुनलग्ने स्टै.१७।२०



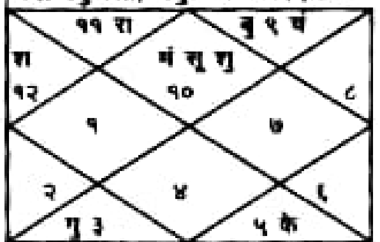
क्र.१७०.मा.कृ.११ बु.,१४ जन.२०२६
सूर्य-मकरराशी, वृषलग्ने स्टै.१४।३४



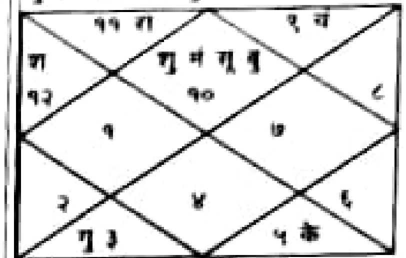
क्र.१७१.मा.कृ.१२ गु.,१५ जन.२०२६
भौम-मकरराशी, वृश्चि.लग्ने स्टै.२८।०१



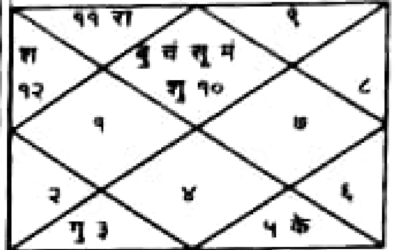
क्र.१७२.मा.कृ.१२ गु.,१५ जन.२०२६
चन्द्र-धनुराशी, धनुलग्ने स्टै.२९।४८



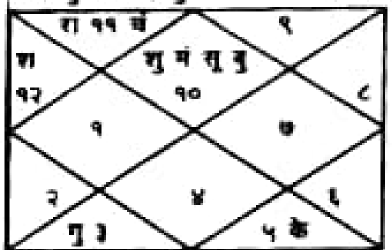
क्र.१७३.मा.कृ.१४ श.,१७ जन.२०२६
बुध मकरराशी, कुंभलग्ने स्टै. १०।०९



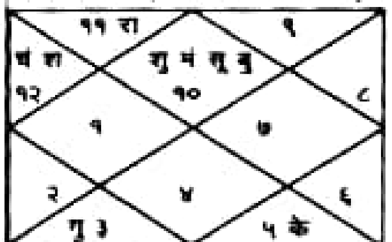
क्र.१७४.मा.कृ.३० र.,१८ जन.२०२६
चन्द्र-मकरराशी, मिथुनलग्ने स्टै.१६।३८



क्र.१७५.मा.शु. २ मं.,२० जन.२०२६
चन्द्र-कुंभराशी, तुलालग्ने स्टै.२५।३२

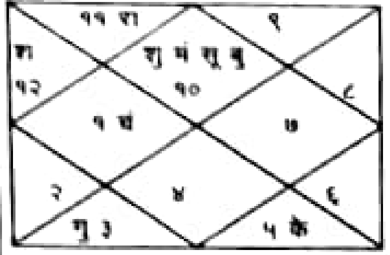


क्र.१७६.मा.शु. ५ शु.,२३ जन.२०२६
चन्द्र-मीनराशी, मकरलग्ने स्टै. ८।३४

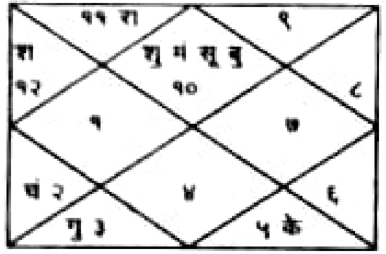


संवत् २०८२, सन २०२५-२६ : सूर्यादि निरयन ग्रहों के मार्गी/वक्री अवस्था में राशि परिवर्तन होने पर वर्षभर में जो भी कुण्डलियाँ बनती हैं वे सभी राशिप्रवेश कुण्डलियाँ -

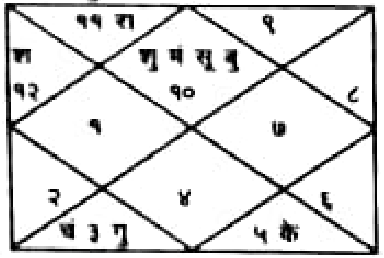
क्र.१७७,मा.शु. ७ र.,२५ जन.२०२६
चन्द्र मेषराशी, वृषलग्ने स्टै.१३।३८



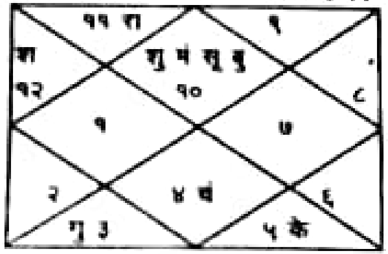
क्र.१७८,मा.शु. ९ मं.,२७ जन.२०२६
चन्द्र-वृषराशी, मिथुनलग्ने स्टै.१६।४५



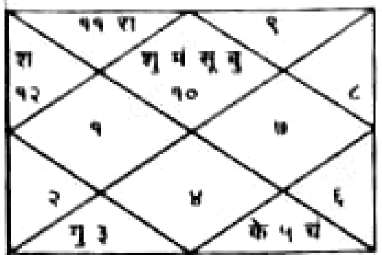
क्र.१७९,मा.शु.११ गु.,२९ जन.२०२६
चन्द्र-मिथुनराशी, कर्कलग्ने स्टै.१८।२८



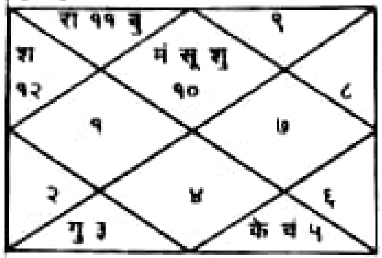
क्र.१८०,मा.शु.१३ श.,३१ जन.२०२६
चन्द्र-कर्कराशी, सिंहलग्ने स्टै.११।५९



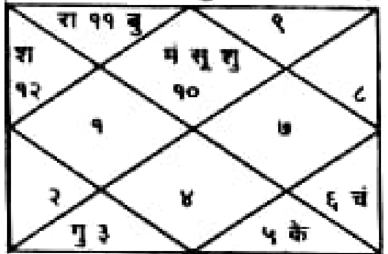
क्र.१८१,फा.कृ. १ सो., २ फर.२०२६
चन्द्र-सिंहराशी, कन्यालग्ने स्टै.२२।४८



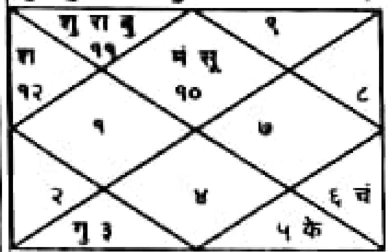
क्र.१८२,फा.कृ. २ मं., ३ फर.२०२६
बुध-कुंभराशी, कन्यालग्ने स्टै.२१।१२



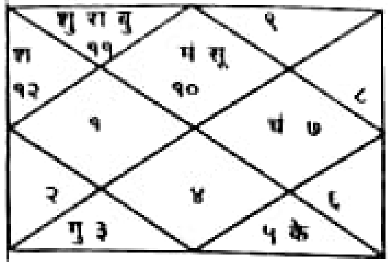
क्र.१८३,फा.कृ. ३ बु., ४ फर.२०२६
चन्द्र-कन्याराशी, धनुलग्ने स्टै.२८।१९



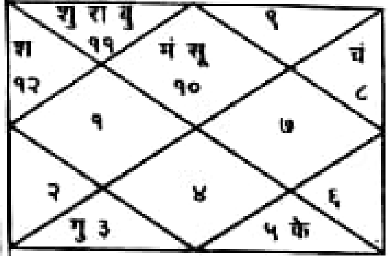
क्र.१८४,फा.कृ. ४ गु., ५ फर.२०२६
शुक्र-कुंभराशी, तुलालग्ने स्टै.२४।१५



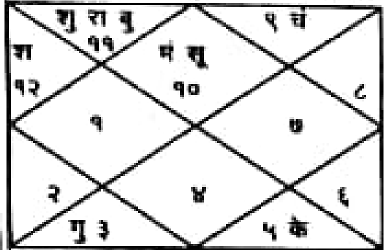
क्र.१८५,फा.कृ. ६ श., ७ फर.२०२६
चन्द्र-तुलाराशी, वृषलग्ने स्टै.१३।१६



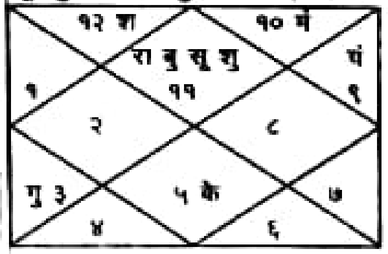
क्र.१८६,फा.कृ. ८ सो., ९ फर.२०२६
चन्द्र-वृश्चिकराशी, तुलालग्ने स्टै.२५।०७



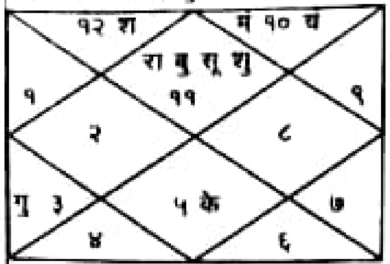
क्र.१८७,फा.कृ.१० गु.,१२ फर.२०२६
चन्द्र-धनुराशी, मिथुनलग्ने स्टै.१३।४३



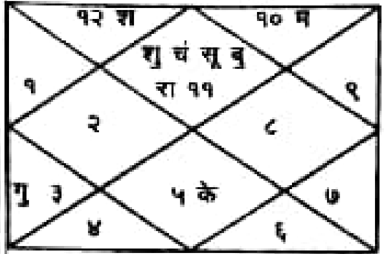
क्र.१८८,फा.कृ.१० गु.,१२ फर.२०२६
सूर्य-कुंभराशी, धनुलग्ने स्टै.२७।२७



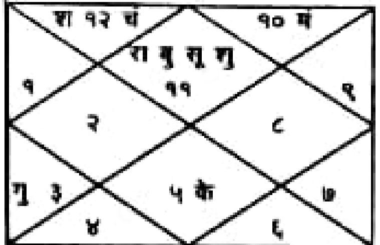
क्र.१८९,फा.कृ.१२ श.,१४ फर.२०२६
चन्द्र-मकरराशी, तुलालग्ने स्टै.२४।४१



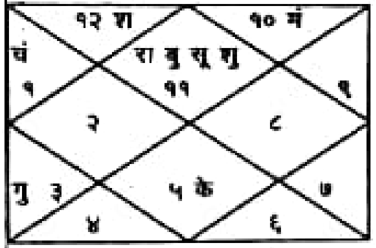
क्र.१९०,फा.कृ.३० मं.,१७ फर.२०२६
चन्द्र-कुंभराशी, मीनलग्ने स्टै. ९।०२



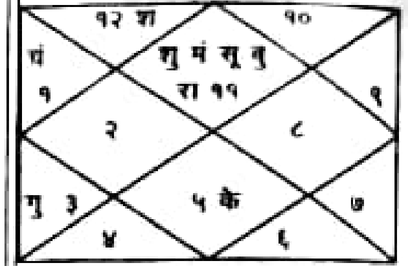
क्र.१९१,फा.शु. २ गु.,१९ फर.२०२६
चन्द्र-मीनराशी, मिथुनलग्ने स्टै.१४।५९



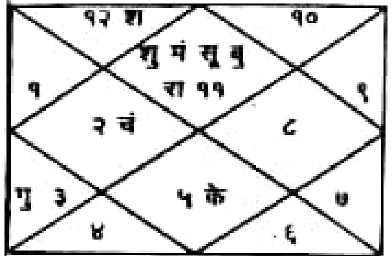
क्र.१९२,फा.शु. ४ श.,२१ फर.२०२६
चन्द्र-मेषराशी, सिंहलग्ने स्टै.११।०९



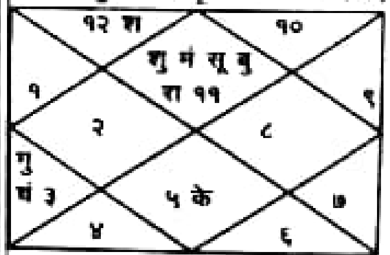
क्र.१९३,फा.शु. ६ सो.,२३ फर.२०२६
भौम-कुंभराशी, वृषलग्ने स्टै.११।२३



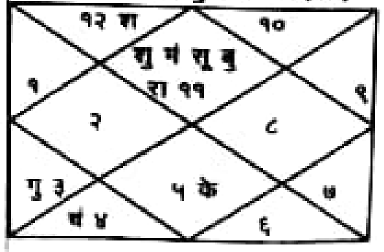
क्र.१९४,फा.शु. ६ सो.,२३ फर.२०२६
चन्द्र-वृषराशी, तुलालग्ने स्टै.२२।१३



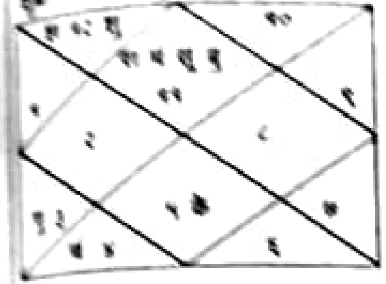
क्र.१९५,फा.शु. ९ बु.,२५ फर.२०२६
चन्द्र-मिथुनराशी, वृश्चि.लग्ने स्टै.२४।५२



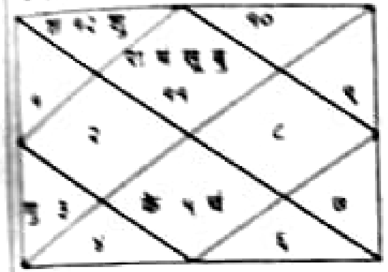
क्र.१९६,फा.शु.११ शु.,२७ फर.२०२६
चन्द्र-कर्कराशी, धनुलग्ने स्टै.२७।५०



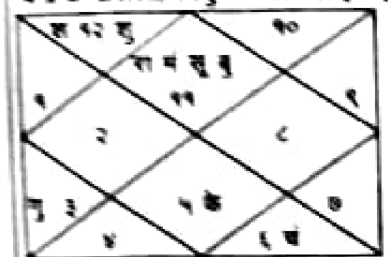
क्र.१९७ फा.शु.१३ र., १ मार्च२०२६
शुक्र-मीनराशी, तुलालग्ने स्टै. २३।५२



क्र.१९८ फा.शु.१४ सो., २ मार्च२०२६
चन्द्र-सिंहराशी, मीनलग्ने स्टै. ०।५१



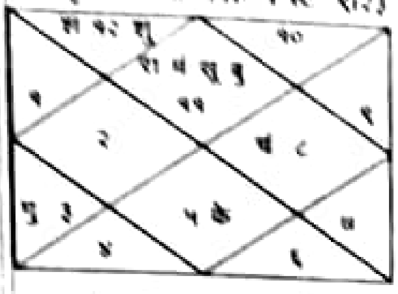
क्र.१९९.चै.कृ. १ बु., ४ मार्च२०२६
चन्द्र-कन्याराशी, मिथुनलग्ने स्टै.१३।५२



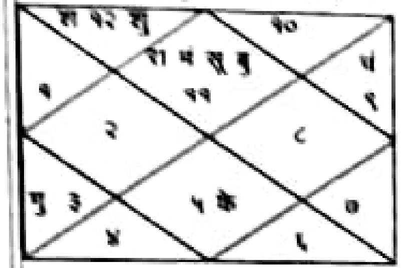
क्र.२००.चै.कृ. ३ शु., ६ मार्च२०२६
चन्द्र-तुलाराशी, तुलालग्ने स्टै.२२।१४



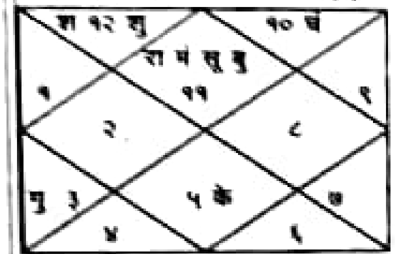
क्र.२०१.चै.कृ. ६ सो., ९ मार्च२०२६
चन्द्र-वृश्चिकराशी, मेषलग्ने स्टै. १।२३



क्र.२०२.चै.कृ. ८ बु., ११ मार्च२०२६
चन्द्र-धनुराशी, तुलालग्ने स्टै.२२।००



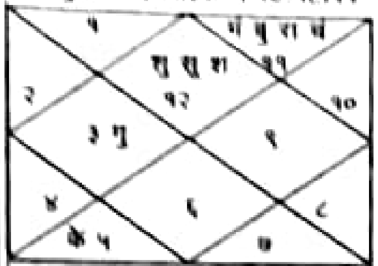
क्र.२०३.चै.कृ.१० श., १४ मार्च२०२६
चन्द्र-मकरराशी, मेषलग्ने स्टै. १।३४



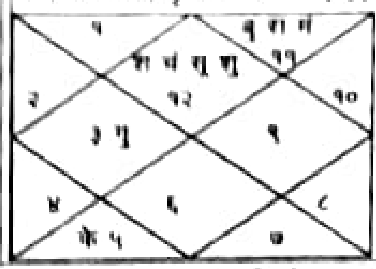
क्र.२०४.चै.कृ.१० श., १४ मार्च२०२६
सूर्य-मीनराशी, वृश्चि.लग्ने स्टै.२४।१५



क्र.२०५.चै.कृ.१२ सो., १६ मार्च२०२६
चन्द्र कुंभराशी, सिंहलग्ने स्टै.१८।११



क्र.२०६.चै.कृ.१४ बु., १८ मार्च२०२६
चन्द्र मीनराशी, वृश्चि.लग्ने स्टै.२३।३३



श्री गुरुचरणकमलेभ्यो नमः

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः
गुरुर्देवो महेश्वरः ।
गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म
तस्मै श्रीगुरवे नमः ॥

A:
श्री श्री १०८ स्व. पं. ईश्वरदत्त शर्मणोऽनुग्रहीत शिष्यः -

गोधूलिकाले विशेषः-

किञ्च - 'कुलिकं क्रान्तिसाम्यं च मूर्तौ षष्ठाष्टगः शशी । पञ्चगोधूलिके त्याज्यास्त्वन्ये दोषाः शुभावहाः ॥'
'लग्नशुद्धिर्यदा नास्ति कन्या यौवनशालिनी । तदा वै सर्ववर्णानां लग्नं गोधूलिकं शुभम् ॥' इति । -दैवज्ञमनोहरे
तत्र गोधूलिसूक्ष्मकालसमयः:-'अत्रोभयत्र घटिकादलमिष्टमाहुर्ग्राह्यं तदम्बरमणेरपि चार्द्धबिम्बात् ॥' इति ।
केचित्तु - 'यावद्दिनान्ते दिशि पश्चिमायां पश्येत्तृतीयं रविबिम्बभागम् । तस्मात्परं नाडिकयुग्ममेके गोधूलिकालं मुनयो वदन्ति ॥' इति ।

अथ शीतकालादिभेदेन गोधूलिभेदं जलधरमालाछन्दसाह -

पिंडीभूते दिनकृति हेमंतर्तौ स्यादर्द्धास्ते तप समये गोधूलिः ।
सम्पूर्णास्ते जलधरमालाकाले त्रेधा योज्या सकलशुभे कार्यादौ ॥१००॥ -पीयूषधारा,४१७

पीयूषधारा - पिण्डीभूते इति । हेमन्तास्ये ऋतौ हेमन्तशब्देन शीतकाल उपलक्ष्यते । मार्गशीर्षादिमासचतुष्टये इत्यर्थः । दिनकृति सूर्ये पिण्डीभूते ओदनगोलकसदृशे सन्ध्यायां नीहाराद्यावृतत्वेन निष्प्रभे इत्यर्थः । तस्मिन्समये गोधूलिर्ज्ञेया । तथा तपसमये उष्णकाले चैत्रादिमासचतुष्टये सूर्येऽर्द्धास्ते अर्द्ध बिम्बस्य दृश्यत्वे च सति गोधूलिः । जलधरा मेघास्तेषां माला समूहस्तस्योत्पादके काले वर्षाकाले श्रावणादिमासचतुष्टये सूर्यसम्पूर्णास्तमदर्शनमस्य तादृशे सति गोधूलिः । जलधरमालाशब्देन छन्दोऽपि सूचितम् । न केवलमियं विवाहे एव किन्तु सकलशुभे समस्तशुभकार्यादिष्वपि ज्ञेया ।
यदाह वराहः - 'गोधूलिं त्रिविधां वदन्ति मुनयो नारीविवाहादिके हेमन्ते शिशिरे प्रयाति मृदुतां पिण्डीकृते भास्करे । ग्रीष्मेऽर्द्धास्तमिते वसन्तसमये भानौ गते दृश्यतां सूर्ये चास्तमुपागते भगवति प्रावृट्शरत्कालयोः ॥' इति ॥१००, ४१८॥

हेमन्त ऋतु, शीतकालीन मार्गशीर्षादिक चार महीनो के सन्ध्या समय में ओदन गोल के सदृश प्रभाहीन दृष्टिगोचर सूर्य बिम्ब के समय गोधूलि होती है । तथा चैत्रादिक चार महीनो के ग्रीष्म समयों में अर्द्ध सूर्य बिम्ब दृश्य और अर्द्ध सूर्यबिम्ब अस्त के समय गोधूलि समय होता है । वर्षाकाल - श्रावणादिक ४ महीनो मे सम्पूर्ण सूर्य बिम्ब के अस्त समय पर गोधूलि कही गई है ।

तदेतयोः पक्षयोर्यथादेशाचारं व्यवस्था ॥९९॥ - पीयूषधारा पृ. ४१७

गोधूलि अन्यगोधूल्योर्भेदः- द्वित्रिलाभगतचन्द्रोगोधूलिः शस्यते बुधैः । सुखद वसात्यगोधर्मव्यये धूलीमुखास्मृता । - पं. ईश्वरदत्त शर्मा

सूर्यास्तकालीन लग्न से २-३-११ में चन्द्रमा हो तो गोधूलि और लग्न से ४-५-९-१०-१२ में चन्द्रमा हो तो अन्यगोधूलि । गोधूलि और अन्यगोधूलि में चन्द्रमा के कारण नाम का भेद है, समय तो एक ही रहता है । गुरुवार को सूर्यास्त के बाद और शनिवार को सूर्यास्त के पहिले गोधूलि शुभ होती है । चन्द्रमा- लग्न, छठे, आठवें में हो तो गोधूलि नहीं बनता और मंगल सप्तम या अष्टम मे अशुभ है ।

विशेषः:- प्राचीन दिव्यऋषियों ने धर्मशास्त्रों में गोधूलि लग्न तीन प्रकार (घटिकादलं चार्द्धबिम्बात्, तस्मात्परं नाडिकयुग्म, शीतकालादिभेदेन) से कहा है या फिर अपने अपने देशाचार से गोधूलि काल की व्यवस्था करें । यहाँ पञ्चाङ्ग में धर्मशास्त्र (मुख्यकाल), देशाचार और कालानुसार के समन्वय से चार घटी (सूर्यास्तात् पूर्वापर दो दो घटी अर्थात् कुल १ घंटा ३६ मिनट) ग्रहण किया है । आप अपने देशाचारानुसार समय ग्रहण करें । विद्वानों की सुविधा के लिए गोधूलि स्टै. समय लगा दिया है । नोट- गुरुवार को सूर्यास्त के बाद और शनिवार को सूर्यास्त के पहिले का ही गोधूलि समय ग्रहण करें ।

A: ले. अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चाङ्ग गणितकर्ता - पं. प्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री), विलेपार्ले, मुम्बई. ४०००५७.

॥ संवत् २०८२, शाकः १९४७ (सन २०२५-२६) मध्ये विवादास्पद (अशुद्ध) विवाह, गेहारंभ, गृहप्रवेश, देव प्रतिष्ठा-दिवसादि विषये "शास्त्रीय स्पष्टता" ॥

तत्रादौ विवादास्पद (अशुद्ध) विवाह दिवसादि ...

सन२०२५	**वैशाख मास**
१४ अप्रै.	कृ. १ चंद्रे स्वाती लग्नाऽभाव: (मेषे श १२; चं ७ पूज्य:; सोप्रांग: सू, वृषे चं ६, कन्या. श रा ७ दोष:; बु शु ७ पूज्य:; सोप्रांग: के, तुला चं १)
१५ अप्रै.	कृ. २ भौमे अनुरा. भद्रा दोष:, व्यतिपात:
१६ अप्रै.	कृ. ३ बुधे अनुरा. लग्नाऽभाव: (धनुषि रा ४ दोष:; लग्नेश: गु ६, मकरे शु ३ दोष:; मं ७ दोष:)
१८ अप्रै.	कृ. ५ शुक्रे मूले मीने रेखाल्पत्वम्
१९ अप्रै.	कृ. ६ शनी मूले लग्नाऽभाव: (मेषे श १२; सोप्रांग: सू)
२० अप्रै.	कृ. ७ रवी उषा. लग्नाऽभाव: (कर्के चं ६; सोप्रांग: मं, कन्या. श रा ७ दोष:; बु शु ७ पूज्य:; सोप्रांग: के, धनुषि रा ४ दोष:; लग्नेश: गु ६, मकरे चं १; शु ३ दोष:; मं ७ दोष:, मेषे श १२; सोप्रांग: सू)
२१ अप्रै.	कृ. ८ चंद्रे उषा. लग्नाऽभाव: (मेषे श १२; सोप्रांग: सू)
२५ अप्रै.	कृ. १२ शुक्रे उभा. बुधस्य युति:
२९ अप्रै.	शु. २ भौमे रोहि. लग्नाऽभाव: (तुला. चं ८, धनुषि रा ४ दोष:; चं लग्नेश: गु ६, मकरे शु ३ दोष:; मं ७ दोष:, मेषे श १२; सोप्रांग: सू)
३० अप्रै.	शु. ३ बुधे रोहि. लग्नाऽभाव: (मेषे श १२; सोप्रांग: सू, वृषे चं १)
३० अप्रै.	शु. ३ बुधे मृगे गुरोर्युति:
१ मई	शु. ४ गुरी मृगे गुरोर्युति:
५ मई	शु. ८ चंद्रे मघा. लग्नाऽभाव: (कन्या. श रा ७ दोष:; बु शु ७ पूज्य:; सोप्रांग: के, धनुषि रा ४ दोष:; लग्नेश: गु ६, मकरे शु ३ दोष:; मं ७ दोष:, मीने चं ६; के ७ दोष:; सोप्रांग: श रा, मेषे श १२; सोप्रांग: सू)
६ मई	शु. ९ भौमे मघा. लग्नाऽभाव: (मेषे श १२; सोप्रांग: सू, सिंहे चं १)
७ मई	शु. १० बुधे उफा. केतोर्युति:
८ मई	शु. ११ गुरी उफा. केतोर्युति:
८ मई	शु. ११ गुरी हस्ते शनेर्वेध:
९ मई	शु. १२ शुक्रे हस्ते शनेर्वेध:
११ मई	शु. १४ रवी स्वाती व्यतिपात:
१२ मई	शु. १५ चंद्रे स्वाती भद्रा दोष:
	ज्येष्ठ मास
१३ मई	कृ. १ भौमे अनुरा. लग्नाऽभाव: (मिथुने चं ६, कन्या. श रा ७ दोष:; शु ७ पूज्य:; सोप्रांग: के, वृश्चिके चं १; गु ७ पूज्य:, धनुषि रा ४ दोष:; लग्नेश: गु ६, मकरे शु ३ दोष:; मं ७ दोष:, मेषे श १२; सोप्रांग: सू), मृत्युपञ्चकम्
१५ मई	कृ. ३ गुरी मूले मृत्युपञ्चकम्
१६ मई	कृ. ४ शुक्रे मूले मृत्युपञ्चकम्
१७ मई	कृ. ५ शनी उषा. लग्नाऽभाव: (तुला. मं १०; शु ६; बु ७ पूज्य:, धनुषि चं १; रा ४ दोष:; गु ७ पूज्य:, मकरे चं १ २४।०४ उपरांत; शु ३ दोष:; मं ७ दोष:, मेषे श १२)
१८ मई	कृ. ५ रवी उषा. लग्नाऽभाव: (सिंहे चं ६; रा ७ दोष:; सोप्रांग: के, कन्या. श ७ दोष:; शु ७ पूज्य:, तुला. मं १०; शु ६; बु ७ पूज्य:)
२२ मई	कृ. १० गुरी उभा. शनेर्युति:
२३ मई	कृ. ११ शुक्रे उभा. शनेर्युति:
२३ मई	कृ. ११ शुक्रे रेवत्यां केतोर्वेध:
२४ मई	कृ. १२ शनी रेवत्यां केतोर्वेध:
२८ मई	शु. २ बुधे मृगे गुरोर्युति:
१ जून	शु. ६ रवी मघा. लग्नाऽभाव: (मकरे मं ७ दोष:, मीने चं ६; सोप्रांग: श, मेषे श १२)
२ जून	शु. ७ चंद्रे मघा. लग्नाऽभाव: (सिंहे चं १; रा ७ दोष:; सोप्रांग: के, कन्या. श ७ दोष:, तुला. मं १०; शु ७ पूज्य:)
३ जून	शु. ८ भौमे उफा. केतोर्युति:, मृत्युपञ्चकम्
४ जून	शु. ९ बुधे उफा. केतोर्युति:, मृत्युपञ्चकम्
४ जून	शु. ९ बुधे हस्ते शनेर्वेध:
५ जून	शु. १० गुरी हस्ते शनेर्वेध:
६ जून	शु. ११ शुक्रे हस्ते व्यतिपात:
७ जून	शु. १२ शनी स्वाती लग्नाऽभाव: (कन्या. श ७ दोष:, तुला. चं १; शु ७ पूज्य:, कुंभे शु ३ दोष:; मं के ७ दोष:; सोप्रांग: रा, मेषे श १२; चं ७ पूज्य:, वृषे चं ६; सोप्रांग: सू)
९ जून	शु. १३ चंद्रे अनुरा. गुरो: वृद्धत्व दोष:
१० जून	शु. १४ भौमे अनुरा. गुरो: वृद्धत्व दोष:
	मार्गशीर्ष मास
२२ नवं.	शु. २ शनी मूले लग्नाऽभाव: (कर्के चं ६, कन्या. श ७ दोष:)
२३ नवं.	शु. ३ रवी मूले लग्नाऽभाव: (धनुषि चं १, कुंभे मं १०; के ७ दोष:; सोप्रांग: रा, मेषे श १२; शु ७ पूज्य:, वृषे चं ८)
२४ नवं.	शु. ४ चंद्रे उषा. वृश्चिके रेखाल्पत्वम्
२५ नवं.	शु. ५ भौमे उषा. लग्नाऽभाव: (मकरे चं १; गु ७ पूज्य:, कुंभे मं १०; के ७ दोष:; सोप्रांग: रा, मेषे श १२; बु शु ७ पूज्य:), मकरे रेखाल्पत्वम्
२९ नवं.	शु. ९ शनी उभा. लग्नाऽभाव: (कन्या. शु ३ दोष:; श ७ दोष:; चं ७ पूज्य:, तुला. चं ६)
३० नवं.	शु. १० रवी उभा. लग्नाऽभाव: (कुंभे मं १०; के ७ दोष:; सोप्रांग: रा, मीने चं १; सोप्रांग: श, मेषे श १२; बु ७ पूज्य:, मिथुने शु ६)
३० नवं.	शु. १० रवी रेवत्यां लग्नाऽभाव (कन्या. शु ३ दोष:; श ७ दोष:; चं ७ पूज्य:, तुला. चं ६)
१ दिसं	शु. ११ चंद्रे रेवत्यां व्यतिपात:
४ दिसं	शु. १४ गुरी रोहि. लग्नाऽभाव: (मिथुने शु ६, कन्या. शु ३ दोष:; श ७ दोष:)
	पौष मास
५ दिसं	कृ. १ शुक्रे रोहि. मृत्युपञ्चकम्
५ दिसं	कृ. १ शुक्रे मृगे मृत्युपञ्चकम्
६ दिसं	कृ. २ शनी मृगे शुक्रस्य वृद्धत्व दोष:, मृत्युपञ्चकम्
सन२०२६	**फाल्गुन मास**
५ फर.	कृ. ४ गुरी उफा. शुक्रस्य बालत्व दोष:
५ फर.	कृ. ४ गुरी हस्ते शुक्रस्य बालत्व दोष:, शनेर्वेध:
६ फर.	कृ. ५ शुक्रे हस्ते शुक्रस्य बालत्व दोष:, शनेर्वेध:
७ फर.	कृ. ६ शनी स्वाती भद्रा दोष:, राहोर्वेध:
८ फर.	कृ. ७ रवी स्वाती राहोर्वेध:
१० फर.	कृ. ८ भौमे अनुरा. लग्नाऽभाव: (मेषे मं १०; श १२, मिथुने चं ६, सिंहे लग्नेश: सू ६; रा ७ दोष:; बु शु ७ पूज्य:; सोप्रांग: के, कन्या. लग्नेश: बु शु ६; श ७ दोष:, वृश्चिके चं १; रा ४ दोष:), मृत्युपञ्चकम्
११ फर.	कृ. ९ बुधे अनुरा. मृत्युपञ्चकम्
१३ फर.	कृ. ११ शुक्रे मूले लग्नाऽभाव: (मेषे मं १०; श १२)
१४ फर.	कृ. १२ शनी उषा. कृष्णानंग चतुर्दिनम्
१९ फर.	शु. २ गुरी उभा. शनेर्युति:
२० फर.	शु. ३ शुक्रे उभा. शनेर्युति:
२० फर.	शु. ३ शुक्रे रेवत्यां लग्नाऽभाव: (कन्या. लग्नेश: बु शु ६; श ७ दोष:; चं ७ पूज्य:, तुला. चं ६)
२१ फर.	शु. ४ शनी रेवत्यां लग्नाऽभाव: (कर्के मं ७ दोष:)
	चैत्र मास
४ मार्च	कृ. १ बुधे उफा. भुजङ्गपात:, मृत्युपञ्चकम्
५ मार्च	कृ. २ गुरी उफा. भुजङ्गपात:
५ मार्च	कृ. २ गुरी हस्ते शनेर्वेध:
६ मार्च	कृ. ३ शुक्रे हस्ते भद्रा दोष:
७ मार्च	कृ. ४ शनी स्वाती भौमस्य वेध: राहोर्वेध:
८ मार्च	कृ. ५ रवी स्वाती भौमस्य वेध: राहोर्वेध:
९ मार्च	कृ. ६ चंद्रे अनुरा. लग्नाऽभाव: (कन्या. लग्नेश: बु ६; श ७ दोष:; शु ७ पूज्य:, तुला. शु ६), भद्रा दोष:
१० मार्च	कृ. ७ भौमे अनुरा. लग्नाऽभाव: (मिथुने चं ६)
१२ मार्च	कृ. ९ गुरी मूले लग्नाऽभाव: (मेषे श १२)
१३ मार्च	कृ. १० शुक्रे उभा. भद्रा दोष:, व्यतिपात:

॥ किसी भी चैत्रादि मास के कृष्णपक्ष की त्रयोदशी, चतुर्दशी, अमावस्या और शुक्लपक्ष की प्रतिपदा (यदि चन्द्रदर्शन नहीं हो तो) ये विवाह में त्याज्य हैं । इन्हे "कृष्णानंग चतुर्दिनम्" दोष कहते है ॥

॥ कात्या. विवादास्पद (अशुद्ध) विवाह दिवसादि विषये "शास्त्रीय स्पष्टता" ॥

सन२०२५	**वैशाख मास**
२१ अप्रै.	कृ. ८ चंद्रे श्रवणे लग्नाऽभावः (सिंहे चं ६, कन्या. श रा ७ दोषः; बु शु ७ पूज्यः; सोप्रांगः के, धनुषि रा ४ दोषः; लग्नेशः गु ६, मकरे चं १; शु ३ दोषः; मं ७ दोषः, मेषे श १२; सोप्रांगः सू)
२२ अप्रै.	कृ. ९ भौमे श्रवणे कर्क रेखात्यत्वम्
२२ अप्रै.	कृ. ९ भौमे धनि. लग्नाऽभावः (सिंहे चं ६, कन्या. श रा ७ दोषः; बु शु ७ पूज्यः; सोप्रांगः के, धनुषि रा ४ दोषः; लग्नेशः गु ६, मकरे शु ३ दोषः; मं ७ दोषः, कुंभे चं १, मेषे श १२; सोप्रांगः सू)
२३ अप्रै.	कृ. १० बुधे धनि. भद्रा दोषः
९ मई	शु. १२ शुक्रे चित्रा. राहोर्वेधः
१० मई	शु. १३ शनी चित्रा. राहोर्वेधः
	ज्येष्ठ मास
१८ मई	कृ. ५ रवी श्रवणे लग्नाऽभावः (मकरे चं १; शु ३ दोषः; मं ७ दोषः, मेषे श १२)
१९ मई	कृ. ६ चंद्रे श्रवणे लग्नाऽभावः (तुला. मं १०; शु ६; बु ७ पूज्यः), भद्रा दोषः
१९ मई	कृ. ६ चंद्रे धनि. भौमस्य वेधः
२० मई	कृ. ७ भौमे धनि. भौमस्य वेधः
२४ मई	कृ. १२ शनी अश्वि. लग्नाऽभावः (कन्या. श ७ दोषः; शु ७ पूज्यः, तुला. मं १०; शु ६; चं ७ पूज्यः, वृश्चिके चं ६)
६ जून	शु. ११ शुक्रे चित्रा. भद्रा दोषः, राहोर्वेधः
७ जून	शु. १२ शनी चित्रा. राहोर्वेधः
	मार्गशीर्ष मास
२५ नवं.	शु. ५ भौमे श्रवणे लग्नाऽभावः (सिंहे शु ३ दोषः; चं ६; रा ७ दोषः; सोप्रांगः के, कन्या. श ७ दोषः)
२६ नवं.	शु. ६ बुधे श्रवणे मृत्युपञ्चकम्
२६ नवं.	शु. ६ बुधे धनि. मृत्युपञ्चकम्
२७ नवं.	शु. ७ गुरौ धनि. लग्नाऽभावः (मकरे चं १; गु ७ पूज्यः, कुंभे मं १०; के ७ दोषः; सोप्रांगः रा, मेषे श १२; बु ७ पूज्यः, मिथुने गु ६). मृत्युपञ्चकम्
१ डिसं	शु. ११ चंद्रे अश्वि. केतोर्वेधः
२ डिसं	शु. १२ भौमे अश्वि. केतोर्वेधः
सन२०२६	**फाल्गुन मास**
६ फर.	कृ. ५ शुक्रे चित्रा. शुक्रस्य बालत्व दोषः, भुजङ्गपातः
७ फर.	कृ. ६ शनी चित्रा. भुजङ्गपातः
२१ फर.	शु. ४ शनी अश्वि. केतोर्वेधः
२२ फर.	शु. ५ रवी अश्वि. केतोर्वेधः
	चैत्र मास
६ मार्च	कृ. ३ शुक्रे चित्रा. सूर्यस्य वेधः
७ मार्च	कृ. ४ शनी चित्रा. सूर्यस्य वेधः

॥ विवादास्पद उपनयन-दिवसास्तेन शास्त्रार्थः ॥

सन२०२५	**चैत्र मास**
३० मार्च	शु. ०१ रवी रेवत्यां कल्यादि
३० मार्च	शु. ०१ रवी अश्वि. कल्यादि
३१ मार्च	शु. ०२ चंद्रे अश्वि. मन्वादि
२ अप्रै.	शु. ०५ बुधे रोहि. कल्यादि, गुरोर्युतिः
७ अप्रै.	शु. १० चंद्रे श्लेषा. लग्नाऽभावः (मेषे सू; बु; शु; श; रा १२, मिथुने गु १२, कर्क लग्नस्थ चंद्रः ग्राह्यः)
९ अप्रै.	शु. १२ बुधे पूफा. लग्नाऽभावः (मिथुने गु १२, सिंहे लग्नस्थ चंद्रः; सू; बु; शु; श; रा ८; मं १२)
	वैशाख मास
१४ अप्रै.	कृ. ०१ चंद्रे स्वाती लग्नाऽभावः (वृषे चं ६; सू १२, मिथुने गु १२, सिंहे बु; शु; श; रा ८; मं १२)
१६ अप्रै.	कृ. ०३ बुधे अनुरा. भद्रा दोषः, व्यतिपातः
१८ अप्रै.	कृ. ०५ शुक्रे मूले लग्नाऽभावः (वृषे ०८।११ उपरांत चं ८; सू १२, मिथुने गु १२, कर्क चं ६, सिंहे बु; शु; श; रा ८; मं १२)
३० अप्रै.	शु. ०३ बुधे रोहि. कल्यादि, युगादि
१ मई	शु. ०४ गुरौ मृगे गुरोर्युतिः, रोगपंचकः
१ मई	शु. ०४ गुरौ आर्द्रा. रोगपंचकः
२ मई	शु. ०५ शुक्रे आर्द्रा. रोगपंचकः
७ मई	शु. १० बुधे पूफा. लग्नाऽभावः (मेषे बु; शु; श; रा १२, वृषे ०६।२९ उपरांत बु १२; सू १२, मिथुने गु १२, सिंहे लग्नस्थ चंद्रः; शु; श; रा ८; मं १२)
७ मई	शु. १० बुधे उफा. केतोर्युतिः
८ मई	शु. ११ गुरौ उफा. केतोर्युतिः
९ मई	शु. १२ शुक्रे हस्ते शनेर्वेधः
	ज्येष्ठ मास
१५ मई	कृ. ०३ गुरौ मूले लग्नाऽभावः (सिंहे शु; श; रा ८; मं १२, कन्या. बु ८)
१८ मई	कृ. ०५ रवी उषा. लग्नाऽभावः (वृषे बु १२)
२८ मई	शु. ०२ बुधे मृगे गुरोर्युतिः
२९ मई	शु. ०३ गुरौ आर्द्रा. लग्नाऽभावः (मिथुने लग्नस्थ चंद्रः; सू; बु १२, कर्क रा ८; चं; गु १२, सिंहे शु; श ८; मं १२, कन्या. के १२)
४ जून	शु. ०९ बुधे उफा. केतोर्युतिः
५ जून	शु. १० गुरौ हस्ते शनेर्वेधः
६ जून	शु. ११ शुक्रे हस्ते व्यतिपातः
६ जून	शु. ११ शुक्रे चित्रा. राहोर्वेधः
८ जून	शु. १२ रवी स्वाती लग्नाऽभावः (वृषे चं ६; शु १२, मिथुने गु १२)
	आषाढ मास
७ जुलै	शु. १२ चंद्रे अनुरा. गुरोः बालत्व दोषः
सन२०२६	**फाल्गुन मास**
५ फर.	कृ. ०४ गुरौ हस्ते शुक्रस्य बालत्व दोषः
६ फर.	कृ. ०५ शुक्रे हस्ते शुक्रस्य बालत्व दोषः, शनेर्वेधः
६ फर.	कृ. ०५ शुक्रे चित्रा. शुक्रस्य बालत्व दोषः
१८ फर.	शु. ०१ बुधे पूभा. बुधस्य युतिः
१९ फर.	शु. ०२ गुरौ पूभा. बुधस्य युतिः
१९ फर.	शु. ०२ गुरौ उभा. शनेर्युतिः
२० फर.	शु. ०३ शुक्रे उभा. शनेर्युतिः
२२ फर.	शु. ०५ रवी अश्वि. केतोर्वेधः
	चैत्र मास
५ मार्च	कृ. ०२ गुरौ उफा. लग्नाऽभावः (कुंभे चं ८, मीने सू; मं; बु; रा १२)
५ मार्च	कृ. ०२ गुरौ हस्ते शनेर्वेधः
६ मार्च	कृ. ०३ शुक्रे हस्ते कल्यादि, भद्रा दोषः
६ मार्च	कृ. ०३ शुक्रे चित्रा. कल्यादि, भद्रा दोषः
८ मार्च	कृ. ०५ रवी स्वाती भौमस्य वेधः

॥ विवादास्पद गेहारंभ (भूमि पूजन)-दिवसास्तेन शास्त्रार्थः ॥

सन२०२५	**वैशाख मास**
१४ अप्रै.	कृ. ०१ चंद्रे स्वाती लग्नाऽभावः (वृषे सू १२, मिथुने गु १२, सिंहे बु; शु; श; रा ८; मं १२, कन्या. सू ८)
१६ अप्रै.	कृ. ०३ बुधे अनुरा. भद्रा दोषः, व्यतिपातः
२३ अप्रै.	कृ. १० बुधे धनि. भद्रा दोषः
२३ अप्रै.	कृ. १० बुधे शते लग्नाऽभावः (कन्या. सू ८)
२४ अप्रै.	कृ. ११ गुरौ शतेलग्नाऽभावः (वृषे सू १२,मिथुने गु १२)

॥ संवत् २०८२, शाके: १९४७ (सन २०२५-२६) मध्ये विवादास्पद (अशुद्ध) विवाह, व्रतबंध, गृहप्रवेश, देव प्रतिष्ठा-दिवसादि विषये "शास्त्रीय [illegible]

२५ अप्रे.	कृ. १२ शुक्रे उभा. बुधस्य युति:, अग्निपंचक: (पू.प.रहित)
२६ अप्रे.	कृ. १३ शनौ उभा. वैधृति:, बुधस्य युति:
२६ अप्रे.	कृ. १३ शनौ रेवत्यां वैधृति:
३० अप्रे.	शु. ०३ बुधे रोहि. लग्नाऽभाव: (वृषे शु १२, मिथुने चं; गु १२, सिंहे बु; शु; श; रा ८; मं १२)
१ मई	शु. ०४ गुरौ मृगे गुरोर्युति:
३ मई	शु. ०६ शनौ पुष्ये भौमस्य युति:, भूशयनम्
७ मई	शु. १० बुधे उफा. केतोर्युति:
८ मई	शु. ११ गुरौ उफा. केतोर्युति:
९ मई	शु. १२ शुक्रे हस्ते शनेर्वेध:
१० मई	शु. १३ शनौ चित्रा. राहोर्वेध:
१२ मई	शु. १५ चंद्रे स्वाती भद्रा दोष:
	ज्येष्ठ मास
२२ मई	कृ. १० गुरौ उभा. शनेर्युति:, भूशयनम्
२३ मई	कृ. ११ शुक्रे उभा. शनेर्युति:
२३ मई	कृ. ११ शुक्रे रेवत्यां केतोर्वेध: (पू.प.रहित)
२४ मई	कृ. १२ शनौ रेवत्यां केतोर्वेध: (पू.प.रहित)
२८ मई	शु. ०२ बुधे मृगे गुरोर्युति:, भूशयनम्
३१ मई	शु. ०५ शनौ पुष्ये लग्नाऽभाव: (मिथुने सू; बु १२, सिंहे शु; श ८; चं; मं १२)
४ जून	शु. ०९ बुधे उफा. केतोर्युति:
५ जून	शु. १० गुरौ हस्ते शनेर्वेध:, अग्निपंचक:
६ जून	शु. ११ शुक्रे हस्ते व्यतिपात:, भूशयनम्
६ जून	शु. ११ शुक्रे चित्रा. भूशयनम्
७ जून	शु. १२ शनौ चित्रा. राहोर्वेध:
७ जून	शु. १२ शनौ स्वाती लग्नाऽभाव: (सिंहे श ८, कन्या. शु ८; मं; के १२)
	श्रावण मास
१७ जुलै	कृ. ०७ गुरौ रेवत्यां केतोर्वेध: (पू.प.रहित)
२१ जुलै	कृ. ११ चंद्रे रोहि. लग्नाऽभाव: (सिंहे श ८; सू; बु १२, कन्या. मं; के १२, धनुषि सू; बु ८)
२८ जुलै	शु. ०४ चंद्रे उफा. भौमस्य युति:
३० जुलै	शु. ०६ बुधे चित्रा. भूशयनम्
३१ जुलै	शु. ०७ गुरौ चित्रा. राहोर्वेध: (पू.प.रहित)
४ अग.	शु. १० चंद्रे अनुरा. सूर्यस्य वेध:
८ अग.	शु. १४ शुक्रे उषा. भद्रा दोष:, भूशयनम्
९ अग.	शु. १५ शनौ धनि. लग्नाऽभाव: (धनुषि सू; बु ८)
	भाद्रपद मास
११ अग.	कृ. ०२ चंद्रे शते लग्नाऽभाव: (सिंहे श ८; सू; बु १२, कन्या. के १२)
१३ अग.	कृ. ०४ बुधे उभा. शनेर्युति:
१३ अग.	कृ. ०४ बुधे रेवत्यां भौमस्य वेध: (पू.प.रहित)
१८ अग.	कृ. १० चंद्रे मृगे लग्नाऽभाव: (सिंहे श ८; बु १२, कुंभे मं ८)
२० अग.	कृ. १२ बुधे पुष्ये व्यतिपात:, बुधस्य युति:, भूशयनम्
२१ अग.	कृ. १३ गुरौ पुष्ये व्यतिपात:, बुधस्य युति:
२५ अग.	शु. ०२ चंद्रे उफा. लग्नाऽभाव: (सिंहे श ८; बु; शु १२, कन्या. ०८।२७ यावत् चं १२; सू; के १२, धनुषि बु; शु ८, कुंभे चं; मं ८)
२५ अग.	शु. ०२ चंद्रे हस्ते भौमस्य युति:
२७ अग.	शु. ०४ बुधे चित्रा. राहोर्वेध: (पू.प.रहित)
२८ अग.	शु. ०५ गुरौ चित्रा. राहोर्वेध: (पू.प.रहित)
२८ अग.	शु. ०५ गुरौ स्वाती लग्नाऽभाव: (कन्या. सू; के १२, धनुषि बु; शु ८), अग्निपंचक: (पू.प.रहित)
३० अग.	शु. ०७ शनौ अनुरा. भूशयनम्
४ सितं	शु. १२ गुरौ उषा. लग्नाऽभाव: (सिंहे श ८; शु १२, कन्या. सू; बु; के १२, धनुषि शु ८, कुंभे मं ८; चं १२)
५ सितं	शु. १३ शुक्रे धनि. भूशयनम्
	कार्तिक मास
१८ अक्टु	कृ. १२ शनौ उफा. लग्नाऽभाव: (कुंभे शु ८, मीने सू; मं; बु ८; रा १२)
२३ अक्टु	शु. ०२ गुरौ अनुरा. भूशयनम्
२४ अक्टु	शु. ०३ शुक्रे अनुरा. लग्नाऽभाव: (धनुषि गु ८; चं; बु १२, कुंभे शु ८, मीने सू; मं ८; रा १२)
३१ अक्टु	शु. ०९ शुक्रे धनि. भूशयनम्
३१ अक्टु	शु. ०९ शुक्रे शते भूशयनम्
१ नवं.	शु. १० शनौ शते सूर्यस्य वेध:
३ नवं.	शु. १३ चंद्रे उभा. लग्नाऽभाव: (धनुषि गु ८; मं; बु १२)
३ नवं.	शु. १३ चंद्रे रेवत्यां लग्नाऽभाव: (मीने सू; शु ८; रा १२)
	मार्गशीर्ष मास
६ नवं.	कृ. ०१ गुरौ रोहि. भूशयनम्
७ नवं.	कृ. ०२ शुक्रे रोहि. लग्नाऽभाव: (धनुषि गु ८; मं; बु १२, मीने सू; शु ८; रा १२), अग्निपंचक:
८ नवं.	कृ. ०३ शनौ मृगे भद्रा दोष:
१५ नवं.	कृ. ११ शनौ उफा. लग्नाऽभाव: (धनुषि गु ८; मं; बु १२, कुंभे चं ८, मीने सू; शु ८; रा १२), अग्निपंचक: (पू.प.रहित)
१७ नवं.	कृ. १३ चंद्रे चित्रा. शनेर्वेध: (पू.प.रहित)
२४ नवं.	शु. ०४ चंद्रे उषा. भूशयनम्
२७ नवं.	शु. ०७ गुरौ धनि. लग्नाऽभाव: (धनुषि गु ८; सू; मं; शु १२, कुंभे चं १२, मीने १४।०५ उपरांत चं १२; बु ८; रा १२), अग्निपंचक:
१ डिसें	शु. ११ चंद्रे रेवत्यां व्यतिपात:
	पौष मास
५ डिसें	कृ. ०१ शुक्रे रोहि. लग्नाऽभाव: (धनुषि गु, मं, शु १२)
५ डिसें	कृ. ०१ शुक्रे मृगे लग्नाऽभाव: (मीने बु ८; रा १२)
६ डिसें	कृ. ०२ शनौ मृगे शुक्रस्य वृद्धत्व दोष:, भूशयनम्
सन२०२६	**फाल्गुन मास**
५ फेब्रु.	कृ. ०४ गुरौ हस्ते शुक्रस्य बालत्व दोष:
६ फेब्रु.	कृ. ०५ शुक्रे हस्ते शुक्रस्य बालत्व दोष:, भूशयनम्
६ फेब्रु.	कृ. ०५ शुक्रे चित्रा. शुक्रस्य बालत्व दोष:, भूशयनम्
११ फेब्रु.	कृ. ०९ बुधे अनुरा. लग्नाऽभाव: (मीने बु; शु; रा १२)
१८ फेब्रु.	शु. ०१ बुधे शते राहु युति:, भूशयनम्
१९ फेब्रु.	शु. ०२ गुरौ उभा. शनेर्युति:
२० फेब्रु.	शु. ०३ शुक्रे उभा. शनेर्युति:, भूशयनम्
२१ फेब्रु.	शु. ०४ शनौ रेवत्यां लग्नाऽभाव: (मिथुने मं ८, सिंहे चं; रा ८)
	चैत्र मास
४ मार्च	कृ. ०१ बुधे उफा. भूशयनम्
५ मार्च	कृ. ०२ गुरौ उफा. अग्निपंचक:
५ मार्च	कृ. ०२ गुरौ हस्ते शनेर्वेध:, अग्निपंचक:
६ मार्च	कृ. ०३ शुक्रे हस्ते भद्रा दोष:
६ मार्च	कृ. ०३ शुक्रे चित्रा. भद्रा दोष:
७ मार्च	कृ. ०४ शनौ स्वाती भूशयनम्

॥ विवादास्पद नूतनगृहप्रवेश (वास्तु)-दिवसास्तेन शास्त्रार्थ: ॥

सन२०२५	**वैशाख मास**
१६ अप्रे.	कृ. ०३ बुधे अनुरा. भद्रा दोष:, व्यतिपात:
२१ अप्रे.	कृ. ०८ चंद्रे उषा. लग्नाऽभाव: (वृषे सू १२, मिथुने चं ८; गु १२)
२५ अप्रे.	कृ. १२ शुक्रे उभा. बुधस्य युति:
२६ अप्रे.	कृ. १३ शनौ उभा. वैधृति:, बुधस्य युति:
२६ अप्रे.	कृ. १३ शनौ रेवत्यां वैधृति:
३० अप्रे.	शु. ०३ बुधे रोहि. लग्नाऽभाव: (वृषे लग्नस्य चंद्र: नेष्ट:; शु १२, मिथुने चं; गु १२, सिंहे बु; शु; श; रा ८; मं १२)
१ मई	शु. ०४ गुरौ मृगे गुरोर्युति:
७ मई	शु. १० बुधे उफा. केतोर्युति:
८ मई	शु. ११ गुरौ उफा. केतोर्युति:
१० मई	शु. १३ शनौ चित्रा. राहोर्वेध:
	ज्येष्ठ मास
१७ मई	कृ. ०५ शनौ उषा. लग्नाऽभाव: (वृश्चिके गु ८)
२२ मई	कृ. १० गुरौ उभा. शनेर्युति:

॥ संवत् २०८२, शाके: १९४७ (सन २०२५-२६) मध्ये विवादास्पद (अशुद्ध) विवाह, [illegible], गृहप्रवेश, देव प्रतिष्ठा-दिवसादि विषये "शास्त्रीय स्पष्टता" ॥

२३ मई	कृ. ११ शुक्रे उभा. शनेर्युति:
२३ मई	कृ. ११ शुक्रे रेवत्यां केतोर्वेध:
२४ मई	कृ. १२ शनी रेवत्यां केतोर्वेध:
२८ मई	शु. ०२ बुधे मृगे गुरोर्युति:
४ जून	शु. ०९ बुधे उफा. केतोर्युति:
६ जून	शु. ११ शुक्रे चित्रा. राहोर्वेध:
७ जून	शु. १२ शनी चित्रा. राहोर्वेध:
	फाल्गुन मास
सन२०२६	
६ फर.	कृ. ०५ शुक्रे चित्रा. शुक्रस्य बालत्व दोष:
७ फर.	कृ. ०६ शनी चित्रा. लग्नाऽभाव: (कुंभे चं ८; शु; मं १२, मीने बु; शु; रा १२, मिथुने शु; मं ८)
११ फर.	कृ. ०९ बुधे अनुरा. लग्नाऽभाव: (मीने बु; शु; रा १२)
१९ फर.	शु. ०२ गुरौ उभा. शनेर्युति:
२० फर.	शु. ०३ शुक्रे उभा. शनेर्युति:
२१ फर.	शु. ०४ शनी रेवत्यां लग्नाऽभाव: (मिथुने मं ८, सिंहे चं; श ८)

॥ विवादास्पद जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु)-दिवसास्तेन शास्त्रार्थ: ॥

सन२०२५	**वैशाख मास**
१४ अप्रै.	कृ. ०१ चंद्रे स्वाती लग्नाऽभाव: (वृषे शु १२, मिथुने गु १२, सिंहे बु; शु; श; रा ८; मं १२, कन्या. शु ८)
२३ अप्रै.	कृ. १० बुधे धनि. भद्रा दोष:
२३ अप्रै.	कृ. १० बुधे शते लग्नाऽभाव: (कन्या. शु ८)
२४ अप्रै.	कृ. ११ गुरौ शते लग्नाऽभाव: (वृषे शु १२, मिथुने गु १२)
३ मई	शु. ०६ शनी पुष्ये भौमस्य युति:
	ज्येष्ठ मास
३१ मई	शु. ०५ शनी पुष्ये लग्नाऽभाव: (मिथुने शु; बु १२, सिंहे शु; श ८; चं; मं १२, वृश्चिके गु ८)
७ जून	शु. १२ शनी स्वाती लग्नाऽभाव: (सिंहे श ८, कन्या. शु ८; मं; के १२, वृश्चिके बु; गु ८; चं १२)
	श्रावण मास
१ अग.	शु. ०८ शुक्रे स्वाती लग्नाऽभाव: (धनुषि शु; बु ८)
९ अग.	शु. १५ शनी धनि. लग्नाऽभाव: (वृश्चिके गु; शु ८, धनुषि शु; बु ८)
	कार्तिक मास
१५ अक्टू.	कृ. ०९ बुधे पुष्ये लग्नाऽभाव: (वृश्चिके गु ८; मं; बु १२, धनुषि चं ८)
३१ अक्टू.	शु. ०९ शुक्रे धनि. भौमस्य वेध:
१ नवं.	शु. १० शनी शते सूर्यस्य वेध:
	मार्गशीर्ष मास
२७ नवं.	शु. ०७ गुरौ धनि. लग्नाऽभाव: (वृश्चिके बु १२, धनुषि गु ८; शु; मं; शु १२, कुंभे मं १२, मीने १४।०५ उपरांत मं १२, बु ८; रा १२)
२७ नवं.	शु. ०७ गुरौ शते राहोर्युति:
२८ नवं.	शु. ०८ शुक्रे शते राहोर्युति:
सन२०२६	**फाल्गुन मास**
१८ फर.	शु. ०१ बुधे शते राहु युति:

॥ विवादास्पद देव प्रतिष्ठा-दिवसास्तेन शास्त्रार्थ: ॥

सन२०२५	**वैशाख मास**
१४ अप्रै.	कृ. ०१ चंद्रे स्वाती लग्नाऽभाव: (वृषे शु १२, मिथुने गु १२, कन्या. शु ८)
१६ अप्रै.	कृ. ०३ बुधे अनुरा. भद्रा दोष:, व्यतिपात:
२० अप्रै.	कृ. ०७ रवी उषा. लग्नाऽभाव: (कन्या. शु ८)
३० अप्रै.	शु. ०३ बुधे रोहि. लग्नाऽभाव: (वृषे शु १२, मिथुने चं; गु १२)
१ मई	शु. ०४ गुरौ मृगे गुरोर्युति:
२ मई	शु. ०५ शुक्रे पुनर्वसौ लग्नाऽभाव: (कन्या. शु ८)
३ मई	शु. ०६ शनी पुनर्वसौ लग्नाऽभाव: (वृषे शु १२, मिथुने गु १२)
३ मई	शु. ०६ शनी पुष्ये भौमस्य युति:
४ मई	शु. ०७ रवी पुष्ये भौमस्य युति:
७ मई	शु. १० बुधे उफा. केतोर्युति:
८ मई	शु. ११ गुरौ उफा. केतोर्युति:
९ मई	शु. १२ शुक्रे हस्ते शनेर्वेध:
१० मई	शु. १३ शनी चित्रा. राहोर्वेध:
१२ मई	शु. १५ चंद्रे स्वाती भद्रा दोष:
	ज्येष्ठ मास
१८ मई	कृ. ०५ रवी उषा. लग्नाऽभाव: (वृषे बु १२, मिथुने चं ८; शु १२, कन्या. बु ८; के १२)
१९ मई	कृ. ०६ चंद्रे श्रवणे सूर्यस्य वेध:
२८ मई	शु. ०२ बुधे मृगे गुरोर्युति:
३१ मई	शु. ०५ शनी पुष्ये लग्नाऽभाव: (मिथुने शु; बु १२)
४ जून	शु. ०९ बुधे उफा. केतोर्युति:
५ जून	शु. १० गुरौ हस्ते शनेर्वेध:
६ जून	शु. ११ शुक्रे हस्ते व्यतिपात:
६ जून	शु. ११ शुक्रे चित्रा. राहोर्वेध:
७ जून	शु. १२ शनी चित्रा. राहोर्वेध:
७ जून	शु. १२ शनी स्वाती लग्नाऽभाव: (कन्या शु ८; मं; के १२)
८ जून	शु. १२ रवी स्वाती लग्नाऽभाव: (वृषे शु १२, मिथुने गु १२)
	आषाढ मास
७ जुला.	शु. १२ चंद्रे अनुरा. गुरो: बालत्व दोष:
	श्रावण मास
१२ जुला.	कृ. ०२ शनी उषा. लग्नाऽभाव: (मिथुने चं ८; गु १२)
१२ जुला.	कृ. ०२ शनी श्रवणे लग्नाऽभाव: (कन्या. मं; के १२, धनुषि बु ८)
१३ जुला.	कृ. ०३ रवी श्रवणे लग्नाऽभाव: (मिथुने चं ८; गु १२)
१३ जुला.	कृ. ०३ रवी धनि. लग्नाऽभाव: (कन्या. मं; के १२)
सन२०२६	**फाल्गुन मास**
५ फर.	कृ. ०४ गुरौ हस्ते शुक्रस्य बालत्व दोष:
६ फर.	कृ. ०५ शुक्रे हस्ते शुक्रस्य बालत्व दोष:, शनेर्वेध:
६ फर.	कृ. ०५ शुक्रे चित्रा. शुक्रस्य बालत्व दोष:
७ फर.	कृ. ०६ शनी चित्रा. लग्नाऽभाव: (मीने बु; शु; रा १२, मिथुने शु; मं ८)
८ फर.	कृ. ०७ रवी स्वाती राहोर्वेध:
१८ फर.	शु. ०१ बुधे शते राहु युति:
१९ फर.	शु. ०२ गुरौ उभा. शनेर्युति:
२० फर.	शु. ०३ शुक्रे उभा. शनेर्युति:
२१ फर.	शु. ०४ शनी रेवत्यां लग्नाऽभाव: (मिथुने मं ८)
२२ फर.	शु. ०५ रवी अश्वि. केतोर्वेध:
	चैत्र मास
५ मार्च	कृ. ०२ गुरौ उफा. लग्नाऽभाव: (मीने शु; मं; बु; रा १२)
५ मार्च	कृ. ०२ गुरौ हस्ते शनेर्वेध:
६ मार्च	कृ. ०३ शुक्रे हस्ते भद्रा दोष:
६ मार्च	कृ. ०३ शुक्रे चित्रा. भद्रा दोष:
८ मार्च	कृ. ०५ रवी स्वाती भौमस्य वेध:

॥ विवादास्पद उग्रदेवानां-देव प्रतिष्ठा-दिवसास्तेन शास्त्रार्थ: ॥

सन२०२५	**श्रावण मास**
१७ जुला.	कृ. ०७ गुरौ रेवत्यां केतोर्वेध:
२८ जुला.	शु. ०४ चंद्रे उफा. भौमस्य युति:
३० जुला.	शु. ०६ बुधे हस्ते शनेर्वेध:
३१ जुला.	शु. ०७ गुरौ चित्रा. राहोर्वेध:
३ अग.	शु. ०९ रवी अनुरा. सूर्यस्य वेध:

॥ संवत् २०८२. शाकः १९४७ (सन २०२५-२६) मध्ये विवादास्पद (अशुद्ध) विवाह, गेहारंभ, गृहप्रवेश, देव प्रतिष्ठा-दिवसादि विषये "शास्त्रीय स्पष्टता" ॥

४ अग.	शु. १० चंद्रे अनुरा. सूर्यस्य वेधः
८ अग.	शु. १४ शुक्रे उषा. भद्रा दोषः
९ अग.	शु. १५ शनौ श्रवणे लग्नाऽभावः (कन्या. के १२)
	भाद्रपद मास
१० अग.	कृ. ०१ रवौ शते लग्नाऽभावः (धनुषि सू; बु ८)
११ अग.	कृ. ०२ चंद्रे शते लग्नाऽभावः (कन्या. के १२)
१३ अग.	कृ. ०४ बुधे उभा. शनेर्युतिः
१३ अग.	कृ. ०४ बुधे रेवत्यां भौमस्य वेधः
१४ अग.	कृ. ०६ गुरौ रेवत्यां लग्नाऽभावः (कन्या. के १२)
१४ अग.	कृ. ०६ गुरौ अश्वि. केतोर्वेधः
१५ अग.	कृ. ०७ शुक्रे अश्वि. भद्रा दोषः
२५ अग.	शु. ०२ चंद्रे उफा. लग्नाऽभावः (कन्या. ०८।२७ यावत् चं १२; सू; के १२, धनुषि बु; शु ८)
२५ अग.	शु. ०२ चंद्रे हस्ते भौमस्य युतिः
२७ अग.	शु. ०४ बुधे चित्रा. राहोर्वेधः
२८ अग.	शु. ०५ गुरौ चित्रा. राहोर्वेधः
२८ अग.	शु. ०५ गुरौ स्वाती लग्नाऽभावः (कन्या. सू; के १२, धनुषि बु; शु ८)
२९ अग.	शु. ०६ शुक्रे स्वाती लग्नाऽभावः (कन्या. सू; के १२)
३० अग.	शु. ०७ शनौ अनुरा. लग्नाऽभावः (धनुषि बु; शु ८; चं १२)
४ सितं	शु. १२ गुरौ उषा. लग्नाऽभावः (कन्या. सू; बु; के १२, धनुषि शु ८)
५ सितं	शु. १३ शुक्रे श्रवणे लग्नाऽभावः (कन्या. सू; बु; के १२, धनुषि शु ८)
	आश्विन मास
२४ सितं	शु. ०३ बुधे चित्रा. भौमस्य युतिः, राहोर्वेधः
२४ सितं	शु. ०३ बुधे स्वाती भौमस्य युतिः
२५ सितं	शु. ०३ गुरौ स्वाती वैधृतिः, भौमस्य युतिः
२७ सितं	शु. ०५ शनौ अनुरा. लग्नाऽभावः (कन्या. शु; के १२, धनुषि चं १२, मीने मं ८; रा १२)
२ अक्टु	शु. १० गुरौ उषा. लग्नाऽभावः (कन्या. शु; के १२)
२ अक्टु	शु. १० गुरौ श्रवणे लग्नाऽभावः (मीने मं ८; रा १२)
३ अक्टु	शु. ११ शुक्रे श्रवणे लग्नाऽभावः (कन्या. शु; के १२)
४ अक्टु	शु. १२ शनौ धनि. लग्नाऽभावः (कन्या. शु; के १२)
४ अक्टु	शु. १२ शनौ शते भौमस्य वेधः
५ अक्टु	शु. १३ रवौ शते भौमस्य वेधः

	कार्तिक मास
८ अक्टु	कृ. ०२ बुधे अश्वि. केतोर्वेधः
१० अक्टु	कृ. ०४ शुक्रे रोहि. व्यतिपातः
११ अक्टु	कृ. ०५ शनौ मृगे लग्नाऽभावः (मीने मं; बु ८; रा १२)
१२ अक्टु	कृ. ०६ रवौ मृगे लग्नाऽभावः (कन्या. के १२)
२४ अक्टु	शु. ०३ शुक्रे अनुरा. लग्नाऽभावः (धनुषि गु ८;चं; बु १२, मीने सू; मं ८; रा १२)
३१ अक्टु	शु. ०९ शुक्रे धनि. भौमस्य वेधः
१ नवं.	शु. १० शनौ शते सूर्यस्य वेधः
३ नवं.	शु. १३ चंद्रे उभा. लग्नाऽभावः (धनुषि गु ८; मं; बु १२)
३ नवं.	शु. १३ चंद्रे रेवत्यां लग्नाऽभावः (मीने सू; शु ८; रा १२)
	मार्गशीर्ष मास
७ नवं.	कृ. ०२ शुक्रे रोहि. लग्नाऽभावः (धनुषि गु ८; मं; बु १२, मीने सू; शु ८; रा १२)
८ नवं.	कृ. ०३ शनौ मृगे भद्रा दोषः
९ नवं.	कृ. ०५ रवौ पुनर्वसौ गुरोर्युतिः
१० नवं.	कृ. ०६ चंद्रे पुनर्वसौ गुरोर्युतिः
२६ नवं.	शु. ०६ बुधे श्रवणे लग्नाऽभावः (मीने बु ८; रा १२)
२७ नवं.	शु. ०७ गुरौ धनि. लग्नाऽभावः (धनुषि गु ८; सू; मं; शु १२, मीने १४।०५ उपरांत चं १२; बु ८; रा १२)
३० नवं.	शु. १० रवौ उभा. लग्नाऽभावः (धनुषि गु ८; सू; मं; शु १२, मीने बु ८; रा १२)
१ दिसं	शु. ११ चंद्रे रेवत्यां व्यतिपातः
	पौष मास
६ दिसं	कृ. ०२ शनौ मृगे शुक्रस्य वृद्धत्व दोषः
७ दिसं	कृ. ०३ रवौ पुनर्वसौ शुक्रस्य वृद्धत्व दोषः, गुरोर्युतिः

॥ विवादास्पद चौल (मुण्डन)-दिवसास्तेन शास्त्रार्थः ॥

सन२०२५	**वैशाख मास**
१४ अप्रै.	कृ. ०१ चंद्रे स्वाती लग्नाऽभावः (कन्या. सू ८, तुला. गु ८)
१७ अप्रै.	कृ. ०४ गुरौ ज्येष्ठा. भौमस्य वेधः
१८ अप्रै.	कृ. ०५ शुक्रे ज्येष्ठा. भौमस्य वेधः
१ मई	शु. ०४ गुरौ मृगे गुरोर्युतिः
९ मई	शु. १२ शुक्रे हस्ते शनेर्वेधः
	ज्येष्ठ मास
२८ मई	शु. ०२ बुधे मृगे गुरोर्युतिः
५ जून	शु. १० गुरौ हस्ते शनेर्वेधः
६ जून	शु. ११ शुक्रे हस्ते व्यतिपातः
६ जून	शु. ११ शुक्रे चित्रा. राहोर्वेधः
	आषाढ मास
७ जुला	शु. १२ चंद्रे ज्येष्ठा. गुरोः बालत्व दोषः
सन२०२६	**फाल्गुन मास**
५ फर.	कृ. ०४ गुरौ हस्ते शुक्रस्य बालत्व दोषः
६ फर.	कृ. ०५ शुक्रे हस्ते शुक्रस्य बालत्व दोषः, शनेर्वेधः
६ फर.	कृ. ०५ शुक्रे चित्रा. शुक्रस्य बालत्व दोषः
१८ फर.	शु. ०१ बुधे शते राहु युतिः

॥ विवादास्पद द्विरागमन-दिवसास्तेन शास्त्रार्थः ॥

सन२०२५	**वैशाख मास**
१६ अप्रै.	कृ. ०३ बुधे अनुरा. भद्रा दोषः, व्यतिपातः
२३ अप्रै.	कृ. १० बुधे धनि. भद्रा दोषः
२५ अप्रै.	कृ. १२ शुक्रे उभा. बुधस्य युतिः
१ मई	शु. ०४ गुरौ मृगे गुरोर्युतिः
७ मई	शु. १० बुधे उफा. केतोर्युतिः
८ मई	शु. ११ गुरौ उफा. भद्रा दोषः, केतोर्युतिः
९ मई	शु. १२ शुक्रे हस्ते शनेर्वेधः
	मार्गशीर्ष मास
१७ नवं.	कृ. १३ चंद्रे चित्रा. शनेर्वेधः
१ दिसं	शु. ११ चंद्रे रेवत्यां व्यतिपातः
सन२०२६	**फाल्गुन मास**
१८ फर.	शु. ०१ बुधे शते राहु युतिः
१९ फर.	शु. ०२ गुरौ उभा. शनेर्युतिः
२० फर.	शु. ०३ शुक्रे उभा. शनेर्युतिः
	चैत्र मास
५ मार्च	कृ. ०२ गुरौ हस्ते शनेर्वेधः
६ मार्च	कृ. ०३ शुक्रे हस्ते भद्रा दोषः
६ मार्च	कृ. ०३ शुक्रे चित्रा. भद्रा दोषः

अब्दोऽभावः

॥ पं. श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥ भूगोलिक अक्षांशानुसारेण अंगुल-व्यंगुल पलभा सारणी ॥ अक्षांशवत् पलभा ॥ (सूक्ष्म गणित)

॥ अक्षांश ० से ७० तक (अक्षांश ०।६ से ३६।० तक प्रति ६ कला के अन्तर से और शेष १ अक्षांश के अन्तर से) ॥

अक्षांश	पलभा	अक्षांश	पलभा	अक्षांश	पलभा	अक्षांश	पलभा	अक्षांश	पलभा	अक्षांश	पलभा	अक्षांश	पलभा	अक्षांश	पलभा	अक्षांश	पलभा
०°६'	०।०१	४°१२'	०।५२	८°१८'	१।४५	१२°२४'	२।३८	१६°३०'	३।३३	२०°३६'	४।३०	२४°४२'	५।३१	२८°४८'	६।३५	३२°५४'	७।४५
०°१२'	०।०२	४°१८'	०।५४	८°२४'	१।४६	१२°३०'	२।३९	१६°३६'	३।३४	२०°४२'	४।३२	२४°४८'	५।३२	२८°५४'	६।३७	३३°०'	७।४७
०°१८'	०।०३	४°२४'	०।५५	८°३०'	१।४७	१२°३६'	२।४०	१६°४२'	३।३६	२०°४८'	४।३३	२४°५४'	५।३४	२९°०'	६।३९	३३°६'	७।४९
०°२४'	०।०५	४°३०'	०।५६	८°३६'	१।४८	१२°४२'	२।४२	१६°४८'	३।३७	२०°५४'	४।३४	२५°०'	५।३५	२९°६'	६।४०	३३°१२'	७।५१
०°३०'	०।०६	४°३६'	०।५७	८°४२'	१।५०	१२°४८'	२।४३	१६°५४'	३।३८	२१°०'	४।३६	२५°६'	५।३७	२९°१२'	६।४२	३३°१८'	७।५२
०°३६'	०।०७	४°४२'	०।५९	८°४८'	१।५१	१२°५४'	२।४४	१७°०'	३।४०	२१°६'	४।३७	२५°१२'	५।३८	२९°१८'	६।४४	३३°२४'	७।५४
०°४२'	०।०८	४°४८'	१।००	८°५४'	१।५२	१३°०'	२।४६	१७°६'	३।४१	२१°१२'	४।३९	२५°१८'	५।४०	२९°२४'	६।४५	३३°३०'	७।५६
०°४८'	०।१०	४°५४'	१।०१	९°०'	१।५४	१३°६'	२।४७	१७°१२'	३।४२	२१°१८'	४।४०	२५°२४'	५।४१	२९°३०'	६।४७	३३°३६'	७।५८
०°५४'	०।११	५°०'	१।०२	९°६'	१।५५	१३°१२'	२।४८	१७°१८'	३।४४	२१°२४'	४।४२	२५°३०'	५।४३	२९°३६'	६।४९	३३°४२'	८।००
१°०'	०।१२	५°६'	१।०४	९°१२'	१।५६	१३°१८'	२।५०	१७°२४'	३।४५	२१°३०'	४।४३	२५°३६'	५।४४	२९°४२'	६।५०	३३°४८'	८।०१
१°६'	०।१३	५°१२'	१।०५	९°१८'	१।५७	१३°२४'	२।५१	१७°३०'	३।४७	२१°३६'	४।४५	२५°४२'	५।४६	२९°४८'	६।५२	३३°५४'	८।०३
१°१२'	०।१५	५°१८'	१।०६	९°२४'	१।५९	१३°३०'	२।५२	१७°३६'	३।४८	२१°४२'	४।४६	२५°४८'	५।४८	२९°५४'	६।५४	३४°०'	८।०५
१°१८'	०।१६	५°२४'	१।०८	९°३०'	२।००	१३°३६'	२।५४	१७°४२'	३।४९	२१°४८'	४।४७	२५°५४'	५।४९	३०°०'	६।५५	३४°६'	८।०७
१°२४'	०।१७	५°३०'	१।०९	९°३६'	२।०१	१३°४२'	२।५५	१७°४८'	३।५१	२१°५४'	४।४९	२६°०'	५।५१	३०°६'	६।५७	३४°१२'	८।०९
१°३०'	०।१८	५°३६'	१।१०	९°४२'	२।०३	१३°४८'	२।५६	१७°५४'	३।५२	२२°०'	४।५०	२६°६'	५।५२	३०°१२'	६।५९	३४°१८'	८।११
१°३६'	०।२०	५°४२'	१।११	९°४८'	२।०४	१३°५४'	२।५८	१८°०'	३।५३	२२°६'	४।५२	२६°१२'	५।५४	३०°१८'	७।००	३४°२४'	८।१२
१°४२'	०।२१	५°४८'	१।१३	९°५४'	२।०५	१४°०'	२।५९	१८°६'	३।५५	२२°१२'	४।५३	२६°१८'	५।५५	३०°२४'	७।०२	३४°३०'	८।१४
१°४८'	०।२२	५°५४'	१।१४	१०°०'	२।०६	१४°६'	३।००	१८°१२'	३।५६	२२°१८'	४।५५	२६°२४'	५।५७	३०°३०'	७।०४	३४°३६'	८।१६
१°५४'	०।२३	६°०'	१।१५	१०°६'	२।०८	१४°१२'	३।०२	१८°१८'	३।५८	२२°२४'	४।५६	२६°३०'	५।५८	३०°३६'	७।०५	३४°४२'	८।१८
२°०'	०।२५	६°६'	१।१६	१०°१२'	२।०९	१४°१८'	३।०३	१८°२४'	३।५९	२२°३०'	४।५८	२६°३६'	६।००	३०°४२'	७।०७	३४°४८'	८।२०
२°६'	०।२६	६°१२'	१।१८	१०°१८'	२।१०	१४°२४'	३।०४	१८°३०'	४।००	२२°३६'	४।५९	२६°४२'	६।०२	३०°४८'	७।०९	३४°५४'	८।२२
२°१२'	०।२७	६°१८'	१।१९	१०°२४'	२।१२	१४°३०'	३।०६	१८°३६'	४।०२	२२°४२'	५।०१	२६°४८'	६।०३	३०°५४'	७।१०	३५°०'	८।२४
२°१८'	०।२८	६°२४'	१।२०	१०°३०'	२।१३	१४°३६'	३।०७	१८°४२'	४।०३	२२°४८'	५।०२	२६°५४'	६।०५	३१°०'	७।१२	३५°६'	८।२६
२°२४'	०।३०	६°३०'	१।२२	१०°३६'	२।१४	१४°४२'	३।०८	१८°४८'	४।०५	२२°५४'	५।०४	२७°०'	६।०६	३१°६'	७।१४	३५°१२'	८।२७
२°३०'	०।३१	६°३६'	१।२३	१०°४२'	२।१६	१४°४८'	३।१०	१८°५४'	४।०६	२३°०'	५।०५	२७°६'	६।०८	३१°१२'	७।१६	३५°१८'	८।२९
२°३६'	०।३२	६°४२'	१।२४	१०°४८'	२।१७	१४°५४'	३।११	१९°०'	४।०७	२३°६'	५।०७	२७°१२'	६।१०	३१°१८'	७।१७	३५°२४'	८।३१
२°४२'	०।३३	६°४८'	१।२५	१०°५४'	२।१८	१५°०'	३।१२	१९°६'	४।०९	२३°१२'	५।०८	२७°१८'	६।११	३१°२४'	७।१९	३५°३०'	८।३३
२°४८'	०।३५	६°५४'	१।२७	११°०'	२।१९	१५°६'	३।१४	१९°१२'	४।१०	२३°१८'	५।१०	२७°२४'	६।१३	३१°३०'	७।२१	३५°३६'	८।३५
२°५४'	०।३६	७°०'	१।२८	११°६'	२।२१	१५°१२'	३।१५	१९°१८'	४।१२	२३°२४'	५।११	२७°३०'	६।१४	३१°३६'	७।२२	३५°४२'	८।३७
३°०'	०।३७	७°६'	१।२९	११°१२'	२।२२	१५°१८'	३।१६	१९°२४'	४।१३	२३°३०'	५।१३	२७°३६'	६।१६	३१°४२'	७।२४	३५°४८'	८।३९
३°६'	०।३८	७°१२'	१।३०	११°१८'	२।२३	१५°२४'	३।१८	१९°३०'	४।१४	२३°३६'	५।१४	२७°४२'	६।१८	३१°४८'	७।२६	३५°५४'	८।४१
३°१२'	०।४०	७°१८'	१।३२	११°२४'	२।२५	१५°३०'	३।१९	१९°३६'	४।१६	२३°४२'	५।१६	२७°४८'	६।१९	३१°५४'	७।२८	३६°०'	८।४३
३°१८'	०।४१	७°२४'	१।३३	११°३०'	२।२६	१५°३६'	३।२१	१९°४२'	४।१७	२३°४८'	५।१७	२७°५४'	६।२१	३२°०'	७।२९		
३°२४'	०।४२	७°३०'	१।३४	११°३६'	२।२७	१५°४२'	३।२२	१९°४८'	४।१९	२३°५४'	५।१९	२८°०'	६।२२	३२°६'	७।३१	अलम्	
३°३०'	०।४४	७°३६'	१।३६	११°४२'	२।२९	१५°४८'	३।२३	१९°५४'	४।२०	२४°०'	५।२०	२८°६'	६।२४	३२°१२'	७।३३		
३°३६'	०।४५	७°४२'	१।३७	११°४८'	२।३०	१५°५४'	३।२५	२०°०'	४।२२	२४°६'	५।२२	२८°१२'	६।२६	३२°१८'	७।३५		
३°४२'	०।४६	७°४८'	१।३८	११°५४'	२।३१	१६°०'	३।२६	२०°६'	४।२३	२४°१२'	५।२३	२८°१८'	६।२७	३२°२४'	७।३६		
३°४८'	०।४७	७°५४'	१।३९	१२°०'	२।३३	१६°६'	३।२७	२०°१२'	४।२४	२४°१८'	५।२५	२८°२४'	६।२९	३२°३०'	७।३८		
३°५४'	०।४९	८°०'	१।४१	१२°६'	२।३४	१६°१२'	३।२९	२०°१८'	४।२६	२४°२४'	५।२६	२८°३०'	६।३०	३२°३६'	७।४०		
४°०'	०।५०	८°६'	१।४२	१२°१२'	२।३५	१६°१८'	३।३०	२०°२४'	४।२७	२४°३०'	५।२८	२८°३६'	६।३२	३२°४२'	७।४२		
४°६'	०।५१	८°१२'	१।४३	१२°१८'	२।३६	१६°२४'	३।३१	२०°३०'	४।२९	२४°३६'	५।२९	२८°४२'	६।३४	३२°४८'	७।४४		

ज्योतिषियों को अक्षांश/रेखांश और पलभा की आवश्यकता होती है। अक्षांश/रेखांश तो नक्शों (अटलस) में मिल जाते हैं, पलभा भी पञ्चांगों में मुख्य शहरों का लिखा रहता है लेकिन वांछित शहर या गाँव का पलभा प्राप्त न होने से अथवा गणित क्रिया न होने से हतोत्साहित होते हैं। अतः 'पं श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्ग' में प्रस्तुत 'पलभासारणी' से विद्वज्जन लाभान्वित होंगे ऐसी मैं आशा करता हूँ।

यद्यपि सारणी में बहुत कम ६ कला का ही अंतर रखा है फिर भी किसी वांछित शहर या गाँव का अक्षांश न मिले तो अनुपात (अंतर, जो कि बहुत कम है) से पलभा प्राप्त करें। उदाहरण जामनगर का अक्षांश २२।२७ है। सारणी में अक्षांश २२।२४ का पलभा ४।५६ और अक्षांश २२।३० का पलभा ४।५८ लिखा है। अतः जामनगर का अक्षांश २२।२७ का पलभा अनुपात (४।५६ और ४।५८ के अंतर) से ४।५७ हुआ। पञ्चाङ्ग की देशान्तर सारणी में भी ४।५७ ही लिखा है। अक्षांश ३६।० से ७०।० के पलभा में १ अंश का अंतर है अतः उनका पलभा भी ऐसे ही अनुपात से प्राप्त करें।

ले. - पं. प्यारसीलाल शर्मा, मुम्बई

अक्षांश	पलभा
३७° ०'	९।०२
३८° ०'	९।२२
३९° ०'	९।४३
४०° ०'	१०।०४
४१° ०'	१०।२५
४२° ०'	१०।४८
४३° ०'	११।११
४४° ०'	११।३५
४५° ०'	१२।००
४६° ०'	१२।२५
४७° ०'	१२।५२
४८° ०'	१३।१९
४९° ०'	१३।४८
५०° ०'	१४।१८
५१° ०'	१४।४९
५२° ०'	१५।२१
५३° ०'	१५।५५
५४° ०'	१६।३०
५५° ०'	१७।०८
५६° ०'	१७।४७
५७° ०'	१८।२८
५८° ०'	१९।१२
५९° ०'	१९।५८
६०° ०'	२०।४७
६१° ०'	२१।३८
६२° ०'	२२।३४
६३° ०'	२३।३३
६४° ०'	२४।३६
६५° ०'	२५।४४
६६° ०'	२६।५७
६७° ०'	२८।१६
६८° ०'	२९।४२
६९° ०'	३१।१५
७०° ०'	३२।५८

॥ अथ विवाहभेदाः ॥

धर्मसिन्धु - ४८३

ब्राह्मो दैव आर्षः प्राजापत्य आसुरो गान्धर्वो राक्षसः पैशाच इत्यष्टौ B विवाहाः । योग्यवरमाहूयालंकृत्य कन्यार्पणं दैवः । वरादेकं गोमिथुनं द्वे वा गृहीत्वा तस्मै कन्याऽर्पणमार्षः । इदं गोमिथुनग्रहणं न निन्दितम्, तस्य कुमारीपूजनार्थत्वेन कन्याविक्रयाभावात् । त्वयैतयैव सह गृहधर्म आचरणीय एतस्या जीवनपर्यन्तं विवाहानन्तरं चतुर्थाश्रमो वा न कार्य इत्याभाष्य कन्यादानं प्राजापत्यः । ज्ञातिभ्यो यथेच्छं धनं दत्वा विवाह आसुरः । वरवध्वोरिच्छयान्योन्यसंयोगो गान्धर्वः । युद्धादिना बलाद्धरणं राक्षसः । चौर्येण कन्याहरणं पैशाचः ।

ब्राह्म, दैव, आर्ष, प्राजापत्य, आसुर, गान्धर्व, राक्षस और पैशाच ये आठ प्रकार के विवाह होते हैं । योग्य वर को बुलाकर अलंकृत करके कन्यादान विधि से उसे देने को ब्राह्म विवाह कहते हैं । यज्ञ में ऋत्विक् के कार्य करने वाले को अलंकृत करके कन्या के अर्पण को दैव कहते हैं । वर से एक जोडी या दो जोडी गाय और बैल लेकर उसे कन्या के अर्पण को आर्ष विवाह कहते हैं । यह गाय बैल की जोडी लेना निन्दित नहीं है, क्योंकि वह कुमारी पूजन के निमित्त होने से कन्या विक्रय नहीं है । आप इसी के साथ जीवन पर्यन्त गृहस्थ धर्म का आचरण करें तथा विवाह के बाद सन्यास आश्रम में न जावें ऐसा कह कर जो कन्यादान किया जाय उसे प्राजापत्य विवाह कहते हैं । कन्या के भाई बन्धु की इच्छानुसार धन देकर विवाह करने को आसुर कहते हैं । वर और वधू की इच्छा से परस्पर संयोग को गान्धर्व विवाह कहते हैं । युद्ध आदि से जबर्दस्ती कन्या लेने को राक्षस विवाह कहते हैं । चोरी से कन्या-हरण को पैशाच विवाह कहते हैं ।

B. १. मनुः - 'ब्राह्मो दैवस्तथैवार्षः प्राजापत्यस्तथाऽऽसुरः । गान्धर्वो राक्षसश्चैव पैशाचश्चाष्टमोऽधमः ॥ आठों विवाहों के याज्ञवल्क्योक्त लक्षण - 'ब्राह्मो विवाह आहूय दीयते शक्त्यलंकृता । तज्जः पुनात्युभयतः पुरुषानेकविंशतिम् ॥ यज्ञस्थ ऋत्विजे दैव आदायार्षस्तु गोद्वयम् । चतुर्दश प्रथमजः पुनात्युत्तरजश्च षट् ॥ इत्युक्त्वा चरतां धर्मं सह या दीयतेऽर्थिने । स कायः पावयेत्तजः षट् षड् वंश्यान् सहात्मना ॥ आसुरो द्रविणादानाद् गान्धर्वः समयान्मिथः । राक्षसो युद्धहरणात् पैशाचः कन्यकाच्छलात् ॥'

नारद ने ब्राह्म आदि चार विवाहों में ही काल का नियम बतलाया है - 'प्राजापत्यब्राह्मदैवविवाहा ऋषिसंज्ञकाः । उक्तकालेषु कर्तव्याश्चत्वारः फलदायकाः ॥ गान्धर्वासुरपैशाच्यराक्षसास्त्याश्च सर्वदा ।' गृह्यपरिशिष्ट में भी कहा है - 'धर्म्येषु विवाहेषु कालपरीक्षणं नाधर्म्येषु' इसलिये गृह्यकार का - 'सार्वकालमेके विवाहम्' यह वचन गान्धर्वादि चार विवाहों अथवा अत्यासन्न ऋतुकाल वाली कन्या के लिये है ।

बल से अपहृत कन्याओं के सम्बन्ध में वसिष्ठ बौधायन ने कहा है - 'बलादपहृता कन्या मन्त्रैर्यदि न संस्कृता । अन्यस्मै विधिवद्देया यथा कन्या तथैव सा ॥' इति ।

धर्मसिन्धु - ४८४, अथ विवाहभेदाः

पूर्वपूर्वेषु पूर्वः पूर्वः श्रेष्ठः । उत्तरोत्तर उत्तरो निन्द्यः । तत्र विप्रस्य ब्राह्मदैवौ प्रशस्तौ । क्षत्रियस्य गान्धर्वराक्षसौ । आसुरो वैश्यस्य आर्षप्राजापत्यपैशाचाः सर्वेषाम् । संकटे राक्षसमिश्राः पञ्च । सर्वेष्वपि विवाहेषु तत्तत्प्रकारैः कन्यापरिग्रहोत्तरं स्वस्वगृह्यरीत्या विवाहहोमादिविधिरावश्यकः । दानविधिना दानं सर्वत्र न भवति ।

ले. - पं. ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री), मुम्बई

॥ अथ विवाहप्रकरणं व्याख्यायते ॥ - पीयूषधारा पृ. ३००

तत्र विवाहशब्देन पाणिग्रहणाख्यः संस्कारविशेष उच्यते - ते च विवाहा अष्टौ । उक्तञ्च मनुना -

'चतुर्णामपि वर्णानां प्रेत्य चेह हिताहितान् । अष्टाविमान्समासेन स्त्रीविवाहान्निबोधत ॥
ब्राह्मो दैवस्तथा चाऽऽर्षः प्राजापत्यस्तथाऽऽसुरः । गान्धर्वो राक्षसश्चैव पैशाचश्चाष्टमोऽधमः ।' इति ।
अष्टविधाविवाहलक्षणानि -

एषां लक्षणान्याह याज्ञवल्क्यः -

१. 'ब्राह्मो विवाह आहूय दीयते शक्त्यलङ्कृता । तज्जः पुनात्युभयतः पुरुषानेकविंशतिम् ॥
२. यज्ञस्थऋत्विजे दैव (३) आदायार्षस्तु गोद्वयम् । चतुर्दश प्रथमजः पुनात्युत्तरजश्च षट् ॥
४. इत्युक्त्वाचरतां धर्मं सह या दीयतेऽर्थिने । स कायः पावयेत्तज्जः षट् षड्वंश्यान्सहात्मना ॥
५. आसुरो द्रविणादानाद् (६) गान्धर्वः समयान्मिथः ।
७. राक्षसो युद्धहरणात् (८) पैशाचः कन्यकाछलात् ॥' इति ।

कायः प्राजापत्यः । छलं वंचना । एषेषु कालनियमानियमव्यवस्था -

एषां कालनियममाह नारदः - 'प्राजापत्यब्राह्मदैवविवाहा ऋषिसंज्ञकाः । उक्तकालेषु कर्तव्याश्चत्वारः फलदायकाः ॥ गान्धर्वासुरकपैशाच्यराक्षसास्त्याश्च सर्वदा ।' इति । अत एव - 'सार्वकालमेके विवाहम् ।' इति गृह्यकारवचनं गान्धर्वादिविवाहविषयम् ।

विवाह प्रकरण की व्याख्या - पाणिग्रहण संस्कार विशेष का नाम विवाह है । विवाह आठ प्रकार के होते हैं - (१) ब्राह्म, (२) दैव, (३) आर्ष, (४) प्राजापत्य, (५) आसुर, (६) गन्धर्व, (७) राक्षस, (८) पैशाच ।

(१) अलंकारादिकों से वर-कन्या का पूजन कर विचारवान् विवेकीवर को दान स्वरूप में कन्या दान ब्राह्म विवाह है । इससे उत्पन्न प्रजा पूर्वापर की २१ पीढ़ी तक को पवित्र करती है ।

(२) ज्योतिष्टोमादि यज्ञ में यथाविधि यज्ञ सम्पन्न कराने वाले ब्राह्मण की अलंकरणों से पूजा कर उसे कन्या दी जाती है, यह दैव विवाह है । इससे उत्पन्न प्रथम सन्तान १४ पीढ़ी तक (अपने पूर्व की) पवित्र करती है ।

(३) अर्थ ग्रहण लोभ की भावना रहित भावना से, वाग (वाणी) की सिद्धि के लिए एक या दो जोडा गौ (गाय और बैल) वर से लेकर इसे दान में ज कन्या दी जाती है उसे आर्ष विवाह कहते हैं ।

(४) पूर्व में अलंकारादिकों से कन्या पूजन कर, 'तुम दोनों आपस में (स्त्री-पुरुष) धर्म स्वीकार करो' इत्यादि आदेश के साथ जो कन्या दान दिया जाता है उसे प्राजापत्य विवाह कहते हैं ।

(५) कन्या के सम्बन्धियों तथा कन्या के पिता की यथा शक्ति शास्त्रीय धन परिमाणमापक धन देकर किये गये विवाह का नाम आसुर विवाह है ।

(६) वरकन्या में अन्योऽन्य परस्पर के अनुराग के उत्पन्न सम्बन्ध का नाम गन्धर्व विवाह है । इसे काम सम्भव विवाह कहते हैं ।

(७) बलात्कार से कन्या का अपहरण राक्षस विवाह कहलाता है । कन्या पक्षीय समाज को नष्ट कर उनका अंगच्छेद आदिक करते हुए तोड़-फोड़ के साथ 'हे पिता, हे भ्राता, मैं अनाथ हूँ मेरा अपहरण हो रहा है' इत्यादि चिल्लाती हुई अश्रुप्रवाह करती हुई कन्या के अपहरण पूर्वक किये गये विवाह का नाम राक्षस विवाह है ।

(८) मद्य मद विह्वल निर्जन देश में शील संरक्षण रहित निद्राऽभिभूत मैथुन मात्र प्रवृति जिस विवाह में हो उसे पैशाच विवाह कहा है ।

इस प्रकार उत्तरोत्तर संख्या के विवाह को कम गुण कहते हुए ब्राह्म विवाह सर्वोत्तम और पैशाच विवाह अत्यन्त निन्द्य है ।

ले. - पं. ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री), मुम्बई

अतिरिक्त सुविधा के अन्तर्गत (चतुर्मासारम्भ पर्यन्त)

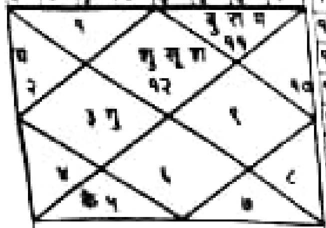
१९ मार्च से २ अप्रैल तक, श्री चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०८३, शाक १९४८.

	ति.	वा.	घ	प	घं	मि.	नक्षत्र	घ	प	घं	मि	यो	घ	प	घं	मि	क.	घ	प	घं	मि	म	उ	अ	मा	शु	ई	स्टै. चंद्र	प्रात सौर र. स्प.	दैनिक गति
[illegible]	१	गु	५५	३८	२८	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[illegible]	०
[illegible]	२	शु	३९	५०	२६	३४	रेव	४९	३४	२६	२८	ब	३८	५३	२२	११	बा	२२	५१	११	४७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	२९	३०	२०	मेषे २६।२८	११।०५।०६।३४	५९।३९
[illegible]	३	श	४३	२९	२४	०१	अश्वि	४५	०३	२४	३८	ऐ	३०	४८	१८	५१	तै	१६	४४	१३	५९	[illegible]	३७	३८	३०	१	२१	मेषे	११।०६।०६।१३	५९।३७
[illegible]	४	र	३६	५२	२९	२१	भर	४०	१८	२२	४३	वै	२२	३८	१५	३१	व	१०	४३	१०	४९	०७	३६	३९	१	२	२२	वृषे २८।१४	११।०७।०५।५०	५९।३५
[illegible]	५	सो	३०	४७	१८	४२	कृति	३५	३६	२०	४१	वि	१४	२०	१२	११	ब	३	३१	८	०१	११	३५	३९	२	३	२३	वृषे	११।०८।०५।२५	५९।३२
[illegible]	६	म	२४	०१	१६	१०	रोहि	३१	१४	११	०३	प्री	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	तै	२४	०१	१६	१०	१५	३४	४०	३	४	२४	मिथु. ३०।१५	११।०९।०४।५७	५९।३०
[illegible]	७	बु	१८	५५	१३	५१	मृग	२७	२५	१७	३०	सौ	५१	१७	२७	०३	व	१८	१५	१३	५१	१९	३३	४०	४	५	२५	मिथु.	११।१०।०४।२७	५९।२८
[illegible]	८	गु	१३	१४	११	४९	आर्द्रा	२४	२०	१६	१५	शो	४४	४४	२४	२५	ब	१३	१४	११	४९	२३	३१	४१	५	६	२६	मिथु.	११।११।०३।५५	५९।२६
[illegible]	९	शु	९	००	१०	०६	पुन	२२	०६	१५	२०	अ	३८	५४	२२	०४	कौ	९	००	१०	०६	२७	३०	४१	६	७	२७	कर्के ९।३२	११।१२।०३।२१	५९।२३
[illegible]	१०	श	५	४३	८	४६	पुष्य	२०	४६	१४	४७	सु	३३	४९	२०	०१	ग	५	४३	८	४६	३२	२९	४२	७	८	२८	कर्के	११।१३।०२।४४	५९।२१
[illegible]	११	र	३	२२	७	४९	श्ले	२०	२२	१४	३७	धृ	२९	२९	१८	१६	वि	३	२२	७	४९	३६	२८	४२	८	९	२९	सिंहे १४।३७	११।१४।०२।०५	५९।१९
[illegible]	१२	सो	१	५६	७	१३	मघा	२०	५४	१४	४८	शू	२५	५४	१६	४८	बा	१	५६	७	१३	४०	२७	४३	९	१०	३०	सिंहे	११।१५।०१।२३	५९।१६
[illegible]	१३	म	१	२९	७	०१	पूफा	२२	२१	१५	२२	ग	२३	०३	१५	३९	तै	१	२९	७	०१	४४	२६	४३	१०	११	३१	कन्या २१।३४	११।१६।००।४०	५९।१४
[illegible]	१४	बु	१	५८	७	१२	उफा	२४	४५	१६	१८	वृ	२०	५९	१४	४८	व	१	५८	७	१२	४८	२५	४४	११	१२	१	कन्या	११।१६।५९।५४	५९।१२
पूर्णिमा	१५	गु	३	२६	७	४६	हस्त	२८	०६	१७	३८	ध्रु	११	४०	१४	१६	बा	३	२६	७	४६	५२	२३	४४	१२	१३	२	कन्या	११।१७।५९।०६	५९।०९

केतकी अहर्गण: ५४६२ वर्गोत्तम रविकरण, मार्च अप्रैल २०२६
यहाँ लिखे घड़ा पल बातादि का समय स्टै. टा. में है ।
संवत्सरारंभ गुरुवासरे [B श्रवण व्र. त्रिरात्रि पू. सत्याल १०. E
गंडान्तशेषम् (मु. ३०), पंचक समाप्ति: २६।२८, श्रृंगार (त्रिगुण) C
मन्वादि, मत्स्योत्पत्ति, अरुन्धती व्रतं पूजनञ्च, गणगौरी A
म. १०।४१ उ. २१।२१ मा., भा. वैशारंभ [D पूना भौम: २०।५७
कल्यादि, डोलोत्सव: [G (शौर: २२।२१) [H शुक्र: २०।५३
स्कन्द षष्ठी व्र. [C वैशाखारे, सायन मेषे भानु: ११।५५. D
म. १३।५१ उ. २४।४७ मा., अशोककलिका प्राशनं, मेषे अश्वि. H
भवान्युत्पत्ति:, श्री रामनवमी [F मीने भौम: १५।०४ [I शनि: १३।१७
उदया नवमी [A पूजा, मनोरथ तृतीया व्र., सौभाग्य B
म. २०।१५ उ., शत. २ राहु: २३।२९, मघा ४ केतु: २३।२९
म. ७।४१ मा., कामदा ११ व्र., लक्ष्मीकान्त दोलोत्सव
प्रदोष:, हरि दमनोत्सव: [E मार्गी बुध: ११।४०, उत्ता. ३ I
जैन महावीर जयंती, शिव पूजन विशेष:, रेव. रवि: ११।२३ G
म. ७।१२ उ. ११।२६ मा., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतं, अप्रैल ४ J
श्री हनुमज्जयंती, पूर्णिमा पुण्यं, वैशाख स्नानारंभ:, F
[J शत. ३०, पूभा. बुध: १८।२३

अयनांश: २४।१२।२९

दि.५० वै.शु. ५ सो. इष्टघटी ०।००							
सू	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
११	१०	१०	२	११	११	१०	४
०८	२१	१४	२०	२६	१०	१३	१३
१३	५३	२८	५८	२५	१२	३८	३८
१०	१०	०३	०२	५३	५२	०८	०८
४१	४७	१६	२	३४	७	३	३
२८	०४	०१	२५	०७	२१	११	११
उभा	पूभा	श	पुन	रे	उभा	श	पूभा
२	१	३	१	३	३	३	१



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

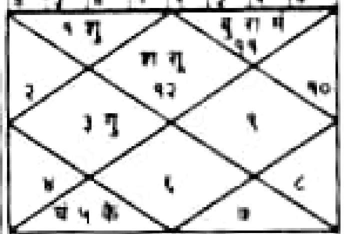
प्रात: र. स्प.	वार तिथि	ता. मार्च	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या सायं	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन प्रात:
११।०५।१३।५४	२ शु	२०	७।४९	९।२६	११।२२	१।३७	३।५७	६।१४	८।२९	१०।४९	१।०७	३।१२	४।५५	६।२३
११।०६।१३।३३	३ श	२१	७।४५	९।२२	११।१८	१।३३	३।५३	६।१०	८।२५	१०।४५	१।०३	३।०८	४।५१	६।१९
११।०७।१३।१०	४ र	२२	७।४१	९।१८	११।१४	१।२९	३।४९	६।०६	८।२२	१०।४१	१२।५९	३।०४	४।४७	६।१५
११।०८।१२।४४	५ सो	२३	७।३८	९।१४	११।१०	१।२५	३।४५	६।०२	८।१८	१०।३७	१२।५५	३।००	४।४३	६।११
११।०९।१२।१६	६ म	२४	७।३४	९।१०	११।०६	१।२१	३।४१	५।५८	८।१४	१०।३३	१२।५१	२।५६	४।३९	६।०८
११।१०।११।४६	७ बु	२५	७।३०	९।०६	११।०२	१।१७	३।३७	५।५४	८।१०	१०।२९	१२।४७	२।५२	४।३५	६।०४
११।११।११।१४	८ गु	२६	७।२६	९।०२	१०।५८	१।१३	३।३३	५।५०	८।०६	१०।२५	१२।४३	२।४८	४।३१	६।००
११।१२।१०।३९	९ शु	२७	७।२२	८।५८	१०।५४	१।०९	३।२९	५।४६	८।०२	१०।२१	१२।४०	२।४४	४।२७	५।५६
११।१३।१०।०२	१० श	२८	७।१८	८।५४	१०।५०	१।०५	३।२५	५।४२	७।५८	१०।१७	१२।३६	२।४०	४।२३	५।५२
११।१४।०९।२३	११ र	२९	७।१४	८।५०	१०।४६	१।०१	३।२१	५।३८	७।५४	१०।१३	१२।३२	२।३६	४।१९	५।४८
११।१५।०८।४१	१२ सो	३०	७।१०	८।४६	१०।४२	१२।५७	३।१७	५।३४	७।५०	१०।०९	१२।२८	२।३२	४।१५	५।४४
११।१६।०७।५७	१३ म	३१	७।०६	८।४२	१०।३९	१२।५३	३।१३	५।३०	७।४६	१०।०५	१२।२४	२।२८	४।११	५।४०
११।१७।०७।११	१४ बु	१	७।०२	८।३८	१०।३५	१२।४९	३।०९	५।२६	७।४२	१०।०१	१२।२०	२।२४	४।०८	५।३६
११।१८।०६।२२	१५ गु	२	६।५८	८।३४	१०।३१	१२।४५	३।०६	५।२२	७।३८	९।५७	१२।१६	२।२०	४।०४	५।३२

मास फलम्

पूर्णिमा हस्त युक्त होने से सम्पन्नता हो । पूर्वा भाद्रपद पर मंगल होने से तिल, वस्त्र, कपास, सुपारी आदि महँगे हों । अश्विनी में शुक्र होने से ब्राह्मण जाति में विरोध हो । जौ, तिल, उड़द कम हों । अश्विनी में स्थित शुक्र अश्वपालकों को पीड़ित करता है ।

अयनांश: २४।१२।३०

दि. ५१ वै. शु. १२ सो. इष्टघटी ०।००							
सू	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
११	१०	१०	२	०	११	१०	४
१५	२७	१७	२१	०५	११	१३	१३
०८	२२	५८	१८	०४	०५	१५	१५
४७	१७	२३	४५	०१	११	५४	५४
५९	४६	४६	३	०३	७	३	३
१४	५६	०६	४१	५३	२८	११	११
उभा	पूभा	श	पुन	अ	उभा	श	भ
४	३	४	१	२	३	२	४



१०

अतिरिक्त सुविधा के अन्तर्गत (चतुर्मासारम्भ पर्यन्त)

३ अप्रेल से १७ अप्रेल तक. श्री वैशाख कृष्णपक्ष संवत् २०८३. शाक: १९४८. दिनमा सू. शू. तारीख — स्टै. — प्रात: — दैनिक

वसंततु रविहारे चैत्रकृष्णेति गुर्जराः, अप्रेल २०२६ — यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा. में है।

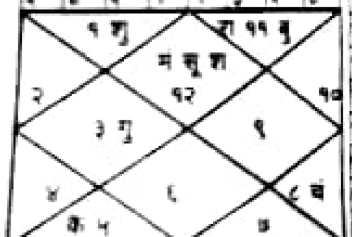
योग	ति.	वा	घ	प	घ	मि	नक्षत्र	घ	प	घ	मि	यो	घ	प	घ	मि	क	घ	प	घ	मि	घ	त	अ.	मा	मु	इं.	चंद्र	सौर र. स्प.	गति	
मुसल	१	शु	५	५६	[illegible]	४५	चित्रा	३२	२८	१९	२२	व्या	१६	१०	१४	०३	कौ	५	५६	८	४५	३० ५६	६ २२	६ ४२	१३	१४	३	तुला ६।२७	११।१८।५८।१५	५९।०७	
सिद्धि	२	श	९	२९	१०	०९	स्वा	३७	५२	२१	३०	ह	१९	२९	१४	०९	ग	९	२९	१०	०९	००	२१	४५	१४	१५	४	तुला.	११।१९।५७।२२	५९।०५	म. २३।०० उ.
च.ब	३	र	१४	०३	११	५८	विशा	४६	१३	२४	०१	व	२०	३४	१४	३४	वि	१४	०३	११	५८	०४	२०	४६	१५	१६	५	वृश्चि. १७।२१	११।२०।५६।२७	५९।०२	म. ११।५८ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०१, मर. गुरुः [illegible]
मानस	४	सो	१९	३३	१४	०८	अनु	५१	२०	२६	५१	सि	२२	२१	१५	१६	बा	१९	३३	१४	०८	०९	११	४६	१६	१७	६	वृश्चि.	११।२१।५५।२९	५९।००	अनुसूया जयंती, उभा. भौमः २१।३०
मुद्गर	५	म	२५	४९	१६	३४	ज्ये	५८	५२	२९	५१	व्य	२४	३६	१६	०८	तै	२५	४९	१६	३४	१३	१८	४७	१७	१८	७	धनु. २९।५१	११।२२।५४।३०	५८।५८	
ध्वजा	६	बु	३१	५८	१९	०४	मूल	....	....		....	व	२६	५९	१७	०४	व	३१	५८	१९	०४	१७	१७	४८	१८	१९	८	धनु.	११।२३।५३।२८	५८।५६	म. ११।०४ उ.
धूम्र	७	गु	३७	५२	२१	२५	मूल	६	२०	८	४८	प	२९	०५	१७	५४	वि	५	०२	८	१७	२१	१६	४८	१९	२०	९	धनु.	११।२४।५२।२३	५८।५३	म. ८।१७ या.
प्रवर्धमा	८	शु	४२	४६	२३	२१	पूषा	१३	०५	११	२९	शि	३०	३२	१८	२८	बा	१०	३०	१०	२७	२५	१५	४९	२०	२१	१०	मक. १८।०५	११।२५।५१।१७	५८।५१	बूढो बास्योड़ो, मीने बुधः २६।१४
राक्षस	९	श	४६	११	२४	४२	उषा	१८	३७	१३	४०	सि	३०	५४	१८	३५	तै	१४	४३	१२	०७	२९	१४	४९	२१	२२	११	मक.	११।२६।५०।०७	५८।४९	
गद	१०	र	४७	४८	२५	२०	श्रव	२२	३१	१५	१३	सा	२९	५६	१८	११	व	१७	१५	१३	०७	३३	१३	५०	२२	२३	१२	कुंभे २७।४३	११।२७।४८।५६	५८।४७	म. १३।०७ उ. २५।२० या., पंचक प्रारम्भः २७।४३
ए.व	११	सो	४७	२६	२५	१०	धनि	२४	३४	१६	०१	शु	२७	२८	१७	११	ब	१७	५३	१३	२१	३७	१२	५०	२३	२४	१३	कुंभे	११।२८।४७।४३	५८।४४	वरुथिनि ११ व्र., उभा. बुधः १६।०५
मृत्यु	१२	म	४५	०६	२४	१३	शत	२४	४०	१६	०३	शु	२३	२६	१५	३३	कौ	१६	३२	१२	४७	४०	११	५१	२४	२५	१४	कुंभे	११।२९।४६।२७	५८।४२	मेषे अश्वि. रविः ८।४२ (सौरः ११।४३)
व.व.	१३	बु	४०	५६	२२	३२	पूभा	२२	५४	१५	११	ब्र	१७	५३	१३	१९	ग	१३	१५	११	२८	४४	१०	५१	२५	२६	१५	मीने ९।३४	०।००।४५।०१	५८।४०	म. २२।३२ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र.
छत्र	१४	गु	३५	१०	२०	१३	उभा	१९	२९	१३	५६	ऐ	१०	४७	१०	३१	वि	८	१४	९	२६	४८	०८	५२	२६	२७	१६	मीने	०।०१।४३।४९	५८।३७	म. ९।२६ या., कृत्ति. शुक्रः २०।४६
अमाव.	३०	शु	२८	०९	१७	२३	रेव	१४	४२	१२	००	वै	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	च	१	४९	६	५१	५२	०७	५२	२७	२८	१७	मेषे १२।००	०।०२।४२।२६	५८।३५	पंचक समाप्तिः १२।००, देवपितृकार्येऽमा., उभा.-४ शनिः १३।५१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशा: २४।१२।३१

प.५२ वै.कृ ४ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	११	१०	२	०	११	१०	४
२२	०२	२४	२९	१३	११	१२	१२
०२	५०	२३	४८	४०	५७	५३	५३
४४	२४	०७	०८	३०	१६	३९	३९
५९	४६	६५	४	७३	७	३	३
००	४७	२४	५१	३९	२४	१०	१०
रे	पूषा	पूषा	पुन	भ	उभा	श	म
२	४	२	१	१	३	२	४



ब्रह्म र. स्प. प्रात:	वार तिथि	ता. अं.	मेष प्रात	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला सायं	वृश्चिक रात्री	धनु रात्री	मकर रात्री	कुंभ रात्री	मीन रात्री
११।१९।०५।३२	१ शु	३	६।५४	८।३०	१०।२७	१२।४२	३।०२	५।१८	७।३४	९।५३	१२।१२	२।१६	४।००	५।२८
११।२०।०४।३८	२ श	४	६।५०	८।२६	१०।२३	१२।३८	२।५८	५।१४	७।३०	९।४९	१२।०८	२।१३	३।५६	५।२४
११।२१।०३।४३	३ र	५	६।४६	८।२३	१०।१९	१२।३४	२।५४	५।११	७।२६	९।४६	१२।०४	२।०९	३।५२	५।२०
११।२२।०२।४५	४ सो	६	६।४२	८।१९	१०।१५	१२।३०	२।५०	५।०७	७।२२	९।४२	१२।००	२।०५	३।४८	५।१६
११।२३।०१।४५	५ मं	७	६।३८	८।१५	१०।११	१२।२६	२।४६	५।०३	७।१९	९।३८	११।५६	२।०१	३।४४	५।१२
११।२४।००।४३	६ बु	८	६।३४	८।११	१०।०७	१२।२२	२।४२	४।५९	७।१५	९।३४	११।५२	१।५७	३।४०	५।०८
११।२४।५९।३८	७ गु	९	६।३१	८।०७	१०।०३	१२।१८	२।३८	४।५५	७।११	९।३०	११।४८	१।५३	३।३६	५।०५
११।२५।५८।३१	८ शु	१०	६।२७	८।०३	९।५९	१२।१४	२।३४	४।५१	७।०७	९।२६	११।४४	१।४९	३।३२	५।०१
११।२६।५७।२२	९ श	११	६।२३	७।५९	९।५५	१२।१०	२।३०	४।४७	७।०३	९।२२	११।४०	१।४५	३।२८	४।५७
११।२७।५६।१०	१० र	१२	६।१९	७।५५	९।५१	१२।०६	२।२६	४।४३	६।५९	९।१८	११।३६	१।४१	३।२४	४।५३
११।२८।५४।५७	११ सो	१३	६।१५	७।५१	९।४७	१२।०२	२।२२	४।३९	६।५५	९।१४	११।३३	१।३७	३।२०	४।४९
११।२९।५३।४०	१२ मं	१४	६।११	७।४७	९।४३	११।५८	२।१८	४।३५	६।५१	९।१०	११।२९	१।३३	३।१६	४।४५
००।००।५२।२२	१३ बु	१५	६।०७	७।४३	९।३९	११।५४	२।१४	४।३१	६।४७	९।०६	११।२५	१।२९	३।१२	४।४१
००।०१।५१।०१	१४ गु	१६	६।०३	७।३९	९।३५	११।५०	२।१०	४।२७	६।४३	९।०२	११।२१	१।२५	३।०८	४।३७
००।०२।४९।३९	३० शु	१७	५।५९	७।३५	९।३२	११।४६	२।०६	४।२३	६।३९	८।५८	११।१७	१।२१	३।०४	४।३३

संक्रांति फलम्

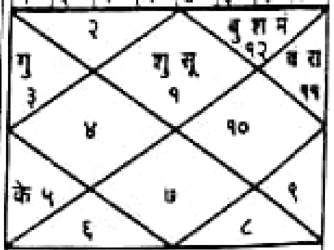
ता. १४ अप्रेल २०२६

वैशा. कृ. १२ भौमे मेषेऽर्क: प्र. (स्टै.) टा. ८।४२ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम महोदरी घोरान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी घोरान् सुखदा पूर्वाह्न १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेया दृष्टिः कौलवकरणे प्रविष्टा महर्घफला सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं खड्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्टान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजातिः वकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरितकंचुकी गतालकावस्था (उमी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः चंद्रे (स्टै.) २६।४२ से भौमे १४।४२ तक । (दान मेष) ।

अयनांशा: २४।१२।३२

प. १ वै.कृ.१३ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	११	११	२	०	११	१०	४
००	०९	०५	२२	२४	१३	१२	१२
५२	५०	२९	३७	४२	०३	२५	२५
३२	२४	३०	४४	००	१५	०४	०४
५८	४६	८४	६	७३	७	३	३
४२	३१	११	१७	११	१४	११	११
अ	उभा	उभा	पुन	भ	उभा	श	म
१	२	१	१	४	३	२	४



☞ अतिरिक्त सुविधा के अन्तर्गत (चतुर्मासारम्भ पर्यन्त)

१८ अप्रेल से १ मई तक, श्री वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०८३, शाक १९४८.

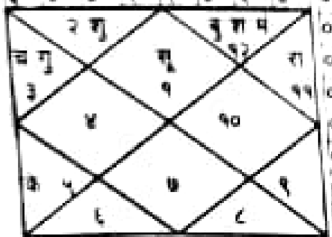
योग	ति.	वा	घ	प	घ	मि	नक्षत्र	घ	प	घ	मि	यो	घ	प	घ	मि	क	घ	प	घ	मि	दिनमा घ प	शु. प	तारीख अ	भा	मु	ई	स्टै. चंद्र	प्रात सौर र. स्प.	दैनिक गति
सौम्य	१	शु	२०	१६	१४	१३	अश्वि	८	५७	९	४१	प्री	४४	२३	२३	५२	ब	२०	१६	१४	१३	३१ ३१	०८	५२	२८	२९	१८	मेषे	०१०३।४९।०१	५८।३३
काल	२	र	११	५५	१०	५२	भर	५६	३८	[illegible]	[illegible]	आ	३४	४१	१९	५८	कौ	११	५५	१०	५२	३१ ००	०६	५३	२९	१	१९	वृषे १२।३०	०१०४।३९।३४	५८।३१
आनन्द	३	सो	३	३२	७	२९	रोहि	५०	०४	२६	०६	सौ	२५	०५	१६	०७	ग	३	३२	७	२९	०४	०५	५४	३०	२	२०	वृषे	०१०५।३८।०५	५८।२९
क्षय	४	सो	५५	२९	२८	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
राक्षस	५	मं	४८	१२	२५	२०	मृग	४४	४०	२३	५६	शो	११	५६	१२	२६	ब	२१	४५	१४	४५	०७	०४	५५	१	३	२१	मिथु. १२।५८	०१०६।३६।३४	५८।२६
मुसल	६	बु	४१	५७	२२	४९	आर्द्रा	४०	१७	२२	१०	अ	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	कौ	१४	५७	१२	०१	११	०३	५५	२	४	२२	मिथु.	०१०७।३५।००	५८।२४
सिद्धि	७	गु	३६	५८	२०	४९	पुन	३७	१०	२०	५४	धृ	५३	३१	२७	२६	ग	९	१९	९	४५	१५	०२	५६	३	५	२३	कर्के १५।०९	०१०८।३३।२४	५८।२२
उत्पात	८	शु	३३	२३	१९	२२	पुष्य	३५	२५	२०	११	शू	४८	१३	२५	१८	वि	५	०१	८	०१	१९	०१	५६	४	६	२४	कर्के	०१०९।३१।४६	५८।२०
मानस	९	श	३१	१२	१८	२९	श्ले	३५	०५	२०	०२	गं	४४	०४	२३	३८	बा	२	०८	६	५१	२२	००	५७	५	७	२५	सिंहे २०।०२	०११०।३०।०६	५८।१८
मुद्गर	१०	र	३०	२४	१८	०९	मघा	३६	०६	२०	२५	वृ	४१	०१	२२	२३	तै	०	४०	६	१५	२६	५१	५७	६	८	२६	सिंहे	०१११।२८।२४	५८।१६
छत्र	११	सो	३०	५३	१८	१९	पूफा	३८	२०	२१	१८	ध्रु	३८	५५	२१	३२	व	०	३१	६	१०	३०	५८	५८	७	९	२७	कन्या २७।३५	०११२।२६।३९	५८।१३
धाता	१२	मं	३२	२८	१८	५६	उफा	४१	३८	२२	३६	व्या	३७	४०	२१	०१	ब	१	३३	६	३४	३३	४७	५८	८	१०	२८	कन्या	०११३।२४।५३	५८।११
प्र.व	१३	बु	३४	५९	१९	५६	हस्त	४५	५१	२४	१७	ह	३७	१०	२०	४८	कौ	३	३८	७	२३	३७	५६	५९	९	११	२९	कन्या	०११४।२३।०४	५८।०९
चर	१४	गु	३८	२२	२१	१६	चित्रा	५०	५१	२६	१६	व	३७	११	२०	५१	ग	६	३६	८	३४	४०	५५	७ ००	१०	१२	३०	तुला. १३।१४	०११५।२१।१४	५८।०७
पूर्णिमा	१५	शु	४२	३१	२२	५५	स्वा	५६	३६	२८	३३	सि	३८	०३	२१	०८	वि	१०	२३	१०	०४	४४	५५	००	११	१३	१	तुला.	०११६।१९।२१	५८।०५

केतकी अहर्गण: ५४९१ वसंतर्तु रविशतरे, अप्रेल-मई २०२६

यहाँ लिखे गये ग्रह वारादि का समय स्टै.टा. में है।
चंद्रदर्शनम् (मु १५) |E (सौर: २७।५७), रोहि. शुक्र: ११।२२, F
कल्यादि, शिवाजी जयंती, परशुराम जयंती, जिल्काद ११, D
म. १७।५१ उ. २८।१६ या., युगादि, अक्षय तृतीया, C
|A वैशाखस्नानपूर्ति:, धर्म प्रीत्यर्थ जलकुंभदान, मई ५ ता. ३१
मृगे रे. ६ SIIIISSSII रात्री लग्न अ. गोधूलि(७), श्री B
श्री रामानुज जयंती, रेव. बुध: १५।३९ |F अगस्त्यास्त: २६।२३
म. २०।४९ उ., गंगोत्पत्ति, रेव. भौम: २५।५५
म. ८।०१ या. |D वृषे शुक्र: १४।१६
सीता ९, बुधास्त: पूर्वस्याम् ८।५५
|B आद्यशंकराचार्य जयंती, मा. वैशाखारंभ:, पुन.-२ गुरु: १४।०१
म. ६।१० उ. १८।१९ या., मोहिनी ११ व्र., भर. रवि: २४।३२ E
भौमोदय: पूर्वस्याम् १२।२४
प्रदोष: |C सायन वृषे भानु: ६।४७, शनैश्चरोदय: पूर्वस्याम् २१।५१
म. २१।१६ उ., नृसिंह १४, मेषे अश्वि. बुध: ७।०८
म. १०।०४ या., कूर्मोत्पत्ति:, पूर्णिमा व्रतपुण्यजन्य, A

अयनांश: २४।१२।३३

वि. २ बै.शु. ६ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	११	११	२	१	११	१०	४
०७	१५	१६	२३	०३	१३	१२	१२
४२	१५	००	२४	१४	५३	०२	०२
४६	२२	४७	४७	२६	२१	४९	४९
५८	४६	१७	७	७३	७	३	३
२९	१७	५१	१६	०३	०२	१०	१०
अ	उभा	उभा	पुन	कृ	उभा	श	म
३	४	४	२	२	४	२	४



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

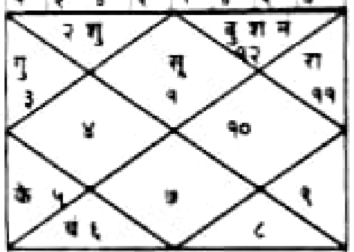
सूर्य र. स्प. प्रात.	वार तिथि	ता. अप्रै.	मेष प्रात:	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला सायं	वृश्चिक रात्री	धनु रात्री	मकर रात्री	कुंभ रात्री	मीन रात्री
००।०३।४८।१४	१ श	१८	५।५५	७।३१	९।२८	११।४२	२।०२	४।१९	६।३५	८।५४	११।१३	१।१७	३।०१	४।२९
००।०४।४६।४६	२ र	१९	५।५१	७।२७	९।२४	११।३८	१।५९	४।१५	६।३१	८।५०	११।०९	१।१३	२।५७	४।२५
००।०५।४५।१७	३ सो	२०	५।४७	७।२३	९।२०	११।३५	१।५५	४।११	६।२७	८।४६	११।०५	१।०९	२।५३	४।२१
००।०६।४३।४५	५ मं	२१	५।४३	७।२०	९।१६	११।३१	१।५१	४।०८	६।२३	८।४२	११।०१	१।०६	२।४९	४।१७
००।०७।४२।११	६ बु	२२	५।३९	७।१६	९।१२	११।२७	१।४७	४।०४	६।१९	८।३९	१०।५७	१।०२	२।४५	४।१३
००।०८।४०।३५	७ गु	२३	५।३५	७।१२	९।०८	११।२३	१।४३	४।००	६।१५	८।३५	१०।५३	१२।५८	२।४१	४।०९
००।०९।३८।५७	८ शु	२४	५।३१	७।०८	९।०४	११।१९	१।३९	३।५६	६।१२	८।३१	१०।४९	१२।५४	२।३७	४।०५
००।१०।३७।१६	९ श	२५	५।२८	७।०४	९।००	११।१५	१।३५	३।५२	६।०८	८।२७	१०।४५	१२।५०	२।३३	४।०१
००।११।३५।३४	१० र	२६	५।२४	७।००	८।५६	११।११	१।३१	३।४८	६।०४	८।२३	१०।४१	१२।४६	२।२९	३।५८
००।१२।३३।४९	११ सो	२७	५।२०	६।५६	८।५२	११।०७	१।२७	३।४४	६।००	८।१९	१०।३७	१२।४२	२।२५	३।५४
००।१३।३२।०२	१२ मं	२८	५।१६	६।५२	८।४८	११।०३	१।२३	३।४०	५।५६	८।१५	१०।३३	१२।३८	२।२१	३।५०
००।१४।३०।१३	१३ बु	२९	५।१२	६।४८	८।४४	१०।५९	१।१९	३।३६	५।५२	८।११	१०।३०	१२।३४	२।१७	३।४६
००।१५।२८।२२	१४ गु	३०	५।०८	६।४४	८।४०	१०।५५	१।१५	३।३२	५।४८	८।०७	१०।२६	१२।३०	२।१३	३।४२
००।१६।२६।२९	१५ शु	१	५।०४	६।४०	८।३६	१०।५१	१।११	३।२८	५।४४	८।०३	१०।२२	१२।२६	२।०९	३।३८

मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो ॥ प्रजावृद्धिस्तुभार्गवे ॥ कृ. चतुर्दशी को गुरुवार होने से पृथ्वी पर अन्नोत्पत्ति उत्तम हो। शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभय हो और खेती में बहुत उपद्रव हों तथा चोरों के उपद्रव भी नित्य रहें। अमावस्या रेवती योग सुभिक्ष और सुस्वाद है। अमावस को रेवती होने से सुभिक्ष हो। शुक्ला चतुर्थी का क्षय होने से मूंग घी महंगे हो। शुक्ला ३ को रोहिणी होने से सुभिक्ष हो। वैशाख शुक्ला पंचमी को मंगलवार होने से युद्ध हो। वैशाख शु. चतुर्दशी को गुरुवार, शुक्रवार होने से पृथ्वी पर अन्नोत्पत्ति उत्तम हो। पूर्णिमा स्वाति युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। मंगलवार की संक्रांति होने से धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हो, प्रजा में विग्रह हो, कहीं कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तैल लवण रस कपूर चंदन ये सब महंगे हों।

अयनांश: २४।१२।३४

पं. ३ बै.शु.१३ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	११	११	२	१	११	१०	४
१४	२०	२८	२४	११	१४	११	११
३१	३८	०३	१८	४४	४१	४०	४०
२८	३७	५९	३३	५६	५९	३४	३४
५८	४६	११७व	८	७२	६	३	३
१६	०२	२१	११	४६	४८	१०	१०
भ	रे	रे	पुन	रो	उभा	श	म
१	२	४	२	१	४	२	४



२ मई से १६ मई तक, श्री प्र.ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०८३, शाक: १९४८, दिन/सू. सू. तारीख स्टै. प्रात: दैनिक

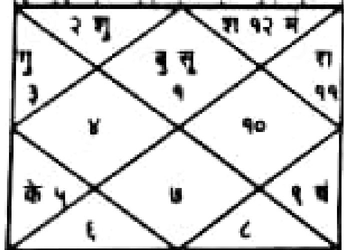
योगा:	ति.	वा.	घ.	प.	घ.	मि.	नक्षत्र	प.	प.	घ.	मि.	यो.	घ.	प.	घ.	मि.	क.	घ.	प.	घ.	मि.	च.घ.	उ.	अ.	भा.	मु.	ई.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेति गुर्जरा:, मई २०२६ — यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
शुभ	१	श	४७	२१	२४	५०	विशा	....	....	....	....	ब्र	३९	२०	२१	३८	बा	१४	५२	११	५१	३२/[illegible]	५/[illegible]	[illegible]/०१	१२	१४	२	वृश्चि. २४।२६	०१।१७।१७।२६	५८।०३	[C अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदय: २२।३७
उत्पात	२	र	५२	४९	२७	०१	विशा	३	०२	७	०६	व	४१	०६	२२	२०	तै	२०	०२	१३	५४	५१	५३	०१	१३	१५	३	वृश्चि.	०१।१८।१५।२९	५८।०१	नारद जयंती, वीणादानं
मानस	३	सो	५८	४८	२९	२३	अनु	१०	०१	९	५३	प	४३	१७	२३	११	व	२५	४६	१६	११	५४	५२	०२	१४	१६	४	वृश्चि.	०१।१९।१३।३०	५७।५९	म. १६।११ उ. २९।२३ या.
प.द	४	म	....	....	....	....	ज्ये	१७	२५	१२	५०	शि	४५	४२	२४	०८	ब	३१	५४	१८	३७	५७	५२	०२	१५	१७	५	धनु. १२।५०	०१।२०।११।३०	५७।५७	मूले रे. ८ IIISIIISII रात्री लग्न १०, C
ध्वजा	४	बु	५	०१	७	५१	मूल	२४	५७	१५	५०	सि	४८	०५	२५	०५	बा	५	०१	७	५१	३२/०४	५१	०३	१६	१८	६	धनु.	०१।२१।०९।२७	५७।५५	भर. बुध: २७।२६ [D टैगोर जयन्ती
धाता	५	गु	११	०३	१०	१५	पूषा	३२	१३	१८	४३	सा	५०	०९	२५	५४	तै	११	०३	१०	१५	०४	५०	०४	१७	१९	७	मक. २५।२४	०१।२२।०७।२२	५७।५३	उषा. रे. ६ ISIISSIIIS रात्री लग्न गोधूलि(७), १०, D
आनन्द	६	शु	१६	२७	१२	२४	उषा	३८	४३	२१	१८	शु	५१	२९	२६	२५	व	१६	२७	१२	२४	०७	४९	०४	१८	२०	८	मक.	०१।२३।०५।१६	५७।५२	म. १२।२४ उ. २५।११ या., मृगे शुक्र: ११।४१
सुस्थिर	७	श	२०	४३	१४	०६	श्रव	४३	५७	२३	२३	शु	५१	४५	२६	३१	ब	२०	४३	१४	०६	१०	४९	०५	१९	२१	९	मक.	०१।२४।०३।०७	५७।५०	[B वृषे बुध: २४।०३, पुन.-३ गुरु: २१।१७, मिथुने शुक्र: ८।३५
मातंग	८	र	२३	२३	१५	०९	धनि	४७	३१	२४	४९	ब्र	५०	४०	२६	०४	कौ	२३	२३	१५	०९	१३	४८	०५	२०	२२	१०	कुंभे १२।११	०१।२५।००।५७	५७।४८	पंचक प्रारम्भ: १२।११
अमृत	९	सो	२४	०९	१५	२७	शत	४९	०९	२५	२७	ऐ	४८	००	२४	५९	ग	२४	०९	१५	२७	१६	४७	०६	२१	२३	११	कुंभे	०१।२५।५८।४५	५७।४६	म. २७।१७ उ., कृत्ति. रवि: १८।४३ (सौर: २२।५५), E
काण	१०	म	२२	४९	१४	५४	पूभा	४८	४२	२५	१५	वै	४३	३९	२३	१५	वि	२२	४९	१४	५४	१९	४७	०७	२२	२४	१२	मीने ११।२३	०१।२६।५६।३१	५७।४४	म. १४।५४ या. [E मेषे अश्वि. भौम: १२।००
ए.व.	११	बु	११	२३	१३	३१	उभा	४६	१४	२४	१६	वि	३७	४०	२०	५०	बा	१९	२३	१३	३१	२२	४६	०७	२३	२५	१३	मीने	०१।२७।५४।१५	५७।४२	अपरा ११ व्र., कृत्ति. बुध: ११।१८
प्र.व.	१२	गु	१४	०२	११	२३	रेव	४१	५७	२२	३२	प्री	३०	०९	१७	४९	तै	१४	०२	११	२३	२५	४६	०८	२४	२६	१४	मेषे २२।३२	०१।२८।५१।५७	५७।४१	पंचक समाप्ति: २२।३२, प्रदोष:, वृषे रवि: २९।३६, B
वज्र	१३	शु	७	०१	८	३३	अश्वि	३६	११	२०	१३	आ	२१	२०	१४	१७	व	७	०१	८	३३	२८	४५	०८	२५	२७	१५	मेषे	०१।२९।४९।३८	५७।३९	म. ८।३३ उ. १८।५६ या., मासिकशिवरात्री व्र., वृषे सौर: १०।०४
क्षय:	१४	शु	५८	४०	२९	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A अधिक मासारंभ:, भाऊका ३०, वट सावित्री व्र. (मरु.)
अमाव.	३०	श	४९	२१	२५	३२	भर	२९	२१	१७	२९	सौ	११	३३	१०	२२	च	२४	१०	१५	२४	३१	४४	०९	२६	२८	१६	वृषे २२।४५	१।००।४७।१७	५७।३७	शनैश्चर जयन्ती, देवपितृकार्येऽमा., वटपूजनम् मरुस्थले, A

अयनांशा: २४।१२।३५

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

पं. ४ प्र.ज्ये.कृ. ४ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	११	०	२	१	११	१०	४
२१	२५	११	२५	२०	१५	११	११
१८	४९	३०	१८	१३	२८	१८	१८
४३	५७	३८	२७	२०	४९	२०	२०
५८	४५	१२१	९	७२	६	३	३
०४	४४	३१	००	२७	३१	१०	१०
भ	रे	अ	पुन	रो	उभा	श	म
३	३	४	२	४	४	२	४



ब्रह्म र. स्प. प्रात:	वार तिथि	ता. मई	मेष रात्री	वृष प्रात:	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक सायं	धनु रात्री	मकर रात्री	कुंभ रात्री	मीन रात्री
००।१७।२४।३४	१ श	२	५।००	६।३६	८।३२	१०।४७	१।०७	३।२४	५।४०	७।५९	१०।१८	१२।२२	२।०५	३।३४
००।१८।२२।३७	२ र	३	४।५६	६।३२	८।२९	१०।४३	१।०३	३।२०	५।३६	७।५५	१०।१४	१२।१८	२।०१	३।३०
००।१९।२०।३८	३ चं	४	४।५२	६।२८	८।२५	१०।३९	१२।५९	३।१६	५।३२	७।५१	१०।१०	१२।१४	१।५८	३।२६
००।२०।१८।३७	४ मं	५	४।४८	६।२४	८।२१	१०।३५	१२।५६	३।१२	५।२८	७।४७	१०।०६	१२।१०	१।५४	३।२२
००।२१।१६।३४	४ बु	६	४।४४	६।२०	८।१७	१०।३२	१२।५२	३।०८	५।२४	७।४३	१०।०२	१२।०६	१।५०	३।१८
००।२२।१४।२९	५ गु	७	४।४०	६।१६	८।१३	१०।२८	१२।४८	३।०४	५।२०	७।३९	९।५८	१२।०२	१।४६	३।१४
००।२३।१२।२२	६ शु	८	४।३६	६।१३	८।०९	१०।२४	१२।४४	३।०१	५।१६	७।३६	९।५४	११।५९	१।४२	३।१०
००।२४।१०।१३	७ श	९	४।३२	६।०९	८।०५	१०।२०	१२।४०	२।५७	५।१२	७।३२	९।५०	११।५५	१।३८	३।०६
००।२५।०८।०३	८ र	१०	४।२८	६।०५	८।०१	१०।१६	१२।३६	२।५३	५।०८	७।२८	९।४६	११।५१	१।३४	३।०२
००।२६।०५।५०	९ चं	११	४।२४	६।०१	७।५७	१०।१२	१२।३२	२।४९	५।०५	७।२४	९।४२	११।४७	१।३०	२।५८
००।२७।०३।३६	१० मं	१२	४।२१	५।५७	७।५३	१०।०८	१२।२८	२।४५	५।०१	७।२०	९।३८	११।४३	१।२६	२।५४
००।२८।०१।२०	११ बु	१३	४।१७	५।५३	७।४९	१०।०४	१२।२४	२।४१	४।५७	७।१६	९।३४	११।३९	१।२२	२।५१
००।२८।५९।०२	१२ गु	१४	४।१३	५।४९	७।४५	१०।००	१२।२०	२।३७	४।५३	७।१२	९।३०	११।३५	१।१८	२।४७
००।२९।५६।४३	१३ शु	१५	४।०९	५।४५	७।४१	९।५६	१२।१६	२।३३	४।४९	७।०८	९।२६	११।३१	१।१४	२।४३
०१।००।५४।२१	३० श	१६	४।०५	५।४१	७।३७	९।५२	१२।१२	२।२९	४।४५	७।०४	९।२३	११।२७	१।१०	२।३९

संक्रांति फलम्

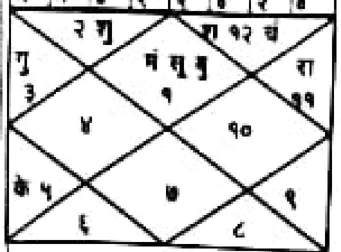
ता. १४ मई २०२६

प्र.ज्ये. कृ. १२ गुरौ वृषेऽर्क: प्र. (स्टै.) टा. २९।३६ वारात् ३ नक्षत्रात् ५ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टि: वणिजकरणे प्रविष्टा माध्यमफलं महिषवाहन उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं खप्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजाति: अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा, मूलं पाताले विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदय: पश्चिमायाम्। पुण्यकाल: (स्टै.) २३।१२ से २९।३६ तक। (दान गौ)।

अयनांशा: २४।१२।३६

पं. ५ प्र.ज्ये.कृ.११बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	०	०	२	१	११	१०	४
२८	०१	२६	२६	२८	१६	१०	१०
०४	१९	१०	२३	३९	१३	५६	५६
३८	१२	०२	५१	२६	२८	०५	०५
५७	४५	१३०	९	७२	६	३	३
५३	२५	१२	४६	०६	११	११	११
कृ	अ	भ	पुन	मृ	उभा	श	म
१	१	४	२	२	४	२	४



|| त्र्यशीति-उत्तर-द्विसहस्रतमे विक्रमाब्दे (२०८३), सिद्धार्थनाम संवत्सरे, अष्टचत्वारिंशदधिक-एकोनविंशति-शततमे शालिवाहनशकाब्दे (१९४८) ||

☞ अतिरिक्त सुविधा के अन्तर्गत (चतुर्मासारम्भ पर्यन्त)

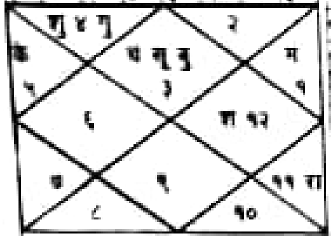
[illegible] जून से २९ जून तक, श्री द्वि ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत २०८३, शाक १९४८, दिनमान सु. तारीख स्टै. प्रात: दैनिक

	ति.	वा.	घ	प	घं	मि.	नक्षत्र	घ	प	घं	मि.	यो.	घ	प	घं	मि.	क.	घ	प	घं	मि.	चं.उ.		अ	मा	मु	इ	चंद्र	सौर र. स.	गति
[illegible]	१	सो	५७	१६	२८	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
[illegible]	२	मं	४८	१०	२४	५४	आर्द्रा	२६	२३	१६	११	वृ	४७	१४	२४	३२	बा	२२	३६	१४	४१	२४/२८	५/३८	७/४३	२६	२९	१६	मिथु.	२।००।२२।५१	५७।००
[illegible]	३	बु	४०	०७	२१	४१	पुन	११	५१	१३	३६	ध्रु	३७	५५	२०	४८	तै	१३	५९	११	१४	२४	३८	२४	२७	१	१७	कर्क ८।१२	२।०१।१९।५१	५६।५९
[illegible]	४	गु	३३	३७	१९	०१	पुष्य	१४	४१	११	३२	व्या	२९	४७	१७	३३	व	६	३५	८	११	२५	३८	२४	२८	२	१८	कर्क	२।०२।१६।५०	५६।५९
[illegible]	५	शु	२८	३०	१७	०२	श्ले	११	११	१०	०७	ह	२३	०१	१४	५१	व	०	४५	५	१७	२५	३८	२४	२९	३	१९	सिंह १०।०७	२।०३।१३।४९	५६।५८
[illegible]	६	श	२५	२५	१५	४१	मघा	९	२६	९	२५	व	१७	४७	१२	४५	तै	२५	२५	१५	४१	२५	३९	२५	३०	४	२०	सिंह	२।०४।१०।४७	५६।५८
[illegible]	७	र	२४	१७	१५	२२	पूफा	९	३७	९	३०	सि	१४	०७	११	१८	व	२४	१७	१५	२२	२५	३९	२५	३१	५	२१	कन्या १५।३८	२।०५।०७।४५	५६।५७
[illegible]	८	सो	२५	०२	१५	४०	उफा	११	४२	१०	२०	व्य	११	५८	१०	२६	ब	२५	०२	१५	४०	२५	३९	२५	१	६	२२	कन्या	२।०६।०४।४२	५६।५७
[illegible]	९	मं	२७	२९	१६	३९	हस्त	१५	२९	११	५१	व	११	१२	१०	०८	कौ	२७	२९	१६	३९	२५	३९	२५	२	७	२३	तुला २८।५०	२।०७।०१।३८	५६।५६
[illegible]	१०	बु	३१	२२	१८	१३	चित्रा	२०	४२	१३	५६	प	११	३६	१०	१८	ग	३१	२२	१८	१३	२५	४०	२५	३	८	२४	तुला	२।०७।५८।३५	५६।५६
[illegible]	११	गु	३६	१८	२०	११	स्वा	२७	००	१६	२८	शि	१२	४४	१०	४१	व	३	४४	७	०९	२४	४०	२६	४	९	२५	तुला	२।०८।५५।३१	५६।५६
[illegible]	१२	शु	४१	५२	२२	२५	विशा	३३	५१	१९	१६	सि	१४	४१	११	३६	ब	९	०१	९	४७	२४	४०	२६	५	१०	२६	वृश्चि. १२।३३	२।०९।५२।२६	५६।५५
[illegible]	१३	श	४७	४६	२४	४७	अनु	४१	४७	२२	११	सा	४७	०४	१२	३०	कौ	१४	४८	११	३६	२३	४०	२६	६	११	२७	वृश्चि.	२।१०।४९।२१	५६।५५
[illegible]	१४	र	५३	४०	२७	०१	ज्ये	४८	३१	२५	०८	शु	११	२५	१३	२७	ग	२०	४३	१३	५८	२३	४१	२६	७	१२	२८	धनु. २५।०८	२।११।४६।१६	५६।५५
पूर्णिमा	१५	सो	५९	२४	२९	२६	मूल	५५	५१	२८	०१	शु	२१	४४	१४	२३	वि	२६	३३	१६	१८	२२	४१	२६	८	१३	२९	धनु.	२।१२।४३।११	५६।५५

केतकी ग्रहगणित ५५५० ग्रीनविच रविवारे, जून २०२६.
यहाँ लिखे गए ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
|A दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती, मा. आषाढारंभ., आर्द्रा. B
चंद्रदर्शनम (मु.४५), कृति. सीम: ८।२५
रम्भा व्रत, प्रताप जयंती, मोहर्रम १ सन १४४८ हि.
म. ८।१६ उ. १९।०१ प्रा. |E प्रदोष:, वट सावित्री व्रतारंभ:
पूर्ण-१ गुरु. ७।५० |F दक्षिणायन प्रारम्भ १३।४८
पूर्ण सीम: २२।४८, सन्त टेऊँराम पुण्य तिथि
म. १५।२२ उ. २७।२५ प्रा., सायन कर्क भानु., सायन F
हस्ते रे.६ SIIISSSII राशी लग्न अ. गोधूलि(१), १०, १२, ३. A
|C साम्ब व्र., कबीर जयंती
गंगा दशहरा व्र. |G गं.सी.सौ.चं.गु.वाहन स्यार अल्पवृष्टि
म. ७।०९ उ. २०।११ प्रा., निर्जला ११ व्र.
|D १८।१६, हरीश्या. शुक्र: २२।४७, अयन करिदिन, G
अनुरा. रे. ६ SSIISSIIII राशी लग्न अ. गोधूलि(१), १०, E
म. २५।०९ उ. |B रवि. ११।५३ (सौर: २०।३२), कर्क बुध: D
म. १६।१८ प्रा., मन्वादि, गुर्जरानां वटसावित्री व्रत, अन्द C

अयनांशा: २४।१२।४२

दं १७ द्वि ज्ये शु ३ बु इष्टघटी ०।००							
सू	म	बु	गु	शु	श	रा	के.
३	०	२	३	३	११	१०	४
०१	२७	२६	०२	१०	११	०१	०१
३८	१८	११	५४	०४	१२	०४	०४
४१	३३	३२	११	०३	१५	४१	४१
५७	४३	५१	१२	६१	३	३	३
१७	३३	११	११	३२	४७	११	११
मृ	कृ	पुन	पुन	पु	रे	श	म
३	१	२	४	३	१	१	३



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

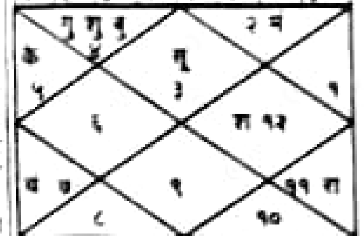
ग्रह र. स. प्रात:	वार तिथि	ता. जून	मेष रात्री	वृष रात्री	मिथुन प्रात:	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु सायं	मकर रात्री	कुंभ रात्री	मीन रात्री
०२।००।२९।४८	२ मं	१६	२।०३	३।३९	५।३५	७।५०	१०।१०	१२।२७	२।४३	५।०२	७।२०	९।२५	११।०८	१२।३७
०२।०१।२६।४८	३ बु	१७	१।५९	३।३५	५।३१	७।४६	१०।०६	१२।२३	२।३९	४।५८	७।१६	९।२१	११।०४	१२।३३
०२।०२।२३।४७	४ गु	१८	१।५५	३।३१	५।२७	७।४२	१०।०२	१२।१९	२।३५	४।५४	७।१२	९।१७	११।००	१२।२९
०२।०३।२०।४६	५ शु	१९	१।५१	३।२७	५।२३	७।३८	९।५८	१२।१५	२।३१	४।५०	७।०८	९।१३	१०।५६	१२।२५
०२।०४।१७।४४	६ श	२०	१।४७	३।२३	५।१९	७।३४	९।५४	१२।११	२।२७	४।४६	७।०४	९।०९	१०।५२	१२।२१
०२।०५।१४।४१	७ र	२१	१।४३	३।१९	५।१५	७।३०	९।५०	१२।०७	२।२३	४।४२	७।००	९।०५	१०।४८	१२।१७
०२।०६।११।३८	८ सो	२२	१।३९	३।१५	५।११	७।२६	९।४६	१२।०३	२।१९	४।३८	६।५७	९।०१	१०।४४	१२।१३
०२।०७।०८।३५	९ मं	२३	१।३५	३।११	५।०७	७।२२	९।४२	११।५९	२।१५	४।३४	६।५३	८।५७	१०।४०	१२।०९
०२।०८।०५।३१	१० बु	२४	१।३१	३।०७	५।०४	७।१८	९।३८	११।५५	२।११	४।३०	६।४९	८।५३	१०।३६	१२।०५
०२।०९।०२।२७	११ गु	२५	१।२७	३।०३	५।००	७।१४	९।३४	११।५१	२।०७	४।२६	६।४५	८।४९	१०।३३	१२।०१
०२।०९।५९।२२	१२ शु	२६	१।२३	२।५९	४।५६	७।१०	९।३१	११।४७	२।०३	४।२२	६।४१	८।४५	१०।२९	११।५८
०२।१०।५६।१७	१३ श	२७	१।१९	२।५५	४।५२	७।०७	९।२७	११।४३	१।५९	४।१८	६।३७	८।४१	१०।२५	११।५४
०२।११।५३।१२	१४ र	२८	१।१५	२।५१	४।४८	७।०३	९।२३	११।३९	१।५५	४।१४	६।३३	८।३८	१०।२१	११।५०
०२।१२।५०।०७	१५ सो	२९	१।११	२।४८	४।४४	६।५९	९।१९	११।३६	१।५१	४।११	६।२९	८।३४	१०।१७	११।४६

मास फलम्

इस माह में पाँच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो। ज्येष्ठ कृष्ण प्रतिपदा को सोमवार होने से समर्घता हो। ज्येष्ठ कृष्ण एकादशी में रेवती होने से स्वल्प वृष्टि हो। सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रबल उदय धान्य की उत्पत्ति और प्रजा सुखी हो। अमावस्या मृगशिरा योग सुभिक्ष और सुखप्रद है। ज्येष्ठ सुदी दशमी का आर्द्रा में वर्षा हो तो दुर्भिक्ष करे। पूर्णिमा मूल युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। ज्येष्ठ की पूर्णिमा को ज्येष्ठा का अभाव होने से मंदता हो। आर्द्रा में बुध होने से वर्षा अधिक हो, गेहूँ तिल उड़द सस्ते हों, मनुष्य सुखी रहें और ग्रहपात तथा पवन का प्रवाह हो। सोमवार की संक्रांति होने से दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हों, रस घृत किराणे की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो।

अयनांशा: २४।१२।४३

दं २४ द्वि ज्ये शु १० बु इष्टघटी ०।००							
सू	मं	बु	गु	शु	श	रा	के.
२	१	३	३	३	११	१०	४
०८	०२	००	०४	१८	११	०८	०८
११	२२	४७	२१	०८	३६	४२	४२
३७	०६	२८	२४	४१	५३	३३	३३
५७	४३	२३	१२	६८	३	३	३
१४	०७	०५	३८	४८	१०	११	११
आ	कृ	पुन	पु	श्ले	रे	श	म
१	२	४	१	१	१	१	३



अतिरिक्त सुविधा के अन्तर्गत (चतुर्मासारम्भ पर्यन्त)

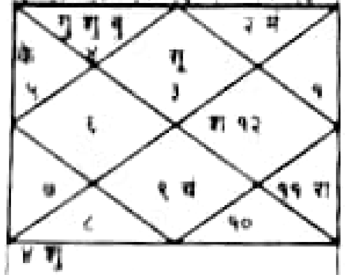
३० जून से १४ जुलाई तक. श्री आषाढ कृष्णपक्ष संवत् २०८३, शाक: १९४८. मिश्र सू. मु. तारीख — स्टै. प्रात: — दैनिक

वर्षन्तु रविर्दक्षिणे द्वि.ज्येष्ठकृष्णेति गुर्जरा:, जून-जुलाई २०२६

योग	ति	वा	घ	प	घं	मि	नक्षत्र	घ	प	घं	मि	यो	घ	प	घं	मि	क	घ	प	घं	मि	सू	उ	अ.	भा.	मु.	इ.	चंद्र:	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
शिव	१	म					पूषा					ब	२३	५१	१५	१४	बा	३२	०१	१८	३३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	९	१४	३०	धनु	२११३।४०।०६	५६।५४	वक्री बुध: १२।३०
श्रीवत्स	१	बु	४	४७	७	३७	पूषा	२	४३	६	३७	ऐ	२५	४०	१५	५८	कौ	४	४७	७	३७	२१	४२	२६	१०	१५	१	मक. १३।२७	२११४।३७।००	५६।५४	जुलाई ७ ता. ३१
धाताख्य	२	गु	९	४३	९	३५	उषा	९	१०	९	२२	वै	२७	०५	१६	३२	ग	९	४३	९	३५	२०	४२	२६	११	१६	२	मक.	२११५।३३।५४	५६।५४	म.२२।२९ उ., बुधास्त: पश्चिमायाम् १२।३२, रेव.-२ शनि: ९।११
च.व	३	शु	१३	५८	११	१८	श्रव	१४	५८	११	४२	वि	२७	५६	१६	५३	वि	१३	५८	११	१८	१९	४३	२६	१२	१७	३	कुंभे २४।४४	२११६।३०।४८	५६।५४	म.११।१८ या., पंचक प्रारम्भ: २४।४४,चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय: २१।४०
प्रवर्धमा	४	श	१७	२१	१२	३९	धनि	१९	५३	१३	४०	प्री	२८	०३	१६	५६	बा	१७	२१	१२	३९	१८	४३	२६	१३	१८	४	कुंभे	२११७।२७।४३	५६।५४	रोहि. भौम: २२।२६,पुष्ये-२ गुरु: २५।३४,सिंहे मघा. शुक्र: १५।४३
राक्षस	५	र	१९	३१	१३	३२	शत	२३	३९	१५	११	आ	२७	११	१६	३६	तै	१९	३१	१३	३२	१६	४३	२६	१४	१९	५	कुंभे	२११८।२४।३७	५६।५४	[B अश्व वर्षाश्रेष्ट:
मुसल	६	सो	२०	१५	१३	५०	पूभा	२५	५९	१६	०७	सौ	२५	१२	१५	४८	व	२०	१५	१३	५०	१५	४४	२६	१५	२०	६	मीने ९।५७	२११९।२१।३१	५६।५४	म. १३।५०उ. २५।४४या., उभा. रै.९ IIIIISIIII रात्री लग्न २. A
सिद्धि	७	म	१९	२१	१३	२९	उभा	२६	४२	१६	२५	शो	२१	५३	१४	२९	व	१९	२१	१३	२९	१४	४४	२६	१६	२१	७	मीने	२१२०।१८।२५	५६।५४	(व) मिथुने बुध: १३।२०
उत्पात	८	बु	१६	४३	१२	२६	रेव	२५	४३	१६	०२	अ	१७	११	१२	३७	कौ	१६	४३	१२	२६	१२	४५	२६	१७	२२	८	मेषे १६।०२	२१२१।१५।२०	५६।५५	पंचक समाप्ति: १६।०२
मानस	९	गु	१२	२२	१०	४२	अश्वि	२३	०९	१४	५७	सु	११	०५	१०	११	ग	१२	२२	१०	४२	११	४५	२५	१८	२३	९	मेषे	२१२२।१२।१४	५६।५५	म. २१।३६ उ.
ए.व	१०	शु	६	२६	८	२०	भर	१८	४६	१३	१६	धृ	३	४०	७	१४	वि	६	२६	८	२०	०९	४६	२५	१९	२४	१०	वृषे १८।४५	२१२३।०९।०९	५६।५५	ग. ८।२० या., योगिनी ११ व्र.स्मार्त
क्षय	११	श	५९	१०	२९	२५	०	०	०	०	०	शू	५५	०९	२०	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A पुन. रवि: ११।३० (सौर: २१।५८), सं.स्त्री.पु.चं.सू.वाहन B
ए.व	१२	श	५०	५०	२६	०६	कृति	१३	१४	११	०४	ग	४५	४३	२४	०३	कौ	२५	०६	१५	४८	०८	४६	२५	२०	२५	११	वृषे	२१२४।०६।०४	५६।५५	योगिनी ११ व्र.वैष्ण.
प्र.व	१३	र	४१	५२	२२	३१	रोहि	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	वृ	३५	४३	२०	०४	ग	१६	२५	१२	२०	०६	४६	२५	२१	२६	१२	मिथु. ११।०६	२१२५।०३।५९	५६।५६	म. २२।३१ उ., प्रदोष:, मासिकशिवरात्री व्र.
काल	१४	सो	३२	४०	१८	५१	आर्द्रा	५२	४०	२६	५१	ध्रु	२५	२७	१५	५८	वि	७	१६	८	४१	०४	४७	२५	२२	२७	१३	मिथु.	२१२५।५९।५५	५६।५६	म. ८।४१ या.
अमाव	३०	म	२३	३९	१५	१५	पुन	४५	५६	२४	१०	व्या	१५	११	११	५५	ना	२३	३९	१५	१५	०२	४७	२४	२३	२८	१४	कर्के १८।४९	२१२६।५६।५१	५६।५६	देवपितृकार्येऽमा.

अयनांशा: २४।१२।४४

पं.१२ आ.कृ. १ बु. इष्टघटी ०।००							
सू	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
२	१	३	३	३	११	१०	४
१५	०७	०१	०५	२६	१९	०८	०८
००	२२	५७	५०	०७	५७	२०	२०
११	३५	४४	३४	५२	०८	१८	१८
५७	४२	७	१२	६७	२	३	३
१३	४०	३५	५३	५८	३१	११	११
आ	कृ	पुन	पु	श्ले	रे	श	म
३	४	४७	१	३	१	१	३



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रात	वार तिथि	ता. जून	मेष रात्री	वृष रात्री	मिथुन प्रात	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु सायं	मकर रात्री	कुंभ रात्री	मीन रात्री
०२।१३।४३।०१	१ मं	३०	१।०७	२।४४	४।४०	६।५५	९।१५	११।३२	१।४७	४।०७	६।२५	८।३०	१०।१३	११।४१
०२।१४।४३।५५	१ बु	१	१।०३	२।४०	४।३६	६।५१	९।११	११।२८	१।४३	४।०३	६।२१	८।२६	१०।०९	११।३७
०२।१५।४०।४९	२ गु	२	१२।५९	२।३६	४।३२	६।४७	९।०७	११।२४	१।४०	३।५९	६।१७	८।२२	१०।०५	११।३३
०२।१६।३७।४४	३ शु	३	१२।५६	२।३२	४।२८	६।४३	९।०३	११।२०	१।३६	३।५५	६।१३	८।१८	१०।०१	११।२९
०२।१७।३४।३८	४ श	४	१२।५२	२।२८	४।२४	६।३९	८।५९	११।१६	१।३२	३।५१	६।०९	८।१४	९।५७	११।२६
०२।१८।३१।३२	५ र	५	१२।४८	२।२४	४।२०	६।३५	८।५५	११।१२	१।२८	३।४७	६।०५	८।१०	९।५३	११।२२
०२।१९।२८।२६	६ चं	६	१२।४४	२।२०	४।१६	६।३१	८।५१	११।०८	१।२४	३।४३	६।०१	८।०६	९।४९	११।१८
०२।२०।२५।२०	७ मं	७	१२।४०	२।१६	४।१२	६।२७	८।४७	११।०४	१।२०	३।३९	५।५८	८।०२	९।४५	११।१४
०२।२१।२२।१४	८ बु	८	१२।३६	२।१२	४।०८	६।२३	८।४३	११।००	१।१६	३।३५	५।५४	७।५८	९।४१	११।१०
०२।२२।१९।०९	९ गु	९	१२।३२	२।०८	४।०४	६।१९	८।३९	१०।५६	१।१२	३।३१	५।५०	७।५४	९।३७	११।०६
०२।२३।१६।०४	१० शु	१०	१२।२८	२।०४	४।००	६।१५	८।३५	१०।५२	१।०८	३।२७	५।४६	७।५०	९।३३	११।०२
०२।२४।१२।५९	१२ श	११	१२।२४	२।००	३।५७	६।११	८।३१	१०।४८	१।०४	३।२३	५।४२	७।४६	९।२९	१०।५८
०२।२५।०९।५४	१३ र	१२	१२।२०	१।५६	३।५३	६।०७	८।२७	१०।४४	१।००	३।१९	५।३८	७।४२	९।२५	१०।५४
०२।२६।०६।४९	१४ चं	१३	१२।१६	१।५२	३।४९	६।०३	८।२४	१०।४०	१२।५६	३।१५	५।३४	७।३८	९।२२	१०।५०
०२।२७।०३।४५	३० मं	१४	१२।१२	१।४८	३।४५	५।५९	८।२०	१०।३६	१२।५२	३।११	५।३०	७।३४	९।१८	१०।४६

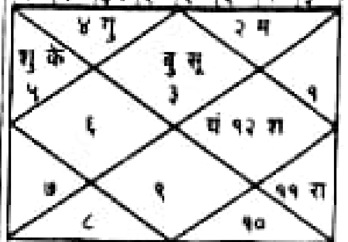
संक्रांति फलम्

ता. १६ जुलाई २०२६

आषा. शु. २ गुरौ कर्केऽर्क: प्र. (स्टै.) टा. २३।१३ वारात् ४ नक्षत्रात् ६ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा मध्यरात्रि २ महर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टि: गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं स्वरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपन पशुजाति: गिल्यपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वस्त्र उत्तरे राहु पश्चिमा, मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदय: पश्चिमायाम् । पुण्यकाल: (स्टै.) ११।१३ से २३।१३ तक। (दान-घृत. धेनु)।

अयनांशा: २४।१२।४५

पं.१३ आ.कृ. ८ बु. इष्टघटी ०।००							
सू	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
२	१	२	३	४	११	१०	४
२१	१२	२९	०७	०४	२०	०७	०७
४०	१९	३८	२१	००	१२	५८	५८
४०	५६	४५	१७	५०	४६	०२	०२
५७	४२	३३	१३	६७	१	३	३
१३	१३	५८	०५	००	५१	११	११
पुन	रो	पुन	पु	म	रे	श	म
१	१	३७	२	२	२	१	३



१५ जुलाई से २९ जुलाई तक. श्री आषाढ शुक्लपक्ष संवत २०८३, शाके: १९४८, गु. शु. तारीख स्टै. प्रात: दैनिक

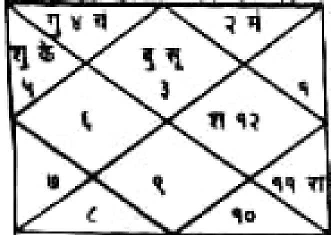
योग	ति.	वा.	घ.	प.	घ.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घ.	मि.	यो.	घ.	प.	घ.	मि.	क.	घ.	प.	घ.	मि.	प प	उ	अ	भा	मु	इं	चंद्र	सौर र. ला.	गति	[illegible]
																															यहाँ लिखे घटी पल चन्द्रादि का समय स्टै. टा. में है।
आनन्द	१	बु	१५	१५	११	५४	पुष्य	४०	००	२१	४८	ह	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	ब	१५	१५	११	५४	३४	५	७	२४	२१	१५	कर्क	२।२७।५३।०७	५६।५७	चंद्रदर्शनम (मु. ३०), गुरोरस्त: पश्चिमायाम १३।२६
अमृत	२	गु	७	४०	८	५७	श्ले	३५	१४	११	५४	सि	४८	५५	२५	२२	कौ	७	४०	८	५७	३३	४८	२४	२५	१	१६	सिंह ११।५४	२।२८।५०।४४	५६।५७	श्री जगदीश रथ यात्रा, मकर २, B
काण	३	शु	१	४७	६	३२	मघा	३१	५८	१८	३६	व्य	४२	२१	२२	४५	ग	१	४७	६	३२	५६	४१	२३	२६	२	१७	सिंह	२।२९।४७।४१	५६।५८	म. १७।३४ उ. २८।४६ या., G
ध्व	४	शु	५७	२२	२८	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	|A गोपद्मव्रतारंभ, आशापूजा, गुरु पूर्णिमा
लुम्बक	५	श	५४	४७	२७	४४	पूफा	३०	२७	१८	००	व	३७	१६	२०	४४	ब	२५	५०	१६	०५	५४	४१	२३	२७	३	१८	कन्या २३।५८	३।००।४४।३९	५६।५८	|B कर्क रवि: २३।१३, निरयन दक्षिणायनारंभ, पुष्या. F
मित्र	६	र	५४	०१	२७	२१	उफा	३०	५१	१८	१०	प	३३	४४	११	११	कौ	२४	१३	१५	३१	५२	४०	२३	२८	४	१९	कन्या	३।०१।४१।३७	५६।५९	स्कंद षष्ठी, सन्त टेऊँराम जयन्ती |F गुरु: १७।५१
वज्र	७	सो	५५	२५	२८	००	हस्त	३३	०१	११	०६	शि	३१	४४	१८	३२	ग	२४	३२	१५	३१	५०	५०	२२	२९	५	२०	कन्या	३।०२।३८।३६	५६।५९	म. २८।०० उ., बुधो रवि: ११।०४ (सौर २३।१७), बुधो ३ C
ध्वांक्ष	८	म	५८	२८	२९	१४	चित्रा	३७	१४	२०	४५	सि	३१	१२	१८	२०	वि	२६	४३	१६	३२	४७	५१	२२	३०	६	२१	तुला ७।५०	३।०३।३५।३६	५७।००	म. १६।३२ या. |C गुरु: ७।०७, मं. की. वी. व गु. वाहन E
धूम्र	९	बु	...	...	...	...	स्वा	४२	५१	२३	००	सा	३१	५३	१८	३७	बा	३०	३३	१८	०५	४५	५१	२१	३१	७	२२	तुला	३।०४।३२।३६	५७।०१	भद्रली ९, सावन सिंह बालु: २८।४०, बुधोदय पूर्वस्याम १।०३
वर्धमान	९	गु	२	५५	७	०२	विशा	४१	३३	२५	४१	शु	३३	३१	११	१६	कौ	२	५५	७	०२	४२	५२	२१	१	८	२३	वृश्चि. १८।५१	३।०५।२९।३७	५७।०२	या. श्रावणारंभ:, बुधो मीन: २५।४२ |G कर्क सौर ११।००
राक्षस	१०	शु	८	२५	९	१४	अनु	५६	५३	२८	३८	शु	३५	४४	२०	१०	ग	८	२५	९	१४	४०	५३	२०	२	९	२४	वृश्चि.	३।०६।२६।३८	५७।०२	म. २२।२६ उ., मन्वादि, आशा दशमी, मार्गी बुध १३।३६
ए.द.	११	श	१४	२३	११	३८	ज्ये	...	...	...	...	ब्र	३८	०१	२१	०१	वि	१४	२३	११	३८	३७	५३	२०	३	१०	२५	वृश्चि.	३।०७।२३।४१	५७।०३	म. ११।३८ या., देव शयनी ११ व्र., चातुर्मास व्रतारंभ:, D
प्र.द.	१२	र	२०	२३	१४	०३	ज्ये	४	११	७	३७	ऐ	४०	२१	२२	०५	बा	२०	२३	१४	०३	३४	५४	१९	४	११	२६	धनु ७।३७	३।०८।२०।४४	५७।०४	प्रदोष:, श्रावणे वर्ज्यशाकम |E मूषक आरूढ़ि:
लुम्बक	१३	सो	२६	०१	१६	१८	मूल	११	३०	१०	३०	वै	४२	२१	२२	५४	तै	२६	०१	१६	१८	३२	५४	१९	५	१२	२७	धनु	३।०९।१७।४८	५७।०५	जया पार्वती व्रत, वद्धी शनि: ११।२१
मित्र	१४	म	३१	०२	१८	१९	पूषा	१८	०१	१३	१०	वि	४३	४७	२३	३०	व	३१	०२	१८	१९	२१	५५	१८	६	१३	२८	मक. ११।४८	३।१०।१४।५३	५७।०६	म. १८।११ उ., उषा. शुक्र: २५।२८ |D गोपद्मव्रतोद्यापन
पूर्णिमा	१५	बु	३५	२०	२०	०३	उषा	२४	०६	१५	३४	प्री	४४	५२	२३	५२	वि	३	१६	७	१४	२६	५५	१८	७	१४	२९	मक.	३।११।११।५९	५७।०७	म. ७।१४ या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतपुण्यपात्र, वायु परीक्षा. A

गुरोरस्त: पश्चिमायाम

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांश: २४।१२।४६

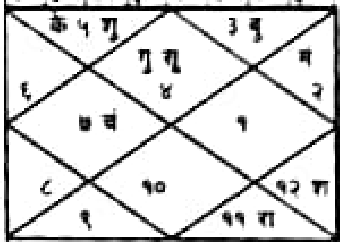
पं. १४ आ. शु. १ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं	बु	गु.	शु	श.	रा.	के.
२	१	२	३	४	११	१०	४
२८	१७	२५	०८	११	२०	०७	०७
२१	१४	१२	५३	४६	२३	३५	३५
१४	०१	०१	११	३८	३६	४६	४६
५७	४१	३७	१३	६५	१	३	३
१५	४४	०८	१२	५४	०१	११	११
पुन	रौ	पुन	पु	म	रे	श	म
३	३	२४	२	४	२	१	३



सौर र. ला. प्रात:	वार तिथि	ता. जुलाई	मेष रात्री	वृष रात्री	मिथुन रात्री	कर्क प्रात	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर सायं	कुंभ रात्री	मीन रात्री
०२।२८।००।४२	१ बु	१५	१२।०८	१।४४	३।४१	५।५६	८।१६	१०।३२	१२।४८	३।०७	५।२६	७।३०	९।१४	१०।४२
०२।२८।५७।३८	२ गु	१६	१२।०४	१।४१	३।३७	५।५२	८।१२	१०।२९	१२।४४	३।०३	५।२२	७।२७	९।१०	१०।३८
०२।२९।५४।३६	३ शु	१७	१२।००	१।३७	३।३३	५।४८	८।०८	१०।२५	१२।४०	३।००	५।१८	७।२३	९।०६	१०।३४
०३।००।५१।३३	५ श	१८	११।५६	१।३३	३।२९	५।४४	८।०४	१०।२१	१२।३६	२।५६	५।१४	७।१९	९।०२	१०।३०
०३।०१।४८।३२	६ र	१९	११।५२	१।२९	३।२५	५।४०	८।००	१०।१७	१२।३३	२।५२	५।१०	७।१५	८।५८	१०।२६
०३।०२।४५।३१	७ चं	२०	११।४८	१।२५	३।२१	५।३६	७।५६	१०।१३	१२।२९	२।४८	५।०६	७।११	८।५४	१०।२२
०३।०३।४२।३०	८ मं	२१	११।४५	१।२१	३।१७	५।३२	७।५२	१०।०९	१२।२५	२।४४	५।०२	७।०७	८।५०	१०।१९
०३।०४।३९।३०	९ बु	२२	११।४१	१।१७	३।१३	५।२८	७।४८	१०।०५	१२।२१	२।४०	४।५८	७।०३	८।४६	१०।१५
०३।०५।३६।३१	९ गु	२३	११।३७	१।१३	३।०९	५।२४	७।४४	१०।०१	१२।१७	२।३६	४।५४	६।५९	८।४२	१०।११
०३।०६।३३।३३	१० शु	२४	११।३३	१।०९	३।०५	५।२०	७।४०	९।५७	१२।१३	२।३२	४।५०	६।५५	८।३८	१०।०७
०३।०७।३०।३५	११ श	२५	११।२९	१।०५	३।०१	५।१६	७।३६	९।५३	१२।०९	२।२८	४।४७	६।५१	८।३४	१०।०३
०३।०८।२७।३८	१२ र	२६	११।२५	१।०१	२।५७	५।१२	७।३२	९।४९	१२।०५	२।२४	४।४३	६।४७	८।३०	९।५९
०३।०९।२४।४२	१३ चं	२७	११।२१	१२।५७	२।५३	५।०८	७।२८	९।४५	१२।०१	२।२०	४।३९	६।४३	८।२६	९।५५
०३।१०।२१।४७	१४ मं	२८	११।१७	१२।५३	२।४९	५।०४	७।२४	९।४१	११।५७	२।१६	४।३५	६।३९	८।२२	९।५१
०३।११।१८।५३	१५ बु	२९	११।१३	१२।४९	२।४६	५।००	७।२०	९।३७	११।५३	२।१२	४।३१	६।३५	८।१८	९।४७

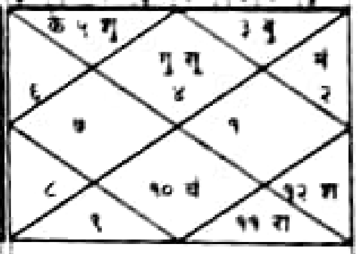
अयनांश: २४।१२।४७

पं. १५ आ. शु. ९ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	१	२	३	४	११	१०	४
०५	२२	२२	१०	११	२०	०७	०७
०२	०४	०५	२५	२४	२१	१३	१३
०४	४४	४२	५०	०६	३१	३०	३०
५७	४१	७	१३	६४	०	३	३
१८	१५	४५	१६	३५	२६	११	११
पु	रौ	पुन	पु	पूफा	रे	श	म
१	४	१७	३	२	२	१	३



अयनांश: २४।१२।४८

पं. १६ आ. शु. १५ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	१	२	३	४	११	१०	४
११	२६	२३	११	२६	२०	०६	०६
४३	५१	१७	५८	५१	३०	५१	५१
२१	५१	३१	५०	४५	२४	१५	१५
५७	४०	३८	१३	६३	०	३	३
२२	४५	३३	१८	०२	१७	११	११
पु	पु	पुन	पु	उफा	रे	श	म
३	२	१	३	१	२७	१	३



अतिरिक्त सुविधा ☛ ॥ संवत् २०८३, शाकः १९४८ (सन २०२६-२७) मध्ये विवाह मुहूर्त्तानि रेखा सहितानि च ॥

विवाह मुहूर्त्तों के आरंभ में (१९ अप्रे. २०२६) गुरुस्थिति -
कन्या राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : गुरु राशि - मिथुन
ता. १९ जून २०२६ के विवाह मुहूर्त्तों से -
कन्या राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : गुरु राशि - कर्क

वैशाख शुक्लपक्षः

सन२०२६ **१९ अप्रे.** **२ रवौ रोहि.** रे. १० ||||||||| रात्री लग्न १२
(मीने शु ३ दोषः; सौम्यांगः मं श)
वर राशि - मेष, मिथुन, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन : सूर्यराशि-मेष
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-वृष
समयः मीन- उत्तर रात्री ४।३४ उपरांत ५।४७

२० अप्रे. **३ चंद्रे रोहि.** रे. ९ ||||S|||| दिवा लग्न ४, ५
(सिंहे रा ७ दोषः; सौम्यांगः के) **(भद्रा १७।५१ से)**
वर राशि - मेष, मिथुन, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन : सूर्यराशि-मेष
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-वृष
समयः कर्क- दिन ११।३४ से १।५३, सिंह- दिन १।५३ से ४।१०

२० अप्रे. **३ चंद्रे मृगे** रे. ७ S|||S|S|| रात्री लग्न १२
(मीने शु ३ दोषः; सौम्यांगः मं श) **(भद्रा २८।१९ यावत्)**
वर राशि - मेष, मिथुन, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन : सूर्यराशि-मेष
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-वृष
समयः मीन- उत्तर रात्री ४।१८ से ५।४३

२१ अप्रे. **५ भौमे मृगे** रे. ६ S||||SSS|| दिवा लग्न ४, ५, रात्री लग्न अ. गोधूलि(७), ८
(सिंहे रा ७ दोषः; सौम्यांगः के, वृश्चिके रा ४ दोषः; शु ७ पूज्यः)
वर राशि - मेष, मिथुन, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन : सूर्यराशि-मेष
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-वृष
समयः कर्क- दिन ११।३० से १२।५८ यावत्

वर राशि - मेष, मिथुन, कर्क, सिंह, तुला, धनु, कुंभ : सूर्यराशि-मेष
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि-मिथुन
समयः कर्क- दिन १२।५८ उपरांत १।४९, सिंह- दिन १।४९ से ४। ६, : दिन १२।५८ उप.
अ.गोधूलि- सायं ६। ७ से ७।४३, वृश्चिक- रात्री ८।४० से १०।५८

प्र.ज्येष्ठ कृष्णपक्षः

सन२०२६ **५ मई** **४ भौमे मूले** रे. ७ |||S|S|S|| रात्री लग्न ८, १०, ११, १२ (वृश्चिके रा ४ दोषः;)
(शु ७ पूज्यः, कुंभे के ७ दोषः; सौम्यांगः रा, मीने शु ३ दोषः; सौम्यांगः मं श)
वर राशि - मेष, मिथुन, कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु, कुंभ, मीन : सूर्यराशि-मेष
कन्याराशि- मेष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-धनु
समयः वृश्चिक- रात्री ७।४५ से १०। ३, मकर- रात्री १२। ७ से १।५०,
कुंभ- रात्री १।५० से ३।११, मीन- उत्तर रात्री ३।११ से ४।४४

६ मई **४ बुधे मूले** रे. ८ |||S|||S|| दिवा लग्न २, ५ (सिंहे रा ७ दोषः; सौम्यांगः के)
वर राशि - मेष, मिथुन, कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु, कुंभ, मीन : सूर्यराशि-मेष
कन्याराशि- मेष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-धनु
समयः वृष- प्रातः ६।२० से ८।१६, सिंह- दिन १२।५० से ३। २ यावत्

७ मई **५ गुरौ उषा.** रे. ६ |S||SS|||S रात्री लग्न गोधूलि(७), ८, १०, ११, १२
(वृश्चिके रा ४ दोषः; शु ७ पूज्यः, मकरे चं १ २५।२४ उपरांत,
कुंभे के ७ दोषः; सौम्यांगः रा, मीने शु ३ दोषः; सौम्यांगः मं श)
वर राशि - मेष, मिथुन, कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु, कुंभ, मीन : सूर्यराशि-मेष
कन्याराशि- मेष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-धनु
समयः गोधूलि- सायं ६।४३ उपरांत ७।५२, वृश्चिक- रात्री ७।३७ से ९।५१,
मकर- रात्री १२। ० से १।२४ यावत्

वर राशि - मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, कुंभ, मीन : सूर्यराशि-मेष
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मकर
समयः कुंभ- रात्री १।४२ से ३।११, मीन- उत्तर रात्री ३।११ से ४।३६ : रात्री १।२४ उप.

८ मई **६ शुक्रे उषा.** रे. ७ |S||S||||S दिवालग्न २, ४ **(भद्रा १२।२७ से, कर्के चं ७ पूज्यः)**
वर राशि - मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, कुंभ, मीन : सूर्यराशि-मेष
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मकर
समयः वृष- प्रातः ६।१२ से ८। ८, कर्क- दिन १०।२३ से १२।२४ यावत् तदुपरांत भद्रारंभः

द्वि.ज्येष्ठ शुक्लपक्षः

सन२०२६ **२२ जून** **८ चंद्रे हस्ते** रे. ६ S||||SSS|| रात्री लग्न अ. गोधूलि(९), १०, १२, २, ३
(मकरे बु गु शु ७ पूज्यः, मीने चं ७ पूज्यः; सौम्यांगः श, वृषे शु ३ दोषः; सौम्यांगः मं,
मिथुने सौम्यांगः सू)
वर राशि - मेष, वृष, सिंह, कन्या, तुला, धनु, मकर : सूर्यराशि-मिथुन
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-कन्या
समयः अ.गोधूलि- सायं ६।३७ से ८।१३, मकर-रात्री ८।५९ से १०।४२, मीन-रात्री १२।१० से
१।३६, वृष- उत्तर रात्री ३।१२ से ५। ८, मिथुन- उत्तर रात्री ५। ८ से ५।३९

२३ जून **९ भौमे हस्ते** रे. ८ S||||||S|| दिवा लग्न ३, ४ (मिथुने सौम्यांगः सू)
वर राशि - मेष, वृष, सिंह, कन्या, तुला, धनु, मकर : सूर्यराशि-मिथुन
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-कन्या
समयः मिथुन- प्रातः ५।३९ उपरांत ७।२२, कर्क- प्रातः ७।२२ से ९।४२

२६ जून **१२ शुक्रे अनुरा.** रे. ६ SS||SS|||| रात्रीलग्न २ (वृषे शु ३ दोषः;चं ७ पूज्यः; सौम्यांगः मं)
वर राशि - वृष, मिथुन, कन्या, तुला, धनु, मकर, कुंभ : सूर्यराशि-मिथुन
कन्याराशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-वृश्चिक
समयः वृष- उत्तर रात्री २।५६ से ४।५२

२७ जून **१३ शनौ अनुरा.** रे. ६ SS||SS|||| दिवा लग्न ४, ७, रात्री लग्न अ. गोधूलि(९), १०
(मकरे बु गु शु ७ पूज्यः)
वर राशि - वृष, मिथुन, कन्या, तुला, धनु, मकर, कुंभ : सूर्यराशि-मिथुन
कन्याराशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-वृश्चिक
समयः कर्क- प्रातः ७। ६ से ९।२६, तुला- दिन १।५८ से ४।१७,
अ.गोधूलि- सायं ६।३८ से ८।१४, मकर- रात्री ८।३९ से ९।२३ यावत्

संवत् २०८३ मध्ये सूर्यग्रहणाऽभावः चंद्रग्रहणाऽभावश्च

अतिरिक्त सुविधा

॥ संवत् २०८३, शाक: १९४८ (सन २०२६-२७) मध्ये विवाह मुहूर्त्तानि रेखा सहितानि च ॥

आषाढ़ कृष्णपक्ष:

सन२०२६ १ जुला. **१ बुधे उषा.** रे. ८ IIIISSIIII दिवा लग्न ७, गणितेन क्रांतिसाम्याऽभाव:
वर राशि - मेष, वृष, सिंह, कन्या, धनु, मकर, कुंभ : सूर्यराशि मिथुन
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि मकर
समय: तुला- दिन १।४२ से ३।५८ यावत्

६ जुला. **६ चंद्रे उषा.** रे. ९ IIIIISIIII रात्री लग्न २, ३
(वृषे सोग्रांग: मं, मिथुने शु ३ दोष:, सोग्रांग: शु) **(भद्रा २१।५४ यावत्)**
वर राशि - मेष, वृष, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, कुंभ : सूर्यराशि-मिथुन
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मीन
समय: वृष- रात्री २।१७ से ४।१३, मिथुन- उत्तर रात्री ४।१३ से ५।४४

मार्गी गुरो: मघादि पंचपाद (सिंहे) प्रवेश: (१ नवं. २०२६, स्टै. ९।१७)
अतो मघादि पंचपादत्वादभाव:-'मघादिपञ्चपादेषु गुरु: सर्वत्र निन्दित: ।'
वक्री गुरो: पंचपाद-सिंहस्थ समाप्ति: (२३ जन. २०२७, स्टै. १८।२७)

माघ कृष्णपक्ष:

सन२०२७ २४ जन. **२ रवौ मघा.** रे. ९ IIIISIIIII दिवा लग्न १०, २
(मकरे के ७ दोष:; गु ७ पूज्य:; सोग्रांग: सु रा, वृषे शु ७ पूज्य:) **(भद्रा २१।३४ से)**
वर राशि - मेष, कर्क, सिंह, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन : सूर्यराशि-मकर
कन्याराशि- मेष मिथुन कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि-सिंह
समय: मकर- प्रात: ७।२५ उपरांत ८।३२, वृष- दिन ११ २ से २।५८

२५ जन. **३ चंद्रे उफा.** रे. ८ IIIIISISII रात्री लग्न ७, ९, १०
(तुला- रा ४ दोष:, मकरे के ७ दोष:; गु ७ पूज्य:; सोग्रांग: सु रा)
वर राशि - मेष, कर्क, सिंह, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन : सूर्यराशि-मकर
कन्याराशि- मेष मिथुन कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि-सिंह
समय: तुला- रात्री ११ ५ उपरांत २।११, धनु- उत्तर रात्री ४।३७ से ६।४२

वर राशि - मेष, वृष, कर्क, सिंह, कन्या, वृश्चिक, धनु, मकर, मीन : सूर्यराशि-मकर
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-कन्या
समय: मकर- उत्तर रात्री ६।४६ उपरांत ७।२४ : उत्तर रात्री ६।४६ उपरांत

२६ जन. **५ भौमे उफा.** रे. ८ IIIIISISII दिवा लग्न १०, १२, २, रात्री लग्न गोधूलि(४)
(मकरे के ७ दोष:; गु ७ पूज्य:; सोग्रांग: सु रा, मीने चं ७ पूज्य:;सोग्रांग: श, वृषे शु ७ पूज्य:)
वर राशि - मेष, वृष, कर्क, सिंह, कन्या, वृश्चिक, धनु, मकर, मीन : सूर्यराशि-मकर
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-कन्या
समय: मकर- प्रात: ७।२४ उपरांत ८।२४, मीन- प्रात: ९।५३ से ११।११,
वृष- दिन १२।५५ से २।५०, गोधूलि- सायं ५।१३ से ६।४९

३० जन. **९ शनौ अनुरा.** रे. ८ SIIIIIISII रात्री लग्न ९, १०
(मकरे के ७ दोष:; गु ७ पूज्य:; सोग्रांग: सु रा)
वर राशि - वृष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मकर, मीन : सूर्यराशि-मकर
कन्याराशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-वृश्चिक
समय: धनु- रात्री ४।१८ से ६।२२, मकर- उत्तर रात्री ६।२२ से ७।२२

३१ जन. **१० रवौ अनुरा.** रे. ८ SIIIIIISII दिवा लग्न १०, १२, २, रात्री लग्न अ. गोधूलि(४)
(मकरे के ७ दोष:; गु ७ पूज्य:; सोग्रांग: सु रा, मीने सोग्रांग: श, वृषे चं ७ पूज्य:)
वर राशि - वृष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मकर, मीन : सूर्यराशि मकर
कन्याराशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि वृश्चिक
समय: मकर- प्रात: ७।२२ उपरांत ८। ५, मीन- प्रात: ९।३३ से १०।५१,
वृष- दिन १२।३५ से २।३१, अ.गोधूलि- सायं ५।१७ से ६।५३ **(भद्रा ११।३८ से)**

माघ शुक्लपक्ष:

सन२०२७ ९ फर. **३ भौमे उभा.** रे. ९ IIIIISIIII रात्री लग्न ९, १०
(मकरे के ७ दोष:; गु ७ पूज्य:; सोग्रांग: सु रा)
वर राशि - मेष, वृष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, मकर, मीन : सूर्यराशि-मकर
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मीन
समय: धनु- रात्री ३।३८ से ५।४३, मकर- उत्तर रात्री ५।४३ से ७।१६

१० फर. **४ बुधे उभा.** रे. १० IIIIIIIIII दिवा लग्न २, ३, रात्री लग्न ९
(मिथुने शु ७ पूज्य:) **(भद्रा १४।४८ से २७। ८ यावत्)**
वर राशि - मेष, वृष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, मकर, मीन : सूर्यराशि-मकर
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मीन
समय: वृष- दिन ११।५६ से १।५२, मिथुन- दिन १।५२ से २।४८ यावत् तदुपरांत भद्रारंभ:,
धनु- रात्री ३।३४ से ४। ९ यावत्

१६ फर. **१० भौमे मृगे** रे. ८ ISIIIIISII दिवा लग्न ३, रात्री लग्न गोधूलि(५), ७
(मिथुने चं १ १४।३३ उपरांत; गु ७ पूज्य:,गोधूल्यां मं १; सोग्रांग: मं, तुला.शु ३ दोष:,रा ४ दोष:)
वर राशि - मेष, वृष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर : सूर्यराशि-कुंभ
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-वृष
समय: मिथुन- दिन १।२८ से २।३३ यावत्

वर राशि - मेष, वृष, मिथुन, सिंह, कन्या, तुला, धनु, मकर, कुंभ : सूर्यराशि-कुंभ
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि-मिथुन
: दिन २।३३ उप.
समय: गोधूलि- सायं ५।३० से ७। ६, तुला- रात्री १०।३४ से १२।४८ यावत्

फाल्गुन कृष्णपक्ष:

सन२०२७ २७ फर. **७ शनौ अनुरा.** रे. ७ SIIIIISSII दिवा लग्न २, ४, रात्री लग्न अ. गोधूलि, ७, ९, १०
(वृषे चं ७ पूज्य:, कर्के रा ७ दोष:; बु गु ७ पूज्य:, अ.गोधूल्यां मं १; सोग्रांग: मं,
तुला- रा ४ दोष:, मकरे के ७ दोष:; गु ७ पूज्य:; सोग्रांग: रा)
वर राशि - वृष, मिथुन, कन्या, तुला, धनु, मकर, कुंभ : सूर्यराशि-कुंभ
कन्याराशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-वृश्चिक
समय: वृष- दिन ११।३६ उपरांत १२।४५, कर्क- दिन २।५९ से ५।११,
अ.गोधूलि- सायं ५।३७ से ७।१३, तुला- रात्री ९।५१ से १२। ९,
धनु- रात्री २।२८ से ४।३२, मकर- उत्तर रात्री ४।३२ से ६।१५

२८ फर. **८ रवौ अनुरा.** रे. ७ SIIIISISII दिवा लग्न १२, २ (मीने सोग्रांग: श, वृषे चं ७ पूज्य:)
वर राशि - वृष, मिथुन, कन्या, तुला, धनु, मकर, कुंभ : सूर्यराशि-कुंभ
कन्याराशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-वृश्चिक
समय: मीन- प्रात: ७।४३ से ९। ९, वृष- दिन १०।४५ से १२।४१

भद्रा दोष:- भद्राकाल में विवाह और विवाहाङ्गकृत्य सर्वथा निषेध है । **यथा** - न कुर्यान्मङ्गलं विष्ट्यां जीवितार्थी कदाचन । कुर्वन्नज्ञस्तदा क्षिप्रं तत्सर्वं नाशतां व्रजेत् ॥' इति ॥
- पीयूषधारा -मु. चिन्तामणि पृ. ४९. ॥ **अपि च** ॥ श्रीपति:- न सिद्धिमायाति कृतं च विष्ट्यां विषारिघातादिकमत्र सिद्धम् ॥ - निर्णयसिन्धु भाषा टीका, खेमराज, परि.१, पृ.३३

अतिरिक्त सुविधा ☞ ॥ संवत् २०८३, शाकः १९४८ (सन २०२६-२७) मध्ये विवाह मुहूर्त्तानि रेखा सहितानि च ॥

१ मार्च **९ चंद्रे मूले** रे. ८ IIIIIISSII रात्री लग्न ७, १०
(तुला, रा ४ दोष., मकरे के ७ दोष:, गु ७ पूज्य:, सोग्रांग: रा)
वर राशि - मेष, मिथुन, सिंह, तुला, धनु, मकर, कुंभ : सूर्यराशि-कुंभ
कन्याराशि- मेष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-धनु
समय: तुला- रात्री ११। ६ उपरांत १२। २, मकर- उत्तर रात्री ४।२४ से ६। ७

२ मार्च **१० भौमे मूले** रे. ८ IIIIISISII दिवा लग्न १२, २, ३ **(भद्रा १५।३० से)**
(मीने सोग्रांग: श, मिथुने च ७ पूज्य:)
वर राशि - मेष, मिथुन, सिंह, तुला, धनु, मकर, कुंभ : सूर्यराशि-कुंभ
कन्याराशि- मेष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-धनु
समय: मीन-प्रात: ७।३५ से ९। ९, वृष दिन १०।३७ से १२।३३, मिथुन-दिन १२।३३ से २।४७

३ मार्च **११ बुधे उषा.** रे. ६ ISSशIIISSII रात्री लग्न १०
(मकरे च १ २९।२३ उपरांत; के ७ दोष:, गु ७ पूज्य:, सोग्रांग: रा)
वर राशि - मेष, मिथुन, सिंह, तुला, धनु, मकर, कुंभ : सूर्यराशि-कुंभ
कन्याराशि- मेष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-धनु
समय: मकर- उत्तर रात्री ४।१६ से ५।२३ यावत्

फाल्गुन शुक्लपक्ष:

सन२०२७ ९ मार्च **१ भौमे उभा.** रे. ९ IIIIISIIII दिवा लग्न ४, रात्री लग्न ९, ११
(कर्के रा ७ दोष:; बु शु ७ पूज्य:, कुंभे सोग्रांग: सू)
वर राशि - मेष, वृष, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, कुंभ : सूर्यराशि-कुंभ
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मीन
समय: कर्क- दिन ३।४२ उपरांत ४।३९, धनु- रात्री १।४८ से ३।५२,
कुंभ- उत्तर रात्री ५।३५ से ६।५०
अग्रे मीनेऽर्क:

॥ कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्त्ता: नक्षत्र चतुष्टयी ॥

वैशाख शुक्लपक्ष:

सन२०२६ २९ आप्रे. **१३ बुधे चित्रा.** रे. ७ IIIISSSIII रात्री लग्न १०, ११, १२
(कुंभे के ७ दोष:; सोग्रांग: रा, मीने शु ३ दोष:; च ७ पूज्य:; सोग्रांग: मं श)
वर राशि - मेष, कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु, मीन : सूर्यराशि-मेष
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-कन्या
समय: मकर-रात्री १२।३९ से २।१४, कुंभ-रात्री २।१४ से ३।४२, मीन-उत्तररात्री ३।४२ से ५। ८

३० आप्रे. **१५ गुरौ चित्रा.** रे. ७ IIIISSSIII दिवा लग्न २, ४, ५, रात्री लग्न ८
(सिंहे रा ७ दोष:, सोग्रांग: के, वृश्चिके रा ४ दोष:; शु ७ पूज्य:) **(भद्रा २१।१६ से)**
वर राशि - मेष, कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु, मीन : सूर्यराशि-मेष
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-कन्या
समय: वृष- प्रात: ६।४४ से ८।४०, कर्क- दिन १०।५४ से १।१४

वर राशि - मेष, मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु, कुंभ : सूर्यराशि-मेष
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि-तुला
समय: सिंह- दिन १।१४ उपरांत ३।३०, : दिन १।१४ उप.
वृश्चिक- रात्री ८। ५ से ९।१६ यावत् तदुपरांत भद्रारंभ:

प्र.ज्येष्ठ कृष्णपक्ष:

सन२०२६ ९ मई **७ शनौ धनि.** रे. ८ SIIIIIISII रात्री लग्न ११, १२
(कुंभे के ७ दोष:; सोग्रांग: रा, मीने शु ३ दोष:; सोग्रांग: मं श)
वर राशि - मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, कुंभ, मीन : सूर्यराशि-मेष
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मकर
समय: कुंभ- रात्री १।३५ से ३। ३, मीन- उत्तर रात्री ३। ३ से ४।२९

१० मई **८ रवौ धनि.** रे. ८ SIIIIIISII दिवा लग्न ५, रात्री लग्न अ. गोधूलि(७), ८
(सिंहे रा ७ दोष:, चं ७ पूज्य:;सोग्रांग: के,वृश्चिके रा ४ दोष:; शु ७ पूज्य:)
वर राशि - मेष, मिथुन, सिंह, तुला, धनु, कुंभ, मीन : सूर्यराशि-मेष
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-कुंभ
समय: सिंह- दिन १२।३५ से २।५१, अ.गोधूलि- सायं ६।१७ से ७।५३, : दिन १२।११ उप.
वृश्चिक- सायं ७।२५ से ९।४४

द्वि.ज्येष्ठ शुक्लपक्ष:

सन२०२६ २३ जून **९ भौमे चित्रा.** रे. ८ IIIISISIII दिवा लग्न ७, रात्री लग्न अ. गोधूलि, १०, १२, ३
(मकरे बु गु शु ७ पूज्य:, मीने चं ७ २४।५० यावत्; सोग्रांग: श, मिथुने सोग्रांग: सू)
वर राशि - मेष, वृष, सिंह, कन्या, तुला, धनु, मकर : सूर्यराशि-मिथुन
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-कन्या
समय: तुला- दिन २।१४ से ४।३२, अ.गोधूलि- सायं ६।३७ से ८।१३,
मकर- रात्री ८।५५ से १०।३८, मीन- रात्री १२। ६ से १२।५० यावत्

वर राशि - मेष, वृष, मिथुन, सिंह, कन्या, तुला, धनु, मकर, कुंभ : सूर्यराशि-मिथुन
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि-तुला
समय: मीन-रात्री १२।५० उप. १।३२,मिथुन-उत्तररात्री ५। ४ से ५।४० ::रात्री १२।५० उप.

आषाढ कृष्णपक्ष:

सन२०२६ ८ जुला **८ बुधे अश्वि.** रे. ७ SIIIISISII रात्री लग्न अ. गोधूलि(९), १०, ११, २, ३
(मकरे गु ७ पूज्य:, कुंभे के ७ दोष:; शु ७ पूज्य:; सोग्रांग: रा, वृषे सोग्रांग: मं,
मिथुने शु ३ दोष:; सोग्रांग: सू)
वर राशि - मेष, वृष, मिथुन, सिंह, तुला, धनु, कुंभ : सूर्यराशि-मिथुन
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि-मेष
समय: अ.गोधूलि-सायं ६।३८ से ८।१४,मकर-रात्री ७।५६ से ९।३९,कुंभ-रात्री ९।३९ से ११। ७,
वृष- रात्री २। ९ से ४। ५, मिथुन- उत्तर रात्री ४। ५ से ५।४५

मार्गी गुरो: मघादि पचपाद (सिंहे) प्रवेश: (१ नव. २०२६, स्टे. ९।१७)
वक्री गुरो: पंचपाद-सिंहस्थ समाप्ति: (२३ जन. २०२७, स्टै. १८।२७)

माघ कृष्णपक्ष:

सन२०२७ २७ जन. **६ बुधे चित्रा.** रे. ८ SIIIISIIII रात्री लग्न ७ (तुला, रा ४ दोष:) **(भद्रा २७।५५ से)**
वर राशि - मेष, वृष, कर्क, सिंह, कन्या, वृश्चिक, धनु, मकर, मीन : सूर्यराशि-मकर
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-कन्या
समय: तुला- रात्री ११।५५ उपरांत २।११

माघ शुक्लपक्ष:

सन२०२७ १२ फर. **६ शुक्रे अश्वि.** रे. ९ IIIIISIIII दिवा लग्न २, ३, रात्री लग्न अ. गोधूलि(४), ७, ९
(मिथुने शु ७ पूज्य:, तुला, शु ३ दोष:; रा ४ दोष:; चं ७ पूज्य:) (महापात मोक्ष: ८।१७)
वर राशि - मेष, वृष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन : सूर्यराशि-मकर
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि-मेष
समय: वृष- दिन ११।४८ से १।४४, मिथुन-दिन १।४४ से ३।५८,अ.गोधूलि-सायं ५।२७ से ७। ३,
तुला- रात्री १०।५० से १। ८, धनु- रात्री ३।२७ से ५।११ यावत्

फाल्गुन शुक्लपक्ष:

सन२०२७ ११ मार्च **३ गुरौ अश्वि.** रे. ९ IIIIISIIII दिवा लग्न २, ३, ४, रात्री लग्न अ. गोधूलि(५), ९
(कर्क रा ७ दोष:; बु शु ७ पूज्य:) **(भद्रा २७।२७ से)**
वर राशि - मेष, वृष, मिथुन, सिंह, तुला, धनु, कुंभ : सूर्यराशि-कुंभ
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि-मेष
समय: वृष-दिन ११।२२ उप. ११।५७, मिथुन-दिन ११।५७ से २।१२, कर्क-दिन २।१२ से ४।३२,
अ.गोधूलि- सायं ५।४४ से ७।२०, धनु- रात्री १।४० से ३।२७ यावत् तदुपरांत भद्रारंभ:
(दृष्टिदोषाच्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभि:)

सोग्रांग: इति । स उग्र अंग: ॥ स सहित:, उग्र उग्रग्रहाणाम् (सूर्य,मंगल,शनि,राहु,केतु), अंग: लग्न: ॥ भाव- लग्न में उक्त ग्रहों में से कोई एक भी ग्रह हो तो मुहूर्तों में सोग्रांग: लिखा रहता है।

॥ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः ॥

श्रावण मासः

सन२०२६ २८ अग. | **शु. १५ शुक्रे शते** अभिजित
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि कुंभ
समयः अभि.- दिवा १२।०७ से १२।५५
भूमि-पूजन (शिलान्यास) आग्नेय कोणे : सूर्यराशि सिंह

॥ वृषचक्र-रहिताः गेहारंभ मुहूर्त्ताः ॥

फाल्गुन मासः

सन२०२७ ४ मार्च | **कृ. ११ गुरौ उषा.** लग्न २, अभिजित
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि मकर
समयः वृष- दिवा १०।२९ से १२।२५, अभि.- दिवा १२।१८ से १।०६
भूमि-पूजन (शिलान्यास) वायव्य कोणे : सूर्यराशि कुंभ

१० मार्च | **शु. ०२ बुधे उभा.** लग्न २
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि मीन
समयः वृष- दिवा १०।०५ से १०।५२ यावत्
भूमि-पूजन (शिलान्यास) वायव्य कोणे : सूर्यराशि कुंभ

॥ नूतनगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

द्वि.ज्येष्ठ मासः

सन२०२६ २० जून | **शु. १३ शनौ अनुरा.** अभिजित
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि वृश्चिक
समयः अभि.- दिवा १२।०९ से १२।५७

फाल्गुन मासः

सन२०२७ ४ मार्च | **कृ. ११ गुरौ उषा.** लग्न २, अभिजित
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि मकर
समयः वृष- दिवा १०।२९ से १२।२५, अभि.- दिवा १२।१८ से १।०६

॥ कुंभचक्ररहिताः नूतनगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

फाल्गुन मासः

सन२०२७ १० मार्च | **शु. ०२ बुधे उभा.** लग्न २
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि मीन
समयः वृष- दिवा १०।०५ से १०।५२ यावत्

॥ जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

वैशाख मासः

सन२०२६ २४ अप्रै. | **शु. ०८ शुक्रे पुष्ये** अभिजित (सायं ८।०७ तक)
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि कर्क
समयः अभि.- दिवा १२।०४ से १२।५२

॥ कुंभचक्ररहिताः जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

श्रावण मासः

सन२०२६ २८ अग. | **शु. १५ शुक्रे शते** अभिजित
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि कुंभ
समयः अभि.- दिवा १२।०७ से १२।५५

माघ मासः

सन२०२७ २९ जन. | **कृ. ०८ शुक्रे स्वाती** अभिजित, २ (मकरगत मीन: १०।३६)
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि तुला
समयः अभि.- दिवा १२।११ से १।००, वृष- दिवा १२।४३ से २।३९

(वृश्चिकोपरान्ते बालार्थं सुविधिः)

परे लग्नशुद्धया कुयोगादिनाशम् -

व्याख्या- अथ परे आचार्या लग्नशुद्धया समीचीन-लग्नबलेन कुयोगानां मृत्युक्रकचादीनां नाशं भवतीति शेषः । - पीयूषधारा (पृष्ठ ४६, श्लो.४२)

अर्थ- लग्न शुद्धि के समय तिथि, नक्षत्र और विष्कुंभादि योग द्वारा उत्पन्न हुए मृत्यु-क्रकचादि कुयोग स्वयं नष्ट हो जाते हैं (जैसे सूर्योदय होने पर अंधेरा नष्ट हो जाता है) ।

विशेष- किसी एक विद्वान् के द्वारा बताये हुए शुद्धलग्न मुहूर्त को दूसरा विद्वान् (बालबुद्धि वाला) यजमान को यह कह कर भ्रमित (गुमराह) कर देता है कि उस दिन मृत्यु-क्रकचादि कुयोग होने से यह मुहूर्त अच्छा नहीं है । नोट- ऐसे बालमति के विद्वानों से करबद्ध प्रार्थना है कि ज्योतिष-शास्त्र का उपहास (मजाक) न करें । कहा भी है- "नानाशास्त्र विचक्षणश्च पुरुषानिन्दन्ति मूर्खाः सदा इति" । अपि च -

खलो गुणशते दोषं गुणपूर्णेषु वस्तुषु । तथै पुष्पफलाकीर्णे पुरीषमिव शूकरः ॥

अप्रत्यक्षाणि शास्त्राणि विवादास्तेषु केवलम् । प्रत्यक्षम् ज्योतिषं शास्त्रं चन्द्रार्कौ यत्र साक्षिणौ ॥
- वेंकटेशबापू केतकर, ज्योतिर्गणित

तत्तद् गतिवशान्नित्यं यथादृक्तुल्यतां ग्रहाः । प्रयान्ति तत्प्रवक्ष्यामि स्फुटीकरणमादरात् ॥
- सूर्य सि. स्पष्टा. श्लो (१४)

+ = धन ॥ बृहद्-देशान्तर सारिणी ॥ (अक्षांश और रेखांश अंश-कलादि में) **नोट - रेल्वे-अन्तर को ही स्टैंडर्ड-अन्तर कहते हैं।** **— = ऋण**

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
भारत - ग्रीन्वीच-घटिका-यन्त्र से देशान्तर : + ५ घन्टा, ३० मिनट			
अरुणाचल प्र. -			
इटानगर	२७। ८	९३।४०	+ ४४।४०
तवांग	२७।३३	९१।५८	+ ३७।५२
आसाम -			
उत्तरलखीमपुर	२७।१३	९३।५८	+ ४५।५२
कछार	२४।५०	९२।५१	+ ४१।२४
गोलपारा	२६।११	९०।४१	+ ३२।४४
गोलाघाट	२६।३०	९४। ०	+ ४६। ०
गौहाटी	२६।११	९१।४७	+ ३७। ८
जयपुर	२७।१५	९५।२६	+ ५१।४४
जोरहाट	२६।४५	९४।१६	+ ४७। ४
दारंग	२६।४५	९२।४०	+ ४०।४०
डिब्रूगढ़	२७।२९	९४।५८	+ ४९।५२
डिगबोई	२७।३३	९५।४०	+ ५२।४०
तिनसुकिया	२७।२७	९५।२९	+ ५१।५६
तेजपुर	२६।३७	९२।५०	+ ४१।२०
दीसपुर	२६। १	९१।५०	+ ३७।२०
धुबरी	२६। २	९०। २	+ ३०। ८
नौगांव	२६।२१	९२।४५	+ ४१। ०
पटकाई प.	२७। ०	९५।३०	+ ५२। ०
बांदू	२६।१०	९१।४२	+ ३६।४८
बोकाजान	२६।३६	९३।१०	+ ४२।४०
महापुरा	२६।४५	९३। ०	+ ४२। ०
मंगलदाई	२६।२७	९३। ५	+ ४२।२०
लामडिंग	२५।४६	९३।१०	+ ४२।४०
शिवसागर	२६।५९	९४।४१	+ ४८।४४
सादिया	२७।५०	९५।४२	+ ५२।४८
शिलचर	२४।५०	८२।५१	+ १।२४
आन्ध्र प्र. -			
अद्दंकी	१५।४९	८०। १	— ९।५६
अदीलाबाद	१९।४०	७८।३०	— १६। ०
अदोनी	१५।३८	७७।१९	— २०।४४
अल्लूर	१४।४१	८०। ५	— ९।४०
आलूर	१५।२४	७७।१६	— २०।५६
अमरावती	१६।४०	८०।१५	— ९। ०
अनकापल्ली	१७।४१	८३। ३	+ २।१२
अनंतपुर	१४।४१	७७।३९	— १९।२४
अरमूर	१८।४८	७८।१६	— १६।५६
अटमाकूर	१४।३७	७८।४०	— १५।२०
आलमपुर	१५।५४	७८।११	— १७।१६
ओंगोल	१५।३०	८०। ६	— ९।३६
इन्द्रवल्ली	१९।२०	७८। ०	— १८। ०
इच्छापुरम्	१९। ७	८४।४४	+ ८।५६
उदयगिरी	१४।५२	७९।१९	— १२।४४
एलूरु	१६।४३	८१। ६	— ५।३६
कडप्पा	१४।२८	७८।५२	— १४।३२

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
कम्बम	१५।३४	७९। ९	— १३।२४
करीमनगर	१८।२८	७९। ६	— १३।३६
कादीरी	१४। ७	७८।१४	— १७। ४
काकीनाडा	१६।५७	८२।१५	— १। ०
कालाहस्ती	१३।४५	७९।४४	— ११। ४
कलिंगपटनम्	१८।२०	८४।२०	+ ७।२०
कामारेड्डी	१८।१९	७८।२२	— १६।३२
कांदी	१७।३६	७८। ५	— १७।४०
कावली	१४।५५	८०। ३	— ९।४८
कुर्नूल	१५।५०	७८। ५	— १७।४०
कोरिंगा	१६।४८	८२।१६	— ०।५६
कोडांगल	१७। ८	७७।३६	— १९।३६
कोहीर	१७।३५	७७।४०	— १९।२०
कोइलकोण्डा	१६।४५	७७।५०	— १८।४०
कोइलकुन्टा	१५।२७	७८।१८	— १६।४८
कोथापाली	१६।३८	८०।३६	— ७।३६
कोराटला	१८।४३	७८।४९	— १४।४४
कोस्गी	१७। ०	७७।४३	— १९। ८
कोठागुडम	१७।३०	८०।४०	— ७।२०
कंपली	१५।२५	७६।३९	— २३।२४
कंडकूर	१५।१२	७९।५७	— १०।१२
कनीगिरी	१५।२३	७९।३२	— ११।५२
कृष्णा	१५।५५	८१।१०	— ५।२०
खम्मम	१७।१५	८०।११	— ९।१६
गडवाल	१६।१३	७७।४८	— १८।४८
गूडूर	१४। ९	७९।५४	— १०।२४
गुंतकल	१५।११	७७।२५	— २०।२०
गुंटूर	१६।१८	८०।२९	— ८। ४
गुर्रमकोण्डा	१३।४७	७८।३८	— १५।२८
गुरजाला	१६।३०	७८।५६	— १४।१६
गोदावरी	१६।३५	८२।१५	— १। ०
गोलकोण्डा	१७।२३	७८।२७	— १६।१२
गूटी	१५। ७	७७।४१	— १९।१६
चिंतूर	१७। ७	७९।४३	— ११। ८
चिपुरुपल्ली	१८।३०	८३।१२	+ २।४८
चित्तूर	१३।१३	७९। ८	— १३।२८
जग्गयापेटा	१६।५२	८०। ९	— ९।२४
जगतियाल	१८।४८	७९। ९	— १३।२४
जम्मलमडुगु	१४।५१	७८।२५	— १६।२०
टाडपत्री	१४।५६	७८। २	— १७।५२
तणुकु	१६।४५	८१।४४	— ३। ४
तिरुपति	१३।४०	७९।२०	— १२।४०
तुंगभद्रा	१५।५८	७८।१८	— १६।४८
तुनी	१७।२१	८२।३५	+ ०।२०
तेनाली	१६।१५	८०।३५	— ७।४०
तंदूर	१७।१७	७७।३०	— २०। ०
दर्शी	१५।४६	७९।४१	— ११।१६
देवकोण्डा	१६।४२	७८।५८	— १४। ८
धरमावरम	१४।२४	७७। ०	— २२। ०
नलगोंडा	१७। ३	७९।१७	— १२।५२
नागार्जुनसागर	१६।५०	७९।२०	— १२।४०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
नागलापल्लीपुर ना.	१५। ०	७८।३८	— १५।२८
नादीकोटकूर	१५।५२	७८।१८	— १६।४८
नांदयाल	१५।२९	७८।३२	— १५।५२
नारसापुर	१६।२६	८१।४५	— ३। ०
नरसरावपेट	१६।१४	८०। ६	— ९।३६
नारायणपेट	१६।४५	७७।२७	— २०।१२
नारसीपटनम्	१७।४०	८२।३९	+ ०।३६
निजामाबाद	१८।४०	७८।१०	— १७।२०
नेल्लोर	१४।२७	८०। २	— ९।५२
निर्मल	१९। ६	७८।२५	— १६।२०
निजामपटनम्	१५।५४	८०।४३	— ७। ८
नंदीगाम	१६।४६	८०।२०	— ८।४०
पटनचेरु	१७।३६	७८।२०	— १६।४०
पाकाला	१३।३०	७९। ०	— १४। ०
पालाकोल्लू	१६।३१	८१।४६	— २।५६
पालकोण्डारेन्ज	१३।५०	७९।२०	— १२।४०
पालकोण्डा	१८।३६	८३।४८	+ ५।१२
पार्वतीपुरम्	१८।४७	८३।२८	+ ३।५२
पाटीकोण्डा	१५।२४	७७। ४	— २१।४४
पिठापुरम्	१७। ७	८२।१९	— ०।४४
पेदापुरम्	१७। ५	८२।११	— १।१६
पुलीवेन्दला	१४।२६	७८।१६	— १६।५६
पेनुकोण्डा	१४। ५	७७।३८	— १९।२८
पोडिली	१५।३६	७९।३९	— ११।२४
पुंगनूर	१३।२५	७८।३७	— १५।३२
प्रोद्दातूर	१४।४५	७८।३५	— १५।४०
प्यापाल्ली	१५।१४	७७।४७	— १८।५२
बपाटला	१५।५४	८०।३०	— ८। ०
बालकोण्डा	१९। ५	७८।२०	— १६।४०
बीमलीपटम्	१७।५३	८३।३०	+ ४। ०
बोब्बिली	१८।३४	८३।२५	+ ३।४०
बोधन	१८।३९	७७।५०	— १८।४०
बंगनेपल्ली	१५।१९	७८।१७	— १६।५२
भद्राचलम	१७।४०	८०।५६	— ६।१६
मन्थनी	१९।१०	७७।५८	— १८। ८
मछलीपट्टनम्	१६। ९	८१।१२	— ५।१२
मडकसीरा	१३।५७	७७।१६	— २०।५६
महबूबनगर	१६।४२	७७।५८	— १८। ८
महू	२२।३४	७५।४७	— २६।५२
नागर कर्नूल	१६।३०	७८।१९	— १६।४४
मार्कापुर	१५।४५	७९।१९	— १२।४४
मुधोल	१९। ०	७७।५२	— १८।३२
मेदक	१८। ३	७८।१६	— १६।५६
मंगलागिरी	१६।२६	८०।३६	— ७।३६
यनम	१६।४४	८२।१६	— ०।५६
येम्मीगनूर	१५।४६	७७।३१	— १९।५६
येलांदु	१७।३६	८०।२३	— ८।२८
येर्नागुडम	१६।५९	८१।३३	— ३।४८
राजमुंद्री	१७। ०	८१।४८	— २।४८
रापुर	१४।१२	७९।३६	— ११।३६
रायचोटी	१४। ४	७८।५०	— १४।४०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
रायदुर्ग	१४।४०	७६।५३	— २२।२८
राजम	१८।२८	८३।४८	+ ५।१२
रीकापाली	१७।३४	८१।२०	— ४।४०
रेपल्ली	१६। २	८०।५३	— ६।२८
रेणालेकोडा	१५।३५	७८। २	— १७।५२
वाल्टेर	१७।४४	८३।२३	+ ३।३२
वारंगल	१७।५८	७९।४०	— ११।२०
विजयवाडा	१६।३१	८०।३९	— ७।२४
विजयनगरम्	१८। ७	८३।२७	+ ३।४८
विनुकोण्डा	१६। ४	७९।४७	— १०।५२
विशाखापटनम्	१७।४२	८३।२०	+ ३।२०
वायलपाड	१३।४८	७८।४०	— १५।२०
वेमुलवाडा	१८।३०	७८।५६	— १४।१६
वेंकटपुरम्	१८।१७	८०।३६	— ७।३६
वेमपल्ली	१४।२२	७८।३०	— १६। ०
वेन्कटगिरी	१३।५७	६९।३७	— ५१।३२
सीताचलम	१४।१०	७८।३०	— १६। ०
सर्कर	१८। ०	८३।३०	+ ४। ०
कोलेरू	१६।४०	८१।१०	— ५।२०
सदाशिवपेट	१७।४०	७७।५८	— १८। ८
सामलकोट	१७। ३	८२।१३	— १। ८
सत्तेनपल्ली	१६।२४	८०।११	— ९।१६
सिकंदराबाद	१७।२७	७८।३३	— १५।४८
सिरपुर	१९।२८	७९। १	— १३।५६
सिंगरेनीकोलियरीज	१७।३०	८०।२०	— ८।४०
सिरपुरकागजनगर	१९।३२	७९।३५	— ११।४०
सिद्दीपेट	१८। ७	७८।५०	— १४।४०
सूर्यपेट	१७।१०	७८।१९	— १६।४४
सालूर	१८।३१	८३।१५	+ ३। ०
संगारेड्डी	१७।३५	७८। २	— १७।५२
सुणबारापुकोटा	१८। ६	८३।११	+ २।४४
श्रीहरिकोटा	१३।४५	८०।२०	— ८।४०
श्रीकाकुलम्	१८।१७	८३।५७	+ ५।४८
हनमकोण्डा	१८। ३	७९।३२	— ११।५२
हसनपाटी	१८।१०	७९।४६	— १०।५६
हिन्दुपुर	१३।४९	७७।३२	— १९।५२
हैदराबाद	१७।२०	७८।३०	— १६। ०
उत्तर प्र. -			
अहरौरा	२५।११	८३। २	+ २। ८
अकबरपुर	२६।२६	८२।३३	+ ०।१२
अलीगढ़	२७।३०	७९।४०	— ११।२०
अल्मोड़ा	२९।३७	७९।४०	— ११।२०
अमेठी	२६। ८	८१।५०	— २।४०
अमरोहा	२८।५४	७८।३१	— १५।५६
अयोध्या	२६।४८	८२।११	— १। ४
आगरा	२७।१०	७७।५४	— १८।२४
आजमगढ़	२६। ४	८३।१२	+ २।४८
इलाहाबाद	२५।२८	८१।५४	— २।२४
इगलास	२७।३५	७८।१०	— १७।२०
इटावा	२६।४७	७९। २	— १३।५२

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
उसका	२७।१४	८३।१२	+ २।४८
उतरौला	२७।१९	८२।२८	— ०। ८
औरैया	२६।२९	७९।३०	— १२। ०
कबराई	२५।४१	७९।५२	— १०।३२
कन्नौज	२७। ३	७९।५८	— १०। ८
कामासिन	२५।३१	८०।५६	— ६।१६
कामेट शिखर	३०।५६	७९।३६	— ११।३६
कानपुर	२६।२८	८०।१८	— ८।४८
कोइल	२७।५४	७८। ६	— १७।३६
कोसी	२६। ०	८४। ६	+ ६।२४
खुरजा	२८।१५	७७।५०	— १८।४०
खेरी	२७।५४	८०।४८	— ६।४८
गढ़वाल	३०।१२	७८।३६	— १५।३६
गाजियाबाद	२८।४०	७७।२८	— २०। ८
गाजीपुर	२५।३४	८३।३५	+ ४।२०
गोमती	२७।१५	८०।३८	— ७।२८
गोण्डा	२७। ८	८२। १	— १।५६
गोरखपुर	२६।४५	८३।२४	+ ३।३६
घाटमपुर	२६। ८	८०।१३	— ९। ८
घाघरा	२७।३०	८१।२०	— ४।४०
चरखारी	२५।२६	७९।४५	— ११। ०
चुनार	२५। ८	८२।५६	+ १।४४
चंदौसी	२८।२७	७८।४९	— १४।४४
जलालपुर	२६।१८	८२।४४	+ ०।५६
जालौन	२६। ८	७९।२३	— १२।२८
जिगनी	२५।४४	७९।२५	— १२।२०
जौनपुर	२५।४६	८२।४४	+ ०।५६
झांसी	२५।२६	७८।३७	— १५।३२
टिहरी	३०।२०	७८।४३	— १४।२८
डलमऊ	२६। ७	८१। ५	— ५।४०
देवबंद	२९।४२	७७।४३	— १९। ८
तराई क्षेत्र	२९। ०	८०। ०	— १०। ०
टनकपुर	२९।१०	८०।१८	— ८।४८
टांडा	२६।३३	८२।४२	+ ०।४८
देहरादून	३०।१९	७८। ४	— १७।४४
देवरिया	२६।३३	८३।४२	+ ४।४८
नगीना	२९।२७	७८।२९	— १६। ४
नवाबगंज	२६।५६	८२।१२	— १।१२
नानपारा	२७।५२	८१।३३	— ३।४८
नीमसार	२८।१४	८०।५५	— ६।२०
नैनीताल	२९।२३	७९।३०	— १२। ०
फर्रुखाबाद	२७।२४	७९।३७	— ११।३२
फतेहगढ़	२७।२३	७९।४०	— ११।२०
फतेहपुर	२५।५५	८०।५२	— ६।३२
पडरौना	२६।५४	८४। १	+ ६। ४
फिरोजाबाद	२७। ९	७८।२४	— १६।२४
पीलीभीत	२८।३८	७९।५१	— १०।३६
फूलपुर	२५।३२	८२। ७	— १।३२
फैजाबाद	२६।४७	८२।१२	— १।१२
प्रतापगढ़	२५।३४	८१।५९	— २। ४
प्रयाग	२५।२५	८१।४८	— २।४८

 : सूचना- अक्षांश-रेखांश एटलस से लिए हैं, दृष्टि दोष से कोई त्रुटि हो तो कृपया सूचित करें, सुधार कर दिया जावेगा। -ले. अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चाङ्ग गणितकर्ता- पं. प्यारेलाल शर्मा, मुम्बई :

+ = धन

॥ बृहद्-देशान्तर सारिणी ॥ (अक्षांश और रेखांश अंश-कलादि में)

नोट - रेल्वे-अन्तर को ही स्टैंडर्ड-अन्तर कहते हैं ।

- = ऋण

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीनीच पू. रेखांश	स्टैंडर्ड-अन्तर मि. से.
बद्रीनाथ	३०।४४	७९।३२	- ११।५२
बलरामपुर	२७।२५	८२।१५	- १। ०
बरेली	२८।२२	७९।२७	- १२।१२
बरहज	२६।१६	८३।४६	+ ५। ४
बस्ती	२६।४८	८२।४६	+ १। ४
बहराइच	२७।३४	८१।३८	- ३।२८
बलिया	२५।४४	८४।११	+ ६।४४
बांदा	२५।२०	८०।२२	- ८।३२
बाराबंकी	२६।५६	८१।१३	- ५। ८
बांसी	२७।१०	८२।५६	+ १।४४
बिजनौर	२९।२३	७९।११	- १३।१६
बेहटा	२६।३७	८०।१९	- ८।४४
बिंदकी	२६। २	८०।३३	- ७।४८
बुलन्दशहर	२८।२४	७७।५४	- १८।२४
बदायूं	२८। २	७९।१०	- १३।२०
बेलगंज	२५।५६	८२। २	- १।५२
भदोही-जौनपुर	२५।२४	८२।३८	+ ०।३२
मछलीशहर	२५।४९	८२।२७	- ०।१२
महोबा	२५।१८	७९।५५	- १०।२०
मसूरी	३०।२७	७८। ६	- १७।३६
मथुरा	२७।२८	७७।४१	- १९।१६
मऊ	२५।५७	८३।३६	+ ४।२४
मिर्जापुर	२५।१०	८२।३७	+ ०।२८
मुरादाबाद	२८।५१	७८।४९	- १४।४४
मुगल सराय	२५।१७	८३।११	+ २।४४
मुजफ्फरनगर	२९।२८	७७।४४	- १९। ४
मेरठ	२९। १	७७।४५	- १९। ०
मेहन्दावल	२६।४८	८३।१०	+ २।४०
मैनपुरी	२७।१४	७९। ३	- १३।४८
यमुना	२५।३०	८१।१०	- ५।२०
रूरा	२६।४८	८०।४३	- ७। ८
राय बरेली	२६।१४	८१।१६	- ४।५६
रामपुर	२८।४८	७९। ५	- १३।४०
रानीखेत	२९।४०	७९।३३	- ११।४८
रुहेलखण्ड	२८।३०	७९। ०	- १४। ०
रुड़की	२९।५२	७७।५३	- १८।२८
लखीमपुर	२७।४७	८०।४९	- ६।४४
लखनऊ	२६।५५	८०।५४	- ६।२४
ललितपुर	२४।२२	७८।२८	- १६। ८
वृन्दावन	२७।३३	७७।४४	- १९। ४
वाराणसी	२५।२०	८३। ०	+ २। ०
वाफना	२५।२५	८३। ०	+ २। ०
शाहाबाद	२७।३०	८०। ५	- ९।४०
शाहजहानपुर	२७।५४	७९।५७	- १०।१२
शिवालिक्स प.	३०। ०	७७। ०	- २२। ०
सहारनपुर	२९।५८	७७।३३	- १९।४८
सरीला	२५।४६	७९।४३	- ११। ८
सिधौली	२७।१८	८०।५०	- ६।४०
सिकन्दरा	२७।१३	७८।५८	- १४। ८
सीतापुर	२७।३२	८०।४३	- ७। ८
सुलतानपुर	२६।१६	८२। ७	- १।३२

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीनीच पू. रेखांश	स्टैंडर्ड-अन्तर मि. से.
सैदपुर	२५।३२	८३।१६	+ ३। ४
सोरों	२७।५२	७८।४८	- १४।४८
संभल	२८।३५	७८।३७	- १५।३२
हल्द्वानी	२९।११	७९।३५	- ११।४०
हमीरपुर	२५।५८	८०।१२	- ९।१२
हरदोई	२७।२३	८०।१०	- ९।२०
हापुड़	२८।४३	७७।५०	- १८।४०
हरिद्वार	२९।५८	७८।१३	- १७। ८
हाथरस	२७।३६	७८। ६	- १७।३६
उड़ीसा -			
अथगढ़	२०।३२	८५।४१	+ १२।४४
अथमल्लिक	२०।४५	८४।३०	+ ८। ०
अंगुल	२०।४८	८५। १	+ १०। ४
कलाहंडी	१९।४०	८३। ०	+ २। ०
कटक	२०।२८	८५।५४	+ १३।३६
कांतिजिया	२१।४३	८७। ४	+ १८।१६
कारोन्द	१९।४०	८३। ०	+ २। ०
केओंझर	२१।३०	८५।३०	+ १२। ०
केन्द्रपाड़ा	२०।३०	८६।२८	+ १५।५२
कैनटीला	२०।४५	८४।३७	+ ८।२८
कोलबड़ीरा	२१।४६	८४।१५	+ ७। ०
कोणार्क	१९।५३	८६। ८	+ १४।३२
कोरापुट	१८।४८	८२।४१	+ ०।४४
कोटपाड़	१९। ४	८२।२४	- ०।२४
खड़पाड़ा	२०।१६	८५।१३	+ १०।५२
खुर्दा	२०।११	८५।४०	+ १२।४०
खोण्डमाल	२०।४२	८४।२०	+ ७।२०
गोपालपुर	१९।१६	८४।५७	+ ९।४८
गंजाम	१९।२२	८५। ६	+ १०।२४
चिल्का झील	१९।५०	८५।३०	+ १२। ०
छत्रपुर	१९।२१	८५। ३	+ १०।१२
जूनागढ़	१९।५२	८२।५९	+ १।५६
जैपोर	१८।५२	८२।३८	+ ०।३२
टीटीलिया	२०।२८	८४।३४	+ ८।१६
टालचर	२०।५७	८५।१६	+ ११। ४
ढेंकानाल	२०।४०	८५।३८	+ १२।३२
दसपल्ला	२०।२१	८४।५६	+ ९।४४
दमपुर	२१।५८	८६। ७	+ १४।२८
देवगढ़	२१।३२	८४।४६	+ ९। ४
धामरा	२०।४८	८६।५६	+ १७।४४
नयागढ़	२०। ८	८५। ८	+ १०।३२
नरसिंहपुर	२०।२८	८५। ७	+ १०।२८
नीलगढ़	२१।३०	८५।३०	+ १२। ०
नीलगिरी	२१।२७	८६।४९	+ १७।१६
पालमा पोइंट	२०।२०	८६।४६	+ १७। ४
पाराद्वीप	२०।३०	८६।४०	+ १६।४०
पटना	२०।४३	८३।१२	+ २।४८
पश्चिमस्थ पोइन्ट	२०।४५	८७। २	+ १८। ८
पार्लाकिमिडी	१८।४७	८४। ८	+ ६।३२
पुरी	१९।४८	८५।५२	+ १३।२८

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीनीच पू. रेखांश	स्टैंडर्ड-अन्तर मि. से.
बरहमपुर	१९।१८	८४।५१	+ ९।२४
बांकी	२०।२१	८५।३३	+ १२।१२
बालेश्वर	२१।३०	८६।५४	+ १७।३६
बारम्बा	२०।२५	८५।२३	+ ११।३२
बारीपदा	२१।५६	८६।४६	+ १७। ४
बौध	२०।५०	८४।२२	+ ७।२८
बोलांगीर	२०।४०	८३।३०	+ ४। ०
बोनाइगढ़	२१।४९	८५। ०	+ १०। ०
बोरासंबर	२०।५८	८३। ०	+ २। ०
भद्रक	२१। ३	८६।३३	+ १६।१२
भवानी पटना	१९।५८	८३।१२	+ २।४८
भुवन	२१। ४	८५।५२	+ १३।२८
भुवनेश्वर	२०।१५	८५।५२	+ १३।२८
महानदी	२०।११	८६।४५	+ १७। ०
मल्कानगिरी	१८।२२	८१।५६	- २।१६
रामगिरी-उदयगिरी	१९। ४	८३।५५	+ ५।४०
रामपुर	२१। ५	८४।२२	+ ७।२८
रानीपुर	२०। ४	८५।२३	+ ११।३२
रायगढ़	१९। ९	८३।२७	+ ३।४८
राउरकेला	२२।१५	८५। ०	+ १०। ०
लहाड़ा	२१।२६	८५।१४	+ १०।५६
सुंदर गढ़	२२। ६	८४। ०	+ ६। ०
सुराडा	१९।४५	८४।२९	+ ७।५६
सोहेला	२१।१८	८३।२६	+ ३।४४
सोनपुर	२०।५१	८३।५९	+ ५।५६
संबलपुर	२१।२८	८४। १	+ ६। ४
हिंदोल	२०।३६	८५।१४	+ १०।५६
हीराकुण्ड	२१।३०	८४। ०	+ ६। ०
कर्नाटक -			
अलीबीर	१८।१०	७७।१३	- २१। ८
अनागुंडी	१५।२१	७६।३३	- २३।४८
अथनी	१६।४४	७५। ६	- २९।३६
आलन्द	१७।३६	७६।३५	- २३।४०
उडुपी	१३।२०	७४।४५	- ३१। ०
कल्लूर	१६।१२	७७। ८	- २१।२८
कल्याणी	१७।५३	७६।५९	- २२। ४
कारकल	१३।१२	७५। ०	- ३०। ०
कुमटा	१४।२६	७४।२७	- ३२।१२
कादूर	१३।३३	७६। ३	- २५।४८
कारवार	१४।४८	७४।११	- ३३।१६
कूडलीगी	१३।१०	७५।१५	- २९। ०
कोल्हापुर	१३।३८	७४।४२	- ३१।१२
कोलार	१३। ९	७८।११	- १७।१६
कोलारस्वर्णक्षे.	१२।५५	७८।१८	- १६।४८
कोलेगाल	१२। ९	७७। ९	- २१।२४
कोल्लूर	१३।५३	७४।५३	- ३०।२८
कोप्पल	१५।२०	७६।१३	- २५। ८
कोट्टूर	१४।४९	७६।१६	- २४।५६
कृष्णराजा	१२।२०	७६।३२	- २३।५२
खानापुर	१५।४२	७४।३५	- ३१।४०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीनीच पू. रेखांश	स्टैंडर्ड-अन्तर मि. से.
गेरसोप्पा	१४।१८	७४।५५	- ३०।२०
गुलबर्गा	१७।१९	७६।५४	- २२।२४
गोकाक	१६।११	७४।५२	- ३०।३२
गदग	१५।२५	७५।४२	- २७।१२
गंगावती	१५।३०	७६।३६	- २३।३६
चन्नापटना	१२।३८	७७।१३	- २१। ८
चामराजनगर	११।५६	७७। ०	- २२। ०
चिकमगलूर	१३।१८	७५।४९	- २६।४४
चिकनायकनहल्ली	१३।२५	७६।४०	- २३।२०
चित्रदुर्ग	१४।१४	७६।२६	- २४।१६
चिकबल्लापुर	१३।२६	७७।४६	- १८।५६
जमखंडी	१६।३०	७५।२०	- २८।४०
जोग फाल्स	१४।१८	७४।५५	- ३०।२०
टेलगुप्पा	१४।१०	७४।५२	- ३०।३२
डोडबालापुर	१३।१४	७७।२३	- २०।२८
तारीकेरे	१३।४२	७५।५१	- २६।३६
तुमकूर	१३।२०	७७। ८	- २१।२८
देवगिरी	१४।३१	७५।५८	- २६। ८
देवदुर्ग	१६।२५	७७। ०	- २२। ०
धारवाड़	१५।२७	७५। ०	- ३०। ०
नंजनगूड	१२। ४	७६।४४	- २३। ४
पुत्तूर	१२।४५	७५।१०	- २९।२०
बदामी	१५।५५	७५।४५	- २७। ०
बनवासी	१६।३३	७६। ५	- २५।४०
बैंगलोर	१२।५८	७७।३६	- १९।३६
बागलकोट	१६।१२	७५।४५	- २७। ०
बीदर	१७।५४	७७।३९	- १९।२४
बीजापुर	१६।५०	७५।४७	- २६।५२
बेलगांव	१५।५२	७४।३४	- ३१।४४
बेल्लारी	१५। ९	७६।५५	- २२।२०
बंटवल	१२।५३	७५। ५	- २९।४०
भद्रावती	१३।५२	७५।४०	- २७।२०
मल्की	१८। ४	७७।१०	- २१।२०
मडकेरी	१२।२६	७५।४७	- २६।५२
मनकल	१९।१८	७६।३०	- २४। ०
मन्दी	१५।४७	७६।५८	- २२। ८
मुद्देबिहाल	१६।२०	७६।१०	- २४।२०
मुडहोल	१६।२०	७५।२०	- २८।४०
मुल्लबागल	१३।११	७८।२४	- १६। ४
मैसूर	१२।१८	७६।४२	- २३।१२
मंगलौर	१२।५२	७४।५३	- ३०।२८
येलन्दूर	१२। ५	७७। ०	- २२। ०
रामनगरम्	१२।४४	७७।१२	- २१।१२
रामदुर्ग	१५।५८	७५।२२	- २८।३२
राणिबेन्नूर	१४।३३	७५।४१	- २७।१६
रायचूर	१६।१२	७७।२१	- २०।३६
रोबर्टसनपेट	१२।५८	७८।१६	- १६।५६
लोंढा	१५।३०	७४।५०	- ३०।४०
[illegible]	१२। ७	७६।३४	- २३।४४
वाड़ी	१७। ०	७६।५८	- २२। ८
विजयनगर	१५।२०	७६।३०	- २४। ०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीनीच पू. रेखांश	स्टैंडर्ड-अन्तर मि. से.
वेनीविलास	१३।५०	७६। २	- २५।५२
शहाबाद	१७।१०	७६।५६	- २२।१६
शाहपुर	१५।५०	७४।३४	- ३१।४४
शिमोगा	१३।५६	७५।३८	- २७।२८
शिकारपुर	१४।१६	७५।२४	- २८।२४
सागर	१६।३८	७६।५१	- २२।३६
सावानूर	१४।५८	७५।११	- २८।४४
सिन्धी	१४।५८	७६।१३	- २५। ८
सिंदनूर	१५।४५	७६।४३	- २३। ८
सीरा	१३।४५	७६।५७	- २२।१२
सिरसी	१४।३६	७४।५४	- ३०।२४
सिवानसमुद्रम	१२।१६	७७।१३	- २१। ८
सुरपुर	१६।३१	७६।४८	- २२।४८
संडूर	१५। २	७६।३६	- २३।३६
श्रीरंगपट्टनम्	१२।२६	७६।४३	- २३। ८
हंगल	१४।४६	७५।१२	- २९।१२
होन्नाली	१३।१५	७६।१२	- २५।१२
हर्दनहल्ली	१४।४४	७५।५८	- २६। ८
हरिहर	१४।३१	७५।५२	- २६।३२
हासन	१३। १	७६।१०	- २५।२०
हीरीयूर	१३।५७	७६।४०	- २३।२०
हुबली	१५।२०	७५।१२	- २९।१२
होल नासीपुर	१२।४७	७६।१७	- २४।५२
होसनाबाद	१४।४३	७७।१२	- २१।१२
होनावर	१४।१७	७४।२९	- ३२। ४
होनाली	१४।१५	७५।४१	- २७।१६
होसदुर्गा	१३।४८	७६।२०	- २४।४०
होसपेट	१५।१६	७६।२६	- २४।१६
ईलर	१२।१८	७६।११	- २५।१६
केरला -			
अलप्पी	९।३०	७६।२३	- २४।२८
आलूवाय	१०। ७	७६।२४	- २४।२४
एर्नाकुलम	१०। ०	७६।१५	- २५। ०
अंजेंगो	८।४०	७६।४८	- २२।४८
कन्नूर	११।५२	७५।२५	- २८।२०
कालीकट	११।१५	७५।४९	- २६।४४
कार्डेमम हिल्स	९।२४	७६।५२	- २२।३२
कासरगोड	१२।३०	७५। ०	- ३०। ०
कोचीन	९।५८	७६।१७	- २४।५२
कोल्लम	८।५४	७६।३८	- २३।२८
कोट्टयम	९।३६	७६।३४	- २३।४४
चित्तूर	१०।४२	७६।४७	- २२।५२
तेल्लीचेरी	११।४५	७५।३२	- २७।५२
नीलगिरीहिल्स	११।२८	७६।४७	- २२।५२
पालघाट	१०।४६	७६।४२	- २३।१२
पीरमेड	९।३०	७७। २	- २१।५२
पेरियार	१०। ०	७६।५२	- २२।३२
पोन्नानी	१०।४७	७५।५८	- २६। ८
बैपोर	११।१०	७५।५०	- २६।४०
मट्टांचेरी	९।५७	७६।१७	- २४।५२

: सूचना- अक्षांश-रेखांश एटलस के लिए है, दृष्टि दोष से कोई त्रुटि हो तो कृपया सूचित करें, सुधार कर दिया जायेगा । ले. अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चाङ्ग गणितकर्ता- पं. ग्यारसीलाल शर्मा, मुम्बई :

+ = धन || बृहद्-देशान्तर सारिणी || (अक्षांश और रेखांश अंश-कलादि में) नोट - रेल्वे-अन्तर को ही स्टैंडर्ड-अन्तर कहते है। − = ऋण

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. सै.
माहे	११।४२	७५।३४	− २७।४४
कोचिन	९।५८	७६।१७	− २४।५२
वैकम	९।४५	७६।२७	− २४।१२
त्रिशूर	१०।३०	७६।१५	− २५। ०
त्रिवेन्द्रम	८।२९	७६।५९	− २२। ४
गुजरात -			
अहमदाबाद	२३।२०	७२।३०	− ४०। ०
अमरेली	२१।३६	७१।१५	− ४५। ०
आणंद	२२।३२	७३। ०	− ३८। ०
ईडर	२३।५०	७३। २	− ३७।५२
अंकलेश्वर	२१।३८	७३। २	− ३७।५२
कच्छ बड़ारण	२४। ०	७०। ०	− ५०। ०
कच्छ छोटारण	२३।२६	७१।२०	− ४४।४०
कच्छ की खाडी	२२।३५	६९।४०	− ५१।२०
कादी	२३।१८	७२।२३	− ४०।२८
कालोल	२३।१५	७२।३३	− ३९।४८
काठिया पेनिसुला	२२। ०	७१। ०	− ४६। ०
कंडला	२३। ०	७०।१०	− ४९।२०
खडीर	२३।५०	७०।४२	− ४७।१२
खम्भात	२२। ०	७२।३०	− ४०। ०
खम्भात	२२। ०	७२।३०	− ४०। ०
खारागोढ़ा	२३।१२	७१।४५	− ४३। ०
खेडा	२२।४५	७२।४५	− ३९। ०
खेडब्रह्मा	२४। ३	७३। ४	− ३७।४४
खेरालू	२३।५४	७२।४०	− ३९।२०
गांधीधाम	२३। ७	७०।१०	− ४९।२०
गांधीनगर	२३।१५	७२।४५	− ३९। ०
गोंडल	२१।५५	७०।५२	− ४६।३२
गीर फोरेस्ट	२१। ०	७१। ०	− ४६। ०
गोधरा	२२।४५	७३।४०	− ३५।२०
चोटीला	२२।१०	७१।१०	− ४५।२०
छोटा उदयपुर	२२।१८	७४। ८	− ३३।२८
जाफराबाद	२०।५२	७१।२५	− ४४।२०
जखौ	२३।१४	६८।४५	− ५५। ०
जामनगर	२२।२७	७०। ७	− ४९।३२
जसदन	२२। ४	७२।३१	− ३९।५६
जूनागढ़	२१।३१	७०।३६	− ४७।३६
डभोई	२२।११	७३।२५	− ३६।२०
डाला	२१।१२	७२। ०	− ४२। ०
डेडेन	२१। ०	७१।२२	− ४४।३२
धोलेरा	२२।१५	७२।१५	− ४१। ०
धोलका	२२।४४	७२।२९	− ४०। ४
धंधुका	२२।२१	७२। २	− ४१।५२
तापी	२१।२०	७४।३०	− ३२। ०
तारंगा हील	२४। ३	७२।४४	− ३९। ४
थराद	२४।२३	७१।३७	− ४३।३२
दाहोद	२२।४२	७२।३८	− ३९।२८
दीसा	२४।१४	७२।१३	− ४१। ८
दोहद	२२।५३	७४।१५	− ३३। ०
द्वारका	२२।१४	६९। १	− ५३।५६
धरमपुर	२०।३२	७३।१३	− ३७। ८
धोराजी	२१।४५	७०।३७	− ४७।३२
ध्रांगध्रा	२२।५९	७१।३१	− ४३।५६
नवसारी	२१। ७	७३।४०	− ३५।२०
नडियाद	२२।४१	७२।५५	− ३८।२०
नांदोद	२१।५४	७३।३४	− ३५।४४
पच्छम	२३।५६	६९।५०	− ५०।४०
पडा	२२।१५	७३। ७	− ३७।३२
परांतीज	२३।२६	७२।५५	− ३८।२०
पालनपुर	२४।१२	७२।२८	− ४०। ८
पालिताना	२१।३१	७१।५३	− ४२।२८
पाटन सोमनाथ	२१। ४	७०।२६	− ४८।१६
पाटन	२३।५२	७२।१०	− ४१।२०
पीटलैड	२२।२९	७२।५०	− ३८।४०
पोरबंदर	२१।३७	६९।४९	− ५०।४४
पोर्ट ओखा	२२।१५	६९।१०	− ५३।२०
बड़ोदा	२५।२५	७६। ७	− २५।३२
बदोदरा	२२। ०	७३।१२	− ३७।१२
बांसदा	२०।४५	७३।२८	− ३६। ८
बेडी	२२।३२	७०। २	− ४९।५२
बेला	२३।४८	७०।५०	− ४६।४०
बोरसद	२२।२५	७२।५४	− ३८।२४
भड़ौच	२१।४१	७३। १	− ३७।५६
भावनगर	२१।४६	७२।११	− ४१।१६
भुज	२३।१५	६९।४९	− ५०।४४
महुवा	२१।१०	७१।४५	− ४३। ०
मागोरी	२३।१८	७३।२४	− ३६।२४
माही	२२।२०	७३। ५	− ३७।४०
मालीया	२३। ६	७०।५२	− ४६।३२
मुन्द्रा	२२।४९	६९।५२	− ५०।३२
मेहसाना	२३।४२	७२।३७	− ३९।३२
मेहमदाबाद	२२।५०	७२।४८	− ३८।४८
मोडासा	२३।२८	७३।२१	− ३६।३६
मोरबी	२२।४९	७०।५४	− ४६।२४
मंडवी	२२।५१	६८।३२	− ५५।५२
मंगरोल	२१। ८	७०।१४	− ४९। ४
राजकोट	२२।१८	७०।५६	− ४६।१६
रापर	२३।३२	७०।४०	− ४७।२०
रैढानपुर	२३।५०	७१।३८	− ४३।२८
लखपत	२३।४९	६८।४८	− ५४।४८
लखतर	२२।५२	७१।५१	− ४२।३६
लिम्बडी	२२।३४	७१।५३	− ४२।२८
लुनावाडा	२३। ८	७३।३७	− ३५।३२
वलसाड	२०।३६	७२।५१	− ३८। ४
वांकानेर	२२।३३	७१। ०	− ४६। ०
वधवान	२२।४३	७१।४३	− ४३। ८
विरमगाम	२३। ८	७२। ७	− ४१।३२
विसावदर	२१।२२	७०।४२	− ४६।३२
वेरावल	२०।५३	७०।२६	− ४८।१६
सदरा	२३।२०	७३।४७	− ३४।५२
सतपुडा पर्वत	२१।४०	७५। ०	− ३०। ०
सचिन	२१। ५	७२।५१	− ३८। ४
साराया	२१।३५	७०। ५	− ४९।४०
सिद्धपुर	२३।५५	७२।३७	− ३९।३२
सुरेन्द्रनगर	२२।४३	७१।४३	− ४३। ८
सूरत	२१।१२	७२।५२	− ३८।३२
सोमनाथ	२१। ४	७०।२६	− ४८।१६
हिम्मतनगर	२३।४२	७३। २	− ३७।५२
पणजी-गोआ	१५।३०	७३।५५	− ३४।२०
जम्मू और कश्मीर -			
अनंतनाग	३३।४३	७५।१७	− २८।५२
ऊधमपुर	३२।५५	७५। ९	− २९।२४
कपालू	३५।१०	७६।२०	− २४।४०
कठुआ	३२।१७	७५।३६	− २७।३६
काराकोरम प.मा.	३६।१०	७५। ०	− ३०। ०
कारगिल	३४।३०	७६।१३	− २५। ८
किश्तवार	३३।१९	७५।४८	− २६।४८
कोटली	३३।३०	७३।५७	− ३४।१२
स्यारंखो	३४।५३	७६।१०	− २५।२०
गुलमर्ग	३४।१५	७४।२५	− ३२।२०
गुराइस	३४।३८	७४।४६	− ३०।१६
गोडविनआस्टन	३५।३०	७६।३२	− २३।५२
जम्मू	३२।४४	७४।५४	− ३०।२४
जेस्कर	३३।३०	७७। ०	− २२। ०
द्रास	३४।२२	७५।५०	− २६।४०
नौशेरा	३३।१३	७४।१७	− ३२।५२
नंगा पर्वत	३५।२०	७४।४०	− ३१।२०
पदम	३३।२८	७६।५४	− २२।२४
पीर पंजी पास	३३।३६	७४।२२	− ३२।३२
पूंछ	३३।५१	७४। ८	− ३३।२८
बाल्टिस्तान	३५।३०	७६। ०	− २६। ०
बारामूला	३४।१०	७४।३०	− ३२। ०
भदरवाह	३३। ४	७५।४०	− २७।२०
मीरपुर	३३।१२	७३।५१	− ३४।३६
मुजफ्फराबाद	३४।२४	७३।२२	− ३६।३२
रामनगर	३२।५२	७५।२२	− २८।३२
लद्दाख प.मा.	३२। ०	८०। ०	− १०। ०
लेह	३४।१०	७७।४०	− १९।२०
वुलार	३४।२०	७४।३७	− ३१।३२
सोपुर	३४।१९	७४।३०	− ३२। ०
श्रीनगर	३४। ६	७४।५१	− ३०।३६
तमिलनाडू -			
अनामलाइहिल्स	१०।२४	७६।४०	− २३।२०
अरकोनम	१३। ५	७९।४३	− ११। ८
अरनतांगी	१०।१०	७९। २	− १३।५२
अरनी	१२।४०	७९।१९	− १२।४४
अरुपकोटा	९।३१	७८। ८	− १७।२८
अदिरामपट्टिनम्	१०।२१	७९।२५	− १२।२०
आरकोट	१२।५६	७९।२४	− १२।२४
इरोड	११।२०	७७।४६	− १८।५६
इनौर	१३।१४	८०।२२	− ८।३२
उदागमंडलम्	११।२४	७६।४४	− २३। ४
उडमलपेट	१०।३६	७७।१७	− २०।५२
उदयारपालैयम	११।११	७९।२०	− १२।४०
उत्तंगराय	१२।१६	७८।३५	− १५।४०
अंबासमुद्रम्	८।४३	७७।२९	− २०। ४
अंबूर	२१।५०	७८।४५	− १५। ०
करूर	१०।५८	७८। ७	− १७।३२
कार्नाटीक	१२। ०	८०। ०	− १०। ०
कांचीपुरम्	१२।५०	७९।४५	− ११। ०
कारिकल	१०।५५	७९।५२	− १०।३२
कायलपट्टिनम्	८।३४	७८।१०	− १७।२०
कीलाकराई	९।१४	७८।५०	− १४।४०
कुडलोर	११।४३	७९।४९	− १०।४४
कैलीमेरपोइन्ट	१०।१८	७९।५२	− १०।३२
कैथियर	११।२०	७७।५०	− १८।४०
कोयम्बतूर	११। ०	७७। ०	− २२। ०
कोरोमंडल	१२। ०	८०।३०	− ८। ०
कोडाईकनाल	१०।१३	७७।३२	− १९।५२
कुंभकोनम	१०।५९	७९।२४	− १२।२४
कृष्णागिरी	१२।३२	७८।१६	− १६।५६
गुडीवत्तम	१२।५७	७८।५५	− १४।२०
चिन्नई	१३। ४	८०।१२	− ९।१२
चिदंबरम	११।२४	७९।४४	− ११। ४
चिंगलपुट	१२।४२	८०। १	− ९।५६
जालारपेट	१२।३४	७८।३७	− १५।३२
जावादी हिल्स	१२।४०	७८।४०	− १५।२०
टीडीवानन	१२।१४	७९।४२	− ११।१२
टोन्डी	९।४५	७९। ४	− १३।४४
ट्रांकबार	११। १	७९।५४	− १०।२४
डींडीगल	१०।२२	७८। ०	− १८। ०
डोडाबेटा	११।२५	७६।४६	− २२।५६
तिरुचिरापल्ली	१०।५०	७८।४६	− १४।५६
तिरुकोयलूर	११।५८	७९।१५	− १३। ०
तिरुमंगलम	९।४९	७९। १	− १३।५६
तिरुनेलवेली	८।४४	७७।४४	− १९। ४
तिरुपुर	११। ५	७७।२०	− २०।४०
तिरुवेल्लूर	१३। ९	७९।५७	− १०।१२
तिरुवन्नामलाइ	१२।१५	७९। ७	− १३।३२
तीरुचेंदूर	८।३०	७८।११	− १७।१६
तीरुचंगोडू	११।२३	७७।५६	− १८।१६
तुराईयूर	११। ९	७८।३८	− १५।२८
तूतीकोरन	८।४८	७८।११	− १७।१६
तेन्कासी	८।५८	७७।२१	− २०।३६
तंजावुर	१०।४७	७९।१०	− १३।२०
देवकोट्टै	९।५७	७८।५३	− १४।२८
धरमपुरी	१२। ८	७८।१३	− १७। ८
धनुषकोटि	९।१०	७९।२८	− १२। ८
धारापुरम	१०।४५	७७।३४	− १९।४४
नागपतनम्	१०।४६	७९।५३	− १०।२८
नागरकोइल	८।११	७७।२९	− २०। ४
नामक्कल	११।१३	७८।१३	− १७। ८
नांगुनेरी	८।२९	७७।४४	− १९। ४
नीलगिरि	११।२४	७६।४७	− २२।५२
नेवेली	१०।३१	७९।२४	− १२।२४
फोर्ट डेविड	११।४५	७९।५०	− १०।४०
फोर्ट गोर्ज	१३। ४	८०।१७	− ८।५२
पचैमलाई-हिल्स	११।१५	७८।३०	− १६। ०
पद्मनाभपुरम्	९। ६	७६।५०	− २२।४०
पलनी हिल्स	१०। ०	७७। ०	− २२। ०
पलनी	१०।२७	७७।३३	− १९।४८
पट्टुकोट्टाइ	१०।२६	७९।१२	− १३।१२
पालयमकोट्टई	८।४३	७७।४६	− १८।५६
पालडम	१०।५९	७७।२०	− २०।४०
पालावरम्	१२।५८	८०।१३	− ९। ८
पालीवासल	९।५५	७७। ०	− २२। ०
पानरुती	११।४७	७९।३५	− ११।४०
पार्माकुडी	९।३१	७८।३९	− १५।२४
पुदुकोट्टाई	१०।२३	७८।५२	− १४।३२
पुलीकेट	१३।२५	८०।२१	− ८।३६
पेराबलपुर	११।१४	७८।५६	− १४।१६
पेरियकुलम	१०। ७	७७।३५	− १९।४०
पोलाची	१०।३९	७७। ३	− २१।४८
पोलूर	१२।३१	७९।१०	− १३।२०
पोन्नेरी	१३।२०	८०।१५	− ९। ०
पोर्टो नोवो	११।३०	७९।४८	− १०।४८
बोडीनायकानूर	१०। १	७७।२४	− २०।२४
मदुरै	९।५८	७८।१०	− १७।२०
मदुरंतकम	१२।३०	७९।५६	− १०।१६
महाबलीपुरम	१२।३७	८०।१४	− ९। ४
मन्नारगुडी	१०।४०	७९।२९	− १२। ४
मायूरम	११। ६	७९।४२	− ११।१२
मेट्टुपलायम	११।१८	७६।५९	− २२। ४
मेट्टुर डैम	११।५२	७७।५०	− १८।४०
यरकौड	११।४८	७८।१३	− १७। ८
राजापालैयाम	९।२७	७७।३६	− १९।३६
रामनाथपुरम्	९।२२	७८।५२	− १४।३२
रामेश्वरम्	९।१७	७९।२२	− १२।३२
वृद्धाचलम	११।३२	७९।२४	− १२।२४
वांदीवाश	१२।३०	७९।३०	− १२। ०
विल्लुपुर	११।५७	७९।३२	− ११।५२
विरुधुनगर	९।३५	७७।५७	− १८।१२
वेनियाम्बाडी	१२।४१	७८।३९	− १५।२४
वेल्लोर	१२।५५	७९।११	− १३।१६
शेनकोटा	८।५९	७७।१८	− २०।४८
शेवारोय	१२। ०	७८।३०	− १६। ०
सत्यमंगलम्	११।३०	७७।१७	− २०।५२
सातूर	९।२१	७७।५८	− १८। ८
शिवगंगा	९।५१	७९।३२	− ११।५२
सेलम	११।३९	७८।१२	− १७।१२
सैदापेट	१३। २	८०।१६	− ८।५६
संकरनकोइल	९।१०	७७।३५	− १९।४०

 : सूचना- अक्षांश रेखांश एटलस से लिए है, दृष्टि दोष से कोई त्रुटि हो तो कृपया सूचित करें, सुधार कर दिया जायेगा। -ले. अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चाङ्ग गणितकर्ता- पं. प्यारसीलाल शर्मा, मुम्बई :

+ = धन || बृहद्-देशान्तर सारिणी || (अक्षांश और रेखांश अंश-कलादि में) **नोट - रेल्वे-अन्तर को ही स्टैंडर्ड-अन्तर कहते हैं।** **− = ऋण**

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
श्रीरंगम	१०|५२	७८|४४	− १५| ४
श्रीविल्लीपुत्तूर	९|३१	७७|४०	− १९|२०
होसूर	१२|४४	७७|५२	− १८|३२
त्रिपुरा -			
अगरतला	२३|५०	९१|२५	+ ३५|४०
उदयपुर	२३|३१	९१|३१	+ ३६| ४
नागालैण्ड -			
कोहिमा	२५|४०	९४| ८	+ ४६|३२
जापो	२५|३२	९४|१०	+ ४६|४०
मोकोकचुंग	२६|२०	९४|४३	+ ४८|५२
दीमापुर	२५|५१	९३|४८	+ ४५|१२
नागा हिल्स	२६| ०	९४|२०	+ ४७|२०
पटकाई हिल्स	२७| ०	९५|३०	+ ५२| ०
पंजाब -			
अबोहर	३०| ८	७४|१२	− ३३|१२
अमृतसर	३१|३७	७४|५५	− ३०|२०
आनंदपुर	३१|१५	७६|३४	− २३|४४
ऊना	३१|३२	७६|१८	− २४|४८
कपूरथला	३१|२३	७५|२५	− २८|२०
करतारपुर	३१|२७	७५|३२	− २७|५२
कोटकपूरा	३०|३४	७४|५२	− ३०|३२
कंडाघाट	३०|५७	७७| ६	− २१|३६
खन्ना	३०|४२	७६|१४	− २५| ४
गढ़शंकर	३१|१३	७६|११	− २५|१६
गुरदासपुर	३२| ३	७५|२७	− २८|१२
जालंधर	३१|१९	७५|३५	− २७|४०
जंडीआला	३१|५१	७५|३७	− २७|३२
टुहाना	२८|४१	७६|४०	− २३|२०
डेराबाबा नानक	३२| २	७५| ४	− २९|४४
डेराबाबा	३१|५७	७५|२९	− २८| ४
तरन तारन	३१|२८	७४|५८	− ३०| ८
टान्डा उमार	३१|४०	७६|४१	− २३|१६
दसूया	३१|४९	७५|४२	− २७|१२
दीनानगर	३२| ८	७५|३१	− २७|५६
धरमकोट	३०|५६	७५|१४	− २९| ४
नाभा	३०|२५	७६| ९	− २५|२४
नांगल	३१|२३	७६|२३	− २४|२८
फगवाड़ा	३१|१३	७५|४७	− २६|५२
फरीदकोट	३०|४०	७४|४७	− ३०|१२
पठानकोट	३२|१७	७५|४२	− २७|१२
पटियाला	३०|२०	७६|२५	− २४|२०
फिरोजपुर	३०|५५	७४|४०	− ३१|२०
फाजिल्का	३०|२५	७४| ४	− ३३|४४
बरनाला	३०|२६	७५|३३	− २७|४८
बटाला	३१|४९	७५|१४	− २९| ४
भटिंडा	३०|११	७५| ०	− ३०| ०
मनसीवाला	३०|५५	७६|१५	− २५| ०
मजीठा	३१|४६	७५| १	− २९|५६
मलेरकोटला	३०|३१	७५|५१	− २६| ४

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
मुक्तसर	३०|३०	७४|४३	− ३१| ८
मोगा	३०|४८	७५|१०	− २९|२०
मोहीन्दर	२८|१७	७६|१४	− २५| ४
राजपुरा	३०|२९	७६|३५	− २३|४०
रोपड़	३०|५७	७६|३२	− २३|५२
लुधियाना	३०|५५	७५|५४	− २६|२४
सरहिन्द	३०|३८	७६|२९	− २४| ४
सानावार	३०|१८	७६|३०	− २४| ०
सुजानपुर	३१|५०	७६|३३	− २३|४८
सुलतानपुर	३१|५८	७७| ७	− २१|३२
सोबरेन	३१| ७	७४|५४	− ३०|२४
संगरूर	३०|१२	७५|५३	− २६|२८
होशियारपुर	३१|३२	७५|५७	− २६|१२
प.बंगाल -			
अलीपुर	२२|३२	८८|२४	+ २३|३६
अलीपुरद्वार	२६|३०	८९|३५	+ २८|२०
आरामबाग	२२|५३	८७|५०	+ २१|२०
आसनसोल	२३|४२	८७| १	+ १८| ४
इंगराजबाजार	२५| ०	८८|११	+ २२|४४
कटोवा	२३|३९	८८|११	+ २२|४४
कूचबिहार	२६|२०	८९|२९	+ २७|५६
कोलकाता	२२|३४	८८|२८	+ २३|५२
कोन्टाइ	२१|५०	८७|४८	+ २१|१२
कोटालपुर	२३| १	८७|३८	+ २०|३२
कृष्णनगर	२३|२४	८८|३३	+ २४|१२
खड़गपुर	२२|३०	८७|२०	+ १९|२०
चिनसुरा	२२|५३	८८|२७	+ २३|४८
चित्तरंजन	२३|५०	८७| ०	+ १८| ०
चंदारिया	२२|५६	८८|५५	+ २५|४०
चंदननगर	२२|५२	८८|२५	+ २३|४०
चंद्रकोन	२२|४४	८७|३३	+ २०|१२
जलपाईगुड़ी	२६|३२	८८|४६	+ २५| ४
जांगीपुर	२४|२८	८८| ५	+ २२|२०
झाड़ग्राम	२२|३०	८७|२०	+ १९|२०
डायमंड हार्बर	२२|११	८८|१४	+ २२|५६
तमलूक	२२|१८	८७|५८	+ २१|५२
तीलपारा	२३|५८	८७|३२	+ २०| ८
दामोदर	२३|१७	८७|३५	+ २०|२०
दार्जीलिंग	२७| ३	८८|१८	+ २३|१२
दुर्गापुर	२३|३०	८७|२०	+ १९|२०
नवद्वीप	२३|२४	८८|२३	+ २३|३२
नीहटी	२२|५४	८८|२८	+ २३|५२
पुरुलिया	२३|२०	८६|२५	+ १५|४०
पलासी	२३|४७	८८|१७	+ २३| ८
बहरामपुर	२४| ६	८८|१९	+ २३|१६
बक्सादुर	२६|४५	८९|३५	+ २८|२०
बर्धमान	२३|१६	८७|५४	+ २१|३६
बलदंगा	२३|५८	८८|२०	+ २३|२०
बाली	२२|३९	८८|२१	+ २३|२४
बालुरघाट	२५|१४	८८|४७	+ २५| ८

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
बांकुड़ा	२३|१४	८७| ७	+ १८|२८
बारकपुर	२२|४६	८८|२४	+ २३|३६
बारानगर	२२|३८	८८|२२	+ २३|२८
बैनापोल	२३| ४	८८|३२	+ २४| ८
भद्रेश्वर	२२|४९	८८|२०	+ २३|२०
भाटपारा	२२|५४	८८|२५	+ २३|४०
मालदह	२५| ३	८८| ९	+ २२|३६
मुर्शिदाबाद	२४|११	८८|१९	+ २३|१६
मेदिनीपुर	२२|२५	८७|२१	+ १९|२४
रघुनाथपुर	२३|३२	८६|४३	+ १६|५२
रानाघाट	२३|११	८८|३७	+ २४|२८
रानीगंज	२५|५२	८७|५२	+ २१|२८
लम्बाह	२४|१३	८८|१९	+ २३|१६
विष्णुपुर	२३| ५	८७|२३	+ १९|३२
शान्तिपुर	२३|१४	८८|२९	+ २३|५६
सागर	२१|४०	८८|१०	+ २२|४०
सिलीगुड़ी	२६|४२	८८|२५	+ २३|४०
सीरामपुर	२२|४५	८८|२३	+ २३|३२
हुगली	२२|५५	८८|२६	+ २३|४४
हैओरा	२२|३५	८८|२३	+ २३|३२
बिहार -			
आरा	२५|३४	८४|३२	+ ८| ८
इचाक	२४| ५	८५|२५	+ ११|४०
औरंगाबाद	२४|४५	८४|२५	+ ७|४०
कांताइ	२६|३१	८५|२१	+ ११|२४
कटिहार	२५|३०	८७|४०	+ २०|४०
किशनगंज	२६|१०	८७| २	+ १८| ८
कोलगांव	२५|१६	८७|१७	+ १९| ८
खारसावान	२२|४८	८५|५२	+ १३|२८
गया	२४|४९	८५| १	+ १०| ४
गरवा	२४|१०	८३|५२	+ ५|२८
गीरीध	२४|१०	८६|२१	+ १५|२४
गोबिन्दपुर	२३|५१	८६|३४	+ १६|१६
गोगरी	२५|२८	८६|३८	+ १६|३२
गोपालगंज	२६|२८	८४|२६	+ ७|४४
गंडक	२६|३०	८४|३०	+ ८| ०
चाइबासा	२२|३३	८५|५१	+ १३|२४
छपरा	२५|४७	८४|४७	+ ९| ८
छत्रा	२४|१२	८४|५६	+ ९|४४
छोटा नागपुर	२३| ०	८५| ०	+ १०| ०
जमालपुर	२५|१९	८६|३२	+ १६| ८
जमशेदपुर	२२|५०	८६|१२	+ १४|४८
जयनगर	२६|३५	८६| ५	+ १४|२०
झरिया	२३|५०	८६|३३	+ १६|१२
टिलिया	२४|२०	८५|३१	+ १२| ४
डाल्टनगंज	२४| २	८४| ४	+ ६|१६
डुमरांव	२५|३३	८४|१२	+ ६|४८
डोरन्डा	२३|२२	८५|२२	+ ११|२८
तेकारी	२४|५७	८४|५३	+ ९|३२
दरभंगा	२६|१०	८५|५७	+ १३|४८

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
दीनापुर	२५|३८	८५| ५	+ १०|२०
धनबाद	२३|४७	८६|३०	+ १६| ०
धनगैन	२५|१४	८४|१७	+ ७| ८
नवादा	२४|५३	८५|३५	+ १२|२०
नया दुमका	२४|३०	८७|२०	+ १९|२०
पटना	२५|३७	८५|१३	+ १०|५२
पाकुर	२४|३८	८७|५४	+ २१|३६
पालामऊ	२३|५२	८४|१७	+ ७| ८
पालकोट	२२|५२	८४|४१	+ ८|४४
पार्श्वनाथ शि.	२४| ०	८६|११	+ १४|४४
पूर्णिया	२५|४९	८७|३१	+ २०| ४
पोराहत	२२|३६	८५|२८	+ ११|५२
बर्वा	२३|१०	८४|१६	+ ७| ४
बक्सर	२५|३४	८४| १	+ ६| ४
बाँकीपुर	२५|४०	८५|१२	+ १०|४८
बाराकार	२४|१०	८६|२०	+ १५|२०
बासिया	२२|५२	८४|५३	+ ९|३२
बुद्ध गया	२४|४१	८५| २	+ १०| ८
बैतिया	२६|४८	८४|३३	+ ८|१२
बोकारो	२३|४८	८५|५४	+ १३|३६
भागलपुर	२५|१५	८७|२०	+ १९|२०
मधेपुरा	२५|५७	८६|५१	+ १७|२४
मधुबनी	२६|२१	८६| ७	+ १४|२८
मधुपुर	२४|१८	८६|३७	+ १६|२८
मुंगेर	२५|२३	८६|३०	+ १६| ०
मुजफ्फरपुर	२६| ७	८५|२७	+ ११|४८
मैसेन्जर	२४| ५	८७|२१	+ १९|२४
मोकामा	२५|२४	८५|५५	+ १३|४०
मोतीहारी	२६|४०	८४|५७	+ १३|४८
मंकहरी	२३|४०	८४|३३	+ ८|१२
राजमहल	२५| ३	८७|५३	+ २१|३२
रामगढ	२३|३८	८५|३४	+ १२|१६
रांची	२३|२३	८५|२३	+ ११|३२
लोहारदगा	२३|२६	८४|४२	+ ८|४८
शेखपुरा	२५| ९	८५|५३	+ १३|३२
सहरसा	२५|५५	८६|३५	+ १६|२०
समस्तीपुर	२५|५५	८५|५०	+ १३|२०
सागाउली	२६|४७	८४|४८	+ ९|१२
साहिबगंज	२५|१३	८७|४०	+ २०|४०
साराइकेला	२२|४२	८५|५८	+ १३|५२
सारंडा	२२|१६	८५|११	+ ११| ०
सासाराम	२४|५७	८४| ३	+ ६|१२
सिंहभूम	२२|२४	८५|३०	+ १२| ०
सिवान	२६|१२	८४|२३	+ ६|५२
सीमारा	२४| ५	८४|५८	+ ९|५२
सीतामढ़ी	२६|३५	८५|३२	+ १२| ८
सुवर्णरेखा	२२|१०	८७| ०	+ १८| ०
सोनपुर	२५|४२	८५|१३	+ १०|५२
संथालपरगना	२४|३०	८७| ०	+ १८| ०
हजारी बाग	२३|५९	८५|२५	+ ११|४०
हाजीपुर	२५|४१	८५|१४	+ १०|५६

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
मध्य प्र. -			
अलीगील	२२|३८	७९|३२	− ११|५२
अगर	२३|४४	७६| ४	− २५|४४
अजयगढ	२४|५३	८०|१३	− ९| ८
अली राजपुर	२२|११	७४|२४	− ३२|२४
अलीपुरा	२५|१०	७९|२२	− १२|३२
अमझेरा	२२|३२	७५|१०	− २९|२०
आष्टा	२३| १	७६|३८	− २३|२८
इंदौर	२२|४४	७५|५२	− २६|३२
इन्द्रावती	१९| ३	८१| ०	− ६| ०
इटारसी	२२|३०	७७|४५	− १८|२०
उज्जैन	२३| ९	७५|४३	− २७| ८
उमारिआ	२३|३०	८०|५३	− ६|२८
उनचारा	२४|३३	८०|३७	− ७|३२
एकतारेगढ	२१|५४	८३|२६	+ ३|४४
ओरछा	२५|२१	७८|३८	− १५|२८
अंबिकापुर	२३|१०	८३|१५	+ ३| ०
कवार्धा	२२| ०	८१|१७	− ४|५२
कालागी	२१|४७	७९|५१	− १०|३६
कालि	२३|४७	८०|२४	− ८|१२
कुक्षी	२२|१३	७४|४८	− ३०|४८
कुन्टू	१९| ३	८०|५३	− ६|२८
कपूर	२४|३०	८१|१६	− ४|५६
कोलांस	२४| ७	७८| ५	− १७|४०
कोठी	२४|४५	८०|४०	− ७|२०
कांकेर	२०|१५	८१|३२	− ३|५२
खैरागढ	२१|२६	८१| २	− ५|५२
खाचरौद	२३|२५	७५|२०	− २८|४०
खानीधाना	२५| १	७८| ७	− १७|३२
खारगौन	२१|५०	७५|३७	− २७|३२
खिलचीपुर	२४| २	७६|३७	− २३|३२
खुराइ	२४| ३	८७|२३	+ ११|३२
खंडवा	२१|५०	७६|२३	− २४|२८
गदरवारा	२२|५६	७८|५०	− १४|४०
गया	२४|४९	८५| १	+ १०| ४
गाँधीसागरबाँध	२४|३९	७५|४१	− २७|१६
गुना	२४|४०	७७|२०	− २०|४०
गैराली	२५| ५	७९|२४	− १२|२४
गैरीहर	२५|१६	८०|१२	− ९|१२
घटा	२४|२५	७८| ३	− १७|४८
ग्वालियर	२६|१४	७८|१०	− १७|२०
घलगाली	२३|१८	८३|४२	+ ४|४८
चिटनार	१८|२०	८१|१८	− ४|४८
चंबली	२५|४०	७६|२०	− २४|४०
चांपा	२२| २	८२|४३	+ ०|५२
चंदेरी	२४|४२	७८|११	− १७|१६
छतरपुर	२४|५४	७९|३८	− ११|२८
छिंदवाड़ा	२२| ३	७८|५९	− १४| ४
पुसण्डन	२७|१३	८१| २	− ५|५२
जबलपुर	२३|१०	७९|५८	− १०| ८

: सूचना- अक्षांश-रेखांश एटलस से लिए हैं, दृष्टि दोष से कोई त्रुटि हो तो कृपया सूचित करें, सुधार कर दिया जायेगा। -लै. अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चाङ्ग गणितकर्ता- पं. ग्यारसीलाल शर्मा, मुम्बई :

+ = धन || बृहद्-देशान्तर सारिणी || (अक्षांश और रेखांश अंश-कलादि में) नोट - रेल्वे-अन्तर को ही स्टैंडर्ड-अन्तर कहते हैं। − = ऋण

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीनवीच पू. रेखांश	स्टैंडर्ड-अन्तर मि. से.
[illegible]	२४।५	८२।४	− १।४४
[illegible]	२३।१३	८१।५०	− २।४०
[illegible]	२२।५३	८४।१२	+ ६।४८
[illegible]	२४।३०	८०।३२	− ७।५२
[illegible]	२३।१३	७६।९	− २५।२४
[illegible]	२२।२५	७६।३०	− २४।३२
[illegible]	२२।४५	७६।३८	− २४।२८
[illegible]	२४।४५	७८।५३	− १४।२८
[illegible]	२५।३५	७८।३०	− १५।५२
[illegible]	२२।४७	८१।४१	− ३।१६
[illegible]	२४।५२	८०।५०	− ६।४०
[illegible]	२३।२३	७९।४	− १३।४४
[illegible]	१८।५४	८१।२८	− ४।८
[illegible]	२५।२८	७९।८	− १३।२८
[illegible]	२३।५०	७९।२९	− १२।४
[illegible]	२४।११	८१।२१	− ४।३६
[illegible]	२२।५८	७६।६	− २५।३६
[illegible]	२४।५१	७८।५०	− १४।४०
[illegible]	२५।४२	८१।३४	− ३।४४
[illegible]	२२।२८	८३।१५	+ ३।०
धार	२२।३५	७५।२०	− २८।४०
[illegible]	२५।२८	७९।७	− १३।३२
नरसिंहपुर	२२।४७	७९।१५	− १३।०
[illegible]	२३।३०	७८।५४	− १४।२४
[illegible]	२३।३०	७५।२९	− २८।४
[illegible]	२४।३३	८०।३७	− ७।३२
[illegible]	२३।४४	७६।८	− २५।२८
नरसिंहगढ़	२५।३५	७७।५३	− १८।२८
[illegible]	२५।२७	७४।५२	− ३०।३२
[illegible]	२५।३	७९।३	− १३।४८
[illegible]	२४।२५	७५।५०	− २६।४०
[illegible]	२६।४८	८०।१४	− ९।४
[illegible]	२३।५६	७८।१५	− १७।०
[illegible]	१९।१५	८०।४८	− ६।४८
[illegible]	२४।१२	७६।६	− २५।३६
[illegible]	२३।४	७९।२०	− १२।४०
[illegible]	२४।४४	८४।५४	+ ९।३६
[illegible]	२६।५०	७६।५०	− २२।४०
[illegible]	२२।०	७७।०	− २२।०
[illegible]	२२।४५	८१।२०	− ४।१२
[illegible]	२३।३०	७५।२०	− २८।४०
[illegible]	२२।३०	७८।२२	− १६।३२
[illegible]	१९।४६	८०।५०	− ६।४०
[illegible]	२५।८०	७८।३०	− १६।०
[illegible]	२४।३०	८२।२६	− ०।१६
[illegible]	१९।५०	८१।३०	− ४।०
[illegible]	२५।३८	७९।५	− १३।४०
[illegible]	२४।४०	८२।०	− २।०
[illegible]	२४।४८	८०।१५	− ९।०
[illegible]	२५।३	८०।४०	− ७।२०
[illegible]	२२।३	७४।५४	− ३०।२४

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीनवीच पू. रेखांश	स्टैंडर्ड-अन्तर मि. से.
बिलासपुर	२२।५	८२।१३	− १।८
बीजावर	२४।३८	७९।३२	− ११।५२
बीना	२४।२	७८।१४	− १७।२४
बुंदेलखण्ड	२४।४०	८०।०	− १०।०
बुरहानपुर	२१।१८	७६।१४	− २५।४
बैरी	२५।२५	७७।२५	− २०।२०
बैतूल	२१।५३	७७।५१	− १८।४
बंका पहाड़ी	२५।१४	७९।५०	− ११।४०
[illegible]	२३।५५	७६।५०	− २२।५२
[illegible]	२४।३८	७७।२६	− २०।१६
भिंड	२६।३६	७८।४६	− १४।५६
भिंड	२६।३४	७८।४५	− १४।५६
[illegible]	२४।३९	७७।४०	− १९।२०
भोपाल	२३।१६	७७।१८	− २०।४८
भोपाल पटनम	१८।५०	८०।२४	− ८।२४
[illegible] हिल्स	२२।२४	८०।०	− १०।०
महेन्द्रगढ़	२३।२९	८२।२१	− ०।३६
महेश्वर	२२।११	७५।३७	− २७।३२
[illegible]	१९।४५	८१।५८	− २।८
मनोहर थाना	२४।१४	७६।४५	− २३।०
मऊगंज	२४।४०	८१।५६	− २।१६
मैहर	२४।१६	८०।४९	− ६।४४
मकराय	२२।४	७७।८	− २१।२८
[illegible]	२४।०	७६।०	− २६।०
मानपुर	२२।२४	७५।४०	− २७।२०
मान	२२।१५	८०।१३	− ९।८
मुरैना	२६।२३	७८।४	− १७।४४
मुहम्मदगढ़	२३।३९	७८।१३	− १७।८
मुरवारा	२३।५१	८०।२	− ९।५२
मेहदीपुर	२३।२६	७५।४२	− २७।१२
[illegible]	२२।३०	७७।०	− २२।०
मोरार	२६।१३	७८।१४	− १७।४
मंडला	२२।३५	८०।३५	− ८।४०
मंदसौर	२४।३	७५।८	− २९।२८
रतनपुर	२२।१७	८२।११	− १।१६
रतलाम	२३।१९	७५।४	− २९।३२
रेहली	२३।३८	७९।५	− १३।४०
[illegible]	२३।२८	८३।१५	+ ३।०
राजगढ़	२४।२६	७६।४५	− २३।०
रायपुर	२१।१५	८१।४०	− ३।२०
राज नंदगांव	२१।५	८१।५	− ५।४०
रायगढ़	२१।०	७६।४८	− २२।४८
राजीम	२०।५९	८१।५५	− २।२०
रामनगर	२४।११	८१।१२	− ५।१२
रामकोला	२३।४०	८३।८	+ २।३२
रामनगर	२२।३६	८०।३३	− ७।४८
रामपुरा	२३।२८	७५।३०	− २८।०
रायसेन	२३।१५	७७।५०	− १८।४०
रीवा	२४।३१	८१।१५	− ४।५२
लखनादौन	२२।३६	७९।३६	− ११।३६
लहार	२६।१०	७८।१०	− १७।२०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीनवीच पू. रेखांश	स्टैंडर्ड-अन्तर मि. से.
[illegible]	२५।५	७९।३७	− ११।३२
विदिशा	२३।३२	७७।५१	− १८।३६
विनयका	२२।३०	७६।०	− २६।०
शहडोल	२३।०	८१।३०	− ४।०
[illegible]	२४।३४	८०।५५	− ६।२०
शाहपुर	२५।१३	७६।१५	− २५।०
शाहपुरा	२३।१०	८०।४५	− ७।०
शाजापुर	२३।२६	७६।१८	− २४।४८
शिवपुरी	२५।४०	७७।४४	− १९।४
श्योपुर	२५।३९	७६।४९	− २३।१६
सतना	२४।५१	८०।४९	− ६।४४
सागर	२३।५०	७८।५०	− १४।४०
[illegible]	२२।१	८३।०	+ २।०
सारंगढ़	२१।३६	८३।७	+ २।२८
सारंगपुर	२३।३४	७६।३९	− २३।४६
सिवनी	२२।६	७९।३५	− ११।४०
सिद्धी	२४।२०	८२।३९	+ ०।३६
सिहोरा	२३।२९	८०।९	− ९।२४
सिरोन्ज	२४।६	७७।४४	− १९।४
सीओनी-मालवा	२२।२८	७७।२९	− २०।४
सीतामऊ	२४।१	७५।२३	− २८।२८
सुजालपुर	२३।२४	७६।३४	− २३।४४
सुकमा	१८।२२	८१।४६	− २।५६
सेंवढ़ा	२५।५१	७८।१९	− १६।४४
सीहोर	२३।१२	७७।०	− २२।०
सैलाना	२३।३१	७५।१	− २९।५६
सोहागपुर	२२।४२	७८।१२	− १६।५२
सोहावल	२४।३५	८०।५०	− ६।४०
[illegible]	२१।३६	८२।३६	+ ०।२४
सोनहत	२३।२९	८२।३०	०।०
हरदा	२२।३७	७७।१८	− २०।४८
होशंगाबाद	२२।४६	७७।४५	− १९।०
महाराष्ट्र -			
अचलपुर	२१।१८	७७।३३	− १९।२८
अहेरी	१९।३०	८०।३०	− ८।०
अहमदनगर	१९।५	७४।४८	− ३०।४८
अजंता प.मा.	२०।२०	७५।४०	− २७।२०
अजंता	२०।३३	७५।४८	− २६।४८
अक्कलकोट	१७।३१	७६।१५	− २२।३६
अकोट	२१।६	७७।६	− २१।३६
अलीबाग	१८।३९	७२।५५	− ३८।२०
अमरावती	२०।५६	७७।४८	− १८।४८
अरमोरी	२०।२८	८०।२	− ९।५२
अनाई	२०।१५	७६।५८	− २२।८
अष्टी	१८।५०	७५।१५	− २९।०
अष्टी वर्धा	२१।१२	७८।१४	− १७।४
[illegible]	२०।१५	७५।५८	− २६।८
आकोला	२०।४२	७७।६	− २१।३६
औंढ	१९।३३	७७।२३	− २०।२८
इगतपुरी	१९।४०	७३।३५	− ३५।४०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीनवीच पू. रेखांश	स्टैंडर्ड-अन्तर मि. से.
उदगीर	१८।२५	७७।१०	− २१।२०
उल्हासनगर	१९।२०	७३।१०	− ३७।२०
उमेर	२०।५८	७९।२१	− १२।३६
उरलीकांचन	१८।१०	७४।६	− ३३।३६
उस्मानाबाद	१८।८	७६।६	− २५।३६
एलोरा	२०।२	७५।१३	− २९।८
औरंगाबाद	१९।५६	७५।१९	− २८।४४
अंबगांव	२०।३८	८०।०	− १०।०
कराड	१७।१५	७४।१२	− ३३।१२
करमाळा	१८।२४	७५।१५	− २९।०
कल्याण	१९।१४	७३।१०	− ३७।२०
कादीराबाद	१९।५१	७५।५६	− २६।१६
कामठी	२१।१४	७९।१५	− १३।०
कारंजा	२०।२९	७७।३२	− १९।५२
कोंडलवाडी	१८।१५	७७।४३	− १९।८
कीर्की	१८।३३	७३।५४	− ३४।२४
कुरुंदवाद	१६।४०	७४।४०	− ३१।२०
कोल्हापुर	१६।४२	७४।१६	− ३२।५६
कोपरगांव	१९।५४	७४।३३	− ३१।४८
कोयना	१७।३०	७३।४५	− ३५।०
खापा	२१।२५	७९।२	− १३।५२
खुल्दाबाद	२०।१	७५।१५	− २९।०
खामगांव	२०।४२	७६।३७	− २३।३२
खेड	१८।५१	७३।५६	− ३४।१६
गाविलगढ़	२१।२२	७७।२५	− २०।२०
गोंदिया	२१।२८	८०।१९	− ८।४
[illegible]	१८।५२	७६।४३	− २३।८
चालीसगांव	२०।३३	७५।१०	− २९।२०
चिकलदरा	२१।२४	७७।२२	− २०।३२
चोपड़ा	२१।१५	७५।२०	− २८।४०
चांदोर	२०।२०	७४।१६	− ३२।४४
चंद्रपुर	१९।५७	७९।२१	− १२।३६
जलगांव	२१।५	७५।४०	− २७।२०
जामखेड	१८।४३	७५।२४	− २८।२४
जव्हार	१९।५२	७३।२१	− ३६।३६
जालना	१९।५१	७५।५६	− २६।१६
जाम	१७।३	७५।१५	− २९।०
जुन्नर	१९।१२	७३।५८	− ३४।८
जंजीरा	१८।१८	७३।०	− ३८।०
ठाणे	१९।१२	७३।२	− ३७।५२
[illegible]	२०।३९	७८।३२	− १५।५२
तालोदा	२१।३४	७४।१९	− ३२।४४
तारापुर	१९।५२	७२।४२	− ३९।१२
तुलजापुर	१८।२	७६।१०	− २५।२०
तुमसर	२०।१५	८०।११	− ८।४४
दहानू	१९।५८	७२।४५	− ३९।०
देगलूर	१८।३४	७७।३३	− १९।४८
दौलताबाद	१९।५७	७५।१५	− २९।०
दौंड	१८।३२	७४।४०	− ३१।२०
धुले	२०।५८	७४।४७	− ३०।५२
नागपुर	२१।९	७९।९	− १३।२४

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीनवीच पू. रेखांश	स्टैंडर्ड-अन्तर मि. से.
नालदुर्ग	१७।४९	७६।२०	− २४।४०
नांदेड	१९।९	७७।२०	− २०।४०
नासिक	२०।०	७३।४२	− ३५।१२
नंदुरबार	२१।२३	७४।१९	− ३२।४४
पचोरा	२०।३८	७५।२९	− २८।४
परभणी	१९।८	७६।५०	− २२।४०
पराण्डा	१८।१६	७५।३०	− २८।०
फालटन	१८।०	७४।२९	− ३२।४
पाहुरखान	१९।२९	७५।२६	− २८।१६
पाली	१८।५३	७६।३६	− २३।३६
पाथरी	१९।२०	७६।३०	− २४।०
पुणे	१८।३१	७३।५५	− ३४।२०
पंढरपुर	१७।४१	७५।२३	− २८।२८
[illegible]	२०।४८	७९।४०	− ११।२०
बडनेरा	२०।५२	७७।४६	− १८।५६
बालापुर	२०।४२	७६।५२	− २२।३२
बालाघाट	१९।५५	७९।२३	− १२।२८
बांदा	१६।३	७३।५२	− ३४।३२
बानकोट	१७।५८	७३।५	− ३७।४०
बार्शी	१८।१३	७५।४४	− २७।४
वाशिम	२०।५	७७।१०	− २१।२०
बीड	१९।०	७५।५०	− २६।४०
बुलढाणा	२०।३२	७६।१४	− २५।४
वसीनवासमत	१९।२२	७७।१२	− २१।१२
बेसिन	१९।२२	७२।५६	− ३८।१६
बोरी	२०।५५	७९।५	− १३।४०
ब्रह्मपुरी	२०।४०	७९।५६	− १०।१६
भुसावल	२१।२	७५।४७	− २६।५२
भोर	१८।९	७३।५४	− ३४।२४
भंडारा	२१।९	७९।४२	− ११।१२
महाड	१८।३	७३।२४	− ३६।२४
महाबलेश्वर	१७।५८	७३।४३	− ३५।८
मल्कापुर	२०।५३	७६।१७	− २४।५२
मनमाड	२०।१५	७४।२९	− ३२।४
मनसार	२१।२४	७९।१९	− १२।४४
माथेरान	१८।५९	७३।१८	− ३६।४८
माजलगांव	१९।८	७६।१३	− २५।८
मिरज	१६।४९	७४।४३	− ३१।८
मुखेड	१८।४२	७७।२४	− २०।२४
मूल	२०।४	७९।४३	− ११।८
मुम्ब्रा	१८।५०	७३।५०	− ३४।४०
मुम्बई	१८।५५	७२।५०	− ३८।४०
मुरुड	१८।१८	७२।५९	− ३८।४
मालेगांव	२०।३०	७४।४०	− ३१।२०
[illegible]	१६।३	७३।३०	− ३६।०
मोमिनाबाद	१८।४४	७६।२३	− २४।२८
मंगांव	१८।१५	७३।२०	− ३६।४०
यवतमाल	२०।२३	७८।११	− १७।१६
[illegible]	२०।४	७४।३१	− ३१।५६
रत्नागिरि	१७।८	७३।१९	− ३६।४४
राजुरा	२०।१	७५।१५	− २९।०

 : सूचना- अक्षांश-रेखांश एटलस से लिए हैं, दृष्टि दोष से कोई त्रुटि हो तो कृपया सूचित करें, सुधार कर दिया जायेगा। -ले. अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चाङ्ग गणितकर्ता- पं. प्यारेलाल शर्मा, मुम्बई :

+ = धन **॥ बृहद्-देशान्तर सारिणी ॥** (अक्षांश और रेखांश अंश-कलादि में) **नोट - रेल्वे-अन्तर को ही स्टैंडर्ड-अन्तर कहते है ।** − = ऋण

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीनीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
[illegible]	१९।२३	७४।४२	− ३१।१२
[illegible]	१६।३९	७३।३३	− ३५।४८
[illegible]	२१।५५	७३।२६	− ३६।१६
[illegible]	२०। ८	७८।५०	− १४।४०
[illegible]	१९।१५	७९।२६	− १२।१६
[illegible]	२१।२४	७९।२०	− १२।४०
[illegible]	१८।२४	७६।३६	− २३।३६
[illegible]	१८।४४	७३।२८	− ३६। ८
[illegible]	२०।४५	७८।३९	− १५।२४
[illegible]	१७।५७	७३।५६	− ३४।१६
[illegible]	१६।२६	७३।२६	− ३६।१६
[illegible]	१५।५२	७३।४०	− ३५।२०
[illegible]	१९।५९	७४।४८	− ३०।४८
[illegible]	२०।४८	७६।४६	− २२।५६
[illegible]	१७।४२	७४। २	− ३३।५२
[illegible]	१९।३५	७४।१६	− ३२।५६
[illegible]	१६।५२	७४।३६	− ३१।३६
[illegible]	२१।१८	७४।५०	− ३०।४०
[illegible]	१६।५०	७४। ३	− ३३।४८
[illegible]	१८।५१	८०। १	− ९।५६
[illegible]	१८।५०	७४।२३	− ३२।२८
[illegible]	२०।३३	७३।२०	− ३६।४०
[illegible]	२१। ५	८०। १	− ९।५६
[illegible]	१५।५४	७३।५२	− ३४।३२
[illegible]	१७।४०	७५।५६	− २६।१६
[illegible]	१९। ३	७६।३०	− २४। ०
[illegible]	१८।४१	७४।४४	− ३१। ४
हिंगनघाट	२०।३४	७८।५३	− १४।२८
हिंगोली	१९।४३	७७।११	− २१।१६
मणिपुर -			
इम्फाल	२४।४४	९३।५८	+ ४५।५२
लोकटक	२४।३०	९३।५५	+ ४५।४०
मिजोरम -			
आइजाल	२३।३६	९३। ०	+ ४२। ०
मेघालय -			
[illegible]	२५।३०	९१।३०	+ ३६। ०
चेरापूंजी	२५।१७	९१।४७	+ ३७। ८
शिलांग	२५।३४	९१।५६	+ ३७।४४
राजस्थान -			
अजमेर	२६।२७	७४।४२	− ३१।१२
अलीगढ	२५।५८	८६। ७	+ १४।२८
अलवर	२७।३४	७६।३८	− २३।२८
अनूपगढ	२९। ७	७३। ६	− ३७।३६
[illegible]	२५। ०	७३।१०	− ३७।२०
[illegible]	२६।४८	७३।४४	− ३५। ४
आबू रोड	२४।४०	७२।४५	− ३९। ०
[illegible]	२५।२०	७३।५९	− ३४। ४
हरिनपुरा	२५। ९	७३। ६	− ३७।३६
इटरगढ	२५।४०	७६।१५	− २५। ०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीनीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
उदयपुर घाटी	२७।४२	७५।३३	− २७।४८
उदयपुर	२४।३७	७३।४२	− ३५।१२
एकलिंगजी	२४।४३	७३।४६	− ३४।५६
कारावली	२६।३०	७७। ४	− २१।४४
किशनगढ	२७।५३	७०।३७	− ४७।३२
कुचामन	२७।१०	७४।५०	− ३०।४०
कोटा	२५।१०	७५।५२	− २६।३२
कोटडा	२४।२२	७३।१५	− ३७। ०
खेतडी	२७।५६	७५।३०	− २८।४०
खैरवाडा	२४। ४	७३।४०	− ३५।२०
खंडेला	२७।३६	७५।३२	− २७।५२
गालियाकोट	२३। १	७४। ०	− ३४। ०
गुढा	२५।१२	७१।४८	− ४२।४८
गोगुन्दा	२४।४६	७३।३४	− ३५।४४
गोटान	२७।२२	७०। २	− ४९।५२
गंगानगर	२९।४९	७३।५०	− ३४।४०
गंगापुर	२६।२९	७५।४६	− २६।५६
गंगरार	२३।५६	७५।४१	− २७।१६
पैट्रीफिकेशनडिसर्ट	२७। ०	७१। ०	− ४६। ०
चाकसू	२६।३६	७५।५९	− २६। ४
चिडावा	२८।१०	७५।३७	− २७।३२
चित्तौडगढ	२४।५४	७४।४२	− ३१।१२
चूरू	२८।१९	७५। १	− २९।५६
चौमू	२७। ८	७५।४७	− २६।५२
चौहटन	२५।२८	७१। ६	− ४५।३६
छाबडा	२४।४०	७६।५४	− २२।२४
छोटी सादडी	२४।२४	७४।३४	− ३१।४४
जहाजपुर	२५।३८	७५।१९	− २८।४४
जयपुर	२६।५५	७५।४८	− २६।४८
जालौर	२५।२२	७२।५८	− ३८। ८
जैसलमेर	२६।५५	७०।५७	− ४६।१२
जोधपुर	२६।१८	७३। ४	− ३७।४४
झालावाड	२४।३७	७६।१२	− २५।१२
झालरापाटनछा.	२४।३२	७६।१२	− २५।१२
झुन्झुनू	२८। ६	७५।२०	− २८।४०
टोंक	२६।११	७५।५०	− २६।४०
टोडाराय सिंग	२६। ०	७५।४२	− २७।१२
डीडवाना	२७।१७	७४।३५	− ३२।२०
डीग	२७।२८	७७।२०	− २०।४०
डुंगोली	२८। ०	७५।५४	− २६।२४
डूंगरपुर	२३।५०	७३।५०	− ३४।४०
डोली	२५।४६	७५।२५	− २८।२०
डोलीका	२४।३८	७४।४२	− ३१।१२
डूंडलोद	२८। ०	७५।४५	− २७। ०
तानापुर	२६।५१	७७।३२	− १९।५२
तीवा	२८। ०	७५।५४	− २६।२४
दयरापुर	२८। ०	७५।४५	− २७। ०
दाग	२३।५६	७५।५२	− २६।३२
देवीकोट	२६।३८	७१। ७	− ४५।३२
दीवार	२७।३०	७४। ०	− ३४। ०
धौलपुर	२६।४२	७७।५३	− १८।२८

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीनीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
नयाना	२७।२९	७१।४९	− ४२।४४
नरेना	२६।५०	७४।११	− ३३।१६
नसीराबाद	२६।१८	७४।४६	− ३०।५६
नवलगढ	२७।४५	७५। ६	− २९।३६
नागौर	२७।११	७३।४०	− ३५।२०
नाथद्वारा	२४।५६	७३।५२	− ३४।३२
निम्बाहेडा	२४।३७	७४।४५	− ३१। ०
नूरबहादरा	२८।४५	७५।२३	− २८।२८
नोहर	२९।११	७४।४९	− ३०।४४
फतेहपुर	२७।५४	७४।५२	− ३०।३२
पचपदरा	२५।५५	७२।२१	− ४०।३६
फलोदी	२७। ९	७२।२४	− ४०।२४
पाली	२५।४६	७३।२५	− ३६।२०
पाटन	२७।४९	७६। १	− २५।५६
पिलानी	२८।२२	७५।३५	− २७।४०
पीपर	२६।२२	७३।३५	− ३५।४०
फुलेरा	२६।५२	७५।१६	− २८।५६
पूगल	२८।३१	७२।५१	− ३८।३६
पोकरण	२६।५५	७१।५८	− ४२। ८
प्रतापगढ	२४। २	७४।४०	− ३१।२०
बख्तार	२४।४३	७१। ९	− ४५।२४
बयाना	२६।१३	७६।१३	− २५। ८
बसवा	२७। ६	७६।३२	− २३।५२
बाडमेर	२५।४५	७१।२३	− ४४।२८
बालाहेडा	२६।४५	७६।५०	− २२।४०
बालोतरा	२५।४९	७२।२१	− ४०।३६
बांसवाडा	२३।३०	७४।२४	− ३२।२४
बाप	२७।२२	७२।२२	− ४०।३२
बारां	२५। ५	७६।३३	− २३।४८
बाडमेर	२५।४५	७१।२५	− ४४।२०
बिसाऊ	२८।१७	७५। ८	− २९।२८
बीवार	२६। ६	७४।२१	− ३२।३६
बीकमपुर	२७।४५	७२।१०	− ४१।२०
बीकानेर	२८।१०	७३।१८	− ३६।४८
बीसलपुर	२८।११	७२।१५	− ४१। ०
बूंदी	२५।२७	७५।४१	− २७।१६
बैंकली	२५।२०	७३।४५	− ३५। ०
भरतपुर	२७।१५	७७।३०	− २०। ०
भादरा	२९।१५	७५।३०	− २८। ०
भादराजन	२५।३६	७२।५४	− ३८।२४
भाडनारौड	२४।५८	७५।३६	− २७।३६
भीलवाडा	२५।२१	७४।४०	− ३१।२०
भीनमाल	२५। ०	७२।१९	− ४०।४४
महाजन	२८।४८	७३।५६	− ३४।१६
मालपुरा	२६।१८	७५।२५	− २८।२०
मांडलगढ	२५।१२	७५। ९	− २९।२४
मारवाडजंक्शन	२५।४३	७३।४५	− ३५। ०
मैनवा	२५।४५	७५।५७	− २६।१२
मेडता	२६।३९	७४। ६	− ३३।३६
मोहनगढ	२७।१७	७१।१८	− ४४।४८
रतनगढ.	२८। ५	७४।३९	− ३१।२४

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीनीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
राजगढ	२८।३९	७५।२६	− २८।१६
रामगढ	२८। ०	७४।५९	− ३०। ४
रावतसर	२९।१६	७४।२६	− ३२।१६
रींगस	२७।२०	७५।३१	− २७।५६
रूपनगर	२६।४८	७४।५४	− ३०।२४
रैनी	२८।४१	७५। ५	− २९।४०
लक्ष्मणगढ	२७।५०	७५। ४	− २९।४४
लाडनू	२७।३६	७४।२३	− ३२।२८
लालसोट	२६।३४	७६।२३	− २४।२८
लावा	२६।२३	७५।४३	− २७। ८
लूनी	२६। १	७३। २	− ३७।५२
ब्यावर	२६। ४	७४।१९	− ३२।४४
शाहबाद	२५।१०	७७।२०	− २०।४०
शाहगढ	२७। ८	६९।५७	− ५०।१२
शाहपुरा	२५।४०	७५। १	− २९।५६
शेरगढ	२४।४०	७६।३२	− २३।५२
सरदारशहर	२८।२७	७४।३२	− ३१।५२
सवाई माधोपुर	२५।५८	७६।३०	− २४। ०
सांभर	२६।५४	७५।१३	− २९। ८
सांगानेर	२६।४९	७५।४९	− २६।४४
सिंडी	२५।३३	७१।५५	− ४२।२०
सिंघाना	२७।५३	७५।५०	− २६।४०
सिरोही	२४।५३	७२।५१	− ३८।३६
सिवाना	२५।३६	७२।२७	− ४०।१२
सीकर	२७।३६	७५। ९	− २९।२४
सुजानगढ	२७।४०	७४।२७	− ३२।१२
सूरजगढ	२८।१०	७५।३७	− २७।३२
सूरतगढ	२९।१९	७३।५७	− ३४।१२
सैलूम्बार	२४। ९	७४। ५	− ३३।४०
सेन्चोर	२४।३६	७१।५४	− ४२।२४
सोजत	२५।५६	७३।४२	− ३५।१२
श्रीकोलायतजी	२७।५५	७३।१५	− ३७। ०
श्री माधोपुर	२७।२५	७५।२५	− २८।२०
हनुमानगढ	२९।३५	७४।२१	− ३२।३६
सिक्किम -			
गंगटोक	२७।२०	८८।४०	+ २४।४०
हरियाणा -			
अटेलीमण्डी	२८। ६	७६।२९	− २४। ४
इस्लामाबाद	२९।२६	७४।५४	− ३०।२४
अंबाला	३०।२१	७६।५२	− २२।३२
करनाल	२९।४२	७७। २	− २१।५२
कैथल	२९।४८	७८।२६	− १६।१६
गुडगांवां	२८।३७	७७। २	− २१।५२
चरखी दादरी	२८।३७	७६।११	− २४।४४
जींद	२९।१९	७६।२३	− २४।२८
थानेसर	२९।५८	७६।५६	− २२।१६
नारनौल	२८। ०	७६।१८	− २४।४८
फरीदाबाद	२८।२५	७७।२२	− २०।३२
फतेहाबाद	२९।३१	७५।३०	− २८। ०
पटौदी	२८।१८	७६।४८	− २२।४८

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीनीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
पानीपत	२९।२३	७७।१०	− २१।२०
फिरोजपुरझिरका	२७।४७	७६।५९	− २२। ४
पीहोवा	२९।५७	७६।३७	− २३।३२
भिवानी	२८।४६	७६।१०	− २५।२०
महेन्द्रगढ	२८।१५	७६।१०	− २५।२०
रानिया	२९।२८	७४।५४	− ३०।२४
रिवाडी	२८।१२	७६।४०	− २३।२०
रोहतक	२८।१४	७६।३८	− २३।२८
लोरी	२९।४४	७५।१७	− २८।५२
लाडवा	२९।५९	७७। ५	− २१।४०
लोहारू	२८।१६	७५।४५	− २७। ०
शाहाबाद	३०।१०	७६।५५	− २२।२०
सिरसा	२९।३२	७५। ०	− २९।३२
सोनीपत	२८।५९	७७। २	− २१।५२
हांसी	२९। ६	७६। ०	− २६। ०
हिसार	२९।१०	७५।४६	− २६।५६
हिमाचल प्र. -			
कसूली	३०।५३	७७। १	− २१।५६
कांगडा	३२। ५	७६।१८	− २४।४८
कोटखाई	३१। ८	७७।३६	− १९।३६
चंबा	३२।२९	७६।१०	− २५।२०
छाछरौली	३०।१८	७७।२७	− २०।१२
ज्वालामुखी	३१।५३	७६।२२	− २४।३२
जोगीन्दरनगर	३१।५०	७६।४५	− २३। ०
दग्शी	३०।५३	७७। ६	− २१।३६
धर्मशाला	३२।१६	७६।२३	− २४।२८
नागरौटा	३२। ७	७६।२३	− २४।२८
नाहन	३०।३३	७७।२१	− २०।३६
नालागढ	३०।४७	७६।२२	− २४।३२
नूरपुर	३२।१८	७५।५६	− २६।१६
बानेड	३१।३०	७६।४५	− २२।२०
बिलासपुर	३१।१९	७६।५०	− २२।४०
भाकरानांगलडैम	३२। ५	७६।५०	− २२।४०
मंडी	३१।४३	७६।५८	− २२। ८
योल	३२।११	७६।२३	− २४।२८
शिमला	३१। ६	७७।१३	− २१। ८
सोलन	३०।५५	७७। १	− २१।२४
केन्द्र शा. क्षे. -			
कुमारीअंतरीप	८। ४	७७।३६	− १९।३६
चंडीगढ	३०।४२	७६।५४	− २२।२४
दमन	२०।२५	७२।५३	− ३८।२८
दादरानगरहवेली	२०।१०	७२।५४	− ३८।२४
दिल्ली	२८।३८	७७।१२	− २१।१२
निकोबार द्वीप	८। ०	९४। ०	+ ४६। ०
मिनिकाय द्वीप	८।१०	७३। ०	− ३८। ०
लक्कादीवि म.ला.	१०। ०	७३। ०	− ३८। ०
सह्याद्रि	२८।४०	७७।२०	− २०।४०
सिलवासा दा.न.	२०।१२	७३। ०	− ३८। ०

: सूचना- अक्षांश-रेखांश एटलस से लिए हैं, दृष्टि दोष से कोई त्रुटि हो तो कृपया सूचित करें, सुधार कर दिया जावेगा । -ले. अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चाङ्ग गणितकर्ता- पं. प्यारसीलाल शर्मा, मुम्बई :

११

\+ = धन **॥ विदेश-देशान्तर सारिणी ॥** (अक्षांश और रेखांश अंश-कलादि में) नोट - रेल्वे-अन्तर को ही स्टैंडर्ड-अन्तर कहते हैं। − = ऋण

भारत से बाहर के देश -

इराक - ग्रीनीच-घटिका-यन्त्र से
देशान्तर:- + ३ घन्टा, ० मिनट
रेखांश: अंश-कलादी ४५।०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीनीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
अल्कायजल	३३।२०	४३।५५	− ४।२०
अलीस्वाह	३२।३०	४४।२५	− २।२०
आलम्बराह	३१।५५	४७।१५	+ १। ०
इयूफरेट्स	३३।३०	४३।१०	− ७।२०
कर्बला	३२।३५	४४। ०	− ३।३२
कीर्कीया	३५।३०	४४।२१	− २।३६
टीगरिस	३५।२०	४३।३१	− ५।५६
बगदाद	३३।२०	४४।२७	− २।१२
बासरा	३०।२८	४७।५१	+ ११।२४
मोसुल	३६।२०	४३। ५	− ७।४०
सुलेमानिया	३५।३५	४५।२०	+ १।२०

ईरान - ग्रीनीच-घटिका-यन्त्र से
देशान्तर:- + ३ घन्टा, ३० मिनट
रेखांश: अंश-कलादी ५२।३०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीनीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
अबादन	३०।२०	४८।२५	− १६।२०
अहवाज	३१।१७	४८।४३	− १५। ८
अस्तराबाद	३६।५२	४५।३०	− २८। ०
इस्फहान	३२।३७	५१।३८	− ३।२८
एशियाबाद	३६।१०	५२। ०	− २। ०
ओमान	२३।३०	५८। ०	+ १८। ०
केर्मान	३०।२०	५७।१०	+ १८।४०
खुर्रमबाद	३३।३०	४८।२५	− १६।२०
जाहेदान	२९।३४	६०।५८	+ ३३।५२
टेब्रीज	३८। २	४६।२०	− २४।४०
डेजफूल	३२।२४	४८।३२	− १५।५२
तेहरान	३५।४१	५१।२५	− ४।२०
काबील	३६।३०	५२।४५	+ १।१६

दुबई - ग्रीनीच-घटिका-यन्त्र से
देशान्तर:- + ४ घन्टा, ० मिनट
रेखांश: अंश-कलादी ६०।०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीनीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
दुबई,एमिरेट्स	२५।१५	५५।३०	− १८। ०

अफगानिस्तान-ग्रीनीच-घटिका-यन्त्र से
देशान्तर:- + ४ घन्टा, ३० मिनट
रेखांश: अंश-कलादी ६७।३०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीनीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
काबुल	३४।३०	६९।१८	+ ७।१२
कुनर	३४।३६	७०।४८	+ १३।१२
कुरुक	३४।५३	६२।३०	− २०। ०
कंधार	३१।३७	६५।३०	− ८। ०
कुचन	३६।४७	६८।५६	+ ५।४४
गौरीशक	३७।५०	६४।३८	− ११।२८
जलालाबाद	३४।२४	७०।२६	+ ११।४४
हीन्दु कुश	३६।१०	७१।३०	+ १६। ०
हेमान्द	३२। ०	६५। ०	− १०। ०
हेरात	३४।२२	६२। ८	− २१।२८

पाकिस्तान- ग्रीनीच-घटिका-यन्त्र से
देशान्तर:- + ५ घन्टा, ० मिनट
रेखांश: अंश-कलादी ७५।०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीनीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
अबोटाबाद	३४। ९	७३।१५	− ७। ०
अहमदपुर	२९। ६	७१।१६	− १४।५६
अलीपुर	२९।२३	७०।५७	− १६।१२
अटोक	३३।५३	७२।१७	− १०।५२
इवरदेशाबाद	३३। ०	७०।३९	− १७।२४
इमरजान	३१।१०	७२।१२	− ११।१२
इंडस	२४।३०	६८। ०	− २८। ०
इसा खेल	३२।४१	७१।११	− १४।४४
इस्लामाबाद	३३।४४	७३।१०	− ७।२०
कहूटा	३३।३५	७३।२६	− ६।१६
कराची	२४।५१	६७। ४	− ३१।४४
कसूर	३१। ७	७४।३१	− १।५६
कोहट	३३।३६	७१।२९	− १४। ४
क्वेटा	३०।१२	६७। ०	− ३२। ०
खैबर पास	३४। ६	७१। ५	− १५।४०
गुजरांवाला	३२।१०	७४।१४	− ३। ४
पेशावर	३४। २	७१।३७	− १३।३२
हसन अबदल	३३।४८	७२।४५	− ९। ०
हरिपुर	३४। ०	७२।५८	− ८। ८
हैदराबाद	२५।२५	६८।३८	− २५।२८

नेपाल - ग्रीनीच-घटिका-यन्त्र से
देशान्तर:- + ५ घन्टा, ४५ मिनट
रेखांश: अंश-कलादी ८६।१५

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीनीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
अमलेखगंज	२७।१५	८५। ०	− ५। ०
कांचनगंगा	२७।४२	८८।११	+ ७।४४
काठमंडू	२७।४२	८५।१२	− ४।१२
कृष्णा	२८।१६	८३।४०	− १०।२०
गोरखा	२७।५५	८४।३०	− ७। ०
जुमला	२९।१७	८२।१३	− १६। ८
धनकूटा	२६।५५	८७।२०	+ ४।२०
धौलागिरी	२९।११	८३। ०	− १३। ०
नेपालगंज	२७।५१	८१।४०	− १८।२०
पाल्पा	२७।५४	८३।२५	− ११।२०
पाटन	२७।३८	८५।१३	− ४। ८
पोखरा	२८।१७	८३।५८	− ९। ८
भटगांव	२७।३१	८५।२२	− ३।३२
मुक्तिनाथ	२८।५४	८३।४९	− ९।४४
रुकुमकोट	२८।३४	८२।४०	− १४।२०
सील गढी	२९।१२	८१। ६	− २०।३६
सेलयाना	२८।२४	८२।१५	− १६। ०

भूटान - ग्रीनीच-घटिका-यन्त्र से
देशान्तर:- + ६ घन्टा, ० मिनट
रेखांश: अंश-कलादी ९०।०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीनीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
थिम्पु	२७।३२	८९।५३	− ०।२८
देवांगिरी	२६।५१	९१।२७	+ ५।४८
धीरंग जौंग	२७।२४	९२।१८	+ ९।१२
पुनाखा	२७।३२	८९।५३	− ०।२८
पैरो	२७।२४	८९।१४	− ३। ४
हीमालय प.मा	२७।३०	९०। ०	०। ०

बंगलादेश - ग्रीनीच-घटिका-यन्त्र से
देशान्तर:- + ६ घन्टा, ० मिनट
रेखांश: अंश-कलादी ९०।०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीनीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
कर्णफुली	२२।४५	९१।५०	+ ७।२०
किशोरगंज	२४।२६	९०।४९	+ ३।१६
कुरीगाम	२५।४९	८९।४१	− १।१६
कुष्टिया	२३।५५	८९।१०	− ३।२०
कोमिल्ला	२३।२५	९१।१३	+ ४।५२
कोक्स बाजार	२१।२७	९२। १	+ ८। ४
कोटचंदपुर	२३।२५	८९। ३	− ३।४८
खुलना	२२।४९	८९।३७	− १।३२
चांदपुर	२३।१२	९०।४०	+ २।४०
चितागांव	२२।२१	९१।५३	+ ७।३२
चैल्ना	२२।१६	८९।३८	− १।२८
जगन्नाथगंज	२४।३१	८९।५०	− ०।४०
जमालपुर	२४।५६	९०। ०	०। ०
ढाका	२३।४३	९०।२६	+ १।४४
सैदपुर	२५।४८	८९। ०	− ४। ०
हरिनघटा	२२। ०	९०। ०	०। ०
हेबीगंज	२४।२४	९१।३०	+ ६। ०

श्रीलंका - ग्रीनीच-घटिका-यन्त्र से
देशान्तर:- + ६ घन्टा, ० मिनट
रेखांश: अंश-कलादी ९०।०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीनीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
अनुराधापुर	८।२२	८०।२३	− ३८।२८
एडम्स ब्रीज	९। ५	७९।३५	− ४१।४०
एडम्स पीक	६।४९	८०।३०	− ३८। ०
कलूतारा	६।३४	७९।५४	− ४०।२४
कतीरावली	८।१३	८१।२३	− ३४।२८
काराटीवो	८।२२	७९।५२	− ४०।३२
कुरुनगला	७।३१	८०।२२	− ३८।३२
केगाला	७।१५	८०।२०	− ३८।४०
केकीरावा	८। २	८०।३६	− ३७।३६
कोलम्बो	६।५६	७९।५६	− ४०।१६

म्यांमार - ग्रीनीच-घटिका-यन्त्र से
देशान्तर:- + ६ घन्टा, ३० मिनट
रेखांश: अंश-कलादी ९७।३०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीनीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
अलानम्यो	१९।२१	९५।१८	− ८।४८
अमरपुरा	२१।५५	९६। ४	− ५।४४
अमहरस्ट	१६। ४	९७।५३	+ १।३२
अन	१९।४५	९४। ५	− १३।४०
अराकान	२०। ०	९४।२०	− १२।४०
अवा	२१।५२	९६। १	− ५।५६
इन्सिन	१६।५२	९६।११	− ५।१६
इरावदी	१६।१०	९५। ०	− १०। ०
रंगून	१६।४५	९६।१३	− ५। ८

थाईलैंड - ग्रीनीच-घटिका-यन्त्र से
देशान्तर:- + ७ घन्टा, ० मिनट
रेखांश: अंश-कलादी १०५।०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीनीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
अयुध्या	१४।२३	१००।३५	− १७।४०
क्रा	१०।२७	९८।४५	− २४।५६
चिंगमाइ	१८।५०	९८।५३	− २४।२८
बैंककोक	१३।४२	१००।३०	− १८। ०
माउंग रैहंग	१६।५२	९९। ८	− २३।२८
पुंगनकावीलान	१५।४०	१००। ५	− १९।४०

वियतनाम - ग्रीनीच-घटिका-यन्त्र से
देशान्तर:- + ७ घन्टा, ० मिनट
रेखांश: अंश-कलादी १०५।०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीनीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
अनाम	१५। ०	१०८। ०	+ १२। ०
विन्ह	१८।४३	१०५।४१	+ २।४४
हनोइ	२१। २	१०५।५२	+ ३।२८
होचीमिन्हसीटी	१०।४९	१०६। ०	+ ४। ०
ह्यू	१६।२७	१०७।३३	+ १०।१२
न्हा-ट्रेंग	१२।१६	१०९।१०	+ १६।४०

चीन - ग्रीनीच-घटिका-यन्त्र से
देशान्तर:- + ८ घन्टा, ० मिनट
रेखांश: अंश-कलादी १२०।०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीनीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
कैलाश	३१। ०	८२। ०	−१५२। ०
गरटोक	३१।४५	८०।२१	−१५८।३६
तिब्बत	३०। ०	८८। ०	−१२८। ०
नौघू डौंग	३१।२२	९१।५४	−११२।२४
बीजिंग	३९।५५	११६।२४	− १४।२४
हौंग कौंग	२२।१२	११४।१२	− २३।१२
उलनकोट	४६। ५	१२२। १	+ ८। ४
कुवानकौंग	४४।३५	१२५।३०	+ ३८। ०

तायवान - ग्रीनीच-घटिका-यन्त्र से
देशान्तर:- + ८ घन्टा, ० मिनट
रेखांश: अंश-कलादी १२०।०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीनीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
किलोंग	२५। ५	१२१।५०	+ ७।२०
चंगुआ	२४। २	१२०।३०	+ २। ०
हेवे	२५। २	१२१।३०	+ ६। ०
टैचुंग	२४।१०	१२०।३६	+ २।२४
टैइंग	२२।४३	१२१। ४	+ ४।१६
तायनान	२३। ०	१२०।११	+ ०।४४
पिंगतुंग	२२।३६	१२०।३०	+ २। ०
पेस्काडोरस	२२।३०	११९।३०	− २। ०
हसिंचु	२४।५५	१२१। ०	+ ४। ०
हुआलिन	२४। ०	१२१।३०	+ ६। ०

जापान - ग्रीनीच-घटिका-यन्त्र से
देशान्तर:- + ९ घन्टा, ० मिनट
रेखांश: अंश-कलादी १३५।०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीनीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
इसागाकी	२४।२६	१२४।१०	− ४३।२०
इसाहीनोमाकी	३८।३२	१४१।२०	+ २५।२०
उटसनोमीया	३६।३०	१३९।५०	+ १९।२०
ओकीनावा	२६।४०	१२८। ०	− २८। ०
ओसाका	३४।३९	१३५।२०	+ १।४८
कागोशिमा	३१।३६	१३०।३३	− १७।४८
कानाजावा	३६।३०	१३६।३८	+ ६।३२
कावासाकी	३५।३५	१३८।४२	+ १४।४८
कीतक्यूशू	३३।५०	१३०।५०	− १६।४०
कूमामोटो	३२।५०	१३०।४०	− १७।२०
कोबे	३४।४१	१३५।१२	+ ०।४८
कोच	३३।३०	१३३।३५	− ५।४०
कोबटी	३५। १	१३५।३४	+ २।१६
गीफू	३५।३०	१३०।४५	− १७। ०
टोक्यो	३५।४०	१३८।४५	+ १५। ०
मिटो	३६।२०	१४०।३०	+ २२। ०
हीरोशिमा	३४।३०	१३२।३०	− १०। ०

विदेशों के स्टै. सूर्योदयादि-
नेपाल, भूटान, बंगलादेश आदि देशों का दिनमान और स्टै. सूर्योदय /सूर्यास्त जानने के लिए - पञ्चाङ्ग में दी हुई विधि से ही प्राप्त हो जायेंगे मात्र रेल्वेऽन्तर की जगह यहाँ दिया हुआ स्टैंडर्ड-अन्तर (रैल्वे-अन्तर) काम में लें, तो उक्त देश का सूक्ष्मासन्न स्टै. सूर्योदय/सूर्यास्त होगा । स्टै. सूर्योदय/सूर्यास्त प्राप्त होने पर आगे के इष्टकालादि सभी कार्य सुगम हो जायेंगे । अधिक सूक्ष्मता के लिए पञ्चाङ्गस्थ रविक्रांति और वेलान्तर में अनुपात देकर काम में लें ।

: **सूचना** - अक्षांश-रेखांश एटलस से लिए हैं, दृष्टि दोष के कारण किसी भी तरह की त्रुटि हो तो कृपया सूचित करें, सुधार कर दिया जायेगा ॥ मेरी बनाई हुई - विदेशों के लिए लग्नसारणी (अक्षांश .५ से ६० तक की १२० सारणी) व चरपल सारणी की आवश्यकता हो तो प्रकाशक से सम्पर्क करें । - लै. अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चाङ्ग गणितकर्ता - पं. ग्यारसीलाल शर्मा, मुम्बई.

(… २७°२९' उ., रेखांश ९४°५८' पू.)

मुख्य व्रतोत्सव तालिका

संवत् २०८२ (सन २०२५-२०२६)

(तिथि मे - शु. से शुक्लपक्ष और कृ. से कृष्णपक्ष)

मार्च तारीख वार	चैत्रमास शुक्लपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
३०। ३ रवि	शु. १ चंद्रदर्शन (मुहुर्ती३०)
३०। ३ रवि	शु. १ नया संवत आरम्भ
३०। ३ रवि	शु. १ नवरात्र आरम्भ
३०। ३ रवि	शु. १ घटस्थापन
३०। ३ रवि	शु. १ ध्वजारोपण
३०। ३ रवि	शु. १ गुडी पडवा (महाराष्ट्र)
३०। ३ रवि	शु. १ कल्पादि
३१। ३ सोम	शु. २ मत्स्योत्पत्ति
३१। ३ सोम	शु. २ अरुन्धती व्रत-पूजा
३१। ३ सोम	शु. २ सिंधारा
	अप्रैल २०२५
१। ४ मंगल	शु. ३ मन्वादि
१। ४ मंगल	शु. ३ अंगारक विनायक चतुर्थी
१। ४ मंगल	शु. ३ गणगौर पूजा समापन
१। ४ मंगल	शु. ३ मनोरथ तृतीया व्रत
१। ४ मंगल	शु. ३ सौभाग्य शयन व्रत
१। ४ मंगल	शु. ३ शिवशक्ति पूजा
२। ४ बुध	शु. ५ गुड फायडे (ईसाई)
२। ४ बुध	शु. ५ कल्पादि
२। ४ बुध	शु. ५ डोलोत्सव
३। ४ गुरु	शु. ६ स्कन्द षष्ठी व्रत
५। ४ शनि	शु. ८ भवान्युत्पत्ति
५। ४ शनि	शु. ८ अष्टमी की कडाई
५। ४ शनि	शु. ८ अशोककलिका प्राशन
६। ४ रवि	शु. ९ श्री रामनवमी
८। ४ मंगल	शु. ११ कामदा एकादशी व्रत
८। ४ मंगल	शु. ११ श्रीश्यामबाबा जागरण
८। ४ मंगल	शु. ११ लक्ष्मीकान्त दोलोत्सव
९। ४ बुध	शु. १२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
९। ४ बुध	शु. १२ हरि दमनोत्सव
१०। ४ गुरु	शु. १३ प्रदोष व्रत
१०। ४ गुरु	शु. १३ जैन महावीर जयंती
११। ४ शुक्र	शु. १४ शिव पूजन विशेष
१२। ४ शनि	शु. १५ मन्वादि
१२। ४ शनि	शु. १५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
१२। ४ शनि	शु. १५ वैशाख स्नान प्रारम्भ
१३। ४ रवि	शु. १५ हनुमान जयंती
१३। ४ रवि	शु. १५ अश्वमेधयज्ञफल

अप्रैल तारीख वार	वैशाखमास कृष्णपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
१४। ४ सोम	कृ. १ डा. आम्बेडकर जयन्ती
१६। ४ बुध	कृ. ३ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २०।४३
१७। ४ गुरु	कृ. ४ अनुसूया जयंती
२१। ४ सोम	कृ. ८ कालाष्टमी
२१। ४ सोम	कृ. ८ बूढो बास्योडो
२२। ४ मंगल	कृ. ९ कृष्णानौमी
२४। ४ गुरु	कृ. ११ वरूथिनि एकादशी व्रत
२५। ४ शुक्र	कृ. १२ प्रदोष व्रत
२६। ४ शनि	कृ. १३ मासिक शिवरात्री व्रत
२७। ४ रवि	कृ. १४ देव पितृकार्य मे अमावस्या

अप्रैल तारीख वार	वैशाखमास शुक्लपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
२९। ४ मंगल	शु. २ चंद्रदर्शन (मुहुर्ती३०)
२९। ४ मंगल	शु. २ शिवाजी जयंती
२९। ४ मंगल	शु. २ परशुराम जयंती
३०। ४ बुध	शु. ३ त्रैता युगादि
३०। ४ बुध	शु. ३ कल्पादि
३०। ४ बुध	शु. ३ अक्षय तृतीया (आखातीज)
	मई २०२५
१। ५ गुरु	शु. ४ महाराष्ट्र दिवस, विश्व श्रम दिवस
१। ५ गुरु	शु. ४ विनायक चतुर्थी
२। ५ शुक्र	शु. ५ श्री आद्यशंकराचार्य जयंती
२। ५ शुक्र	शु. ५ श्री रामानुज जयंती
३। ५ शनि	शु. ६ गंगोत्पत्ति
३। ५ शनि	शु. ६ गंगापूजन
६। ५ मंगल	शु. ९ शुक्लानौमी
६। ५ मंगल	शु. ९ सीता नवमी
७। ५ बुध	शु. १० टैगोर जयन्ती
८। ५ गुरु	शु. ११ मोहिनी एकादशी व्रत
८। ५ गुरु	शु. ११ श्रीश्यामबाबा जागरण
९। ५ शुक्र	शु. १२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
९। ५ शुक्र	शु. १२ प्रदोष व्रत
११। ५ रवि	शु. १४ नृसिंह चतुर्दशी
१२। ५ सोम	शु. १५ कूर्मोत्पत्ति
१२। ५ सोम	शु. १५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
१२। ५ सोम	शु. १५ वैशाखस्नानपूर्ति
१२। ५ सोम	शु. १५ धर्म घीतघर्ड जलकुंभदान

मई तारीख वार	ज्येष्ठमास कृष्णपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
१४। ५ बुध	कृ. २ नारद जयंती, वीणादान
१६। ५ शुक्र	कृ. ४ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २१।२२
२०। ५ मंगल	कृ. ७ कालाष्टमी
२१। ५ बुध	कृ. ८ कृष्णानौमी
२३। ५ शुक्र	कृ. ११ अपरा एकादशी व्रत स्मार्त, वैष्णव
२४। ५ शनि	कृ. १२ अपरा एकादशी व्रत निम्बा.
२५। ५ रवि	कृ. १३ प्रदोष व्रत
२५। ५ रवि	कृ. १३ मासिक शिवरात्री व्रत
२६। ५ सोम	कृ. १४ शनि जयंती
२६। ५ सोम	कृ. १४ भाऊका अमा.
२६। ५ सोम	कृ. १४ पितृकार्य मे अमावस्या
२७। ५ मंगल	कृ. ३० नेहरूजी पुण्य तिथि
२७। ५ मंगल	कृ. ३० भाऊका-करिदिन (महाराष्ट्र)
२७। ५ मंगल	कृ. ३० वटपूजन (राजस्थान)
२७। ५ मंगल	कृ. ३० देवकार्य मे अमावस्या

मई तारीख वार	ज्येष्ठमास शुक्लपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
२८। ५ बुध	शु. १ चंद्रदर्शन (मुहुर्ती३०)
२८। ५ बुध	शु. १ करिदिन (महाराष्ट्र)
२८। ५ बुध	शु. १ श्री गंगादशाश्वमेधस्नान प्रारम्भ
२९। ५ गुरु	शु. ३ रंभा व्रत
२९। ५ गुरु	शु. ३ महाराणा प्रताप जयंती
३०। ५ शुक्र	शु. ४ विनायक चतुर्थी
	जून २०२५
३। ६ मंगल	शु. ८ दुर्गाष्टमी
३। ६ मंगल	शु. ८ धूमावती जयंती
४। ६ बुध	शु. ९ शुक्लानौमी
५। ६ गुरु	शु. १० गंगा दशहरा व्रत
७। ६ शनि	शु. ११ निर्जला एकादशी व्रत
७। ६ शनि	शु. ११ श्रीश्यामबाबा जागरण
८। ६ रवि	शु. १२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
८। ६ रवि	शु. १२ प्रदोष व्रत
८। ६ रवि	शु. १२ वटसावित्री व्रत प्रारम्भ (गुजरात)
१०। ६ मंगल	शु. १४ वटसावित्री व्रत पूर्ति (गुजरात)
१०। ६ मंगल	शु. १४ अब्द साध्य व्रत
११। ६ बुध	शु. १५ तारा (गुरु अस्त)
११। ६ बुध	शु. १५ मन्वादि
११। ६ बुध	शु. १५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
११। ६ बुध	शु. १५ कबीर जयंती
११। ६ बुध	शु. १५ ज्येष्ठी योग

जून तारीख वार	आषाढमास कृष्णपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
१४। ६ शनि	कृ. ३ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २०।५१
१८। ६ बुध	कृ. ७ कालाष्टमी
२०। ६ शुक्र	कृ. ९ कृष्णानौमी
२१। ६ शनि	कृ. १० सायन दक्षिणायनारंभः घटी. ८।०२
२२। ६ रवि	कृ. ११ अयन करिदिन
२२। ६ रवि	कृ. ११ योगिनी एकादशी व्रत
२३। ६ सोम	कृ. १३ प्रदोष व्रत
२३। ६ सोम	कृ. १३ मासिक शिवरात्री व्रत
२५। ६ बुध	कृ. ३० देव पितृकार्य मे अमावस्या

जून तारीख वार	आषाढमास शुक्लपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
२६। ६ गुरु	शु. १ चंद्रदर्शन (मुहुर्ती४५)
२७। ६ शुक्र	शु. २ श्री जगदीश रथ यात्रा
२८। ६ शनि	शु. ३ विनायक चतुर्थी
३०। ६ सोम	शु. ५ स्कन्द षष्ठी
	जुलाई २०२५
४। ७ शुक्र	शु. ९ शुक्लानौमी
४। ७ शुक्र	शु. ९ भडली नवमी
५। ७ शनि	शु. १० मन्वादि
५। ७ शनि	शु. १० आशा दशमी
६। ७ रवि	शु. ११ तारा शुद्ध (गुरु उदय)
६। ७ रवि	शु. ११ देव शयनी एकादशी व्रत
६। ७ रवि	शु. ११ श्रीश्यामबाबा जागरण
६। ७ रवि	शु. ११ चतुर्मास व्रत प्रारम्भ
६। ७ रवि	शु. ११ गोपद्मव्रतोद्यापन
६। ७ रवि	शु. ११ हरिवासर २२।४२ से
७। ७ सोम	शु. १२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
७। ७ सोम	शु. १२ श्रावण मे शाक-सब्जी छोडने का व्रत
७। ७ सोम	शु. १२ हरिवासर ५।२१ तक
८। ७ मंगल	शु. १३ प्रदोष व्रत
८। ७ मंगल	शु. १३ जया पार्वती व्रत
१०। ७ गुरु	शु. १५ मन्वादि
१०। ७ गुरु	शु. १५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
१०। ७ गुरु	शु. १५ वायु परीक्षा
१०। ७ गुरु	शु. १५ गोपद्म व्रत प्रारम्भ
१०। ७ गुरु	शु. १५ व्यासपूजा
१०। ७ गुरु	शु. १५ गुरु पूर्णिमा
१०। ७ गुरु	शु. १५ आषाढी योग

जुलाई तारीख वार	श्रावणमास कृष्णपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
११। ७ शुक्र	कृ. १ नक्त व्रत प्रारम्भ
१२। ७ शनि	कृ. २ अशून्यशयन व्रत
१४। ७ सोम	कृ. ४ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २०।४१
१५। ७ मंगल	कृ. ५ नागपंचमी (राजस्थान)
१८। ७ शुक्र	कृ. ८ कालाष्टमी
१९। ७ शनि	कृ. ९ कृष्णानौमी
२१। ७ सोम	कृ. ११ कामिका एकादशी व्रत
२२। ७ मंगल	कृ. १२ प्रदोष व्रत
२३। ७ बुध	कृ. १३ मासिक शिवरात्री व्रत
२४। ७ गुरु	कृ. ३० हरियाली अमा.
२४। ७ गुरु	कृ. ३० देव पितृकार्य मे अमावस्या

जुलाई तारीख वार	श्रावणमास शुक्लपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
२६। ७ शनि	शु. २ चंद्रदर्शन (मुहुर्ती३०)
२६। ७ शनि	शु. २ सिंधारा
२७। ७ रवि	शु. ३ तीज
२७। ७ रवि	शु. ३ स्वर्णगौरी व्रत
२७। ७ रवि	शु. ३ मधुश्रवा व्रत (गुजरात)
२७। ७ रवि	शु. ३ मुकुल तृतीया व्रत
२८। ७ सोम	शु. ४ विनायक चतुर्थी
२८। ७ सोम	शु. ४ वरद चतुर्थी
२८। ७ सोम	शु. ४ दूर्वा गणपति व्रत
२८। ७ सोम	शु. ४ रोटक व्रत प्रारम्भ
२८। ७ सोम	शु. ४ सोमेश्वरपूजन
२९। ७ मंगल	शु. ५ नागपंचमी
२९। ७ मंगल	शु. ५ नागदष्ट व्रत
३०। ७ बुध	शु. ६ कल्की जयंती
३०। ७ बुध	शु. ६ वर्णषष्ठी
३१। ७ गुरु	शु. ७ शीतला
३१। ७ गुरु	शु. ७ तुलसी जयंती
	अगस्त २०२५
१। ८ शुक्र	शु. ७ तिलकपुण्यतिथि
१। ८ शुक्र	शु. ७ दुर्गाष्टमी
३। ८ रवि	शु. ९ शुक्लानौमी
५। ८ मंगल	शु. ११ पवित्रा एकादशी व्रत
५। ८ मंगल	शु. ११ श्रीश्यामबाबा जागरण
६। ८ बुध	शु. १२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
६। ८ बुध	शु. १२ प्रदोष व्रत
६। ८ बुध	शु. १२ भाद्रपद मे दही छोडने का व्रत
६। ८ बुध	शु. १२ पवित्रारोपण
८। ८ शुक्र	शु. १४ हयग्रीव जयंती
८। ८ शुक्र	शु. १४ सुनमाखडणा भद्रा के पहिले

९। ८ शनि	शु.१५ नारियल पूर्णिमा
९। ८ शनि	शु.१५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
९। ८ शनि	शु.१५ रक्षाबंधन (पूरा दिन शुद्ध है)
अगस्त	**भाद्रपदमास कृष्णपक्ष**
तारीख वार	तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
११। ८ सोम	कृ. २ बहुदौरी व्रत (कर्नाटक में डोली)
१२। ८ मंगल	कृ. ३ अंगारकी चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय १९।४७
१२। ८ मंगल	कृ. ३ कजली(बूढ़ी) तीज
१२। ८ मंगल	कृ. ३ बूढ़ी तीज
१२। ८ मंगल	कृ. ३ बहु का सिंधारा
१४। ८ गुरु	कृ. ६ हलषष्ठी
१४। ८ गुरु	कृ. ६ चंद्रषष्ठी (धानाछठ)
१५। ८ शुक्र	कृ. ७ भारतीयस्वतंत्रता दिवस
१५। ८ शुक्र	कृ. ७ शीतला व्रत
१६। ८ शनि	कृ. ८ कालाष्टमी
१६। ८ शनि	कृ. ८ मन्वादि
१६। ८ शनि	कृ. ८ जन्माष्टमी व्रत
१६। ८ शनि	कृ. ८ दशाफल व्रत
१७। ८ रवि	कृ. ९ कृष्णानौमी
१७। ८ रवि	कृ. ९ गोगानवमी (गुग्गोजी)
१९। ८ मंगल	कृ.११ अजा एकादशी व्रत
१९। ८ मंगल	कृ.११ जैनपर्यूषण
१९। ८ मंगल	कृ.११ वत्सपूजा (बछबारस)
२०। ८ बुध	कृ.१२ प्रदोष व्रत
२१। ८ गुरु	कृ.१३ मासिक शिवरात्री व्रत
२२। ८ शुक्र	कृ.१४ कुशाग्रहणी अमा.
२२। ८ शुक्र	कृ.१४ पिठोरी अमा. (मध्यदेशी पोला)
२३। ८ शनि	कृ.३० भादीमावस
२३। ८ शनि	कृ.३० श्रीराणीसतीजी का मेला
२३। ८ शनि	कृ.३० लोहार्गल स्नान
२३। ८ शनि	कृ.३० मातृ अमा.
२३। ८ शनि	कृ.३० देव-पितृकार्य में अमावस्या
अगस्त	**भाद्रपदमास शुक्लपक्ष**
तारीख वार	तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
२५। ८ सोम	शु. २ चंद्रदर्शन (मुहूर्ती१५)
२६। ८ मंगल	शु. ३ मन्वादि
२६। ८ मंगल	शु. ३ वराह जयंती
२६। ८ मंगल	शु. ३ हरितालिका व्रत
२६। ८ मंगल	शु. ३ हस्तिगौरी व्रत
२७। ८ बुध	शु. ४ विनायक चतुर्थी
२७। ८ बुध	शु. ४ गणेश चतुर्थी (चंद्र दर्शन निषेध)
२७। ८ बुध	शु. ४ चौक चानणी का सिंधारा
२७। ८ बुध	शु. ४ जैन संवत्सरी
२८। ८ गुरु	शु. ५ ऋषि पंचमी
२९। ८ शुक्र	शु. ६ सौर (सूर्य) षष्ठी
२९। ८ शुक्र	शु. ६ स्कन्द दर्शन
२९। ८ शुक्र	शु. ६ ललिता षष्ठी व्रत (गुजरात)
२९। ८ शुक्र	शु. ६ महालक्ष्मी व्रतारंभ
३०। ८ शनि	शु. ७ मुक्ताभरण व्रत
३०। ८ शनि	शु. ७ उमामहेश्वर पूजा
३०। ८ शनि	शु. ७ दुबड़ी सातम
३१। ८ रवि	शु. ८ श्री राधाष्टमी
३१। ८ रवि	शु. ८ दधीची जयंती
३१। ८ रवि	शु. ८ ज्येष्ठा का व्रत-पूजन
३१। ८ रवि	शु. ८ गौरी आवाहन १४।२५ यावत्
सितंबर २०२५	
१। ९ सोम	शु. ९ शुक्लानौमी
१। ९ सोम	शु. ९ अदु:ख नवमी व्रत
१। ९ सोम	शु. ९ गौरीगणपति पूजा
१। ९ सोम	शु. ९ श्री चंद (उदासीन संप्रदाय)
१। ९ सोम	शु. ९ गौरी पूजन ११।५५ यावत्
१। ९ सोम	शु. ९ श्री महालक्ष्मी व्रत समाप्ति
२। ९ मंगल	शु.१० दशावतार व्रत
२। ९ मंगल	शु.१० श्री रामदेवजी का मेला
२। ९ मंगल	शु.१० गौरी विसर्जन २१।५१ यावत्
३। ९ बुध	शु.११ जलझूलनी एकादशी व्रत स्मार्त
३। ९ बुध	शु.११ श्रीश्यामबाबा जागरण
४। ९ गुरु	शु.१२ जलझूलनी एकादशी व्रत निम्बा., वैष्णव
४। ९ गुरु	शु.१२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
४। ९ गुरु	शु.१२ वामन (द्वादशी) जयंती
४। ९ गुरु	शु.१२ आश्विन में दुग्ध छोड़ने का व्रत
५। ९ शुक्र	शु.१३ शिक्षक दिवस
५। ९ शुक्र	शु.१३ प्रदोष व्रत
५। ९ शुक्र	शु.१३ गोत्रिरात्र व्रत
६। ९ शनि	शु.१४ अनन्त चतुर्दशी
६। ९ शनि	शु.१४ कदली व्रत पूजन
६। ९ शनि	शु.१४ रंबारोपण
७। ९ रवि	शु.१५ खग्रास चन्द्रग्रहण
७। ९ रवि	शु.१५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
७। ९ रवि	शु.१५ प्रोष्ठपदी
७। ९ रवि	शु.१५ श्राद्ध प्रारम्भ
७। ९ रवि	शु.१५ महालय श्राद्धारंभ
७। ९ रवि	शु.१५ महेश्वर पूजन
७। ९ रवि	शु.१५ कृ. संध्यापूजा
७। ९ रवि	शु.१५ इंदुला पूर्णिमा
सितंबर	**आश्विनमास कृष्णपक्ष**
तारीख वार	तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
८। ९ सोम	कृ. १ ग्रहण करिदिन (महाराष्ट्र)
१०। ९ बुध	कृ. ३ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय १८।५५
११। ९ गुरु	कृ. ४ भरणी श्राद्ध
१२। ९ शुक्र	कृ. ५ चंद्रषष्ठी
१४। ९ रवि	कृ. ७ कालाष्टमी
१४। ९ रवि	कृ. ७ श्रीमहालक्ष्मी व्रत
१४। ९ रवि	कृ. ७ अशोकाष्टमी
१४। ९ रवि	कृ. ७ आशा भागवती व्रत (डोरा लेना)
१५। ९ सोम	कृ. ९ कृष्णानौमी
१५। ९ सोम	कृ. ९ सौभाग्यवतीनां श्राद्ध
१७। ९ बुध	कृ.११ विश्वकर्मा पूजा
१७। ९ बुध	कृ.११ इंदिरा एकादशी व्रत स्मार्त, वैष्णव
१८। ९ गुरु	कृ.१२ इंदिरा एकादशी व्रत निम्बा.
१८। ९ गुरु	कृ.१२ सन्यासियों के लिए श्राद्ध
१९। ९ शुक्र	कृ.१३ प्रदोष व्रत
१९। ९ शुक्र	कृ.१३ कलि युगादि
२०। ९ शनि	कृ.१४ मासिक शिवरात्री व्रत
२०। ९ शनि	कृ.१४ शस्त्रादि हतानां श्राद्ध
२१। ९ रवि	कृ.३० सर्वपितृ श्राद्ध
२१। ९ रवि	कृ.३० देव-पितृकार्य में अमावस्या
सितंबर	**आश्विनमास शुक्लपक्ष**
तारीख वार	तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
२२। ९ सोम	शु. १ नवरात्र आरम्भ
२२। ९ सोम	शु. १ घटस्थापन
२२। ९ सोम	शु. १ अग्रसेन जयंती
२२। ९ सोम	शु. १ आशा भागवती डोरा खोलना
२२। ९ सोम	शु. १ मातामह श्राद्ध
२४। ९ बुध	शु. ३ चंद्रदर्शन (मुहूर्ती१५)
२५। ९ गुरु	शु. ३ विनायक चतुर्थी
२६। ९ शुक्र	शु. ४ उपांग ललिता व्रत
२९। ९ सोम	शु. ७ महालक्ष्मी पूजन (घागरी फूंकणे, महाराष्ट्र)
२९। ९ सोम	शु. ७ सरस्वती आवाहन
२९। ९ सोम	शु. ७ भद्रकाली अवतार
३०। ९ मंगल	शु. ८ महाष्टमी (दुर्गाष्टमी)
३०। ९ मंगल	शु. ८ सरस्वती पूजन
अक्टूबर २०२५	
१।१० बुध	शु. ९ शुक्लानौमी
१।१० बुध	शु. ९ मन्वादि
१।१० बुध	शु. ९ शस्त्रादि पूजा
१।१० बुध	शु. ९ बलिदान
२।१० गुरु	शु.१० गांधी जयन्ती
२।१० गुरु	शु.१० बौद्धावतार
२।१० गुरु	शु.१० विजया दशमी
२।१० गुरु	शु.१० शमीपूजा
२।१० गुरु	शु.१० पट्टाभिषेक
२।१० गुरु	शु.१० सरस्वती विसर्जन
३।१० शुक्र	शु.११ पापांकुशा एकादशी व्रत
३।१० शुक्र	शु.११ श्रीश्यामबाबा जागरण
४।१० शनि	शु.१२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
४।१० शनि	शु.१२ प्रदोष व्रत
४।१० शनि	शु.१२ कार्तिक में दाल छोड़ने का व्रत
६।१० सोम	शु.१४ शरद पूर्णिमा
६।१० सोम	शु.१४ कोजागरी व्रत
७।१० मंगल	शु.१५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
७।१० मंगल	शु.१५ बंगीय लक्ष्मी पूजा
७।१० मंगल	शु.१५ नवान्न भक्षण
७।१० मंगल	शु.१५ आश्वयुजी कर्म (आश्वलायन.)
७।१० मंगल	शु.१५ कार्तिक स्नान प्रारम्भ
अक्टूबर	**कार्तिकमास कृष्णपक्ष**
तारीख वार	तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
१०।१० शुक्र	कृ. ४ चतुर्थीव्रत (करवा) चन्द्रोदय १९।०३
१०।१० शुक्र	कृ. ४ दशरथ ललिता व्रत
१२।१० रवि	कृ. ६ स्कन्द षष्ठी
१३।१० सोम	कृ. ७ कालाष्टमी
१३।१० सोम	कृ. ७ होई आठें (अष्टमी) चंद्रोदय २२।०९
१३।१० सोम	कृ. ७ कराष्टमी
१४।१० मंगल	कृ. ८ राधा जयंती
१५।१० बुध	कृ. ९ कृष्णानौमी
१७।१० शुक्र	कृ.११ रमा एकादशी व्रत
१७।१० शुक्र	कृ.११ आकाश दीपारंभ
१७।१० शुक्र	कृ.११ गोवत्स द्वादशी
१८।१० शनि	कृ.१२ प्रदोष व्रत
१८।१० शनि	कृ.१२ धनतेरस
१८।१० शनि	कृ.१२ धन्वन्तरी जयंती
१८।१० शनि	कृ.१२ यम के लिए दीपदान
१८।१० शनि	कृ.१२ गोत्रिरात्र व्रत
१९।१० रवि	कृ.१३ मासिक शिवरात्री व्रत
१९।१० रवि	कृ.१३ दीपदान
१९।१० रवि	कृ.१३ छोटी दीपावली
२०।१० सोम	कृ.१४ रूप (१४)
२०।१० सोम	कृ.१४ प्रभात स्नान
२०।१० सोम	कृ.१४ महालक्ष्मी पूजा
२०।१० सोम	कृ.१४ कुबेर पूजा
२१।१० मंगल	कृ.३० शहीद दिवस
२१।१० मंगल	कृ.३० देव पितृकार्य में अमावस्या
२१।१० मंगल	कृ.३० बलीपूजा
अक्टूबर	**कार्तिकमास शुक्लपक्ष**
तारीख वार	तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
२२।१० बुध	शु. १ गुजरातियों का नूतन वर्षारंभ
२३।१० गुरु	शु. २ भैयादूज
२३।१० गुरु	शु. २ यम दूज
२३।१० गुरु	शु. २ यमुना स्नान
२३।१० गुरु	शु. २ कलम दवात पूजा
२४।१० शुक्र	शु. ३ चंद्रदर्शन (मुहूर्ती३०)
२५।१० शनि	शु. ४ विनायक चतुर्थी
२५।१० शनि	शु. ४ दूर्वा गणपति व्रत
२६।१० रवि	शु. ५ सौभाग्य पंचमी
२६।१० रवि	शु. ५ पाण्डव पंचमी
२८।१० मंगल	शु. ६ कल्पादि
२८।१० मंगल	शु. ६ वन्हि (सूर्य) षष्ठी
३०।१० गुरु	शु. ८ गोपाष्टमी
३१।१० शुक्र	शु. ९ शुक्लानौमी
३१।१० शुक्र	शु. ९ कृत युगादि
३१।१० शुक्र	शु. ९ कुष्माण्ड (आंवला) नवमी
नवंबर २०२५	
१।११ शनि	शु.१० श्रीश्यामबाबा जागरण
२।११ रवि	शु.११ तुलसी विवाह
२।११ रवि	शु.११ भीष्म पंचक प्रा.
२।११ रवि	शु.११ चातुर्मास्य व्रत समाप्ति
२।११ रवि	शु.११ देवोत्थापन
२।११ रवि	शु.११ प्रबोधिनी एकादशी व्रत
२।११ रवि	शु.११ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
२।११ रवि	शु.११ मन्वादि
३।११ सोम	शु.१३ प्रदोष व्रत
४।११ मंगल	शु.१४ बैकुण्ठ १४
४।११ मंगल	शु.१४ रोटक व्रत समाप्ति
४।११ मंगल	शु.१४ कार्तिक व्रतोद्यापन
५।११ बुध	शु.१५ मन्वादि

५।११ बुध	शु.१५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
५।११ बुध	शु.१५ गोपव्रत समाप्ति
५।११ बुध	शु.१५ त्रिपुरोत्सव
५।११ बुध	शु.१५ पुष्कर यात्रा
५।११ बुध	शु.१५ नानक जयंती
५।११ बुध	शु.१५ भीष्म पंचक समाप्ति
५।११ बुध	शु.१५ कार्तिक स्नान पूर्ति
नवंबर	**मार्गशीर्षमास कृष्णपक्ष**
तारीख वार	**तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
८।११ शनि	कृ. ३ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय १८।४८
८।११ शनि	कृ. ३ सौभाग्य सुंदरी व्रत
१२।११ बुध	कृ. ८ कालाष्टमी
१२।११ बुध	कृ. ८ कालभैरवाष्टमी
१३।११ गुरु	कृ. ९ राणी सतीजी जन्म महोत्सव मेला
१४।११ शुक्र	कृ.१० नेहरूजयन्ती (बालदिवस)
१५।११ शनि	कृ.११ उत्पत्ति एकादशी व्रत स्मार्त, वैष्णव
१५।११ शनि	कृ.११ वैतरणी व्रत
१६।११ रवि	कृ.१२ उत्पत्ति एकादशी व्रत निम्बा.
१६।११ रवि	कृ.१२ आकाशदीप समाप्ति
१७।११ सोम	कृ.१३ प्रदोष व्रत
१८।११ मंगल	कृ.१३ मासिक शिवरात्री व्रत
१९।११ बुध	कृ.१४ गौरीतपो व्रत
१९।११ बुध	कृ.१४ महाव्रतारंभ
२०।११ गुरु	कृ.३० देव-पितृकार्य में अमावस्या
नवंबर	**मार्गशीर्षमास शुक्लपक्ष**
तारीख वार	**तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
२१।११ शुक्र	शु. १ मार्तण्ड भैरव षड्रात्रोत्सवारंभ (महाराष्ट्र)
२२।११ शनि	शु. २ चंद्रदर्शन (मुहुर्ती४५)
२३।११ रवि	शु. ३ रंभा व्रत
२४।११ सोम	शु. ४ विनायक चतुर्थी
२५।११ मंगल	शु. ५ नागपंचमी
२६।११ बुध	शु. ६ स्कन्द (महाराष्ट्र में चंपा) षष्ठी व्रत
२६।११ बुध	शु. ६ मार्तण्ड भैरवोत्थापन (महाराष्ट्र)
२९।११ शनि	शु. ९ शुक्लानौमी
२९।११ शनि	शु. ९ कल्पादि
	दिसंबर २०२५
१।१२ सोम	शु.११ मोक्षदा एकादशी व्रत
१।१२ सोम	शु.११ श्रीश्यामबाबा जागरण
१।१२ सोम	शु.११ गीता जयंती
२।१२ मंगल	शु.१२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
२।१२ मंगल	शु.१२ प्रदोष व्रत
२।१२ मंगल	शु.१२ अनंग त्रयोदशी व्रत
३।१२ बुध	शु.१३ पिशाच मोचन श्राद्ध
४।१२ गुरु	शु.१४ नौ सेना दिवस
४।१२ गुरु	शु.१४ श्री दत्त जयंती
४।१२ गुरु	शु.१४ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
४।१२ गुरु	शु.१४ द्वात्रिंशी (बत्तीसी) पूर्णिमा
दिसंबर	**पौषमास कृष्णपक्ष**
तारीख वार	**तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
७।१२ रवि	कृ. ३ झण्डा दिवस
७।१२ रवि	कृ. ३ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय १८।४३
९।१२ मंगल	कृ. ५ तारा (शुक्र अस्त)
११।१२ गुरु	कृ. ७ कालाष्टमी
१३।१२ शनि	कृ. ९ कृष्णानौमी
१५।१२ सोम	कृ.११ सफला एकादशी व्रत
१६।१२ मंगल	कृ.१२ सुरूप द्वादशी
१७।१२ बुध	कृ.१३ प्रदोष व्रत
१८।१२ गुरु	कृ.१४ मासिक शिवरात्री व्रत
१९।१२ शुक्र	कृ.३० पितृकार्य में अमावस्या
१९।१२ शुक्र	कृ.३० कुहू अमावस्या
२०।१२ शनि	कृ.३० देवकार्य में अमावस्या
दिसंबर	**पौषमास शुक्लपक्ष**
तारीख वार	**तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
२१।१२ रवि	शु. १ सायन उत्तरायनारंभ: स्टै. २०।३३
२२।१२ सोम	शु. २ चंद्रदर्शन (मुहुर्ती४५)
२२।१२ सोम	शु. २ अयन करिदिन
२४।१२ बुध	शु. ४ विनायक चतुर्थी
२५।१२ गुरु	शु. ५ बड़ादिन
२८।१२ रवि	शु. ८ शाकम्भरी यात्रा
२९।१२ सोम	शु. ९ शुक्लानौमी
३०।१२ मंगल	शु.१० पुत्रदा एकादशी व्रत स्मार्त
३०।१२ मंगल	शु.१० श्रीश्यामबाबा जागरण
३०।१२ मंगल	शु.१० मन्वादि
३१।१२ बुध	शु.१२ पुत्रदा एकादशी व्रत निम्बा., वैष्णव
३१।१२ बुध	शु.१२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
	जनवरी २०२६
१।१ गुरु	शु.१३ प्रदोष व्रत
३।१ शनि	शु.१५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
३।१ शनि	शु.१५ शाकंभरी जयंती
३।१ शनि	शु.१५ माघ स्नानारंभ
जनवरी	**माघमास कृष्णपक्ष**
तारीख वार	**तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
६।१ मंगल	कृ. ३ अंगारकी चतुर्थीव्रत (माही तिलकुटी) चन्द्रोदय १९।४२
६।१ मंगल	कृ. ३ सौभाग्य सुन्दरी व्रत
६।१ मंगल	कृ. ३ संकट हरणगणपति व्रत
६।१ मंगल	कृ. ३ गौरी चतुर्थी
१०।१ शनि	कृ. ७ स्वामी विवेकानन्द जयंती
१०।१ शनि	कृ. ७ कालाष्टमी
१२।१ सोम	कृ. ९ कृष्णानौमी
१४।१ बुध	कृ.११ मकर संक्रांति स्टै. १४।३४
१४।१ बुध	कृ.११ षट्तिला एकादशी व्रत
१५।१ गुरु	कृ.१२ पुण्यकाल स्टै. ६।३४ तक
१५।१ गुरु	कृ.१२ तिल द्वादशी
१६।१ शुक्र	कृ.१३ संक्रान्ति करिदिन
१६।१ शुक्र	कृ.१३ प्रदोष व्रत
१७।१ शनि	कृ.१४ मासिक शिवरात्री व्रत
१८।१ रवि	कृ.३० मौनी अमा.
१८।१ रवि	कृ.३० देव-पितृकार्य में अमावस्या
१८।१ रवि	कृ.३० द्वापर युगादि
जनवरी	**माघमास शुक्लपक्ष**
तारीख वार	**तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
१९।१ सोम	शु. १ श्री वल्लभ जयंती
२०।१ मंगल	शु. २ चंद्रदर्शन (मुहुर्ती३०)
२२।१ गुरु	शु. ४ विनायक चतुर्थी
२२।१ गुरु	शु. ४ वरद (कुंद) चतुर्थी
२२।१ गुरु	शु. ४ तिल चतुर्थी
२३।१ शुक्र	शु. ५ नेताजी जयन्ती
२३।१ शुक्र	शु. ५ वसन्त पंचमी
२५।१ रवि	शु. ७ मन्वादि
२५।१ रवि	शु. ७ पुत्र सप्तमी
२५।१ रवि	शु. ७ सूर्य सप्तमी
२५।१ रवि	शु. ७ अचला सप्तमी
२५।१ रवि	शु. ७ भानु सप्तमी
२५।१ रवि	शु. ७ विजया सप्तमी
२६।१ सोम	शु. ८ गणतन्त्र दिवस
२६।१ सोम	शु. ८ भीष्माष्टमी
२७।१ मंगल	शु. ९ शुक्लानौमी
२९।१ गुरु	शु.११ जया एकादशी व्रत
२९।१ गुरु	शु.११ श्रीश्यामबाबा जागरण
२९।१ गुरु	शु.११ भीष्मद्वादशी
३०।१ शुक्र	शु.१२ गांधीजी पुण्य तिथि
३०।१ शुक्र	शु.१२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
३०।१ शुक्र	शु.१२ प्रदोष व्रत
३०।१ शुक्र	शु.१२ कल्पादि
	फरवरी २०२६
१।२ रवि	शु.१५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
१।२ रवि	शु.१५ माघ स्नान पूर्ति
फरवरी	**फाल्गुनमास कृष्णपक्ष**
तारीख वार	**तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
४।२ बुध	कृ. ३ तारा गुरु (शुक्र उदय)
५।२ गुरु	कृ. ४ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २०।२०
९।२ सोम	कृ. ८ कालाष्टमी
११।२ बुध	कृ. ९ कृष्णानौमी
११।२ बुध	कृ. ९ रामदास नवमी
१३।२ शुक्र	कृ.११ विजया एकादशी व्रत
१४।२ शनि	कृ.१२ प्रदोष व्रत
१५।२ रवि	कृ.१३ महा शिवरात्री व्रत
१७।२ मंगल	कृ.३० देव-पितृकार्य में अमावस्या
फरवरी	**फाल्गुनमास शुक्लपक्ष**
तारीख वार	**तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
१९।२ गुरु	शु. २ चंद्रदर्शन (मुहुर्ती३०)
१९।२ गुरु	शु. २ फुलरिया दूज
१९।२ गुरु	शु. २ श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती
२१।२ शनि	शु. ४ विनायक चतुर्थी
२२।२ रवि	शु. ५ याज्ञवल्क्य जयंती
२४।२ मंगल	शु. ७ होलाष्टक प्रारम्भ
२५।२ बुध	शु. ९ शुक्लानौमी
२७।२ शुक्र	शु.११ बिड़कुल्ला-ढाल बापणा भद्रा के पहिले
२७।२ शुक्र	शु.११ आमलकी एकादशी व्रत स्मार्त, वैष्णव
२७।२ शुक्र	शु.११ श्रीश्यामबाबा जागरण
२८।२ शनि	शु.१२ राष्ट्रीय विज्ञान दिवस
२८।२ शनि	शु.१२ आमलकी एकादशी व्रत निम्बा.
२८।२ शनि	शु.१२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
२८।२ शनि	शु.१२ श्री खाटूश्यामजी मेला
	मार्च २०२६
१।३ रवि	शु.१३ प्रदोष व्रत
२।३ सोम	शु.१४ होलिका दहन महापुण्य (भद्रा २५।२२ के बाद)
२।३ सोम	शु.१४ करिदिन (महाराष्ट्र)
३।३ मंगल	शु.१५ मन्वादि
३।३ मंगल	शु.१५ ग्रस्तोदय खग्रास चन्द्रग्रहण
३।३ मंगल	शु.१५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
३।३ मंगल	शु.१५ धुलेंडी
३।३ मंगल	शु.१५ सांपला का डीरा मेला
३।३ मंगल	शु.१५ गणगौर पूजा आरम्भ
३।३ मंगल	शु.१५ करिदिन (महाराष्ट्र)
मार्च	**चैत्रमास कृष्णपक्ष**
तारीख वार	**तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
४।३ बुध	कृ. १ वहन-करिदिन (महाराष्ट्र)
४।३ बुध	कृ. १ वसन्त प्रतिपदा
६।३ शुक्र	कृ. ३ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय १९।५८
६।३ शुक्र	कृ. ३ कल्पादि
८।३ रवि	कृ. ५ विश्व महिला दिवस
८।३ रवि	कृ. ५ रंग पंचमी
११।३ बुध	कृ. ८ कालाष्टमी
११।३ बुध	कृ. ८ शीतला (बास्योड़ी) पूजन
१३।३ शुक्र	कृ. ९ दादू दयाल जयन्ती
१३।३ शुक्र	कृ. ९ कृष्णानौमी
१५।३ रवि	कृ.११ पापमोचनी एकादशी व्रत
१६।३ सोम	कृ.१२ प्रदोष व्रत
१७।३ मंगल	कृ.१३ विश्व विकलांग दिवस
१७।३ मंगल	कृ.१३ रंग तेरस
१७।३ मंगल	कृ.१३ मासिक शिवरात्री व्रत
१७।३ मंगल	कृ.१३ गंगास्नान, वारुणी योग ६।१८ से ९।२३ तक
१८।३ बुध	कृ.१४ पितृकार्य में अमावस्या
१८।३ बुध	कृ.१४ मन्वादि
१९।३ गुरु	कृ.३० देवकार्य में अमावस्या
१९।३ गुरु	कृ.३० नया संवत आरम्भ
१९।३ गुरु	कृ.३० नवरात्र आरम्भ
१९।३ गुरु	कृ.३० घटस्थापन
१९।३ गुरु	कृ.३० ध्वजारोपण
१९।३ गुरु	कृ.३० गुडी पडवा (महाराष्ट्र)
१९।३ गुरु	कृ.३० कल्पादि

॥ शुभम् ॥

(अक्षांश २२° ३४' उ., रेखांश ८८° २८' पू.)

मुख्य व्रतोत्सव तालिका
संवत् २०८२, (सन २०२५-२०२६)
(तिथि में - शु. से शुक्लपक्ष और कृ. से कृष्णपक्ष)

मार्च तारीख वार	चैत्रमास शुक्लपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
३०। ३ रवि	शु. १ चंद्रदर्शन (मुहूर्ती३०)
३०। ३ रवि	शु. १ नया संवत आरम्भ
३०। ३ रवि	शु. १ नवरात्र आरम्भ
३०। ३ रवि	शु. १ घटस्थापन
३०। ३ रवि	शु. १ ध्वजारोपण
३०। ३ रवि	शु. १ गुड़ी पड़वा (महाराष्ट्र)
३०। ३ रवि	शु. १ कल्पादि
३१। ३ सोम	शु. २ मत्स्योत्पत्ति
३१। ३ सोम	शु. २ अरुन्धती व्रत-पूजा
३१। ३ सोम	शु. २ सिंधारा
	अप्रैल २०२५
१। ४ मंगल	शु. ३ मन्वादि
१। ४ मंगल	शु. ३ अंगारक विनायक चतुर्थी
१। ४ मंगल	शु. ३ गणगौर पूजा समापन
१। ४ मंगल	शु. ३ मनोरथ तृतीया व्रत
१। ४ मंगल	शु. ३ सौभाग्य शयन व्रत
१। ४ मंगल	शु. ३ शिवशक्ति पूजा
२। ४ बुध	शु. ५ गुड फ्रायडे (ईसाई)
२। ४ बुध	शु. ५ कल्पादि
२। ४ बुध	शु. ५ दोलोत्सव
३। ४ गुरु	शु. ६ स्कन्द षष्ठी व्रत
५। ४ शनि	शु. ८ भवान्युत्पत्ति
५। ४ शनि	शु. ८ अष्टमी की कढ़ाई
५। ४ शनि	शु. ८ अशोककलिका प्राशन
६। ४ रवि	शु. ९ श्री रामनवमी
८। ४ मंगल	शु. ११ कामदा एकादशी व्रत
८। ४ मंगल	शु. ११ श्रीश्यामबाबा जागरण
८। ४ मंगल	शु. ११ लक्ष्मीकान्त दोलोत्सव
९। ४ बुध	शु. १२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
९। ४ बुध	शु. १२ हरि दमनोत्सव
१०। ४ गुरु	शु. १३ प्रदोष व्रत
१०। ४ गुरु	शु. १३ जैन महावीर जयंती
११। ४ शुक्र	शु. १४ शिव पूजन विशेष
१२। ४ शनि	शु. १५ मन्वादि
१२। ४ शनि	शु. १५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
१२। ४ शनि	शु. १५ वैशाख स्नान प्रारम्भ
१३। ४ रवि	शु. १५ हनुमान जयंती
१३। ४ रवि	शु. १५ अश्वत्थसेवनमहाफल

अप्रैल तारीख वार	वैशाखमास कृष्णपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
१४। ४ सोम	कृ. १ डा. आम्बेडकर जयन्ती
१६। ४ बुध	कृ. ३ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २०।५७
१७। ४ गुरु	कृ. ४ अनुसूया जयंती
२१। ४ सोम	कृ. ८ कालाष्टमी
२१। ४ सोम	कृ. ८ बूढ़ी बास्योड़ो
२२। ४ मंगल	कृ. ९ कृष्णानौमी
२४। ४ गुरु	कृ. ११ वरूथिनि एकादशी व्रत
२५। ४ शुक्र	कृ. १२ प्रदोष व्रत
२६। ४ शनि	कृ. १३ मासिक शिवरात्री व्रत
२७। ४ रवि	कृ. ३० देव-पितृकार्य में अमावस्या

अप्रैल तारीख वार	वैशाखमास शुक्लपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
२९। ४ मंगल	शु. २ चंद्रदर्शन (मुहूर्ती३०)
२९। ४ मंगल	शु. २ शिवाजी जयंती
२९। ४ मंगल	शु. २ परशुराम जयंती
३०। ४ बुध	शु. ३ त्रेता युगादि
३०। ४ बुध	शु. ३ कल्पादि
३०। ४ बुध	शु. ३ विनायक चतुर्थी
३०। ४ बुध	शु. ३ अक्षय तृतीया (आखातीज)
	मई २०२५
१। ५ गुरु	शु. ४ महाराष्ट्र दिवस, विश्व श्रम दिवस
२। ५ शुक्र	शु. ५ श्री आद्यशंकराचार्य जयंती
२। ५ शुक्र	शु. ५ श्री रामानुज जयंती
३। ५ शनि	शु. ६ गंगोत्पत्ति
३। ५ शनि	शु. ६ गंगापूजन
६। ५ मंगल	शु. ९ शुक्लानौमी
६। ५ मंगल	शु. ९ सीता नवमी
७। ५ बुध	शु. १० टैगोर जयन्ती
८। ५ गुरु	शु. ११ मोहिनी एकादशी व्रत
८। ५ गुरु	शु. ११ श्रीश्यामबाबा जागरण
९। ५ शुक्र	शु. १२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
९। ५ शुक्र	शु. १२ प्रदोष व्रत
११। ५ रवि	शु. १४ नृसिंह चतुर्दशी
१२। ५ सोम	शु. १५ कूर्मोत्पत्ति
१२। ५ सोम	शु. १५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
१२। ५ सोम	शु. १५ वैशाखस्नानपूर्ति
१२। ५ सोम	शु. १५ धर्म प्रीत्यर्थ जलकुंभदान

मई तारीख वार	ज्येष्ठमास कृष्णपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
१४। ५ बुध	कृ. २ नारद जयंती, वीणादान
१६। ५ शुक्र	कृ. ४ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २१।३५
२०। ५ मंगल	कृ. ७ कालाष्टमी
२१। ५ बुध	कृ. ८ कृष्णानौमी
२३। ५ शुक्र	कृ. ११ अपरा एकादशी व्रत स्मार्त, वैष्णव
२४। ५ शनि	कृ. १२ अपरा एकादशी व्रत निम्बा.
२५। ५ रवि	कृ. १३ प्रदोष व्रत
२५। ५ रवि	कृ. १३ मासिक शिवरात्री व्रत
२६। ५ सोम	कृ. १४ शनि जयंती
२६। ५ सोम	कृ. १४ भावुका अमा.
२६। ५ सोम	कृ. १४ पितृकार्य में अमावस्या
२७। ५ मंगल	कृ. ३० नेहरूजी पुण्य तिथि
२७। ५ मंगल	कृ. ३० भावुका-करिदिन (महाराष्ट्र)
२७। ५ मंगल	कृ. ३० वटपूजन (राजस्थान)
२७। ५ मंगल	कृ. ३० देवकार्य में अमावस्या

मई तारीख वार	ज्येष्ठमास शुक्लपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
२८। ५ बुध	शु. १ चंद्रदर्शन (मुहूर्ती३०)
२८। ५ बुध	शु. १ करिदिन (महाराष्ट्र)
२८। ५ बुध	शु. १ श्री गंगादशाश्वमेधस्नान प्रारम्भ
२९। ५ गुरु	शु. ३ रंभा व्रत
२९। ५ गुरु	शु. ३ महाराणा प्रताप जयंती
३०। ५ शुक्र	शु. ४ विनायक चतुर्थी
	जून २०२५
३। ६ मंगल	शु. ८ दुर्गाष्टमी
३। ६ मंगल	शु. ८ धूमावती जयंती
४। ६ बुध	शु. ९ शुक्लानौमी
५। ६ गुरु	शु. १० गंगा दशहरा व्रत
६। ६ शुक्र	शु. ११ निर्जला एकादशी व्रत स्मार्त, वैष्णव
७। ६ शनि	शु. १२ निर्जला एकादशी व्रत निम्बा.
७। ६ शनि	शु. १२ श्रीश्यामबाबा जागरण
८। ६ रवि	शु. १२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
८। ६ रवि	शु. १२ प्रदोष व्रत
८। ६ रवि	शु. १२ वटसावित्री व्रत प्रारम्भ (गुजरात)
१०। ६ मंगल	शु. १४ पूर्णिमा व्रत
१०। ६ मंगल	शु. १४ वटसावित्री व्रत पूर्ति (गुजरात)
१०। ६ मंगल	शु. १४ अब्द साध्य व्रत
११। ६ बुध	शु. १५ मन्वादि
११। ६ बुध	शु. १५ पूर्णिमा पुण्य
११। ६ बुध	शु. १५ कबीर जयंती
११। ६ बुध	शु. १५ ज्येष्ठी योग

जून तारीख वार	आषाढ़मास कृष्णपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
१२। ६ गुरु	कृ. १ तारा (गुरु अस्त)
१४। ६ शनि	कृ. ३ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २१।०७
१८। ६ बुध	कृ. ७ कालाष्टमी
२०। ६ शुक्र	कृ. ९ कृष्णानौमी
२१। ६ शनि	कृ. १० सायन दक्षिणायनारंभः घं. ८।०२
२१। ६ शनि	कृ. १० योगिनी एकादशी व्रत स्मार्त
२२। ६ रवि	कृ. १२ अधन करिदिन
२२। ६ रवि	कृ. १२ योगिनी एकादशी व्रत निम्बा., वैष्णव
२३। ६ सोम	कृ. १३ प्रदोष व्रत
२३। ६ सोम	कृ. १३ मासिक शिवरात्री व्रत
२५। ६ बुध	कृ. ३० देव-पितृकार्य में अमावस्या

जून तारीख वार	आषाढ़मास शुक्लपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
२६। ६ गुरु	शु. १ चंद्रदर्शन (मुहूर्ती४५)
२७। ६ शुक्र	शु. २ श्री जगदीश रथ यात्रा
२८। ६ शनि	शु. ३ विनायक चतुर्थी
३०। ६ सोम	शु. ५ स्कन्द षष्ठी
	जुलाई २०२५
४। ७ शुक्र	शु. ९ शुक्लानौमी
४। ७ शुक्र	शु. ९ भडली नवमी
५। ७ शनि	शु. १० मन्वादि
५। ७ शनि	शु. १० आशा दशमी
६। ७ रवि	शु. ११ तारा शुद्ध (गुरु उदय)
६। ७ रवि	शु. ११ देव शयनी एकादशी व्रत
६। ७ रवि	शु. ११ श्रीश्यामबाबा जागरण
६। ७ रवि	शु. ११ चतुर्मास व्रत प्रारम्भ
६। ७ रवि	शु. ११ गोपद्मव्रतोद्यापन
६। ७ रवि	शु. ११ हरिवासर २२।४२ से
७। ७ सोम	शु. १२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
७। ७ सोम	शु. १२ श्रावण में शाक-सब्जी छोड़ने का व्रत
७। ७ सोम	शु. १२ हरिवासर ५।२१ तक
८। ७ मंगल	शु. १३ प्रदोष व्रत
८। ७ मंगल	शु. १३ जया पार्वती व्रत
१०। ७ गुरु	शु. १५ मन्वादि
१०। ७ गुरु	शु. १५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
१०। ७ गुरु	शु. १५ वायु परीक्षा
१०। ७ गुरु	शु. १५ गोपद्म व्रत प्रारम्भ
१०। ७ गुरु	शु. १५ व्यासपूजा
१०। ७ गुरु	शु. १५ गुरु पूर्णिमा
१०। ७ गुरु	शु. १५ आषाढ़ी योग

जुलाई तारीख वार	श्रावणमास कृष्णपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
११। ७ शुक्र	कृ. १ नक्त व्रत प्रारम्भ
१२। ७ शनि	कृ. २ बृहत्तपा
१४। ७ सोम	कृ. ४ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २१।०४
१५। ७ मंगल	कृ. ५ नागपंचमी (राजस्थान)
१८। ७ शुक्र	कृ. ८ कालाष्टमी
१९। ७ शनि	कृ. ९ कृष्णानौमी
२१। ७ सोम	कृ. ११ कामिका एकादशी व्रत
२२। ७ मंगल	कृ. १२ प्रदोष व्रत
२३। ७ बुध	कृ. १४ मासिक शिवरात्री व्रत
२४। ७ गुरु	कृ. ३० हरियाली अमा.
२४। ७ गुरु	कृ. ३० देव-पितृकार्य में अमावस्या

जुलाई तारीख वार	श्रावणमास शुक्लपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
२६। ७ शनि	शु. २ चंद्रदर्शन (मुहूर्ती३०)
२६। ७ शनि	शु. २ सिंधारा
२७। ७ रवि	शु. ३ तीज
२७। ७ रवि	शु. ३ स्वर्णगौरी व्रत
२७। ७ रवि	शु. ३ मधुश्रवा व्रत (गुजरात)
२७। ७ रवि	शु. ३ सुकृत तृतीया व्रत
२८। ७ सोम	शु. ४ विनायक चतुर्थी
२८। ७ सोम	शु. ४ वरद चतुर्थी
२८। ७ सोम	शु. ४ दूर्वा गणपति व्रत
२८। ७ सोम	शु. ४ रोटक व्रत प्रारम्भ
२८। ७ सोम	शु. ४ सोमेश्वरपूजन
२९। ७ मंगल	शु. ५ नागपंचमी
२९। ७ मंगल	शु. ५ नागदष्ट व्रत
३०। ७ बुध	शु. ६ कल्की जयंती
३०। ७ बुध	शु. ६ वर्णषष्ठी
३१। ७ गुरु	शु. ७ शीतला
३१। ७ गुरु	शु. ७ तुलसी जयंता
	अगस्त २०२५
१। ८ शुक्र	शु. ८ तिलकपुण्यतिथि
१। ८ शुक्र	शु. ८ दुर्गाष्टमी
३। ८ रवि	शु. ९ शुक्लानौमी
५। ८ मंगल	शु. ११ पवित्रा एकादशी व्रत
५। ८ मंगल	शु. ११ श्रीश्यामबाबा जागरण
६। ८ बुध	शु. १२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
६। ८ बुध	शु. १२ प्रदोष व्रत
६। ८ बुध	शु. १२ भाद्रपद में दही छोड़ने का व्रत

६।८ बुध	शु.१२ पवित्रारोपण
८।८ शुक्र	शु.१४ हयग्रीव जयंती
८।८ शुक्र	शु.१४ [illegible] भद्रा के पहिले
९।८ शनि	शु.१५ नारियल पूर्णिमा
९।८ शनि	शु.१५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
९।८ शनि	शु.१५ रक्षाबंधन (पूरा दिन शुद्ध है)
अगस्त	**भाद्रपदमास कृष्णपक्ष**
तारीख वार	**तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
११।८ सोम	कृ. २ बृहद्गौरी व्रत (कर्नाटक में डोली)
१२।८ मंगल	कृ. ३ अंगारकी चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २०।५५
१२।८ मंगल	कृ. ३ कजली (बूढ़ी) तीज
१२।८ मंगल	कृ. ३ बूढ़ी तीज
१२।८ मंगल	कृ. ३ बदू का सिंधारा
१४।८ गुरु	कृ. ६ हलषष्ठी
१४।८ गुरु	कृ. ६ चंद्रषष्ठी (चानाछठ)
१५।८ शुक्र	कृ. ७ भारतीयस्वतंत्रता दिवस
१५।८ शुक्र	कृ. ७ शीतला व्रत
१६।८ शनि	कृ. ८ कालाष्टमी
१६।८ शनि	कृ. ८ मन्वादि
१६।८ शनि	कृ. ८ जन्माष्टमी व्रत
१६।८ शनि	कृ. ८ दशाफल व्रत
१७।८ रवि	कृ. ९ कृष्णानौमी
१७।८ रवि	कृ. ९ गोगानवमी (गुगोजी)
१९।८ मंगल	कृ.११ अजा एकादशी व्रत
१९।८ मंगल	कृ.११ जैनपर्युषण
१९।८ मंगल	कृ.११ वत्सपूजा (बच्छबारस)
२०।८ बुध	कृ.१२ प्रदोष व्रत
२१।८ गुरु	कृ.१३ मासिक शिवरात्री व्रत
२२।८ शुक्र	कृ.१४ कुशोत्पाटनी अमा.
२२।८ शुक्र	कृ.१४ पिठोरी अमा. (मध्यप्रदेश पोला)
२२।८ शुक्र	कृ.१४ पितृकार्य में अमावस्या
२३।८ शनि	कृ.३० सातीमावस
२३।८ शनि	कृ.३० श्रीराणीसतीजी का मेला
२३।८ शनि	कृ.३० लोहार्गल स्नान
२३।८ शनि	कृ.३० भादु अमा.
२३।८ शनि	कृ.३० देवकार्य में अमावस्या
अगस्त	**भाद्रपदमास शुक्लपक्ष**
तारीख वार	**तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
२५।८ सोम	शु. २ चंद्रदर्शन (मुहूर्ती१५)
२५।८ सोम	शु. २ वराह जयंती
२६।८ मंगल	शु. ३ मन्वादि
२६।८ मंगल	शु. ३ हरितालिका व्रत
२६।८ मंगल	शु. ३ हस्तिगौरी व्रत
२७।८ बुध	शु. ४ विनायक चतुर्थी
२७।८ बुध	शु. ४ गणेश चतुर्थी (चंद्र दर्शन निषेध)
२७।८ बुध	शु. ४ चौक चानणी का सिंधारा
२७।८ बुध	शु. ४ जैन संवत्सरी
२८।८ गुरु	शु. ५ ऋषि पंचमी
२९।८ शुक्र	शु. ६ सौर (सूर्य) षष्ठी
२९।८ शुक्र	शु. ६ स्कन्द दर्शन
२९।८ शुक्र	शु. ६ ललिता षष्ठी व्रत (गुजरात)
२९।८ शुक्र	शु. ६ महालक्ष्मी व्रतारंभ
३०।८ शनि	शु. ७ मुक्ताभरण व्रत
३०।८ शनि	शु. ७ उमामहेश्वर पूजा
३०।८ शनि	शु. ७ दूबड़ी सातम
३१।८ रवि	शु. ८ श्री राधाष्टमी
३१।८ रवि	शु. ८ दधीची जयंती
३१।८ रवि	शु. ८ ज्येष्ठा का व्रत-पूजन
३१।८ रवि	शु. ८ गौरी आवाहन १७।२५ बावत्
	सितंबर २०२५
१।९ सोम	शु. ९ शुक्लानौमी
१।९ सोम	शु. ९ अदुःख नवमी व्रत
१।९ सोम	शु. ९ गौरीगणपति पूजा
१।९ सोम	शु. ९ श्री चंद (उदासीन संप्रदाय)
१।९ सोम	शु. ९ गौरी पूजन १९।५५ बावत्
१।९ सोम	शु. ९ श्री महालक्ष्मी व्रत समाप्ति
२।९ मंगल	शु.१० दशावतार व्रत
२।९ मंगल	शु.१० श्री रामदेवजी का मेला
२।९ मंगल	शु.१० गौरी विसर्जन २१।५१ बावत्
३।९ बुध	शु.११ जलझूलनी एकादशी व्रत स्मार्त
३।९ बुध	शु.११ श्रीश्यामबाबा जागरण
४।९ गुरु	शु.१२ जलझूलनी एकादशी व्रत निम्बा., वैष्णव
४।९ गुरु	शु.१२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
४।९ गुरु	शु.१२ वामन (द्वादशी) जयंती
४।९ गुरु	शु.१२ आश्विन में दुग्ध छोड़ने का व्रत
५।९ शुक्र	शु.१३ शिक्षक दिवस
५।९ शुक्र	शु.१३ प्रदोष व्रत
५।९ शुक्र	शु.१३ गोत्रिरात्र व्रत
६।९ शनि	शु.१४ अनन्त चतुर्दशी
६।९ शनि	शु.१४ कदली व्रत पूजन
६।९ शनि	शु.१४ [illegible]ारोपण
७।९ रवि	शु.१५ खग्रास चन्द्रग्रहण
७।९ रवि	शु.१५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
७।९ रवि	शु.१५ प्रौष्ठपदी
७।९ रवि	शु.१५ श्राद्ध प्रारम्भ
७।९ रवि	शु.१५ महालय श्राद्धारंभ
७।९ रवि	शु.१५ महेश्वर पूजन
७।९ रवि	शु.१५ कु. [illegible]पूजा
७।९ रवि	शु.१५ इंदुला पूर्णिमा
सितंबर	**आश्विनमास कृष्णपक्ष**
तारीख वार	**तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
८।९ सोम	कृ. १ ग्रहण-करिदिन (महाराष्ट्र)
१०।९ बुध	कृ. ३ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय [illegible]।२७
११।९ गुरु	कृ. ४ भरणी श्राद्ध
१२।९ शुक्र	कृ. ५ चंद्रषष्ठी
१४।९ रवि	कृ. ८ कालाष्टमी
१४।९ रवि	कृ. ८ श्रीमहालक्ष्मी व्रत
१४।९ रवि	कृ. ८ अशोकाष्टमी
१४।९ रवि	कृ. ८ आशा भगवती व्रत (डोरा लेना)
१५।९ सोम	कृ. ९ कृष्णानौमी
१५।९ सोम	कृ. ९ सौभाग्यवतीनां श्राद्धं
१७।९ बुध	कृ.११ विश्वकर्मा पूजा
१७।९ बुध	कृ.११ इंदिरा एकादशी व्रत स्मार्त, वैष्णव
१८।९ गुरु	कृ.१२ इंदिरा एकादशी व्रत निम्बा.
१८।९ गुरु	कृ.१२ सन्यासियों के लिए श्राद्ध
१९।९ शुक्र	कृ.१३ प्रदोष व्रत
१९।९ शुक्र	कृ.१३ कलि युगादि
२०।९ शनि	कृ.१४ मासिक शिवरात्री व्रत
२०।९ शनि	कृ.१४ शस्त्रादि हतानां श्राद्धं
२१।९ रवि	कृ.३० सर्वपितृ श्राद्ध
२१।९ रवि	कृ.३० देव-पितृकार्य में अमावस्या
सितंबर	**आश्विनमास शुक्लपक्ष**
तारीख वार	**तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
२२।९ सोम	शु. १ नवरात्र आरम्भ
२२।९ सोम	शु. १ घटस्थापन
२२।९ सोम	शु. १ अग्रसेन जयंती
२२।९ सोम	शु. १ आशा भागवती डोरा खोलना
२२।९ सोम	शु. १ मातामह श्राद्ध
२४।९ बुध	शु. ३ चंद्रदर्शन (मुहूर्ती१५)
२५।९ गुरु	शु. ३ विनायक चतुर्थी
२६।९ शुक्र	शु. ४ उपांग ललिता व्रत
२९।९ सोम	शु. ७ महालक्ष्मी पूजन (मामरी पूजनी, महाराष्ट्र)
२९।९ सोम	शु. ७ सरस्वती आवाहन
२९।९ सोम	शु. ७ महाकाली अवतार
३०।९ मंगल	शु. ८ महाष्टमी (दुर्गाष्टमी)
३०।९ मंगल	शु. ८ सरस्वती पूजन
	अक्टूबर २०२५
१।१० बुध	शु. ९ शुक्लानौमी
१।१० बुध	शु. ९ मन्वादि
१।१० बुध	शु. ९ शस्त्रादि पूजा
१।१० बुध	शु. ९ बलिदान
२।१० गुरु	शु.१० गांधी जयन्ती
२।१० गुरु	शु.१० बौद्धावतार
२।१० गुरु	शु.१० विजया दशमी
२।१० गुरु	शु.१० शमीपूजा
२।१० गुरु	शु.१० पट्टाभिषेक
२।१० गुरु	शु.१० सरस्वती विसर्जन
३।१० शुक्र	शु.११ पापांकुशा एकादशी व्रत
३।१० शुक्र	शु.११ श्रीश्यामबाबा जागरण
४।१० शनि	शु.१२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
४।१० शनि	शु.१२ प्रदोष व्रत
४।१० शनि	शु.१२ कार्तिक में दाल छोड़ने का व्रत
६।१० सोम	शु.१४ पूर्णिमा व्रत
६।१० सोम	शु.१४ शरद पूर्णिमा
६।१० सोम	शु.१४ कोजागरी व्रत
७।१० मंगल	शु.१५ पूर्णिमा पुण्य
७।१० मंगल	शु.१५ बंगीय लक्ष्मी पूजा
७।१० मंगल	शु.१५ नवान्न भक्षण
७।१० मंगल	शु.१५ आश्वयुजी कर्म (आश्वलायन.)
७।१० मंगल	शु.१५ कार्तिक स्नान प्रारम्भ
अक्टूबर	**कार्तिकमास कृष्णपक्ष**
तारीख वार	**तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
९।१० गुरु	कृ. ३ दशरथ ललिता व्रत
१०।१० शुक्र	कृ. ४ चतुर्थीव्रत (करवा) चन्द्रोदय १९।४२
१२।१० रवि	कृ. ६ स्कन्द षष्ठी
१३।१० सोम	कृ. ७ कालाष्टमी
१३।१० सोम	कृ. ७ होई आठें (अष्टमी) चंद्रोदय २२।४९
१३।१० सोम	कृ. ७ कराष्टमी
१४।१० मंगल	कृ. ८ राधा जयंती
१५।१० बुध	कृ. ९ कृष्णानौमी
१७।१० शुक्र	कृ.११ रमा एकादशी व्रत
१७।१० शुक्र	कृ.११ आकाश दीपारंभ
१७।१० शुक्र	कृ.११ गोवत्स द्वादशी
१८।१० शनि	कृ.१२ प्रदोष व्रत
१८।१० शनि	कृ.१२ धनतेरस
१८।१० शनि	कृ.१२ धन्वन्तरी जयंती
१८।१० शनि	कृ.१२ यम के लिए दीपदान
१८।१० शनि	कृ.१२ गोत्रिरात्र व्रत
१९।१० रवि	कृ.१३ मासिक शिवरात्री व्रत
१९।१० रवि	कृ.१३ दीपदान
१९।१० रवि	कृ.१३ छोटी दीपावली
२०।१० सोम	कृ.१४ रूप (१४)
२०।१० सोम	कृ.१४ प्रभात स्नान
२०।१० सोम	कृ.१४ महालक्ष्मी पूजा
२०।१० सोम	कृ.१४ कुबेर पूजा
२१।१० मंगल	कृ.३० शहीद दिवस
२१।१० मंगल	कृ.३० देव-पितृकार्य में अमावस्या
२१।१० मंगल	कृ.३० कालीपूजा
अक्टूबर	**कार्तिकमास शुक्लपक्ष**
तारीख वार	**तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
२२।१० बुध	शु. १ गुजरातियों का नूतन वर्षारंभ
२३।१० गुरु	शु. २ चंद्रदर्शन (मुहूर्ती१५)
२३।१० गुरु	शु. २ भैयादूज
२३।१० गुरु	शु. २ यम दूज
२३।१० गुरु	शु. २ यमुना स्नान
२३।१० गुरु	शु. २ कलम दवात पूजा
२५।१० शनि	शु. ४ विनायक चतुर्थी
२५।१० शनि	शु. ४ दूर्वा गणपति व्रत
२६।१० रवि	शु. ५ सौभाग्य पंचमी
२६।१० रवि	शु. ५ पाण्डव पंचमी
२८।१० मंगल	शु. ६ कल्पादि
२८।१० मंगल	शु. ६ सौर (सूर्य) षष्ठी
३०।१० गुरु	शु. ८ गोपाष्टमी
३१।१० शुक्र	शु. ९ शुक्लानौमी
३१।१० शुक्र	शु. ९ कृत युगादि
३१।१० शुक्र	शु. ९ कूष्माण्ड (आंवला) नवमी
	नवंबर २०२५
१।११ शनि	शु.१० श्रीश्यामबाबा जागरण
२।११ रवि	शु.११ तुलसी विवाह
२।११ रवि	शु.११ भीष्म पंचक प्रा.
२।११ रवि	शु.११ चातुर्मास्य व्रत समाप्ति
२।११ रवि	शु.११ देवोत्थापन
२।११ रवि	शु.११ प्रबोधिनी एकादशी व्रत

तारीख वार	तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
२/११ रवि	शु. ११ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
२/११ रवि	शु. ११ मन्वादि
३/११ सोम	शु. १३ प्रदोष व्रत
४/११ मंगल	शु. १४ वैकुण्ठ १४
४/११ मंगल	शु. १४ गौटक व्रत समाप्ति
४/११ मंगल	शु. १४ कार्तिक व्रतोद्यापन
५/११ बुध	शु. १५ मन्वादि
५/११ बुध	शु. १५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
५/११ बुध	शु. १५ गोपव्रत समाप्ति
५/११ बुध	शु. १५ त्रिपुरोत्सव
५/११ बुध	शु. १५ पुष्कर यात्रा
५/११ बुध	शु. १५ नानक जयंती
५/११ बुध	शु. १५ भीष्म पंचक समाप्ति
५/११ बुध	शु. १५ कार्तिक स्नान पूर्ति

नवंबर — मार्गशीर्षमास कृष्णपक्ष

तारीख वार	तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
८/११ शनि	कृ. ३ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय १९।२९
८/११ शनि	कृ. ३ सौभाग्य सुंदरी व्रत
१२/११ बुध	कृ. ८ कालाष्टमी
१२/११ बुध	कृ. ८ कालभैरवाष्टमी
१३/११ गुरु	कृ. ९ राणी सतीजी जन्म महोत्सव मेला
१४/११ शुक्र	कृ. १० नेहरूजयन्ती (बालदिवस)
१५/११ शनि	कृ. ११ उत्पत्ति एकादशी व्रत स्मार्त, वैष्णव
१५/११ शनि	कृ. ११ वैतरणी व्रत
१६/११ रवि	कृ. १२ उत्पत्ति एकादशी व्रत निम्बा.
१६/११ रवि	कृ. १२ आकाशदीप समाप्ति
१७/११ सोम	कृ. १३ प्रदोष व्रत
१८/११ मंगल	कृ. १३ मासिक शिवरात्री व्रत
१९/११ बुध	कृ. १४ गौरीतपो व्रत
१९/११ बुध	कृ. १४ महाव्रतारंभ
२०/११ गुरु	कृ. ३० देव-पितृकार्य में अमावस्या

नवंबर — मार्गशीर्षमास शुक्लपक्ष

तारीख वार	तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
२१/११ शुक्र	शु. १ मार्तण्ड भैरव षड्रात्रोत्सवारंभ (महाराष्ट्र)
२२/११ शनि	शु. २ चंद्रदर्शन (मुहूर्ती३०)
२३/११ रवि	शु. ३ रंभा व्रत
२४/११ सोम	शु. ४ विनायक चतुर्थी
२५/११ मंगल	शु. ५ नागपंचमी
२६/११ बुध	शु. ६ स्कन्द (महाराष्ट्र में चंपा) षष्ठी व्रत
२६/११ बुध	शु. ६ मार्तण्ड भैरवोत्थापन (महाराष्ट्र)
२९/११ शनि	शु. ९ शुक्लानौमी
२९/११ शनि	शु. ९ कल्पादि

दिसंबर २०२५

तारीख वार	तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
१/१२ सोम	शु. ११ मोक्षदा एकादशी व्रत
१/१२ सोम	शु. ११ श्रीश्यामबाबा जागरण
१/१२ सोम	शु. ११ गीता जयंती
२/१२ मंगल	शु. १२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
२/१२ मंगल	शु. १२ प्रदोष व्रत
२/१२ मंगल	शु. १२ अनंग त्रयोदशी व्रत
३/१२ बुध	शु. १३ पिशाच मोचन श्राद्ध
४/१२ गुरु	शु. १४ नौ सेना दिवस
४/१२ गुरु	शु. १४ श्री दत्त जयंती
४/१२ गुरु	शु. १४ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
४/१२ गुरु	शु. १४ द्वात्रिंशी (बत्तीसी) पूर्णिमा

दिसंबर — पौषमास कृष्णपक्ष

तारीख वार	तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
७/१२ रवि	कृ. ३ झण्डा दिवस
७/१२ रवि	कृ. ३ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय १९।२३
९/१२ मंगल	कृ. ५ तारा (शुक्र अस्त)
११/१२ गुरु	कृ. ७ कालाष्टमी
१३/१२ शनि	कृ. ९ कृष्णानौमी
१५/१२ सोम	कृ. ११ सफला एकादशी व्रत
१६/१२ मंगल	कृ. १२ सुरूप द्वादशी
१७/१२ बुध	कृ. १३ प्रदोष व्रत
१८/१२ गुरु	कृ. १४ मासिक शिवरात्री व्रत
१९/१२ शुक्र	कृ. ३० पितृकार्य में अमावस्या
१९/१२ शुक्र	कृ. ३० कुहू अमावस्या
२०/१२ शनि	कृ. ३० देवकार्य में अमावस्या

दिसंबर — पौषमास शुक्लपक्ष

तारीख वार	तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
२१/१२ रवि	शु. १ चंद्रदर्शन (मुहूर्ती३०)
२१/१२ रवि	शु. १ सायन उत्तरायनारंभः स्टै. २०।३३
२२/१२ सोम	शु. २ अयन करिदिन
२४/१२ बुध	शु. ४ विनायक चतुर्थी
२५/१२ गुरु	शु. ५ बड़ादिन
२८/१२ रवि	शु. ८ शाकम्भरी यात्रा
२९/१२ सोम	शु. ९ शुक्लानौमी
३०/१२ मंगल	शु. १० पुत्रदा एकादशी व्रत स्मार्त
३०/१२ मंगल	शु. १० श्रीश्यामबाबा जागरण
३०/१२ मंगल	शु. १० मन्वादि
३१/१२ बुध	शु. १२ पुत्रदा एकादशी व्रत निम्बा., वैष्णव
३१/१२ बुध	शु. १२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्

जनवरी २०२६

तारीख वार	तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
१/१ गुरु	शु. १३ प्रदोष व्रत
३/१ शनि	शु. १५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
३/१ शनि	शु. १५ शाकंभरी जयंती
३/१ शनि	शु. १५ माघ स्नानारंभ

जनवरी — माघमास कृष्णपक्ष

तारीख वार	तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
६/१ मंगल	कृ. ३ अंगारकी चतुर्थीव्रत (माही तिलकुटी) चन्द्रोदय २०।१४
६/१ मंगल	कृ. ३ सौभाग्य सुन्दरी व्रत
६/१ मंगल	कृ. ३ संकट हरणगणपति व्रत
६/१ मंगल	कृ. ३ गौरी चतुर्थी
१०/१ शनि	कृ. ७ स्वामी विवेकानन्द जयंती
१०/१ शनि	कृ. ७ कालाष्टमी
१२/१ सोम	कृ. ९ कृष्णानौमी
१४/१ बुध	कृ.११ मकर संक्रांति स्टै. १४।३४
१४/१ बुध	कृ.११ षट्तिला एकादशी व्रत
१५/१ गुरु	कृ.१२ पुण्यकाल स्टै. ६।३४ तक
१५/१ गुरु	कृ.१२ तिल द्वादशी
१६/१ शुक्र	कृ.१३ संक्रान्ति करिदिन
१६/१ शुक्र	कृ.१३ प्रदोष व्रत
१७/१ शनि	कृ.१४ मासिक शिवरात्री व्रत
१८/१ रवि	कृ.३० मौनी अमा.
१८/१ रवि	कृ.३० देव-पितृकार्य में अमावस्या
१८/१ रवि	कृ.३० द्वापर युगादि

जनवरी — माघमास शुक्लपक्ष

तारीख वार	तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
१९/१ सोम	शु. १ श्री वल्लभ जयंती
२०/१ मंगल	शु. २ चंद्रदर्शन (मुहूर्ती३०)
२२/१ गुरु	शु. ४ विनायक चतुर्थी
२२/१ गुरु	शु. ४ वरद (कुंद) चतुर्थी
२२/१ गुरु	शु. ४ तिल चतुर्थी
२३/१ शुक्र	शु. ५ नेताजी जयन्ती
२३/१ शुक्र	शु. ५ बसन्त पंचमी
२५/१ रवि	शु. ७ मन्वादि
२५/१ रवि	शु. ७ पुत्र सप्तमी
२५/१ रवि	शु. ७ सूर्य सप्तमी
२५/१ रवि	शु. ७ अचला सप्तमी
२५/१ रवि	शु. ७ भानु सप्तमी
२५/१ रवि	शु. ७ विजया सप्तमी
२६/१ सोम	शु. ८ गणतन्त्र दिवस
२६/१ सोम	शु. ८ भीष्माष्टमी
२७/१ मंगल	शु. ९ शुक्लानौमी
२९/१ गुरु	शु. ११ जया एकादशी व्रत
२९/१ गुरु	शु. ११ श्रीश्यामबाबा जागरण
२९/१ गुरु	शु. ११ भीष्मद्वादशी
३०/१ शुक्र	शु. १२ गांधीजी पुण्य तिथि
३०/१ शुक्र	शु. १२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
३०/१ शुक्र	शु. १२ प्रदोष व्रत
३०/१ शुक्र	शु. १२ कल्पादि

फरवरी २०२६

तारीख वार	तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
१/२ रवि	शु. १५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
१/२ रवि	शु. १५ माघ स्नान पूर्ति

फरवरी — फाल्गुनमास कृष्णपक्ष

तारीख वार	तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
३/२ मंगल	कृ. २ तारा शुद्ध (शुक्र उदय)
५/२ गुरु	कृ. ४ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २०।४६
९/२ सोम	कृ. ८ कालाष्टमी
११/२ बुध	कृ. ९ कृष्णानौमी
११/२ बुध	कृ. ९ रामदास नवमी
१३/२ शुक्र	कृ.११ विजया एकादशी व्रत
१४/२ शनि	कृ.१२ प्रदोष व्रत
१५/२ रवि	कृ.१३ महा शिवरात्री व्रत
१७/२ मंगल	कृ.३० देव-पितृकार्य में अमावस्या

फरवरी — फाल्गुनमास शुक्लपक्ष

तारीख वार	तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
१८/२ बुध	शु. १ चंद्रदर्शन (मुहूर्ती१५)
१९/२ गुरु	शु. २ फुलरिया दूज
१९/२ गुरु	शु. २ श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती
२१/२ शनि	शु. ४ विनायक चतुर्थी
२२/२ रवि	शु. ५ याज्ञवल्क्य जयंती
२४/२ मंगल	शु. ७ होलाष्टक प्रारम्भ
२५/२ बुध	शु. ९ शुक्लानौमी
२७/२ शुक्र	शु.११ विकफूल-वाल धारणा भद्रा के पहिले
२७/२ शुक्र	शु.११ आमलकी एकादशी व्रत स्मार्त, वैष्णव
२७/२ शुक्र	शु.११ श्रीश्यामबाबा जागरण
२८/२ शनि	शु.१२ राष्ट्रीय विज्ञान दिवस
२८/२ शनि	शु.१२ आमलकी एकादशी व्रत निम्बा.
२८/२ शनि	शु.१२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
२८/२ शनि	शु.१२ श्री ल्याटूश्यामजी मेला

मार्च २०२६

तारीख वार	तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
१/३ रवि	शु.१३ प्रदोष व्रत
२/३ सोम	शु.१४ होलिका दहन मध्यपुच्छ (भद्रा २५।२२ के बाद)
२/३ सोम	शु.१४ करिदिन (महाराष्ट्र)
३/३ मंगल	शु.१५ मन्वादि
३/३ मंगल	शु.१५ ग्रस्तोदय ग्रस्तास्त चन्द्रग्रहण
३/३ मंगल	शु.१५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
३/३ मंगल	शु.१५ धारेंडी
३/३ मंगल	शु.१५ सांपदा का डोरा लेना
३/३ मंगल	शु.१५ गणगौर पूजा आरम्भ
३/३ मंगल	शु.१५ करिदिन (महाराष्ट्र)

मार्च — चैत्रमास कृष्णपक्ष

तारीख वार	तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
४/३ बुध	कृ. १ ग्रहण-करिदिन (महाराष्ट्र)
४/३ बुध	कृ. १ वसन्त प्रतिपदा
६/३ शुक्र	कृ. ३ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २०।२०
६/३ शुक्र	कृ. ३ कल्पादि
८/३ रवि	कृ. ५ विश्व महिला दिवस
८/३ रवि	कृ. ५ रंग पंचमी
११/३ बुध	कृ. ८ कालाष्टमी
११/३ बुध	कृ. ८ शीतला (बास्योड़ो) पूजन
१३/३ शुक्र	कृ. ९ दादू दयाल जयन्ती
१३/३ शुक्र	कृ. ९ कृष्णानौमी
१५/३ रवि	कृ.११ पापमोचनी एकादशी व्रत
१६/३ सोम	कृ.१२ प्रदोष व्रत
१७/३ मंगल	कृ.१३ विश्व विकलांग दिवस
१७/३ मंगल	कृ.१३ रंग तेरस
१७/३ मंगल	कृ.१३ मासिक शिवरात्री व्रत
१७/३ मंगल	कृ.१३ गंगास्नान, वारुणी योग ६।१८ से ९।२३ तक
१८/३ बुध	कृ.१४ पितृकार्य में अमावस्या
१८/३ बुध	कृ.१४ मन्वादि
१९/३ गुरु	कृ.३० देवकार्य में अमावस्या
१९/३ गुरु	कृ.३० नया संवत आरम्भ
१९/३ गुरु	कृ.३० नवरात्र आरम्भ
१९/३ गुरु	कृ.३० घटस्थापन
१९/३ गुरु	कृ.३० ध्वजारोपण
१९/३ गुरु	कृ.३० गुढी पड़वा (महाराष्ट्र)
१९/३ गुरु	कृ.३० कल्पादि

।। शुभम् ।।

(अक्षांश २५°२०' उ. रेखांश ८३°०' पू.)

मुख्य व्रतोत्सव तालिका
संवत् २०८२ (सन २०२५-२०२६)
(तिथि में - शु. से शुक्लपक्ष और कृ. से कृष्णपक्ष)

मार्च तारीख वार	चैत्रमास शुक्लपक्ष तिथि व्रतोत्सव त्यौहार
३०।३ रवि	शु. १ चंद्रदर्शन (मुहूर्त३०)
३०।३ रवि	शु. १ नया संवत आरम्भ
३०।३ रवि	शु. १ नवरात्र आरम्भ
३०।३ रवि	शु. १ घटस्थापन
३०।३ रवि	शु. १ ध्वजारोपण
३०।३ रवि	शु. १ गुढी पड़वा (महाराष्ट्र)
३०।३ रवि	शु. १ कल्पादि
३०।३ रवि	शु. १ सिंधारा
३१।३ सोम	शु. २ मन्वादि
३१।३ सोम	शु. २ मत्स्योत्पत्ति
३१।३ सोम	शु. २ गणगौर पूजा समापन
३१।३ सोम	शु. २ मनोरथ तृतीया व्रत
३१।३ सोम	शु. २ सौभाग्य शयन व्रत
३१।३ सोम	शु. २ शिवशक्ति पूजा
३१।३ सोम	शु. २ अरुन्धती व्रत-पूजा
	अप्रैल २०२५
१।४ मंगल	शु. ४ अंगारक विनायक चतुर्थी
२।४ बुध	शु. ५ गुड फायडे (ईसाई)
२।४ बुध	शु. ५ कल्पादि
२।४ बुध	शु. ५ दोलोत्सव
३।४ गुरु	शु. ६ स्कन्द षष्ठी व्रत
५।४ शनि	शु. ८ भवान्युत्पत्ति
५।४ शनि	शु. ८ अष्टमी की कराई
५।४ शनि	शु. ८ अशोककलिका प्राशन
६।४ रवि	शु. ९ श्री रामनवमी
८।४ मंगल	शु. ११ कामदा एकादशी व्रत
८।४ मंगल	शु. ११ श्रीश्यामबाबा जागरण
८।४ मंगल	शु. ११ लक्ष्मीकान्त दोलोत्सव
९।४ बुध	शु. १२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
९।४ बुध	शु. १२ हरि दमनोत्सव
१०।४ गुरु	शु. १३ प्रदोष व्रत
१०।४ गुरु	शु. १३ जैन महावीर जयंती
११।४ शुक्र	शु. १४ शिव पूजन विशेष
१२।४ शनि	शु. १५ मन्वादि
१२।४ शनि	शु. १५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
१२।४ शनि	शु. १५ वैशाख स्नान आरम्भ
१३।४ रवि	शु. १५ हनुमान जयंती
१३।४ रवि	शु. १५ [illegible]

अप्रैल तारीख वार	वैशाखमास कृष्णपक्ष तिथि व्रतोत्सव त्यौहार
१४।४ सोम	कृ. १ डा. अम्बेडकर जयन्ती
१६।४ बुध	कृ. ३ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २१।२७
१७।४ गुरु	कृ. ४ अनुसूया जयंती
२१।४ सोम	कृ. ८ कालाष्टमी
२१।४ सोम	कृ. ८ बूढ़ो बासोड़ो
२२।४ मंगल	कृ. ९ कृष्णानौमी
२४।४ गुरु	कृ. ११ वरूथिनी एकादशी व्रत
२५।४ शुक्र	कृ. १२ प्रदोष व्रत
२६।४ शनि	कृ. १३ मासिक शिवरात्री व्रत
२७।४ रवि	कृ. ३० देव पितृकार्ये में अमावस्या

अप्रैल तारीख वार	वैशाखमास शुक्लपक्ष तिथि व्रतोत्सव त्यौहार
२९।४ मंगल	शु. २ चंद्रदर्शन (मुहूर्त३०)
२९।४ मंगल	शु. २ शिवाजी जयंती
२९।४ मंगल	शु. २ परशुराम जयंती
३०।४ बुध	शु. ३ त्रेता युगादि
३०।४ बुध	शु. ३ कल्पादि
३०।४ बुध	शु. ३ विनायक चतुर्थी
३०।४ बुध	शु. ३ अक्षय तृतीया (आखातीज)
	मई २०२५
१।५ गुरु	शु. ४ महाराष्ट्र दिवस, विश्व श्रम दिवस
२।५ शुक्र	शु. ५ श्री आद्यशंकराचार्य जयंती
२।५ शुक्र	शु. ५ श्री रामानुज जयंती
३।५ शनि	शु. ६ गंगोत्पत्ति
३।५ शनि	शु. ६ गंगापूजन
६।५ मंगल	शु. ९ शुक्लानौमी
६।५ मंगल	शु. ९ सीता नवमी
७।५ बुध	शु. १० टैगोर जयन्ती
८।५ गुरु	शु. ११ मोहिनी एकादशी व्रत
८।५ गुरु	शु. ११ श्रीश्यामबाबा जागरण
९।५ शुक्र	शु. १२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
९।५ शुक्र	शु. १२ प्रदोष व्रत
११।५ रवि	शु. १४ नृसिंह चतुर्दशी
१२।५ सोम	शु. १५ कूर्मोत्पत्ति
१२।५ सोम	शु. १५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
१२।५ सोम	शु. १५ वैशाखस्नानपूर्ति
१२।५ सोम	शु. १५ धर्म धीत्वर्थ जलकुंभदान

मई तारीख वार	ज्येष्ठमास कृष्णपक्ष तिथि व्रतोत्सव त्यौहार
१४।५ बुध	कृ. २ नारद जयंती, धीन्नादान
१६।५ शुक्र	कृ. ४ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २२।०५
२०।५ मंगल	कृ. ७ कालाष्टमी
२१।५ बुध	कृ. ९ कृष्णानौमी
२३।५ शुक्र	कृ. ११ अपरा एकादशी व्रत स्मार्त, वैष्णव
२४।५ शनि	कृ. १२ अपरा एकादशी व्रत निम्बा.
२४।५ शनि	कृ. १३ प्रदोष व्रत
२४।५ शनि	कृ. १३ मासिक शिवरात्री व्रत
२६।५ सोम	कृ. १४ शनि जयंती
२६।५ सोम	कृ. १४ भावुका अमा
२६।५ सोम	कृ. १४ पितृकार्ये में अमावस्या
२७।५ मंगल	कृ. ३० भौमवती पुण्य तिथि
२७।५ मंगल	कृ. ३० भावुका करिदिन (महाराष्ट्र)
२७।५ मंगल	कृ. ३० वटपूजन (राजस्थान)
२७।५ मंगल	कृ. ३० देवकार्ये में अमावस्या
२७।५ मंगल	कृ. ३० करिदिन (महाराष्ट्र)
२७।५ मंगल	कृ. ३० श्री गंगादशहरास्नान आरम्भ

मई तारीख वार	ज्येष्ठमास शुक्लपक्ष तिथि व्रतोत्सव त्यौहार
२८।५ बुध	शु. २ चंद्रदर्शन (मुहूर्त३०)
२९।५ गुरु	शु. ३ रंभा व्रत
२९।५ गुरु	शु. ३ महाराणा प्रताप जयंती
३०।५ शुक्र	शु. ४ विनायक चतुर्थी
	जून २०२५
३।६ मंगल	शु. ८ दुर्गाष्टमी
३।६ मंगल	शु. ८ धूमावती जयंती
४।६ बुध	शु. ९ शुक्लानौमी
५।६ गुरु	शु. १० गंगा दशहरा व्रत
६।६ शुक्र	शु. ११ निर्जला एकादशी व्रत स्मार्त, वैष्णव
७।६ शनि	शु. १२ निर्जला एकादशी व्रत निम्बा.
७।६ शनि	शु. १२ श्रीश्यामबाबा जागरण
८।६ रवि	शु. १२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
८।६ रवि	शु. १३ प्रदोष व्रत
८।६ रवि	शु. १३ वटसावित्री व्रत आरम्भ (गुजरात)
१०।६ मंगल	शु. १४ पूर्णिमा व्रत
१०।६ मंगल	शु. १४ वटसावित्री व्रत पूर्ति (गुजरात)
१०।६ मंगल	शु. १४ अमृत साध्य व्रत
११।६ बुध	शु. १५ मन्वादि
११।६ बुध	शु. १५ पूर्णिमा पुण्य
११।६ बुध	शु. १५ कबीर जयंती
११।६ बुध	शु. १५ जौकी तीज

जून तारीख वार	आषाढमास कृष्णपक्ष तिथि व्रतोत्सव त्यौहार
१३।६ शुक्र	कृ. १ तारा (गुरु अस्त)
१४।६ शनि	कृ. ३ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २१।३६
१८।६ बुध	कृ. ७ कालाष्टमी
२०।६ शुक्र	कृ. ९ कृष्णानौमी
२१।६ शनि	कृ. १० सायन दक्षिणायनारम्भ: रवि ८।०२
२१।६ शनि	कृ. १० योगिनी एकादशी व्रत स्मार्त
२२।६ रवि	कृ. १२ अमल करिदिन
२२।६ रवि	कृ. १२ योगिनी एकादशी व्रत निम्बा., वैष्णव
२३।६ सोम	कृ. १३ प्रदोष व्रत
२३।६ सोम	कृ. १३ मासिक शिवरात्री व्रत
२५।६ बुध	कृ. ३० देव पितृकार्ये में अमावस्या

जून तारीख वार	आषाढमास शुक्लपक्ष तिथि व्रतोत्सव त्यौहार
२६।६ गुरु	शु. १ चंद्रदर्शन (मुहूर्त४५)
२७।६ शुक्र	शु. २ श्री जगदीश रथ यात्रा
२८।६ शनि	शु. ३ विनायक चतुर्थी
३०।६ सोम	शु. ५ स्कन्द षष्ठी
	जुलाई २०२५
४।७ शुक्र	शु. ९ शुक्लानौमी
४।७ शुक्र	शु. ९ भडली नवमी
५।७ शनि	शु. १० मन्वादि
५।७ शनि	शु. १० आशा दशमी
६।७ रवि	शु. ११ तारा शुद्ध (गुरु उदय)
६।७ रवि	शु. ११ देव शयनी एकादशी व्रत
६।७ रवि	शु. ११ श्रीश्यामबाबा जागरण
६।७ रवि	शु. ११ चतुर्मास व्रत आरम्भ
६।७ रवि	शु. ११ गोपद्मव्रतोद्यापन
६।७ रवि	शु. ११ हरिशयन २२।४२ से
७।७ सोम	शु. १२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
७।७ सोम	शु. १२ श्रावण में शाक-सब्जी छोड़ने का व्रत
७।७ सोम	शु. १२ हरिशयन ५।२१ तक
८।७ मंगल	शु. १३ प्रदोष व्रत
८।७ मंगल	शु. १३ जया पार्वती व्रत
१०।७ गुरु	शु. १५ मन्वादि
१०।७ गुरु	शु. १५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
१०।७ गुरु	शु. १५ वायु परीक्षा
१०।७ गुरु	शु. १५ गोपद्म व्रत आरम्भ
१०।७ गुरु	शु. १५ व्यासपूजा
१०।७ गुरु	शु. १५ गुरु पूर्णिमा
१०।७ गुरु	शु. १५ आषाढी तीज

जुलाई तारीख वार	श्रावणमास कृष्णपक्ष तिथि व्रतोत्सव त्यौहार
११।७ शुक्र	कृ. १ नक्त व्रत आरम्भ
१२।७ शनि	कृ. २ अशून्यशयन
१४।७ सोम	कृ. ४ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २१।२४
१५।७ मंगल	कृ. ५ नागपंचमी (राजस्थान)
१७।७ गुरु	कृ. ७ कालाष्टमी
१९।७ शनि	कृ. ९ कृष्णानौमी
२१।७ सोम	कृ. ११ कामिका एकादशी व्रत
२२।७ मंगल	कृ. १२ प्रदोष व्रत
२३।७ बुध	कृ. १४ मासिक शिवरात्री व्रत
२४।७ गुरु	कृ. ३० हरियाली अमा
२४।७ गुरु	कृ. ३० देव पितृकार्ये में अमावस्या

जुलाई तारीख वार	श्रावणमास शुक्लपक्ष तिथि व्रतोत्सव त्यौहार
२६।७ शनि	शु. २ चंद्रदर्शन (मुहूर्त३०)
२६।७ शनि	शु. २ सिंधारा
२७।७ रवि	शु. ३ तीज
२७।७ रवि	शु. ३ स्वर्णगौरी व्रत
२७।७ रवि	शु. ३ मधुश्रवा व्रत (गुजरात)
२७।७ रवि	शु. ३ शुक्ल तृतीया व्रत
२८।७ सोम	शु. ४ विनायक चतुर्थी
२८।७ सोम	शु. ४ वरद चतुर्थी
२८।७ सोम	शु. ४ दूर्वा गणपति व्रत
२८।७ सोम	शु. ४ रोटक व्रत आरम्भ
२८।७ सोम	शु. ४ सोमेश्वरपूजन
२९।७ मंगल	शु. ५ नागपंचमी
२९।७ मंगल	शु. ५ नागदष्ट व्रत
३०।७ बुध	शु. ६ कल्की जयंती
३०।७ बुध	शु. ६ वर्णषष्ठी
३१।७ गुरु	शु. ७ शीतला
३१।७ गुरु	शु. ७ तुलसी जयंती
	अगस्त २०२५
१।८ शुक्र	शु. ८ तिलकपुष्पतिथि
१।८ शुक्र	शु. ८ दुर्गाष्टमी
३।८ रवि	शु. ९ शुक्लानौमी
५।८ मंगल	शु. ११ पवित्रा एकादशी व्रत
५।८ मंगल	शु. ११ श्रीश्यामबाबा जागरण
६।८ बुध	शु. १२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
६।८ बुध	शु. १२ प्रदोष व्रत
६।८ बुध	शु. १२ भाद्रपद में दही छोड़ने का व्रत

६/८ बुध	शु. १२ पवित्रारोपण
८/८ शुक्र	शु. १४ हयग्रीव जयंती
८/८ शुक्र	शु. १४ सूत्रभाण्डला घटा के पहिले
९/८ शनि	शु. १५ नारियल पूर्णिमा
९/८ शनि	शु. १५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
९/८ शनि	शु. १५ रक्षाबंधन (पूरा दिन शुद्ध है)
अगस्त	**भाद्रपदमास कृष्णपक्ष**
तारीख वार	**तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
११/८ सोम	कृ. २ बृहद्गौरी व्रत (कर्नाटक में डोली)
१२/८ मंगल	कृ. ३ अंगारकी चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २०।३६
१२/८ मंगल	कृ. ३ कज्जली(बूढ़ी) तीज
१२/८ मंगल	कृ. ३ बूढ़ी तीज
१२/८ मंगल	कृ. ३ बहू का सिंधारा
१४/८ गुरु	कृ. ६ हलषष्ठी
१४/८ गुरु	कृ. ६ चंद्रषष्ठी (चानाछठ)
१५/८ शुक्र	कृ. ७ भारतीयस्वतंत्रता दिवस
१५/८ शुक्र	कृ. ७ जन्माष्टमी व्रत स्मार्त
१५/८ शुक्र	कृ. ७ दशाफल व्रत
१५/८ शुक्र	कृ. ७ शीतला व्रत
१६/८ शनि	कृ. ८ कालाष्टमी
१६/८ शनि	कृ. ८ मन्वादि
१६/८ शनि	कृ. ८ जन्माष्टमी व्रत वैष्णव
१७/८ रवि	कृ. ९ कृष्णानौमी
१७/८ रवि	कृ. ९ गोगानवमी (गुगोजी)
१९/८ मंगल	कृ.११ अजा एकादशी व्रत
१९/८ मंगल	कृ.११ जैनपर्युषण
१९/८ मंगल	कृ.११ वत्सपूजा (बछबारस)
२०/८ बुध	कृ.१२ प्रदोष व्रत
२१/८ गुरु	कृ.१३ मासिक शिवरात्री व्रत
२२/८ शुक्र	कृ.१४ कुशाग्रहणी अमा.
२२/८ शुक्र	कृ.१४ पिठोरी अमा. (मध्यदेशे पोला)
२२/८ शुक्र	कृ.१४ पितृकार्य में अमावस्या
२३/८ शनि	कृ.३० भादौमावस
२३/८ शनि	कृ.३० श्रीराणीसतीजी का मेला
२३/८ शनि	कृ.३० लोहार्गल स्नान
२३/८ शनि	कृ.३० मातृ अमा.
२३/८ शनि	कृ.३० देवकार्य में अमावस्या
अगस्त	**भाद्रपदमास शुक्लपक्ष**
तारीख वार	**तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
२५/८ सोम	शु. २ चंद्रदर्शन (मुहूर्त ४५)
२५/८ सोम	शु. २ वराह जयंती

२६/८ मंगल	शु. ३ मन्वादि
२६/८ मंगल	शु. ३ हरितालिका व्रत
२६/८ मंगल	शु. ३ हस्तिगौरी व्रत
२७/८ बुध	शु. ४ विनायक चतुर्थी
२७/८ बुध	शु. ४ गणेश चतुर्थी (चंद्र दर्शन निषेध)
२७/८ बुध	शु. ४ चौक चानणी का सिंधारा
२७/८ बुध	शु. ४ जैन संवत्सरी
२८/८ गुरु	शु. ५ ऋषि पंचमी
२९/८ शुक्र	शु. ६ सौर (सूर्य) षष्ठी
२९/८ शुक्र	शु. ६ स्कन्द दर्शन
२९/८ शुक्र	शु. ६ ललिता षष्ठी व्रत (गुजरात)
२९/८ शुक्र	शु. ६ महालक्ष्मी व्रतारंभ
३०/८ शनि	शु. ७ मुक्ताभरण व्रत
३०/८ शनि	शु. ७ उमामहेश्वर पूजा
३०/८ शनि	शु. ७ दूबड़ी सातम
३१/८ रवि	शु. ८ श्री राधाष्टमी
३१/८ रवि	शु. ८ दधीची जयंती
३१/८ रवि	शु. ८ ज्येष्ठा का व्रत-पूजन
३१/८ रवि	शु. ८ गौरी आवाहन १७।२५ यावत्
	सितंबर २०२५
१/९ सोम	शु. ९ शुक्लानौमी
१/९ सोम	शु. ९ अदुःख नवमी व्रत
१/९ सोम	शु. ९ गौरीगणपति पूजा
१/९ सोम	शु. ९ श्री चंद्र (उदासीन संप्रदाय)
१/९ सोम	शु. ९ गौरी पूजन ११।५५ यावत्
१/९ सोम	शु. ९ श्री महालक्ष्मी व्रत समाप्ति
२/९ मंगल	शु.१० दशावतार व्रत
२/९ मंगल	शु.१० श्री रामदेवजी का मेला
२/९ मंगल	शु.१० गौरी विसर्जन २१।५१ यावत्
३/९ बुध	शु.११ जलझूलनी एकादशी व्रत स्मार्त
३/९ बुध	शु.११ श्रीश्यामबाबा जागरण
४/९ गुरु	शु.१२ जलझूलनी एकादशी व्रत निम्बा., वैष्णव
४/९ गुरु	शु.१२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
४/९ गुरु	शु.१२ वामन (द्वादशी) जयंती
४/९ गुरु	शु.१२ आश्विन में दुग्ध छोड़ने का व्रत
५/९ शुक्र	शु.१३ शिक्षक दिवस
५/९ शुक्र	शु.१३ प्रदोष व्रत

५/९ शुक्र	शु.१३ गोत्रिरात्र व्रत
६/९ शनि	शु.१४ अनन्त चतुर्दशी
६/९ शनि	शु.१४ कदली व्रत पूजन
६/९ शनि	शु.१४ रंभारोपण
७/९ रवि	शु.१५ खग्रास चन्द्रग्रहण
७/९ रवि	शु.१५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
७/९ रवि	शु.१५ प्रौष्ठपदी
७/९ रवि	शु.१५ श्राद्ध प्रारम्भ
७/९ रवि	शु.१५ महालय श्राद्धारंभ
७/९ रवि	शु.१५ महेश्वर पूजन
७/९ रवि	शु.१५ कृ. संध्यापूजा
७/९ रवि	शु.१५ इंदुला पूर्णिमा
सितंबर	**आश्विनमास कृष्णपक्ष**
तारीख वार	**तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
८/९ सोम	कृ. १ ग्रहण-करिदिन (महाराष्ट्र)
१०/९ बुध	कृ. ३ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय १९।४७
११/९ गुरु	कृ. ४ भरणी श्राद्ध
१२/९ शुक्र	कृ. ५ चंद्रषष्ठी
१४/९ रवि	कृ. ८ कालाष्टमी
१४/९ रवि	कृ. ८ श्रीमहालक्ष्मी व्रत
१४/९ रवि	कृ. ८ अशोकाष्टमी
१४/९ रवि	कृ. ८ आशा भागवती व्रत (डोरा लेना)
१५/९ सोम	कृ. ९ कृष्णानौमी
१५/९ सोम	कृ. ९ सौभाग्यवतीनां श्राद्ध
१७/९ बुध	कृ.११ विश्वकर्मा पूजा
१७/९ बुध	कृ.११ इंदिरा एकादशी व्रत स्मार्त, वैष्णव
१८/९ गुरु	कृ.१२ इंदिरा एकादशी व्रत निम्बा.
१८/९ गुरु	कृ.१२ सन्यासियों के लिए श्राद्ध
१९/९ शुक्र	कृ.१३ प्रदोष व्रत
१९/९ शुक्र	कृ.१३ कलि युगादि
२०/९ शनि	कृ.१४ मासिक शिवरात्री व्रत
२०/९ शनि	कृ.१४ शस्त्रादि हतानां श्राद्ध
२१/९ रवि	कृ.३० सर्वपितृ श्राद्ध
२१/९ रवि	कृ.३० देव-पितृकार्य में अमावस्या
सितंबर	**आश्विनमास शुक्लपक्ष**
तारीख वार	**तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
२२/९ सोम	शु. १ नवरात्र आरम्भ
२२/९ सोम	शु. १ घटस्थापन
२२/९ सोम	शु. १ अग्रसेन जयंती
२२/९ सोम	शु. १ आशा भागवती डोरा खोलना

२२/९ सोम	शु. १ मातामह श्राद्ध
२४/९ बुध	शु. ३ चंद्रदर्शन (मुहूर्त १५)
२५/९ गुरु	शु. ३ विनायक चतुर्थी
२६/९ शुक्र	शु. ४ उपांग ललिता व्रत
२९/९ सोम	शु. ७ महालक्ष्मी पूजन (घागरी फूंकणे, महाराष्ट्र)
२९/९ सोम	शु. ७ सरस्वती आवाहन
२९/९ सोम	शु. ७ भद्रकाली अवतार
३०/९ मंगल	शु. ८ महाष्टमी (दुर्गाष्टमी)
३०/९ मंगल	शु. ८ सरस्वती पूजन
	अक्टूबर २०२५
१/१० बुध	शु. ९ शुक्लानौमी
१/१० बुध	शु. ९ मन्वादि
१/१० बुध	शु. ९ शस्त्रादि पूजा
१/१० बुध	शु. ९ बलिदान
२/१० गुरु	शु.१० गांधी जयन्ती
२/१० गुरु	शु.१० बौद्धावतार
२/१० गुरु	शु.१० विजया दशमी
२/१० गुरु	शु.१० शमीपूजा
२/१० गुरु	शु.१० पट्टाभिषेक
२/१० गुरु	शु.१० सरस्वती विसर्जन
३/१० शुक्र	शु.११ पापांकुशा एकादशी व्रत
३/१० शुक्र	शु.११ श्रीश्यामबाबा जागरण
४/१० शनि	शु.१२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
४/१० शनि	शु.१२ प्रदोष व्रत
४/१० शनि	शु.१२ कार्तिक में दाल छोड़ने का व्रत
६/१० सोम	शु.१४ पूर्णिमा व्रत
६/१० सोम	शु.१४ शरद पूर्णिमा
६/१० सोम	शु.१४ कोजागरी व्रत
७/१० मंगल	शु.१५ पूर्णिमा पुण्य
७/१० मंगल	शु.१५ बंगीय लक्ष्मी पूजा
७/१० मंगल	शु.१५ नवान्न भक्षण
७/१० मंगल	शु.१५ आश्वयुजी कर्म (आश्वलायन.)
७/१० मंगल	शु.१५ कार्तिक स्नान प्रारम्भ
अक्टूबर	**कार्तिकमास कृष्णपक्ष**
तारीख वार	**तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
९/१० गुरु	कृ. ३ दशरथ ललिता व्रत
१०/१० शुक्र	कृ. ४ चतुर्थीव्रत (करवा) चन्द्रोदय १९।५८
१२/१० रवि	कृ. ६ स्कन्द षष्ठी
१३/१० सोम	कृ. ७ कालाष्टमी
१३/१० सोम	कृ. ७ होई आठें (अष्टमी) चंद्रोदय २३।०५

१३/१० सोम	कृ. ७ कराष्टमी
१४/१० मंगल	कृ. ८ राधा जयंती
१५/१० बुध	कृ. ९ कृष्णानौमी
१७/१० शुक्र	कृ.११ रमा एकादशी व्रत
१७/१० शुक्र	कृ.११ आकाश दीपारंभ
१७/१० शुक्र	कृ.११ गोवत्स द्वादशी
१८/१० शनि	कृ.१२ प्रदोष व्रत
१८/१० शनि	कृ.१२ धनतेरस
१८/१० शनि	कृ.१२ धन्वन्तरी जयंती
१८/१० शनि	कृ.१२ यम के लिए दीपदान
१८/१० शनि	कृ.१२ गोत्रिरात्र व्रत
१९/१० रवि	कृ.१३ मासिक शिवरात्री व्रत
१९/१० रवि	कृ.१३ दीपदान
१९/१० रवि	कृ.१३ छोटी दीपावली
२०/१० सोम	कृ.१४ रूप (१४)
२०/१० सोम	कृ.१४ प्रभात स्नान
२०/१० सोम	कृ.१४ महालक्ष्मी पूजा
२०/१० सोम	कृ.१४ कुबेर पूजा
२१/१० मंगल	कृ.३० शहीद दिवस
२१/१० मंगल	कृ.३० देव-पितृकार्य में अमावस्या
२१/१० मंगल	कृ.३० बलीपूजा
अक्टूबर	**कार्तिकमास शुक्लपक्ष**
तारीख वार	**तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
२२/१० बुध	शु. १ गुजरातियों का नूतन वर्षारंभ
२३/१० गुरु	शु. २ भैयादूज
२३/१० गुरु	शु. २ यम दूज
२३/१० गुरु	शु. २ यमुना स्नान
२३/१० गुरु	शु. २ कलम दवात पूजा
२४/१० शुक्र	शु. ३ चंद्रदर्शन (मुहूर्त ३०)
२५/१० शनि	शु. ४ विनायक चतुर्थी
२५/१० शनि	शु. ४ दूर्वा गणपति व्रत
२६/१० रवि	शु. ५ सौभाग्य पंचमी
२६/१० रवि	शु. ५ पाण्डव पंचमी
२८/१० मंगल	शु. ६ कल्पादि
२८/१० मंगल	शु. ६ वन्हि (सूर्य) षष्ठी
३०/१० गुरु	शु. ८ गोपाष्टमी
३१/१० शुक्र	शु. ९ शुक्लानौमी
३१/१० शुक्र	शु. ९ कृत युगादि
३१/१० शुक्र	शु. ९ कुष्माण्ड (आंवला) नवमी
	नवंबर २०२५
१/११ शनि	शु.१० श्रीश्यामबाबा जागरण
२/११ रवि	शु.११ तुलसी विवाह
२/११ रवि	शु.११ भीष्म पंचक प्रा.
२/११ रवि	शु.११ चातुर्मास्य व्रत समाप्ति
२/११ रवि	शु.११ देवोत्थापनं
२/११ रवि	शु.११ प्रबोधिनी एकादशी व्रत

२/११ रवि	शु.१२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
२/११ रवि	शु.१२ मन्वादि
३/११ सोम	शु.१३ प्रदोष व्रत
४/११ मंगल	शु.१४ बैकुण्ठ १४
४/११ मंगल	शु.१४ [illegible] व्रत समाप्ति
४/११ मंगल	शु.१४ कार्तिक व्रतोद्यापन
५/११ बुध	शु.१५ मन्वादि
५/११ बुध	शु.१५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
५/११ बुध	शु.१५ गोपव्रत समाप्ति
५/११ बुध	शु.१५ त्रिपुरोत्सव
५/११ बुध	शु.१५ पुष्कर स्नान
५/११ बुध	शु.१५ नानक जयंती
५/११ बुध	शु.१५ भीष्म पंचक समाप्ति
५/११ बुध	शु.१५ कार्तिक स्नान पूर्ति

नवंबर तारीख वार	मार्गशीर्षमास कृष्णपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
८/११ शनि	कृ. ३ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय १९|५४
८/११ शनि	कृ. ३ सौभाग्य सुंदरी व्रत
१२/११ बुध	कृ. ८ कालाष्टमी
१२/११ बुध	कृ. ८ कालभैरवाष्टमी
१३/११ गुरु	कृ. ९ रानी सतीजी जन्म महोत्सव मेला
१४/११ शुक्र	कृ.१० नेहरूजयन्ती (बालदिवस)
१५/११ शनि	कृ.११ उत्पत्ति एकादशी व्रत स्मार्त, वैष्णव
१५/११ शनि	कृ.११ वैतरणी व्रत
१६/११ रवि	कृ.१२ उत्पत्ति एकादशी व्रत निम्बा
१६/११ रवि	कृ.१२ आकाशदीप समाप्ति
१७/११ सोम	कृ.१३ प्रदोष व्रत
१८/११ मंगल	कृ.१३ मासिक शिवरात्री व्रत
१९/११ बुध	कृ.१४ गौरीतपो व्रत
१९/११ बुध	कृ.१४ महाव्रतारंभ
२०/११ गुरु	कृ.३० देव पितृकार्य मे अमावस्या

नवंबर तारीख वार	मार्गशीर्षमास शुक्लपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
२१/११ शुक्र	शु. १ मार्तण्ड भैरव षड्रात्रोत्सवारंभ (महाराष्ट्र)
२२/११ शनि	शु. २ चंद्रदर्शन (मुहूर्त३०)
२३/११ रवि	शु. ३ रंभा व्रत
२४/११ सोम	शु. ४ विनायक चतुर्थी
२५/११ मंगल	शु. ५ नागपंचमी
२६/११ बुध	शु. ६ चम्पा (महाराष्ट्र में चंपा) षष्ठी व्रत
२६/११ बुध	शु. ६ मार्तण्ड भैरवोत्थापन (महाराष्ट्र)
२९/११ शनि	शु. ९ दुर्गानौमी
२९/११ शनि	शु. ९ कल्पादि
	दिसंबर २०२५
१/१२ सोम	शु.११ मोक्षदा एकादशी व्रत
१/१२ सोम	शु.११ श्रीश्यामबाबा जागरण
१/१२ सोम	शु.११ गीता जयंती
२/१२ मंगल	शु.१२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
२/१२ मंगल	शु.१२ प्रदोष व्रत
२/१२ मंगल	शु.१२ अनंग त्रयोदशी व्रत
३/१२ बुध	शु.१३ पिशाच मोचन श्राद्ध
४/१२ गुरु	शु.१४ नौ सेना दिवस
४/१२ गुरु	शु.१४ श्री दत्त जयंती
४/१२ गुरु	शु.१४ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
४/१२ गुरु	शु.१४ द्वात्रिंशी (बत्तीसी) पूर्णिमा

दिसंबर तारीख वार	पौषमास कृष्णपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
७/१२ रवि	कृ. ३ झण्डा दिवस
७/१२ रवि	कृ. ३ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २०|३१
९/१२ मंगल	कृ. ५ तारा (शुक्र अस्त)
११/१२ गुरु	कृ. ७ कालाष्टमी
१३/१२ शनि	कृ. ९ कृष्णानौमी
१५/१२ सोम	कृ.११ सफला एकादशी व्रत
१६/१२ मंगल	कृ.१२ सुरूप द्वादशी
१७/१२ बुध	कृ.१३ प्रदोष व्रत
१८/१२ गुरु	कृ.१४ मासिक शिवरात्री व्रत
१९/१२ शुक्र	कृ.३० पितृकार्य मे अमावस्या
१९/१२ शुक्र	कृ.३० कुहू अमावस्या
२०/१२ शनि	कृ.३० देवकार्य मे अमावस्या

दिसंबर तारीख वार	पौषमास शुक्लपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
२१/१२ रवि	शु. १ सायन उत्तरायणारंभ: घं. २०|३३
२२/१२ सोम	शु. २ चंद्रदर्शन (मुहूर्त४५)
२२/१२ सोम	शु. २ अयन करिदिन
२४/१२ बुध	शु. ४ विनायक चतुर्थी
२५/१२ गुरु	शु. ५ बड़ादिन
२८/१२ रवि	शु. ८ शाकम्भरी यात्रा
२९/१२ सोम	शु. ९ दुर्गानौमी
३०/१२ मंगल	शु.१० पुत्रदा एकादशी व्रत स्मार्त
३०/१२ मंगल	शु.१० श्रीश्यामबाबा जागरण
३०/१२ मंगल	शु.१० मन्वादि
३१/१२ बुध	शु.१२ पुत्रदा एकादशी व्रत निम्बा., वैष्णव
३१/१२ बुध	शु.१२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
	जनवरी २०२६
१/१ गुरु	शु.१३ प्रदोष व्रत
३/१ शनि	शु.१५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
३/१ शनि	शु.१५ शाकम्भरी जयंती
३/१ शनि	शु.१५ माघ स्नानारंभ

जनवरी तारीख वार	माघमास कृष्णपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
६/१ मंगल	कृ. ३ अंगारकी चतुर्थीव्रत (माही तिलकुटी) चन्द्रोदय २०|३४
६/१ मंगल	कृ. ३ सौभाग्य सुंदरी व्रत
६/१ मंगल	कृ. ३ संकट हरणगणपति व्रत
६/१ मंगल	कृ. ३ गौरी चतुर्थी
१०/१ शनि	कृ. ७ स्वामी विवेकानन्द जयंती
१०/१ शनि	कृ. ७ कालाष्टमी
१२/१ सोम	कृ. ९ कृष्णानौमी
१४/१ बुध	कृ.११ मकर संक्रांति घं. १४|३४
१४/१ बुध	कृ.११ पुण्यकाल
१४/१ बुध	कृ.११ षट्तिला एकादशी व्रत
१५/१ गुरु	कृ.१२ संक्रान्ति करिदिन
१५/१ गुरु	कृ.१२ तिल द्वादशी
१६/१ शुक्र	कृ.१३ प्रदोष व्रत
१६/१ शुक्र	कृ.१३ मासिक शिवरात्री व्रत
१८/१ रवि	कृ.३० मौनी अमा.
१८/१ रवि	कृ.३० देव पितृकार्य मे अमावस्या
१८/१ रवि	कृ.३० द्वापर युगादि

जनवरी तारीख वार	माघमास शुक्लपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
१९/१ सोम	शु. १ श्री वल्लभ जयंती
२०/१ मंगल	शु. २ चंद्रदर्शन (मुहूर्त३०)
२२/१ गुरु	शु. ४ विनायक चतुर्थी
२२/१ गुरु	शु. ४ वरद (कुंद) चतुर्थी
२२/१ गुरु	शु. ४ तिल चतुर्थी
२३/१ शुक्र	शु. ५ नेताजी जयन्ती
२३/१ शुक्र	शु. ५ वसन्त पंचमी
२५/१ रवि	शु. ७ मन्वादि
२५/१ रवि	शु. ७ पुत्र सप्तमी
२५/१ रवि	शु. ७ सूर्य सप्तमी
२५/१ रवि	शु. ७ अचला सप्तमी
२५/१ रवि	शु. ७ भानु सप्तमी
२५/१ रवि	शु. ७ विजया सप्तमी
२६/१ सोम	शु. ८ गणतन्त्र दिवस
२६/१ सोम	शु. ८ भीष्माष्टमी
२७/१ मंगल	शु. ९ दुर्गानौमी
२९/१ गुरु	शु.११ जया एकादशी व्रत
२९/१ गुरु	शु.११ श्रीश्यामबाबा जागरण
२९/१ गुरु	शु.११ भीष्मद्वादशी
३०/१ शुक्र	शु.१२ गांधीजी पुण्य तिथि
३०/१ शुक्र	शु.१२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
३०/१ शुक्र	शु.१३ प्रदोष व्रत
३०/१ शुक्र	शु.१३ कल्पादि
	फरवरी २०२६
१/२ रवि	शु.१५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
१/२ रवि	शु.१५ माघ स्नान पूर्ति

फरवरी तारीख वार	फाल्गुनमास कृष्णपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
३/२ मंगल	कृ. २ तारा शुक्र (शुक्र उदय)
५/२ गुरु	कृ. ४ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २१|०५
९/२ सोम	कृ. ८ कालाष्टमी
११/२ बुध	कृ. ९ कृष्णानौमी
११/२ बुध	कृ. ९ रामदास नवमी
१३/२ शुक्र	कृ.११ विजया एकादशी व्रत
१४/२ शनि	कृ.१२ प्रदोष व्रत
१५/२ रवि	कृ.१३ महा शिवरात्री व्रत
१७/२ मंगल	कृ.३० देव पितृकार्य मे अमावस्या

फरवरी तारीख वार	फाल्गुनमास शुक्लपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
१८/२ बुध	शु. १ चंद्रदर्शन (मुहूर्त४५)
१९/२ गुरु	शु. २ फुलरिया दूज
१९/२ गुरु	शु. २ श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती
२१/२ शनि	शु. ४ विनायक चतुर्थी
२२/२ रवि	शु. ५ याज्ञवल्क्य जयंती
२४/२ मंगल	शु. ७ होलाष्टक प्रारम्भ
२५/२ बुध	शु. ९ दुर्गानौमी
२७/२ शुक्र	शु.११ [illegible] भद्रा के पहिले
२७/२ शुक्र	शु.११ आमलकी एकादशी व्रत स्मार्त, वैष्णव
२७/२ शुक्र	शु.११ श्रीश्यामबाबा जागरण
२८/२ शनि	शु.१२ राष्ट्रीय विज्ञान दिवस
२८/२ शनि	शु.१२ आमलकी एकादशी व्रत निम्बा.
२८/२ शनि	शु.१२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
२८/२ शनि	शु.१२ श्री खाटूश्यामजी मेला
	मार्च २०२६
१/३ रवि	शु.१३ प्रदोष व्रत
२/३ सोम	शु.१४ होलिका दहन भद्रापुच्छ (भद्रा २५|२३ के बाद)
२/३ सोम	शु.१४ करिदिन (महाराष्ट्र)
३/३ मंगल	शु.१५ मन्वादि
३/३ मंगल	शु.१५ ग्रस्तोदय खग्रास चन्द्रग्रहण
३/३ मंगल	शु.१५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
३/३ मंगल	शु.१५ धुरेंडी
३/३ मंगल	शु.१५ [illegible] का डोला लीला
३/३ मंगल	शु.१५ गणगौर पूजा आरम्भ
३/३ मंगल	शु.१५ करिदिन (महाराष्ट्र)

मार्च तारीख वार	चैत्रमास कृष्णपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
४/३ बुध	कृ. १ धूलि-करिदिन (महाराष्ट्र)
४/३ बुध	कृ. १ वसन्त [illegible]
६/३ शुक्र	कृ. ३ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २०|४६
६/३ शुक्र	कृ. ३ कल्पादि
८/३ रवि	कृ. ५ विश्व महिला दिवस
८/३ रवि	कृ. ५ रंग पंचमी
११/३ बुध	कृ. ८ कालाष्टमी
११/३ बुध	कृ. ८ शीतला (बास्योड़ा) पूजन
१३/३ शुक्र	कृ. ९ दादू दयाल जयन्ती
१३/३ शुक्र	कृ. ९ कृष्णानौमी
१५/३ रवि	कृ.११ पापमोचनी एकादशी व्रत
१६/३ सोम	कृ.१२ प्रदोष व्रत
१७/३ मंगल	कृ.१३ विश्व विकलांग दिवस
१७/३ मंगल	कृ.१३ रंग तेरस
१७/३ मंगल	कृ.१३ मासिक शिवरात्री व्रत
१७/३ मंगल	कृ.१३ गंगास्नान, वारुणी योग ६|१८ से ९|२३ तक
१८/३ बुध	कृ.१४ पितृकार्य मे अमावस्या
१८/३ बुध	कृ.१४ मन्वादि
१९/३ गुरु	कृ.३० देवकार्य मे अमावस्या
१९/३ गुरु	कृ.३० नया संवत आरम्भ
१९/३ गुरु	कृ.३० नवरात्र आरम्भ
१९/३ गुरु	कृ.३० घटस्थापन
१९/३ गुरु	कृ.३० ध्वजारोपण
१९/३ गुरु	कृ.३० गुढी पड़वा (महाराष्ट्र)
१९/३ गुरु	कृ.३० कल्पादि

॥ शुभम् ॥

(अक्षांश २०°२८' उ., देशांतर ८५°५४' पू.)

मुख्य व्रतोत्सव तालिका

संवत् २०८२, (सन २०२५-२०२६)

(तिथि मे - शु. से शुक्लपक्ष और कृ. से कृष्णपक्ष)

मार्च तारीख वार	चैत्रमास शुक्लपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
३०। ३ रवि	शु. १ चंद्रदर्शन (मुहूर्त३०)
३०। ३ रवि	शु. १ नया संवत आरम्भ
३०। ३ रवि	शु. १ नवरात्र आरम्भ
३०। ३ रवि	शु. १ घटस्थापन
३०। ३ रवि	शु. १ ध्वजारोपण
३०। ३ रवि	शु. १ गुड़ी पड़वा (महाराष्ट्र)
३०। ३ रवि	शु. १ कल्पादि
३१। ३ सोम	शु. २ मत्स्योत्पत्ति
३१। ३ सोम	शु. २ अरुन्धती व्रत-पूजा
३१। ३ सोम	शु. २ सिंधारा
	अप्रैल २०२५
१। ४ मंगल	शु. ३ मन्वादि
१। ४ मंगल	शु. ३ अंगारक विनायक चतुर्थी
१। ४ मंगल	शु. ३ गणगौर पूजा समापन
१। ४ मंगल	शु. ३ मनोरथ तृतीया व्रत
१। ४ मंगल	शु. ३ सौभाग्य शयन व्रत
१। ४ मंगल	शु. ३ शिवशक्ति पूजा
२। ४ बुध	शु. ५ गुड़ फ्रायडे (ईसाई)
२। ४ बुध	शु. ५ कल्पादि
२। ४ बुध	शु. ५ डोलोत्सव
३। ४ गुरु	शु. ६ स्कन्द षष्ठी व्रत
५। ४ शनि	शु. ८ भवान्युत्पत्ति
५। ४ शनि	शु. ८ अष्टमी की कड़ाई
५। ४ शनि	शु. ८ अशोककलिका प्राशन
६। ४ रवि	शु. ९ श्री रामनवमी
८। ४ मंगल	शु.११ कामदा एकादशी व्रत
८। ४ मंगल	शु.११ श्रीश्यामबाबा जागरण
८। ४ मंगल	शु.११ लक्ष्मीकान्त दोलोत्सव
९। ४ बुध	शु.१२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
९। ४ बुध	शु.१२ हरि दमनोत्सव
१०। ४ गुरु	शु.१३ प्रदोष व्रत
१०। ४ गुरु	शु.१३ जैन महावीर जयंती
११। ४ शुक्र	शु.१४ शिव पूजन विशेष
१२। ४ शनि	शु.१५ मन्वादि
१२। ४ शनि	शु.१५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
१२। ४ शनि	शु.१५ वैशाख स्नान प्रारम्भ
१३। ४ रवि	शु.१५ हनुमान जयंती
१३। ४ रवि	शु.१५ अश्वमेधयज्ञफल

अप्रैल तारीख वार	वैशाखमास कृष्णपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
१४। ४ सोम	कृ. १ डा. आम्बेडकर जयन्ती
१६। ४ बुध	कृ. ३ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २१।०३
१७। ४ गुरु	कृ. ४ अनुसूया जयंती
२१। ४ सोम	कृ. ८ कालाष्टमी
२१। ४ सोम	कृ. ८ बूढ़ी बासयोड़ो
२२। ४ मंगल	कृ. ९ कृष्णानौमी
२४। ४ गुरु	कृ.११ वरूथिनि एकादशी व्रत
२५। ४ शुक्र	कृ.१२ प्रदोष व्रत
२६। ४ शनि	कृ.१३ मासिक शिवरात्री व्रत
२७। ४ रवि	कृ.३० देव-पितृकार्य मे अमावस्या

अप्रैल तारीख वार	वैशाखमास शुक्लपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
२९। ४ मंगल	शु. २ चंद्रदर्शन (मुहूर्त३०)
२९। ४ मंगल	शु. २ शिवाजी जयंती
२९। ४ मंगल	शु. २ परशुराम जयंती
३०। ४ बुध	शु. ३ त्रेता युगादि
३०। ४ बुध	शु. ३ कल्पादि
३०। ४ बुध	शु. ३ विनायक चतुर्थी
३०। ४ बुध	शु. ३ अक्षय तृतीया (आखातीज)
	मई २०२५
१। ५ गुरु	शु. ४ महाराष्ट्र दिवस, विश्व श्रम दिवस
२। ५ शुक्र	शु. ५ श्री आद्यशंकराचार्य जयंती
२। ५ शुक्र	शु. ५ श्री रामानुज जयंती
३। ५ शनि	शु. ६ गंगोत्पत्ति
३। ५ शनि	शु. ६ गंगापूजन
६। ५ मंगल	शु. ९ शुक्लानौमी
६। ५ मंगल	शु. ९ सीता नवमी
७। ५ बुध	शु.१० टैगोर जयन्ती
८। ५ गुरु	शु.११ मोहिनी एकादशी व्रत
८। ५ गुरु	शु.११ श्रीश्यामबाबा जागरण
९। ५ शुक्र	शु.१२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
९। ५ शुक्र	शु.१२ प्रदोष व्रत
११। ५ रवि	शु.१४ नृसिंह चतुर्दशी
१२। ५ सोम	शु.१५ कूर्मोत्पत्ति
१२। ५ सोम	शु.१५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
१२। ५ सोम	शु.१५ वैशाखस्नानपूर्ति
१२। ५ सोम	शु.१५ धर्म घीटकी जलकुंभदान

मई तारीख वार	ज्येष्ठमास कृष्णपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
१४। ५ बुध	कृ. २ नारद जयंती, वीणादान
१६। ५ शुक्र	कृ. ४ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २१।४०
२०। ५ मंगल	कृ. ७ कालाष्टमी
२१। ५ बुध	कृ. ९ कृष्णानौमी
२३। ५ शुक्र	कृ.११ अपरा एकादशी व्रत स्मार्त, वैष्णव
२४। ५ शनि	कृ.१२ अपरा एकादशी व्रत निम्बा.
२५। ५ रवि	कृ.१३ प्रदोष व्रत
२५। ५ रवि	कृ.१३ मासिक शिवरात्री व्रत
२६। ५ सोम	कृ.१४ शनि जयंती
२६। ५ सोम	कृ.१४ भावुका अमा.
२६। ५ सोम	कृ.१४ पितृकार्य मे अमावस्या
२७। ५ मंगल	कृ.३० नेहरूजी पुण्य तिथि
२७। ५ मंगल	कृ.३० भावुका-करिदिन (महाराष्ट्र)
२७। ५ मंगल	कृ.३० वटपूजन (राजस्थान)
२७। ५ मंगल	कृ.३० देवकार्य मे अमावस्या
२७। ५ मंगल	कृ.३० करिदिन (महाराष्ट्र)
२७। ५ मंगल	कृ.३० श्री गंगादशाश्वमेधस्नान प्रारम्भ

मई तारीख वार	ज्येष्ठमास शुक्लपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
२८। ५ बुध	शु. २ चंद्रदर्शन (मुहूर्त३०)
२९। ५ गुरु	शु. ३ रंभा व्रत
२९। ५ गुरु	शु. ३ महाराणा प्रताप जयंती
३०। ५ शुक्र	शु. ४ विनायक चतुर्थी
	जून २०२५
३। ६ मंगल	शु. ८ दुर्गाष्टमी
३। ६ मंगल	शु. ८ धूमावती जयंती
४। ६ बुध	शु. ९ शुक्लानौमी
५। ६ गुरु	शु.१० गंगा दशहरा व्रत
६। ६ शुक्र	शु.११ निर्जला एकादशी व्रत स्मार्त, वैष्णव
७। ६ शनि	शु.१२ निर्जला एकादशी व्रत निम्बा.
७। ६ शनि	शु.१२ श्रीश्यामबाबा जागरण
८। ६ रवि	शु.१२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
८। ६ रवि	शु.१३ प्रदोष व्रत
८। ६ रवि	शु.१३ वटसावित्री व्रत प्रारम्भ (गुजरात)
१०। ६ मंगल	शु.१४ पूर्णिमा व्रत
१०। ६ मंगल	शु.१४ वटसावित्री व्रत पूर्ति (गुजरात)
१०। ६ मंगल	शु.१४ अक्षर साध्य व्रत
११। ६ बुध	शु.१५ मन्वादि
११। ६ बुध	शु.१५ पूर्णिमा पुण्य
११। ६ बुध	शु.१५ कबीर जयंती
११। ६ बुध	शु.१५ ज्येष्ठी योग

जून तारीख वार	आषाढ़मास कृष्णपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
१२। ६ गुरु	कृ. १ तारा (गुरु अस्त)
१४। ६ शनि	कृ. ३ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २१।१३
१८। ६ बुध	कृ. ७ कालाष्टमी
२०। ६ शुक्र	कृ. ९ कृष्णानौमी
२१। ६ शनि	कृ.१० सायन दक्षिणायनारंभ: रा. ८।०२
२१। ६ शनि	कृ.१० योगिनी एकादशी व्रत स्मार्त
२२। ६ रवि	कृ.१२ अनन करिदिन
२२। ६ रवि	कृ.१२ योगिनी एकादशी व्रत निम्बा., वैष्णव
२३। ६ सोम	कृ.१३ प्रदोष व्रत
२३। ६ सोम	कृ.१३ मासिक शिवरात्री व्रत
२५। ६ बुध	कृ.३० देव-पितृकार्य मे अमावस्या

जून तारीख वार	आषाढ़मास शुक्लपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
२६। ६ गुरु	शु. १ चंद्रदर्शन (मुहूर्त४५)
२७। ६ शुक्र	शु. २ श्री जगदीश रथ यात्रा
२८। ६ शनि	शु. ३ विनायक चतुर्थी
३०। ६ सोम	शु. ५ स्कन्द षष्ठी
	जुलाई २०२५
४। ७ शुक्र	शु. ९ शुक्लानौमी
४। ७ शुक्र	शु. ९ भड़ली नवमी
५। ७ शनि	शु.१० मन्वादि
५। ७ शनि	शु.१० आशा दशमी
६। ७ रवि	शु.११ तारा शुद्ध (गुरु उदय)
६। ७ रवि	शु.११ देव शयनी एकादशी व्रत
६। ७ रवि	शु.११ श्रीश्यामबाबा जागरण
६। ७ रवि	शु.११ चातुर्मास व्रत प्रारम्भ
६। ७ रवि	शु.११ गोपद्मव्रतोद्यापन
६। ७ रवि	शु.११ हरिशयन २२।४२ से
७। ७ सोम	शु.१२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
७। ७ सोम	शु.१२ श्रावण मे शाक-सब्जी छोड़ने का व्रत
७। ७ सोम	शु.१२ हरिशयन ५।२१ तक
८। ७ मंगल	शु.१३ प्रदोष व्रत
८। ७ मंगल	शु.१३ जया पार्वती व्रत
१०। ७ गुरु	शु.१५ मन्वादि
१०। ७ गुरु	शु.१५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
१०। ७ गुरु	शु.१५ वायु परीक्षा
१०। ७ गुरु	शु.१५ गोपद्म व्रत प्रारम्भ
१०। ७ गुरु	शु.१५ व्यासपूजा
१०। ७ गुरु	शु.१५ गुरु पूर्णिमा
१०। ७ गुरु	शु.१५ आषाढ़ी ...

जुलाई तारीख वार	श्रावणमास कृष्णपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
११। ७ शुक्र	कृ. १ [illegible]
१२। ७ शनि	कृ. २ [illegible]
१४। ७ सोम	कृ. ४ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय [illegible]
१५। ७ मंगल	कृ. ५ [illegible] (राजस्थान)
१८। ७ शुक्र	कृ. ८ कालाष्टमी
१९। ७ शनि	कृ. ९ कृष्णानौमी
२१। ७ सोम	कृ.११ कामिका एकादशी व्रत
२२। ७ मंगल	कृ.१२ प्रदोष व्रत
२३। ७ बुध	कृ.१४ मासिक शिवरात्री व्रत
२४। ७ गुरु	कृ.३० हरियाली अमा
२४। ७ गुरु	कृ.३० देव-पितृकार्य मे अमावस्या

जुलाई तारीख वार	श्रावणमास शुक्लपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
२६। ७ शनि	शु. २ चंद्रदर्शन (मुहूर्त३०)
२६। ७ शनि	शु. २ सिंधारा
२७। ७ रवि	शु. ३ तीज
२७। ७ रवि	शु. ३ स्वर्णगौरी व्रत
२७। ७ रवि	शु. ३ मधुश्रवा व्रत (गुजरात)
२७। ७ रवि	शु. ३ मुकुल तृतीया व्रत
२८। ७ सोम	शु. ४ विनायक चतुर्थी
२८। ७ सोम	शु. ४ वरद चतुर्थी
२८। ७ सोम	शु. ४ दूर्वा गणपति व्रत
२८। ७ सोम	शु. ४ रोटक व्रत प्रारम्भ
२८। ७ सोम	शु. ४ सोमेश्वरपूजन
२९। ७ मंगल	शु. ५ नागपंचमी
२९। ७ मंगल	शु. ५ नागदष्ट व्रत
३०। ७ बुध	शु. ६ कल्की जयंती
३०। ७ बुध	शु. ६ वर्णषष्ठी
३१। ७ गुरु	शु. ७ शीतला
३१। ७ गुरु	शु. ७ तुलसी जयंती
	अगस्त २०२५
१। ८ शुक्र	शु. ८ तिलकपुष्पतिथि
१। ८ शुक्र	शु. ८ दुर्गाष्टमी
३। ८ रवि	शु. ९ शुक्लानौमी
५। ८ मंगल	शु.११ पवित्रा एकादशी व्रत
५। ८ मंगल	शु.११ श्रीश्यामबाबा जागरण
६। ८ बुध	शु.१२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
६। ८ बुध	शु.१२ प्रदोष व्रत
६। ८ बुध	शु.१२ भाद्रपद मे दही छोड़ने का व्रत
६। ८ बुध	शु.१२ पवित्रारोपण
८। ८ शुक्र	शु.१४ हयग्रीव जयंती

८/८	शुक्र	शु. १४ [illegible] बढ़ा के पहिले
९/८	शनि	शु. १५ नारियल पूर्णिमा
९/८	शनि	शु. १५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
९/८	शनि	शु. १५ रक्षाबंधन (पूरा दिन शुद्ध है)

अगस्त — भाद्रपदमास कृष्णपक्ष

तारीख	वार	तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
११/८	सोम	कृ. २ बृहद्गौरी व्रत (कर्नाटक में डोली)
१२/८	मंगल	कृ. ३ अंगारकी चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २०।२५
१२/८	मंगल	कृ. ३ कज्जली(बूढी) तीज
१२/८	मंगल	कृ. ३ बूढी तीज
१२/८	मंगल	कृ. ३ बहू का सिंधारा
१४/८	गुरु	कृ. ६ हलषष्ठी
१४/८	गुरु	कृ. ६ चंदषष्ठी (चानाछठ)
१५/८	शुक्र	कृ. ७ भारतीयस्वतंत्रता दिवस
१५/८	शुक्र	कृ. ७ शीतला व्रत
१६/८	शनि	कृ. ८ कालाष्टमी
१६/८	शनि	कृ. ८ मन्वादि
१६/८	शनि	कृ. ८ जन्माष्टमी व्रत
१६/८	शनि	कृ. ८ दशाफल व्रत
१७/८	रवि	कृ. ९ कृष्णानौमी
१७/८	रवि	कृ. ९ गोगानवमी (गुगोजी)
१९/८	मंगल	कृ. ११ अजा एकादशी व्रत
१९/८	मंगल	कृ. ११ जैनपर्युषण
१९/८	मंगल	कृ. ११ वत्सपूजा (बछबारस)
२०/८	बुध	कृ. १२ प्रदोष व्रत
२१/८	गुरु	कृ. १३ मासिक शिवरात्री व्रत
२२/८	शुक्र	कृ. १४ कुशाग्रहणी अमा.
२२/८	शुक्र	कृ. १४ पिठोरी अमा. (मध्यदेशे पोला)
२२/८	शुक्र	कृ. १४ पितृकार्य में अमावस्या
२३/८	शनि	कृ. ३० भादीमावस
२३/८	शनि	कृ. ३० श्रीराणीसतीजी का मेला
२३/८	शनि	कृ. ३० लोहार्गल स्नान
२३/८	शनि	कृ. ३० मातृ अमा.
२३/८	शनि	कृ. ३० देवकार्य में अमावस्या

अगस्त — भाद्रपदमास शुक्लपक्ष

तारीख	वार	तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
२५/८	सोम	शु. २ चंद्रदर्शन (मुहूर्त१५)
२५/८	सोम	शु. २ वराह जयंती
२६/८	मंगल	शु. ३ मन्वादि
२६/८	मंगल	शु. ३ हरितालिका व्रत
२६/८	मंगल	शु. ३ हस्तगौरी व्रत
२७/८	बुध	शु. ४ विनायक चतुर्थी
२७/८	बुध	शु. ४ गणेश चतुर्थी (चंद्र दर्शन निषेध)
२७/८	बुध	शु. ४ चौक चानणी का सिंधारा
२७/८	बुध	शु. ४ जैन संवत्सरी
२८/८	गुरु	शु. ५ ऋषि पंचमी
२९/८	शुक्र	शु. ६ सौर (सूर्य) षष्ठी
२९/८	शुक्र	शु. ६ स्कन्द दर्शन
२९/८	शुक्र	शु. ६ ललिता षष्ठी व्रत (गुजरात)
२९/८	शुक्र	शु. ६ महालक्ष्मी व्रतारंभ
३०/८	शनि	शु. ७ मुक्ताभरण व्रत
३०/८	शनि	शु. ७ उमामहेश्वर पूजा
३०/८	शनि	शु. ७ दुबडी सातम
३१/८	रवि	शु. ८ श्री राधाष्टमी
३१/८	रवि	शु. ८ दधीची जयंती
३१/८	रवि	शु. ८ ज्येष्ठा का व्रत-पूजन
३१/८	रवि	शु. ८ गौरी आवाहन १७।२५ यावत्

सितंबर २०२५

१/९	सोम	शु. ९ शुक्लानौमी
१/९	सोम	शु. ९ अदुःख नवमी व्रत
१/९	सोम	शु. ९ गौरीगणपति पूजा
१/९	सोम	शु. ९ श्री चंद (उदासीन संप्रदाय)
१/९	सोम	शु. ९ गौरी पूजन १९/५५ यावत्
१/९	सोम	शु. ९ श्री महालक्ष्मी व्रत समाप्ति
२/९	मंगल	शु. १० दशावतार व्रत
२/९	मंगल	शु. १० श्री रामदेवजी का मेला
२/९	मंगल	शु. १० गौरी विसर्जन २१/५१ यावत्
३/९	बुध	शु. ११ जलझूलनी एकादशी व्रत स्मार्त
३/९	बुध	शु. ११ श्रीश्यामबाबा जागरण
४/९	गुरु	शु. १२ जलझूलनी एकादशी व्रत निम्बा., वैष्णव
४/९	गुरु	शु. १२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
४/९	गुरु	शु. १२ वामन (द्वादशी) जयंती
४/९	गुरु	शु. १२ आश्विन में दुग्ध छोड़ने का व्रत
५/९	शुक्र	शु. १३ शिक्षक दिवस
५/९	शुक्र	शु. १३ प्रदोष व्रत
५/९	शुक्र	शु. १३ गौत्रिरात्र व्रत
६/९	शनि	शु. १४ अनन्त चतुर्दशी
६/९	शनि	शु. १४ कदली व्रत पूजन
६/९	शनि	शु. १४ रंभारोपण
७/९	रवि	शु. १५ खग्रास चन्द्रग्रहण
७/९	रवि	शु. १५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
७/९	रवि	शु. १५ प्रौष्ठपदी
७/९	रवि	शु. १५ श्राद्ध प्रारम्भ
७/९	रवि	शु. १५ महालय श्राद्धारंभ
७/९	रवि	शु. १५ महेश्वर पूजन
७/९	रवि	शु. १५ कृ. संध्यापूजा
७/९	रवि	शु. १५ इंदुला पूर्णिमा

सितंबर — आश्विनमास कृष्णपक्ष

तारीख	वार	तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
८/९	सोम	कृ. १ ग्रहण-करिदिन (महाराष्ट्र)
१०/९	बुध	कृ. ३ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय १९।४०
११/९	गुरु	कृ. ४ भरणी श्राद्ध
१२/९	शुक्र	कृ. ५ चंद्रषष्ठी
१४/९	रवि	कृ. ८ कालाष्टमी
१४/९	रवि	कृ. ८ श्रीमहालक्ष्मी व्रत
१४/९	रवि	कृ. ८ अशोकाष्टमी
१४/९	रवि	कृ. ८ आशा भागवती व्रत (डोरा लैना)
१५/९	सोम	कृ. ९ कृष्णानौमी
१५/९	सोम	कृ. ९ सौभाग्यवतीनां श्राद्धं
१७/९	बुध	कृ. ११ विश्वकर्मा पूजा
१७/९	बुध	कृ. ११ इंदिरा एकादशी व्रत स्मार्त, वैष्णव
१८/९	गुरु	कृ. १२ इंदिरा एकादशी व्रत निम्बा.
१८/९	गुरु	कृ. १२ सन्यासियों के लिए श्राद्ध
१९/९	शुक्र	कृ. १३ प्रदोष व्रत
१९/९	शुक्र	कृ. १३ कलि युगादि
२०/९	शनि	कृ. १४ मासिक शिवरात्री व्रत
२०/९	शनि	कृ. १४ शस्त्रादि हतानां श्राद्धं
२१/९	रवि	कृ. ३० सर्वपितृ श्राद्ध
२१/९	रवि	कृ. ३० देव पितृकार्य में अमावस्या

सितंबर — आश्विनमास शुक्लपक्ष

तारीख	वार	तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
२२/९	सोम	शु. १ नवरात्र आरम्भ
२२/९	सोम	शु. १ घटस्थापन
२२/९	सोम	शु. १ अग्रसेन जयंती
२२/९	सोम	शु. १ आशा भागवती डोरा खोलना
२२/९	सोम	शु. १ मातामह श्राद्ध
२४/९	बुध	शु. ३ चंद्रदर्शन (मुहूर्त१५)
२५/९	गुरु	शु. ३ विनायक चतुर्थी
२६/९	शुक्र	शु. ४ उपांग ललिता व्रत
२९/९	सोम	शु. ७ महालक्ष्मी पूजन (धापरी पूजनी, महाराष्ट्र)
२९/९	सोम	शु. ७ सरस्वती आवाहन
२९/९	सोम	शु. ७ भद्रकाली अवतार
३०/९	मंगल	शु. ८ महाष्टमी (दुर्गाष्टमी)
३०/९	मंगल	शु. ८ सरस्वती पूजन

अक्टूबर २०२५

१/१०	बुध	शु. ९ शुक्लानौमी
१/१०	बुध	शु. ९ मन्वादि
१/१०	बुध	शु. ९ शस्त्रादि पूजा
१/१०	बुध	शु. ९ बलिदान
२/१०	गुरु	शु. १० गांधी जयन्ती
२/१०	गुरु	शु. १० बौद्धावतार
२/१०	गुरु	शु. १० विजया दशमी
२/१०	गुरु	शु. १० शमीपूजा
२/१०	गुरु	शु. १० पट्टाभिषेक
२/१०	गुरु	शु. १० सरस्वती विसर्जन
३/१०	शुक्र	शु. ११ पापांकुशा एकादशी व्रत
३/१०	शुक्र	शु. ११ श्रीश्यामबाबा जागरण
४/१०	शनि	शु. १२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
४/१०	शनि	शु. १२ प्रदोष व्रत
४/१०	शनि	शु. १२ कार्तिक में दाल छोड़ने का व्रत
६/१०	सोम	शु. १४ पूर्णिमा व्रत
६/१०	सोम	शु. १४ शरद पूर्णिमा
६/१०	सोम	शु. १४ कोजागरी व्रत
७/१०	मंगल	शु. १५ पूर्णिमा पुण्य
७/१०	मंगल	शु. १५ वनीय लक्ष्मी पूजा
७/१०	मंगल	शु. १५ नवान्न भक्षण
७/१०	मंगल	शु. १५ आश्वयुजी कर्म (आश्वलायन.)
७/१०	मंगल	शु. १५ कार्तिक स्नान प्रारम्भ

अक्टूबर — कार्तिकमास कृष्णपक्ष

तारीख	वार	तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
९/१०	गुरु	कृ. ३ दशरथ ललिता व्रत
१०/१०	शुक्र	कृ. ४ चतुर्थीव्रत (करवा) चन्द्रोदय १९/५८
१२/१०	रवि	कृ. ६ स्कन्द षष्ठी
१३/१०	सोम	कृ. ७ कालाष्टमी
१३/१०	सोम	कृ. ७ होई आठें (अष्टमी) चंद्रोदय २३।०५
१३/१०	सोम	कृ. ७ कराष्टमी
१४/१०	मंगल	कृ. ८ राधा जयंती
१५/१०	बुध	कृ. ९ कृष्णानौमी
१७/१०	शुक्र	कृ. ११ रमा एकादशी व्रत
१७/१०	शुक्र	कृ. ११ आकाश दीपारंभ
१७/१०	शुक्र	कृ. ११ गोवत्स द्वादशी
१८/१०	शनि	कृ. १२ प्रदोष व्रत
१८/१०	शनि	कृ. १२ धनतेरस
१८/१०	शनि	कृ. १२ धन्वन्तरी जयंती
१८/१०	शनि	कृ. १२ यम के लिए दीपदान
१८/१०	शनि	कृ. १२ गौत्रिरात्र व्रत
१९/१०	रवि	कृ. १३ मासिक शिवरात्री व्रत
१९/१०	रवि	कृ. १३ दीपदान
१९/१०	रवि	कृ. १३ छोटी दीपावली
२०/१०	सोम	कृ. १४ रूप (१४)
२०/१०	सोम	कृ. १४ प्रभात स्नान
२०/१०	सोम	कृ. १४ महालक्ष्मी पूजा
२०/१०	सोम	कृ. १४ कुबेर पूजा
२१/१०	मंगल	कृ. ३० शहीद दिवस
२१/१०	मंगल	कृ. ३० देव पितृकार्य में अमावस्या
२१/१०	मंगल	कृ. ३० कालीपूजा

अक्टूबर — कार्तिकमास शुक्लपक्ष

तारीख	वार	तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार
२२/१०	बुध	शु. १ गुजरातियों का नूतन वर्षारंभ
२३/१०	गुरु	शु. २ चंद्रदर्शन (मुहूर्त१५)
२३/१०	गुरु	शु. २ भैयादूज
२३/१०	गुरु	शु. २ यम दूज
२३/१०	गुरु	शु. २ यमुना स्नान
२३/१०	गुरु	शु. २ कलम दवात पूजा
२५/१०	शनि	शु. ४ विनायक चतुर्थी
२५/१०	शनि	शु. ४ दूर्वा गणपति व्रत
२६/१०	रवि	शु. ५ सौभाग्य पंचमी
२६/१०	रवि	शु. ५ पाण्डव पंचमी
२८/१०	मंगल	शु. ६ कल्पादि
२८/१०	मंगल	शु. ६ रवि (सूर्य) षष्ठी
३०/१०	गुरु	शु. ८ गोपाष्टमी
३१/१०	शुक्र	शु. ९ शुक्लानौमी
३१/१०	शुक्र	शु. ९ कृत युगादि
३१/१०	शुक्र	शु. ९ कूष्माण्ड (आंवला) नवमी

नवंबर २०२५

१/११	शनि	शु. १० श्रीश्यामबाबा जागरण
२/११	रवि	शु. ११ तुलसी विवाह
२/११	रवि	शु. ११ भीष्म पंचक प्रा.
२/११	रवि	शु. ११ चातुर्मास्य व्रत समाप्ति
२/११	रवि	शु. ११ देवोत्थापन
२/११	रवि	शु. ११ प्रबोधिनी एकादशी व्रत
२/११	रवि	शु. ११ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्

२।११ रवि	शु.११ मन्वादि
३।११ सोम	शु.१३ प्रदोष व्रत
४।११ मंगल	शु.१४ वैकुण्ठ १४
४।११ मंगल	शु.१४ रोटक व्रत समाप्ति
४।११ मंगल	शु.१४ कार्तिक व्रतोद्यापन
५।११ बुध	शु.१५ मन्वादि
५।११ बुध	शु.१५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
५।११ बुध	शु.१५ गोपव्रत समाप्ति
५।११ बुध	शु.१५ त्रिपुरोत्सव
५।११ बुध	शु.१५ पुष्कर यात्रा
५।११ बुध	शु.१५ नानक जयंती
५।११ बुध	शु.१५ भीष्म पंचक समाप्ति
५।११ बुध	शु.१५ कार्तिक स्नान पूर्ति
नवंबर	**मार्गशीर्षमास कृष्णपक्ष**
तारीख वार	**तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
८।११ शनि	कृ. ३ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय ११।४५
८।११ शनि	कृ. ३ सौभाग्य सुंदरी व्रत
१२।११ बुध	कृ. ८ कालाष्टमी
१२।११ बुध	कृ. ८ कालभैरवाष्टमी
१३।११ गुरु	कृ. ९ राणी सतीजी जन्म महोत्सव मेला
१४।११ शुक्र	कृ.१० नेहरूजयन्ती (बालदिवस)
१५।११ शनि	कृ.११ उत्पत्ति एकादशी व्रत स्मार्त, वैष्णव
१५।११ शनि	कृ.११ वैतरणी व्रत
१६।११ रवि	कृ.१२ उत्पत्ति एकादशी व्रत निम्बा.
१६।११ रवि	कृ.१२ आकाशदीप समाप्ति
१७।११ सोम	कृ.१३ प्रदोष व्रत
१८।११ मंगल	कृ.१३ मासिक शिवरात्री व्रत
१९।११ बुध	कृ.१४ गौरीतपो व्रत
१९।११ बुध	कृ.१४ महाव्रतारंभ
२०।११ गुरु	कृ.३० देव-पितृकार्य मे अमावस्या
नवंबर	**मार्गशीर्षमास शुक्लपक्ष**
तारीख वार	**तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
२१।११ शुक्र	शु. १ मार्तण्ड भैरव षड्रात्रो-त्सवारंभ (महाराष्ट्र)
२२।११ शनि	शु. २ चंद्रदर्शन (मुहुर्त्ती३०)
२३।११ रवि	शु. ३ रंभा व्रत
२४।११ सोम	शु. ४ विनायक चतुर्थी
२५।११ मंगल	शु. ५ नागपंचमी
२६।११ बुध	शु. ६ स्कन्द (महाराष्ट्र में चंपा) षष्ठी व्रत
२६।११ बुध	शु. ६ मार्तण्ड भैरवोत्थापन (महाराष्ट्र)

२९।११ शनि	शु. ९ दुर्गानौमी
२९।११ शनि	शु. ९ कल्पादि
	दिसंबर २०२५
१।१२ सोम	शु.११ मोक्षदा एकादशी व्रत
१।१२ सोम	शु.११ श्रीश्यामबाबा जागरण
१।१२ सोम	शु.११ गीता जयंती
२।१२ मंगल	शु.१२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
२।१२ मंगल	शु.१२ प्रदोष व्रत
२।१२ मंगल	शु.१२ अनंग त्रयोदशी व्रत
३।१२ बुध	शु.१३ पिशाच मोचन श्राद्ध
४।१२ गुरु	शु.१४ नौ सेना दिवस
४।१२ गुरु	शु.१४ श्री दत्त जयंती
४।१२ गुरु	शु.१४ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
४।१२ गुरु	शु.१४ द्वात्रिंशी (बत्तीसी) पूर्णिमा
दिसंबर	**पौषमास कृष्णपक्ष**
तारीख वार	**तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
७।१२ रवि	कृ. ३ झण्डा दिवस
७।१२ रवि	कृ. ३ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय ११।३१
१०।१२ बुध	कृ. ६ तारा (शुक्र अस्त)
११।१२ गुरु	कृ. ७ कालाष्टमी
१३।१२ शनि	कृ. ९ कृष्णानौमी
१५।१२ सोम	कृ.११ सफला एकादशी व्रत
१६।१२ मंगल	कृ.१२ सुरूप द्वादशी
१७।१२ बुध	कृ.१३ प्रदोष व्रत
१८।१२ गुरु	कृ.१४ मासिक शिवरात्री व्रत
१९।१२ शुक्र	कृ.३० पितृकार्य मे अमावस्या
१९।१२ शुक्र	कृ.३० कुहू अमावस्या
२०।१२ शनि	कृ.३० देवकार्य मे अमावस्या
दिसंबर	**पौषमास शुक्लपक्ष**
तारीख वार	**तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
२१।१२ रवि	शु. १ चंद्रदर्शन (मुहुर्त्ती३०)
२१।१२ रवि	शु. १ सायन उत्तरायनारंभ: स्टै. २०।३३
२२।१२ सोम	शु. २ अयन करिदिन
२४।१२ बुध	शु. ४ विनायक चतुर्थी
२५।१२ गुरु	शु. ५ बड़ादिन
२८।१२ रवि	शु. ८ शाकम्बरी यात्रा
२९।१२ सोम	शु. ९ दुर्गानौमी
३०।१२ मंगल	शु.१० पुत्रदा एकादशी व्रत स्मार्त
३०।१२ मंगल	शु.१० श्रीश्यामबाबा जागरण
३०।१२ मंगल	शु.१० मन्वादि
३१।१२ बुध	शु.१२ पुत्रदा एकादशी व्रत निम्बा., वैष्णव
३१।१२ बुध	शु.१२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्

	जनवरी २०२६
१। १ गुरु	शु.१३ प्रदोष व्रत
३। १ शनि	शु.१५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
३। १ शनि	शु.१५ शाकंभरी जयंती
३। १ शनि	शु.१५ माघ स्नानारंभ
जनवरी	**माघमास कृष्णपक्ष**
तारीख वार	**तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
६। १ मंगल	कृ. ३ अंगारकी चतुर्थीव्रत (माही तिलकुटी) चन्द्रोदय २०।२७
६। १ मंगल	कृ. ३ सौभाग्य सुन्दरी व्रत
६। १ मंगल	कृ. ३ संकट हरगणपति व्रत
६। १ मंगल	कृ. ३ गौरी चतुर्थी
१०। १ शनि	कृ. ७ स्वामी विवेकानन्द जयंती
१०। १ शनि	कृ. ७ कालाष्टमी
१२। १ सोम	कृ. ९ कृष्णानौमी
१४। १ बुध	कृ.११ मकर सक्रांति स्टै. १४।३४
१४। १ बुध	कृ.११ षट्तिला एकादशी व्रत
१५। १ गुरु	कृ.१२ पुण्यकाल स्टै. ६।३४ तक
१५। १ गुरु	कृ.१२ तिल द्वादशी
१६। १ शुक्र	कृ.१३ सक्रान्ति करिदिन
१६। १ शुक्र	कृ.१३ प्रदोष व्रत
१७। १ शनि	कृ.१४ मासिक शिवरात्री व्रत
१८। १ रवि	कृ.३० मौनी अमा.
१८। १ रवि	कृ.३० देव-पितृकार्य मे अमावस्या
१८। १ रवि	कृ.३० द्वापर युगादि
जनवरी	**माघमास शुक्लपक्ष**
तारीख वार	**तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
१९। १ सोम	शु. १ श्री वल्लभ जयंती
२०। १ मंगल	शु. २ चंद्रदर्शन (मुहुर्त्ती३०)
२२। १ गुरु	शु. ४ विनायक चतुर्थी
२२। १ गुरु	शु. ४ वरद (कुंद) चतुर्थी
२२। १ गुरु	शु. ४ तिल चतुर्थी
२३। १ शुक्र	शु. ५ नेताजी जयन्ती
२३। १ शुक्र	शु. ५ बसन्त पंचमी
२५। १ रवि	शु. ७ मन्वादि
२५। १ रवि	शु. ७ पुत्र सप्तमी
२५। १ रवि	शु. ७ सूर्य सप्तमी
२५। १ रवि	शु. ७ अचला सप्तमी
२५। १ रवि	शु. ७ भानु सप्तमी
२५। १ रवि	शु. ७ विजया सप्तमी
२६। १ सोम	शु. ८ गणतन्त्र दिवस
२६। १ सोम	शु. ८ भीष्माष्टमी
२७। १ मंगल	शु. ९ दुर्गानौमी

२९। १ गुरु	शु.११ जया एकादशी व्रत
२९। १ गुरु	शु.११ श्रीश्यामबाबा जागरण
२९। १ गुरु	शु.११ भीष्मद्वादशी
३०। १ शुक्र	शु.१२ गांधीजी पुण्य तिथि
३०। १ शुक्र	शु.१२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
३०। १ शुक्र	शु.१२ प्रदोष व्रत
३०। १ शुक्र	शु.१२ कल्पादि
	फरवरी २०२६
१। २ रवि	शु.१५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
१। २ रवि	शु.१५ माघ स्नान पूर्ति
फरवरी	**फाल्गुनमास कृष्णपक्ष**
तारीख वार	**तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
२। २ सोम	कृ. १ तारा शुद्ध (शुक्र उदय)
५। २ गुरु	कृ. ४ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २०।५६
९। २ सोम	कृ. ८ कालाष्टमी
११। २ बुध	कृ. ९ कृष्णानौमी
११। २ बुध	कृ. ९ रामदास नवमी
१३। २ शुक्र	कृ.११ विजया एकादशी व्रत
१४। २ शनि	कृ.१२ प्रदोष व्रत
१५। २ रवि	कृ.१३ महा शिवरात्री व्रत
१७। २ मंगल	कृ.३० देव-पितृकार्य में अमावस्या
फरवरी	**फाल्गुनमास शुक्लपक्ष**
तारीख वार	**तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
१८। २ बुध	शु. १ चंद्रदर्शन (मुहुर्त्ती१५)
१९। २ गुरु	शु. २ फुलरिया दूज
१९। २ गुरु	शु. २ श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती
२१। २ शनि	शु. ४ विनायक चतुर्थी
२२। २ रवि	शु. ५ याज्ञवल्क्य जयंती
२४। २ मंगल	शु. ७ होलाष्टक प्रारम्भ
२५। २ बुध	शु. ९ दुर्गानौमी
२७। २ शुक्र	शु.११ बिकफुला-डाल धारणा भद्रा के पहिले
२७। २ शुक्र	शु.११ आमलकी एकादशी व्रत स्मार्त, वैष्णव
२७। २ शुक्र	शु.११ श्रीश्यामबाबा जागरण
२८। २ शनि	शु.१२ राष्ट्रीय विज्ञान दिवस
२८। २ शनि	शु.१२ आमलकी एकादशी व्रत निम्बा.
२८। २ शनि	शु.१२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
२८। २ शनि	शु.१२ श्री स्याहश्यामजी मेला
	मार्च २०२६
१। ३ रवि	शु.१३ प्रदोष व्रत

२। ३ सोम	शु.१४ होलिका दहन मद्यपुच्छ (भद्रा २५।२२ के बाद)
२। ३ सोम	शु.१४ करिदिन (महाराष्ट्र)
३। ३ मंगल	शु.१५ मन्वादि
३। ३ मंगल	शु.१५ ग्रस्तोदय खग्रास चन्द्रग्रहण
३। ३ मंगल	शु.१५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
३। ३ मंगल	शु.१५ छारंडी
३। ३ मंगल	शु.१५ सांपदा का डोरा लेना
३। ३ मंगल	शु.१५ गणगौर पूजा आरम्भ
३। ३ मंगल	शु.१५ करिदिन (महाराष्ट्र)
मार्च	**चैत्रमास कृष्णपक्ष**
तारीख वार	**तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
४। ३ बुध	कृ. १ ग्रहण-करिदिन (महाराष्ट्र)
४। ३ बुध	कृ. १ बसन्त प्रतिपदा
६। ३ शुक्र	कृ. ३ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २०।२८
६। ३ शुक्र	कृ. ३ कल्पादि
८। ३ रवि	कृ. ५ विश्व महिला दिवस
८। ३ रवि	कृ. ५ रंग पंचमी
११। ३ बुध	कृ. ८ कालाष्टमी
११। ३ बुध	कृ. ८ शीतला (बास्योड़ा) पूजन
१३। ३ शुक्र	कृ. ९ दादू दयाल जयन्ती
१३। ३ शुक्र	कृ. ९ कृष्णानौमी
१५। ३ रवि	कृ.११ पापमोचनी एकादशी व्रत
१६। ३ सोम	कृ.१२ प्रदोष व्रत
१७। ३ मंगल	कृ.१३ विश्व विकलांग दिवस
१७। ३ मंगल	कृ.१३ रंग तेरस
१७। ३ मंगल	कृ.१३ मासिक शिवरात्री व्रत
१७। ३ मंगल	कृ.१३ गंगास्नान, वारुणी योग ६।१८ से ९।२३ तक
१८। ३ बुध	कृ.१४ पितृकार्य में अमावस्या
१८। ३ बुध	कृ.१४ मन्वादि
१९। ३ गुरु	कृ.३० देवकार्य में अमावस्या
१९। ३ गुरु	कृ.३० नया संवत आरम्भ
१९। ३ गुरु	कृ.३० नवरात्र आरम्भ
१९। ३ गुरु	कृ.३० घटस्थापन
१९। ३ गुरु	कृ.३० ध्वजारोपण
१९। ३ गुरु	कृ.३० गुढी पड़वा (महाराष्ट्र)
१९। ३ गुरु	कृ.३० कल्पादि

॥ शुभम् ॥

भारतीय व्रत-त्यौहार तालिका - पटना (बिहार)

(अक्षांश २५°३७' उ., देशांतर ८५°१३' पू.)

मुख्य व्रतोत्सव तालिका

संवत् २०८२, (सन २०२५-२०२६)

(तिथि में - शु. से शुक्लपक्ष और कृ. से कृष्णपक्ष)

मार्च — चैत्रमास शुक्लपक्ष

तारीख	वार	तिथि	व्रतोत्सव त्यौहार
३०।३	रवि	शु. १	चंद्रदर्शन (मुहूर्त ३०)
३०।३	रवि	शु. १	नव संवत आरम्भ
३०।३	रवि	शु. १	नवरात्र आरम्भ
३०।३	रवि	शु. १	घटस्थापन
३०।३	रवि	शु. १	ध्वजारोपण
३०।३	रवि	शु. १	गुढी पड़वा (महाराष्ट्र)
३०।३	रवि	शु. १	कल्पादि
३१।३	सोम	शु. २	मत्स्योत्पत्ति
३१।३	सोम	शु. २	अरुन्धती व्रत-पूजा
३१।३	सोम	शु. २	सिंधारा

अप्रैल २०२५

तारीख	वार	तिथि	व्रतोत्सव त्यौहार
१।४	मंगल	शु. ३	मन्वादि
१।४	मंगल	शु. ३	अंगारक विनायक चतुर्थी
१।४	मंगल	शु. ३	गणगौर पूजा समापन
१।४	मंगल	शु. ३	मनोरथ तृतीया व्रत
१।४	मंगल	शु. ३	सौभाग्य शयन व्रत
१।४	मंगल	शु. ३	शिवशक्ति पूजा
२।४	बुध	शु. ५	गुरु हरराय (ईसाई)
२।४	बुध	शु. ५	कल्पादि
२।४	बुध	शु. ५	डोलोत्सव
३।४	गुरु	शु. ६	स्कन्द षष्ठी व्रत
५।४	शनि	शु. ८	भवान्युत्पत्ति
५।४	शनि	शु. ८	अष्टमी की कड़ाई
५।४	शनि	शु. ८	अशोककलिका प्राशन
६।४	रवि	शु. ९	श्री रामनवमी
८।४	मंगल	शु. ११	कामदा एकादशी व्रत
८।४	मंगल	शु. ११	श्रीश्यामबाबा जागरण
८।४	मंगल	शु. ११	लक्ष्मीकान्त दोलोत्सव
९।४	बुध	शु. १२	श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
९।४	बुध	शु. १२	हरि दमनोत्सव
१०।४	गुरु	शु. १३	प्रदोष व्रत
१०।४	गुरु	शु. १३	जैन महावीर जयंती
११।४	शुक्र	शु. १४	शिव पूजन विशेष
१२।४	शनि	शु. १५	मन्वादि
१२।४	शनि	शु. १५	पूर्णिमा व्रत और पुण्य
१२।४	शनि	शु. १५	वैशाख स्नान प्रारम्भ
१२।४	रवि	शु. १५	हनुमान जयंती
१२।४	रवि	शु. १५	[illegible]

अप्रैल — वैशाखमास कृष्णपक्ष

तारीख	वार	तिथि	व्रतोत्सव त्यौहार
१४।४	सोम	कृ. १	डा. आम्बेडकर जयंती
१६।४	बुध	कृ. ३	चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २१।४८
१७।४	गुरु	कृ. ४	अनुसूया जयंती
२१।४	सोम	कृ. ८	कालाष्टमी
२१।४	सोम	कृ. ८	बूढ़ी बासोड़ा
२२।४	मंगल	कृ. ९	कृष्णानवमी
२४।४	गुरु	कृ. ११	वरूथिनी एकादशी व्रत
२५।४	शुक्र	कृ. १२	प्रदोष व्रत
२६।४	शनि	कृ. १३	मासिक शिवरात्रि व्रत
२७।४	रवि	कृ. ३०	देव पितृकार्य में अमावस्या

अप्रैल — वैशाखमास शुक्लपक्ष

तारीख	वार	तिथि	व्रतोत्सव त्यौहार
२९।४	मंगल	शु. २	चंद्रदर्शन (मुहूर्त ३०)
२९।४	मंगल	शु. २	शिवाजी जयंती
२९।४	मंगल	शु. २	परशुराम जयंती
३०।४	बुध	शु. ३	त्रेता युगादि
३०।४	बुध	शु. ३	कल्पादि
३०।४	बुध	शु. ३	विनायक चतुर्थी
३०।४	बुध	शु. ३	अक्षय तृतीया (आखातीज)

मई २०२५

तारीख	वार	तिथि	व्रतोत्सव त्यौहार
१।५	गुरु	शु. ४	महाराष्ट्र दिवस, विश्व श्रम दिवस
२।५	शुक्र	शु. ५	श्री आद्यशंकराचार्य जयंती
२।५	शुक्र	शु. ५	श्री रामानुज जयंती
३।५	शनि	शु. ६	गंगोत्पत्ति
३।५	शनि	शु. ६	गंगापूजन
६।५	मंगल	शु. ९	शुक्लानवमी
६।५	मंगल	शु. ९	सीता नवमी
७।५	बुध	शु. १०	[illegible] जयंती
८।५	गुरु	शु. ११	मोहिनी एकादशी व्रत
८।५	गुरु	शु. ११	श्रीश्यामबाबा जागरण
९।५	शुक्र	शु. १२	श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
९।५	शुक्र	शु. १२	प्रदोष व्रत
११।५	रवि	शु. १४	नृसिंह चतुर्दशी
१२।५	सोम	शु. १५	कूर्मोत्पत्ति
१२।५	सोम	शु. १५	पूर्णिमा व्रत और पुण्य
१२।५	सोम	शु. १५	वैशाखस्नानसमाप्ति
१२।५	सोम	शु. १५	[illegible] जलकुम्भदान

मई — ज्येष्ठमास कृष्णपक्ष

तारीख	वार	तिथि	व्रतोत्सव त्यौहार
१४।५	बुध	कृ. २	नारद जयंती, वीणादान
१६।५	शुक्र	कृ. ४	चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २२।०७
२०।५	मंगल	कृ. ७	कालाष्टमी
२१।५	बुध	कृ. ९	कृष्णानवमी
२३।५	शुक्र	कृ. ११	अपरा एकादशी व्रत स्मार्त, वैष्णव
२४।५	शनि	कृ. १२	अपरा एकादशी व्रत निम्बा.
२५।५	रवि	कृ. १३	प्रदोष व्रत
२५।५	रवि	कृ. १३	मासिक शिवरात्रि व्रत
२६।५	सोम	कृ. १४	शनि जयंती
२६।५	सोम	कृ. १४	भावुका अमा.
२६।५	सोम	कृ. १४	पितृकार्य में अमावस्या
२७।५	मंगल	कृ. ३०	[illegible] पुण्य तिथि
२७।५	मंगल	कृ. ३०	भावुका करिदिन (महाराष्ट्र)
२७।५	मंगल	कृ. ३०	वटपूजन (राजस्थान)
२७।५	मंगल	कृ. ३०	देवकार्य में अमावस्या

मई — ज्येष्ठमास शुक्लपक्ष

तारीख	वार	तिथि	व्रतोत्सव त्यौहार
२८।५	बुध	शु. १	चंद्रदर्शन (मुहूर्त ३०)
२८।५	बुध	शु. १	करिदिन (महाराष्ट्र)
२८।५	बुध	शु. १	श्री गंगादशहरास्नान आरम्भ
२९।५	गुरु	शु. ३	रंभा व्रत
२९।५	गुरु	शु. ३	महाराणा प्रताप जयंती
३०।५	शुक्र	शु. ४	विनायक चतुर्थी

जून २०२५

तारीख	वार	तिथि	व्रतोत्सव त्यौहार
३।६	मंगल	शु. ८	दुर्गाष्टमी
३।६	मंगल	शु. ८	धूमावती जयंती
४।६	बुध	शु. ९	शुक्लानवमी
५।६	गुरु	शु. १०	गंगा दशहरा व्रत
६।६	शुक्र	शु. ११	निर्जला एकादशी व्रत स्मार्त, वैष्णव
७।६	शनि	शु. १२	निर्जला एकादशी व्रत निम्बा.
७।६	शनि	शु. १२	श्रीश्यामबाबा जागरण
८।६	रवि	शु. १२	श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
८।६	रवि	शु. १२	प्रदोष व्रत
८।६	रवि	शु. १२	वटसावित्री व्रत प्रारम्भ (गुजरात)
१०।६	मंगल	शु. १४	पूर्णिमा व्रत
१०।६	मंगल	शु. १४	वटसावित्री व्रत पूर्ति (गुजरात)
१०।६	मंगल	शु. १४	[illegible] व्रत
११।६	बुध	शु. १५	तारा (गुरु अस्त)
११।६	बुध	शु. १५	मन्वादि
११।६	बुध	शु. १५	पूर्णिमा पुण्य
११।६	बुध	शु. १५	कबीर जयंती
११।६	बुध	शु. १५	जेठी तीज

जून — आषाढ़मास कृष्णपक्ष

तारीख	वार	तिथि	व्रतोत्सव त्यौहार
१४।६	शनि	कृ. ३	चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २१।२७
१८।६	बुध	कृ. ७	कालाष्टमी
२०।६	शुक्र	कृ. ९	कृष्णानवमी
२१।६	शनि	कृ. १०	सायन दक्षिणायनारंभ, रवि ८।०२
२१।६	शनि	कृ. ११	योगिनी एकादशी व्रत स्मार्त
२२।६	रवि	कृ. १२	[illegible] करिदिन
२२।६	रवि	कृ. १२	योगिनी एकादशी व्रत निम्बा., वैष्णव
२३।६	सोम	कृ. १३	प्रदोष व्रत
२३।६	सोम	कृ. १३	मासिक शिवरात्रि व्रत
२५।६	बुध	कृ. ३०	देव पितृकार्य में अमावस्या

जून — आषाढ़मास शुक्लपक्ष

तारीख	वार	तिथि	व्रतोत्सव त्यौहार
२६।६	गुरु	शु. १	चंद्रदर्शन (मुहूर्त ३०)
२७।६	शुक्र	शु. २	श्री जगदीश रथ यात्रा
२८।६	शनि	शु. ३	विनायक चतुर्थी
३०।६	सोम	शु. ५	स्कन्द षष्ठी

जुलाई २०२५

तारीख	वार	तिथि	व्रतोत्सव त्यौहार
४।७	शुक्र	शु. ९	शुक्लानवमी
४।७	शुक्र	शु. ९	भड़ली नवमी
५।७	शनि	शु. १०	मन्वादि
५।७	शनि	शु. १०	आशा दशमी
६।७	रवि	शु. ११	तारा शुद्ध (गुरु उदय)
६।७	रवि	शु. ११	देव शयनी एकादशी व्रत
६।७	रवि	शु. ११	श्रीश्यामबाबा जागरण
६।७	रवि	शु. ११	चातुर्मास व्रत प्रारम्भ
६।७	रवि	शु. ११	गोपद्मव्रतारम्भ
६।७	रवि	शु. ११	हरिवासर २२।४२ से
७।७	सोम	शु. १२	श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
७।७	सोम	शु. १२	श्रावण में शाक-सब्जी छोड़ने का व्रत
७।७	सोम	शु. १२	हरिवासर ५।२१ तक
८।७	मंगल	शु. १३	प्रदोष व्रत
८।७	मंगल	शु. १३	जया पार्वती व्रत
१०।७	गुरु	शु. १५	मन्वादि
१०।७	गुरु	शु. १५	पूर्णिमा व्रत और पुण्य
१०।७	गुरु	शु. १५	वायु परीक्षा
१०।७	गुरु	शु. १५	कोकिला व्रत आरम्भ
१०।७	गुरु	शु. १५	व्यासपूजा
१०।७	गुरु	शु. १५	गुरु पूर्णिमा
१०।७	गुरु	शु. १५	आषाढ़ी तीज

जुलाई — श्रावणमास कृष्णपक्ष

तारीख	वार	तिथि	व्रतोत्सव त्यौहार
११।७	शुक्र	कृ. १	मास व्रत आरम्भ
१२।७	शनि	कृ. २	[illegible]
१४।७	सोम	कृ. ४	चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २१।२०
१५।७	मंगल	कृ. ५	नागपंचमी (राजस्थान)
१७।७	गुरु	कृ. ७	कालाष्टमी
१९।७	शनि	कृ. ९	कृष्णानवमी
२१।७	सोम	कृ. ११	कामिका एकादशी व्रत
२२।७	मंगल	कृ. १२	प्रदोष व्रत
२३।७	बुध	कृ. १४	मासिक शिवरात्रि व्रत
२४।७	गुरु	कृ. ३०	हरियाली अमा.
२४।७	गुरु	कृ. ३०	देव पितृकार्य में अमावस्या

जुलाई — श्रावणमास शुक्लपक्ष

तारीख	वार	तिथि	व्रतोत्सव त्यौहार
२६।७	शनि	शु. २	चंद्रदर्शन (मुहूर्त ३०)
२६।७	शनि	शु. २	सिंधारा
२७।७	रवि	शु. ३	तीज
२७।७	रवि	शु. ३	स्वर्णगौरी व्रत
२७।७	रवि	शु. ३	मधुश्रवा व्रत (गुजरात)
२७।७	रवि	शु. ३	कुमुद तृतीया व्रत
२८।७	सोम	शु. ४	विनायक चतुर्थी
२८।७	सोम	शु. ४	वरद चतुर्थी
२८।७	सोम	शु. ४	दूर्वा गणपति व्रत
२८।७	सोम	शु. ४	रोटक व्रत आरम्भ
२८।७	सोम	शु. ४	सोमेश्वरपूजन
२९।७	मंगल	शु. ५	नागपंचमी
२९।७	मंगल	शु. ५	नागदष्ट व्रत
३०।७	बुध	शु. ६	कल्की जयंती
३०।७	बुध	शु. ६	कर्णषष्ठी
३१।७	गुरु	शु. ७	शीतला
३१।७	गुरु	शु. ७	तुलसी जयंती

अगस्त २०२५

तारीख	वार	तिथि	व्रतोत्सव त्यौहार
१।८	शुक्र	शु. ८	तिलकपुष्पतिथि
१।८	शुक्र	शु. ८	दुर्गाष्टमी
३।८	रवि	शु. ९	शुक्लानवमी
५।८	मंगल	शु. ११	पवित्रा एकादशी व्रत
५।८	मंगल	शु. ११	श्रीश्यामबाबा जागरण
६।८	बुध	शु. १२	श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
६।८	बुध	शु. १२	प्रदोष व्रत
६।८	बुध	शु. १२	भाद्रपद में दही छोड़ने का व्रत

६।८ बुध	शु.१२ पवित्रारोपण
८।८ शुक्र	शु.१४ हयग्रीव जयंती
८।८ शुक्र	शु.१४ श्रावणीकर्म भद्रा के पहिले
९।८ शनि	शु.१५ नारियल पूर्णिमा
९।८ शनि	शु.१५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
९।८ शनि	शु.१५ रक्षाबंधन (पूरा दिन शुद्ध है)
अगस्त तारीख वार	**भाद्रपदमास कृष्णपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
११।८ सोम	कृ. २ बृहदोरी व्रत (कर्नाटक में डोली)
१२।८ मंगल	कृ. ३ अंगारकी चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २०।२७
१२।८ मंगल	कृ. ३ कजली(बूढ़ी) तीज
१२।८ मंगल	कृ. ३ बूढ़ी तीज
१२।८ मंगल	कृ. ३ बहू का सिंधारा
१४।८ गुरु	कृ. ६ हलषष्ठी
१४।८ गुरु	कृ. ६ चंदषष्ठी (चानाछट)
१५।८ शुक्र	कृ. ७ भारतीयस्वतंत्रता दिवस
१५।८ शुक्र	कृ. ७ जन्माष्टमी व्रत स्मार्त
१५।८ शुक्र	कृ. ७ दशाफल व्रत
१५।८ शुक्र	कृ. ७ शीतला व्रत
१६।८ शनि	कृ. ८ कालाष्टमी
१६।८ शनि	कृ. ८ मन्वादि
१६।८ शनि	कृ. ८ जन्माष्टमी व्रत वैष्णव
१७।८ रवि	कृ. ९ कृष्णानौमी
१७।८ रवि	कृ. ९ गोगानवमी (गुगोजी)
१९।८ मंगल	कृ.११ अजा एकादशी व्रत
१९।८ मंगल	कृ.११ जैनपर्युषण
१९।८ मंगल	कृ.११ वत्सपूजा (बच्छबारस)
२०।८ बुध	कृ.१२ प्रदोष व्रत
२१।८ गुरु	कृ.१३ मासिक शिवरात्री व्रत
२२।८ शुक्र	कृ.१४ कुशाग्रहणी अमा.
२२।८ शुक्र	कृ.१४ पिठोरी अमा. (मध्यप्रदेशे पोला)
२२।८ शुक्र	कृ.१४ पितृकार्य में अमावस्या
२३।८ शनि	कृ.३० भादीमावस
२३।८ शनि	कृ.३० श्रीराणीसतीजी का मेला
२३।८ शनि	कृ.३० लोहार्गल स्नान
२३।८ शनि	कृ.३० मातृ अमा.
२३।८ शनि	कृ.३० देवकार्य में अमावस्या
अगस्त तारीख वार	**भाद्रपदमास शुक्लपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
२५।८ सोम	शु. २ चंद्रदर्शन (मुहूर्त४५)
२५।८ सोम	शु. २ वराह जयंती

२६।८ मंगल	शु. ३ मन्वादि
२६।८ मंगल	शु. ३ हरितालिका व्रत
२६।८ मंगल	शु. ३ हरितोगौरी व्रत
२७।८ बुध	शु. ४ विनायक चतुर्थी
२७।८ बुध	शु. ४ गणेश चतुर्थी (चंद्र दर्शन निषेध)
२७।८ बुध	शु. ४ चौक चानणी का सिंधारा
२७।८ बुध	शु. ४ जैन संवत्सरी
२८।८ गुरु	शु. ५ ऋषि पंचमी
२९।८ शुक्र	शु. ६ सौर (सूर्य) षष्ठी
२९।८ शुक्र	शु. ६ स्कन्द दर्शन
२९।८ शुक्र	शु. ६ ललिता षष्ठी व्रत (गुजरात)
२९।८ शुक्र	शु. ६ महालक्ष्मी व्रतारंभ
३०।८ शनि	शु. ७ मुक्ताभरण व्रत
३०।८ शनि	शु. ७ उमामहेश्वर पूजा
३०।८ शनि	शु. ७ दुबड़ी सातम
३१।८ रवि	शु. ८ श्री राधाष्टमी
३१।८ रवि	शु. ८ दधीची जयंती
३१।८ रवि	शु. ८ ज्येष्ठा का व्रत-पूजन
३१।८ रवि	शु. ८ गौरी आवाहन १७।२५ यावत्
	सितंबर २०२५
१।९ सोम	शु. ९ शुक्लानौमी
१।९ सोम	शु. ९ अदु:ख नवमी व्रत
१।९ सोम	शु. ९ गौरीगणपति पूजा
१।९ सोम	शु. ९ श्री चंद्र (उदासीन संप्रदाय)
१।९ सोम	शु. ९ गौरी पूजन १९।५५ यावत्
१।९ सोम	शु. ९ श्री महालक्ष्मी व्रत समाप्ति
२।९ मंगल	शु.१० दशावतार व्रत
२।९ मंगल	शु.१० श्री रामदेवजी का मेला
२।९ मंगल	शु.१० गौरी विसर्जन २१।५१ यावत्
३।९ बुध	शु.११ जलझूलनी एकादशी व्रत स्मार्त
३।९ बुध	शु.११ श्रीश्यामबाबा जागरण
४।९ गुरु	शु.१२ जलझूलनी एकादशी व्रत निम्बा., वैष्णव
४।९ गुरु	शु.१२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
४।९ गुरु	शु.१२ वामन (द्वादशी) जयंती
४।९ गुरु	शु.१२ आश्विन में दुग्ध छोड़ने का व्रत
५।९ शुक्र	शु.१३ शिक्षक दिवस
५।९ शुक्र	शु.१३ प्रदोष व्रत

५।९ शुक्र	शु.१३ गोत्रिरात्र व्रत
६।९ शनि	शु.१४ अनन्त चतुर्दशी
६।९ शनि	शु.१४ कदली व्रत पूजन
६।९ शनि	शु.१४ रंगारोपण
७।९ रवि	शु.१५ खग्रास चन्द्रग्रहण
७।९ रवि	शु.१५ पूर्णिमा व्रत और पुण्य
७।९ रवि	शु.१५ प्रौष्ठपदी
७।९ रवि	शु.१५ श्राद्ध प्रारम्भ
७।९ रवि	शु.१५ महालय श्राद्धारंभ
७।९ रवि	शु.१५ महेश्वर पूजन
७।९ रवि	शु.१५ कु. सांधापूजा
७।९ रवि	शु.१५ इंदुला पूर्णिमा
सितंबर तारीख वार	**आश्विनमास कृष्णपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
८।९ सोम	कृ. १ ग्रहण-करिदिन (महाराष्ट्र)
१०।९ बुध	कृ. ३ चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय ११।३७
११।९ गुरु	कृ. ४ भरणी श्राद्ध
१२।९ शुक्र	कृ. ५ चंद्रषष्ठी
१४।९ रवि	कृ. ८ कालाष्टमी
१४।९ रवि	कृ. ८ श्रीमहालक्ष्मी व्रत
१४।९ रवि	कृ. ८ अशोकाष्टमी
१४।९ रवि	कृ. ८ आशा भागवती व्रत (डोरा लेना)
१५।९ सोम	कृ. ९ कृष्णानौमी
१५।९ सोम	कृ. ९ सौभाग्यवतीनां श्राद्ध
१७।९ बुध	कृ.११ विश्वकर्मा पूजा
१७।९ बुध	कृ.११ इंदिरा एकादशी व्रत स्मार्त, वैष्णव
१८।९ गुरु	कृ.१२ इंदिरा एकादशी व्रत निम्बा.
१८।९ गुरु	कृ.१२ सन्यासियों के लिए श्राद्ध
१९।९ शुक्र	कृ.१३ प्रदोष व्रत
१९।९ शुक्र	कृ.१३ कलि युगादि
२०।९ शनि	कृ.१४ मासिक शिवरात्री व्रत
२०।९ शनि	कृ.१४ शस्त्रादि हतानां श्राद्ध
२१।९ रवि	कृ.३० सर्वपितृ श्राद्ध
२१।९ रवि	कृ.३० देव-पितृकार्य में अमावस्या
सितंबर तारीख वार	**आश्विनमास शुक्लपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
२२।९ सोम	शु. १ नवरात्र आरम्भ
२२।९ सोम	शु. १ घटस्थापन
२२।९ सोम	शु. १ अग्रसेन जयंती
२२।९ सोम	शु. १ आशा भागवती डोरा खोलना

२२।९ सोम	शु. १ मातामह श्राद्ध
२४।९ बुध	शु. ३ चंद्रदर्शन (मुहूर्त४५)
२५।९ गुरु	शु. ३ विनायक चतुर्थी
२६।९ शुक्र	शु. ४ उपांग ललिता व्रत
२९।९ सोम	शु. ७ महालक्ष्मी पूजन (मापरी पूजणी, महाराष्ट्र)
२९।९ सोम	शु. ७ सरस्वती आवाहन
२९।९ सोम	शु. ७ भद्रकाली अवतार
३०।९ मंगल	शु. ८ महाष्टमी (दुर्गाष्टमी)
३०।९ मंगल	शु. ८ सरस्वती पूजन
	अक्टूबर २०२५
१।१० बुध	शु. ९ शुक्लानौमी
१।१० बुध	शु. ९ मन्वादि
१।१० बुध	शु. ९ शस्त्रादि पूजा
१।१० बुध	शु. ९ बलिदान
२।१० गुरु	शु.१० गांधी जयन्ती
२।१० गुरु	शु.१० बौद्धावतार
२।१० गुरु	शु.१० विजया दशमी
२।१० गुरु	शु.१० शमीपूजा
२।१० गुरु	शु.१० पट्टाभिषेक
२।१० गुरु	शु.१० सरस्वती विसर्जन
३।१० शुक्र	शु.११ पापांकुशा एकादशी व्रत
३।१० शुक्र	शु.११ श्रीश्यामबाबा जागरण
४।१० शनि	शु.१२ श्रीश्यामबाबा द्वादशी ज्योत्
४।१० शनि	शु.१२ प्रदोष व्रत
४।१० शनि	शु.१२ कार्तिक में दाल छोड़ने का व्रत
६।१० सोम	शु.१४ पूर्णिमा व्रत
६।१० सोम	शु.१४ शरद पूर्णिमा
६।१० सोम	शु.१४ कोजागरी व्रत
७।१० मंगल	शु.१५ पूर्णिमा पुण्य
७।१० मंगल	शु.१५ बंगीय लक्ष्मी पूजा
७।१० मंगल	शु.१५ नवान्न भक्षण
७।१० मंगल	शु.१५ आश्वयुजी कर्म (आश्वलायन.)
७।१० मंगल	शु.१५ कार्तिक स्नान प्रारम्भ
अक्टूबर तारीख वार	**कार्तिकमास कृष्णपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
९।१० गुरु	कृ. ३ दशरथ ललिता व्रत
१०।१० शुक्र	कृ. ४ चतुर्थीव्रत (करवा) चन्द्रोदय १९।४८
१२।१० रवि	कृ. ६ स्कन्द षष्ठी
१३।१० सोम	कृ. ७ कालाष्टमी
१३।१० सोम	कृ. ७ होई आठें (अष्टमी) चंद्रोदय २२।५५

१३।१० सोम	कृ. ७ कलाष्टमी
१४।१० मंगल	कृ. ८ राधा जयंती
१५।१० बुध	कृ. ९ कृष्णानौमी
१७।१० शुक्र	कृ.११ रमा एकादशी व्रत
१७।१० शुक्र	कृ.११ आकाश दीपारंभ
१७।१० शुक्र	कृ.११ गोवत्स द्वादशी
१८।१० शनि	कृ.१२ प्रदोष व्रत
१८।१० शनि	कृ.१२ धनतेरस
१८।१० शनि	कृ.१२ धन्वन्तरी जयंती
१८।१० शनि	कृ.१२ यम के लिए दीपदान
१८।१० शनि	कृ.१२ गोत्रिरात्र व्रत
१९।१० रवि	कृ.१३ मासिक शिवरात्री व्रत
१९।१० रवि	कृ.१३ दीपदान
१९।१० रवि	कृ.१३ छोटी दीपावली
२०।१० सोम	कृ.१४ रूप (१४)
२०।१० सोम	कृ.१४ प्रभात स्नान
२०।१० सोम	कृ.१४ महालक्ष्मी पूजा
२०।१० सोम	कृ.१४ कुबेर पूजा
२१।१० मंगल	कृ.३० शहीद दिवस
२१।१० मंगल	कृ.३० देव-पितृकार्य में अमावस्या
२१।१० मंगल	कृ.३० बलीपूजा
अक्टूबर तारीख वार	**कार्तिकमास शुक्लपक्ष तिथि व्रतोत्सव-त्यौहार**
२२।१० बुध	शु. १ गुजरातियों का नूतन वर्षारंभ
२३।१० गुरु	शु. २ भैयादूज
२३।१० गुरु	शु. २ यम दूज
२३।१० गुरु	शु. २ यमुना स्नान
२३।१० गुरु	शु. २ कलम दवात पूजा
२४।१० शुक्र	शु. ३ चंद्रदर्शन (मुहूर्त३०)
२५।१० शनि	शु. ४ विनायक चतुर्थी
२५।१० शनि	शु. ४ दूर्वा गणपति व्रत
२६।१० रवि	शु. ५ सौभाग्य पंचमी
२६।१० रवि	शु. ५ पाण्डव पंचमी
२८।१० मंगल	शु. ६ कल्पादि
२८।१० मंगल	शु. ६ वन्हि (सूर्य) षष्ठी
३०।१० गुरु	शु. ८ गोपाष्टमी
३१।१० शुक्र	शु. ९ शुक्लानौमी
३१।१० शुक्र	शु. ९ कृत युगादि
३१।१० शुक्र	शु. ९ कुष्माण्ड (आंवला) नवमी
	नवंबर २०२५
१।११ शनि	शु.१० श्रीश्यामबाबा जागरण
२।११ रवि	शु.११ तुलसी विवाह
२।११ रवि	शु.११ भीष्म पंचक प्रा.
२।११ रवि	शु.११ चातुर्मास्य व्रत समाप्ति
२।११ रवि	शु.११ देवोत्थापन
२।११ रवि	शु.११ प्रबोधिनी एकादशी व्रत

तारीख वार	तिथि	व्रतोत्सव-त्यौहार
२/११ रवि	शु. ११	श्रीरामानवाला द्वादशी ज्योत्
२/११ रवि	शु. ११	मन्वादि
३/११ सोम	शु. १३	प्रदोष व्रत
४/११ मंगल	शु. १४	वैकुण्ठ १४
४/११ मंगल	शु. १४	भीष्म व्रत समाप्ति
४/११ मंगल	शु. १४	कार्तिक व्रतोद्यापन
५/११ बुध	शु. १५	मन्वादि
५/११ बुध	शु. १५	पूर्णिमा व्रत और पुण्य
५/११ बुध	शु. १५	भीष्मपंचक समाप्ति
५/११ बुध	शु. १५	त्रिपुरोत्सव
५/११ बुध	शु. १५	पुष्कर यात्रा
५/११ बुध	शु. १५	नानक जयंती
५/११ बुध	शु. १५	भीष्म पंचक समाप्ति
५/११ बुध	शु. १५	कार्तिक स्नान पूर्ति

नवंबर तारीख वार	मार्गशीर्षमास कृष्णपक्ष तिथि	व्रतोत्सव-त्यौहार
८/११ शनि	कृ. ३	चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २०।३४
८/११ शनि	कृ. ३	सौभाग्य सुंदरी व्रत
१२/११ बुध	कृ. ८	कालाष्टमी
१२/११ बुध	कृ. ८	कालभैरवाष्टमी
१३/११ गुरु	कृ. ९	रानी सतीजी जन्म महोत्सव मेला
१४/११ शुक्र	कृ. १०	नेहरूजयन्ती (बालदिवस)
१५/११ शनि	कृ. ११	उत्पत्ति एकादशी व्रत स्मार्त, वैष्णव
१५/११ शनि	कृ. ११	वैतरणी व्रत
१६/११ रवि	कृ. १२	उत्पत्ति एकादशी व्रत निम्बा.
१६/११ रवि	कृ. १२	आकाशदीप समाप्ति
१७/११ सोम	कृ. १३	प्रदोष व्रत
१८/११ मंगल	कृ. १३	मासिक शिवरात्री व्रत
१९/११ बुध	कृ. १४	गौरीतपो व्रत
१९/११ बुध	कृ. १४	महाव्रतारंभ
२०/११ गुरु	कृ. ३०	देव-पितृकार्य में अमावस्या

नवंबर तारीख वार	मार्गशीर्षमास शुक्लपक्ष तिथि	व्रतोत्सव-त्यौहार
२१/११ शुक्र	शु. १	मार्तण्ड भैरव षड्रात्रोत्सवारंभ (महाराष्ट्र)
२२/११ शनि	शु. २	चंद्रदर्शन (मुहूर्त३०)
२३/११ रवि	शु. ३	रंभा व्रत
२४/११ सोम	शु. ४	विनायक चतुर्थी
२५/११ मंगल	शु. ५	नागपंचमी
२६/११ बुध	शु. ६	स्कन्द (महाराष्ट्र में चंपा) षष्ठी व्रत
२६/११ बुध	शु. ६	मार्तण्ड भैरवोत्थापन (महाराष्ट्र)
२९/११ शनि	शु. ९	शुक्लानौमी
२९/११ शनि	शु. ९	कल्पादि
		दिसंबर २०२५
१/१२ सोम	शु. ११	मोक्षदा एकादशी व्रत
१/१२ सोम	शु. ११	श्रीरामानवाला जागरण
१/१२ सोम	शु. ११	गीता जयंती
२/१२ मंगल	शु. १२	श्रीरामानवाला द्वादशी ज्योत्
२/१२ मंगल	शु. १२	प्रदोष व्रत
२/१२ मंगल	शु. १२	अनंग त्रयोदशी व्रत
३/१२ बुध	शु. १३	पिशाच मोचन श्राद्ध
४/१२ गुरु	शु. १४	नौ सेना दिवस
४/१२ गुरु	शु. १४	श्री दत्त जयंती
४/१२ गुरु	शु. १४	पूर्णिमा व्रत और पुण्य
४/१२ गुरु	शु. १४	द्वात्रिंशी (बत्तीसी) पूर्णिमा

दिसंबर तारीख वार	पौषमास कृष्णपक्ष तिथि	व्रतोत्सव-त्यौहार
७/१२ रवि	कृ. ३	झण्डा दिवस
७/१२ रवि	कृ. ३	चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २१।२५
९/१२ मंगल	कृ. ५	तारा (शुक्र अस्त)
११/१२ गुरु	कृ. ७	कालाष्टमी
१३/१२ शनि	कृ. ९	कृष्णानौमी
१५/१२ सोम	कृ. ११	सफला एकादशी व्रत
१६/१२ मंगल	कृ. १२	सुरूप द्वादशी
१७/१२ बुध	कृ. १३	प्रदोष व्रत
१८/१२ गुरु	कृ. १४	मासिक शिवरात्री व्रत
१९/१२ शुक्र	कृ. ३०	पितृकार्य में अमावस्या
१९/१२ शुक्र	कृ. ३०	कुहू अमावस्या
२०/१२ शनि	कृ. ३०	देवकार्य में अमावस्या

दिसंबर तारीख वार	पौषमास शुक्लपक्ष तिथि	व्रतोत्सव-त्यौहार
२१/१२ रवि	शु. १	सायन उत्तरायणारंभः रा. २०।३३
२२/१२ सोम	शु. २	चंद्रदर्शन (मुहूर्त४५)
२२/१२ सोम	शु. २	अयन करिदिन
२४/१२ बुध	शु. ४	विनायक चतुर्थी
२५/१२ गुरु	शु. ५	बड़ादिन
२८/१२ रवि	शु. ८	शाकंभरी यात्रा
२९/१२ सोम	शु. ९	शुक्लानौमी
३०/१२ मंगल	शु. १०	पुत्रदा एकादशी व्रत स्मार्त
३०/१२ मंगल	शु. १०	श्रीरामानवाला जागरण
३०/१२ मंगल	शु. १०	मन्वादि
३१/१२ बुध	शु. १२	पुत्रदा एकादशी व्रत निम्बा., वैष्णव
३१/१२ बुध	शु. १२	श्रीरामानवाला द्वादशी ज्योत्
		जनवरी २०२६
१/१ गुरु	शु. १३	प्रदोष व्रत
३/१ शनि	शु. १५	पूर्णिमा व्रत और पुण्य
३/१ शनि	शु. १५	शाकंभरी जयंती
३/१ शनि	शु. १५	माघ स्नानारंभ

जनवरी तारीख वार	माघमास कृष्णपक्ष तिथि	व्रतोत्सव-त्यौहार
६/१ मंगल	कृ. ३	अंगारकी चतुर्थीव्रत (माही तिलकुटी) चन्द्रोदय २०।३४
६/१ मंगल	कृ. ३	सौभाग्य सुन्दरी व्रत
६/१ मंगल	कृ. ३	संकट हरगणपति व्रत
६/१ मंगल	कृ. ३	गौरी चतुर्थी
१०/१ शनि	कृ. ७	स्वामी विवेकानन्द जयंती
१०/१ शनि	कृ. ७	कालाष्टमी
१२/१ सोम	कृ. ९	कृष्णानौमी
१४/१ बुध	कृ. ११	मकर संक्रांति रा. १५।३४
१४/१ बुध	कृ. ११	पुण्यकाल
१४/१ बुध	कृ. ११	षट्तिला एकादशी व्रत
१५/१ गुरु	कृ. १२	संक्रान्ति करिदिन
१५/१ गुरु	कृ. १२	तिल द्वादशी
१६/१ शुक्र	कृ. १३	प्रदोष व्रत
१७/१ शनि	कृ. १४	मासिक शिवरात्री व्रत
१८/१ रवि	कृ. ३०	मौनी अमा.
१८/१ रवि	कृ. ३०	देव पितृकार्य में अमावस्या
१८/१ रवि	कृ. ३०	द्वापर युगादि

जनवरी तारीख वार	माघमास शुक्लपक्ष तिथि	व्रतोत्सव-त्यौहार
१९/१ सोम	शु. १	श्री वल्लभ जयंती
२०/१ मंगल	शु. २	चंद्रदर्शन (मुहूर्त३०)
२२/१ गुरु	शु. ४	विनायक चतुर्थी
२२/१ गुरु	शु. ४	वरद (कुंद) चतुर्थी
२२/१ गुरु	शु. ४	तिल चतुर्थी
२३/१ शुक्र	शु. ५	नेताजी जयन्ती
२३/१ शुक्र	शु. ५	वसन्त पंचमी
२५/१ रवि	शु. ७	मन्वादि
२५/१ रवि	शु. ७	पुत्र सप्तमी
२५/१ रवि	शु. ७	सूर्य सप्तमी
२५/१ रवि	शु. ७	अचला सप्तमी
२५/१ रवि	शु. ७	भानु सप्तमी
२५/१ रवि	शु. ७	विजया सप्तमी
२६/१ सोम	शु. ८	गणतन्त्र दिवस
२६/१ सोम	शु. ८	भीष्माष्टमी
२७/१ मंगल	शु. ९	शुक्लानौमी
२९/१ गुरु	शु. ११	जया एकादशी व्रत
२९/१ गुरु	शु. ११	श्रीरामानवाला जागरण
२९/१ गुरु	शु. ११	भीष्मद्वादशी
३०/१ शुक्र	शु. १२	गांधीजी पुण्य तिथि
३०/१ शुक्र	शु. १२	श्रीरामानवाला द्वादशी ज्योत्
३०/१ शुक्र	शु. १२	प्रदोष व्रत
३०/१ शुक्र	शु. १२	कल्पादि
		फरवरी २०२६
१/२ रवि	शु. १५	पूर्णिमा व्रत और पुण्य
१/२ रवि	शु. १५	माघ स्नान पूर्ति

फरवरी तारीख वार	फाल्गुनमास कृष्णपक्ष तिथि	व्रतोत्सव-त्यौहार
३/२ मंगल	कृ. २	तारा शुद्ध (शुक्र उदय)
५/२ गुरु	कृ. ४	चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २१।००
९/२ सोम	कृ. ८	कालाष्टमी
११/२ बुध	कृ. ९	कृष्णानौमी
११/२ बुध	कृ. ९	रामदास नवमी
१३/२ शुक्र	कृ. ११	विजया एकादशी व्रत
१४/२ शनि	कृ. १२	प्रदोष व्रत
१५/२ रवि	कृ. १३	महा शिवरात्री व्रत
१७/२ मंगल	कृ. ३०	देव-पितृकार्य में अमावस्या

फरवरी तारीख वार	फाल्गुनमास शुक्लपक्ष तिथि	व्रतोत्सव-त्यौहार
१८/२ बुध	शु. १	चंद्रदर्शन (मुहूर्त१५)
१९/२ गुरु	शु. २	फुलरिया दूज
१९/२ गुरु	शु. २	श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती
२१/२ शनि	शु. ४	विनायक चतुर्थी
२२/२ रवि	शु. ५	याज्ञवल्क्य जयंती
२४/२ मंगल	शु. ७	होलाष्टक प्रारम्भ
२५/२ बुध	शु. ९	शुक्लानौमी
२७/२ शुक्र	शु. ११	[illegible] यात्रा के पहिले
२७/२ शुक्र	शु. ११	आमलकी एकादशी व्रत स्मार्त, वैष्णव
२७/२ शुक्र	शु. ११	श्रीरामानवाला जागरण
२८/२ शनि	शु. १२	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस
२८/२ शनि	शु. १२	आमलकी एकादशी व्रत निम्बा.
२८/२ शनि	शु. १२	श्रीरामानवाला द्वादशी ज्योत्
२८/२ शनि	शु. १२	श्री श्यामबाबाजी मेला
		मार्च २०२६
१/३ रवि	शु. १३	प्रदोष व्रत
२/३ सोम	शु. १४	होलिका दहन महामुहूर्त (भद्रा २५।२२ के बाद)
२/३ सोम	शु. १४	करिदिन (महाराष्ट्र)
३/३ मंगल	शु. १५	मन्वादि
३/३ मंगल	शु. १५	ग्रस्तोदय खग्रास चन्द्रग्रहण
३/३ मंगल	शु. १५	पूर्णिमा व्रत और पुण्य
३/३ मंगल	शु. १५	धुलैंडी
३/३ मंगल	शु. १५	[illegible]
३/३ मंगल	शु. १५	गणगौर पूजा आरम्भ
३/३ मंगल	शु. १५	करिदिन (महाराष्ट्र)

मार्च तारीख वार	चैत्रमास कृष्णपक्ष तिथि	व्रतोत्सव-त्यौहार
४/३ बुध	कृ. १	ग्रहण-करिदिन (महाराष्ट्र)
४/३ बुध	कृ. १	वसन्त प्रतिपदा
६/३ शुक्र	कृ. ३	चतुर्थीव्रत चन्द्रोदय २०।३८
६/३ शुक्र	कृ. ३	कल्पादि
८/३ रवि	कृ. ५	विश्व महिला दिवस
८/३ रवि	कृ. ५	रंग पंचमी
११/३ बुध	कृ. ८	कालाष्टमी
११/३ बुध	कृ. ८	शीतला (बास्योड़ी) पूजन
१३/३ शुक्र	कृ. ९	दादू दयाल जयन्ती
१३/३ शुक्र	कृ. ९	कृष्णानौमी
१५/३ रवि	कृ. ११	पापमोचनी एकादशी व्रत
१६/३ सोम	कृ. १२	प्रदोष व्रत
१७/३ मंगल	कृ. १३	विश्व विकलांग दिवस
१७/३ मंगल	कृ. १३	रंग तेरस
१७/३ मंगल	कृ. १३	मासिक शिवरात्री व्रत
१७/३ मंगल	कृ. १३	गंगास्नान, वारुणी योग ६।४८ से १।२३ तक
१८/३ बुध	कृ. १४	पितृकार्य में अमावस्या
१८/३ बुध	कृ. १४	मन्वादि
१९/३ गुरु	कृ. ३०	देवकार्य में अमावस्या
१९/३ गुरु	कृ. ३०	नया संवत आरम्भ
१९/३ गुरु	कृ. ३०	नवरात्र आरम्भ
१९/३ गुरु	कृ. ३०	घटस्थापन
१९/३ गुरु	कृ. ३०	ध्वजारोपण
१९/३ गुरु	कृ. ३०	गुढी पड़वा (महाराष्ट्र)
१९/३ गुरु	कृ. ३०	कल्पादि

|| शुभम् ||

संवत् २०८२, विभिन्न नगरों में दिन के चौघड़ियों का समाप्तिकाल (स्टै. समय में)

॥ 卐 धनतेरस 卐 ॥ ता. १८ अक्टूबर २०२५ शनिवार

शहर	रामगढ घं. मि.	मुम्बई घं. मि.	गंगानगर घं. मि.	जोधपुर घं. मि.	बाड़ी.रा. घं. मि.	रोहतक घं. मि.	लुधियाना घं. मि.	गोहाटी घं. मि.	गोलाघाट घं. मि.	तिनसुकिया घं. मि.	सिलीगुड़ी घं. मि.	कटक घं. मि.	पटना घं. मि.	वृन्दावन घं. मि.	अयोध्या घं. मि.	इलाहाबाद घं. मि.	हरद्वार घं. मि.	जबलपुर घं. मि.	बिलासपुर घं. मि.	मैसूर घं. मि.	तिरुपति घं. मि.	त्रिवेंद्रम घं. मि.	धर्मशाला घं. मि.	श्रीनगर घं. मि.
सूर्योदय	६।३६	६।३७	६।४२	६।४४	६।२७	६।३०	६।३५	५।२७	५।१८	५।१३	५।४१	५।४६	५।५३	६।२४	६।०६	६।०६	६।२५	६।१२	६।०२	६।१७	६।०७	६।१३	६।३४	६।४२
दि.मान	११।२५	११।२७	११।२४	११।२५	११।२५	११।२५	११।२४	११।२५	११।२५	११।२५	११।२५	११।२६	११।२५	११।२५	११।२५	११।२५	११।२४	११।२६	११।२६	११।२८	११।२८	११।२९	११।२४	११।२३
काल	८।०१	८।०४	८।०७	८।०९	७।५३	७।५५	७।५९	६।५२	६।४४	६।३८	७।०६	७।१२	७।१८	७।४९	७।३१	७।३१	७।४९	७।३८	७।२८	७।४५	७।३५	७।४२	७।५८	८।०५
शुभ	९।२५	९।३०	९।३१	९।३४	९।१८	९।२१	९।२३	८।१७	८।०९	८।०३	८।३१	८।३९	८।४३	९।१४	८।५६	८।५७	९।१३	९।०३	८।५४	९।१३	९।०२	९।१०	९।२२	९।२९
रोग	१०।५०	१०।५७	१०।५५	११।००	१०।४३	१०।४४	१०।४७	९।४३	९।३४	९।२८	९।५६	१०।०५	१०।०९	१०।३९	१०।२१	१०।२२	१०।३८	१०।२९	१०।२०	१०।४०	१०।३०	१०।३९	१०।४६	१०।५२
उद्वेग	१२।१५	१२।२४	१२।२०	१२।२५	१२।०९	१२।०८	१२।११	११।०८	१०।५९	१०।५३	११।२१	११।३१	११।३४	१२।०४	११।४६	११।४७	१२।०२	११।५५	११।४६	१२।०८	११।५८	१२।०७	१२।०९	१२।१५
चल	१३।४०	१३।५०	१३।४४	१३।५०	१३।३४	१३।३३	१३।३५	१२।३३	१२।२४	१२।१८	१२।४६	१२।५८	१२।५९	१३।२९	१३।११	१३।१३	१३।२६	१३।२१	१३।१२	१३।३६	१३।२५	१३।३६	१३।३३	१३।३९
लाभ	१५।०५	१५।१७	१५।०८	१५।१५	१५।००	१४।५८	१५।००	१३।५८	१३।४९	१३।४३	१४।११	१४।२४	१४।२५	१४।५४	१४।३६	१४।३८	१४।५१	१४।४७	१४।३८	१५।०४	१४।५३	१५।०४	१४।५७	१५।०२
अमृत	१६।२९	१६।४४	१६।३३	१६।४१	१६।२५	१६।२२	१६।२४	१५।२३	१५।१४	१५।०८	१५।३७	१५।५०	१५।५०	१६।१९	१६।०१	१६।०३	१६।१५	१६।१३	१६।०४	१६।३२	१६।२१	१६।३३	१६।२१	१६।२५
काल	१७।५४	१८।१०	१७।५७	१८।०६	१७।५०	१७।४७	१७।४८	१६।४९	१६।३९	१६।३३	१७।०२	१७।१७	१७।१५	१७।४४	१७।२६	१७।२९	१७।३९	१७।३८	१७।३०	१८।००	१७।४८	१८।०१	१७।४५	१७।४९

संवत् २०८२, विभिन्न नगरों में रात्रि के चौघड़ियों का समाप्तिकाल (स्टै. समय में)

॥ 卐 धनतेरस 卐 ॥ ता. १८ अक्टूबर २०२५ शनिवार

शहर	रामगढ घं. मि.	मुम्बई घं. मि.	गंगानगर घं. मि.	जोधपुर घं. मि.	बाड़ी.रा. घं. मि.	रोहतक घं. मि.	लुधियाना घं. मि.	गोहाटी घं. मि.	गोलाघाट घं. मि.	तिनसुकिया घं. मि.	सिलीगुड़ी घं. मि.	कटक घं. मि.	पटना घं. मि.	वृन्दावन घं. मि.	अयोध्या घं. मि.	इलाहाबाद घं. मि.	हरद्वार घं. मि.	जबलपुर घं. मि.	बिलासपुर घं. मि.	मैसूर घं. मि.	तिरुपति घं. मि.	त्रिवेंद्रम घं. मि.	धर्मशाला घं. मि.	श्रीनगर घं. मि.
सूर्यास्त	१७।५४	१८।१०	१७।५७	१८।०६	१७।५०	१७।४७	१७।४८	१६।४९	१६।३९	१६।३३	१७।०२	१७।१७	१७।१५	१७।४४	१७।२६	१७।२९	१७।३९	१७।३८	१७।३०	१८।००	१७।४८	१८।०१	१७।४५	१७।४९
रा.मान	१२।३५	१२।३३	१२।३६	१२।३५	१२।३५	१२।३५	१२।३६	१२।३५	१२।३५	१२।३५	१२।३५	१२।३४	१२।३५	१२।३५	१२।३५	१२।३५	१२।३६	१२।३४	१२।३४	१२।३२	१२।३२	१२।३१	१२।३६	१२।३७
लाभ	१९।२९	१९।४४	१९।३३	१९।४१	१९।२५	१९।२२	१९।२४	१८।२३	१८।१४	१८।०८	१८।३७	१८।५०	१८।५०	१९।१९	१९।०१	१९।०३	१९।१५	१९।१३	१९।०४	१९।३२	१९।२१	१९।३३	१९।२१	१९।२५
उद्वेग	२१।०५	२१।१७	२१।०८	२१।१५	२१।००	२०।५८	२१।००	१९।५८	१९।४९	१९।४३	२०।१२	२०।२४	२०।२५	२०।५४	२०।३६	२०।३८	२०।५१	२०।४७	२०।३८	२१।०४	२०।५३	२१।०४	२०।५७	२१।०२
शुभ	२२।४०	२२।५०	२२।४४	२२।५०	२२।३४	२२।३३	२२।३६	२१।३३	२१।२४	२१।१८	२१।४७	२१।५८	२२।००	२२।२९	२२।११	२२।१३	२२।२७	२२।२१	२२।१२	२२।३६	२२।२५	२२।३६	२२।३३	२२।३९
अमृत	२४।१५	२४।२४	२४।२०	२४।२५	२४।०९	२४।०९	२४।१२	२३।०८	२२।५९	२२।५३	२३।२२	२३।३२	२३।३४	२४।०४	२३।४६	२३।४८	२४।०२	२३।५५	२३।४६	२४।०८	२३।५८	२४।०७	२४।१०	२४।१६
चल	२५।५१	२५।५७	२५।५६	२६।००	२५।४४	२५।४४	२५।४८	२४।४३	२४।३४	२४।२८	२४।५७	२५।०५	२५।०९	२५।३९	२५।२१	२५।२२	२५।३८	२५।३०	२५।२०	२५।४०	२५।३०	२५।३९	२५।४६	२५।५२
रोग	२७।२६	२७।३१	२७।३१	२७।३५	२७।१८	२७।२०	२७।२४	२६।१८	२६।०९	२६।०४	२६।३२	२६।३९	२६।४४	२७।१५	२६।५६	२६।५७	२७।१४	२७।०४	२६।५४	२७।१३	२७।०३	२७।१०	२७।२२	२७।२९
काल	२९।०१	२९।०४	२९।०७	२९।१०	२८।५३	२८।५५	२९।००	२७।५३	२७।४४	२७।३९	२८।०७	२८।१३	२८।१९	२८।५०	२८।३१	२८।३२	२८।५०	२८।३८	२८।२८	२८।४५	२८।३५	२८।४२	२८।५९	२९।०६
लाभ	३०।३६	३०।३७	३०।४३	३०।४५	३०।२८	३०।३१	३०।३५	२९।२८	२९।१९	२९।१४	२९।४२	२९।४६	२९।५३	३०।२५	३०।०६	३०।०७	३०।२५	३०।१२	३०।०२	३०।१७	३०।०७	३०।१३	३०।३५	३०।४३

संवत् २०८२, विभिन्न नगरों में लग्नप्रवेश (स्टै. समय में)

॥ 卐 धनतेरस 卐 ॥ ता. १८ अक्टूबर २०२५ शनिवार (उदयारम्भ) ॥ कर्क त्याज्यम् ॥

शहर	रामगढ घं. मि.	मुम्बई घं. मि.	गंगानगर घं. मि.	जोधपुर घं. मि.	बाड़ी.रा. घं. मि.	रोहतक घं. मि.	लुधियाना घं. मि.	गोहाटी घं. मि.	गोलाघाट घं. मि.	तिनसुकिया घं. मि.	सिलीगुड़ी घं. मि.	कटक घं. मि.	पटना घं. मि.	वृन्दावन घं. मि.	अयोध्या घं. मि.	इलाहाबाद घं. मि.	हरद्वार घं. मि.	जबलपुर घं. मि.	बिलासपुर घं. मि.	मैसूर घं. मि.	तिरुपति घं. मि.	त्रिवेंद्रम घं. मि.	धर्मशाला घं. मि.	श्रीनगर घं. मि.
तुला	६।३३	६।३४	६।३९	६।४१	६।२४	६।२७	६।३१	५।२४	५।१५	५।१०	५।३८	५।४३	५।५०	६।२१	६।०३	६।०३	६।२१	६।०९	५।५९	६।१४	६।०४	६।१०	६।३१	६।३८
वृश्चिक	८।५२	८।४६	९।००	८।५८	८।४०	८।४७	८।५३	७।४२	७।३३	७।२९	७।५६	७।५६	८।०७	८।४०	८।२१	८।२०	८।४२	८।२४	८।१३	८।२०	८।१२	८।१४	८।५४	९।०४
धनु	११।१०	११।००	११।१९	११।१६	१०।५८	११।०६	११।१३	९।५९	९।५१	९।४७	१०।१४	१०।११	१०।२४	१०।५८	१०।३९	१०।३७	११।०२	१०।४०	१०।२९	१०।३२	१०।२४	१०।२४	११।१५	११।२५
मकर	१३।१५	१३।०६	१३।२३	१३।२१	१३।०३	१३।१०	१३।१७	१२।०४	११।५६	११।५२	१२।१९	१२।१७	१२।२९	१३।०३	१२।४३	१२।४२	१३।०६	१२।४६	१२।३५	१२।४०	१२।३२	१२।३३	१३।१८	१३।२८
कुंभ	१४।५८	१४।५६	१५।०५	१५।०६	१४।४८	१४।५३	१४।५८	१३।४९	१३।४०	१३।३६	१४।०३	१४।०६	१४।१४	१४।४६	१४।२८	१४।२७	१४।४८	१४।३२	१४।२२	१४।३४	१४।२५	१४।२९	१४।५८	१५।०६
मीन	१६।२७	१६।३३	१६।३२	१६।३६	१६।२०	१६।२०	१६।२३	१५।१९	१५।१०	१५।०५	१५।३३	१५।४२	१५।४५	१६।१५	१५।५७	१५।५८	१६।१४	१६।०६	१५।५७	१६।१७	१६।०७	१६।१५	१६।२२	१६।२८
मेष	१७।५३	१८।०८	१७।५५	१८।०४	१७।४९	१७।४५	१७।४६	१६।४७	१६।३८	१६।३१	१७।००	१७।१५	१७।१४	१७।४२	१७।२५	१७।२७	१७।३८	१७।३७	१७।२८	१७।५८	१७।४६	१७।५९	१७।४३	१७।४७
वृष	१९।२९	१९।५२	१९।३०	१९।४२	१९।२८	१९।२१	१९।२०	१८।२५	१८।१६	१८।०८	१८।३७	१८।५८	१८।५२	१९।१९	१९।०२	१९।०६	१९।१२	१९।१७	१९।१०	१९।४७	१९।३४	१९।५१	१९।१५	१९।१८
मिथुन	२१।२५	२१।५२	२१।२५	२१।३९	२१।२५	२१।१६	२१।१५	२०।२२	२०।१३	२०।०५	२०।३४	२०।५७	२०।४९	२१।१५	२०।५९	२१।०३	२१।०८	२१।१६	२१।०९	२१।४९	२१।३६	२१।५५	२१।०९	२१।११
कर्क	२३।४०	२४।०५	२३।४०	२३।५३	२३।३९	२३।३१	२३।३०	२२।३६	२२।२७	२२।१९	२२।४९	२३।११	२३।०४	२३।३०	२३।१३	२३।१७	२३।२३	२३।२९	२३।२२	२४।०१	२३।४८	२४।०६	२३।२५	२३।२७
सिंह	२६।००	२६।११	२६।०२	२६।१२	२५।५७	२५।५२	२५।५३	२४।५५	२४।४६	२४।३९	२५।०८	२५।२५	२५।२२	२५।५०	२५।३२	२५।३५	२५।४५	२५।४६	२५।३८	२६।१०	२५।५८	२६।१३	२५।४९	२५।५२
कन्या	२८।१७	२८।२७	२८।२१	२८।२७	२८।११	२८।१०	२८।१२	२७।१०	२७।०१	२६।५५	२७।२३	२७।३५	२७।३६	२८।०६	२७।४८	२७।५०	२८।०३	२७।५८	२७।४९	२८।१३	२८।०२	२८।१२	२८।१०	२८।१६

संवत् २०८२, विभिन्न नगरों में दिन के चौघड़ियों का समाप्तिकाल (स्टै. समय में)

॥ 卐 श्रीमहालक्ष्मी पूजनम् 卐 ॥ ता. २० अक्टूबर २०२५ सोमवार

शहर	रायगढ़ घं. मि.	मुम्बई घं. मि.	गंगानगर घं. मि.	जोधपुर घं. मि.	कार्ली.रा घं. मि.	रोहतक घं. मि.	लुधियाना घं. मि.	गौहाटी घं. मि.	गोलाघाट घं. मि.	तिनसुकिया घं. मि.	सिलीगुड़ी घं. मि.	कटक घं. मि.
सूर्योदय	६।३७	६।३८	६।४४	६।४५	६।२८	६।३१	६।३६	५।२८	५।२०	५।१४	५।४२	५।४७
घं. भाग	१।२४	१।२६	१।२४	१।२५	१।२५	१।२४	१।२४	१।२५	१।२५	१।२५	१।२५	१।२६
अमृत	८।०१	८।०४	८।०७	८।१०	७।५३	७।५५	८।००	६।५३	६।४४	६।३९	७।०७	७।१३
काल	९।२६	९।३१	९।३१	९।३५	९।१८	९।२०	९।२४	८।१८	८।०९	८।०४	८।३१	८।३९
शुभ	१०।५०	१०।५७	१०।५५	११।००	१०।४३	१०।४४	१०।४७	९।४३	९।३४	९।२८	९।५६	१०।०५
रोग	१२।१५	१२।२३	१२।१९	१२।२५	१२।०८	१२।०८	१२।११	११।०७	१०।५९	१०।५३	११।२१	११।३१
उद्वेग	१३।३९	१३।४९	१३।४३	१३।४९	१३।३३	१३।३२	१३।३५	१२।३२	१२।२३	१२।१७	१२।४६	१२।५७
चल	१५।०३	१५।१६	१५।०७	१५।१४	१४।५९	१४।५६	१४।५८	१३।५७	१३।४८	१३।४२	१४।१०	१४।२३
लाभ	१६।२८	१६।४२	१६।३१	१६।३९	१६।२४	१६।२१	१६।२२	१५।२२	१५।१३	१५।०६	१५।३५	१५।४९
अमृत	१७।५२	१८।०९	१७।५५	१८।०४	१७।४९	१७।४५	१७।४६	१६।४७	१६।३८	१६।३१	१७।००	१७।१५

शहर	पटना घं. मि.	वृन्दावन घं. मि.	अयोध्या घं. मि.	इलाहाबाद घं. मि.	हरद्वार घं. मि.	जबलपुर घं. मि.	बिलासपुर घं. मि.	मैसूर घं. मि.	तिरुपति घं. मि.	त्रिवेंद्रम घं. मि.	अमृतसर घं. मि.	श्रीनगर घं. मि.
सूर्योदय	५।५४	६।२६	६।०७	६।०७	६।२६	६।१३	६।०३	६।१७	६।०८	६।१३	६।३६	६।४३
घं. भाग	१।२५	१।२५	१।२५	१।२५	१।२४	१।२५	१।२६	१।२८	१।२७	१।२८	१।२३	१।२३
अमृत	७।१९	७।५०	७।३२	७।३२	७।५०	७।३८	७।२९	७।४५	७।३५	७।४१	७।५९	८।०६
काल	८।४४	९।१५	८।५६	८।५७	९।१४	९।०४	८।५४	९।१३	९।०२	९।१०	९।२२	९।२९
शुभ	१०।०९	१०।३९	१०।२१	१०।२२	१०।३८	१०।२९	१०।२०	१०।४०	१०।३०	१०।३८	१०।४६	१०।५२
रोग	११।३४	१२।०४	११।४६	११।४७	१२।०२	११।५५	११।४६	१२।०८	११।५७	१२।०७	१२।०९	१२।१५
उद्वेग	१२।५९	१३।२८	१३।१०	१३।१२	१३।२६	१३।२०	१३।११	१३।३६	१३।२५	१३।३५	१३।३२	१३।३८
चल	१४।२४	१४।५३	१४।३५	१४।३७	१४।५०	१४।४६	१४।३७	१५।०३	१४।५२	१५।०४	१४।५६	१५।०१
लाभ	१५।४९	१६।१७	१६।००	१६।०२	१६।१३	१६।११	१६।०३	१६।३१	१६।२०	१६।३२	१६।१९	१६।२४
अमृत	१७।१४	१७।४२	१७।२४	१७।२७	१७।३७	१७।३७	१७।२९	१७।५९	१७।४७	१८।००	१७।४२	१७।४६

संवत् २०८२, विभिन्न नगरों में रात्रि के चौघड़ियों का समाप्तिकाल (स्टै. समय में)

॥ 卐 श्रीमहालक्ष्मी पूजनम् 卐 ॥ ता. २० अक्टूबर २०२५ सोमवार

शहर	रायगढ़ घं. मि.	मुम्बई घं. मि.	गंगानगर घं. मि.	जोधपुर घं. मि.	कार्ली.रा घं. मि.	रोहतक घं. मि.	लुधियाना घं. मि.	गौहाटी घं. मि.	गोलाघाट घं. मि.	तिनसुकिया घं. मि.	सिलीगुड़ी घं. मि.	कटक घं. मि.
सूर्यास्त	१७।५२	१८।०९	१७।५५	१८।०४	१७।४९	१७।४५	१७।४६	१६।४७	१६।३८	१६।३१	१७।००	१७।१५
घं. भाग	१।३६	१।३४	१।३६	१।३५	१।३५	१।३६	१।३६	१।३५	१।३५	१।३६	१।३५	१।३४
चल	१९।२८	१९।४२	१९।३१	१९।३९	१९।२४	१९।२१	१९।२२	१८।२२	१८।१३	१८।०६	१८।३५	१८।४९
रोग	२१।०४	२१।१६	२१।०७	२१।१४	२०।५९	२०।५७	२०।५९	१९।५७	१९।४८	१९।४२	२०।१०	२०।२३
काल	२२।३९	२२।५०	२२।४३	२२।५०	२२।३४	२२।३२	२२।३५	२१।३३	२१।२४	२१।१७	२१।४६	२१।५७
लाभ	२४।१५	२४।२३	२४।२०	२४।२५	२४।०९	२४।०८	२४।११	२३।०८	२२।५९	२२।५३	२३।२१	२३।३१
उद्वेग	२५।५१	२५।५७	२५।५६	२६।००	२५।४४	२५।४४	२५।४८	२४।४३	२४।३४	२४।२८	२४।५७	२५।०५
शुभ	२७।२६	२७।३१	२७।३२	२७।३५	२७।१९	२७।२०	२७।२४	२६।१८	२६।०९	२६।०४	२६।३२	२६।३९
अमृत	२९।०२	२९।०४	२९।०८	२९।११	२८।५४	२८।५६	२९।०१	२७।५३	२७।४५	२७।४०	२८।०७	२८।१३
चल	३०।३८	३०।३८	३०।४४	३०।४६	३०।२९	३०।३२	३०।३७	२९।२९	२९।२०	२९।१५	२९।४३	२९।४७

शहर	पटना घं. मि.	वृन्दावन घं. मि.	अयोध्या घं. मि.	इलाहाबाद घं. मि.	हरद्वार घं. मि.	जबलपुर घं. मि.	बिलासपुर घं. मि.	मैसूर घं. मि.	तिरुपति घं. मि.	त्रिवेंद्रम घं. मि.	अमृतसर घं. मि.	श्रीनगर घं. मि.
सूर्यास्त	१७।१४	१७।४२	१७।२४	१७।२७	१७।३७	१७।३७	१७।२९	१७।५९	१७।४७	१८।००	१७।४२	१७।४६
घं. भाग	१।३५	१।३६	१।३५	१।३५	१।३६	१।३५	१।३४	१।३२	१।३३	१।३२	१।३७	१।३७
चल	१८।४९	१९।१७	१९।००	१९।०२	१९।१४	१९।११	१९।०३	१९।३१	१९।२०	१९।३२	१९।१९	१९।२४
रोग	२०।२४	२०।५३	२०।३५	२०।३७	२०।५०	२०।४६	२०।३७	२१।०३	२०।५२	२१।०४	२०।५६	२१।०१
काल	२१।५९	२२।२८	२२।११	२२।१२	२२।२६	२२।२०	२२।१२	२२।३६	२२।२५	२२।३५	२२।३३	२२।३८
लाभ	२३।३४	२४।०४	२३।४६	२३।४७	२४।०२	२३।५५	२३।४६	२४।०८	२३।५७	२४।०७	२४।०९	२४।१५
उद्वेग	२५।०९	२५।४०	२५।२१	२५।२२	२५।३८	२५।३०	२५।२०	२५।४०	२५।३०	२५।३८	२५।४६	२५।५३
शुभ	२६।४४	२७।१५	२६।५७	२६।५७	२७।१४	२७।०४	२६।५५	२७।१३	२७।०३	२७।१०	२७।२३	२७।३०
अमृत	२८।१९	२८।५१	२८।३२	२८।३२	२८।५१	२८।३९	२८।२९	२८।४५	२८।३५	२८।४२	२९।००	२९।०७
चल	२९।५४	३०।२६	३०।०७	३०।०८	३०।२७	३०।१३	३०।०३	३०।१७	३०।०८	३०।१३	३०।३६	३०।४४

संवत् २०८२, विभिन्न नगरों में लग्नप्रवेश (स्टै. समय में)

॥ 卐 श्रीमहालक्ष्मी पूजनम् 卐 ॥ ता. २० अक्टूबर २०२५ सोमवार (उदयारम्भ) ॥ कर्क त्याज्यम् ॥

शहर	रायगढ़ घं. मि.	मुम्बई घं. मि.	गंगानगर घं. मि.	जोधपुर घं. मि.	कार्ली.रा घं. मि.	रोहतक घं. मि.	लुधियाना घं. मि.	गौहाटी घं. मि.	गोलाघाट घं. मि.	तिनसुकिया घं. मि.	सिलीगुड़ी घं. मि.	कटक घं. मि.
तुला	६।२५	६।२६	६।३१	६।३३	६।१६	६।१९	६।२४	५।१६	५।०८	५।०२	५।३०	५।३५
वृश्चिक	८।४४	८।३८	८।५२	८।५१	८।३३	८।३९	८।४५	७।३४	७।२५	७।२१	७।४८	७।४८
धनु	११।०२	१०।५२	११।१२	११।०८	१०।५०	१०।५८	११।०६	९।५१	९।४३	९।३९	१०।०६	१०।०३
मकर	१३।०७	१२।५९	१३।१६	१३।१३	१२।५५	१३।०२	१३।०९	११।५६	११।४८	११।४७	१२।११	१२।०९
कुंभ	१४।५०	१४।४८	१४।५७	१४।५८	१४।४०	१४।४५	१४।५०	१३।४१	१३।३२	१३।२८	१३।५५	१३।५८
मीन	१६।१९	१६।२५	१६।२४	१६।२८	१६।१२	१६।१२	१६।१६	१५।११	१५।०२	१४।५७	१५।२५	१५।३४
मेष	१७।४५	१८।००	१७।४८	१७।५६	१७।४१	१७।३७	१७।३८	१६।३९	१६।३०	१६।२३	१६।५२	१७।०७
वृष	१९।२१	१९।४४	१९।२२	१९।३४	१९।२०	१९।१३	१९।१२	१८।१७	१८।०८	१८।००	१८।३०	१८।४०
मिथुन	२१।१७	२१।४५	२१।१७	२१।३१	२१।१७	२१।०९	२१।०७	२०।१४	२०।०५	१९।५७	२०।२६	२०।४९
कर्क	२३।३२	२३।५८	२३।३२	२३।४६	२३।३१	२३।२४	२३।२२	२२।२९	२२।१९	२२।११	२२।४१	२३।०३
सिंह	२५।५२	२६।११	२५।५४	२६।०४	२५।४९	२५।४४	२५।४५	२४।४७	२४।३८	२४।३१	२५।००	२५।१७
कन्या	२८।०९	२८।११	२८।१३	२८।११	२८।०३	२८।०२	२८।०५	२७।०२	२६।५३	२६।४७	२७।१६	२७।२७

शहर	पटना घं. मि.	वृन्दावन घं. मि.	अयोध्या घं. मि.	इलाहाबाद घं. मि.	हरद्वार घं. मि.	जबलपुर घं. मि.	बिलासपुर घं. मि.	मैसूर घं. मि.	तिरुपति घं. मि.	त्रिवेंद्रम घं. मि.	अमृतसर घं. मि.	श्रीनगर घं. मि.
तुला	५।४२	६।१३	५।५५	५।५५	६।१४	६।०१	५।५१	६।०६	५।५७	६।०२	६।२३	६।३१
वृश्चिक	७।५९	८।३२	८।१३	८।१२	८।३४	८।१६	८।०५	८।१२	८।०४	८।०६	८।४६	८।५६
धनु	१०।१६	१०।५०	१०।३१	१०।२९	१०।५४	१०।३२	१०।२१	१०।२४	१०।१६	१०।१६	११।०७	११।१७
मकर	१२।२१	१२।५५	१२।३६	१२।३४	१२।५८	१२।३८	१२।२७	१२।३२	१२।२६	१२।२५	१३।१०	१३।२०
कुंभ	१४।०६	१४।३९	१४।२०	१४।१९	१४।४०	१४।२५	१४।१४	१४।२६	१४।१७	१४।२१	१४।५०	१४।५८
मीन	१५।३७	१६।०८	१५।४९	१५।५१	१६।०६	१५।५८	१५।४९	१६।०१	१५।५१	१६।००	१६।१४	१६।२०
मेष	१७।०६	१७।३४	१७।१७	१७।१९	१७।३०	१७।२९	१७।२१	१७।४०	१७।३८	१७।४१	१७।३५	१७।३९
वृष	१८।४४	१९।११	१८।५४	१८।५८	१९।०४	१९।०९	१९।०२	१९।२१	१९।१६	१९।२३	१९।०७	१९।१०
मिथुन	२०।४२	२१।०७	२०।५१	२०।५५	२१।००	२१।०८	२१।०१	२१।२२	२१।१९	२१।२७	२१।०१	२१।०३
कर्क	२२।५६	२३।२२	२३।०५	२३।०९	२३।१५	२३।२१	२३।१४	२३।४३	२३।३१	२३।४८	२३।१७	२३।१९
सिंह	२५।१४	२५।४२	२५।२५	२५।२८	२५।३७	२५।३८	२५।३०	२६।०२	२५।५१	२६।०५	२५।४१	२५।४४
कन्या	२७।२९	२७।५८	२७।४०	२७।४२	२७।५६	२७।५०	२७।४१	२८।०५	२७।५४	२८।०४	२८।०२	२८।०८

॥ सिंगापुर (सिंगापुर) के लिए - प्रमुख त्योंहार तालिका, विदेश ॥

संवत् २०८२, शाकः १९४७, सन २०२५-२६ (विदेश के. स्टै. समय में)

स्थल सिंगापुर (सिंगापुर) ॥ विदेश ॥ (अक्षांशः १° १६' , रेखांशः १०३° ४७')
City: Singapur, Videsh, (Lat 1° 16', Lon 103° 47'), Zone Time (Hours) 8

त्योंहार	तारीख	वार	मास पक्ष	तिथि घं.मि.	नक्षत्र घं.मि.	सूर्योदय	सूर्यास्त
गुढीपडवा	३० मार्च २०२५	रवि	चैत्र शुक्ल	१ १५।२१	रेव १९।०३	७।०९	७।१०
चैत्रीयनवरात्रारंभ	३० मार्च २०२५	रवि	चैत्र शुक्ल	१ १५।२१	रेव १९।०३	७।०९	७।१०
श्रीरामनवमी	६ अप्रैल २०२५	रवि	चैत्र शुक्ल	९ २१।५४	पुन ७।५८	७।०७	७।०८
महावीर जयन्ती	१० अप्रैल २०२५	गुरु	चैत्र शुक्ल	१३ २७।३६	पूफा १४।५६	७।०६	७।०७
हनुमान जयन्ती	१३ अप्रैल २०२५	रवि	चैत्र शुक्ल	१५ ८।२२	चित्रा २३।३५	७।०५	७।०६
अक्षय तृतीया	३० अप्रैल २०२५	बुध	वैशाख शुक्ल	३ १६।४५	रोहि १८।४७	७।०१	७।०३
बुद्ध पूर्णिमा	१२ मई २०२५	सोम	वैशाख शुक्ल	१५ २४।५५	स्वा ८।४४	७।००	७।०३
रक्षाबंधन	९ अगस्त २०२५ (पूरादिन शुद्ध है)	शनि	श्रावण शुक्ल	१५ १५।५१	श्रव १६।४८	७।०९	७।१२
जन्माष्टमी व्रतं सर्वेषाम्	१६ अगस्त २०२५	शनि	भाद्रपद कृष्ण	८ २४।०४	भर ८।३५	७।०८	७।१०
हरितालिका	२६ अगस्त २०२५	मंगल	भाद्रपद शुक्ल	३ १६।२०	हस्त अहोरात्र	७।०६	७।०८
गणेशचतुर्थी	२७ अगस्त २०२५	बुध	भाद्रपद शुक्ल	४ १८।०७	हस्त ८।२८	७।०६	७।०७
शारदीय नवरात्रारंभ	२२ सितंबर २०२५	सोम	आश्विन शुक्ल	१ २९।२५	उफा १३।५४	६।५८	६।५७
विजया दशमी	२ अक्टूबर २०२५	गुरु	आश्विन शुक्ल	१० २१।४०	उषा ११।४२	६।५५	६।५४
दीपावली, महालक्ष्मी पूजन	२१ अक्टूबर २०२५	मंगल	कार्तिक कृष्ण	३० २०।२५	चित्रा २५।२७	६।५०	६।४८
गुर्जराणाम् नूतनसंवत्सरारम्भः	२२ अक्टूबर २०२५	बुध	कार्तिक शुक्ल	१ २२।४५	स्वा २८।१८	६।५०	६।४८
नानक जयन्ती	५ नवंबर २०२५	बुध	कार्तिक शुक्ल	१५ २१।२२	अश्वि १२।१२	६।५०	६।४७
शाकम्भरी जयन्ती	३ जनवरी २०२६	शनि	पौष शुक्ल	१५ १८।०४	आर्द्रा १९।५७	७।११	७।०७
मकरेऽर्कः	१४ जनवरी २०२६ मकरे रवि १७।०४, (पुण्यकालः स्टै. १७।०४ तः गुरुवासरे १५ जनवरी ९।०४ यावत्)	बुध	माघ कृष्ण	११ २०।२६	अनु २९।३४	७।१६	७।१२
मकर सक्रान्ति	१५ जनवरी २०२६	गुरु	माघ कृष्ण	१२ २२।५०	ज्ये अहोरात्र	७।१६	७।१२
महाशिवरात्री	१५ फरवरी २०२६	रवि	फाल्गुन कृष्ण	१३ १९।३६	उषा २२।१६	७।२०	७।१८
होलिका दहन	२ मार्च २०२६ होलिका दहन भद्रा पुच्छकाले (२७।५७ बजे के बाद)	सोम	फाल्गुन शुक्ल	१४ २०।३०	श्ले १०।२१	७।१८	७।१६

परामर्शदाता - श्रीयुत विशालबाबू श्यामसुन्दरजी रूईया, ऑर्चिट टावर मुम्बई

स्थल - सिंगापुर (सिंगापुर), स्टै. समय में संवत् २०८२, आश्विन कृष्णपक्ष में श्राद्धतिथि निर्णय, सन २०२५

पूर्णिमा	(पूनम) का श्राद्ध	रविवार	७ सितंबर (भाद्रपद शुक्लपक्ष)	
प्रतिपदा	(एकम) "	सोमवार	८ सितंबर	
द्वितीया	(दूज) "	मंगलवार	९ सितंबर	
तृतीया	(तीज) "	बुधवार	१० सितंबर	
चतुर्थी	(चोथ) "	गुरुवार	११ सितंबर	मध्यान्ह ३।१६ बजे के पहले
पंचमी	(पांच) "	शुक्रवार	१२ सितंबर	मध्यान्ह १२।२९ बजे के पहले
षष्ठी	(छठ) "	शुक्रवार	१२ सितंबर	मध्यान्ह १२।२९ बजे के बाद
सप्तमी	(सातं) "	शनिवार	१३ सितंबर	प्रातः९।५३ बजे के बाद
अष्ठमी	(आठं) "	रविवार	१४ सितंबर	प्रातः७।३२ बजे के बाद
नवमी	(नौमी) "	सोमवार	१५ सितंबर	
दशमी	(दस) "	मंगलवार	१६ सितंबर	
एकादशी	"	बुधवार	१७ सितंबर	
द्वादशी	(बारस)"	गुरुवार	१८ सितंबर	
त्रयोदशी	(तेरस) "	शुक्रवार	१९ सितंबर	
चतुर्दशी	(चौदस) "	शनिवार	२० सितंबर	
अमावस्या	(मावस)"	रविवार	२१ सितंबर	

॥ शुभम् ॥

पञ्चाङ्गगणितकर्ता :- पं. ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री)
- *वैजयन्ती संगणक (Vaijayanti Computers)*

॥ लग्न सारणी ॥ घटी-पल ॥ भूगोलिक अक्षांशः १२° ३०', अयनांशः २४° १५', अ. व्यंगु. पलभा २।३५, चरखण्डा: २५।३७, २०।२४, ८।२५,

कर्नाटक के - कोलारस्वर्ण ख., कोलेगल, कृष्णाराजा, चनापटना, नाजनगुड, पुत्तूर, बैंगलोर, बंटवल, मडकेरी, मैसूर, मंगलौर, येलेण्डूर, रामनगरम्, रोबर्टसोनपेट, सीवासमुद्रम्, श्रीरंगपटनम, होल नासीपुर, हंसर । **केरला के** - कासरगोड । **तमिलनाडु के** - अरनी, आरकोट, उत्तंगाराय, कार्नेटीक, कांचीपुरम्, कोरोमंडल, कृष्णागिरी, गुडीयतम, चिंगलपुट, जालारपेट, जावादी हिल्स, टीडीवानन, तिरुवेन्नामलाइ, धरमपुरी, पालावरम्, पोल्लूर, मधुरंतकम, महाबलीपुरम, वांदीवाश, वेनियामबादी, वेल्लोर, शेवारॉय, होसूर इत्यादि (उत्तर अक्षांशः १२ से १३ तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशोदय मानानि
मेष	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	२५३।३०
०	२३	३२	४०	४९	५८	६	१५	२४	३३	४१	५०	५९	८	१७	२६	३५	४४	५३	२	१२	२१	३०	३९	४९	५८	७	१७	२६	३६	४५	८।२७
वृष	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	२७८।२१
१	५५	५	१४	२४	३४	४४	५४	४	१३	२३	३३	४४	५४	४	१४	२४	३५	४५	५५	६	१६	२६	३७	४८	५८	९	१९	३०	४१	५१	९।१७
मिथुन	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	३१३।२२
२	२	१३	२४	३५	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	१०	२१	१०।२७
कर्क	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	३३०।१५
३	३२	४३	५४	५	१६	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	४	१५	२६	३७	४७	५८	९	२०	३०	४१	५१	२	१३	२३	३४	४४	११।००
सिंह	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२८	३१९।४९
४	५५	५	१६	२६	३६	४७	५७	७	१८	२८	३८	४९	५९	९	१९	३०	४०	५०	०	१०	२०	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१०।४०
कन्या	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३०४।४३
५	१	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	३	१४	२४	३४	४४	५४	१०।०९
तुला	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३०४।४३
६	५	१५	२५	३५	४५	५५	७	१७	२७	३८	४८	५९	९	२०	३०	४१	५१	२	१२	२३	३४	४४	५५	६	१६	२७	३८	४९	५९	१०	१०।०९
वृश्चिक	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	३१९।४९
७	२१	३२	४३	५४	५	१६	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	१०।४०
धनु	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	५०	३३०।१५
८	५१	२	१३	२४	३४	४६	५७	८	१८	२९	४०	५१	२	१२	२३	३४	४४	५५	६	१६	२७	३७	४८	५८	८	१९	२९	३९	५०	०	११।००
मकर	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	३१३।२२
९	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	३९	४९	५९	८	१८	२८	३७	४७	५६	५	१५	२४	३३	४३	५२	१	१०	१९	२८	३७	४६	१०।२७
कुंभ	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	२७८।२१
१०	५५	४	१३	२२	३१	३९	४८	५७	५	१४	२३	३१	४०	४९	५७	६	१४	२३	३१	४०	४८	५६	५	१३	२२	३०	३८	४७	५५	३	९।१७
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	२५३।३०
११	१२	२०	२८	३७	४५	५३	१	१०	१८	२६	३४	४३	५१	०	८	१६	२५	३३	४१	५०	५८	७	१५	२३	३२	४०	४९	५७	६	१४	८।२७

॥ लग्न सारणी ॥ घटी-पल ॥ अक्षांशः १३° ३०', अयनांशः २४° १५', अ. व्यंगु. पलभा २।५२, चरखण्डा: २७।४४, २२।२८, ९।०८

आन्ध्र प्र. के - कालाहस्ती, गुरामकोण्डा, चित्तूर, तिरुपति, पाकाला, पालकोण्डा रेन्ज, पंगानुर, मडकसीरा, वेयालपेड, वेन्काटागिरी, श्रीहरिकोटा, हिन्दुपुर । **कर्नाटक के** - उडीपा, कर्काला, कादूर, कूदीमूख, कोण्डापुर, कोलार, कोल्लूर, चिकमगलूर, चिकनायकन हील, चिकबल्लापुर, डोडबालापुर, तारीकेरे, तुमकूर, भद्रावती, मुल्बागल, वैनीविलास, शिमोगा, सीरा, हरनाली, हासन, हीरीयूर, होसदुर्गा । **तमिलनाडु के** - अराकनम, इनोर, चित्रई, तिरुवेल्लूर, फोर्ट गोर्गे, पुलीकेट, पोन्नेरी, सैदापेट इत्यादि (उत्तर अक्षांशः १३ से १४ तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशोदय मानानि
मेष	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	२५१।२२
०	२१	३०	३८	४७	५६	४	१३	२२	३०	३९	४८	५७	६	१४	२३	३२	४१	५०	५९	९	१८	२७	३६	४५	५५	४	१३	२३	३२	४२	८।२३
वृष	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	२७६।३७
१	५१	१	११	२०	३०	४०	५०	०	१०	१९	२९	४०	५०	०	१०	२०	३०	४१	५१	१	१२	२२	३३	४३	५४	४	१५	२५	३६	४७	९।१३
मिथुन	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	३१२।४०
२	५८	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	१०।२५
कर्क	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	३३०।५७
३	२७	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३३	४४	५५	६	१६	२७	३८	४९	५९	१०	२०	३१	४२	११।०२
सिंह	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२८	३२१।३२
४	५२	३	१३	२४	३४	४५	५५	५	१६	२६	३७	४७	५७	८	१८	२८	३८	४९	५९	९	१९	३०	४०	५०	०	१०	२०	३१	४१	५१	१०।४३
कन्या	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३०६।५१
५	१	११	२१	३१	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	३	१३	२३	३३	४३	५३	४	१४	२४	३४	४४	५४	५	१५	२५	३६	४६	५६	१०।१४
तुला	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३०६।५१
६	६	१७	२७	३८	४८	५८	९	१९	३०	४०	५१	१	१२	२२	३३	४३	५४	५	१५	२६	३७	४७	५८	९	२०	३०	४१	५२	३	१४	१०।१४
वृश्चिक	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	३२१।३२
७	२५	३६	४७	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२३	३४	४५	१०।४३
धनु	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	३३०।५७
८	५६	७	१८	२९	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५५	६	१७	२८	३८	४९	०	१०	२१	३१	४२	५२	२	१३	२३	३३	४४	५४	४	११।०२
मकर	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	३१२।४०
९	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३३	४३	५३	२	१२	२१	३१	४०	५०	५९	९	१८	२७	३६	४५	५५	४	१३	२२	३१	४०	४९	१०।२५
कुंभ	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	२७६।३७
१०	५८	६	१५	२४	३३	४१	५०	५९	७	१६	२५	३३	४२	५०	५९	७	१६	२४	३२	४१	४९	५८	६	१४	२२	३१	३९	४७	५५	४	९।१३
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	२५१।२२
११	१२	२०	२९	३७	४५	५३	१	१०	१८	२६	३४	४३	५१	५९	७	१६	२४	३२	४०	४९	५७	५	१४	२२	३१	३९	४७	५६	४	१३	८।२३

|| लग्न सारणी || घटी-पल || भूगोलिक अक्षांशः १४° ३०', अयनांशः २४° १५', अं.व्यंगु. पलभा ३।५, चरखण्डा: २९।५३, २४।१२, ९।५१

आन्ध्र प्र. के - अल्लूर, अनंतपुर, अटमाकुर, उदयगिरी, कडप्पा, कादीरी, कावेली, गुदर, जमालामदगु, टडपत्री, धरमवरम, नीलोर, पुलीवेन्डाला, पेनुकोण्डा, प्रोदातूर, रापुर, रायाछोटी, रायादुर्ग, येमपल्ली, शीशाचलम, सिद्धोत। **कर्नाटक के** - ककुम्ता, कारवार, कोदूरु, गीरसोपा, चित्रदुर्ग, जोग फाल्स, टेलगुपा, देवगिरी, रानिबन्नूर, शेकार्पुर, सावानूर, सीर्सी, हंगल, हर्दनहल्ली, हरिहर, होनावर, होनाली इत्यादि (उत्तर अक्षांशः १४ से १५ तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशोदय पलानि
मेष	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	२४९।१५
०	२०	२८	३७	४५	५४	२	११	१९	२८	३७	४५	५४	३	१२	२१	३०	३९	४८	५७	६	१५	२४	३३	४२	५१	१	१०	१९	२९	३८	८।१८
वृष	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	२७४।५३
१	४८	५७	७	१७	२६	३६	४६	५६	६	१५	२५	३५	४५	५६	६	१६	२६	३६	४७	५७	७	१८	२८	३९	४९	०	१०	२१	३२	४२	९।१०
मिथुन	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	३११।५७
२	५३	४	१५	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	१०।२४
कर्क	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	३३१।४०
३	२३	३४	४५	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१३	२४	३५	४६	५६	७	१८	२८	३९	११।०३
सिंह	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	३२३।१७
४	५०	०	११	२१	३२	४२	५३	३	१४	२४	३४	४५	५६	६	१६	२७	३७	४७	५८	८	१८	२८	३९	४९	५९	१०	२०	३०	४०	५०	१०।४७
कन्या	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३०८।४९
५	१	११	२१	३१	४१	५२	२	१२	२२	३२	४३	५३	३	१३	२३	३४	४४	५४	४	१५	२५	३५	४५	५६	६	१६	२७	३७	४७	५८	१०।१८
तुला	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३०८।४९
६	८	१९	२९	३९	५०	०	११	२१	३२	४२	५३	४	१४	२५	३५	४६	५७	७	१८	२९	४०	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	६	१७	१०।१८
वृश्चिक	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	३२३।१७
७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	१०।४७
धनु	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	३३१।४०
८	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३८	४९	०	११	२२	३२	४३	५३	४	१५	२५	३६	४६	५६	७	१७	२७	३८	४८	५८	८	११।०३
मकर	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	३११।५७
९	१८	२८	३८	४८	५८	८	१८	२७	३७	४७	५६	६	१६	२५	३४	४४	५३	३	१२	२१	३०	३९	४९	५८	७	१६	२५	३४	४२	५१	१०।२४
कुंभ	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	२७४।५३
१०	०	९	१८	२६	३५	४४	५२	१	९	१८	२७	३५	४३	५२	०	९	१७	२५	३४	४२	५०	५९	७	१५	२३	३२	४०	४८	५६	४	९।१०
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	२४९।१४
११	१३	२१	२९	३७	४५	५३	१	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५९	७	१५	२३	३१	४०	४८	५६	४	१३	२१	२९	३८	४६	५४	३	११	८।१८

|| लग्न सारणी || घटी-पल || अक्षांशः १५° ३०', अयनांशः २४° १५', अं.व्यंगु. पलभा ३।१८, चरखण्डा: ३२।०३, २५।५८, १०।३५

आन्ध्र प्र. के - अदन्की, अदोनी, अलूर, आलमपुर, इरामाला, कमबम, कूर्नाल, कोइल्कुन्टा, कंपली, कंडकूर, कंनीगिरी, कृष्णा, गुंलकल, गोटी, तुंगभद्रा, दर्सी, नालामलाई प.गा., नांदीकोकूर, नांदयाल, नीजामापटनम्, पाटीकोण्डा, पोडिली, प्यापाल्ली, बपाटला, बंगनेले, मार्कापुर, यमीगनपुर, रेमालेकोट्टा। **कर्नाटक के** - अनागुंदी, कोबाल, खानपुर, गंदग, गंगाबाटी, धारवाड, बदामी, बेलगाँव, बेल्लारी, मन्वी, रामदुर्ग, विजयनगर, शाहपुर, सिंधनूर, संदूर, हुबली, होसपेट। पणजी गोआ। **महाराष्ट्र के** - वेन्गुरला, सेवन्तवदी इत्यादि (उत्तर अक्षांशः १५ से १६ तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशोदय पलानि
मेष	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	२४३।०४
०	१८	२६	३५	४३	५२	०	९	१७	२६	३४	४३	५२	०	९	१८	२७	३६	४५	५४	३	१२	२१	३०	३९	४८	५७	७	१६	२५	३५	८।१४
वृष	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	२७३।०७
१	४४	५४	३	१३	२३	३२	४२	५२	२	११	२१	३१	४१	५१	१	१२	२२	३२	४२	५३	३	१३	२४	३४	४४	५५	६	१६	२७	३८	९।०६
मिथुन	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	३११।१४
२	४८	५९	१०	२१	३२	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२४	३५	४६	५७	८	१०।२२
कर्क	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	३३२।२३
३	१९	३०	४१	५२	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	५९	१०	२१	३२	४३	५३	४	१५	२६	३६	११।०५
सिंह	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	३२५।०३
४	४७	५८	८	१९	३०	४०	५१	१	१२	२२	३३	४३	५४	४	१५	२५	३६	४६	५६	७	१७	२७	३८	४८	५८	९	१९	२९	४०	५०	१०।५०
कन्या	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३११।०९
५	०	१०	२१	३१	४१	५२	२	१२	२२	३३	४३	५३	३	१४	२४	३४	४५	५५	५	१६	२६	३६	४७	५७	७	१८	२८	३९	४९	५९	१०।२२
तुला	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३११।०९
६	१०	२०	३१	४१	५२	२	१३	२४	३४	४४	५५	६	१७	२७	३८	४९	०	१०	२१	३२	४३	५४	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	१०।२२
वृश्चिक	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	३२५।०३
७	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२१	३२	४३	५४	१०।५०
धनु	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	३३२।२३
८	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२१	३२	४३	५४	४	१५	२६	३७	४७	५८	९	१९	३०	४०	५०	१	११	२१	३२	४२	५२	२	१२	११।०५
मकर	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	३११।१४
९	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३१	४१	५१	०	१०	१९	२९	३८	४७	५७	६	१५	२४	३३	४३	५२	१	१०	१९	२७	३६	४५	५४	१०।२२
कुंभ	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	२७३।०७
१०	३	११	२०	२९	३७	४६	५४	३	११	२०	२८	३७	४५	५४	२	१०	१८	२७	३५	४३	५१	०	८	१६	२४	३२	४०	४९	५७	५	९।०६
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	२४३।०४
११	१३	२१	२९	३७	४५	५३	१	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३१	३९	४७	५५	३	११	२०	२८	३६	४४	५३	१	९	८।१४

॥ लग्न सारणी ॥ घटी-पल ॥ भौगोलिक अक्षांश: १६° ३०', अयनांश: २४° १५', अ.व्यंगु. पलभा ३।३२, चरखण्डा: ३४।१४, २७।१५, ११।१८

आन्ध्र प्र. क्षे. - अमरावती, ऑंगोले, एलूरु, काकीनाडा, कोरिंगा, कोइलकोण्डा, कोल्लापाली, गढवाल, गुंटूर, गुरजाला, गोदावरी, जगागापिटा, तनुकू, तेनाली, देवकोन्डा, नागार्जुन सागर, नारासपुर, नारासाराओपेट, नारायणपेट, नंदीगाम, पालाकोलू, मछलीपट्टनम्, महबूबनगर, मागर कार्नूल, मंगलागिरी, यमन, येर्नागुडम, रेपेली, विजयवाडा, विनुकोण्डा, सातनेपाली । **कर्नाटक क्षे.** - अथनी, कल्लूर, गोकाक, जमखंडी, दोबर्ग, बगवादी, बागलकोट, बीजापुर, मुडबिहाल, मुधोल, रीटहूर, लोंडा, लीगसूगर, सागर, सिंधी, सुरापुर । **महाराष्ट्र क्षे.** - कुरुंदवाद, कोल्हापुर, मिरज, मेलवेन, राजापुर, विजयदुर्ग, सांगली । **म्यांमार क्षे.** - इरावदी, रंगून इत्यादि (उत्तर अक्षांश: १६ से १७ तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशोदय पलादि
मेष	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	२४४।५३
०	१६	२४	३३	४१	४९	५८	६	१५	२३	३२	४१	४९	५८	७	१५	२४	३३	४२	५१	०	८	१८	२७	३६	४५	५४	३	१२	२२	३१	८।१०
वृष	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	२७१।२०
१	४१	५०	५९	९	१९	२८	३८	४८	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२८	३८	४८	५८	९	१९	३०	४०	५१	१	१२	२२	३३	९।०३
मिथुन	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	३१०।३०
२	४४	५५	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२१	३२	४३	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४६	५७	८	१९	३०	४१	५३	४	१०।२१
कर्क	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	३३३।०७
३	१५	२६	३७	४८	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	१	१२	२३	३४	११।०६
सिंह	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	३२६।४०
४	४४	५५	६	१७	२७	३८	४९	५९	१०	२०	३१	४१	५२	३	१३	२४	३४	४५	५५	५	१६	२६	३७	४७	५८	८	१८	२९	३९	४९	१०।५४
कन्या	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३१३।२०
५	०	१०	२०	३१	४१	५२	२	१२	२३	३३	४३	५४	४	१४	२५	३५	४५	५६	६	१७	२७	३७	४८	५८	९	१९	३०	४०	५१	१	१०।२७
तुला	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३१३।२०
६	१२	२२	३३	४३	५४	५	१५	२६	३७	४७	५८	९	१९	३०	४१	५२	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	१०।२७
वृश्चिक	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	३२६।४०
७	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१६	२७	३८	४९	०	११	२३	३४	४५	५६	७	१८	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	१०।५४
धनु	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	३३३।०७
८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	९	२०	३१	४१	५२	३	१३	२४	३४	४५	५५	५	१६	२६	३६	४६	५६	७	१७	११।०६
मकर	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	३१०।३०
९	२७	३६	४६	५६	६	१६	२६	३५	४५	५४	४	१३	२३	३२	४२	५१	०	९	१८	२८	३७	४६	५५	४	१३	२१	३०	३९	४८	५७	१०।२१
कुंभ	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	२७१।२०
१०	५	१४	२३	३१	४०	४८	५७	५	१४	२२	३०	३९	४७	५५	३	१२	२०	२८	३६	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४१	४९	५७	५	९।०३
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	३	२४४।५३
११	१३	२१	२९	३७	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४१	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	२७	३५	४३	५१	५९	८	८।१०

॥ लग्न सारणी ॥ घटी-पल ॥ अक्षांश: १७° ३०', अयनांश: २४° १५', अ.व्यंगु. पलभा ३।४५, चरखण्डा: ३६।२६, २९।३३, १२।०३

आन्ध्र प्र. क्षे. - अनकापाली, कांदी, कोडांगल, कोहीर, कोस्गी, कोटागडम, स्येमम, गोलकोन्डा, चिपुरपल्ली, तुनी, तंदूर, नलगोंडा, नारसीपटनम्, पटनचेरु, पिथापुरम्, पीडापुरम्, बीम्लीपटम्, मद्दापलम, येलांदू, राजमुंद्री, रीकापाली, वाल्तेर, वारंगल, विशाखापटनम्, सर्कर्स, सायासेपेट, सामलकोट, सिकंदराबाद, सिंगरज कोलीअरी, सूर्यपेट, संगरडिप्ट, हैदराबाद । **कर्नाटक क्षे.** - आलन्द, कल्याणी, गुलबर्गा, बीदर, वादी, शाहाबाद, होमनाबाद । **महाराष्ट्र क्षे.** - अकलकोट, औंध, करड, कोयना, जाथ, नालदुर्ग, पंढरपुर, बानकोट, महाबलेश्वर, रत्नागिरि, वाइ, सातारा, सोलापुर इत्यादि (उत्तर अक्षांश: १७ से १८ तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशोदय पलादि
मेष	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	२७२।४०
०	१४	२२	३१	३९	४७	५६	४	१३	२१	३०	३८	४७	५५	४	१३	२१	३०	३९	४८	५६	५	१४	२३	३२	४१	५१	०	९	१८	२७	८।०५
वृष	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	२६९।३२
१	३७	४६	५६	५	१५	२४	३४	४४	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३	३३	४४	५४	४	१५	२५	३५	४६	५६	७	१८	२८	८।५९
मिथुन	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	३०९।४६
२	३९	५०	१	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	८	१९	३०	४१	५२	३	१५	२६	३७	४८	५९	१०।२०
कर्क	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	३३३।५१
३	११	२२	३३	४४	५५	७	१८	२९	४०	५१	२	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	९	२०	३१	११।०८
सिंह	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	३२८।३८
४	४२	५३	३	१४	२५	३६	४६	५७	८	१८	२९	४०	५०	१	११	२२	३३	४३	५४	४	१५	२५	३६	४६	५७	७	१८	२८	३८	४९	१०।५७
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३१५।३३
५	५९	१०	२०	३१	४१	५१	२	१२	२३	३३	४४	५४	४	१५	२५	३६	४६	५७	७	१८	२८	३९	४९	०	१०	२१	३१	४२	५२	३	१०।३१
तुला	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३१५।३३
६	१४	२४	३५	४५	५६	७	१७	२८	३९	५०	०	११	२२	३३	४४	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	१०।३१
वृश्चिक	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	३२८।३८
७	३९	५०	२	१३	२४	३५	४६	५७	९	२०	३१	४२	५३	५	१६	२७	३८	४९	१	१२	२३	३४	४५	५६	८	१९	३०	४१	५२	३	१०।५७
धनु	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	३३३।५१
८	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	३	१४	२५	३५	४६	५७	७	१८	२८	३९	४९	०	१०	२०	३०	४१	५१	१	११	२१	११।०८
मकर	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	३०९।४६
९	३१	४१	५१	०	१०	२०	३०	३९	४९	५८	८	१७	२७	३६	४५	५४	४	१३	२२	३१	४०	४९	५८	७	१६	२४	३३	४२	५१	५९	१०।२०
कुंभ	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	२६९।३२
१०	८	१६	२५	३३	४२	५०	५९	७	१६	२४	३२	४०	४९	५७	५	१३	२१	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	८।५९
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	३	२७२।४०
११	१४	२२	३०	३८	४६	५३	१	९	१७	२५	३३	४१	४९	५७	५	१३	२१	२९	३७	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४१	५०	५८	६	८।०५

।। लग्न सारणी ।। घटी-पल ।। भूगोलिक अक्षांशः १८° ३०', अयनांशः २४° १५', अं.व्यंगु. पलभा ३।५९, चरखण्डाः ३८।४०, ३१।२२, १२।४८

आन्ध्र प्र. के - अरमूर, करीमनगर, कालिंगपटनम्, कामारेड्डी, कोराटला, जगतयाल, निजामाबाद, पालकोण्डा, पार्वतीपुरम्, बोबीली, बोधन, मेदक, राजम, विजयनगरम्, वेमालवाडा, वैंकटपुरम्, सीडीपिट, सेलूर, श्रृंगावारापुकोटा, श्रीकाकुलम, हनमकोण्डा, हसनपार्टी । **उड़ीसा के** - कोरापुट, जेपोर, पालकमिडी, मल्कनगिरी । **कर्नाटक के** - अलीरौर, मल्की । **मध्य प्र. के** - चिंटनार, डंट्रीवारा, बीजी, भोपाल पटनम, सुनकम । **महाराष्ट्र के** - अलीबाग, अस्ती, उदगीर, उरलीकोंचन, उस्मानाबाद, करामला, कोंढलबाडी, कीर्की, खेड, गंगटेश्वर, जमखंड, जंजीरा, तुलजापुर, टीगुलर, दौण्ड, परान्डा, फालटेन, पाली, पुणे, बार्सी, भोर, महाडा, माथेरान, मुरुर, मुल्सी, मुम्बई, मुरुद, मोमिनाबाद, मंगाँव, लातूर, लोनावला, सीरोन्चा, सीरुर, श्रीगोण्डा इत्यादि (उत्तर अक्षांशः १८ से १९ तक वाले सभी) नगरों के लिए

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशोदय पलानि
मेष	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	२४०।२६
०	१२	२१	२९	३७	४५	५४	२	१०	१९	२७	३६	४४	५३	१	१०	१८	२७	३६	४५	५३	२	११	२०	२९	३८	४७	५६	५	१५	२४	८।०१
वृष	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	२६७।४३
१	३३	४२	५२	१	११	२०	३०	४०	४९	५९	९	१९	२८	३८	४८	५८	८	१९	२९	३९	४९	०	१०	२०	३१	४१	५२	२	१३	२४	८।५५
मिथुन	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	३०९।०१
२	३४	४५	५६	७	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४१	५२	३	१४	२५	३७	४८	५९	१०	२१	३३	४४	५५	१०।१८
कर्क	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	३३४।३६
३	६	१८	२९	४०	५१	३	१४	२५	३६	४७	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१७	२८	११।०९
सिंह	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	३३०।२७
४	३९	५०	१	१२	२३	३३	४४	५५	६	१६	२७	३८	४८	५९	१०	२०	३१	४२	५२	३	१३	२४	३५	४५	५६	६	१७	२७	३८	४८	११।०१
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३१७।४७
५	५९	९	२०	३०	४१	५१	२	१२	२३	३३	४४	५४	५	१५	२६	३६	४७	५७	८	१९	२९	४०	५०	१	११	२२	३३	४३	५४	५	१०।३६
तुला	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३१७।४७
६	१५	२६	३७	४७	५८	९	२०	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५९	१०	२१	३२	१०।३६
वृश्चिक	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	३३०।२७
७	४३	५४	५	१७	२८	३९	५०	१	१३	२४	३५	४६	५८	९	२०	३१	४३	५४	५	१६	२७	३९	५०	१	१२	२३	३५	४६	५७	८	११।०१
धनु	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	३३४।३६
८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५७	८	१९	३०	४०	५१	१	१२	२३	३३	४३	५४	४	१४	२५	३५	४५	५५	५	१५	२५	११।०९
मकर	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	३०९।०१
९	३५	४५	५५	५	१४	२४	३४	४३	५३	२	१२	२१	३०	४०	४९	५८	७	१६	२५	३४	४३	५२	१	१०	१९	२७	३६	४५	५३	२	१०।१८
कुंभ	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	२६७।४३
१०	१०	१९	२७	३६	४४	५३	१	९	१८	२६	३४	४२	५०	५९	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	३	११	१९	२७	३५	४३	५१	५८	६	८।५५
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	३	२४०।२६
११	१४	२२	३०	३८	४६	५४	१	९	१७	२५	३३	४१	४९	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	८।०१

।। लग्न सारणी ।। घटी-पल ।। अक्षांशाः १९° ३०', अयनांशः २४° १५', अं.व्यंगु. पलभा ४।१३, चरखण्डाः ४०।५६, ३३।१३, १३।३३

आन्ध्र प्र. के - अदीलाबाद, इचचापुरम्, चित्रूर, नीर्मल, बालकोण्डा, भनिसा, मुढोल, सिरपुरकागजनगर । **उड़ीसा के** - कलाहंडी, कारोन्ड, कोणार्क, कोटापड, गोपालपुर, गंजाम, चिल्का झील, छत्रापुर, जूनागड, पुरी, बरहमपुर, भवानी पटना, रामा गिरी-उदया गिरी, रायगड, सुरादा । **कर्नाटक के** - मनवत । **मध्य प्र. के** - इंदरायती, कुन्नू, जगदालपुर, पार्लकोट, प्रतापपुर, बस्तर, मक्री । **महाराष्ट्र के** - अहीरी, अहमदनगर, इगतपुरी, उल्लासनगर, औरंगाबाद, कल्याण, कादीराबाद, कोपागाँव, चंद्रपुर, जवाहर, जालना, जुन्नर, ठाणे, तारापुर, दहानू, दोलताबाद, नांदेड, परभनी, पाइथान, पाथरि, बाल्हारशाह, बांद्रा, बीड, बेसीन बासमत, बेसिन, माजलगाँव, राहुरी, राजूरा, बैजापुर, सांगमनेर, सिन्नार, सोनपत, हिंगोली इत्यादि (उत्तर अक्षांशः १९ से २० तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशोदय पलानि
मेष	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	२३८।११
०	११	१९	२७	३५	४३	५१	०	८	१६	२५	३३	४१	५०	५८	७	१५	२४	३३	४१	५०	५९	८	१७	२६	३५	४४	५३	२	११	२०	७।५६
वृष	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	२६५।५२
१	२९	३९	४८	५७	७	१६	२६	३५	४५	५५	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४५	५५	५	१६	२६	३६	४७	५८	८	१९	८।५२
मिथुन	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	३०८।१५
२	२९	४०	५१	२	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१४	२५	३६	४७	५८	९	२१	३२	४३	५४	६	१७	२८	३९	५१	१०।१७
कर्क	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	३३५।२२
३	२	१३	२५	३६	४७	५८	१०	२१	३२	४३	५५	६	१७	२८	३९	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	११।११
सिंह	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	३३२।१८
४	३७	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१४	२५	३६	४७	५७	८	१९	३०	४०	५१	२	१२	२३	३४	४४	५५	५	१६	२७	३७	४८	११।०५
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३२०।०२
५	५८	९	२०	३०	४१	५१	२	१२	२३	३४	४४	५५	५	१६	२७	३७	४८	५८	९	२०	३०	४१	५२	२	१३	२४	३४	४५	५६	६	१०।४०
तुला	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३२०।०२
६	१७	२८	३९	५०	०	११	२२	३३	४४	५५	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	२५	३६	१०।४०
वृश्चिक	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	३३२।१८
७	४७	५८	९	२१	३२	४३	५४	६	१७	२८	३९	५१	२	१३	२५	३६	४७	५८	१०	२१	३२	४३	५५	६	१७	२८	३९	५०	२	१३	११।०५
धनु	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	३३५।२२
८	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५१	२	१३	२४	३४	४५	५६	६	१७	२७	३८	४८	५८	९	१९	२९	३९	५०	०	१०	२०	३०	११।११
मकर	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	३०८।१५
९	३९	४९	५९	९	१८	२८	३८	४७	५७	६	१५	२५	३४	४३	५२	२	११	२०	२९	३८	४७	५५	४	१३	२२	३०	३९	४८	५६	५	१०।१७
कुंभ	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	२६५।५२
१०	१३	२२	३०	३८	४७	५५	३	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४३	५१	५९	७	८।५२
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	२३८।११
११	१५	२२	३०	३८	४६	५४	१	९	१७	२५	३३	४०	४८	५६	४	१२	१९	२७	३५	४३	५१	५९	७	१५	२२	३०	३८	४६	५४	३	७।५६

॥ लग्न सारणी ॥ घटी पल ॥ भुगोलिक **अक्षांश**: २०° ३०', अयनांश: २४° १५', अं.घ्यंगु. पलभा ४।२७, चरखण्डा: ४३।१३, ३५।०९, १४।२०

उड़ीसा के - अथगढ़, अथमल्लिक, अनुगुल, **कटक**, केन्द्रपारा, फैनटीरा, लांडपारा, खुर्दा, स्नोण्डमाल्ला, टीगीरिया, टेलचर, ढेंकानाल, दसपाल्ला, धवा, नयागढ़, नर्सिंगपुर, फाल्स पोईंट, **पाराद्वीप**, पटना, पल्मिरास पोइन्ट, बनाकी, बारांबा, बुद, बोलंगीर, बोरासंबर, भुवनेश्वर, महानदी, राजीपुर, सोनपुर, हींदोल । **गुजरात के** - **जफराबाद**, धरमपुर, बांसदा, वल्साड, वेरावल । **मध्य प्र. के** - कांकेर, धमतरी, पैनगंगा, राजीम । **महाराष्ट्र के** - अजंता प.मा., अजंता, अमरावती, **अरमोरी**, असाई, असये, आकोला, उमेर, एलोरा, अंबगांव, कारंजा, खुलदाबाद, खेमगांव, चालिसगांव, चंदोर, डोली, तुमसर, धुले, **नासिक**, पचोरा, पंढी, बदनेरा, बालापुर, बसिम, बुलढाणा, बोरी, ब्रह्मपुरी, मलकापुर, मनमाड, मुल, मेलेगांव, यवतमाल, वैओला, वरजा, राजुर, वर्धा, शेगांव, सुरगाना, हींगनघाट । **केन्द्र शा. प्रदे. के** - दमन, दादरा और नगर हवेली । **म्यांमार के** - अराकान इत्यादि (उत्तर अक्षांश २० से २१ तक वाले सभी) नगरों के लिए

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशोदय पलानि
मेष	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	२३५।५३
०	९	१७	२५	३३	४१	४९	५७	६	१४	२२	३०	३९	४७	५६	४	१३	२१	३०	३८	४७	५६	४	१३	२२	३१	४०	४९	५८	७	१६	७५२
वृष	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	२६३।५१
१	२५	३५	४४	५३	३	१२	२२	३१	४१	५०	०	१०	२०	२९	३९	४९	५९	९	२०	३०	४०	५०	०	११	२१	३२	४२	५३	३	१४	८।४८
मिथुन	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	३०७।२९
२	२५	३५	४६	५७	८	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५८	९	२०	३१	४२	५३	५	१६	२७	३८	५०	१	१२	२४	३५	४६	१०।१५
कर्क	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	३३६।०८
३	५८	९	२०	३२	४३	५४	६	१७	२८	३९	५१	२	१३	२५	३६	४७	५८	९	२१	३२	४३	५४	५	१६	२८	३९	५०	१	१२	२३	११।१२
सिंह	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	३३४।११
४	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	१	१२	२३	३४	४५	५६	६	१७	२८	३९	५०	०	११	२२	३३	४३	५४	५	१५	२६	३७	४७	११।०८
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३२२।२०
५	५८	९	१९	३०	४१	५१	२	१३	२३	३४	४५	५५	६	१७	२७	३८	४९	५९	१०	२१	३१	४२	५३	४	१४	२५	३६	४७	५७	८	१०।४५
तुला	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३२२।२०
६	१९	३०	४१	५२	२	१३	२४	३४	४५	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५५	६	१७	२८	४०	१०।४५
वृश्चिक	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	३३४।११
७	५१	२	१३	२५	३६	४७	५९	१०	२१	३२	४४	५५	६	१८	२९	४०	५२	३	१४	२६	३७	४८	५९	११	२२	३३	४४	५५	६	१८	११।०८
धनु	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	३३६।०८
८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४५	५६	७	१८	२९	३९	५०	१	११	२२	३२	४३	५३	३	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	११।१२
मकर	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	३०७।२९
९	४४	५४	३	१३	२३	३२	४२	५१	१	१०	१९	२९	३८	४७	५६	५	१४	२३	३२	४१	५०	५९	७	१६	२५	३३	४२	५१	५९	७	१०।१५
कुम्भ	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	२६३।५१
१०	१६	२४	३३	४१	४९	५७	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५७	५	१३	२१	२९	३६	४४	५२	०	७	८।४८
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	२३५।५३
११	१५	२३	३१	३८	४६	५४	१	९	१७	२४	३२	४०	४८	५५	३	११	१९	२६	३४	४२	५०	५७	५	१३	२१	२९	३७	४५	५३	१	७।५२

॥ लग्न सारणी ॥ घटी पल ॥ अक्षांश: २१° ३०', अयनांश: २४° १५', अं.घ्यंगु. पलभा ४।४२, चरखण्डा: ४५।३२, ३६।००, १५।०७

उड़ीसा के - कारांजिया, क्योंझर, कोलावीरा, दसपुर, दोगढ़, नीजग्रह, नीलगिरी, बालेश्वर, बारीपाडा, बोनाइगढ़, भद्रक, भुबन, रामपुर, लाहारा, सोहेला, संबलपुर, हीराकुण्ड । **गुजरात के** - **अमरेली**, **अंकलेश्वर**, खम्भाट, खम्भात, गोंडल, गीर फोरेस्ट, जूनागढ़, डाकोर, डेडेन, ताप्ती, दाहोद, धोराजी, नवसारी, नांदेड, पालिताना, पाटन सोमनाथ, पोरबंदर, भड़ोच, भावनगर, महुआ, मंग्रोल, विसावदर, सतपुड़ा पर्वत, सचिन, सावरकुंडला, सूरत, सोमनाथ । **तमिलनाडु के** - अबूर । **प.बंगाल के** - कोन्टाइ, सागर । **मध्य प्र. के** - एकलरेगढ़, कालागी, खैरागढ़, खैरागांव, लखडा, कुम्हारी, डोंगरगढ़, दुर्ग, दोगढ़, फुलझार, बालाघाट, बुरहानपुर, बैतूल, बेहन्दी, रायपुर, राज नांदगांव, शाहपुर, सारंगढ़, सोनाखान । **महाराष्ट्र के** - अचलपुर, अकोट, अर्वी वर्धा, कामठी, खापा, गविलगढ़, गोंदिया, चिखलदा, धोपका, जलगांव, तालोदा, नागपुर, नन्दुरबार, मुक्तापुर, भंडारा, मलकापुर, राजपीपला, रामटेक, शिवलोका, सेकोली । **बंगलादेश के** - कोक्स बाजार । **म्यांमार के** - अमरपुरा इत्यादि (उत्तर अक्षांश २१ से २२ तक वाले सभी) नगरों के लिए

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशोदय पलानि
मेष	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	२३३।३४
०	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	३	११	२०	२८	३६	४४	५३	१	१०	१८	२७	३५	४४	५२	१	१०	१९	२७	३६	४५	५४	३	१२	७।४७
वृष	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	२६२।०५
१	२१	३१	४०	४९	५९	८	१७	२७	३६	४६	५६	५	१५	२४	३४	४४	५५	५	१५	२५	३५	४५	५६	६	१६	२७	३७	४८	५८	९	८।४४
मिथुन	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	३०६।४१
२	२०	३०	४१	५२	३	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५३	४	१५	२६	३७	४९	०	११	२२	३४	४५	५६	८	१९	३०	४२	१०।१३
कर्क	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	३३६।५६
३	५३	४	१६	२७	३९	५०	१	१३	२४	३५	४७	५८	९	२१	३२	४३	५५	६	१७	२८	४०	५१	२	१३	२४	३५	४७	५८	९	२०	११।१४
सिंह	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	३३६।०५
४	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३१	४२	५३	४	१४	२५	३६	४७	११।१२
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३२४।३९
५	५८	८	१९	३०	४०	५१	२	१३	२३	३४	४५	५६	६	१७	२८	३९	४९	०	११	२२	३२	४३	५४	५	१६	२७	३७	४८	५९	१०	१०।४९
तुला	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३२४।३९
६	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	४०	५१	२	१३	२४	३५	४७	५८	९	२१	३२	४३	१०।४९
वृश्चिक	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	३३६।०५
७	५५	६	१७	२९	४०	५१	३	१४	२५	३७	४८	०	११	२२	३४	४५	५६	८	१९	३०	४२	५३	४	१५	२७	३८	४९	०	११	२३	११।१२
धनु	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	३३६।५६
८	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५०	१	१२	२३	३४	४४	५५	५	१६	२७	३७	४७	५८	८	१८	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	११।१४
मकर	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	३०६।४२
९	४८	५८	८	१७	२७	३७	४६	५५	५	१४	२३	३३	४२	५१	०	९	१८	२७	३६	४५	५३	२	११	१९	२८	३६	४५	५३	२	१०	१०।१३
कुम्भ	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	२६२।०५
१०	१९	२७	३५	४३	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३५	४३	५१	५९	६	१४	२२	३०	३७	४५	५३	०	८	८।४४
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२३३।३४
११	१६	२३	३१	३९	४६	५४	१	९	१७	२४	३२	३९	४७	५५	२	१०	१८	२५	३३	४१	४९	५६	४	१२	२०	२७	३५	४३	५१	५९	७।४७

॥ लग्न सारणी ॥ घटी-पल ॥ भूगोलिक अक्षांश: २२° ३०', अयनांश: २४° १५', अ.व्यंगु. पलभा ४।५६, चरखण्डा: ४७।५४, ३८।५६, १५।५५

आन्ध्र प्र. क्षे - मह । उड़ीसा क्षे - राउरकेला, सुंदर गढ़ । गुजरात क्षे - आणंद, कच्छ की खाड़ी, काठियावाड़ पेनिसुला, लेंका, गोधरा, छोटा उदयपुर, जामनगर, जासदन, डभोई, ढोलेरा, धोलका, धंधुका, दोहद, द्वारका, ध्रांगध्रा, नडियाद, पड्डा, पीटलैण्ड, पोर्ट ओखा, बड़ोदरा, बेटी, बोरसद, भाही, मुन्द्रा, मेहमदाबाद, मोरवी, मंडवी, राजकोट, लखतर, लिम्बडी, लूनावाडा, वांकानेर, वाघागन, सुरेन्द्रनगर । प.बंगाल क्षे - अलीपुर, आरामबाग, कोलकाता, खड़गपुर, चिनसूरा, चंदानिया, चंदननगर, चंद्रकोन, झाड़ग्राम, डायमंड हार्बर, तमलुक, नैहाटी, बाली, बारकपुर, बारानगर, बद्धेश्वर, भारपारा, मेदिनीपुर, सीरामपुर, हुगली, हैओला । बिहार क्षे - ल्वारलावान, चाइबासा, जमशेदपुर, पालकोट, पोराहत, बामिया, सरायकेला, सारंदा, सिंघभूम, सुवर्नरेखा । मध्य प्र. क्षे - अदीगाँव, अली राजपुर, अमजेरा, इंदौर, इटारसी, कवार्धा, कुक्षी, गदरवारा, चपा, छिंदवाड़ा, जाबलपुरनगर, जोबत, झाबुआ, डींडोरी, देवास, धर्मजयगढ़, धार, नरसिंहपुर, पचमढ़ी, पंचमढ़ी, बदनूर, बाड़वानी, बिलासपुर, महेश्वर हिल्स, महेश्वर, माकराज, मानपुर, माऊ, मेमापर, मंडला, रतनपुर, राबकोंच, रामनगर, लल्मनदोन, विनाया, साकी, सिवनी, सीओनी-मालवा, सोहागपुर, हरदा, होशंगाबाद । बंगलादेश क्षे - कर्णाफूली, खुलना, चिलागांव, चैल्ला, बारीसाल इत्यादि (उत्तर अक्षांश: २२ से २३ तक वाले सभी) नगरों के लिए

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशोदय पलानि
मेष	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	२३१।१३
०	५	१३	२१	२९	३७	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४२	५०	५८	७	१५	२३	३२	४०	४९	५८	६	१५	२४	३३	४२	५०	५९	८	७।४२
वृष	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	२६०।०९
१	१७	२७	३६	४५	५४	४	१३	२२	३२	४२	५१	१	११	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५१	१	११	२२	३२	४३	५३	४	८।४०
मिथुन	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	३०५।५३
२	१४	२५	३६	४७	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४८	५९	१०	२१	३२	४४	५५	६	१८	२९	४०	५२	३	१४	२६	३७	१०।१२
कर्क	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	३३७।४४
३	४९	०	११	२३	३४	४६	५७	८	२०	३१	४३	५४	५	१७	२८	३९	५१	२	१४	२५	३६	४७	५९	१०	२१	३२	४४	५५	६	१७	११।१५
सिंह	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	३३८।०१
४	२८	३९	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३५	४६	११।१६
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३२७।००
५	५७	८	१९	२९	४०	५१	२	१३	२४	३४	४५	५६	७	१८	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	१०।५४
तुला	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३२७।००
६	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४७	५८	९	२०	३२	४३	५४	५	१७	२८	३९	५१	२	१३	२५	३६	४७	१०।५४
वृश्चिक	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	३३८।०१
७	५९	१०	२१	३३	४४	५६	७	१८	३०	४१	५३	४	१६	२७	३८	५०	१	१२	२४	३५	४६	५८	९	२०	३२	४३	५४	५	१६	२८	११।१६
धनु	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	३३७।४४
८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	६	१७	२८	३९	४९	०	११	२१	३२	४२	५२	३	१३	२३	३३	४४	५४	४	१४	२४	३३	४३	११।१५
मकर	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	३०५।५४
९	५३	३	१२	२२	३१	४१	५०	०	९	१८	२७	३७	४६	५५	४	१३	२२	३१	३९	४८	५७	५	१४	२३	३१	४०	४८	५६	५	१३	१०।१२
कुम्भ	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	२६०।०९
१०	२१	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२१	२९	३७	४५	५२	०	८	१५	२३	३१	३८	४६	५३	१	९	८।४०
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२३१।१३
११	१६	२४	३१	३९	४६	५४	१	९	१६	२४	३२	३९	४७	५४	२	९	१७	२५	३२	४०	४७	५५	३	१०	१८	२६	३४	४१	४९	५७	७।४२

॥ लग्न सारणी ॥ घटी-पल ॥ अक्षांश: २३° ३०', अयनांश: २४° १५', अ.व्यंगु. पलभा ५।११, चरखण्डा: ५०।१७, ४०।५४, १६।४४

गुजरात क्षे - अहमदाबाद, इदर, कच्छ छोटारण, कादी, कालोल, कंडला, खदीर, खारागोडा, खेराल, गांधीधाम, गांधीनगर, घटीला, जखु, पखम, पराटीज, पाटन, बेला, भुज, मागोरी, मालीया, मेहसाना, मोवासा, रापर, रैढानपुर, लखपत, विरमगाँव, सदरा, सिद्धपुर, हिम्मतनगर । त्रिपुरा क्षे - अगरतला, उदयपुर । प.बंगाल क्षे - आसनसोल, कटोया, कोटालपुर, कृष्णनगर, चितरंजन, तीलमारा, दामोदर, दुर्गापुर, नवद्वीप, पुरुलिया, पलासी, बर्धमान, बालदंगा, बाकुड़ा, बेलातोल, रघुनाथपुर, रानाघाट, विष्णुपुर, शान्तिपुर । बिहार क्षे - गोविन्दपुर, छोटा नागपुर, झरिया, डोरन्डा, धनबाद, पालामऊ, बर्मो बोकारो, मकहरी, रामगढ़, रांची, लोहारदागा, हजारी बाग । मध्य प्र. क्षे - अगर, अस्ता, उज्जैन, उमारिआ, अंबिकापुर, कान्नि, खाचरौद, घलगली, जबलपुर, जनकपुर, जौरा, डोरी, दामोह, नवाब बगोदा, नागदा, नर्सिंगगढ़, पतहारि, पिपिहरा, पंच पीपलोदा, ब्यावरा, भोपाल, महेन्द्रगढ़, मुहम्मदगढ़, मुरवारा, मेहदीपुर, रतलाम, रेहली, रामकोला, रामपुरा, रायसेन, विदिशा, शहडोल, शाहपुर, शाजापुर, सागर, सारंगपुर, सिहोर, सुजालपुर, सेहोर, सैलाना, सोनहत । मिजोरम क्षे - अजवाल । राजस्थान क्षे - गालिआकोट, गगरर, डूंगरपुर, टाग, बासवाड़ा । बंगलादेश क्षे - कुश्तिया, कोमिला, कोटचंदपुर, चांदपुर, जैसोर, टीपरा, ढाका, फरीदपुर, मेहरपुर इत्यादि (उत्तर अक्षांश: २३ से २४ तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशोदय पलानि
मेष	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	२२८।५०
०	३	११	१९	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३१	३९	४७	५५	३	१२	२०	२९	३७	४६	५४	३	११	२०	२९	३८	४७	५५	४	७।३८
वृष	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	२५८।११
१	१३	२३	३२	४१	५०	५९	९	१८	२८	३७	४७	५६	६	१६	२५	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४६	५६	६	१७	२७	३८	४८	५९	८।३६
मिथुन	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	३०५।०५
२	९	२०	३१	४२	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५४	५	१६	२७	३९	५०	१	१३	२४	३५	४७	५८	१०	२१	३२	१०।१०
कर्क	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	३३८।३३
३	४४	५५	७	१८	३०	४१	५३	४	१६	२७	३९	५०	१	१३	२४	३६	४७	५८	१०	२१	३३	४४	५५	७	१८	२९	४१	५२	३	१४	११।१७
सिंह	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	३३९।५९
४	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	११।२०
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३२९।२३
५	५७	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	१०।५९
तुला	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३२९।२३
६	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४३	५४	५	१६	२७	३८	५०	१	१२	२४	३५	४६	५७	९	२०	३१	४३	५४	६	१७	२८	४०	५१	१०।५९
वृश्चिक	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	३३९।५९
७	३	१४	२६	३७	४९	०	११	२३	३४	४६	५७	९	२०	३२	४३	५४	६	१७	२९	४०	५१	३	१४	२५	३७	४८	५९	१०	२२	३३	११।२०
धनु	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	३३८।३३
८	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२२	३३	४४	५४	५	१६	२६	३७	४७	५७	८	१८	२८	३८	४८	५८	८	१८	२८	३८	४८	११।१७
मकर	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	३०५।०५
९	५८	७	१७	२६	३६	४५	५५	४	१३	२२	३२	४१	५०	५९	८	१७	२५	३४	४३	५२	०	९	१७	२६	३४	४३	५१	५९	८	१६	१०।१०
कुम्भ	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	२५८।११
१०	२४	३२	४०	४९	५७	५	१३	२१	२८	३६	४४	५२	०	८	१५	२३	३१	३८	४६	५४	१	९	१६	२४	३२	३९	४७	५४	२	९	८।३६
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२२८।५०
११	१७	२४	३१	३९	४६	५४	१	९	१६	२४	३१	३९	४६	५४	१	९	१६	२४	३१	३९	४६	५४	१	९	१७	२४	३२	४०	४७	५५	७।३८

॥ लग्न सारणी ॥ घटी-पल ॥ भूगोलिक अक्षांश: २४° ३०', अयनांश: २४° १५', अं.व्यंगु, पलभा ५।२६, चरखण्ड [illegible]

आसाम के - कचार, सिलचर । **उत्तर प्र. के** - अहरापुरा, ललितपुर । **गुजरात के** - कच्छ बखाना, ... । **प.बंगाल के** - जंगीपुर, बहरामपुर, **मुर्शिदाबाद**, लम्बाड । **बिहार के** - इचक, औरंगाबाद, गया, गिरीडीह, ... । **मध्य प्र. के** - ... । **मणिपुर के** - इम्फाल, लोकटक । **राजस्थान के** - आबू रोड, उदयपुर, ... । **बंगलादेश के** - किशोरगंज, जगन्नाथगंज, जमालपुर, जमुना, ... पबना, मैमनसिंग, राजशाही, सिलहट । **पाकिस्तान के** - इन्डस, कराची इत्यादि (उत्तर अक्षांश: २४ से २५ तक वाले सभी) नगरों के लिए

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशोदय पलानि
मेष	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	२२६।२४
०	१	९	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	९	१७	२५	३४	४२	५१	५९	८	१६	२५	३४	४३	५२	०	७।३३
वृष	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	२५६।११
१	९	१८	२७	३७	४६	५५	४	१४	२३	३२	४२	५२	१	११	२१	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४१	५१	१	१२	२२	३२	४३	५४	८।३२
मिथुन	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	३०४।१५
२	४	१५	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	०	११	२२	३४	४५	५६	८	१९	३०	४२	५३	५	१६	२८	१०।०८
कर्क	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	३३९।२२
३	३९	५१	२	१४	२५	३७	४८	०	११	२३	३४	४६	५७	९	२०	३२	४३	५५	६	१८	२९	४०	५२	३	१५	२६	३७	४९	०	११	११।१९
सिंह	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	३४१।५९
४	२३	३४	४५	५६	८	१९	३०	४१	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	११।२४
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३३१।४९
५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१६	११।०४
तुला	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३३१।४९
६	२७	३८	४९	०	११	२३	३४	४५	५६	८	१९	३०	४१	५३	४	१५	२७	३८	४९	१	१२	२४	३५	४७	५८	९	२१	३२	४४	५५	११।०४
वृश्चिक	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	३४१।५९
७	७	१८	३०	४१	५३	४	१६	२७	३९	५०	२	१३	२५	३६	४८	५९	११	२२	३४	४५	५६	८	१९	३०	४२	५३	४	१६	२७	३८	११।२४
धनु	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	३३९।२२
८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३८	४९	०	१०	२१	३१	४२	५२	२	१३	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	११।१९
मकर	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	३०४।१५
९	२	१२	२५	३१	४०	५०	५९	८	१८	२७	३६	४५	५४	३	१२	२०	२९	३८	४७	५५	४	१२	२१	२९	३८	४६	५४	३	११	१९	१०।०८
कुम्भ	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	२५६।११
१०	२७	३५	४३	५१	५९	७	१५	२३	३१	३९	४६	५४	२	९	१७	२५	३२	४०	४७	५५	३	१०	१८	२५	३३	४०	४७	५५	२	१०	८।३२
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२२६।२४
११	१७	२४	३२	३९	४७	५४	१	९	१६	२३	३१	३८	४६	५३	०	८	१५	२३	३०	३८	४५	५३	०	८	१५	२३	३०	३८	४६	५३	७।३३

॥ लग्न सारणी ॥ घटी-पल ॥ अक्षांश: २५° ३०', अयनांश: २४° १५', अं.व्यंगु, पलभा ५।४१, चरखण्ड: ५५।१०, ४४।५६, १८।२५

आसाम के - लामडिंग । **उत्तर प्र. के** - इलाहाबाद, औरल, फतेहा, कामाशिन, गाजीपुर, बारकारी, चुनार, जिगनी, जौनपुर, झांसी, फतेहपुर, कुलपुर, प्रतापगढ़, प्रयाग, बलिया, बांदा, बेलागंज, भदोही, जोनपुर, मछलीशहर, महोबा, मऊ, मिर्जापुर, मुगल सराय, यमुना, वाराणसी, ... । **गुजरात के** - बड़ोदा । **नागालैण्ड के** - कोहिमा, जापोत, दीमापुर । **प.बंगाल के** - इंगराज बाजार, बालुरघाट, ... रानीगंज । **बिहार के** - आरा, कटिहार, कोलगांव, गोगरी, छपरा, जमालपुर, डुमरांव, दीनापुर, धनगेन, पटना, पूर्णिया, बक्सर, बांकीपुर, भागलपुर, मधेपुरा, मुंगेर, ... राजमहल, शेखपुरा, सहरसा, समस्तीपुर, साहिबगंज, सोनपुर, हाजीपुर । **मध्य प्र. के** - अलीपुरा, ओरछा, ... गरौली, गहिरा, दतिया, ... नारायणपुर, ... बजना, बारानंदा, बेरी, बंका पहाड़ी, लुगासी, शिवपुरी, श्योपुर, समथर, सेल्वाड़ । **मेघालय के** - खासी और जैंतिया हिल्स, चेरापुंजी, शिलांग । **राजस्थान के** - अलीगढ़, अरावली पर्वत मा.., अंविल, इरिनपुरा, इटरगढ़, कोटा, गुलो, चौहटन, जहाजपुर, जालोर, बौली, पचपदरा, पाली, बाड़मेर, बालोतरा, बारी, बाड़मेर, बूंदी, बैकली, भादराजन, भीलवाड़ा, भीनमाल, मांडलगढ़, मारवाड़ जंक्शन, मैनवा, शाहाबाद, शाहपुरा, सवाई माधोपुर, सिंदरी, सिवाना, सोजत । **बंगलादेश के** - कुरीगांव, दिनाजपुर, दुर्गापुर, रंगपुर । **पाकिस्तान के** - मीरपुर खास, हैदराबाद इत्यादि (उत्तर अक्षांश: २५ से २६ तक वाले सभी) नगरों के लिए

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशोदय पलानि
मेष	२	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	२२३।५६
०	५९	७	१४	२२	३०	३८	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४१	४९	५७	५	१४	२२	३०	३९	४७	५६	४	१३	२१	३०	३९	४७	५६	७।२८
वृष	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	२५४।०९
१	५	१४	२३	३२	४१	५१	०	९	१८	२८	३७	४७	५६	६	१६	२५	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४६	५६	६	१७	२७	३८	४८	८।२८
मिथुन	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	३०३।२४
२	५९	९	२०	३१	४२	५३	३	१४	२५	३६	४७	५८	१०	२१	३२	४३	५४	६	१७	२८	४०	५१	३	१४	२५	३७	४८	०	११	२३	१०।०७
कर्क	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	३४०।१३
३	३४	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	४२	५३	५	१६	२८	३९	५१	२	१४	२५	३७	४८	०	११	२२	३४	४६	५७	८	११।२०
सिंह	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	३४४।०५
४	२०	३१	४२	५४	५	१६	२८	३९	५०	२	१३	२४	३५	४६	५८	९	२०	३१	४२	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	११।२८
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३३४।१७
५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२२	३३	४४	५५	६	१८	११।०९
तुला	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	३३४।१७
६	२९	४०	५१	२	१४	२५	३६	४८	५९	१०	२२	३३	४४	५६	७	१९	३०	४१	५३	४	१६	२७	३९	५०	२	१३	२५	३६	४८	५९	११।०९
वृश्चिक	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	३४४।०५
७	११	२३	३४	४६	५७	९	२०	३२	४३	५५	७	१८	३०	४१	५३	४	१६	२७	३९	५०	२	१३	२५	३६	४७	५८	१०	२१	३२	४३	११।२८
धनु	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	३४०।१३
८	५४	५	१७	२८	३९	५०	०	११	२२	३३	४४	५४	५	१६	२६	३७	४७	५७	८	१८	२८	३८	४८	५८	८	१८	२८	३८	४८	५७	११।२०
मकर	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	३०३।२४
९	७	१७	२६	३६	४५	५४	४	१३	२२	३१	४०	४९	५८	७	१६	२४	३३	४२	५०	५९	८	१६	२४	३३	४१	४९	५८	६	१४	२२	१०।०७
कुम्भ	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	२५४।०९
१०	३०	३८	४६	५४	२	१०	१७	२५	३३	४१	४८	५६	४	११	१९	२६	३४	४१	४९	५६	३	११	१९	२६	३३	४१	४८	५५	३	१०	८।२८
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२२३।५६
११	१८	२५	३२	३९	४७	५४	१	९	१६	२३	३०	३८	४५	५२	०	७	१४	२२	२९	३७	४४	५१	५९	६	१४	२१	२९	३६	४४	५१	७।२८

॥ लग्न सारणी ॥ घटी-पल ॥ भूगोलिक अक्षांश: २६° ३०', अयनांश: २४° १५', अं.व्यंगु. पलभा ५।५७, चरखण्डा: ५७।४१, ४७।०१, १९।१७

आसाम के - गोलपारा, गोलाघाट, गौहाटी, जोरहाट, डारंग, तेजपुर, धीरापुर, धुबरी, नौगांव, पांडू, बीसनाथ, ब्रह्मपुत्रा, मंगलदाइ, शिवसागर। **उत्तर प्र. के** - अमेठी, अयोध्या, आजमगढ, इटावा, कानपुर, कोसी, गोरखपुर, घटामपुर, जलालपुर, जालौन, डालमू, तान्डा, देवरिया, नवाबगंज, पडराउना, फैजाबाद, बरहज, बस्ती, बाराबंकी, बिठूर, बीन्दकी, मेहन्डवाल, मुश्री, राय बरेली, लखनऊ, सुल्तानपुर। **नागालैण्ड के** - तुनसेनग, नागा हिल्स। **प.बंगाल के** - अलीपुरदौड, कूचबिहार, जलपाईगुडी, बक्सापुर, सिलीगुडी। **बिहार के** - कोताइ, किशनगंज, गोपालगंज, गंडक, जयनगर, दरभंगा, बेतिया, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, मोतीहारी, सागाउली, सिवान, सीतामढी। **मध्य प्र. के** - ग्वालियर, भींड, भिंड, मुरैना, गोरार, लश्कर। **राजस्थान के** - अजमेर, असोप, कारावली, गंगापुर, चाकसू, जयपुर, जैसलमेर, जोधपुर, टोंक, टोडाराय सिंग, नान्तापुर, देवीकोट, धौलपुर, नरेना, नसीराबाद, पीपर, फुलेरा, पोकरन, बनास, बालाहारा, बीवार, मालपुरा, मेडता, रूपनगर, लालसोट, लावा, लूनी, ब्यावर, सांभर, सांगानेर। **भूटान के** - देवगिरी। **नेपाल के** - काठमाण्डू, धनकुटा इत्यादि (उत्तर अक्षांश: २६ से २७ तक वाले सभी) नगरों के लिए

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशोदय पलानि
मेष	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	२२१।२६
०	५७	५	१२	२०	२७	३५	४३	५१	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	२७	३५	४३	५२	०	९	१७	२६	३४	४३	५२	७।२३
वृष	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	२५२।०४
१	१	१०	१९	२८	३७	४६	५५	४	१४	२३	३२	४२	५१	१	११	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५१	१	११	२२	३२	४३	८।२४
मिथुन	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	३०२।३२
२	५३	४	१५	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२७	३८	४९	०	१२	२३	३४	४६	५७	९	२०	३२	४३	५५	६	१८	१०।०५
कर्क	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	३४१।०५
३	३०	४१	५३	४	१६	२८	३९	५१	२	१४	२६	३७	४९	१	१२	२४	३५	४७	५९	१०	२२	३३	४५	५६	८	१९	३१	४२	५४	५	११।२२
सिंह	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	३४६।०६
४	१७	२८	४०	५१	२	१४	२५	३७	४८	५९	११	२२	३३	४५	५६	७	१८	३०	४१	५२	३	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२२	३३	४४	११।३२
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३३६।४७
५	५५	६	१७	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४७	५८	९	२०	३१	४२	५४	५	१६	२७	३८	५०	१	१२	२३	३४	४६	५७	८	१९	११।१४
तुला	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	३३६।४७
६	३१	४२	५३	५	१६	२७	३९	५०	२	१३	२४	३६	४७	५९	१०	२२	३३	४५	५६	८	१९	३१	४२	५४	६	१७	२९	४०	५२	४	११।१४
वृश्चिक	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	३४६।०६
७	१५	२७	३८	५०	२	१३	२५	३७	४८	०	११	२३	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	४१	५२	४	१५	२६	३७	४९	११।३२
धनु	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	३४१।०५
८	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३८	४९	०	१०	२१	३१	४२	५२	३	१३	२३	३३	४४	५४	४	१४	२३	३३	४३	५३	२	११।२२
मकर	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	३०२।३२
९	१२	२१	३१	४०	५०	५९	८	१७	२६	३५	४४	५३	२	११	२०	२८	३७	४६	५४	३	११	२०	२८	३६	४४	५३	१	९	१७	२५	१०।०५
कुम्भ	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	२५२।०४
१०	३३	४१	४९	५७	४	१२	२०	२८	३५	४३	५१	५८	६	१३	२१	२८	३६	४३	५०	५८	५	१३	२०	२७	३५	४२	४९	५६	४	११	८।२४
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२२१।२६
११	१८	२५	३२	४०	४७	५४	१	८	१६	२३	३०	३७	४५	५२	५९	६	१४	२१	२८	३५	४३	५०	५७	५	१२	२०	२७	३४	४२	४९	७।२३

॥ लग्न सारणी ॥ घटी-पल ॥ अक्षांश: २७° ३०', अयनांश: २४° १५', अं.व्यंगु. पलभा ६।१२, चरखण्डा: ६०।१४, ४९।०८, २०।१०

अरुणाचल प्र. के - इटानगर, तवांग। **आसाम के** - उत्तरलखीमपुर, जयपुर, डिब्रूगढ, डोगबोल, तिनसुकिया, गटकईप मा., सदिया। **उत्तर प्र. के** - अलीगढ, आगरा, बुध, उस्का, उतारोउला, कन्नौज, कोइल, खेरी, गोमती, गोण्डा, घाघरा, नानपारा, फर्रुखाबाद, फतेहगढ, फिरोजाबाद, बलरामपुर, बहराइच, बांसी, मथुरा, मैनपुरी, लखीमपुर, वृन्दावन, शाहाबाद, शाहजहानपुर, सिधाली, सिकंदरा, सीतापुर, सोरो, हरदोई, हाथरस। **नागालैण्ड के** - पटकइ हिल्स। **प.बंगाल के** - दार्जीलिंग। **राजस्थान के** - अलवर, उदयपुर वाटी, किशनगढ, कुचामन, खेतडी, खंडेला, गोटाक, ग्रेट इंडियन डिसर्ट, चोमू, डीडवाना, डीग, नगाना, नवलगढ, नागौर, फतेहपुर, फलोदी, पाटन, बसवा, बाप, बीकमपुर, भरतपुर, मोहनगढ, रींगस, लक्ष्मणगढ, लाडनू, शाहगढ, सिघाना, सीकर, सुजानगढ, श्रीकोलायतजी, श्री माधोपुर। **सिक्किम के** - गंगटोक। **हरियाणा के** - फिरोजपुर झिर्का। **भूटान के** - थिम्पू, धीरंग जोंग, पुनाखा, पैरो, हीमालय प.माला। **नेपाल के** - अमलकगंज, कांचनगंगा, गोरखा, नेपालगंज, पल्पा, पाटन, भटगाँव। **पाकिस्तान के** - लरकाना, सुक्कुर इत्यादि (उत्तर अक्षांश: २७ से २८ तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशोदय पलानि
मेष	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	२१८।५३
०	५५	२	१०	१७	२५	३३	४०	४८	५६	३	११	१९	२७	३५	४३	५१	५९	७	१५	२३	३१	४०	४८	५६	५	१३	२२	३०	३९	४८	७।१८
वृष	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	२४९।५७
१	४७	५	१४	२३	३२	४१	५०	०	९	१८	२८	३७	४७	५६	६	१५	२५	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	५६	६	१६	२७	३७	८।२०
मिथुन	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	३०१।३८
२	४८	५८	९	२०	३१	४२	५२	३	१४	२५	३६	४८	५९	१०	२१	३२	४४	५५	६	१८	२९	४१	५२	४	१५	२७	३८	५०	१	१३	१०।०३
कर्क	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	३४१।५९
३	२५	३६	४८	०	११	२३	३५	४६	५८	१०	२१	३३	४५	५६	८	२०	३१	४३	५५	६	१८	३०	४१	५३	४	१६	२८	३९	५१	२	११।२४
सिंह	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	३४८।१३
४	१४	२५	३७	४८	०	११	२३	३४	४६	५७	८	२०	३१	४३	५४	५	१७	२८	३९	५१	२	१३	२५	३६	४७	५८	१०	२१	३२	४३	११।३६
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३३९।२०
५	५५	६	१७	२८	४०	५१	२	१३	२४	३६	४७	५८	९	२१	३२	४३	५४	६	१७	२८	४०	५१	२	१३	२५	३६	४७	५९	१०	२१	११।१९
तुला	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	३३९।२०
६	३३	४४	५६	७	१८	३०	४१	५३	४	१६	२७	३९	५०	२	१३	२५	३७	४८	०	११	२३	३५	४६	५८	१०	२१	३३	४५	५६	८	११।१९
वृश्चिक	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	३४८।१३
७	२०	३१	४३	५५	६	१८	३०	४१	५३	५	१६	२८	४०	५१	३	१४	२६	३८	४९	१	१२	२४	३५	४६	५८	९	२०	३२	४३	५४	११।३६
धनु	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	३४१।५९
८	५	१६	२८	३९	५०	१	११	२२	३३	४४	५५	५	१६	२६	३७	४७	५८	८	१८	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३८	४८	५८	७	११।२४
मकर	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	३०१।३८
९	१७	२६	३६	४५	५४	४	१३	२२	३१	४०	४९	५८	७	१५	२४	३३	४१	५०	५८	७	१५	२३	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	१०।०३
कुम्भ	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	२४९।५७
१०	३६	४४	५२	५९	७	१५	२२	३०	३८	४५	५३	०	८	१५	२३	३०	३७	४५	५२	५९	७	१४	२१	२८	३६	४३	५०	५७	४	११	८।२०
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२१८।५३
११	११	२६	३३	४०	४७	५४	१	८	१६	२३	३०	३७	४४	५१	५८	५	१३	२०	२७	३४	४१	४९	५६	३	११	१८	२५	३३	४०	४७	७।१८

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशोदय पलानि
धनु	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	३४१।४१
८	५	१६	२८	३९	५०	१	१२	२२	३३	४४	५५	५	१६	२६	३७	४७	५८	८	१८	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३८	४८	५८	७	११।२४
मकर	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	३०९।३८
९	१७	२६	३६	४५	५४	४	१३	२२	३१	४०	४९	५८	७	१५	२४	३३	४१	५०	५८	७	१५	२३	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	१०।०३
कुंभ	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	२४९।४७
१०	३६	४४	५२	५९	७	१५	२२	३०	३८	४५	५२	०	८	१५	२२	३०	३७	४५	५२	५९	७	१४	२१	२८	३६	४३	५०	५७	४	११	८।२०
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२९८।४३
११	१९	२६	३३	४०	४७	५४	१	८	१६	२३	३०	३७	४४	५१	५८	५	१३	२०	२७	३४	४१	४९	५६	३	११	१८	२५	३३	४०	४७	७।१८

॥ लग्न सारणी ॥ घटी-पल ॥ भूगोलिक अक्षांशः २८° ३०', अयनांशः २४° १५', अं.व्यंगु. पलभा ६।२८, चरखण्डाः ६२।५०, ५१।१८, २१।०५

उत्तर प्र. के - अमरोहा, खुरजा, **गाजियाबाद**, **चंडासट**, नीधासन, पीलीभीत, बरेली, **बुलंदशहर**, बुढान, मुरादाबाद, रामपुर, कहेलखण्ड, संबल, हापुर । **दिल्ली के - दिल्ली, सहाद्रि** । **पंजाब के** - चरखी दादरी, **दूजाना**, मोहीन्दर । **राजस्थान के** - चिडावा, चूरु, **झुझुनू**, झुमोली, **डूंडलोद**, **तौंवा**, दसरापुर, नूरबहादरा, पिलानी, पुगाल, **बिसाऊ**, बीकानेर, बीसलपुर, महाजन, रतनगढ़, राजगढ़, रामगढ़, रेनी, सरदारशहर, सूरजगढ़ । **हरियाणा के** - अटेलीमण्डी, **गुड़गावाँ**, नारनौल, फरीदाबाद, पटौदी, भिवानी, महेन्द्रगढ़, रियाडी, लोहारू, सोनीपत । **नेपाल के** - अन्नपूर्णा शिखर, एवरेस्ट, कृष्णा, पोखरा, मुक्तिनाथ, लकुम्कोट, सेल्याना । **पाकिस्तान के** - बहावलपुर, बलूचिस्तान इत्यादि (उत्तर अक्षांश २८ से २९ तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशोदय पलानि
मेष	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	२९६।१७
०	५३	०	८	१५	२३	३०	३८	४५	५३	१	८	१६	२४	३२	३९	४७	५५	३	११	२०	२८	३६	४४	५२	१	९	१८	२६	३५	४३	७।१३
वृष	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	२७७।१७
१	५२	१	१०	१९	२८	३७	४६	५५	४	१३	२३	३२	४१	५१	०	१०	२०	३०	३९	४९	५९	९	१९	३०	४०	५०	०	११	२१	३२	८।१६
मिथुन	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	३००।४४
२	४२	५३	४	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२७	३८	४९	१	१२	२४	३५	४७	५८	१०	२१	३३	४५	५६	८	१०।०१
कर्क	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	३४२।५३
३	२०	३१	४३	५५	६	१८	३०	४२	५३	५	१७	२८	४०	५२	४	१५	२७	३९	५१	२	१४	२६	३७	४९	१	१३	२४	३६	४७	५९	११।२६
सिंह	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	३५०।२३
४	११	२२	३४	४५	५७	९	२०	३२	४३	५५	६	१८	२९	४१	५२	३	१५	२६	३८	४९	१	१२	२३	३५	४६	५७	९	२०	३१	४३	११।४१
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४९।४६
५	५४	५	१७	२८	३९	५१	२	१३	२५	३६	४७	५९	१०	२१	३३	४४	५५	७	१८	२९	४१	५२	४	१५	२६	३८	४९	१	१२	२४	११।२४
तुला	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	३४९।४६
६	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५६	७	१९	३०	४२	५३	५	१७	२८	४०	५२	३	१५	२७	३८	५०	२	१४	२५	३७	४९	०	१२	११।२४
वृश्चिक	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	३५०।२३
७	२४	३६	४७	५९	११	२३	३४	४६	५८	१०	२१	३३	४५	५६	८	२०	३१	४३	५४	६	१७	२९	४०	५२	३	१५	२६	३७	४९	०	११।४१
धनु	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	३४२।५३
८	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	०	११	२२	३२	४३	५३	३	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५३	३	१२	११।२६
मकर	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	३००।४४
९	२२	३१	४१	५०	५९	८	१८	२७	३६	४५	५३	२	११	२०	२८	३७	४५	५३	२	११	१९	२७	३५	४३	५१	०	८	१६	२३	३१	१०।०१
कुंभ	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	२७७।१७
१०	३९	४७	५५	२	१०	१७	२५	३३	४०	४८	५५	२	१०	१७	२४	३२	३९	४६	५४	१	८	१५	२२	२९	३७	४४	५१	५८	५	१२	८।१६
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२९६।१७
११	१९	२६	३३	४०	४७	५४	१	८	१५	२२	२९	३६	४३	५१	५८	५	१२	१९	२६	३३	४०	४७	५५	२	९	१६	२३	३१	३८	४५	७।१३

॥ लग्न सारणी ॥ घटी-पल ॥ अक्षांशः २९° ३०', अयनांशः २४° १५', अं.व्यंगु. पलभा ६।४५, चरखण्डाः ६५।२९, ५३।३९, २२।०१

उत्तर प्र. के - अल्मोड़ा, डोबेन्ड, तराई स्वेम्प, तानकपुर, नगीना, नैनिताल, बिजनौर, **मुजफ्फरनगर**, मेरठ, रानीखेत, रुड़की, सहारनपुर, हल्दवानी, हरिद्वार । **राजस्थान के** - अनूपगढ़, गंगानगर, नोहर, भादरा, रावतसर, सूरतगढ़, हनुमानगढ़ । **हरियाणा के** - इलानाबाद, करनाल, कैथल, जीद, थानेसर, फतेहबाद, पानीपत, पीहोवा, रानिया, रोहतक, रोरी, लाडवा, सिरसा, हांसी, हिसार । **नेपाल के** - जुमला, धोलगिरी, सील ग्रही । **पाकिस्तान के** - अहमदपुर, अलीपुर इत्यादि (उत्तर अक्षांश २९ से ३० तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशोदय पलानि
मेष	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	२९३।३८
०	५१	५८	५	१३	२०	२७	३५	४२	५०	५८	५	१३	२१	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५७	५	१३	२२	३०	३९	७।०७
वृष	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	२७५।३५
१	४८	५६	५	१४	२३	३२	४१	५०	५९	८	१७	२७	३६	४६	५५	५	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२५	३५	४५	५५	६	१६	२६	८।११
मिथुन	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	२९९।५८
२	३६	४७	५८	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	१०	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	४१	५३	४	१६	२८	३९	५१	३	१०।००
कर्क	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	३४३।४९
३	१४	२६	३८	५०	१	१३	२५	३७	४९	०	१२	२४	३६	४८	५९	११	२३	३५	४७	५८	१०	२२	३४	४५	५७	९	२१	३२	४४	५५	११।२८
सिंह	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	३५२।३६
४	८	१९	३१	४३	५४	६	१७	२९	४१	५२	४	१५	२७	३९	५०	२	१३	२५	३६	४८	५९	११	२२	३४	४५	५६	८	१९	३१	४२	११।४५
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३५३।३६
५	५४	५	१६	२८	३९	५१	२	१३	२५	३६	४८	५९	११	२२	३३	४५	५६	८	१९	३१	४२	५४	५	१६	२८	३९	५१	३	१४	२६	११।२९
तुला	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	३५३।३६
६	३७	४९	०	१२	२३	३५	४७	५८	१०	२२	३३	४५	५७	८	२०	३२	४३	५५	७	१९	३०	४२	५४	६	१८	२९	४१	५३	५	१७	११।२९
वृश्चिक	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	३५२।३६
७	२८	४०	५२	४	१६	२८	३९	५१	३	१५	२६	३८	५०	२	१३	२५	३७	४८	०	११	२३	३४	४६	५७	९	२०	३२	४३	५५	६	११।४५
धनु	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	३४३।४९
८	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५५	६	१७	२७	३८	४८	५९	९	१९	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	३९	४९	५९	८	१८	११।२८
मकर	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	२९९।५८
९	२७	३७	४६	५५	४	१३	२२	३१	४०	४९	५८	७	१५	२४	३३	४१	५०	५८	६	१५	२३	३१	३९	४७	५५	३	११	१९	२७	३५	१०।००
कुंभ	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	२७५।३५
१०	४२	५०	५८	५	१३	२०	२८	३५	४३	५०	५७	५	१२	१९	२६	३४	४१	४८	५५	२	९	१६	२४	३१	३८	४५	५२	५९	६	१३	८।११
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२९३।३८
११	२०	२७	३३	४०	४७	५४	१	८	१५	२२	२९	३६	४३	५०	५७	४	११	१८	२५	३२	३९	४६	५३	०	७	१४	२२	२९	३६	४३	७।०७

|| लग्न सारणी || घटी-पल || भूगोलिक अक्षांशा: ३०° ३०', अयनांशा: २४° १५', अं.व्यंगु. पलभा ७/१, चरखण्डा: ६८/११, ५५/४७, २२/५८

उत्तर प्र. के - कामेट शिखर, गढवाल, टीहरी, देहरादून, बद्रीनाथ, मसूरी, शिवालिकप.मा. । **पंजाब के** - अबोहर, कोटकपूरा, कंडाघाट, खन्ना, धरमकोट, नाभा, फरीदकोट, पटियाला, फिरोजपुर, फ़ाजिल्का, बरनाला, भटिंडा, मच्छीवाडा, मलेरकोटला, मुक्तसर, मोगा, राजपुरा, रोपड, लुधियाना, शेरेहिन्द, सानावार, संगरुर । **हरियाणा के** - अंबाला, शाहाबाद । **हिमाचल प्र. के** - कसूली, छाछ्रुली, दगशी, नाहन, नालागढ, सोलन । **केंद्र शा. क्षे. के** - चंडीगढ । **पाकिस्तान के** - क्वेटा, चमन, डेरा गाजी खान, माउण्टगुमरी, मुलतान, हडप्पा, हरनाय । **चीन के** - तिब्बत इत्यादि (उत्तर अक्षांशा: ३० से ३१ तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशोदय पलानि
मेष	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	२१०/५१
०	४८	५६	३	१०	१८	२५	३२	४०	४७	५५	२	१०	१७	२५	३३	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५३	१	९	१८	२६	३५	७/०२
वृष	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	२४३/१८
१	४३	५२	०	९	१८	२७	३६	४५	५४	३	१२	२२	३१	४०	५०	५९	९	१९	२८	३८	४८	५८	८	१८	२८	३९	४९	५९	१०	२०	८/०७
मिथुन	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	२९८/५१
२	३१	४१	५२	३	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५३	४	१५	२७	३८	४९	१	१२	२४	३६	४७	५९	१०	२२	३४	४६	५७	९/५८
कर्क	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	३४४/४७
३	९	२१	३३	४४	५६	८	२०	३२	४४	५६	७	१९	३१	४३	५५	७	१९	३१	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	५	१७	२९	४१	५३	११/३०
सिंह	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	३५४/५२
४	४	१६	२८	४०	५१	३	१५	२६	३८	५०	२	१३	२५	३६	४८	०	११	२३	३४	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	४२	११/५०
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४७/१८
५	४३	५	१६	२८	३९	५१	२	१४	२५	३७	४८	०	११	२३	३४	४६	५७	९	२०	३२	४३	५५	६	१८	३०	४१	५३	४	१६	२८	११/३४
तुला	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	३४७/१८
६	३९	५१	३	१४	२६	३८	४९	१	१३	२४	३६	४८	०	१२	२३	३५	४७	५९	११	२३	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५७	९	२१	११/३४
वृश्चिक	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	३५४/५२
७	३३	४५	५७	९	२१	३२	४४	५६	८	२०	३२	४३	५५	७	१९	३०	४२	५४	५	१७	२९	४०	५२	३	१५	२६	३७	४९	०	११	११/५०
धनु	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	३४४/४७
८	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	१	१२	२३	३३	४४	५४	५	१५	२५	३५	४५	५६	६	१५	२५	३५	४५	५४	४	१४	२३	११/३०
मकर	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	२९८/५१
९	३२	४२	५१	०	९	१८	२७	३६	४५	५४	३	११	२०	२९	३७	४५	५४	२	१०	१९	२७	३५	४३	५१	५९	७	१४	२२	३०	३८	९/५८
कुंभ	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	२४३/१८
१०	४५	५३	१	८	१६	२३	३०	३८	४५	५२	०	७	१४	२१	२८	३६	४३	५०	५७	४	११	१८	२५	३२	३९	४६	५३	५९	६	१३	८/०७
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२१०/५५
११	२०	२७	३४	४१	४८	५४	१	८	१५	२२	२९	३५	४२	४९	५६	३	१०	१७	२४	३१	३८	४५	५२	५९	६	१३	२०	२७	३४	४१	७/०२

|| लग्न सारणी || घटी-पल || अक्षांशा: ३१° ३०', अयनांशा: २४° १५', अं.व्यंगु. पलभा ७/१८, चरखण्डा: ७०/५७, ५८/०६, २३/५७

पंजाब के - अमृतसर, आनंदपुर, उना, कपूरथला, करतारपुर, गारशंकर, जालंधर, जंदीआला, डेराबाबा, तरन तारन, तान्डा उर्मार, दसूया, नांगल, फगवाडा, बटाला, मजीथा, सूजानपुर, सूलतानपुर, सोबरेन, होशियारपुर । **हिमाचल प्र. के** - कोटकाइ, जवालामुखी, जोगींदरनगर, बानेड, बिलासपुर, मंडी, शिमला । **पाकिस्तान के** - इमरसन, कसूर, चिनोट, डेरा इस्माइल खान, रावी, लाहौर, शेखूपुरा, साहीवाल । **अफगानिस्तान के** - कंधार । **चीन के** - कैलाश, गरटोक, नोंचू डोंग इत्यादि (उत्तर अक्षांशा: ३१ से ३२ तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशोदय पलानि
मेष	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	२०८/०१
०	४६	५३	०	८	१५	२२	२९	३७	४४	५२	५९	७	१४	२२	२९	३७	४५	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	५	१३	२१	३०	६/५६
वृष	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	२४०/५१
१	३८	४७	५६	४	१३	२२	३१	४०	४९	५८	७	१६	२५	३५	४४	५४	३	१३	२३	३२	४२	५२	२	१२	२२	३३	४३	५३	४	१४	८/०२
मिथुन	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	२९७/५१
२	२५	३५	४६	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४७	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	४१	५३	५	१६	२८	४०	५२	९/५६
कर्क	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	३४५/४६
३	४	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१५	२६	३८	५०	२	१४	२६	३८	५०	२	१४	२६	३८	५०	२	१४	२५	३७	४९	११/३२
सिंह	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	३५७/११
४	१	१३	२५	३७	४८	०	१२	२४	३६	४७	५९	११	२३	३४	४६	५८	९	२१	३३	४५	५६	८	१९	३१	४३	५४	६	१८	२९	४१	११/५४
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३५०/०४
५	४२	४	१६	२७	३९	५०	२	१४	२५	३७	४८	०	१२	२३	३४	४७	५८	१०	२१	३३	४५	५६	८	२०	३१	४३	५५	६	१८	३०	११/४०
तुला	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	३५०/०४
६	४२	५३	५	१७	२९	४०	५२	४	१६	२८	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१४	२६	३८	५०	२	१४	२६	३८	५०	२	१४	२६	११/४०
वृश्चिक	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	३५७/११
७	३८	५०	२	१४	२६	३७	४९	१	१३	२५	३७	४९	१	१२	२४	३६	४८	५९	११	२३	३४	४६	५८	९	२१	३२	४३	५५	६	१७	११/५४
धनु	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	३४५/४६
८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	७	१८	२९	३९	५०	०	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५०	०	१०	१९	२९	११/३२
मकर	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	२९७/५२
९	३८	४७	५६	५	१४	२४	३२	४१	५०	५९	८	१६	२५	३३	४२	५०	५८	६	१५	२३	३१	३९	४७	५५	३	१०	१८	२६	३३	४१	९/५६
कुंभ	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	२४०/५१
१०	४९	५६	४	११	१८	२६	३३	४०	४८	५५	२	९	१६	२३	३०	३८	४५	५२	५९	५	१२	१९	२६	३३	४०	४७	५३	०	७	१४	८/०२
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२०८/०१
११	२१	२७	३४	४१	४८	५४	१	८	१५	२१	२८	३५	४२	४९	५५	२	९	१६	२३	२९	३६	४३	५०	५७	४	११	१८	२४	३२	३९	६/५६

|| लग्न सारणी || घटी-पल || भूगोलिक अक्षांशा: ३२° ३०', अयनांशा: २४° १५', अं.व्यंगु. पलभा ७/३६, चरखण्डा: ७३/४७, ६०/२९, २४/५८

जम्मू और कश्मीर के - ऊधमपुर, कठ्थ्यु, जम्मू, रामनगर, लद्दाख प.मा. । **पंजाब के** - गुरदासपुर, डेराबाबा नानक, दीनानगर, पठानकोट । **हिमाचल प्र. के** - कांगडा, चंबा, धर्मसाला, नागरोटा, नूरपुर, भाकरा प्रोज डेम, योल । **पाकिस्तान के** - इसा खेल, गुजरांवाला, जफरवाल, मियांवाली, रामनगर, लालामुसा, वजीराबाद, सरगोधा, सिआलकोट इत्यादि (उत्तर अक्षांशा: ३२ से ३३ तक वाले सभी) नगरों के लिए -

…	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशोदय पलानि

|| लग्न सारणी || घटी-पल || भूगोलिक अक्षांश: ३२° ३०', अयनांश: २४° १५', अ.व्यंगु. पलभा ७।३६, चरखण्डा: ७३।४०, ६०।२९, २४।५८

जम्मू और कश्मीर क्षेत्र - ऊधमपुर, कठुआ, जम्मू, रामनगर, लद्दाख प.भा. । **पंजाब क्षेत्र** - गुरदासपुर, डेराबाबा नानक, दीनानगर, पठानकोट । **हिमाचल प्र. क्षेत्र** - कांगड़ा, चंबा, धर्मसाला, नागरोटा, नूरपुर, भाकरा प्रोज डैम, योल । **पाकिस्तान क्षेत्र** - इसा खेल, गुजरांवाला, जफरवाल, मियांवाली, रामनगर, लालामुसा, वजीराबाद, सरगोधा, सिआलकोट इत्यादि (उत्तर अक्षांश: ३२ से ३३ तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशोदय पलानि
मेष	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	२०५/२०
०	४४	५१	५८	५	१२	१९	२७	३४	४१	४८	५६	३	११	१८	२६	३३	४१	४९	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१७	२५	६/५१
वृष	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	२३८/३६
१	३४	४२	५१	५९	८	१७	२६	३४	४३	५२	२	११	२०	२९	३९	४८	५८	७	१७	२७	३६	४६	५६	६	१६	२७	३७	४७	५७	८	७/५७
मिथुन	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	२९६/५१
२	१८	२९	४०	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५२	३	१५	२६	३७	४९	१	१२	२४	३६	४७	५९	११	२३	३४	४६	९/५४
कर्क	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	३४६/४६
३	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	११/३४
सिंह	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	३५१/३४
४	५८	१०	२२	३४	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२०	३२	४४	५६	८	१९	३१	४३	५५	६	१८	३०	४२	५३	५	१७	२९	४०	११/५१
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३५२/५३
५	५२	४	१५	२७	३९	५०	२	१४	२५	३७	४९	१	१२	२४	३६	४७	४९	११	२३	३४	४६	५८	१०	२१	३३	४५	५७	८	२०	३२	११/४६
तुला	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	३५२/५३
६	४४	५६	८	१९	३१	४३	५५	७	१९	३१	४३	५५	७	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	७	१९	३१	११/४६
वृश्चिक	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	३५१/३४
७	४३	५५	७	१९	३१	४३	५५	७	१९	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५३	५	१७	२९	४०	५२	४	१५	२७	३८	५०	१	१२	२४	११/५१
धनु	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	३४६/४६
८	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२४	३५	४५	५६	६	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५६	६	१५	२५	३४	११/३४
मकर	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	२९६/५१
९	४३	५३	२	११	२०	२९	३८	४६	५५	४	१२	२१	२९	३८	४६	५४	३	११	१९	२७	३५	४३	५१	५९	६	१४	२२	२९	३७	४५	९/५४
कुंभ	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	२३८/३६
१०	५२	५९	७	१४	२१	२९	३६	४३	५०	५७	५	१२	१९	२६	३३	४०	४६	५३	०	७	१४	२१	२७	३४	४१	४८	५४	१	८	१५	७/५७
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२०५/२०
११	२१	२८	३५	४१	४८	५५	१	८	१५	२१	२८	३५	४१	४८	५५	१	८	१५	२१	२८	३५	४२	४९	५५	२	९	१६	२३	३०	३७	६/५१

|| लग्न सारणी || घटी-पल || अक्षांश: ३३° ३०', अयनांश: २४° १५', अ.व्यंगु. पलभा ७।५३, चरखण्डा: ७६।४०, ६२।५५, २६।००

जम्मू और कश्मीर क्षेत्र - अनंतनाग, किस्तवार, कोट्ली, जेस्कर, नौशेरा, पदम, पीर पंजी पास, पूंछ, भदरावाह, मीरपुर । **पाकिस्तान क्षेत्र** - अटोक, ईबटाबाद, इस्लामाबाद, कहूटा, कोहट, तक्षशिला, बानू, रावलपिण्डी, हसन अबदल इत्यादि (उत्तर अक्षांश: ३३ से ३४ तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशोदय पलानि
मेष	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	२०२/२६
०	४२	४९	५५	२	१०	१७	२४	३१	३८	४५	५३	०	७	१५	२२	३०	३७	४५	५२	०	८	१६	२४	३१	३९	४७	५६	४	१२	२०	६/४५
वृष	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	२३६/१०
१	२९	३७	४६	५४	३	११	२०	२९	३८	४७	५६	५	१४	२३	३३	४२	५२	१	११	२१	३०	४०	५०	०	१०	२०	३१	४१	५१	२	७/५२
मिथुन	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	२९५/४८
२	१२	२३	३३	४४	५५	५	१६	२७	३८	४९	०	१२	२३	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	५४	६	१८	३०	४१	५३	५	१७	२९	४०	९/५२
कर्क	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	३४७/४९
३	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४१	५३	५	१७	२९	४१	५३	५	१७	२९	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	११/३६
सिंह	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	३६२/००
४	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	२९	४१	५३	५	१७	२९	४०	५२	४	१६	२८	४०	१२/०४
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३५५/४७
५	५१	३	१५	२७	३९	५०	२	१४	२६	३७	४९	१	१३	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४७	५९	११	२३	३५	४७	५९	१०	२२	३४	११/५२
तुला	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	३५५/४७
६	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४७	५९	११	२३	३५	४७	५९	११	२३	३५	११/५२
वृश्चिक	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	३६२/००
७	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	४९	११	२३	३४	४६	५८	१०	२१	३३	४४	५६	७	१९	३०	१२/०४
धनु	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	३४७/४९
८	४१	५२	४	१५	२६	३७	४८	५८	९	२०	३१	४१	५२	२	१३	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	२	१२	२१	३१	४०	११/३६
मकर	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	२९५/४८
९	४९	५८	७	१६	२५	३४	४३	५२	०	९	१७	२६	३४	४३	५१	५९	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	३	१०	१८	२६	३३	४१	४८	९/५२
कुंभ	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	२३६/१०
१०	५५	३	१०	१७	२४	३२	३९	४६	५३	०	७	१४	२१	२८	३५	४२	४८	५५	२	९	१५	२२	२९	३५	४२	४९	५५	२	९	१५	७/५२
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२०२/२६
११	२२	२८	३५	४१	४८	५५	१	८	१४	२१	२७	३४	४१	४७	५४	०	७	१४	२०	२७	३४	४०	४७	५४	१	७	१४	२१	२८	३५	६/४५

|| लग्न सारणी || घटी-पल || भूगोलिक अक्षांशः ३४° ३०', अयनांशः २४° १५', अं.व्यंगु. पलभा ८।१२, चरखण्डाः ७१।३८, ६५।२६, २७।०५

जम्मू और कश्मीर के - कार्गिल, स्पारतक्षो, गुलमर्ग, गुराइस, डारस, बारामूला, मुज़फराबाद, लेह, वुलार, सोपुर, श्रीनगर। **पाकिस्तान के** - ऐबोटाबाद, खैबर पास, पेशावर, हरिपुर। **अफगानिस्तान के** - काबुल, जलालाबाद, लालपुरा इत्यादि (उत्तर अक्षांशः ३४ से ३५ तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशोदय पलानि
मेष	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	११९।२१
०	३९	४६	५३	०	७	१४	२१	२८	३५	४२	४९	५६	४	११	१८	२६	३३	४१	४८	५६	४	११	१९	२७	३५	४३	५१	५९	७	१५	६।३९
वृष	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	२३३।३९
१	२४	३२	४०	४९	५७	६	१५	२३	३२	४१	५०	५९	८	१८	२७	३६	४६	५५	५	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४५	५५	७।४७
मिथुन	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	२९४।४४
२	६	१६	२७	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२८	३९	५०	२	१३	२५	३७	४८	०	१२	२३	३५	४७	५९	११	२३	३५	९।४९
कर्क	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	३४८।५४
३	४७	५९	११	२३	३५	४७	५९	११	२३	३५	४७	०	१२	२४	३६	४८	०	१३	२५	३७	४९	१	१४	२६	३८	५०	२	१४	२७	३९	११।३८
सिंह	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	३६४।३१
४	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१५	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	३९	१२।०९
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३५८।४४
५	५१	३	१५	२६	३८	५०	२	१४	२६	३८	५०	२	१३	२५	३७	४९	१	१३	२५	३७	४९	१	१३	२५	३७	४९	१	१३	२५	३७	११।५७
तुला	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	३५८।४४
६	४९	१	१३	२५	३७	४९	१	१३	२५	३७	४९	१	१४	२६	३८	५०	२	१४	२६	३९	५१	३	१५	२७	४०	५२	४	१६	२८	४०	११।५७
वृश्चिक	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	३६४।३१
७	५३	५	१७	२९	४१	५३	५	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	५	१७	२९	४१	५३	४	१६	२८	३९	५१	२	१४	२५	३६	१२।०९
धनु	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	३४८।५४
८	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२६	३७	४८	५८	९	१९	२९	४०	५०	०	१०	२०	३०	३९	४९	५९	८	१८	२७	३६	४६	११।३८
मकर	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	२९४।४४
९	५५	४	१३	२२	३१	४०	४८	५७	६	१४	२३	३१	३९	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५१	५९	७	१४	२२	२९	३७	४४	५२	९।४९
कुंभ	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	२३३।३९
१०	५९	६	१३	२१	२८	३५	४२	४९	५६	३	१०	१६	२३	३०	३७	४४	५०	५७	४	१०	१७	२४	३०	३७	४३	५०	५६	३	९	१६	७।४७
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	११९।२१
११	२२	२९	३५	४२	४८	५५	१	८	१४	२१	२७	३३	४०	४६	५३	५९	६	१३	१९	२६	३२	३९	४५	५२	५९	५	१२	१९	२६	३२	६।३९

|| लग्न सारणी || घटी-पल || अक्षांशः ३५° ३०', अयनांशः २४° १५', अं.व्यंगु. पलभा ८।३०, चरखण्डाः ८२।४०, ६८।०१, २८।१२

जम्मू और कश्मीर के - कपालू, गोडवीन अस्टन, नंगा पर्वत, बालटिस्तान। **पाकिस्तान के** - चित्राल इत्यादि (उत्तर अक्षांशः ३५ से ३६ तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशोदय पलानि
मेष	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	११६।२७
०	३७	४३	५०	५७	४	११	१८	२५	३२	३९	४६	५३	०	७	१५	२२	२९	३७	४४	५२	५९	७	१५	२२	३०	३८	४६	५४	२	१०	६।३३
वृष	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	२३१।०४
१	१८	२७	३५	४३	५२	०	९	१८	२७	३५	४४	५३	२	१२	२१	३०	३९	४९	५८	८	१८	२७	३७	४७	५७	७	१७	२८	३८	४८	७।४२
मिथुन	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	२९३।३७
२	५९	९	२०	३१	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	१०	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	४२	५३	५	१७	२९	४१	५३	५	१७	२९	९।४७
कर्क	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	३५०।००
३	४१	५३	५	१७	२९	४१	५३	५	१८	३०	४२	५४	७	१९	३१	४३	५६	८	२०	३२	४५	५७	९	२२	३४	४६	५८	११	२३	३५	११।४०
सिंह	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	३६७।०६
४	४७	५९	१२	२४	३६	४८	०	१३	२५	३७	४९	१	१३	२५	३७	५०	२	१४	२६	३८	५०	२	१४	२६	३८	५०	२	१४	२६	३८	१२।१४
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३६९।४६
५	५०	२	१४	२६	३८	५०	२	१४	२६	३८	५०	२	१४	२६	३८	५०	२	१४	२६	३८	५०	२	१४	२६	३८	५१	३	१५	२७	३९	१२।०४
तुला	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	३६९।४६
६	५१	३	१५	२७	४०	५२	४	१६	२८	४१	५३	५	१७	२९	४२	५४	६	१८	३१	४३	५५	७	२०	३२	४४	५६	९	२१	३३	४६	१२।०४
वृश्चिक	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	३६७।०६
७	५८	१०	२२	३४	४७	५९	११	२३	३५	४७	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३५	४७	५९	११	२२	३४	४६	५७	९	२०	३२	४३	१२।१४
धनु	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	३५०।००
८	५४	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२२	३३	४४	५४	५	१५	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५५	५	१४	२४	३३	४३	५२	११।४०
मकर	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	२९३।३७
९	१	१०	१९	२८	३७	४५	५४	३	११	२०	२८	३६	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४०	४८	५६	३	११	१९	२६	३३	४१	४८	५५	९।४७
कुंभ	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	२३१।०४
१०	३	१०	१७	२४	३१	३८	४५	५२	५९	५	१२	१९	२६	३२	३९	४६	५२	५९	५	१२	१९	२५	३२	३८	४५	५१	५७	४	१०	१६	७।४२
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	११६।२७
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	४३	[illegible]	५५	१	७	१४	२०	२७	३३	३९	४६	५२	५९	५	११	१८	२४	३१	३७	४४	५०	५७	३	१०	१७	२३	३०	६।३३

स्वर्गीय पण्डित मनीरामजी शर्मा

दिनका चौघडिया.

र	च	मं	बु	गु	शु	श
उ	अ	रो	ला	शु	चं	का
चं	का	उ	अ	रो	ला	शु
ला	शु	च	का	उ	अ	रो
अ	रो	ला	शु	चं	का	उ
का	उ	अ	रो	ला	शु	च
शु	च	का	उ	अ	रो	ला
रो	ला	शु	चं	का	उ	अ
उ	अ	रो	ला	शु	चं	का



रात्रिका चौघडिया.

र	चं	मं	बु	गु	शु	श
शु	चं	का	उ	अ	रो	ला
अ	रो	ला	शु	च	का	उ
चं	का	उ	अ	रो	ला	शु
रो	ला	शु	चं	का	उ	अ
का	उ	अ	रो	ला	शु	चं
ला	शु	चं	का	उ	अ	रो
उ	अ	रो	ला	शु	चं	का
शु	चं	का	उ	अ	रो	ला

…यीनगरे श्रेष्ठो वेङ्कटेश्वरनामकः । मुद्रालयो वरीवर्ति नानाग्रन्थप्रकाशकः ॥१॥ यत्र प्रबन्धोऽनुदिनं प्रभूतो ददाति मोदं विदुषां जनानाम् ।
…ोमराजाधिकृतं च मान्यं मुद्रागृहे शोभित ईक्षणीयम् ॥ २ ॥ बहवः शास्त्रिणश्चात्र कृतशास्त्रपरिश्रमाः । अनेकविद्याकुशला नियुक्ताः शोधकर्मणि ॥३ ॥
…ाधानुकूलानेकविधकीलकयोजने । निपुणाः सन्ति चान्येऽपि बहवः कार्मणा जनाः ॥४॥



राशि मेष स्वामी भौम क्षत्रिय वर्ण चतुष्पाद चरस्व लालरंग | रा. वृषभ स्वा. शुक्र वैश्य वर्ण च. स्था. स्थि. स्व. श्वेत रं. | रा. मिथुन स्वा. बुध शूद्रवर्ण मा. जा. द्विस्व. हरितरं. | रा. कर्क स्वामी चन्द्र विप्रवर्ण जलचर जा. चरस्व पाटलरंग | रा. सिंह स्वा. सू. क्षत्रियवर्ण स्थि. स्व. धूम्ररं. चतुष्पाद



रा. मीन स्वा. गु. विप्रवर्ण जलचरजा. द्विस्व. पीतरंग

पूर्व मानव पंचांगस्य गणितम् तत्कालीन सीकरनरेशाज्ञानुसारं पंडित मनीराम शर्मणा कृतं मुंबापुर्य्यां श्रीकृष्णसुतेन क्षेमराजेन स्वकीये श्रीवेंकटेश्वर (स्टीम्) मुद्रणागारे मुद्रितम् प्रकाशितञ्च। गणकगणानां प्रीत्यै पंचांगमिदम् रामटेकड़ी औद्योगिक क्षेत्र पुणे स्थित खेमराज श्रीकृष्णदासाधिकृत श्रीवेंकटेश्वर स्टीम् मुद्रणालये मुद्रणालयाध्यक्षार्थ संजय बजाज महोदयेन मुद्रितम् प्रकाशितञ्च।



रा. कन्या स्वा. बुध मानवजा. वैश्यवर्ण द्विस्व. चित्रविचित्र रंग



रा. कुम्भ स्वा. श. शूद्रवर्ण मा. जा. स्थि. स्व. श्यामरंग | रा. मकर स्वा. श. वैश्यवर्ण ज. जा. चरस्व. लालपीतरं. | राशि धन स्वा. गुरु क्षत्रियवर्ण मा. जा. द्विस्व. पीतरंग | रा. वृश्चिक. स्वा. भौम. विप्रवर्ण की. जा. स्थि. स्व. श्वे. रं. | रा. तुला स्वा. शु. मा. जा. शू. व. चरस्व कृष्ण रंग